Open Bible Stories Translation Notes

संस्करण 5.3

[ur-deva]

कॉपीराइट और लाइसेंसिंग

Open Bible Stories Translation Notes
तारीख: 2019-12-24
संस्करण: 5.3
द्वारा प्रकाशित: Door43

Open Bible Stories
तारीख: 2019-09-17
संस्करण: 5.1
द्वारा प्रकाशित: BCS

Translation Academy
तारीख: 2021-08-05
संस्करण: 10.1
द्वारा प्रकाशित: BCS

translationWords
तारीख: 2018-09-05
संस्करण: 8.3
द्वारा प्रकाशित: BCS

License

Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0)

This is a human-readable summary of (and not a substitute for) the full license found at http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/.

You are free to:

- **Share** — copy and redistribute the material in any medium or format
- **Adapt** — remix, transform, and build upon the material for any purpose, even commercially.

The licensor cannot revoke these freedoms as long as you follow the license terms.

Under the following conditions:

- **Attribution** — You must give appropriate credit, provide a link to the license, and indicate if changes were made. You may do so in any reasonable manner, but not in any way that suggests the licensor endorses you or your use.
- **ShareAlike** — If you remix, transform, or build upon the material, you must distribute your contributions under the same license as the original.

No additional restrictions — You may not apply legal terms or technological measures that legally restrict others from doing anything the license permits.

Notices:

You do not have to comply with the license for elements of the material in the public domain or where your use is permitted by an applicable exception or limitation.

No warranties are given. The license may not give you all of the permissions necessary for your intended use. For example, other rights such as publicity, privacy, or moral rights may limit how you use the material.

विषयसूची

Open Bible Stories Translation Notes **10**
1. पैदाइश 10
2. गुनाह दुनया में दाखिल होता है - 36
3. सैलाब 51
4. अब्रहाम के साथ खुदा का मुआहदा 69
5 . वादे का बेटा 81
6. खुदा इज़हाक़ के लिए शरीक –ए-हयात का इंतज़ाम करता है - 97
7. खुदा याक़ूब को बरकत देता है 105
8. खुदा यूसुफ़ और उसके खानदान को बचाता है 119
9.खुदा मूसा को बुलाता है 138
10 . दस वाबाएं 156
11. फ़सह 171
12. ख़ुरूज 179
13 . बनी इस्राईल के साथ खुदा का मुआहदा 197
14. बयाबान में घूमना फिरना 218
15. वादा किया हुआ मुल्क 236
16. छुटकारा देने वाले 252
17. खुदा का अहद दाउद के साथ 275
18 , तक़सीम शुदा हुकूमत 291
19. अंबिया 305
20. जिलावतनी और वापसी 326
21. खुदा मसीहा का वादा करता है 346
22 . यूहन्ना की पैदाइश 368
23. येसु का जन्म 378
24 .युहन्ना येसु को बपतिस्मा देता है - 391
25 . शैतान येसु की आज़माइश करता है - 402
26. यीशु अपनी ख़िदमत शुरू करता है 412
27 . अच्छे सामरी की कहानी 425
28 . दौलतमंद जवान हाकिम 439
29 .बे-रहम नौकर की कहानी 452
30 . यीशु पांच हज़ार लोगों को खिलाता है 465
31. यीशु पानी पर चलता है 474
32 . यीशु एक बदरुह के मारे शख्स को और एक बीमार औरत को शिफ़ा देता है - 483
33 . किसान की कहानी 501
34 . यीशु दूसरी कहानियां सिखाता है 512
35 .रहमदिल बाप की कहानी 524
36 . यीशु की तब्दील -ए- हैयत 540
37 .यीशु लाज़र को मौत से जिलाता है 547
यीशु को फ़रेब दिया जाता है 560
39 .यीशु का मुक़द्दमा किया जाना 580
40 . यीशु को सलीब दी गई 595
41 . खुदा यीशु को मुरदों में से जिलाता है 606
42 . यीशु आसमान पर सऊद फ़रमाता है 615
43. कलीसिया शुरू होती है 628
44 . पतरस और युहन्ना एक भीक मांगने वाले को शिफ़ा देते हैं - 644
45 स्तिफ़ुनुस और फिलिप्पुस 656
46 पौलुस एक मसीही बन जाता है 671
47 . फिलिप्पी में पौलुस और सिलास 684

48 यीशु वादा किया हुआ मसीहा है - 699
49 . खुदा का नया अहद 717
50 यीशु की दोबारा आमद 739

translationWords **761**
'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा 762
'ऐसौ 764
, क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह 765
अच्छा, भलाई 766
अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी 768
अबदियत, हमेशा के लिए, हमेशा की ज़िन्दगी 769
अमूरी, अमूरीयों 771
असूर, असूरी, असूरियों, असूर मुल्क 772
अहाब 773
आदम 774
आसमान, बादल, बादलों, आसमानी 775
आज़माइश करने, आज़माइश 777
इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला, 778
इब्राहीम, अब्राम 780
इब्राहीम, अब्राम 781
इब्राहीम, अब्राम 782
इस्माईल, इस्माईल, इस्माईल 783
इस्राईल की बादशाही 784
इस्राईल, इस्राईली 785
इस्राईल, इस्राईली 786
इस्राईल, इस्राईली 787
इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब 789
इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब 790
इस्हाक़ 791
इस्हाक़ 792
इस्हाक़ 793
ईमान 794
ईमान 795
ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी 796
उस्ताद, उस्तादों , ता’लीम देने वाला 798
एलिय्याह 799
ऐ’तिमाद, भरोसा, , भरोसेमंद, भरोसे के लायक़ ,भरोसे वाला 800
औरय्याह 801
कना’न, कना’नी ,कना’नियों 802
कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया 803
कालिब 805
काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा 806
कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन 808
ख़तना करना, ख़तना किया, ख़तना 809
खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था 811
गलील, गलीली, गलीलियों 813
गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना 814
घमण्ड, घमण्ड से, फ़ख्र, ग़ुरूर से भरा 816
चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही 817
जलाल,जलाल से मा’मूर, ता’रीफ़, ता'रीफ़ करता है 819
जहन्नुम, आग की झील 821
जिब'ऊन 822
जिब’ऊन , जिब’ऊनी , जिब’ऊनियों 823

जी उठना 824
जुर्म , मुजरिम 825
तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा 826
दस हुक्म 827
दाऊद 828
दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता 829
दुआ' कर, दुआ', दुआ'वों , दुआ'की 831
धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले 832
नजात, नजात देता है, नजात दिलाई , नजात दिलाना, नजात दिलाने वाला , ... 833
नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय 834
नबूकदनज़र 836
नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें 837
नातन 838
नासरत, नासरियों 839
नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी 840
ना'मान 841
निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, ... 842
नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी 843
नूह 844
नड़ समन्दर, लाल समुद्र 845
पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा 846
पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह 847
पाक, पाकीज़गी 849
पाक, पाकीज़गी 851
पिलातुस 853
पूरा कर, पूरा हुआ 854
पौलुस, शाऊल 855
फ़सह 856
फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह 857
फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह 858
फ़िलिप्पी, फ़िलिप्पियों 859
बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त 860
बतशबा' 862
बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह 863
बदरूहों से मुब्तिला 864
बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा 865
बरकत, मुबारक, बरकत देना 867
बरनबास 869
बर्रा, ख़ुदा का बर्रा 870
बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत 872
बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत 873
बादशाही, बादशाहियाँ 874
बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल 876
बा'ल 877
बुराई, बदकार, बदकारी 878
बेटे, बेटों 880
बेटे, बेटों 882
बेक़ुसूर 884
बेक़ुसूर 885
बैतलहम, इपफ़्रात 886
बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत 887
भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , ... 888

मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें 889
मरियम, 'ईसा की माँ 891
मसीह ,मसीहा 892
मसीही 894
मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों 895
मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी 896
मिस्र, मिस्री, मिस्रियों 897
मिस्र, मिस्री, मिस्रियों 898
मिस्र, मिस्री, मिस्रियों 899
मीरास होना, वरासत, हिस्सा, वारिस 900
मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला 902
मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की 904
मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया 906
मूसा 908
मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों 909
यरदन नदी, यरदन 911
यरमियाह 912
यरीहू 913
यरूशलीम 914
यशू'अ 915
यसा'याह 916
यहूदा इस्करियोती 917
यहूदाह, यहूदाह की बादशाही 918
यहूदियों, यहूदी 919
यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों 920
यहोवा 921
याहूदियों का बादशाह, यहूदियों का बादशाह 923
युरब'आम 924
यूसुफ़ (नया 'अहद नामा) 925
यूसुफ़ (पुराना 'अहद नामा) 926
यूसुफ़ (पुराना 'अहद नामा) 927
यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला) 928
यूहन्ना (रसूल) 929
यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , ... 930
यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , ... 932
रथ, रथों ,रथियों 934
रसूल, रसूलों, रिसालत 935
रहम, रहमदिल 936
रहूबियाम 938
रास्तबाज़, रास्तबाज़ी 939
राहब 941
रिब्क़ा 942
रिब्क़ा 943
रूह , रूहें , रूहानी 944
रोम, रोमी 946
रोज़ा, रोज़े, रोज़ा रखा, रोज़ा, रोज़ा रखना 947
लाज़र 948
ला'नत , ला'नती , ला'नत दे, कोसता है 949
वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया 950
वा'दे का मुल्क 951
शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत 952
शाऊल (पुराना 'अहद नामा) 954

शागिर्द, शागिर्दों 955
शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, ... 957
शैतान, शैतान, बुरा 959
सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त 961
सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले 963
सबत 964
सरदार काहिन 965
सलीब 967
सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया 968
सामरिया, सामरी 969
सारा, सारय 970
सीनै, सीनै पहाड़ 971
सीलास, सिल्वानुस 972
सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले 973
सुलैमान 974
सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा 975
हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात 976
हरामकारी ,हरामकार बदकार, हराम्कारियाँ ,हराम्कारियों ,हरामकारनी 977
हलीम, हलीम, हलीम बनाया, हलीमी 978
हव्वा 979
हाजिरा 980
हारून 981
हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला 982
हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, ... 983
हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, ... 984
हैकल 985
क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान 986
क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की 987
क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की 989
क़ुव्वत , ताक़तें 991
क़ौम, लोगों, लोग, एक 'अवाम 993
ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ... 995
ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक 997
ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही 999
ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, ... 1001
ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, ... 1003
ख़ुदावन्द 1005
ख़ुदावन्द 1007
ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा 1009
ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप 1011
ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय 1013
ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत 1015
ख़ून 1017
ख़ेमा-ए-इज्तिमा' 1018
ख़्वाब 1019
ख़्वाब 1020
ज़करियाह (नया'अहद नामा) 1021
ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा 1022
फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते 1024
'इबादत 1026
'ऐलान करना, 'ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा'ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी 1027
'अहद , 'अहदों,नया 'अहद 1029

'अक़्लमंद ,'अक़्ल 1031

योगदानकर्ताओं 1032

Open Bible Stories Translation Notes योगदानकर्ताओं 1032

Open Bible Stories योगदानकर्ताओं 1032

Translation Academy योगदानकर्ताओं 1032

translationWords योगदानकर्ताओं 1032

Open Bible Stories Translation Notes

1. पैदाइश

01:01

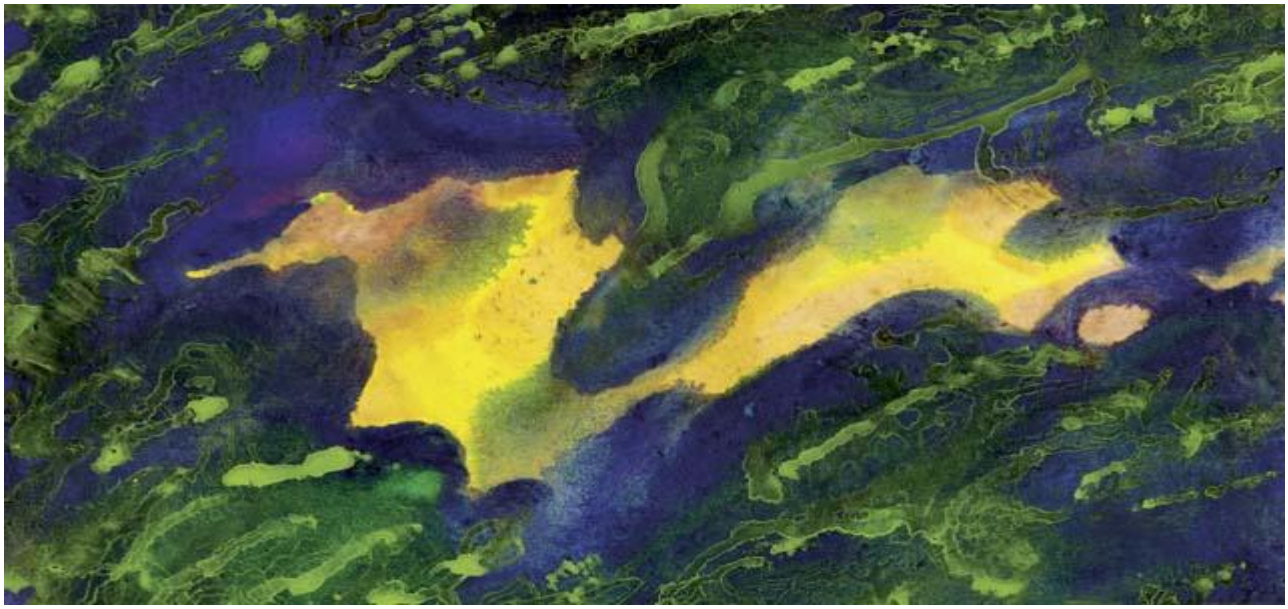

यह वह है कि किस तरह खुदा ने इब्तदा में हर एक चीज़ को बनाया- उसने काइनात और उसमें की हर एक चीज़ को छ: दिनों में तक़लीक़ की – बाद में खुदा ने **ज़मीन** को बनाया – वह **अँधेरा** और **ख़ाली** था ,उसमें उसने कोई चीज़ नहीं बनाई थी – मगर खुदा की रूह पानी की सतह पर जुम्बिश करती थी -

शुरुआत

यानी कि ख़ुदा को छोड़ किसी भी चीज़ के वजूद में आने से पहले “तमाम चीज़ों कि शुरुआत”

पैदा किया गया

यहाँ यह लफ़्ज़ इस मायने में इस्तेमाल किया गया है कि कुछ भी नहीं में से कुछ बनाया गया -

कायनात

यह हर उस चीज़ को शामिल करता है जो ख़ुदा ने ज़मीन व आसमान में चाहे वह देखी या दिखाई हों पैदा किया -

ज़मीन

लफ़्ज़ “ज़मीन“ यानि जिसमें पूरी दुनिया के लोग रहते हैं -

अँधेरा

वहां बिलकुल ही से अँधेरा था - रौशनी बिलकुल नहीं थी,जब तक कि ख़ुदा ने रौशनी नहीं बनाई थी -

ख़ाली

नंगी ज़मीन जो पानी से ढकी हुई थी उसे छोड़ ख़ुदा ने अब तक कुछ भी नहीं बनाया था -

कुछ भी नहीं उगा था

कोई भी चीज़ फ़र्क़ करने के लिए नहीं थी सिर्फ़ पानी हर चीज़ को ढके हुए था -

ख़ुदा का रूह

ख़ुदा का रूह , जिसे रूहुल क़ुदुस भी कहा जाता है शुरू में मौजूद था , ज़मीन पर आज़ादी से जुम्बिश कर रहा था ताकि वह सब चीज़ें पैदा करे जिसे पैदा करने के लिए मंसूबा बनाया था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- पाक, पाकीज़गी spirit]]

01:02

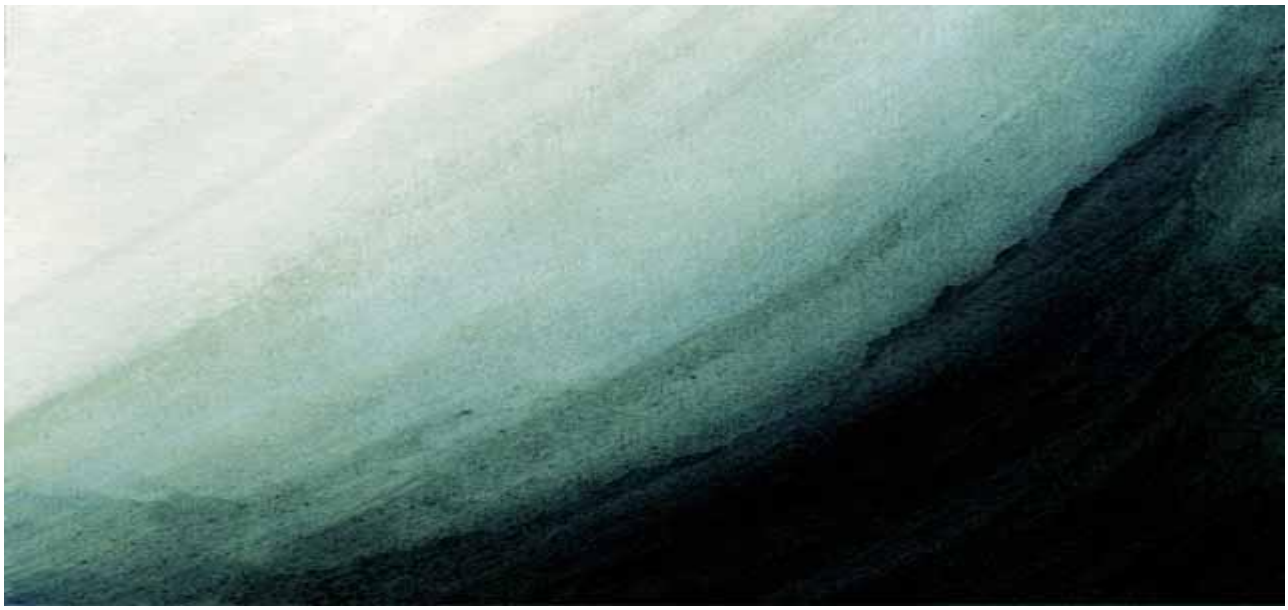

फिर **ख़ुदा ने कहा**, " **रौशनी** हो जा" सो रौशनी होगई –ख़ुदा ने देखा कि रौशनी अच्छी है और उसने उसे "दिन" कहा –उसने उसको अंधेरे से जुदा किया जिसको उसने "रात" कहा - तक़लीक़ के पहले दिन में ख़ुदा ने रौशनी बनाई -

ख़ुदा ने कहा

सादे तोर से अलफ़ाज़ के हुक्म के ज़रिये ख़ुदा ने रौशनी बनाई -

ऐसा हो जा

यह एक हुक्म है जिसके मुताबिक फ़ौरन ही वह चीज़ वाक़े हुई क्यूंकि वह ख़ुदा के ज़रिये कहा गया था - इसको यक़ीनी बयान के तौर पर भी बेहतर तरीक़े से तर्जुमा किया जा सकता है कि वह होकर रहेगा - मिसाल बतौर आप इस तरह तर्जुमा कर सकते थे , जैसे ख़ुदा ने कहा "रौशनी हो"

रौशनी

यह एक ख़ास रौशनी थी जो ख़ुदा ने बनाई – जबकि तब तक सूरज नहीं बनाया गया था -

अच्छा था

यह फिक़रा अक्सर तख़लीक़ की कहानी में दुहराया गया है , और ज़ोर देता है कि तख़लीक़ का हर एक दौर ख़ुदा को खुश कर रहा था और उसका मंसूबा और मक़सद पूरा कर रहा था -

तख़लीक़

यहाँ इस लफ्ज़ का इस्तेमाल उन छे - दिनों की मुद्दत का हवाला देता है जिन में हर वह चीज़ वजूद में आई जिसे ख़ुदा ने पैदा किया था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- अच्छा, भलाई

01:03

तक़लीक़ के दूसरे दिन ख़ुदा ने कहा “पानियों के ऊपर फ़ज़ा हो “ और वहां एक फ़ज़ा हो होगई – खुदा ने इस फ़ज़ा को **आसमान** कहा -

दूसरा दिन

ख़ुदा कि तख़लीक़ का काम बा - क़ाइदा , बा-मक़सद और सिलसिलेवार था – जो कुछ उसने हर दिन बनाया वह एक दुसरे पर और पिछले दिनों पर मुनहसिर था -

ख़ुदा ने फ़रमाया

ख़ुदा ने आसमान को अपने लफ़्ज़ों के हुक्म से बनाया -

बनाया

ख़ुदा ने आसमान को कुछ नहीं में से बनाया -

आसमान

यह ज़मीन के ऊपर तमाम ख़ला को ज़ाहिर करता है ,इस में वह हवा भी शामिल है जिसमें हम सांस लेते हैं और आसमान -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

01:04

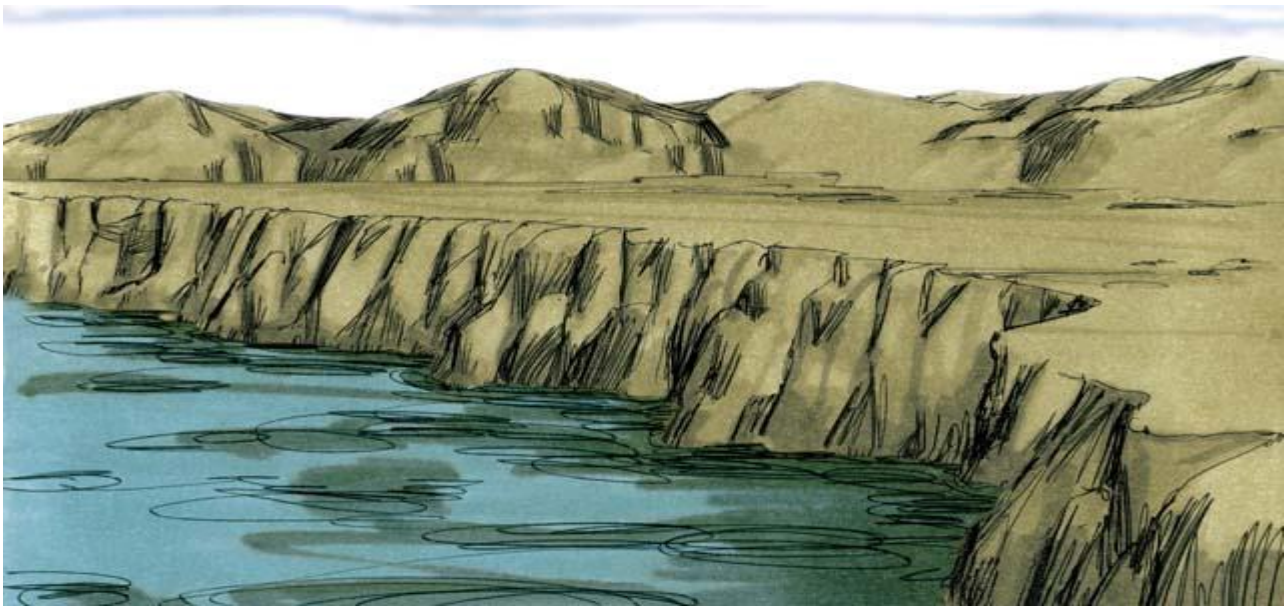

तीसरे दिन खुदा ने कहा “पानी एक जगह जमा हो जिससे कि खुश्की नज़र आए “ और ऐसा ही हुआ –उसने खुश्की को “**ज़मीन**“ कहा, और जो पानी जमा हो गया था उसे “समुन्दर” कहा-खुदा ने जो तक़लीक़ की थी उसे देखा और कहा “अच्छा है “

तीसरा दिन

तख़लीक़ के सिलसिलेवार दिनों में अगले दिन ख़ुदा ने ज़मीन की ज़िन्दा चीज़ों को बनाया -

ख़ुदा ने फ़रमाया

ख़ुदा ने अपने लफ़्ज़ों के हुक्म से सूखी ज़मीन बनाई -

ज़मीन

यह लफ़्ज़ यहाँ पर धूल या मिटटी का हवाला देने के लिए इस्तेमाल किया गया है जिस से कि सूखी ज़मीन बनाई गई थी -

पैदा किया

यह लफ़्ज़ यहाँ पर कुछ नहीं में से कुछ बनाने का ख़याल ज़ाहिर करता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- अच्छा, भलाई

01:05

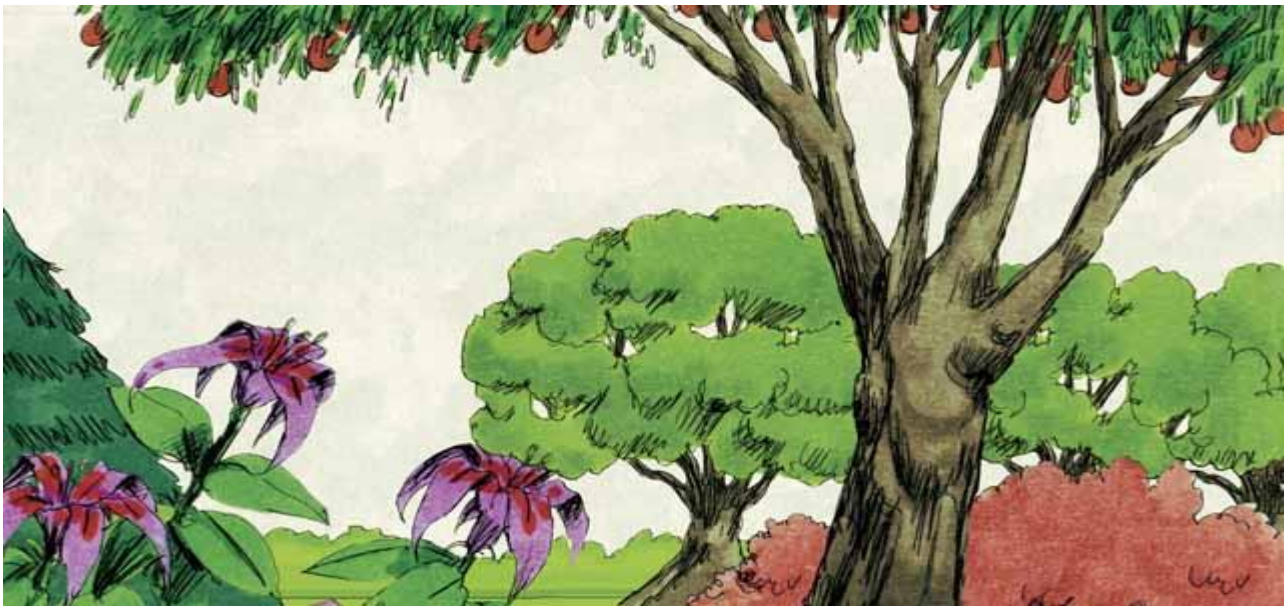

फिर ख़ुदा ने कहा “ज़मीन हर तरह के पौदों और फलदार दरख्तों से फलें – और ऐसा ही हुआ – ख़ुदा ने जो तक़लीक़ की थी उसे उसने देखा और कहा “अच्छा है” -

ख़ुदा ने कहा

ख़ुदा ने तमाम नाबातियात अपने कलाम के हुक्म से पैदा किये -

ज़मीन ख़ुद उगाए

यह एक हुक्म था जो फ़ौरन ही वाक़े हुआ क्यूंकि ख़ुदा ने कलाम किया था -

तमाम क़िस्म के

तमाम जिन्स ओ अक़साम के पेड़ पौदे और दरख़्त जो बीज रखते थे -

पैदा किया

यह लफ़्ज़ कुछ नहीं में से कुछ बनाने के ख़याल को ज़ाहिर करने के लिए इस्तेमाल किया गया है -

अच्छा था

यह फ़िक़रा तख़लीक़ की कहानी के दौरान अक्सर दुहराया गया है , और यह ज़ोर देता है कि तख़लीक़ का हरेक दौर ख़ुदा को ख़ुश कर रहा था और उसके मंसूबे और मक़सद को पूरा कर रहा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

- अच्छा, भलाई

01:06

तक़लीक़ के चौथे दिन खुदा ने कहा “फ़लक पर नय्यर हों” और सूरज और चाँद तारे ज़ाहिर हुए ,खुदा ने उनकी तक़लीक़ की कि ज़मीन पर **रौशनी** डाले , और दिन और रात की , और सालों की एक निशानी ठहरे- खुदा ने जो तक़लीक़ ली थी उसने उसे देखा और कहा “अच्छा है” -

चौथा दिन

तखलीक़ के सिलसिलेवार दिनों में अगले दिन जो ख़ुदा ने बनाया -

ख़ुदा ने फ़रमाया

ख़ुदा ने सूरज चाँद और सितारे अपने कलाम के हुक्म से बनाए -

रौशनी

आसमान में रौशनी देने वाले नय्यर अब ज़मीन को रौशनी दे रहे थे -

दिन और रात , मौसम और साल

ख़ुदा ने फ़र्क़ फ़र्क़ छोटे बड़े अनवार निशानों , ज़मानों , दिनों और बरसों के इम्तियाज़ के लिए बनाए ताकि यह ज़माने के आख़िर तक लगातार दुहराये जाते रहें -

पैदा किया

इस लफ़्ज़ का इस्तेमाल यहाँ पर कुछ नहीं में से कुछ बनाने का ख़याल ज़ाहिर करता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

- अच्छा, भलाई

01:07

पांचवें दिन खुदा ने कहा “पानी जानदारों से भर जाए , और आसमान में परिंदे उड़ा करे – यह उसी तरह हैं जिन्हें खुदा ने बनाए , जो पानी में तैरते हैं और **तमाम परिंदे** जो हवा में उड़ते हैं , खुदा ने देखा कि वह सब अच्छे हैं और उसने **उन्हें बरकत दी**

पांचवां दिन

ख़ुदा तख़लीक़ के सिलसिले को जारी रखता है जो उसने पिछले चार दिनों के दौरान शुरू किया था -

ख़ुदा ने कलाम किया

ख़ुदा ने अपने कलाम के हुक्म से आसमान के परिंदे और पानी के जानदार बनाए

हर एक जानदार जो तैरता है

ख़ुदा न सिर्फ़ मछलियाँ बनाईं बल्कि पानी के तमाम जानदारों को बनाया -उन में से हर एक मौजूद है क्यूंकि ख़ुदा ने अपनी मर्ज़ी से उन्हें बनाया था -

तमाम परिंदे

ख़ुदा ने सिर्फ़ एक क़िस्म के परिंदे नहीं बनाए थे बल्कि मुख़्तलिफ़ क़िस्म , शक्ल , साइज़ , औररंग बिरंगे परिंदे बनाए थे -

वह अच्छा था

यह फ़िक़रा तख़लीक़ की कहानी में बार बार दुहराया गया है यह बताने के लिए कि तख़लीक़ का हरेक दौर ख़ुदा की हिकमत भरे मंसूबे के ऐन मुताबिक़ था -

उन्हें बरकत दी

ख़ुदा अपनी ख़्वाहिश का बयान करता है कि वह फलें फूलें , बार्वर और बरोमंद हों ,ताकि जहाँ उनको रखा गया है दुनिया में सब कुछ ठीक हो -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- अच्छा, भलाई
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

01:08

तक़लीक़ के छट्टे दिन खुदा ने कहा “सब तरह के ज़मीन के जानवर पैदा हों” और ऐसा ही हुआ जिस तरह खुदा ने कहा था – कुछ तो चौपाए थे ,कुछ **ज़मीन पर रेंगने वाले** , और कुछ जंगली जानवर थे – खुदा ने यह देखकर कहा “अच्छा है “

छट्टा दिन

तख़लीक़ के सिलसिले को जारी रखते हुए अगला वाक़िया -

ख़ुदा ने कहा

ख़ुदा का कलाम वसीला था जिसके ज़रिये सारी चीजें वजूद में आईं जिस में जानवर भी थे -

सब तरह के (सब क़िस्म के)

यह इशारा करता है कई एक अक़साम के , मगर निज़ाम के साथ

ज़मीनी जानदार

हर क़िस्म के जानवर जो ज़मीन पर रहते थे परिंदों के मुक़ाबले में या उन जानवरों के मुक़ाबले में जो संमुन्दर में रहते हैं -

खेती बाड़ी के लायक़ जानवर

ज़मीनी जानवर वह हैं जो लोगों के साथ बे खटके रहते हैं - जैसे पालतू जानवर या वोह जानवर जिन्हें सुधारा जा सकता है -

ज़मीन पर रेंगने वाले

यह ग़ालिबन ज़मीन में रेंगने वाले , और मुमकिन तौर से कीड़े मकोड़ों में गिने जाते हैं -

वहशी जानवर

यह उस क़िस्म के जानवर हैं जो आम तौर से लोगों के साथ बे खटके नहीं रहते ,क्यूंकि वह लोगों से डरते हैं या उनके लिए ख़तरा हैं -

यह अच्छा था

यह फ़िक़रा तख़लीक़ की पूरी कहानी में बार बार दुहराया गया है जो यह ज़ाहिर करता है कि हरेक क़दम सचमुच में ख़ुदा के शातिर मनसूबे और मक़सद के ऐन मुताबिक़ चल रहा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- अच्छा, भलाई

01:09

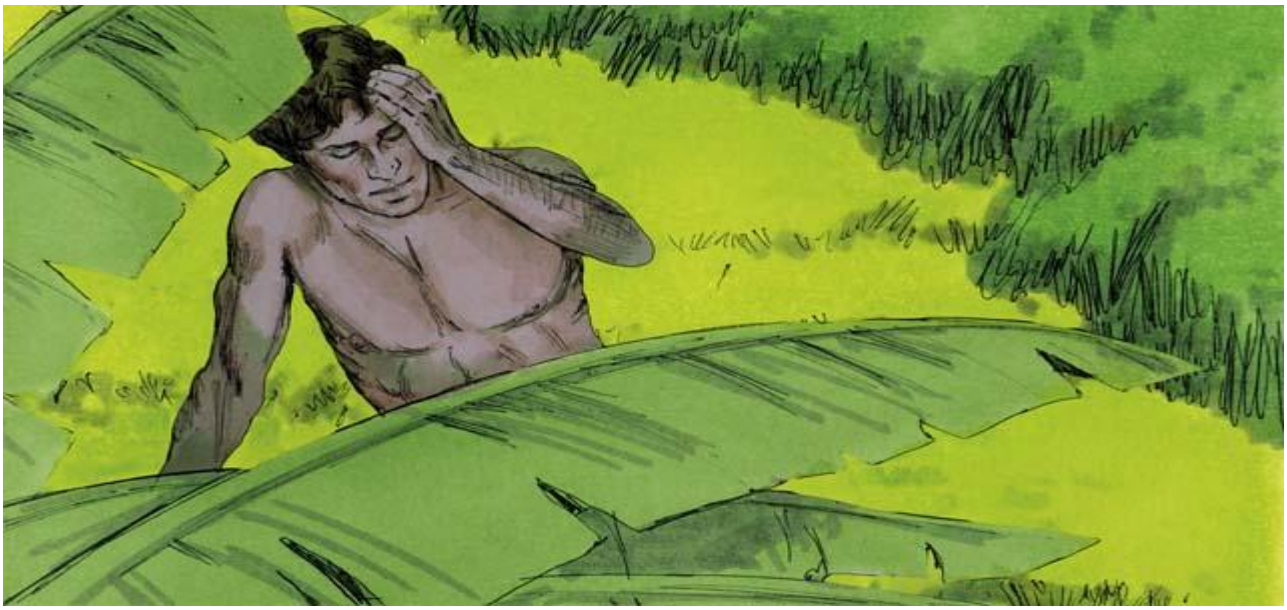

तब खुदा ने कहा," **आओ हम** इंसान को **अपनी सूरत पर** बनाएं , ताकि वह हमारी शबीह पर हों , ताकि वह ज़मीन पर और तमाम जानवरों पर हुकूमत करे -

आओ हम

यह इशारा करता है ख़ुदा ने सोच समझकर , अपनी मंशा और मर्ज़ी के मुताबिक फ़ैसला लेने के ज़रिये इंसान को एक ख़ास तरीक़े से एक ख़ास मक़सद के लिए बनाया - आप इसको इसतरह तर्जुमा कर सकते हैं ,"हम बनाएँगे "

बाइबिल सिखाती है कि एक ही ख़ुदा है ,मगर पुराने अहदनामे का लफ़्ज़ "ख़ुदा" एक जमा' का वजूद है और ख़ुदा जब ख़ुद कि बाबत बात करता है तो जमा का ज़मीर इस्तेमाल करता है - कुछ लोग इसे ख़ुदा के बात करने का ख़ास तरीक़ा समझते हैं जो ख़ुदाके जाह ओ जलाल को ज़ाहिर करता है - और दुसरे इस तरह समझते हैं कि ख़ुदा बाप जैसे बेटे और रूहुलक़ुदुस से बात कर रहा हो जो कि यह तीनों ख़ुदा हैं -

अपनी सूरत पर

एक सूरत या शबीह किसी चीज़ या किसी शख़्स की जिस्मानी नुमाइंदगी को ज़ाहिर करता है बनी इंसान कुछ इस तौर से बनाए गए हैं कि हम ख़ुदा की ख़ुबियों या ख़ुसूसियतों का किरदार निभाते या उन्हें पेश करते हैं -

हमारी तरह

बनी इंसान ख़ुदा की कुछ सीरतों को बाँटसकते हैं मगर हरगिज़ उसकी माहियत को नहीं बाँट सकते इस फ़िक़रे का तर्जुमा यह ज़ाहिर करता है कि इंसान ख़ुदा के जैसा है मगर उसके बराबर हरगिज़ नहीं है

इख़्तियार

ख़ुदा ने लोगों को ताक़त और इख़्तियार दिया कि ज़मीन और उसके जानवरों पर किस तरह क़ाबू पायें और उन को इस्तेमाल में लाएं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

01:10

सो खुदा ने ज़मीन से थोड़ी सी मिटटी ली और उसे **आदम**ी की शक्ल दी और उसमें जिंदगी का दम फूँका उस आदमी का नाम आदम था – खुदा ने एक बड़ा **बाग़** लगाया जहाँ आदम रह सकता था और वहां उसको रखा कि बाग़ की रखवाली करे -

कुछ मिटटी ली

ख़ुदा ने इंसान को मिटटी से बनाया या ज़मीन की सूखी मिट्टी से - यह लफ़्ज़ गालिबन आम लफ़्ज़ से फ़र्क़ होना चाहिए जो ज़मीन के लिए इस्तेमाल किया गया है -

उसको शक्ल दी

यह लफ़्ज़ ज़ाहिर करता है कि ख़ुदा ने शख़्सी तौर से इंसान को शक्ल दी इसका मवाज़िना करते हुए कि किस् तरह एक शख़्स अपने हाथों से कोई चीज़ बनाता है -इस बात का यक़ीन करें कि इसके लिए कोई दूसरा लफ़्ज़ इस्तेमाल किया गया है –इस बात को नोट करें कि इंसान को बनाने में और दीगर चीज़ों को बनाने में बहुत फ़र्क़ है -

एक आदमी

इस वक़्त सिर्फ़ एक आदमी को बनाया गया था -औरत जब बनाई गई थी तो उस को दूसरे तरीक़े से बनाया गया था -

ज़िन्दगी का दम फूँका

यह फ़िक़रा ज़ाहिर करता है कि ख़ुदा का अज़हद शख़्सी ,बे तकल्लुफ़ अमल था जो उसने अपनी ज़िन्दगी का एक हिस्सा आदम के जिस्म् में मुन्तक़ल किया यह मवाज़िना करते हुए कि एक इंसान किस तरह खुली हवा में सांस लेता है

ज़िन्दगी

इस अहम् वाक़िया में ख़ुदा ने इंसान के अन्दर जिस्मानी और रूहानी दोनों ज़िन्दगी अता कीं -

आदम

आदम के नाम का मतलब पुराने अहद नामे में “आदमी” मगर इसका असली मतलब मिटटी है जिस से वह लिया गया था या बनाया गया था -

बाग़

ज़मीन का वह रक़बा जिस में फलों के पेड़ पौधे लगाए गए हों इस मक़सद से कि उस में फल उगे या ख़ूबसूरती मुहैया कराए -

उसकी हिफ़ाज़त के लिए

बाग़ की असलियत बनाए रखने के लिए ज़रूरी था कि उसकी रखवाली की जाए , छांटा जाए , पानी दिया जाए फ़स्ल काटी जाए और नए पौधे लगाए जाएँ वग़ैरा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- आदम

01:11

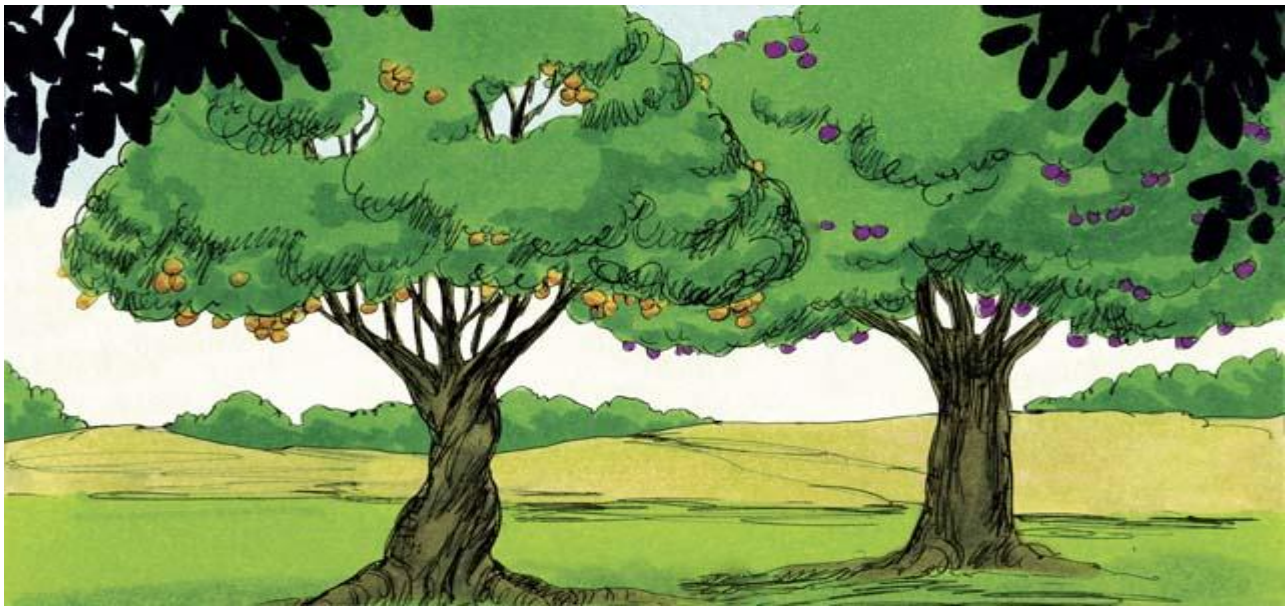

बाग़ के बीचों बीच खुदा ने दो ख़ास दरख़्त लगवाए ----एक जिंदगी का दरख़्त , दूसरा **नेक व बद की पहचान का दरख़्त** – खुदा ने आदम से कहा कि वह बाग़ के किसी भी दरख़्त का फल खा सकता था सिवाए नेक व बद की पहचान के दरख़्त का फल जिसे उस को नहीं खाना था – अगर वह उसका फल खाए तो मर जाएगा -

दर्मियान

मरकज़ी जगह दोनों दरख्तों की अहमियत को ज़ाहिर करती है

बाग

ज़मीन का वह रक़बा जिस में फलों के पेड़ पौदे लगाए गए इस , मक़सद से कि उसमें फल उगें या ख़ूबसूरती मुहय्या कराएँ -

ज़िन्दगी का दरख़्त

जो कोई इस दरख़्त में से फल खाए वह कभी नहीं मरेगा

नेक व बद की पहचान का दरख़्त

इस दरख़्त का फल एक शख़्स को भले और बुरे कि पहचान कराता था -

इल्म

शख़्सी तजरुबे के ज़रिये जानना और समझना -

भला और बुरा

बुराई अच्छाई का उल्टा है ,जिसतरह अच्छाई बताती है कि कौनसी चीज़ ख़ुदा को खुश करती है ,बुराई हर उस चीज़ को ज़ाहिर करती हैजो ख़ुदा को खुश नहीं करती -

मर जाना

इस मख़सूस सूरत में वह जिस्मानी तौर से और रूहानी तौर से मर जाएगा

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- अच्छा, भलाई
- बुराई, बदकार, बदकारी
- आदम
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

01:12

फिर खुदा ने कहा, “आदमी के लिए **अकेला** रहना **अच्छा नहीं**“, मगर जानवरों में से कोई भी आदम का मददगार नहीं हो सकता था -

अच्छा नहीं

तख़्लीक़ में पहली बार कुछ ऐसा हुआ कि एक बात अच्छी नहीं हुई - इसका मतलब यह था कि “अब तक अच्छा नहीं हुआ” क्यूंकि ख़ुदा ने इन्सान कि तख़्लीक़ खत्म नहीं की थी -

अकेला

सारी तख़लीक़ में सिर्फ़ आदम ही एक इन्सान था जो किसी दूसरे के साथ मेल नहीं खाता था , और बच्चे पैदा नहीं कर सकता था और नस्ल की अफ़ज़ाइश नहीं कर सकता था -

आदम की मददगार

वहां आदम कि मानिंद कोई नहीं था जो उसके साथ शरीक हो सके ताकि उस काम को पूरा करे जो उसे सोंपा गया था - कोई जानवर भी उसे नहीं कर सकते थे -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- [[rc://*/tw//dict/bible/kt/god]]
- अच्छा, भलाई
- आदम

01:13

सो खुदा ने आदम को गहरी नींद में सुलादिया – फिर खुदा ने आदम की पसलियों में से एक को निकाला और उस से **एक औरत** बनाई और उसे आदम के पास ले आया -

एक बहुत गहरी नींद

यह आम नींदों से बहुत ज़ियादा गहरी नींद थी -

आदम की पसलियों में से एक को निकाला और बनाया

यह अफ़आल जो आदम में से पसली को निकालना और उसे औरत का शक्ल देना ,यह ख़ुदा की अपना मख़्सूस काम था -

एक औरत

वह दुनिया की पहली थी , बनी इन्सान की नारी ज़ात जो अब तक ग़ायब थी -

आदम के पास उसे लाया गया

ख़ुदा ने शख्सी तौर से उन दोनों का तआरुफ़ कराया – उसने उस औरत को आदम के लिए एक ख़ास नज़राना बतौर पेश किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- आदम

01:14

जब आदम ने उस औरत को देखा तो उसने कहा, "आखिर –ए– कार यह मेरी जैसी है , यह **नारी** कहलाएगी क्योंकि यह नर से निकाली गयी है - इसी लिए आदमी अपने मांबाप को छोड़ेगा और अपनी बीवी के साथ एक होकर रहेगा "-

आख़िरकार

आदम का तजस्सुस इशारा करता है कि वह औरत ही की तरह किसी चीज़ का इंतज़ार कर रहा था -

मेरी मानिंद

औरत आदम ही की तरह मख़लूक़ थी हालाँकि उन दोनों में ख़ास अफ़राक़ थे -

नारी

यह लफ़्ज़ नर के लफ्ज़ के लिए मुअननस लफ़्ज़ है -

नर से बनाई गयी

औरत को बराहे रास्त आदम के अपने जिस्म से शक्ल दिया गया -

एक आदमी छोड़ता है

इसको असली इब्रानी ज़बान में ज़माना –ए- हाल में बयान किया गया है यह इशारा करने के लिए कि मुस्तक़बिल में आम हालात कैसे होंगे -उस वक़्त आदम के मां या बाप नहीं थे मगर उस के बाद सब आदमी के मां बाप ज़रुर होंगे -

एक होंगे

शोहर और बीवी एक्ता के एक नज़दीकी बंधन को बांटेंगे और एक दूसरे के लिए पाबंद होंगे - यह दीगर किसी और रिश्ते से सबक़त ले जाएगा (बेहतर साबित होगा) -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- [[rc://*/tw/dict/bible/other/आदम]]

01:15

खुदा ने आदमी और औरत दोनों को अपनी सूरत पर बनाया – उसने उन्हें बरकत दी और उनसे कहा “बहुत से बचचे , नाती नातन , पोता पोती पैदा करो - अपनी नसल की अफ़ज़ाइश करो और ज़मीन को भरदो – और खुदा ने देखा कि हर एक चीज़ जो उसने बनाई थी बहुत ही अच्छी है , और वह उन सब को देखकर बहुत ख़ुश हुआ और यह सब कुछ तक़लीक़ के छट्टे दिन हुआ -

ख़ुदा ने बनाया

ख़ुदा ने आदमी और औरत को एक बहुत ही मख़्सूस तौर से बनाया -

उसकी अपनी शबीह पर

एक शबीह किसी शख़्स या चीज़ का जिस्मानी मज़हिरा है ख़ुदा ने लोगों को बनाया ताकि ख़ुदा की कुछ ख़ुबियों का किरदार निभाएं या उस की नुमाइंदगी करे ना कि उस कि बराबरी करे -

बहुत अच्छा

पिछले दिनों के खुदा के बयानात के मुक़ाबले में जो वह कह रहा था कि “अच्छा है”उस ने कहा कि “बहुत अच्छा है” यह तमाम मख्लुक़ात की तरफ़ इशारा कर रहा था -न सिर्फ़ आदमी और औरत बल्कि हर चीज़ जो उसने अपनी मंशा से पैदा की थी

तख़लीक़

उन छः दिनों के दौरान जो खुदा ने हर एक चीज़ को बनाया वह आज मौजूद नज़र आते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- अच्छा, भलाई

01:16

जब **सातवां दिन** आया तो ख़ुदा ने उन सब कामों को जिन्हें वह कर रहा था ख़तम किया – उसने **सातवें दिन को बरकत दी** और उसे **पाक ठहराया** , क्यूंकि उसने उस दिन तख़लीक़ के कामों को बन्द कर दिया था – इस तरह से ख़ुदा ने **काएनात** और उसमें की सारी चीजों की तख़लीक़ की -

सातवां दिन

छः दिन की तख़्लीक़ पूरा हो जाने पर अगले दिन -

उसने अपने काम को ख़त्म किया

मख़्सूस तौर से ख़ुदा ने तख़लीक़ के काम को पूरा किया-वह अब भी दूसरे काम को अंजाम देता है -

ख़ुदा ने आराम किया

ख़ुदा ने "आराम किया" वह इस मायने में कि उसने काम करना बंद किया क्यूंकि तख़लीक़ का काम ख़त्म हो चूका था - इसका मतलब यह नहीं कि ख़ुदा थक गया था ,या काम को जारी नहीं रख सकता था -

सातवें दिन को बरकत दी

ख़ुदा के पास सातवें दिन के लिए एक ख़ास अस्बाती मंसूबा था और हर एक सातवें दिन की तख़्लीद के लिए -

पाक ठहराया

यह ख़ुदा है जिसने इस दिन को एक ख़ास दिन बतौर "अलग किया" इसको दीगर छः दिनों की तरह इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए -

काएनात

यह शामिल करता है उन सब चीज़ों को जिसे ख़ुदा ने असमान और ज़मीन के अन्दर बनाया – चाहे वह देखी हों या अनदेखी इसे काएनात कहते हैं -

बाइबिल से ली गई एक कहानी

यह हवालाजात कुछ बाइबिल के तर्जुमों में हलके से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/होली]]

_पैदाइश 1 – 2 बाब से बाइबिल की एक कहानी _

2. गुनाह दुनया में दाखिल होता है -

02:01

आदम और उसकी बीवी उस खूबसूरत **बाग़** में जिसे खुदा ने उनके लिए बनाया था बड़ी ख़ुशी से रहने लगे थे – उन दोनों में से किसी ने भी कपड़े नहीं पहने हुए थे –मगर यह उन के लिए शर्मिंदा महसूस करने का सबब नहीं था , क्यूंकि ज़मीन पर गुनाह नहीं था – वह अक्सर बाग़ में चला फिरा करते थे और खुदा से रिफ़ाक़त कर बातें किया करते थे -

बाग़

कुछ ख़ास दरख्तों और पौधों का मजमूआ जो ख़ुदा ने आदम और हव्वा की शादमानी के लिए खुदा ने तैयार किया था कि उस में से खाए और खुश रहे - यह वही लफ्ज़ होनी चाहिये जो 01:11 – आप देखें कि वहां आप ने किस तरह तर्जुमा किया था -

ख़ुदा से बात करते थे

लफ्ज़ “बात करना” बिलकुल वैसे ही जैसे कि आम तौर पर आदमियों से बात करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है - हो सकता है कि आदमी और औरत से बात करने के लिए खुदा एक जिस्म इख्तियार किया हो – जबकि इबारत यह इशारा करती है कि उन्हों ने रूबरू होकर बात किया था -

शर्म , शर्मिंदगी

वह एहसास जो खुद को गुनाहगार जानकर पैदा होता है या हम किसी तरह से खतावार समझ बैठते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc://*/tw/dict/bible/other/आदम]]
- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

02:02

मगर उस बाग़ में एक **सांप** रहता था – वह बहुत ही **मक्कार** और चालाक था – उसने औरत से पुछा "क्या खुदा ने सच – मुच तुमसे कहा है कि बाग़ के **किसी भी दरख़्त का फल** नहीं खाना?"

मक्कार

चालाक और रियाकार धोका देने का मंशा रखने वाला -

सांप

एक दराज़ किया हुआ (लम्बा) , बगैर पांव वाला ज़मीनी हैवान जो अब अपने पेट के बल सरकता है – हालांकि इस कहानी के बाद में ज़ाहिर किया गया है कि यह सांप ही शैतान है यहाँ इस फ्रेम में नहीं कहना चाहिए -

क्या सच मुच खुदा ने तुम से कहा है

सांप ने औरत से पूछा कि क्या सच मुच ख़ुदा ने तुम से कहा है कि बाग़ के दरख़्तों का फल तुम नहीं खाना – मगर वह सिर्फ़ न जानने का बहाना कर रहा था कि ख़ुदा ने औरत से क्या कहा था इसलिए कि वह औरत के दमाग़ में शक पैदा कर रहा था -वह चाहता था कि ख़ुदा की भलाई पर औरत एक सवालिया निशान ठहराए -

किसी भी दरख़्त का फल

बाग़ में मुख्तलिफ़ किस्म के दरख़्त थे और उन सब तरह तरह के फल होते थे -

तर्जुमे के अल्फाज़

- ख़ुदावन्द

02:03

औरत ने जवाब दिया," हम बाग़ के किसी भी दरख़्त का **फल** खा सकते हैं सिवाए उस दरख़्त के फल में से जो नेक व बद की पहचान के दरख़्त का फल है – खुदा ने हम से कहा है कि अगर तुम उसका फल खाओ या फिर छुओगे तो **तुम मर जाओगे**-"

फल

हम नहीं जानते कि वह किस तरह का फल था – हम सिर्फ़ यह जानते हैं कि यह इस दरख़्त का फल था -अगर होसके तो यह बेहतर होगा कि फल के लिए एक आम लफ़्ज़ का इस्तेमाल करें न कि एक तरह के फल का -

नेक –ओ- बद की पहचान के दरख़्त का फल -

औरत सहीह् तौर से समझ गई थी कि इस एक दरख़्त के फल में से खाने कि इजाज़त नहीं है जो उन्हें नेक ओ बद की पहचान कराएगा -

तुम मर जाओगे

मौत के लिए आप अपने आम लफ़्ज़ का इस्तेमाल करें जो एक शख़्स के लिए जिस्मानी ज़िन्दगी ख़त्म करने के लिए होती है – इस नाम दिए गए लफ़्ज़ को नज़र अंदाज़ मत कीजिये क्यूंकि मौत की सोच भी बहुत नागवार होती है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- अच्छा, भलाई
- बुराई, बदकार, बदकारी
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

02:04

सांप ने औरत को जवाब दिया, "यह सच नहीं है , तुम नहीं मरोगी ,बल्कि खुदा जानता है कि जैसे ही तुम उस फल को खाओगी तुम खुदा की मानिंद हो जाओगी और नेक व बद को जान्ने लगोगी जैसा वह जानता है "-

ख़ुदा की मानिन्द

जब आदमी और औरत को बनाया गया था तो ख़ुदा की सूरत पर ही बनाया गया था - मगर सांप सलाह दे रहा था कि अगर औरत बुराई को समझ लेगी तो ख़ुदा की तरह खुदा की मानिंद हो जाएगी - मगर किसी तरह ,ख़ुदा की मंशा औरत के लिए कभी नहीं थी कि वह इस जानकारी हासिल करे -

नेक ओ बद की पहचान

यह पहले से ही जान रखना कि क्या कुछ सही या गलत है , और शख्सी तजुर्बे से जानना कि कौन सी चीजें अच्छी और कौनसी चीजें बुरी , इन दोनों में फ़र्क़ होता है -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त
- [[rc:en/tw/dict/bible/other/death]]
- [[rc/en/tw/dict/bible/kt/god]]
- अच्छा, भलाई
- बुराई, बदकार, बदकारी

02:05

औरत ने जो देखा कि फल देखने में ख़ुशनुमा और खाने में लज़ीज़ मालूम पड़ता है , और वह अक़लमन्द भी बनना चाहती थी तो उसने दरख्तों के कुछ फलों को लिया और खाया , फिर उसने अपने शौहर को भी दिया जो उस के साथ था , और उसने भी खाया -

अक़्लमंद

औरत चाहती थी कि उसको बसीरत और समझ हासिल हो जिस तरह सांप में दिखाई देती थी , और जिस तरह ख़ुदा के पास मौजूद है -

औरत के साथ कौन था

यह बहुत ही ख़ास जानकारी है क्यूंकि यह दिखाता है कि आदमी वहां पर मौजूद था जब औरत ने उस फल को खाने का फ़ैसला लिया था -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- 'अक़्लमंद ,'अक़्ल

02:06

अचानक उन दोनों की आँखें खुल गयीं और उन्हें मालूम हुआ कि वह नंगे हैं , उन दोनों ने पेड़ के पत्तों को सीकर कपड़े बनाने के ज़रिये अपने जिस्म को ढांकने की कोशिश की -

उनकी आँखें खुल गईं

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ,"उन्होंने चीज़ों को फ़र्क़ तरीक़े से देखा" - इस इज़हार का मतलब था कि अब वह पहली बार कुछ चीज़ों को समझने लगे थे - आपकी ज़ुबान में ऐसा ही मायने रखने वाला एक इज़हार हो सकता है जो आप यहाँ तर्जुमे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं -

उनहोंने महसूस किया कि वह नंगे हैं

ख़ुदा कि नाफ़रमानी के बाद आदमी और औरत ने शर्म महसूस की कि वह दोनों नंगे हैं – इसलिए उन्होंने पेड़ के पत्तों को सीकर अपने लिए लुंगियां बनाईं कि अपने नंगे बदन को ढँक सके -

अपने बदनों को ढांकना

आदमी और औरत ने पेड़ के पत्तों का इस्तेमाल किया कि वह खुद को ख़ुदा से छिपाएं -

02:07

फिर आदम और उसकी बीवी बाग़ में से चलते हुए खुदा की आवाज़ सुनी – वह दोनों खुदा से छिप गए – फिर खुदा ने आदम को पुकारा, "तुम कहाँ हो"? आदम ने जवाब दिया "मैंने तुझे बाग़ में चलते हुए सुना और मैं डर गया – क्यूंकि मैं नंगा था इसलिए छिप गया"-

ख़ुदा चल रहा था

ऐसा लगता है कि ख़ुदा हर दिन आदमी और औरत के साथ टहलने और बातचीत करने बाग़ में आया जाया करता था -हम नहीं जानते कि यह कैसा लग रहा था -अगर मुमकिन है तो यह बेहतर होगा कि उसी लफ़्ज़ का इस्तेमाल करें जो एक आदमी के चलने के लिए इस्तेमाल किया जाता है -

तुम कहाँ हो ?

इस सवाल के जवाब को ख़ुदा पहले से ही जानता था -इस सवाल का मक़सद यह था कि आदमी और औरत को मजबूर करे कि वह क्यूँ ख़ुदा से छिप रहे थे उन्हें समझाए -

तर्जुमे के अल्फाज़

- ख़ुदावन्द
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/आदम]]

02:08

फिर खुदा ने पूछा, “तुमको किसने कहा कि तुम नंगे हो”? क्या तुमने वह फल खाया जिस के लिए मैं ने कहा था कि न खाना”? आदम ने जवाब दिया ,” तूने यह जो औरत मुझे दी थी उसने मुझे फल खाने को दिया “ फिर खुदा ने औरत से पूछा,”तूने यह क्या किया?” औरत ने जवाब में कहा “ सांप ने मुझ से मककारी की”

तुम को किस ने कहा कि तुम नंगे हो ?

या ,”तुम ने कैसे मालूम किया कि तुम नंगे थे ? ख़ुदा पहले से ही अपने तमाम सवालात के जवाब जनता था -इस सवाल को पूछते हुए ख़ुदा ने आदम को एक मौक़ा दिया कि वह अपनी नाफ़रमानी के गुनाह को क़बूल करे – नंगे होना कोई गुनाह नहीं था क्यूंकि ख़ुदा ने उन्हें उसी हालत में बनाया था मगर परेशानी यह थी कि नंगे होने की समझ उनको कहाँ से आई ? उनकी शर्मिंदगी बतला रही थी कि उन्होंने गुनाह किया था -

औरत ने मुझे फल खाने को दिया

आदमी ने औरत पर इलज़ाम लगाया बजाए इसके कि अपनी नाफ़रमानी का इक़रार करे और ख़ुदा की ना फ़रमानी के लिए ज़िम्मेवरी को क़बूल करे -

यह तुम ने क्या किया ?

या , “तुम ने यह क्यूँ किया” ? ख़ुदा पहले से ही इस सवाल के जवाब को जानता था - इस सवाल को पूछने के ज़रिये खुदा औरत को मौक़ा दे रहा था कि वह अपना जुर्म क़बूल करे - इसके साथ ही ख़ुदा औरत को यह इशारा कर रहा था कि जो उसने किया उसको वैसा नहीं करना चाहिए था -

सांप ने मेरे साथ चाल चली

सांप ने औरत को धोका दिया या उसको गुमराह किया -इसके लिए ऐसा किसी लफ़्ज़ का इस्तेमाल न करें कि सांप ने उसपर जादू या टोना किया या अफ़्सून किया -औरत ने सांप पर इलज़ाम लगाया बजाए इसके कि अपनी नाफ़रमानी का इक़रार करे और ख़ुदा के तईं नाफ़रमानी के लिए अपनी ज़िम्मेवरी को क़बूल करे -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द

02:09

खुदा ने सांप से कहा "**तुम लानती हो** , तुम पेट ले बल चला करोगे और मिटटी चाटोगे, तुम और औरत आपस में नफ़रत करोगे , और तम्हारी औलाद भी आपस में नफ़रत करेंगी, और औरत की नसल तुम्हारे सर को कुचलेगी और तू उसकी एड़ी को डसेगा "-

तुम लानती हो

इसको ऐसा भी तर्जुमा किया जा सकता है , "मैं तुम्हें लानत करता हूँ" "तुम पर बड़ी तकलीफ़ आएगी"- ऐसा कोई लफ़्ज़ इस्तेमाल न करें जो जादू के लिए करते हैं -

एक दुसरे से नफ़रत करो

औरत सांप से नफ़रत करेगी और सांप औरत से - औरत की नस्ल भी सांप की नस्ल से नफ़रत करेगी और सांप की नस्ल औरत की नस्ल से नफ़रत करेगी -

औरत की नस्ल

यह ख़ास तोर से एक दुसरे की नस्ल का हवाला देता है -

तेरे सर को कुचलेगा

औरत की नस्ल सांप की नस्ल को तबाह -ओ- बर्बाद कर देगी -

एड़ी पर डसेगा

सांप कि नस्ल औरत की नस्ल को लगातार ज़ख़्मी करती रहेगी -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द

- ला’नत , ला’नती , ला’नत दे, कोसता है
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/decendant]]

02:10

खुदा ने फिर औरत से कहा,"मैं तेरे दर्द –ए –हमल को बहुत बढ़ाऊंगा और तेरी रग़बत अपने शौहर की तरफ़ होगी और वह तुझ पर हुकूमत करेगा "-

दर्द के साथ बच्चा जनना

कुछ ज़बानों में इसको फ़ेएल के तोर पर पेश करने की ज़रूरत है - आप ऐसाकह सकते थे , " जब तू बच्चा जनेगी तो मैं तेरे हम्ल के दर्द को बहुत बढ़ाऊँगा "

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द

02:11

खुदा ने आदम से कहा " चूँकि तूने अपनी बीवी की बात मानी और मेरी बात नहीं मानी 'अब ज़मीन तेरे सबब से लानती हुई – तुझे फ़सल उगाने के लिए सख्त मेहनत करनी पड़ेगी – फिर तू मर जाएगा – तेरा जिस्म मिटटी में फिर से लौट जाएगा , आदम ने अपनी बीवी का नाम हव्वा रखा जिसका मतलब है जिंदगी देने वाली - इसलिए कि वह **तमाम लोगों की मां** बनेगी – और खुदा ने आदम और हव्वा को जानवर के चमड़े के कुरते बनाकर ढांक दिया-

ज़मीन लानती हुई

आदम की नाफ़रमानी की सज़ा बतौर ज़मीन आगे को अपना फल नहीं देगी ,पर अगर फल चाहिए तो आदम को बहुत ज़ियादा मेहनत ओ मशक़त करनी पड़ेगी -

तू मर जायेगा

उनकी नाफ़रमानी की आखरी सज़ा मौत थी -रूहानी मौत ख़ुदा से जुदाई है -और जिस्मानी मौत बदन से जुदा होना मायने रखता है -

मिटटी में वापस चला जाएगा

ख़ुदा ने आदम को मिटटी से बनाया था और उसे ज़िन्दगी दी थी – गुनाह के अंजाम बतौर उसकी ज़िन्दगी उस से ले ली जाएगी और उसका जिस्म तहलील होकर फिर मिटटी बन जाएगा -

हव्वा जिस के मायने हैं "ज़िन्दगी देने वाली"

ख़ुदा ने आदम और हव्वा को ज़िन्दगी बख़्शी और यह हर बच्चे के जनम के साथ मुन्तक़ल होता जाता है -

तमाम लोगों की मां

इसका मतलब है कि वह दुनिया के तमाम लोगों की मादा अजदाद है कुछ तर्जुमे कहते हैं कि "वह तमाम लोगों की दादी कहलाएगी"

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- ला'नत , ला'नती , ला'नत दे, कोसता है
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- हव्वा
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/आदम]]

02:12

फिर खुदा ने कहा " देखो इंसान नेक व बद की पहचान में हम में से एक की मानिंद हो गया है ,उन्हें हयात के दरख़्त से खाने नहीं देना चाहिए जिसे खाकर वह हमेशा के लिये ज़िन्दा रहे , इसलिए खुदा ने आदम और हव्वा को बाग़ से निकाल दिया , खुदा ने बाग़ के मद्ख़ल पर पर एक ज़बरदस्त फ़रिश्ते को रखा ताकि हयात के दरख़्त में से कोई खाने न पाए -

हमारी तरह नेक -ओ -बद को पहचानने में एक

यहाँ यह फ़िक़रा एक नए तरीक़े की तरफ़ इशारा करता है कि आदम और हव्वा ख़ुदा कि मानिंद बन जायेंगे -इसलिए कि उन्होंने गुनाह किया वह बुराई से वाक़िफ़ थे और उसका तजुर्बा भी कर सकते थे -आप ऐसा कह सकते हैं , इसलिए अब वह अच्छाई और बुराई दोनों को जानते थे -

फल

मखसूस तरह के फल को ज़ाहिर नहीं किया गया है ,इसलिए बेहतर होगा कि फल का आम लफ़्ज़ इस्तेमाल करते हुए तर्जुमा करें -

हयात का दरख़्त

दरअस्ल यह दरख़्त फल के साथ था – देखें 01:11 – अगर कोई शख्स इस फल को खा लेता तो वह लगातार ज़िन्दा रहता और कभी नहीं मरता -

बाइबिल से ली गई कहानी

इन हवालाजत में कुछ bible के तर्जुमों से हल्का सा फ़र्क़ हो सकता है -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- अच्छा, भलाई
- बुराई, बदकार, बदकारी
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/आदम]]

- हव्वा
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते

_पैदाइश के तीसरे बाब से बाइबिल की एक कहानी _

3. सैलाब

03:01

बहुत अरसा बाद दुनिया में बहुत से लोग रहते थे – वह शरारत पसंद और दहशत गर्द बन चुके थे – यह बहुत ही बुरा हुआ कि खुदा ने तमाम दुनिया को एक बड़े सैलाब के ज़रिये हलाक करने का फैसला किया -

बहुत अरसे के बाद

यह कहानी पैदाइश के बाद (सदियों साल बाद) कई पीड़ियों पर गुज़रती है -

बहुत बदकार और शरारत पसंद

यह कहना ज़ियादा दुरुस्त होगा कि “लोग बदकार हो गए थे और तशद्दुद के काम करने लगे थे” -

यह बहुत बुरा हुआ

यह कहना ज़ियादा साफ़ होगा कि “लोग इस तरह ज़रर पहुँचाने और बुरा रास्ता इख़्तियार किये हुए थे कि ख़ुदा“

ख़ुदा ने उन्हें तबाह करने का फ़ैसला किया

इस का मतलब यह नहीं कि ज़मीन पूरी तरह से बर्बाद की जाएगी – बल्कि ख़ुदा ने उन तमाम लोगों को बर्बाद करने का मंसूबा किया कि जिन्हों ने उस के ख़िलाफ़ बग़ावत की थी और जिन्हों ने इस तरह की बुराई और तशद्दुद का सबब बनाया था - यह सैलाब ज़मीन के जानवरों और परिंदों को भी हलाक करेगा -

बड़ा सैलाब

बहुत ही गहरा पानी पूरी ज़मीन को ढँक लेगा ,यहाँ तक कि उन जगहों को भी जहाँ कि ज़मीन आम तौर से सूखी होती है - यहाँ तक कि ऊँचे से ऊँचे पहाड़ की चोटियाँ भी ढँक जाएंगी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

03:02

मगर ख़ुदा नूह से ख़ुश था – वह एक रास्त्बाज़ शख्स था जो शरारत पसंद लोगों के बीच में रहता था – खुदा ने नूह से कहा कि वह ज़मीन पर बहुत बड़ा **सैलाब** लाने को है – इसलिए खुदा ने नूह से कहा कि एक बड़ी कश्ती की तामीर करे -

मेहरबान हुआ

ख़ुदा नूह से ख़ुश था क्यूंकि वह उसका ख़ौफ़ मानता था और उसका हुक्म बजा लाता था - इसलिए हालाँकि नूह बे गुनाह नहीं था फिर भी ख़ुदा का फ़ज़्ल उस पर था और उसे और उसके ख़ानदान को उस उजाड़ने वाले सैलाब से बचाने का मंसूबा बांधा -ऐसा कभी न सोचें कि नूह की क़िस्मत अच्छी थी कि वह इस बड़े ख़तरे से बच गया -

सैलाब

आप देखें कि आपने इसे कैसा तर्जुमा किया है 03:01

सैलाब भेजने का मंसूबा

ख़ुदा ने मन्सूबा किया कि बहुत ज़ियादा बारिश भेजने के ज़रिये गहरें पानी को सबब बनाएगा कि वह ज़मीन को ढँक ले यही उसने मंसूबा किया था कि बहुत ज़ियादा बारिश हो जिस से सैलाब उमंड पड़े -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- नूह
- ख़ुदावन्द
- रास्तबाज़, रास्तबाज़ी

03:03

खुदा ने नूह से कहा कि **कश्ती** 140 मीटर लम्बी, 23 मीटर चौड़ी और 13½ मीटर ऊंची होनी चाहिए – नूह को वह कश्ती लकड़ी की बनानी चाहिए थी जिस में तीन मंज़िल हो और कई सारे कमरे , छत और एक खिड़की हो - कश्ती नूह और उसका ख़ानदान और हर तरह के ज़मीनी जानवर को सैलाब के दौरान महफ़ूज़ रखेगा -

कश्ती

कश्ती इतनी बड़ी थी कि आठ लोग दुनिया के कुल ज़मीनी जानवरों और हवा के परिंदों में से एक एक जोड़े और उन सब के लिये क़रीब क़रीब एक साल का खाना ,ख़ुराक ,चारा वग़ैरा -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नूह

03:04

नूह ने खुदा की बात मानी - उसने और उसके तीन बेटों ने मिलकर कश्ती की तामीर की , जिस तरह ख़ुदा ने उनसे तामीर करने को कहा था – कश्ती को तैयार करने में बहुत साल लग गए क्यूंकि वह बहुत बड़ी थी – सैलाब जो आने वाला था उसकी बाबत नूह ने लोगों को आगाही दी थी , ख़बरदार किया था और उनसे कहा कि खुदा की तरफ़ फिरें – मगर उनहोंने उसपर एतक़ाद नहीं किया -

नूह ने ख़बरदार किया

नूह ने ख़ुदा के मंसूबे की बाबत हर एक को बताया कि गुनाह के सबब से ख़ुदा सारी दुनिया को तबाह करने पर है -

ख़ुदा कि तरफ फिरो

इसका मतलब यह था कि लोगों को गुनाह करना बंद करके ख़ुदा का हुक्म बजा लाना चाहिए था -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- नूह
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- अच्छा, भलाई

03:05

खुदा ने नूह और उसके ख़ानदान से यह भी कहा कि अपने लिए और जानवरों के लिए काफ़ी खुराक ज़खीरा करो – जब सब कुछ तय्यार था तब खुदा ने नूह से कहा अब वक़्त था कि वह और उसके तीन बेटे और उनकी बीवियां कश्ती में सवार हों ,यह सब आठ लोग थे -

आम मालूमात

(इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है -)

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc://*/tw//dict/bible/kt/god]]
- नूह

03:06

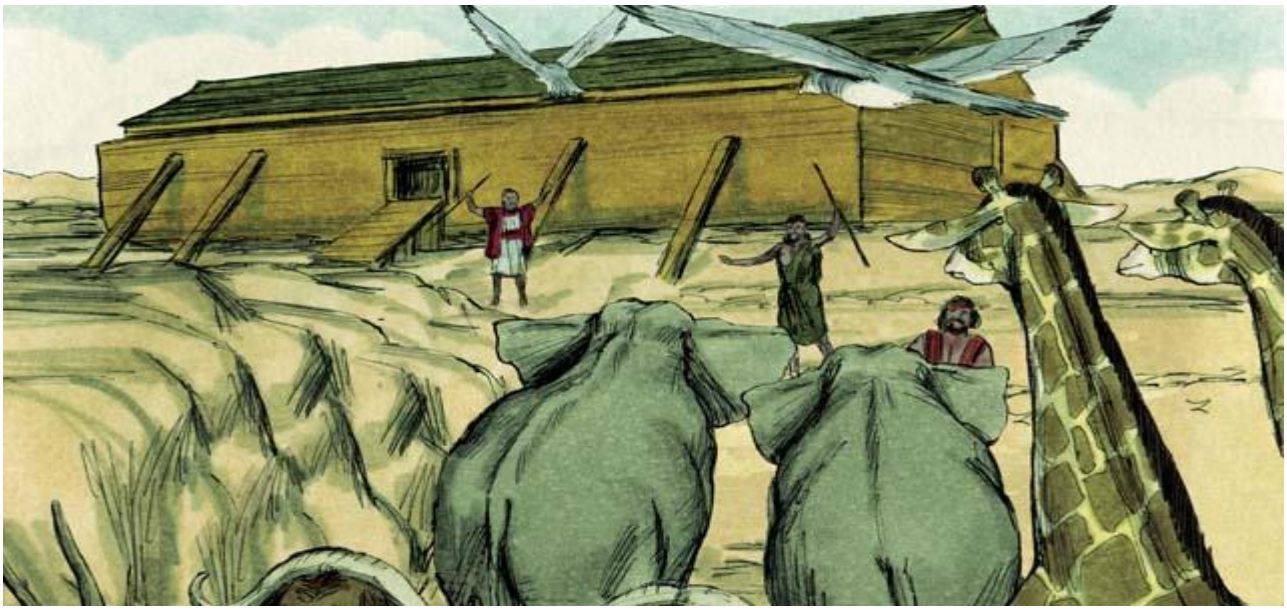

ख़ुदा ने हर एक जानवर में से नर और मादा , परिंदों में से कुछ नर और मादा नूह के पास भेजे थे ताकि वह कश्ती के अन्दर जाए और सैलाब के दौरान महफूज़ रहे –ख़ुदा हर एक क़िस्म के जानवर और परिंदों के सात –सात जोड़े याने नर और मादा भेजे थे ताकि उनकी नसल क़ायम रहे और क़ुर्बानी के लिए इस्तेमाल हो – जब वह सब के सब कश्ती में अन्दर मौजूद थे तब ख़ुदा ने ख़ुद ही बाहर से कश्ती का दरवाज़ा बन्द कर दिया था -

ख़ुदा ने भेजा

नूह के लिए ज़रूरत नहीं थी कि जानवरों को खोजकर पकड़ कर लाए -

क़ुरबानी के लिए इस्तेमाल किये गए

कुछ तर्जुमों में बेहतर तरीक़े से इस तरह लिखा गया है कि ,"जानवर जो ख़ुदा कि क़ुरबानी के लिए क़बूल करने लायक़ थे "ख़ुदा ने फ़ैसला किया था कि लोग जानवरों की ख़ुदा के हुज़ूर क़ुर्बानी अदा करे - मगर सिर्फ़ ख़ुदा ने उन्हें इजाज़त दी कि किस किस्म के जानवरों की क़ुरबानी दें -

ख़ुदा ने ख़ुद कश्ती का दरवाज़ा बंद किया

यह इस बात पर ज़ोर देता है कि किस ने कश्ती का दरवाज़ा बंद किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नूह
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें

03:07

फिर बारिश शुरू होगई , और बारिश हुई , और बारिश हुई , पुरे चालीस दिन चालीस रात लगातार बिना रुके मोसलधार बारिश हुई ! पानी ज़मीन के ऊपर बढ़ता ही चला गया था – सारी दुनिया की चीज़ें पानी से ढंक गईं यहाँ तक कि ऊंचे – ऊंचे पहाड़ भी एक –एक करके डूबने लगे -

बारिश हुई , और बारिश हुई , और बारिश हुई

यह जोर देता है कि ग़ैर मामूली तौर से ,बहुत ज़ियादा मिक़दार में बारिश हुई दूसरी ज़बानों में इस पर जोर देने का दूसरा तरीक़ा है -

फ़व्वारा फूट निकलना

यह इशारा करता है कि बहुत ज़ियादा मिक़दार में पानी ज़मीन से ऊपर आने लगा

सारी दुनिया पानी से ढँक गई

यह हवाला देता है कि सारी ज़मीन सैलाब के पानी से पूरी तरह ढँक गई -

03:08

सूखी ज़मीन पर जितने भी जानदार थे वह सब मर गए सिवाए उन लोगों और जानवरों के जो कश्ती में मौजूद थे – कश्ती पानी में तैरने लगी और हर एक चीज़ जो कश्ती के अन्दर थी वह डूबने से बच गयी -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

03:09

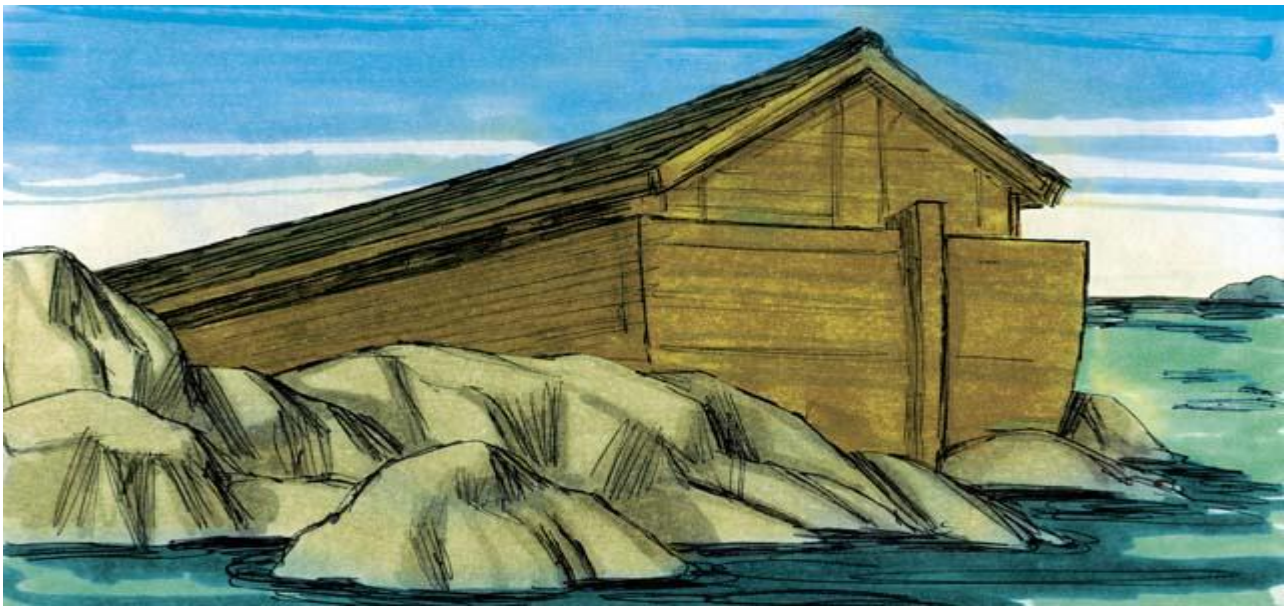

जब बारिश का गिरना बन्द हुआ तो कश्ती पांच महीने तक पानी में तैरती रही और उस दौरान पानी आहिस्ता –आहिस्ता घटना शुरू हुआ – फिर एक दिन कश्ती एक पहाड़ की चोटी पर जाकर टिक गया – मगर दुनिया अभी भी पानी से ढकी हुई थी , तीन महीने बाद पहाड़ों की चोटियाँ नज़र आने लगीं -

बारिश थम गई

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है “बारिश का गिरना बंद हो गया “-

कश्ती एक जगह पर टिक गयी

बारिश के पानी की मिक़दार इतनी था कि दुनिया के सारे पहाड़ डूब गए थे – कश्ती पहाड़ों के ऊपर तैरने लगी थी और जब पानी घटना शुरू हुआ तो कश्ती भी नीचे आने लगी और आख़िर कार एक ऊँचे पहाड़ पर टिक गयी -

तीन महीने और

अगले तीन महीने के दौरान पानी तेज़ी से घटने लगा -

पहाड़ नज़र आने लगे

इसको तर्जुमा करने का दूसरा तरीका यह होगा ,”दिखाई देने लगे थे” या “ज़ाहिर हुए” या “देखा जा सकता था” और भी सफ़ाई से ऐसा कहा जाएगा कि “तीन महीने के बाद पानी इतना घटने लगा था कि नूह और उसका खानदान साफ़ तौर से पहाड़ों कि चोटियाँ देख सकते थे -

03:10

फिर और चालीस दिन बाद नूह ने एक कव्वे को उड़ाया यह देखने के लिए कि पानी कितना कुछ सूखा था – कव्वे को टिकने के लिए सूखी जगह नहीं मिली तो वो वापस आगया -

कव्वा

एक काला परिन्दा जो कई तरह के पेड़ के फलों और जानवरों का गोश्त खाता है यहां तक कि गले सड़े मुर्दा जानवरों का गोश्त भी खाता है -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- नूह

03:11

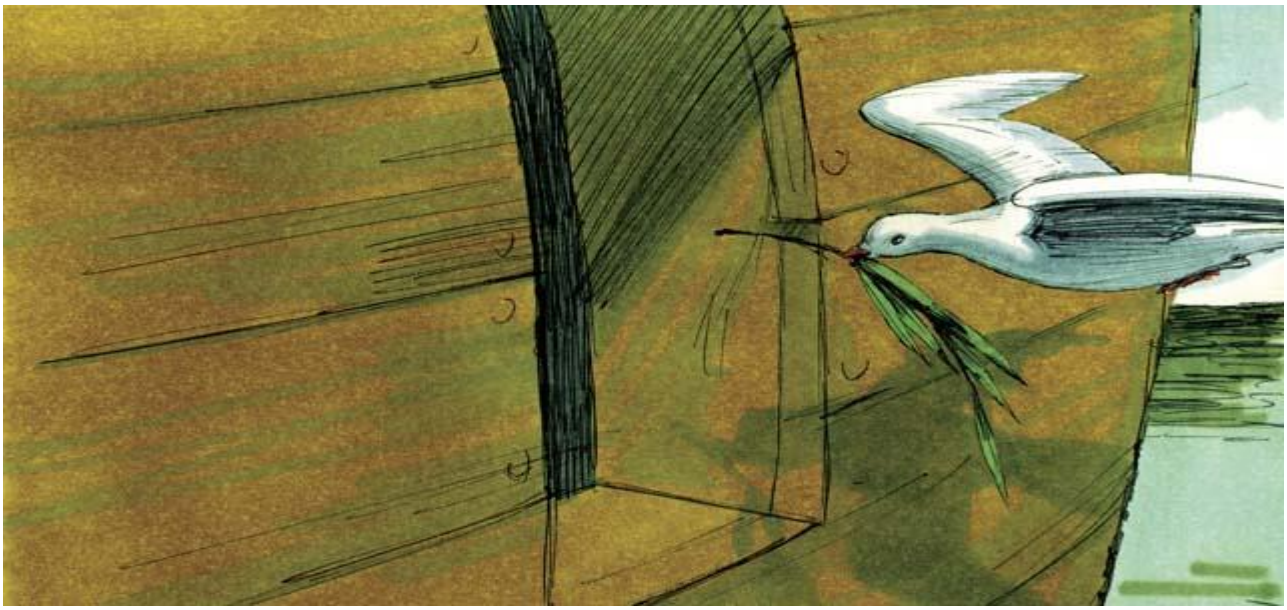

बाद में नूह ने एक फ़ाख़ते को उड़ाया –फ़ाक्ते को भी कोई सूखी ज़मीन न मिलने की वजह से वह नूह के पास वापस लौट आया – एक हफ़्ता बाद नूह ने उसी फ़ाक्ते को फिर से उड़ाया – अब की बार जब वह वापस उड़ कर आया तो उसकी चोंच में ज़ैतून का एक पत्ता था , जिससे ज़ाहिर था कि **पानी घट रहा था** और पेड़ पौधे बढ़ रहे थे

फ़ाख़्ता

एक छोटा सफ़ेद भूरे रंग का उड़ने वाला परिंदा जो बीज या फल खाता है -

ज़ैतून की शाख़

ज़ैतून का तेल लोग खाना पकाने में और बदन की मा लिश में इस्तेमाल करते हैं -अगर आपकी ज़बान में ज़ैतून की शाख़ के लिए कोई लफ़्ज़ नहीं है तो इस तरह तर्जुमा कर सकते हैं " एक दरख़्त की शाख़ जिसे ज़ैतून कहा जाता है" या "तेल के दरख़्त की एक शाख"-

पानी घट रहा था

आपकी ज़ुबां में ऐसा कहना ज़ियादा बेहतर होगा कि "पानी जा रहा था" या पानी की सतेह नीचे जारही थी -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- नूह

03:12

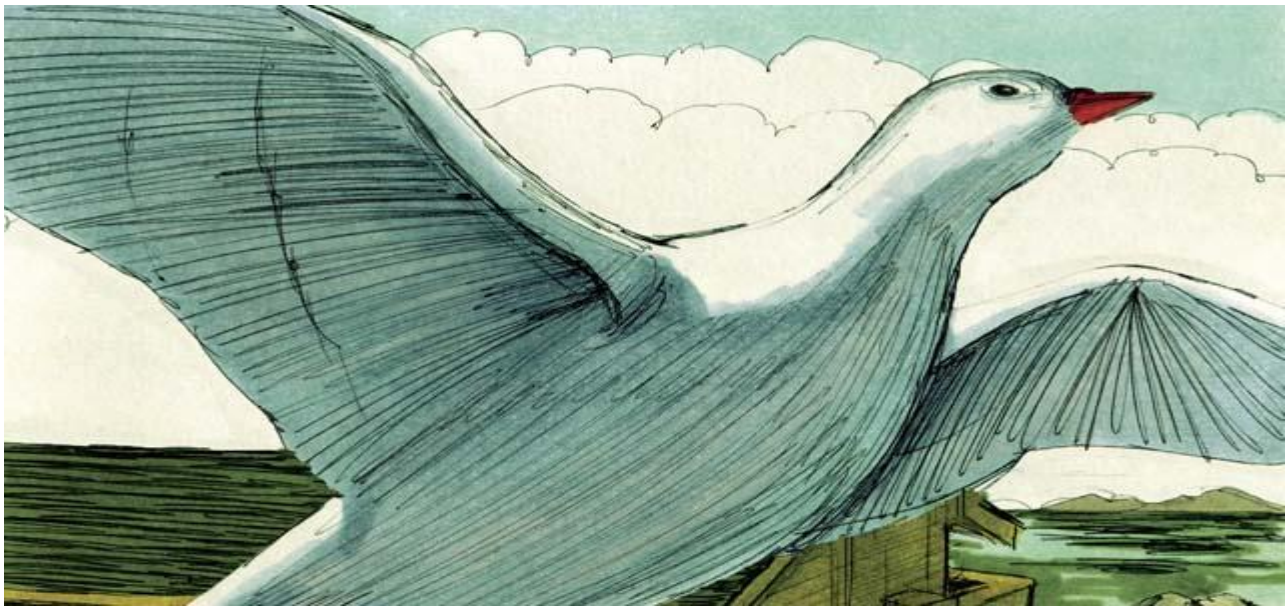

नूह ने एक और हफ़्ता इंतज़ार किया और उसने उसी फ़ाख़ते को तीसरी बार उड़ाया – इस बार उसको टिकने की जगह मिल गयी थी और वो वापस नहीं आया , और पानी भी बहुत जल्द सूखने लगा था !

दूसरे हफ़्ते के लिए इंतज़ार किया गया

आप ऐसा कह सकते थे “सात दिन और इंतज़ार किया”- लफ़्ज़ “इंतज़ार किया” यह दिखाता है कि नूह वक़्त गुज़रने दे रहा था कि दोबारा से फ़ाख़्ता उड़ने से पहले सैलाब का पानी कुछ और नीचे चला जाए -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- नूह

03:13

दो महीने बाद खुदा ने नूह से कहा कि अब तू और तेरा ख़ानदान और तमाम जानवर कश्ती से बाहर आ सकते हैं – तुम्हारे बचचे और नाती पोते हों और तुम ज़मीन को मामुर व- महकूम करो - सो नूह और उसका खान्दान् कश्ती से बाहर आया-

दो महीने बाद

इस का मतलब यह कि दो महीने बाद नूह ने फ़ाख़्ता को कश्ती से उड़ाया अगर यह साफ़ नहीं है तो वज़ाहत की ज़रूरत पड़ सकती है -

बहुत से बच्चे हों

यक़ीन जानने के लिए यह साफ़ है कि यह ख़ुदा का हुक्म और उसकी ख़्वाहिश थी कि , “तुम्हारे बहुत से बच्चे हों” या मैं चाहता हूँ कि तुम्हारे पास बहुत से बच्चे हो -

ज़मीन को मामूर करो

अगर यह साफ़ नहीं है तो ऐसा कहना ज़रूरी है कि “ज़मीन को लोगों से भर दो “ या “ताकि बहुत से लोग इस ज़मीन पर सुकूनत करने पाएं”-

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नूह

03:14

नूह के कश्ती से बाहर आने के बाद उसने एक क़ुरबांन गाह बनाई और जानवरों में से कुछ को लेकर क़ुर्बानी चढ़ाई – खुदा उस क़ुर्बानी से ख़ुश था और उसने नूह और उसके खानदान को बरकत दी -

जानवर जो क़ुर्बानी के लिए इस्तेमाल किये जा सकते थे

इसे दूसरे तरीक़े से ऐसा कहेंगे कि “लोग उसकी कुर्बानी के लिए इस्तेमाल कर सकते थे “

ख़ुदा ख़ुश था

इन जानवर की क़ुर्बानी से ख़ुदा को ख़ुशी महसूस हुई

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- नूह
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/alter]]
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदावन्द
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

03:15

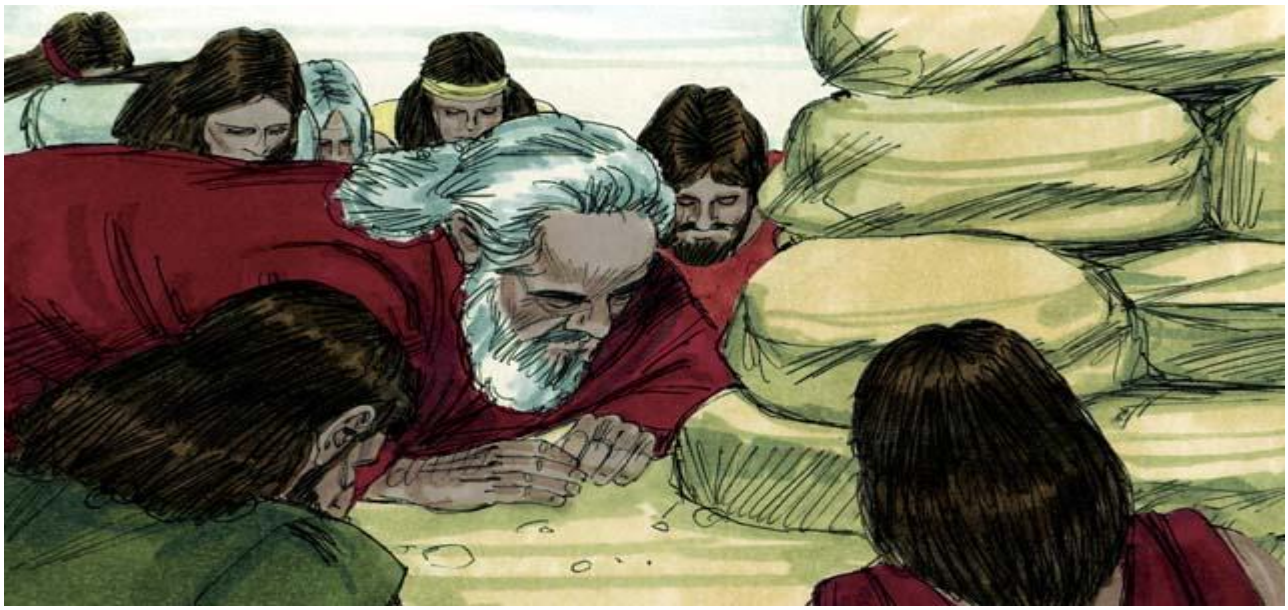

खुदा ने कहा मै वादा करता हूँ कि मैं ज़मीन पर लोगों को बुराई के सबब से लानत नहीं भेजूंगा या फिर दुनया को सैलाब से हलाक नहीं करूंगा , हालांकि लोग अपने बचपन से ही बुरे और गुनहगार हैं -

फिर कभी नहीं

इसका मतलब है “हमेशा के लिए फिर से नहीं” या “किसी भी वक़्त फिर नहीं’’ मिसाल बतौर :”मैं कभी भी ज़मीन को फिर से लानत नहीं दूंगा” या मैं सचमुच ज़मीन को फिर से लानत नहीं दूंगा “-

ज़मीन को लानत

ज़मीन और दीगर जानदारों को इन्सान के गुनाह के सबब से तकलीफ उठाना पड़ा -

दुनिया

यह ज़मीन और उस में रहने वाले तमाम जानदारों को ज़ाहिर करता है -

बचपन ही से लोग गुनहगार हैं

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा है कि “लोग अपनी ज़िंदगियों में गुनाह के करते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- ला’नत , ला’नती , ला’नत दे, कोसता है
- बुराई, बदकार, बदकारी
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

03:16

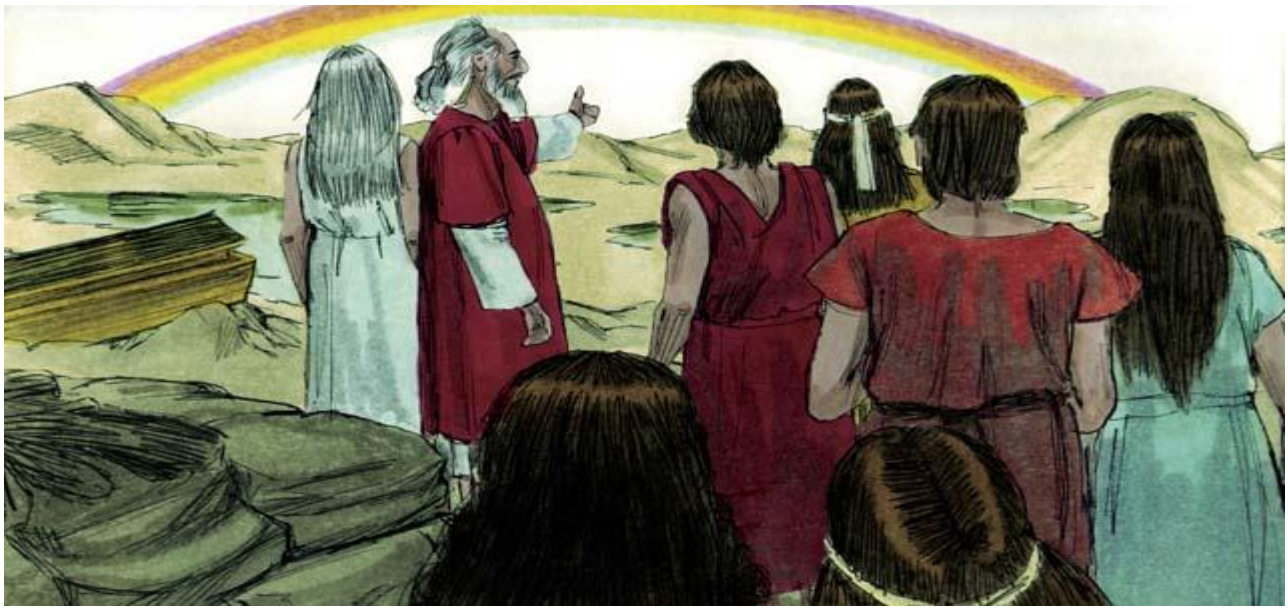

खुदा ने अपने वादे की निशानी बतोर आसमान में पहली बार क़ोस –ए- क़ज़ह (कमान) को रखा – जब भी कभी आसमान में वह कमान नज़र आता है तो खुदा अपने लोगों की बाबत अपने वादे को याद करता है -

क़ौस -ए- क़ज़ह (कमान)

यह सतरंगी रौशनी दार कमान जो अक्सर आसमान में तेज़ बारिश के बाद नज़र आती है -

एक निशान

एक निशान (ऐसे ही एक चीज़ या वाक़िया होता है)जो फ़लां मायने को पेश करता है या किसी सच्चे वाक़िए की तरफ इशारा करता है जो हो चुका होता है या होने वाला होता है -

उसके वायदे का एक निशान बतौर

कुछ ज़बानों ऐसा कहना बेहतर होगा "जो उसने वायदा किया उसे दिखाने के लिए "-

हर वक़्त

यह यक़ीन करें यह साफ़ है कि इसका मतलब हर बार वक़्त -ए -मुक़र्ररह पर एक कमान ज़ाहिर होता है-इस बात को जोड़कर कह सकते हैं "तब से लेकर अब तक "

जो उस ने वायदा किया

यह पीछे इस से पहले के फ्रेम का हवाला देता है जिसमें खुदा ने वायदा किया था कि वह सैलाब के ज़रिये फिर ज़मीन को बर्बाद नहीं करेगा -

बाइबिल से ली गई एक कहानी

बाइबिल के कुछ तर्जुमों में इन हवालाजात में हल्का सा फ़र्क़ हो सकता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया

_पैदाइश 6-8 से बाइबिल की एक कहानी _

4. अब्रहाम के साथ खुदा का मुआहदा

04:01

सैलाब के बहुत अरसा बाद **फिर से बहुत से लोग** दुनिया में थे – फिर उनहोंने खुदा के ख़िलाफ़ और एक दुसरे के साथ गुनाह किया – क्यूंकि उन सब की **एक ही ज़बान** थी वह सब मिलकर जमा हुए और एक शेहर तामीर की- बजाए इसके कि वह ज़मीन को मामूर करते जैसे खुदा ने उनको हुक्म दिया था -

सैलाब के बहुत साल बाद

सैलाब ख़त्म होने के बाद कई पीढ़ियां गुज़र चुकी थीं -

फिर से बहुत से लोग

नूह का ख़ानदान इतना बढ़ गया था कि एक शहर को भरने के लिए काफ़ी था -

एक ही ज़बान

इस का मतलब यह कि उन सब कि एक ही ज़बान थी जिस से कि वह एक दूसरे की बात आसानी से समझ सकें -

एक शहर

इस्तेमाल के लिए सबसे बेहतर होगा कि “शहर” के लिए एक आम लफ़्ज़ का इस्तेमाल करें जबकि इबारत कोई ख़ास नाम पेश नहीं करती -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

04:02

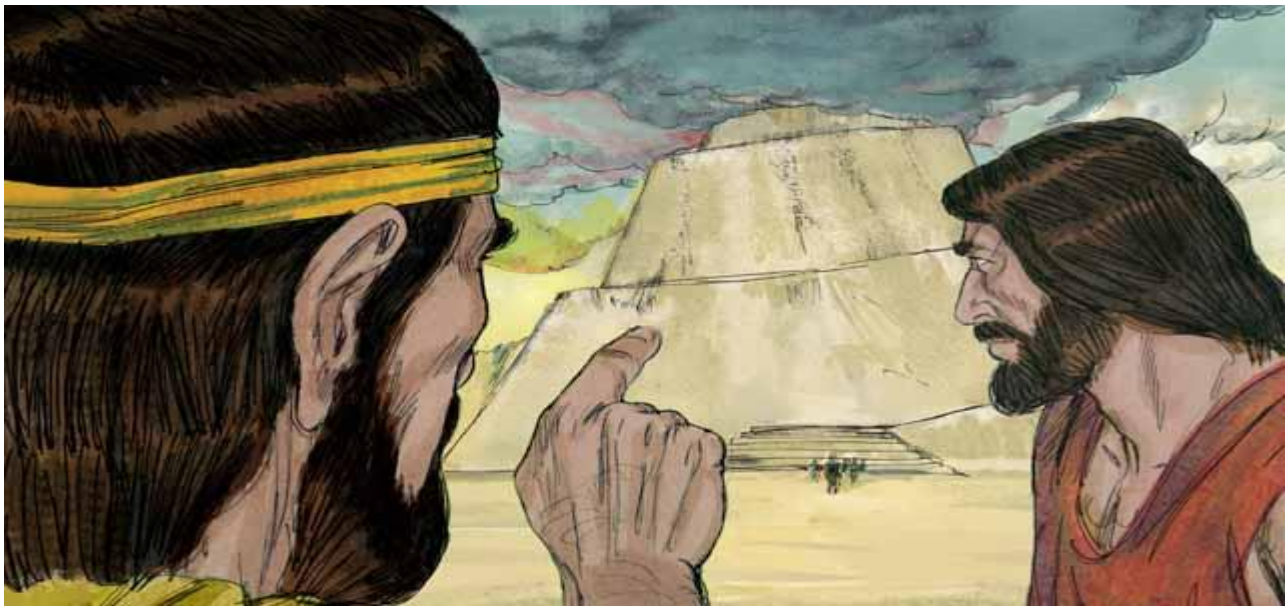

वह बहुत घमंडी थे और वह खुदा के हुक्मों की फ़र्मान्बर्दारी नहीं करना चाहते थे इस मायने में कि किस तरह जिंदगी जीनी है, यहाँ तक कि उन्हों ने एक बहुत ही बुलंद बुर्ज बनाना शुरू किया जो आसमान को छूने जैसा था – खुदा ने देखा कि अगर वह मिलकर इस तरह बुराई करते जाएंगे तो वह और भी गुनहगारी के काम कर सकते थे -

आसमान तक पहुँचने के लिए ऊँचा बुर्ज

यह इमारत इतनी ऊँची थी , ऐसा लगता था कि उस का बालाई हिस्सा आसमान को छू जाएगा -

आलम -ए- बाला

इस को “आसमान” बतौर भी तर्जुमा किया जा सकता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- घमण्ड, घमण्ड से, फ़ख्र, ग़ुरूर से भरा
- ख़ुदावन्द
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- बुराई, बदकार, बदकारी
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

04:03

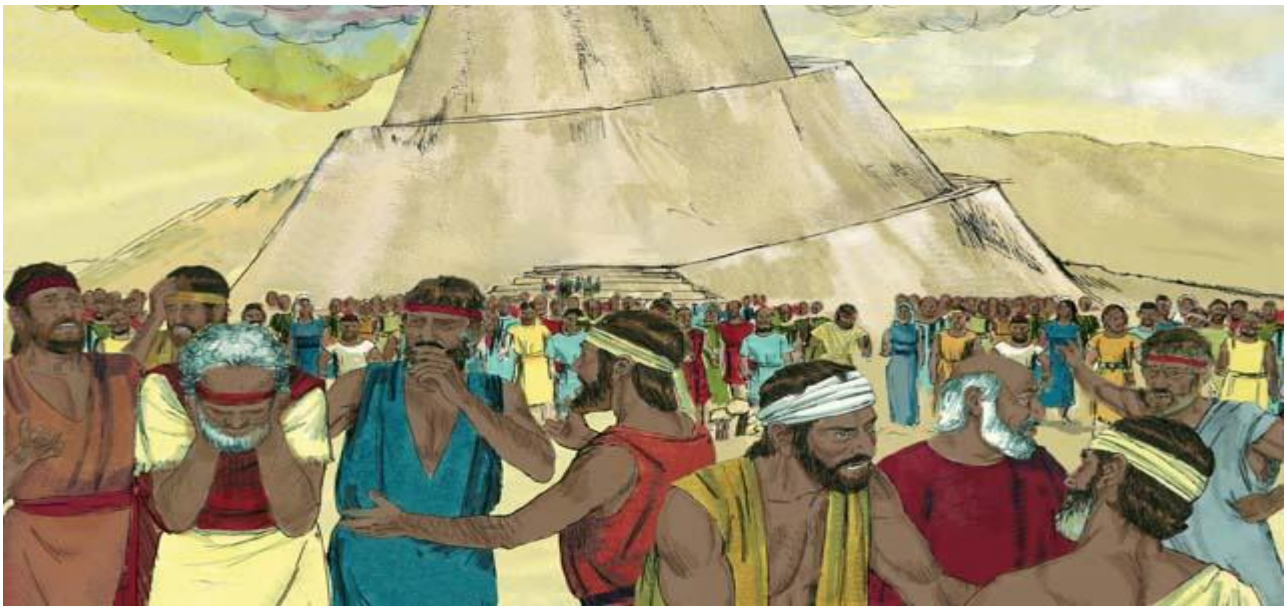

सो खुदा ने उन की ज़बान में कई क़िस्म की इख़तिलाफ़ डाल दी और लोगों को पूरी दुनिया में फैला दिया – जिस शहर को उनहोंने बनाना शुरू किया था उसका नाम **बाबुल** था , जिसका मतलब है “गड़बड़ -“

उनकी ज़बान (बोली) बदल गई

पल भर में खुदा ने मोजिज़ाना तौर से बात करने के लिए उन्हें फ़र्क़ फ़र्क़ ज़बानें दीं ताकि वह अचानक ही एक दूसरे की बात समझ न पाएं -

बहुत सी मुख़्तलिफ़ ज़बानें

लोगों की एक बड़ी जमाअत जिन की एक ही बोली हो , इस के बदले में लोगों की कई एक छोटी छोटी जमाअतें जिन में से हर एक जमाअत अपनी फ़र्क़ ज़बान बोल ही थी -

लोगों को फैला दिया

जब खुदा ने उनकी ज़बानें बदल दी तो इन लोगों की जमाअतों को ज़मीन पर फैलने का सबब बन गया और हर एक जमाअत ने अपना एक इलाक़ा चुनकर दूसरों से अलग होगये -

बाबुल

हम इस शहर के तअययुन मक़ाम कि बाबत नहीं जानते जबकि यह क़दीम मिडिल ईस्ट में कहीं पर वाक़े है -

गड़बड़ी

यह ज़ाहिर करता है कि किस तरह लोग उलझन में पड़ गए थे और अपनी ज़बान बोलने वालों के साथ शरीक हो गए थे - इस तरह ख़ुदा ने उनकी ज़बान में इख़्तिलाफ़ डाला -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

04:04

सदियों साल बाद खुदा ने एक शख्स से बात की जिस का नाम अब्राम था – खुदा ने उससे कहा "अपने मुल्क और अपने खानदान को छोड़कर निकल आ और उस मुल्क में चला जा जिसे मैं तुझे दिखाऊंगा – मैं तुझे बरकत दूंगा और तुझ से एक बड़ी क़ौम बनाऊंगा – मैं तेरा नाम सरफ़राज़ करूँगा – जो तुझे बरकत दे मैं उन्हें बरकत दूंगा , जो तुझ लानत दे मैं उन्हें लानत दूंगा –**ज़मीन के तमाम ख़ानदान** के लोग तेरे सबब से बरकत के हक़दार होंगे -

सदियों साल बाद

इसको इसतरह तर्जुमा किया जा सकता था ,"कई पीढ़ी के लोग बाबुल में फ़र्क फ़र्क ज़बानें बोलने वाली जमाअतों के लोग मुख्तलिफ़ फ़रीकों में तक़सीम होने के बाद" या "इस वाक़िये के कई अरसे बाद"-

अपने मुल्क को छोड़ दे

यह इशारा करता है उस इलाके को जिसमें अब्राम पैदा हुआ था और पला बढ़ा था (मरकज़ी एशिया का एक इलाक़ा जो "ऊर" कहलाता था) - इसको "पैदाइशी इलाक़ा" या मादिर -ए- वतन कुछ इसी तरह कहा जास कता है -

और ख़ानदान को

ख़ुदा अब्राम को बुला रहा था कि अपने नाते , रिश्तेदारों को पीछे छोड़ दे – किसी तरह ख़ुदा अब्राम से यह नहीं कह रहा था कि उन लोगों को छोड़ दे जिन पर अब्राम की जिम्मेवारी बनती थी जिसमें उसकी शरीक -ए- हयात भी शामिल थी -

तुझको एक बड़ी क़ौम बनाऊँगा

ख़ुदा अब्राम को सब से ज़ियादा औलाद होने का सबब बनाएगा और वह एक बड़ी और अहम् क़ौम बनेगी या एक मुल्क बतौर उभर आएगा -

तेरा नाम ऊँचा करूँगा

इस का मतलब यह है कि अब्राम और उसके ख़ानदान का नाम तमाम दुनिया के लोगों में शोहरत याफ़्ता होगा और लोग उसकी खैरख्वाही चाहेंगे -

ज़मीन के तमाम ख़ानदान

ख़ुदा के पीछे चलने का अब्राम का फ़ैसला न सिर्फ़ उसके ख़ानदान में असर करेगा , बल्कि ज़मीन के लोगों की हर एक जमाअत में भी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- ला'नत , ला'नती , ला'नत दे, कोसता है

04:05

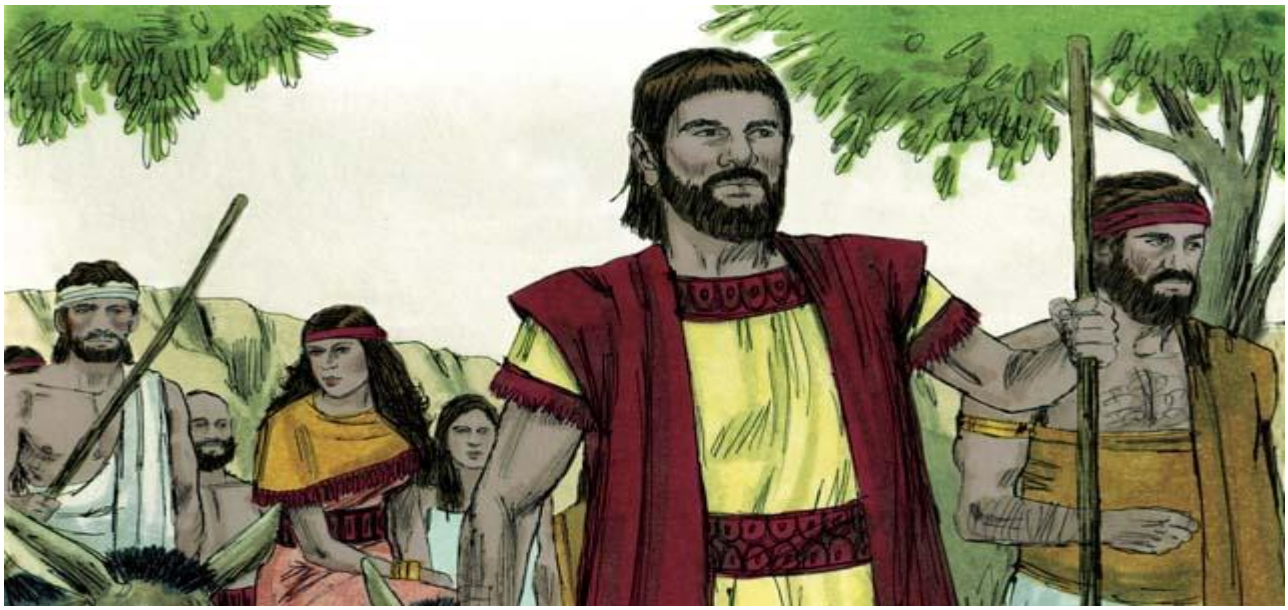

सो अब्राम खुदा का हुक्म बजा लाया – उसने अपनी बीवी सारै को लिया – वह दोनों अपने तमाम नौकर चाकर और माल व असबाब के साथ जो उनके साथ था निकल पड़े और उस मुल्क को गए जिसे खुदा ने उसे दिखाया था – और वह जगह मुल्क –ए– कनान था -

उसने लिया

कुछ तर्जुमे कहेंगे "उसने लिया"- दूसरे यहाँ पर दो मुख़तलिफ़ फ़ेल का इस्तेमाल करेंगे , जैसे "उसने अपनी बीवी को सबब बनाया कि उसके साथ आए" और , "वह अपने साथ उनके तमाम नौकरों और माल -ओ- असबाब ले आया" -

ख़ुदा ने उसको बताया

किसी तरह ख़ुदा ने यह बात साफ़ किया कि अब्राम को कहाँ जाना था -इबारत यह नहीं बताती कि ख़ुदा ने उसको किस तरह बताया -

कनान का मुल्क

इस मुल्क का नाम "कनान" था इसको इस तरह भी तर्जुमा किया जा सकता था ,"मुल्क जो कनान कहलाता था "-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- ख़ुदावन्द
- सारा, सारय
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों

04:06

जब अब्राम कनान में दाखिल हुआ तो खुदा ने कहा "तू अपने चारों तरफ़ देख- यह तमाम मुल्क मैं तुझे और तेरी नसल को दूंगा और वह इन सब के मालिक होंगे –फिर अब्राम उस मुल्क में सुकूनत करने लगा -

वह तमाम मुल्क जो तू देख सकता है

अगर अब्राम एक पहाड़ पर खड़ा था तो वह एक बहुत बड़े इलाक़े को देख सकता था कई एक मौकों पर ख़ुदा ने वायदा किया कि वह अब्राम और उसकी नस्ल को मुल्क -ए- कनान का सारा इलाक़ा देगा -

एक मीरास बतौर

ख़ुदा ने वायदा किया कि उस मुल्क को वह अब्राम और उसकी औलाद को देगा जिस तरह एक बाप ज़मीन और जाएदाद अपने बच्चों को देता है -

फिर अब्राम मुल्क में बूद -ओ- बाश की

अब्राम उन सब के साथ जो उस के साथ गए थे वहाँ पर रहने लगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों
- ख़ुदावन्द
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/decendant]]
- मीरास होना, वरासत, हिस्सा, वारिस

04:07

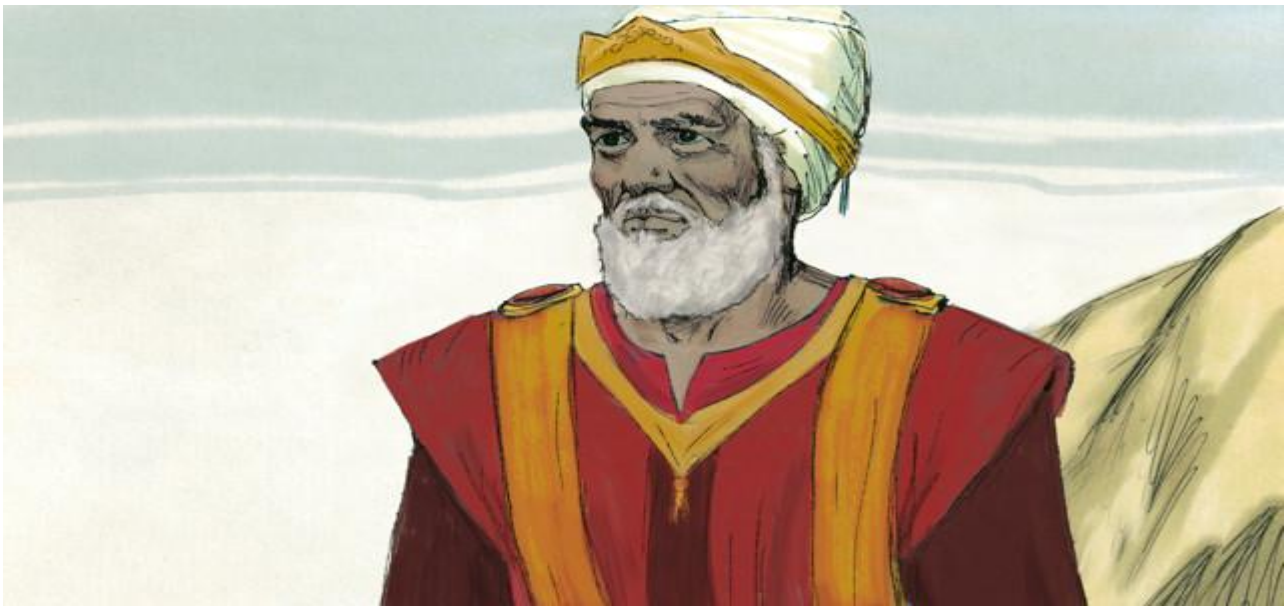

मलकी सिदक़ नाम का एक शख्स था जो **ख़ुदा तआला** का काहिन था – एक दिन अब्राम जंग से वापस लौटते वक़्त उस से मुलाक़ात की – मलकी सिदक़ ने अब्राम को बरकत दी और कहा "खुदा तआला की तरफ़ से जो आसमान और ज़मीन का मालिक है अब्राम मुबारक हो और मुबारक खुदा तआला जिसने तेरे दुशमनों को तेरे हाथ में कर दिया" – फिर अब्राम ने जंग में जो चीज़ें फ़ तेह करके हासिल की थीं उन सब का दसवां हिस्सा मलकी सिदक़ को दीं -

मलकिसिदक़

मलकिसिदक़ कनान में जाना पह्चाना मज़हबी ओहदे दार था जो हदिये लेकर उन्हें ख़ुदा के हुज़ूर पेश करता था -

ख़ुदा तआला

कनान के लोग कई झूठे देवताओं कि परसतिश करते थे – ख़ुदा तआला का यह लक़ब वाज़ेह करता है कि मलकिसिदक़ जिस ख़ुदा कि इबादत करता था वह दीगर तमाम देवताओं से बहुत ज़ियादा आला ओ बरतर था ,और अब्राम उसी ख़ुदा कि इबादत करता था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- काहिन , काहिनो , काहिन 'ओहदा
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt god]]
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी

04:08

बहुत साल गुज़र गए अभी तक अब्राम और सारै के कोई बेटा या वारिस नहीं हुआ था – खुदा ने अब्राम से बात की और उसे एक बेटा इनायत करने का वादा किया जिससे कि उसकी नसल आस्मांन के तारों जैसी होगी –अब्राम ने ख़ुदा के वादों पर भरोसा किया – तब खुदा ने एलान किया कि अब्राम एक रास्त्बाज़ शख्स है क्यूंकि उसने खुदा के वादे पर भरोसा किया -

बहुत साल गुज़रे

बहुत साल गुज़रने के बाद ख़ुदा ने पहली बार अब्राम से वायदा किया कि उसके एक बेटा होगा

जैसे आसमान में तारे

इस इज़हार का मतलब है कि अब्राम कि औलाद शुमार में इतनी होगी कि कोई उन्हें गिनती नहीं कर सकता -

- [[rc://*/tw/bible/other/Abraham]]
- [[rc://*/tw/bible/other/sarah]]
- [[rc://*/tw/bible/kt/son]]
- [[rc://*/tw/bible/kt/god]]
- [[rc://*/tw/bible/kt/promise]]
- [[rc://*/tw/bible/other/decendant]]
- [[rc://*/tw/bible/kt/believe]]
- [[rc://*/tw/bible/kt/righteous]]

04:09

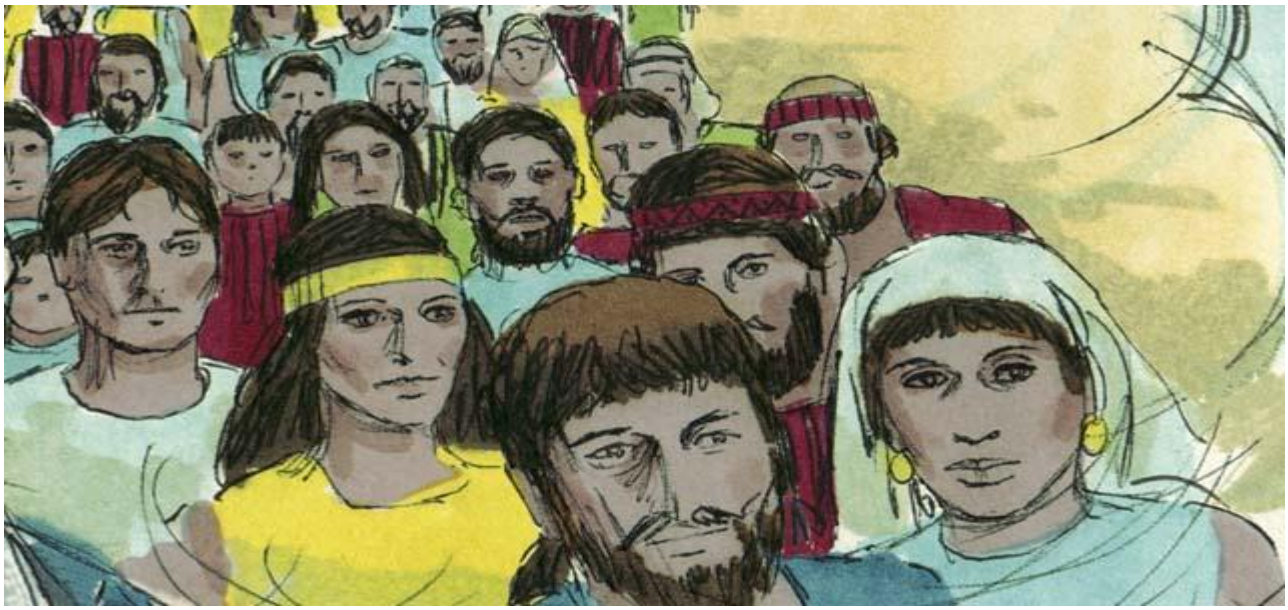

फिर खुदा ने अब्राम के साथ एक मुआहदा किया – आम तोर से एक मुआहदा **दो जमाअत** के दरमियान होता है कि वह मुस्तक़बिल में क्या कुछ करने वाले हैं – मगर इस मुआमले में खुदा ने अब्राम से तब वादा किया जब वह गहरी नींद में था – मगर अभी भी वह ख़ुदा की आवाज़ को सुन सकता था - खुदा ने कहा ,मैं तुझे तेरे ही सुल्ब से एक बेटा बख्शूंगा – और मुल्क –ए– कनान मैं तेरी नसल को देता हूँ – मगर अभी भी अब्राम के कोई बेटा नहीं हुआ था -

दो जमाअत

जमाअतें दो लोगों कि हो सकती थीं , दो जमाअत के लोग या एक शख्स और लोगों कि एक जमाअत – इस मुआमले में मुआहदा ख़ुदा और अब्राम के बीच था -

तुम्हारे अपने सुल्ब से

उसके अपने जिस्म से अब्राम उसकी बीवी के लिए सबब बना कि वह हामिला हो ताकि वह दोनों मिलकर अपना एक क़ुदरती बेटा हासिल करे -यह एक ताज्जुब करने वाला वादा था जबकि अब्राम और सारै दोनों बूढ़े होचुके थे -

उनका कोई बेटा न हुआ

अब्राम कि कोई औलाद न हुई जो मुल्क को अपने क़ब्ज़े में ले -

एक बाइबिल की कहानी से

कुछ बाइबिल के तर्जुमों में हवालाजात थोड़े फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- 'अहद , 'अहदों,नया 'अहद
- इब्राहीम, अब्राम
- बेटे, बेटों

- कना’न, कना’नी ,कना’नियों
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/decendant]]

_पैदाइश 11 से 15 बाब तक बाइबिल की एक कहानी _

5 . वादे का बेटा

05:01

अब्राम और सारै के मुल्क –ए –कनान में पहुँचने के दस साल बाद उन के पास अभी भी कोई बच्चा नहीं था – सो अब्राम की बीवी सारै ने उससे कहा जबकि खुदा ने मुझको बच्चा होने से महरूम रखा है – अब मैं बूढ़ी भी हो चली हूँ कि बच्चा पैदा करने के क़ाबिल नहीं रही तो तू ऐसा कर कि मेरी मुलाज़िमा हाजिरा को ले – उससे भी शादी कर – ताकि वह मेरे लिए बच्चा पैदा करे -

अबतक कोई बच्चा नहीं था

बगैर बच्चे के अब्राम की कोई औलाद नहीं हो सकती थी कि एक बड़ी कौम उभर आए -

उस से भी शादी करो

हाजरा को अब्राम अपनी दूसरी बीवी बतोर लेगा मगर हाजरा को वह बीवी का पूरा दर्जा नहीं मिलेगा जैसे सारै रखती थी – क्यूंकि वह अभी भी सारै की महज़ एक लौंडी थी -

मेरे लिए बच्चा पैदा करो

हाजरा जबकि सारै की लौंडी थी तो हाजरा जो भी बच्चे पैदा करेगी वह सारै के ही कहलाएंगे -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- सारा, सारय
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/canan]]
- ख़ुदावन्द
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/हगर]]

05:02

सो अब्राम ने हाजरा से **शादी की** – हाजरा के एक लड़का हुआ और अब्राम ने उसका नाम इस्माईल रखा - मगर सारै हाजरा से हसद रखती थी – जब इस्माईल तेरह साल का हुआ तो खुदा ने फिर अब्राम से बातें की -

शादी की

हाजरा अब्राम की निचले दर्जे की एक ख़वास “दूसरी बीवी” बन गई -हाजरा अभी भी सारै की लौंडी ही थी -

हाजरा से हसद करने लगी

सारै हाजरा से हसद रखने लगी क्यूंकि उसके बच्चे हो सकते थे और इसके नहीं -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- हाजिरा
- इस्माईल, इस्माईल, इस्माईल
- सारा, सारय
- ख़ुदावन्द

05:03

खुदा ने कहा “मैं खुदावंद खुदा हूँ , मैं तुझ से एक अहद बान्धता हूँ – तब अब्राम खुदा के हुज़ूर सर निगूं हुआ –खुदा ने अब्राम से कहा “तू बहुत से क़ौमों का बाप होगा – मैं कनान का मुल्क मिलकियत बतोर तुझे और तेरी नसल को दूंगा –और मैं हमेशा के लिए उनका ख़ुदा हूँगा – सो तुम्हारे ख़ानदान में से हर एक फ़र्ज़न्द –ए– नरीना का ख़तना होना चाहिए -

बहुत सी कौमों का बाप

अब्राम के बहुत औलाद होंगी और उनका अपना मुल्क होगा जिस में वह ख़ुद बादशाही करेंगे वह और दूसरे लोग याद करेंगे कि अब्राम उनका बुज़ुर्ग बाप था और उसकी इज़्ज़त करेंगे -

मैं उनका ख़ुदा हूँगा

दुसरे तरीक़े से कहा जाए तो “मैं उनका ख़ुदा हूँगा जिस की वह इबादत करेंगे -

तेरे ख़ानदान का हर एक फ़र्ज़न्द -ए- नरीना

इसको ऐसे भी तर्जुमा किया जा सकता था ,”तेरे ख़ानदान का हरेक लड़का और आदमी “- इन में अब्राम के नौकर चाकर और तमाम औलाद शामिल हैं -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- ’अहद , ‘अहदों,नया ‘अहद
- इब्राहीम, अब्राम
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/decendant]]
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/canan]]
- ख़तना करना, ख़तना किया, ख़तना

05:04

तेरी बीवी सारै के एक बेटा होगा ---- वह वादा का बेटा होगा – उसका नाम इज़हाक़ रखना - मैं अपना मुआहदा उस से बांधूंगा – और उससे एक बड़ी क़ौम निकलेगी –इस्माईल से भी एक बड़ी क़ौम बनाऊंगा – पर मेरा मुआहादा इज़हाक़ से होगा – फिर खुदा ने अब्राम का नाम अब्राम से अब्रहाम रखा जिस के मायने हैं “बहुतों का बाप“ खुदा ने सारै का नाम भी बदलकर सारह रखा –जिस के मायने हैं “शहज़ादी”-

आम मालूमात

ख़ुदा अब्राम से बातें करना जारी रखता है

वायदे का बेटा

सारै और अब्राम के लिए इससाक़ ही वह ख़ुदा के वायदे का बेटा होगा -यह बेटा भी साबित होगा जिस को खुदा इस्तेमाल करेगा कि अब्राम की कई एक नस्लें (औलाद) हों -

मैं उस से अपना अहद बांधूंगा

यह वही अहद होगा जो ख़ुदा ने अब्राम से बाँधा था -

कई क़ौमों का बाप

जिस तरह ख़ुदा ने वायदा किया था कि अब्रहाम कई लोगों का अजदाद होगा यहाँ तक कि कई क़ौमों का भी वह अजदाद होगा -

शहज़ादी

एक शहज़ादी एक बादशाह की बेटी होती है - यह दोनों नाम सारै और सारह ज़ाहिरा तोर से इन के मायने हैं “शहज़ादी”- मगर ख़ुदा ने यह जताने के लिये उस का नाम बदल दिया कि वह कई क़ौमों कि मां बनेगी ,यहाँ तक कि उसकी औलाद में से कुछ बादशाह भी बनेंगे -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- सारा, सारय
- बेटे, बेटों
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- इस्हाक़
- 'अहद , 'अहदों,नया 'अहद
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/ishmail]]
- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- सारा, सारय

05:05

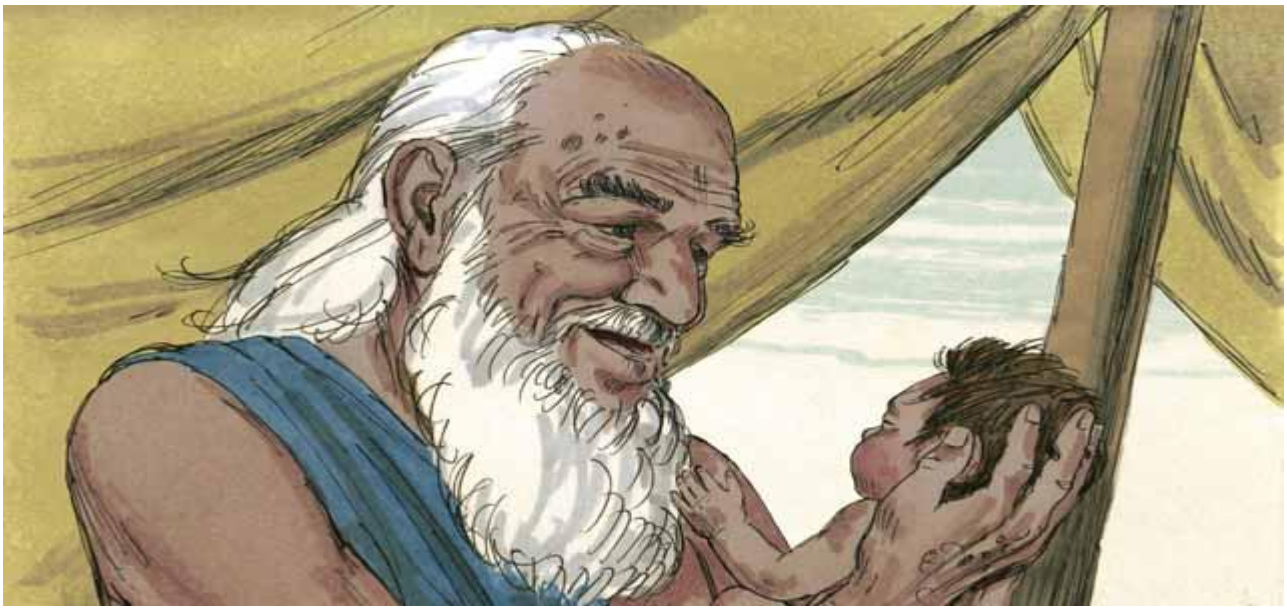

जिस दिन अब्रहाम का खतना हुआ उसी दिन उस के घराने के सारे फ़र्ज़न्द –ए- नरीना का भी ख़तना हुआ –जब अब्रहाम 100 साल का था तब सारह की उमर 90 साल की थी – और सारह ने अब्रहाम का बेटा जनी –उनहोंने उसका नाम इज़हाक़ रखा जिस तरह खुदा ने उनसे कहा था -

उसके घराने के तमाम लड़के और आदमी

इस का मतलब है तमाम आदमी और लड़के जिन के लिये अब्राम ज़िम्मेदार था – इनमें उसके नर नौकर , जवान लड़के और दरमियानी उम्र के आदमी भी शामिल हैं -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- ख़तना करना, ख़तना किया, ख़तना
- सारा, सारय
- बेटे, बेटों
- इस्हाक़
- ख़ुदावन्द

05:06

जब इज़हाक़ जवान था तब ख़ुदा ने अब्रहाम के ईमान की आज़माइश यह कहकर की कि “इज़हाक़ जो तेरा इकलौता बेटा है उसको ले और मेरे लिए क़ुर्बानी बतौर चढ़ा –“ सो फिर से एक बार अब्रहाम ख़ुदा का हुक्म बजा लाने चला और अपने बेटे की क़ुर्बानी के लिए तैयारी की -

ख़ुदा ने अब्रहाम के ईमान की आज़माइश की

ख़ुदा अब्रहाम से चाहता था कि वह बताए कि वह ख़ुदा के लिए पूरी तरह से मखसूस है कि जो कुछ ख़ुदा उसको करने के लिए कहेगा वह उसका हुक्म बजा लाएगा -

उसको मार दे

ख़ुदा इंसान की क़ुर्बानी नहीं चाहता था – ख़ुदा देखना चाहता था कि अब्रहाम अपने बेटे से ज़ियादा मुझसे महब्बत रखता है कि नहीं और अपने बेटे को वापस ख़ुदा के लिए देता है कि नहीं -

क़ुर्बान करने को तय्यार हुआ

अब्रहाम अपने बेटे को क़ुर्बान करने के लिए तैयार होगया मगर ख़ुदा ने रोक लिया इस से पहले कि वह अपने बेटे को मारे -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- [[rc://*/dict/bible/other/Isaac]]
- [[rc://*/dict/bible/kt/god]]
- [[rc://*/dict/bible/other/Abraham]]
- [[rc://*/dict/bible/kt/faith]]
- [[rc://*/dict/bible/kt/son]]
- [[rc://*/dict/bible/other/sacrifice]]
- [[rc://*/dict/bible/other/obey]]

translationWords

- इस्हाक़
- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- ईमान
- बेटे, बेटों
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

05:07

जब अब्रहाम और इज़हाक़ क़ुर्बानी की जगह की तरफ़ चलने लगे तो इज़हाक़ ने अब्रहाम से पूछा ,"ऐ बाप, हमारे पास क़ुर्बानी के लिए आग और लकड़ियाँ तो हैं ,मगर सोख्तनी क़ुर्बानी के लिए **बर्रा** कहाँ है ?

क़ुर्बानी कि जगह तक पैदल गया

ख़ुदा ने अब्रहाम से कहा था कि इज़्हाक़ को क़ुर्बान करने के लिए वह एक ख़ास ऊँचे पहाड़ पर जाए जहाँ तक पहुँचने के लिए उसको अपने घर से तीन दिन का फ़ासिला तय करना था -

क़ुर्बानी के लिए लकड़ियाँ

एक क़ुर्बानी के लिए आम तौर से बर्रा ज़बह किया जाता था और उसको लकड़ी के ऊपर रखकर जलाना था ताकि लकड़ी के साथ बर्रा भी जल जाए -

बर्रा

एक क़ुर्बानी के लिए बकरा या जवान भेड़ यानि बर्रे का इस्तेमाल किया जाता था -

मुहय्या करना

अब्रहाम ने शायद सोचा होगा कि इज़्हाक़ ही वह "बर्रा" है जिसको ख़ुदा ने मुहय्या किया है -हालाँकि ख़ुदा ने अब्रहाम के अलफ़ाज़ को इज़्हाक़ की जगह पर एक बछड़ा मुहय्या करने के ज़रिये से पूरा किया था -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- इस्हाक़
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा
- ख़ुदावन्द

05:08

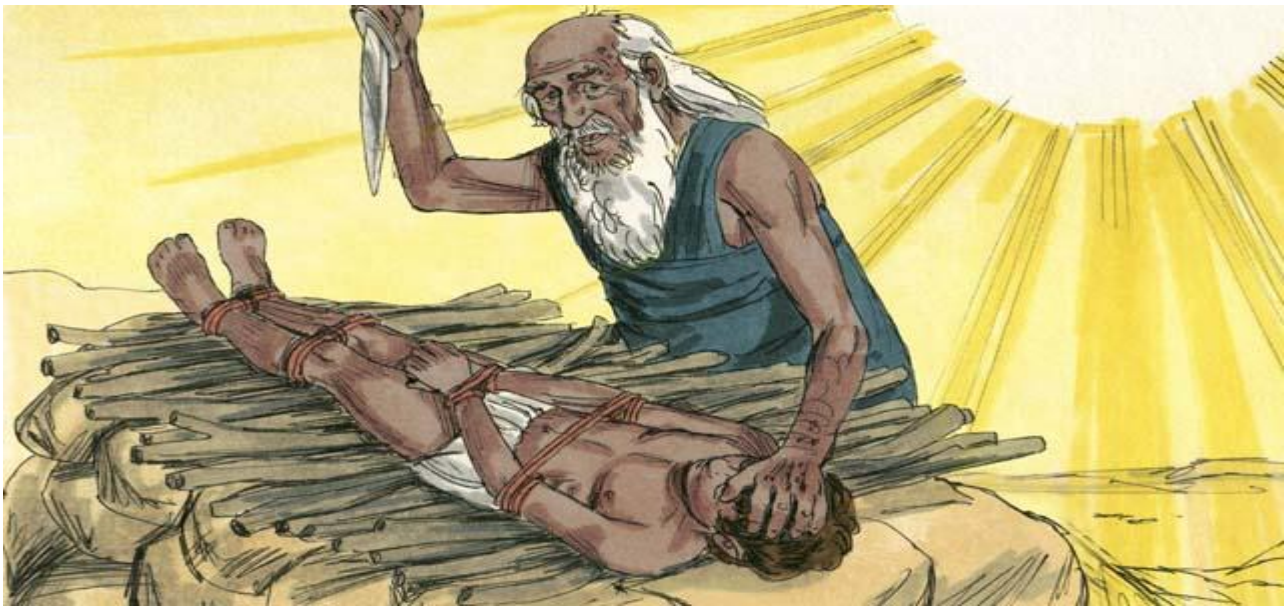

जब वह क़ुर्बानी की जगह पर पहुंचे तो अब्रहाम ने अपने बेटे इज़हाक़ को बाँधा और उसको कुर्बान्गाह पर लिटाया – वह बस अपने बेटे पर छुरी चलाना ही चाहता था कि खुदा ने अब्रहाम का हाथ रोक कर कहा कि अपना हाथ लड़के पर न चला – अब मैं जानता हूँ कि तू मेरा खौफ़ मानता है क्यूंकि तूने अपने बेटे को भी जो तेरा इकलौता है मुझ से दरेग़ न किया -

उसके बेटे को मारे

ख़ुदा इंसान कि क़ुर्बानी नहीं चाहता था - ख़ुदा देखना चाहता था कि अब्रहाम अपने बेटे से ज़ियादा मुझ से महब्बत रखता है कि नहीं और अपने बेटे को वापस ख़ुदा को देता है कि नहीं -

रुक जाओ ! लड़के को नुक़सान न पहुँचाओ

ख़ुदा ने इज़्हाक़ की हिफाज़त की और अब्रहाम के ज़रिये हलाक किये जाने से उसको दूर रखा -

तू मुझसे डरता है

अब्रहाम ख़ुदा से डरता था , डरना इस बात को भी शामिल करता है कि उसकी इज़्ज़त करें और उसके नाम को जलाल दें - इन्हीं बातों के सबब से अब्रहाम ख़ुदा का हुक्म बजा लाया -

अपना इकलोता बेटा

इस्माइल भी उसका बेटा था मगर इज़्हाक़ अब्रहाम और सारह का इकलोता बेटा था - ख़ुदा का अहद इज़्हाक़ से बंधा था कि वह अपने वायदे को उसके ज़रिये पूरा करेगा -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/abrham]]
- बेटे, बेटों

- इस्हाक़
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/alter]]
- ख़ुदावन्द

05:09

अब्रहाम ने अपने नज़दीक **एक मेंढा** देखा जिस के सींघ एक झाड़ी में अटके हुए थे - खुदा ने उस मेंढे को इज़हाक़ के बदले क़ुर्बानी चढ़ाने के लिए मुहैया किया था – अब्रहाम ने ब-ख़ुशी उस मेंढे को खुदा के लिए क़ुर्बानी बतौर चढ़ाया -

एक मेंढा

एक नर बकरे को मेंढा कहा जाता है - बकरे वह जानवर थे जिन्हें लोग ख़ुदा के लिए क़ुरबानी चढ़ा सकते थे -

मेंढे को ख़ुदा ने मुहय्या किया था

सही लमहे पर ख़ुदा ने उसे मुहय्या किया ,उस मेंढे को ख़ुदा ने झाड़ी पर अटका दिया था कि पकड़ने में तकलीफ़ न हो -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- ख़ुदावन्द
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- इस्हाक़

05:10

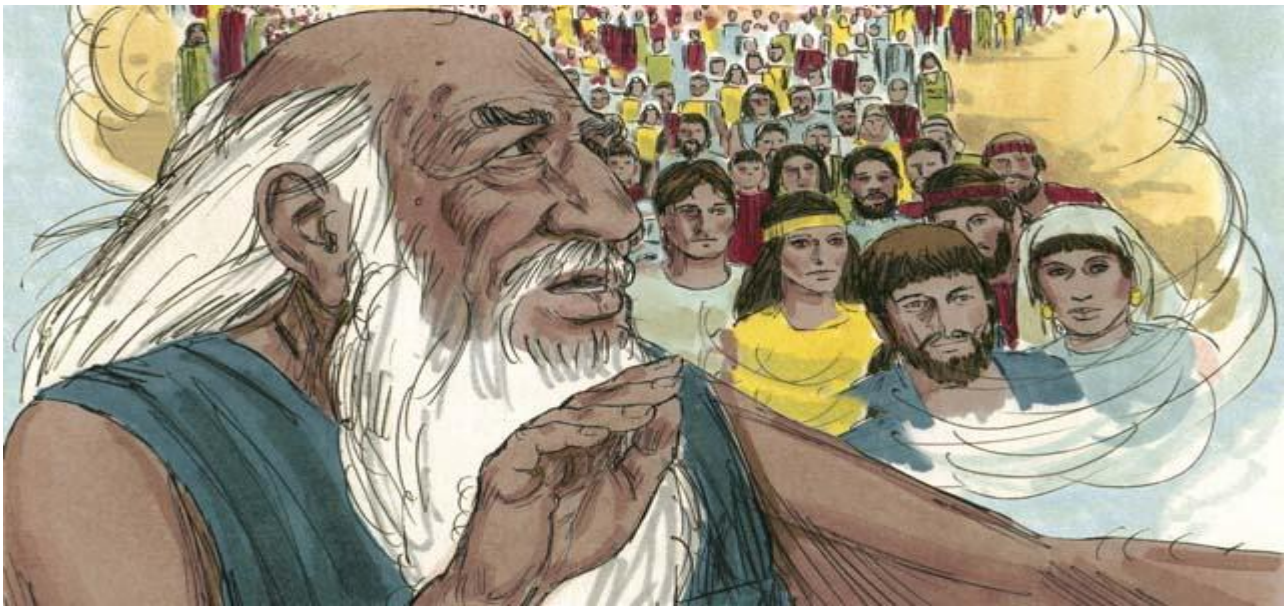

फिर ख़ुदा ने अब्रहाम से कहा “इस लिए कि तूने मेरे लिए सब कुछ देने को तैयार हुआ – यहाँ तक कि तूने अपने इकलौते बेटे को भी रख नहीं छोड़ा ,मैं तुझे बरकत पर बरकत देने का वादा करता हूँ – तेरी नसल आसमान के तारों से भी ज़ियादा होगी – क्यूंकि तू मेरा हुक्म बजा लाया – मैं दुनिया के तमाम कौमों पर तेरे ख़ानदान के वासिले से बरकत दूंगा “

तेरा इकलोता

तशरीह के लिए देखें 05:08

आसमान में तारे

तशरीह के लिए देखें 04:08

दुनिया के तमाम ख़ानदान

यहाँ “ख़ानदानों” का हवाला ज़मीन पर लोगों की बड़ी जमाअतें हैं ,बल्कि वह नहीं जो एक घर में मां बाप और बच्चे होते हैं -

तेरे ख़ानदान के ज़रिये बरकत पाएंगे

यहाँ “ख़ानदान”हवाला देता है कई एक नस्लों का जो अब्रहाम की होगी – दुनिया -ए- मुस्तक़्बिल की पीढ़ी अब्रहाम कि औलाद के वसीले से बरकत पाएंगी - मसीहा जो ख़ुदा का चुना हुआ ख़ादिम है उस के वसीले से कई एक पीढ़ियों के बाद बहुत बड़ी बरकत आवेगी -

बाइबिल से ली गई एक कहानी

इन हवालाजात में कुछ बाइबिल के तर्जुमों से हल्का सा फ़र्क़ हो सकता है -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- बेटे, बेटों
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/decendant]]
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

_पैदाइश 16 बाब से 22 बाब तक बाइबिल की एक कहानी _

6. खुदा इज़हाक़ के लिए शरीक –ए-हयात का इंतज़ाम करता है -

06:01

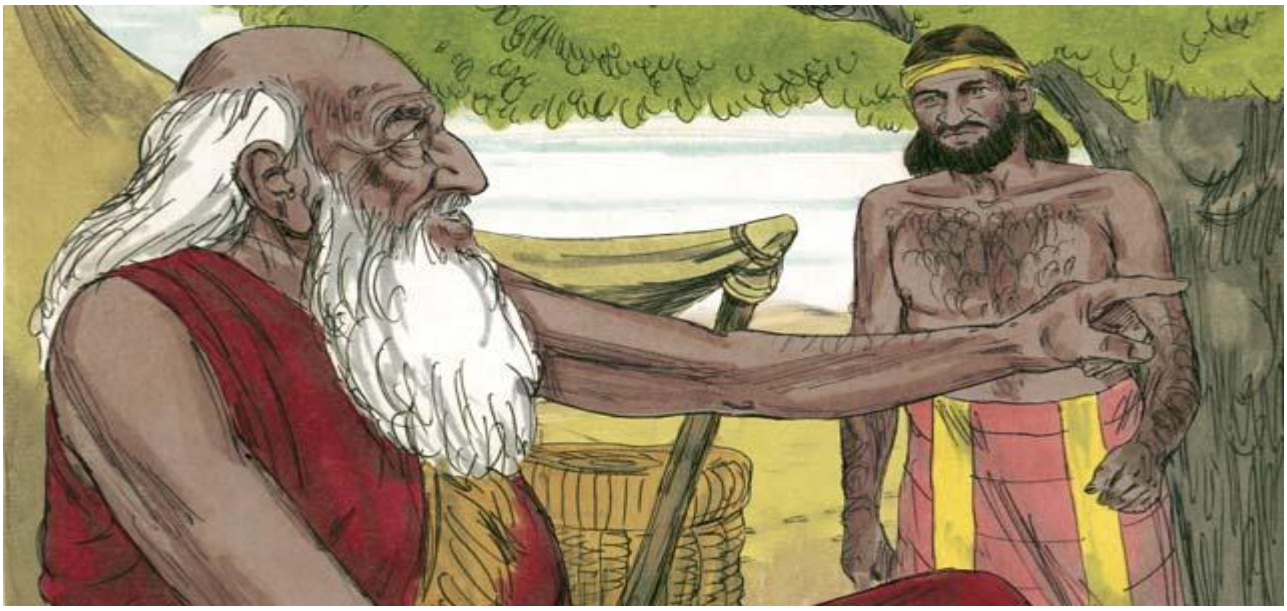

जब अब्रहाम बहुत ज़ियादा बूढ़ा हो गया तो इज़हाक़ जवान होने लगा था – सो अब्रहाम अपने नौकरों में से एक को बुलाकर अपने मुल्क में जहाँ उसके रिश्तेदार रहते थे भेजा कि उसके बेटे इज़हाक़ के लिए एक लड़की ढूंड कर ले आए ताकि उसकी बीवी बने -

अपने नौकरों में से एक को वापस भेजा

इसे इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “अपने नौकरों में से एक से कहा कि वापस जाओ” लफ्ज़ “वापस” के मायने हैं कि नौकर उसी जगह जाएगा जहां अब्रहाम कनान आने के बहुत अरसे पहले रहा करता था -यक़ीन करें कि इस मुहावरे का तर्जुमा यह बात साफ़ करता है -

उस मुल्क को

यह मुल्क जहाँ अब्रहाम रहा करता था वह मशरिक़ी मुल्क था

अपने बेटे इज़्हाक़ के लिए वापसी एक बीवी लाने के लिए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था ,”अपने बेटे इज़्हाक़ की शादी करने के लिए एक बिन बियाही औरत को अपने साथ लाने के लिए

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- बेटे, बेटों
- इस्हाक़
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

06:02

एक लम्बा सफ़र तय करने के बाद अब्रहाम का नौकर उस मुल्क में जा पहुंचा जहाँ उसके रिश्तेदार रहते थे –खुदा ने उस नौकर को रिबेक़ा के घर की तरफ़ रहनुमाई की जहां वह अपने खानदान के साथ रहती थी –वह अब्रहाम के बड़े भाई की पोती थी -

अब्रहाम के भाई की पोती

ख़ास तौर से रिब्क़ा अब्रहाम के भाई के बेटे की लड़की थी - रिब्क़ा का दादा अब्रहाम का भाई था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- ख़ुदावन्द
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- रिब्क़ा

06:03

रिबेक़ा को जब मालूम पड़ा कि अब्रहाम का नौकर अपने बेटे के लिए लड़की लेजाने के लिए आया है तो रिबेक़ा उस नौकर के साथ जाने के लिए राज़ी होगई – जैसे ही रिबेक़ा अब्रहाम के घर पहुंची जितना जल्द हो सकता था उतना ही जल्द इज़हाक़ ने उसके साथ शादी कर ली -

रिब्क़ा मान गयी

हालाँकि रिब्क़ा के मां बाप उसकी शादी का इंतज़ाम कर रहे थे तो उनहोंने उसको मजबूर नहीं किया कि वह इज़्हाक़ से शादी करे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रिब्क़ा
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- इस्हाक़

06:04

एक लम्बे अर्से के बाद अब्रहाम की मौत हो गई – फिर खुदा ने इज़हाक़ को बरकत दी इसलिए कि उसने अब्रहाम से मुआहदा बाँधा था इन मुआहदों में से एक वादा जो खुदा ने अब्रहाम से किया था वह था अनगिनत बेशुमार नसल मगर इज़हाक़ की बीवी रिबेक़ा के बचचे न हो सके थे -

वायदे ...मुन्तक़िल हो रहे थे

अहद के वायदे जो ख़ुदा ने अब्रहाम से किये थे वह सिर्फ़ अब्रहाम के लिए ही नहीं थे बल्कि उसकी तमाम नस्ल (औलाद) के लिए भी थे -

बे - शुमार

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है “ला तादाद” लफ्ज़ “बे - शुमार” के मायने हैं वे बहुत ही ज़ियादा , इतना ज़ियादा कि लोग उनका शुमार नहीं कर पायेंगे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इब्राहीम, अब्राम
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- ख़ुदावन्द
- ’अहद , ‘अहदों,नया ‘अहद
- इस्हाक़
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- रिब्क़ा

06:05

मगर इज़हाक़ ने रिबेक़ा के लिए खुदा से दुआ की और खुदा ने रिबेक़ा के हक़ में इज़हाक़ की दुआ क़बूल की और वह हामिला हुई – उसके पेट में तवाम थे यानी जुड़वा बचचे – वह दोनों बच्चे पेट के अन्दर ही एक दूदरे से लड़ाई कर रहे थे तो रिबेक़ा ने ख़ुदा से पूछा कि मेरे पेट में यह क्या हो रहा है ?

रिब्क़ा के पेट में

याने कि “उसके अन्दर”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्हाक़
- रिब्क़ा
- ख़ुदावन्द

06:06

खुदा ने रिबेक़ा से कहा “तुम दो बेटों को जन्म देने जा रही हो “ उन दोनों की नस्लें दो बड़ी मुख्तलिफ़ क़ौमें होंगी वह दोनों एक दूसरे के दुश्मन होंगे – वह दोनों आपस में लड़ेंगे – मगर जो क़ौम तेरे छोटे बेटे की होगी वह तेरे बड़े बेटे की क़ौम पर हावी हो जाएगी -

दोनों बेटों से

इसका मतलब ,”इन दोनों बेटों कि औलाद से”

वह आपस में एक दूसरे से लड़ाई करेंगे

दोनों बेटे और उनकी दोनों कौमें जो उनसे होंगी लगातार एक दूसरे से लड़ाई करते रहेंगे - मवाज़िना करें 06:05 से -

बड़ा बेटा

हालाँकि बच्चे जुड़वा थे,बच्चा जो पहले बाहर आया था वह बड़ा बेटा क़रार दिया जाएगा -

छोटे की ख़िदमत करेगा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ”बड़ा बेटा वही करेगा जो छोटा उससे करने को कहेगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- रिब्क़ा
- बेटे, बेटों

06:07

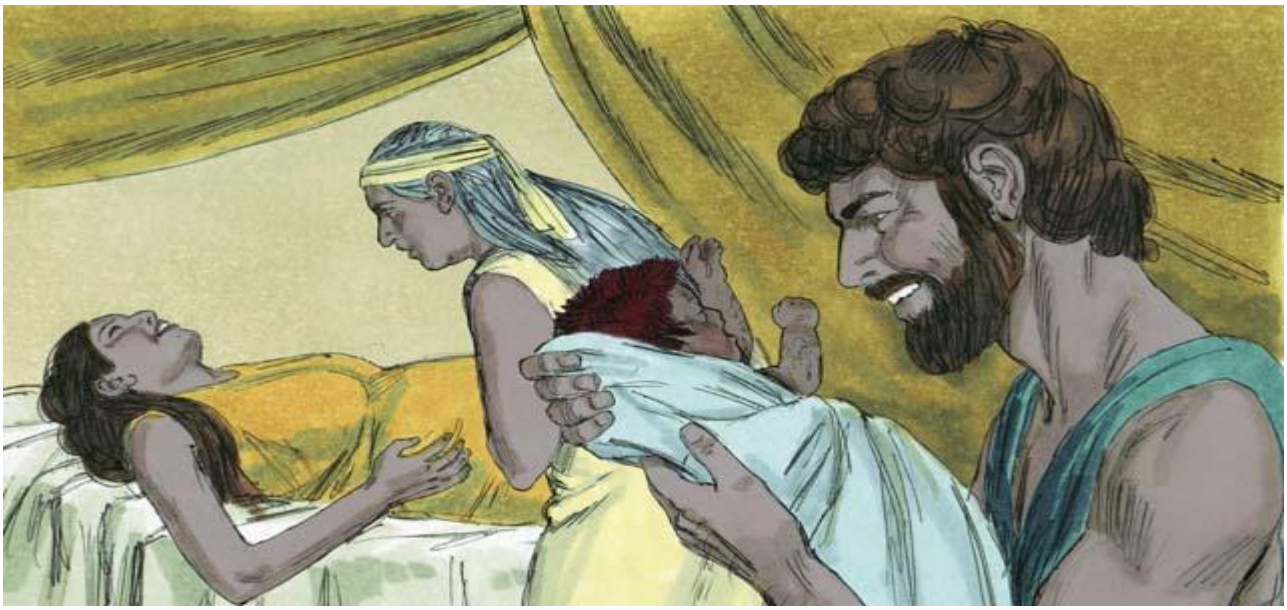

जब रिबेक़ा के बच्चे पैदा हुए थे तो बड़ा **लाल** रंग का और रुएं दार था यानी उसके पुरे जिस्म में बाल ही बाल थे , और उसका नाम एसाव रखा गया – फिर जब छोटा पैदा हुआ तो वह एसाव की एड़ी को पकड़ा हुआ था –उनहों ने उसका नाम याक़ूब रखा -

रिब्क़ा के बच्चे पैदा हुए

कुछ तर्जुमों में और ज़ियादा बिल वास्ता तरीके से कहा गया है जैसे कि , जब रिब्क़ा ने देखा तो उन्हें गोद में उठा लिया" या "जब रिब्क़ा उन्हें रौशनी में ले आई" -

बड़ा बेटा ...छोटा बेटा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "पहला बेटा बहार आया ...फिर दूसरा बेटा बाहर आया " इस बात को याद रखें कि "बड़े" और "छोटे" का तर्जुमा तो किया गया है फिर भी यह पता चलता है कि लड़के जुड़वा थे -

लाल

इसके यह मायने हो सकते हैं कि उसकी चमड़ी लाल थी या उसके बदन पर बाल थे -

रुएदार

एसाव के बदन पर बहुत ज़ियादा बाल थे या ऐसा कहा जा सकता था कि बड़े बेटे का बदन बहुत ज़ियादा बालों के साथ लाल था -

बाइबिल से एक कहानी

इन हवालाजात और बाइबिल के कुछ तर्जुमों में हल्का सा फ़र्क़ हो सकता है -

तर्जुमों के अलफ़ाज़

- रिब्क़ा
- बेटे, बेटों
- 'ऐसौ
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

_पैदाइश 24 बाब की 1 से 25 और 26 बाब से बाइबिल की एक कहानी _

7. खुदा याक़ूब को बरकत देता है

07:01

जैसे जैसे दोनों लड़के बड़े होते गए याक़ूब को **घर पर** ही रहना पसंद था मगर एसाव को जानवरों का शिकार करना पसंद था – रिबेक़ा याक़ूब से कुछ ज़ियादा ही मोहब्बत रखती थी , मगर इज़हाक एसाव से मोहब्बत रखता था -

घर पर रहना पसंद करता था ....शिकार पसंद था

कुछ जबानें “महब्बत” के लिए एक लफ़्ज़ इस्तेमाल करेंगी जो कि यहाँ पर फ़रक तरीके से इस्तेमाल किया गया है -जैसे “रिब्क़ा याक़ूब को पसंद करती थी” मिसाल के तोर पर इसे इस तरह इस्तेमाल किया जा सकता था ,”घर पर रहना पसंद करता था...शिकार करना पसंद था” या घर पर रहने को तरजीह दी ...शिकार करने को तरजीह दी -

घर पर

यह लहजे ख़ानदान जहाँ रहता है वहां के माहौल कि तरफ़ इशारा करते हैं – याक़ूब ख़ेमों के नज़दीक रहने को तरजीह देता था जहाँ वह रहते थे -कुछ ज़बानों में एक ख़ास बयान है ,”घर पर”

रिब्क़ा याक़ूब को पसंद करती थी ,मगर इज़्हाक़ एसाव् को पसंद करता था

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था ,” रिब्क़ा याक़ूब को ज़ियादा चाहती थी जबकि इज़्हाक़ एसाव को ज़ियादा चाहता था-“इस का मतलब यह कोई ज़रूरी नहीं कि रिब्क़ा और इज़्हाक़ दूसरे बेटों से प्यार नहीं करते थे ,मगर हर मां और बाप का अपना मंज़ूर -ए-नज़र होता है -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- 'ऐसौ
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/rebecca]]
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/issac]]

07:02

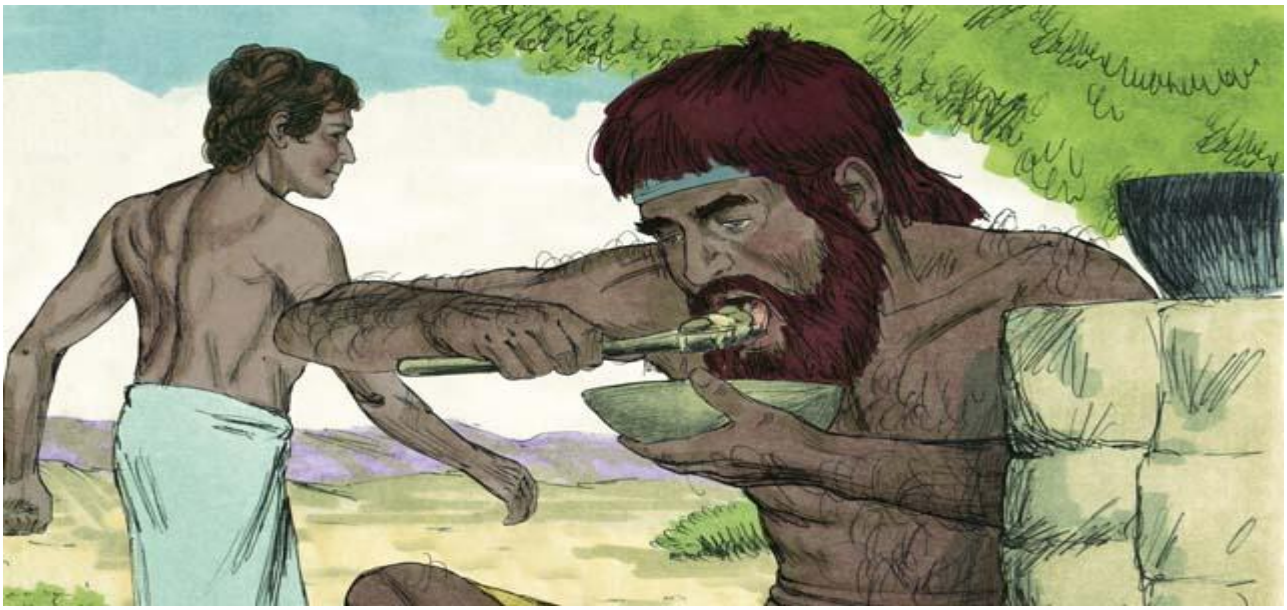

एक दिन एसाव जब शिकार से लौटा तो वह बहुत भूका था ,एसाव ने याक़ूब से कहा जो तूने अपने लिए खाना बनाया है उसमें से थोड़ा मुझे दे दे – याक़ूब ने जवाब दिया कि पहले तुम मुझ से वादा करो कि अपने पह्लोठे होने का हक़ मुझे दे दोगे ? – सो एसाव ने वादा किया कि मैं तुझे वह सारी चीज़ें जो फ्लोठे होने के हक़ में है तुझे दे दूंगा – फिर याक़ूब ने अपने खाने में से थोड़ा एसाव को दे दिया -

अपने खाने में से कुछ मुझे देदो ...अपना पहलोठे का हक़ मुझे देदो

“देने” के लिए यहाँ कुछ ज़बानों में दो फ़र्क़ अल्फ़ाज़ का इस्तेमाल कर सकते हैं – आख़िर के दो जुमलों में यह दोनों पर नाफ़िज़ होगा जैसे एसाव ने दिया ...याक़ूब ने दिया -

बड़े बेटे का हक़ जैसे

उनके रस्म ओ रिवाज के मुताबिक़ जबकि एसाव बड़ा था तो बाप के मरने पर उसकी जाएदाद का दो हिस्सा मिलना चाहिए था - याक़ूब ने सोचा कि यही तरीक़ा है कि इन हक़ों को बड़े बेटे एसाव से ले लिया जाए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ऐसौ
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

07:03

दूसरी तरफ़ इज़हाक अपनी बरकत एसाव को देना चाहता था मगर उसके बरकत देने से पहले ही रिबका और याक़ूब ने चालाकी करी – याक़ूब ने खुद को एसाव जैसा बना लिया, उसके कपड़े पहन लिए , उसने जानवर के बाल अपनी गर्दन और हाथ में चिपका लिए , अब इसलिए कि इज़हाक़ की आँखें धुंदला गयी थीं , वह उसको पहचान न सका -

उसकी बरकतें दे

रिवायतन बापों के लिए ऐसा था कि अपने बच्चों के लिए पहले से ही दुआए खैर करे या अपने बच्चों पर सब कुछ अच्छा गुज़रे ऐसे अरमान ज़ाहिर करे -आम तौर से ऐसा होता था कि बड़ा बेटा ही सब से अच्छी बरकतें हासिल करता था- इज़्हाक़ इस ज़रूरत से ज़ियादा खुशहाली को जो एसाव पर आने वाली थी उसे हासिल करना चाहता था -

उसको धोका दिया

लफ़्ज़ “धोका” के मायने हैं आजादी से किसी को फ़रेब देना - रिब्क़ा इज़्हाक़ को धोका देने क्र लिए एक मंसूबा लेकर आई कि एसाव के बदले याक़ूब को अच्छी और ख़ास बरकतें मिलें -

दाँव चलाया

लफ्ज़ “दाव चलाना” या “रूप धरना” बताता है कि किस तरह याक़ूब अपने बाप को धोका देगा (जबकि उसकी बुज़ुर्गी के अय्याम में उसकी आँखें धुन्द्ला गयी थीं)-

बकरी का चमड़ा

बकरी के चमड़े की रुएं याकूब को एसाव जैसा महसूस कराएगी -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- इस्हाक़
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

- 'ऐसौ
- रिब्क़ा
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/jocob]]

07:04

याक़ूब इज़हाक़ के पास आया और कहा कि “मैं एसाव हूँ ,मैं इसलिए आया हूँ कि तू मुझे बरकत दे –जब इज़हाक़ ने याक़ूब को टटोला और उसके कपड़े सूंघे तो ऐसा लगा कि वह एसाव है और उसे बरकत दे दी -

याक़ूब इज़्हाक़ के पास आया

कुछ ज़बानों में ऐसा कहना ज़ियादा सही हो सकता है कि “याक़ूब इज़्हाक़ के पास आया “-

उसने सोचा कि वह एसाव है

उस ने सोचा कि जिस शख़्स को वह छू और सूंग रहा था वह एसाव था -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- इस्हाक़
- 'ऐसौ
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

07:05

एसाव याक़ूब से नफ़रत करने लगा क्यूंकि उसने पह्लोठे होने का हक़ छीन लिया था और **उसकी बरकतें** भी ले ली थी जो सबसे बड़े बेटे को दी जाती थी, सो उसने याक़ूब को उसके बाप के मरने के बाद हलाक करने का मंसूबा बाँधा -

बड़े बेटे की तरह हुक़ूक़

याक़ूब ने तरीक़ा निक़ाला कि उस के बाप कि जाएदाद का ज़ियादा से ज़ियादा हिस्सा हासिल करे जो एसाव को बड़े बेटे के तौर पर जाने वाली थी – 07:02 पर भी नोट्स देखें -

उसकी बरकतें

याक़ूब ने भी अपने बाप से ज़रुरत से ज़ियादा जायदाद लेने के मुआमले में धोका दिया जो इज़्हाक़ कि मंशा थी कि एसाव को दे –07:03 पर भी नोट्स देखें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc://*/tw/dict/bible/other/ esau]]
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

07:06

मगर रिबक़ा ने एसाव के मंसूबे को मालूम कर लिया था फिर रिबेक़ा और इज़हाक़ दोनों ने मिल्कर याकूब को रेबेक़ा के रिश्तेदारों के पास दूर भेज दिया-

एसाव का मंसूबा

एसाव का मंसूबा था कि उसके बाप के मरने के बाद याक़ूब को हलाक कर दे -

रिब्क़ा और इज़हाक़ ने याक़ूब को भेज दिया

रिब्क़ा याक़ूब को एसाव से बचाना चाहती थी सो उसने इज़हाक़ से याक़ूब को दूर भेजने की बाबत बात की -

बहुत दूर उसके रिशतेदारों के साथ रहे

यह वही जगह थी जहाँ रिब्क़ा अपने ख़ानदान के साथ रहा करती थी जब अब्रहाम का नौकर उसे इज़हाक़ के लिए बीवी होने के वास्ते ले गया था - इसको वाज़ेह करने के लिए आप जोड़ सकते हैं ,"रिश्तेदार उसी मुल्क में जहां वह रहा करती थी "- वह मशरिक़ी मुल्क था जो कई सौ मील दूर था -

उसके रिश्तेदार

इसको ऐसा भी तर्जुमा किया जा सकता था, "उनके रिश्तेदार" जबकि अब्रहाम का बड़ा भाई रिब्क़ा का दादा या नाना था , रेब्क़ा के रिश्तेदार इज़हाक़ के भी रिश्तेदार थे -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- रिब्क़ा
- 'ऐसौ
- इस्हाक़
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

07:07

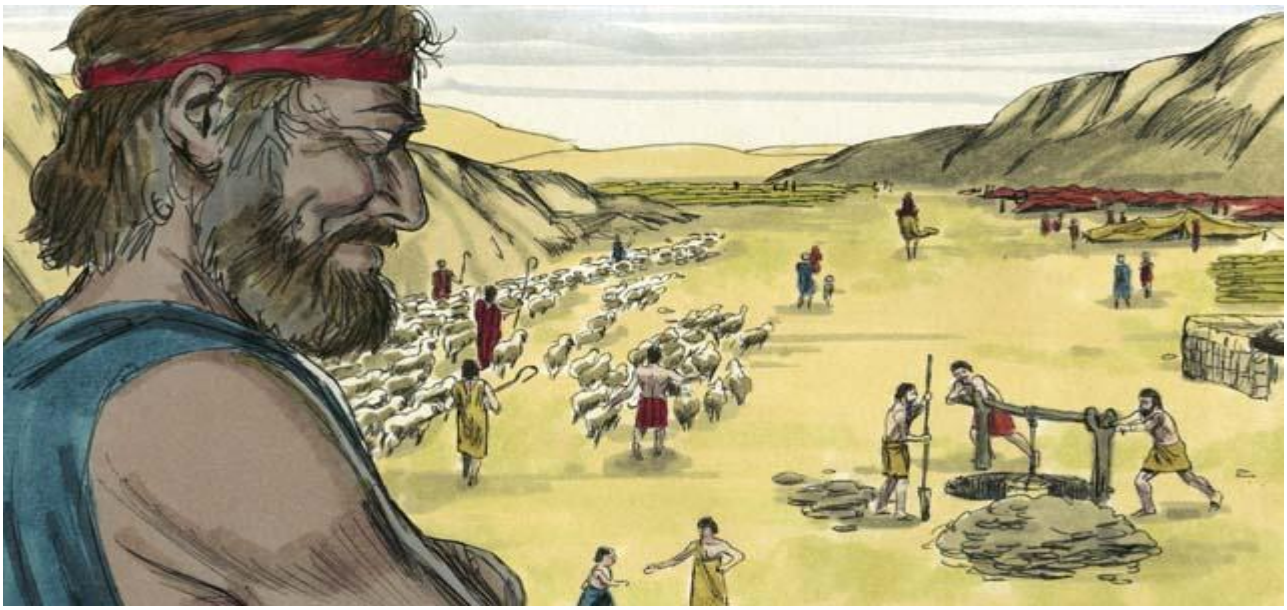

याक़ूब रिबेक़ा के रिश्तेदारों के पास बहुत सालों तक रहा – उसी दौरान याक़ूब ने दो शादियाँ की और उसके बारह बेटे और एक बेटी पैदा हुईं –खुदा ने याक़ूब को बरकत दी और वह बहुत बड़ा दौलतमंद शख्स बन गया -

अमीर

अमीरी के लफ़्ज़ में शामिल है पैसा , जानवरों के गल्ले , नौकर चाकर और दीगर जाएदाद -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- रिब्क़ा
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/kt/god]]

07:08

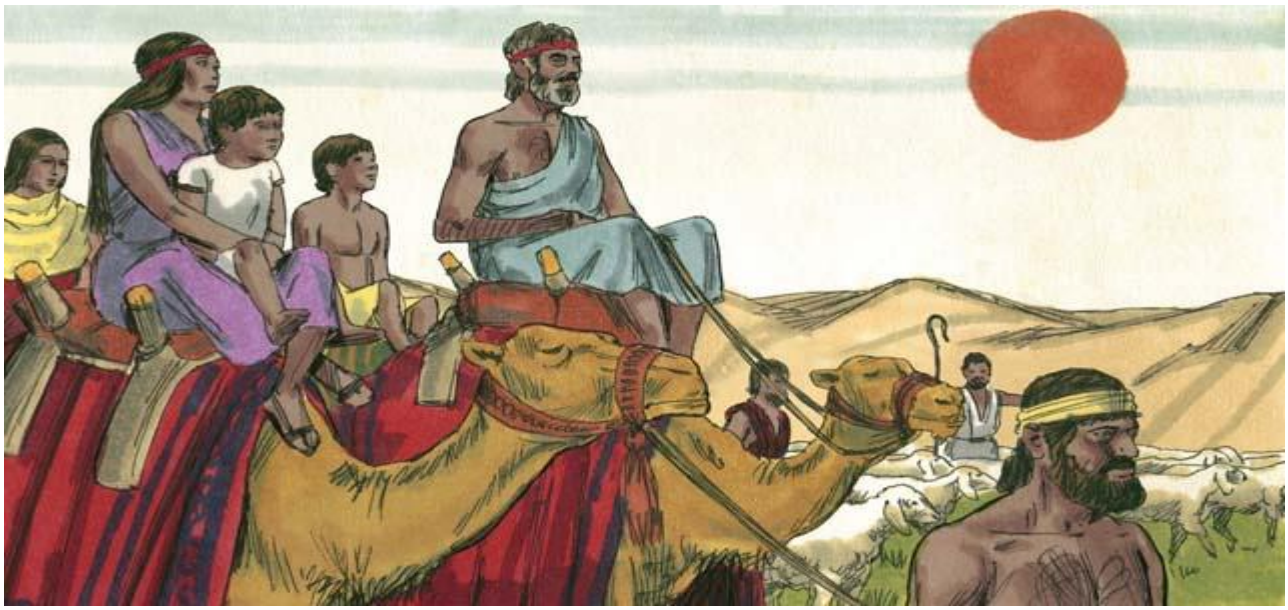

बीस साल तक याक़ूब अपने मांबाप के घर से यानि कनान से दूर था – फिर याक़ूब अपने ख़ानदान में वापस आया – मगर अब वह अकेला नहीं था – उसके साथ उसका पूरा ख़ानदान था ,जानवरों के रेवड़ थे, नौकर चाकर थे -

बीस साल बाद

जहाँ याकूब कि मां रहती थी उस मुल्क में उसने बीस साल का अर्सा गुज़ारा - अगर यह वाज़ेह नहीं है तो आप कह सकते हैं “जहाँ उसके रिश्तेदार रहा करते थे वहां बीस साल रहने के बाद”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- कना’न, कना’नी ,कना’नियों
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

07:09

मगर याक़ूब अभी भी अपने भाई एसाव से डरता था –क्यूंकि वह सोचता था कि एसाव अभी भी उसको हलाक करना चाहता था – सो उसने बहुत से जानवर अपने नौकरों के हाथ भिजवाए – नौकरों ने एसाव से कहा कि "आप का ग़ुलाम याक़ूब ने यह सारे जानवर आपको देने के लिए कहा है और वह बहुत जल्द यहाँ तशरीफ़ ला रहें हैं -

तुम्हारा ख़ादिम , याकूब

याक़ूब दरअस्ल एसाव का ख़ादिम नहीं था बल्कि याक़ूब ने अपने नौकरों से ऐसा कहलवाया क्यूंकि वह एसाव को बताना चाहता था कि वह उस के पास हलीमी और इज़्ज़त के साथ आरहा है , ताकि एसाव उस पर आइन्दा को गुस्से में न रहे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- 'ऐसौ
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

07:10

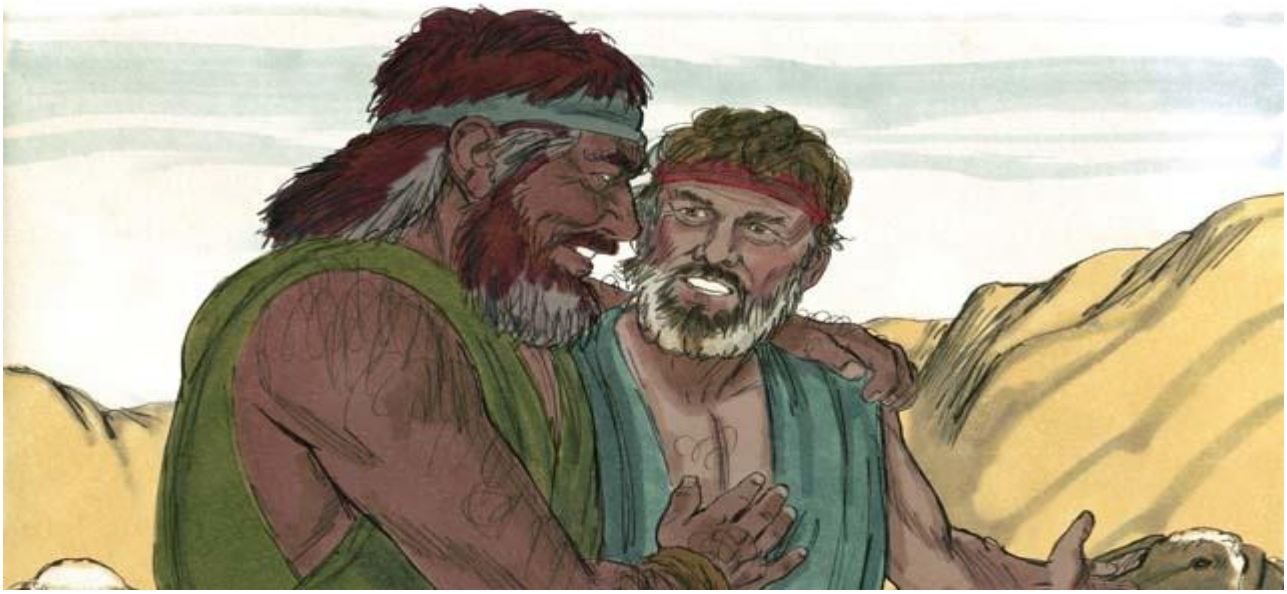

मगर एसाव ने याक़ूब को हलाक करने की मंशा छोड़ दी थी – इस के बदले में वह याक़ूब से दुबारा मिलने की आरज़ू रखता था –जब याक़ूब को मालूम पड़ा कि एसाव उससे सुलह का आरज़ू रखता है तो वह ख़ुश हुआ और इतमीनान और तसल्ली से मुल्क –ए –कनान में अपने खानदान के साथ रहने लगा था –फिर इज़हाक़ की जब मौत हुई तो दोनों ने मिलकर अपने बाप को मिटटी दी –खुदा का मुआहदा और वादे जो उसने अब्रहाम से किए थे वह अब इज़हाक़ और याक़ूब में पूरे होने वाले थे -

तसल्ली से रहने लगे

यह उस सच्चाई को बताता है कि एसाव और याक़ूब एक दूसरे से गुस्सा नहीं थे और एक दूसरे से लड़ते नहीं थे -

उसको दफ़नाया

इस के मायने यह हो सकते थे कि उन्होंने ज़मीन में क़ब्र खोदी और उसमें इज़्हाक कि लाश को रखा और उसके क़ब्र को मिटटी या पत्थरों से ढँक दिया – या फिर यह मायने हो सकते थे कि उन्होंने इज़्हाक कि लाश को एक ग़ार में रखा और उसके मुंह को ढँक दिया -

अहद के वायदे

यह वह वायदे थे जो ख़ुदा ने अपने अहद में अब्रहाम के साथ बांधे थे -

उसके वायदे याकूब में मुन्तक़िल हुए

ख़ुदा के वायदे अब्रहाम से उसके बेटे इज़्हाक में , और अब उसके बेटे याक़ूब में राइज होते गए -एसाव ने कोई वायदा हासिल नहीं किया -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ऐसौ
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों
- इस्हाक़
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/covnant]]
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- ख़ुदावन्द
- [[rc;//en/tw/dict/bible/other/abraham]]

_पैदाइश 25:27 से 35:29 तक बाइबिल की एक कहानी _

8. खुदा यूसुफ़ और उसके खानदान को बचाता है

08:01

कई सालों बाद जब याक़ूब बूढ़ा हो चुका तो उसने अपने चाहेते बेटे यूसुफ़ को यह कहला कर **भेजा** कि अपने **भाइयों** को देखकर आना की वह गल्ला चरा रहे थे कि नहीं – कि वह ठीक से गल्ले की रखवाली कर रहे हैं कि नहीं -

भेजा

इस लफ़्ज़ के मायने हैं याक़ूब ने यूसुफ़ को भेजा और यूसुफ़ चला गया -

चहेता बेटा

इसको इस तरह तर्जुमा किया जा सकता था ,"वह बेटा जिस को उसने उके दीगर बच्चों से ज़ियादा प्यार किया"

दरयाफ़्त करो

इस का मतलब यह है कि यूसुफ़ को जाना था और देखना था कि उसके भाइयों के साथ सब कुछ ठीक चल रहा है या नहीं – कुछ ज़ुबानों में ऐसा कहा जा सकता है: उस के भाइयों की ख़ैर ख़ैरियत देखने के लिए -

भाइयों

यह यूसुफ़ के बड़े भाई थे

भेड़ बकरियों और दीगर जानवरों की रखवाली करना

जबकि यह बहुत दूर थे और कई दिनों का सफ़र था -यह कहना ज़रूरी हो जाता है कि "वह जो बहुत दूर रहकर रखवाली कर रहे थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)

08:02

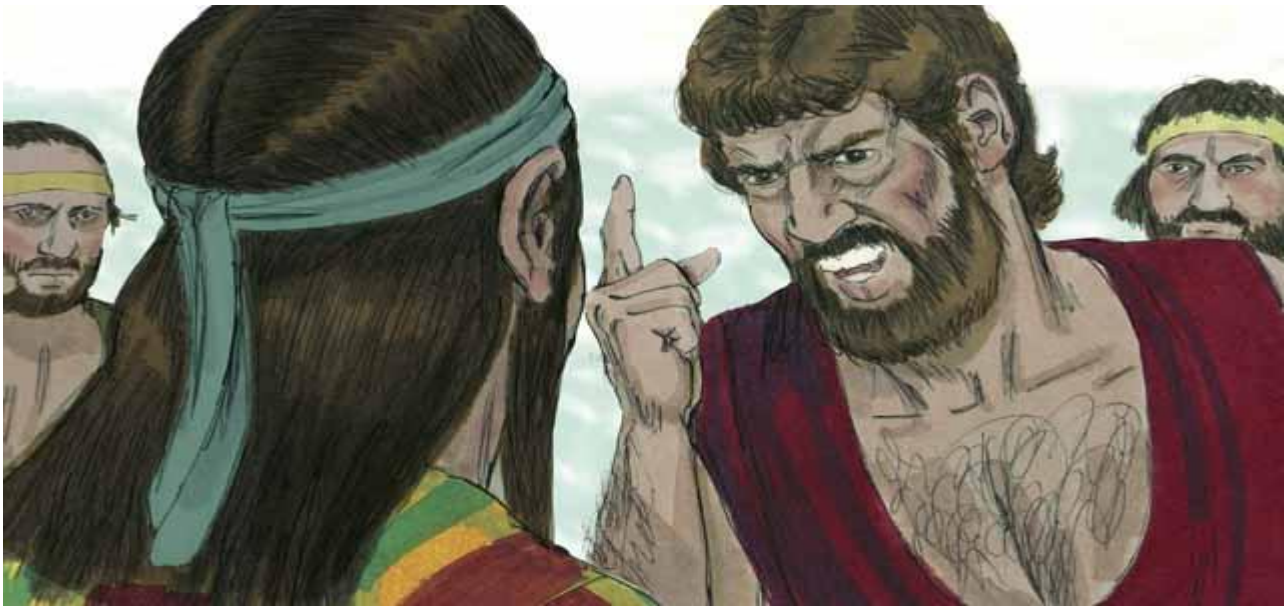

यूसुफ़ के भाई युसूफ से नफ़रत करते थे क्यूंकि उनका बाप याक़ूब बहुत ज़ियादा युसुफ़ से महब्बत रखता था –इसलिए भी कि युसूफ ने ख़ाब देखा था कि वह उनका हाकिम बननें वाला था जब यूसुफ़ अपने **भाइयों के पास आया** तो उनहोंने उसको अग़वा कर लिया और उसको सौदागरों के हाथ ग़ुलाम बतौर बेच डाला -

भाइयों के पास आया

इसे तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा हो सकता था ,"उस जगह पर पहुंचा जहां उस के भाई थे "

अग़वा कर लिया गया

वो उसको उसकी मरज़ी के ख़िलाफ़ ले गए -उनको उसके साथ ऐसा करने का कोई हक़ नहीं था -

ग़ुलामों के सौदागर

यह वो लोग थे जिन्होंने लोगों को ख़रीदने का धा बना रखा था और एक मालिक से लेकर दूसरे मालिक को गुलाम बतौर बेचने का -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूसुफ़ (पुराना 'अहद नामा)
- ख़्वाब
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

08:03

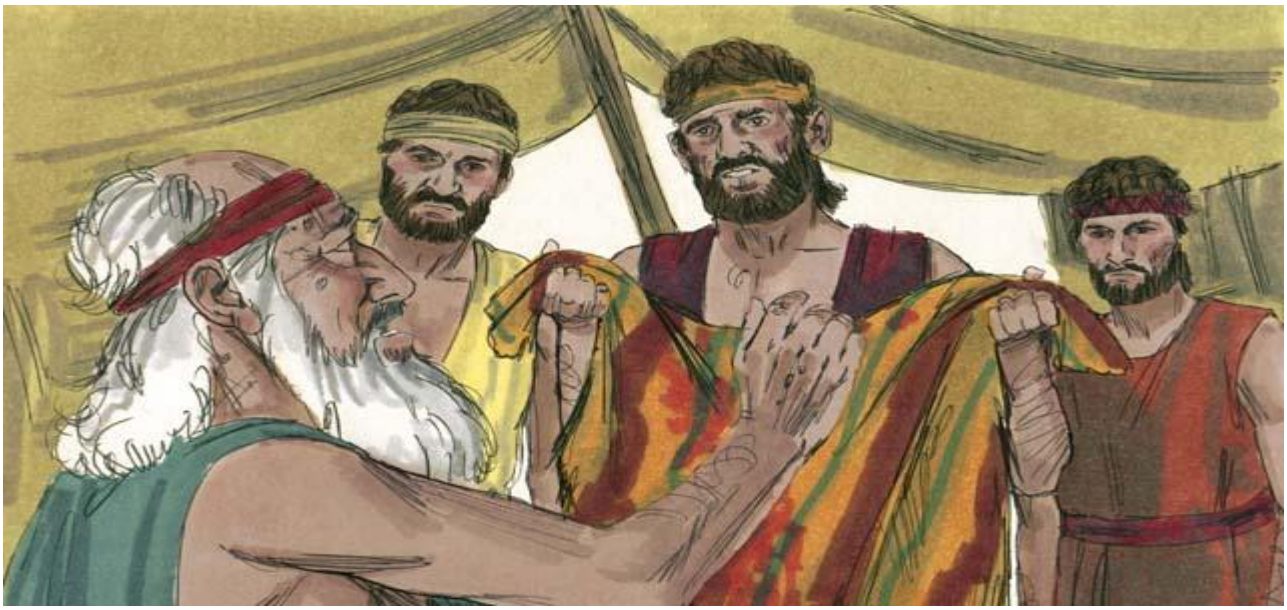

यूसुफ़ के भाई शाम को घर पहुँचने से पहले युसूफ के बु क़ल्मून क़बा को बकरे के खून में डुबोया और जाकर अपने बाप से कहने लगे कि यूसुफ़ को किसी जानवर ने हलाक कर दिया और सबूत बतौर उसके पहने हुए खून से सने कपड़े दिखाए – इसे सुनकर याक़ूब खस्ताहाल हो गया और दिल में बहुत ज़ियादा रंज किया -

बकरी का खून

भाइयों ने याक़ूब को यह सोचने पर मजबूर किया कि जो ख़ून कपड़ों पर थां वह युसूफ़ का ही ख़ून था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

08:04

गुलामों के सौदागर यूसुफ़ को मिस्र ले गए – मिस्र उस ज़माने का बहुत बड़ा और ज़बरदस्त मुल्क था जो दर्याए नील के किनारे पर वाक़े था – सौदागरों ने यूसुफ़ को एक दौलतमंद **सरकारी अफ़सर** के हाथों बेच दिया – यूसुफ़ ने अपने मालिक की बहुत ईमानदारी से ख़िदमत की और खुदा ने यूदुफ़ को बरकत दी -

सरकारी अफ़सर

यह एक शख्स था जो मिस्री सरकार का एक अफ़सर था -दूसरे मायनों में यह कह सकते हैं कि “मिस्र की सरकार का एक रहनुमा” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी
- ख़ुदावन्द
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

08:05

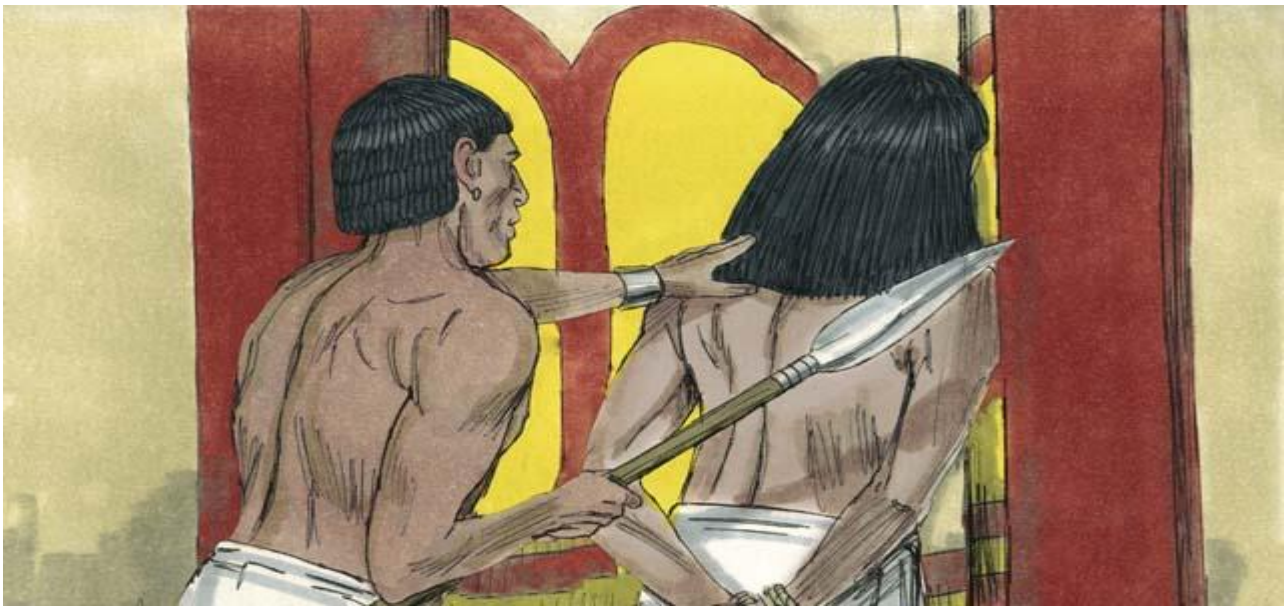

उसके मालिक की बीवी यूसुफ़ को अपने साथ अपने बिस्तर में सुलाना चाहती थी – मगर यूसुफ़ ने इनकार किया कि ऐसा करके वह **ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह** नहीं करेगा –अंजाम बतौर वो यूसुफ़ से ग़ुस्सा हुई और यूसुफ़ पर झूठा इल्ज़ाम लगाकर गिरफ़्तार कराया और क़ैद ख़ाने में डलवा दिया – मगर यूसुफ़ खुदा की नज़र में वफ़ादार रहा और खुदा ने उसको क़ैद ख़ाने में भी बरकत दी -

यूसुफ़ के साथ सोने की कोशिश की

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “उसने यूसुफ़ को मजबूर करने की कोशिश की कि वह उस के साथ मुबाशिरत करे “-

ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह

लोगों के लिए यह ख़ुदा कि शरियत के ख़िलाफ़ है अगर वह बग़ैर शादी के एक दूसरे के साथ जिंसी ताल्लुक़ात रखते हैं – यूसुफ़ नहीं चाहता था वह ख़ुदा की शरीयत के ख़िलाफ़ गुनाह करके नाफ़रमान हो -

ख़ुदा का वफादार बना रहा

दूसरे तरीक़े से ऐसा कहा जाएगा कि “वह लगातार ख़ुदा कि इताअत करता रहा”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- [[rc;//en/tw/dict/bible/kt/god]]
- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

08:06

दो साल बाद यूसुफ़ अभी भी क़ैद में ही था – हालांकि वह बे क़ुसूर था – एक दिन "फ़िरोन" जिसे मिसरी लोग अपना बादशाह मानते थे उसने दो ख़ाब देखे जिसे देखकर बाद्शाह अपने आप में बहुत ही परेशान था –बादशाह के सलाहकारों में से कोई भी इस क़ाबिल नहीं था कि वह उसके दो खाबों की ताबीर बयान कर सके -

उसको बहुत ज़ियादा परेशान करने लगा

इसका मतलब यह हुआ कि वह बहुत ज़ियादा डरा हुआ था और उलझन में था -

उसके सलाहकार

यह वो लोग थे जिन के पास ख़ास इख़्तियार और इल्म था जो कभी कभी बादशाह के ख़्वाब की ताबीर भी बताते थे – कुछ तर्जुमों में इन्हें "दानिशमंद लोग" भी कहा गया है

ख़्वाब की ताबीर

मिस्री लोगों का यह एत्क़ाद था कि ख़्वाब देवताओं कि तरफ़ से पैग़ाम होता है कि मुस्तक़बिल में क्या कुछ होने वाला है - ख़ुदा ने फ़िरौन के ख़्वाबों का इस्तेमाल किया उसे यह कहने के लिए कि आगे क्या होने वाला है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc://*/dict/bible/other/josephot]]
- [[rc://*/dict/bible/kt/innocent]]
- [[rc://*/dict/bible/other/pharaoh]]
- [[rc://*/dict/bible/other/Egypt]]
- [[rc://*/dict/bible/other/king]]
- [[rc://*/dict/bible/other/dream]]

translationWords

- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)
- बेक़ुसूर
- फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- ख़्वाब

08:07

खुदा ने यूसुफ़ को किसी के भी ख़ाब की ताबीर बयान करने की क़ाबिलियत अता कर रखी थी – जब यह बात फ़िरोन को मालूम पड़ी तो उसने यूसुफ़ को क़ैद ख़ाने से बुलवा भेजा – यूसुफ़ ने फ़िरोन के ख़ाबों की ताबीर सही मायनों में कह सुनाया और कहा "कि आने वाले सात सालों में खुदा कसरत की फ़सल भेजने वाला है मगर उसके आगे दुसरे सात बरसों में बहुत ही होलनाक **क़हत** भी –"

ख़्वाब की ताबीर बयान करो

ताबीर बयान करना ख़्वाब के मतलब को समझाना होता है – सो यूसुफ़ जो क़ैद में था लोगों के ख़्वाब की ताबीर बता सकता था -

यूसुफ़ को फ़िरौन के पास लाया गया

कहने का दूसरा तरीक़ा यह हो सकता है कि उसने अपने नौकरों को हुक्म दिया कि यूसुफ़ को उसके पास लाया जाए -

ख़ुदा नाज़िल करने पर है

ख़ुदा सात सालों में निहायत ही ज़ियादा फ़स्ल देगा फिर आगे के सात सालों में बहुत ही कम फ़स्ल होगी कि लोगों और जानवरों को खाने के लिए काफ़ी न होगा -

क़हत

बाग़ात और खेत बहुत ही कम फ़स्ल देंगे कि लोगों और जानवरों के खाने के लिए काफ़ी नहीं होंगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- यूसुफ़ (पुराना 'अहद नामा)
- ख़्वाब
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह

08:08

फ़िरोन यूसुफ़ से बहुत ज़ियादा मुतास्सिर हुआ और उसको तमाम मुल्क –ए- मिस्र का वज़ीर –ए- आज़म मुक़र्रर किया -

मुतास्सिर होना

फ़िरोन यूसुफ़ कि अक़्लमंदी से मुताजजुब हुआ और उस के लिए इज़्ज़त महसूस की ; उसने यूसुफ़ पर भरोसा किया कि लोगों के फ़ायदे के लिए वह दानिशमंदी फ़ैसले लेगा -ऐसा कहना साफ़ होगा कि "फ़िरौन यूसुफ़ की दानिशमंदी से बहुत ज़ियादा मुतास्सिर हुआ _

दूसरा इक़तिदार वाला शख़्स

फ़िरौन ने यूसुफ़ को ज़ियादा इक़तिदार वाला और तमाम मिस्र का ख़ास हाकिम बनाया – सिर्फ़ फ़िरौन यूसुफ़ ही से ज़ियादा रुतबे वाला और ख़ास था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- यूसुफ़ (पुराना 'अहद नामा)
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

08:09

यूसुफ़ ने सरकारी ज़खीरा करने वालों से कहा कि हाल के सात बरसों में जो कसरत से फ़सल होने वाली है जितना ज़ियादा हो सके उतना अनाज का ज़खीरा कर लें – फिर दुसरे सात बरसों में जो **क़हत** साली के अय्याम थे उनमें यूसुफ़ ने गरीबों को रिआयती दामों पर अनाज बेचा ताकि लोग बगैर किसी दिक्क़त के अनाज खरीद सकें -

बड़ी मिक़दार में अनाज जमा करो

जिन सालों में निहायत ज़ियादा फ़स्ल हुई उसे शेहरों से लेजा कर ज़ख़ीरे में जमा किया -फिर वह अनाज फ़िरौन का हो गया -

क़हत

देखें कि आप ने इसे कैसे तर्जुमा किया 08:07

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)

08:10

यह क़हत के साल न सिर्फ़ मिस्र में निहायत सख्त थे बल्कि कनान में भी जहाँ याक़ूब का ख़ानदान रहता था -

मिस्र बल्कि कनान भी

कुछ ज़बानो में यह ज़ियादा साफ़ और दुरुस्त होगा कि “न सिर्फ़ मुल्के मिस्र बल्कि कनान का मुल्क भी

क़हत ज़ियादा सख़्त था

क़हत बहुत बुरा था – अनाज बहुत थोड़ा था और मिस्र से बाहर बहुत से लोग भूकों मर रहे थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- कना’न, कना’नी ,कना’नियों
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

08:11

सो याक़ूब ने भी अपने बड़े बेटों को अनाज खरीदने के लिए मिस्र भेजा – उसके भाइयों ने **यूसुफ़ को नहीं पहचाना** जब वह अनाज खरीदते वक़्त उनके सामने खड़ा था ,मगर यूसुफ़ ने उन्हें पहचान लिया था -

उसके बड़े बेटे

यह यूसुफ़ के बड़े भाई थे जिन्हों ने उसको ग़ुलाम बतौर बेच दिया था -

यूसुफ़ को नहीं पहचाना

वह नहीं जानते थे कि जो उनके सामने खड़ा था वह यूसुफ़ था क्यूंकि अब यूसुफ़ बड़ा हो चुका था जब से कि उन्हों ने उसे बेचा था इस के अलावा यूसुफ़ एक मिस्री हाकिम बतौर शाही पोशाक में था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)

08:12

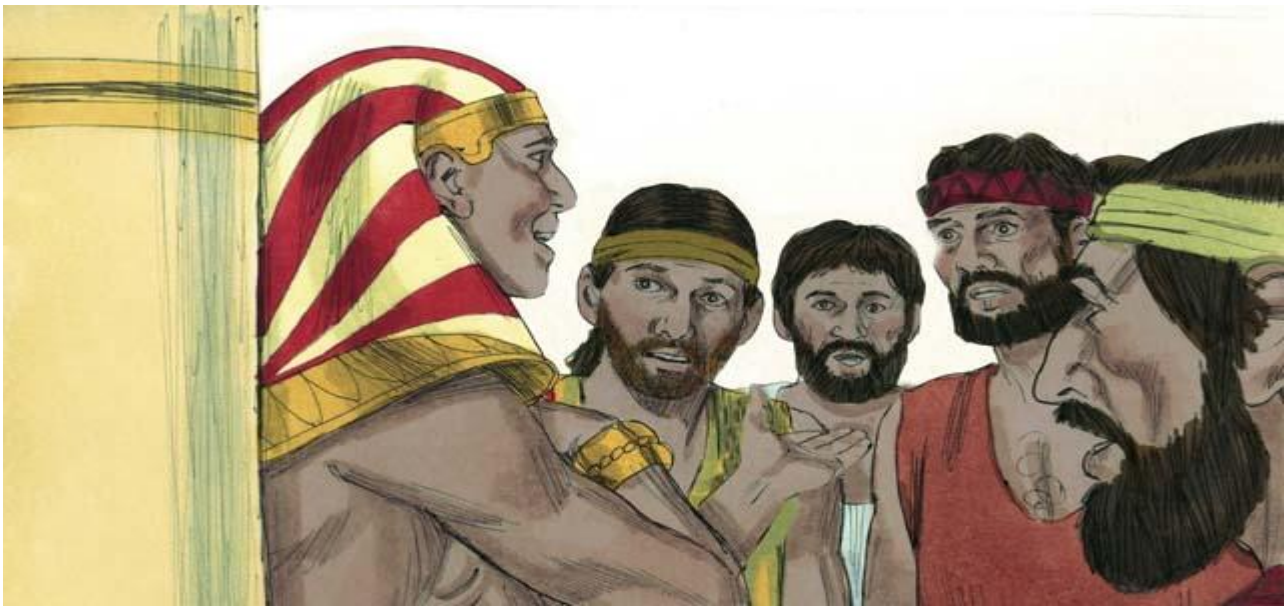

यूसुफ़ उन्हें जांचने के बाद कि वह बदल चुके हैं या नहीं यूसुफ़ ने अपना तआरुफ़ अपने भाइयों के सामने कराया – उसने उनसे कहा "मैं तुम्हारा भाई यूसुफ़ हूँ ! **डरो मत**, तुमने तो मेरे साथ बुराई की और मुझे गुलाम बनाकर बेच दिया था – मगर खुदा ने उसी बुराई को भलाई में बदल दिया - अब तुम अपने बाप को लेकर मिस्र आ जाओ ताकि मैं हमेशा के लिए पुरे खानदान के वास्ते ख़ुराक मुहैय्या करता रहूँगा "-

अपने भाइयों को जांचना

यूसुफ़ ने अपने बड़े भाइयों को ऐसी मुश्किल हालत में रखा यह देखने के लिए कि क्या वह अपने सबसे छोटे भाई की हिफ़ाज़त करेंगे या वैसा ही बुरा बर्ताव करेंगे जैसा कि उन्हों ने यूसुफ़ के साथ किया था -जब वह अपने छोटे भाई की हिफ़ाज़त करते तो वह मालूम कर पाता कि वह बदल गए थे -

अगर वह बदल गए थे

कहने का दूसरा तरीका यह होगा कि ,"अगर वह पहले से फ़र्क़ थे "कई साल पहले यूसुफ़ के भाइयों ने यूसुफ़ को गुलाम बतौर बेच दिया था ,मगर अब यूसुफ़ यह जानना चाहता था कि क्या वह वही करेंगे जो सहीह है -

डरो मत

कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि "इस बात से मत घबराना कि मैं तुम्हें कोई सज़ा दूंगा –" यूसुफ़ के भाई डर रहे थे क्यूंकि उन्हों ने यूसुफ़ के साथ निहायत ही बुरा बर्ताव किया था मगर अब एक बड़ा हाकिम बतौर उसका इख़तियार था कि वह उनको सज़ा दे -यूसुफ़ अनाज बेचने से मना कर सकता था ,या उन्हें क़ैद में डलवा देता या मरवा देता -

अच्छाई के लिए बुराई

यूसुफ़ के भाइयों ने एक बुराई कि थी जब उन्हों ने यूसुफ़ को ग़ुलाम बतौर बेच दिया था – मगर ख़ुदा ने इसे अच्छाई में इस तरह बदला कि यूसुफ़ को ऐसा वसीला बनाया कि हज़ारों लोग जिनमें उसका अपना ख़ानदान भी शामिल था क़हत के दौरान भूकों मरने से बच गए – यह बहुत अच्छी बात थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूसुफ़ (पुराना 'अहद नामा)

- बुराई, बदकार, बदकारी
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- ख़ुदावन्द
- अच्छा, भलाई
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

08:13

जब यूसुफ़ के भाई घर लौटे तो उनहोंने अपने बाप से कहा कि यूसुफ़ अभी तक जिंदा है – यूसुफ़ यह सुनकर फूला न समाया -

आम मालूमात

_(इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है)

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

08:14

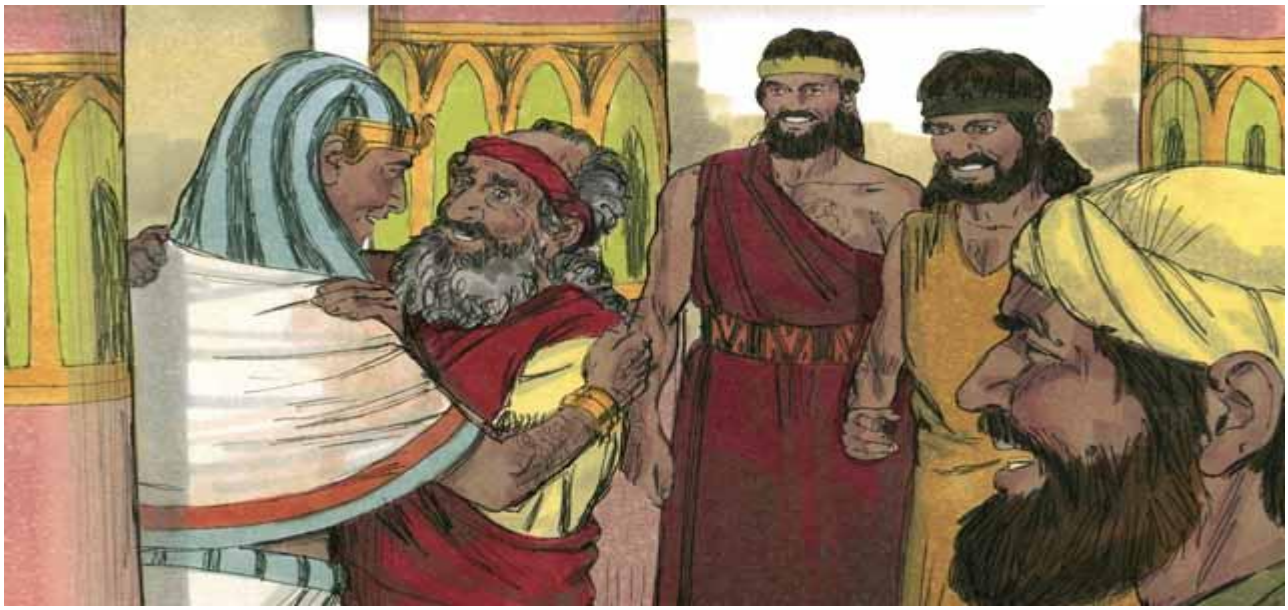

हालांकि याक़ूब बूढ़ा हो चुका था - इसके बावजूद भी वह अपने पूरे खानदान के साथ मिस्र को रवाना हुआ और वह सब के सब मिस्र में सुकूनत करने लगे – याक़ूब ने अपने मरने से पहले तमाम बेटों को बरकत दी -

हालाँकि याकूब बुज़ुर्गी के अय्याम में था ,फिर भी वह मिस्र को गया

कनान से मिस्र बहुत दूरी पर था ,और एक बुज़ुर्ग शख़्स के लिये मुश्किल रहा होगा कि इतने दूर का सफ़र पैदल या बैल गाड़ी या ऊँट गाड़ी से तै करे -

याकूब के मरने से पहले

याक़ूब मिस्र में मरा -वह इस लायक़ नहीं था कि कनान वापस जा सके जिस को देने के लिए ख़ुदा ने वायदा किया था कि वह उसकी औलाद को देगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

08:15

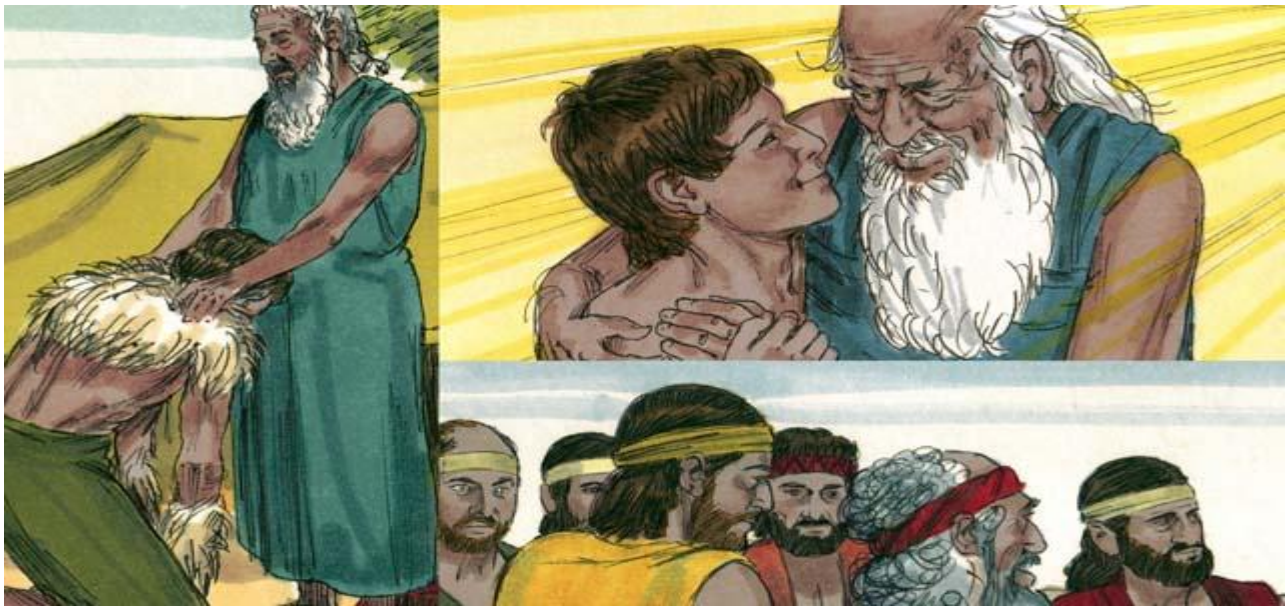

वह मुआहादे के वादेजो जो खुदा ने अब्रहाम को दिए थे वह इज़हाक़ में फिर याक़ूब में और फिर याक़ूब से उसके बारह बेटों और उनके खानदानों में पहुंचा – उन बारह बेटों की नस्लें बनी इस्राएल के बारह क़बीलों में तक़सीम हुए -

अहद का वायदा

बहुत अरसा पहले ख़ुदा ने अब्रहाम के साथ अहद बाँधा था और उस से वायदा किया था कि वह उसे कई औलाद देगा ; वह कनान मुल्क पर क़ब्ज़ा करेंगे और वह एक बड़ी कौम बनेंगे - ख़ुदा ने यह भी वायदा किया था कि दुनिया के तमाम लोग उसके सुल्ब से बरकत हासिल करेंगे – इसे भी देखें 07:10-

मुन्तक़िल हुई

दूसरे तरीक़े से कहा जाए तो ऐसा होगा कि “मुन्तक़िल हुई “ या “दी गई” या “नाफ़िज़ हुई”- ख़ुदा ने जो अब्रहाम से वायदा किया था वह अब्रहाम की औलाद और उनकी औलाद के लिए था - देखें 06:04-

इस्राईल के बारह क़बीले

ख़ुदा ने अब्रहाम से वायदा किया था कि इज़्हाक़ और याक़ूब की औलाद एक बड़ी कौम बनेगी - बाद में ख़ुदा ने याक़ूब का नाम बदलकर इस्राईल रखा - याक़ूब की औलाद यानि उसके बारह बेटे बारह अज़ीम क़ौम बतौर नज़र आए - इन बारह क़बीलों का क़दीम नाम बनी इस्राईल कहलाया जो कि याक़ूब का नया नाम था -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों में हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/covnant]]
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- ख़ुदावन्द

- इब्राहीम, अब्राम
- इस्हाक़
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/decendant]]
- इस्राईल, इस्राईली

_पैदाइश 37 से 50 बाब तक बाइबिल की एक कहानी _

9.खुदा मूसा को बुलाता है

09:01

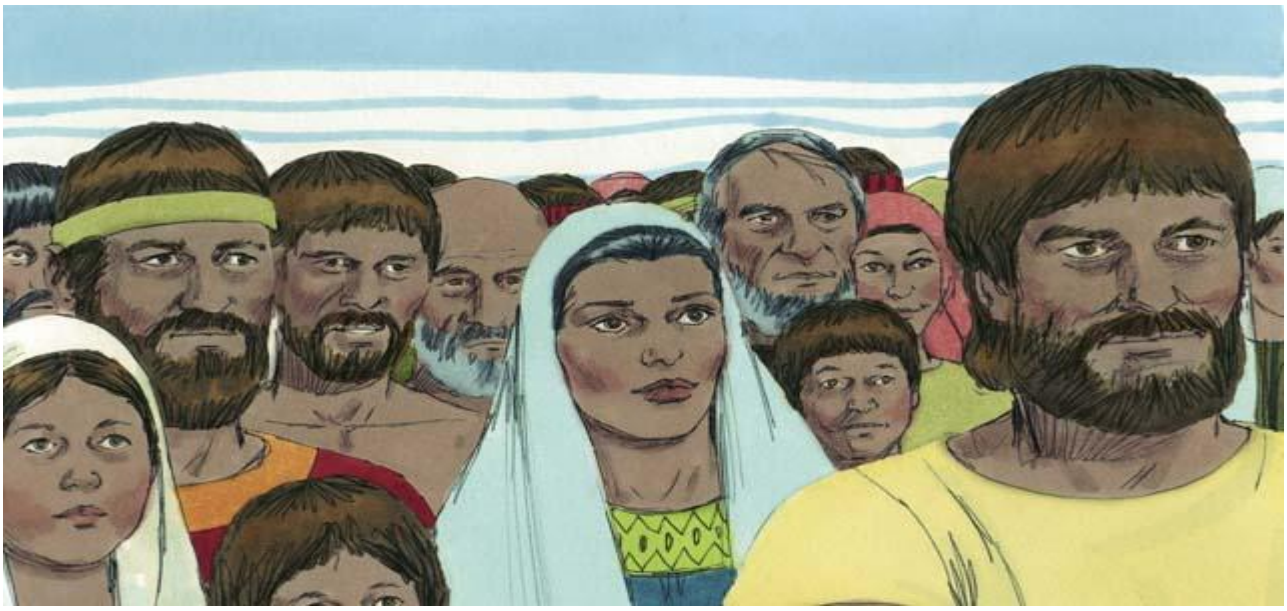

यूसुफ़ के मरने के बाद उसके तमाम रिश्तेदार मिस्र में रहते थे –वह और उसकी नस्लें मिस्र में कई सालों तक रहे –और उनके कई बचचे पैदा हुए – वह बनी इस्राएल कहलाए -

इस्राईली कहलाए

बेशुमार लोगों की जमाअत जो याक़ूब की औल्द थी वह “इस्राईल” कहलाई – यह वह नाम है जो ख़ुदा ने याक़ूब को दिया था -लोग जो इस जमाअत से थे इस्राईली कहलाए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/decendant]]
- इस्राईल, इस्राईली

09:02

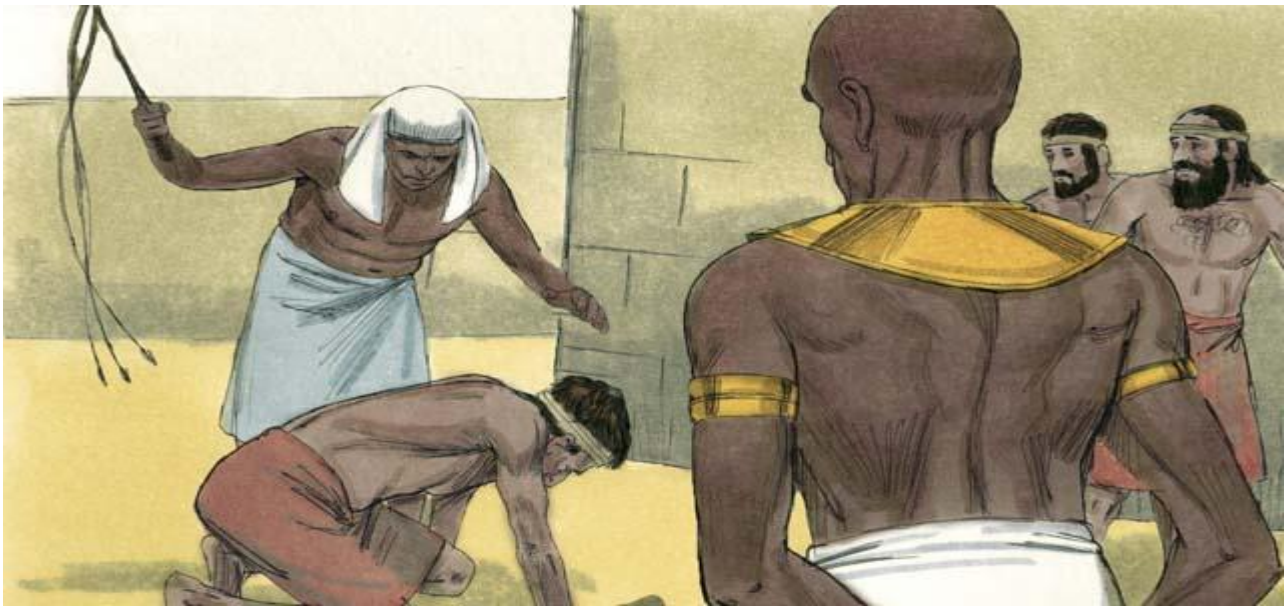

सदियों साल बाद बनी इस्राएल का शुमार बहुत ही ज़ियादा होगया था –मिसरी लोगों की नई पीढ़ी यूसुफ़ के एहसानों को भूल चुके थे जो उसने उनके लिए किया था –अब वह लोग बनी इस्राईल की बड़ी क़ौम से खौफ़ खाने लगे थे इसलिए फ़िरोन जो उस वक़्त मिस्र में हुकूमत करता था उसने बनी इस्राईल को मिस्रियों का ग़ुलाम बना लिया था -

फ़िरौन

फ़िरौन एक मिसरी लफ़्ज़ है जो उन के बादशाह का हवाला देता है – यह फ़िरौन जो यूसुफ़ के ज़माने में था वह साबिक़ फ़िरौन का बेटा था जो मर गया था , हो सकता है कि यूसुफ़ उसे जानता था -

इस्रईलियों को ग़ुलाम बना लिया

मतलब यह कि “ज़बरदस्ती से उनकी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ मेहनत ओ मशक़्क़त करने पर मजबूर किया और उन के साथ सख़्त बर्ताव किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc:en/tw/dict/bible/kt/Israel]]
- [[rc:en/tw/dict/bible/other/Egypt]]
- [[rc:en/tw/dict/bible/other/josephot]]
- [[rc:en/tw/dict/bible/other/pharaoh]]
- [[rc;en/tw/dict/bible/other/servant]]

09:03

मिसरियों ने बनी इस्राईल कौम को मजबूर किया कि वह उनके लिए इमारतें बनाएं और यहाँ तक कि एक पूरे शहर की तामीर करें –उनकी कड़ी मेहनत और मशक़त ने उनकी जिंदगियों को **शिकस्ता हाल** और रंजीदा कर दिया था- मगर खुदा उनको बरकत देता रहा और उनके बचचे भी होते गए -

शिकस्ता हाल

इसका मतलब यह है कि वह बहुत ही ज़ियादा मुसीबत ज़दा हालत में थे क्यूंकि वह बहुत ही सख़्ती के साथ बरताव किये जाते और ज़बरदस्ती से उनसे काम लिया जाता था -और वह पस्त हिम्मत भी हो गये थे

ख़ुदा ने उनको बरकत दी

ख़ुदा ने उनकी परवाह की , उनके सख़्त बर्ताव को बर्दाश्त करने की ताक़त दी और यहाँ तक कि उनको बे शुमार बच्चे अता किये ताकि वह उनसे ख़ुश हो सकें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- बरकत, मुबारक, बरकत देना

09:04

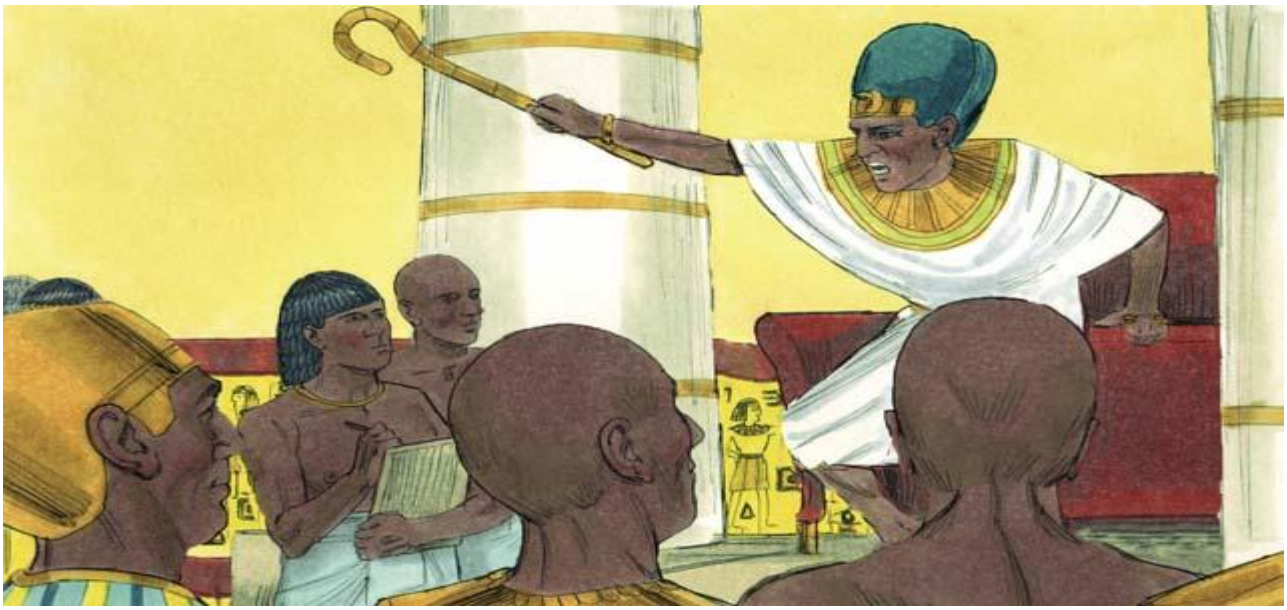

फ़िरोन ने **देखा** कि बनी इस्राईल के बहुत से बचचे हैं और उन का शुमार बढ़ रहा है तो उसने हुक्म जारी किया कि बनी इस्राईल के तमाम छोटे बचचों को क़त्ल करके नील नदी में फ़ेंक दिया जाए -

देखा

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि , मह्सूस किया

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- इस्राईल, इस्राईली
- नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी

09:05

किसी इस्राईली औरत ने एक लड़के को जन्म दिया – वह और उसके शौहर ने फ़िरोन के डर से जितना उन से बन पड़ता था उतना लड़के को छिपाया -

जितना ज़ियादा हो सके उतना

उन्होंने बच्चे को मिस्रियों से तब तक छिपाया जब तक कि उसे अपने घर में हिफ़ाज़त से छिपाना मुश्किल न हो गया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली

09:06

जब लड़के के मांबाप आगे को छिपा नहीं सकते थे तो उनहोंने एक सरकंडे की टोकरी बनाई और नील नदी के किनारे बहा दिया ताकि क़त्ल होने से बच जाए – और उस बचचे की बड़ी बहिन से कहा कि उसपर नज़र रखे कि उसका क्या हाल होता है -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी

09:07

फ़िरोन की बेटी जो नदी की सैर करने अपनी सहेलियों के साथ आई थी उस टोकरी में बचचे को देखातो वह उस बचचे से बहुत मुतास्सर हुई और उसको अपना बच्चा बना लिया – उसने एक दाई को मुक़र्रर किया मगर वह नहीं जानती थी कि वह उसकी असली मां थी –जब बच्चा बड़ा होगया और उसको मां के दूध की ज़रूरत नहीं थी तो मां ने उस बचचे को फ़िरोन की बेटी के हाथ सुपुर्द करदी –फ़िरोन की बेटी के हाथ सुपुर्द करदी -

उसको अपने बेटे बतौर ले लिया

वह एक राजकुमारी थी - जब उसने बच्चे को अपना बेटा बनाया तो वह मिस्र का शहज़ादा बन गया -

उसकी देखरेख के लिए

कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “उसको मां का दूध पिलाने के लिए –“

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह
- बेटे, बेटों
- इस्राईल, इस्राईली
- मूसा

09:08

जब मूसा जवान हो चुका तो उसने एक दिन एक मिसरी को देखा की वह इस्राईली ग़ुलाम की मार पीट कर रहा था –मूसा ने उस इस्राईली को बचाने की ग़रज़ से बीच बचाव् करने की कोशिश की -

बड़ा होगया

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि "आदमी बन गया "

इस्राईली शख़्स

यह मुहावरा इस्राईली ग़ुलाम का हवाला देता है - लफ़्ज़ "शख़्स" यहाँ इशारा करता है कि मूसा भी एक इस्राईली था - हालाँकि वह मिस्री फ़िरौन के ज़रिये पला बढ़ा था- मगर मूसा ने याद किया कि वह हक़ीक़त में एक इस्राईली था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- [[rc:/en/tw/dict/bible/other/Egypt]]
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

09:09

जब मूसा ने देखा कि कोई उसे नहीं देख रहा था तो उसने उस मिसरी को मार डाला और उसके मुर्दा जिस्म को ज़मीन में दफ़न कर दिया मगर किसी ने देख लिया था कि मुसा ने क्या किया था -

आम मालूमात

इस फ़्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc:/en/tw/dict/bible/other/moses]]
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

09:10

इसकी ख़बर फ़िरोन तक पहुँच गयी थी कि मूसा ने क्या किया था – फ़िरोन ने मूसा को हलाक करने की कोशिश की मगर मूसा मिस्र से भाग कर **बयाबान** में चला गया – फ़िरोन के सिपाही मूसा को ढूंढ नहीं पाए -

बयाबान

बयाबान एक फैला हुआ बड़ा इलाका था जो कि चट्टानी और सूखा था फ़स्ल उगाने के लिए वहां ज़मीन अच्छी नहीं थी -और बहुत कम लोग वहां पर रहते थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- मूसा
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

09:11

मिस्र से बहुत दूर एक **बयाबान** में मूसा ने एक चरवाहे का काम ढूंढ लिया और वह एक चरवाहा बन गया – वहीँ पर उसने शादी भी करली और उसके दो बचचे भी हो गये -

बयाबान

देखें कि इसको किस तरह आपने तर्जुमा किया है 09:10 -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

09:12

मूसा अपने ससुर के भेड़ों को चरा रहा था – एक दिन उसने क्या देखा कि एक झाड़ी में आग लगी हुई थी –मगर वह झाड़ी आग से भसम नहीं हो रही थी – मूसा झाड़ी के बिलकुल नज़दीक गया यह देखने के लिए कि वह झाड़ी भस्म क्यूँ नहीं होती – जब वह झाड़ी के क़रीब गया तब ख़ुदा ने उससे बात की और कहा "मूसा अपनी जूतियां उतार दो क्यूंकि जहाँ तू खड़ा है वह **मुक़द्दस ज़मीन** है –"

अपने भेड़ों की परवाह करना

इस का मतलब यह कि वह एक चरवाहे का काम कर रहा था कि भेड़ों को चराए , उन को घास और पानी कि तरफ़ ले जाए और उनकी हिफ़ाज़त करे - इस को इस तरह से तर्जुमा किया सकता था ," भेड़ों कि देख भाल करता था "

झाड़ी जल नहीं रही थी

ख़ुदा ने झाड़ी को जलने दिया , मगर आग ने झाड़ी को किसी तरह से नुक़सान नहीं पहुँचाया -

ख़ुदा कि आवाज़ ने कहा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"ख़ुदा ने ऊंची आवाज़ में कहा", मूसा ने सुना कि ख़ुदा बोल रहा था मगर उसने ख़ुदा को नहीं देखा -

अपनी जूतियाँ उतार दो

ख़ुदा उससे चाहता था कि वह अपनी जूतियाँ उतार दे ताकि यह जताए कि वह ख़ुदा की निहायत ही ज़ियादा इज़्ज़त करता है इस वजह को साफ़ करने के लिए आप कह सकते थे ,"अपनी जूतियाँ उतार दे क्यूंकि जहाँ तू खड़ा है वह मुक़द्दस ज़मीन है "-

मुक़द्दस ज़मीन

वह इस मायने में मुक़द्दस थी कि ख़ुदा ने उस ज़मीन को दीगर मामूली ज़मीनों से अलग किया था और एक ख़ास जगह क़रार दिया था जहाँ वह ख़ुद को ज़ाहिर करे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , भेड़-बकरी, भेड़ की खाल
- ख़ुदावन्द
- पाक, पाकीज़गी

09:13

खुदा ने कहा “मैं ने अपने लोगों के दुःख तकलीफ़ देखें हैं –मैं तुझे फ़िरोन के पास भेजूंगा ताकि तू बनी इस्राईल को उनकी ग़ुलामी से छुड़ा कर मिस्र से बाहर ला सके –मैं उनको कनान का मुल्क दूंगा ,वह मुल्क जिसको देने के लिए मैं ने अब्रहाम , इज़हाक़ और याक़ूब से वादा किया था -

मेरे लोगों की मुसीबत

इसे इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “निहायत सख़्ती का बरताव जो मेरे लोग सहन कर रहे हैं “कुछ ज़बानों में इस तरह तर्जुमा किया होगा “किस तरह मिस्री बाशिन्दे मेरे लोगों को निहायत शदीद अज़िय्यतें दे रहे हैं -

मेरे लोग

यह बनी इस्राईल को ज़ाहिर करता है -ख़ुदा ने अब्रहाम और उसकी नस्ल के साथ अहद बाँधा था किवह उन्हें बहुत बरकत देगा और उन्हें एक बहुत बड़ी क़ौम बनाएगा -इस अहद के वसीले से बनी इस्राईल ख़ुदा के अपने लोग बन गए -

उनको मिस्र कि ग़ुलामी से बाहर ले आओ ...

इसे इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “मिस्र में गुलाम होने से उनको आज़ाद करो “ या “उन्हें मिस्र से बाहर ले आओ जहाँ अब वह ग़ुलाम हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता
- फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- कना’न, कना’नी ,कना’नियों
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- [[rc;//en/tw/dict/bible/other/abraham]]

- इस्हाक़
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

09:14

मूसा ने खुदा से पूछा “लोग जब मुझ से पूछेंगे कि तुझे किसने भेजा तो मुझे क्या जवाब देना होगा “? ख़ुदा ने कहा“मैं जो हूँ –सो **मैं हूँ** “सो तू बनी इस्राईल से यूँ कहना कि “मैं जो हूँ ‘ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है –“उनसे यह भी कहना कि मैं यह्वे हूँ , तुम्हारे बाप दादा अब्रहाम, इज़हाक़ , और याक़ूब का खुदा – अबद तक मेरा यही नाम है -

ख़ास लोग

देखें “मेरे लोग” 09:13 में

मैं जो हूँ सो मैं हूँ

यह बयान बताता है कि ख़ुदा सिर्फ़ ख़ुद ही से वाज़ेह किया जा सकता है किसी और से नहीं जिसे हम जानते हैं और न वह किसी और से मवाज़िना किया जा सकता है -

मैं हूँ

यह नाम इस बात पर ज़ोर देता है कि सिर्फ़ ख़ुदा ही है जो हमेशा से था और हमेशा तक रहेगा -

मेरा नाम

नाम जो ख़ुदा ने मूसा से कहा और जो बनी इस्राईल इस्तेमाल करते थे वह यहोवा है जो “मैं हूँ “ से ताल्लुक़ रखता है ,और वह है के मायने से ‘ज़ाहिर होता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- ख़ुदावन्द
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/yahwe]]
- इब्राहीम, अब्राम
- इस्हाक़

- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

09:15

मूसा डरा हुआ था , और वापस फ़िरोन के पास नहीं जाना चाहता था ,क्यूंकि उसने सोचा कि वह ठीक से बोल नहीं सकता था- मगर खुदा ने कहा तेरा भाई हारुन बोलने में तुम्हारी मदद करेगा –“

डरा हुआ था और नहीं जाना चाहता था

मूसा जानता था कि फ़िरौन उसको मार डालना चाहता था और उसको यक़ीन नहीं था कि ख़ुदा जो चाहता था उसे वह कर सकता था -

मूसा का भाई हारुन

हारुन मूसा का सगा भाई था और इन के मां बाप इस्राईली थे – हारुन कम अज़ कम मूसा से कई साल बड़ा था -

ज़िद्दी

इस के मायने यह हुए कि फ़िरौन ख़ुदा के पीछे चलने से इंकार कर सकता है ,हो सकता है कि आप यह भी जोड़ना चाहें , ज़िद्दी और सुनने से इनकार ,(या मानने से इंकार)-

बाइबिल से एक कहानी

इन हवालाजात और बाइबिल के कुछ तर्जुमों में हल्का सा फ़र्क़ हो सकता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- [[rc:/en/tw/dict/bible/other/pharaoh]]
- [[rc;//en/tw/dict/bible/kt/god]]
- [[rc;//en/tw/dict/bible/other/aaron]]

_ख़ुरूज 1 बाब से 4 बाब तक बाइबिल की एक कहानी _

10 . दस वाबाएं

10:01

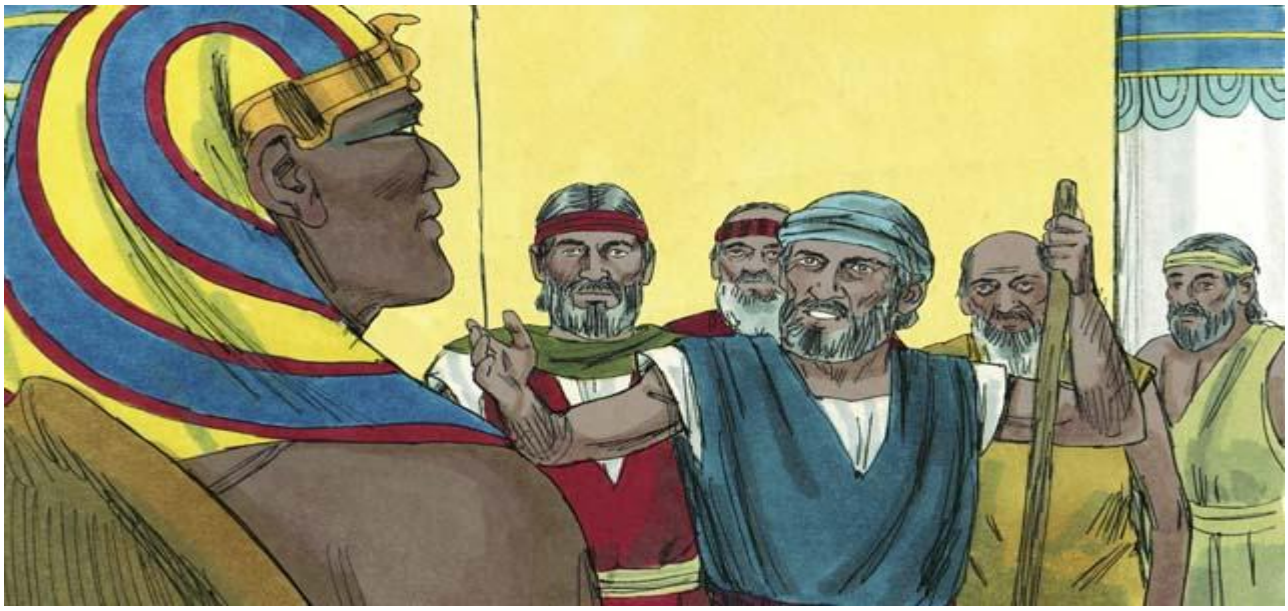

खुदा ने मूसा और हारुन को पहले से ही ख़बरदार कर दिया था कि फ़िरोन सख्त हो जाएगा – जब वह फ़िरोन के पास गए तो उन्हों ने कहा “बनी इस्राईल का खुदा यूँ फरमाता है कि **मेरे लोगों को जाने दे** “- मगर फ़िरोन ने उनकी नहीं सुनी –बजाए इसके कि बनी इस्राईल को आज़ादी से जाने देता , उसने उन्हें मजबूर किया कि और ज़ियादा कड़ी मेहनत से काम करें -

फ़िरौन के पास

यह कहना ज़ियादा साफ़ होगा “फ़िरौन के महल में उस से बात करने को जा “-

इस्राईल का ख़ुदा

इसको इस तरह तर्जुमा किया जा सकता था “ख़ुदा जिसने बनी इस्राईल को अपने लोग बतौर चुना” या ,ख़ुदा जो इस्राईल के लोगों पर हुकूमत करता है” या “ख़ुदा जिसकी इस्राईली लोग इबादत करते हैं” -

मेरे लोगों को जाने दे

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि ” मेरे लोगों को आज़ादी से जाने दे” या “मेरे लोगों को मिस्र छोड़ने के लिए आज़ाद कर दे –“

मेरे लोग

देखें “मेरे लोग” 09:13 में -

किसी की सुनना

इस को इस तरह तर्जुमा किया जा सकता था “तवज्जोह देना” या हुक्म मानना

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- हारून
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली

10:02

फ़िरोन **लोग**ों को जाने से इनकार करता रहा ,तब खुदा ने मिस्र पर दस दहशतनाक वाबाएं भेजीं – इन वाबाओं के ज़रिए ख़ुदा ने फ़िरोन को बताया कि वह फ़िरोन से और तमाम मिसरी देवताओं से ज़ोरावर है-

लोग

यह बनी इस्राईल को ज़ाहिर करता है , इन्हें “इस्राईली लोग” भी कहा गया है-

दस हौलनाक बलाएं

एक बला या आफ़त बहुत ही हौलनाक होती है जब वह किसी लोगों की जमाअत पर नाज़िल होती है - वैसे भी वबा या आफ़त आम तोर से किसी एक शख़्स के बदले लोगों की एक बड़ी जमाअत पर या किसी बड़े इलाक़े पर असर करती है - वबा का दूसरा नाम ही आफ़त है -

तमाम मिस्र के देवता

ऐसा कहना ज़ियादा साफ़ होगा कि “वह तमाम देवता जिन कि मिस्री लोग पूजा करते थे” मिस्र के लोग मुख़्तलिफ़ क़िस्म के कई एक झूठे देवताओं की पूजा करते थे – यह झूठे देवता या तो बद् रूहें थीं जिन को इस्राईल के ख़ुदा ने बनाया था या फिर सच मुच में मौजूद नहीं थीं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc:en/tw/dict/bible/other/pharaoh]]
- [[rc:en/tw/dict/bible/kt/god]]
- [[rc:en/tw/dict/bible/other/Egypt]]
- [[rc:en/tw/dict/bible/kt/falsegod]]

10:03

खुदा ने नील नदी के पानी को खून में बदल डाला –इसके बावजूद भी फ़िरोन ने बनी इस्राईल को जाने नहीं दिया -

नील नदी का पानी ख़ून में बदल जाना

कुछ ज़बानों में इस तरह कहा जाना चाहिए, "नील नदी में का सारा पानी ख़ून में बदल गया" उस नदी में जहाँ पानी होना था वहां ख़ून ही ख़ून था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- इस्राईल, इस्राईली

10:04

फिर खुदा ने तमाम मुल्क–ए-मिस्र में मेंडक भेजे –सब जगह मेंडक ही मेंडक नज़र आते थे – तब फ़िरोन ने मूसा से गिड़गिड़ाया कि उन मेंदकों को हटा ले – मूसा ने उनकी बात मां ली – इसपर सारे मेंडक मर तो गए थे मगर फ़िरोन ने अपना दिल सख्त कर लिया और बनी इस्राईल को जाने नहीं दिया -

ख़ुदा ने पूरे मिस्र में मेंडक भेजे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "ख़ुदा ने बहुत सारे मेंडकों को पूरे मिस्र में ज़ाहिर होने का सबब बनाया -

दिल को सख़्त किया

वह फिर से हटीला हो गया और ख़ुदा कि बात मानने से इनकार किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी
- मूसा
- इस्राईल, इस्राईली

10:05

फिर ख़ुदा ने **मच्छर**ों की वबा भेजी –फिर उसने मक्खियों की वबा भेजी –फ़िरोन ने मूसा और हारुन को बुला भेजा ,उसने उनसे कहा कि “अगर वह इस वबा को दूर करते हैं तो बनी इस्राईल मिस्र छोड़ सकते हैं – जब मूसा ने खुदा से दुआ की तो खुदा ने मुल्क–ए-मिस्र से तमाम मक्खियों – को दूर किया मगर जब **मक्खियाँ** दूर हुईं तो फ़िरोन नेने अपना दिल फिर से सख्त किया और बनी इस्राईल को जाने नहीं दिया -

ख़ुदा ने एक वबा भेजी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”ख़ुदा ने वहां एक वबा होने का सबब बनाया” या ख़ुदा ने (मच्छरों की) वबा का एक सबब बनाया कि वह मिस्र के तमाम मुल्क में छा जाए-“

मच्छर

यह वह छोटे छोटे काटने वाले पतंगे थे जो बड़ी बड़ी झुंडों में आते और मिस्र में लोगों और जानवरों को परेशान करते थे -

मक्खियाँ

यह कुछ बड़े उड़ने वाले पतंगे थे जो परेशान करते और नुक़्सान करते थे - इन बे – शुमार मक्खियों से मिस्रियों के तमाम घर ढके हुये थे -

दिल को सख़्त किया

10:04 में नोट्स देखें

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह
- मूसा
- हारून
- इस्राईल, इस्राईली

- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

10:06

फिर खुदा ने मिस्रियों के सारे जानवरों को बीमार कर दिया और वह बिमारी से मरने लगे – मगर फ़िरोन का दिल सख्त ही रहा और बनी इस्राईल को जाने नहीं दिया -

पालतू के जानवर

यह उन बे – शुमार जानवरों को बताता है जो मिस्री लोग अपने कामों में मदद के लिए इस्तेमाल करते थे ,जैसे घोड़े ,गधे ,ऊंट ,गाए बैल और बकरियां -

दिल सख़्त हो गया

10:04 में नोट्स देखें

तर्जुमें के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/egyot]]
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- इस्राईल, इस्राईली

10:07

फिर खुदा ने मूसा से कहा कि "फ़िरोन के सामने हवा में राख उड़ाओ – जब मूसा ने ऐसा किया तो तमाम मिस्रियों के जिस्म में दर्द वाले बड़े बड़े फोड़े निकल पड़े ,मगर बनी इस्राईल को कुछ नहीं हो रहा था - मगर खुदा ने फ़िरोन के दिल को सख्त किया और बनी इस्राईल को जाने नहीं दिया -

ख़ुदा ने फिर से फ़िरौन का दिल सख़्त किया

ख़ुदा ने फ़िरौन को सबब बनाया कि वह अपने हटीलेपन को जारी रखे –10:04 के नोट्स को भी देखें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मूसा
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- इस्राईल, इस्राईली

10:08

इसके बाद खुदा ने बड़े-बड़े **ओले** बरसाए जिस के सबब से मिस्रियों के फ़सल का बहुत ज़ियादा नुख्सान होने लगा –बल्कि मिस्रियों में से जो भी घर से बाहर निकलता था वह ओलों से मरजाता था –मगर बनी इस्राईल इन ओ लों से महफूज़ थे – फ़िरोन ने मूसा और हारुन को फिर से बुलवा भेजा और उनसे कहा "मैं ने गुनाह किया है ,अब तुम लोग जा सकते हो "सो मूसा ने फ़िरोन के सामने दुआ की और आसमान से ओले बरसना बन्द होगया -

उसके बाद

इसका मतलब यह है कि बाद में ख़ुदा मिस्रियों की चमड़ी में दर्दनाक फोड़े ले आया -

ख़ुदा ने ओले बरसाए

ख़ुदा ने आसमान से ओले बरसाए

ओले

ओले बरफ के बड़े बड़े गोल टुकड़े होते हैं जो बादलों से बारिश की तरह गिरे थे- यह टुकड़े छोटे हो सकते हैं या बड़े भी हो सकते हैं -मगर जब बड़े टुकड़े गिरते हैं तो वह किसी को ज़ख़्मी कर सकते या हलाक भी कर सकते हैं -

तुम जा सकते हो

यहाँ लफ़्ज़ "तुम" मूसा , हारुन ,और बनी इस्राईल को ज़ाहिर करता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- मूसा
- हारून

- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

10:09

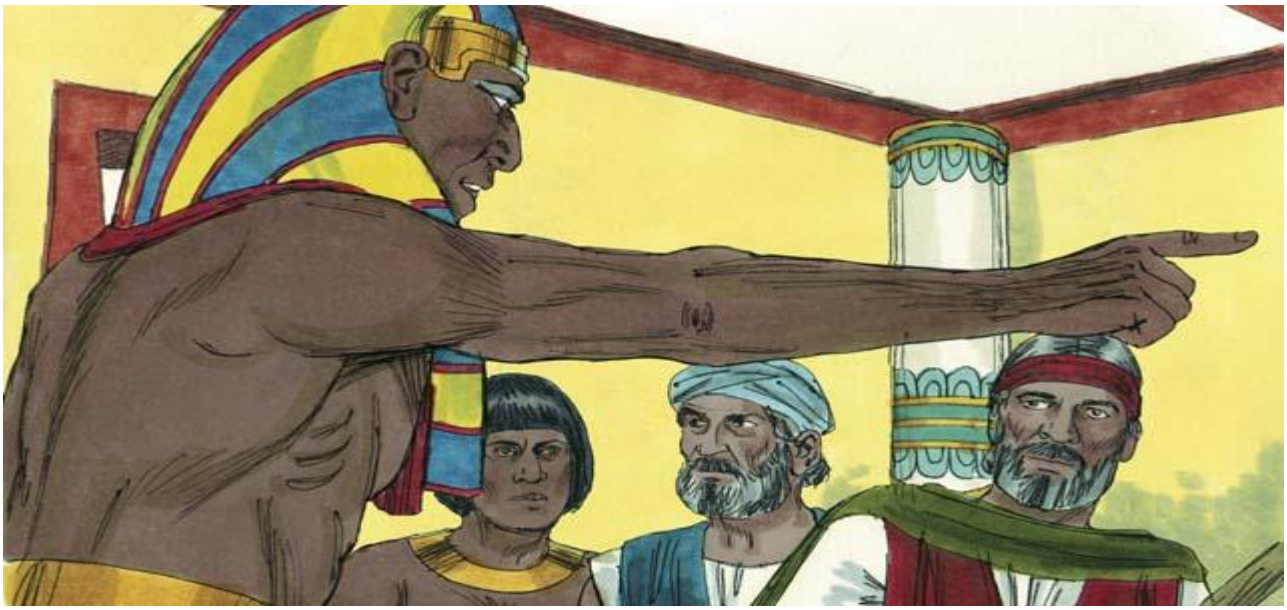

मगर फ़िरोन ने फिर से गुनाह किया और अपने दिल को सख्त किया -

अपने दिल को सख़्त किया

10:04

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- इस्राईल, इस्राईली

10:10

फिर खुदा ने सारे मुल्क –ए-मिस्र में टिडडीयों के दल भेजेजो पूरे मुल्क-ए-मिस्र में छा गए – मगर बनी इस्राईल के खैमों में एक भी टिडडी नहीं था – टिडडीयों ने मिस्रियों के सारे फ़सल चट कर गए जो ओलों से बर्बाद नहीं हुए थे -

टिड्डियों के दल

टटेरी वह टिड्डियाँ होते हैं जो दल की शक्ल में या बड़े झुण्ड में होकर उड़ते हैं यह अनाज की बड़ी बड़ी फ़स्लों को कुछ ही देर में खाकर सफ़ाया कर सकते और बर्बाद कर सकते हैं -

ओले

ओले बर्फ़ के टुकड़े जैसे होते हैं जो बादलों से बारिश की तरह गिरते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

translationWords

- ख़ुदावन्द
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

10:11

फिर खुदा ने सारे मुल्क –ए –मिस्र को अँधेरा कर दिया –जहां मिसरी लोग रहते थे वहाँ सब जगह अँधेरा ही अँधेरा था – तीन दिन तक लगातार अँधेरा ही अँधेरा पूरे मिस्र में छाया रहा – मिसरी लोग अंधरे की वजह से घर से बाहर नहीं निकलते थे – मगर बनी इस्राईल जहाँ रहते थे वहां उजाला था -

ख़ुदा ने तारीकी भेजी

ख़ुदा ने तारीकी को सबब बनाया कि पूरे मिस्र में छा जाए या उसे ढँक दे -दूसरे अलफ़ाज़ में ख़ुदा ने मिस्र के इस इलाक़े से रौशनी को उठा लिया था-

तारीकी जो तीन दिन तक छाई रही

यह तारीकी उस तारीकी से ज़ियादा गहरी थी जो मामूल के मुताबिक रात में अँधेरा होता है , और यह तारीकी तीन दिन तक जारी रही -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- इस्राईल, इस्राईली

10:12

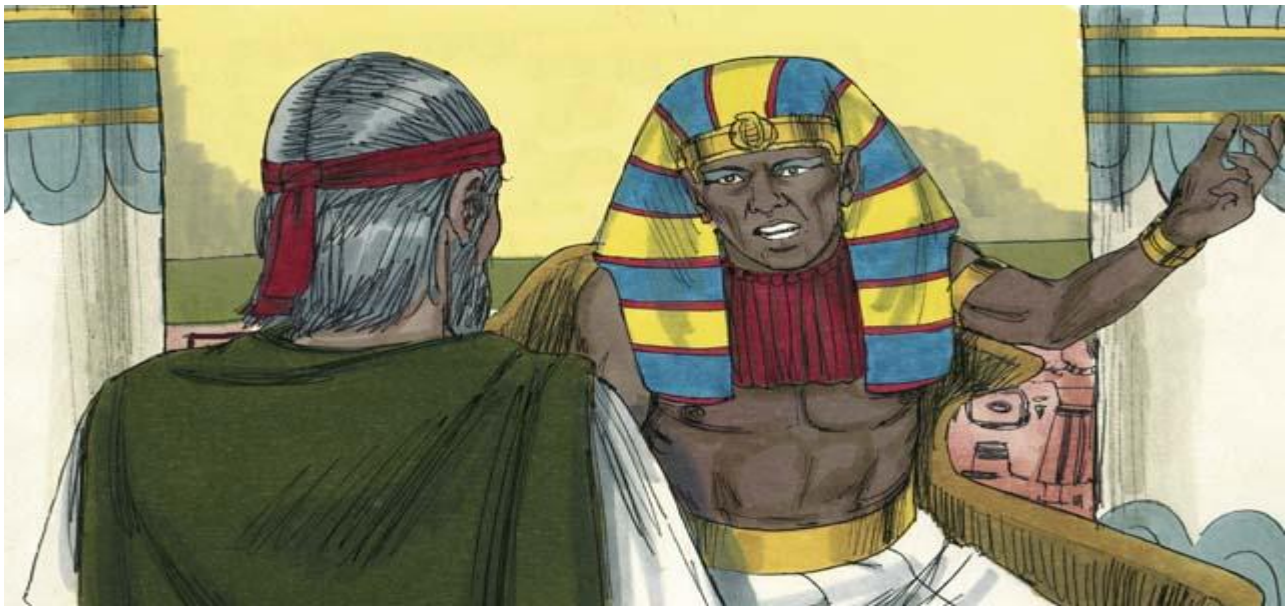

9 तरह की वाबाएं भेजे जाने के बाद भी फ़िरोन ने बनी इस्राईल को जाने नहीं दिया - फ़िरोन ने मूसा और हारुन की बात नहीं मानी – तब ख़ुदा ने फ़ैसला किया कि वह मिस्रियों पर एक आख़री वबा भेजेगा जिससे फ़िरोन का दिलो दमाग बदल जाएगा -

यह नौ वबाएं

इस के मायने यह हुए कि ख़ुदा ने यहं नौ वबाएं भेजीं -

इस पर भी फ़िरौन ने नहीं सुना

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि “जबकि फ़िरौन वह नहीं करेगा जो ख़ुदा उस से करने के लिए कह रहा था” या जबकि फ़िरौन ने ख़ुदा का हुक्म मानने से इनकार कर दिया -

यह फ़िरौन कि समझ को बदल देगा

इस को कहने का दूसरा तरीक़ा यह है कि यह आख़िरी वबा फ़िरौन के दमाग़ को बदलेगा कि वह ख़ुदा को किस तरह से समझ रहा था और नतीजतन वह बनी इस्राईल को आज़ाद करेगा -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजत बाइबिल के कुछ तर्जुमों में हल्के सा फ़र्क़ हो सकते है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द

_ख़ुरूज 5 से 10 बाब तक बाइबिल की एक कहानी _

11. फ़सह

11:01

खुदा ने मूसा और हारून को फ़िरोन के पास यह कहलाकर भेजा कि बनी इस्राईल को जाने दे – उनहोंने फ़िरोन को आगाह किया कि अगर वह बनी इस्राईल को जाने नहीं देता है तो ख़ुदा मिस्रियों के तमाम पह्लोठे बचचे यहाँ तक कि तमाम जानवरों के पह्लोठों को भी मार डालेगा – जब फ़िरोन ने यह बात सुनी तो वो अभी भी एत्काद करने और ख़ुदा की बात मानने से इनकार किया -

लोगों और जानवरों के नर पहलोठे

इस को इस तरह भी तर्जुमा किया जा सकता था कि हर एक ख़ानदान का सब से बड़ा बेटा और उन के मवेशियों का सब से पहला नर बच्चा "-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- इस्राईल, इस्राईली
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

11:02

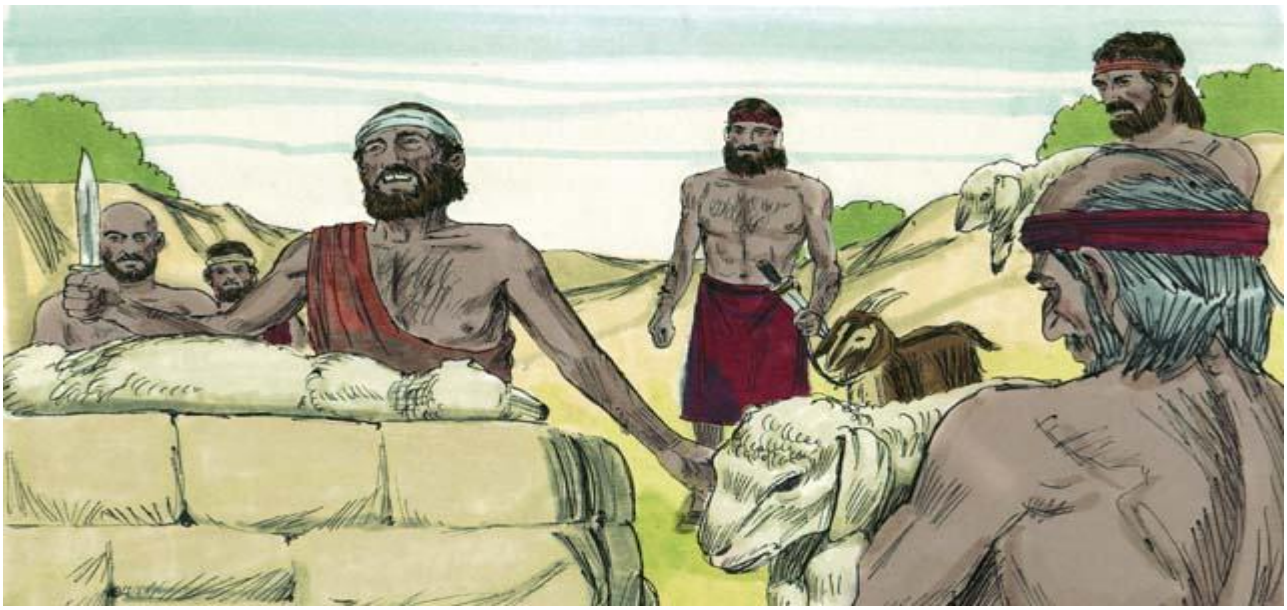

ख़ुदा ने पल्होठे बचचों को बचाने का तरीका निकाला कि चाहे वह जो कोई भी हो वह ख़ुदा पर ईमान लाए – हर एक खानदान को एक बर्रे का चुनाव करना था और उसे मारना था -

ख़ुदा ने मुहैय्या किया

ख़ुदा ही है जो ऐसा ज़रिया मुहय्या कर सकता है कि बनी इस्राईल के पहलोठे मरने से बच जाएं -

कामिल बर्रा

जिस का मतलब है एक जवान भेड़ या बकरी जो बिना ऐब या बिना खोट का हो -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- बेटे, बेटों
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा

11:03

ख़ुदा ने बनी इस्राईल से कहा कि बर्रे का खून लेकर अपने – अपने घरों के चौखट पर लगाए और उन्हें चाहिए था कि उस बर्रे के गोश्त को अख्मिरी रोटी के साथ भून कर खाए और जल्दी – जल्दी खाए – ख़ुदा ने उनसे यह भी कहा कि खाने के फ़ौरन बाद अपने खानदान समेत मिस्र से निकलने की तय्यारी करे -

जो बिना ख़मीर के बना हो

ख़मीर एक ऐसी चीज़ है जिसको गुंधे हुए आटे में मिलाया जाता है ताकि वह बढ़ जाए और जब उसको पकाते हैं तो वह फूल जाए -इसको इस तरह भी तर्जुमा किया जा सकता है कि "बग़ैर ऐसी चीज़ के बनाओ कि वह न फूले "ख़मीरी रोटी बनाने में ज़ियादा वक़्त लगेगा ,इसलिए अख़मीरी रोटी बनाना ही एक तरीक़ा था कि जल्दी से बनाकर खाया जाए और जल्दी से मिस्र से निकल लिया जाए -

जब उन्हों ने खाया

इस का मतलब यह कि खाना शुरू करने से पहले ही उनको निकलने की तय्यारी करनी थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा
- ख़ून
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

11:04

बनी इस्राईल ने वही सब किया जो खुदा ने उन्हें करने के लिए कहा था –आधी रात को खुदावंद ख़ुदा ने पूरे मिस्र में घूम फिरकर मिस्रियों के तमाम पल्होठों को मार डाला -

हर एक पहलोठा बेटा

मतलब यह कि उन ख़ान्दानों के पहलोठे जिन्हों ने ख़ून कि क़ुर्बानी नहीं दी वह मिस्री थे -इस को साफ़ करने के लिए आप इस में जोड़ना चाहेंगे “हर एक मिस्री का पहलोठा बेटा” (जबकि तमाम इस्राईली ख़ानदानों ने जानवर का ख़ून अपने अपने दरवाज़ों के चौखट पर लगा दिया था -)

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

11:05

तमाम बनी इसराईल के घरों के चौखटों पर खून ही खून था ,सो खुदा उन के घरों को **छोड़ता गया** – घर के अन्दर रहने वाला हर कोई महफ़ूज़ था –वह उस बर्रे के खून के सबब से बचाए गए थे -

छोड़ता गया

इस का मतलब यह है कि ख़ुदा उन घरों को छोड़ता गया और उनमें से किसी को हलाक नहीं किया -और यह मुहावरा यहूदियों की ईद का नाम बन गया "फ़सह "

वह बच गए

ख़ुदा ने उनके पहलौठों को नहीं मारा

उस बर्रे के ख़ून के सबब से

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि "इसलिए कि बर्रे का खून उनके दरवाज़ों पर था "ख़ुदा ने देखा कि उन्हों ने अपने बर्रों को मारा है जैसा उन्हें हुक्म दिया गया था ,सो ख़ुदा ने उनके बेटों को नहीं मारा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ून
- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा

11:06

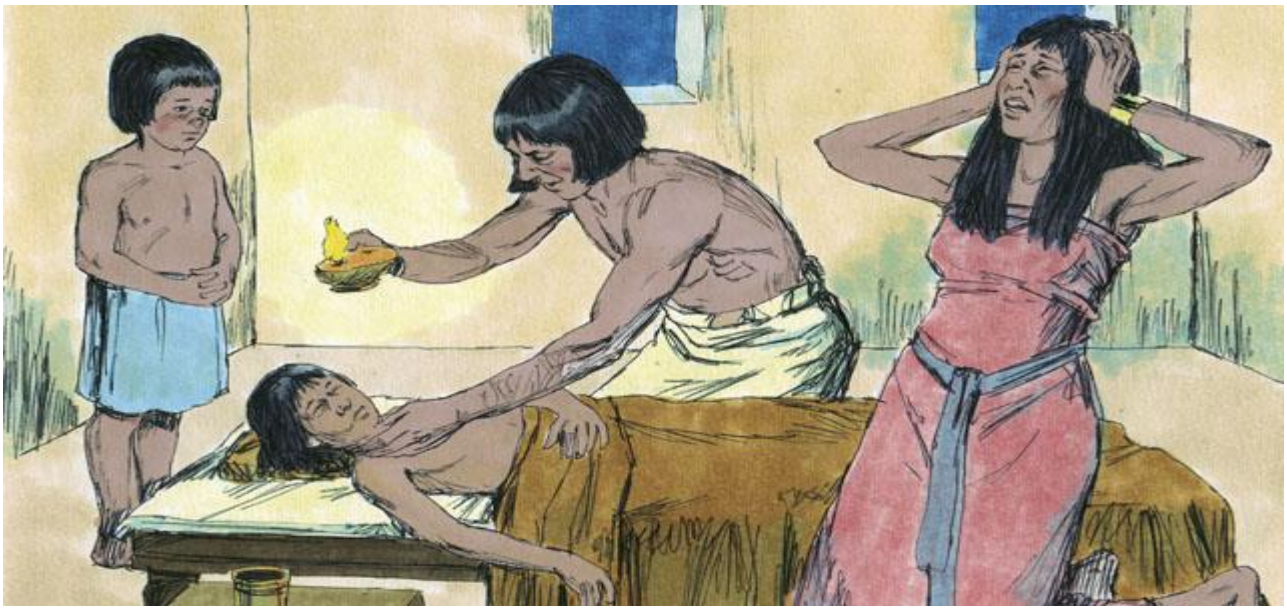

मगर मिसरी लोग खुदा पर ईमान नहीं लाए थे न ही उसका हुक्म बजा लाए थे – सो खुदा उनके घरों को नहीं छोड़ा – खुदा ने तमाम मिस्रियों के घरों में जिनमें पह्लोठे बच्चे थे उन सब को मार डाला -

खुदा पर इमान नहीं लाया या उस के अहकाम बजा नहीं लाया

कुछ तर्जुमों में इसे कहने के लिए ज़ियादा असली या साफ़ हो सकता है कि वह ख़ुदा पर ईमान नहीं लाए इसलिए उन्होंने उसका हुक्म माना नहीं

ख़ुदा ने नहीं छोड़ा

उसने उनके घरों को नहीं छोड़ा बल्कि वह हर एक घर पर रुका रहा और उनके पहलोठों को मारा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ख़ुदावन्द

11:07

हरएक मिसरी जो क़ैद खाने में था उसके बेटे से लेकर फ़िरोंन के महल में जिन के पह्लोठे बेटे थे वह सब मर गए – सो नतीजा यह हुआ कि तमाम मुल्क–ए-मिस्र में रोने और मातम करने की आवाज़ गूंजने लगी – वह सारा खानदान शदीद ग़मगीन और उदासीन था -

यहाँ तक कि जो क़ैद में थे उनके पहलोठों से लेकर फ़िरौन के ख़ानदान के पहलोठों तक -

कहने का यह तरीक़ा था कि हर एक का पहलोठा बेटा मर गया -मतलब यह कि कमतरीन अहम् शख़्स के बेटे से लेकर ज़ियादा अहम् शख़्स और इन दोनों के बीच के ख़ानदान का पहलोठा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह

11:08

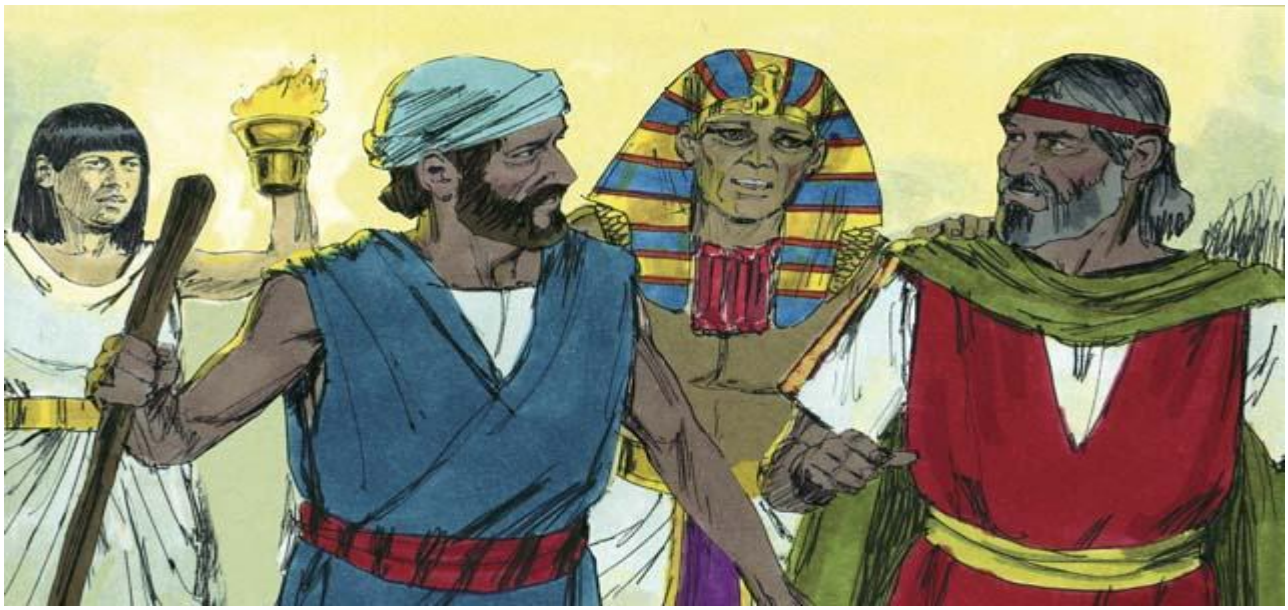

उसी रात को फ़िरोन ने मूसा और हारुन को बुलवाया और उनसे कहा “बनी इस्राईल को ले जाओ और जितनी जल्द हो सके मिस्र को छोड़ो “मिसरियों ने भी बनी इस्राईल से इसरार किया कि फ़ौरन मिस्र से निकल जाएं -

के लिए बुलाया गया

इसका मतलब यह है कि फ़िरौने ने अपने नौकरों से कहा कि वह मूसा और हारून को बुला लाएं -

और कहा

जब मूसा और हारुन उस के पास आए तो फ़िरौन ने यह अलफ़ाज़ उन से कहे - कुछ ज़बानों में इसे इस तरह तर्जुमा किया जाएगा कि ,”और उन से कहा” , या “उन के आने पर फ़िरौन ने उनसे कहा”-

बाइबिल की एक कहानी

इन हवालाजात में बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्का सा फ़र्क़ हो सकता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह
- मूसा
- हारून
- इस्राईल, इस्राईली
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

_ख़ुरूज 11:1 से 12:32तक बाइबिल की एक कहानी _

12. ख़ुरूज

12:01

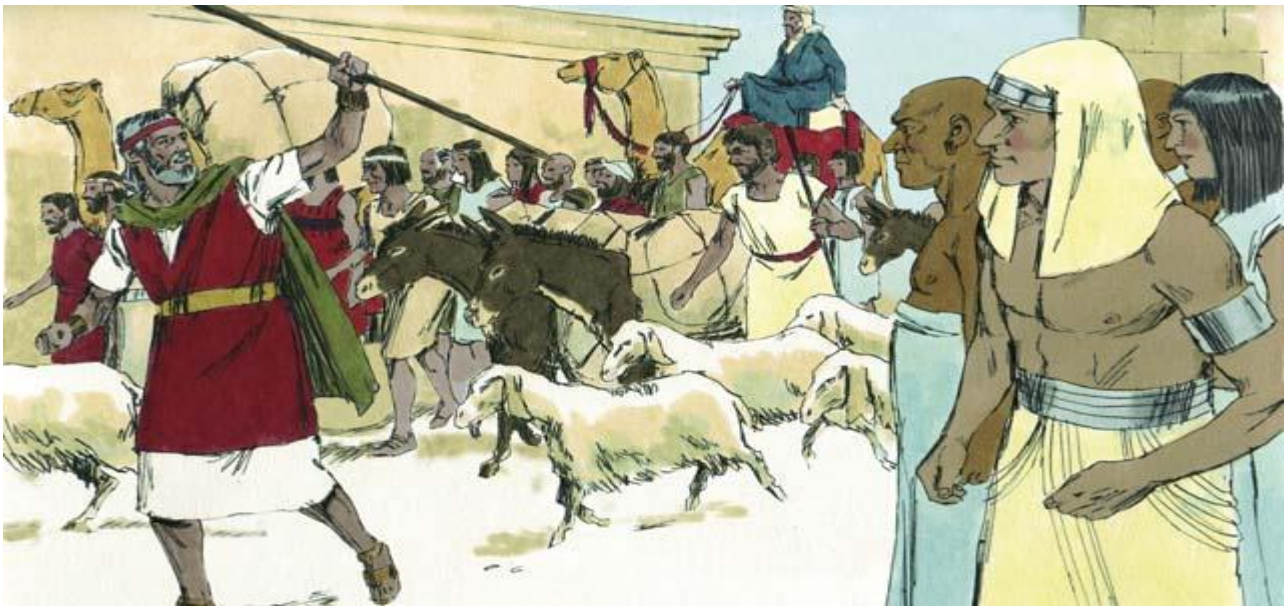

बनी इस्राईल मिस्र से निकलने में बहुत ख़ुश थे क्यूंकि आगे को वह ग़ुलाम नहीं थे और वह वादा किया हुआ मुल्क की तरफ़ रवाना हो रहे थे – मिस्रियों ने वह सब कुछ दिया जो बनी इस्राएल ने मांगता ताकि उनसे पीछा छुड़ा सके यहाँ तक कि सोना चांदी और दीगर क़ीमती चीज़ें कुछ लोग जो दुसरे कौम के थे उनहोंने भी इन वाक़ियात को देखकर खुदा पर ईमान ले आए और बनी इस्राईल के साथ निकल पड़े जब वह मिस्र को छोड़ रहे थे -

अब वह ग़ुलाम नहीं थे

इसको इस तरहसे तर्जुमा किया जा सकता था “इस के बाद वह ग़ुलाम नहीं रहे “

जाना

कुछ ज़बानों में इस से ज़ियादा मखसूस लफ़्ज़ स्तेमाल किया जा सकता है ,”सफ़र करना” जबकि उनको वायदा किये हुए मुल्क की तरफ़ एक लम्बा फ़ासिला तय करना था -

वायदा किया हुआ मुल्क

यह वह मुल्क था जिसे ख़ुदा ने अब्रहाम कि औलाद को देने का वायदा किया था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- वा’दे का मुल्क
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ख़ुदावन्द

12:02

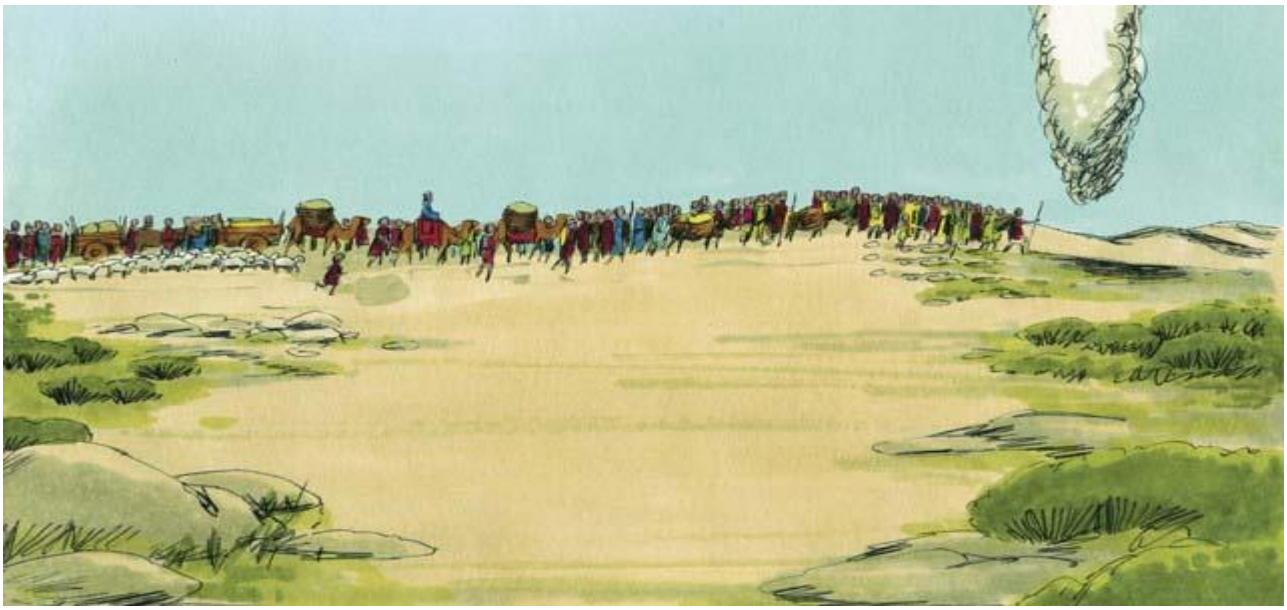

एक ऊँचा बादल का खम्बा दिन में बनी इस्राईल के आगे –आगे चलता था और वही खम्बा रात में आग का खम्बा बन जाता था क्यूंकि खुदा उस बादल और आग के खम्बे में मौजूद था जो हमेशा उन के साथ रहा करता था - और सफ़र में **उनकी रहनुमाई करता था** – बनी इस्राईल को अगर कुछ करना था तो वह यह था कि उसके पीछे –पीछे चलते जाओ -

ऊंचा (लम्बा)बादल का खम्बा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था ,"एक लम्बा बादल" या "एक खम्बे की शक्ल का बादल"-

लम्बा आग का खम्बा

यह एक आग का सुतून था जो लटका हुआ था या इस्राईलियों के सामने हवा में तैरता था -

उनकी रहनुमाई करता था

इस खम्बे को उनके साथ उनके सामने चलने के ज़रिये ख़ुदा ने उनको रास्ता दिखाया ताकि वह उस के पीछे चल सकें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

12:03

थोड़े ही वक़्त के अन्दर फ़िरोन और उसके लोगों ने अपना इरादा बदल दिया - वह बनी इस्राईल को दोबारा अपना ग़ुलाम बनाना चाहते थे – सो उनहोंने बनी इस्राईल का पीछा किया – ऐसा उनहोंने खुद से नहीं सोचा था बलकि खुदा ने उनको ऐसा सोचने पर मजबूर किया था –खुदा ने ऐसा इसलिए किया क्यूंकि वह उन्हें याद दिलाना चाहता थ कि “वह” याने “यह्वे” फ़िरोन और तमाम मिसरी देवताओं से बहुत ही ज़ियादा ज़ोरावर है -

थोड़े दिन बाद

गालिबन कम अज़ कम दो दिन गज़रने के बाद , इसे साफ़ करने के लिए इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “कुछ दिनों बाद” या “इस्राईलियों के मिस्र छोड़ने के थोड़े दिनों बाद” -

अपना ख़याल बदला

इस मुहावरे के मायने हैं , “ पहले के मुक़ाबले में फ़र्क़ तरह से सोचने लगे – कुछ तर्जुमों में हो सकता है बिलकुल इसी तरह का बयान न हो -और इस के मायने बराहे रास्त पेश करेंगे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- ख़ुदावन्द
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती

12:04

जब बनी इस्राईल ने देखा कि फ़िरोन का फौजी लश्कर उनका पीछा कर रहा है तो उनहोंने महसूस किया कि वह फ़िरोन की फ़ौज और बहर –ए– क़ुलज़म के बीच फँस चुके हैं – वह बहुत डर गए और चिल्ला उठे कि मिस्र को छोड़ने में हमने बहुत बड़ी गलती की है – हमने मिस्र को क्यूँ छोड़ा ? हम मरने जा रहे हैं -

वह बहर -ए- क़ुल्ज़ुम के बीच... फंस गए थे

दूसरे तरीक़े से इसे ऐसे कहेंगे ,"वहाँ उन्हें बचने का कोई रास्ता नहीं था ,जबकि मिस्री उन के पीछे थे और बहर -ए- क़ुल्ज़ुम उन के सामने था -

हम ने मिस्र को क्यूँ छोड़ा

इस का मतलब है कि "हम को मिस्र नहीं छोड़ना चाहिए था !" वह सूरत -ए- हाल के सबब से यह सवाल नहीं कर रहे थे बल्कि इस लिए कि वह उस लम्हे डर गए थे और तवक़्क़ो कर रहे थे कि मिस्र को ना छोड़ते तो अच्छा था (हालाँकि वहां उन्हें बहत मुश्किल पेश आरही थी)-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- नड़ समन्दर, लाल समुद्र

12:05

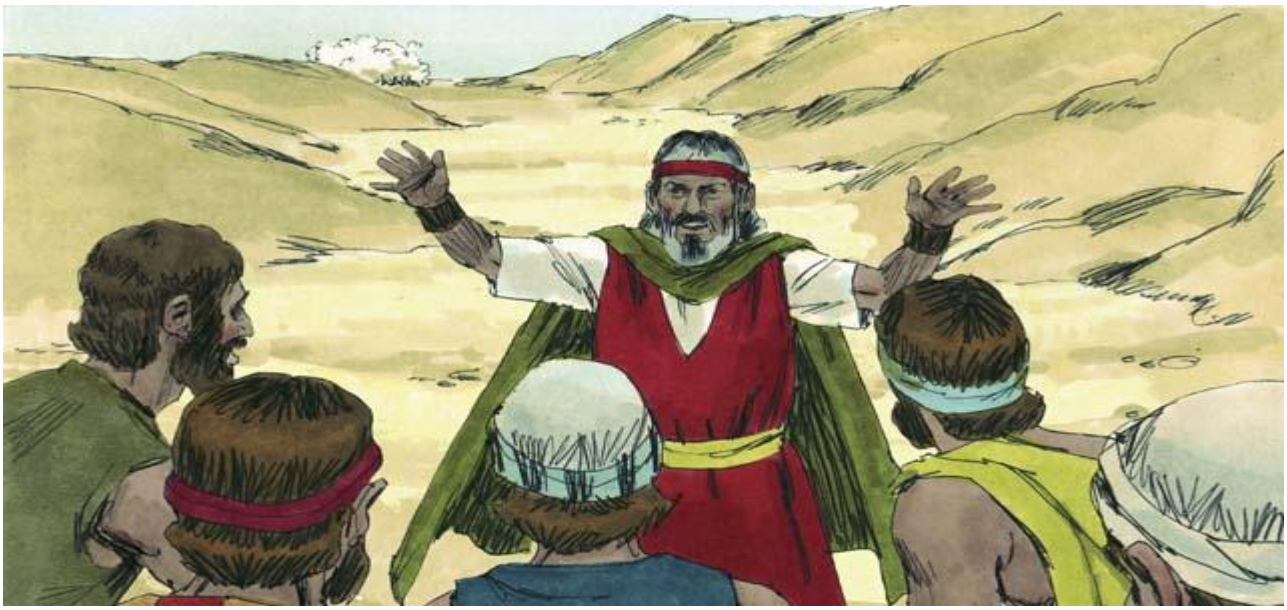

मूसा ने बनी इस्राईल से कहा डरो मत – आज खुदा हमारी तरफ़ से लड़ेगा और तुमको बचाएगा –फिर खुदा ने मूसा से कहा “अपने लोगों से कह कि वह बहर-ए –कुल्ज़म की तरफ़ बढ़ते जाएं -

आज ख़ुदा तम्हारे लिए लड़ेगा

दूसरा तरीक़ा इसे कहने का इस तरह होगा कि ,”आज ख़ुदा तुम्हारे लिए मिस्रियों को शिकस्त देगा और तुम्हें नुक़्सान पहुंचाने से दूर रखेगा -

आगे बढ़ो

कुछ तर्जुमों में मख़सूस तौर से कहा जाएगा ,”आगे बढ़ चलो “

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- नड़ समन्दर, लाल समुद्र

12:06

फिर खुदा ने उस बादल के खम्बे को ऐसा घुमाया कि बनी इस्राईल और मिसरी फ़ौज के बीच में इस तरह रखा कि मिसरी फ़ौज बनी इस्राईल को देख नहीं सकते थे -

बादल का खम्बा

इस मुहावरे को आप ने किस तरह तर्जुमा किया है 12:02 में देखें -

देख न सके

बादल का खम्बा इतना बड़ा और मोटा था कि मिस्री लोग किसी भी इस्राईली को आगे देख न सके

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

12:07

खुदा ने मूसा से कहा “अपना हाथ समुन्दर के ऊपर उठा” जब मूसा ने ऐसा किया तो समुन्दर के दाएं और बाएँ दोनों तरफ़ हवा का दबाव पड़ा और दोनों तरफ़ के पानी को हटा दिया जिससे समुन्दर के बीचों बीच एक सूखा रास्ता बन गया -

समुन्दर के ऊपर हाथ उठाए

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि ,”समुन्दर के ऊपर अपने हाथ उठाए रखे “,यह एक इशारा था बताने के लिए कि ख़ुदा मूसा के ज़रिये एक मोजिज़ा कर रहा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मूसा

12:08

बनी इस्राईल उस सूखी ज़मीन के रास्ते चल पड़े और उन्हों ने देखा कि उनकी दाएँ और बाएं तरफ़ मानो पानी की दीवार खड़ी है -

आगे बढ़े

इसे इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ,"चलने लगे" या "गए" -

दोनों तरफ़ एक पानी की दीवार

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि ,"उन के दोनों तरफ़ पानी ऊंचाई पर खड़ा होगया और एक दीवार की तरह सीधा हो गया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली

12:09

फिर खुदा ने उस बादल के खम्बे को उन के बीच से हटाया ताकि मिसरी लोग देख सकें कि बनी इस्राईल किस तरह बचकर निकल रहे थे – सो मिसरी फ़ौजियों ने चाहा कि उनका पीछा करें -

आम मालूमात

इस फ़्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- इस्राईल, इस्राईली

12:10

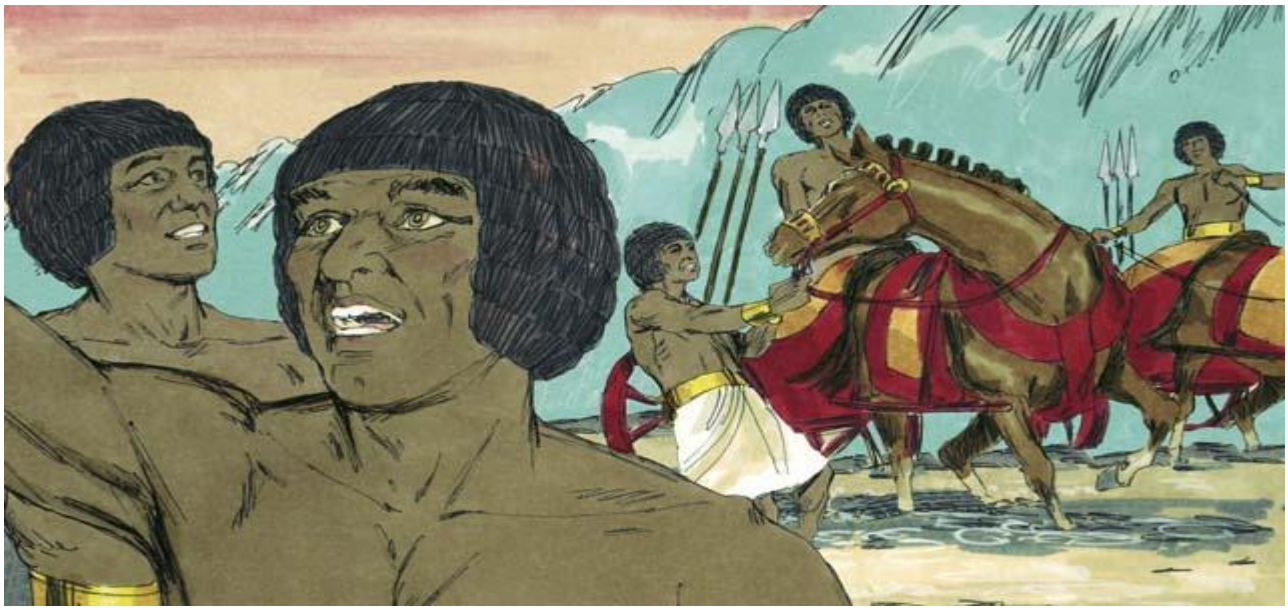

सो उनहोंने बनी इस्राईल का पीछा करके वह भी समुन्द्र के उस सूखे रास्ते से गुज़रे – मगर खुदा ने उनके लिए रास्ता बन्द कर दिया ,जो पानी की दीवार थी वह आपस में मिल गई और मिसरियों के घोड़ों के रथ पानी में डूबने लगे – मिसरी लोग चिल्लाने लगे "यहाँ से भागो क्यूंकि खुदा बनी इस्राईल की तरफ़ से लड़ने पर आमादा है –"

समुन्दर के बीच रास्ता

यह दोनों तरफ़ पानी की दीवार के साथ समुन्दर के नीचे से लेकर ऊपर तक सूखी ज़मीन का एक हिस्सा (टुकड़ा) था-

दहशत महसूस करना

इसको इसतरह महसूस किया जा सकता था कि , "खौफज़दा होजाना और उलझन में पड़ना"

आगे को निकलना

फ़िरौन के रथ आगे नहीं निकल सके

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- रथ, रथों ,रथियों

12:11

तमाम बनी इस्राईल जब बहर–ए-क़ुल्ज़ुम के उस पार पहुँच गए तो ख़ुदा ने मूसा से कहा "अपना हाथ समुन्दर की तरफ़ बढ़ा ,जब मूसा ने ऐसा किया तो पानी मिस रियों की फ़ौज पर गिर पड़ा और अपनी क़ुदरती हालत पर आगया – मिस्र की सारी फ़ौज पानी में डूब कर मर गई -

समुन्दर के उस पार पहुंचना महफ़ूज़ किया

इस को इस तरह तर्जुमा किया जा सकता था ,वह हिफ़ाज़त से समुन्दर की दूसरी तरफ़ चलकर गए" या हिफ़ाज़त से दूसरी तरफ़ पहुंचे" या मिस्रियों और समुन्दर से महफ़ूज़ होकर पैदल निकल गए -

फिर से अपना हाथ ऊपर किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"अपना बाज़ू समुन्दर के ऊपर उठाया – या एक सीधे हुक्म बतौर "ख़ुदा ने मूसा से कहा,फिर से अपने बाज़ू फैला "-

अपनी असली जगह पर वापस आगया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"जो सूखी ज़मीन बनी थी वह आपस में मिल गई" या तमाम समुन्दर फिर से भर गया" या पानी पीछे चला गया जहां से ख़ुदा ने पहले अलग किया था

सारी मिस्री फ़ौज

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"मिस्री फ़ौज का हर एक शख़्स"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- मूसा
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

12:12

जब बनी इस्राईल ने देखा कि सारी मिसरी फ़ौज पानी में डूब कर मर गई तो उन्हों ने खुदा पर भरोसा किया – वो ईमान लाए कि मूसा खुदा का एक नबी है -

ख़ुदा पर भरोसा किया

दुसरे लफ़्ज़ों में अब लोगों ने ख़ुदा पर भरोसा किया कि वह बहुत ही ज़ोरावर था और उन्हें बचा सकता था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- ख़ुदावन्द
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- मूसा
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

12:13

बनी इस्राईल ने खुशियाँ मनाई क्यूंकि खुदा ने उनको न सिर्फ़ मरने से बल्कि गुलामी से भी छुटकारा दिया –अब वह खुदा की इबादत करने और उसका हुक्म बजा लाने के लिए आज़ाद थे - बनी इस्राईल ने अपनी नई आज़ादी मनाने की ग़रज़ से खुदा की हम्द के गीत गाए कि किस तरह खुदा ने उनको मिसरी फ़ौज से बचाया -

बड़े जोश के साथ खुशियाँ मनाईं

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"बहुत ज़ियादा खुश थे जिसे उनहोंने बड़े ही जोश -ओ- ख़ुरोशके साथ दिखाया" या "पूरे दिल से ज़ाहिर किया" या फिर "अपनी पूरी ताक़त के साथ"-

मौत और ग़ुलामी से

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"हलाक किये जाने से या मिस्रियों के ज़रिये ग़ुलाम बनाये जाने से बचाया" -

आज़ादी से ख़िदमत करने के लिए

ख़ुदा ने इस्राईलियों को फिर से ग़ुलाम होने से आज़ाद किया या बचाया ताकि वह उसकी ख़िदमत कर सकें -

ख़ुदा की हम्द ओ तारीफ़ हो

कुछ ज़बानों में इस तरह तर्जुमा किया जा सकता था ,"ख़ुदा के नाम को ऊंचा करो" या कहो कि "ख़ुदा अज़ीम है"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात

- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

12:14

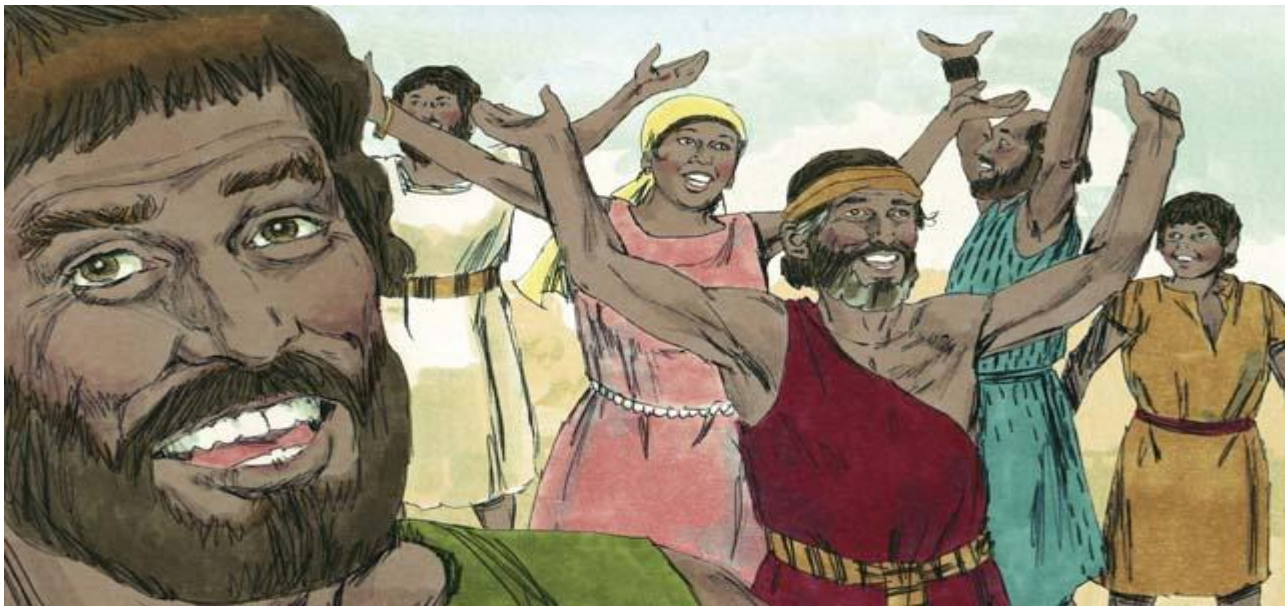

खुदा ने बनी इजराइल को हुक्म दिया कि हर साल इस छुटकारे के दिन को याद करने के लिए ईद मनाएं कि किस तरह खुदा ने मिस्रियों को हराया और उन्हें उनकी गुलामी से आज़ाद किया – इस ईद का नाम **फ़सह** का ईद था – इस फ़सह की ईद में उन्हें एक तंदरुस्त और मोटे ताज़े बर्रे को मारना होता है - उसको भूनना पड़ता है और अख्मीरी रोटी के साथ अपने खानदान के साथ खड़े होकर जल्दी –जल्दी खाना पड़ता है -

फ़सह

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"फ़सह की सरगर्मियां" या "फ़सह का जश्न"या "फ़सह का खाना"

याद करो कि किस तरह से ख़ुदा ने उन पर ग़लबा अता किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "लगातार उन्हें याद दिला कि ख़ुदा ने उनको किस तरह शिकस्त दी" -लफ़्ज़ "याद रखना"इसका मतलब सिर्फ़ यह नहीं कि नहीं भूलना बल्कि यह भी कि दस्तूर व रिवाज के मुताबिक किसी चीज़ को यादगार बनाना भी है -

बे ऐब बर्रा

यह लफ़्ज़ "बे-ऐब" इस बात का हवाला देता है कि बर्रा किसी तरह से बीमार न हो न ही कोई ख़राबी -दूसरे तरीक़े से कहा जाए यह हो सकता है कि "एक पूरी तरह से तंदरुस्त और बे ऐब बर्रा -

रोटी जो बग़ैर ख़मीर के बनाई जाती है

दूसरी तरह से कहा जाए तो इसे "अख़्मिरी रोटी भी कहते हैं -देखें कि आप ने इसे 11:03 में किस तरह तर्जुमा किया है -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात कुछ बाइबिल के तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- फ़िरऔन
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा

_ख़ुरूज 12:33 से लेकर 15:21 तक बाइबिल की एक कहानी _

13 . बनी इस्राईल के साथ खुदा का मुआहदा

13:01

बहर –ए– क़ुल्ज़ुम के ज़रिये बनी इस्राईल को जब खुदा ने रहनुमाई की तो उसने उन्हें बयाबान में भी एक पहाड़ी की तरफ़ रहनुमाई की जो सीना का पहाड़ कहलाता है –यह वही पहाड़ है जहां मूसा ने **जलती हुई झाड़ी** को देखा था – बनी इस्राईल ने इसी पहाड़ी के नीचे अपने डेरे डाले थे -

जलती हुई झाड़ी

मूसा के मिस्र लौटने से पहले ख़ुदा ने उस से एक झाड़ी में से होकर बात की थी जो जल रही थी -मगर वह अस्ल में जल नहीं रही थी , देखें 09:12-

अपने ख़ेमे गाड़े

इस्राईलियों को मिस्र से लेकर वायदा किये हुये मुल्क की तरफ़ बहुत लम्बा सफ़र तै करना ज़रुरी था – सो उन्हों ने अपने साथ ख़ेमे लिए ताकि रास्ते में उन के लिए छाया हो और सो सकें - कुछ ज़बानों में इस तरह तर्जुमा किया गया है “अपने ख़ेमे लटका लिए”-

पहाड़ का निचला हिस्सा

इसको इसतरह भी तर्जुमा किया जा सकता था “पहाड़ के नीचे” यह मुल्क के उस इलाक़े को बताता है जहाँ की ज़मीन एक पहाड़ की चढ़ाई पर वाक़े है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- नड़ समन्दर, लाल समुद्र
- सीनै, सीनै पहाड़
- मूसा

13:02

खुदा ने मूसा और तमाम बनी इस्राईल से कहा “तुम्हें हमेशा मेरे अहकाम बजा लाने होंगे और मेरे अहद को मानना होगा जो मैं तुझ से बाधूंगा –अगर तुम यह करोगे तो तुम मेरे इनाम वाली मिलकियत ,शाही काहिनों का फ़िरक़ा और पाक कौम ठहरोगे -

मेरा अहद बरक़रार रखो

इसको इस तरह से तरजुमा किया जा सकता था ,”जो मेरे अहद के लिए ज़रूरत है उसको अंजाम दो”-अहद को मानना और बजा लाना यह दो फ़र्क़ चीज़ नहीं है एक तरीक़े से इस को कहना साफ़ होगा कि “मेरे अहद बजा लाने के ज़रिये मेरा हुक्म मानो” बहुत जल्द ख़ुदा उन से कहेगा कि उसका अहद क्या मुतालबा करता है -

मेरी इनाम दी हुई जाएदाद -

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि “तुम मेरी वह जाएदाद होगे जिसकी बहुत बड़ी क़ीमत है” – या “तुम मेरे ख़ज़ाने के वह लोग हो जो दूसरी जमाअत के लोगों से बढ़कर हो” या तुम मेरे ख़ास क़ीमती लोग ठहरोगे -

तुम एक शाही काहिनों का फ़िर्का ...ठहरोगे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि , “मैं तुम्हारा बादशाह हूँगा और तुम मेरे काहिनों जैसे होगे” बनी इस्राईल को चाहिए था कि वह ख़ुदा और दीगर कौमों के दरमियान एक बिचौलिया बनकर ख़ुदा की बाबत तालीम दें जिस तरह काहिन लोग हुआ करते थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मूसा
- इस्राईल, इस्राईली
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- ’अहद , ‘अहदों,नया ‘अहद
- बादशाही, बादशाहियाँ

- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा
- पाक, पाकीज़गी

13:03

तीन दिन तक लोगों ने खुद को तैयार होने में लगाया - खुद को पाक साफ़ किया कि खुदा उनके क़रीब आसके फिर खुदा सीना पहाड़ पर नीचे उतर आया – जब वह आया तो माहोल में शोर ओ ,गुल गरजनें , बिजलियों की चमक ,धुंआ ,क़रना की बुलंद आवाज़ पूरी तरह से सारा पहाड़ और आस पास का माहौल गूँज उठा ऐसा कि सीना पहाड़ पूरी तरह से हिल गया हो – फिर मूसा खुद ही पहाड़ के ऊपर गया -

तीन दिन बाद

दुसरे लफ़्ज़ों में उन के सीना पहाड़ पर पहुँचने के तीन दिन बाद ख़ुदा ने पहली बार उन से बात की -

ख़ुद को रूहानी तौर से तैयार किया-

ख़ुदा से मिलने की तय्यारी में यह रस्मी तौर से पाक होने कि तरफ़ इशारा करता है - ,"इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"ख़ुदा से मिलने के लिए तैयार हुए" या "ख़ुदा से मिलने के लिए ख़ुद को तैयार किया"-

क़रना की तेज़ आवाज़ सुनाई दी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"और एक तेज़ आवाज़ क़रना बजाने की सुनाई दी" , या एक क़रना बजाया गया था जिस से बहुत तेज़ आवाज़ हुई" और उन्हों ने क़रना बजने की तेज़ आवाज़ को सुना – क़रने मेंढ़ों के सींघों से बनाई जाती थीं - पहाड़ में लोगों को जमा करने के लिए और ख़ुदा से मिलने के लिए क़रने का इस्तेमाल किया जाता था -

सिर्फ़ मूसा को इजाज़त दी गई थी कि पहाड़ के ऊपर जाए-

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि ,"खुदा ने मूसा को इजाज़त दी कि ऊपर जाए मगर उस ने किसी और को इजाज़त नहीं दी कि ऊपर जाए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- सीनै, सीनै पहाड़
- मूसा

13:04

फिर खुदा ने लोगों के साथ एक अहद बाँधा ,खुदा ने कहा "मैं यह्वे तुम्हारा खुदा हूँ – मैं ने ही तुमको मिस्र की गुलामी से बचाया है – तुम कभी भी ग़ैर माबुदों की परस्तिश न करना -

फिर ख़ुदा ने उन्हें अहद दिया और कहा

इसके बाद ख़ुदा जो अहद की फ़ेहरिस्त में कहना चाहता है वह यह है कि जो कुछ वह कहता उन्हें बजा लाना चाहिए -इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था "फिर ख़ुदा ने अपना अहद उन्हें दिया और कहा" या "फिर ख़ुदा ने उनके साथ अहद बाँधा"

यह वह तुम्हारा ख़ुदा है

तरतीब बदलने और कहने के लिए कुछ ज़बानों में और आसन तरिक़ा हो सकता था कि "तुम्हारा यह ख़ुदा"यह यक़ीन करे कि इस्राईलियों का एक से ज़ियादा ख़ुदा नहीं है - यह साफ़ होना चाहिए कि यह ही ख़ुदा है -तर्जुमे का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि "यह जो तुम्हारा ख़ुदा है" या "तुम्हरा ख़ुदा जिसका नाम यह है"

जिस ने तुम्हें ग़ुलामी से आज़ाद किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"मैं ने तुमको ग़ुलामी से आज़ाद किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- 'अहद , 'अहदों,नया 'अहद
- यहोवा
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- 'इबादत
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती

13:05

तुम अपने लिए कोई तराशी हुई मूरत न बनाना ,न उनकी परस्तिश करना –क्यूंकि मैं यह्वे ही तुम्हारा अकेला खुदा हूँ , तुम मेरा नाम बे फ़ाइदा न लेना- याद करके तू सबत का दिन पाक मानना – दुसरे लफ़्ज़ों में छे दिनों में तुम अपना काम काज करन , पर सातवाँ दिन तेरे लिए आराम का दिन ठहरे , उस दिन तू मुझे याद करना -

आम मालूमात

ख़ुदा मूसा से लगातार बात करता है

मैं यह वह ग़य्यूर ख़ुदा हूँ

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “मैं यह वह ग़ुस्सा हूँगा अगर तुम मेरे अलावा किसी और की इबादत या इज़्ज़त करोगे” ख़ुदा सख़्ती के साथ अपने लोगों से चाहता है कि उस से मोहब्बत रखें , उसकी ख़िदमत करें ,और किसी चीज़ से या शख़्स से ज़ियादा उसका हुक्म बजा लाएं -उनकी जिंदगियों का मालिक सिर्फ़ वही होना चाहिए -

तू मेरा नाम बे फ़ाइदा न लेना

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था मेरी बाबत उस तरह से बात मत करो जिस से मेरी इज़्ज़त और ताज़ीम नहीं होती” या मेरी बाबत इस तरीक़े से बात करो कि जिस से मुनासिब तरीक़े से मेरी इज़्ज़त और ताज़ीम हो -

सातवां दिन

इसको तर्जुमा करने के लिए बेहतरीन होगा कि अदद (“सातवें) का इस्तेमाल करें बल्कि उस ख़ास दिन का बयान करें -

मुझे याद करने के लिए

इसको इस तरह से तरजुमा किया जा सकता था “मेरे नाम को ध्यान में रखने के लिए” या “मेरी इज़्ज़त अफ़ज़ाई के लिए”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- 'इबादत
- यहोवा
- ख़ुदावन्द
- सबत
- पाक, पाकीज़गी

13:06

तू अपने बाप और मां की इज्ज़त करना - तू खून न करना- **तू ज़िना न करना** – तू चोरी न करना – तू झूट न बोलना – तू अपने पड़ौसी के घर का लालच न करना ,न उसकी बीवी का लालच करना – तू उसके घर के किसी भी चीज़ का लालच न करना -

आम मालूमात

ख़ुदा मूसा से लगातार बात कर रहा है -

तू ज़िना न करना

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ,"अपनी शरीक -ए- हयात को छोड़ किसी और के साथ जिंसी ताल्लुकात न रखना" या शादी के ताल्लुकात किसी और की बीवी के साथ ,या किसी और के शौहर के साथ न रखना" यक़ीनी तोर से इसका तर्जुमा इस तरीक़े से किया जाए कि किसी को ठोकर न लगे न ही कोई परेशानी हो-ज़बानें अक्सर ग़ैर बराहे रास्त हों इसको हलीमी से कहने का दूसरा तरीक़ा है "दूसरे के साथ न सोएं"-

झूट मत बोलो

इसका मतलब है , " दूसरों की बाबत झूटी बातें न करो न ही अपनी बाबत"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- हरामकारी ,हरामकार बदकार, हराम्कारियाँ ,हराम्कारियों ,हरामकारनी

13:07

फिर खुदा ने उन दस अहकाम को पत्थर के दो लोहों पर लिख दिए और उन्हें मूसा को दे दिए – खुदा ने लोगों को कुछ और क़ानून क़ाइदे भी दिए कि उनको माने –अगर वह उसके अहकाम बजा लाते हैं तो खुदा ने वादा किया कि वह उन्हें बरकत देगा और उनकी हिफ़ाज़त करेगा मगर उसने कहा कि अगर वह उह्काम नहीं बजा लाते हैं तो वह उन्हें सज़ा देगा-

यह दस अहकाम

यह हवाला है उन अहकाम को जो ख़ुदा ने मूसा के ज़रिये इस्राईलियों को मानने के लिए दिए यह फ्रेमों में फ़ेहरिस्त किये गए हैं 13:05 और 13:06 -

पत्थर की लौहें

यह पत्थर के चपटे हमवार टुकड़े थे -

ख़ुदा ने यह हुक्म भी दिए

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ,"ख़ुदा ने उनसे यह भी कहा -

पीछे चलने के लिये

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ,"उनको मानना चाहिए" या "उन्हें पाबंद होने की ज़रूरत है"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- दस हुक्म
- मूसा
- शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

13:08

खुदा ने बनी इस्राईल से यह भी कहा कि एक बड़ा सा ख़ेमा बनाएं ---- याने कि ख़ेमा –ए- इजतिमा – उसने उनसे कहा कि बा - क़ाईदा तौर से किसी तरह इस ख़ेमे को बनाना है और उसके अन्दर कौन कौन सी चीज़ें किस लकड़ी या पत्थर से बनाई जाए या तराशा जाए – खेमा और दो कमरों के बीच एक बड़ा सा पर्दा लगाने को कहा गया था ताकि खुदा परदे के पीछे वाली कमरे में आकर सुकूनत कर सके – सामने वाले कमरे को पाक मक़ाम और बिलकुल अन्दर वाला कमरा जो परदे के पीछे था उसे पाक्तरींन मक़ाम कहा जाता था – पाक तरीन मक़ाम जहाँ खुदा की सुकूनत थी उसके अन्दर सिर्फ़ सरदार काहिन को ही साल में एक बार दाखिल होने की इजाज़त थी -

एक मुफ़स्सिल बयान

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"ख़ुदा ने इसे तफ़सील से बयान किया" या "ख़ुदा ने उन से वैसा ही कहा जैसा वह चाहता था कि उन्हें क़ाइम रखें" -

इसे कहा गया था

इसे इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"वह कहलाए " या "मूसा ने उसे कहा "-

पर्दे के पीछे का कमरा

यह कमरा पर्दे से छिपा था ,कुछ ज़बानों में इस कमरे को "परदे के सामने वाला कमरा" कहा है -

ख़ुदा वहां सुकूनत करता था

अगर यह मुहावरा लोगों को यह ख़याल दिलाए कि ख़ुदा महदूद होकर ख़ेमे में रहता था तो यहाँ इसे तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा है :"ख़ुदा वहां मौजूद था" या ख़ुदा ने ख़ुद को वहां बनी इंसान पर ज़ाहिर किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली

- ख़ेमा-ए-इज्तिमा'
- सरदार काहिन

13:09

खेमा –ए- इज्तिमा के आगे की तरफ़ लोगों को एक मज़बह भी बनाने की ज़रूरत थी – जो शख्स खुदा की शरीअत के ख़िलाफ़ कोई गुनाह करता था तो उसको मजबह के पास एक जानवर को लाना ज़रूरी था –फिर एक काहिन उस को ज़बह करता था , और ख़ुदा के लिए उसको मज़बह पर चढ़ाता था – ख़ुदा ने कहा कि उस जानवर का खून उस शख्स के गुनाह को ढ़केगा – इस बतौर खुदा उस शख्स के गुनाह को आइन्दा के लिए नहीं देखेगा – वह शख्स खुदा के हुज़ूर पाक ठहरेगा – खुदा ने मूसा के भाई हारून और उसकी नसल को काहिन होने के लिए चुना -

ख़ुदा की शरियत

यह ज़ाहिर करता है कि तमाम अहकाम और हिदायात जो ख़ुदा ने दिए वह इस्राईलियों को बजा लाने के लिए दिए -

ख़ेमा -ए- इज्तिमा में

वह ने जानवरों को ख़ेमा -ए- इज्तिमा के अन्दर नहीं लाए बल्कि उस के बाहर जो मज़बह बना हुआ था वहां लेकर आए" यक़ीन जानें कि ऐसा कोई मुहावरे का इस्तेमाल न हो जिस से यह ज़ाहिर हो कि वह जानवरों को अन्दर लाए थे -

एक शख़्स के गुनाह ढांके गये थे

जब लोग जानवरों को क़ुर्बानी के लिए लाते थे तो ख़ुदा उन जानवरों के ख़ून को देखना पसंद करता था इस बतौर कि वह उन के गुनाह ढक रहा था जिस तरह कि किसी बदसूरत या गंदी मैली चीज़ को ढाका जाता है -

ख़ुदा की नज़र में साफ़

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"जैसा कि फ़लां शख़्स ने ख़ुदा के खिलाफ़ गुनाह ही न किया हो" या "ख़ुदा की शरीयत को तोड़ने पर भी सज़ा से आज़ाद" -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत

- ख़ेमा-ए-इज्तिमा’
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदावन्द
- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा
- , क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह
- ख़ून
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- मूसा
- हारून
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें

13:10

लोग इस बात पर राज़ी हुए कि वह खुदा की दी हुई शरीयत को ख़ुशी के साथ बजा लाएंगे – वह इस बात से भी राज़ी हुए कि वह सिर्फ़ और सिर्फ़ खुदा के लोग हैं और सिर्फ़ उसी की परस्तिश करेंगे -

उनको दिया गया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “उन से बजा लेने को कहा”-

उसके ख़ास लोग

दुनिया के तमाम क़ौमों के बीच में से ख़ुदा ने बनी इस्राईल को एक ख़ास मक़सद के लिए चुना -इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था,”उसकी ख़ास क़ौम बतौर” या “उसके ख़ास लोग बतौर” या “वह क़ौम जिस को उसने अपने लोग बतौर चुना” -

थोड़ा वक्त

उन चालीस दिनों के दौरान जब मूसा पहाड़ पर ख़ुदा के साथ था लोगों ने गुनाह किया -

निहायत शदीद तौर से गुनाह किया

उन्हों ने इस तरह से गुनाह किया जो ख़ास तौर से ख़ुदा पर हमला था -इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “उन्होंने बहुत बुरी तरह से गुनाह किया” या उन्होंने कुछ ऐसा किया जो बहुत ही बुरा था” या “उन्हों ने कुछ ऐसा बुरा किया जिस से ख़ुदा बहुत नाराज़ हुआ”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- ख़ुदावन्द
- ‘इबादत
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया

- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

13:11

कई दिन तक के लिए मूसा ने सीना पहाड़ के ऊपर क़याम किया – वह खुदा से बातें करता रहा – मगर बनी इस्राईल मूसा के वापस नीचे आने का इंतज़ार करते -करते थक गए – सो उनहोंने हारुन के पास सोना लाकर कहने लगे तू हमारे लिए एक बुत बना ताकि हम खुदा के बदले उस बुत की परस्तिश कर सकें – इस तरह उनहोंने खुदा के ख़िलाफ़ एक हौलनाक गुनाह किया -

लोग इंतज़ार करते करते थक गए

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि “लोग बहुत बे सब्र हो गए थे क्यूंकि मूसा जल्द वापस नहीं आया था “ या “लोग आगे को उस के वापस लौटने का इंतज़ार नहीं करना चाहते थे” -

सोना लाए

यह कुछ अश्या और ज़ेवरात थे जो सोने के थे जिन्हें पिघलाकर दूसरी चीजें बनाई जा सकती थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- सीनै, सीनै पहाड़
- ख़ुदावन्द
- हारून
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती

13:12

हारुन ने बछड़े की शक्ल में एक सोने की मूरत बनाई –लोग बुरी तरह से उस मूरत की पूजा करने लगे ,यहाँ तक कि उसके आगे नाचने , कूदने , और कुर्बानियां भी चढ़ाने लगे – जब खुदा ने यह देखा तो उनके इस गुनाह पर उसको बहुत ग़ुस्सा आया – वह उन्हें बर्बाद कर देना चाहता था मगर मूसा ने उनकी सिफ़ारिश की कि उन्हें हालाक न करे – खुदा ने मूसा की दरखास्त सुनी और उन्हें हलाक करने से बाज़ आया -

एक सोने का बछड़ा बनाया

हारून ने यह सारी सोने की चीज़ें लीं जो लोग उसके पास लाए थे और उन्हें पिघलाकर एक चीज़ बनाई और वह एक बछड़े की शक्ल का था -

वहशियाना तरीक़े से पूजा

उस बुत की परस्तिश करके उन्होंने गुनाह किया और गुनाह करने के साथ साथ उन्हों ने मूरत की परस्तिश की -

उसकी दुआ को सुना

ख़ुदा हमेशा दुआ को सुनता है - ऐसी हालत में , “सुनने” का मतलब है जो कुछ मूसा ने ख़ुदा से दर्खास्त की थी उसको उसने मंज़ूर किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- हारून
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- ‘इबादत
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- मूसा
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

13:13

आखिर –ए-कार मूसा सीना पहाड़ से नीचे उतर आया –वह अपने हाथ में पतथर की दो लोहें लिए हुए था जिसमें खुदा ने दस अहकाम लिखे थे – फिर उसने जब उस बछड़े की मूरत को देखा तो बहुत गज़बनाक हुआ और हाथ में लिए हुए दस अह्काम की लोहों को ज़मीन पर पटक कर तोड़ डाला -

बुत को तहस नहस कर दिया

उसने बुत को ज़मीन पर नीचे पटक दिया और उसके टुकड़े टुकड़े कर डाला

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- ख़ुदावन्द
- दस हुक्म

13:14

फिर मूसा ने उस मूरत को पीसकर उसका सफ़ूफ़ बनाया और उसको पानी में घोलकर जो लोग उसमें शामिल थे उनको पिलाया – खुदा ने उन पर **एक वबा** भेजी और उनमे से बहुत से उस वबा से मर गए -

बुत को कूट कर और पीसकर सफ़ूफ़ बना दिया

मूसा ने पूरी तरह से बुत को बर्बाद कर दिया और चूरा चूरा करके ख़फ़ीफ़ बना दिया -

थोड़े पानी में

मूसा ने उस सोने के पानी के घोल को पानी के एक बड़ी मिक़दार में मिलाया -

एक वबा

इसको तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “एक ख़तरनाक बीमारी”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- ख़ुदावन्द

13:15

दस अहकाम के लिए मूसा ने जिन दो लोहों को तोड़ डाला था उसके बदले में खुदा ने दो नई लोहें बनाई –फिर वह सीना पहाड़ पर ही उन लोगों के लिए मुआफी की दरखास्त करने लगा – खुदा ने मूसा की दरखास्त सुनी और उन्हें मुआफ कर दिया मूसा दस अहकाम के नए लोहों के साथ पहाड़ से नीचे उतरा – फिर खुदा ने सीना पहाड़ पर से वादा किए हुए मुल्क की तरफ़ बनी इस्राईल की राह्नुमाई की -

मूसा ने बनाया

मूसा ने दस अहकाम की पत्थर की लौहों को छेनी और हथोड़े से तराश कर के बनाया -

उसको ग़ौर से सुना

देखें कि आप ने इस मुहावरे को 13:12 में किस तरह तर्जुमा किया -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की
- ख़ुदावन्द
- मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया
- दस हुक्म
- इस्राईल, इस्राईली
- सीनै, सीनै पहाड़
- वा’दे का मुल्क

_खरूज 19 बाब से लेकर 34 बाब तक बाइबिल की एक कहानी _

14. बयाबान में घूमना फिरना

14:01

खुदा बनी इस्राईल से अपने अहद के सबब से शरीअत की तमाम बातें यह कहकर ख़तम की कि तुमको इस पर चल्ना ज़रूरी है – फिर उसने सीना पहाड़ से उनकी रहनुमाई की – खुदा उन्हें वादा किए हुए मुल्क में ले जाना चाहता था - उस मुल्क को मुल्क –ए– कनान भी कहा जाता है – खुदा बादल के खम्बे में होकर उन के आगे –आगे चलौर बनी इस्राईल उनके पीछे –पीछे चले -

बादल का खम्बा

देखें कि आप ने इस मुहावरे का 12:02 में किस तरह से तर्जुमा किया है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- 'अहद , 'अहदों,नया 'अहद
- सीनै, सीनै पहाड़
- वा'दे का मुल्क
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों

14:02

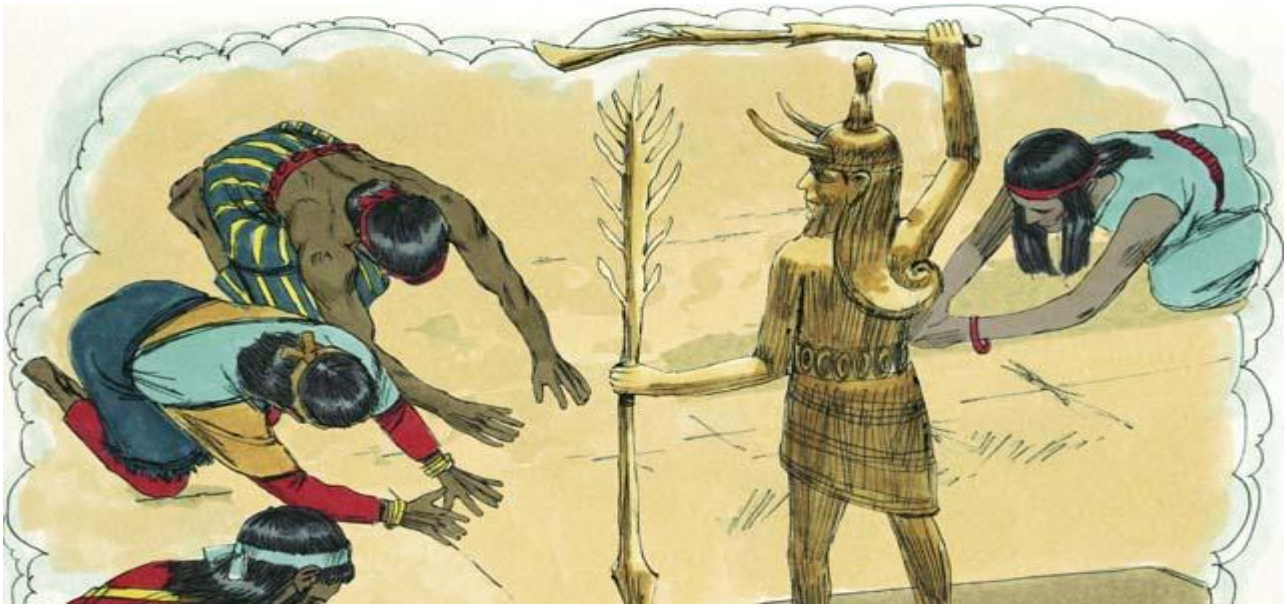

खुदा ने अब्रहाम , इज़हाक़ और याक़ूब से वादा किया था कि वह उनकी नसल को वादा किया हुआ मुल्क देगा मगर अब वहां पर कई लोगों के दीगर कबीले रह रहे थे जिन्हें कनानी लोग कहा जाता था – कनानी लोग न तो खुदा की परस्तिश करते थे और न उसका हुक्म बजा लाते थे-वह झूटे माबूदों की परस्तिश करते थे और कई एक बुरे काम अंजाम देते थे -

आम मालूमात

_(इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है)

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- इब्राहीम, अब्राम
- इस्हाक़
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब
- वा'दे का मुल्क
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- क़ौम, लोगों, लोग, एक 'अवाम
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों
- 'इबादत
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- बुराई, बदकार, बदकारी

14:03

खुदा ने बनी इस्राईल से कहा था कि " जब तुम वादा किए हुए मुल्क मे पहुंचो तो वहां पर तमाम कनानियों से **छुटकारा पाना** होगा और उन्हें मुल्क से ख़ारिज करना होगा – उनसे कभी सुलह मत करना और न उनके साथ शादी के रिश्ते बनाना – तुम उनके तमाम बुतों को बर्बाद कर देना – अगर तुम मेरा हुक्म नहीं बजा लाओगे तो तुम मेरे बदले में उनके माबुदों की परस्तिश करते हुए ख़त्म हो जाओगे

छुटकारा पाना

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "उन्हें मुल्क से बाहर करो" – या "उन्हें मुल्क से निकालो"

उन से सुलह मत करो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया किया जा सकता था ,उन के बीच या उन के नज़दीक सुलह सलामती से मत रहो" या "उनके साथ सुलह से रहने का वायदा मत करो"

उन से शादी मत करो

ख़ुदा नहीं चाहता था कि कोई भी इस्राईली शख़्स किसी कनानी से शादी करे -

तुम उन के बुतों की परस्तिश करोगे

अगर इस्राईली कनानियों के दोस्त बन जाते और उनके बुतों को बर्बाद न करते तो वह ख़ुदा के बदले उन बुतों की परस्तिश करने पर आज़माए जाते -तुम उनसे कह सकते थे "तुम परस्तिश करते ख़त्म हो जाओगे "इसकी तसहीह करने के लिए कनानियों के साथ ज़ियादा नज़दीक रहने का नतीजा यह होगा कि उनकी राहें सीख जाओगे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों

- वा’दे का मुल्क
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- ‘इबादत

14:04

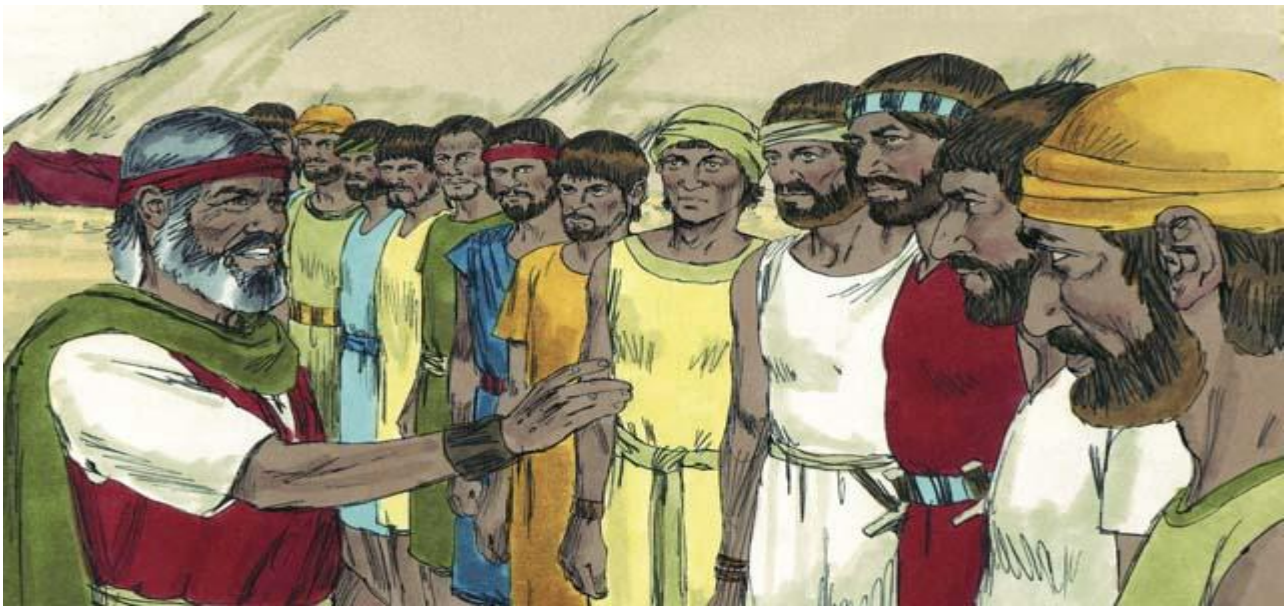

जब बनी इस्राईल कनान की सरहद पर पहुंचे तो मूसा ने बनी इस्राईल के बारह क़बीलों में से हरएक कबीले के एक आदमी को चुना –और उन्हें नसीहत दी कि वहां जाएं और वहां का भेद लें कि वह मुल्क कैसा है ,वहां के लोग कैसे हैं ,वह लोग ताक़तवर हैं कि कमज़ोर हैं ?

मुल्क में जासूस

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था, " पोशीदा तौर से मुल्क कि बाबत जानकारी लेना" या "पोशीदा तौर से मुल्क की बाबत सीखना"- जासूसों के काम का एक हिस्सा यह था कि मालूम करना कि मुल्क किस तरह की फ़स्ल उगा सकता है -

कनानियों पर जासूस

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि "पोशीदा तौर से कनान के लोगों की बाबत जानकारी लेना" या "पोशीदा तौर से कनानियों की बाबत सीखना"

यह देखने के लिए कि वह लोग मज़बूत थे या कमज़ोर

वह जानना चाहते थे कि कनानी लोग उन के ख़िलाफ़ लड़ने को तैयार थे -इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"यह मालूम करने के लिये कि कनानी फ़ौज कितनी ताक़तवर थीं"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों
- मूसा

14:05

यह बारह आदमी कनान की तरफ सफ़र के लिए रवाना हुए –और चालीस दिन बाद वापस आए – उन्हों ने लोगों से कहा कि वहाँ की ज़मीन ज़रखेज़ है और फ़सल अफरात से है – मगर इन बारह में से दस ने कहा कि वहां की शहरें मज़बूत हैं- वहां पर (बनी अनाक़) यानि क़द आवर लोग पाए जाते हैं ! अगर हम उनपर हमला करेंगे तो वह यक़ीनन हम को शिकस्त दे देंगे वगैरा -

14:06

फ़ौरन कालेब और यशो और दीगर दो जासूसों ने कहा “यह सच है कि **कनान के लोग** लम्बे चौड़े और ताक़तवर लोग हैं ,मगर यक़ीनन हम उन्हें शिकस्त देदेंगे और खुदा हमारी तरफ़ लड़ेगा -

कनान के लोग

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि,”लोग जो कनान में रहते थे “- या “कनानी लोग “-

हम यक़ीनन उनको शिकस्त दे देंगे ! ख़ुदा हमारी तरफ़ से लड़ेगा -

इन दो बयानात के बीच फ़र्क़ बताने के लिए यह कहना ज़रूरी होगा कि “हम यक़ीनी तौर से उन्हें शिकस्त दे देंगे क्यूंकि ख़ुदा हमारी तरफ़ से लड़ेगा “-

ख़ुदा हमारे लिए लड़ेगा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि “ख़ुदा हमारे साथ मिलकर लड़ेगा और हमारी मदद करेगा कि हम उन्हें शिकस्त दें !”यहाँ यह साफ़ होजाता है कि इस्राईली ख़ुद भी कनानियों के ख़िलाफ लड़ेंगे “-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- कालिब
- यशू'अ
- कना’न, कना’नी ,कना’नियों
- ख़ुदावन्द

14:07

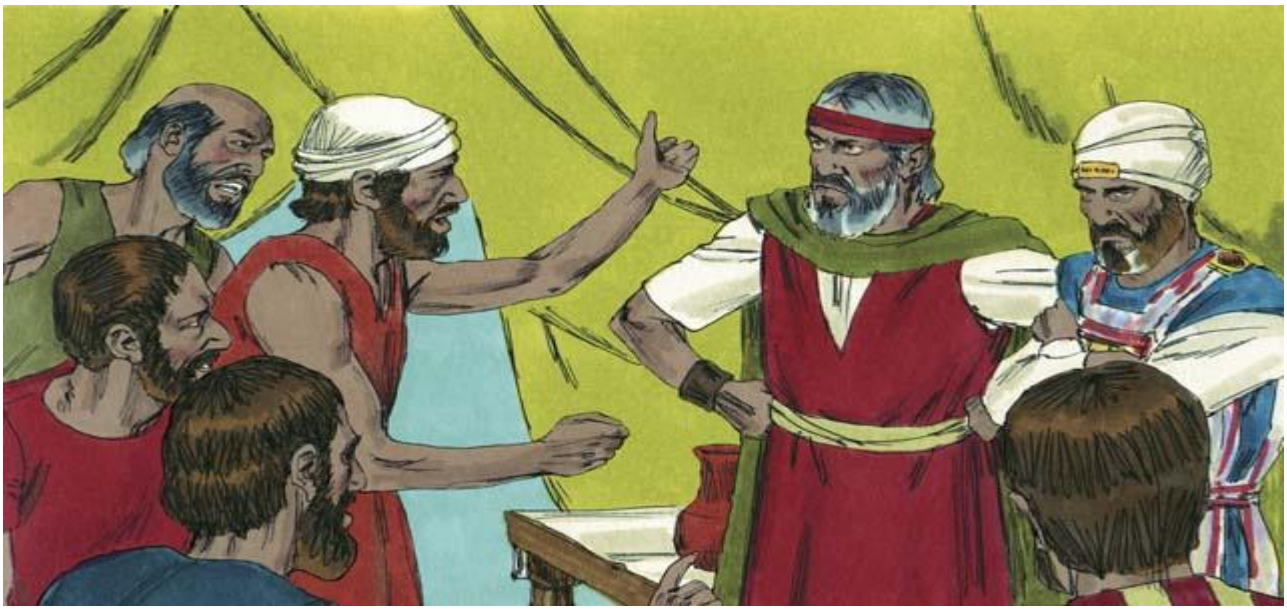

मगर लोगों ने कालेब और यशो की नहीं सुनी- वह मूसा और हारुन से ग़ुस्सा हुए और उनसे कहा “तुम क्यूँ हमें इस हौलनाक जगह पर ले आए ? हाय काश हम मिस्र में ही मार जाते ,या वहीँ पर रह जाते – जब हम मुल्क के अन्दर जाएंगे तो हम जंग में मारे जाएंगे-और कनानी लोग हमारे बीवी बचचों को गुलाम बना लेंगे- लोगों यहाँ तक भी चाहा कि एक फ़रक़ सरदार चुन लिया जाए जो हम को वापस मिस्र तक लेजाए

हम को क्यूँ ले आया

यह असली सवाल नहीं था -कुछ ज़बानों में इसे कहने का तरीक़ा यह है कि “तुम्हें हमको यहाँ नहीं लाना चाहिए था –“

यह ख़तरनाक जगह

उनहोंने कनान को एक ख़तरनाक इलाक़ा क़रार दिया ,क्यूंकि उन्होंने सोचा कि वह इतना ख़तरनाक था कि सबके सब हलाक किये जाते -

बल्कि हम लड़ाई में मारे जाते और हमारे बीवी बच्चे ग़ुलाम बना दिए जाते “-

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि ,”अगर हम कनानियों के ख़िलाफ लड़ते तो वह हम आदमियों को मार देते और ज़बरदस्ती से हमारे बीवी बच्चों को ग़ुलाम बना लेते”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- कालिब
- यशू'अ
- मूसा
- हारून
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

14:08

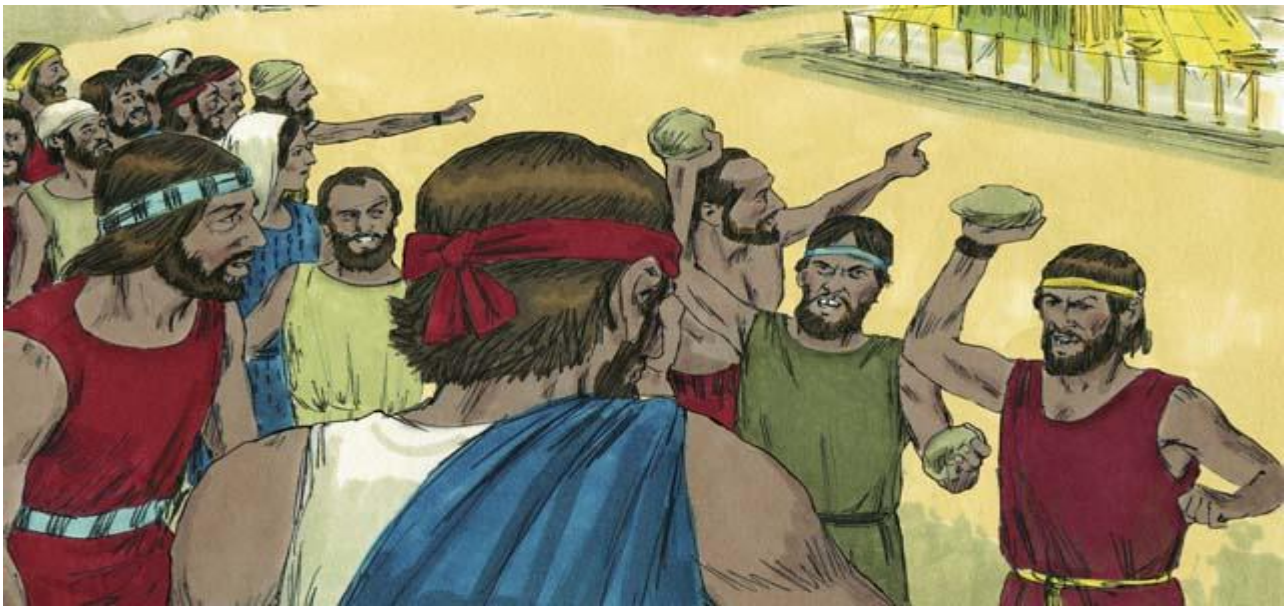

जब लोगों ने ऐसा कहा तो ख़ुदा उनसे बहुत गुससा हुआ जब वह खेमा –ए- इजतमा में आए तब ख़ुदा ने उनसे कहा “तुमने मेरे ख़िलाफ़ बग़ावत की है –तुम में से जितनों ने ऐसा कहा है हर कोई इस बयाबान में भटकता रहेगा – तुम में से जो बीस साल का या उस से ऊपर का हो जिस ने बगावत की है वह इसी बयाबान में भटकते –भटकते मर जाएगा –और वह मुल्क –ए-कनान में दाख़िल नहीं होंगे जिसे मैं तुमको देने वाला था – सिर्फ़ यशो और कालेब का घराना उस मुल्क में दाखिल होने पाएंगे –“

कि तरफ़ आया

ख़ुदा एक शख़्स बतौर ज़ाहिर नहीं हुआ मगर एक दूसरे तरीक़े से ज़ाहिर हुआ कि अपना जलाल और अपनी क़ुव्वत ज़ाहिर की -

बयाबान में इधर उधर मारे मारे फिरोगे

ख़ुदा ने उनको बयाबान के चारों तरफ़ बग़ैर मुक़र्ररा मंज़िल के तब तक भटकने दिया जब तक कि जिन्होंने ख़ुदा के ख़िलाफ बग़ावत की थी मर नहीं गए थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- ख़ेमा-ए-इज्तिमा’
- यशू'अ
- कालिब
- वा’दे का मुल्क

14:09

जब लोगों ने सुना कि खुदा यूँ कह रहा है तो उन्हें पछतावा हुआ क्यूंकि उनहोंने गुनाह किया था –उनहोंने जोश में आकर कहा ,"आओ हम कनानियों पर हमला करने चलें – मगर मूसा ने उन्हें खबरदार करके कहा "मत जाओ,क्यूंकि ख़ुदावंद खुदा तुम्हारे साथ नहीं जाएगा – मगर उनहोंने मूसा की नहीं सुनी -

उन्होंने गुनाह किया

यह जोड़ना ज़रूरी होगा कि उन्होंने ख़ुदा के हुक्म की ना फ़रमानी का गुनाह किया कि कनान के लोगों पर हमला करके उनपर फ़तेह हासिल करें -

मूसा ने उन्हें ख़बरदार किया था कि न जाएं

इस का मतलब यह हुआ कि मूसा ने उन्हें जाने से मना किया था कि कनानियों के ख़िलाफ लड़ने को न जाएं इस लिए कि अगर वह ऐसा करेंगे तो ख़तरे में पड़ सकते हैं -

ख़ुदा उन के साथ नहीं था

दूसरे मायने में ख़ुदा उनकी मदद करने के लिए उन के साथ नहीं होगा - बनी इस्राईल की ना फ़रमानी के सबब से ख़ुदा ने उनसे अपनी हुज़ूरी , मुहाफिज़त और क़ुव्वत के वादे को वापस ले लिया -

मगर उन्हों ने उसकी नहीं सुनी

उन्होंने मूसा का हुक्म बजा नहीं लाया -वह किसी तरह कनानियों पर हमला करने चले गए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों
- मूसा
- ख़ुदावन्द

14:10

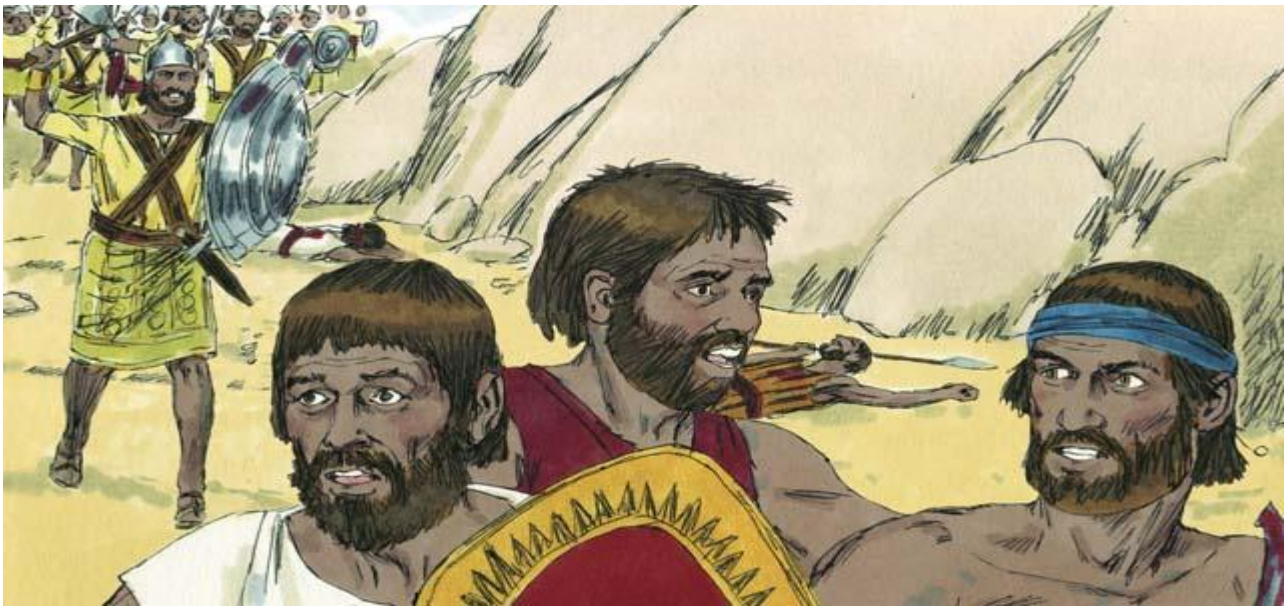

खुदा उन के साथ नहीं था जब वह हमला करने गए थे –जिसका नतीजा यह हुआ कि उन सबको कनानियों ने शिकस्त दी और उन में से कुछ को हालाक कर डाला –फिर ना उम्मीद होकर बनी इस्राईल कनान से वापस लौटे बाक़ी चालीस साल तक वह बयाबान में भटकते फिरे

इस जंग में ख़ुदा उन के साथ नहीं गया

दूसरे लफ़्ज़ों में इस लड़ाई में ख़ुदा ने उनकी मदद नहीं की -

पीठ दिखा कर कनान से वापस लौटे

वह कनान से लौटे और वापस बयाबान उसी जगह पर गए जहाँ वह पहले थे -

बयाबान में इधर उधर भटकते फिरे

वह एक साथ बयाबान में रहने लगे और एक साथ ही इधर उधर अपने और अपने जानवरों के लिये पानी और ख़ुराक की तलाश में उस वसी और सूखे बयाबान में मारे मारे फिरते थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों

14:11

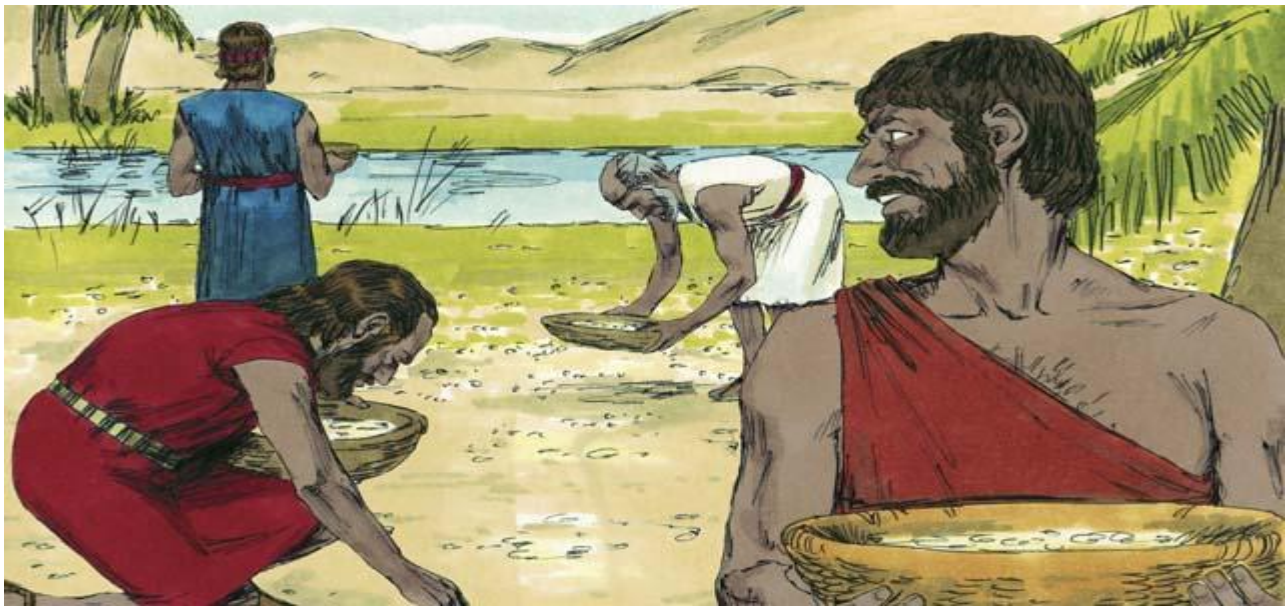

चालीस सालों के दौरान बनी इस्राईल बयाबान में आवारा फिरते रहे – ख़ुदा ने उनके लिए सारी ज़रूरतें मुहय्या कीं –ख़ुदा ने उन के लिए आसमान से रोटी इनायत की जिसे " मन्न " कहा गया – ख़ुदा ने उनके लिए बटेरों का भी इंतज़ाम किया था – उनके झुण्ड खेमों के सामने भेजे थे ताकि उन्हें गोश्त खाना नसीब हो – उन चालीस बरसों के दौरान ख़ुदा ने न तो उनके कपड़े पुराने होने,न उनके जूते फटने दिए -

ख़ुदा ने उनके लिए मुहय्या किया

इसको इस तरह तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "ख़ुदा ने उन को हर वह चीज़ अता की जो उन के लिए ज़रुरी थी यानि कि ख़ुराक पानी और जाए पनाह -

आसमान से रोटी , जिसे मन्ना कहा गया

यह पतली सी रोटी ग़िज़ा बतौर रात गुज़रने पर आसमान से घास पर शबनम की तरह गिरती थी -वह उसे "मन्ना" कहते थे - लगभग हर दिन इस मन्ना को वह बटोरते थे और अपने खाने की तरह उसे पकाते थे -

ख़ुदा ने उनके लिए बटेरों के झुण्ड भी उन के ख़ेमों में भेजे -

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि ख़ुदा कसीर तादाद में बटेरों को बनी इस्राईल के ख़ेमों में उड़ा कर ले आया – अगरबटेर आप कि ज़बान में अनजान है तो उसी तरह के कोई दूसरे परिंदे का इस्तेमाल करें -या इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे ,"एक बड़ी तादाद में दरमियानी साइज़ के परिंदे –"

उनके खेमों में

बनी इस्राईल की वह जगह जहाँ उन्हों ने अपने ख़ेमे गाड़े हुए थे कि वहां वह आराम करते थे वह केम्प कहलाता था -वह एक शहर जैसा था जिस में इमारतें नहीं थीं बल्कि ख़ेमें गड़े हुए थे जिसे दूसरी जगह ले जाया जा सकता था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द

14:12

यहाँ तक कि खुदा ने उनके लिए चट्टान से पानी निकाला कि वह अपनी प्यास बुझा सके – इनसब के बावजूद भी बनी इस्राईल ने मूसा और हारुन और खुदा के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई, शिकायतें करने , और बड़ बड़ाने लगे थे –फिर भी खुदा उनकी बाबत वफ़ादार रहा –उसने वह सब कुछ किया जो उसने अब्रहाम , इज़हाक़ और याक़ूब की नसल के साथ करने का वादा किया था

मोजिज़ाना तरीक़े से उन्हें चट्टान से पानी पिलाया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “कुछ करने के ज़रिये जो सिर्फ़ ख़ुदा ही कर सकता है -उसने चट्टान से पानी दिया ताकि लोग और जानवर उस में से पी सकें -

मगर इस के बावजूद भी

इसको इस तरह तर्जुमा किया जा सकता था जैसे हालाँकि ख़ुदा ने उनके लिए खाना , पानी ,कपड़ा और हर चीज़ जो उन के लिए ज़रूरी थी मुहय्या की -

इस के बावजूद भी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था हालाँकि बनी इस्राईल ने मूसा और ख़ुदा के ख़िलाफ़ शिकायात की और बुड़बुड़ाए -

मगर ख़ुदा अपने वायदे में वफ़ादार था

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “ख़ुदा वह सब कुछ उनके लिए करता गया जो उसने अब्रहाम इज़हाक़ और याक़ूब से कहा था कि वह उन के लिए करेगा -उसने उन की औलाद को वह सारी चीज़ें मुहय्या कीं जो उन्हें ज़रूरी थीं ताकि वह एक एक बड़ी क़ौम हों और मुल्क -ए- कनान को अपने हाथ में कर सकें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- मूसा

- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- इब्राहीम, अब्राम
- इस्हाक़
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

14:13

दूसरी दफ़ा जब बनी इस्राईल के पास पानी नहीं था तो खुदा ने मूसा से कहा था कि चट्टान से बातें करे तो चट टान में से पानी निकल आएगा "-मगर मूसा ने चट्टान से बात नहीं की बल्कि उसने दो बार चट्टान को लाठी से मारा –इस तरह मूसा खुदा के हुक्म के ख़िलाफ़ गया और उसकी ताज़ीम नहीं की –चट्टान से सब के पीने के लिए पानी तो निकल आया था मगर खुदा ने मूसा से कहा था कि,इसलिए कि तू ने ऐसा किया तुम वादा किए हुए मुल्क में हरगिज़ दाख़िल नहीं होगे –"

मूसा ने ख़ुदा की बे-इज़्ज़ती की

इसको तर्जुमा किया जा सकता था "मूसा ने ख़ुदा की ना फ़रमानी की" या "मूसा ने ख़ुदा की ताज़ीम नहीं की" ख़ुदा के पासक ख़ास तरीक़ा था - वह चाहता था कि मूसा लोगों को ख़ुदा की क़ुव्वत के बारे में बताए जो उसने उन के लिए मुहय्या की थी -

चट्टान से बात करने के बजाए चट्टान को दो बार लाठी से मारने के ज़रिये से -

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "मूसा ने चट्टान से बात नहीं की ;बल्कि उसने दो बार लाठी से चट्टान पर मारा"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मूसा
- वा'दे का मुल्क

14:14

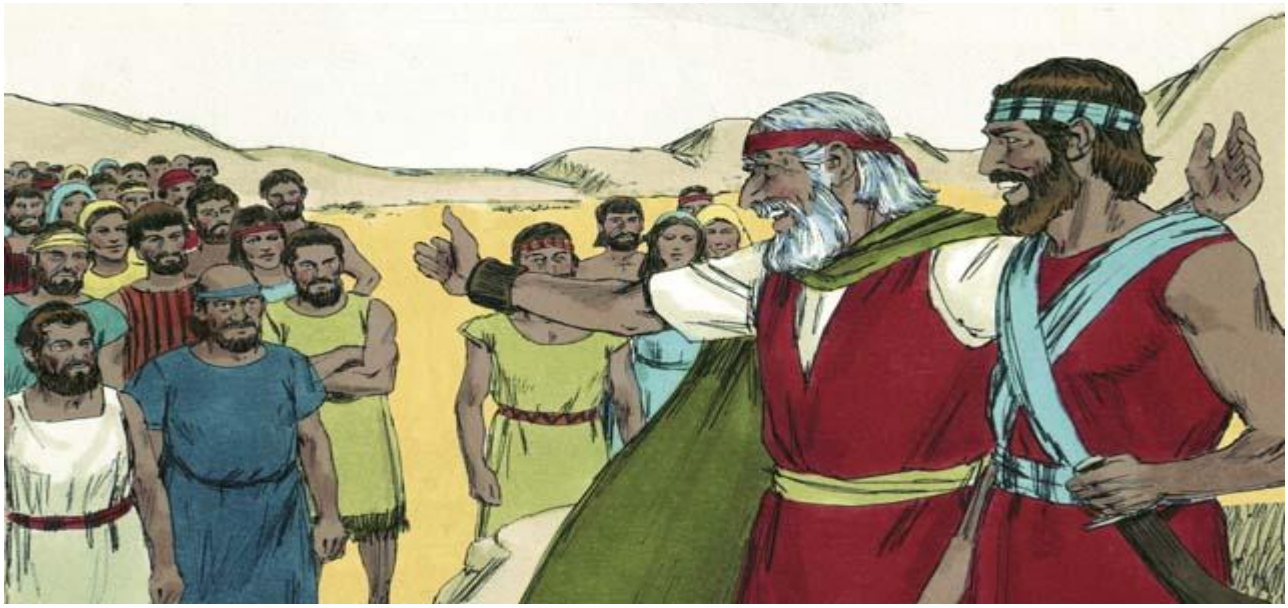

बनी इस्राईल के 40 साल तक बयाबान में चक्कर लगाने के बाद वह सब के सब जिन्होंने खुदा के ख़िलाफ़ बग़ावत की थी वह सब बयाबान में ही ढेर हो गए – खुदा ने फिर से **लोग**ों को वादा किया हुआ मुल्क के किनारे ले गया –मूसा बहुत बूढ़ा हो चुका था –सो खुदा ने यशो को चुना कि बनी इस्राईल की रहनुमाई में उनकी मदद करे –फिर खुदा ने मूसा से वादा किया कि **एक दिन** वह अपने लोगों के लिए मूसा की मानिंद एक दूसरा नबी भेजेगा -

किस ने ख़ुदा के ख़िलाफ बग़ावत की

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “किस ने ख़ुदा का हुक्म बजा लाने से इनकार किया जब उसने उनसे कहा था कि वादा किये हुये मुल्क में जाएं -

लोग

मतलब उस पीढ़ी के लोग जो मर गए थे -

एक दिन

इस का मतलब है “किसी वक़्त मुस्तक़बिल में” -

मूसा की तरह दूसरा नबी

मूसा की तरह , यह शख्स इस्रईली होगा , वह ख़ुदा का कलाम लोगों के सामने बोलेगा – और वह इस्राईलियों की रहनुमाई करेगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत
- ख़ुदावन्द
- वा’दे का मुल्क
- मूसा
- यशू'अ

- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

14:15

फिर खुदा ने मूसा से कहा कि पहाड़ की चोटी पर चला जाए ताकि वह वादा किए हुए मुल्क को अपनी आँखों से देख ले –मगर खुदा ने उसको इजाज़त नहीं दी कि वह उसमें दाखिल हो –फिर मूसा मर गया और बनी इस्राईल ने उसके लिए 30 दिन का मातम मनाया –यशो अब बनी इस्राईल का नया रहनुमा था – यशो एक अच्छा रहनुमा था –क्यूंकि उसने खुदा पर भरोसा किया था और उसका हुक्म बजा लाया था -

तीस दिन तक मातम किया

तीस दिन तक तमाम बनी इस्राईल रोए और चिल्लाए और ग़म का इज़हार किया कि मूसा अब नहीं रहा -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकतें हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मूसा
- वा'दे का मुल्क
- इस्राईल, इस्राईली
- यशू'अ
- ऐ'तिमाद, भरोसा, , भरोसेमंद, भरोसे के लायक़ ,भरोसे वाला
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

_ख़ुरूज 16 से 17 बाब,गिनती 10:14 से 20:27 और इस्तिसना 34 बाब से बाइबिल की एक कहानी _

15. वादा किया हुआ मुल्क

15:01

आखिरेकार वह वक़्त था बनी इस्राईल के लिए कि कनान में दाखिल हों – वादा किया हुआ मुल्क – उस मुल्क में एक शहर था जिस का नाम यरीहो था - उस शेहर के चारों तरफ़ मज़बूत दीवारें थीं – ताकि महफ़ूज़ रह सके –यशो ने उस शेहर में दो जासूस भेजे – उस शेहर में राहब नाम की एक फाहिशा रहती थी –उस फ़ाहिशा ने इन दो जासूसों को अपने घर में छिपा रखा था – बाद में उसने इनकी मदद की कि शेहर से बच कर निकल सके – उसने ऐसा इसलिए किया क्यूंकि वह खुदा पर ईमान रखती थी –उन जासूसों ने वादा किया था कि जब बनी इस्राईल यरीहो को बर्बाद करेंगे तो वह उसे और उसके ख़ानदान को बचा लेंगे -

आख़िरकार वह वक़्त था

“आख़िरकार” के मायने हैं “बिलआख़िर” , या “एक लम्बे इंतज़ार के बाद” ,अरसे की बाबत साफ़ करने के लिए आप कह सकते हैं , “40 साल बयाबान में घूमने फिरने के बाद आख़िरकार ख़ुदा ने इजाज़त दी”

कनान के शहर यरीहो के लिए दो जासूस

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “दो आदमी यरीहो के लिए जो कनान का शहर है भेजे गये ताकि उसकी बाबत जानकारी हासिल करें” – “मुल्क की जासूसी के लिए” इसपर जो नोट्स 14:04 में है उसे भी देखें -

मज़बूत दीवारों से महफ़ूज़ किया हुआ

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”मोटी और मज़बूत दीवारों से घिरी हुई पूरी तरह से दुश्मनों से हिफ़ाज़त के लिए”

बचना

इस में यह जोड़ना भी मुमकिन है “यरीहो उन लोगों से बचने के लिए जो उन्हें नुक़सान पहुंचाना चाहते थे”-

उस औरत का ख़ानदान

राह्ब अपने बाप ,मां, भाइयों और बहनों की हिफ़ाज़त की मांग कर रही थी -आप अपने अलफ़ाज़ का इस्तेमाल करें जो इन लोगों को शामिल करता हो -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों
- वा'दे का मुल्क
- यशू'अ
- यरीहू
- राहब
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ख़ुदावन्द
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया

15:02

वादा किए हुए मुल्क में दाख़िल होने के लिए बनी इस्राईल को यरदन नदी पार करना ज़रूरी था –खुदा ने यशो से कहा , “सब से पहले काहिनों को जाने दे”जब कहिनो ने यरदन नदी में अपना क़दम रखा तो पानी का बहाव अपने आप से बन्द होगया ताकि बनी इस्राईल यरदन पार होकर सूखी ज़मीन पर जा सके -

कहिनों को पहले जाने दो

कुछ तर्जुमों के लिए यह जोड़ना मदद बतौर होगा कि “नदी पार करने के लिए दीगर लोगों से पहले काहिनों को जाने दो –“

पानी का तेज़ बहाव बंद हो गया

कुछ ज़बानों में यह जोड़ना मदद बतौर होगा कि “और पानी उन के सामने से नीचे कि तरफ़ बहने लगा “

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- यरदन नदी, यरदन
- वा’दे का मुल्क
- ख़ुदावन्द
- यशू'अ
- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा

15:03

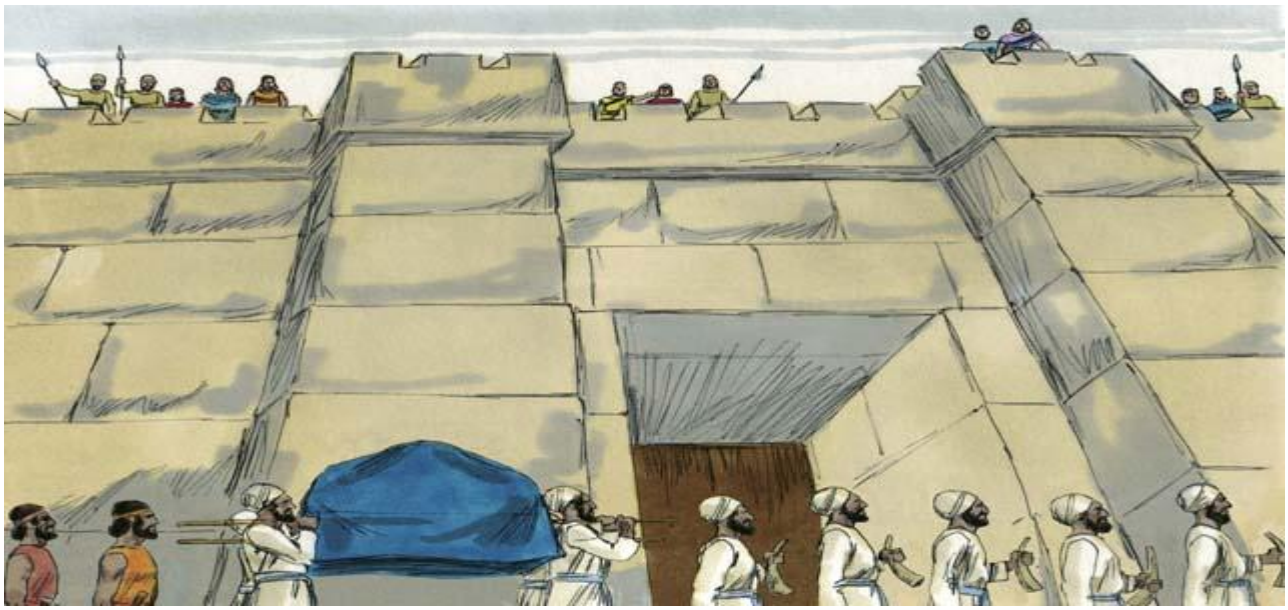

जब लोग यरदन पार हो गए तो खुदा ने यशो से कहा “यरीहो पर हमला करने के लिए तैयार होजाओ इस के बावजूद भी कि शेहर बहुत मज़बूत था – खुदा ने लोगों से कहा कि उन के काहिन और सिपाहियों को हर दिन एक चक्कर शेहर का लगाना चाहिए , इस तरह से छ दिन चक्कर लगाएं – सो काहिनों और सिपाहियों ने ऐसा ही किया -

लोगों के यर्दन नदी को पार करने के बाद

कुछ ज़बानों में यह कहना बेहतर होगा कि “लोगों ने यर्दन नदी को पार किया और फिर ....”

किस तरह हमला करें

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “हमला करने के लिए सच मुच में उन्हें क्या करना चाहिए” -

एक दिन में एक बार छः दिनों के लिए

इस का मतलब है उन्होंने शहर के चारों तरफ़ हर दिन एक बार चक्कर लगाए - और इस तरह कुल छः दिन तक -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यरदन नदी, यरदन
- ख़ुदावन्द
- यशू'अ
- यरीहू
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा

15:04

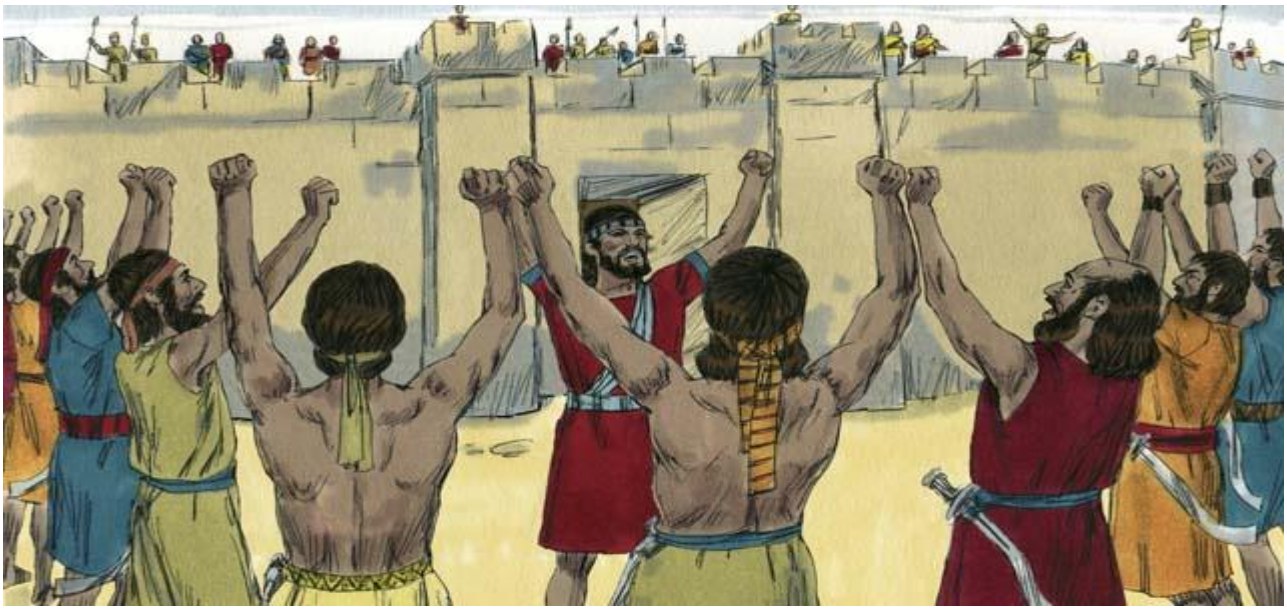

फिर सातवें दिन बनी इस्राईल ने शेहर का चक्कर सात बार और लगाया – जब उन्हों ने सातवें बार शेहर का चक्कर लगाना खत्म किया उस के बाद कहिनों ने अप नी तुरहियाँ बजाईं और सिपाही बुलंद आवाज़ से चिल्लाए -

जब उन्हों ने आख़री बार शहर का चक्कर लगाया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “शहर के अतराफ़ उन के आख़री चक्कर के दौरान”-

अपने बिगुल बजाए

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”उन्हों ने अपनी बिगुलों की आवाज़ ऊँची की” या उन्होंने अपनी बिगुलें बजाईं -यह बिगुलें मेंढ़ों के सींग से बनाई जाती थीं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा

15:05

तब यरीहो के चारों तरफ़ की दीवार नीचे गिर पड़ी ! बनी इस्राईल को जैसा खुदा ने हुक्म दिया था शेहर के हर एक चीज़ को उनहोंने तबाह व बर्बाद कर दिया – सिर्फ़ उन्हों ने राहब और उसके ख़ानदान को छोड़ दिया जो बनी इस्राईल का हिस्सा बन चुकी थी – कनान के दुसरे लोगों ने जब सुना कि बनी इस्राईल ने यरीहो को बर्बाद कर दिया , तब वह बनी इस्राईल से हैबत खाने लगे कि बनी इस्राईल उन पर भी हमला बोल सकते हैं -

हिस्सा बने

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “तब वह लोग इस्राईलियों की जमाअत में शामिल हुए” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यरीहू
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- राहब
- कना’न, कना’नी ,कना’नियों

15:06

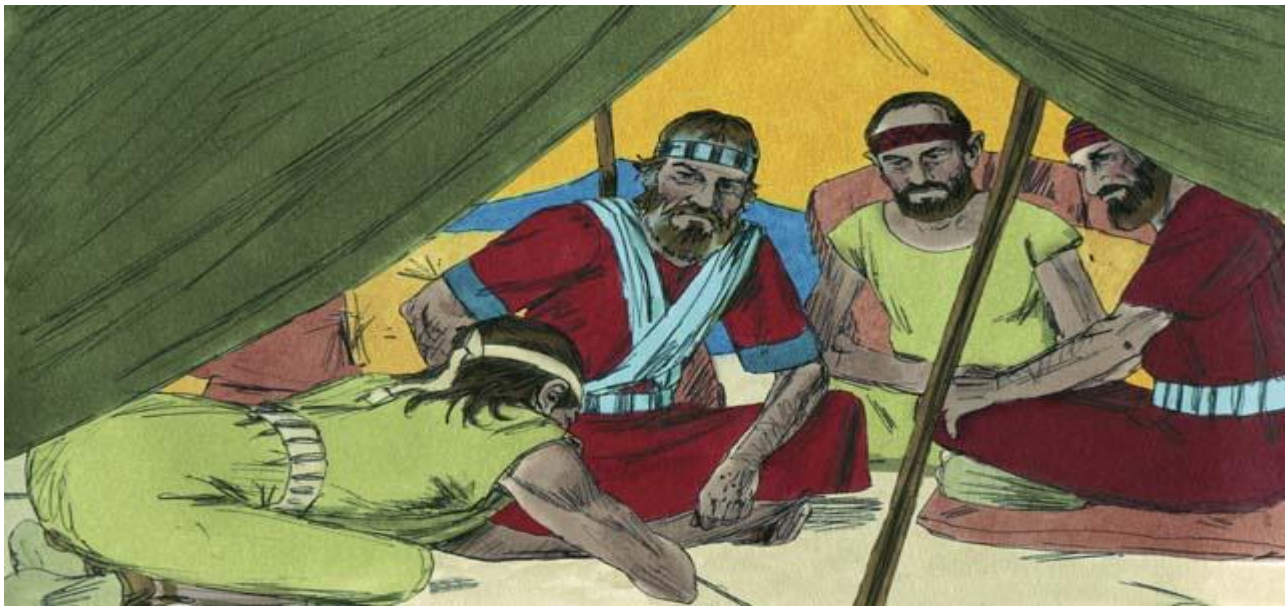

खुदा ने बनी इस्राईल को हुक्म दिया था कि कनान के किसी भी लोगों की जमाअत से कभी भी समझोता न करें – मगर कनानी लोगों की जमाअत में से एक जिन्हें यबूसी कहा जाता है यशो से झूट बोला कि वह कनान से बहुत दूर इलाक़े में रहते हैं उनहोंने यशो से समझौते की दरखास्त की – यशो और दीगर बनी इस्राईल के रहनुमाओं ने खुदा से नहीं पूछा कि उन्हें क्या करना चाहिए – इसके बदले में उन्हों ने याबुसियों से सम्झौता करली -

सुलह की कारवाई

यह लोगों कि दो जमाअतों के बीच एक मुआहदा होता है कि वह एक दूसरे को नुक़सान नहीं पहुंचाएंगे बल्कि एक दूसरे के साथ अम्नो अमान से रहेंगे और एक दूसरे की मदद करेंगे -इसको इस तरहसे तर्जुमा किया जा सकता है ,"सुलह का मुआहदा"-

मगर कनानी लोगों में से एक जमाअत जिन्हें जिबूनी कहा जाता था

कुछ ज़बानों में इसे इस तरह तआरुफ़ कर सकते हैं ,मगर एक दिन कनानी लोगों की यह जमाअत जो जिबूनी कहलाती है ...."

इन्होंने यशौ से झूट बोला और कहा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "उन्होंने यशौ से यह कहकर झूट बोला" या "उन्होंने झूट मूट में यशौ से कहा" या "उन्होंने यशौ से झूटी बात गढ़ी"

जिबूनी कहाँ से थे

यानि कि "जिबूनी कहाँ रहते थे" या "जिबूनियों का घर कहाँ था"- जिबूनी का मतलब जिबून की औलाद या उसकी नस्ल -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों

- जिब’ऊन , जिब’ऊनी , जिब’ऊनियों
- यशू'अ

15:07

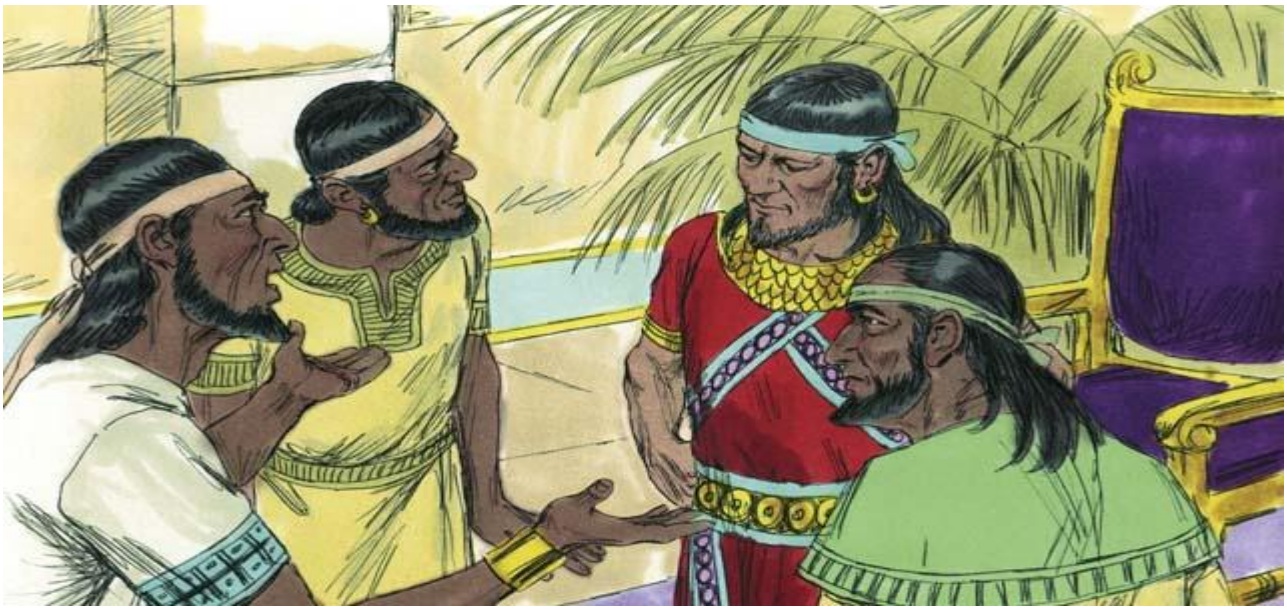

तीन दिन बनी इस्राईल ने पाया कि यबूसी लोग कनान में रहने लगे थे – वह यबुसियों से ग़ुस्सा हुए क्यूंकि उनहोंने बनी इस्राईल को धोका दिया –मगर उनहोंने अपने समझौते को जारी रखा क्यूंकि यह खुदा के सामने किया हुआ वादा था – कुछ अर्से बाद कनान के दूरी जमाअत के लोग अमोरियों ने सुना कि याबूसियों ने बनी इस्राईल से समझौता कर रखा है तब उन्होंने एक बड़ी फ़ौज तैयार की और यबूसियों पर हमला बोल दिया – तब यबूसियों ने मदद के लिए यशो को एक पैग़ाम भेजा -

यशौ को एक पैग़ाम मदद क्र लिए भेजा

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"अपने कुछ लोगों को यह कहलाकर भेजा कि उन्हें इस्राईलियों की मदद की ज़रूरत है कि उन के दुश्मनों के ख़िलाफ हमला करें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- जिब'ऊन , जिब'ऊनी , जिब'ऊनियों
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- ख़ुदावन्द
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों
- अमूरी, अमूरीयों
- यशू'अ

15:08

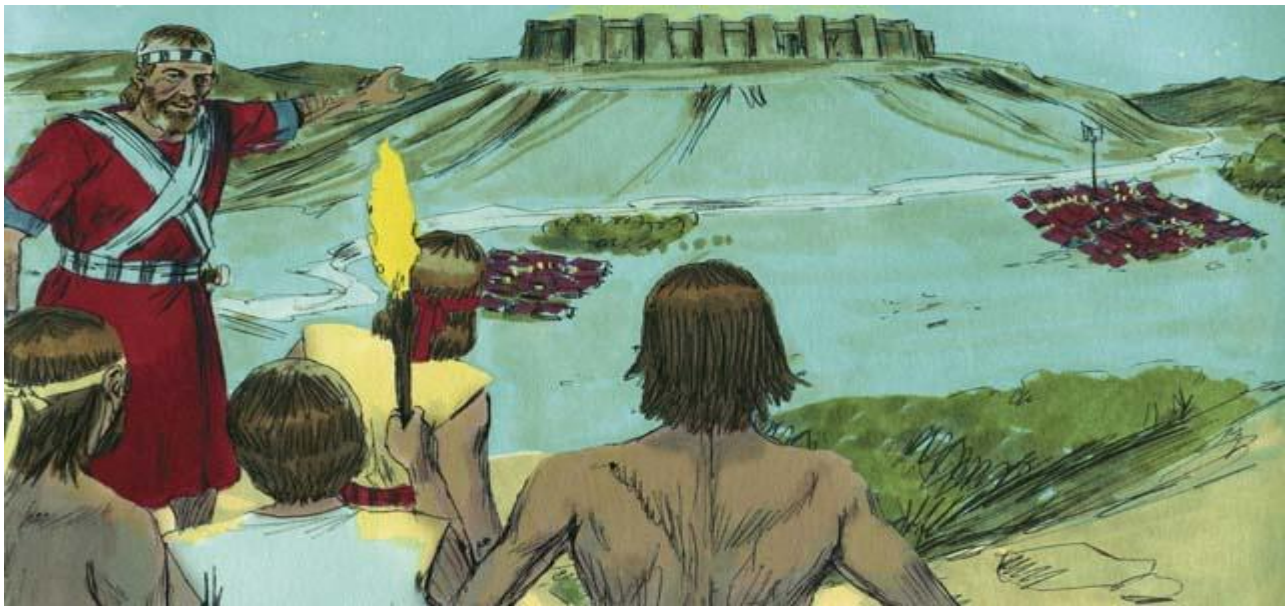

सो यशो ने बनी इस्राईल की एक फ़ौज तय्यार की और पूरी रात याबूसियों तक पहुँचने के लिए चलते रहे – बहुत सवेरे उन्हें यह देखकर ताज्जुब लगा कि अमूरी फ़ौज पर पहले ही से हमला हो रखा था -

जिबूनियों तक पहुंचना

मतलब यह कि “जिबूनियों को पकड़ना” या उस जगह पहुंचना जहां जिबूनी रहते थे -जिबूनी कनान में रहते थे मगर कनान का इलाक़ा इतना फैला हुआ था कि इस्राईली फ़ौज को पूरी रात सफ़र करना पड़ा जिबूनियों की छावनी तक पहुँच सके -

उन्होंने अमूरी फ़ौज को हैरत में डाला

अमूरी नहीं जानते थे कि इस्राईली फ़ौज उनपर हमला करने आरही थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यशू'अ
- इस्राईल, इस्राईली
- जिब’ऊन , जिब’ऊनी , जिब’ऊनियों
- अमूरी, अमूरीयों

15:09

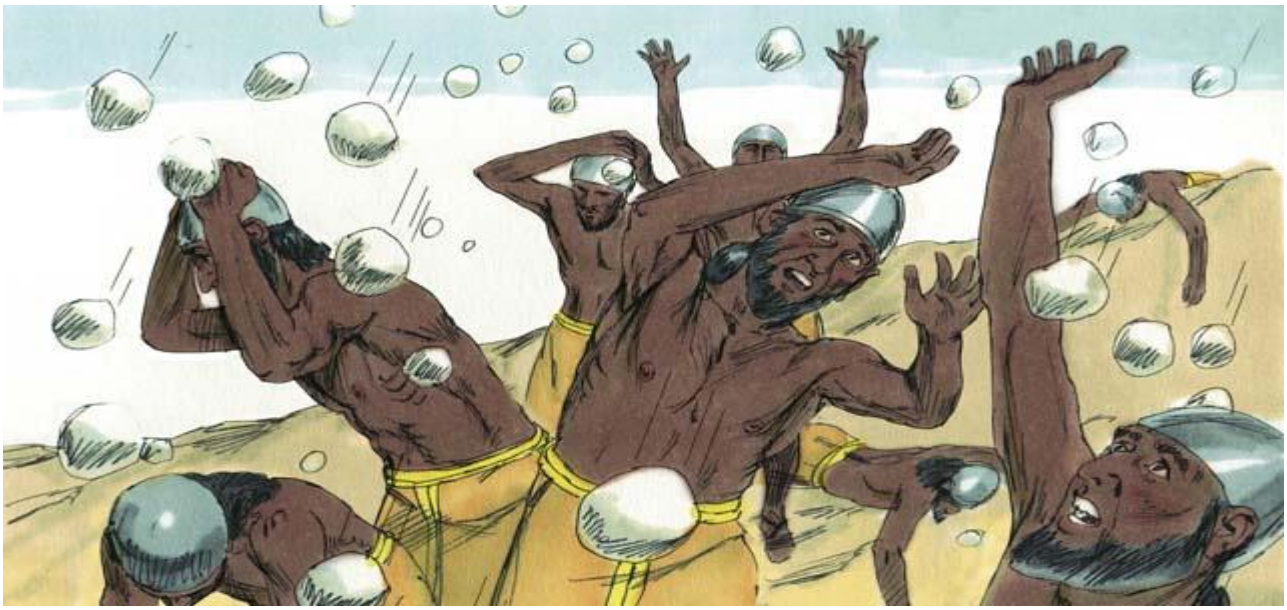

उस दिन बनी इस्राईल के हक़ में खुदा ने जंग लड़ी थी उसने अमूरियों पर ओले बरसाकर उन्हें परेशान कर दिया था और बहुत से अमूरियों को हलाक कर डाला था -

ख़ुदा इस्राईलियों के लिए लड़ा

ख़ुदा इस्राईलियों कि तरफ़ से इस्राईलियों के दुश्मनों के ख़िलाफ़ में लड़ा -

अमूरियों को उलझन में डाल दिया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “अमूरियों को दहशत में डाल दिया” या “अमूरियों को ऐसा कर दिया कि वह मिलकर लड़ न सके”

बड़े बड़े ओले

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि “बड़े बड़े बर्फ़ के गोले आसमान से गिरने लगे”

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- अमूरी, अमूरीयों

15:10

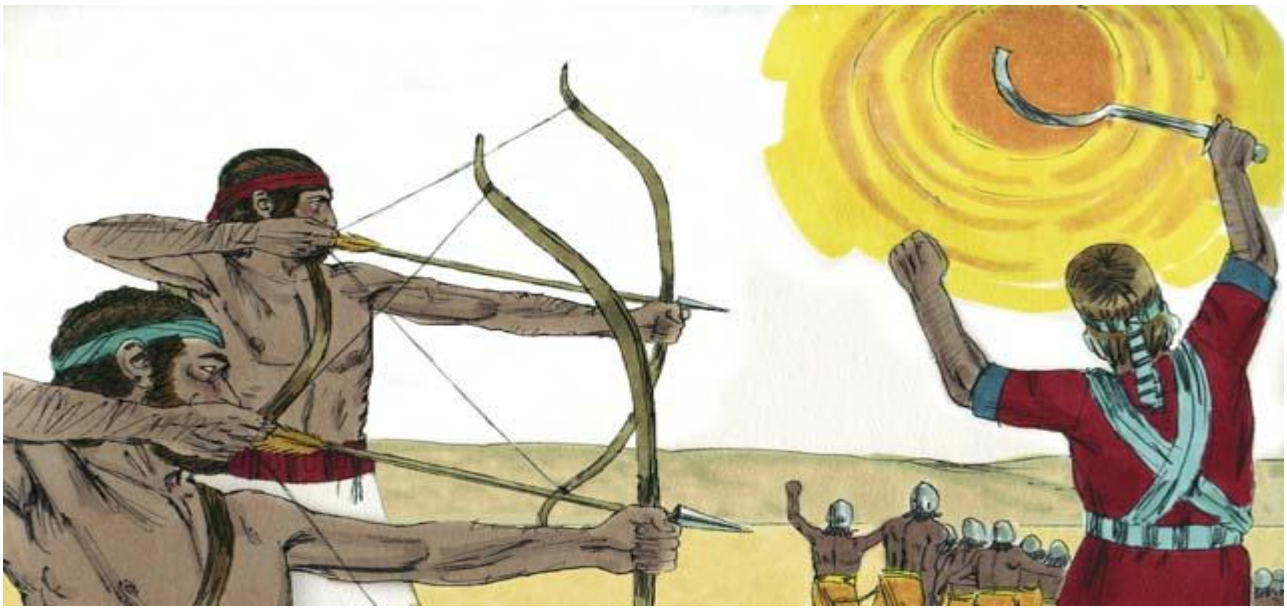

खुदा ने सूरज को भी एक जगह पर रुके रहने का सबब बनाया ताकि बनी इस्राईल पूरी तरह से अमूरियों को शिकस्त देने के लिए वक़्त ले सके – उस दिन खुदा ने बनी इस्राईल को बड़ी फ़तेह दिलाई -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- अमूरी, अमूरीयों

15:11

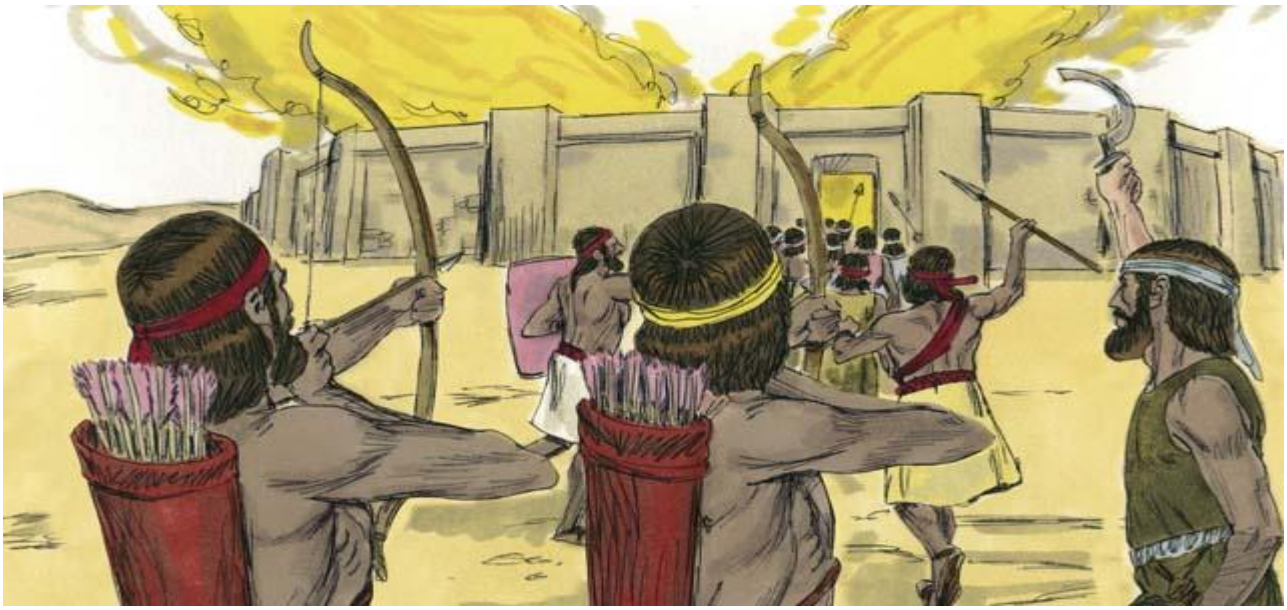

जब खुदा ने उन फ़ौजों को शिकस्त दी उसके बाद कनानियों की दीगर जमाअत ने मिलकर बनी इस्राईल पर हमले किए – मगर यशो और बनी इस्राईल ने मिलकर बहुत बुरी तरह से उन पर हमला किया और उन्हें बर्बाद कर दिया -

उन पर हमला किया और उन्हें बरबाद कर दिया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “उन के ख़िलाफ में लड़ा और उन्हें शिकस्त दी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- कना’न, कना’नी ,कना’नियों
- इस्राईल, इस्राईली
- यशू'अ

15:12

इन जंगों के बाद खुदा ने बनी इस्राईल के हर एक कबीले को वादा किया हुआ मुल्क का एक हिस्सा अता किया –फिर खुदा ने बनी इस्राईल को उनकी तमाम सरहदों पर अमन –ओ-अमान और सुलह सलामती बखशी -

ख़ुदा ने ज़मीन दी .....

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"ख़ुदा ने बनी इस्राईल के हर एक क़बीले के लिए ज़मीन का एक हिस्सा मुक़र्रर किया था" या ख़ुदा ने फ़ैसला किया था कि वायदा किये हुये मुल्क में से बनी इस्राईल के किस क़बीले कितना हिस्सा मिलेगा जिसमें वह रह सके –"

बनी इस्राईएल को उनकी तमाम सरहदों तक तसल्ली दी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है कि "ख़ुदा ने बनी इस्राईल को दूसरे लोगों की जमाअत के साथ अमन से रहने का तजुर्बा दिया जो उनके चारों तरफ़ थे" या "इस्राईल के पड़ोसी मुल्कों के साथ"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- वा'दे का मुल्क
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले

15:13

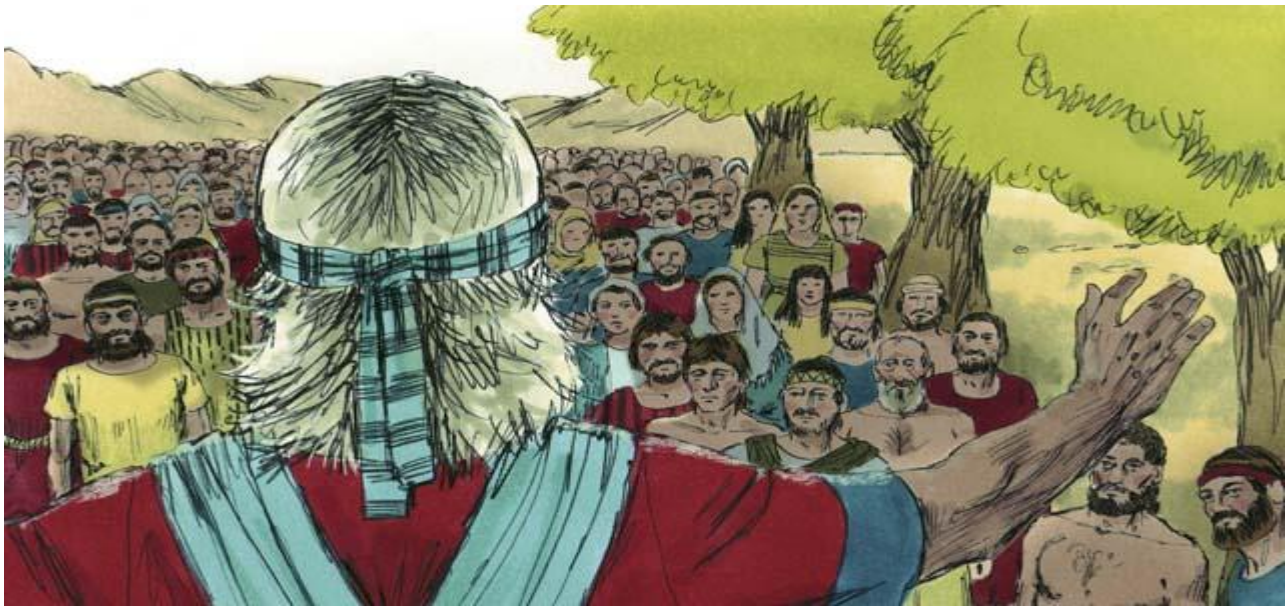

जब यशो बूढ़ा हो गया तब उसने तमाम बनी इस्राईल को जमा होने का हुक्म दिया – तब उसने लोगों को याद दिलाया कि उनहोंने खुदा के अहद पर चलने का वादा किया है जो उसने सीना पहाड़ पर हासिल किया था – तब लोगों ने यशो से वादा किया कि वह खुदा के वफ़ादार रहेंगे और उसकी शरीअत को मानेंगे -

जब यशौ बूढ़ा हो गया

यह कहना साफ़ होगा कि " कई सालों बाद जब यशौ एक बुज़ुर्ग शख़्स था –" यशौ उस वक़्त 100 साल से भी ऊपर था -

ख़ुदा का ईमानदार बना रहा

दुसरे लफ़्ज़ों में वह ख़ुदा के वफ़ादार थे - वह सिर्फ़ ख़ुदा कि इबादत और ख़िदमत करते थे - वह किसी दूसरे देवता की परस्तिश नहीं करते थे -न उसकी ख़िदमत करते थे -

उसकी शरियत के पीछे चलना

इसका मतलब यह कि लोग शरियत के पीछे चले जो ख़ुदा ने उनके लिए पहले से ही अहद का एक हिस्सा बतौर उन्हें दिया था -

बाइबिल कि एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यशू'अ
- इस्राईल, इस्राईली
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- 'अहद , 'अहदों,नया 'अहद
- ख़ुदावन्द

- सीनै, सीनै पहाड़
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत

_यशो 1 बाब से 24 बाब तक बाइबिल की एक कहानी _

16. छुटकारा देने वाले

16:01

यशो के मरने के बाद बनी इस्राईल ने खड़ा की नाफ़र्मानी की , वह उसका हुक्म नहीं बजा लाए –उन्हों ने खुदा के शरीअत की इताअत नहीं की न ही उन्हों ने बचे हुए कनानियों को मुल्क से बाहर किया – बनी इस्राईल ने सच्चे खुदा यह्वे के बदले कनानियों के देवताओं की परस्तिश की – बनी इस्राईल के पास कोई बादशाह नहीं था इसलिए हर किसी ने वही किया जो उनकी नज़र में ठीक था -

और बाहर नहीं किया

यह बताता है कि किस तरह उन्हों ने नाफ़रमानी की , इसलिए कुछ ज़बानों में एक नया जुमला बतौर ऐसा शुरू करना बेहतर होगा कि “उन्हों ने नहीं किया”

बाक़ी बचे कनानियों को बाहर करो

इसको इस तरह से तर्जुमा कर सकते हैं ,”बाक़ी बचे कनानियों से लड़ाई करो ताकि उन्हें मजबूर करो कि वह मुल्क छोड़ दें “

या ख़ुदा कि शरियत बजा लाओ

इस का मतलब यह है कि लोग भी ख़ुदा की शरियत बजा नहीं लाए जो उसने बनी इस्राईएल को सीना पहाड़ पर दी थी -

सच्चा ख़ुदा

इसका मतलब है ,”एक सच्चा ख़ुदा” एक यहवह ही है जिसकी लोगों को इबादत करनी चाहिए -

उन्होंने जो सोचा उन्हें अच्छा लगा

इस का मतलब यह कि उन्होंने वही किया जो वह करना चाहते थे जिस में बुरे काम भी शामिल हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यशू'अ
- इस्राईल, इस्राईली
- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- ख़ुदावन्द
- कना'न, कना'नी ,कना'नियों
- हुक्म माननना, हुक्म माननना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत
- 'इबादत
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- यहोवा
- सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

16:02

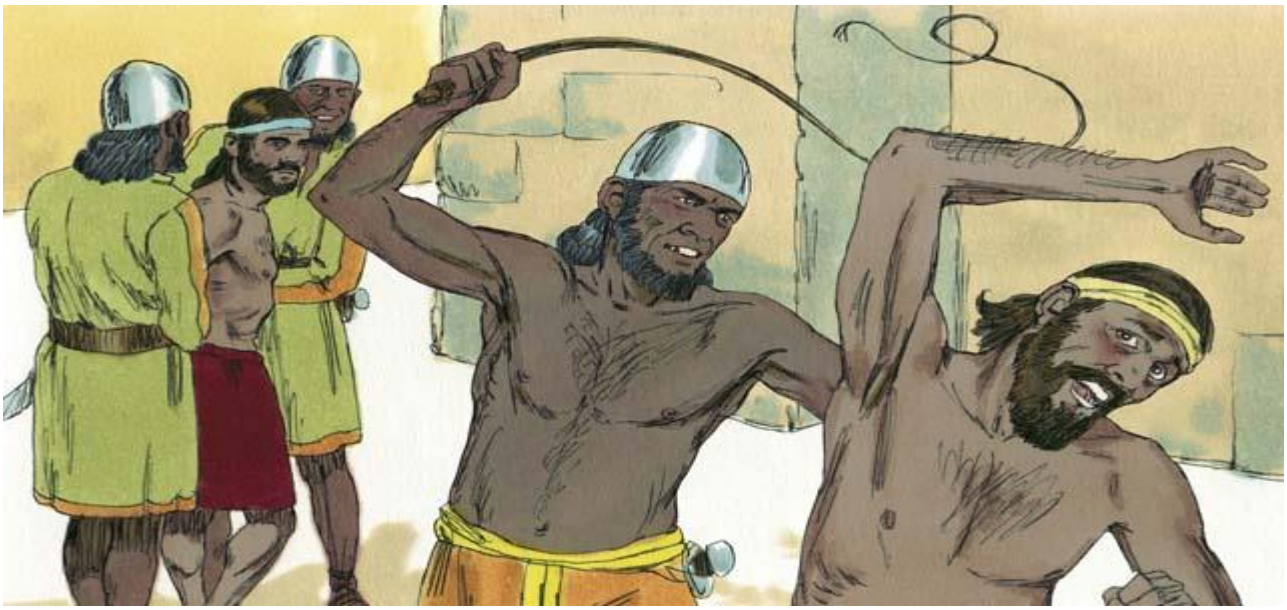

बनी इस्राईल खुदा की ना फ़रमानी करते हुए एक ऐसा नमूना इख्तियार किया जिसको उनहोंने बार – बार (कई बार) अंजाम दिया - वह नमूना इसतरह चला कि :बनी इस्राईल ने बहुत बार सालों तक खुदा की नाफ़रमानी की-फिर ख़ुदा उन्हें अपने दुशमनों से शिकस्त खाने के ज़रिए उन्हें सज़ा देता था – उनके दुशमन उनकी चीज़ें चुरा लेते थे, उनकी जाएदाद बर्बाद करते और लूट लेते थे और उन में से बहुतों को क़त्ल करते थे – फिर जब उनके दुशमनों नें उनपर ज़ुल्म ढाया और उन्हें मग्लूब किया तो बनी इस्राईल ने अपने गुनाहों से तौबा की और ख़ुदा से मिन्नत की कि वह उन्हें छुड़ाए -

ख़ुदा से पूछा कि उन्हें बचाए

यानी कि उन्होंने ख़ुदा से पूछा कि उनकी मदद करे और उनके दुश्मनों से उन्हें आज़ाद करे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा

16:03

हर बार जब भी बनी इस्राईल तौबा करते थे खुदा उन्हें छुड़ाता था उस ने ऐसा एक छुड़ाने वाले का इंतज़ाम करते हुए किया ---एक ऐसा शख्स जो उनके दुशमनों से लड़े और उन्हें शिकस्त दे –फिर **मुल्क** में अमन होता था और छुड़ाने वाला अच्छी तरह उनपर हुकूमत करता था –लोगों को छुड़ाने के लिए खुदा ने कई एक छुटकारा दिलाने वालों को भेजा –खुदा ने फिर से मिद्यानियों को जो उन के पास के दुश्मन थे इस्तेमाल किया कि वह बनी इस्राईल को शिकस्त दे -

ख़ुदा ने मुहय्या किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,जैसे “ख़ुदा ने चुना” या “ख़ुदा ने मुक़र्रर किया” या “ख़ुदा ने उठाया”-

तसल्ली ले आया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”लोगों को बग़ैर खौफ़ के रहने दिया” या “लड़ाई ख़त्म हुई” या उनके दुश्मनों को हमला करने से रोका”

मुल्क

यह कनान को ज़ाहिर करता है,वादा किया हुआ मुल्क जिसे ख़ुदा ने अब्रहाम को दिया था-

लोग ख़ुदा को भूल गए थे

इस का मतलब यह कि “लोग ख़ुदा की बाबत सोचना बंद कर दिए थे और जो कुछ उसने उन्हें हुक्म दिया था उसे नज़र अंदाज़ कर दिए थे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नजात, नजात देता है, नजात दिलाई , नजात दिलाना, नजात दिलाने वाला , छुटकारा
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले
- ‘इबादत
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों

16:04

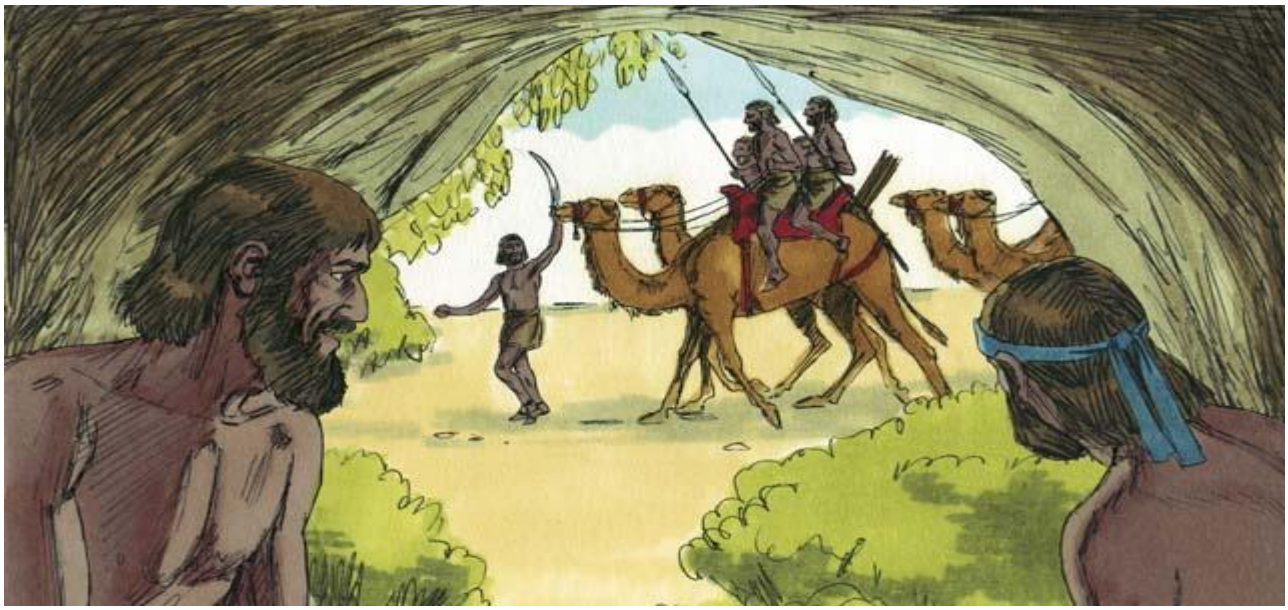

मिद्यानियों ने सत साल तक बनी इस्राईल के फ़सल को लूटा –बनी इस्राईल उनसे बहुत ज़ियादा डर गए थे –उनमें से बहुत से ग़ारों में छिपने लगे थे कि वह उन्हें न पाएं –आखिरेकार उन्हों ने खुदा को पुकारा की वह उन्हें बचाए -

फ़स्ल

यह हवाला देता है उन पेड़ पौदों का जो इस्राईली लोग खाने के लिए अपने बाग़ों और खेतों में उगाते थे -

डर गए थे कि उन्हों ने छिपा दिया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , “वह मिद्यानियों से डर गए थे इस लिये उन्होंने छिपा दिया”

चिल्ला उठे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “वह पुकार उठे” या “उन्होंने मायूस होकर दुआ की “-

उन्हें बचाओ

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “उन्हें आज़ाद करो” या “इन दश्मनों से उन्हें छुड़ाओ “-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

16:05

एक इसराईली आदमी था जिस का नाम जिदौन था – वह एक पोशीदा जगह में खलियान साफ़ कर रहा था कि मिद्यानी उसे चुरा न लेजाए – यह्वे का फ़रिश्ता उस के पास आया और उससे कहा “ऐ ज़बरदस्त सूरमा खुदा तेरे साथ है ! जा, और बनी इस्राईल को मिद्यानियों से छुड़ा”-

एक दिन

यह मुहावरा तआर्रुफ़ कराता है एक वाक़िए का जो पीछे हुआ था मगर कोई ख़ास वक़्त बयान नहीं करता - कई एक ज़बानों में ऐसा ही तरीक़ा है एक सच्ची कहानी को शुरू करने का -

कोल्हू में अनाज झाड़ना

वह अनाज गेहूं था -जो दीगर तमाम अनाजों या बीजों में ख़ास होता है और एक पतली बाली के सिरे पर होता है – इसे कोल्हू में झाड़ने से या बाली के सिरे पर छड़ी से मारने से बाली से बीज अलग हो जाता है -इन्हीं बीजों को ग़ल्ला अनाज या ख़ुराक कहते हैं ,बालियों को नहीं -

छिप कर या पोशीदा तौर से

जिदोन एक पोशीदा जगह पर अनाज झाड़ रहा था ताकि मिद्यानी लोग उसे देख न सके -

ख़ुदा तेरे साथ है

इसके मायने हैं ,”ख़ुदा ख़ास तरीक़े से तेरे साथ है” या “ख़ुदा के पास मंसूबे हैं कि वह तुझे एक ख़ास तरीक़े से इस्तेमाल करे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- जिब'ऊन
- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- यहोवा
- ख़ुदावन्द

- इस्राईल, इस्राईली

16:06

जिदौन के बाप ने एक बुत के लिए एक मज़बह मख्सूस किया हुआ था –पहली बात जो खुदा ने जिदौन से कही वह यह कि जिदौन अपने बाप के मजबह को तोड़ डाले –मगर जिदौन लोगों से डरता था –तो फिर उसने रात भर का इंतज़ार किया और उसने उस मजबह के टुकड़े –टुकड़े कर डाले –उसने उस के पास ही और खुदा के लिए एक नया मजबह बनाया और उसके लिए उसपर एक क़ुर्बानी चढ़ाई -

फाड़ देना

इस का मत्लब यह है कि “सख्ती से नीचे मार गिराना” या “लेकर बर्बाद कर देना”

लोगों के डर से

जिदोन को डर था कि उसके साथी इस्राईली जो उसी मूरत की पूजा करते थे उस से नाराज़ हो जाएँगे -

रात तक इन्तज़ार किया

इसको कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “रात के अँधेरे तक का इंतज़ार किया”रात में जिदोन ने मज़बह को बर्बाद कर दिया जब सब लोग सो रहे थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- जिब'ऊन
- , क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- ख़ुदावन्द
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें

16:07

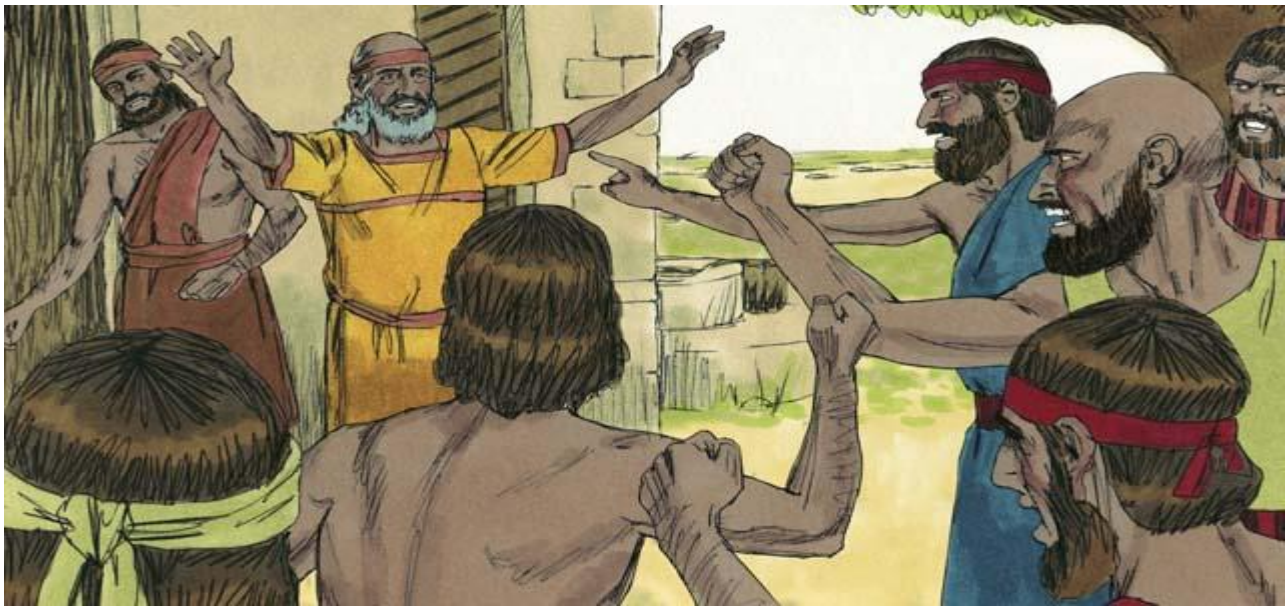

दूसरे दिन सुबह के वक़्त लोगों ने देखा कि किसी ने मज़बह की खूब दुर्गत की है और वह बहुत ग़ुस्से हुए –यह सोचकर कि जिदौन ने किया होगा वह उस के घर उसको हलाक करने गए –मगर जिदौन के बाप ने कहा ,"तुम क्यूँ अपने देवता की मदद करना चाहते हो ?अगर वह देवता है तो अपनी हिफ़ाज़त खुद को करने दो –इसलिए कि उस ने ऐसा कहा लोगों ने जिदौन को नहीं मारा -

तुम क्यों अपने देवता की मदद करने की कोशिश कर रहे हो -

यह जानकारी के लिए पूछा गया सवाल असली सवाल नहीं है - इसको कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि "तुमको अपने देवता की मदद करने कि कोशिश नहीं करनी चाहिए थी" – या "तुमको अपने देवता की मदद् करने कि ज़रूरत नहीं थी" -

अगर वह एक देवता है तो उसको ख़ुद से अपना बचाव करने दो -

इसका मतलब यह है कि " अगर वह सच मुच एक देवता है तो वह अपना बचाव ख़ुद ही कर लेगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- , क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह
- जिब'ऊन
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती

16:08

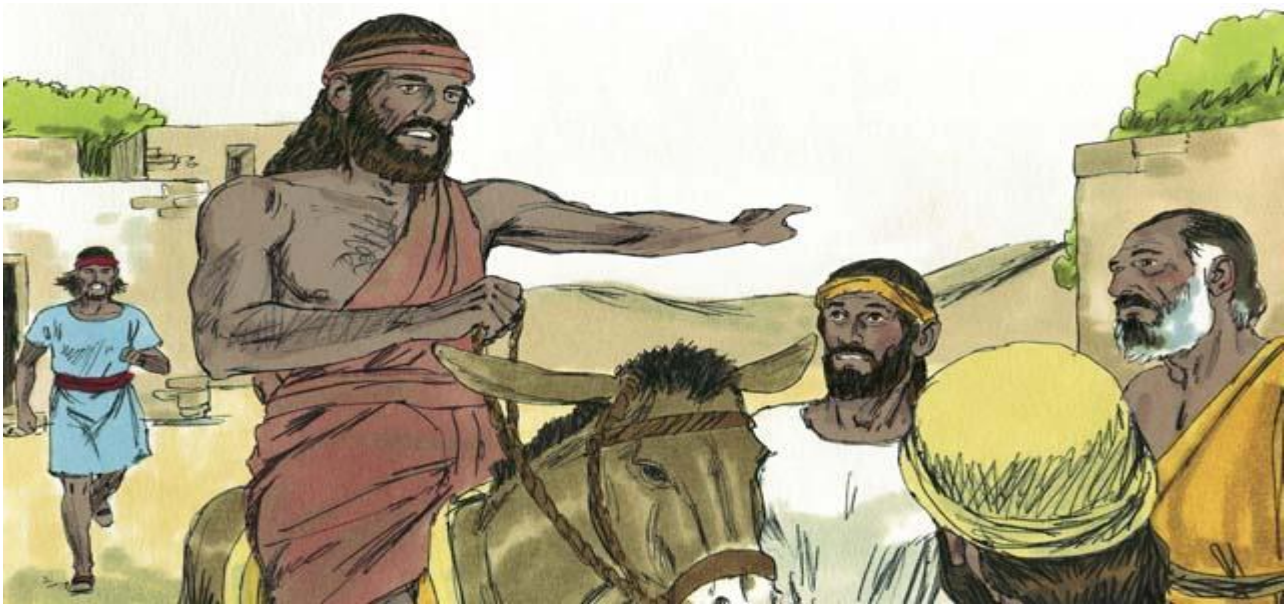

मिद्यानी लोग फिर से बनी इस्राईल की फ़सल चुराने आए –वह गिनती में बे - शुमार थे – जिदौन ने बनी इस्राईल को जमा किया कि मिद्यानियों के ख़िलाफ़ लड़ाई करे –जिदौन ने खुदा से दो निशानी मांगी कि सच –मुच खुदा बनी इस्राईल को बचाने के लिए उससे कह रहा है -

इस्राईलियों से फिर चुराने आगये

इसको इस तरह से तरजुमा किया जा सकता था “वह फिर से इस्राईलियों की ज़मीन पर आए कि जो उन के पास चीज़ें थीं उन्हें चुरा ले जाएं” -

उनकी गिनती नहीं हो सकती थी

इसको इस तरह से तरजुमा किया जा सकता था “मिद्यानियों की तादाद गिनती में बे शुमार थी” या “तमाम मिद्यानियों के शुमार को गिनती में लाना बहुत मुश्किल था”

दो निशाँ के लिए

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था “दो मोजिज़े अंजाम देने के लिए” या दो ना मुमकिन वाक़ियात होने के लिए”

कि ख़ुदा उसको इस्तेमाल करेगा

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”कि ख़ुदा उसको होने देगा” या “कि ख़ुदा उस कि मदद करेगा” या “ख़ुदा उसको बुला रहा था”

इस्राईलियों को बचाने के लिए

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था,”बनी इस्राईल को मिद्यानियों से छुड़ाने के लिए”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों

- इस्राईल, इस्राईली
- जिब'ऊन
- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

16:09

पहली **निशानी** के लिए जिदौन ने एक भेड़ के चमड़े को मैदान पर रखा और खुदा से मांग करी कि ओस की बूँदें सिर्फ़ उस चमड़े पर गिरे और ज़मीन सूखी रहे ,सो खुदा ने ऐसा ही किया, दूसरी रात जिदौन ने कहा कि सिर्फ़ ज़मीन पर ओस गिरे और चमड़ा सूखा रहे यो खुदा ने ऐसा भी किया– इन दो निशानियों के सबब से जिदौन ने एत्काद किया कि खुदा सचमुच बनी इस्राईल को मिद्यानियों से बचाना चाहता है -

निशानी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , “मोजिज़ा” या “ना मुमकिन बात”

भेड़ का चमड़ा

यह भेड़ का चमड़ा है जिस के पूरे हिस्से में ऊन ही ऊन है -चमड़े पर यह घुंगराले बाल जिस में बहुत ज़ियादा पानी समां सकता है - इसको तर्जुमा करें जिस से यह साफ होजाए कि यह चमड़ा मोती परत के बालों से ढका है-

सुबह की ओस गिरने दो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”सुबह की ओस ज़ाहिर होने दो” या “सुबह की ओस को पूरा उतरने दो” “ओस” पानी की उन बूंदों को कहा जाता है जो सुबह के वक़्त ज़मीन या घास पर नज़र आती हैं -ओस क़ुदरती तौर से हर एक चीज़ को बराबर से ढक लेती है -

ख़ुदा ने वह किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”ख़ुदा ने वह किया जो जिदोन उस से कराना चाहता था”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- जिब'ऊन
- भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , भेड़-बकरी, भेड़ की खाल
- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

- इस्राईल, इस्राईली
- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों

16:10

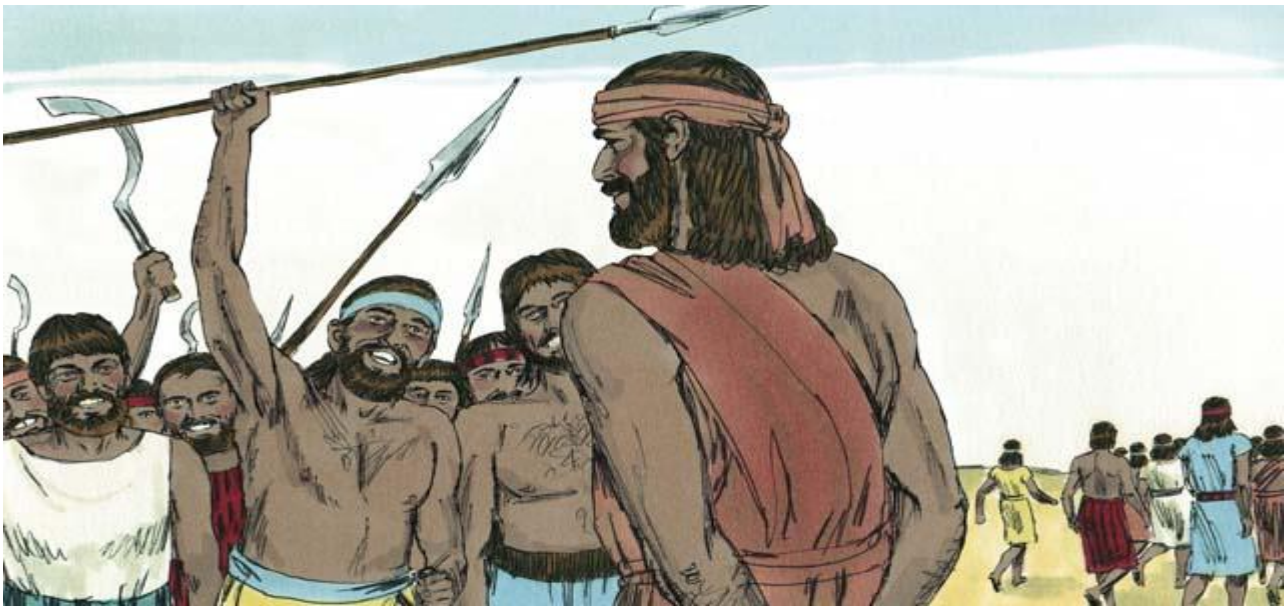

फिर जिदौन ने इस्राईल के सिपाहियों को बुलाया कि वह उसके पास आए और 32,000 मर्द उसके पास जमा हुए-खुदा ने कहा यह **बहुत ज़ियादा** हैं सो जिदौन ने उन 22,000 लोगों को वापस भेज दिया जो जंग करने से डरते थे – खुदा ने जिदौन से कहा कि अभी भी लोग ज़ियादा हैं –सो जिदौन ने 300 सिपाहियों को छोड़ बाक़ी सबको घर भेज दिया -

32,000 इस्राईली सिपाही जिदोन के पास आए

कुछ ज़बानों में कहानी के शुरू में ज़ेल का जुमला शामिल करने की ज़रूरत हो सकती है :"जिदोन ने इस्राईलियों को मिद्यानियों के खिलाफ़ लड़ने के लिए बुलाया" – देखें 16:08

बहुत ज़ियादा

इस लड़ाई के लिए ख़ुदा जितने फ़ौजी चाहता था उस से ज़ियादा थे -अगर इतने ज़ियादा फ़ौजी लड़कर फ़तेह हासिल कर लेते तो वह सोचते कि हमने अपनी ताक़त से लड़ाई जीती है ,और वह नहीं जानते कि ख़ुदा ने उनको फ़तेह दिलाई -

सिवाए 300 फ़ौजियों के लिए

इस जुमले को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "सो जिदोन ने सिर्फ़ 300 फ़ौजियों को रुकने दिया और बाक़ी लोग अपने अपने घर लौट गए"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- जिब'ऊन
- ख़ुदावन्द

16:11

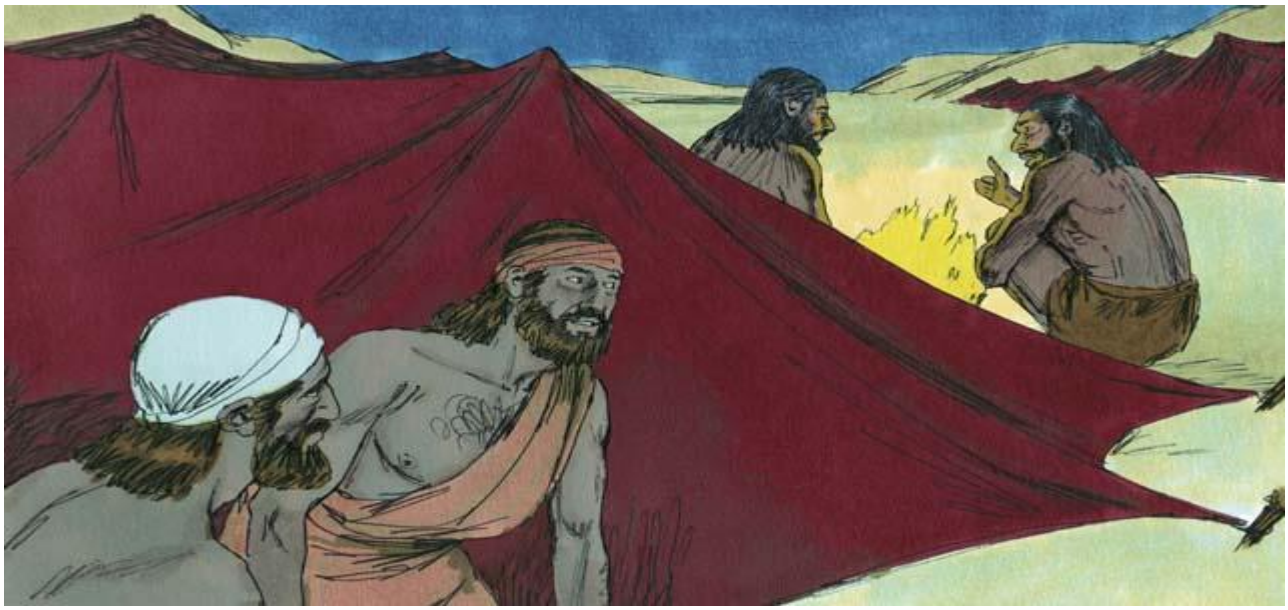

उस रात खुदा ने जिदौन से कहा “नीचे मिद्यानियों की छावनी में जा और चुपके से उनकी बातें सुन –जब तुम उनकी बातें सुनोगे तो उनपर हमला करने से डर नहीं लगेगा –सो उस रात जिदौनु उनकी छावनी पर गया और एक मिद्यानी सिपाही को अपने दोस्त से यह कहते सुना जो उसने ख़ाब में देखा था – उसका खाब यह था की गिदोन की फ़ौज हमको (मिद्यानियों की फ़ौज) को हरा देगी – जब जिदौन ने यह सुना तो उसने खुदा के आगे सर को झुकाया -

नीचे जाओ

मिद्यानी फ़ौजी नीचे की एक वादी में छावनी किये हुए थे ,जबकि इस्राईली फ़ौजी ऊपर कि तरफ़ थे -

तुम्हें आगे को डरना न होगा

मतलब यह कि “डरने कि हालत में तुम रुक जाओगे”

कुछ इस तरह ख़्वाब देखा

मतलब यह कि “उसने ख़्वाब में कुछ देखा” या “उसने ख़्वाब देखा “

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- जिब'ऊन
- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों
- ख़्वाब
- ‘इबादत

16:12

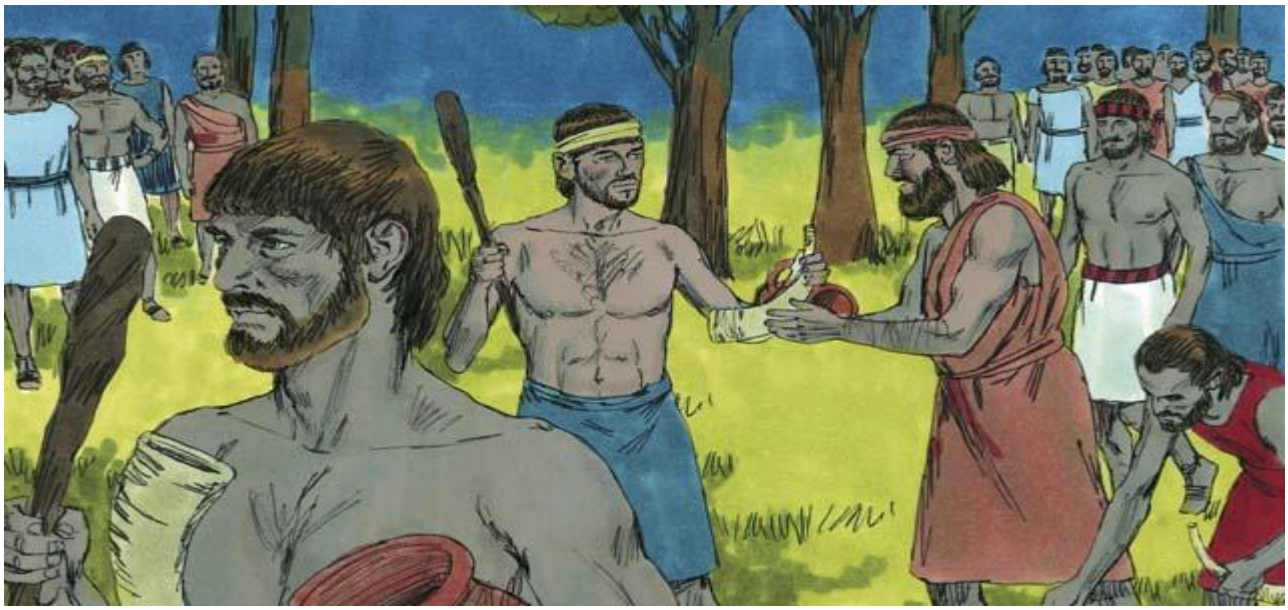

फिर जिदौन ने अपने सिपाहियों में से हर एक को एक नरसिंगा, एक मटका , और **एक मशाल** दिया –उन्हों ने छावनी की घेराबंदी की जहाँ मिद्यानी सिपाही सो रहे थे –जिदौन के 300 सिपाहियों के पास मटकों के अन्दर मशालें थीं ताकि मिद्यानी मशालों की रौशनी को न देख सके -

सींग

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “बिगुल” या “मेंढे की सींग से बना हुआ क़रना”

एक मशाल

यह ग़ालिबन एक लकड़ी का टुकड़ा जिस का सिरा कपड़े से लिपटा और तेल में भिगोया हुआ होता था ताकि वह अच्छी तरह जल सके -यह मौजूदा टॉर्च कि तरह नहीं था जो बैटरी से चलती है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- जिब'ऊन
- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों

16:13

फिर जिदौन के तमाम सिपाहियों ने एक ही वक़्त में अपने-अपने मटके फोड़े ताकि उनकी मशालें रोशन होजाए फिर उन सब ने एक साथ नरसिंगा फूँका और **चिल्लाए** "यह्वे की **तलवार** और गिदोन की तलवार "

चिल्लाए

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "ज़ोर से चिल्लाए" या "ऊंची आवाज़ में कहा"

तलवार

तलवार एक लड़ाई का औज़ार होता है यह एक धार वाली लम्बी लोहे की पट्टी होती है जिसके एक तरफ़ हत्ता होता है जिसे पकड़ कर दुशमन पर वार किया जाता या सीने के आर पार छेदा जाता है-अगर आप के लोगों के पास इस तरह का हथियार नहीं है तो इसे आप एक "लम्बी छुरी" बतौर "मचेट" या "बुश छुरी" बतौर तर्जुमा कर सकते हैं -

यहवह की तलवार और जिदोन की तलवार

इस का मतलब यह है कि हम यहवह के लिए और जिदो न के लिए लड़ते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- जिब'ऊन
- यहोवा

16:14

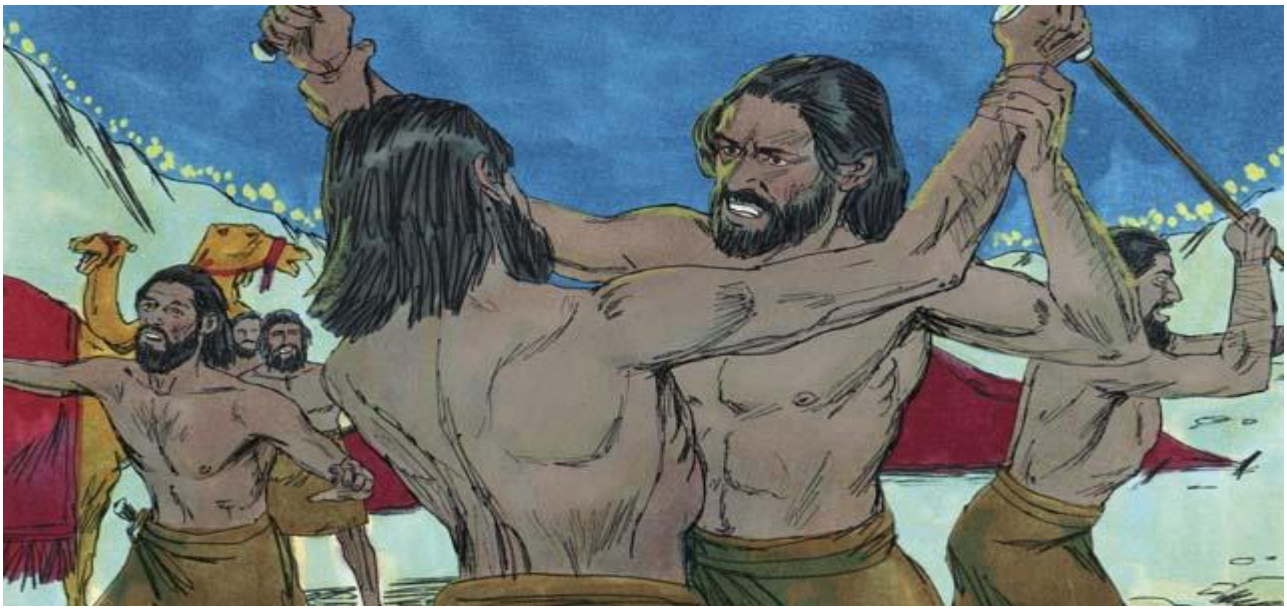

खुदा ने मिद्यानियों को इस तरह मुताज्जुब और परेशान कर दिया कि वह एक दुसरे पर हमला करने और उन्हें हलाक करने लगे जिदौन ने फ़ौरन पैग़ाम देने वालों को भेजकर दीगर इस्राईलियों बुलवा भेजा कि वह अपने –अपने घरों से निकलें और मिद्यानियों का पीछा करके उनको क़त्ल करें –सो उनहोंने उनका पीछा किया और इस्राईल के मुल्क से बाहर ले जाकर उन्हें क़त्ल किया –उस दिन 1,20,000 मिद्यानी मारे गए – इस तरह खुदा ने बनी इस्राईल को मिद्यानियों से छुटकारा दिलाया -

ख़ुदा ने मिद्यानियों को उलझन में डाल दिया

ख़ुदा ने उनको ऐसा बौखला दिया कि वह इस्राईलियों पर हमला करने के बदले आपस में एक दूसरे पर हमला करने लग गए -

बाक़ी के बचे इस्राईली

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , “बहुत से दीगर इस्राईली लोग” यह वह फ़ौजी थे जो पहले घर भेज दिए गए थे देखें 16:10

फिर बुलाए गए

मतलब यह कि उन्हें फिर से “आने कि दावत दी गई” या “उन्हें हाज़िर होने का हुक्म जारी किया” इस जुमले को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था, “जिदोन ने क़ासिद भेजकर कई एक इस्राईलियों को लड़ाई के लिए उन के घर से तलब किया” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों
- इस्राईल, इस्राईली
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

16:15

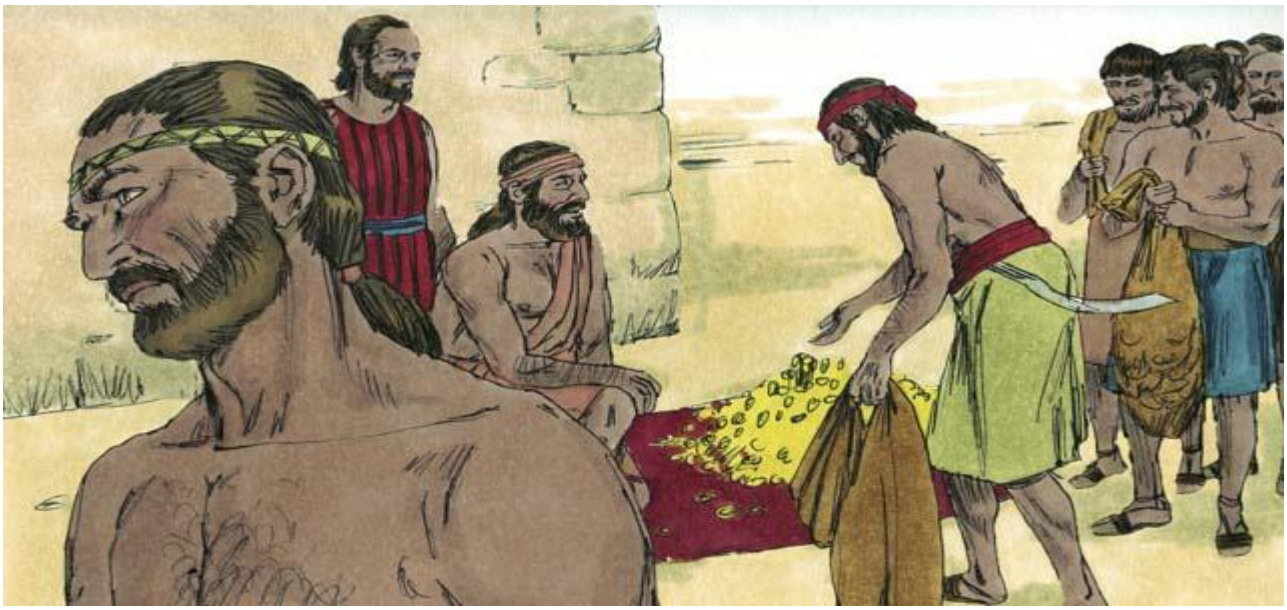

लोग जिदौन को अपना बादशाह बनाना चाहते थे –मगर जिदौन ने ऐसा होने नहीं दिया मगर उसने उनसे कुछ सोने की अंगूठी मांगी जो उनहोंने मिद्यानियों से लूटा था –मगर मिद्यानियों ने जिदौन को बहुत सारा सोना दिया -

उन्हें ऐसा करने नहीं दिया

जिदोन जानता था कि इस्राईलियों के लिए बेहतर होगा कि वह ख़ुदा को अपना बादशाह मानें -

मगर उसने उनसे पूछा

यह मुहावरा शुरू होता है “मगर’ के लफ़्ज़ से क्यूंकि आगे जो उस ने किया वह अक्लमंदी नहीं थी

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- जिब'ऊन
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों

16:16

फिर जिदौन ने उन सोने के जेवरात से सरदार काहिनों के पहनने के लिए ख़ास चोगे बनवाए –मगर बाद में लोगों ने उन चोगों को मूरत बतौर पूजना शुरू कर दिया –सो खुदा ने बनी इस्राईल को इस बात के लिए फिर से सज़ा दी –क्यूंकि उनहोंने उन कपड़ों की परस्तिश बुत बतौर की –वह सज़ा यह थी कि उन के दुश्मनों से उनको शिकस्त मिली – आखिरकार उनहोंने खुदा से फिर से मदद मांगी –और खुदा ने उनको बचाने के लिए एक दूसरा छुड़ाने वाला भेजा -

जिदोन ने सोने का इस्तेमाल काहिनों के लिए ख़ास कपड़े बनाने में किया -

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"जिदोन ने सारे सोने की चीज़ों को जो उसे दिया गया था पिघलाया और उन सोनों से ख़ास क़िस्म के कपड़े बनाए

ख़ुदा से फिर गए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था कि "उन्हों ने ख़ुदा का हुक्म बजा नहीं लाया" या "ख़ुदा की इबादत करना बंद कर दिया"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- जिब'ऊन
- सरदार काहिन
- 'इबादत
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- इस्राईल, इस्राईली
- नजात, नजात देता है, नजात दिलाई , नजात दिलाना, नजात दिलाने वाला , छुटकारा

16:17

इसी तरह एक ही चीज़ कई बार वाक़े हुआ –बनी इस्राईल गुनाह करते थे,खुदा उन को सज़ा देता था ,फिर वह तौबा करते थे और खुदा उनको बचाने के लिए किसी न किसी को भेजता था – बहुत सालों तक खुदा ने कई एक छुड़ाने वाले भेजे जिन्होंने बनी इस्राईल को उनके दुशमनों से छुड़ाया -

यह नमूना कई बार दुहराया गया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “यह बातें बार बार होती “रहीं” या ऐसी बातें बहुत बार हुई”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- नजात, नजात देता है, नजात दिलाई , नजात दिलाना, नजात दिलाने वाला , छुटकारा
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

16:18

आखिर कार लोगों ने खुदा से एक बादशाह की मांग की जिस तरह दीगर कौमों के हुआ करते थे –उन्हों ने एक ऐसा बादशाह चाहा जो लम्बा और क़द आवर और ताक़तवर हो जो जंग में उनकी रहनुमाई कर सके – मगर खुदा ने उनकी दरखास्त कबूल नहीं की – मगर जैसा उन्हों ने एक बादशाह माँगा था वैसा उनको दे दिया -

आख़िरकार

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “इसके बाद कई बार दुश्मनों ने उनपर हमला किया” या “बहुत सालों बाद फ़र्क़ फ़र्क़ क़ौमों के ज़रिये हमले किये जाने के बाद”-

ख़ुदा से एक बादशाह की मांग की

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “मांग की कि ख़ुदा उनको एक बादशाह दे”-या एक बादशाह के लिए ख़ुदा से मांगते रहे” –

जिस तरह दीगर क़ौमों के थे

दूसरी क़ौमों का एक बादशाह हुआ करता था -इस्राईल भी उनकी तरह एक बादशाह चाहते थे

ख़ुदा ने उनकी इस दरख़ास्त को न चाहा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “उन्हों ने जो मांग कि उस से ख़ुदा राज़ी नहीं था -ख़ुदा जानता था कि वह उसे एक बादशाह बतौर होने को इंकार कर रहे थे और इस के बदले में एक इंसानी रहनुमा चाहते थे -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात bible के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के लाफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

_कुज़ात 1-3 ; 6-8 ;1 समुएल 1-10 बाइबिल की एक कहानी _

17. खुदा का अहद दाउद के साथ

17:01

साउल बनी इस्राईल का पहला बादशाह था –वह लम्बा चौड़ा और हसीन था जिसतरह लोग चाहते थे – शुरू के कुछ सालों तक साउल एक अच्छा बादशाह बतोर बनी इस्राईल पर हुकूमत की – मगर बाद में वह एक बुरा बादशाह बनगया जिस ने खुदा का हुक्म नहीं बजा लाया इसलिए खुदा ने एक फरक आदमी को चुना कि **एक दिन** उसकी जगह पर बादशाह बने -

इस्राईएल का पहला बादशाह

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "पहला बादशाह इस्राईल पर हुकूमत करने के लिए" -

एक दिन

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "मुस्तक़बिल में किसी वक़्त" या "सालों बाद"

उसकी जगह में बादशाह होना

इस को कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि ,"इस्राईल पर बादशाह बतौर उसकी जगह लेना" या "उस के बदले में बादशाह बतौर हुकूमत करना"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शाऊल (पुराना 'अहद नामा)
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- इस्राईल, इस्राईली
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- ख़ुदावन्द

17:02

खुदा ने दाउद नाम के एक जवान इस्राईली को चुना और उसको तय्यार करना शुरू कियाकि वह शाऊल के बाद बादशाह बने – दाऊद बेथलेहम शहर का एक चरवाहा था –फ़रक फ़रक औक़ात में दाऊद ने एक बब्बर शेर और एक रींच को मारा था जो उसके बाप की भेड़ों पर हमला किए थे जब वह उन्की निगहबानी कर रहा था –दाऊद एक हलीम और रास्तबाज़ शख्स था –उसने खुदा पर भरोसा किया और उसका हुक्म बजा लाया -

निगरानी करना

इसका मतलब है ,"परवाह करना" या "हिफ़ाज़त करना" या "फ़िक्र करना"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- दाऊद
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- शाऊल (पुराना 'अहद नामा)
- चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही
- बैतलहम, इपफ़ात
- भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , भेड़-बकरी, भेड़ की खाल
- हलीम, हलीम, हलीम बनाया, हलीमी
- रास्तबाज़, रास्तबाज़ी
- ऐ'तिमाद, भरोसा, , भरोसेमंद, भरोसे के लायक़ ,भरोसे वाला
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

17:03

जब दाऊद अभी एक जवान ही था उसने एक पहलवान से लड़ाई की जिसका नाम जाती जूलियत था – जुलियत एक अच्छा सिपाही था –वह बहुत ही ताक़तवर और तीन मीटर ऊँचा था ! मगर खुदा जुलियत को मारने और बनी इस्राईल को बचाने में दाऊद की मदद की –उसके बाद दाऊद बनी इस्राईल के दुशमनों पर फ़तेह हासिल करता गया –फिर दाऊद एक बहुत बड़ा सिपाही बन गया –और उसने कई एक जंगों में इस्राईली फ़ौज की रहनुमाई की –लोग उसकी बहुत ज़ियादा तारीफ़ करने लगे थे -

एक बड़े क़द ओ क़ामत का शख़्स बनाम जूलियत

बड़े क़द ओ क़ामत का शख़्स यहाँ पर बयान करता है एक शख़्स को जो आम तौर से लम्बा चौड़ा और ताक़तवर हो - जुलियत एक फ़ौज में ऐसा ही लम्बा चौड़ा शख़्स था जो इस्राईल के ख़िलाफ लड़ाई करता था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- दाऊद
- ख़ुदावन्द
- इस्राईल, इस्राईली
- हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात

17:04

लोग दाऊद से इतना ज़ियादा प्यार करने लगे थे कि साउल बादशाह उससे हसद रखने लगा था –आख़िर कार वह उसको हलाक करना चाहता था – इसलिए दाऊद उससे और उसकी फ़ौज से छिपने के लिए बयाबान को भाग गया - **एक दिन** जब शाऊल और उसके सिपाही उसकी राह देख रहे थे तो शाऊल एक ग़ार के अन्दर गया –और वह वही ग़ार था जिस के अन्दर दाऊद छिपा हुआ था - मगर शाऊल ने उसे नहीं देखा था –दाऊद बहुत करीब उसके पीछे गया और उसके कपड़े का एक किनारा काट लिया –बाद में शाऊल जब ग़ार से बाहर निकला तो दाऊद ने शाऊल को आवाज़ लगाई कि उसके कपड़े को देखे जिसे अपनी मुट्ठी में दबाए हुए था –इस तरीके से शाऊल जानता था कि दाऊद बादशाह बन्ने के लिए उसको मारना नहीं चाहता था -

एक दिन

यह मुहावरा तआर्रुफ़ कराता है एक वाक़िए का जो पिछले दिनों में वाक़े हुआ मगर एक ख़ास वक़्त का बयान नहीं करता -कई एक ज़बानों में एक ऐसा ही तरीक़ा है एक सच्ची कहानी को शुरु करने का-

साउल को साबित करने का

इसका मतलब है ,"साउल को क़ायल करना" या "साउल को बतलाना"

बादशाह बनने के लिए

एक ऐसे शख़्स को जिसको ख़ुदा ने इस्राईल पर हुकूमत के लिए मुक़र्रर किया है उसको मारकर दाऊद ख़ुदा को बे इज़्ज़त नहीं करेगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शाऊल (पुराना 'अहद नामा)
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- दाऊद
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

17:05

कुछ अरसा बाद शाऊल जंग में मारा गया और दाऊद इस्राईल का बादशाह बन गया - वह एक अच्छा बादशाह था और लोग उससे प्यार करते थे – खुदा ने दाऊद को बरकत दी और **उसको कामयाब बनाया** –दाऊद ने कई एक जंगें लड़ीं और खुदा ने उसकी मदद की कि बनी इस्राईल के दुशमनों को शिकस्त दे – दाऊद ने यरूशलेम शेहर पर फ़तेह हासिल की और उसको अपना अहम् शहर (दारुलखिलाफा) बनाया जहाँ उसने रहकर हुकूमत की –दाऊद चालीस साल तक इस्राईल का बादशाह रहा –इस दौरान इस्राईल एक ज़बरदस्त और दौलतमंद सल्तनत थी

उसको कामयाब बनाया

मतलब यह कि “जो अच्छे काम वह करना चाहता था उस को पूरा करने में उसकी मदद की” –

उसका पाए - तख़्त शहर

मतलब “उसकी हुकूमत की राजधानी शहर” दाऊद यरुशलेम में रहता था और वहां से हुकूमत करता था -

दाऊद के दौर -ए- हुकूमत में

इस का मतलब है ,”उस दौरान जब दाऊद इस्राईल पर बादशाह था” - या “उस दौरान जब दाऊद इस्राईल पर बादशाह बतौर हुकूमत करता था”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शाऊल (पुराना ‘अहद नामा)
- दाऊद
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- इस्राईल, इस्राईली
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- ख़ुदावन्द
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- यरूशलीम

17:06

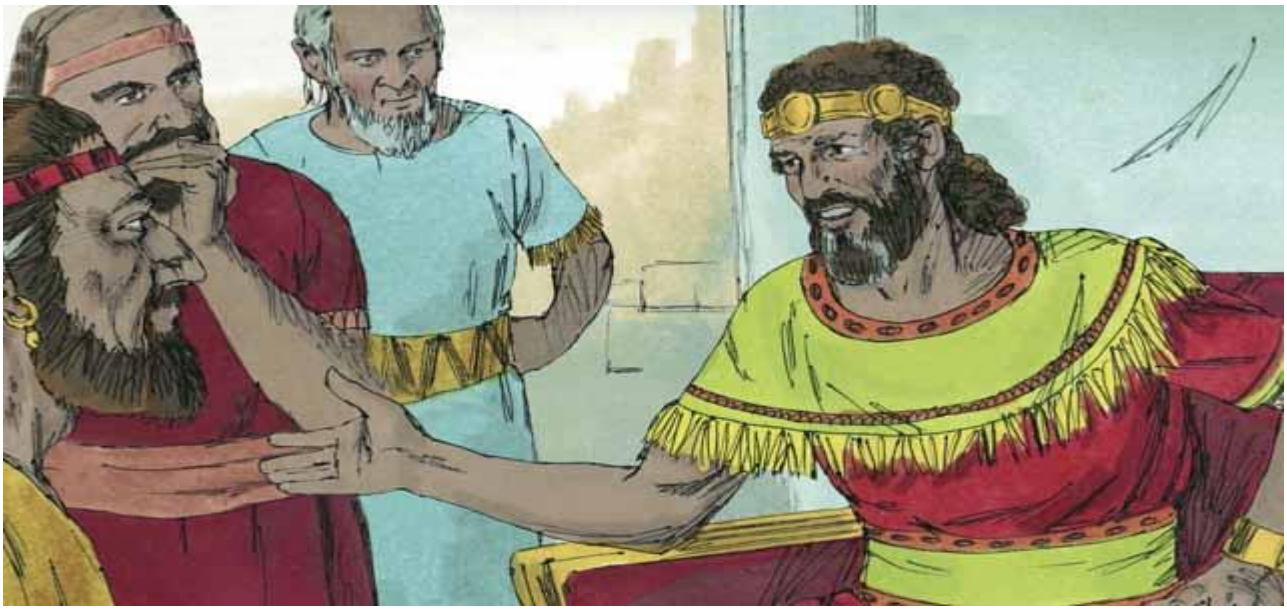

दाऊद **एक मंदिर बना**ना चाहता था जहाँ तमाम इसरा ईली मिलकर खुदा की इबादत करते और उसके लिए कुर्बानियां चढ़ाते - 400 साल तक दाऊद के बनाए हुए मंदिर में लोग खुदा की इबादत करते रहे और उस मज़बह पर कुर्बानियां चढ़ाते थे जिसे मूसा ने बनाया था -

एक मंदिर बना

ख़ुदा की इबादत के लिए दाऊद एक मुस्तक़िल इमारत बनाना चाहता था जो ख़ेमा - ए - इज्तिमा के बदले में हो जिसमें लोग इबादत किया करते थे यानी तम्बू

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- दाऊद
- हैकल
- इस्राईल, इस्राईली
- 'इबादत
- ख़ुदावन्द
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ेमा-ए-इज्तिमा'
- मूसा

17:07

मगर उन दिनों नातन नाम का एक नबी रहता था –खुदा ने उसको दाऊद के पास यह कहने के लिए भेजा कि: तुमने बहुत सी लड़ाइयाँ लड़ी हैं – इसलिए तू मेरे लिए मंदिर नहीं बनाएगा ,बल्कि तेरा बेटा बनाएगा –मगर इसके बावजूद भी मैं तुमको बहुत ज़ियादा बरकत दूंगा –तेरी नसल में से एक हमेशा के लिए मेरे लोगों पर हुकूमत करेगा ! दाउद की नसल में से जो हमेशा के लिए हुकूमत कर सकता था वह सिर्फ़ मसीहा था –मसीहा खुदा का चुना हुआ था –जोकि दुनिया के लोगों के गुनाहों से बचा सकता था -

नातन नबी

कुछ ज़बानों में कहने के लिए ज़ियादा अच्छा होगा कि ,"एक नबी जिस का नाम नातन था"-

जंगी मर्द

मतलब यह कि "वह शख़्स जो जंगें लड़ता है" दाऊद ने कई लोगों को जंग में इस्राईलियों के ख़िलाफ़ मारा -मगर ख़ुदा दाऊद को सज़ा नहीं दे रहा था -बल्कि वह एक अमन पसंद शख़्स को चाहता था कि वह मंदिर बनाए जहाँ लोग उसकी इबादत करें -

यह मंदिर

मतलब "इबादत के लिए यह इमारत" या "इबादत की यह जगह"-

गुनाह से

मतलब है "गुनाह के हौलनाक अंजाम से"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- नातन
- दाऊद

- हैकल
- बेटे, बेटों
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- इस्राईल, इस्राईली
- मसीह ,मसीहा
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

17:08

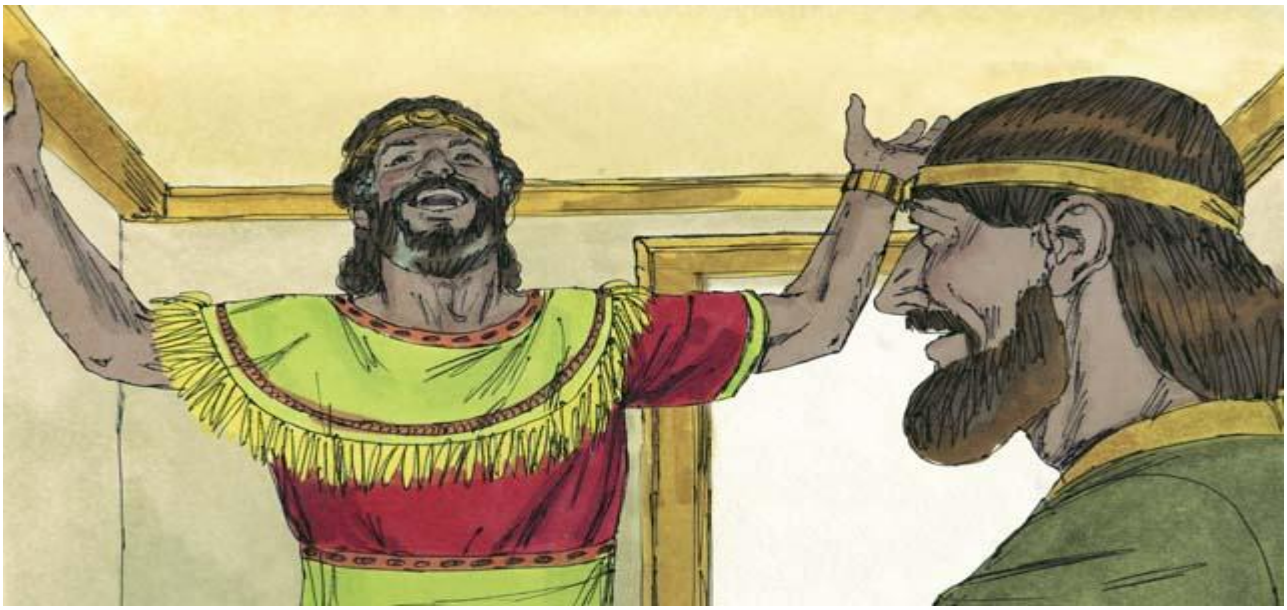

जब दाऊद ने नातन का पैग़ाम सुना तो उसने ख़ुदा का शुक्रिया अदा किया और उसकी हम्द ओ तारीफ़ की – खुदा उसकी ताज़ीम कर रहा था और उसको बहुत सी बरकतें दे रहा था –हाँ ,यह बात दाऊद नहीं जानता था कि यह काम खुदा कब पूरा करेगा –अब हम जानते हैं कि इसराईलियों को एक लम्बे अर्से तक इंतज़ार करने की ज़रूरत थी इससे पहले कि मसीहा आए ,तक़रीबन 1000 साल बाद -

यह कलाम

मतलब यह कि “वह कलाम जो नबी ने अभी कहे”- यह उसे बताता है जो पीछे 17:07 में वायदे किये गए थे -

यह बड़ी इज़्ज़त

बाद में के लोग दाऊद की बहुत ज़ियादा इज़्ज़त करें क्यूंकि उस की औलाद में से इस्राईल पर बादशाह होंगे और उन में से एक मसीहा होगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- दाऊद
- हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात
- ख़ुदावन्द
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- इस्राईल, इस्राईली
- मसीह ,मसीहा

17:09

कई सालों तक दाऊद ने अपने लोगों पर इन्साफ़ के साथ हुकूमत की –उसने खुदा का हुक्म बजा लाया और खुदा ने उसे बहुत बरकत दी –मगर किसी तरह अपनी जिंदगी के आखरी अय्याम में उसने खुदा के ख़िलाफ़ **निहायत शदीद गुनाह किया** -

दाऊद ने इस्राईल पर कई साल तक इन्साफ़ और वफ़ादारी से हुकूमत की

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि “जब दाऊद ने बहुत सालों तक हुकूमत की तो उस ने वह किया को सहीह् और दुरुस्त था और आख़िर तक ख़ुदा का वफ़ादार रहा”

मरते दम तक

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ,”जब दाऊद बुज़ुर्ग था” या बाद में दाऊद कि ज़िन्दगी में”

निहायत शदीद गुनाह किया

मतलब यह कि “बहुत बुरी तरीके से गुनाह किया”-दाऊद का गुनाह ख़ास तौर से बुरा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- दाऊद
- इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला,
- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- ख़ुदावन्द
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

17:10

एक दिन दाऊद अपने महल से एक ख़ूबसूरत औरत को नहाते हुए **देखा** – वह उस औरत को नहीं जानता था –मगर उसने किसी तरह मालूम कर लिया कि उसका नाम बेथसबा था -

एक दिन

यह मुहावरा तआर्रुफ़ कराता है उस वाक़िये का जो माज़ी में गुज़रा था मगर कोई ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई ज़बानों में यही तरीक़ा है एक सच्ची कहानी को शुरू करने का -

देखा

बेत्सबा शायद अपने घर में नहा रही थी ,मगर दाऊद का महल ज़ियादा ऊंचा था और वह उसे देख सकता था क्यूंकि उसके घर की दीवारें नीची थीं -

नहाना

इसको इस तेरह से तर्जुमा किया जा सकता है ," ग़ुस्ल करना" या "अपने आप को साफ़ करना"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- दाऊद
- बतशबा'

17:11

बजाए इसके कि उसको नज़र अंदाज़ करे दाऊद ने किसी को भेजकर उसे अपने घर बुला लिया – कुछ ही अर्से में बेथसबा ने दाऊद को पैग़ाम भिज्वाया कि वह हमल से है -

दूसरी तरफ़ देखने के बजाए

मतलब यह कि दाऊद ने औरत के परे नहीं देखा जब वह नहा रही थी -बल्कि इस से ज़ियादा जो उस ने किया

वह उस के साथ सोया

यह कहने का शरीफ़ाना तरीक़ा है कि दाऊद ने बेत्सबा के साथ जिनसी ताल्लुक़ा बनाये -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- दाऊद
- बतशबा'

17:12

बेथसबा के शोहर का नाम ऊरियाह था – वह दाऊद के सब से अच्छे सिपाहियों में से एक था उस वक़्त वह बहुत दूर लड़ाई के मैदान में था –दाऊद ने ऊरियाह को जंग से वापस बुलाया और उसको कुछ दिन अपनी बीवी के साथ रहने को कहा – मगर ऊरियाह ने घर जाने से इंकार किया जबकि बाक़ी सिपाही लड़ाई के मैदान में थे – सो दाऊद ने ऊरियाह को वापस जंग में भेज दिया –और सिपहसालार को हुक्म दिया कि ऊरियाह को एक ताक़तवर दुशमन के पास रखा ताकि वह मारा जाए - यह वाक़िया हुआ : ऊरियाह जंग में मारा गया -

जाओ अपनी बीवी के साथ रहो

मतलब यह कि ,"जाओ और अपनी बीवी के नज़दीक रहो" दाऊद लोगों को ख़ास तौर से ऊरियाह को यह यक़ीन दिलाना चाहता था कि बेत्सबा ऊरियाह के बच्चे के साथ हामला थी -

जहाँ दुशमन सब से ज़ियादा ताक़तवर था

मतलब यह कि जंग में वह मक़ाम जहां सब से ज़ियादा लड़ाई हो रही थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बतशबा'
- औरय्याह
- दाऊद

17:13

ऊरियाह के मरने के बाद दाऊद ने बेथसबा से शादी करली –उसने दाऊद के बेटे को जन्म दिया – दाऊद ने जो कुछ किया उस से खुदा बहुत नाराज़ था – सो उसने नातन नबी को दाऊद के पास यह कहने के लिए भेजा कि उसका गुनाह कितना शदीद था – दाऊद ने अपने गुनाहों से तौबा की और खुदा ने उसको मुआफ़ कर दिया ज़िनदगी के बाक़ी दिनों में दाऊद खुदा के पीछे हो लिया और खुदा का हुक्म बजा लाया यहाँ तक कि मुश्किल औक़ात में भी -

दाऊद ने क्या किया था

यह हवाला देता है बेत्सबा के साथ दाऊद की ज़िनाकारी का और उस के शोहर ऊरियाह के क़त्ल का -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बतशबा'
- औरय्याह
- दाऊद
- ख़ुदावन्द
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- नातन
- बुराई, बदकार, बदकारी
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

17:14

मगर दाऊद का बच्चा मर गया – इस तरह से खुदा ने दाऊद को सज़ा दी – इसके अलावा दाऊद के मरने तक उस के खानदान वालों ने उस्के खिलाफ लड़ाई की और अपनी सल्तनत की ताक़त खो बैठा – मगर खुदा उसके लिए वफादार था –तब भी उसने दाऊद के साथ वैसा ही किया जैसा उसने उससे वादा किया था – बाद में बेथसबा से एक और बेटा पैदा हुआ और उसने उसका नाम सुलेमान्न रखा -

दाऊद के खानदान में झगड़े

यह “झगड़े” बहुत ज़ियादा संजीदा थे - दीगर बातों को शामिल करते हुए उसके बेटों में से एक बेटे ने दूसरे बेटे का क़त्ल किया और दाऊद कि जगह लेने की कोशिश की जबकि दाऊद अपने तख़्त पर बैठा ही हुआ था -अगर मुमकिन है तो एक लफ़्ज़ का इस्तेमाल करें जो उसके ख़ानदान के अंदरूनी झगडे की तरफ़ इशारा करता है -

दाऊद की ताक़त बहुत ज़ियादा कमज़ोर हो गई

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , “दाऊद की ताक़त बहुत ज़ियादा घटती चली गई” या “दाऊद ने अपना बहुत कुछ इक़्तिदार व इख़्तियार खो दिया -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- दाऊद
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदावन्द
- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- बतशबा'

- सुलैमान

_1 समुएल 10:15-19 ;24 ; 31 ; 2 समुएल 5;7;11 -12 _

18 , तक़सीम शुदा हुकूमत

18:01

दाऊद बादशाह ने चालीस साल तक हुकूमत की –फिर वह मर गया और उसका बेटा सुलेमान इस्राईल पर हुकूमत करने लगा – खुदा ने सुलेमान से बात की और उससे पूछा,वह क्या चाहता है कि वह उस के लिए करे –सुलेमान ने हिकमत की मांग की – इस बात ने खुदा को ख़ुश किया – सो खुदा ने सुलेमान को दुनिया का का सब से ज़ियादा अक्लमंद बनाया – सुलेमान बहुत सी सी बातें अपने तजुर्बे से सीखीं और एक नियायत ही अक्ल्मंद हु कूमत करने वाला बतोर साबित हुआ -

हिकमत के लिए मांग की

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ," ख़ुदा से माँगा कि उसको दानिशमंद बनाए"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- दाऊद
- सुलैमान
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- 'अक़्लमंद ,'अक़्ल
- मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला

18:02

येरूशलेम में सुलेमान ने मंदिर बनाया जिसके लिए उसके बाप दाऊद ने पहले से ही मंसूबा कर रखा था और ता'मीर की चीज़ें इकटठी कर रखी थी – अब उस पुराने ख़ेमे के बदले लोग इस नए मंदिर में खुदा की इबादत किया करते थे और कुर्बानियां गुज़रानते थे - अब खुदा की मौजूदगी उसके लोगों के साथ मंदिर में थी जिस तरह से मूसा के दिनों में रहा करती थी-

मंदिर में मौजूद था

मतलब यह कि "एक ख़ास तौर से मंदिर में मौजूद था" हालांकि ख़ुदा एक ही वक़्त पर सब जगह मौजूद था पर उसने ख़ुद को ख़ास तौर से मंदिर में लोगों के लिए मौजूदगी का एहसास कराया -

अपने लोगों के साथ

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "अपने लोगों के बीच में" या "अपने लोगों के दरमियान"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यरूशलीम
- सुलैमान
- हैकल
- दाऊद
- 'इबादत
- ख़ुदावन्द
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ेमा-ए-इज्तिमा'

18:03

मगर सुलेमान ने दुसरे मुल्क की औरतों से प्यार किया –कई एक औरतों से शादी करने के ज़रिये उसने खुदा के हुक्म की नाफ़रमानी की – यानि कि पूरे 1000 औरतों को रखने के ज़रिए – इन में से बहुत सी और्ते बाहरी मुल्क की थीं जो अपने देवताओं को अपने साथ लेकर आईं थीं और उन्हें पूजना जारी रखा – जब सुलेमान बूढ़ा होने लगा था तो उसने भी उनके इन देवताओं की पूजा की -

अपने देवताओं को अपने साथ ले आए

वह अपने देवताओं को और अपने परस्तिश के तरीक़ों को इस्राईल में अपने साथ ले आए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सुलैमान
- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- ख़ुदावन्द
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- 'इबादत

18:04

खुदा सुलेमान से इस बात से ग़ुस्सा था कि उसने कहा मैं उसको इस तरह से सज़ा दूंगा कि उसकी सल्नत दो हिस्सों में तक़सीम होकर रह जाएगी -

सुलेमान की ग़ैर वफ़ादारी की सज़ा बतौर उसने वायदा किया कि उसकी सल्तनत तक़सीम होजाएगी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “सुलेमान को उसकी ग़ैर वफ़ादारी कि सज़ा बतौर ख़ुदा ने निहायत अफ़सोस के साथ कहा कि वह उसकी सल्तनता को तक़सीम कर देगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- सुलैमान
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- इस्राईल, इस्राईली
- बादशाही, बादशाहियाँ

18:05

सुलेमान के मरने के बाद उसका बेटा रहुबेआम बादशाह बना – तमाम इस्राईली कौम के लोग़ जमा होकर उसको बादशाह बतोर कबूल किया - उनहोंने रेहुबेआम से शिकायत की कि सुलेमान ने उनपर बड़ी मेहनत का काम सोंपा था और बहुत ज़ियादा लगान मुक़र्रर किया था –उनहोंने रेहुबेआम से दरखास्त की कि उनकी मेहनत के काम को कम की जाए -

बादशाह बतौर उसको मख़सूस किया

इस का मतलब यह कि “उससे कहो कि उसके बादशाह होने पर वह खुश थे और वह वही करेंगे जो वह कहेगा “

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सुलैमान
- रहूबियाम
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- इस्राईल, इस्राईली

18:06

मगर रेहुबेआम ने उन्हें बेवकूफ़ाना अन्दाज़ में जवाब दिया कि ,"मेरे बाप सुलेमान ने तुमसे ज़ियादा मेह्नत के काम कराए थे मगर मैं तुमसे और ज़िआदा मेहनत कराऊंगा –जितना उसने कराया था उससे भी ज़ियादा -

बेवक़ूफ़ाना अंदाज़ में जवाब दिया

रेहोबोआम का जवाब सख्त था , जिसका नतीजा यह हुआ कि लोग उसके मुखालिफ़ हो गए-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रहूबियाम
- सुलैमान
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

18:07

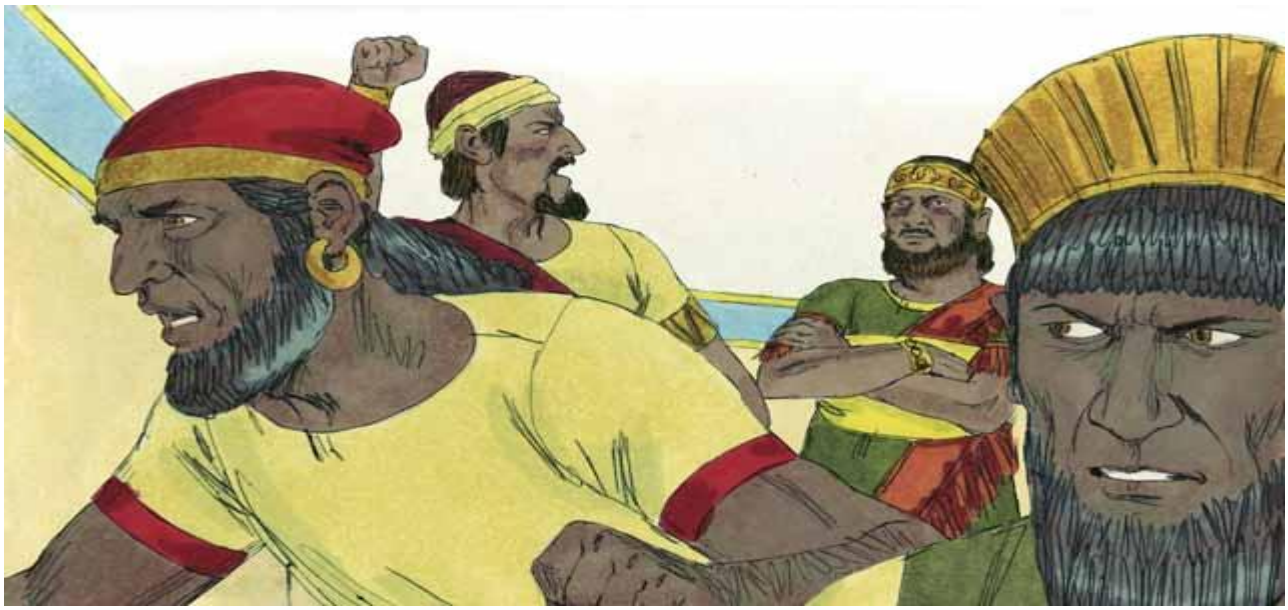

जब लोगों ने यह सुना तो उन में से बहुत से लोगों ने उसके ख़िलाफ़ बग़ावत की – दस क़बीलों ने उसे छोड़ दिया – सिर्फ़ दो क़बीले उस के पास रह गए – यह दो क़बीले ही खुद से यहूदा की सल्तनत कहलाई -

इस्राईली क़ौम के क़बीले

याक़ूब के बारह बेटों में से हर एक बेटे की औलाद एक "क़बीला" बन गया या इस्राईल की क़ौम में एक बहुत बड़ी जमाअत - इस्राईल में से हर एक शख़्स बारह क़बीलों में से किसी एक से ताल्लुक़ रखता था -

रेहोबोआम के ख़िलाफ़ बग़ावत की

मतलब यह कि "रेहोबोआम को उनका बादशाह बतौर मानने से इंकार कर दिया" मदद साबित होगा अगर इस जुमले को इस तरह शुरू किया जाए "इसलिए" या "उस सबब से" या रेहोबोआम ने जो कहा उस के सबब से"

उसका वफ़ादार बना रहा

मतलब यह कि "उसका ईमानदार बना रहा" या "बादशाह बतौर उसका साथ देना जारी रखा" -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत
- रहूबियाम
- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही

18:08

दीगर दस क़बीलों ने येरुबेआम नाम के एक शख्स को अपना बादशाह बनाया –यह क़बीले मुल्क के शुमाली हिस्से में रहते थे –उन्होंने खुद को इस्राईल की सल्तनत कहा -

उन्होंने अपनी हुकूमत क़ायम की

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ,उन्हों ने "क़ायम की" या अपनी हुकूमत "बनाई" इस जुमले को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था ,"उन्हों ने खुद को दो दीगर क़बीलों से अलग किया और इस्राईली मुल्क के शिमाली हिस्से में रहने लगे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- रहूबियाम
- युरब'आम
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- बादशाही, बादशाहियाँ
- इस्राईल की बादशाही

18:09

मगर येरुबेआम ने खुदा के ख़िलाफ़ बग़ावत की और **लोगों को गुनाह करने का सबब बनाया** –उसने अपने लोगों की परस्तिश के लिए दो बड़े बुत (मूरत) बनवाए –अब वह येरूशलेम में जो यहूदा की सल्तनत के मातहत थी मंदिर में खुदा की इबादत के किए नहीं जाते थे -

लोगों को गुनाह करने का सबब बनाया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"लोगों को गुनाह करने की तरफ़ राग़िब किया" या गुनाह की तरफ़ लोगों को तरग़ीब दी" रेहोबिआम ने उनकी परस्तिश के लिए बुत बनाने के ज़रिये लोगों को गुनाह करने की तरफ़ रहनुमाई की -

यहूदा ...में ख़ुदा की इबादत करने के बजाए

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ताकि वह वहां पर ख़ुदा कि इबादत नहीं करें "या यहूदा की सल्तनत में मंदिर में जाकर ख़ुदा की इबादत करने के बजाए"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- युरब'आम
- बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत
- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- 'इबादत
- हैकल
- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही

18:10

यहूदा की सल्तनत और इस्राईल की सल्तनत आपस में दुश्मन बन गए और अक्सर वह एक दुसरे से लड़ाई करने लगे -

यहूदा और इस्राईल

यहूदा और इस्राईल के लोग सब याक़ूब कि औलाद थे और ख़ुदा के लोगों का हिस्सा भी थे -इसके बावजूद भी वह ख़ुदा का हुक्म बजा नहीं लाए , लड़ाई की और एक दूसरे को क़त्ल किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बादशाही, बादशाहियाँ
- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही
- इस्राईल की बादशाही

18:11

इस्राईल की नई सल्तनत में तमाम बादशाह ख़राब थे –इन बादशाहों में से कई एक बादशाह दीगर इस्राईलियों के ज़रिये क़त्ल किए जाते थे जो उनकी जगह बादशाह बनना चाहता था -

बनी इस्राईल

यहां बनी इस्राईल ज़ाहिर करता है सिर्फ़ उन लोगों को जो इस्राईल के शिमाली सल्तनत में रहते थे न कि जुनूब की यहूदा सल्तनत में -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बादशाही, बादशाहियाँ
- इस्राईल, इस्राईली
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- बुराई, बदकार, बदकारी

18:12

इस्राईल की सलतनत में तमाम बादशाह और उनके लोग बुतों की पूजा करते थे – जब वह ऐसा करने लगे तो गुनाह बढ़ने लगा , वह कस्बियों के साथ सोने लगे और यहाँ तक कि बुतों के आगे बचचों की क़ुर्बानी देने लगे -

बच्चों की क़ुरबानी

वह अपने कुछ देवताओं के लिए बच्चों को क़ुरबानी बतौर चढ़ा कर हलाक करते थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- इस्राईल की बादशाही
- 'इबादत
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें

18:13

यहूदा की सल्तनत दाऊद की नसल थी – इन के कुछ बादशाह नेक थे जो इन्साफ से हुकूमत करते और खुदा की इबादत करते थे –मगर यहूदा के कई बादशाह बुरे थे – वह बुरी तरह से हुकूमत करते और बुत की पूजा करते थे – इनमें से कुछ बादशाह झूटे देवताओं के लिए बचचों की क़ुर्बानी देते थे – यहूदा के बहुत से लोगों ने खुदा के ख़िलाफ़ बग़ावत की और ग़ैर माबूदों की पूजा की -

इन्साफ़ से हुकूमत की

इसका मतलब यह कि ख़ुदा की शरीयत के मुताबिक़ हुकूमत की - इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , “जब उन्हों ने हुकूमत की तो उन्हों ने वही किया जो मुनासिब और दुरुस्त था” -

बिगड़ा हुआ

इसको इस तरह से तर्जुमा कि जा सकता है , “जो भी कुछ वह चाहते थे उसे हासिल करने के लिए उन्होंने वह सब किया जो ग़लत था”-

बाइबिल कि एक कहानी

यह हवालाजात कुछ बाइबिल के तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तरजुमे के अलफ़ाज़

- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- दाऊद
- अच्छा, भलाई
- इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला,
- ‘इबादत
- ख़ुदावन्द
- बुराई, बदकार, बदकारी

- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत

_1 सलातीन 1-6 ; 11-12 तक बाइबिल की एक कहानी _

19. अंबिया

19:01

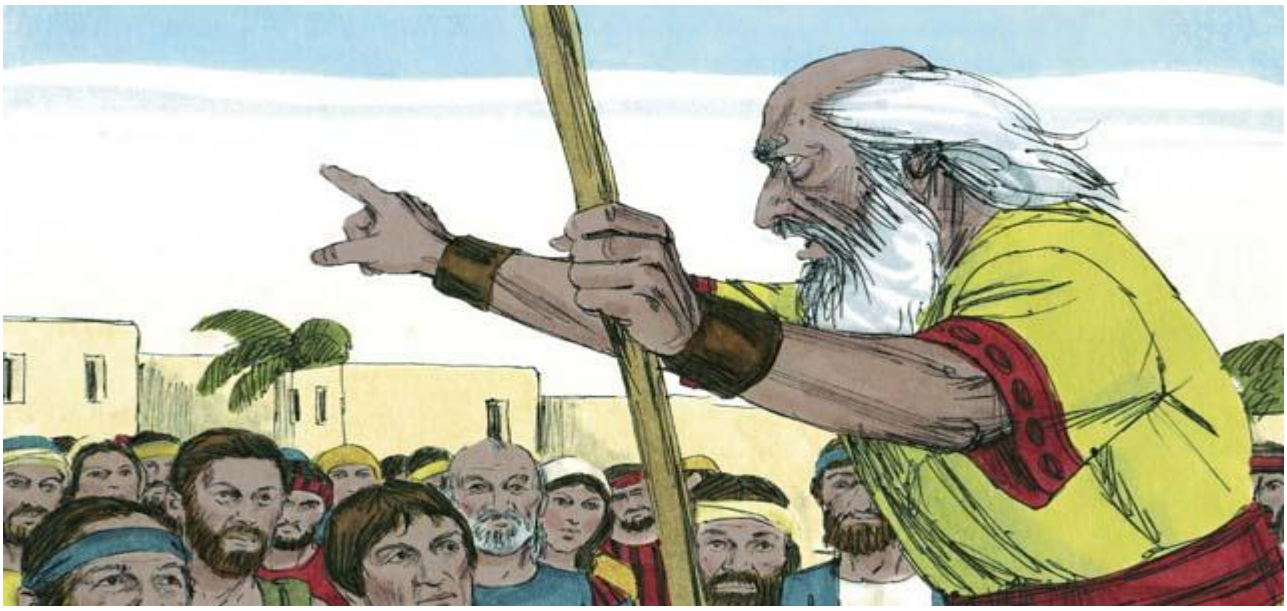

खुदा हमेशा से बनी इस्राईल के बीच नबियों को भेजता आरहा था – नबी लोग खुदा से पैग़ाम सुनते थे ,और लोगों को सुनाया करते थे -

पूरी तारीख़ में

इस इज़हार का मतलब है कि ख़ुदा ने फ़र्क़ फ़र्क़ ज़माने में यहूदा और इस्राईल सल्तनत के दौरान कई एक नबियों को भेजा -

इस्राईली लोग

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,यहूदा और इस्राईल की सल्तनतें" याक़ूब की तमाम औलाद , यहूदा कि सल्तनत में जो थे उन्हें शामिल करते हुए लगातार "इस्राईली" कहलाए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

19:02

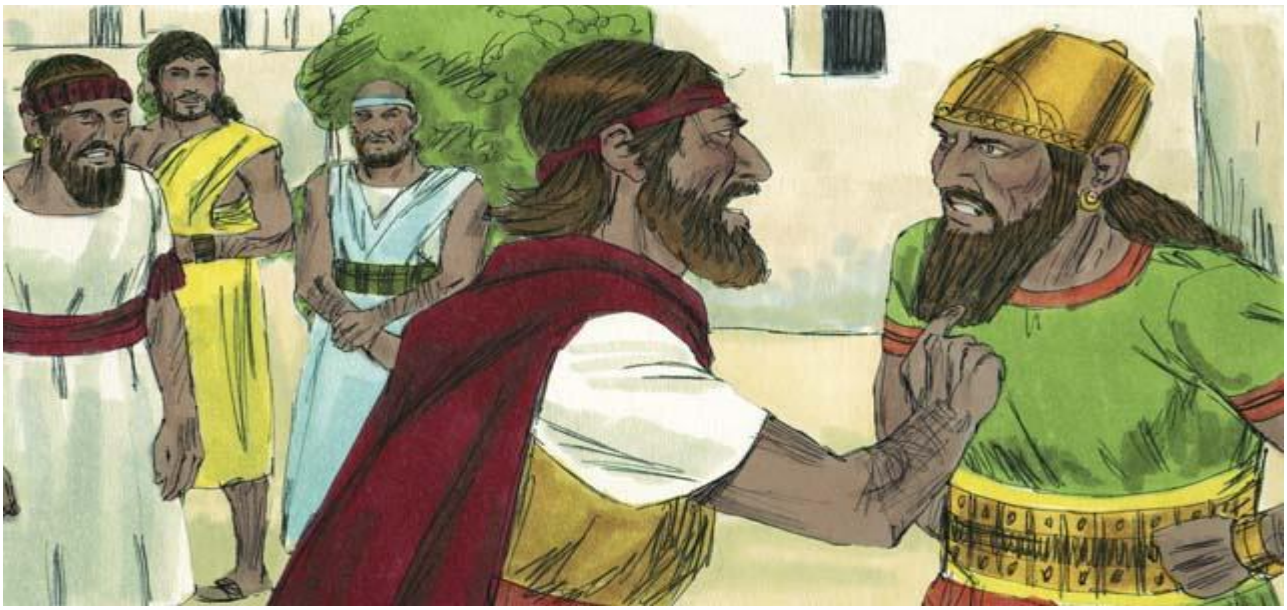

इस्राईल कि हुकूमत में जब अखीअब बादशाह था तो उन दिनों एलियाह नाम का एक नबी था – अखीअब एक बुरा शख्स था – वह लोगों को बाल नाम झूटे देवता की पूजा करने पर उकसाता था – गुमराह करता था –सो एलियाह
ने अखीअब बादशाह से कहा ,खुदा लोगों को सज़ा देने जा रहा है – उसने उससे कहा "जब तक मैं दोबारा इस बात को लेकर न कहूं इस्राईल में आगे को कोई बारिश नहीं होगी और न ओस पड़ेगी – इस बात को लेकर अखीअब एलियाह से बहुत ग़ुस्सा हुआ -

जब तक कि मैं ऐसा कहूँ

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ," जब तक कि मैं बारिश के बूंदों को फिरसे बरसने का हुक्म न दूँ"

इससे अख़ीअब को बहुत ग़ुस्सा आया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"एलियाह ने जो कहा उसे जब अख़ीअब ने सुना तो वह बहुत ग़ुस्सा हुआ -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- एलिय्याह
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- अहाब
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- इस्राईल की बादशाही
- बुराई, बदकार, बदकारी
- 'इबादत
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- बा'ल

19:03

सो खुदा ने एलियाह से कहा **बयाबान** में जाकर छिप जा ताकि अखीअब तुझे देख न पाए – एलियाह बयाबान में एक नाले के पास गया जहां के लिए खुदा ने उसकी रहनुमाई की थी – हर सुबह और शाम कव्वे उसके लिए रोटी और गोश्त लाया करते थे – इस दौरान अखीअब और उसकी फ़ौज एलियाह की तलाश करते थे मगर वह उसको ढूंढ न पाए थे -

बयाबान

एक बंजर इलाक़ा जिसमें बहुत कम लोग रहते थे -इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था , “रेगिस्तान” या “झाड़ियाँ”

क़हत

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”बारिश की कमी”एलियाह ने जब बारिश न होने का दावा किया तो तब यह क़हत बर्पा हुआ -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- एलिय्याह
- अहाब

19:04

बारिश नहीं हो रही थी – कुछ दिनों बाद नाले का पानी भी सूखने लगा था – सो एलियाह नज़दीक के एक मुल्क में जाकर रहने लगा – उस मुल्क में एक ग़रीब बेवा रहती थी – एलियाह उस बेवा के पास जाकर रहने लगा -उसका एक बेटा था – फ़सल न होने के सबब से उन के पास खाने के लिए खाना नहीं था – मगर वह औरत एलिया का ख़याल रखती थी – सो खुदा ने भी उन दोनों के लिए खाने का इंतज़ाम किया – उनका आटा तेल कभी ख़त्म नहीं हुआ – **क़हत** के दौरान भी उन के पास भरपूरी से ख़ुराक थी – एलियाह वहां पर कई साल तक रहा -

पड़ौसी मुल्क

यह एक मुल्क को ज़ाहिर करता है जो उन के बाज़ू में (पड़ौस) में था , या इस्राईल के सरहद में वाक़े था -

क़हत

ज़रूरत पड़ने पर इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"क़हत जो सूखे का सबब बना"

परवाह की

इस का मतलब यह कि उन्होंने अपने घर में उसे रहने के लिए जगह दी और उसे खाना दिया -इसका मतलब यह नहीं कि वह बीमार था -

ख़ुदा ने उन के लिए मुहय्या किया ...कभी ख़ाली नहीं हुआ -

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , ख़ुदा ने उनके आटे के मर्तबान और तेल की बोतल को कभी खाली होने नहीं दिया" - या ख़ुदा ने यह चीजें ....कभी ख़ाली होने नहीं दीं -

आटे का मर्तबान

यह एक मिटटी के मर्तबान को ज़ाहिर करता है जिसमें बेवा औरत अपना आटे का ज़खीरा रखती थी -

तेल की बोतल

इस्राईल में खाना पकाने के लिए ज़ैतून का तेल इस्तेमाल किया जाता था – इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , “खाने के तेल की बोतल” बेवा औरत आटे और तेल को रोटी बनाने के लिए इस्तेमाल करती थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- एलिय्याह
- ख़ुदावन्द

19:05

साढ़े तीन साल बाद ,खुदा ने एलियाह से कहा कि वह फिर से बारिश होने देगा –उसने एलियाह से कहा इस्राईल की सल्तन्त में जाओ और अखीअब से बात करो – सो एलियाह अखीअब के पास गया –जब अखीअब ने उसे देखा तो एलियाह ने उससे कहा “तो तुम यहाँ हो परेशान करने वाले ! एलियाह ने जवाब दिया “तुम हो परेशान करने वाले ! तुम ने यह्वे को जो सच्चा खुदा है छोड़ दिया है और तुम बा”ल की पूजा करने लगे हो – तुम ऐसा करो कि अपनी सलत्नत के तमाम लोगों को जो बा’ल के पुजारी हैं करमेल की पहाड़ी पर ले आओ -

अख़ीअब से बात कर क्यूंकि वह भेजने जा रहा था

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , अख़ीअब से कहो कि ख़ुदा भेजने जा रहा था” -

तू परेशान करने वाला

इसका मतलब यह कि , “तुम एक परेशान करने वाले शख़्स हो” - अख़ीअब एलियाह पर इलज़ाम लगा रहा था कि वह बादशाह से यह कहकर परेशान कर रहा था कि मैं बारिश को रोक दूंगा -

तुम ने यहवह को छोड़ दिया है

मतलब यह कि अख़ीअब ने बनी इस्राईल को यहवह की इबादत और उसका हुक्म बजा लाने से रोका था -

करमेल पहाड़

करमेल पहाड़ उस पहाड़ का नाम है जो इस्राईल के शुमाल में वाक़े है -यह 500 मीटर से ज़ियादा ऊंचा है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- एलिय्याह
- इस्राईल की बादशाही
- अहाब

- यहोवा
- ‘इबादत
- बा’ल

19:06

सो इस्राएल के तमाम लोग करमेल की पहाड़ी पर आए पर आए – एलियाह ने बाल के पुजारी से कहा ,बा'ल को पैग़ाम भेजो कि वह भी यहाँ आए - वहाँ पर 450 बा'ल के नबी थे – एलियाह ने उन बा'ल के नबियों से कहा –"**तुम कब तक दो ख़यालों में लटके रहोगे** ?, कब तक डांवां डोल रहोगे ? अगर यह्वे सच्चा खुदा है तो उसकी परस्तिश करो और अगर बाल खुदा है तो उसकी पूजा करो !"

करमेल पहाड़

देखें कि आप ने इसको 19:05 में किस तरह से तर्जुमा किया है -

तुम कब तक दो ख़यालों में लटके रहोगे

यह जानकारी के लिए पूछा गया असली सवाल नहीं था-इस्राईली जो बार बार अपने ख़यालात बदलते जा रहे थे कि उन्हें यहवह कि ख़िदमत करनी है या बाल की जो महज़ एक पत्थर कि मूरत है - कुछ ज़बानों में इस बयान को इस तरह से ज़ाहिर किया गया है ,"जिसकी तुम परस्तिश करोगे उसकी बाबत अपना ख़याल बदलना बंद करो -

अगर यहवह ख़ुदा है ...अगर बाल ख़ुदा है

इसका मतलब यह नहीं कि एलियाह फ़ैसला नहीं कर पा रहा था – वह जानता था कि यहवह हक़ीक़ी ख़ुदा है -वह चाहता था कि लोग इस बात को समझें कि जब वह झूठे देवता को पूजते हैं तो यहवह को सच्चा ख़ुदा बतौर होने का इनकार करते हैं – इसको इस तरह से तर्जुमा करें जो लोगों को बताए कि उन्हें एक पक्का फ़ैसला करना ज़रूरी था

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल की बादशाही
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- बा'ल
- एलिय्याह
- यहोवा
- ख़ुदावन्द

19:07

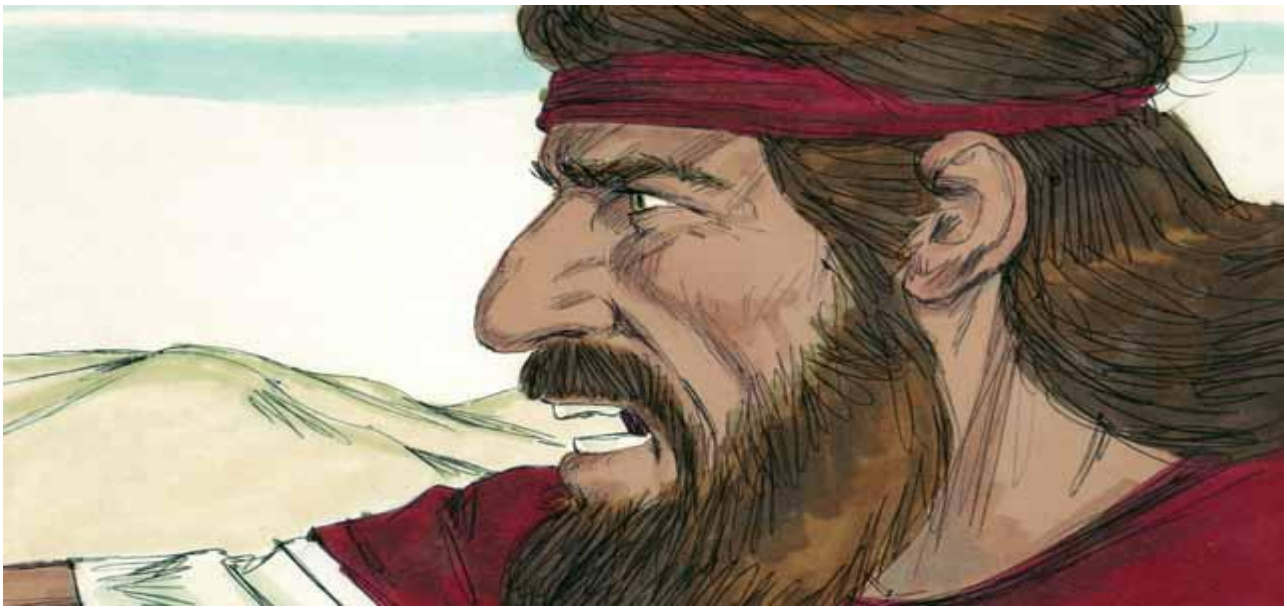

फिर एलियाह ने बाल के नबियों से कहा ,"एक बैल को ज़बह करो और उसके टुकड़े करके मज़बह पर रखो , मगर उसको जलाना नहीं – मैं भी एक बैल ज़बह करके दुसरे मज़बह पर वैसा ही रखूँगा – अगर मेरा खुदा ऊपर से मज़बह पर आग भेजता है तो तुम जान लोगे कि वह सच्चा खुदा है- सो बाल् देवताओं ने एक मजबह तय्यार किया मगर उसको नहीं जलाया -

जो आग से जवाब दे

मतलब यह कि "जो फ़ौक़ुल फ़ितरत तरीक़े से क़ुर्बानी को जलाने के लिए आसमान से आग भेजे" -

हक़ीक़ी ख़ुदा

इसका मतलब एक अकेला सच्चा ख़ुदा

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- एलिय्याह
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- बा'ल
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदावन्द
- काहिन , काहिनो , काहिन 'ओहदा

19:08

फिर बाल के नबी बाल से फ़रयाद करने लगे, " ऐ बाल हमारी सुनो "-दिन भर वह फ़रयाद करते रहे और चिल्लाते रहे , यहाँ तक कि उनहोंने अपने आप को भी ज़ख़्मी किया , लहू लुहान हुए मगर बाल ने कोई जवाब् नहीं दिया , न ही कोई आग भेजी-

बाल से दुआ की

बाल के नबियों ने बाल से दर्खास्त की कि कुर्बानगाह पर जो बैल की क़ुर्बानी दी गई है उसपर आग नाज़िल करे -

चिल्लाए

उन्हों ने ज़ोर ज़ोर से बाल की दुहाई दी -

ख़ुद को छुरियों से ज़ख़्मी किया

उन्हों ने अपने आप को छुरियों से ज़ख़्मी किया यह जताने के लिए कि वह बाल से कितना ज़ियादा बंदगी का एहसास रखते हैं यह उम्मीद रखते हुए कि वह उनकी मिन्नत को सुनेगा -

कोई जवाब नहीं था

उनके चिल्लाने से किसी तरह का कोई हल नज़र नहीं आया -और क़ुरबानी पर कोई आग नाज़िल नहीं हुई -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- बा'ल
- दुआ' कर, दुआ', दुआ'वों , दुआ'की

19:09

बाल के नबियों ने सारा दिन बाल से फ़रयाद करने में लगा दिए – आखिर कार जब थक हार गए तो फ़रयाद करना बन्द किया – फिर एलिया ने एक और बैल खुदा के लिए ज़बह करके मज़बह पर रखा – उस के बाद उसने लोगों से कहा कि बारह मटके पानी उस मज़बह पर उंडेल दो ताकि मज़ब की सारी चीज़ें पूरी तरह से तर हो जाए-

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- एलिय्याह
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदावन्द
- , क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह

19:10

फिर एलियाह ने दुआ की , “ऐ यह्वे , अब्रहाम , इज़हाक़ और याक़ूब के ख़ुदा , आज तू बता दे कि तू इस्राईल का ख़ुदा है और मैं तेरा खादिम हूँ – **मुझे जवाब दे** ताकि यह लोग जान लें कि तू ही सच्चा खुदा है –“

हमको बताओ

मतलब यह कि “हमको साबित करो’ या हम पर करके दिखाओ -

मैं तेरा ख़ादिम हूँ

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , “तू ने मुझे इख़्तियार दिया कि तेरी ख़िदमत करूं और यह सारे काम करूं -

मुझे जवाब दे

मतलब यह कि “मेरी दुआ का जवाब दे” या आग नाज़िल कर जिस के लिए मैं ने तुझसे दर्खास्त की है -

यह लोग जानेंगे कि

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि “यह लोग देखेंगे और समझेंगे “-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- एलिय्याह
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की
- यहोवा
- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- इस्हाक़
- इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

- इस्राईल, इस्राईली
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त

19:11

फ़ौरन ही आसमान से आग नाज़िल हुई – उसने गोश्त, लकड़ी ,पत्थरों और मिटटी को जला डाला ,यहां तक कि आसपास के पानी को भी पूरी तरह से सुखा डाला – जब लोगों ने इसे देखा तो खुद को ज़मीन पर झुका दिया और कहा ,"यह्वे ही खुदा है ! यह्वे ही खुदा है !

आसमान से नाज़िल हुई

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , "आसमान से अचानक नज़ूल हुआ "-

ज़मीन पर नाज़िल हुई

उन्होंने जल्दी से सजदा किया ज़मीन पर घुटने टेके -वह यहवह से खौफ ख़ाने लगे क्यूंकि उन्हों ने उसकी क़ुव्वत को देखा था -वह जानते थे कि सच्चा ख़ुदा ही ऐसा कर सकता था सो उन्हों ने उसकी इज़्ज़त और इबादत में उसको सजदा किया -

यहवह ख़ुदा है

इस इज़हार का मतलब है कि वह समझ गए कि यहवह ही एक अकेला ख़ुदा है यानि वाहिद ख़ुदा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- , क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह
- यहोवा
- ख़ुदावन्द

19:12

फिर एलियाह ने कहा ,"कोई भी बाल के नबी बचने न पाएं , उन सबको क़त्ल कर डालो "सो लोगों ने बाल के तमाम नबियों को पकड़ा और उन्हें दूर लेजाकर क़त्ल किया -

बचाओ

यह साबित होने के बाद कि उनका देवता एक झूठा देवता है बाल के नबियों ने वहां से भागने की कोशिश की -

पकड़ लिया गया

मतलब यह कि "घेरकर पकड़ लिया गया" या थाम लिया गया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- एलिय्याह
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- बा'ल

19:13

फिर एलियाह ने अखीअब बादशाह से कहा, " फ़ौरन अपने घर वापस चला जा क्यूंकि बारिश शुरू होने वाली है " तभी आसमान काला हो गया और सख्त बारिश शुरू हो गई – यह्वे क़हत को बन्द करने वाला था जो यह ज़ाहिर करता है कि वह सच्चा खुदा है -

काले बादल छा गये

मतलब यह कि ,"आसमान पर बहुत अँधेरा हो गया – भारी बारिश के बादल आसमान में छा गये -

सूखा

मतलब है बगैर बारिश के एक मुद्दत तक सूखा पड़ना

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- एलिय्याह
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- अहाब
- यहोवा
- ख़ुदावन्द

19:14

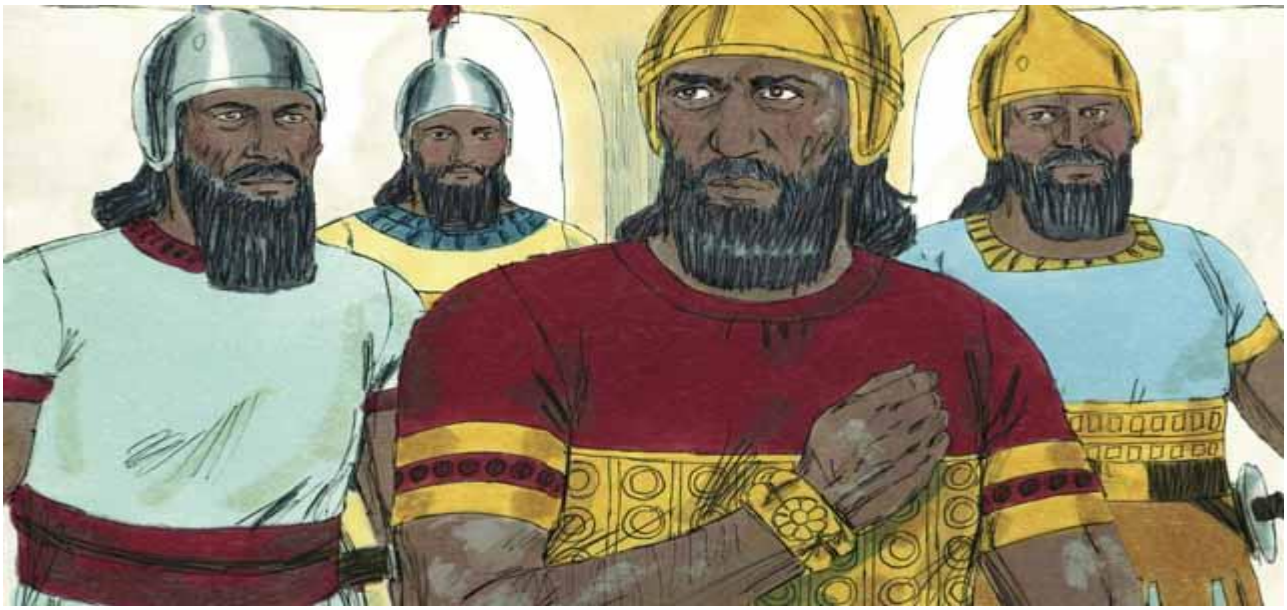

जब एलियाह ने अपना काम ख़त्म किया तो खुदा ने एलिशा नाम एक शख्स को नबी होने के लिए चुना – खुदा एलिशा के ज़रिये कई एक मोजिज़े कराए – उनमें से एक मोजिज़ा नामान की जिंदगी में वाक़े हुआ – वह दुमन की फ़ौज का एक सिपहसालार था मगर उसको चमड़ी की बिमारी थी –(वह एक कोढ़ी था) - नामान ने एलिशा की बाबत सुना और वह एलिशा के पास जाकर कहा कि वह उसे शिफ़ा दे- एलिशा ने नामान से कहा कि यरदन में जाकर सात बार गोता लगा -

दुश्मनों का सिपहसालार

नामान इस्राईल के दुशमन के मुल्कों में से एक मुल्क के फ़ौज का सिपहसलार था -

उसने एलिशा नबी को सुन रखा था

इसका मतलब यह कि लोगों ने नामान कि बाबत कह रखा था कि एलिशा मोजिज़े अंजाम दे सकता था -

वह गया और एलिशा से पूछा

मतलब यह कि वह एलिशा से मिलने गया और उससे पूछा -नामान को इस्राईल में जाना था कि एलिशा उसे क्या करने को कहता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- एलिय्याह
- ख़ुदावन्द
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों
- ना’मान
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- यरदन नदी, यरदन

19:15

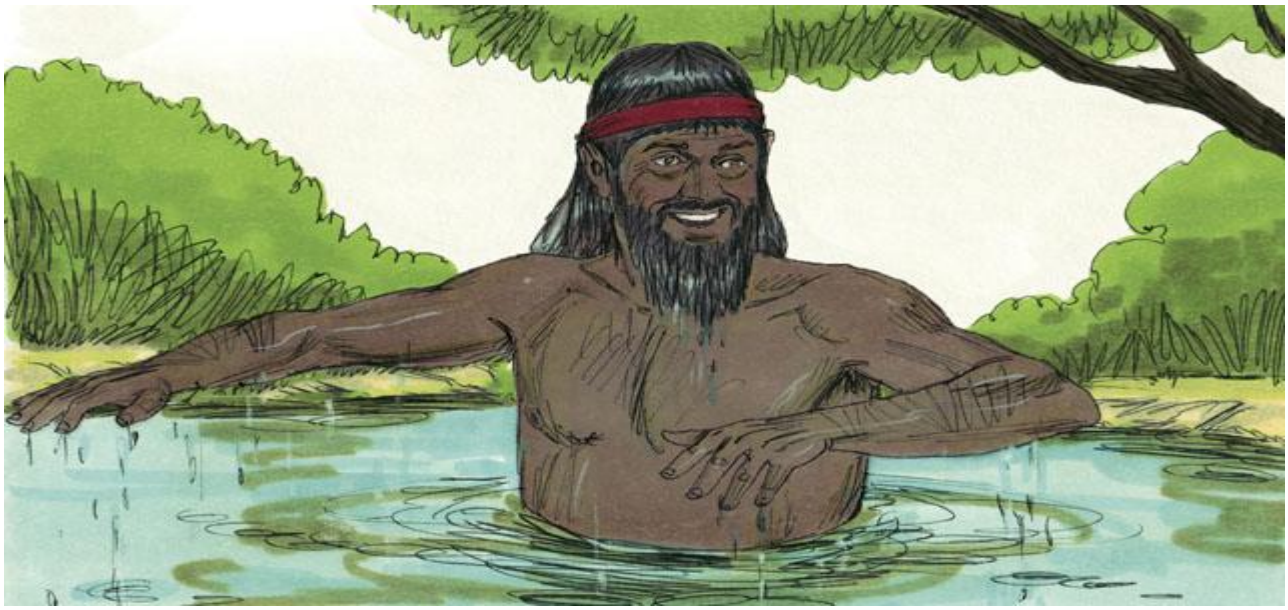

नामान ग़ुस्सा हुआ , उसने ऐसा करने से इनकार किया क्यूंकि यह उसे बेवकूफ़ी लगती थी – मगर बाद में उसका ख़याल बदल गया – वह यरदन नदी में जाकर सात बार गोता लगाया – जब वह आखरी बार पानी से ऊपर आया तो खुदा ने उसे शिफा दी -

वह उसे नहीं करेगा क्यूंकि वह उसे बे वकूफ़ी नज़र आरही थी -

जो एलिशा ने कहा उसे नामान नहीं करेगा क्यूंकि वह जानता था कि सिर्फ़ धोने से उसकी बीमारी से शिफ़ा नहीं मिलने वाली थी-

उसने अपना इरादा बदल दिया

मतलब यह कि “उसने फ़ैसला किया कि वह वही करेगा जो एलिशा ने उसे करने के लिए कहा था”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ना’मान
- यरदन नदी, यरदन
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- ख़ुदावन्द

19:16

खुदा ने कई और नबियों को बनी इस्राईल के पास भेजा उन सब ने ही लोगों से कहा कि बुतपरस्ती से बाज़ आओ और लोगों के साथ इन्साफ से पेश आओ और लोगों पर रहम का बर्ताव करो – नबियों ने उन्हें खबरदार किया कि वह बुराई से फिरें और खुदा का हुक्म बजा लाएं नहीं तो खुदा खुद उन्हें मुजरिम ठहराएगा , और वह उन्हें सज़ाएं देगा -

इंसाफ और रहम दिखाना शुरू करे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है कि “इन्साफ़ पसंद और रहमदिल होना शुरू करे” या “इन्साफ और रहम का मज़ाहिरा शुरू करे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- ‘इबादत
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला,
- रहम, रहमदिल
- बुराई, बदकार, बदकारी
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला
- जुर्म , मुजरिम
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

19:17

अक्सर औक़ात में लोगों ने खुदा का हुक्म नहीं बजा लाया – बार-बार उनहोंने नबियों के साथ बुरा सुलूक किया- यहाँ तक कि उन्हों ने उनको हालाक भी कर डाला एक बार उन्हों ने नबी यर्म्याह को सूखे कुँए में डाल दिया था और उसे मरने के लिए छोड़ दिया था – वह कुँए के नीचे कीचड़ में डूब गया था मगर बादशाह ने उसपर तरस खाई और अपने नौकरों को हुक्म दिया कि उसको कुँए से खींच कर बाहर निकाले इस से पहले कि वह मर जाए -

सूखा कुआँ

वह कुआं जिसमें अभी पानी नहीं था मगर उसकी तह में अभी भी मिटटी है -इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , “ख़ाली कुआँ”

उस पर रहम किया

इसका मतलब यह कि वह यर्मियाह पर मेहरबान था और उसने यर्मियाह की मदद की -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- ख़ुदावन्द
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- यरमियाह
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- रहम, रहमदिल

19:18

नाबियों ने खुदा का पैग़ाम देना जारी रखा इस के बावजूद भी कि बनी इस्राईल ने उनसे नफ़रत की –उनहोंने लोगों को खबरदार किया कि अगर वह अपने गुनाहों से तौबा नहीं करते हैं तो खुदा उन सबको बर्बाद कर देगा - उन्हों ने लोगों को यह भी याद दिलाया कि खुदा उनके लिए मसीहा को भेजने का वादा किया है -

ख़ुदा के लिए बोलना जारी रखा

मतलब यह कि “जो ख़ुदा ने उसे बोलने के लिए कहा था उसे तमाम लोगों से बोलना जारी रखा” -

वह वायदा जो कि ख़ुदा का मसीहा आएगा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि “ख़ुदा ने वायदा किया है कि मसीहा अपने लोगों को बचाने आएगा” -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- ख़ुदावन्द
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- मसीह ,मसीहा

_1 सलातीन 16-18 ; 2 सलातीन 5 ; यरम्याह 38 से बाइबिल की एक कहानी _

20. जिलावतनी और वापसी

20:01

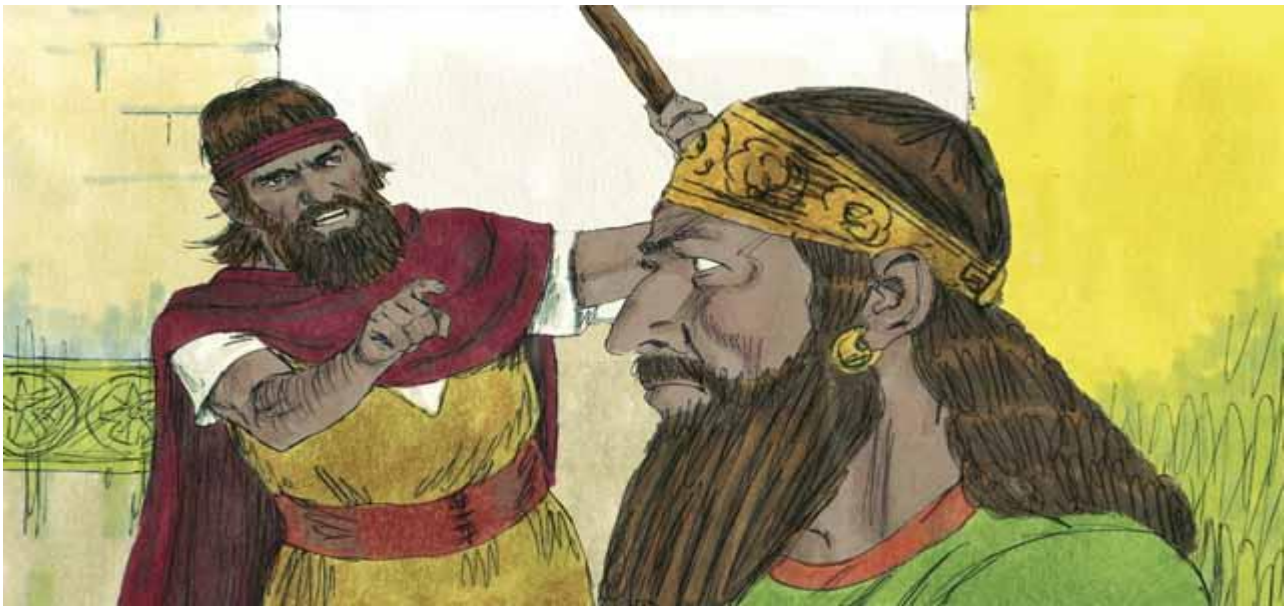

इस्राईल की सल्तनत और यहूदा की सल्तनत दोनों ने खुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया उन्हों ने खुदा के उस **अहद को तोड़ा** जो खुदा ने उनके साथ सीना पहाड़ में बाँधा था – खुदा ने अपने नबियों को भेजा कि उन्हें तौबा करने और फिर से उसकी इबादत करने के लिए ख़बरदार करे –मगर उन्हों ने बजा लाने से इनकार किया -

अहद को तोड़ा

जिस का मतलब है उन अह्काम को बजा नहीं लाए जो ख़ुदा ने अपने अहद में होकर उन्हें सीना पहाड़ पर दिये थे

उन्हें तौबा करने और फिर से उसकी इबादत करने को ख़बरदार किया गया

इसको तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि "उनसे कहो कि गुनाह करना बंद करे और दीगर देवताओं के बदले यहवह की परस्तिश करें नहीं तो हौलनाक चीज़ें उन पर गुज़रेंगी जिन का सामना करने को तैयार रहना पड़ेगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल की बादशाही
- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदावन्द
- 'अहद , 'अहदों,नया 'अहद
- सीनै, सीनै पहाड़
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- 'इबादत
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

20:02

सो खुदा ने दोनों सल्तनतों को इस तरह से सज़ा दी कि उनके दुशमनों के हाथों बर्बाद होने दिया – असीरिया की एक दूसरी कौम थी जो बहुत ही ज़ोरावर साबित हुई – वह भी दीगर क़ौमों के लिए बेहद ज़ालिम थे – उन्हों ने आकर इस्राईल की सल्तनत को बर्बाद किया – इस्राईल की सल्तनत में उनहोंने बहुतों को हलाक किया –जो चीज़ें वह चाहते थे उन्हें लूटा और मुल्क के कई हिस्सों में आगज़नी फैलाई -

दोनों हुकूमतें

यह इस्राईल और यहूदा दोनों का हवाला देता है -

सल्तनतें

एक मुल्क की हुकूमत सल्तनत तभी कहलाती है जब उसका इख़तियार दूसरे मुल्कों में भी ज़ोर के साथ फैला हुआ हो -

ले गए

मतलब यह कि “चुरा लिया” उन्हों ने कई क़ीमती चीज़ें चुरा लीं और उन्हें अस्सीरिया ले गए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- असूर, असूरी, असूरियों, असूर मुल्क
- इस्राईल की बादशाही

20:03

असीरिया के लोगों ने इस्राईल के तमाम रहनुमाओं , अमीर लोगों , और उन तमाम माहिरों को जो कीमती चीज़ें बनाते थे उन सबको असीरिया ले गए – सिर्फ़ कुछ ग़रीब इसराईली इस्राईल में बचे रह गए थे-

फ़ुनून

यह अमली फ़ुनून को ज़ाहिर करता है जैसे लकड़ी पर कंदा करना , धातों पर नक़्श निगारी करना और फ़न –ए- तामीर

बच रह गए

मतलब यह कि “पीछे रह गए” या “पीछे छोड़ दिए गए” या “उन्हें पीछे रहने दिया’

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- असूर, असूरी, असूरियों, असूर मुल्क
- इस्राईल, इस्राईली
- इस्राईल की बादशाही

20:04

फिर असीरिया के लोगों ने परदेसियों को भी मुल्क में रहने के लिए ले आए – उन परदेसियों ने दोबरा से शेहरें तामीर कीं –उनहोंने छोड़े हुए इसराईलियों से शादी की –इनकी नसल के लोगों को सामरी कहा गया -

ग़ैर मुल्की

यह उन लोगों को ज़ाहिर करता है जो इस्राईली नहीं थे

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- असूर, असूरी, असूरियों, असूर मुल्क
- इस्राईल की बादशाही
- इस्राईल, इस्राईली
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- सामरिया, सामरी

20:05

यहूदा सल्तनत के लोगों ने देखा कि किस तरह खुदा ने इस्राईल की सल्तनत के लोगों को ईमान न लाने और उसका हुक्म बजा न लाने के सबब से उन्हें सज़ा दी थी-इस के बावजूद भी यहुदा बुतपरस्ती से बाज़ नहीं आया –उन्होंने कनानियों के देवताओं को भी शरीक किया – खुदा ने उन्हें ख़बरदार करने के लिए नबियों को भेजा मगर उन्होंने सुन्ने से इनकार किया –

उनके एत्क़ाद न करने और हुक्म बजा न लाने पर

इसको तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा यह होगा "क्यूंकि उन्होंने न तो एत्क़ाद किया और न उसका हुक्म बजा लाए"

उन्हें ख़बरदार करो

मतलब यह कि "गुनाह करना बंद करें , नहीं तो निहायत शदीद चीज़ें उन पर गुज़रेंगी"

उन्होंने सुनने से इंकार कर दिया

मतलब यह कि "उन्होंने मानने से इनकार कर दिया" या अपने बुरे बर्ताव से बाज़ आने से मना कर दिया"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही
- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- इस्राईल की बादशाही
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- 'इबादत
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती
- ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती

- कना’न, कना’नी ,कना’नियों
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

20:06

असीरिया ने पूरी तरह से इसराईली **सल्तनत** को ख़त्म कर दिया था उसके 100 साल बाद् खुदा ने यहूदा पर हमला करने नबुकदनेज़र को भेजा जो बाबुल का बादशाह था - बाबुल एक ज़ोरावर क़ौमे थी – यहूदा का बादशाह नबुकदनेज़र का ख़ादिम (नौकर) होने के लिए राज़ी होगया और हर साल बहुत सा पैसा महसूल बतोर देना मंज़ूर किया -

सल्तनत

देखें कि आप ने 20:02 में किस तरह तर्जुमा किया है -

मान लिया

यहूदा के बादशाह को मजबूर किया गया कि या तो बाबुल के बादशाह की ख़िदमत करे या फिर यहूदा बर्बाद किया जाएगा -

नबुकदनेज़र का नौकर बने

इसको इस तरह से तरजुमा किया ज सकता था “नबुकदनेज़र के हुक्म के मातहत रहकर यहूदा पर हुकूमत करे” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- असूर, असूरी, असूरियों, असूर मुल्क
- इस्राईल की बादशाही
- ख़ुदावन्द
- नबूकदनज़र
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल
- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

20:07

मगर कुछ साल बाद यहूदा के बादशाह ने बाबुल के ख़िलाफ़ बग़ावत की – सो बाबुल के लोगों ने यहूदा की सल्तनत पर हम्ला किया और यरूशलेम शहर पर क़ब्ज़ा किया , मंदिर को बर्बाद किया और शहर और मंदिर का सारा खजाना लूट कर **ले गए** -

पीछे लौटे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “वापस लौटे” या फिर से यहूदा में आए -

शहर को अपने मातहत कर लिया

इसका मतलब यह कि शहर को और वहाँ के लोगों को अपने क़ाबू में कर लिया -

ले गए

उन्होंने अपने साथ ख़ज़ाना बाबुल को वापस ले गए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही
- बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत
- बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल
- यरूशलीम
- हैकल

20:08

यहूदा के बादशाह को बग़ावत की **सज़ा देने के लिए** नबुकदनेज़र के सिपाहियों ने उसके बेटे को बादशाह के सामने क़त्ल किया और बादशाह को अँधा कर दिया फिर इसके बाद बादशाह को मरने के लिए बाबुल के कैदखाने में डाल दिया -

सज़ा देने के लिए

नबुकदनेज़र ने यहूदा के बादशाह को यह कहकर सज़ा दी कि अपने नौकरों से फ़लां चीज़ें करने के लिये कहे -

उसके सामने

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “जहाँ वह उसे देख सके” या “उसकी आँखों के सामने”-

उसको अँधा कर दिया

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “उसकी आँखों को बर्बाद कर दिया” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही
- नबूकदनज़र
- बेटे, बेटों
- बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल

20:09

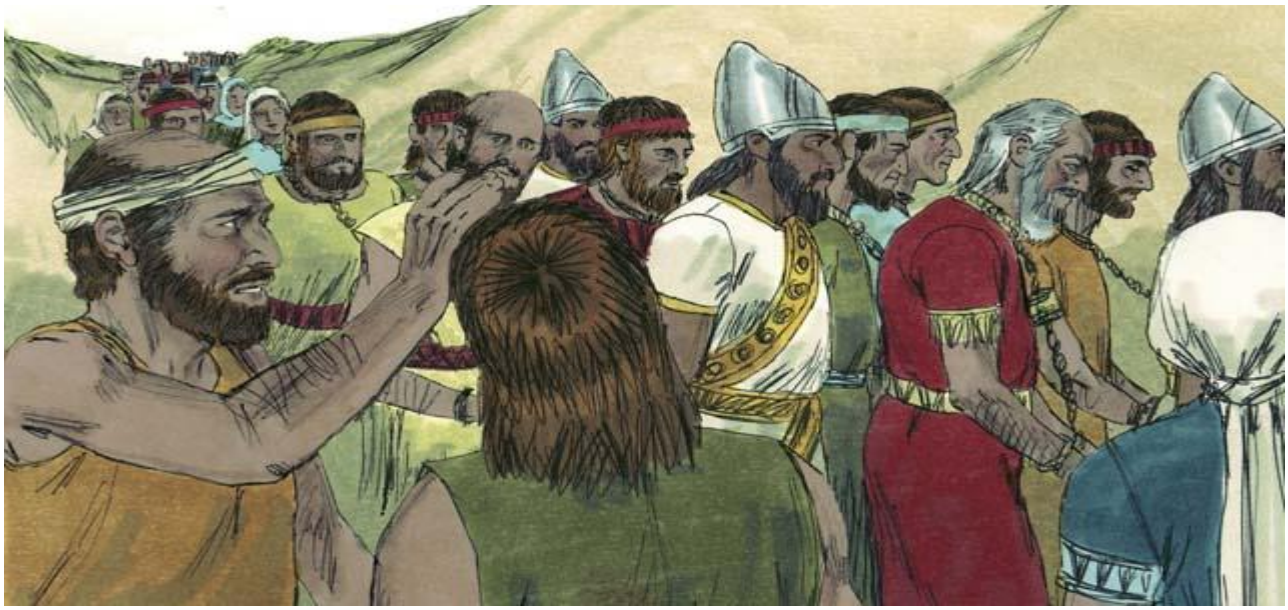

नबुकदनेज़र की फ़ौज ने यहूदा की सल्तनत के तमाम लोगों को बाबुल में ले गए – जो बहुत ही ज़ियादा गरीब थे उन्हें खेत की नशोनुमा के लिए पीछे छोड़ दिया – वह ज़माना था जब खुदा के लोगों को मजबूरन वादा किए हुए मुल्क को छोड़ना पड़ा था उसे जिलावतन कहा जाता है -

पीछे ...छोड़ना

मतलब यह कि "सिर्फ़ सब से ज़ियादा ग़रीब लोगों को यहूदा में छोड़ते हुए" या सब से ज़ियादा ग़रीब लोगों को ही यहूदा में रहने दिया -

इस वक़्त का अरसा

इसको तर्जुमा करने के लिए एक मुहावरे को चुनें जो एक लम्बे अरसे का हवाला दे -जबकि इस जिलावतनी की मीयाद सत्तर साल तक रहती थी -

जिलावतनी

लफ़्ज़ "जिलावतन" के मायने हैं ,शख़्सी या जमाअती तौर से जबरन मुल्क से बाहर कर दिया जाना है -इस "जिलावतनी" में इस्राईलियों को सत्तर साल तक बाबुल में रहना पड़ा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबूकदनज़र
- यहूदाह, यहूदाह की बादशाही
- बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल
- ख़ुदावन्द
- वा'दे का मुल्क

20:10

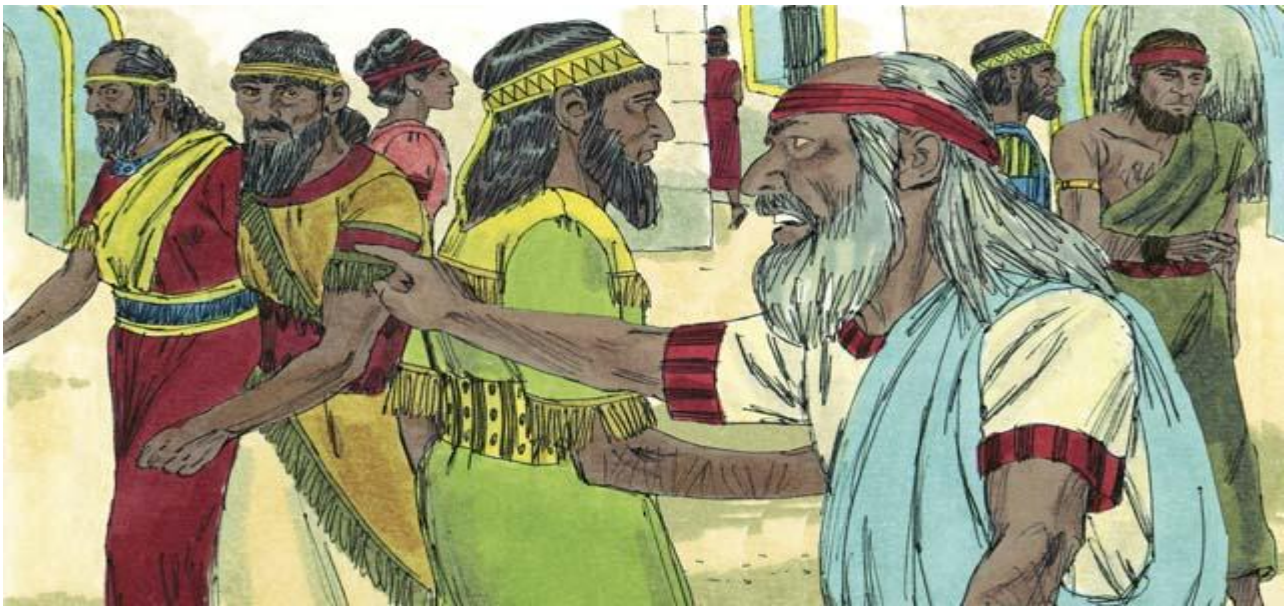

हालाँकि खुदा ने अपने लोगों को **जिलावतन**ी में लेजाने के ज़रिये से उनके गुनाहों की सज़ा दी ,मगर वह उन्को या फिर अपने वादों को नहीं भूला – खुदा लगातार अपने लोगों पर नज़र रखे हुए था और नबियों के ज़रिये बात करता था –उसने उनसे वादा किया कि सत्तर साल बाद वह उन्हें वादा किए हुए मुल्क में फिर से वापस लेकर जाएगा –

जिलावतन

देखें कि आप ने इसको 20:09 में किस तरह तर्जुमा किया -

नहीं भूले

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “नज़रन्दाज़ नहीं किया “ या “इंकार नहीं किया” या इस पूरे मुहावरे को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “अपने लोगों और अपने वायदे के लिए अपनी मख्सूसियत को इज़्ज़त देना जारी रखा” -

निगाह रखना

मतलब यह कि “परवाह करना”

नबियों के ज़रिये उनसे बात करो

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा जा सकता था “उसके नबियों के पैग़ामात की बाबत कहो कि वह उस के लोगों को कहना चाहता था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

- वा’दे का मुल्क

20:11

सत्तर साल बाद साइरस जो फ़ारस का बादशाह था उसने बाबुल को शिकस्त दी – सो फ़ारस की सल्तनत ने बाबुल के मुक़ाबले में कई एक क़ोम पर हुकूमत की –अब इसरा ईली लोग यहूदी कहलाने लगे – इनमें से बहुत से यहूदी बाबुल में अपनी जिंदगी बसर की - सिर्फ़ कुछ पुराने यहूदी थे जो यहूदा के मुल्क को याद करते थे –

सत्तर साल बाद

यह सत्तर साल हवाला देता है जो गुज़र गया जब बाबुल के लोग येरुशलेम के लोगों को जिलावतन होने के लिए ले गए -

साइरस

साइरस को “साइरस अज़ीम” भी कहा जाता है ,फारसी में साइरस के नाम का मतलब है “सूरज के जैसा”-किसी तरह साइरस तारीख़ का एक अहम् शख़्स माना जाता है- इसके मायने को तर्जुमा करने से बेहतर होगा कि वह जिस नाम से मशहूर है वैसा ही तर्जुमा किया जाए -

फ़ारस के लोग

फ़ारस की सल्तनत तरक़्क़ी करते हुए मरकज़ी एशिया से लेकर मिस्र तक पहुँच चुका था -मौजूदा ईरान के आम इलाक़े में इसका घर था -

जो बनी इस्राईल थे वह अब यहूदी कहलाते हैं

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “लोग अब इस्राईलियों को “यहूदियों” के नाम से जानते हैं”

यहूदा का मुल्क

इसका मतलब यह वह इलाक़ा था जहाँ यहूदा की सल्तनत जिलावतनी से पहले थी और येरूशलेम यहूदा का राजधानीं शहर था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल
- इस्राईल, इस्राईली
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

20:12

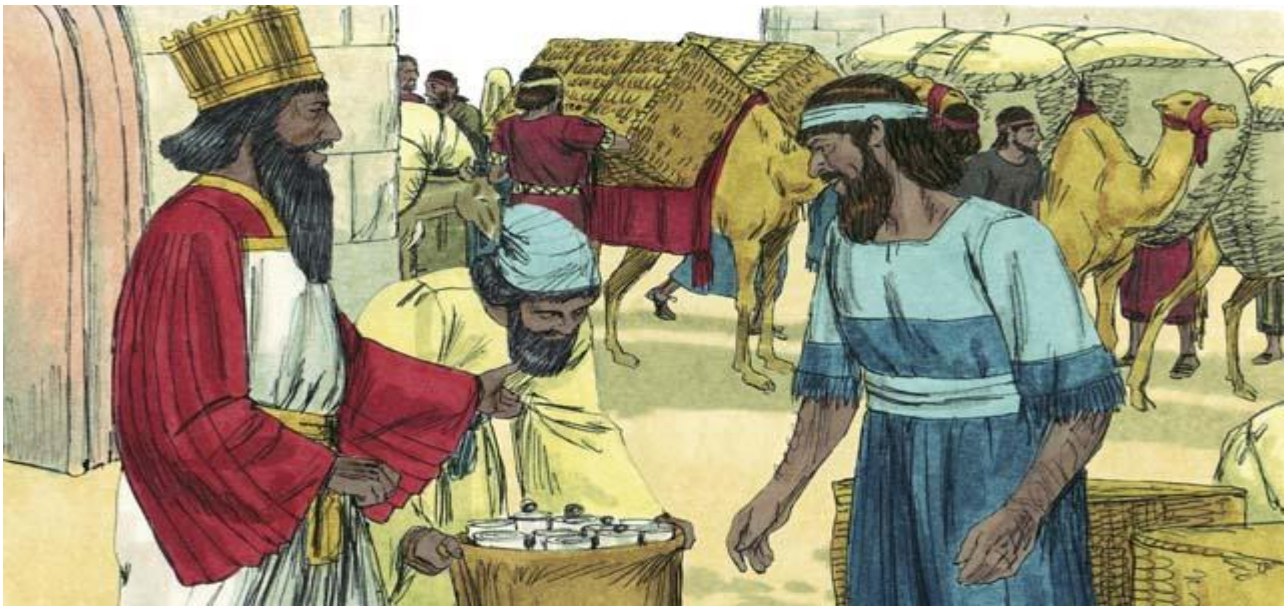

फ़ारस के लोग बहुत ही मज़बूत थे मगर जिन पर उन्हों ने फ़तेह हासिल की थी उनकी बाबत रहमदिल थे –मुख़्तसर तौर से **साइरस** जब फ़ारस का बादशाह बन चुका तो उसने एक हुक्म जारी किया कि जो भी यहूदी अपने मुल्क **यहूदा** को वापस जाना चाहे वह फ़ारस छोड़ सकता है – यहां तक कि उसने उन्हें पैसे भी दिए कि वह जाकर दोबारा मंदिर की तामीर करे – सो **जिलावतन**ी के 70 साल बाद यहूदियों की एक छोटी सी जमाअत यहूदिया में यरूशलेम शहर को वापस हुई -

फ़ारस की सल्तनत

देखें आप ने इसे 20:11 में किस तरह तर्जुमा किया है -

साइरस

देखें कि आप ने इस नाम को 20:11 में किस तरह तर्जुमा किया -

यहूदा

यहूदा की बाबत नोट 20:11 में देखें

यहूदा को वापस लौटने के लिए

जबकि इन यहूदियों में से अक्सर वह उनके बच्चे और नाती पोते थे जो यहूदा से लौटे थे ,इस से पहले वह कभी भी यहूदी में नहीं रहे थे -कुछ ज़बानों में ऐसा कहना ज़ियादा अच्छा होगा कि यहूदा को जाने के लिए -

जिलावतन

देखें कि आप ने इस मक़ौले को 20:09में किस तरह से तर्जुमा किया है -

लौटे

मतलब “पीछे गए” कुछ ज़बानें यह कहने की पहल करेंगे कि “गए” जबकि इन लोगी में से अक्सर कभी भी येरूशलेम नहीं गए थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रहम, रहमदिल
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- हैकल
- यरूशलीम

20:13

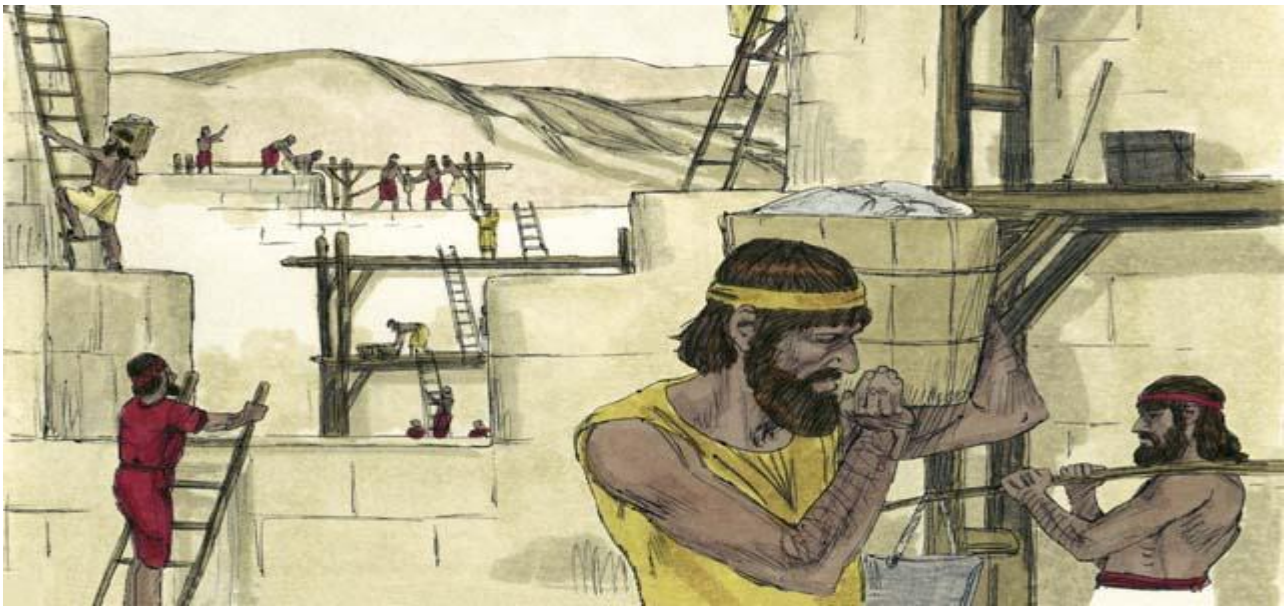

जब इस्राईली यरूशलेम पहुंचे तो उन्हों ने मंदिर को और शेहरपनाह की **दीवार** को दुबारा से तामीर किया – फ़ारस के **लोग** अभी भी उन पर हुकूमत करते थे – मगर एक बार फिर वह वादा किए हुए मुल्क में रहने और मंदिर में इबादत करने लगे थे -

लोग

यह इस्राईली हैं , याक़ूब कि औलाद जो कि अब यहूदी कहलाते थे -

दीवार

यह दीवार (2.5 मीटर) मोटी थी और शहर को हमलावरों से बचाने के लिए तामीर की गई थी -

दूसरे लोगों के ज़रिये हुकूमत की जाती थी

मतलब यह कि दूसरी क़ौम उन्हें काबू में रखती थी -उस वक़्त यहूदी फ़ारसियों के मातहत थे और बाद में दूसरे मुल्कों के -

फिर से एक बार

कुछ ज़बानों में इसको इस तरह से तर्जुमा करने की ज़रूरत है - जैसे “अब” या “जिस तरह से उनके बाप दादा ने किया था” या “जिलावतनी से कुछ ही साल पहले”-

मंदिर में इबादत करते थे

मंदिर जिसे उन्होंने तामीर किया उसमें यहवह की इबादत करते थे जो एक ही सच्चा ख़ुदा है-

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यरूशलीम
- हैकल
- वा'दे का मुल्क
- 'इबादत

_2 सलातीन 17 ; 24-25;2 तवारीख़ 36 ; एज्रा 1-10 ;नेहेमयाह 1 -13 तक बाइबिल की कहानी _

21. खुदा मसीहा का वादा करता है

21:01

यहाँ तक कि खुदा ने जब दुनिया को बनाया वह जानता था कि एक ज़माने के बाद मसीहा को भेजेगा –उसने आदम और हव्वा से वादा क्या था कि वह ऐसा करेगा –उसने कहा था कि हव्वा की नसल से एक शख्स पैदा होगा जो सांप के सिर को कुचलेगा – जी हाँ वह सांप जिस ने हव्वा से फरेब किया था वह शैतान था –खुदा का यही मतलब था कि मसीहा शैतान को पूरी तरह से शिकस्त देगा -

बिलकुल इब्तिदा से

जिसका मतलब है जबसे कि ज़मीन सबसे पहले बनाई गयी थी-

सांप के सर को कुचलेगा

जब तक कि शातिर सांप का सर कुचला नहीं जाएगा ,सांप किसी न किसी को ज़ख़्मी कर सकता है – कुचलने के लिए एक लफ़्ज़ इस्तेमाल करें जिस से मायने ज़ाहिर हो कि उसका सर बर्बाद कर दिया गया है -

सांप शैतान था

शैतान ने सांप कि शक्ल में होकर बात की – इसका मतलब यह नहीं कि अभी शैतान सांप है -इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था , शैतान सांप की शक्ल में ज़ाहिर हुआ था -

जिसने हव्वा को धोका दिया

मतलब "जिसने हव्वा से झूट बोला"-सांप ने हव्वा के दिल में जो ख़ुदा ने कहा था उस पर शक डालने के ज़रिये झूट बोला और उसको चाल में फंसा कर ख़ुदा की नाफ़रमानी कराई -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मसीह ,मसीहा
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- आदम
- हव्वा
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- शैतान, शैतान, बुरा

21:02

खुदा ने अब्रहाम से वादा किया था कि **उसके वसीले से** तामाम दुनिया की क़ौमें बरकत पाएंगी – खुदा इस वादे को कुछ अरसा बाद ही मसीहा को दुनिया में भेजने के ज़रिये से ही पूरा कर सकता था – मसीहा दुनिया के तमाम कौमों को उनके गुनाहों से बचाने वाला था -

उसके वसीले से

इसका मतलब “उसकी नस्ल के सबब से”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- क़ौम, लोगों, लोग, एक ‘अवाम
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- पूरा कर, पूरा हुआ
- मसीह ,मसीहा
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

21:03

खुदा ने मूसा से वादा किया था कि वह मुसतक़बिल में मूसा की तरह एक दुसरे नबी को भेजेगा – यह नबी मसीहा था – इस बतौर खुदा ने फिर से वादा किया कि वह मसीहा को भेजेगा -

मूसा की तरह एक दूसरा नबी उठेगा

इसका मतलब यह कि “मूसा की तरह दूसरा नबी मुक़र्रर किया जाएगा” या “दूसरा नबी भेजा जो मूसा की तरह होगा “

मूसा की तरह नबी

मूसा की तरह होने के लिए मुस्तक़बिल के नबी को ख़ुदा की तरफ़ से बड़ा इख्तियार रखने की ज़रूरत है ताकि अपने लोगों की रहनुमाई करे और उन्हें बचाए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- मूसा
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा

21:04

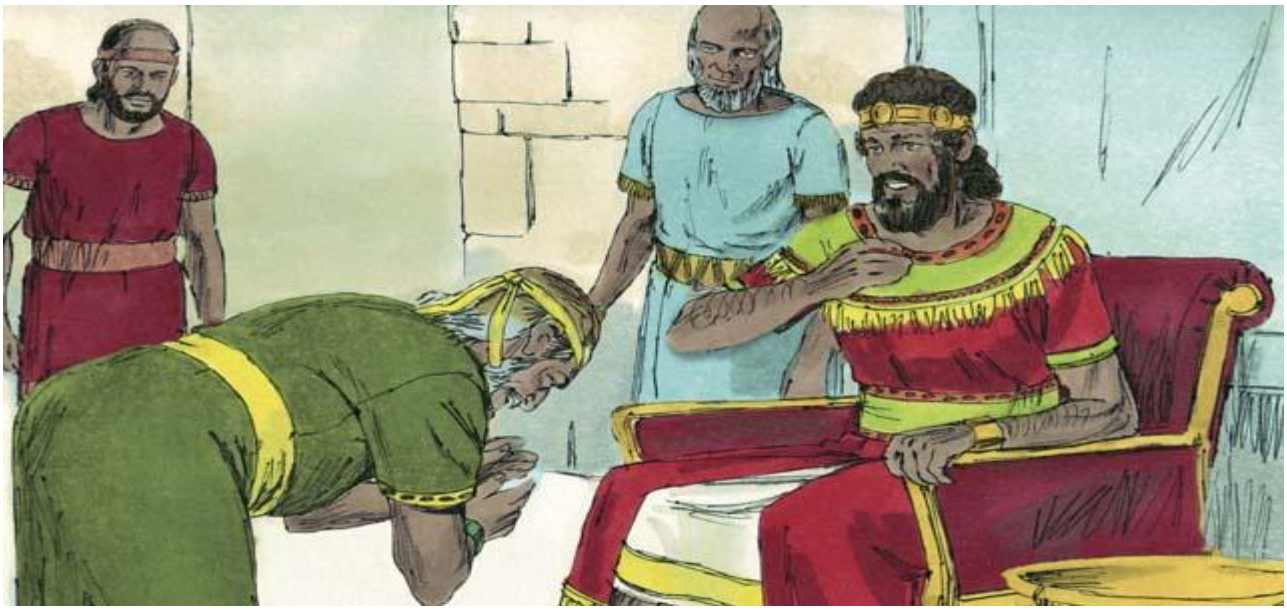

खुदा ने दाऊद बादशाह से वादा किया था कि उसकी अपनी नसल से मसीहा होगा जो एक बादशाह होगा और खुदा लोगों पर हमेशा के लिए हुकूमत करेगा -

दाऊद की अपनी नस्ल

इसे कहने का दूसरा तरीका यह होगा कि “बराहे रास्त खुद दाऊद की नस्ल”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- दाऊद
- मसीह ,मसीहा
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें

21:05

खुदा ने यर्म्याह नबी से बातें की और उस से कहा था कि एक दिन वह एक नया अहद बांधेगा – वह नया अहद परं जैसा नहीं होगा जो खुदा ने बनी इस्राईल के साथ सीना पहाड़ में बाँधा था - जब वह इस नए अहद को लोगों के साथ बांधेगा तो वह ऐसा होने देगा कि लोग मसीहा को शख्सि तोर से जानें – हर एक शखस उस से महब्बत रखेगा और उसकी शरीयत को बजा लाना चाहेगा – खुदा ने कहा ,मैं अपनी शरीयत को उनके दिलों में लिखूंगा और वह मेरे लोग होंगे और मैं उनका खुदा होंगा , और वह उनके गुनाह मुआफ़ करेगा –वह मसीहा होगा जो उनसे नया अहद बांधेगा -

यर्मियाह नबी के वसीले से ख़ुदा ने वायदा किया

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था “उस पैग़ाम के ज़रिये जो ख़ुदा ने यर्मियाह को दिया ख़ुदा ने वायदा किया” या “ख़ुदा के वायदे की बाबत नबी यर्मियाह ने लोगों से कहा”-

वैसा नहीं होगा

नया अहद सच मुच मुअस्सर होगा - लोग हकीक़त में ख़ुदा को जानेंग ,वह सच मुच उसके अपने लोग रहेंगे , और वह पूरी तरह उनके गुनाह मुआफ़ कर देगा! और यह एक बार ही मसीहा की क़ुर्बानी के वसीले से होगा कि वह ,जो उस पर ईमान लाएंगे उनके गुनाह बख़्श दिये जायें -

अपनी शरीयत लोगों के दिलों में लिखेगा

यह एक ज़ायद मायने रखने वाला है “उसके लोगों को शरीयत की बातें समझाना और लोगों की दिली ख़्वाहिश कि उसको बजा लाएं” अगर मुम्किन है तो उनके दिलों में लिखने की शबीह को बरक़रार रखें जबकि यह इस से अलग है कि ख़ुदा ने इस्राईलियों के लिए पत्थर कि लौहों पर शरीयत लिखी थी -अगर यह मुमकिन नहीं है तो सिर्फ़ मायने का तर्जुमा करें -

उसके लोग होना

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “उसके ख़ास लोग बन जाओ” या “उसके पसंदीदा लोग बन जाओ”-

नया अहद शुरू करना

“उस नए अहद को लागू करने के लिये पहल करो” या उसके लोगों के लिए नया अहद ले आओ”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- यरमियाह
- ख़ुदावन्द
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/newcovenant]]
- 'अहद , 'अहदों,नया 'अहद
- इस्राईल, इस्राईली
- सीनै, सीनै पहाड़
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- मसीह ,मसीहा

21:06

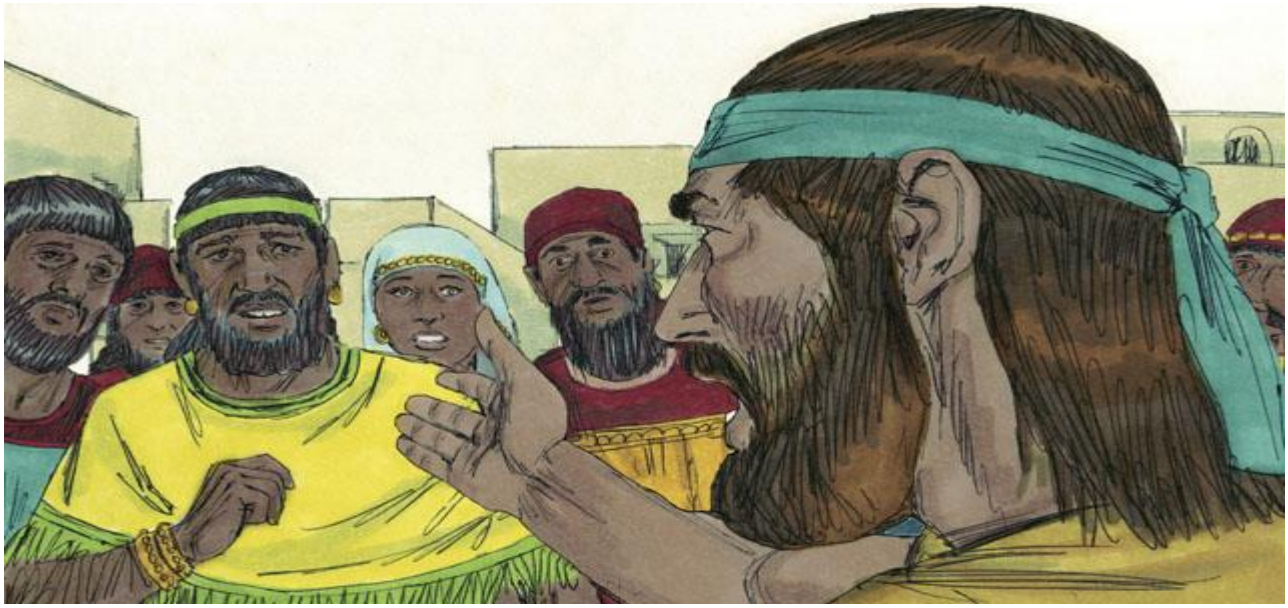

खुदा के नबियों ने भी कहा कि मसीहा एक नबी, एक काहिन, एक बादशाह होगा – एक नबी वह है जो खुदा के कलाम को सुनता है और उसे एक पैग़ाम बतोर लोगों के सामने उसका एलान करता है ख़ुदा ने जिस मसीहा को भेजने का वादा किया था वह एक **कामिल नबी** था – इसी लिए मसीहा ख़ुदा के पैग़ाम को कामिल तोर से सुनेगा,उन्हें कामिल तौर से समझेगा और कामिल तोर से लोगों को तालीम देगा-

कामिल नबी

मसीहा एक नबी होगा जो खुदा की फ़रमानबरदारी में कामिल होगा ,हर एक कलाम जो ख़ुदा के मुंह से निकलेगा वह लोगों को देगा -वह ख़ुदा को कामिल तोर से पेश करेगा उन कि मदद करते हुए कि वह ख़ुदा को जानें और समझें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा
- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

21:07

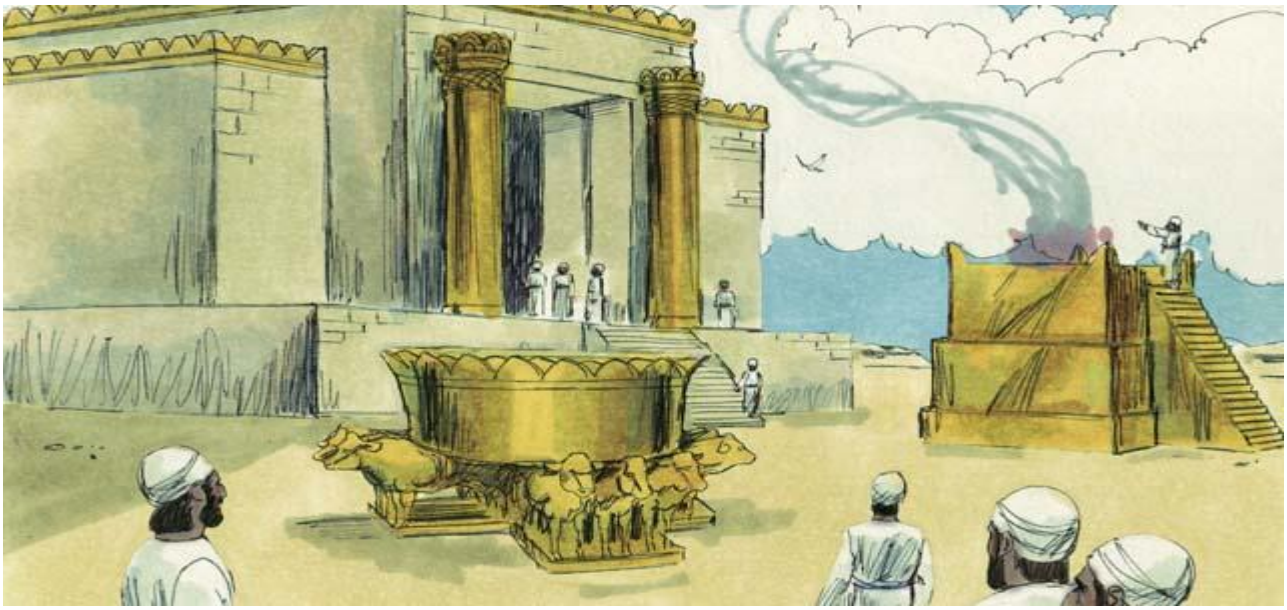

इस्राईली काहिन लोगों के लिए खुदा को क़ुर्बानी देना जारी रखे हुए थे – यह क़ुर्बानियाँ उन के गुनाहों के लिए खुदा की सज़ा के बदले में थी – काहिन लोग भी लोगों के लिए खुदा से दुआ किया करते थे –मगर यह ज़रूरी था कि मसीहा एक्कमिल सरदार काहिन हो जो खुद को खुदा के लिए एक **कामिल क़ुर्बानी** को अदा करे – इसके बाद गुनाहों के लिए कोई और क़ुर्बानी की ज़रुरत नहीं है -

इवज़ में

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “फ़ाइदे के लिए” या किसी की जगह पर -

उनके गुनाहों के लिए सज़ा का कफ़्फ़ारा बतौर

ख़ुदा ने लोगों को उनके गुनाहों के लिए जानवरों की क़ुर्बानी गुज़रानना मंज़ूद किया ताकि वह उनकी सज़ा को याद दिला सके जिसके वह हक़दार थे -और वह ख़ुदा पर मुनहसर थे कि वह उनके गुनाहों को आरज़ी तौर से ढंकने के लिए उन क़ुर्बानियों को क़बूल करे और लोगों को उनकी सज़ा न दे

कामिल सरदार काहिन

दीगर सरदार काहिनों की मानिंद मसीहा कभी भी गुनाह नहीं करेगा और वह मुस्तक़िल तौर से लोगों के गुनाह उठा ले जाएगा -

ख़ुद को पेश करेगा

मतलब यह कि “अपने आप को क़त्ल होने देगा”

कामिल क़ुर्बानी

मतलब यह कि एक क़ुर्बानी जिस में कोई ऐब न हो या अधूरी”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- काहिन , काहिनो , काहिन 'ओहदा
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- दुआ' कर, दुआ', दुआ'वों , दुआ'की
- मसीह ,मसीहा
- सरदार काहिन

21:08

बादशाह और हुक्मरान लोगों की जमाअत पर हुकूमत करते हैं और कभी कभी गलतियां भी करते हैं – दाऊद बादशाह ने सिर्फ़ बनी इस्राईल पर हुकूमत की – मगर मसीहा जो दाऊद की नसल से है वह सारी दुनया पर हुकूमत करेगा और हमेशा के लिए करेगा – इस के अलावा वह हमेशा रास्ती से हुकूमत करेगा और सही फ़ैसले लेगा -

उसके बाप दादा दाऊद के तख़्त पर बैठना

एक बादशाह या एक मलिका के लिए तख़्त एक रस्मी कुर्सी है जो उनके इख़्तियार को ज़ाहिर करती है – इस ज़हूर को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है "बादशाही करने का इख़्तियार रखना जिस तरह उसके बाप दादा दाऊद रखता था " या दाऊद बादशाह की नस्ल होना और ख़ुदा के लोगों पर बादशाही को जारी रखना -

सारी दुनिया

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "हरकोई ,हरजगह -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- बादशाही, बादशाहियाँ
- मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला
- मसीह ,मसीहा
- दाऊद

21:09

खुदा के नबियों ने दीगर कई बातें मसीहा की बाबत कहीं मिसाल के तोर पर **मलाकी** ने कहा कि मसीहा के आने से पहले एक दूसरा नबी आएगा – उस नबी का आना बहुत ज़रूरी है – यसायाह नबी ने भी लिखा कि मसीहा एक कुंवारी से जन्म लेगा – और **मीका** नबी ने कहा कि मसीहा बेथलेहम के कस्बे में पैदा होगा -

मलाकी

पुराने अहदनामे में मलकी आख़री नबी था

पेशगोई करना

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "पेशगोई किया गया" या नबुव्वात किया गया -इस का मतलब यह कि मुस्तक़बिल में जो होने वाला हो उसे पहले से कहना मलाकी ने मसीहा के आने के 400 साल पहले लोगों को ख़ुदा का पैग़ाम पेश किया था -

नबुव्वात की

इस बारे में "नबुव्वात" के वही मायने हैं जो "पेशगोई" और "पेशीनगोई" के है जबकि इस के मायने हैं कि नबी ने जो कुछ कहा वह मुस्तक़बिल में होकर रहेगा

मसीहा कुंवारी से पैदा होगा

इसे कहने का दूसरा तरीका यह होगा कि "एक कुंवारी मसीहा को जन्म देगी"

मीका

मीका पुराने अहद नामे में ख़ुदा का नबी था जैसे यसायाह था -मीका ने मसीहा के आने से लगभग 800 साल पहले नबुव्वात की थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा
- यसा'याह
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन
- बैतलहम, इपफ़ात

21:10

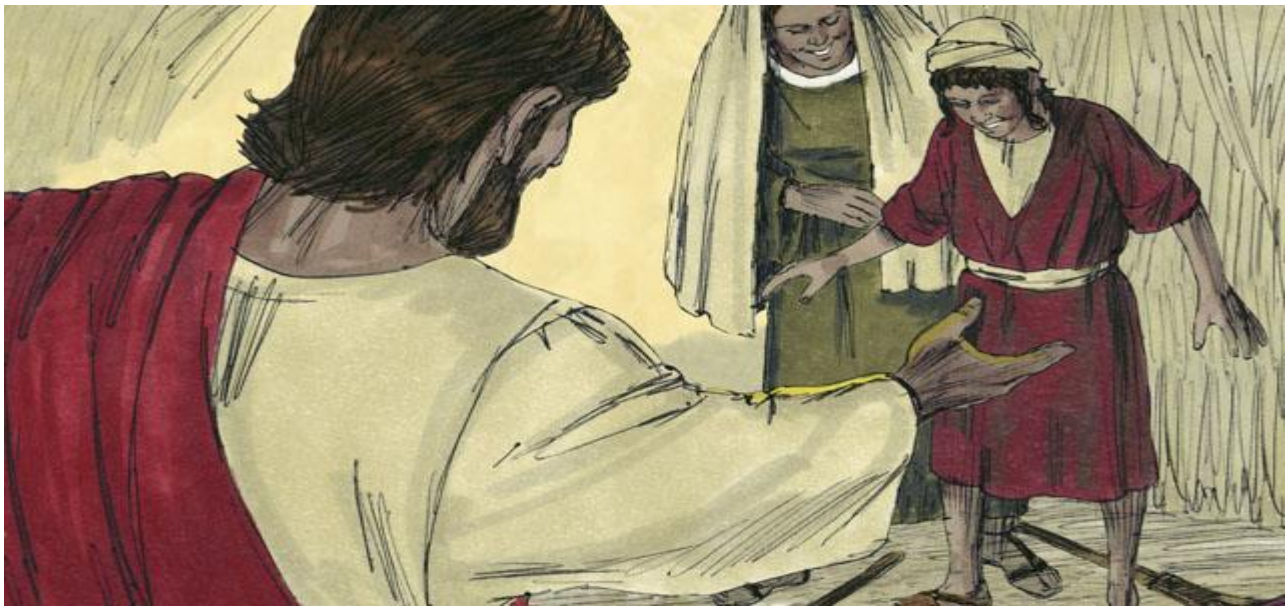

यसायाह नबी ने कहा कि मसीहा गलील के इलाक़े में गुज़र बसर करेगा –

मसीहा उन लोगों को जो बहुत ज़ियादा मायूस हैं उन्हें दिलासा देगा जो क़ैद में हैं उन्हें आज़ाद करेगा – मसीहा बीमारों को शिफा देगा और जो बहरे, अंधे , गूंगे ,टुंडे ,लूले और लंगड़ों को ठीक करेगा -

दिल शिकनी लोग

यह जाहिरा उन लोगों को ज़ाहिर करता है जो निहायत शदीद ग़मगीनी में मुब्तिला हैं -

ग़ुलामी से आज़ादी का दावा

मतलब यह कि "ग़ुलामों से कहो कि वह आज़ाद होंगे "यहं उन लोगों को भी आज़ाद कराना हो सकता है जो गुनाह के ग़ुलाम हैं -

क़ैदियों को आज़ाद करना

मतलब यह कि "वह उन कैदियों को आज़ाद करेगा जो बे इंसाफी से क़ैद में डाले गए थे –"यह उन लोगों को भी ज़ाहिर कर सकता था ,जैसे लोगों को गुनाह की क़ैद से आज़ाद करना

सुनन , देख , बोल , या चल नहीं सकना

यह कहना बेहतर होगा सुन नहीं सकना , देख नहीं सकना ,बोल नहीं सकना या चल नहीं सकना" कुछ ज़बानों में इन सब हालात के लिए अलग अलग अलफ़ाज़ हैं जैसे बहराऔर अँधा वग़ैरा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- यसा'याह
- गलील, गलीली, गलीलियों

- मसीह ,मसीहा
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार

21:11

यसायाह नबी ने यह भी कहा कि लोग मसीहा से नफ़रत करेंगे और उसे कबूल करने से इनकार करेंगे – दीगर नबियों ने कहा कि मसीहा का दोस्त उस के ख़िलाफ़ ग़द्दारी करेगा – नबी ज़करयाह ने कहा कि ऐसा करने के लिए वह मसीहा के दुशमनों से तीस सिक्के लेगा –कुछ नबियों ने कहा कि लोग मसीहा को क़त्ल कर देंगे और उसके कपड़ों पर क़ुरअ डालेंगे -

बगैर किसी सबब के नफ़रत किया गया या रद्द किया गया

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “नफ़रत किया गया और रद्द किया गया हालांकि उसने कुछ भी बुरा नहीं किया था” या “...हालाँकि वह मासूम था”

पेशगोई

इस का मतलब उन्होंने वह बातें कहीं जो मुस्तक़बिल में होएगीं - दूसरे लफ़्ज़ों में इन्ही मायनों के लिए दो अलफ़ाज़ और है “पेशीन गोई की गई”और नबुव्वत की गई

उसके कपड़ों के लिए कुरआ’

मतलब है एक खेल खेला यह फ़ैसला करने के लिए कि कौन उसके कपड़ों को जीतेगा”

ज़करियाह

ज़करियाह पुराने अहद नामे का एक नबी था जिस ने ख़ुदा के लोगों से बात की – यह वह वक़्त था जब लोग बाबुल में जिलावतनी से वायदा किये हुए मुल्क में वापस आये थे - यह मसीहा के आने से 500 साल पहले का वाक़िया था -

तीस चांदी के सिक्के

यह उन दिनों की बात है जब हरेक सिक्के की क़ीमत इतनी थी जिससे एक शख़्स का चार दिन का गुज़ारा चल सकता था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- यसा'याह
- मसीह ,मसीहा
- धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले

21:12

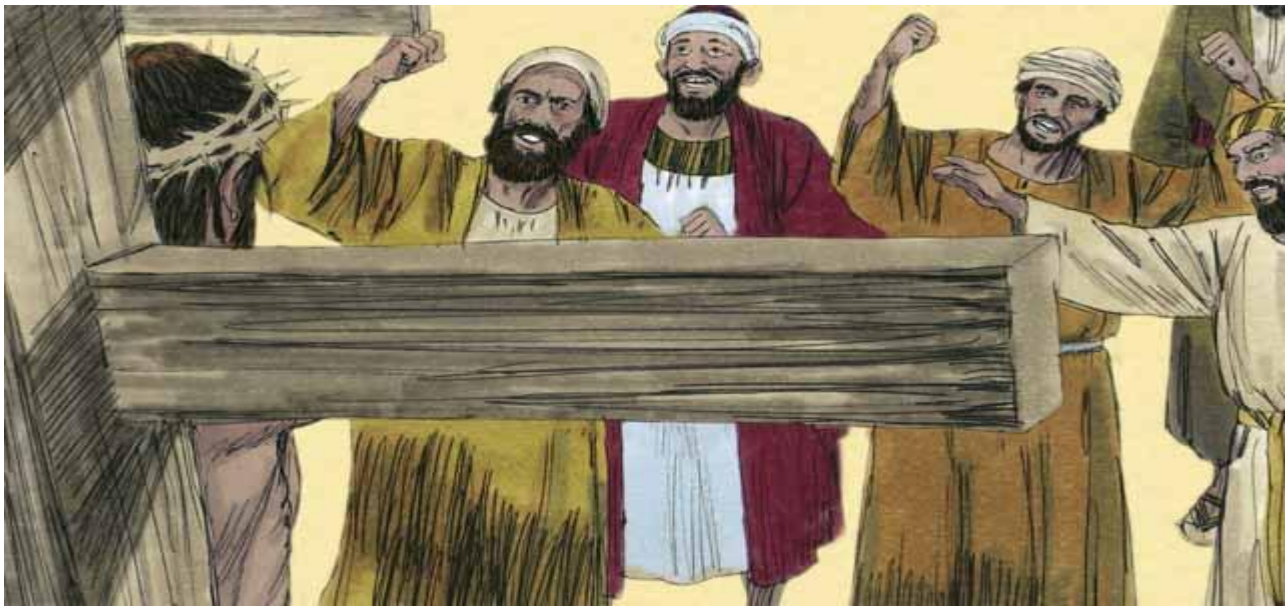

नबियों ने यह भी कहा कि मसीहा कैसे मरेगा – यासयाह ने नबुवत की कि लोग मसीहा पर थूकेंगे ,उसका मज़ाक़ उड़ाएंगे और उस पर कोड़े बरसाएंगे –वह उसके पेट में भाला छेदेंगे और वह अज़ीय्यत और जिस्मानी तकलीफ़ में होकर मरेगा जबकि उसने कोई गलती या गुनाह नहीं किया था -

छेदना

इसका मतलब है “घुसेड़ना”- लोगों के गुनाहों के लिए सज़ा का तौर पर तेज़ औज़ार उसके जिस्म को छेद देता था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- यसा'याह

21:13

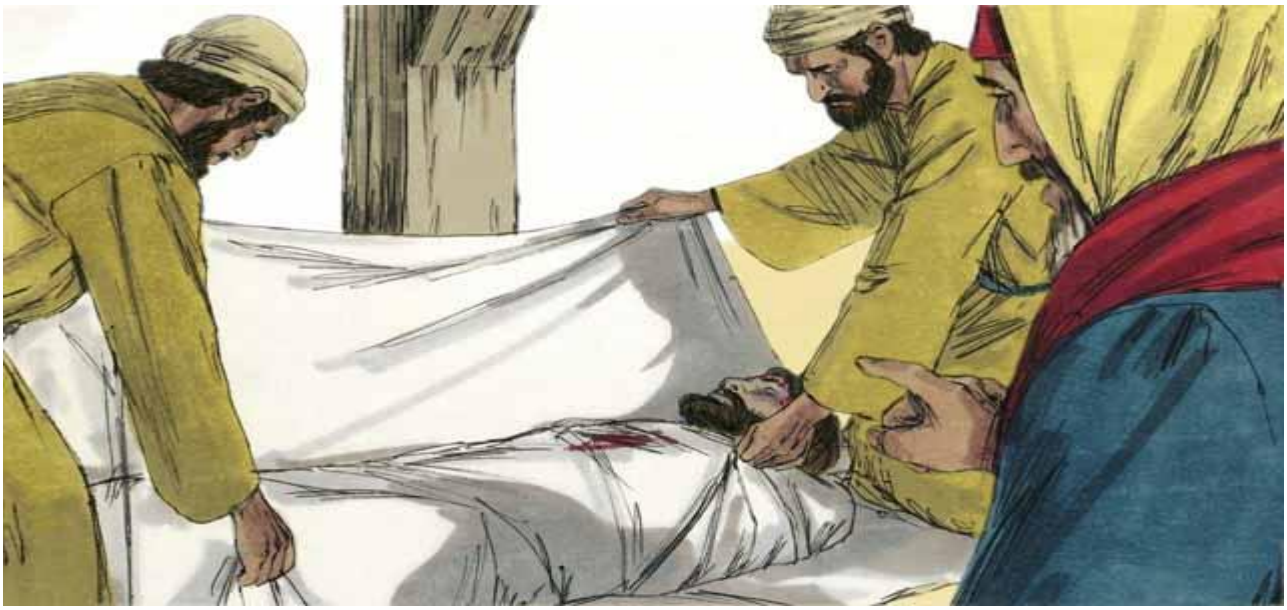

नबियों ने यह भी कहा कि मसीहा कोई गुनाह नहीं करेगा – वह कामिल होगा – मगर वह मरेगा –क्यूंकि दुसरे लोगों के गुनाहों की ख़ातिर खुदा उसको सज़ा देगा वह जब मरेगा तब लोग खुदा के साथ सुलह कर पाएंगे –यही सबब है कि खुदा मसीहा को मरने देगा -

बे गुनाह

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जासकता है, "उसने कभी भी गुनाह नहीं किया"

दूसरे लोगों के गुनाह के लिए सज़ा क़बूल करना

मतलब यह कि "दूसरों के गुनाहों की सज़ा ख़ुद ही बर्दाश्त करना" या दुसरे लोगों की जगह सज़ा वार होना -

यह ख़ुदा की मरज़ी थी

मतलब यह कि "ख़ुदा की मर्ज़ी को पूरा किया" इस मुहावरे का मतलब है मसीहा की मौत जिसका सच मुच ख़ुदा ने मनसूबा किया था कि यह उसकी क़ुर्बानी ठहरे जो लोगों के गुनाहों की क़ीमत हो -

कुचलने के लिए

मतलब है "पूरी तरह से ख़राब करने के लिए" या "हलाक करने के लिए" या पूरी तरह से बर्बाद करने के लिए"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले
- ख़ुदावन्द

21:14

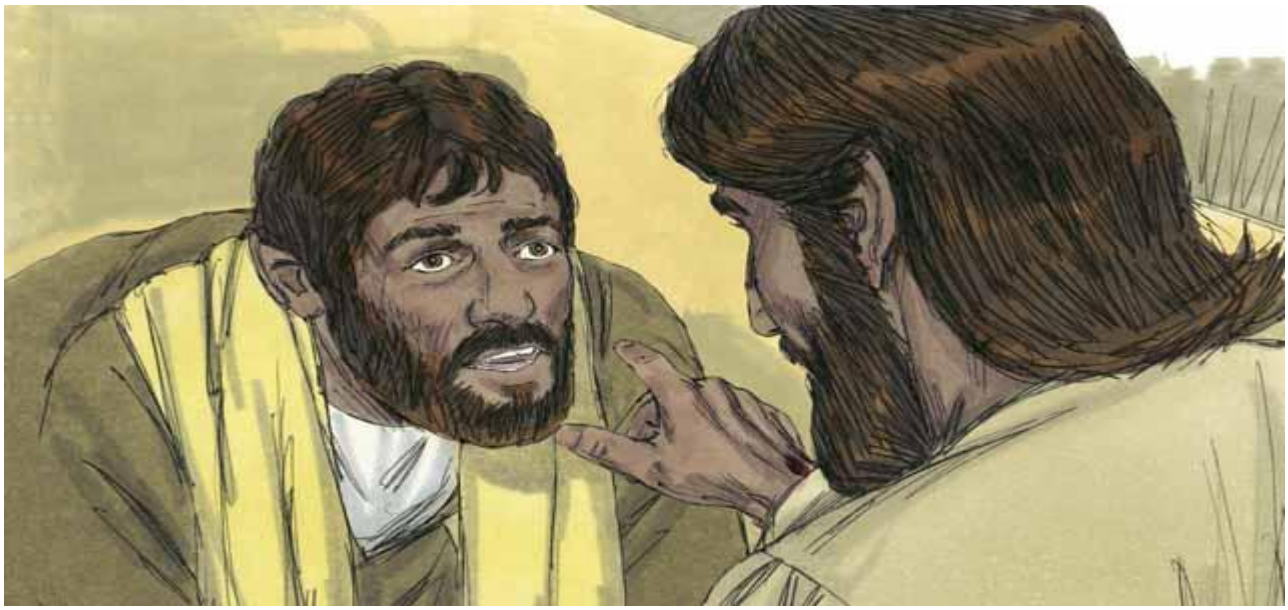

नबियों ने यह भी कहा है कि खुदा मसीहा को मुर्दों में से जिलाएगा – यह बताता है कि ये सारे खुदा के मनसूबे थे जिसके तहत खुदा ने एक नया अहद बांधा था जिससे लोगों को बचाए जिन्हों ने खुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया था -

मुर्दों में से ज़िन्दा करना

जिसका मतलब है “उसको फिर से ज़िन्दा होने का सबब बनाना”-

मसीहा की मौत और जी उठने के वसीले से ख़ुदा ----

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”ख़ुदा मसीहा की मौत और जी उठने का इस्तेमाल करेगा” या मसीहा की मौत और जी उठना एक वसीला होगा कि ख़ुदा उसको -----“

नए मुआहदे का शुरू

मतलब यह कि “नए मुआह्दे को असरदार बनाना”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- ख़ुदावन्द
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- जी उठना
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/newcovenant]]

21:15

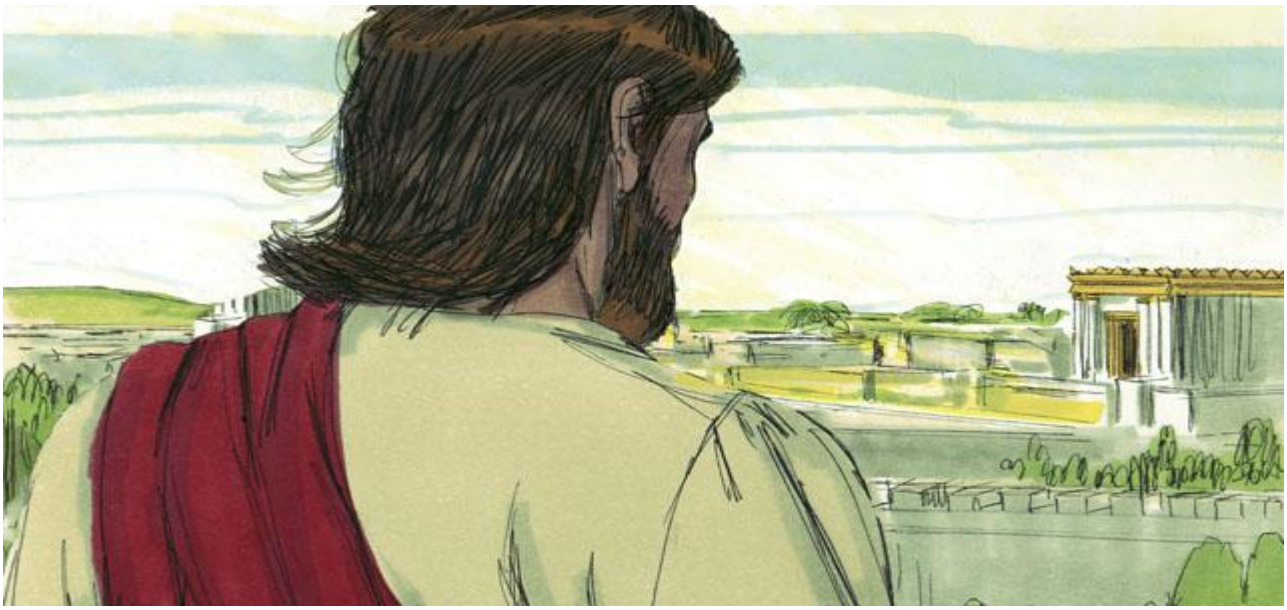

खुदा ने मसीहा की बाबत नबियों को कई एक मुकाशफ़े दिए थे मगर मसीहा उनबियों के ज़माने के दौरान नहीं आया –आखरी नबुवत के दिए जाने तक 400 से ज़ियादा बरस गुज़र गए थे मगर बजा तोर से वह उसका सही वक़्त था कि मसीहा को **दुनिया में** भेजे -

दुनिया में

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “दुनिया के लोगों के लिए” या मसीहा को न सिर्फ़ यहूदियों के लिए भेजा जाएगा बल्कि तमाम लोगों के लिए -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा

_पैदाइश 3:15 ;12 :1-3 ; इस्तिसना 18:15 ; 2 समुएल 7 ;येर्मयाह 31; यसायाह 15:16 ; दानिएल 7; मलाकी 4:5 ; यसायाह 7:14 ; मीका 5:2; यसायाह 9:1-7; 35:3-5 ; 61:53 ; ज़बूर 22:18 ; 35:19 ; 69:4; 41:9; ज़करियाह 11:12-13; यसायाह 50:6; ज़बूर16:10-11 से बाइबिल की एक कहानी _

22 . यूहन्ना की पैदाइश

22:01

अगले ज़माने में खुदा ने अपने नबियों से बात की थी ताकि वह **उसके लोग**ों से बातें करे – मगर फिर **400 साल गुज़र गए** जब उसने उनसे बात नहीं की – फिर खुदा ने ज़करिया नाम काहिन के पास एक फ़रिश्ते को भेजा – ज़करिया और उसकी बीवी एलिज़बेथ खुदा के उस फ़रिश्ते की इज़्ज़त की – वह बहुत उमर रसीदा थे और एलिज़बेथ ने कभी किसी बचे को जन्म नहीं दिया था -

उसके लोग

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,जैसे "उसके लोग इस्राईली" या उसके लोग यहूदी" मगर सिर्फ़ जोड़ी गई इतला को शामिल करें अगर यह साफ तौर से समझा नहीं गया कि यह लोग कौन थे -

400 साल गुज़र गए

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि "400 साल बीत गए" या "वह 400 साल का अरसा था" मलाकी नबी जो पुराने अहदमे का आख़री नबी था तब से 400 साल का अरसा गुज़र गया -

उन दिनों जब ख़ुदा ने उनसे बात नहीं की

मतलब यह कि ,"उस दौरान ख़ुदा ने अपने लोगों के लिए कोई पैग़ाम नहीं दिया"-

ख़ुदा परस्त लोग

मतलब यह कि "वह लोग जो ख़ुदा का हुक्म बजा लाए"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- काहिन , काहिनो , काहिन 'ओहदा
- ज़करियाह (नया'अहद नामा)

22:02

फ़रिश्ते ने ज़करिया से कहा तुम्हारी बीवी के एक बेटा होगा और तुम उसका नाम यूहन्ना रखना – खुदा उसको रूहुलक़ुदुस से मा'मूर करेगा और यूहन्ना एक ज़रीया बनेगा कि लोग मसीहा को हासिल करें – ज़करिया ने जवाब दिया "मैं और मेरी बीवी उमर रसीदा हैं तो फिर मैं कैसे जानूंगा कि तुम सच कह रहे हो "?

फ़रिश्ता

यह उस फ़रिश्ते को ज़ाहिर करता है जो ज़करियाह के पास आया था 22:01-

रूहुल क़ुदुस से भर गया

मतलब यह कि "रूहुल क़ुदुस के काबू में था" – या "रूहुल क़ुदुस के ज़रिये हिकमत और क़ुव्वत दी गई"

मैं कैसे जानूंगा कि ऐसा होगा ?

तर्जुमें के लिए दूसरा तरिक़ा यह होगा कि " मुझे कैसे यक़ीन हो सकता है कि यह सच मुच होगा" ?

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- ज़करियाह (नया'अहद नामा)
- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- मसीह ,मसीहा

22:03

फ़रिश्ते ने ज़करिया को जवाब दिया मैं खुदा की तरफ़ से इस ख़ुशख़बरी को देने के लिए भेजा गया हूँ – इसलिए कि तूने एतक़ाद नहीं किया,जब तक बच्चा पैदा नहीं होजाता तू गूंगा बना रहेगा – फ़ौरन ज़करिया बोलने से महरूम होगया –फिर फ़रिश्ते ने ज़करिया को छोड़कर चला गया – इसके बाद ज़करियाह घर वापस लौटा और उस की बीवी हामला हुई -

हामला हो गयी

कुछ ज़बानों में कहने का आजिज़ाना तरीक़ा है “हमल ठहर गया” एक ऐसा ज़ाहिर लफ़्ज़ इस्तेमाल करें जो पढ़ने वालों को मुज़तरिब न करने पाये -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- ख़ुदावन्द
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ज़करियाह (नया’अहद नामा)

22:04

जब एलिज़बेथ छे महीने की हमल से थी वही फ़रिश्ता अचानक एलिज़बेथ के रिश्तेदार के हाँ ज़ाहिर हुआ जि सका नाम मरयम था – वह कुंवारी थी और यूसुफ़ नाम के एक आदमी से उसकी मंगनी हो रखी थी - फ़रिश्ते ने कहा “तुम हमिला होगी और तेरे एक बेटा पैदा होगा – तू उसका नाम येसु रखना ,क्यूंकि वह ख़ुदा तआला का बेटा कहलाएगा और हमेशा के लिए हुकूमत करेगा -

छः महीने की हामिला

या तो उसको पहले से ही छः महीने का हम्ल रह होगा या फिर वह अपने छः महीने के हम्ल के अय्याम से गुज़र रही थी -

हामिला

फ़र्क़ फ़र्क़ ज़बानें हामिला होने की बाबत फ़र्क़ फ़र्क़ राए रखते हैं , जैसे कि “वह बच्चे के साथ थी” या “उसके जिस्म में एक बच्चा था” या “उसका उभरा हुआ पेट था” कुछ ज़बानों में कहने का आजिज़ाना तरीक़ा होता है जैसे कि “वह पेट से थी”-एक ज़ाहिरा लफ़्ज़ का इस्तेमाल करें जिस से पढ़ने वालों को कोई ज़हनी दिक़्क़त न हो -

एलिशिबा

वह ज़करियाह की बीवी थी -एक फ़रिश्ते ने ज़करियाह से कहा कि एलिशिबा एक बेटे को जन्म देगी -

एलिशिबा की रिश्तेदार

बहुत से तर्जुमे कहते हैं कि वह मरयम की “ख़ाला” (मौसी) लगती थी -हम नहीं जानते कि इन दोनों औरतों की कैसी रिशतेदारी थी -एक आम लफ़्ज़ जैसे “रिश्तेदार” , या “एक ही ख़ानदान” वग़ैरा का इस्तेमाल कर सकते हैं

मंगनी हुई थी

मतलब यह कि “वायदा किया था”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- मरियम, 'ईसा की माँ
- कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन
- यूसुफ़ (नया 'अहद नामा)
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप

22:05

मरयम ने जवाब दिया ,यह कैसे हो सकता है जबकि मै एक कुंवारी हू - “फ़रिश्ते ने जवाब दिया ,” रूहुलक़ुदुस तुझ पर नाज़िल होगा और खुदा की क़ुदरत तुझ पर साया करेगी – सो वह बच्चा बहुत ही पाक होगा और वह खुदा का बेटा कहलाएगा – जो कुछ फ़रिश्ते ने कहा था मरयम उस पर ईमान ले आई -

यह किस तरह हो सकता है

मतलब यह कि “मैं कैसे हामला हो सकती हूँ ? मरयम फ़रिश्ते के कलाम की सचचाई पर शक नहीं कर रही थी बल्कि वह पूछ रही थी कि कैसे होगा -

रूहुल क़ुदुस तुझ पर नाज़िल होगा और ख़ुदा तआला की क़ुदरत तुझ पर साया करेगी -

इस एक जुमले को कहने के दो तरीक़े हैं : ”ख़ुदा की क़ुदरत , रूहुल क़ुदुस मोजिज़ाना तरीक़े से काम करेगा कि तुम हामिला हो जाओगी” यक़ीन करें कि यह जुमला किसी जिस्मानी ताल्लुक़ात को ज़ाहिर नहीं करता -यह एक मोजिज़ा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मरियम, 'ईसा की माँ
- कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- क़ुव्वत , ताक़तें
- ख़ुदावन्द
- पाक, पाकीज़गी
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

22:06

इसके वाक़े होने के फ़ौरन बाद एलिज़बेथ से मुलाक़ात करने गई .जैसे ही मरयम ने एलिज्बेथ को सलाम किया एलिज़बेथ के पेट में उसका बच्चा उछल पड़ा – जो कुछ खुदा ने उन औरतों के लिए किया था उसकी बाबत वह बहुत ख़ुश हुईं तीन महीने तक मरयम एलिज़बेथ के यहाँ रहने के बाद वह अपने घर वापस गई -

एलिशिबा

एलिशिबा की बाबत नोट 22:04 में देखें -

जैसे ही एलिशिबा ने मरयम का सलाम सुना

कुछ ज़बानों के लिए यह कहना बेहतर होगा,"मरयम ने एलिशिबा को सलाम किया और जैसे ही एलिशिबा ने मरयम कि सुनी"

बच्चा उस के अन्दर उछल पड़ा

मरयम ने जैसे ही एलिशिबा को जैसे ही सलाम किया तब बच्चा अचानक एलिशिबा के पेट में उछल पड़ा -

जो ख़ुदा ने उनके लिए किया

यह उस सच्चाई को ज़ाहिर करता है कि दोनों औरतें अगर हामिला थीं तो इस में ख़ुदा की फ़ौक़ुल फ़ितरत क़ुदरत का हाथ था – मरयम किसी आदमी के बग़ैर हामिला हुई और एलिशिबा भी ज़करियाह से तब हामिला हुई जब वह दोनों बच्चे होने के उम्र को पार कर चुके थे

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- मरियम, 'ईसा की माँ
- ख़ुदावन्द

22:07

इसके बाद एलिज़बेथ ने अपने बेटे को जन्म दिया –ज़करिया और एलिज़बेथ ने अपने बेटे का नाम यूहन्ना रखा जैसा कि फ़रिश्ते ने उन्हें हुक्म दिया था - फिर ख़ुदा ने ज़करिया को दुबारा बोलने लायक़ कर दिया –ज़करिया ने कहा ," ख़ुदा की हम्द हो क्यूंकि उसने अपने लोगों को याद रखा ! ऐ मरे बेटे ,तू ख़ुदा तआला का नबी होगा –यौम लोगों से कहोगे कि किस तरह अपने गुनाहों से मुआफ़ी हासिल की जाती है " !

एलिशिबा

एलिशिबा कि बाबत नोट 22:04 में देखें -

ख़ुदा की हम्द हो

मतलब यह कि "हम सब को ख़ुदा की हम्द ओ तारीफ़ करनी चाहिए" -

कहा जाएगा

कहने का दूसरा तरीका है ,"होगा" या "जाना जाएगा" युहन्ना सच मुच में ख़ुदा तआला का नबी होगा -

ख़ास नबी

मतलब यह कि "निहायत ही अहम् नबी"युहन्ना वह नबी होगा जो पुराने अह्दनामे के नबियों ने पेशगोई की थी कि वह मसीहा से पहले आएगा -

ख़ुदा -ए- तआला

कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि "ख़ुदा जो हरेक चीज़ से बड़ा है " या "ख़ुदा जो हर चीज़ पर हुकूमत करता है"

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे केअलफ़ाज़

- ज़करियाह (नया'अहद नामा)
- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- ख़ुदावन्द
- ज़करियाह (नया'अहद नामा)
- हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

_लूका 1 बाब से बाइबिल की एक कहानी _

23. येसु का जन्म

23:01

मरयम की मंगनी युसुफ़ नाम एक रास्त्बाज़ शख्स के साथ हुई थी -जब उस ने सुना कि मरयम हमल से है तो वोह जानता था कि वोह उस का बच्चा नहीं है - किसी तरह वोह मरयम को बदनाम करना नहीं चाहता था -इसलिए उसने फ़ैसला किया कि उस पर रहम करे और चुपके से उसे छोड़ दे -मगर इस से पहले कि वोह ऐसा कर सकता था एक फ़रिश्ता उस के ख़ाब में आया और उससे बातें कीं -

वह जानता था कि वह उसका बच्चा नहीं था

मतलब यह कि “वह जानता था कि उसके हामिला होने का ज़िम्मेदार वह नहीं था -

मरयम को बदनाम करना

मतलब यह कि “मरयम को सरे आम बे – इज़्ज़त नहीं करना चाहता था” या मरयम को सरे आम शर्मिंदा नहीं करना चाहता था” यूसुफ़ मरयम के लिए रहमदिल था -हालाँकि उसे ऐसा लग रहा था कि वह एक ज़िनाकार औरत है -

उसने सोचा कि वह उसे छोड़ देगा

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”उसने मंसूबा किया कि दूसरों से कुछ कहे बग़ैर वह उसको तलाक़ दे देगा – या उसने मंसूबा किया कि उस के हम्ल की बाबत किसी को कुछ कहे बग़ैर तलाक़ दे देगा -क्यूंकि यूसुफ़ एक रास्तबाज़ शख़्स था ,वह चाहता था कि समाज में चुपके से तलाक़ देने का मुआमला बेहतर तरीक़ा होगा -

उसको तलाक़ दे

कुछ ज़बानों के लिए यह कहना बेह्तर होगा ,उन की मंगनी को तोड़ने के लिए” यूसुफ़ और मरयम “मंगनी शुदा’ थे या “शादी के लिए क़ानूनी तोर से बंधे हुए थे” मगर यहूदी रिवाज के मुताबिक़ मंगनी तोड़ने के लिए तलाक़ की ज़रूरत थी -

एक ख्वाब में

इस का मतलब “जब वह सोया हुआ था और ख़्वाब देख रहा था”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मरियम, 'ईसा की माँ
- रास्तबाज़, रास्तबाज़ी
- यूसुफ़ (नया ‘अहद नामा)
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- ख़्वाब

23:02

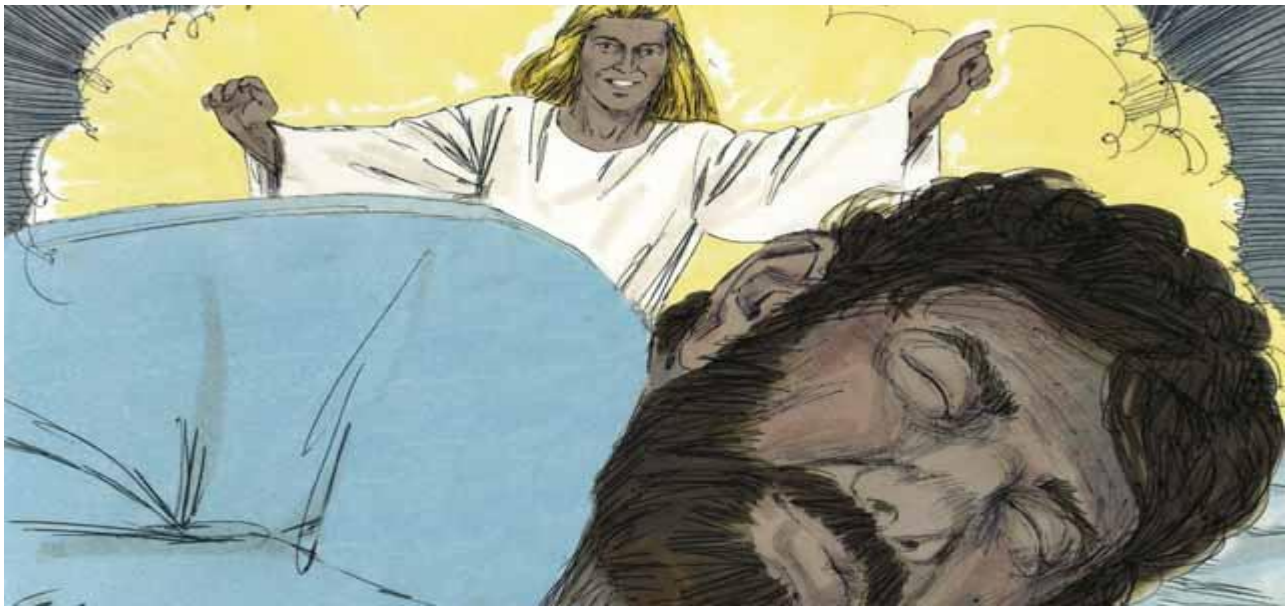

फ़रिश्ते ने कहा , " यूसुफ़ तू मरयम को अपनी बीवी बतोर घर ले आने से मत डर,वोह जो बच्चा उस के पेट में है रूहल क़ुदुस से है - वोह एक बेटा जनेगी , तू उस का नाम येसु रखना , (जिसके मायने हैं याह्वे बचाता है) क्यूंकि वोह अपने लोगों को उनके गुनाहों से बचायेगा –"

मरयम को अपनी बीवी बनाकर घर ले आने से मत डर

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है ,"ऐसा सोचना बंद करो कि तुमको मरयम से शादी नहीं करनी है" या "मरयम को अपनी बीवी बनाने से मत हिचकिचाओ"

रूहुलक़ुदुस से है

जिस का मतलब है "रूहुलक़ुदुस के एक मोजिज़े के ज़रिये हामिला थी"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- यूसुफ़ (नया 'अहद नामा)
- मरियम, 'ईसा की माँ
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- बेटे, बेटों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यहोवा
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

23:03

सो यूसुफ़ ने मरयम से शादी की और अपनी बीवी को अपने घर ले आया ,और जब तक अपने बच्चे को जन्म नहीं दिया तब तक वोह मरयम के साथ नहीं सोया -

वह उस के साथ नहीं सोया था

मतलब यह कि “उसने उसके साथ जिंसी ताल्लुक़ात नहीं रखे थे” बच्चे के जन्म तक उस ने अपने कुंवारिपन को क़ाइम रखा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूसुफ़ (नया ‘अहद नामा)
- मरियम, 'ईसा की माँ

23:04

जब मरयम के वज़ा -इ-हमल का वक़्त नज़दीक था तो वोह और यूसुफ़ ने बेथलेहम शहर के लिए एक लम्बे सफ़र को अंजाम दिया -उनको वहाँ इसलिए जाना था क्यूंकि **रोमी सरकार** इस्राईल के मुल्क में तमाम लोगों कि इस्म नवीसी कराना चाहती थी -सरकार चाहती थी कि हर एक ख़ानदान वहाँ जाए जहां उनके बाप -दादा रहते थे -दा ऊद बादशाह बेथलेहम में पैदा हुआ था ,और वोह मरयम और यूसुफ़ दोनों का अजदाद था -

जब मरयम के लिए वज़ा -ए- हम्ल का वक़्त क़रीब था

मतलब यह कि “मरयम के लिए बच्चा जनने का वक़्त करीब आचुका था”

रोमी सरकार

उन दिनों रोमी लोग इस्राईल पर हुकूमत करते थे

इस्म नवीसी के लिए

मतलब यह कि सरकारी दस्तावेज़ में नाम लिखवाने के लिये” या “ताकि सरकार उनके नाम फ़ेहरिस्त में लिख सके” या “सरकार के ज़रिये उन कि गिनती हो सके” यह इस्म नवीसी ग़ालिबन लोगों से महसूल लेने की ग़रज़ से की जाती थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मरियम, 'ईसा की माँ
- रोम, रोमी
- यूसुफ़ (नया ‘अहद नामा)
- नासरत, नासरियों
- बैतलहम, इपफ़ात
- दाऊद

23:05

मरयम और यूसुफ़ बैथलेहम को गए ,मगर सराय में उनके टिकने के लिए कोई जगह नहीं थी सिरफ़ कुछ जानवरों के लिए जो वहां बंधे हुए थे -वहीँ पर मरयम ने अपने बच्चे को जन्म दिया और उस बच्चे को **चरनी** में रखा -क्यूंकि उस बच्चे के लिए बिस्तर भी नसीब नहीं था -उनहोंने उसका नाम येसु रखा -

ठहरने के लिए जगह नहीं थी

मतलब यह कि “ठहरने के लिए आम जगह नहीं थी” क्यूंकि उन दिनों बैतलहम में बहुत ज़ियादा भीड़ थी कि सराए के कमरे पहले से ही लोगों से भरे हुये थे-

वह जगह जहां जानवर बंधे हुए थे

वह जानवरों की चरनी की जगह थी वह जगह नहीं जहाँ लोग रहते थे -इस को इस तरह तर्जुमा करें जिसमें एक आम लफ़्ज़ का इस्तेमाल हो जहां जानवर रखे जाते थे -

चरनी

मतलब है “जानवरों के खाने का संदूक” या “लकड़ी या पत्थर का संदूक़ ज़ो जानवरों को खिलाने के लिए इस्तेमाल होता था” संदूक़ को अनाज की बालियों भूसा से भरा जा सकता था ताकि बच्चे को उसपर लिटाने के लिए एक नरम गद्देदार सतह मुहय्या हो -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बैतलहम, इपफ़ात
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

23:06

उस रात कुछ चरवाहे पास वाले मैदान में अपने गल्ले कि रखवाली कर रहे थे -अचानक एक चमकीला फ़रिश्ता उनपर ज़ाहिर हुआ -और वोह उसे देखकर डर गए , तब फ़रिश्ते ने उनसे कहा , " **मत डरो** ,क्यूंकि मैं तुमको एक ख़ुशी की ख़बर देता हूँ कि तुम्हारे लिए बेथलेहम में मसीहा (मालिक)का जन्म हुआ है –"

अपने गल्ले की रखवाली करना

"गल्ला" भेड़ों के झुण्ड को कहा जाता है -चरवाहे अपने भेड़ों की रखवाली कर रहे थे और उनके ज़ख़्मी होने या चोरी होने से उनकी हिफ़ाज़त कर रहे थे -

एक नूरानी फ़रिश्ता

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"तेज़ रौशनी से घिरा हुआ एक फ़रिश्ता" चमकती हुई रौशनी रात के अँधेरे के मुक़ाबले में और ज़ियादा तेज़ दिखाई दे रही थी -

वह घबरा गए थे

फ़ौक़ुल फ़ितरत फ़रिश्ते का मुज़ाहिरा अज़हद खौफ़नाक था-

मत डरो

अक्सर इस के मायने होते हैं "खौफ़ खाना बंद करो" चरवाहे बहुत ज़ियादा डर गए थे जब उन्होंने फ़रिश्ते को देखा था इस लिए वह उनसे कह रहा था कि डरने कि ज़रुरत नहीं थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- मसीह ,मसीहा
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- बैतलहम, इपफ़ात

23:07

जाओ ,उस बच्चे कि तलाश करो ,तुम को कपड़े में लिपटा और एक **चरनी** पड़ा हुआ पाओगे -तब अचानक आसमान फरिशतों से भर गया ,वोह खुदा कि हमद करते हुए कहते थे कि " आलम -इ – बाला पर खुदा कि तम्जीद हो-औरज़मीन पर उन आदमियों में जिन से वोह राज़ी है सुलह "

आम मालूमात

फ़रिश्ते ने बात करना जारी रखा

कपड़ों में लिपटा हुआ

उन दिनों के रिवाज के मुताबिक़ नौज़ादा बच्चे को लम्बे कपड़ों के टुकड़ों से मज़बूती से लपेट कर रखा जाता था

चरनी

यानि कि "जानवरों को खिलाने वाला संदूक" 23:05 में भी देखें कि आप ने इसे किस तरह तर्जुमा किया था -

फ़रिश्तों से भरी हुई

इस का मतलब है वहां बहुत सारे फ़रिश्ते थे ऐसा लगता था जैसे फ़रिश्तों से आसमान भर गया हो -

ख़ुदा का जलाल हो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "आओ हम सब मिलकर ख़ुदा को जलाल दें" या "हमारा ख़ुदा तमाम इज़्ज़त और जलाल का हक़दार है" या हम सब मिलकर ख़ुदा को जलाल देते हैं"-

ज़मीन पर सुलह

इसे कहने का दूसरा तरिक़ा यह होगा कि "वहां ज़मीन पर सुलह हो"-

वह जिन से राज़ी है

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ख़ुदा जिन लोगों पर मेहरबान होकर , खुश होकर या नवाज़िश करते हुए नज़र करे”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- ख़ुदावन्द
- जलाल,जलाल से मा’मूर, ता’रीफ़, ता'रीफ़ करता है
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले

23:08

फिर फ़रिश्ते चले गए ,चरवाहे भी अपने भेरों को छोड़ कर बच्चे की तलाश में निकल पड़े -बहुत जल्द वोह उस मक़ाम पर पहुंचे जहां येसु था और वोह उसको कपड़े में लिपटा चरनी में पड़ा हुआ पाया जिस तरह फ़रिश्ते ने उन से कहा था -वोह उसे देखकर बहुत खुश हुए -फिर वोह मैदानों में लौट गए जहां उनकी भेड़ें थीं -उन्हों ने उन सब बातों के लिए खुदा का शुक्रिया अदा किया और उसकी तारीफ़ की जो उन्होंने देखा और सुना था -

जो कुछ उन्होंने सुना और देखा

मतलब यह कि “जो कुछ उन्होंने सुना और देखा उस हर एक चीज़ के लिए” इस में वह जलाली फ़रिश्ते और उनका अजीब पैग़ाम साथ में नौ ज़ादा मसीहा का दीदार भी शामिल है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- मरियम, 'ईसा की माँ
- हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात
- ख़ुदावन्द

23:09

पूरब में कुछ लोग थे जो सितारों का इल्म रखते थे ,वोह मजूसी थे और बड़े अक़लमंद थे -उन्होंने आसमान में एक ग़ैर मामूल सितारा देखा -उनहोंने कहा " इस का मतलब यह है कि एक नए बादशाह का जन्म हुआ है सो उन्हों ने उस बच्चे को देखने के लिए अपने मुल्क से दूर सफ़र करने का फ़ैसला किया -एक लम्बा सफ़र अंजाम देने के बाद वोह बेथलहम आये और उस घर को पाया जहां येसु और उसके मांबाप रहते थे -

कुछ अरसा बाद

यह साफ़ नहीं है कि येसु की पैदाइश के कितने अरसे बाद मजूसियों ने तारे को देखा और कब उन्होंने बैतलहम की तरफ़ सफ़र को अंजाम देने का मंसूबा बनाया और इस के लिए तय्यारी की -

मजूसी लोग

मजूसी लोग ग़ालिबन नजूमी थे जो तारों की बाबत मुताला करते थे - यह भी हो सकता है इन्हें पुराने अहदनामे के नबियों का इल्म भी हो जिन में येसु की पैदाइश की पेशगोई पाई जाती है -

ग़ैर मामूली तारा

वह तारा जिसे उन्होंने देखा वह कोई मामूली तारा नहीं था - वह सिर्फ़ येसु की पैदाइश के वक़्त ही ज़ाहीर हुआ था -

उन्होंने पहचाना

कुछ ज़बानों में यह जोड़ा जा सकता है ,उनके मुताले के मुताबिक उन मजूसियों ने पहचाना -

उस घर पर

अब वह उस जानवरों की चरनी की जगह पर नहीं थे जहां वह पैदा हुआ था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ’अक़्लमंद ,‘अक़्ल
- याहूदियों का बादशाह, यहूदियों का बादशाह
- बैतलहम, इपफ़ात
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

23:10

जब इन लोगों ने येसु को उसकी मान के साथ देखा तो उनहोंने उसके आगे सर झुका कर **सिजदा किया** -उन्हों ने येसु को कीमती तोहफ़े दिए फिर वोह अपने घर लौट गए जहाँ से वोह आए थे -

मजूसी लोग

देखें कि आप ने इस लफ्ज़ को 23:09 में किस तरह तर्जुमा किया है -

सिजदा किया

मतलब यह कि “उन्हों ने ज़मीन पर झुक कर सिजदा किया” उस ज़माने में यह किसी को बहुत ज़ियादा इज़्ज़त और ताज़ीम पेश करने का एक रिवाजी तरीक़ा था -

क़ीमती

मतलब है “बहुत ही बेश क़ीमत”

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ‘इबादत

_मतती 1 ; लूक़ा 2 से बाइबिल की एक कहानी _

24 .युहन्ना येसु को बपतिस्मा देता है -

24:01

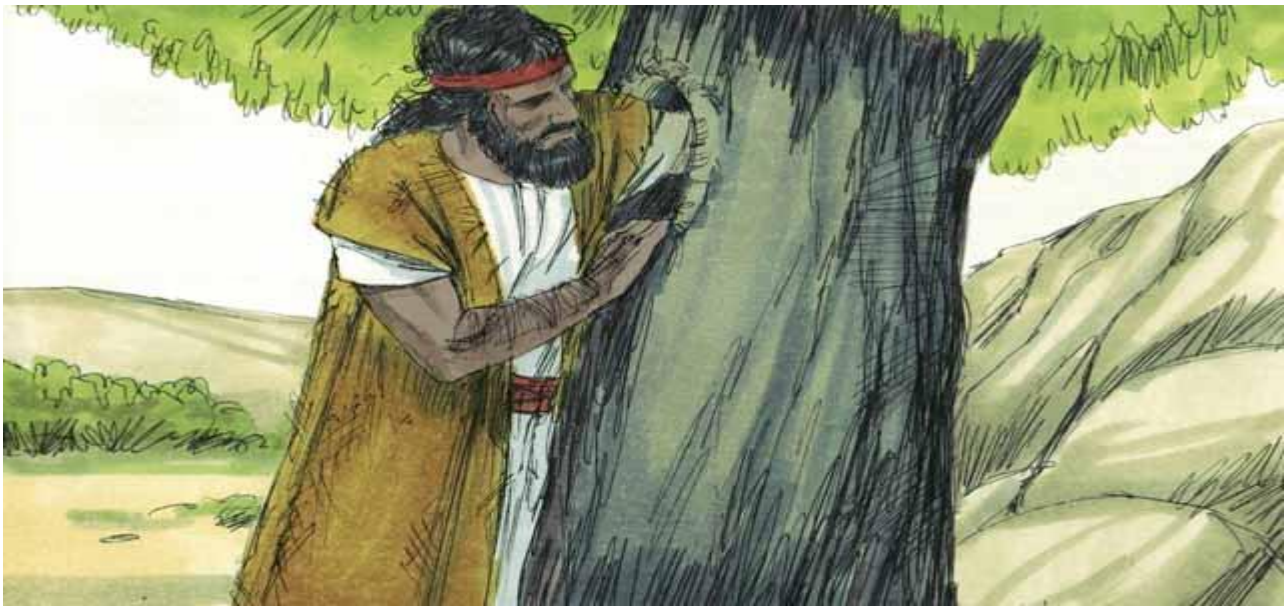

युहन्ना जो ज़करयाह और एलिज़बेथ का बेटा था , बड़ा हुआ और एक नबी बन गया -वह **बयाबान** में रहता था , और **जंगली शहद** और **टिड्डियाँ** उसकी खुराक थी और **ऊँट के बालों की पोशाक** पहनता था -

बयाबान

मतलब है “रेगिस्तान” या “वीरान इलाक़ा” या “रेगिस्तान जैसी जगह” कुछ ही लोग इस इलाक़े में रहने पाते हैं -

जंगली शहद

यह शहद बयाबान में शहद की मक्खियों से बना क़ुदरती शहद था -यह लोगों के ज़रिये पैदा किया गया शहद नहीं था अगर शहद के लफ़्ज़ को लोग समझते हैं तो इस में जंगली का लफ़्ज़ जोड़ने की ज़रूरत नहीं है-

टिड्डियाँ

यह कसीर तादाद में परों के साथ उछल कूद करने और उड़ने वाले वाले पतिंगे थे -बयाबान में रहने वाले कुछ लोग इन्हें खाते हैं -

ऊँट के बाल

ऊँट एक जानवर है जिसके बहुत सख़्त रूएं होते हैं -उसके रुओं से लोग कपड़े बनाते हैं -इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “कड़े जानवर के बाल”

ऊँट के बालों की पोशाक

मतलब यह कि “ऊंटों के बालों से बने रूएंदार कपड़े” बयाबान में इन कपड़ों को जलदी से नहीं पहना जाएगा जैसे दूसरे कपड़े पहने जाते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- ज़करियाह (नया’अहद नामा)
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

24:02

बहुत से लोग युहन्ना की बातें सुनने के लिए **बयाबान** से निकलकर आए और उसने उनको यह कहकर मनादी की कि " **तौबा करो** क्यूंकि खुदा की बादशाही नज़दीक है -

बयाबान

देखें कि आप ने इस लफ़्ज़ को 24:01 में किस तरह तर्जुमा किया है -

तौबा करो

यह कहना बेहतर होगा "अपने गुनाहों से तौबा करो"-

ख़ुदा की बादशाही नज़दीक है

इसका मतलब है "ख़ुदा की बादशाही ज़ाहिर होने को तैयार है" या "ख़ुदा की बादशाही बहुत जल्द पहुँचने वाली है" यहजाहिर करता है कि ख़ुदा लोगों पर बादशाही कर रहा है - इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "ख़ुदा कि हुकूमत शुरू होने को है" या "ख़ुदा अनक़रीब बादशाह बतौर हुकूमत करेगा"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- 'ऐलान करना, 'ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा'ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

24:03

जब लोगों ने युहन्ना के पैग़ाम को सुना तो बहुतों ने **अपने गुनाहों से तौबा की** और युहन्ना ने उन्हें बपतिस्मा दिया - कई एक मज़हबी रहनुमा भी युहन्ना को देखने के लिए आए मगर उन्हों ने अपने गुनाहों से न तो तौबा करी और न उनका इक़रार किया -

अपने गुनाहों से तौबा की

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "अपने गुनाहों से मुताल्लिक़ तौबा की" या "अपने गुनाहों की बाबत अपने ख़यालात बदले" या वह अपने गुनाहों से फिरे"

तौबा नहीं की

मतलब यह कि "अपने गुनाहों से नहीं फिरे"-

अपने गुनाहों का इक़रार किया

इक़रार करने का मतलब है कि इस बात का इल्म होना कि कुछ तो सच्चाई है - यह रहनुमा इस बात से वाकिफ़ होना नहीं चाहते थे कि उन्हों ने गुनाह किया है - इसे इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "कबूल किया कि उन्होंने गुनाह किया है"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- यहूदियों, यहूदी

24:04

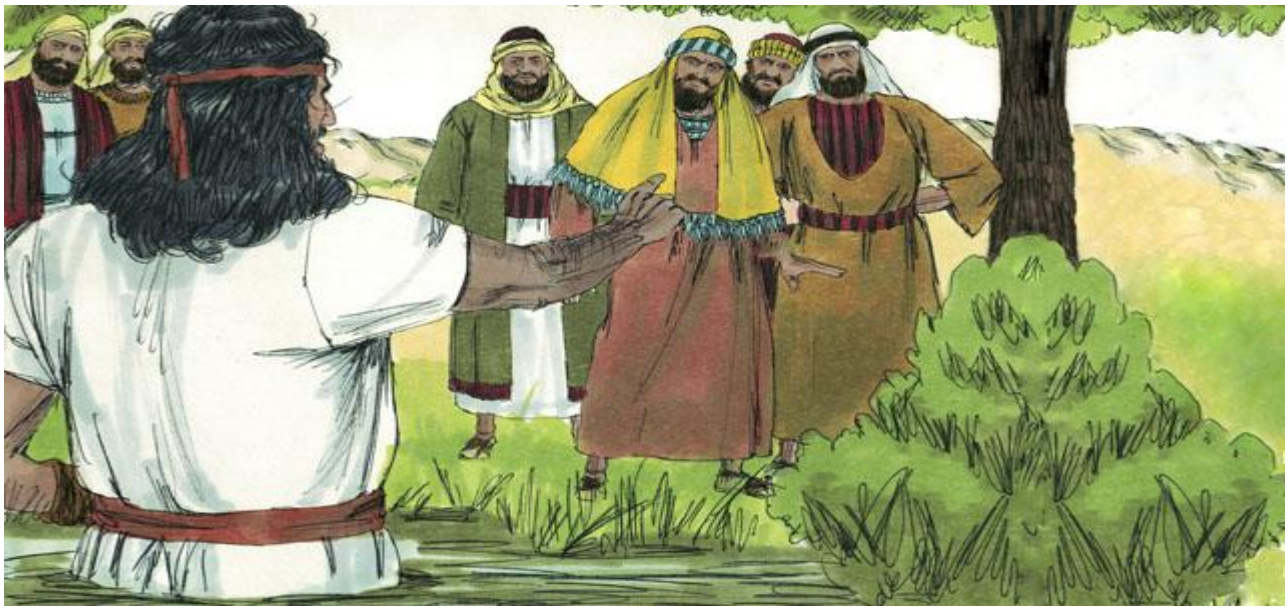

युहन्ना ने उन मज़हबी रहनुमाओं से कहा “ऐ सांप के बच्चो तौबा करो और तौबा के मुआफ़िक़ फल लाओ -ख़ुदा हर उस दरख़्त को काट डालेगा जो तौबा के मुआफ़िक़ फल नहीं लाता और वोह उन्हें आग में झोंक देगा “- नबियों ने जो जो बातें युहन्ना कि मारीफ़त कहे थे उन सब को पूरा किया ,” **देखो** बहुत जल्द मैं अपना पैग़म्बर तुम्हारे आगे भेजूंगा जो तुम्हारी राह तैयार करेगा -

अफ़ई के बच्चो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “तुम ज़हरीले साँपों की तरह झूट बोलते हो” युहन्ना उन्हें ज़हरीले सांप कहकर बुलाता था क्यूंकि वह ख़तरनाक और धोकेबाज़ थे -

हर एक दरख़्त जो अच्छा फल नहीं लाता

युहन्ना सचमुच दरख़्तों की बाबत बात नहीं कर रहा है -यह एक तआस्सुर है अच्छे फल , अच्छे आमाल और अच्छे बर्ताव से मवाज़िना करने का जो ख़ुदा की तरफ़ से आते हैं -

काट डाला जाएगा और आग में फेंक दिया जाएगा

इस का मतलब है “ख़ुदा के ज़रिये इंसाफ़ किया जाएगा और सज़ा दी जाएगी -

युहन्ना ने पूरा किया

इसका मतलब है “युहन्ना काम कर रहा था” जो नबी ने कहा कि ख़ुदा का पैग़म्बर उन कामों को करेगा -

देखो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “ग़ौर करो और देखो” या “ध्यान दो”!

मेरा पैग़म्बर

मतलब यह है कि “मैं यहवह , अपने पैग़म्बर को भेजूंगा”कुछ ज़बानों में इस जुमले के लिए दूसरे अंदाज़ में बयान ज़ियादा सही साबित होगा जैसे : जो यसायाह नबी ने नबुव्वत की जब उसने कहा कि वह अपने पैग़म्बर को भेजेगा”-

तेरे आगे

इस मुहावरे में लफ़्ज़ “तुम” मसीहा की तरफ़ इशारा करता है -

तेरी राह तैयार करेगा

ख़ुदा का पैग़म्बर लोगों को तैयार करेगा कि वह मसीहा के कलाम को सुनें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- यहूदियों, यहूदी
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- पूरा कर, पूरा हुआ
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

24:05

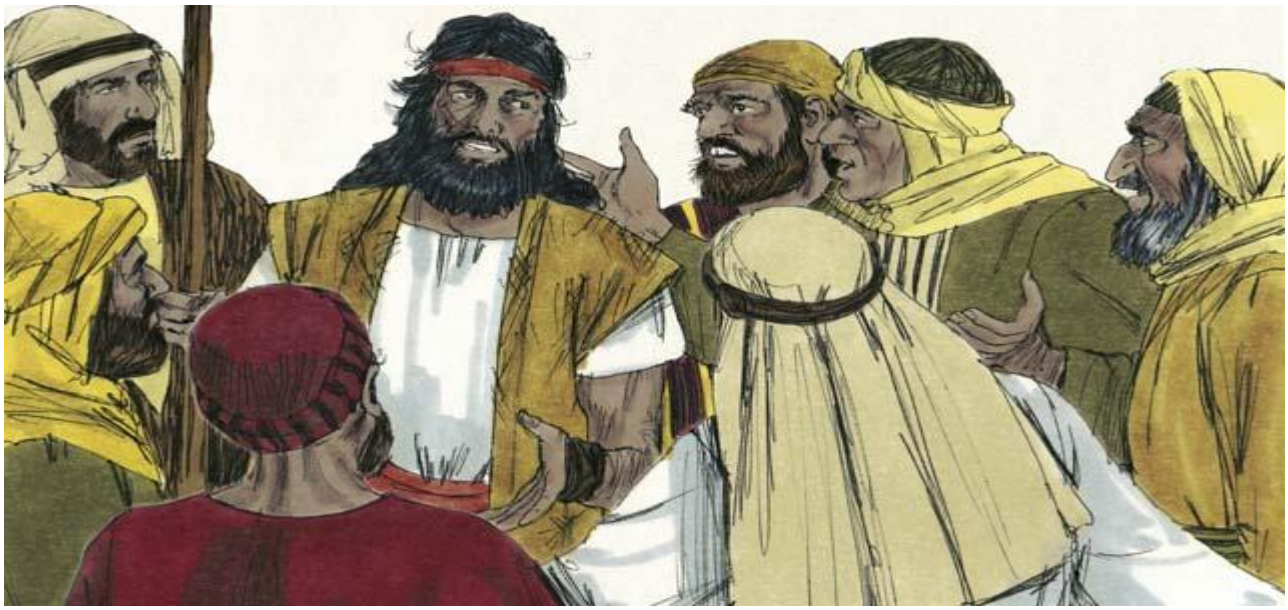

कुछ मज़हबी रहनुमाओं ने युहन्ना से पूछा कि क्या तू मसीह है ? युहन्ना ने जवाब दिया कि वह मसीह नहीं है मगर उस के बाद जो आने वाला है वह मसीह है - वह मुझसे बड़ा है कि मैं उसकी जूती का तस्मा खोलने के भी लायक़ नहीं हूँ "-

वह ज़ियादा बड़ा होगा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे वह बहुत ज़ियादा अहमियत रखता है -

उसकी जूती का तसमा खोलने के लायक़ नहीं

दूसरे लफ़्ज़ों में "उसके मुक़ाबले में मैं उतना अहम् नहीं हूँ यहाँ तक कि छोटे से छोटा काम उसके लिए करूं" जूती का तसमा खोलना बहुत ही छोटा काम होता है जोकि गुलाम या नौकर लोग करते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- मसीह ,मसीहा

24:06

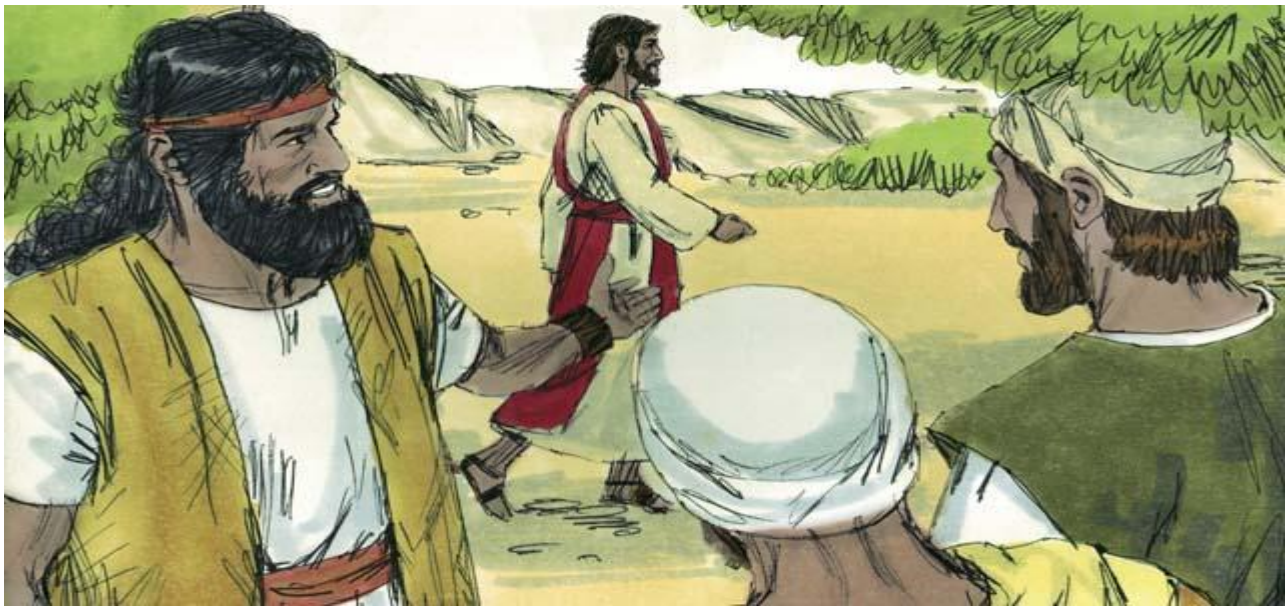

दुसरे दिन येसु युहन्ना से बपतिस्मा लेने को आया -जब युहन्ना ने उसको देखा तो उसने कहा ,” देखो ! यह खुदा का बर्रा है जो दुनया के गुनाह उठा ले जाता है –“

यह है

कुछ ज़बानों में ऐसा होगा ,”यहाँ है” या “वह शख्स है”

ख़ुदा का बर्रा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”ख़ुदा की तरफ़ से बर्रा” या “क़ुर्बानी का बर्रा जो ख़ुदा ने मुहय्या किया है” येसु गुनाह के लिए कामिल क़ुर्बानी था जिसे मुहय्या करने के लिए ख़ुदा ने वायदा किया था -पुराने अहद नामे में जो बर्रों की क़ुर्बानी पेश कि जाती थीं वह उन नमूनों को पूरा करता है -

उठा ले जाएगा

येसु की क़ुर्बानी जिससे ख़ुदा हमारे गुनाह को इस तरह देखता है जैसे वह कभी वजूद में ही नहीं थे -

दुनिया के गुनाह

मतलब यह कि “दुनिया के लोगों के गुनाह”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा
- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

24:07

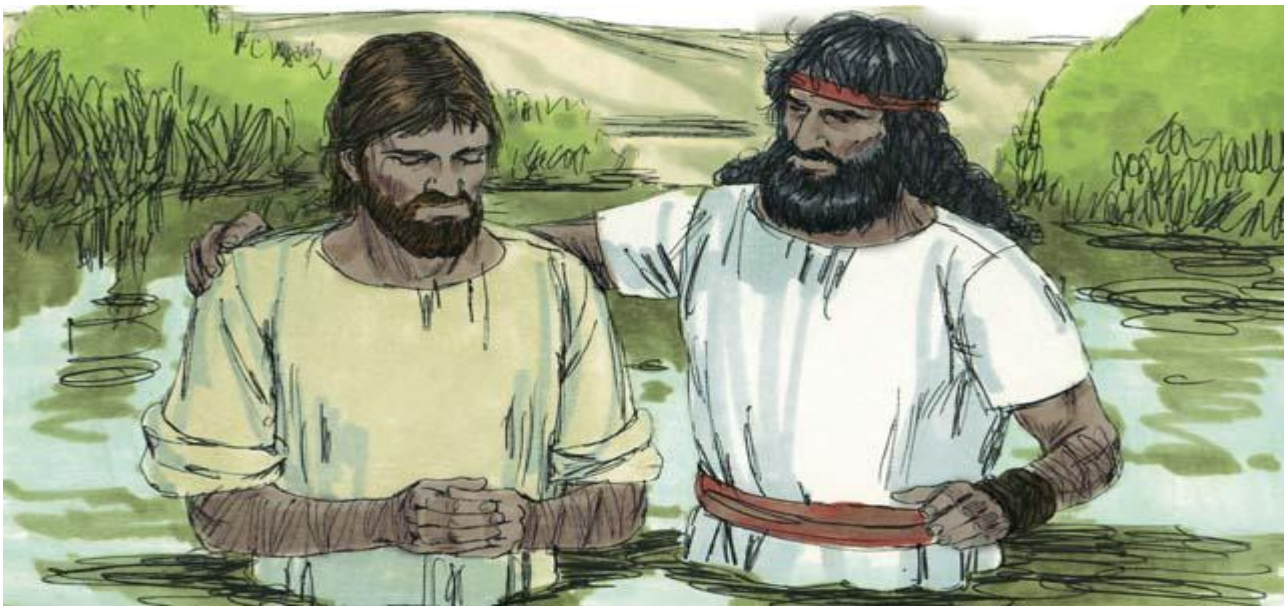

युहन्ना ने येसु से कहा ,"मैं इस लायक़ नहीं कि तू मुझे बपतिस्मा दे बल्कि मुझे तुझसे बपतिस्मा लेनी चाहिए "-मगर येसु ने कहा "मुनासिब है कि तू मुझे बपतिस्मा दे" इस पर युहन्ना ने येसु को बपतिस्मा दिया हालांकि येसु ने कभी कोई गुनाह नहीं किया था -

मैं इस लायक़ नहीं हूँ कि तुझे बपतिस्मा दूँ

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे कि "मैं उतना अच्छा नहीं हूँ कि तुझे बपतिस्मा दूँ" या "मैं गुनाहगार हूँ इसलिए मुझे तुझको बपतिस्मा नहीं देनी चाहिए"-

ऐसा करना मुनासिब है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे कि "ऐसा करना ठीक है" या "ख़ुदा मुझ से चाहता ही कि मैं ऐसा करूँ "-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

24:08

जब येसु बपतिस्मा लेने के बाद पानी से बाहर आया तो खुदा का रूह एक कबूतर कि शक्ल में ज़ाहिर हुआ – वह नीचे आकर उसपर ठहर गया - उसी वक़्त खुदा कि आवाज़ आसमान से सुनाई दी कि “तू मेरा प्यारा बीटा है ,मैं तुझ से प्यार करता हूँ , और मैं तुझ से बहुत खुश हूँ –“

मेरा बेटा जिस से मैं महब्बत रखता हूँ

इस का जो तर्जुमा किया गया है इसका मतलब यह नहीं है कि ख़ुदा का कोई दूसरा बेटा भी है ,यह कहना ज़रूरी हो सकता है कि ,”तुम मेरे बेटे हो मैं तुम से बहुत प्यार करता हूँ और मैं तुम से खुश हूँ -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की

24:09

खुदा ने युहन्ना से कह रखा था कि “जिस शख्स को तुम बपतिस्मा दोगे और रूहुल क़ुदुस उसपर उतर आए वही खुदा का बेटा है “- खुदा एक ही है - मगर युहन्ना ने जब येसु को बपतिस्मा दिया तो उस ने खुदा बाप को बोलते हुए सुना , उसने खुदा बेटे को देखा जो येसु है , और उसने रुहुल क़ुदुस को कबूतर कि शक्ल में देखा -

ख़ुदा ने यूहन्ना से कह रखा था

मतलब यह कि “बपतिस्मे से पहले ख़ुदा ने युहन्ना से कह रखा था” या “इससे पहले कि येसु युहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए ,ख़ुदा ने युहन्ना से कहा था”

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

_मत्ती 3 बाब ; मरकुस 1 : 9 -11 ; लूका 3 : 1 -23 तक बाइबिल की एक कहानी _

25 . शैतान येसु की आज़माइश करता है -

25:01

येसु के बपतिस्मा लेने के फ़ौरन बाद रूहुल क़ुदुस उसको जंगल में ले गया - वहाँ येसु चालीस दिन चालीस रात रहा - उस दौरान उसने फ़ाक़े किये और शैतान येसु के पास आया और गुनाह के लिए आज़माया -

रूहुल क़ुदुस उस को ले गया

मतलब यह कि “रूहुल क़ुदुस ने उसकी रहनुमाई की” या रूहुल क़ुदुस ने उसे मुक़र्ररा जगह पर जाने की तलक़ीन की -

बयाबान

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था “रेगस्तानी इलाक़ा”या वीरान जगह ,थोड़े लोगों के साथ एक बंजर इलाक़ा” ऐसे इलाक़े में ग़ालिबन थोड़े से पेड़ पौदे होते हैं - सो बहुत से लोग इस में रहना पसंद नहीं करते -

चालीस दिन और चालीस रात

इस का मतलब है “पूरे चालीस दिन और पूरे चालीस रात” इस मुहावरे का तर्जुमा करते वक़्त यक़ीन करें कि यह अस्सी दिन के मायने नहीं देता -

गुनाह करने के लिए उसे आज़माया

जबकि येसु ने कोई गुनाह नहीं किया तो यह यक़ीन करें कि आप एक लफ़्ज़ का इस्तेमाल करते हैं जो नाफ़िज़ नहीं होता कि शैतान येसु को गुनाह के लिए क़ायल करने में कामयाब हुआ इस मुहावरे को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था “गुनाह करने के लिए क़ायल करने कि कोशिश की -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- रोज़ा, रोज़े, रोज़ा रखा, रोज़ा, रोज़ा रखना
- शैतान, शैतान, बुरा
- आज़माइश करने, आज़माइश
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

25:02

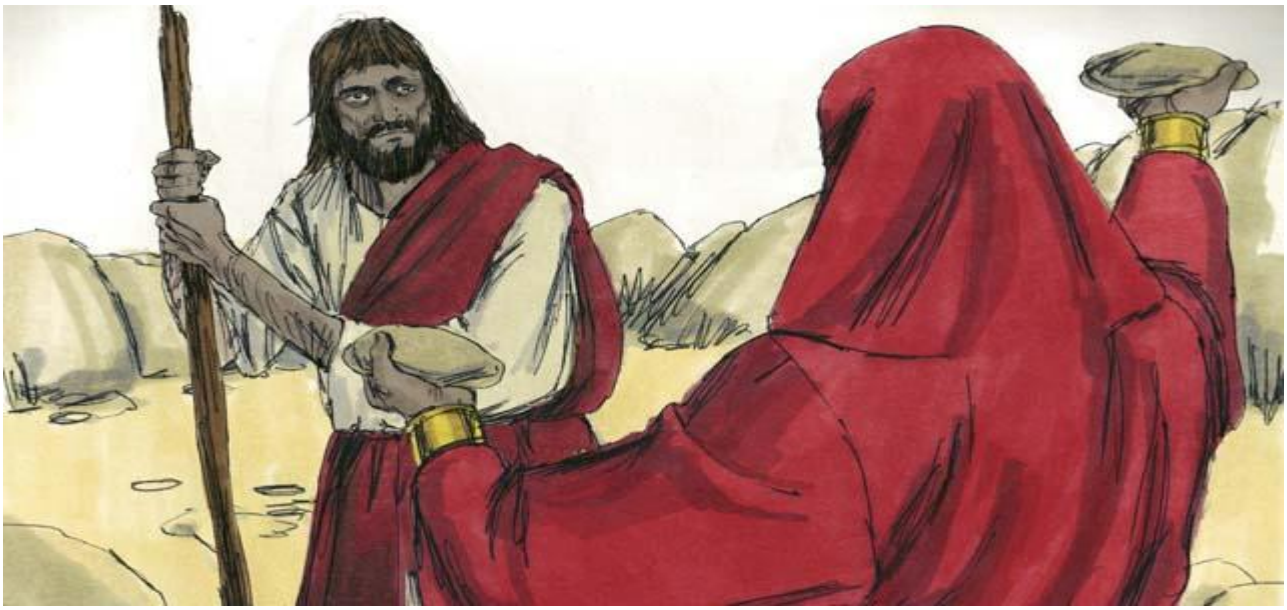

सब से पहले शैतान ने येसु से कहा ,"अगर तू खुदा का बेटा है तो कह कि यह पत्थर रोटियाँ बन जाए –"

इन पत्थरों को रोटियों में तबदील करदे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया किया जा सकता है,"इन पत्थरों को ऐसा कर कि यह रोटियाँ बन जाएँ " या "फ़ौक़ुल फ़ितरत तरीके से इन पत्थरों को रोटियां बना दे

रोटी

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,"खाना" कुछ ज़बानों में रोटी आम खाना नहीं है -यहूदी रिवाज में रोटी अहम् खाना होता था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शैतान, शैतान, बुरा
- आज़माइश करने, आज़माइश
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

25:03

मगर यीशु ने शैतान से कहा ,"ख़ुदा के कलाम में लिखा है कि लोगों को ज़िन्दगी जीने के लिए सिर्फ़ **रोटी** ही की ज़रुरत नहीं होती ,मगर हर एक बात जो ख़ुदा उन से कहता है उसकी ज़रुरत होती है –"

रोटी

ध्यान रखें कि "रोटी' को तर्जुमा करने के लिए उसी लफ़्ज़ का इस्तेमाल किया है जिस तरह आप ने 25:02 में किया था -

मगर हर एक अलफ़ाज़ के लिए ज़रूरी है कि वह ख़ुदा कि तरफ़ से बोला जाए

इस को तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा यह है कि "बल्कि लोगों को सुनने और हर एक बात पर अमल करने की ज़रूरत है जो ख़ुदा कहता है" या ख़ुदा जो कहता है उस पर यक़ीन करने और अमल करने से लोगों के पास हक़ीक़ी ज़िन्दगी होगी "

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- ख़ुदावन्द

25:04

फिर शैतान यीशु को मंदिर के कंगूरे पर ले गया और उस से कहा ,"अगर तू ख़ुदा का बेटा है तो ज़मीन पर छलांग लगा दे ,क्यूंकि **लिखा है** कि ख़ुदा अपने फरिश्तों को हुक्म देगा कि तुझको हाथों हाथ उठालें और तेरे पांव को पत्थर से ठेस न लगने पाएं -"

ख़ुद को नीचे गिरादे

इसका मतलब है "इमारत से नीचे ज़मीन पर छलांग लगादे"

लिखा है

मतलब यह कि "एक ख़ुदा के नबी ने बहुत पहले कलाम में लिखा"

इसलिए ताकि तेरे पांव को पत्थर से ठेस न लगे

इसका मतलब है "ताकि तुझको हरगिज़ चोट न लगे बल्कि तेरे क़दम पत्थर से ज़ख़्मी न होने पाएं – इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था "ताकि तेरे पांव को पत्थर से चोट न लगे और तू हरगिज़ ज़ख़्मी नहीं हो -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शैतान, शैतान, बुरा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- हैकल
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- ख़ुदावन्द
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते

25:05

मगर येसु ने वह नहीं किया जो शैतान उस से कराना चाहता था - बल्कि उस ने उस से कहा ,"ख़ुदा हर एक से कहता है कि तू अपने खुदावंद खुदा की आज़माइश न कर"

ख़ुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुकम देता है कि "अपने खुदावंद ख़ुदा की आज़माइश न कर"

बलफ़ज़े दीगराँ इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है कि "ख़ुदा अपने कलाम में हुक्म देता है कि हम अपने खुदावंद ख़ुदा कि आज़माइश न करें "

अपने खुदावंद ख़ुदा कि आज़माइश न कर

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "तुम अपने खुदावंद ख़ुदा को ख़ुद को साबित करने न दो" या अपने खुदावंद ख़ुदा को साबित करने ना दो कि वह भला है" -

अपना खुदावंद ख़ुदा

मतलब यह कि "यहवह तुम्हारा ख़ुदा" या "यहवह जो ख़ुदा है और उसका इख्तियार तुम पर है" -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शैतान, शैतान, बुरा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- ख़ुदावन्द

25:06

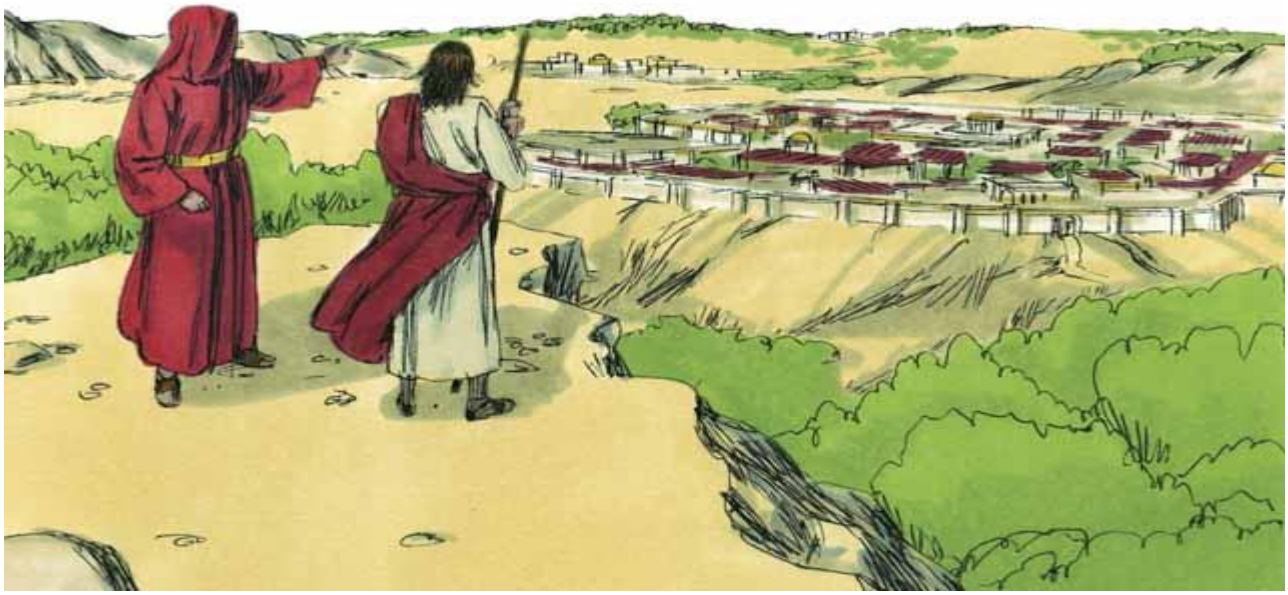

फिर शैतान ने दुनया की तमाम सलतनतें और **उनकी शान ओ शौकत** दिखाई कि वह कितने ज़ोरावर और दौ लत्मंद थे - उस ने यीशु से कहा “अगर तुम झुक कर मुझे सिजदा करोगे तो यह सारी चीजें मैं तुम्हें दे दूंगा –“

दुनिया की बद्शाहतें

यह ज़ाहिर करता है उन तमाम बड़े बड़े शहरों , मुल्कों और दुनिया की दीगर हुदूद को

उनकी शान ओ शौकत

मतलब “उनकी ताक़त और दौलत”

मैं तुझे यह सब दूंगा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “इन तमाम बाद्शाहतों की दौलत और क़ुव्वत मैं तुझे दूंगा” या मैं तुझे इन तमाम मुल्कों , शहरों और लोगों का बादशाह बनाऊंगा –“

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शैतान, शैतान, बुरा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बादशाही, बादशाहियाँ
- जलाल,जलाल से मा’मूर, ता’रीफ़, ता'रीफ़ करता है

25:07

यीशु ने उसको जवाब दिया ,"ऐ शैतान मुझ से दूर हो, क्यूंकि खुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि सिरफ़ अपने खुदावंद खुदा को सिजदा कर और उसको खुदा बतोर इज़्ज़त कर "-

मुझ से दूर हो जा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे कि "मुझे छोड़ दो" या "मुझे अकेला छोड़ दो"

ख़ुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि "सिर्फ़ अपने खुदावंद ख़ुदा की इबादत करो और सिर्फ़ उसी की ख़िदमत करो" -

दूसरे लफ़्ज़ों में इसको इस तरह से लिखा जा सकता था "ख़ुदा के कलाम में वह हमको हुक्म देता है कि हम सिर्फ़ अपने ख़ुदावंद ख़ुदा की इबादत करनी चाहिए और सिर्फ़ उसी की ख़िदमत करनी चाहिए जो हम पर हुकूमत करता है" -

खुदावंद तुम्हारा ख़ुदा

इस मुहावरे को उसी तरह तर्जुमा करें जिस तरह आप ने 25:05में किया था -

और सिर्फ़ उसी की ख़िदमत करो

कहने का दूसरा तरीक़ा इस तरह होगा कि "वह सिर्फ़ एक ही है जिसकी तुम्हें ख़िदमत करनी है"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शैतान, शैतान, बुरा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- 'इबादत

- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- ख़ुदावन्द

25:08

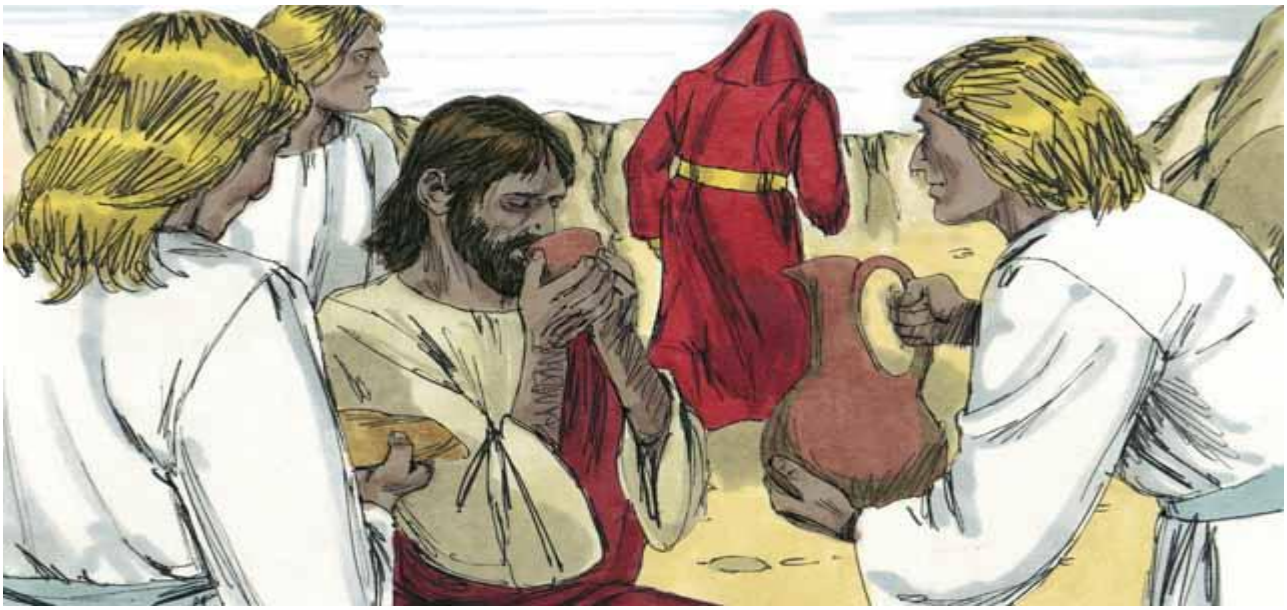

यीशु शैतान के किसी भी आज़माइश में नहीं पड़ा ,सो शैतान उसे छोड़कर चला गया - फिर फ़रिश्ते आकर उसकी ख़िदमत करने लगे -

उसकी बातों में नहीं आया

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था उसने ऐसा कोई काम नहीं किया जैसा शैतान उसको आज़मा रहा था "-

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात कुछ बाइबिल के तर्जुमों से हल्क से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शैतान, शैतान, बुरा
- आज़माइश करने, आज़माइश
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते

_मत्ती 4:1 -11 ; मरकुस 1 :12 -13 ; लूका 4 :1-13 से बाइबिल की एक कहानी- _

26. यीशु अपनी ख़िदमत शुरू करता है

26:01

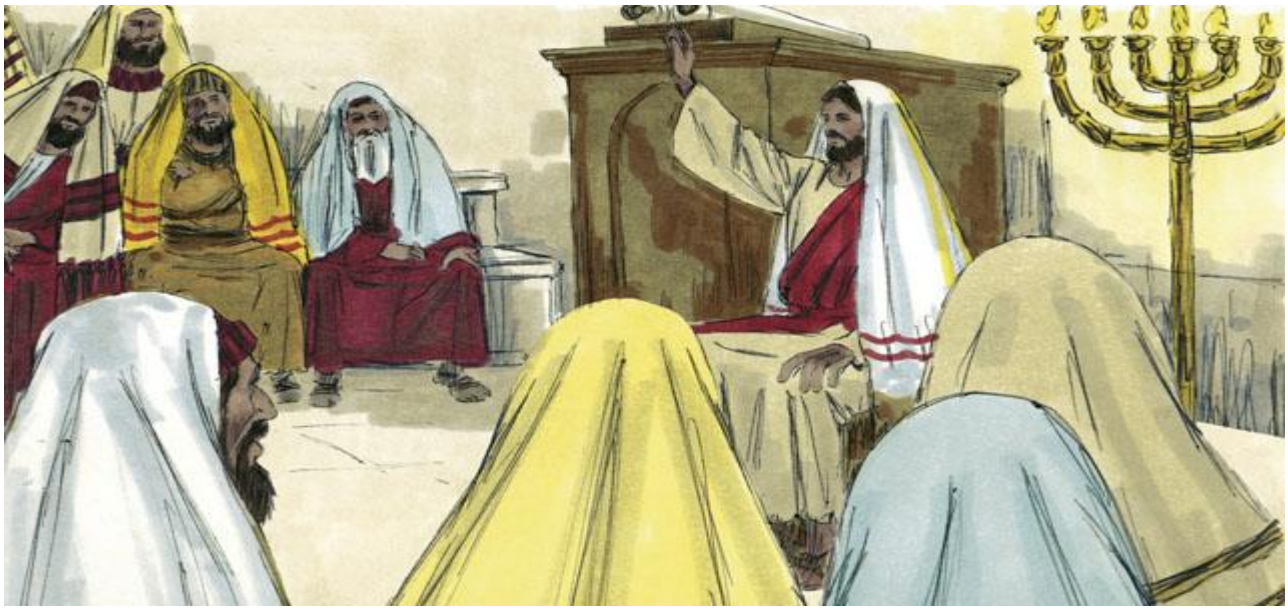

शैतान कि तमाम आज़माइशों को इनकार करने के बाद वह गलील के इलाके में आया – यह वो इलाका था जहां वह रहता था - रूहुल क़ुदुस उसको बहुत ज़ियादा क़ुवत देता रहा , और यीशु जगह जगह जाकर लोगों को तालीम देता रहा - **हर कोई** उसके बारे में अच्छा ही कहा -

शैतान के आज़्माइशों पर ग़ालिब आने के बाद येसु वापस आया

आप इसे तरजीह देने के लिए दो जुमले बना सकते और कह सकते हैं कि “येसु ने कोई ग़लत काम नहीं किया था मगर शैतान ने उस से कराने की कोशिश की थी सो येसु ने उस को हरा दिया -उसके बाद येसु जंगल से वापस आया -लफ्ज़ “ग़ालिब आने” को भी तीन अलफ़ाज़ “रोकना” या “इंकार करना” या “मना करने” के साथ तर्जुमा किया जा सकता है -

रूहुल क़ुदुस की क़ुव्वत में होकर

इसको इस तरह से तरजुमा किया जा सकता है “जिस तरह रूहुलक़ुदुस की क़ुव्वत ने उस में होकर काम किया” या “जिस तरह रूहुलक़ुदुस क़ुवत के साथ उसकी रहनुमाई कर रहा था”

जगह जगह जाकर तालीम देने लगा

मतलब यह कि “फ़र्क़ फ़र्क़ शहरों और दीगर जगहों में सफ़र करके लोगों को सिखाने लगा”

हर कोई

मतलब यह कि हर कोई उसे जानता था” या “उसकी बाबत सुना हुआ था “

उसके लिए अच्छा बोलना

मतलब यह कि “उस की बाबत अच्छा बोलते थे

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शैतान, शैतान, बुरा
- आज़माइश करने, आज़माइश
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- क़ुव्वत , ताक़तें
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- गलील, गलीली, गलीलियों

26:02

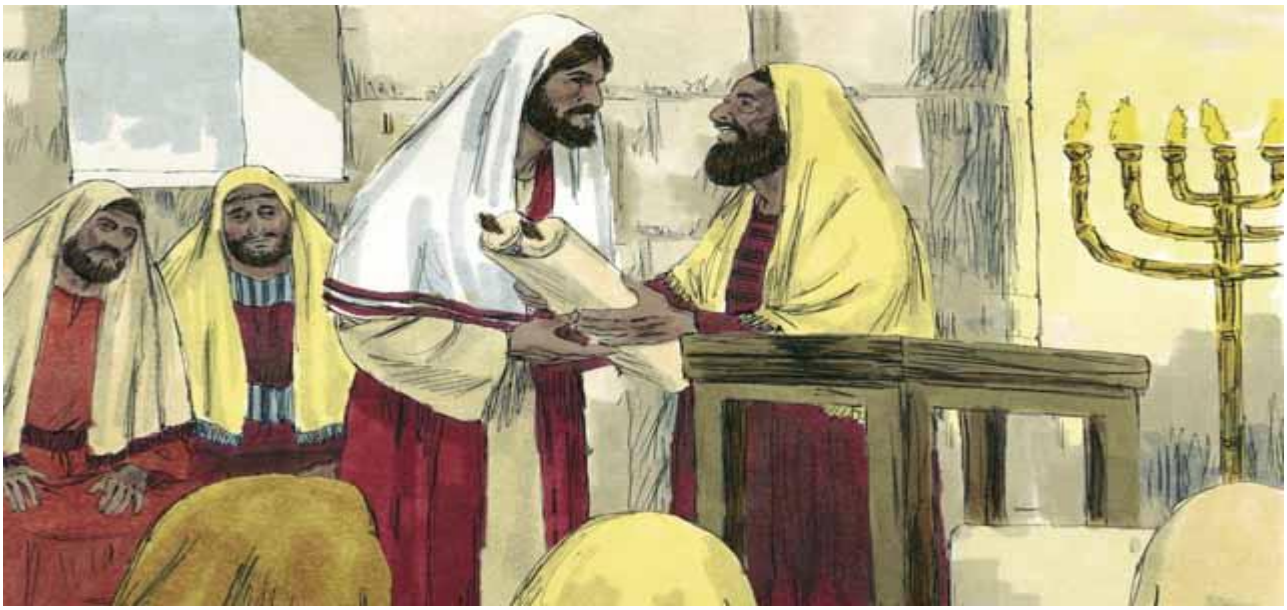

यीशु नासरत शहर में आया यह वह गाँव था जब वह बचपन में यहाँ रहा करता था - साबत के दिन वह इबादत खाने में गया - इबादतखाने के सरदार ने यीशु के हाथ में यसायाह नबी का मक्तूब थमाया - वह चाहते थे कि वह उसे पढ़े - सो यीशु ने उसे खोला और लोगों के लिए एक हिस्सा पढ़ कर सुनाया -

इबादत की जगह

इसका मतलब है “वह इमारत जहां यहूदी लोग ख़ुदा की इबादत के लिए जमा होते थे” इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “इबादत की इमारत”-

तूमार

एक तूमार काग़ज़ या चमड़े की लम्बी सी पट्टी होती थी जिसे लपेट कर रखा जाता था जिसमें नविश्ता लिखा होता था -

यसायाह नबी का तूमार

मतलब यह कि “उस तूमार में यसायाह नबी का लिखा हुआ कलाम था” यसायाह नबी ने सदियों साल पहले ख़ुदा का कलाम एक तूमार में लिखा था - यह उसकी एक नक़ल थी -

तूमार को खोला

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “तूमार को खोलने के लिए घुमाया” या “तूमार को खोला”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- नासरत, नासरियों
- सबत
- ‘इबादत
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

- यसा'याह

26:03

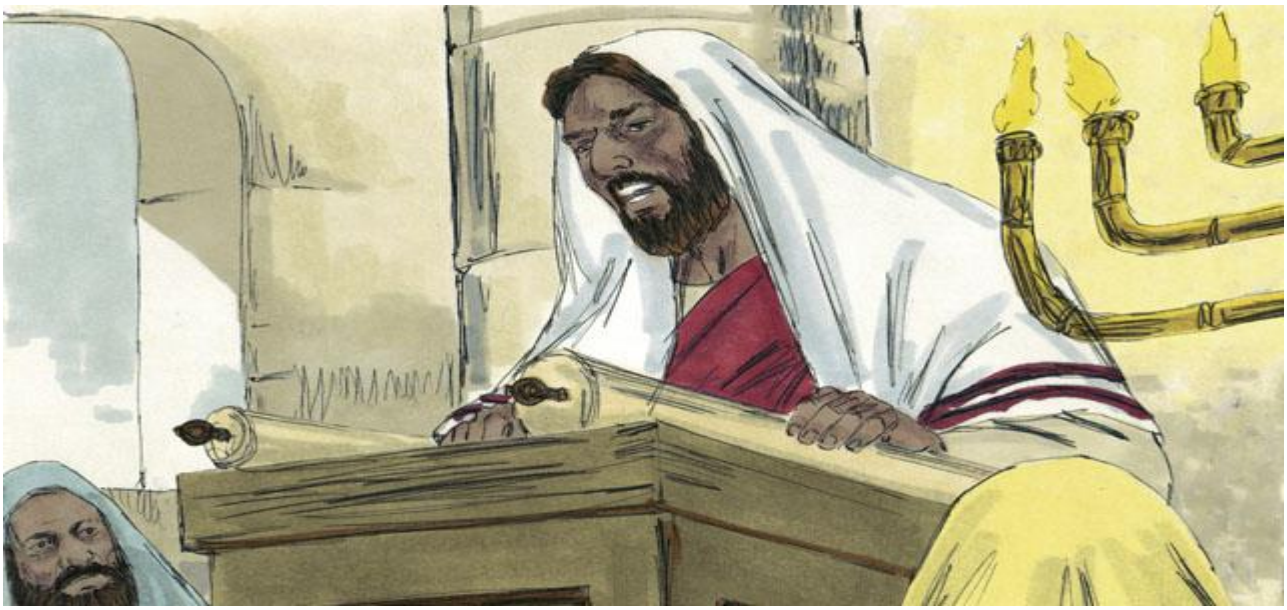

यीशु ने इस तरह पढ़ा कि ख़ुदा का रूह मुझे दिया गया है कि मैं ग़रीबों को ख़ुशख़बरी सुनाऊं , ख़ुदा ने मुझे भेजा है कि मैं क़ैदियों को रिहाई बख़्शूं , अंधों को बीनाई अता करूँ और कुचले हुओं को आज़ाद करूँ - और ख़ुदावंद के साल -ए -मकबूल कि मनादी करूं - यह वोह वक़्त है कि जब ख़ुदा हम पर फ़ज़ल करेगा और हमारी मदद करेगा -

ग़रीबों को ख़ुशख़बरी सुनाना

मतलब है "ग़रीबों और ज़रूरतमंद लोगों को अच्छा पैग़ाम देना कि ख़ुदा उनकी मदद करेगा"-

ग़ुलामों को आज़ादी

मतलब है "उन लोगों को जो ग़लत कामों के सबब से क़ैद में हैं वह रिहा किये जाएंगे" -

अंधों कि आँखें खोली जाएंगी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे कि "जो लोग अंधे हैं वह बीनाई हासिल करें"

जो मज़लूम हैं वह छुड़ाए जाएंगे

मतलब है "वह लोग जो ज़िन्दगी में बुरा बर्ताव सह रहे थे उनके लिये आज़ादी"

साल -ए- मक़बूल की मनादी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "वह दौर जिस में ख़ुदावंद हम पर मेहरबान होगा" या वह औक़ात जिनमें ख़ुदावंद हम पर फ़ज़्ल करेगा"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द

- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

26:04

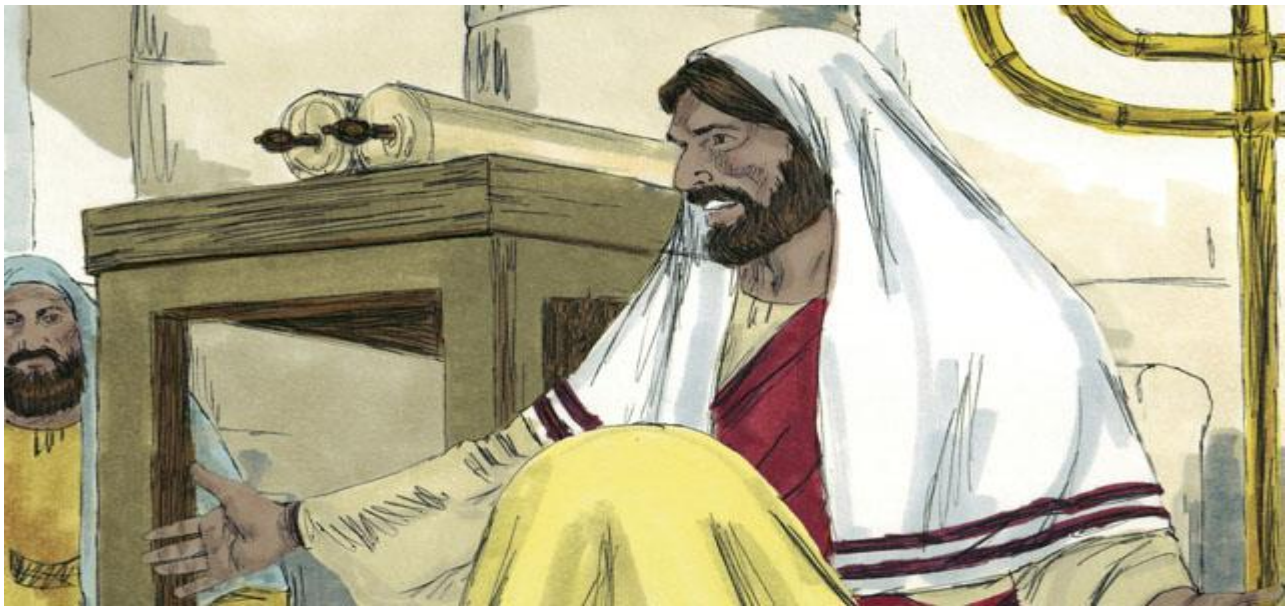

फिर यीशु बैठ गया और सब कि आँखें संजीदा और नज़ दीकी तौर से उस की तरफ़ लगी हुई थीं - वह नविश्ते की इस इबारत से वाकिफ़ थे कि जो पढ़ा गया था वह मसीहा की बाबत था - यीशु ने कहा “जो नविश्ता मैं ने तुम्हारे लिए पढ़ा वह अभी वाक़े हो रही हैं –“ इस पर सब लोग ताज्जुब करके कहने लगे ,”क्या यह युसुफ़ का बेटा नहीं ?

जो कलाम अभी तुम्हारे सामने पढ़ा गया वह अभी पूरा हो रहा है -

इसको तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “जो कलाम अभी तुम ने मुझे पढ़ते सुना वह अभी पूरा हुआ चाहता है” या आज जो कलाम मैं ने आप के लिए पढ़ा उसको पूरा होते हुए सुनोगे”-

तआज्जुब किया

“तआज्जुब” के लफ़्ज़ का तर्जुमा करें जो यह मायने ज़ाहिर करे कि वह हैरत में पड़ गए , उन्हें झटका लगा , वह उलझन में पड़ गए कि यह कैसे मुमकिन हो सकता था -

क्या यहयूसुफ़ का बेटा नहीं है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “यह शख़्स तो सिर्फ़ यूसुफ़ का बेटा है” हर कोई जानता था कि वह यूसुफ़ का ही बेटा है , लोग यह नहीं पूछ रहे थे कि वह यूसुफ़ का बेटा है या नहीं , मगर वह इससे तआज्जुब कर रहे थे कि वह मसीहा कैसे हो सकता है जबकि वह एक मामूली शख़्स का बेटा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- मसीह ,मसीहा
- यूसुफ़ (नया ‘अहद नामा)

26:05

फिर यीशु ने कहा ,” यह सच है कि लोग कभी भी एक नबी को क़बूल नहीं करते जो उनके अपने ही वतन में पला बढ़ा हो - नबी एलियाह के दिनों में इस्राईल में कई एक बेवाएं थीं - मगर जब साढ़े तीन साल तक बारिश नहीं हुई तो खुदा ने सारपत में ग़ैर क़ाउम की एक बेवा को छोड़ किसी और के पास एलियाह को मदद के लिए नहीं भेजा –“

कोई भी नबी अपने वतन में इज़्ज़त नहीं पाता

इस मुहावरे का मतलब है ,”लोग एक नबी के इख़्तियार को नहीं पहचानते जो उन के सामने पला बढ़ा हो

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- एलिय्याह
- इस्राईल, इस्राईली
- ख़ुदावन्द

26:06

यीशु ने कहना जारी रखा ,और नबी **एलिशा** के दिनों में इस्राईल में कई लोग खाल कि बीमारी में मुब्तला थे -मगर एलिशा ने उन में से नामान कोढ़ी को छोड़ किसी और को शिफ़ा नहीं दी जो इस्राईल के दुश्मनों का सिपह सालार था - मगर जो लोग उसकी सुन रहे थे वे यहूदी थे सो जब उन्हों ने यह बातें सुनीं तो वह उसपर भड़क उठे -

एलिशा

एलिशा ख़ुदा का नबी था जो एलियाह के बाद आया था -एलियाह की तरह एलिशा ने भी इस्राईल के बादशाहों का सामना किया था जब उन्होंने ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया था -जिस तरह ख़ुदा ने उसको अपनी क़ुव्वत अता की उस ने कुछ मोजिज़े भी अंजाम दिए -

एक सिपहसालार

इस का मतलब है “एक फ़ौजी रहनुमा”

वह उस पर गज़बनाक थे

यहूदी यह बात सुनना नहीं चाहते थे कि ख़ुदा उन्हें छोड़ किसी और जमा अत के लोगों को बरकत दी हो ,इसलिए येसु ने जो बात कही उससे वह बहुत ज़ियादा ग़ुस्से हुए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- इस्राईल, इस्राईली
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- ना’मान
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

26:07

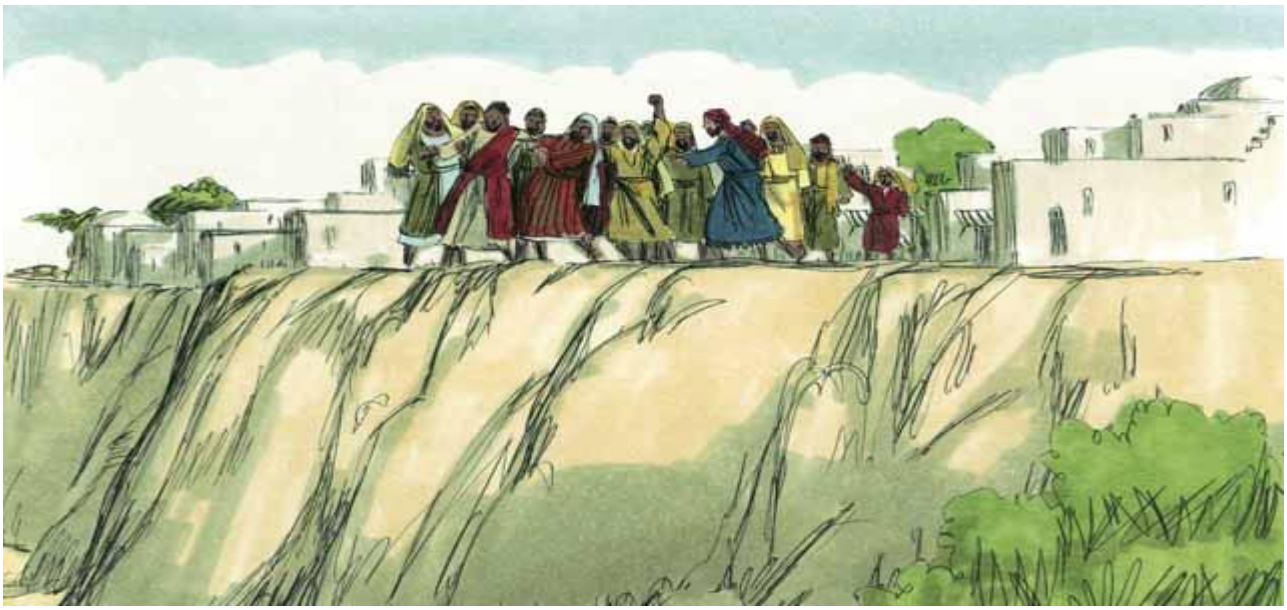

नासरत के लोगों ने यीशु को पकड़ लिया और इबादतखाने के बाहर तक खींच कर ले गए और शहर से बाहर निकालकर उस पहाड़ की चोटी पर ले गये जिस पर उनका शहर आबाद था ताकि उसे सर के बल गिरा दे - मगर यीशु उन के बीच में से निकलकर चला गया और नासरत शहर को छोड़ दिया -

इबादत की जगह

मतलब एक इमारत जहां यहूदी लोग जमा होकर ख़ुदा की इबादत किया करते थे -इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था “इबादत की इमारत” देखें कि आप ने इसे 26:02 में किस तरह तर्जुमा किया है -

मगर येसु भीड़ के बीच में से निकल गया

“मगर” को एक मज़बूत मुखालिफ़ लफ़्ज़ या मुहावरा बतौर तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “मगर इस के बजाए” या “किसी तरह” यह दिखाने के लिए कि लोग जो येसु के साथ करने का मंसूबा बना रहे थे वह कर न सके थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- नासरत, नासरियों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ‘इबादत

26:08

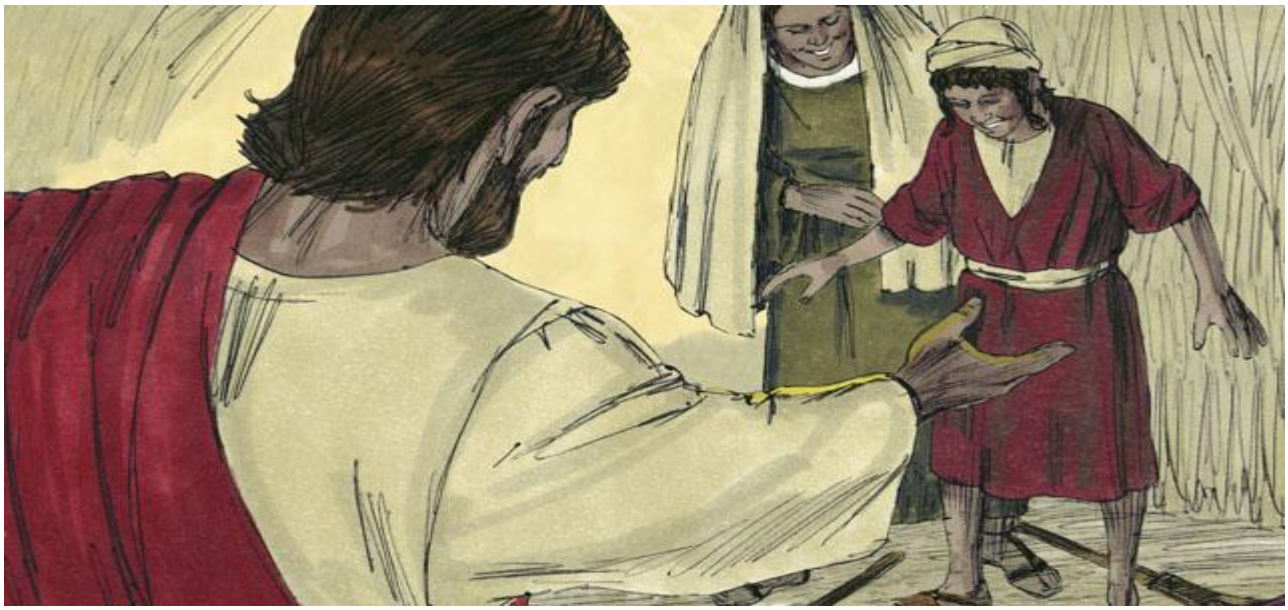

फिर यीशु गलील के तमाम इलाकों में गया और एक बड़ी भीड़ उस के पीछे हो ली - वह सब लोग जिनके हाँ तरह तरह कि बीमारियों के मरीज़ थे उन्हें उसके पास ले आए , जिन में अंधे , लूले , लंगड़े , बहरे और गूंगे शामिल थे और यीशु ने उनमें से हर एक पर हाथ रखकर उन्हें अच्छा किया -

गलील के तमाम इलाक़े में गया

मतलब यह कि “गलील के चारों तरफ़” या गलील में जगह -ब- जगह

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- गलील, गलीली, गलीलियों
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार

26:09

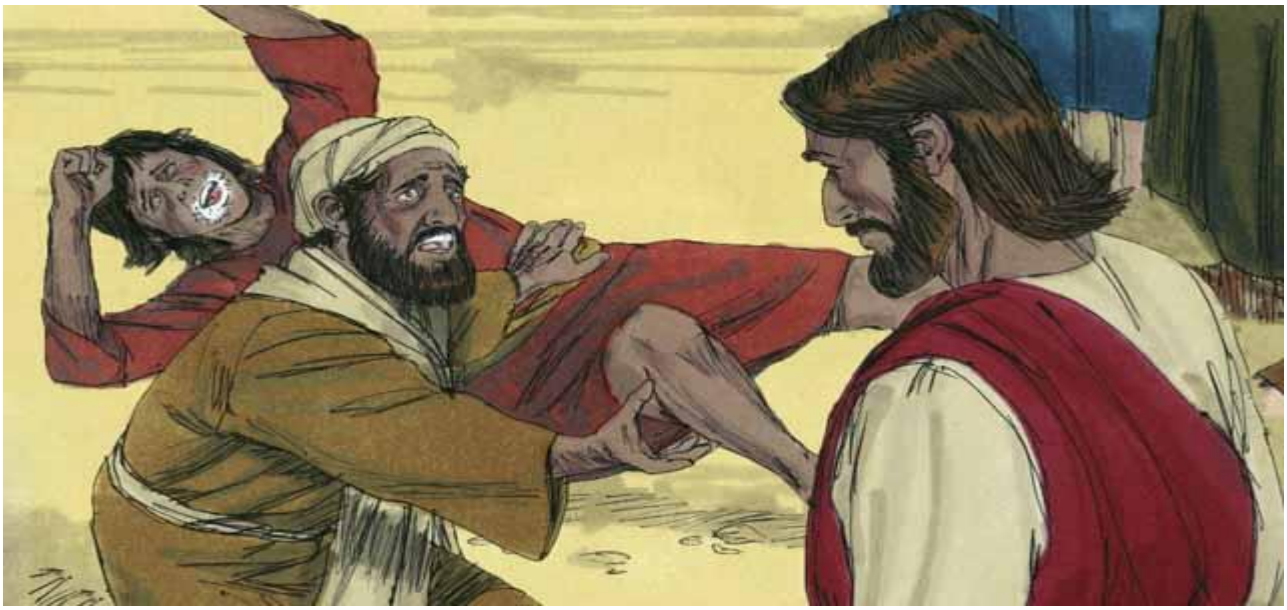

कुछ लोग जिन में बदरूहें थीं उन्हें भी यीशु के पास लाया गया - यीशु उन्हें उन में से निकल जाने का हुक्म देता था और वह चिल्लाते हुए उन में से निकल जाती थीं - वह अक्सर चिल्लाती थीं कि तू खुदा का बेटा है -लोगों की भीड़ ताज्जुब करती थीं और वह खुदा की तारीफ़ करते थे -

उन सब में जिनमें बदरूहें थीं

मतलब यह कि वह जो बदरूहों के ज़रिये क़ाबू किये गए थे -

जब येसु ने उन्हें हुक्म दिया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था " जब येसु ने उन्हें हुक्म दिया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- 'इबादत
- ख़ुदावन्द

26:10

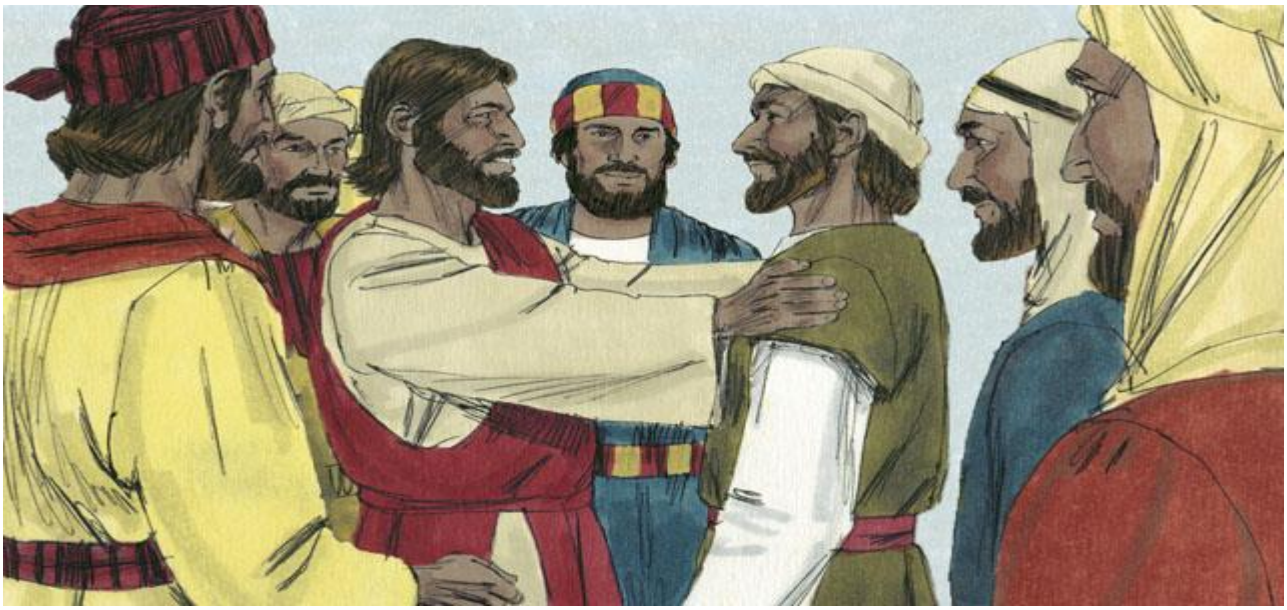

फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना जिन्हें उस ने रसूल कहा - रसूलों ने यीशु के साथ कई एक इलाकों का सफ़र किया और मनादी करते हुए कई एक बातें सीखीं -

उससे सीखा

मतलब यह कि जो उस ने उन्हें सिखाया था" या हर एक चीज़ जो उस ने कहा और किया -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं

तर्जुमों के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- रसूल, रसूलों, रिसालत

_मत्ती 4:12-25 ; मरकुस 1:14-15, 35-39 ; 3:13 -21 ; लूका 4:14 – 30 ,38 -44 से बाइबिल की एक कहानी _

27 . अच्छे सामरी की कहानी

27:01

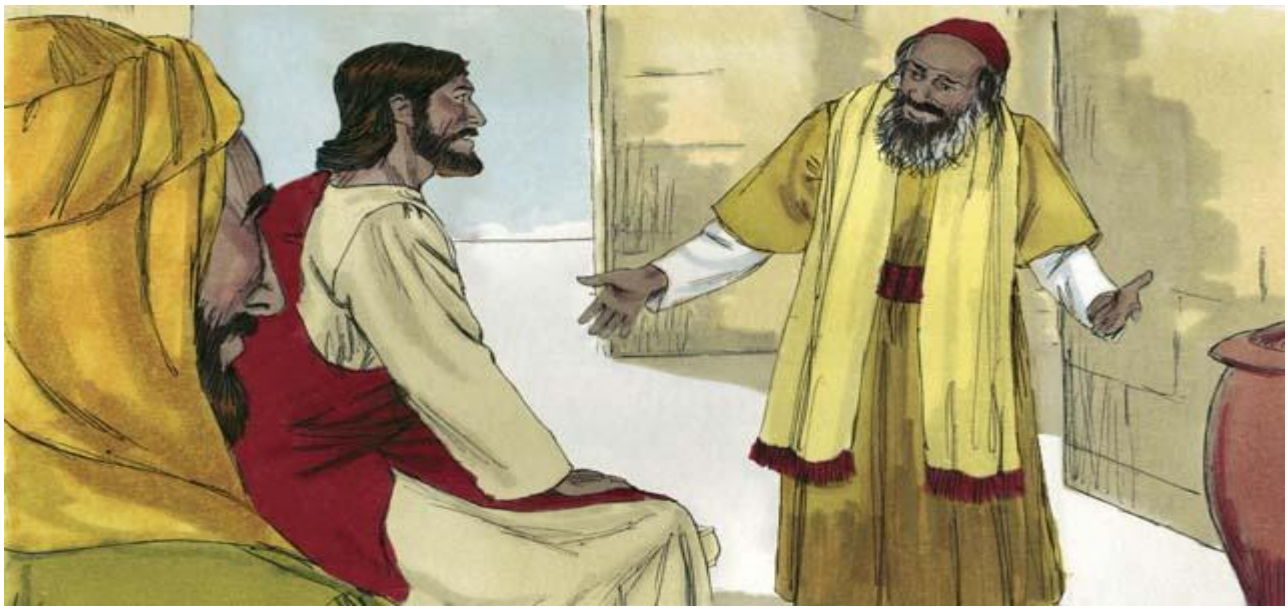

एक दिन यहूदियों में से एक शरियत का आलिम यीशु के पास आया - वह लोगों को जताना चाहता था कि यीशु गलत तरीके से तालीम देता है , सो उसने यीशु से पूछा कि "मैं क्या करूं कि **हमेशा की ज़िन्दगी** पाऊं ? यीशु ने जवाब दिया , खुदा कि शरियत में क्या लिखा है ?"

एक दिन

यह मुहावरा तआरुफ़ कराता है एक वाक़िये का जो माज़ी में वाक़े हुआ -मगर यह ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता कई एक ज़बानों में एक ऐसा ही तरीक़ा है एक सच्ची कहानी को कहना शुरू करने का -

यहूदी शरीयत का माहिर

यह शख्स जिसने शरीयत की तालीम हासिल की थी जिसे ख़ुदा ने बनी इस्राईल को दिया था- इसके अलावा वह दीगर यहूदी शरियत को भी जानता था -

उसे आज़माने के लिए

मतलब यह कि "यह देखने के लिए कि येसु के पास एक अच्छा जवाब है कि नहीं -

हमेशा की ज़िन्दगी का वारिस बनने के लिए

मतलब यह कि "ख़ुदा के साथ हमेशा तक रहने के लिए" , या "ताकि ख़ुदा मुझे ज़िन्दगी दे हमेशा तक उसके साथ रहने के लिए" या ख़ुदा से हमेशा कि ज़िन्दगी पाने के लिए" शरियत का माहिर पूछ रहा था कि किस तरह वह हमेशा की ज़िन्दगी को मीरास बतौर ख़ुदा बाप से हासिल करने के क़ाबिल होगा -

हमेशा की ज़िन्दगी

यह ज़ाहिर करता है हमेशा के लिए ख़ुदा के साथ ज़िन्दगी का फ़ानी जिस्म के मरजाने के बाद – देखें हमेशा की ज़िन्दगी के लिए ख़ास बयान में -

ख़ुदा की शरियत में क्या लिखा है ?

मतलब यह कि “इस की बाबत ख़ुदा की शरीयत में क्या लिखा है”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- उस्ताद, उस्तादों , ता’लीम देने वाला
- मीरास होना, वरासत, हिस्सा, वारिस
- अबदियत, हमेशा के लिए, हमेशा की ज़िन्दगी
- शरी’अत, मूसा की शरी’अत, ख़ुदा की शरी’अत, यहोवा की शरी’अत

27:02

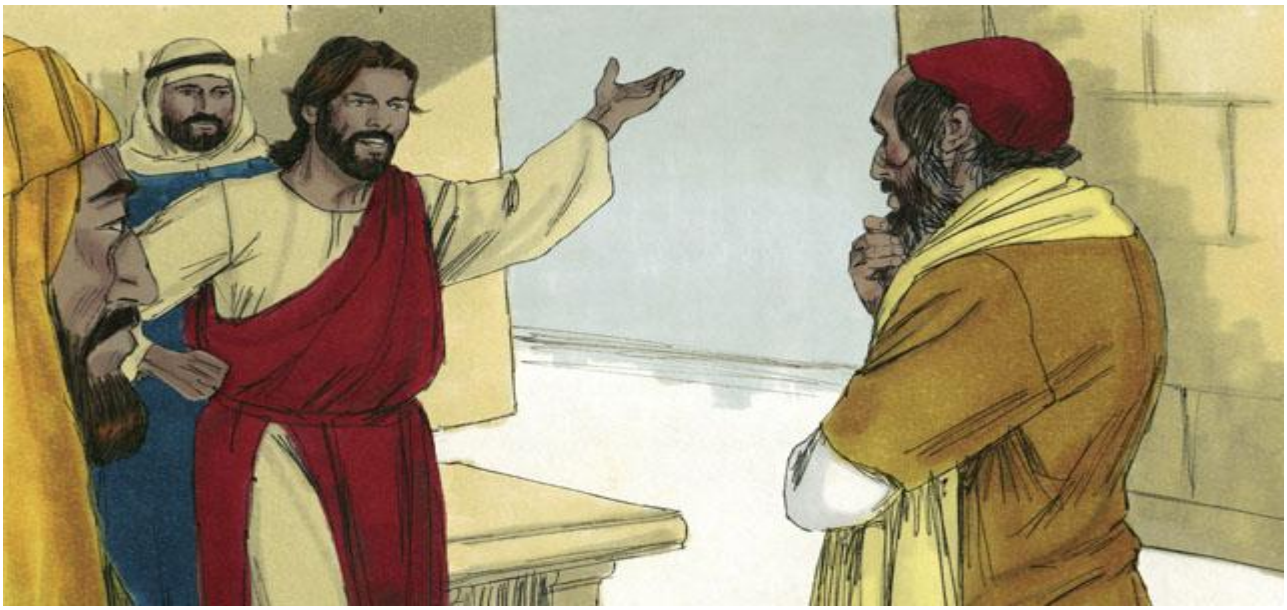

उस शख्स ने जवाब दिया , यही कि तू अपने खुदावंद खुदा से अपने सारे **दिल** ,सारी **जान** , सारी **ताक़त** और सारी **अक्ल** से महब्बत रख ,और **अपने पड़ौसी से अपनी मानिंद महब्बत रख** " यीशु ने उस से कहा , तुमने ठीक कहा , अगर तुम यह करोगे तो हमेशा कि ज़िन्दगी तुम को मिलेगी "-

शरा का आलिम

इसका मतलब है "यहूदी शरीयत का एक माहिर"देखें कि आप ने इसको 27:01में किसतरह तर्जुमा किया है -

अपने ख़ुदावंद ख़ुदा से महब्बत रख

आप कहने के लिए चुन सकते हैं कि "हम को ख़ुदावंद अपने ख़ुदा से महब्बत करनी है" इस बात का ध्यान रखें कि कोई आदमी येसु को हुक्म नहीं दे रहा है बल्कि वह बयान दे रहा है कि ख़ुदा की शरीयत लोगों को क्या करने का हुक्म दे रही है -

अपने सारे दिल , अपनी सारी जान , अपनी सारी ताक़त , और अपनी सारी अक़्ल से

मतलब यह कि "अपनी सारी ख़ुदी से" या "अपनी ख़ुदी के हरेक हिस्से से" कुछ ज़बानों में शायद इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,अपने सारे कलेजे , सांस , ताक़त ,और ख़यालों से" – यह ध्यान इन हिस्सों में से हर एक पर नहीं बल्कि हम सब पर है -अपनी ज़बानों में सयाक़ -ए- इबारत का इस्तेमाल करें जिस में पूरी शख्सियत समा जाए -

दिल

दिल एक शख़्स के उस हिस्से को ज़ाहिर करता है जिस में ख़्वाहिशात और जज़्बात होते हैं -

जान

जान एक शख़्स के ग़ैर माद्दी रूहानी हिस्से को ज़ाहिर करता है -

ताक़त

ताक़त इंसान के माद्दी जिस्म और उसकी तमाम क़ाबिलियतों को ज़ाहिर करता है -

अक्ल

अक़्ल इन्सान के दिमाग़ के उस हिस्से को ज़ाहिर करता है जो सोचता , मंसूबा करता और ख़यालात का इज़हार करता है -

पड़ौसी

लफ़्ज़ "पड़ौसी" आम तौर से उस शख़्स को कहा जाता है जो हमारे नज़दीक में रहता है – यहूदियों ने इस रिश्ते को न तो उस शख़्स से क़रार दिया जो न तो एक नज़दीकी रिश्तेदार हो ना ही एक ग़ैर मुल्की या दुशमन हो-

अपने पड़ौसी से अपनी मानिंद महब्बत रख

मतलब यह कि "अपने पड़ौसी से उसी हद तक महब्बत रखना जिस हद तक तुम अपने ख़ुद से महब्बत रखते हो

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- ख़ुदावन्द
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

27:03

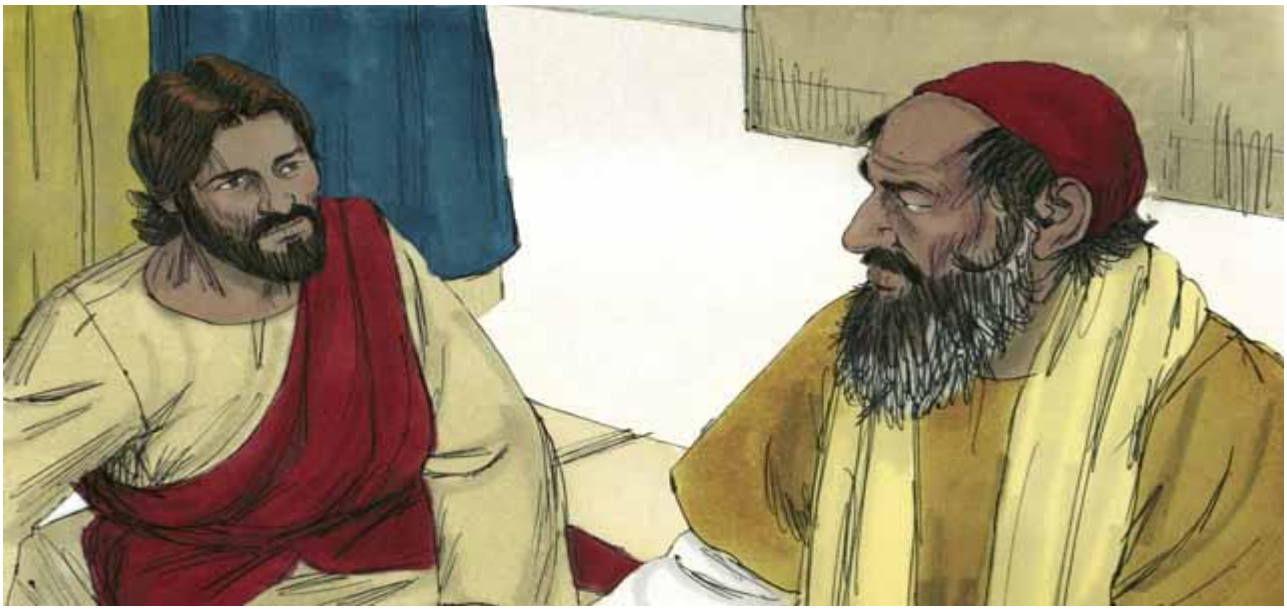

मगर शरीयत का आलिम लोगों को यह जताना चाहता थ कि उसकी ज़िन्दगी जीने का तरीका सही था - सो उसने यीशु से फिर पूछा कि **मेरा पड़ौसी कौन है ?**

शरा का आलिम

मतलब है “वह शख़्स जो यहूदी शरीयत का माहिर हो” देखें कि आप ने इसे 27:01 में किसतरह तर्जुमा किया है -

मेरा पड़ौसी कौन है ?

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ‘ ‘पड़ौसी’ से आप का क्या मतलब है” या कौन लोग हैं जो मेरे पड़ौसी हैं ?- वह जानता था कि वह हर किसी से महब्बत नहीं रखता और वह पूछ रहा था कि वह कौन लोग हैं जिन से मैं महब्बत रखूं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रास्तबाज़, रास्तबाज़ी

27:04

यीशु ने शरीयत के आलिम को एक कहानी सुनाते हुए जवाब दिया कि , एक यहूदी येरूशलेम से यरीहो की तरफ़ सफ़र कर रहा था -

आम मालूमात

इस तस्वीर के चारों तरफ़ यह बादल जैसा फ्रेम इशारा करता है कि येसु एक कहानी सुना रहा है और कोई ज़रूरी नहीं कि एक तारीख़ी वाक़िए को समझा रहा हो -

शरा का आलिम

देखें कि आप ने इसे 27:01 में किस तरह तर्जुमा किया है -

येरूशलेम से यरीहो तक

कुछ ज़बानों में आप इस तरह तर्जुमा कर सकते थे जैसे “यरूशलेम के शहर से लेकर यरीहो के शहर तक” या “येरुशलेम शहर से यरीहो शहर तक”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- यरूशलीम
- यरीहू

27:05

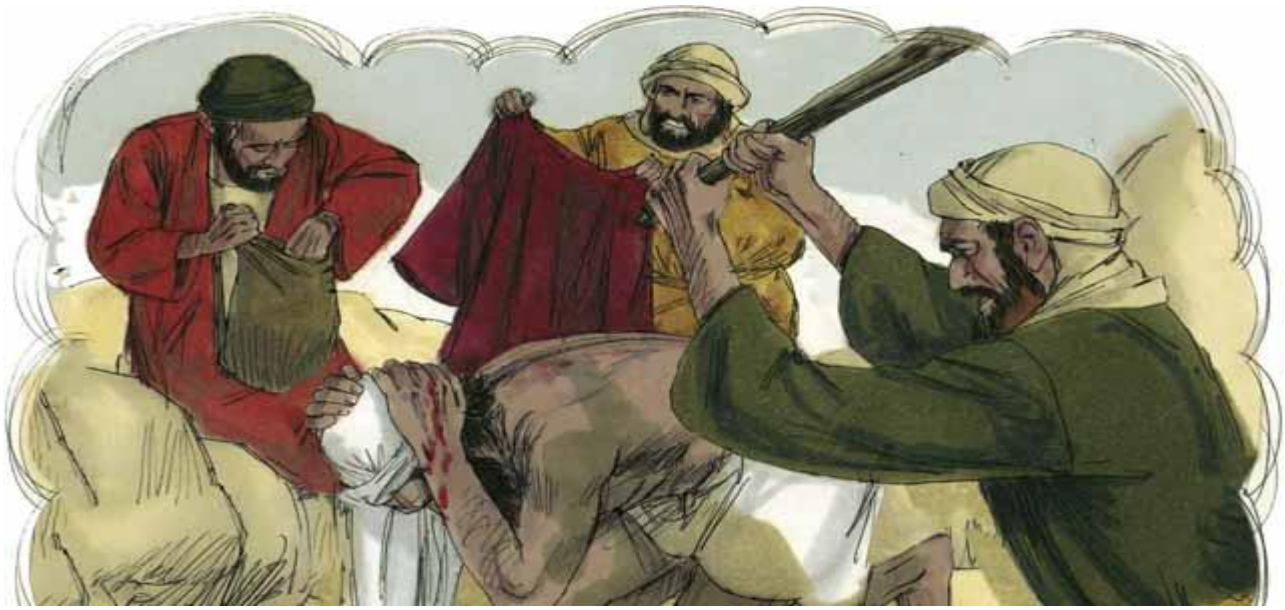

मगर कुछ लुटेरों ने उसे देख लियौर उस पर हमला कर दिया -उस के पास जो कुछ था लूट लिया और अध्मुआ कर के छोड़ कर चले गए-

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाना जारी रखता है

जो कुछ उसके पास था

मतलब यह कि “जो कुछ उसके पास था यहाँ तक कि कपड़े भी जो उसने पहने थे -

27:06

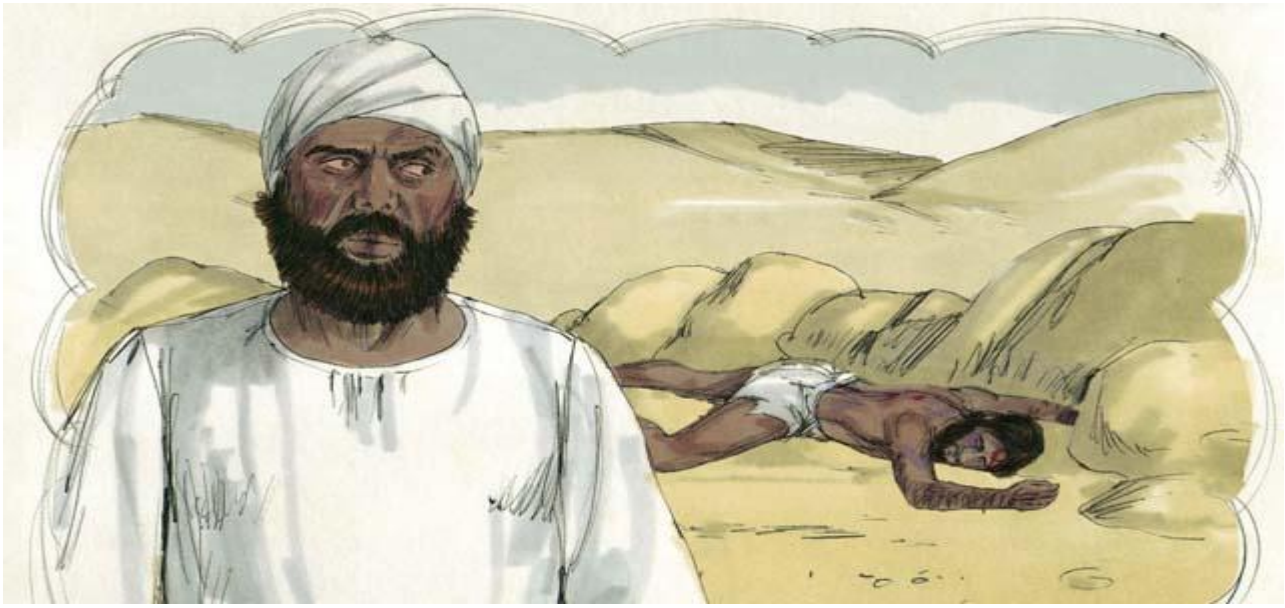

इसके फ़ौरन बाद एक यहूदी काहिन् उसी रास्ते से होकर गुज़रा - उस काहिन् ने इस शख्स को सड़क पर पड़ा देखा और कतराकर चला गया - उसने पूरी तरह से उस शख्स को नज़र अंदाज़ कर दिया –

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाना जारी रखता है

उस रास्ते से गुज़रा

मतलब यह कि “उस रास्ते से सफ़र करना था” कुछ ज़बानों में “गुज़रने” लफ़्ज़ के बदले में “सफ़र” जैसे लफ़्ज़ का इस्तेमाल ज़रूरी हो जाता है - जबकि वह काहिन सिर्फ़ उस रास्ते से गुज़र ही नहीं रहा था बल्कि वह दुसरे शहर की तरफ़ सफ़र भी कर रहा था -

उस शख़्स को नज़र अंदाज़ कर दिया

मतलब यह कि “उस शख़्स की मदद नहीं की” या उस आदमी के लिए कोई ज़िम्मेवरी नहीं दिखाई -

कतरा कर चला गया

मतलब यह कि “सड़क पर अपना सफ़र जारी रखा “

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा
- यहूदियों, यहूदी

27:07

अभी थोड़ी ही देर हुई कि एक लावी उसी रास्ते से गुज़रा –(लावी यहूदियों का एक फ़िरक़ा था जो मंदिर में काहिनं कि मदद करते थे) - सो लावी ने भी उसे देखकर दुसरे रास्ते पर होलिया - इसने भी उस शख्स को **नज़र अंदाज़ कर दिया**-

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाना जारी रखता है

उस रास्ते से गुज़रा

मतलब यह कि “उसी सड़क पर वह सफ़र कर रहा था

लावी लोग यहूदियों का एक क़बीला था

यानि कि “लावी लोग बनी इसराईल के लावी क़बीले से थे - या लावी लोग इस्राईलियों में से लावी फ़िर्क़े के थे”

नज़र अंदाज़ कर दिया

मतलब यह कि “मदद नहीं की”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा
- हैकल

27:08

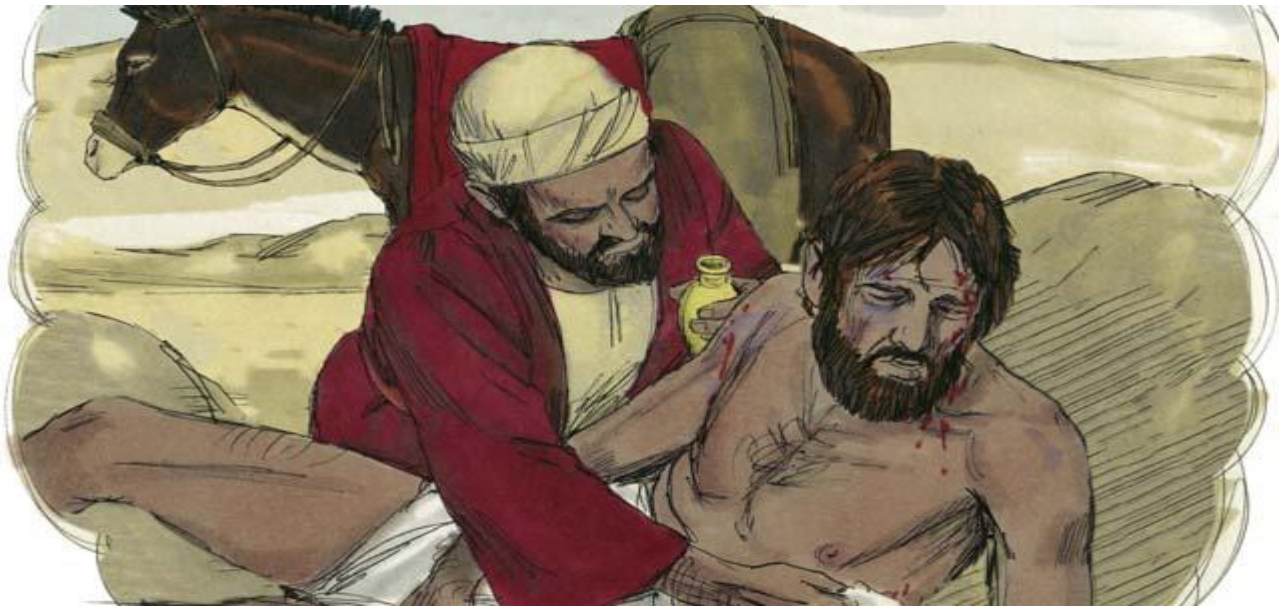

अगला शख्स जो उस रास्ते से गुज़र रहा था वह एक सामरी था (सामरी लोग यहूदियों से नफ़रत करते थे) स सामरी ने उस शख्स को सड़क पर पड़ा देखा , उस ने देखा कि वह यहूदी था - इस के बावजूद भी उस के दिल में उस के लिए बड़ी तरस थी - सो वह उसके पास गया और उसके ज़ख्मों पर मरहम पट्टी की –“

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाना जारी रखता है

चला गया

मतलब यह कि “सफ़र करता गया” यह लोग एक शहर से दूसरा शहर सफ़र करते जाते थे -ध्यान रखें कि इस कहानी में ऐसा नहीं लगना चाहिए कि यह लोग यूँ ही चलते जाते थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सामरिया, सामरी
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

27:09

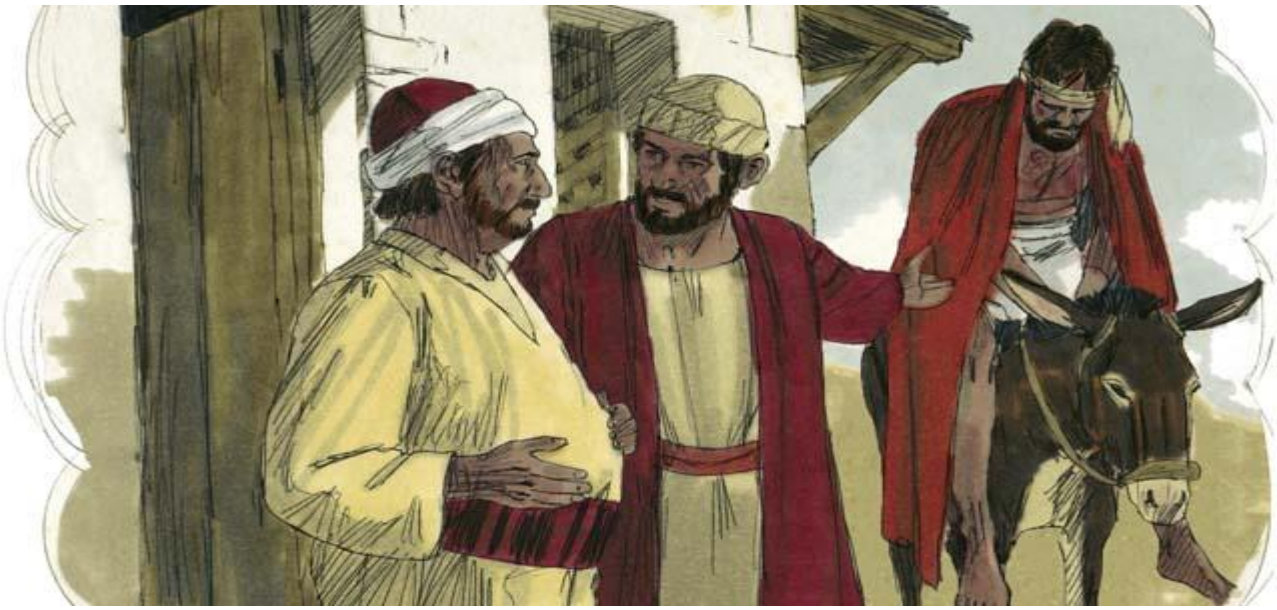

फिर उस सामरी ने अपने गधे पर बैठाकर सड़क के एक होटल में ले गया , वहां उस ने उसकी अच्छी तरह से देखभाल की -

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाना जारी रखता है

अपना ख़ुद का गधा (सवारी)

ध्यान रखें कि यहाँ “उसका” का लफ़्ज़ सामरी कि तरफ़ इशारा करता है -

सड़क के किनारे वाला सराए

मतलब “एक रुकने की जगह” यह वह जगह है जहां मुसाफ़िर लोग खाना खा सकते और रात रुक सकते थे -

जहाँ उस ने उसकी देख भाल की

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “जहां उस ने उसकी लगातार देख भाल की “

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सामरिया, सामरी

27:10

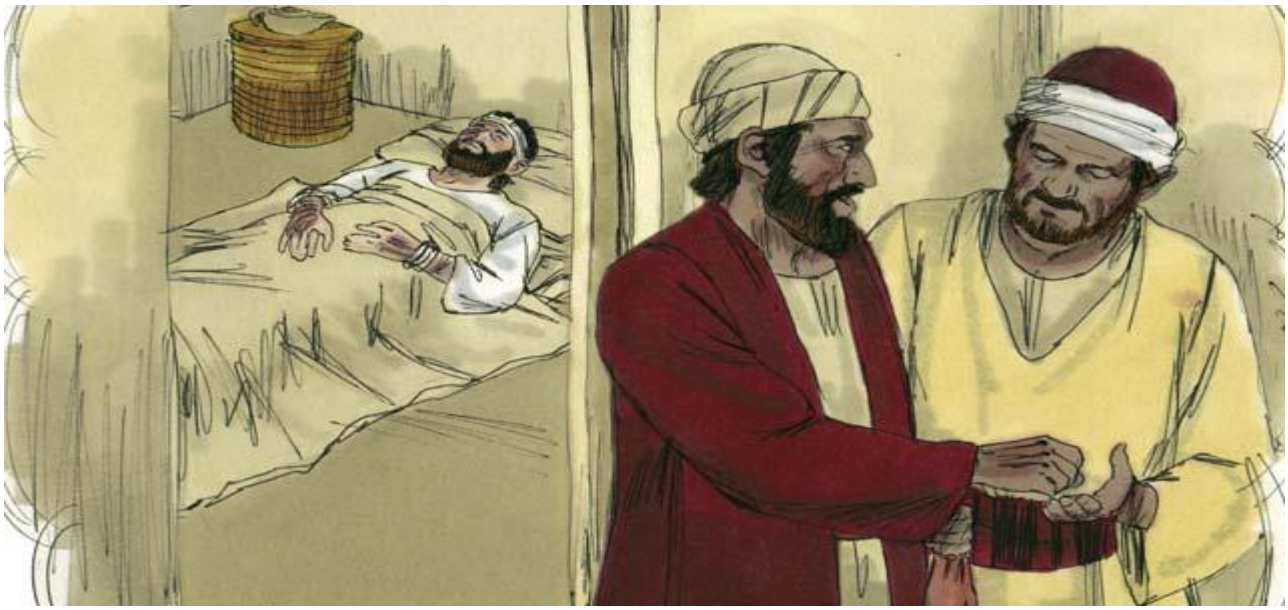

दुसरे दिन उस सामरी को **अपना सफ़र जारी रखना** था -उसने कुछ पैसे होटल के मालिक को देकर कहा ,इस शख्स की देखभाल करना , इस से ज़ियादा अगर पैसे लगे तो मैं लौट कर अदा करदूंगा-

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाना जारी रखता है

अपना सफ़र जारी रखना

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “अपनी मंजिल की तरफ़ सफ़र जारी रखा”

सराए का जिम्मेदार शख़्स

मतलब “जो उस को चलाता था” यह वह शख़्स भी हो सकता है जो सराए का मालिक हो

उसकी देखभाल करना

कुछ ज़बनों में यह पहल दी जा सकती है , “बराए मेहरबानी उसकी देख भाल करो” यह एक आजिज़ाना दरख़्वास्त है ना कि एक हुक्म -

वह खर्चे फिर से अदा कर दूंगा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “तुझे अदा कर दूंगा” या “वह पैसे अदा कर दूंगा’ या “भर दूंगा”

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- सामरिया, सामरी

27:11

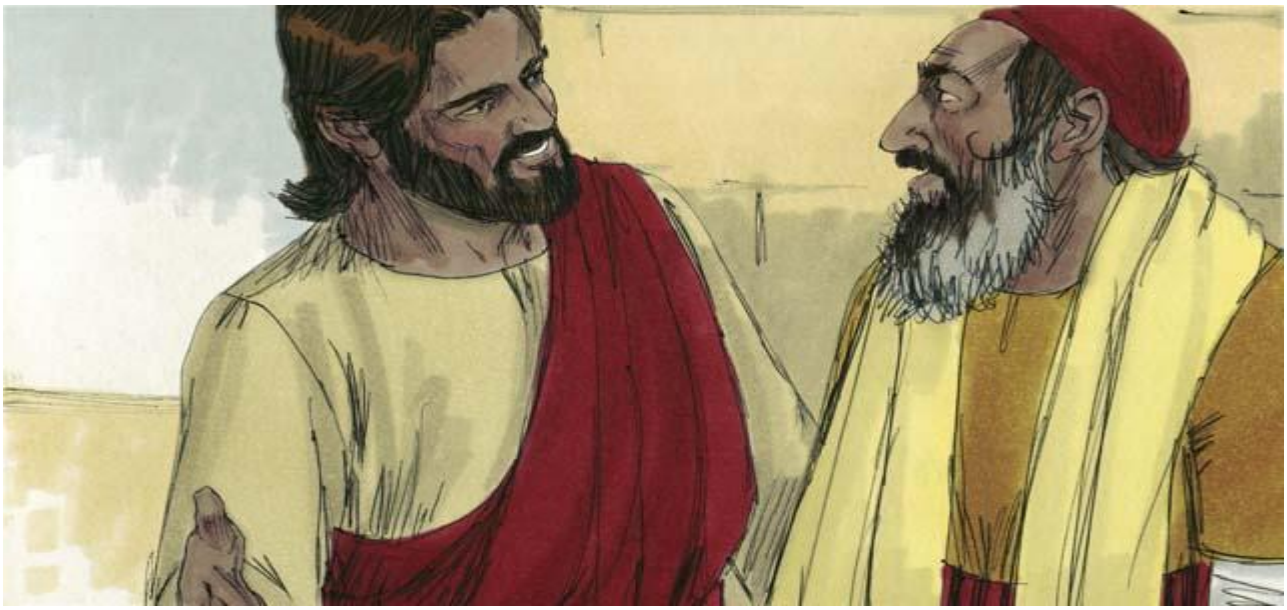

तब यीशु ने शरीयत के आलिम से पूछा ,"तुम क्या समझते हो ? इन तीनो में से कौन उस शख्स का **पड़ौसी** था जिसको मारा पीटा और लूट लिया था - उस ने जवाब दिया ,वही जिस ने उसपर तरस खाया -यीशु ने उससे कहा ",जा तू भी यही कर-"

शरा का आलिम

मतलब है "यहूदी शरीयत का एक माहिर" देखें कि आप ने इसे 27:01 में किस तरह तर्जुमा किया है -

तीन लोगों में से

यह तीन लोग थे काहिन , लावी , और सामरी

पड़ौसी

येसु लफ़्ज़ "पड़ौसी" को 27:02 में एक गहरे मायने में इस्तेमाल कर रहा है -पड़ौसी यहाँ पर उन लोगों को ज़ाहिर करता है जिन से हम मिलते ,और जो हमारी मदद के ज़रूरतमंद हैं -

एक पड़ौसी था

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है "पड़ौसी की तरह बर्ताव किया" या "एक दोस्त था" या "एक महब्बत भरे तरीक़े से बर्ताव किया" देखें कि आप ने इस पड़ोसी के लफ़्ज़ को 27:02 और [27:03] में किस तरह तर्जुमा किया है -

तुम जाकर ऐसा ही करो

मतलब यह कि "तुम को भी जाकर ऐसा ही करना चाहिए" या "अब तुम इसे ज़रुर करो" येसु शरा के आलिम को हुक्म दे रहा था कि तुम जाकर वैसे ही करो जैसे उस सामरी ने किया -

वैसा ही करो

मतलब यह कि “दूसरों से महब्बत रखो ,यहाँ तक कि दुश्मनों से भी” इस बात का ध्यान रखें कि यह बात सिर्फ़ उन लोगों पर ही नाफ़िज़ नहीं होता कि हमको सिर्फ़ ज़ख़्मी या अध्मुवे लोगों की मदद करनी चाहिए -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात bible के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- रहम, रहमदिल

_लूका 10 :25 -37 से बाइबिल की एक कहानी _

28 . दौलतमंद जवान हाकिम

28:01

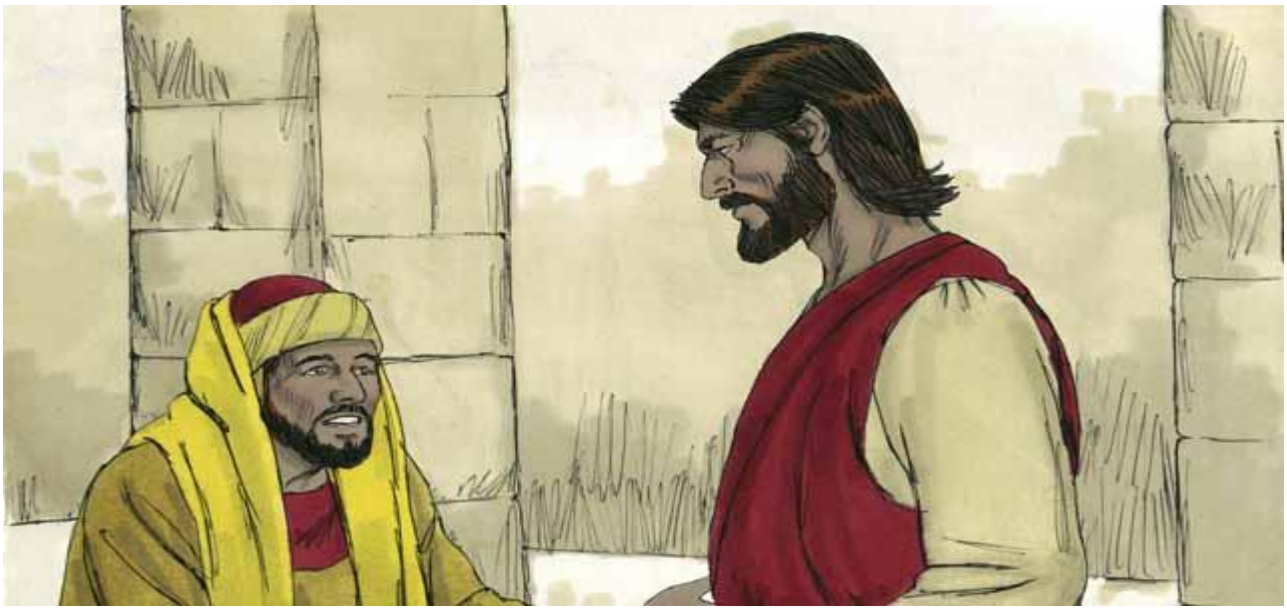

एक दिन एक दौलतमंद जवान हाकिम यीशु के पास आया और उस से पूछा कि "ऐ **नेक उस्ताद** , हमेशा की ज़िन्दगी हासिल करने के लिए मैं क्या करूं ? "यीशु ने उस से कहा "तू मुझे नेक क्यूँ कहता है ? खुदा के अलावा और कोई भी नेक नहीं है - पर अगर तू हमेशा की ज़िन्दगी पाना चाहता है तो खुदा की शरीयत के अहकाम पर अमल कर –"

एक दिन

यह मुहावरा एक वाक़िये का तआर्रुफ़ कराता है जो माज़ी में गुज़र चुका है मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता कई एक ज़बानों में सच्ची कहानी को शुरू करने का यही एक तरीक़ा होता है -

जवान मालदार सरदार

यह शख़्स पहले ही से साहिब -ए- इख़्तियार सियासी अफ़सर था , हालाँकि वह अभी भी जवान था -

येसु के पास आया

मतलब यह कि "येसु के पास पहुंचा"

नेक उस्ताद

मतलब है "रास्तबाज़ उस्ताद" वह यह नहीं कह रहा था कि येसु एक माहिर उस्ताद था -

हमेशा की ज़िन्दगी पाने के लिए

मतलब है “अब्दी ज़िन्दगी हासिल करने के लिए” या ख़ुदा के साथ हमेशा तक रहने के लिए – यह भी देखें कि 27:01 में इस के लिए किस तरह से तर्जुमा किया गया था और इस के बारे में क्या नोट लिखा था-

तू मुझे ‘नेक’ क्यूँ कहता है

येसु इंकार नहीं कर रहा है कि वह ख़ुदा है ,मगर वह हाकिम से तवक़्क़ो कर रहा था कि क्या वह समझता है कि येसु ख़ुदा है

नेक तो एक ही है यानि कि ख़ुदा

इस को कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “सच मुच में वह एक ही है जो नेक है और वह ख़ुदा है” या “सिर्फ़ ख़ुदा ही है जो सचमुच में नेक है”-

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- अच्छा, भलाई
- उस्ताद, उस्तादों , ता’लीम देने वाला
- अबदियत, हमेशा के लिए, हमेशा की ज़िन्दगी
- ख़ुदावन्द
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- शरी’अत, मूसा की शरी’अत, ख़ुदा की शरी’अत, यहोवा की शरी’अत

28:02

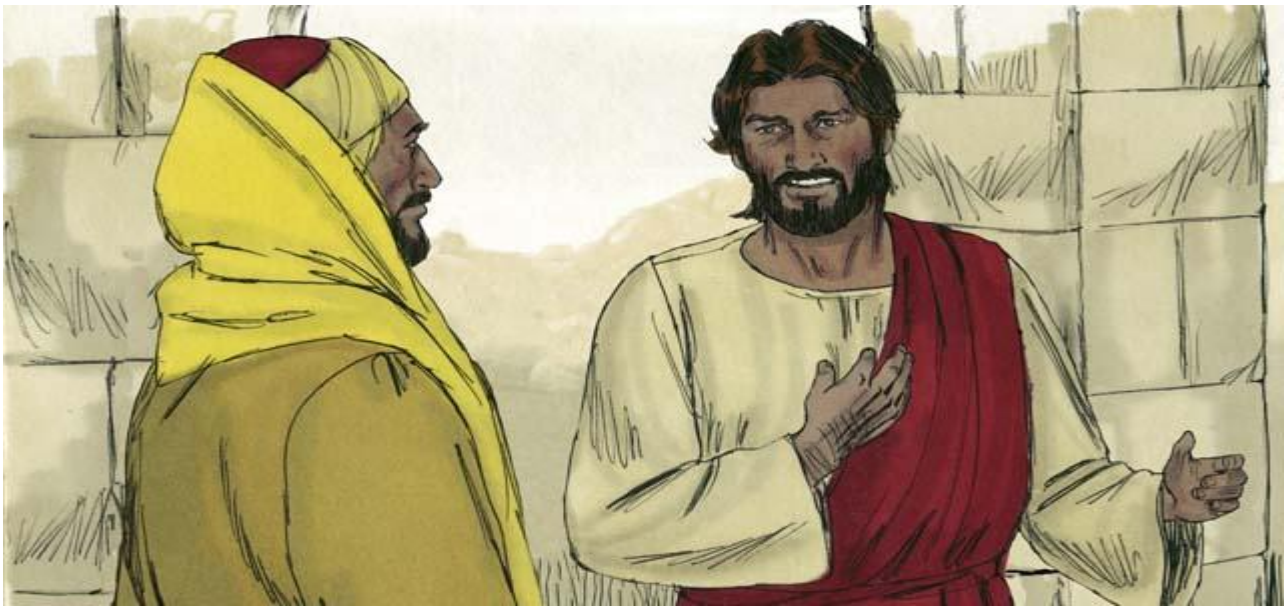

उसने पूछा कौनसे अहकाम पर मैं अमल करूं ? यीशु ने जवाब में कहा “यही कि किसी का खून न करना ,ज़िना न करना ,चोरी न करना , झूट न बोलना ,अपने मांबाप की इज़्ज़त करना और अपने पडोसी से अपनी मानिंद महब्बत रखना वगैरह -

मुझे कौनसे अहकाम बजा लाने कि जरूरत है ?

मतलब यह कि “कौनसे अहकाम मेरे लिए काफ़ी होंगे कि मैं हमेशा की ज़िन्दगी हासिल करूँ”?

जैसे तुम खुद से महब्बत रखते हो

मतलब यह कि “जितना ज़ियादा तुम ख़ुद से महब्बत रखते हो” या “उतने ही दर्जे की महब्बत जितने दर्जे की तुम्हारे ख़ुद की है”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- हरामकारी ,हरामकार बदकार, हराम्कारियाँ ,हराम्कारियों ,हरामकारनी
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की

28:03

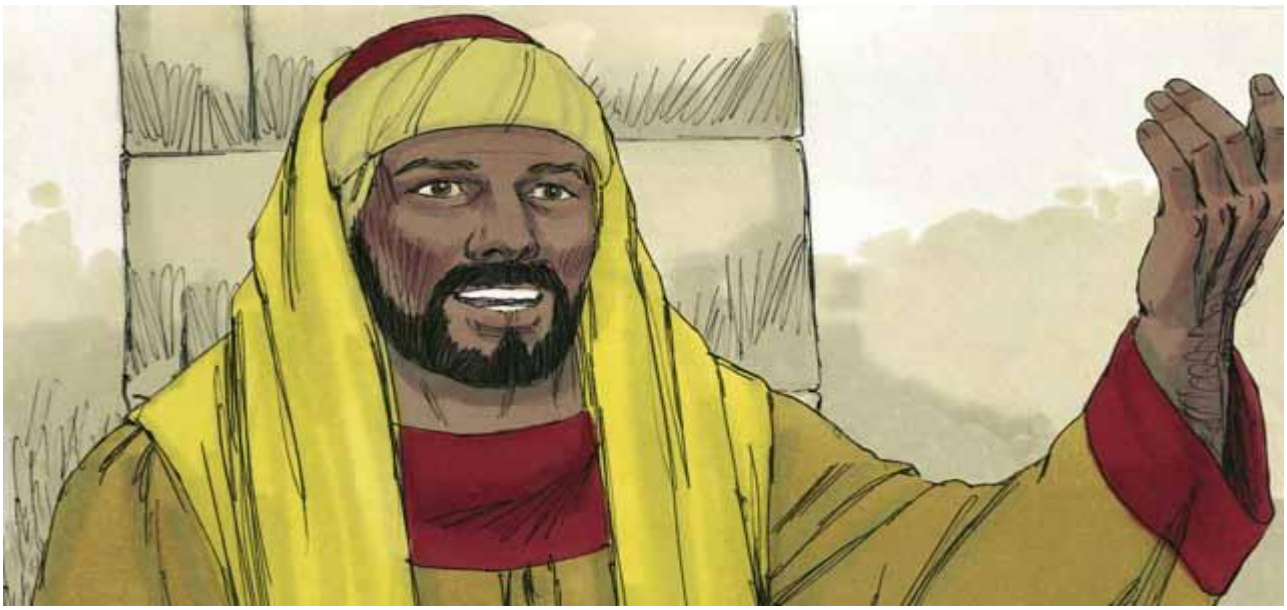

मगर उस जवान शख्स ने कहा ,"मैं तो **बचपन से ही** इन अहकाम पर अमल करता आया हूँ -अब मुझे हमेशा की ज़िन्दगी के लिए किस चीज़ कि ज़रुरत है ?"यीशु ने **उसको प्यार भरी नज़रों से देखा** -

बचपन से ही

कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि जब से कि मैं बच्चा था तब से लेकर आज तक "-

इस के अलावा मुझे क्या करना होगा ?

मतलब यह है कि "इन सब के अलावा मुझे और क्या करना होगा" ?

उसको प्यार भरी नज़रों से देखा

येसु को उस पर तरस आया - महब्बत के लिए एक ऐसे लफ़्ज़ को चुनें जिस में ख़ुदा की महब्बत लोगों के लिये ज़ाहिर हो -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की

28:04

यीशु ने जवाब दिया " अगर तू **कामिल** होना चाहे तो जा ,जो कुछ तेरे पास है उसे ग़रीबों में बाँट दे और युझे **आसमान में ख़ज़ाना** मिलेगा ,फिर आकर मेरे पीछे होले –"

तुम

अगर आप की ज़बान में लोगों की तादाद को लेकर "तुम" के लिए फ़रक अलफ़ाज़ हैं तो वाहिद का सेग़ा इस्तेमाल करें - येसु इस एक शख़्स के लिए हुक्म नाफ़िज़ कर रहा था -

कामिल

मतलब है "पूरी तरह से रास्तबाज़"

जो कुछ तुम्हारा है

यानि कि तुम्हारी सारी जाएदाद

ख़ज़ाना

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "बड़ी दौलत" या "बड़ा सरमाया"

आसमान में

इसको इसतरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था "आसमान में रखा गया है जब तुम वहां पहुंचोगे तो यह ख़ज़ाना खोला जाएगा" यह वही दौलत है जिसकी येसु ने मुख़ालफ़त की और जिसे "यहाँ और अभी" उस जवान से मांग रहा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी

28:05

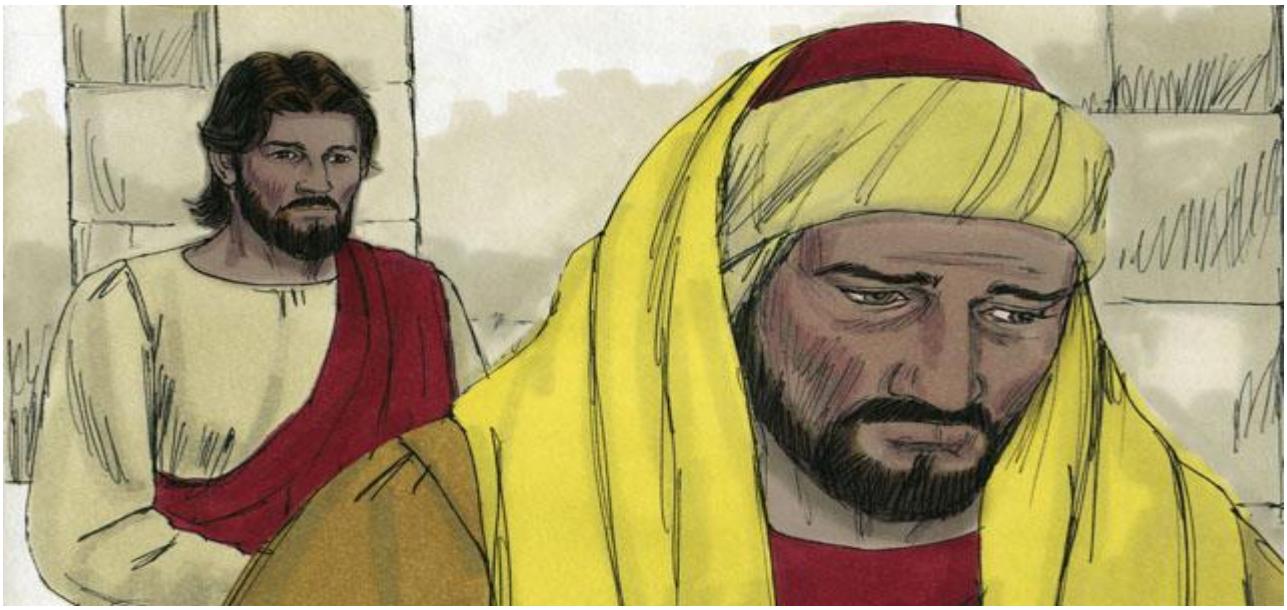

उस जवान ने जब यीशु की बातें सुनी तो वह बहुत मायूस हो गया क्यूंकि वह बहुत ज़ियादा मालदार था और जो उस के पास था उसको किसी भी हालत में छोड़ना नहीं चाहता था -वह यीशु के पास से चला गया -

जो येसु ने कहा उसको सुना

मतलब यह कि "येसु ने जो कहा था कि जो कुछ उसके पास है उसे देदे " इस बात को उसने सुना -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

28:06

तब यीशु ने अपने शागिरदों से कहा कि “दौलतमंद लोगों का ख़ुदा की बादशाही में दाख़िल होना कितना मुश्किल है !जबकि एक **ऊँट** का सूई के नाके से निकल जाना आसान है –“

ख़ुदा की बादशाही में दाख़िल होना

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे ख़ुदा की बादशाही का एक शहरी बनना -

ऊँट

ऊँट बहुत बड़े जानवर होते हैं जो अक्सर ज़ियादा बोझ लाद कर ले जाने के लिए इस्तेमाल किये जाते हैं -अगर आपके इलाक़े में ऊँट से कोई जान पहचान नहीं है तो एक मुहावरा जैसे “एक बड़ा जानवर” या “बोझ से लदा हुआ जानवर का इस्तेमाल कर सकते हैं -पर ध्यान रखें कि जब आप दुसरे बड़े जानवर के नाम में बदलते हैं तो वह लोगों के जान पहचान का होना चाहिए जिसे येसु ने कहानी या तमसील में इस्तेमाल किया हो जैसे “बैल” या “गधा” वग़ैरा -

सूई का नाका

यह हवाला पेश करता है एक छोटे से छेद का जो सिलाई की सूई के एक सिरे पर होता है -ऊँट जैसे एक बड़े जानवर का ख़याल जो सूई के छेद में से गुज़र जाए यह बिलकुल ही ना मुमकिन है

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

28:07

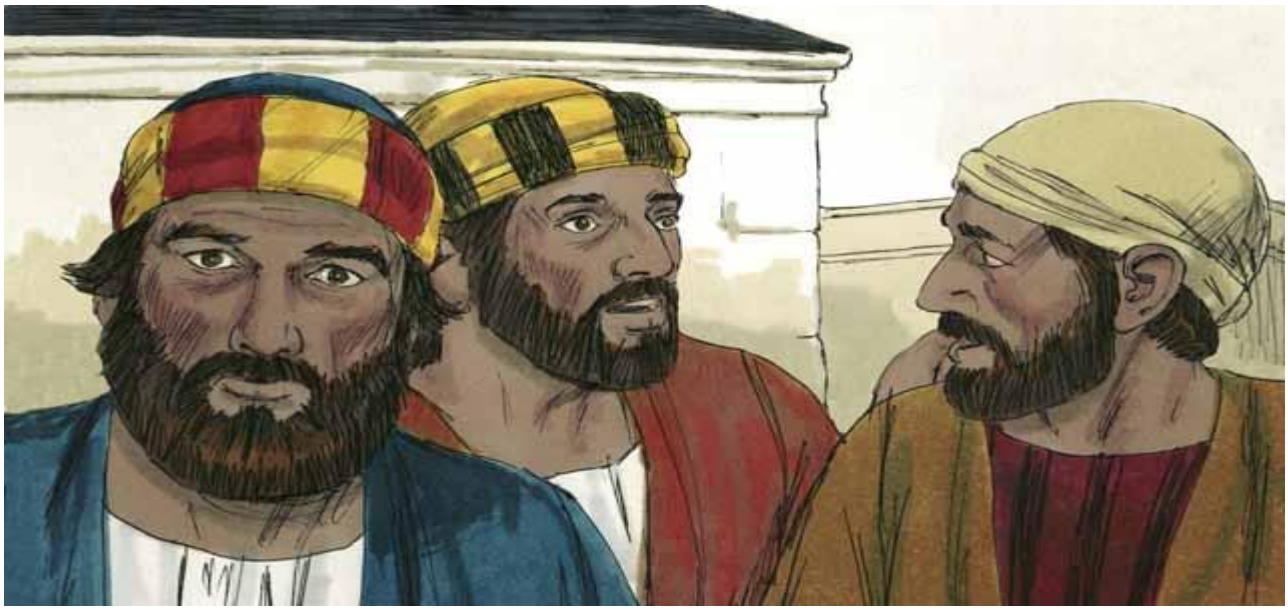

जब शागिर्दों ने यीशु की बातें सुनीं तो उन्हें बहुत धक्का लगा , उन्हों ने कहा,"अगर ऐसी बात है तो खुदा किसको बचाएगा ?"

ताज्जुब लगा

मतलब यह कि "बहुत ज़ियादा हैरत में पड़ गये"-

फिर कौन नजात पा सकता है

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे अगर यहाँ तक कि दौलतमंद लोग ही नजात नहीं पा सकते तो दूसरे लोग कैसे नजात पा सकते हैं"? बहुत से लोगों का एत्क़ाद है कि दौलतमंद होना ख़ुदा के मेहरबान होने की निशानी है -

नजात पाना

यहाँ यह हवाला पेश करता है ख़ुदा के इंसाफ़ और गुनाह की सज़ा से छुटकारा पाने का और ख़ुदा की बादशाही में एक शहरी बनने की इजाज़त का -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

28:08

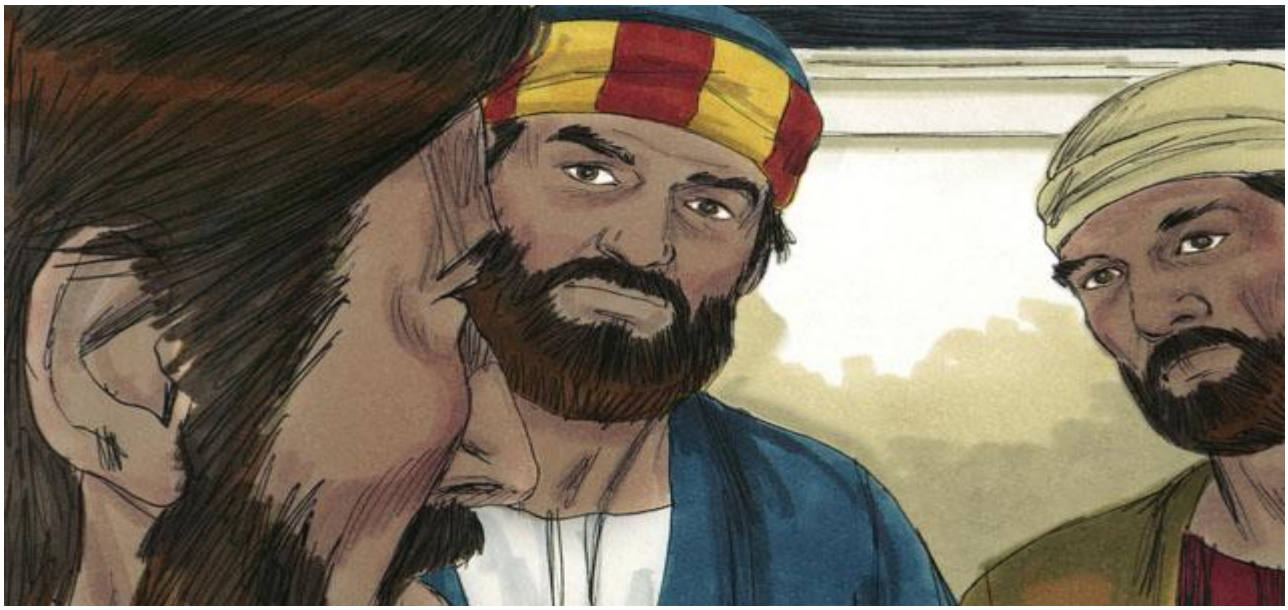

यीशु ने शागिरदों की तरफ़ देखकर कहा ,खुद को बचाना इंसानों कि बस कि बात नहीं मगर ख़ुदा से कोई बात ना मुमकिन नहीं है –“

लोगों से तो यह ना मुमकिन है

मतलब यह कि “लोगों के लिए यह मुमकिन नहीं है कि इसको करें” या “बहुत से बनी इंसान इसे ख़ुद से नहीं कर सकते”

ख़ुदा से सब कुछ हो सकता है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ख़ुदा इस लायक़ है कि वह कुछ भी कर सकता है” यहाँ तक कि वह एक दौलतमंद शख़्स को भी बचा सकता है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- ख़ुदावन्द

28:09

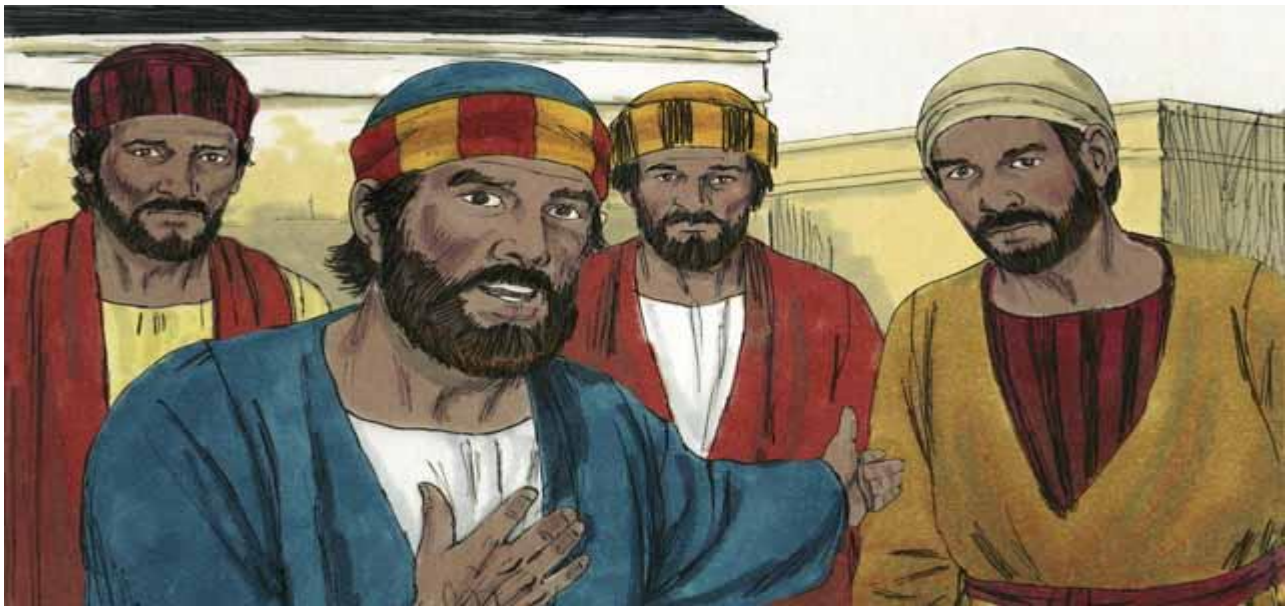

पतरस ने यीशु से कहा ,"हम शागिरदों ने अपना सब कुछ छोड़ कर तेरे पीछे होलिये हैं ,हम को क्या मिलेगा ?"

सब चीज़ को छोड़ दिया हो

इस का मतलब है "सब चीज़ों को पीछे छोड़ देना" या जो कुछ हमारे पास है उसे ख़ुदा के लिए दे देना"

इस का क्या अज्र मिलेगा?

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह है कि "हम क्या अज्र हासिल करेंगे"? या "हमको कैसा अज्र मिलेगा? या ख़ुदा अज्र बतौर हमको क्या देगा? इसके साथ यह भी जोड़ा जा सकता है "हमारे इन सब के करने के इवज़ में"?

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

28:10

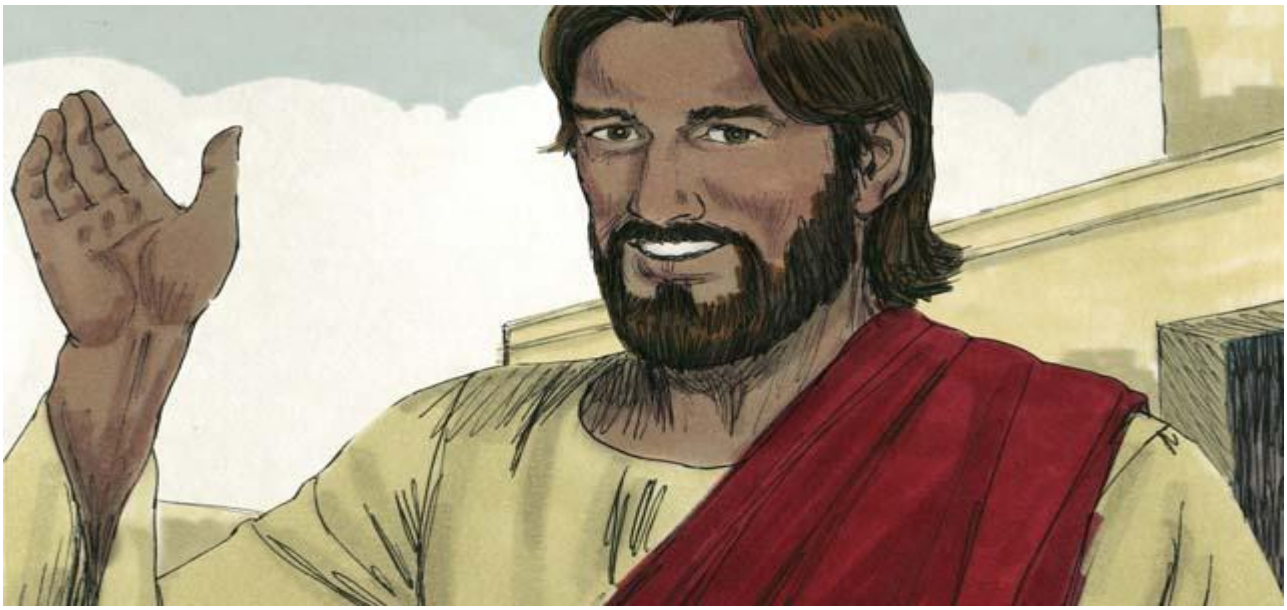

यीशु ने जवाब दिया ,"तुम में से हरेक जिन्होंने मेरी खातिर अपने घरों, भाइयों, बहनों ,बाप ,मां, बच्चों और जाएदाद को **छोड़ा है** , उनको सौ गुना मिलेगा और साथ में हमेशा की ज़िन्दगी-"मगर जो अव्वल हैं वह आख़िर हो जाएंगे और जो आख़िर हैं वह अव्वल –"

छोड़ा है

मतलब यह कि "पीछे छोड़ आए हैं" या "छोड़ा है" या "ख़ुदा से कम अहमियत दी है"-

मेरी ख़ातिर

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "मेरे सबब से" या "मेरी समझ से"

सौ गुना ज़ियादा

मतलब यह कि "जो उसके पास था उस से कहीं ज़ियादा-

बहुत से जो अव्वल थे वह आख़िर हो जाएंगे

इस का मतलब है "बहुत से लोग जो अब ख़ास कहलाते हैं वह बाद में ख़ास नहीं कहलाएंगे"-

बहुत से जो आख़िर हैं वह अव्वल हो जायेंगे

मतलब यह कि जिन्हें सोचा जाता है कि जो अहम् नहीं हैं वो ख़ुदा की बादशाही में अहम् कहलाया जाएगा -या जिन लोगों के लिए सोचा जाता है कि ज़मीन पर उनकी क़ीमत कम है उनकी आसमान में बहुत ज़ियादा क़ीमत ठहराई जाएगी -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- अबदियत, हमेशा के लिए, हमेशा की ज़िन्दगी

_मत्ती 19 : 16 -30 ; मरकुस 10 : 17 -31 ; लूका 18 :18 -30 से बाइबिल कि एक कहानी _

29 .बे-रहम नौकर की कहानी

29:01

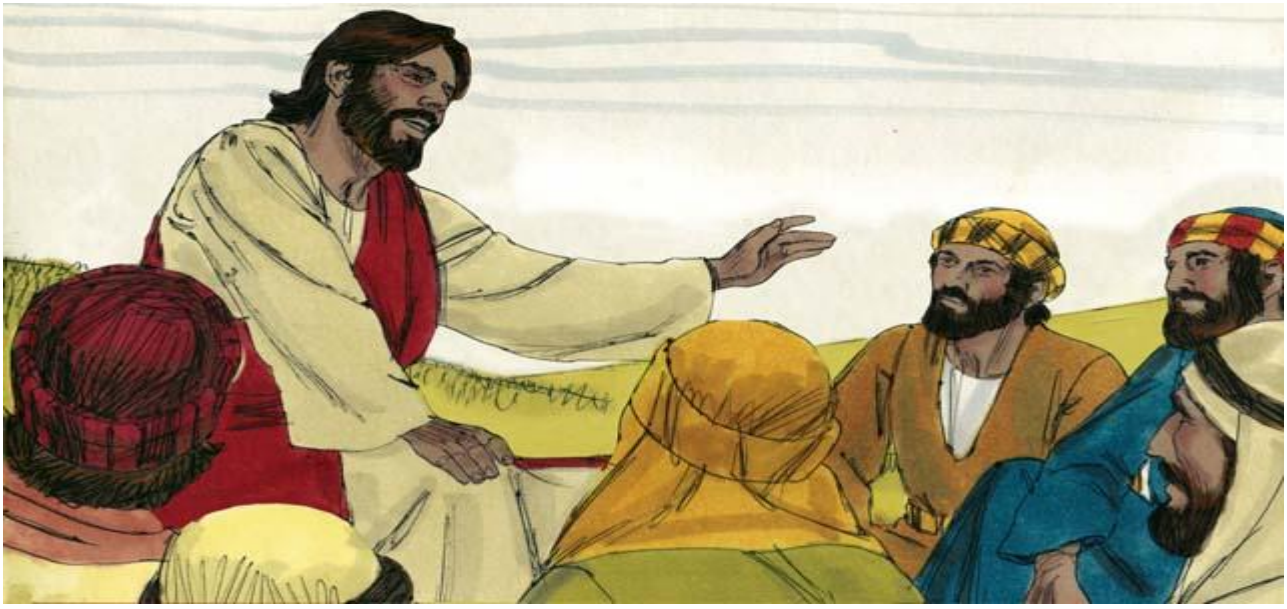

एक दिन पतरस ने यीशु से पूछा मैं अपने भाई को जब वह **मेरे ख़िलाफ़ गुनाह करे** तो मैं उसे कितनी दफ़ा मुआफ़ करूं ? क्या सात दफ़ा ?“ यीशु ने कहा ,”मैं नहीं कहता कि सात दफ़ा ,बल्कि सात के सत्तर दफ़ा “- यहाँ यीशु का कहना था कि हम को हमेशा मुआफ़ करनी चाहिए – फिर यीशु ने यह कहानी सुनाई :

एक दिन

यह मुहावरा तआर्रुफ़ कराता है एक वाक़िये का जो माज़ी में गुज़रा था मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई ज़बानों में एक सच्ची कहानी को सुनाने का एक ही तरीक़ा है -

मेरा भाई

यह मौसूम किया हुआ लफ़्ज़ कभी कभी उन लोगों को भी शामिल करता है जो सच मुच में भाई बेहन नहीं थे मगर जिन से दूसरा मज़बूत ताल्लुक़ था जैसे नस्ल से मुताल्लिक़ या शामिल किये गये वग़ैरा -

मेरे ख़िलाफ़ गुनाह करे

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “मेरे ख़िलाफ़ कोई बुरा बर्ताव करता है”-

सात मर्तबा नहीं बल्कि सात के सत्तर मर्तबा

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “तुम को सिर्फ़ सात मर्तबा ही मुआफ़ नहीं करना चाहिए बल्कि सात के सत्तर गुना मर्तबा” – येसु एक तै किया हुये अदद की बाबत बात नहीं कर रहा था बल्कि वह कह रहा था कि हमें लोगों को हर बार जब भी वह हमारे ख़िलाफ़ गुनाह करते हैं मुआफ़ करना चाहिए -

इससे येसु का मतलब यह था कि

यानी जब येसु ने यह बात कही तब यही मतलब था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

29:02

यीशु ने कहा ,ख़ुदा की बादशाही ऐसी है जैसी कि एक बादशाह अपने मुलाज़िमों से अपना हिसाब चुकता करना चाहता था – उसके मुलाज़िमों में से एक पर बहुत भारी क़र्ज़ा था जिस की क़ीमत 200,000 साल की मजदूरी थी

ख़ुदा की बादशाही ऐसी है जैसे

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “ख़ुदा लोगों पर हुकूमत करता है जैसे” या जिस तरीक़े से ख़ुदा लोगों पर हुकूमत करता है उस का मवाज़िना इस से किया जा सकता है कि”

एक बादशह की मानिंद है जो

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “एक बादशाह की बादशाही ऐसी थी जो” या एक बादशाह की हुकूमत जिसका मवाज़िना इसतरह किया जा सकता था”

अपने नौकरों से हिसाब किताब करना चाहा

मतलब यह कि वह अपने नौकरों से क़र्ज़ा वसूल करना चाहता था जो उनपर बनता था” या “अपने नौकरों से पैसा वसूल करना चाहता था जिन्होंने उससे क़र्ज़ा ले रखा था -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

29:03

मगर नौकर इस बड़े कर्ज़े को अदा नहीं कर सकता था -सो बादशाह ने कहा , “इस शख्स को और इसके खानदान को गुलाम बतोर बेच दो ताकि क़र्ज़ की थोड़ी भरपाई हो “

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

क़र्ज़ा अदा करो

मतलब यह कि “पैसा वापस करो जो बादशाह से लिए थे”-

उसके क़र्ज़े पर अदाएगी के लिए

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे ,”पैसा इस्तेमाल करो उनको बेचे जाने के ज़रिये हासिल किया गया ताकि उसके क़र्ज़े की भरपाई हो जाए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

29:04

नौकर ने **बादशाह के आगे** घुटने टेक कर कहा, “मुझ पर तरस खा ,मैं तेरा सारा क़र्ज़ा अदा कर दूंगा ,” तब बादशाह ने उस नौकर पर तरस खाया और उसका सारा क़र्ज़ा मुआफ़ करके उसे जाने दिया -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

अपने घुटनों पर गिर गया

इस का मतलब है , “जल्दी से ज़मीन पर घुटने टेक दिये” यह उसकी हलीमी को ज़ाहिर करता था और ख़्वाहिश रखता था कि बादशाह उसकी मदद करे -इस बात का ध्यान रखें कि वह हादसे बतौर नीचे नहीं गिरा था -

बादशाह के आगे

इसका मतलब है “बादशाह के सामने”

रहम किया

मतलब है “उसपर तरस खाया” या “अफ़सोस किया” बादशाह जानता था कि नौकर और उसका ख़ानदान अगर ग़ुलाम बतौर बेच दिए जाते तो उन्हें बहुत ज़ियादा दुःख उठाना पड़ता -

उसका सारा क़र्ज़ा मुआफ़ कर दिया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है ,”कहा कि नौकर को किसी तरह का पैसा लौटाने की ज़रूरत नहीं थी जो बादशाह से क़र्ज़े में लिया था” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

29:05

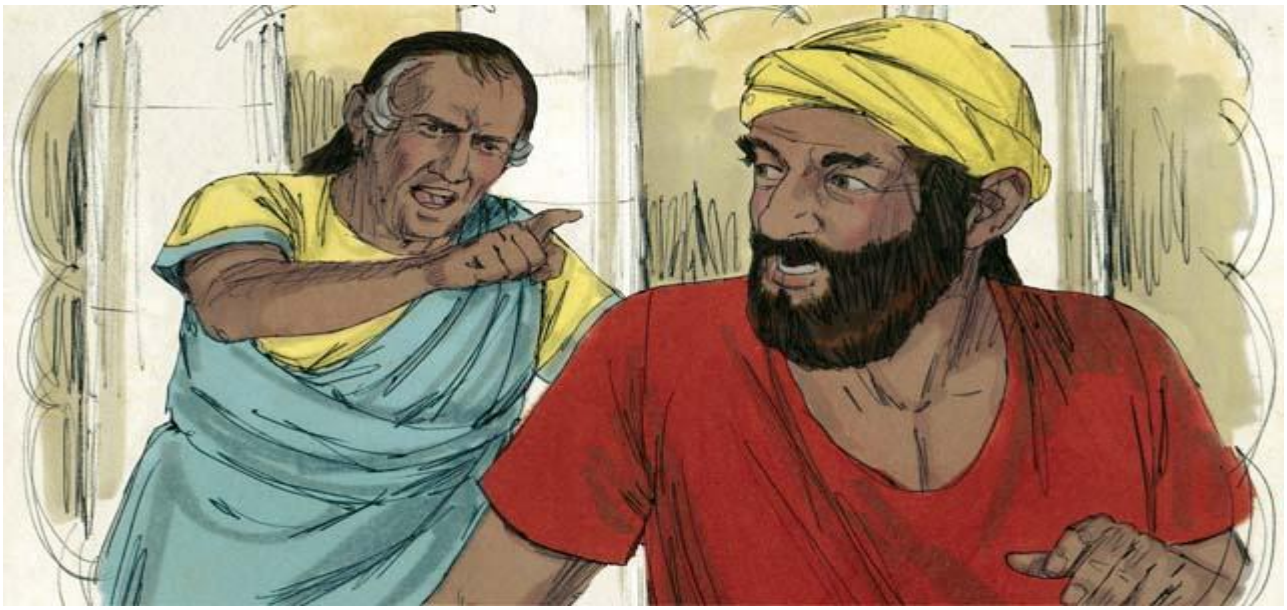

मगर जब वह नौकर बाहर आया तो उसने अपने एक साथी नौकर से मिला जिसपर चार महीने की मजदूरी के बराबर क़र्ज़ा आता था - उसने अपने साथी नकार को पकड़ा और कहा “मेरा क़र्ज़ा लौटा दे ,वरना अच्छा नहीं होगा -

आम मालूमात

येसु कहानी जारी रखता है

नौकर का साथी

यह दुसरे आदमी को ज़ाहिर करता है जो बादशाह का नौकर था

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

29:06

उस **साथी नौकर** ने घुटने के बल गिर कर कहा ,"मुझ पर तरस खा ,मैं तेरा सारा क़र्ज़ा लोटा दूंगा ,पर उसने तरस नहीं खाया बल्कि उस को जेल भेज दिया जब तक कि वह क़र्ज़ा अदा नहीं करता -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

साथी नौकर

इस मुहावरे को उसी तरह तर्जुमा करें जिस तरह से 29:05 में है -

अपने घुटने पर गिर गया

इस मुहावरे के मायने वही है जो 29:04 में है

उसके साथी नौकर को क़ैद में डाल दिया

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे उस शख्स को क़ैद में डाल दिया था" "डाल दिया" का लफ़्ज़ तस्वीरी है ,जिसके मायने हैं उसपर जबरन अमल किया गया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

29:07

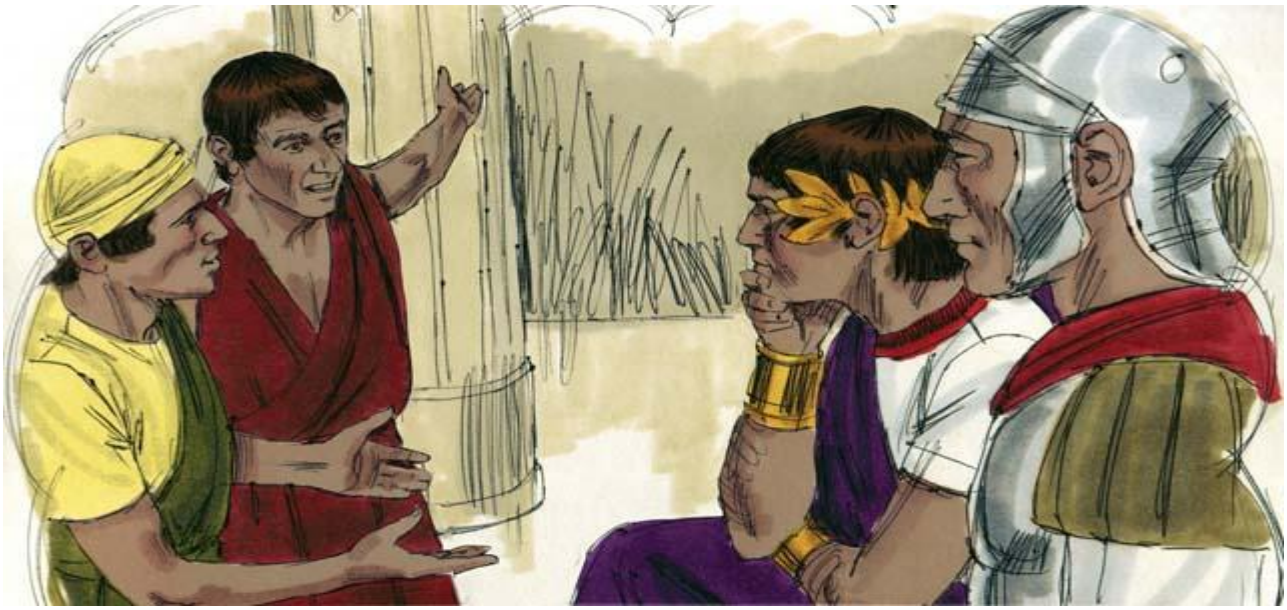

दीगर नौकरों ने देखा कि क्या कुछ हुआ था और वह उस से बहुत गुस्सा हुए - और उन्हों ने जाकर बादशाह को सारी बातें बताईं -

आम मालूमात

येसु कहानी को जा रखता है

क्या हुआ था

मतलब यह कि बादशाह के नौकर को जो अपने साथी नौकर से क़र्ज़ा वापस लेना था उसके मोहलत मांगने पर पहले नौकर ने अपने साथी नौकर को क़ैद में डाल दिया

बहुत ज़ियादा ख़लल अंदाज़ हुए थे

मतलब है कि “अज़हद रंजीदा हुए” या “बहुत दुखी हुए”

हरेक चीज़

मतलब यह कि “जो कुछ उस पहले नौकर ने अपने साथी नौकर साथ किया वह बादशाह को बताया” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

29:08

बादशाह ने उस **नौकर को बुलाया** और कहा ,"ऐ शारीर नौकर , मैं ने तेरा सारा क़र्ज़ा इस लिए मुआफ किया था क्यूंकि तूने मुझ से गिड़गिड़ाया था - सो युझे भी वैसा ही करना चाहिए था - बादशाह बहुत गुस्सा हुआ और उसको क़ैद में **डाल दिया** जब तक कि वह सारा क़र्ज़ा अदा न करे -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

नौकर को बुलाया

मतलब यह कि "नौकर को हुक्म दिया वह उसके पास आए" या "अपने दरबान को हुक्म दिया कि नौकर को उस के पास लाए"-

मुझ से दरख़ास्त की

इसको इस तरह से तर्जुमा किया सकता था "मेरे साथ उज्र पेश किया" या जलदी से मुझसे कहा कि मुझ पर रहम करे" -

तुम को भी वैसा ही करना चाहिए था

मतलब यह कि "तुम को उस शख़्स को मुआफ़ कर देना चाहिए था जो तुम्हारा क़र्ज़दार था ,जिस तरह मैं ने तुमको मुआफ़ किया"-

डाल दिया

मतलब यह कि "उसने अपने दरबानों को हुक्म दिया कि नौकर को क़ैद में डाले" ध्यान दें कि "डाल दिया" को फ्रेम 29;06 में किस तरह तर्जुमा किया गया था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया
- मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी
- बुराई, बदकार, बदकारी

29:09

फिर यीशु ने कहा ,"**मेरा आसमानी बाप** तुम में से हर एक से ऐसा ही सुलूक करेगा अगर तुम अपने भाई को दिल से मुआफ नहीं करोगे –"

फिर येसु ने कहा

कुछ ज़बानों में इन लफ़्ज़ों को जोड़ा गया है "अपने शागिर्दों से"

यह

"यह" हवाला पेश करता है बादशाह के अपने तरीक़े से उस मुआफ़ न करने वाले नौकर को सज़ा देने की बाबत 29:08 में -

मेरा आसमानी बाप

मतलब "आसमान में जो मेरा बाप है" येसु ख़ुदा बाप के साथ अपने बे मिसल और शख़्सी रिश्ते का इज़हार कर रहा है -

तुम्हारा भाई

देखें कि आप ने इसे 29:01 में कैसे तर्जुमा किया है -

तुम्हारे दिल से

मतलब है "वफ़ादारी के साथ" या "सच्चाई से" या "सच मुच में" या "ईमानदारी से"

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया

_मत्ती 18 :21 -35 तक बाइबिल कि एक कहानी _

30 . यीशु पांच हज़ार लोगों को खिलाता है

30:01

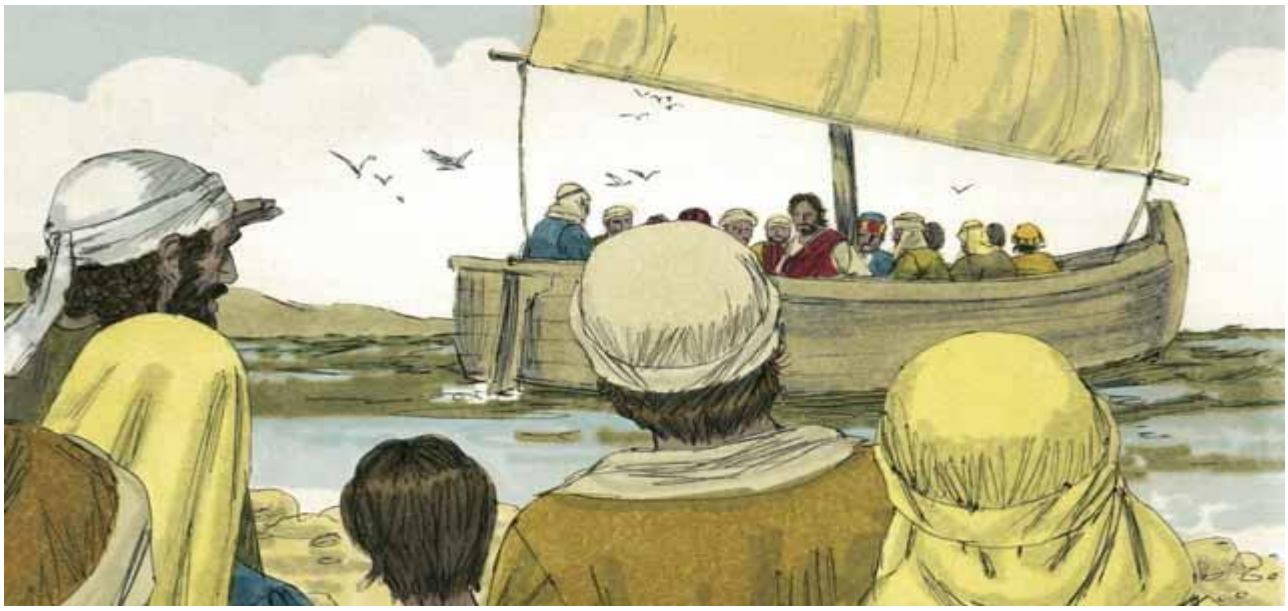

यीशु ने अपने रसूलों को फ़रक़ फ़रक़ गाँव में भेजा ताकि मनादी करे और लोगों को खुशखबरी की तालीम दे -जब वह वापस आए तो जो कुछ उन्होंने किया थ्वह यीशु से कहा -फिर यीशु उनके साथ एक वीरान जगह पर ले गया ताकि वह झील के उस पार कुछ देर के लिए आराम करे -सो उनहोंने एक कश्ती ली और झील के उस पार गए -

सुनसान जगह

यह एक ऐसे जगह को बताता है जहाँ कुछ लोग अपने आप से रह सकते थे

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- रसूल, रसूलों, रिसालत
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया

30:02

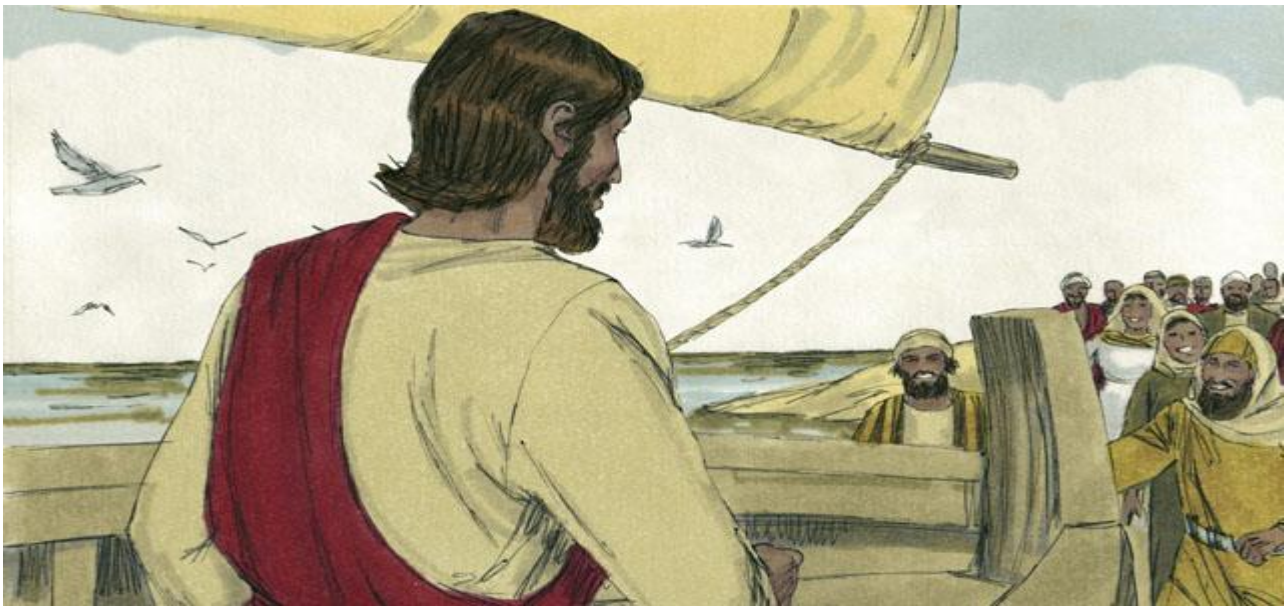

मगर वहां पर बहुत से लोग थे जिन्हों ने यीशु और उसके शागिदों को कश्ती से उतरते देखा -यह लोग झील के किनारे किनारे से भागे ताकि उनके सामने पहुँच सकें -सो जब यीशु और उस के शागिरद वहां **पहुंचे** तो लोगों की एक बड़ी भीड़ पहले से ही उनका इंतज़ार कर रही थी

पहुंचे

मतलब यह कि “झील के उस पार गए” या “वहां पहुंचे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों

30:03

यह बड़ी भीड़ 5000 आदमियों की थी जिन में औरतें और बच्चे शामिल नहीं थे -यीशु को लोगों पर बड़ा तरस आया -यह लोग यीशु के लिए वैसे थे जैसे बिन चरवाहे की भेड़ें -सो उस ने उन्हें खुदा की बादशाही की तालीम दी और उन के बीच जो बीमार थे उन्हें शिफ़ा बख्शी -

औरतों और बच्चों को छोड़ कर

मतलब यह कि “उन औरतों और बच्चों को नहीं गिना जा रहा था जो उन के साथ थे” या वहां पर आदमियों के अलावा औरतें और बच्चे भी थे” इसे तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा यह भी हो सकता था कि “मर्दों के अलावा वहां पर बहुत सी औरतें और बच्चे भी थे”

येसु के लिए

मतलब यह कि “येसु जानता था” या “येसु समझ गया था”

भेड़ों की मानिंद जिन का कोई चरवाहा न हो

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “ग़ैर महफ़ूज़ और खोए हुए ऐसे भेड़ों की तरह जिन का कोई चरवाहा न हो कि उनकी रखवाली करे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , भेड़-बकरी, भेड़ की खाल
- चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार

30:04

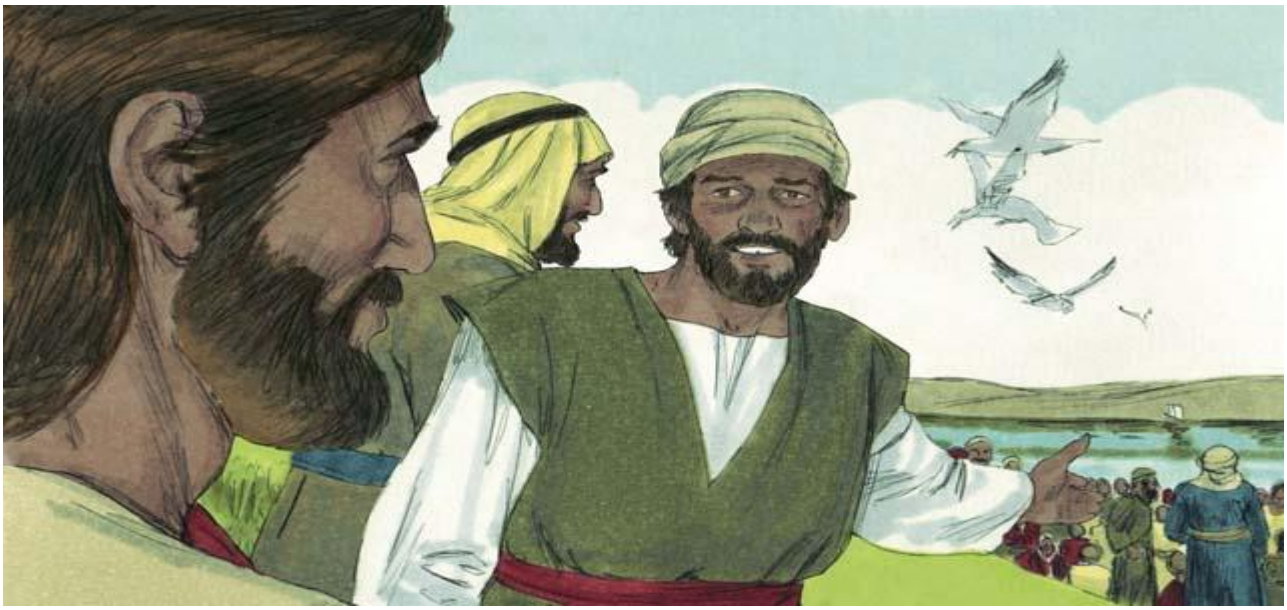

शाम के वक़्त शागिर्दों ने यीशु से कहा ,अभी देर होगई है ,लोगों को विदा कर कि वह पास के शहरों में जाकर अपने लिए खाना मोल लें –“

शाम के वक़्त में

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था “जब तक़रीबन शाम हो गई थी”

लोगों को विदा कर दे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था ,”बराए मेहरबानी लोगों से कह दे कि वह अपने शहर बस्तियों में जाएं - या क्या तुझे लोगों से नहीं कहना चाहिए कि कहीं और जाएं” या “लोगों को किसी बस्ती में जाने दे” ध्यान रखें कि यह बात शाइस्तगी से हो न कि एक हुक्म बतौर -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

30:05

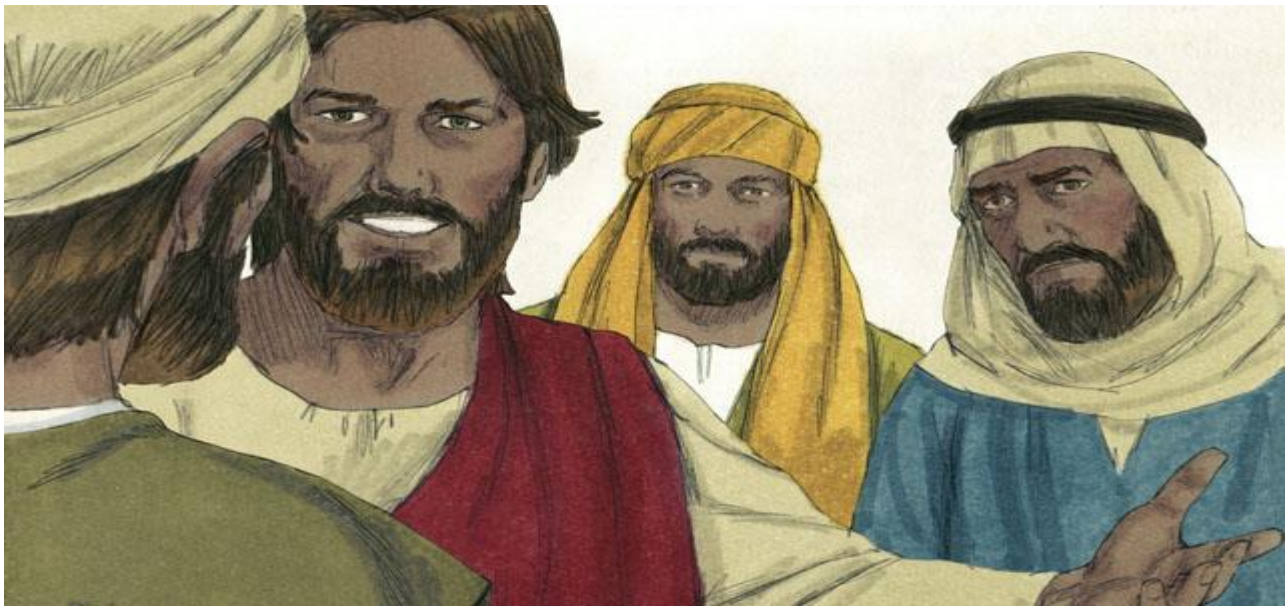

मगर यीशु ने शागिर्दों से कहा ,तुम ही इन्हें खाने को दो उन्हों ने यीशु से कहा ,"हम ऐसा कैसे कर सकते हैं ?हमारे पास तो सिर्फ पांच रोटी और दो छोटी मछलियाँ हैं –"

हम इसे कैसे कर सकते हैं ?

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "हम उसे नहीं कर सकते"या "इसे करना हमारे लिए नामुमकिन है" शागिर्द लोग वाक़ई में एक सवाल नहीं कर रहे थे बल्कि वह पक्के तौर से ज़ाहिर कर रहे थे कि ऐसा करना उनके लिए ना मुम्किन था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों

30:06

यीशु ने अपने शागिर्दों से कहा लोगों से कहो कि वे पचास पचास कि क़तार में घास पर बैठ जाएं -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों

30:07

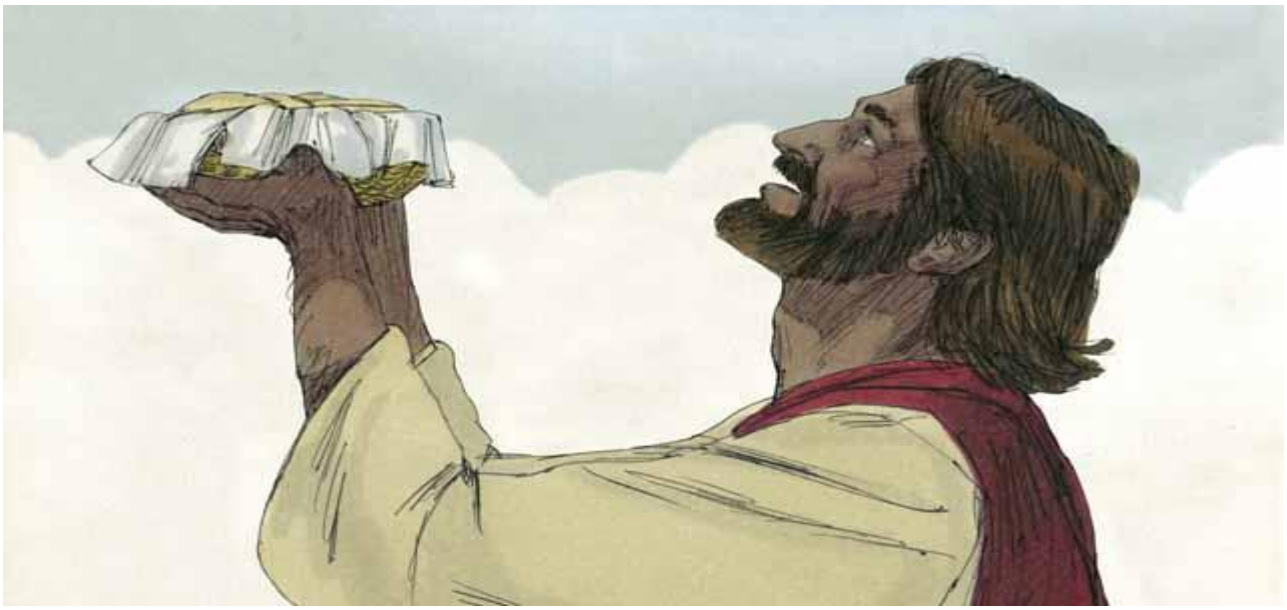

तब यीशु ने उन पांच रोटियों और दो मछलियों को लिया और आसमां की तरफ़ देखकर खुदा का शुक्रिया अदा किया -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- ख़ुदावन्द

30:08

फिर यीशु ने रोटियों और मछलियों को तोड़ा -उन टुकड़ों को शागिर्दों को दिया कि लोगों में बाँट दे -शागिर्द लोगों में खाना बांटते गए और वह कभी ख़त्म नहीं हुआ ! तमाम लोगों ने अच्छी तरह से भर पेट खाया और सेर हो गए -

रोटी और मछलियों को तोड़ा

मतलब यह कि “रोटी और मछली के टुकड़े किये”

वह कभी ख़ाली नहीं हुआ

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “जब भी उस में से लिया जाता था हर बार हमेशा कुछ बचा हुआ होता था”

सेर होगये

मतलब यह कि “आगे को भूके नहीं थे” या और भूके नहीं थे”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों

30:09

उस के बाद शागिर्दों ने उन खानों को जमा किया और बचे हुए खाने की बारह टोकरियाँ उठाई गयीं ! यह सारा खाना उन पांच रोटियों और दो मछलियों से आईं थीं -

बाइबिल कि एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों

_मत्ती 14 :13 -21 ; मरकुस 6 :31-44 ; लूका 9 :10 -17 ; युहन्ना 6 :5-15 से बाइबिल कि एक कहानी _

31. यीशु पानी पर चलता है

31:01

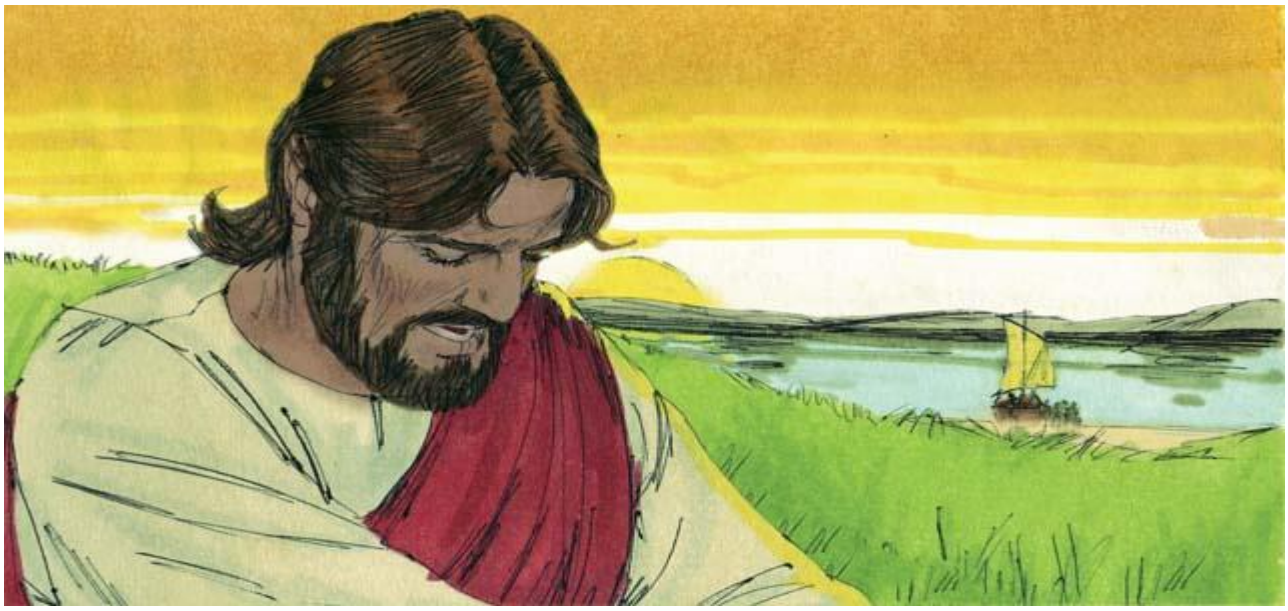

पांच हज़ार लोगों को खिलाने के बाद यीशु ने अपने शागिर्दों से कहा कि कश्ती में सवार होजाएं - उस ने उन से कहा कि झील के उस पार चले जाएं - और यीशु पीछे कुछ देर के लिए रुका रहा ताकि भीड़ को विदा कर सके -सो शागिर्द जब चले गए तो यीशु ने भीड़ को उनके घर विदा किया उसके बाद यीशु दुआ करने पहाड़ी की तरफ़ चला गया - वह वहां पर तनहा था और उसने वहां देर रात तक दुआ की -

उसने भीड़ को विदा किया

कहने का दूसरा तरीक़ा यह है कि “उसने भीड़ को उनके रास्ते पर विदा किया” या उसने भीड़ के लोगों से कहा कि वह वापस अपने अपने घर चले जाएं”-

पहाड़ी इलाक़े में

मतलब है “एक पहाड़ की तरफ़”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

31:02

इस दौरान शागिर्द अपनी कश्ती ढो रहे थे , मगर हवा उन के मुख़ालिफ़ चल रही थी - देर रात होने तक वह सिरफ़ झील के बीच में ही पहुँच पाए थे

उसी दौरान

मतलब है “जब येसु पहाड़ की जानिब दुआ कर रहा था

अपनी कश्ती चला रहे थे

कश्ती तैर तो रही थी मगर वह आगे नहीं बढ़ रही थी क्यूंकि हवा मुख़ालिफ़ थी -

बड़ी मुश्किल से

मतलब है “बहुत मुश्किल से” या बहुत सारी मुश्किल के साथ -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

31:03

उस वक़्त यीशु ने दुआ ख़त्म कर ली थी और वापस अपने शागिर्दों से मिलने जा रहा था - वह कश्ती की तरफ़ जाने के लिए पानी के ऊपर चलने लगा -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

31:04

फिर शागिदों ने उसे देखा - वह यह समझकर डर गए कि किसी भूत को देख रहे हैं - यीशु ने मालूम कर लिया था कि वह डरे हुए हैं सो उस ने उन्हें पुकारा और कहा “डरो मत मैं हूँ –“

एक भूत

मतलब है “एक रूह” उन्होंने सोचा कि येसु एक रूह है जबकि आम तौर पर एक इन्सान पानी पर नहीं चल सकता -

मत डरो

कुछ ज़बानों के लिये यह कहना ज़ियादा सही होगा “ख़ौफ़ खाना बंद करो”

वह मैं हूँ

कुछ ज़बानों में तर्जुमे के लिये ज़ियादा सही है जैसे कि “मैं हूँ येसु”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

31:05

फिर पतरस ने यीशु से कहा ,"अगर तू है तो मुझे हुक्म दे कि मैं पानी पर चलकर तेरे पास आऊँ "-यीशु ने पतरस से कहा ,"चले आओ "

अगर तुम हो

मतलब यह कि "अगर हकीक़त में तुम हो ,और भूत नहीं हो –"

आओ !

मतलब यह कि "इधर आओ" या "मेरे पास आओ" या "चलकर मेरे पास आओ"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

31:06

सो पतरस पानी से बहार आकर पानी के ऊपर चलने लगा - मगर थोड़ी दूर चलने के बाद उसने अपनी नज़रें यीशु कि तरफ़ से हटा कर मौजों की तरफ़ लगाया और अपने में शदीद हवा का एहसास किया -

अपनी नज़रें हटाकर दूसरी तरफ़ लगाईं

इस इज़हार का मतलब है ,"दूसरी तरफ़ देखा" इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "उसकी तरफ़ देखना बंद कर दिया"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

31:07

फिर पतरस खौफ़ज़दा होकर पानी में डूबने लगा , वह चिल्लाया ,खुदावंद मुझे बचा ! यीशु उसके पास पहुंचकर उसका हाथ थाम लिया और कहा ऐ कम एतक़ाद ! तू ने मुझ पर भरोसा क्यूँ नहीं किया कि तू महफूज़ रहे ?”

ऐ कम एत्क़ाद

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “मुझ पर तुम्हारा बहुत कम एत्क़ाद था !” या तुम ने मुझ पर ज़ियादा भरोसा नहीं किया !”

तुम ने क्यूँ शक किया?

मतलब यह कि “तुम को मुझ पर शक नहीं करना चाहिए था !” या तुम को मुझ पर पूरा भरोसा करना चाहिए था “यह सच मुच का सवाल नहीं था -मगर इस ज़बान में मामले को मज़बूत बनाने का एक तरीका था -कई ज़बानों में यह बेहतर तरीक़े से काम करता है ताकि एक बयान बतौर इस का इज़हार करे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ईमान

31:08

फिर पतरस और यीशु जैसे ही कश्ती पर सवार हुए तो हवा थम गयी – शागिर्द ताज्जुब करने लगे और यीशु को सिजदा किया - उन्होंने कहा कि “तू सच मुच ख़ुदा का बेटा है –“

जब पतरस और येसु कश्ती में चढ़ गए तो हवा रुक गई

इसको बेहतर तरीक़े से इस तरह कहा जा सकता है कि “पतरस और येसु कश्ती में सवार हुए फिर हवा बंद होगई -

येसु को सिजदा किया

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “नीचे झुक कर येसु को सिजदा किया” यह लफ़्ज़ जिस्मानी तौर से किसी की ताज़ीम और इज़्ज़त में किसी के सामने झुकने का अंदाज़ रखता है -

यक़ीनन तू ख़ुदा का बेटा है

इसे दुसरे तरीक़े से ऐसा कहा जाएगा कि ,”तुम सचमुच ख़ुदा के बेटे हो” या “यह हक़ीक़त में सच है कि तू ख़ुदा का बेटा है -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- ‘इबादत
- सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त

- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

_मत्ती 14 :22 -23 ; मरकुस 6 :45 -52 ; युहन्ना 6 :16 -21 से बाइबिल की एक कहानी _

32 . यीशु एक बदरुह के मारे शख्स को और एक बीमार औरत को शिफ़ा देता है -

32:01

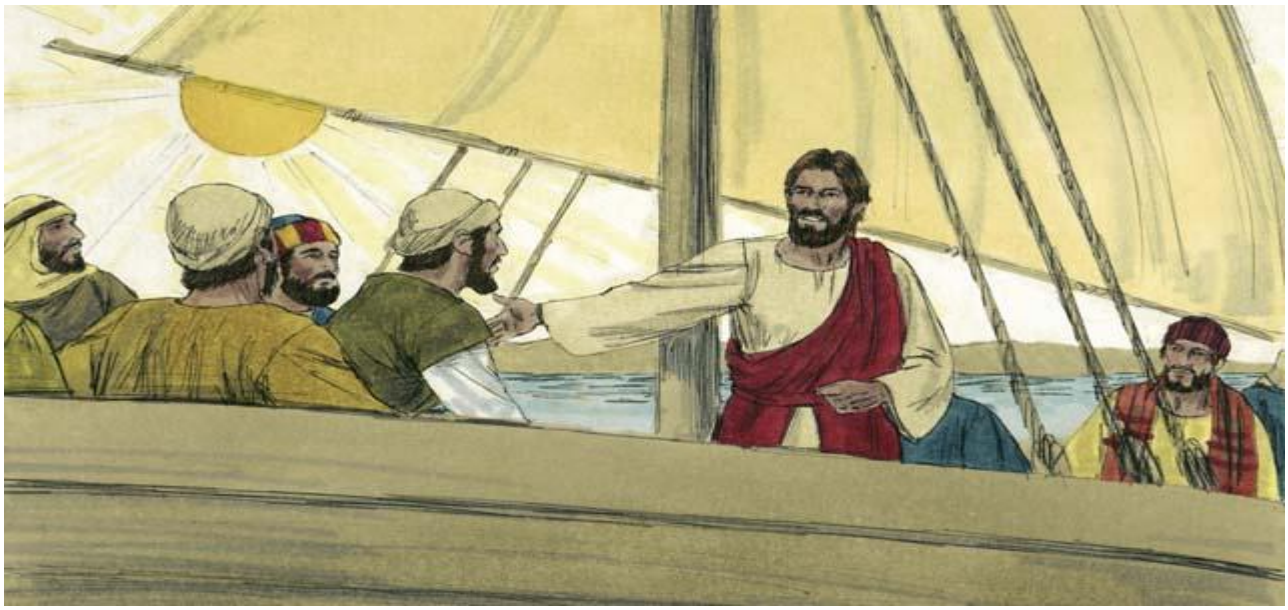

यीशु और उसके शागिर्द कश्ती में बैठ कर उस इलाक़े को गए जहां **गरासीनियों के लोग** रहते थे - वह वहां पहुंचकर कश्ती से उतरे -

एक दिन

यह मुहावरा तआर्रुफ़ कराता है एक वाक़िये का जो माज़ी में गुज़रा था मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शुरू करने का यही तरीक़ा है -

गरासीनियों के लोग

गरासीनी लोग गालील के झील के किनारे मशरिक़ी इलाक़े में रहते थे -वह थे तो यहूदी मगर उन की बाबत थोड़ी सी मालूमात के सिवा ज़ियादा नहीं जानते -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों

32:02

वहाँ एक शख्स रहता था जिस में बदरुहें थीं -

एक बदरुह समाया हुआ आदमी

मतलब यह कि “एक आदमी जिस में बद रूहें थीं” या एक आदमी जो बदरूहों के क़ाबू में था -

दौड़ता हुआ चला आया

मतलब यह कि “की तरफ़ दौड़ा” या दौड़ा और सामने रुका –“

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बदरूहों से मुब्तिला
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

32:03

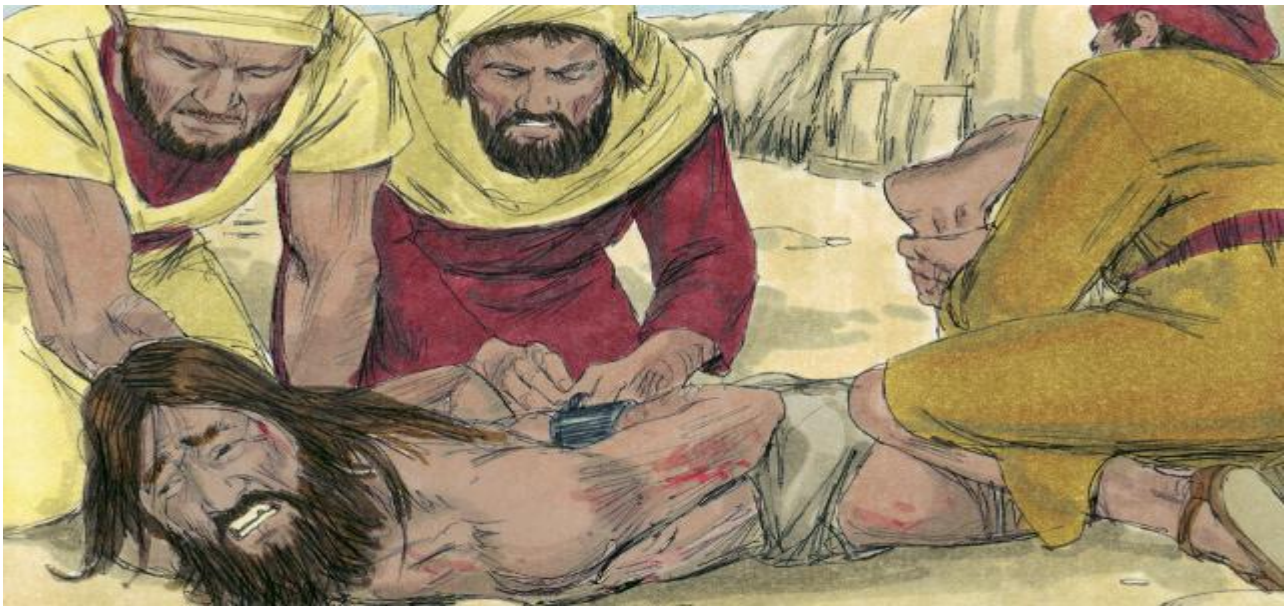

यह शख्स इतना ताक़तवर था कि कोई उस को क़ाबू में नहीं कर सकता था - कुछ लोगों ने यहाँ तक कि उसको ज़ंजीरों से बाँध दिया था मगर **वह उन्हें तोड़ देता था** -

हाथ और पांव जकड़े गए थे

मतलब यह कि क़ाबू में रखा जाता था या बाँध कर रखा जाता था -

वह उन्हें तोड़ देता था

कुछ ज़बानों में शायद ऐसा कहने की ज़रूरत है कि “वह लगातार ज़ंजीरों को तोड़ डालता था -

32:04

वह शख़स उस इलाक़े के क़ब्रों में रहा करता था , दिन रात वह बड़े ज़ोरों से चिल्लाया करता था - वह कपड़े नहीं पहनता था और अक्सर पत्थरों से खुद को ज़ख़्मी कर लेता था -

क़ब्रों में रहता था

मतलब यह कि “क़ब्रों के नज़दीक” या “क़ब्रों के चारों तरफ़”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

32:05

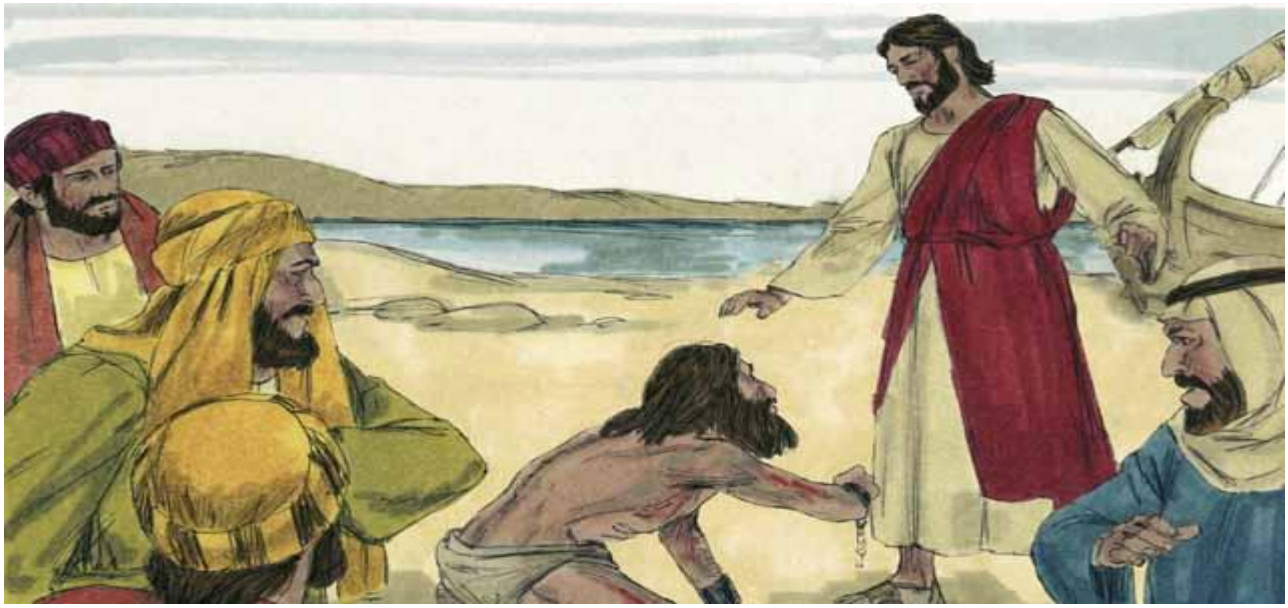

यह शख़स दौड़ कर यीशु के पास गया और उस के आगे घुटने टेक दिए - यीशु ने उस बदरूह समाए हुए शख्स से कहा ,"इस शख्स में से निकल आ ! "

घुटनों पर गिरा

मतलब यह कि "जल्दी से ज़मीन पर घुटने टेके"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह

32:06

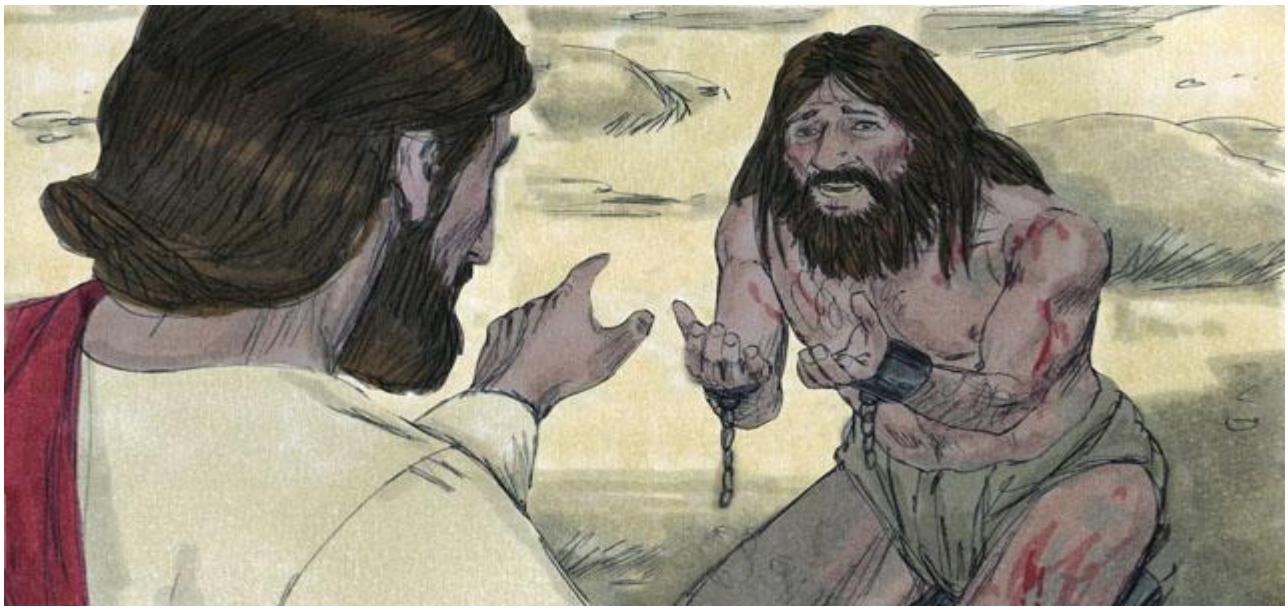

बदरूह ऊँची आवाज़ से चिल्लाया ,"ऐ यीशु ,खुदा तआला के बेटे ,मुझे तुझ से क्या काम ? तू मुझे अज़ाब में न डाल ! " फिर यीशु ने बदरूह से पूछा ,"तुम्हारा क्या नाम है ? उस ने जवाब दिया ,मेरा नाम **लश्कर** है क्यूंकि हम बहुत हैं (एक लश्कर में कई हज़ार रोमी सिपाही होते हैं) -

चिल्लाता था

मतलब यह कि "ऊंची आवाज़ से परेशान करता था" या फिर चींख़ता था -

तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूँ

इस इज़हार के मायने हैं "तुम मुझ से क्या कराना चाहते हो" ?

ख़ुदा तआला

मतलब है "सब से बड़ा" या "सब से बरतर ख़ुदा" या "निहायत ज़ोरावर ख़ुदा" यहाँ तआला मायने पेश करता है ख़ुदा की बड़ाई का - यह उसके बुलंद होने या ऊंचा होने के मायने को पेश नहीं करता -

लश्कर

यह बदरूहों कि जमाअत का नाम था मगर यह इस बात को भी बयान करता है कि बदरूहें कसीर तदाद में मौजूद हैं -अगर आपकी ज़बान में यह नाम साफ़ मायने पेश करता है तो इस का इस्तेमाल करें अगर नहीं तो दूसरा कोई लफ्ज़ जैसे "फ़ौज" या "भीड़" या "हज़ारों" वग़ैरा का तर्जुमा करना पड़ेगा -

हम बहुत से हैं

हम नहुत से हैं इसका मतलब है "हम बहुत हैं" या हम बहुत सी बद रूहें हैं"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बदरूहों से मुब्तिला
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- ख़ुदावन्द

32:07

बदरूह समाए हुए शख्स ने यीशु से इल्तिजा की कि “हमको इस इलाक़े से बाहर न भेज “वहाँ क़रीब में पहाड़ी पर सूअरों का ग़ओल चर रहा था - बदरूह ने कहा कि हमको उन सूअरों में भेज दे - यीशु ने उससे कहा ,”ठीक है चले **जाओ** –“

हम को मत भेज

मतलब है “हम को जाने न दे”-

मेहरबानी से हम को जाने दे

मतलब यह कि “मेहरबानी कर कि हम चले जाएं”

बदले में

मतलब है कि “बजाए इसके कि हम दूसरी जगह जाएं”

जाओ

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “सुअरों में चले जाओ” या “तुम सुअरों में जा सकते हो”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह
- मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

32:08

सो बदरूह उस शख्स में से निकलकर सूअरों में चला गया - वह सारे सूअर किनारे से झपट कर झील में कूद पड़े और डूब कर मर गए - उस ग़ओल में तक़रीबन 2000 सूअर थे -

ग़ोल

मतलब है “सुअरों का झुण्ड” या “सुअरों का जत्था” कई एक ज़बानों में जानवरों के झुण्ड के लिए ख़ास नाम होते हैं , जैसे “भेड़ों का गल्ला” , “जानवरों का ग़ोल” “कुत्तों की टोली” “मछलियों का गिरोह” वग़ैरा - एक मौज़ूं लफ्ज़ का इस्तेमाल करें जो सुअरों के झुण्ड के लिए मौज़ूं साबित हो सके -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह

32:09

सूअर चराने वालों ने इस माजरे को देखा , वह दौड़ कर शहर में गए और सारा माजरा कह सुनाया कि यीशु ने क्या कुछ किया - लोग उस का यकीन करके उस शख्स से मिलने आए जिस पर बदरूह समाया हुआ था मगर अब वह आज़ाद था - वह कपड़े पहने आम आदमियों की तरह ख़ामोशी से बैठे हुए था -

क्या वाक़े हुआ

मतलब यह कि “किस तरह से येसु ने उस आदमी में से बदरूहों को निकाला और सुअरों में भेजा”

किस के पास बद रूहें हुआ करती थीं

मतलब है “किस में बदरूहें समाई हुई थी” या “बदरूहों के ज़रिये कौन क़ाबू किया गया था”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह

32:10

वहां के **लोग** डरे हुए थे और यीशु से कहने लगे कि उन के इलाक़े से निकल जाए - सो यीशु कश्ती में सवार हुआ ,और उस शख्स ने दरखास्त की कि यीशु के साथ रहे -

लोग

कुछ ज़बानें यह कहने को तरजीह दे सकती हैं ,"उस इलाक़े के लोग" या "गरासीन के लोग"

डर गए

यह कहना बेहतर होगा कि "येसु ने वहां जो किया उस के सबब से डर गए"

तैयार किया

मतलब है "तैयार हो रहा था"

येसु के साथ चलने की दरख़ास्त की

मतलब यह कि "उसने येसू से मिन्नत की कि वह उसके हमराह हो ले – या "संजीदा होकर येसु से पूछा कि क्या वह उसके साथ जा सकता था"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी

32:11

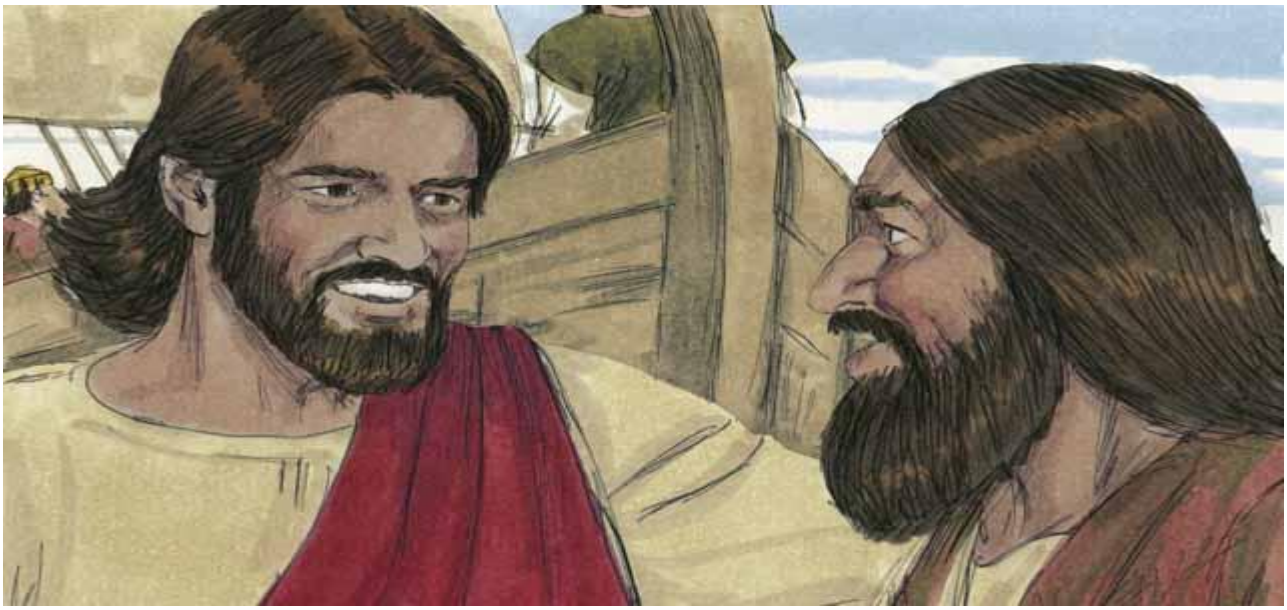

मगर यीशु ने उस से कहा ,"मैं चाहता हूँ कि तुम अपने घर जाओ और हर एक से कहो कि खुदा ने तुम्हारे लिए क्या कुछ किया - उनसे कहना कि खुदा ने तुम पर किस तरह रहम किया –"

किस तरह उस ने तुझ पर रहम किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है कि "किस तरह वह तुझपर रहम से पेश आया" या "वह तुझ पर रहमदिल हुआ"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- रहम, रहमदिल

32:12

यीशु की बात मानकर उस शख्स ने जाकर हर एक को बताया कि यीशु ने उसके लिए क्या कुछ किया - हर एक ने जो उसकी गवाही सुनी ताज्जुब किया -

उसकी कहानी सुनी

मतलब यह कि “उस आदमी से वाकिये की बाबत सुना”

बहुत ही हैरतज़दा हुए और तअज्जुब किया

“हैरतज़दा” और “तअज्जुब” के एक ही मायने हैं – इन दोनों को एक साथ इस लिए इस्तेमाल किया गया है ताकि इस बात पर ज़ोर दिया जा सके कि किसतरह लोग तअज्जुब कर रहे थे - इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “जो उस ने उन से कहा था सुनकर बहुत ज़ियादा अचम्भा किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

32:13

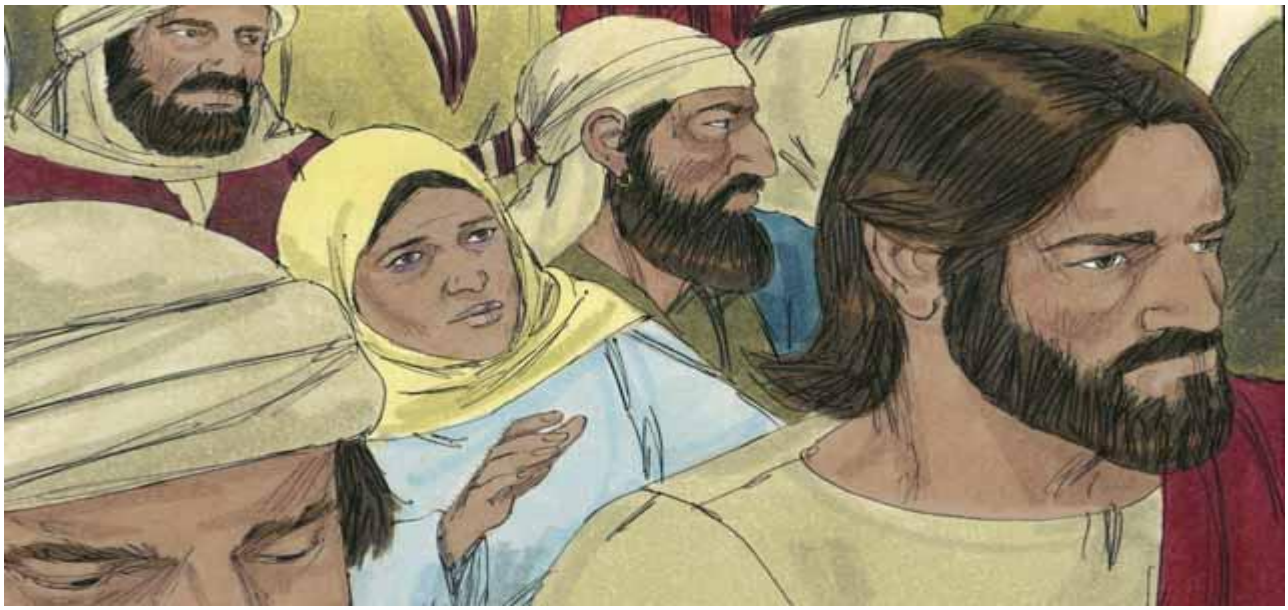

यीशु अपने शागिर्दों के साथ झील की दूसरी तरफ़ पहुंचा -उसके वहां पहुंचने के बाद एक बड़ी भीड़ उस के चारों तरफ़ जमा हो गई और उसे दबाने लगी - उस भीड़ में एक औरत थी जिसको खून जारी था - वह जरयान के मर्ज़ में मुब्तला थी - उसने इलाज में बहुत से पैसे खर्च किये थे मगर मर्ज़ बढ़ता ही जा रहा था -

लोग उसको दबाते थे

मतलब यह कि “उसके ख़िलाफ़ दबाव बढ़ता जाता था” “उसके चारों तरफ़ सख़्त भीड़ थी”

उसकी बिमारी और बढ़ती जाती थी

मतलब यह कि “उसकी हालत और बिगड़ गई” या “उसकी तबीअत बेहतर होने के बदले और बिगड़ गयी’ या उस के बदले और ज़ियादा बीमार हो गई

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार

32:14

उसने सुन रखा था कि यीशु ने बहुत से बीमारों को शिफ़ा दी थी और सोचा कि अगर मैं सिर्फ यीशु के पोशाक ही को छू लूंगी तो ठीक हो जाउंगी ! सो वह यीशु के पीछे आई और उसने उसके पोशाक को छुआ -जैसे ही उसने उसके पोशाक को छुआ खून बहना बंद हो गया -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार

32:15

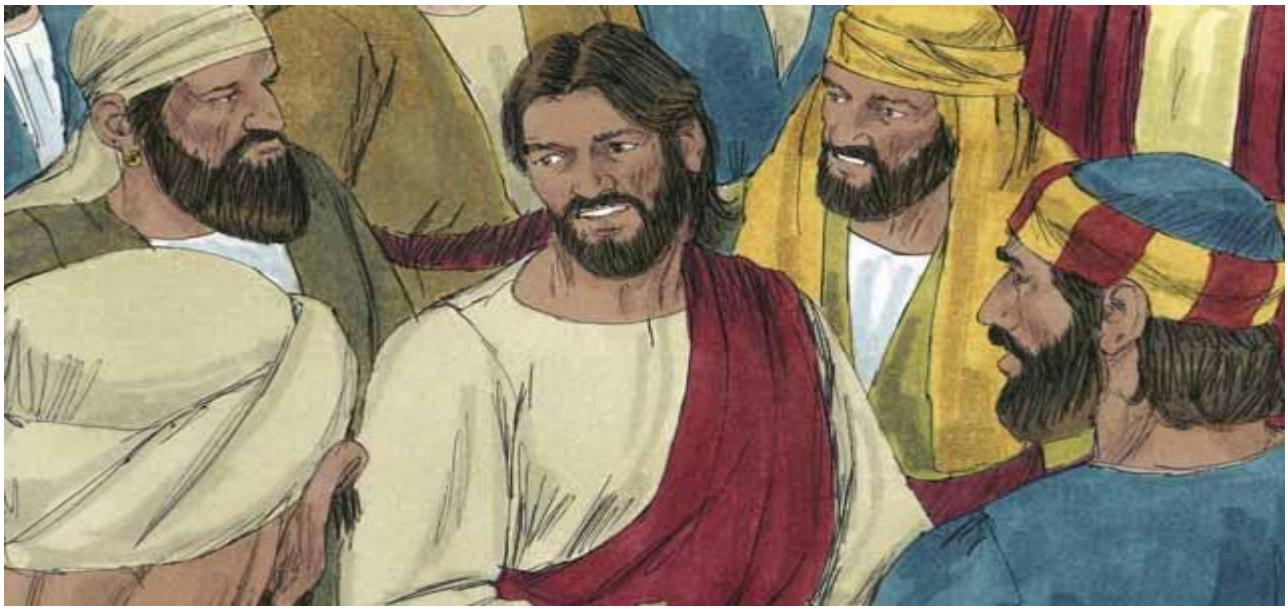

फ़ौरन ही यीशु ने अपने में महसूस किया कि उस में से क़ुवत निकली , सो उसने मुड़कर पूछा कि किसने मुझे छुआ ? शागिर्दों ने जवाब दिया कि तेरे आसपास इतनी भीड़ हो रही है और तुझे धक्के दे रहे हैं और तू पूछता है कि किसने तुझे छुआ ?

उसके अन्दर से कुव्वत निकली

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “शिफ़ा की ताक़त उससे बह कर किसी और में गई” या उसकी कुव्वत ने किसी को शिफ़ा बख्शी” इस का मतलब यह नहीं कि इस के सबब से येसु में कुव्वत की कमी हुई -

तू ने क्यूँ पूछा कि “किसने तुझे छुआ” ?

कुछ ज़बानों में दूसरे अंदाज़ के बयान का इस्तेमाल बेहतर साबित होता है जैसे कि “तू ने क्यूँ पूछा कि कौन तुझे छू रहा था”? या तुझे क्यूँ तअज्जुब हो रहा है कि किस ने तुझे छुआ”?

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- क़ुव्वत , ताक़तें
- शागिर्द, शागिर्दों

32:16

उस औरत ने घुटने टेके और कांपते हुए घबराकर कहा कि उस ने क्या किया , और क्यों किया और कैसे अपनी बिमारी से ठीक हुई - तब यीशु ने उस औरत से कहा ,"**तेरे ईमान ने तुझे अच्छा किया ,सलामत चली जा** -

औरत ने घुटने टेक दिए

मतलब यह कि "उसने फ़ौरन घुटने टेके"

येसु के सामने

मतलब "येसु के आगे"

कांपती हुई और घबराकर

मतलब यह कि "ख़ौफ़ से कांपती हुई" या थरथराती हुई क्यूंकि वह डर गई थी -

तेरे ईमान ने तुझे अच्छा किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था "तेरे ईमान के सबब से तूने शिफ़ा पाई है -

सलामत चली जा

जब लोग एक दुसरे से जुदा हो रहे थे तो लोगों ने कहा कि यह रिवायती बरकत है -दुसरे ज़बानों में कुछ इसी तरह कहा जाएगा "खैरियत से जा" या "ख़ुदा हाफ़िज़" या "सलामती हो" तर्जुमे का दूसरा तरीक़ा हो सकता था "तुम पर इत्मिनान हो जब तुम जाती हो" या जाओ और जानो कि हमारे बीच सब कुछ ठीक है"

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ईमान
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले

_मत्ती 8 :28 -34 ; 9:20 -22 ; मरकुस 5:1-20 ,24 b-34 ; लूका 8:26-39 ; 8:42 b-48 तक बाइबिल की एक कहानी _

33 . किसान की कहानी

33:01

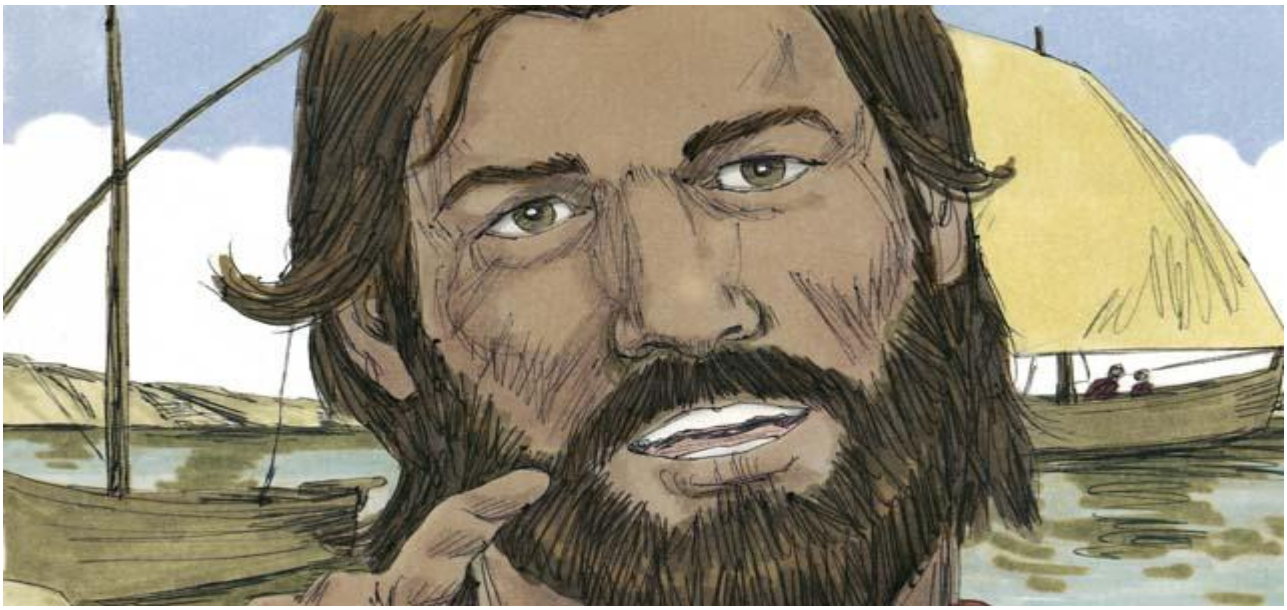

एक दिन यीशु झील के किनारे था - वह एक बड़ी भीड़ को तालीम दे रहा था – उस कि तालीम सुनने के लिए भीड़ की तादाद इतनी ज़ियादा थी कि यीशु को बैठने तक की जगह नहीं थी - इस लिए वह पानी में एक कश्ती पर चढ़ कर बैठ गया -और वहां से तालीम देने लगा -

एक दिन

यह मुहावरा तआर्रुफ़ कराता है एक वाकिये का जो माज़ी में गुज़र चुका है मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी शुरू करने का ऐसा ही तरीक़ा होता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

33:02

यीशु ने यह तालीम दी : “एक किसान बीज बोने निकला - बोते वक़्त कुछ दाने राह के किनारे गिरे , मगर हवा के परिन्दों ने आकर उन्हें चुग लिया “

हाथ से बीज बो रहा था

मतलब यह कि “ज़मीन पर बीजों को फेंक रहा था” या फ़स्ल की सारी ज़मीन को बीजों से ढांक रहा था - क़दीम मरकज़ी मशरिक़ में बिलकुल इसी तरीक़े से अनाज के बीजों को बोया जाता था -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

33:03

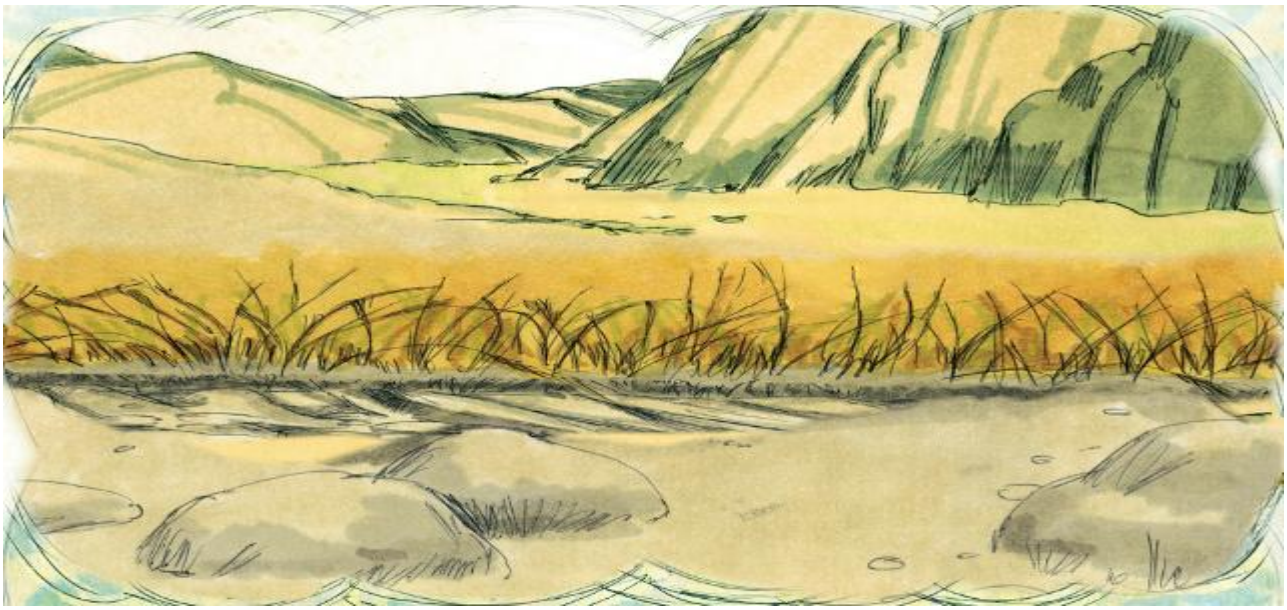

कुछ दाने **पथरीली ज़मीन** पर गिरे - पथरीली ज़मीन में गिरे हुए दाने गहरी मिटटी न मिलने के सबब सेसे बहुत जल्द उग आए - जब सूरज कि रौशनी उन पर पड़ी तो वह जल गए और सूख गए -

आम मालूमात

येसु कहानी को जरी रखता है

पथरीली ज़मीन

मतलब यह कि “वह ज़मीन जो पत्थरों से भरी थी”

33:04

फिर भी कुछ दाने कटीले झाड़ियों में गिरीं मगर झाड़ियों ने बढ़कर उन्हें दबा दिया - सो कटीले झाड़ियों में गिरे दानों से कोई फल पैदा नहीं हुआ -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

कांटे

मतलब है “काँटों के पेड़” या “कटीली झाड़ियाँ”

उन्हें दबा लिया

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “उन्हें साया कर लिया था” या उन्हें धंसा दिया था -

कटीली ज़मीन

मतलब यह कि “वह ज़मीन कटीली झाड़ियों से ढकी थी”

33:05

बाक़ी दाने **अच्छी ज़मीन** पर गिरे - यह बीजें बढ़ कर बहुत सा फल ले आए ,कोई 30 गुना ,कोई 60 गुना, यहां तक कि 100 गुना जितना ज़ियादा हो सके उतना ज़ियादा जो बोया गया था - जो कोई खुदा के पीछे चलना चाहे वह इन बातों को सुने जो मैं कह रहा हूँ -

आम मालूमात

येसु कहानी जारी रखता है

अच्छी ज़मीन

मतलब यह कि “वह ज़रखेज़ ज़मीन है” या “वह ज़मीन जो फ़स्ल उगाने के लिए अच्छी थी”

जिसके कान हो वह सुन ले !

इस मक़ोले के मायने हैं ,”हर एक शख्स जो मेरी बातें सुनता है उसे ध्यान से सुनना चाहिए” या अगर कोई सुनता है जो मैं ने कहा उसको धियान देना चाहिए कि मेरे कहने का क्या मतलब है -इसको एक हुक्म बतोर भी तर्जुमा किया जा सकता है –“जबकि तुम्हारे पास सुनने के कान हैं तो जो मैं कह रहा हूँ उसे ध्यान से सुनो” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- अच्छा, भलाई

33:06

इस कहानी ने शागिर्दों को परेशान कर दिया था सो यीशु ने उन्हें समझाया कि बीज खुदा का कलाम है ,रास्ते में गिरे हुए दाने वह हैं जो कलाम को सुनता है मगर उसे नहीं समझता -फिर शैतान उस कलाम को उस से छीन लेता है कि वह न समझे -

इस कहानी ने शागिर्दों को उलझन में डाल दिया था -

मतलब यह कि “शागिर्द इस कहानी को समझ नहीं पा रहे थे”

एक आदमी है

यह मुवाज़िना इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “एक आदमी के जैसा है” या “एक आदमी को ज़ाहिर करता है” या “एक आदमी का हवाला पेश करता है” या “एक शख़्स कि बाबत बात करता है”

कलाम को उस शख़्स से उठा ले जाता है

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “ख़ुदा के कलाम को उठा ले जाता है जो उसके भूलने का सबब बनता है” या कलाम को उसके दिल से चुरा ले जाता है ताकि वह ईमान न लाए और बचाया न जाए”-आप इस में यह भी जोड़ सकते हैं ,”जिस तरह परिंदों ने चुग लिया जो रास्ते के किनारे गिरा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- शैतान, शैतान, बुरा

33:07

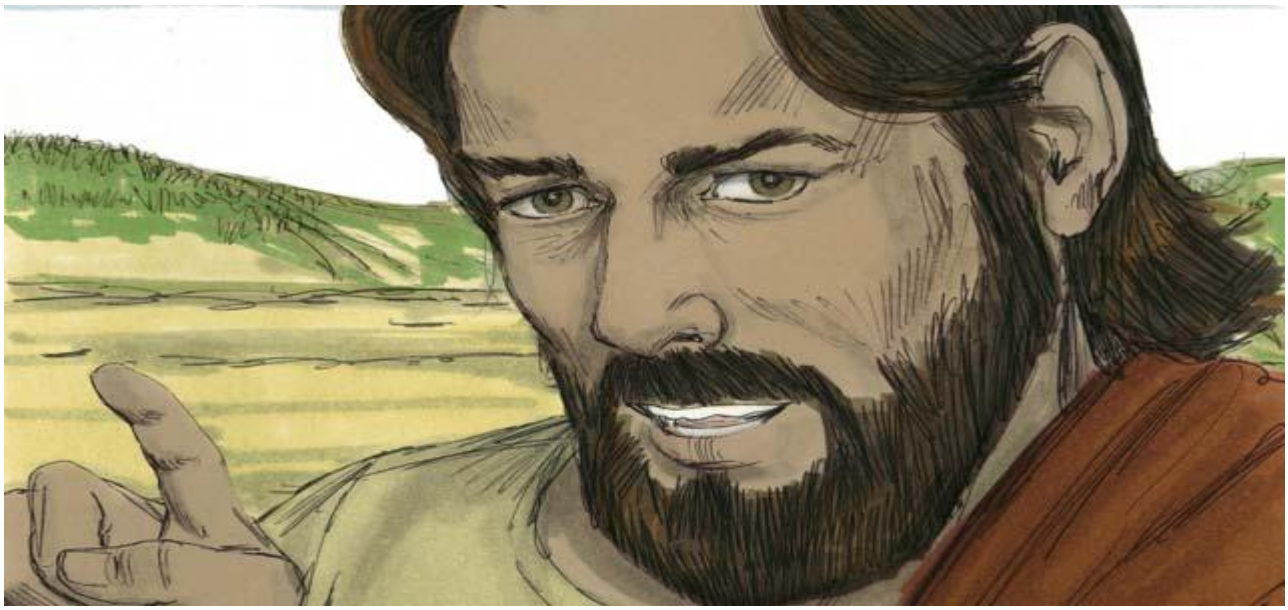

जो बीज **पथरीली ज़मीन** पर गिरे ये वह लोग हैं जो कलाम सुनकर ख़ुशी से क़बूल तो कर लेते हैं मगर कलाम के सबब से मुसीबतें आती हैं या दीगर लोगों की तरफ से ज़ुल्म बरपा होता है तो वह खुदा से फिर जाता है और उस पर का भरोसा टूट जाता है -

आम मालूमात

येसु कहानी को समझाना जारी रखता है

पथरीली ज़मीन

देखें कि आप ने इस मौसूम शुदा अलफ़ाज़ को 33:03 में किस तरह तर्जुमा किया है

एक शख़्स है

देखें कि इस मुवाज़िने को 33:06 में किस तरह से तर्जुमा किया है -

ख़ुशी से क़बूल कर लेता है

मतलब यह कि “ख़ुशी से यक़ीन कर लेता है” या “ख़ुशी से मान लेता है कि यह सच है”

गिरता है (आज़माइश में पड़ता है)

मतलब यह कि “आगे को ख़ुदा के पीछे नहीं चलता और उसका हुक्म नहीं मानता” या “ख़ुदा के पीछे चलना या हुक्म मानना बंद कर देता है”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत

- सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले

33:08

कटीली झाड़ियाँ उस शख्स की मिसाल है जो ख़ुदा के कलाम को सुनता तो है मगर दुनया की फ़ीकरों में उलझा हुआ रहता है , पैसा कमाना चाहता है और दुनया की बहुत सी चीजें

हासिल करना चाहता है ,कुछ दिनों बाद खुदा की महब्बत उस में क़ायम नहीं रहती -और वह खुदा को खुश नहीं कर पाता - वह गेहूं के जौ की तरह होता है जो कोई फल नहीं लाता -

आम मालूमात

येसु कहानी को समझाना जारी रखता है

कटीली ज़मीन

देखें कि आप ने इस मौसूम शुदा लफ़्ज़ का 33:04 किस तरह तर्जुमा किया है -

एक आदमी है

देखें कि आप ने इस मुवाज़िने का 33:06 में किस तरह तर्जुमा किया है -

परवाह करता है

मतलब यह कि “लगाओ रखता है” या “ज़रूरत रखता है” या परेशानियां

दौलतमन्दी

मतलब है दौलत की ख़्वाहिश

ज़िन्दगी की ख़ुशियाँ

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “वह काम करना जिस से ख़ुशी हासिल हो” या “उन बातों पर ध्यान देना जो ख़ुशी देती हैं”-

फन्दा पड़ जाना

मतलब यह कि “कुचल देना” या “बर्बाद कर देना” या “ग़ालिब आना” इस मुहावरे को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ख़ुदा से महब्बत न रखने का सबब बनना”

फल पैदा नहीं करता है

मतलब है “रूहानी फल पैदा न करना” या वैसा बर्ताव न करना जैसा कि ख़ुदा का रूह किसी के अन्दर काम करने के सबब से किया जाता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- ख़ुदावन्द

33:09

मगर अच्छी ज़मीन उस शख्स कि मानिंद है जो खुदा के कलाम को सुनता , उस ईमान लाता और बहुत सा फल लाता है -

आम मालूमात

येसु कहानी को समझाना जारी रखता है

अच्छी मिटटी

देखें कि आप ने इस मौसूम शुदा लफ़्ज़ का 33:05में किस तरह तर्जुमा किया है -

एक आदमी है

देखें कि आपने इस मुवाज़िने का 33:06 में किस तरह से तर्जुमा किया है -

फल पैदा करना

देखें कि आप ने इस मुहावरे का 33:08 में किस तरह तर्जुमा किया है -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

- अच्छा, भलाई
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

_मत्ती 13 :1-8 , 18 -23 ; मरकुस 4 :1-8 , 13 -20 ; लूका 8 :4-15 तक बाइबिल की एक कहानी _

34 . यीशु दूसरी कहानियां सिखाता है

34:01

यीशु ने खुदा की बादशाही की बाबत कुछ और कहानियाँ सुनाईं ,मिसाल के तोर पर उस ने कहा “खुदा की बादशाही एक राई के बीज की तरह है जिसको किसी ने अपने खेत में बोया - आप जानते हैं कि राई का बीज सब बीजों में से छोटा होता है –“

कहानियां

येसु ने इन कहानियों को ख़ुदा की बादशाही की सच्चाइयों को सिखाने के लिए इस्तेमाल किया -यह साफ़ नहीं है कि यह वाक़ियात सच मुच वाक़े हुए थे या नहीं अगर आप की ज़बान कोई ऐसा मौसूम शुदा लफ़्ज़ रखती हो जो तम्सीली और हक़ीक़ी दोनों कहानियों को जोड़ता है तो आप उसे यहाँ इस्तेमाल कर सकते हैं -

राई का दाना

यह ग़ालिबन काले राई के दाने के पौदे को ज़ाहिर करता है जिसके छोटे गोल बीज होते हैं और वह बहुत जल्दी बढ़कर सब पौदों से बड़े हो जाते हैं -अगर आप की ज़ुबान में इस पौदे के लिए कोई लफ़्ज़ है तो उस का इस्तेमाल करें -अगर नहीं तो उसी की ज़ात के दूसरे पौदे का नाम लिखना पड़ेगा -

सब बीजों में छोटा

मतलब यह कि “सारे बीजों में सब से छोटा जिसे लोग बोते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

34:02

“मगर जब वह राई का बीज **बढ़ता है** तो खेत के सब दरख्तों से बड़ा हो जाता है यहाँ तक कि उस की डालियों पर हवा के परिंदे आकर बसेरा करने लगते हैं –“

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

राई का दाना

देखें कि आप ने इस मौसूम शुदा लफ़्ज़ को 34:01में किस तरह तर्जुमा किया है -

बढ़ता है

इसमें आप जोड़ सकते हैं “एक मुकम्मल पौदा बतौर”

बाग़ के पौदों

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “पौदे जो बाग में बोये जाते हैं” -

बसेरा करते हैं

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “पर बैठना” या “आराम करना”

34:03

यीशु ने एक दूसरी **कहानी** सुनाई "खुदा की बादशाही **ख़मीर** की मानिंद है जिसको एक औरत ने तीन पैमाने आटे में लेकर मिला दिया और वह सारे गुंधे हुए आटे को ख़मीरा कर दिया "-

कहानी

देखें कि आप ने इस मौसूम शुदा लफ़्ज़ को 34:01 में किस तरह तर्जुमा किया है -

ख़मीर

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "आमेज़िश वाला आटा" या "थोड़ा सा ख़मीर'जिसे गुन्धे हुए आटे में मिलाया जाता है ताकि उस में उभार आए -थोड़ा सा ख़मीर गुंधे हुए आटे के बड़े मिक़दार में मिलाया जाता है जो सारे गुंधे हुए आटे को ख़मीरा कर सके -

गुंधे हुए आटे की लोई

इसमें आटा और पानी मिला कर गून्धा गया है और शक्ल दी गई है -अगर आप के पास गुंधे हुए आटे या सूखे आटे के लिए अलफ़ाज़ नहीं हैं तो आप आटे के लिए एक लफ़्ज़ ले सकते हैं या उसे "पिसा हुआ अनाज" कह सकते हैं -

सारे गुंधे हुए आटे में फैल जाता है

मतलब यह कि "गुंधे हुए आटे के हर एक हिस्से में ख़मीर मौजूद है" या "ख़मीर सारे गुंधे हुए आटे में बढ़ जाता है"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

34:04

“खुदा कि बादशाही एक खेत में छिपे हुए ख़ज़ाने की मानिंद भी है – एक आदमी ने उसे पाया और उसे बहुत ज़ियादा चाहने लगा - सो उसने उसे फिर से गाड़ दिया वह उस ख़ज़ाने से इतना खुश था कि अपना सब कुछ बेच कर उस खेत को मोल ले लिया जिस में वह खज़ाना गड़ा हुआ था –“

आम मालूमात

येसु ने दूसरी कहानी सुनाई

ख़ज़ाना

मतलब है “कोई चीज़ जो बहुत ज़ियादा क़ीमती है”

दोबारा से छिपा दिया (गाड़ दिया)

यह भी जोड़ना मुमकिन हो सकता है “ताकि कोई शख़्स उसको पा न ले”

ख़ुशी से भर गया

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा है “बहुत ज़ियादा खुश” या “जोश में हो जाना”

उस खेत को ख़रीदना

कुछ लोग इसमें जोड़ना चाहते हैं “ताकि ख़ज़ाना उसका हो जाए”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही
- ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत

34:05

“ख़ुदा की बादशाही एक बड़ी कीमती **मोती** की भी मानिंद है - जब मोती के सौदागर ने उसे पाया तो अपना सब कुछ बेच डाला ताकि उस मोती को खरीद सके” -

आम मालूमात

ख़ुदा की बादशाही की बाबत येसु एक दूसरी कहानी को जारी रखता है -

ख़ालिस मोती

मतलब है “एक मोती जिस में कोई नुक़्स न हो”

मोती

अगर आप मोती से वाक़िफ़ नहीं हैं तो आप इसे “क़ीमती पत्थर” या “नगीना जैसा कोई चीज़” बतौर तर्जुमा कर सकते हैं -

बेश क़ीमती

मतलब यह कि “वह बहुत क़ीमती था” या “उसकी क़ीमत बहुत पैसों की थी”

मोतियों का ब्यौपारी

मतलब है “मोतियों का सौदागर” या “मोतियों का ताजिर” यह उस शख़्स को ज़ाहिर करता है जिस का पेशा है मोतियाँ ख़रीदना और बेचना -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

34:06

कुछ लोग थे जो सोचते थे कि खुदा उनको कबूल करेगा क्यूंकि वह अच्छे काम करते थे - यह लोग दूसरों को हक़ीर समझते थे जो उनकी तरह अच्छे काम नहीं करते थे - सो यीशु ने उन्हें एक **कहानी** सुनाई : “दो शख्स थे जो मंदिर में दुआ करने गए , उनमें से एक महसूल लेने वाला और दूसरा एक मज़हबी रहनुमा था –“

कहानी

देखें कि आप ने इस मौसूम शुदा लफ़्ज़ को 34:01 में किस तरह तर्जुमा किया है -

अपने भले कामों पर भरोसा करते थे

मतलब है “ऐसा यक़ीन करते थे कि उनके नेक काम उन्हें रास्तबाज़ बनाएगा” या “फ़ख्र करते थे कि उन्हों ने किस तरह कामिल तरीक़े से ख़ुदा के अहकाम बजा लाए थे” या “यक़ीन करते थे कि उनके नेक आमाल ख़ुदा को पूरी तरहसे ख़ुश करदेंगे”

दूसरे लोगों को ज़लील कर देगा

मतलब है कि “लिहाज़ किया जाएगा कि वह दूसरे लोगों से अफ़ज़ल हैं” या “दूसरे लोगों को नीचा देखेंगे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ऐ'तिमाद, भरोसा, , भरोसेमंद, भरोसे के लायक़ ,भरोसे वाला
- हैकल
- दुआ' कर, दुआ', दुआ'वों , दुआ'की
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/taxcollector]]
- यहूदियों, यहूदी

34:07

उस **मज़हबी रहनुमा ने इस तरह दुआ की** ,ऐ खुदा "मैं तेरा शुकर करता हूँ कि मैं किसी दुसरे शख्स की मानिंद नहीं हूँ --- जैसे लुटेरे , बे इंसाफ़ , ज़िनाकार ,या इस महसूल लेने वाले की मानिंद जो वहाँ खड़ा है –"

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

मज़हबी रहनुमा ने इस तरह दुआ की

इसे कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि "यह उस तरह है जिस तरह से उस मज़हबी रहनुमा ने दुआ की थी" या "मज़हबी रहनुमा ने इस तरीक़े से दुआ की"

मैं इसकी तरह गुनाहगार नहीं हूँ

मतलब यह कि "मैं गुनाहगार जैसा नहीं हूँ" या "मैं रास्तबाज़ हूँ ,उसके जैसा नहीं"

ग़ैर रास्तबाज़ लोग

मतलब यह कि "लोग जो रास्तबाज़ नहीं हैं" या "लोग जो बुरे काम करते हैं" या "जो शरीयत को तोड़ते हैं"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- हरामकारी ,हरामकार बदकार, हराम्कारियाँ ,हराम्कारियों ,हरामकारनी
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/taxcollector]]

34:08

इसके अलावा मैं हफ्ते में दो बार रोज़ा रखता हूँ और मैं अपनी तमाम आमदनी का दसवां हिस्सा देता हूँ –“

आम मालूमात

मज़हबी रहनुमा की दुआ की बाबत येसु कहना जारी रखता है -

मैं रोज़ा रखता हूँ

मज़हबी रहनुमा का एत्क़ाद था कि ऐसा करने से वह ख़ुदा की नज़र में मक़बूल होगा -

दहेकी देता हूँ

यह है “दस का एक हिस्सा”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रोज़ा, रोज़े, रोज़ा रखा, रोज़ा, रोज़ा रखना

34:09

मगर महसूल लेने वाला उस मज़हबी रहनुमा से दूर खड़ा रहा - वह यहाँ तक कि आसमां कि तरफ नज़र उठा कर भी नहीं देखा बल्कि अपनी छाती पीटते हुए दुआ की कि ऐ खुदा मुझ पर रहम कर क्यूंकि मैं एक गुनाहगार हूँ –“

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

दूर खड़ा हुआ था

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है “फ़ासिले पर खड़ा हुआ था” या “अलग खड़ा हुआ था”

यहाँ तक कि अपनी नज़रें आसमान की तरफ़ नहीं की

लफ़्ज़ “यहाँ तक कि” इशारा करता है कि आम तौर पर जब लोग ख़ुदा से दुआ करते थे तो आसमान की तरफ़ देखते थे , मगर इस शख़्स ने ऐसा नहीं किया क्यूंकि वह अपने गुनाहों से बहुत ज़ियादा पशेमान था -

वह अपनी छाती पीट रहा था

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उसके अफ़सोस के सबब से वह अपनी मुट्ठी से छाती पीट रहा था” या ‘वह अपने ग़म में होकर अपनी छाती पीट रहा था”अगर लोगों को इसे समझना मुश्किल है तो आप इसे इसतरह तर्जुमा कर सकते हैं “उसने अपना अफ़सोस ज़ाहिर किया” क्यूंकि कुछ लोग दूसरे सबब से भी अपनी छाती पीटते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- [[rc://*/tw/dict/bible/other/taxcollector]]
- यहूदियों, यहूदी
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

- ख़ुदावन्द
- रहम, रहमदिल
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

34:10

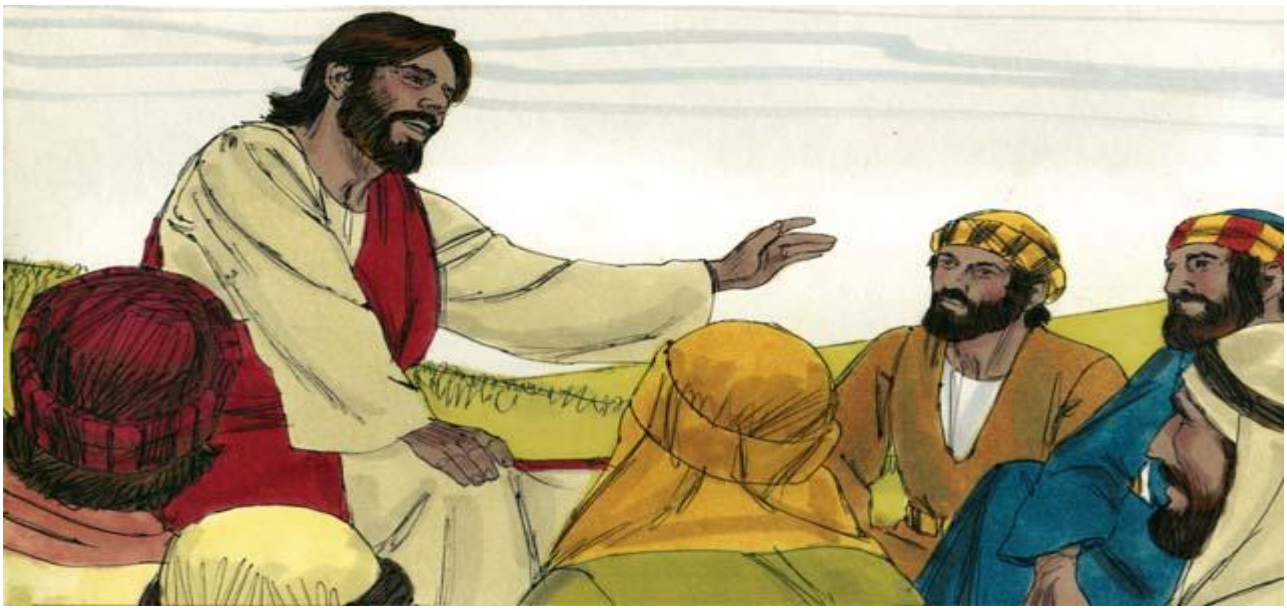

फिर यीशु ने कहा ,"मैं तुम से सच कहता हूँ कि खुदा ने उस महसूल लेने वाले की दुआ सुनी और उस को रास्त्बाज़ क़रार दिया - उस ने मज़हबी रहनुमा की दुआ को ना पसन्द किया - खुदा हर उस शख्स को हक़ीर जानेगा जो घमंडी हैं मगर वह उनकी इज़्ज़त करेगा जो अपने आप को हलीम करते हैं "-

दावा किया कि वह शख़्स रास्तबाज़ है

मतलब यह कि "उसको एक रास्तबाज़ शख़्स बतौर गिना गया" हालांकि महसूल लेने वाला एक गुनाहगार था , ख़ुदा ने उसपर रहम किया उसकी हलीमी और तौबा करने के सबब से -

हलीम करेगा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "नीचे दर्जे का करार देगा" या "ख़ुद को अहमियत नहीं देगा" इसको ग़ैर हक़ीक़ी तौर पर इस तरह तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "नीचा गिराएगा"

ऊपर उठाएगा

मतलब है "एक ऊंचा दर्जा इनायत करेगा" या "इज़्ज़त करेगा"-

ख़ुद को हलीम करेगा

मतलब है "जो हलीम होने को चुनता है" या "ख़ुद की बाबत हलीमी का बरताव करता है"

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त
- ख़ुदावन्द
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/taxcollector]]
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की
- रास्तबाज़, रास्तबाज़ी
- यहूदियों, यहूदी
- हलीम, हलीम, हलीम बनाया, हलीमी
- घमण्ड, घमण्ड से, फ़ख्र, ग़ुरूर से भरा

_मत्ती 13:31-33 , 44-46 ; मरकुस 4:30 -32 ; लूका 13 :18-21 ; 18: 9-14 से बाइबिल कि एक कहानी _

35 .रहमदिल बाप की कहानी

35:01

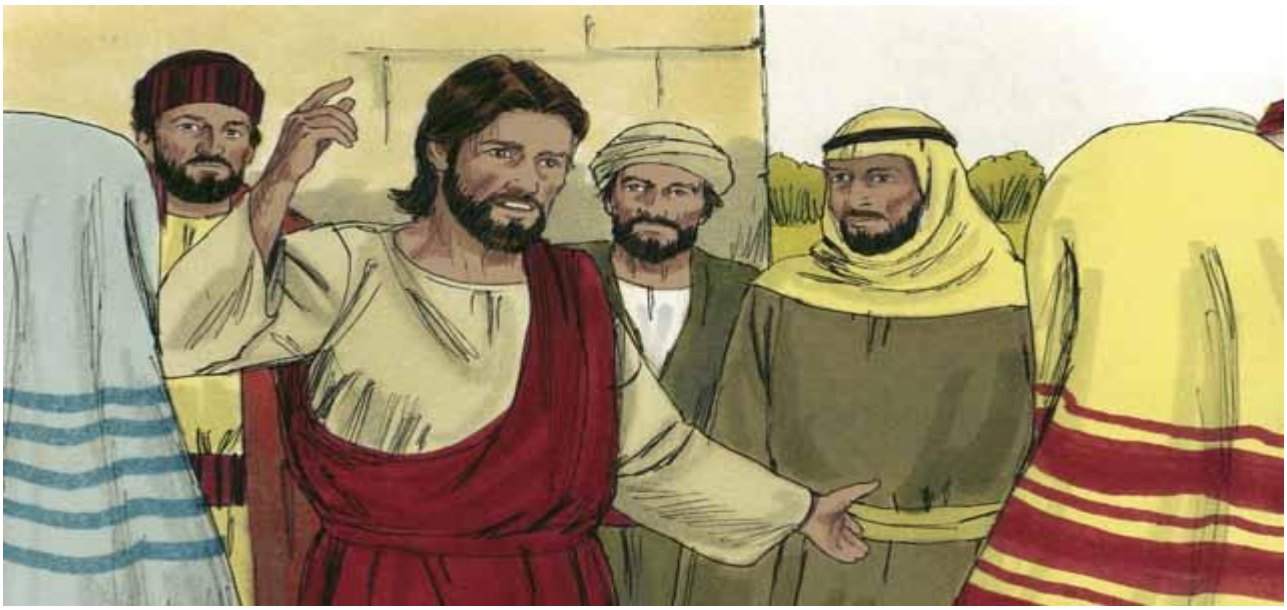

एक दिन बहुत से लोगों को तालीम दे रहा था जो उस कि सुनने के लिए जमा हुए थे - यह लोग **महसूल लेने वाले** और दुसरे लोग थे जो मूसा की शरियत परअमल करने की कोशिश नहीं किये थे -

एक दिन

यह मुहावरा तआर्रुफ़ कराता है एक वाक़िये का जो गुज़र चुका है मगर ख़ास वक़त का बयान नहीं है - बहुत सी ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शरू करने का यही तरीक़ा होता है

महसूल लेने वाले

महसूल लेने वाले बदतरीन गुनाहगार माने जाते थे क्यूंकि अक्सर वह लोगों से सरकार के ज़रिये मुक़र्रर करदा रक़म से ज़ियादा महसूल वसूल करते थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- [[rc://*/tw/dict/bible/other/taxcollector]]
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

35:02

कुछ मज़हबी रहनुमाओं ने देखा कि येसु उन लोगों से दोस्तों जैसा बात कर रहा था – सो उनहोंने एक दुसरे से कहना शुरू किया कि वह बुरा कर रहा था – येसु ने उनकी बातें सुनकर यह **कहानी** उन्हें सुनाई -

कहानी

येसु ने यह कहानी ख़ुदा की बाद्शाही की बाबत सच्चाइयों को सिखाने के लिए इस्तेमाल किया -यह साफ़ नहीं है कि वाक़िया सच मुच गुज़रा था कि नहीं -अगर आप की ज़बान में ऐसा कोई मौसूम शुदा लफ्ज़ है जो मन घड़ंत और सच्ची कहानी को जोड़ता है तो यहाँ उसको इस्तेमाल करें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

35:03

एक शख्स के दो बेटे थे -छोटे बेटे ने अपने बाप से कहा ,"मैं अभी के अभी अपनी मीरास चाहता हूँ !" सो बाप ने अपनी **जाएदाद** को अपने दोनों बेटों में तक़सीम कर दिया -

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाता है

मेरी मीरास

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे " तुम्हारी दौलत का वह हिस्सा जो क़ानूनी तौर से मेरा होगा जब तुम मरते हो -

जाएदाद

मतलब यह कि "दौलत" या "मिलकियत"- इस जाएदाद में ग़ालिबन ज़मीन , जानवर और पैसे शामिल हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बेटे, बेटों
- मीरास होना, वरासत, हिस्सा, वारिस

35:04

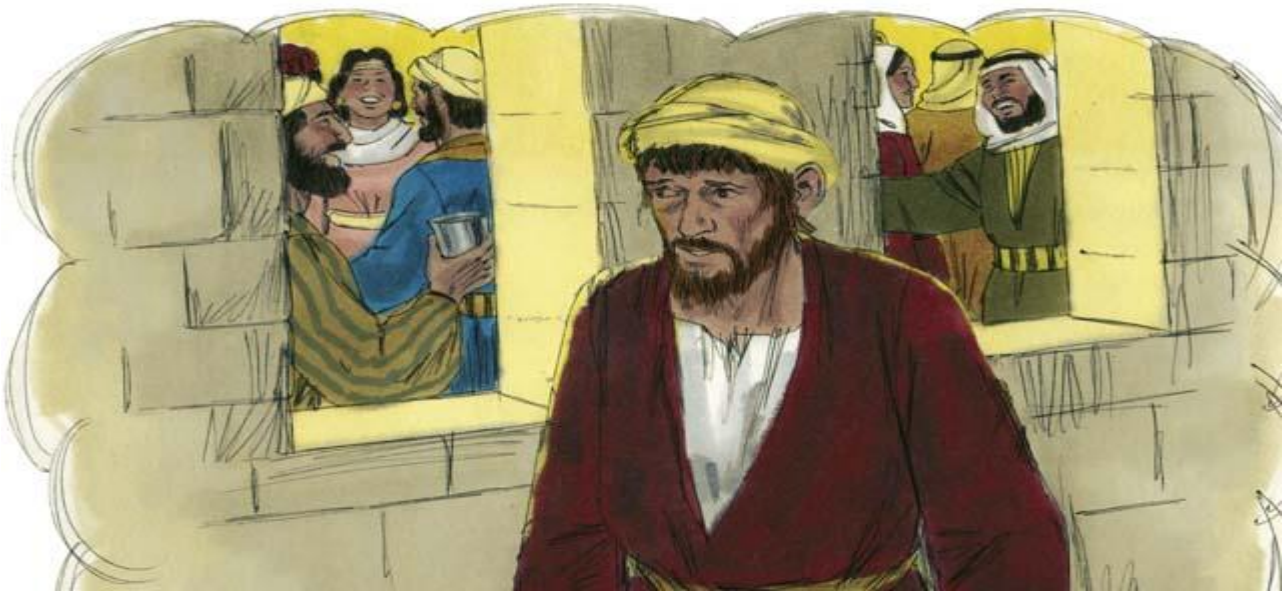

बहुत जल्द छोटे बेटे ने जो कुछ उसका था जमा किया और दूर दराज़ के मुल्क को चला गया और अपना सारा पैसा गुनाह के रास्ते में बर्बाद कर दिया -

आम मालूमात

Translation येसु कहानी को जारी रखता है -

अपने पैसों को ज़ाया किया

मतलब यह कि “अपना तमाम पैसा उन चीज़ों में सर्फ़ किया जिस के इवज़ में कोई क़ीमत हासिल नहीं हुई” कुछ ज़बानों में इसे इस तरह तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “अपना पैसा उड़ा दिया” या “अपना सारा पैसा ख़ुद खा गया”- -

ज़िनाकारी में (अय्याशी में)

मतलब यह कि “गुनाह के काम करने में”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बेटे, बेटों
- मीरास होना, वरासत, हिस्सा, वारिस

35:05

उस के बाद उस मुल्क में जहाँ छोटा बीटा था सख्त अकाल पड़ा – और उसके पास खाना खरीद कर खाने के लिए पैसे नहीं थे -सो उसको एक ही नौकरी मिली जिसे वह कर सकता था सूअर चराना -इस के बावजूद भी वह बहुत तकलीफ में था और भूका था -वह चाहता था कि सूअर जो खाते हैं उन्हीं को खाएं -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है -

एक सख़्त काल पड़ा

मतलब यह कि “वहां कम ख़ुराक थी” कुछ ज़बानों में इसे इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “वहां एक सख़्त अकाल पड़ा -

खाना मोल लेने को पैसे नहीं

अकाल के सबब से खाना बहुत महंगा था ,और उसने पहले से ही अपना सारा पैसा ख़र्च कर दिया था -

काम (नौकरी)

यह उस काम का हवाला पेश करता है जो वह किसी के लिए पैसे के बदले में करेगा – अगर यह साफ़ नहीं है तो यह जुमला यहां से शुरू हो सकता था “सो कुछ पैसा कमाने के लिए उसने उस एक नौकरी को लिया”-

सुअरों को चराना

मतलब यह कि “सुअरों को खाना खिलाना” उन दिनों में मुआशिरे में यह सब से नीचे दर्जे की नौकरी मानी जाती होगी – अगर आप की ज़बान में नीचे दर्जे की नौकरी के लिए कोई लफ़्ज़ है तो उस का इस्तेमाल करें -

35:06

आखिरकार छोटे बेटे ने खुद से कहा ,"**यह मैं क्या कर रहा हूँ ?** मेरे बाप के नाकारों को अफ़रात से खाना नसीब होता है ,और मैं यहाँ पर भूकों मर रहा हूँ – मैं अपने बाप के घर वापस जाऊंगा और उस से कहूँगा तू मुझे अपने नौकरों जैसा रख ले -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है -

यह मैं क्या कर रहा हूँ ?

मतलब यह कि , "मैं क्यों ऐसी ज़िन्दगी जी रहा हूँ ? या "मुझे इस तरह से नहीं जीना चाहिए" या "ऐसी ज़िन्दगी जीना मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता" मुसरिफ़ बेटा सच मुच कोई सवाल नहीं कर रहा है इसलिए कुछ ज़बानों में इसे एक बयान बतौर तर्जुमा करना होगा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

35:07

और छोटे बेटे ने अपने बाप के घर की तरफ़ रुख़ की – जब वह **अभी दूर ही था** उस के बाप ने उसे देख लिया और उसपर तरस खाया -और दौड़ कर उसको अपने गले लगाया और बहुत चूमा -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

अभी दूर ही था

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उसके बाप के घर के नज़रों के क़रीब इस के बाद भी एक फ़ासिले की दूरी पर” मुसरिफ़ बेटा अपने बाप के घर के क़रीब था मगर फिर भी इतना दूर था कि घर के दीगर लोग उसको नहीं देख सकते थे -इस बात का ध्यान रहे कि मुसरिफ़ बेटा इस वक़्त ग़ैर मुल्क में नहीं था -

तरस आया

“ मतलब यह कि “गहरी महब्बत और शफ़क़त को महसूस किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बेटे, बेटों

35:08

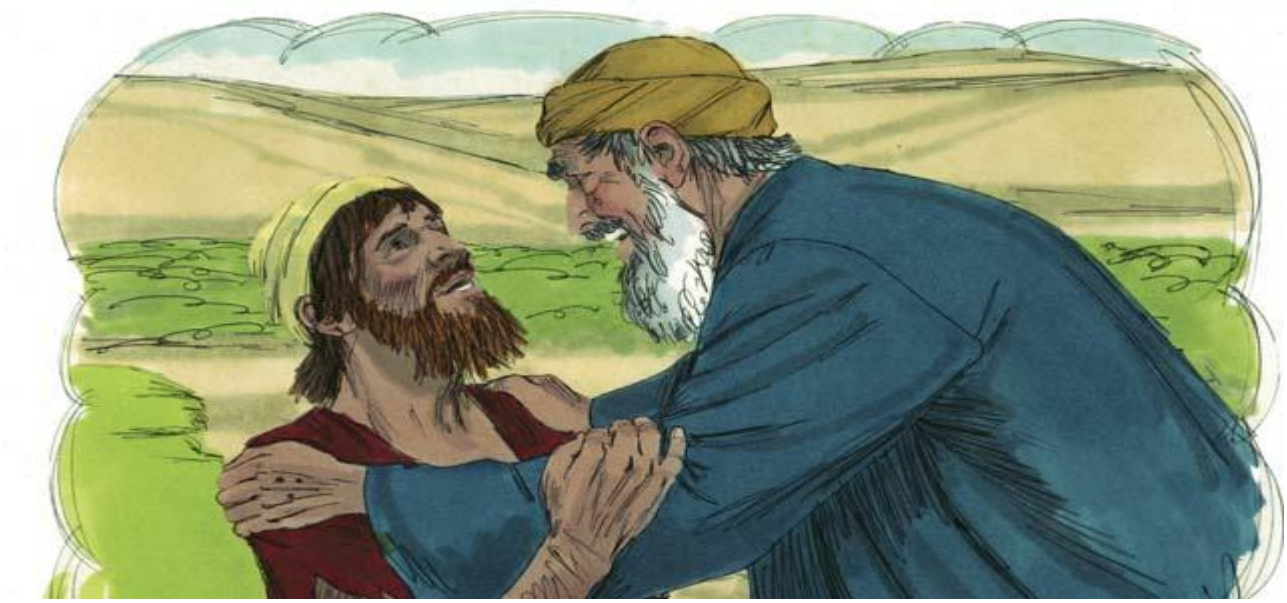

बेटे ने बाप से कहा ,"ऐ बाप , मैं ने तेरे खिलाफ़ , और खुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया है ,मैं तेरा बीटा कहलाने के लायक़ नहीं हूँ –"

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

ख़ुदा और तेरे ख़िलाफ़ गुनाह किया

इसको इस तरह से यार्जुमा किया जा सकता था जैसे "ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया और मैं ने तेरे ख़िलाफ़ भी गुनाह किया है -

मैं इस लायक़ नहीं हूँ

ऐसा कहना भी मुमकिन है "इसलिए मैं अब इस क़ाबिल नहीं हूँ"- या नतीजा बतौर मैं इस लायक़ नहीं हूँ -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बेटे, बेटों
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदावन्द

35:09

मगर उस के बाप ने नाकारों में से एक से कहा , जल्दी से जाओ उसे नहलाओ , उसको बहतरीन कपड़े पहनाओ !उसकी ऊँगली में अंगूठी पहनाओ उस के पर में जूते पहनाओ , और एक पला हुआ बछड़ा ज़बह करो , और जश्न मनाओ , क्यूंकि मेरा बेटा मारा हुआ था मगर अब जी गया है ! खो गया था अब वह मिल गया है -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

सब से अच्छा बछड़ा

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "मोटा ताज़ा (फ़रबा) बछड़ा" यह वह बछड़ा था जिसको खिला पिला कर चरबीदार बनाया जाता था ताकि ज़बह करके पकाए जाने पर उसका ज़ायक़ा लाजवाब हो -

मेरा बेटा मुर्दा था मगर अब वह ज़िन्दा है

मतलब यह कि "यह मेरा बेटा मुर्दा जैसा था अब वह फिर से ज़िन्दा है" या "मैं अफ़सोस करता था जैसे कि मेरा बेटा मर गया हो मगर अब मैं खुश हूँ क्यूंकि वह ज़िन्दा वापस लौटा है" बाप अपने इज़हार का इस्तेमाल कर रहा है यह जताने के लिए कि वह अपने बेटे के वापस आने पर कितना ख़ुश है -

वह खो गया था मगर अब वह मिल गया है

मतलब यह कि "मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं ने उसे खो दिया था मगर अब मैं ने उसे पा लिया है" यह इज़हार भी बताता है कि बाप अपने बेटे को अपने घर में पाकर कितना ख़ुश है -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- बेटे, बेटों
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

35:10

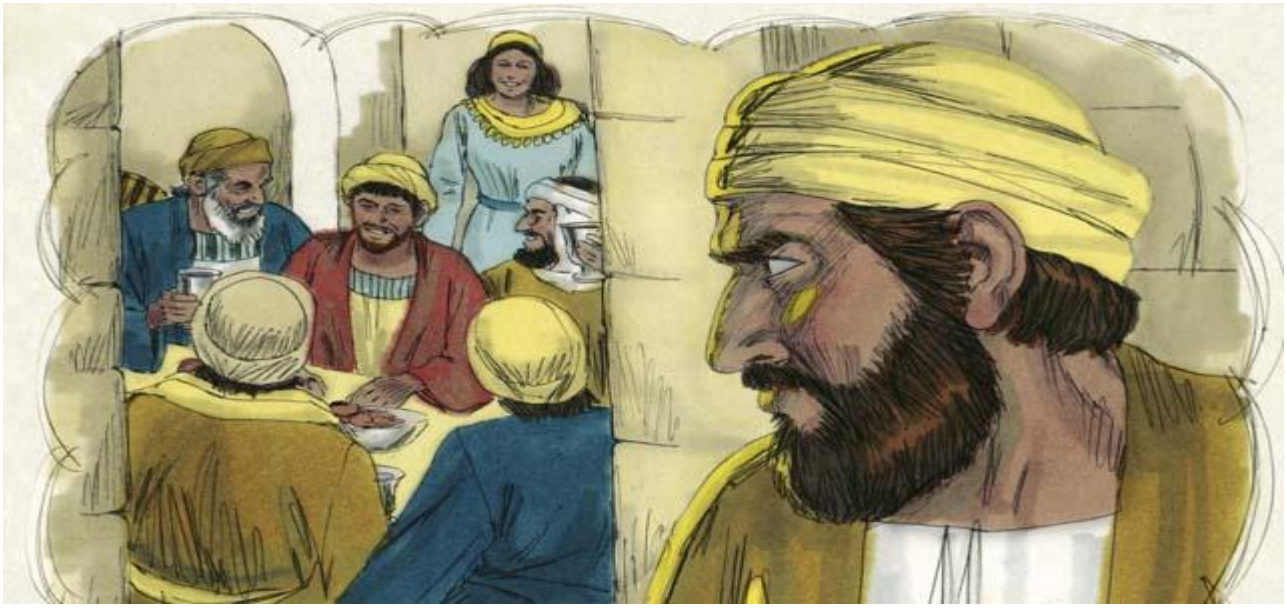

सो लोगों ने जश्न मनाना शुरू किया , अभी थोड़ी देर हुई कि बड़ा बीटा खेत में काम करके वापस घर लौटा -उसने मौसिकी और नाच गाने की आवाज़ सुनी - और ताज्जुब किया कि वहाँ क्या हो रहा था -

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

लम्बे वक़्त से पहले

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “क़रीब” या “थोड़ी देर बाद”

35:11

जब बड़े बेटे ने देखा कि छोटे के घर वापस लौटने पर जश्न मनाई जा रही है तो वह बहुत गुस्सा हुआ , और वह घर के अन्दर नहिंजना चाहता था -उसका वाप बहार आया और बेटे को मनाने लगा कि उन के जश्न में शामिल हो मगर उस ने मन कर दिया -

आम मालूमात

येसु कहानी को जा रखता है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बेटे, बेटों
- मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी

35:12

बड़े बेटे ने अपने बाप से “कहा पिछले सारे दिनों में मैं ने वफ़ादारी से तेरी ख़िदमत की है , मैं ने कभी भी तेरा हुक्म नहीं टाला - इस के बावजूद भी तूने मेरे लिए **एक बकरी का बच्चा** भी नहीं दिया कि मैं अपने दोस्तों के साथ मिलकर ख़ुशी मनाता – मगर तेरा यह बेटा गुनहगारी में पैसा बर्बाद करके आया तो जश्न मनाने के लिए पला हुआ बछड़ा ज़बह किया” !

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

एक बकरी का बच्चा

एक बकरी का बच्चा एक बेहतरीन बछड़े के इवज़ में थोड़े लोगों के लिए काफ़ी होगा और उसकी क़ीमत भी ज़ियादा नहीं होगी -बड़ा बेटा शिकायत कर रहा है कि उसका बाप गुनाहगार छोटे भाई के साथ ज़ियादा अच्छा बरताव कर रहा था -

यह तेरा बेटा

यह इज़हार बताता है कि बड़ा बेटा अपने बाप से गुस्सा था -यह अपने छोटे भाई के लिए इनकारी को ज़ाहिर करता है और अपने छोटे ज़िद्दी भाई के वापस आने पर उसके ख़ैर मक़दम की ना मंज़ूरी को दिखाता है - दूसरी ज़बानों में भी इस तरह के दूसरे अंदाज़ के राब्ते पाए जाते होंगे -

तेरा पैसा ख़र्च किया

मतलब यह कि “तेरे दिए हुए पैसों की फ़ुज़ूल ख़रची की” या “तेरी दौलत को फ़ना कर दिया” अगर हो सके तो एक इज़हार का इस्तेमाल करें जो बड़े भाई के ग़ुस्से को दिखाता हो -

बेहतरीन बछड़े को ज़बह कराया

मतलब यह कि “जश्न मनाने के लिए बछड़े को मारा”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

35:13

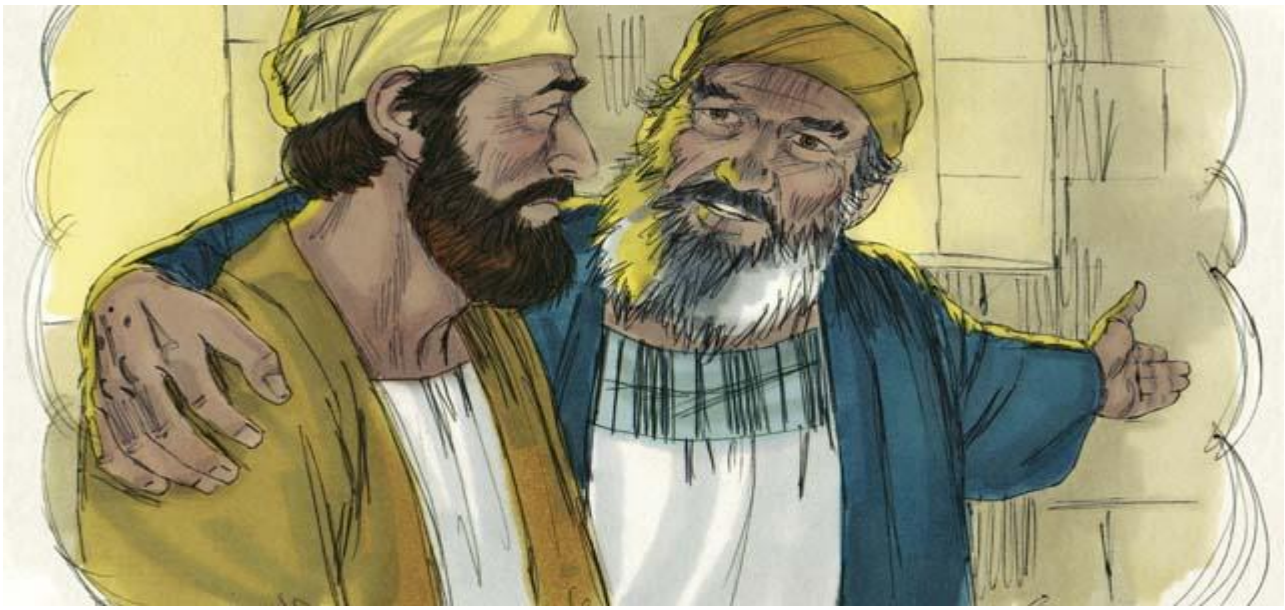

बाप ने जवाब दिया ,"मेरे बेटे तू तो हमेशा मेरे साथ है , और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा ही तो है - मगर हमारे लिए जश्न मनाना ज़रूरी था क्यूंकि तेरा यह भाई मर गया था अब जी गया है , खो गया था मगर अब हम ने उसे पालिया है !"

आम मालूमात

येसु कहानी को जारी रखता है

यह हमारे लिए मुनासिब है

मतलब है "कुछ करने के लिए बजा है" या यह "हमारे लिए मौज़ूं है"

तेरा भाई

यहाँ बाप अपने छोटे बेटे का हवाला "तेरा भाई" करके दे रहा था ताकि बड़ा बेटा अपने रिश्ते को याद रखे और उस से प्यार करे -

मर गया था ,मगर अब ज़िन्दा है

देखें कि आप ने इसे 35:09में किसतरह तर्जुमा किया है -

वह खो गया था मगर अब मिला है

देखें कि आप ने इसे 35:09 में किस तरह तर्जुमा किया है -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बेटे, बेटों
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

_लुका 15 :11-32 तक बाइबिल कि एक कहानी _

36 . यीशु की तब्दील -ए- हैयत

36:01

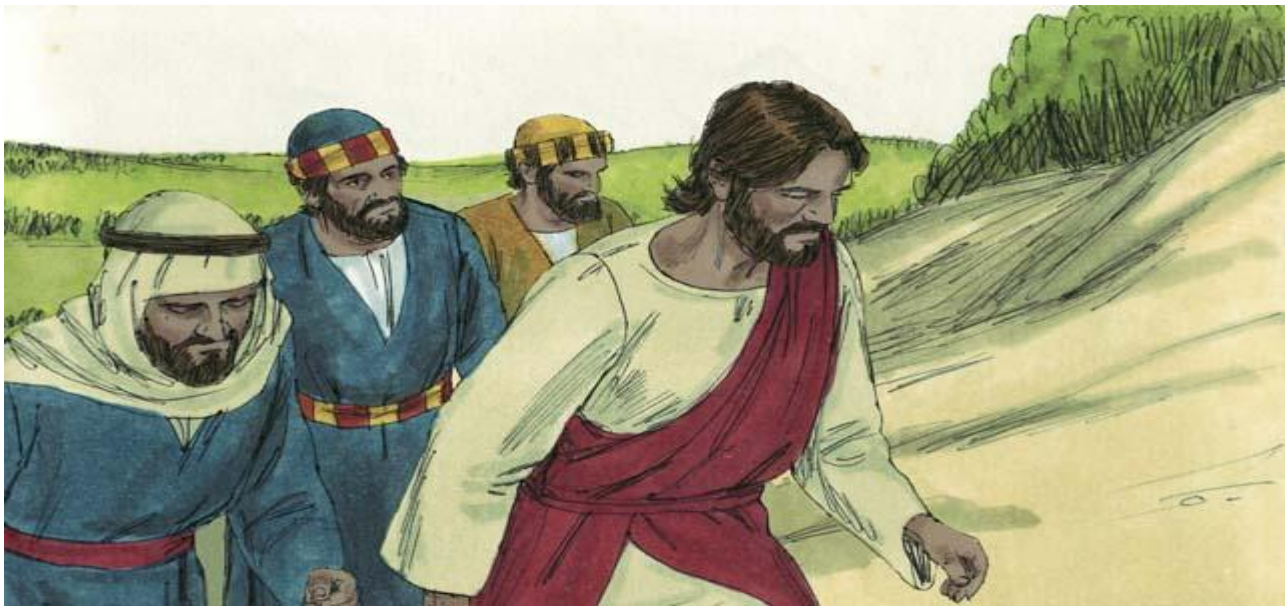

एक दिन यीशु अपने तीन शागिर्दों पतरस युहन्ना और **याक़ूब** को अपने साथ लिया – (युहन्ना वह युहन्ना नहीं जिस ने यीशु को बपतिस्मा दिया था)- वह तीनों दुआ करने के लिए एक ऊँची पहाड़ी पर गए-

एक दिन

यह मुहावरा एक वाक़िये का तआर्रुफ़ करता है जो माज़ी में गुज़र चुका है मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शुरू करने का एक ही तरीक़ा है -

याक़ूब

बाइबिल में जिस ने याक़ूब का ख़त लिखा यह वह याक़ूब नहीं है -इस को साफ़ करने के लिए कुछ ज़बानों में सहीह हिज्जे और दो नामों के बीच हल्का सा फ़र्क़ करने की ज़रूरत है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- यूहन्ना (रसूल)
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा

36:02

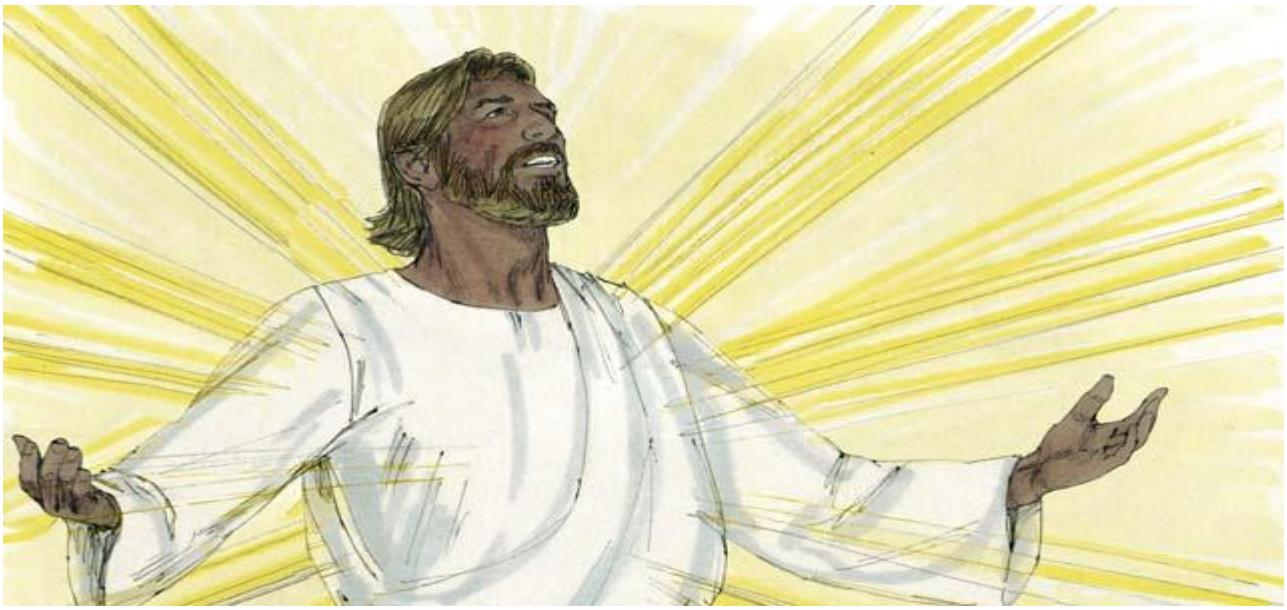

जब यीशु दुआ कर रहा था तो उसका चेहरा सूरज की तरह चमकने लगा था और उसके कपड़े इतने उजले कि दुनया का कोई धोबी उतना सफ़ेद नहीं धो सकता था -

ज़ियादा सफ़ेद

यह है “उजले से उजला”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

36:03

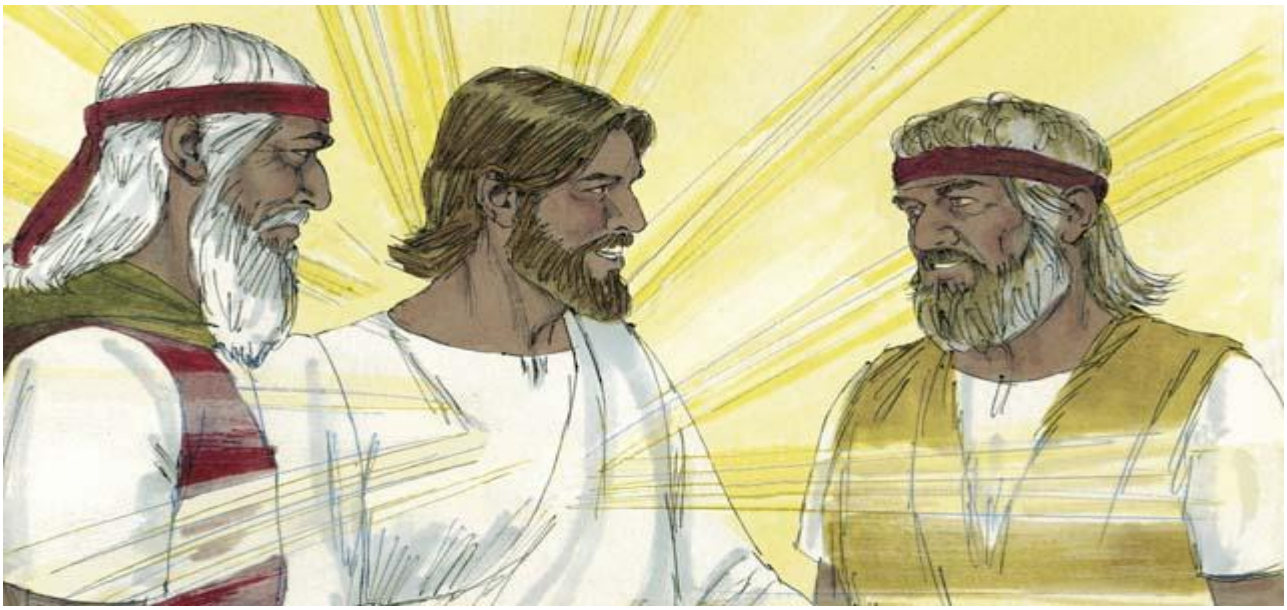

फिर वहीँ पर मूसा और नबी एलियाह ज़ाहिर हुए - यह लोग यीशु से हज़ारों साल पहले ज़मीन पर रहते थे - वह
उसकी मौत की बाबत बातें कर रहे थे क्यूंकि वह बहुत जल्द **येरूशलेम में** मरने वाला था -

ज़ाहिर हुआ

कहने के लिए यह भी मुमकिन है “किसी जगह से नहीं ज़ाहिर हुआ” वह लोग अचानक वहां पर मौजूद थे -

उसकी मौत जो अनक़रीब वाक़े होगी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “इतनी जल्दी वह कैसे मर सकता है” या “इतनी जल्दी वह कैसे मारा जा सकता है “

येरूशलेम में

कुछ ज़बानें यह कहने को पहल करेंगी , “येरूशलेम शहर में” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- एलिय्याह
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- यरूशलीम

36:04

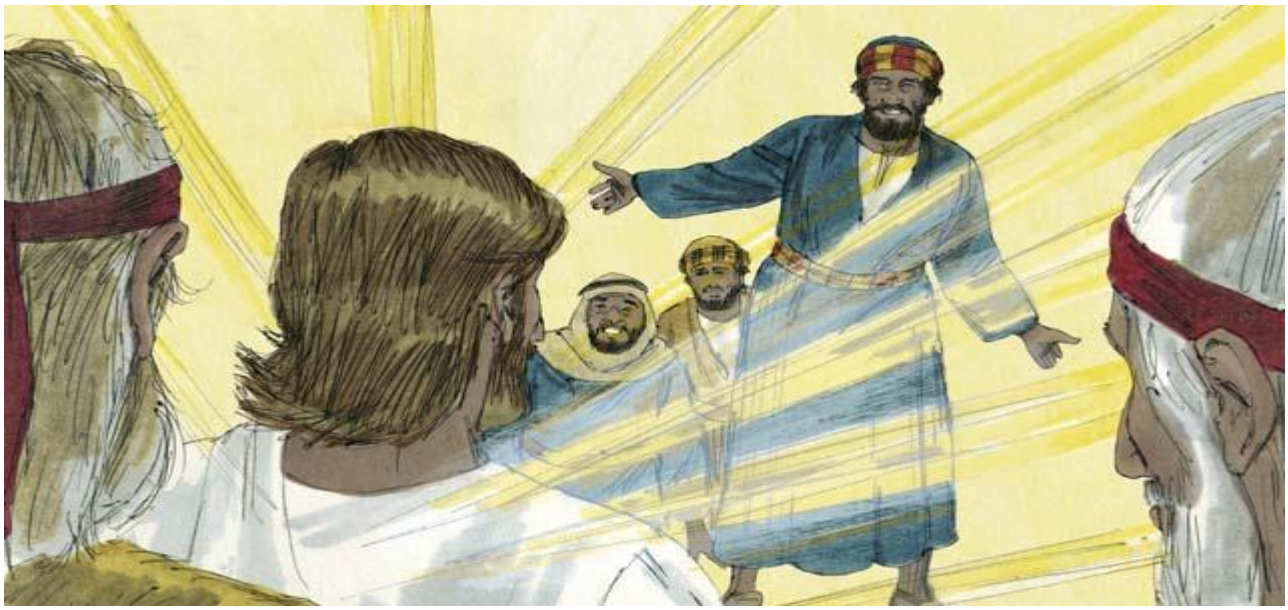

जब मूसा और एलियाह यीशु से बातें कर रहे थे ,तो पतरस ने यीशु से कहा ,यहाँ रहना हमारे लिए अच्छा है - हम यहां पर तीन ख़ेमे बनाते हैं - एक तेरे लिए ,एक मूसा के लिए और एक एलियाह के लिए - मगर पतरस **नहीं जानता था कि वह क्या कह रहा था** -

पनाह्गाहें

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “छज्जा” या “बग़ीचे वाला झोपड़ा” या “शामियाना” वग़ैरा यह छोटे छोटे झोपड़ियों को ज़ाहिर करते हैं जैसे यहूदी लोग सालाना छुट्टी के दौरान दरख़्तों कि डालियों से बनाते थे -

नहीं जानता था कि वह क्या कह रहा था

मतलब यह कि “क्या हो रहा था जाने बग़ैर वह कह रहा था” या “साफ़ तौर से सोचे बग़ैर उसने बोला क्यूंकि वह बहुत ज़ियादा जोश में था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- एलिय्याह
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- अच्छा, भलाई

36:05

जब पतरस बात कर रहा था तो एक नूरानी बादल निचे उतरा और उनके चारों तरफ छागया - फिर उनहोंने बदल में से एक आवाज़ सुनी जो कह रहा था ,"यह मेरा प्यारा बेटा है जिसे मैं महब्बत रखता हूँ ,मैं उस से खुश हूँ ,**उसकी सुनो** –" तीनों शागिर्द दहशत के मारे **ज़मीन पर गिर पड़े** -

बादल से एक आवाज़ सुनाई दी

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "बादल से एक आवाज़ यह कहते हुए सुनाई दिया" या "ख़ुदा ने बादल से होकर बात की और कहा"

उसकी सुनो

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "वह एक ही है जिसकी तुम्हें सुननी है"

डर गए

मतलब है "बहुत ज़ियादा घबरा गए"

ज़मीन पर गिर पड़े

मतलब यह कि "फ़ुर्ती से ज़मीन पर झुके" या "फ़ौरन उन्होंने सिजदा किया" यक़ीन करें कि गिरने का तर्जुमा यह साबित न करे कि उन का हादसा हुआ था - मगर उन्हों ने ग़ालिबन जान बूझ कर ख़ौफ़ और दहशत में होकर किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- शागिर्द, शागिर्दों

36:06

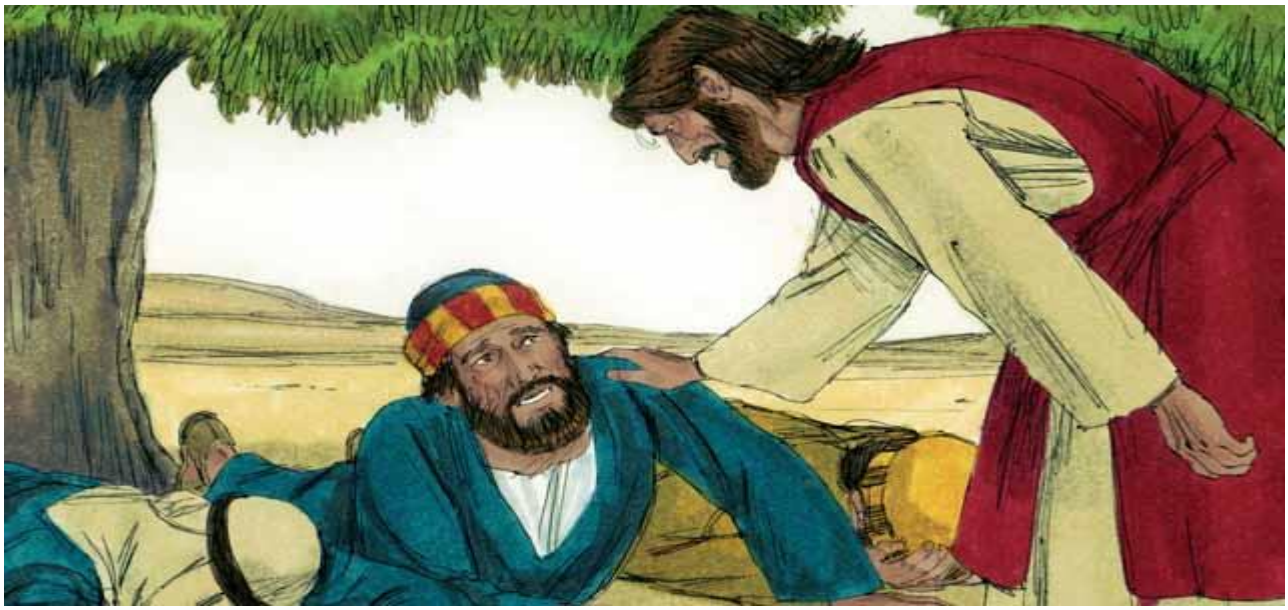

फिर यीशु ने उन्हें छूकर कहा ,"डरो मत ,**उठो** –"जब उनहोंने आसपास देखा तो वहां यीशु के अलावा किसी और को न देखा -

उनको छुआ

मतलब यह कि "उन पर अपना हाथ रखा" कुछ ज़बानें यह तशरीह करने को तरजीह दे सकती हैं कि उसने उनको कहाँ पर छुआ था -अगर ऐसी बात है तो इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था कि उसने उनके कंधे पर छुआ था -

मत डरो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे कि "ख़ौफ़ खाना बंद करो"

उठो

इसको भी इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "खड़े हो जाओ" या "बराए मेहरबानी उठ जाओ" इस बात का ध्यान रखें कि येसु ने उनसे नर्मी से कहा था -

सिर्फ़ येसु अकेला वहां पर था

इस जुमले के साथ यह भी जोड़ा जा सकता है "मूसा और एलियाह वहाँ से ग़ायब हो चुके थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

36:07

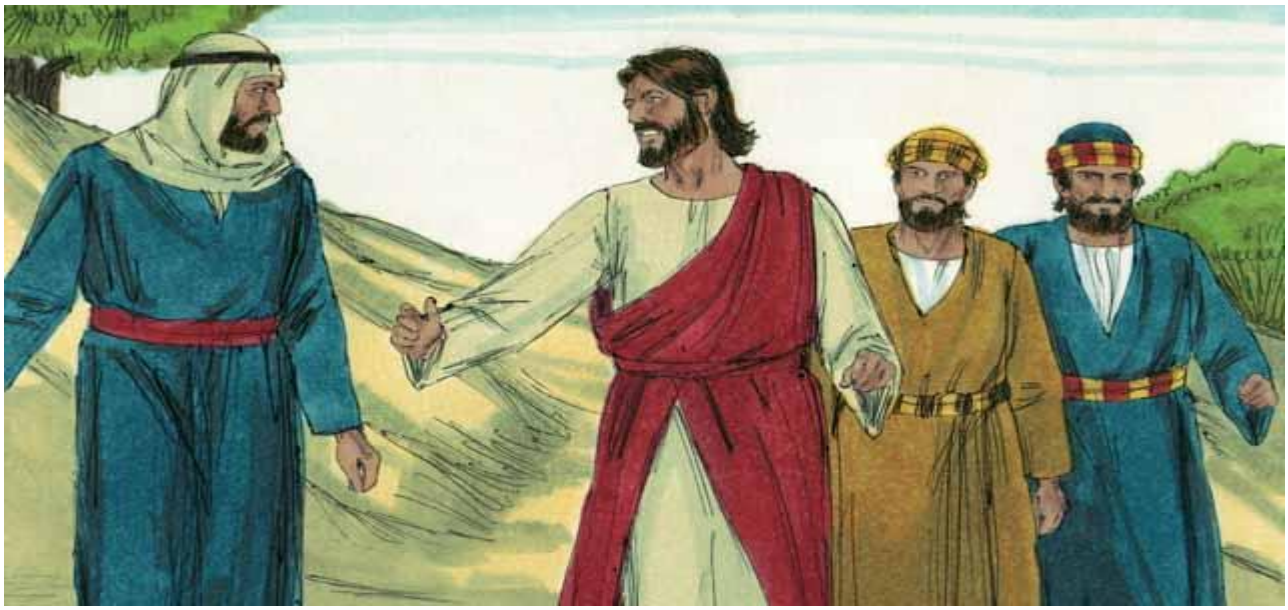

यीशु और उसके तीनों शागिर्द पहाड़ पर से नीचे उतरे -फिर यीशु ने उनसे कहा जो कुछ यहाँ पर हुआ किसी से भी ना कहना ,मैं बहुत जल्द मरकर जी उठूँगा -तब तुम लोगों से कहना -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

_मत्ती 17:1-9 ; मरकुस 9:2-8 ; लूका 9:28-36 तक बाइबिल कि एक कहानी _

37 .यीशु लाज़र को मौत से जिलाता है

37:01

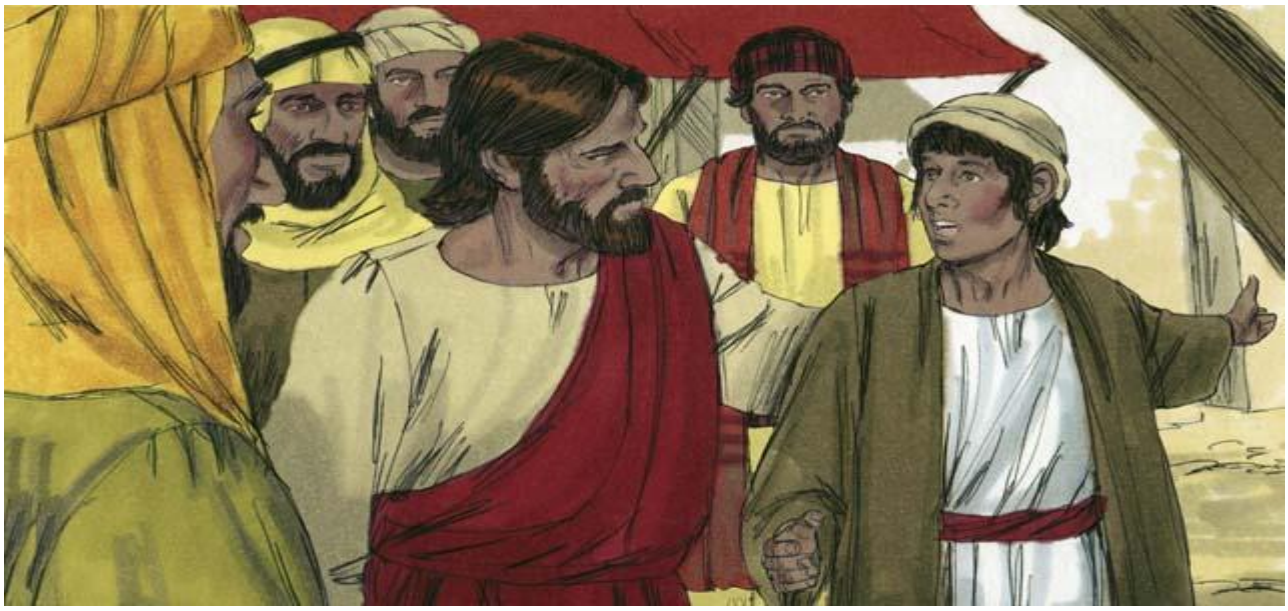

लाज़र नाम का एक शख्स था - उसकी दो बहिनें थीं जिन का नाम मरथा और **मरयम** था - वह सब के सब यीशु के करीबी दोस्त थे – जब यीशु उन से दूर था तो **एक दिन** किसी ने यीशु से कहा कि लाज़र बहुत बीमार था जब यीशु ने यह सुना तो उस ने कहा ,यह बिमारी लैज़र को मौत तक ले जाएगी ब्लिक यह लोगों को खुदा की ताज़ीम का सबब बनेगी -

एक दिन

यह मुहावरा तआर्रुफ़ कराता है एक वाक़िए का जो माज़ी में गुज़र चुका है मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शुरू करने का यही तरीका होता है -

मरयम

येसु कि मां का नाम भी मरयम ही था -मगर यह दूसरी औरत थी

यह बीमारी उसकी मौत की नहीं

इसको इस तरह से भी तरजुमा किया जा सकता है जैसे “इस बीमारी का आखरी नतीजा मौत नहीं होगा” या “लाज़र बीमार ज़रुर है मगर मौत इस बीमारी का नतीजा नहीं है” येसु के शागिर्द ग़ालिबन समझ गए थे कि इस का मतलब लाज़र नहीं मरेगा – मगर येसु जानता था कि हालाँकि लाज़र उसकी बीमारी से मरेगा मगर वह आख़िर में जियेगा -

यह ख़ुदा के जलाल के लिए है

मतलब यह कि “यह लोगों को ख़ुदा कि तारीफ़ करने का एक सबब बनेगा कि वह कितना अज़ीम है -

मगर जहां वह था वहां दो दिन और लगाये

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “मगर जहां वह था वहां दो दिन और ठहरा रहा हालाँकि शागिर्द चाहते थे कि लाज़र को शिफ़ा देने जाए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- लाज़र
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- जलाल,जलाल से मा’मूर, ता’रीफ़, ता'रीफ़ करता है
- ख़ुदावन्द
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की

37:02

यीशु अपने दोस्तों से महब्बत रखता था - मगर जहां पर वह था वहां दो दिन और लगाया - दो दिन बाद उसने अपने शागिरदों से कहा “आओ हम **यहूदिया** को वापस चलें” “मगर उस्ताद “शागिर्दों ने जवाब दिया “कुछी दिनों पहले वहां के लोग तुझे हलाक करना चाहते थे !” यीशु ने कहा ,हमारा दोस्त लाज़र सो गया है और मुझे उसे जगाना है

यहूदिया

यह इस्राईल के जुनूबी हिस्से को ज़ाहिर करता है जहाँ यहूदा के क़बीले के लोग रहते थे -कुछ ज़बानों में इस बात को तरजीह देंगे “यहूदिया का इलाक़ा”

वह सो गया है और मुझे उसे जगाना है

इस मुहावरे को यानि “सोजाना” “जगाना” इन्हें अपनी ज़बान में मामूली अल्फ़ाज़ में तर्जुमा करें – हालाँकि येसु इन अल्फ़ाज़ को फ़र्क़ मानों के साथ इस्तेमाल कर रहा था जिन्हें शागिर्द उस वक़्त तक नहीं समझे थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- उस्ताद, उस्तादों , ता’लीम देने वाला
- लाज़र

37:03

यीशु के शागिर्दों ने जवाब में कहा ,"अगर लाज़र सो रहा है तो वह उठ जाएगा "फिर यीशु ने उनसे साफ़ कह दिया कि लाज़र मर चुका है और मैं खुश हूँ कि मैं वहां पर नहीं था ताकि तुम मुझ पर ईमान लाओ -

वह ठीक हो जाएगा

शागिदों ने यह ख़्वाहिश ज़ाहिर करते हुए इस तरह कहा था कि "अभी वहां जाने का कोई सबब नहीं बनता जबकि वह ठीक हो ही जाएगा -

मैं ख़ुश हूँ

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "मैं मसरूर हूँ" या "यह अच्छा है कि" इस का मतलब यह नहीं कि लाज़र के मर जाने से येसु ख़ुश था बल्कि वह इस लिए ख़ुश था क्यूंकि ख़ुदा बताने जा रहा था कि वह कितना बड़ा है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- लाज़र
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

37:04

जब यीशु ललाज़र के वतन में पहुंचा तो लाज़र को मरे हुए चार दिन हो चुके थे - मरथा यीशु से मिलने कों आई और उसने यीशु से कहा ,"उस्ताद अगर यु यहाँ पर होता तो मेरा भाई कभी न मरता ,मगर मेरा एत्काद है कि तू जो कुछ खुदा से मांगेगा खुदा तुझे देगा -

मारथा

मारथा लाज़र और मरयम की बहिन थी , देखें 37:01 को -

बाहर येसु से मिलने गई

मतलब यह कि "येसु जब उन के कस्बे में आया हुआ था तभी वह उस से मिलने गई"

मेरा भाई न मरता

मतलब यह कि "मेरे भाई को तुम शिफ़ा दे देते और वह न मरता" या "तुम मेरे भाई को मरने से रोक लेते"

तुम जो कुछ उस से मांगोगे वह तुम को देगा

मतलब यह कि "पूरा करेगा जो तुम उस से मांगोगे"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- लाज़र
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ख़ुदावन्द

37:05

यीशु ने जवाब में कहा कि"**क़यामत और ज़िन्दगी मैं हूँ** जो कोई मुझ पर ईमान लायेगा वह मरने पर भी जियेगा जो कोई मुझ पर ईमान लाता है वह कभी भी न मरेगा ,क्या तू इस पर ईमान रखती है ? " मरथा ने जवाब में कहा ,मैं ईमान लाती हूँ कि तू खुदा का बेटा मसीहा है -

क़यामत और ज़िन्दगी मैं हूँ

यह येसु के कई एक बहुत ज़ियादा ज़ोरावर "मैं हूँ" के दावों में से एक दावा है जो उसकी ख़ास फ़ितरत की बाबत कहती है इस एक में येसु इशारा करता है कि वह क़यामत और ज़िन्दगी का "फ़राहम करने वाला" या "सर चश्मा है - अगर हो सके तो इस मुहावरे का तर्जुमा इस बतौर करें जिस से उसकी ख़ास फ़ितरत सामने आजाए -इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "मैं ही हूँ जो लोगों को जिलाता और ज़िन्दगी बख़्शता हूँ

चाहे मर भी जाए तौ भी जिएगा

मतलब यह कि "यहां तक कि अगर वह मर भी जाता है तौ भी हमेशा के लिए जिएगा" अंग्रेज़ी का लफ़्ज़ "he" जो इस्तेमाल हुआ है यहाँ सिर्फ़ मर्दों के लिए ही नहीं है बल्कि औरतों के लिए भी है जो येसु पर ईमान लाती हैं वह हमेशा के लिए जिएंगीं -

मारथा

मारथा लाज़र और मरयम की बहिन थी - देखें 37:01

कभी नहीं मरेगा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "हमेशा के लिए जिएगा / जिएगी"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- जी उठना
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- मसीह ,मसीहा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

37:06

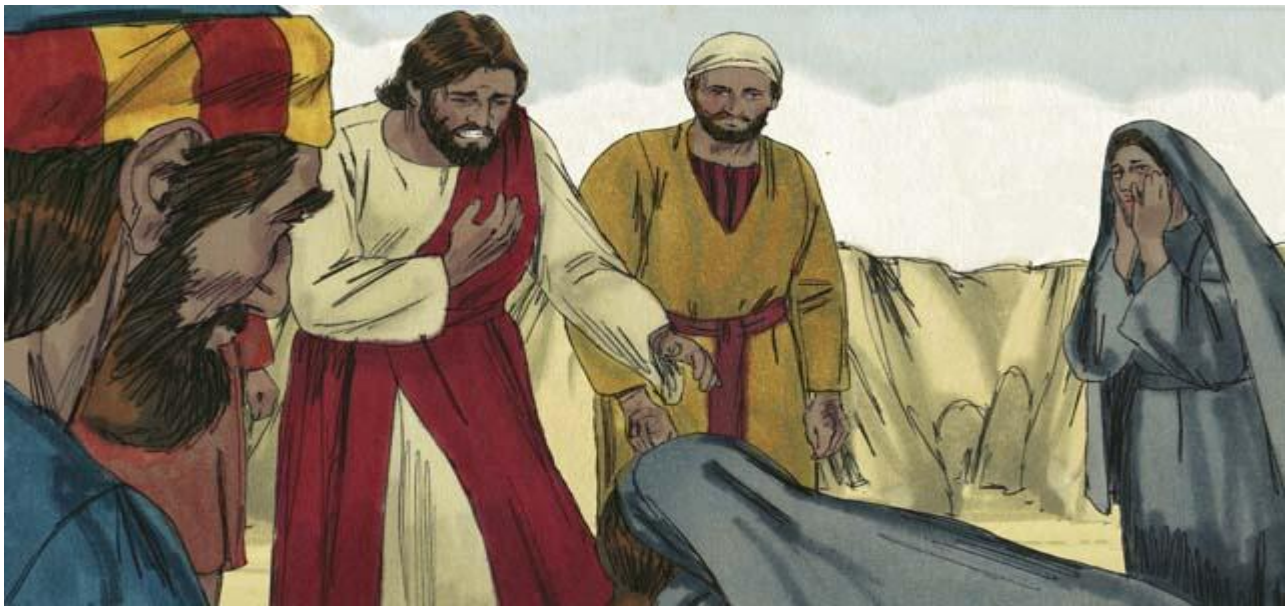

फिर **मरयम** यीशु के पास पहुंची ,उस ने भी यीशु के पांव पर गिर कर कहा ," अगर तू यहाँ होता तो मेरा भाई कभी न मरता ,यीशु ने उन से पूछा लाज़र को तुंम लोगों ने कहाँ रखा है ?" उन्हों ने उससे कहा,"क़ब्र में "चलो और देख लो ,यीशु ने जब उसे देखा तो उस के आंसू बहने लगे -

मरयम

यह वही औरत थी जिसे 37:01के नोट्स में ज़िक्र किया था – यह येसु कि माँ मरयम नहीं है -

येसु के पैरों पर गिरी

मतलब है इज़्ज़त ओ ताज़ीम की निशानी बतौर "येसु के क़दमो के आगे गिर पड़ी"

मेरा भाई न मरता

मतलब है "तू मेरे भाई को मरने से दूर रखता" या "तू मेरे भाई को मरने से बचा लेता" या मेरा भाई अभी तक ज़िन्दा रहता"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- लाज़र
- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

37:07

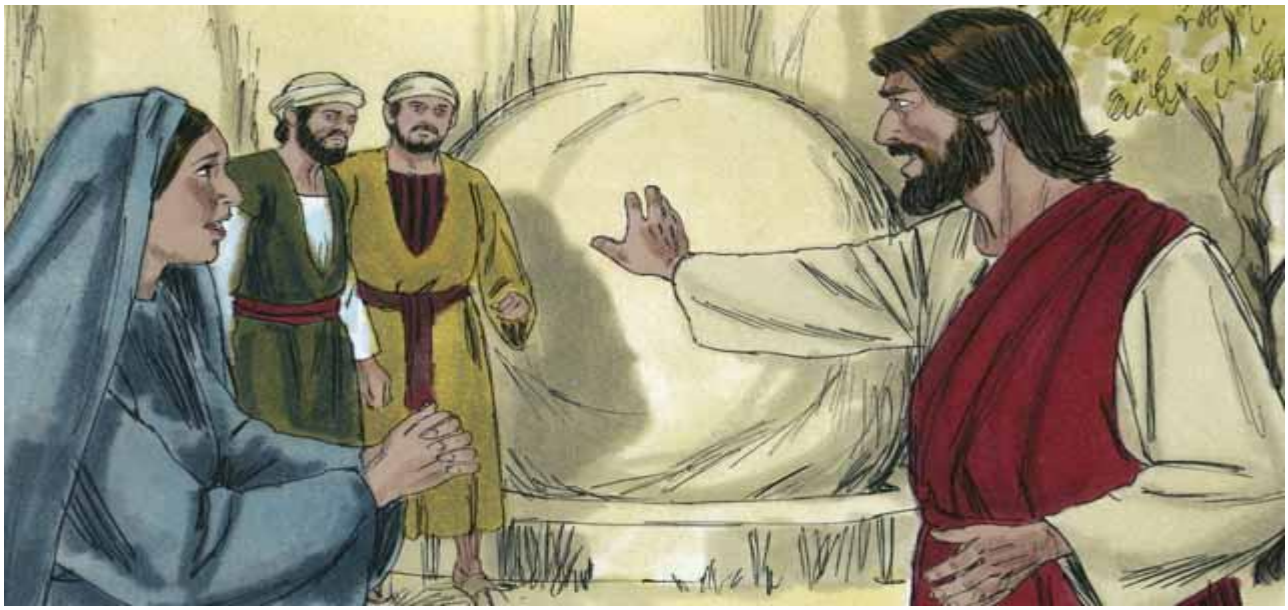

वह क़ब्र एक ग़ार था जिस के मुंह पर पत्थर धरा था -जब यीशु क़ब्र पर पहुंचा तो यीशु ने उनसे कहा "**पत्थर को हटाओ** ,पर मरथा ने कहा "उसको मरे हुए चार दिन हो चुके हैं ,अब उस में से बदबू आती है"-

उसने उनसे कहा

मतलब यह कि "उसने वहां मौजूद आदमियों से कहा" वह ग़ालिबन मारथा और मरयम से नहीं कह रहा था कि पत्थर को हटाओ -

पत्थर को हटाओ

कुछ ज़बानों में ऐसा कहने को तरजीह दी जा सकती है "क़ब्र के मुंह से पत्थर को हटाओ"

मारथा

मारथा लाज़र और मरयम की बहिन थी 37:01

उस को मरे हुए चार दिन हो चुके थे

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "वह चार दिन पहले मरा था और उसकी लाश वहां पड़ी है" -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

37:08

यीशु ने जवाब में उससे कहा ,क्या मैं ने तुम से नहीं कहा था कि अगर तू मुझ पर ईमान लाएगी तो खुदा की कुदरत को देखेगी ,तब उन्हों ने पत्थर को हटाया -

क्या मैं ने तुम से नहीं कहा था ?

मतलब यह कि " याद करो कि मैं ने तुम से कहा था" एक जवाब पाने के लिए येसु यह सवाल नहीं कर रहा था सो कुछ ज़बानों में इसको एक हुकम बतौर तर्जुमा करना पड़ेगा -

ख़ुदा के जलाल को देखेगी

मतलब है "ख़ुदा के जलाल का इज़हार होते हुए देखेगी" या "देखोगी कि ख़ुदा कितना बड़ा है"

पत्थर को हटाओ

कुछ ज़बानों में ऐसा कहना चाहिए "क़ब्र के मुंह से पत्थर को हटाओ"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- जलाल,जलाल से मा'मूर, ता'रीफ़, ता'रीफ़ करता है
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

37:09

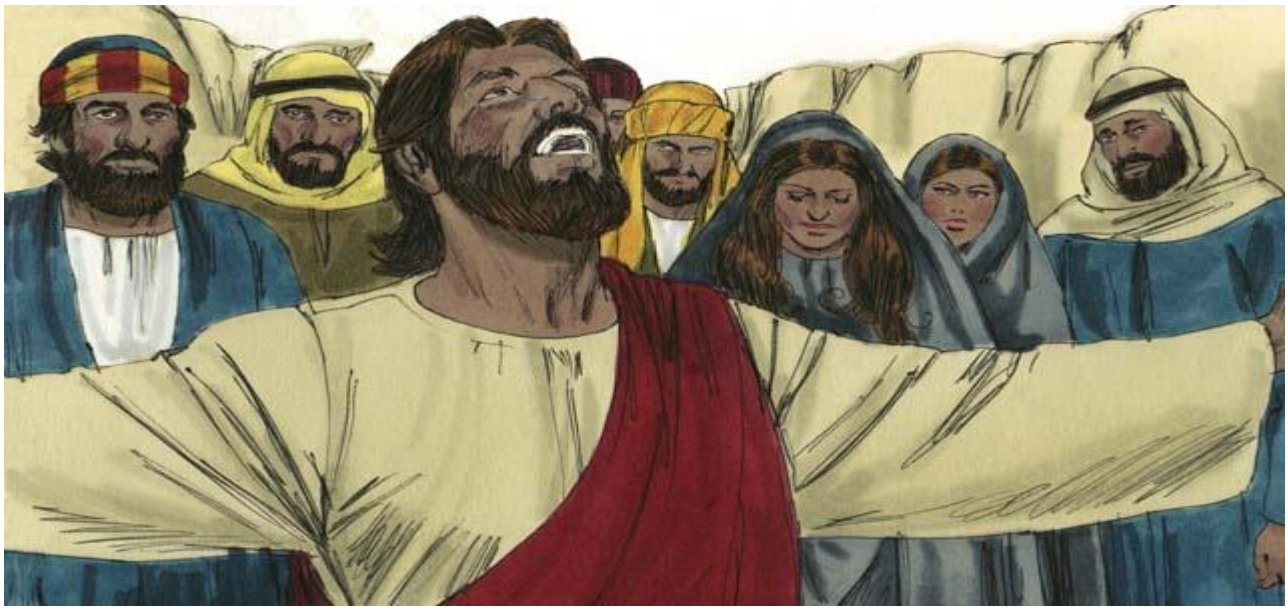

फिर यीशु ने आसमान की तरफ़ देखकर कहा ,"ऐ बाप मैं तेरा शुक्र करता हूँ कि तू मेरी सुनता है,मगर इन लोगों के बाइस जो आसपास खड़े हैं मैं ने यह कहा ताकि वह ईमान लाएं कि तू ही ने नुझे भेजा है ," फिर यीशु ने बुलंद आवाज़ से पुकारा कि "ऐ लाज़र निकल आ "

जो मेरी सुन रहे हैं

मतलब यह कि "जो मेरी तरफ़ ध्यान दे रहे हैं"-यह लफ़्ज़ जोड़ना मदद बतौर होगा कि "जब मैं तुम से इल्तिजा करता हूँ" या "जब मैं तुम से बात करता हूँ"-

बाहर निकल आ

कुछ ज़बानों में यह कहना तरजीह दिया गया है कि "क़ब्र से बाहर निकल आ"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- लाज़र

37:10

सो **लाज़र बाहर निकल आया** ! उस के हाथ पांव अभी भी क़ब्र के कपड़ों से लिपटे हुए थे - यीशु ने उनसे कहा ,**क़ब्र के कपड़े** खोलने में उसकी मदद करो और उसे जाने दो" - **इस मोजिज़े के सबब से** बहुत से यहूदी यीशु पर ईमान लाए -

लाज़र बाहर निकल आया

कुछ ज़बानों में इस तरह कहना चाहिए "लाज़र क़ब्र से बाहर निकल आया

क़ब्र के कपड़े

मतलब है "दफ़नाए जाने के कपड़े" इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "दफ़नाए जाने की पट्टियाँ " या कपड़े की लम्बी लम्बी पट्टियाँ"

इस मोजिज़े के सबब से

मतलब है "क्यूंकि ख़ुदा ने इस मोजिज़े को अंजाम दिया" या "क्यूंकि येसु ने लाज़र को फिर से ज़िन्दा कर दिया था"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- लाज़र
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों

37:11

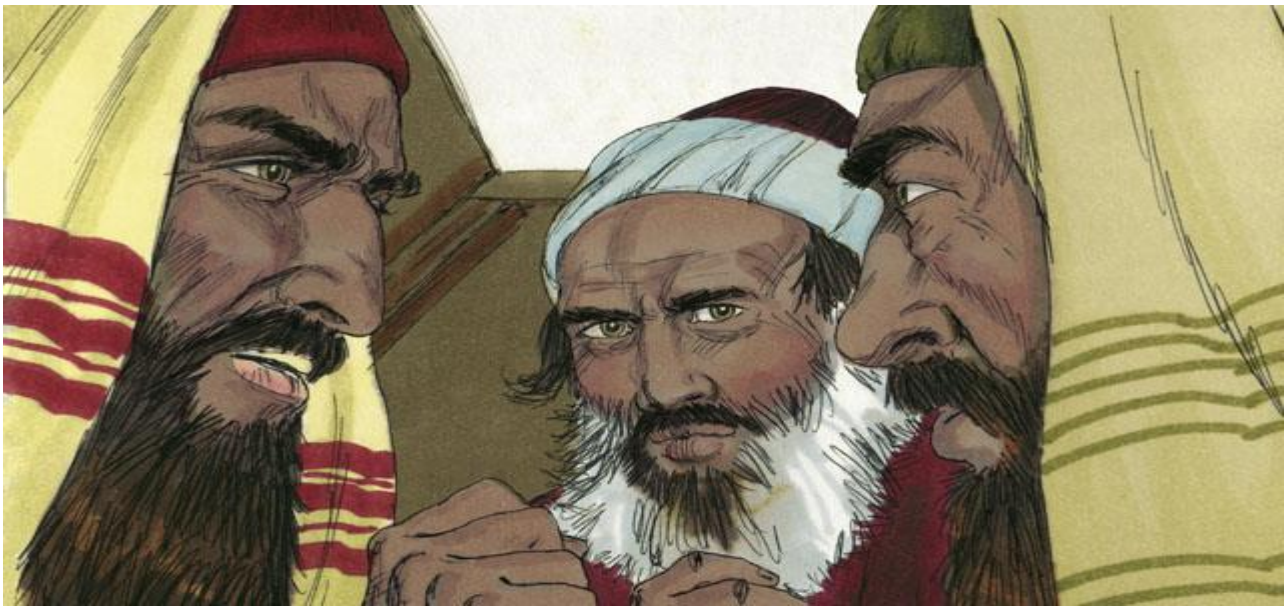

मगर यहूदियों के मजहबी रहनुमाओं ने यीशु से हसद रखा ,सो वे एक जगह जमा होकर यीशु और लाज़र को हलाक करने का मंसूबा बाँधने लगे -

हसद करने लगे

मतलब यह कि “येसु की क़ुदरत और शोहरत पर हसद करने लगे” या हसद इस लिये करने लगे थे कि बहुत से यहूदी उस पर ईमान ले आए थे “-

आपस में जमा होकर

मतलब यह कि “सब मिलकर” या “मुत्तहिद होकर”- यह एक इत्तिफ़ाक़िया मिलना नहीं था बल्कि एक ख़ास मक़सद को लेकर मिलना था कि येसु को हलाक करने का मंसूबा कैसे तय करें -

बाइबिल से एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ यार्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- लाज़र

युहन्ना 11 : 1-46 तक बाइबिल की एक कहानी

यीशु को फ़रेब दिया जाता है

38:01

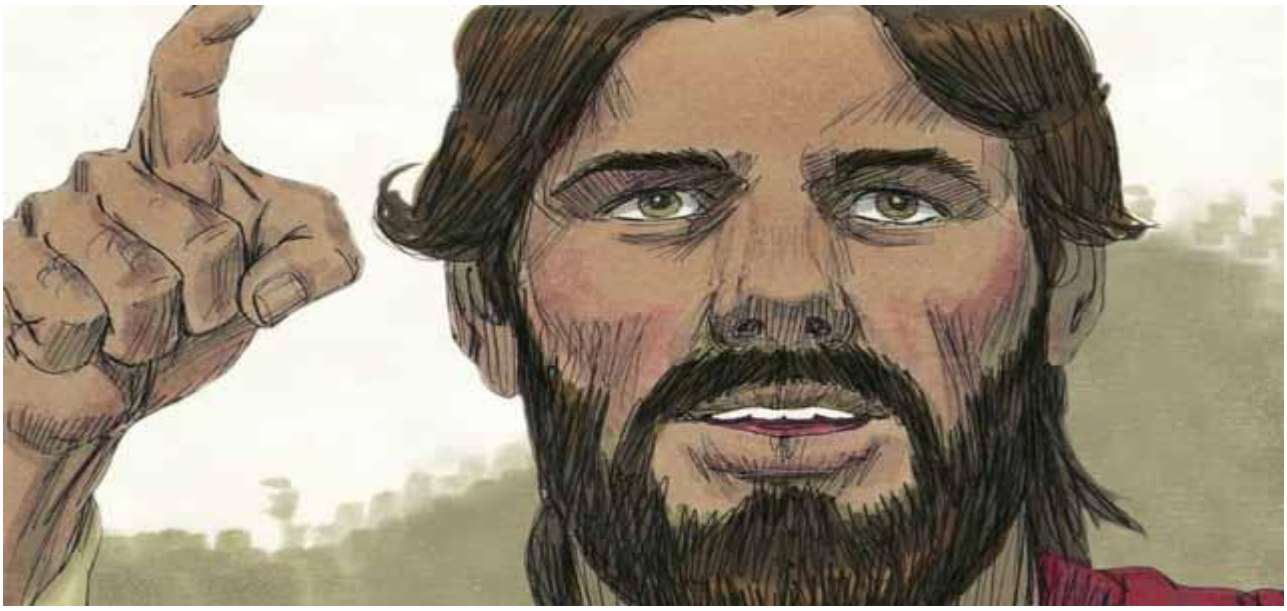

हर साल यहूदी लोग फ़सह की ईद मनाते हैं - यह एक ईद थी कि किस तरह खुदा ने उनके बापदादा को सदियों साल पहले मिस्र की गुलामी से बचाया था - यीशु का खुले आम प्रचार करने और तालीम देने के तीन साल बाद यीशु ने अपने शागिर्दों से कहा कि वह फ़सह की ईद को येरूशलेम में उन के साथ मनाना चाहता है और यह भी कि वह वहां मारा भी जाएगा -

कई सदियों पहले

मतलब यह कि कई सौ सालों पहले

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- फ़सह
- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया
- शागिर्द, शागिर्दों
- यरूशलीम

38:02

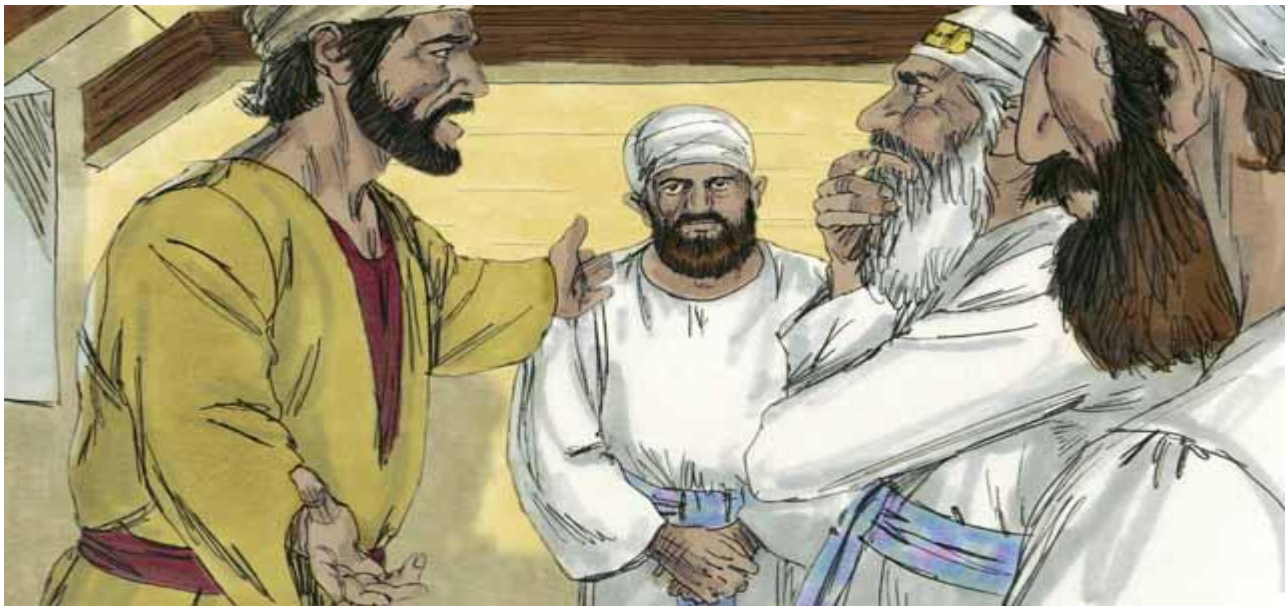

यीशु के शागिर्दों में से एक जिसका नाम यहूदा इस्कर्योती था जिस के पास पैसों की थैली रहती थी वह अक्सर उस थैली में से पैसे चुरा लिया करता था - यीशु और उसके शागिर्दों के येरूशलेम पहुँचने के बाद ,यहूदा चुपके से यहूदी रहनुमाओं के पास गया - उसने कुछ पैसों की खातिर यीशु को धोका देने यानी उसको पकड़वाने का फ़ैसला लिया ,वह जानता था कि यहूदी रहनुमा यीशु को मसिहा बतोर कबूल नहीं करते थे , और वह यह भी जानता था कि वह उसको मारना चाहते थे-

शागिर्दों के पैसों की थैली का ज़िम्मेवार (ख़ज़ान्ची)

मतलब है “शागिर्दों के पैसों की ज़िम्मेदारी संभालना” या “शागिर्दों के पास जो पैसों की थैली हुआ करती थी उसे सँभालने की ज़िम्मेदारी ताकि उस में से ज़रुरतमंदों को रक़म बांटा करे”

पैसों से प्यार करता था

मतलब यह कि “बहुत ज़ियादा पैसों की क़द्र करता था” या “पैसे की चाहत थी” कुछ ज़बानों में ऐसा ही लफ़्ज़ इस्तेमाल नहीं होगा जो “प्यारे लोगों” के लिए इस्तेमाल होता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- यहूदा इस्करियोती
- रसूल, रसूलों, रिसालत
- यरूशलीम
- यहूदियों, यहूदी
- धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले
- मसीह ,मसीहा

38:03

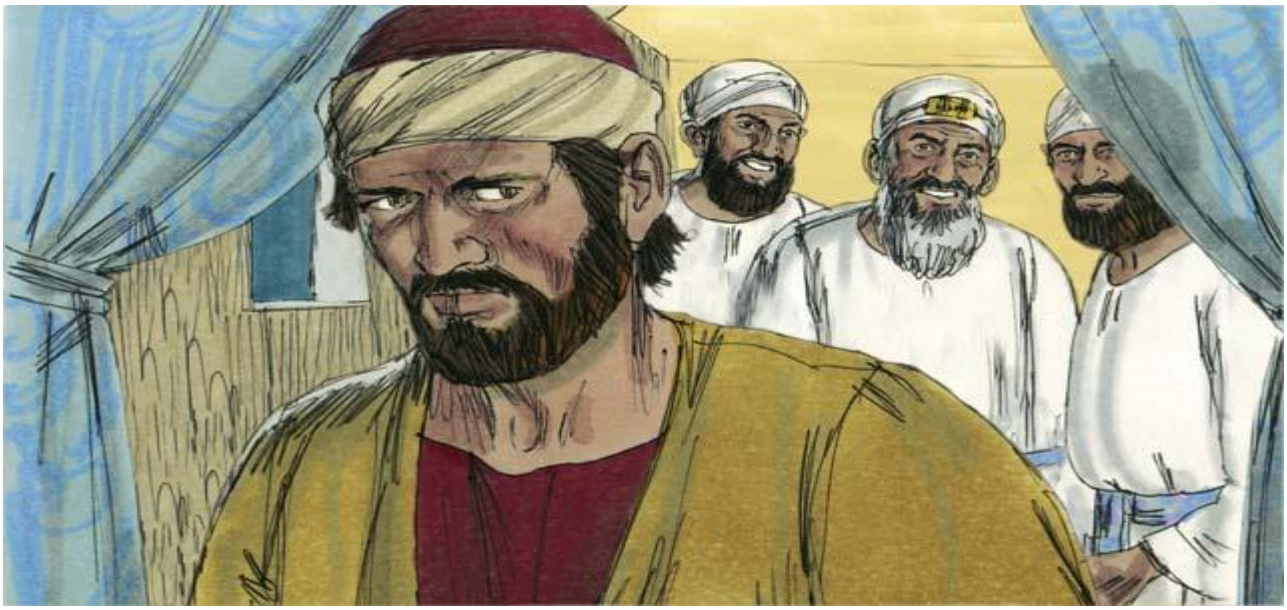

यहूदी रहनुमा जो सरदार काहिन के चलाए चलते थे यहूदा को **तीस चांदी के सिक्के** दिए कि वह यीशु को उनके हाथ में सौंपेगा - यह बिलकुल वैसे ही हुआ जिस तरह नबियों के कलाम में लिखा हुआ था - यहूदा मान गया ,और पैसे लेकर चला गया - वह यीशु को गिरफ़्तार करने का मोक़ा ढूँढने लगा ताकि उन की मदद कर सके

तीस चांदी के सिक्के

इन में से एक सिक्के की क़ीमत चार दिन की मज़दूरी के बराबर हुआ करती थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- सरदार काहिन
- यहूदा इस्करियोती
- धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

38:04

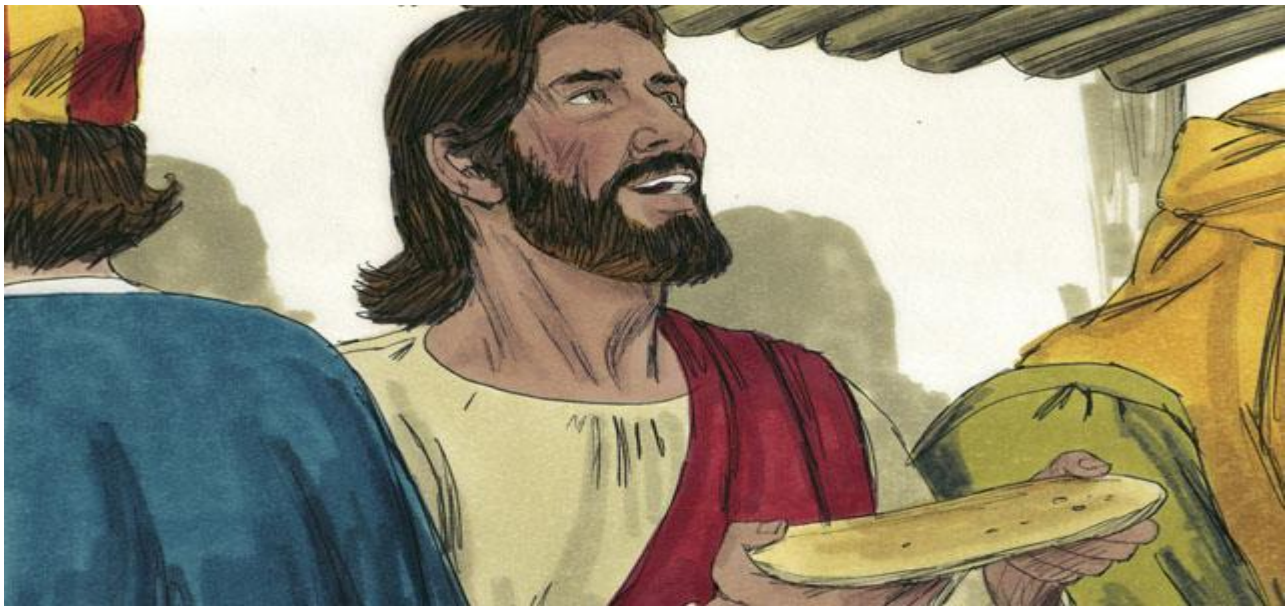

येरूशलेम में यीशु ने अपने शागिर्दों के साथ फ़सह **मनाया** – फ़सह के खाने के दौरान यीशु ने रोटी ली और उसे तोड़ कर अपने शागिर्दों को दी और कहा ,'इसको लो और खाओ , मैं इसको तुम्हारे लिए दूंगा ,मेरी यादगारी के लिए यही किया करो – "यीशु ने कहा कि वह उनके लिए मरेगा कि अपना जिस्म उन के लिए क़ुर्बान करे -

मनाया

मतलब यह कि "मना रहा था

थोड़ी सी रोटी ली

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "रोटी का टुकड़ा लिया" या "रोटी का एक समूचा टुकड़ा लिया -

उसे तोड़ा

कुछ ज़बानों में ऐसा कहना चाहिए ,"टुकड़ों में तोड़ा" या "आधी रोटी तोड़ी" या "रोटी का एक हिस्सा तोड़ा"

तुम्हारे लिए दिया गया है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "जो मैं तुम्हारे लिए देता हूँ" -

मेरी यादगारी के लिए ऐसा ही किया करो

मतलब यह कि "इसे इस तरह करो जो तुम्हें ख़ुद को याद दिलाए जो मैं तुम्हारे लिए कर रहा हूँ " येसु अपनी मौत की तरफ़ इशारा कर रहा था जो बहुत जल्द वाक़े होने वाली थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यरूशलीम
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- फ़सह
- शागिर्द, शागिर्दों
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें

38:05

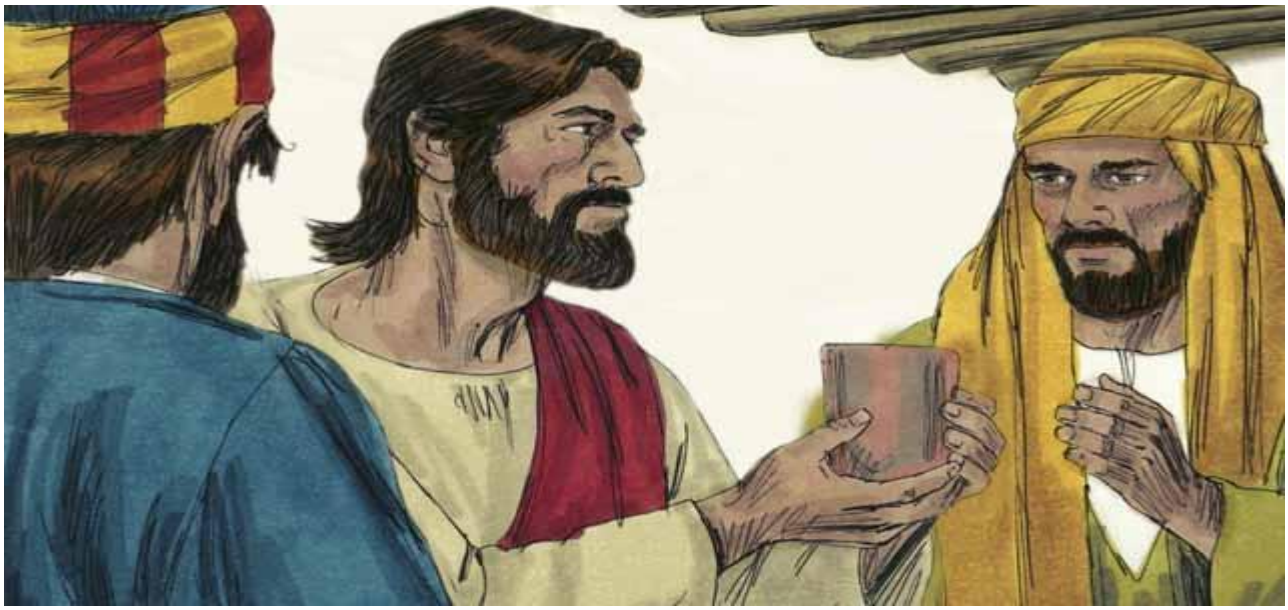

फिर यीशु ने मए का का प्याला लिया और कहा “इसे पियो ,यह मेरे खून में नया अहद है इसको मैं तुम्हारे लिए उंडेलूंगा ताकि खुदा तुम्हारे गुनाह मुआफ़ करे - जो मैं अभी कर रहा हूँ आगे भी करते रहना - जब भी तुम इसे पीते हो मेरी यादगारी में ऐसा ही किया करो -

एक पियाला

मतलब है “एक मए का पियाला” या “अंगूर के रस से भरा हुआ एक पियाला”-

इसको पियो

मतलब यह कि “जो इस पियाले में है उसको पियो” या “इस पियाले में से पियो” पीने की जो चीज़ पियाले में थी वह अंगूरों का रस था जो गहरा लाल रंग का था -

ख़ून में नया अहद

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ख़ून जो मुमकिन तौर से नया अहद बनता है” या ख़ून जो नए अहद के लिए बुन्याद है -

उंडेला जाता है

इसको इस तरह से भी तरजुमा किया जा सकता है जैसे “जो मेरे जिस्म से बहेगा” या “मैं जो ख़ून बहाऊंगा”

गुनाहों की मुआफ़ी के लिए

मतलब यह कि “ताकि ख़ुदा लोगों के तमाम गुनाहों को पूरी तरह से मुआफ़ कर सके”

मुझे याद करो

मतलब है “मुझे मनाओ” या “मेरी याद दिलाए” इसको इसतरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था “ख़ास तौर से मुझ पर ध्यान दिया करो” या तुम को मेरी याद दिलाए

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ून
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/newcovenant]]
- मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

38:06

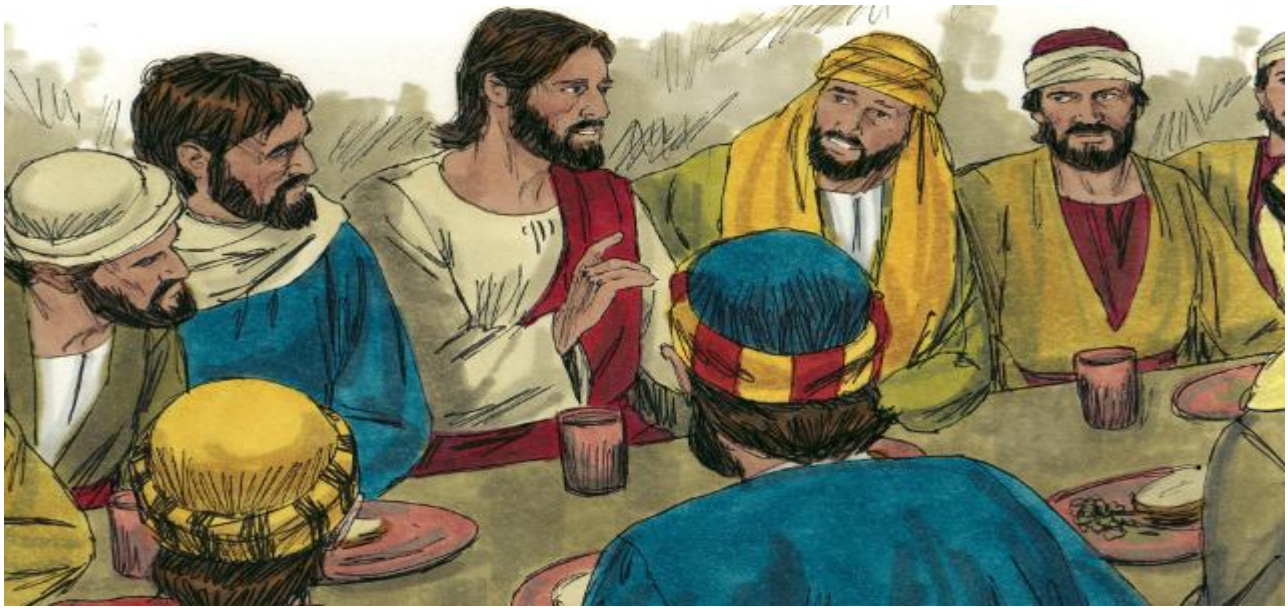

फिर यीशु ने शागिर्दों से कहा " तुम में से एक मुझे धोका देगा "- शागिर्दों को धक्का लगा और पूछा ,कौन ऐसी हरकत करेगा - यीशु ने कहा जिस को मैं रोटी का निवाला दूंगा वही फ़रेबी है - फिर उस ने वह निवाला यहूदा इस्कर्योती को दिया -

मैं जिसे रोटी का निवाला दूँ

मतलब है "रोटी का टुकड़ा जिस के हाथ में रखूं"

वह दग़ाबाज़ है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "मुझे धोका देगा" या "वह होगा जो मुझ से दग़ा करेगा"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले
- यहूदा इस्करियोती

38:07

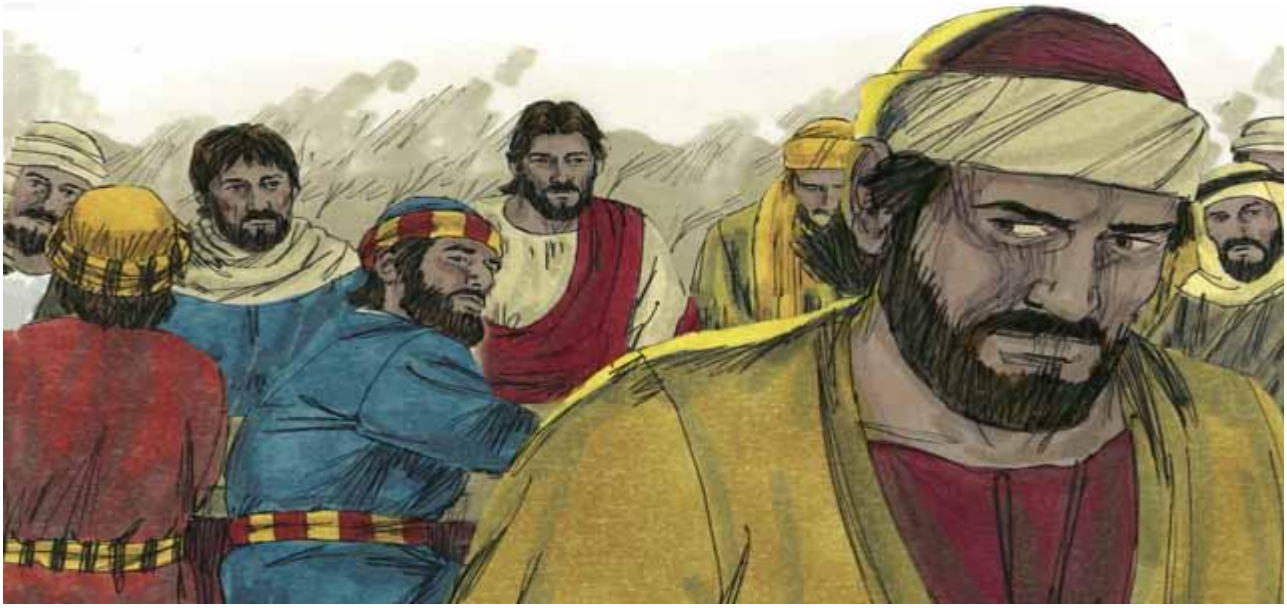

यहूदा ने जब वह निवाला यीशु के हाथ से लिया तो शैतान उस में समां गया - यहूदा शागिर्दों से अलग हुआ और यिशु को पकड़वाने में यहूदी रहनुमाओं की मदद के लिए चला गया - वह रात का वक़्त था -

उसके अन्दर शैतान दाख़िल हो गया

मतलब मतलब यह कि “शैतान उसके अन्दर समा गया” या “उसपर शैतान ने क़ाबू कर लिया”

यहूदा उसे छोड़ कर चला गया

कुछ ज़बानें यह कहने की तरजीह दे सकती हैं कि “यहूदा खाना छोड़ कर चला गया” या यहूदा कमरे से बाहर निकलकर चला गया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदा इस्करियोती
- शैतान, शैतान, बुरा
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

38:08

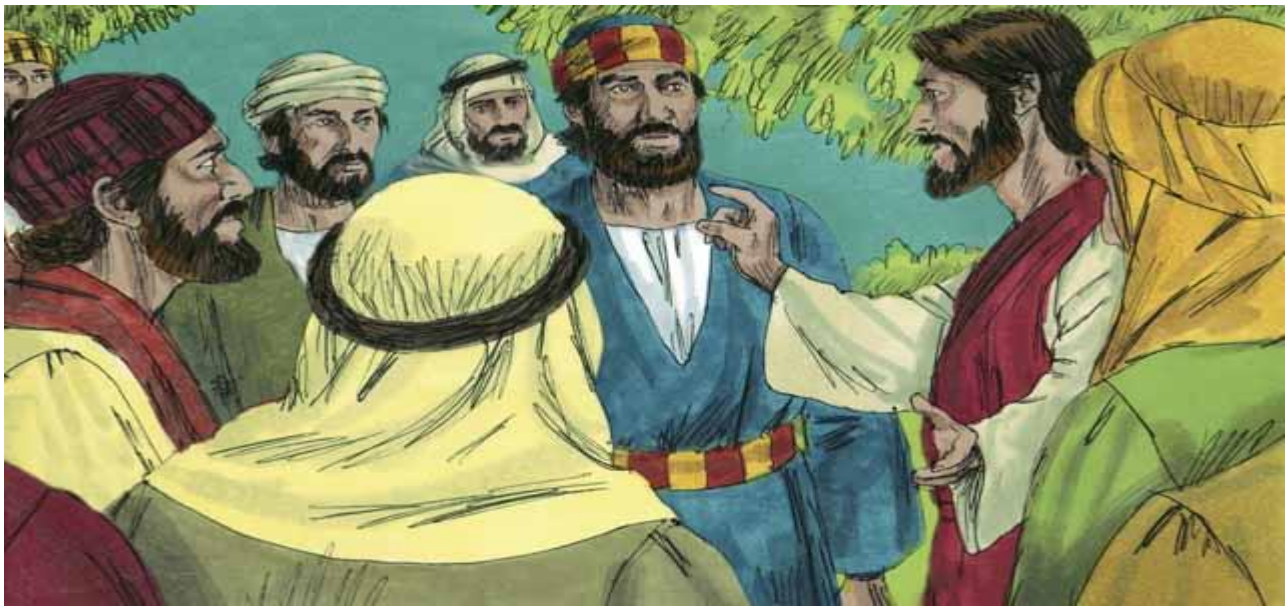

खाने के बाद यीशु अपने शागिर्दों के साथ जैतून पहाड़ को गया - वहां यीशु ने उनसे कहा “आज रात तुम सब मुझे छोड़ दोगे , **लिखा है** कि मैं चरवाहे को मारूंगा और भेड़ें तितर बितर हो जाएंगीं –“

ज़ैतून का पहाड़

यह एक पहाड़ का नाम है जो ज़ैतून के दरख्तों से ढका है यह येरुशलेम शहर के शेहरपनाह की दीवार से बाहर है इसको इस तरह से भी तर्जुमा कर सकते हैं जैसे ज़ैतून के दरख़्तों का पहाड़”

तर्क कर दिया

मतलब है “छोड़ कर भाग गया” या “छोड़ दिया”

लिखा है

मतलब यह कि “ख़ुदा के कलाम में लिखा है” या “नविश्तों में लिखा है” या “ख़ुदा के नबियों में से एक ने लिखा” या ऐसा कहना भी मुमकिन है कि “जो लिखा है वह होकर रहेगा” या वह वैसा ही होगा जैसा लिखा हुआ है” यह नबुव्वत येसु की मौत और शागिर्दों के भाग जाने की तरफ़ इशारा करती है -

मैं मारूंगा

मतलब कि “मैं हलाक करूंगा”

चरवाहे और तमाम भेड़ों को

यहाँ इस बयान में येसु का नाम चरवाहे कि जगह पर न लें क्यूंकि नबी जिसने नबुव्वुत लिखी वह चरवाहे के नाम से वाक़िफ़ नहीं था -और शागिर्दों का भी हवाला ना दें -सब से अच्छा यह होगा कि अपने तर्जुमे में चरवाहे और भेड़ के लिए अलफ़ाज़ का इस्तेमाल करें -

तित्तर बित्तर हो जाएँगे

मतलब है “फ़र्क़ फ़र्क़ सिम्त में चले जाएंगे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही
- भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , भेड़-बकरी, भेड़ की खाल

38:09

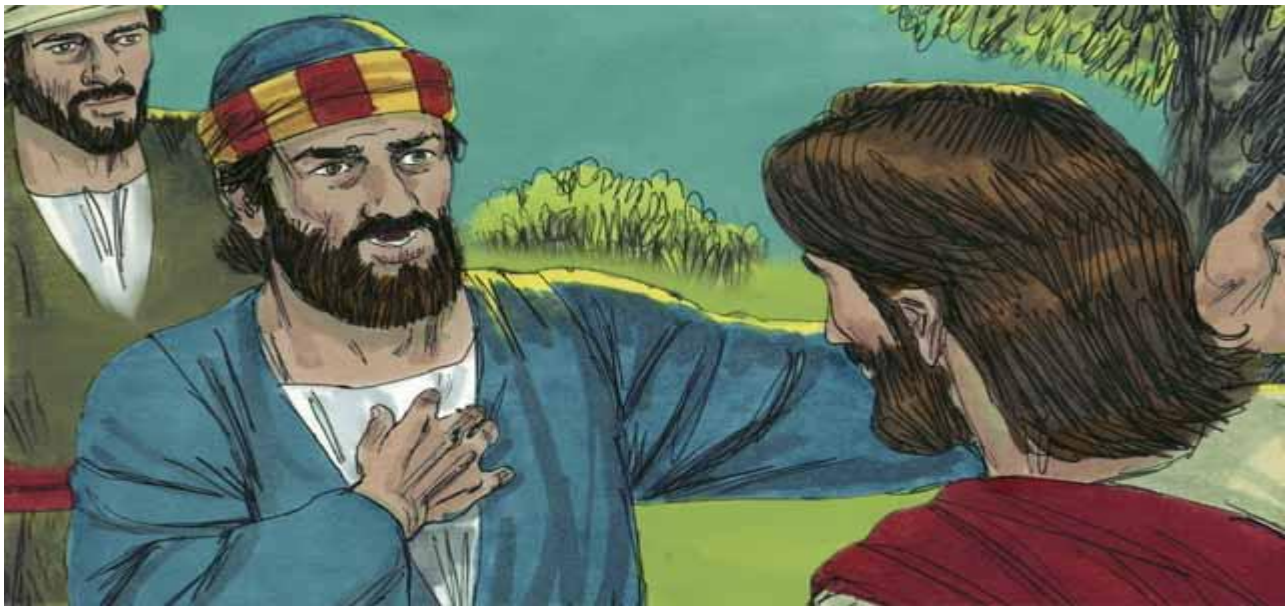

पतरस ने जवाब दिया ,"सब के सब चाहें छोड़ें तो छोड़ें मगर मैं तुझे नहीं छोडूंगा ! "फिर यीशु ने पतरस से कहा "शैतान ने तुम सब को मांग लिया है कि वह तुम्हें गेहूं की तरह फटके पर मैं ने तुम्हारे लिए दुआ की है कि तेरा ईमान जाता न रहे ,यहाँ तक कि आज रात मुर्ग़ के बांग देंसे पहले तू तीन बार मेरा इंकार करेगा कि तू मुझे जानता तक नहीं –"

तुझे तर्क कर देंगे

चेक करें यह देखने के लिए कि आपने इसे 38:08 में किस तरह से तर्जुमा किया था

तुम सब को अपनालूं

मतलब यह कि "तुम्हें पूरी तरह से काबू करलूं" या तुम्हें हासिल करूं ताकि उसकी मुकम्मल तौर से ख़िदमत हो लफ़्ज़ "तुम" इस मुहावरे में जमा का सेग़ा है,उसके बाद जो "तुम" और "तुम्हारे" का लफ़्ज़ आता है वह सब वाहिद हैं -

ताकि तुम्हारा ईमान जाता न रहे

मतलब यह कि "कहीं तुम मुझपर एत्क़ाद करना कम न कर दो"

मुर्ग़ के बांग देने से पहले

मुर्ग़ आम तौर से नए दिन की पहली रौशनी में बांग देते हैं-अगर यह साफ़ नहीं है तो यह कहना सही होगा कि "कल सवेरे मुर्ग़ के बांग देने से पहले" या "कल सुबह के वक़्त मुर्ग़ के बांग देने से पहले"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शैतान, शैतान, बुरा
- दुआ' कर, दुआ', दुआ'वों , दुआ'की

- ईमान

38:10

फिर पतरस ने कहा ,अगर तेरे साथ मुझे मरना भी पड़े तो भी मैं तेरा इंकार न करूंगा , और इसी तरह तमाम शागिर्दों ने भी कहा -

तेरा इंकार करना

मतलब है “इंकार करना कि मैं तुझे जानता हूँ” या इंकार इंकार करना कि मैं तेरा शागिर्द हूँ” या “मैं तुझे नहीं जानता -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- शागिर्द, शागिर्दों

38:11

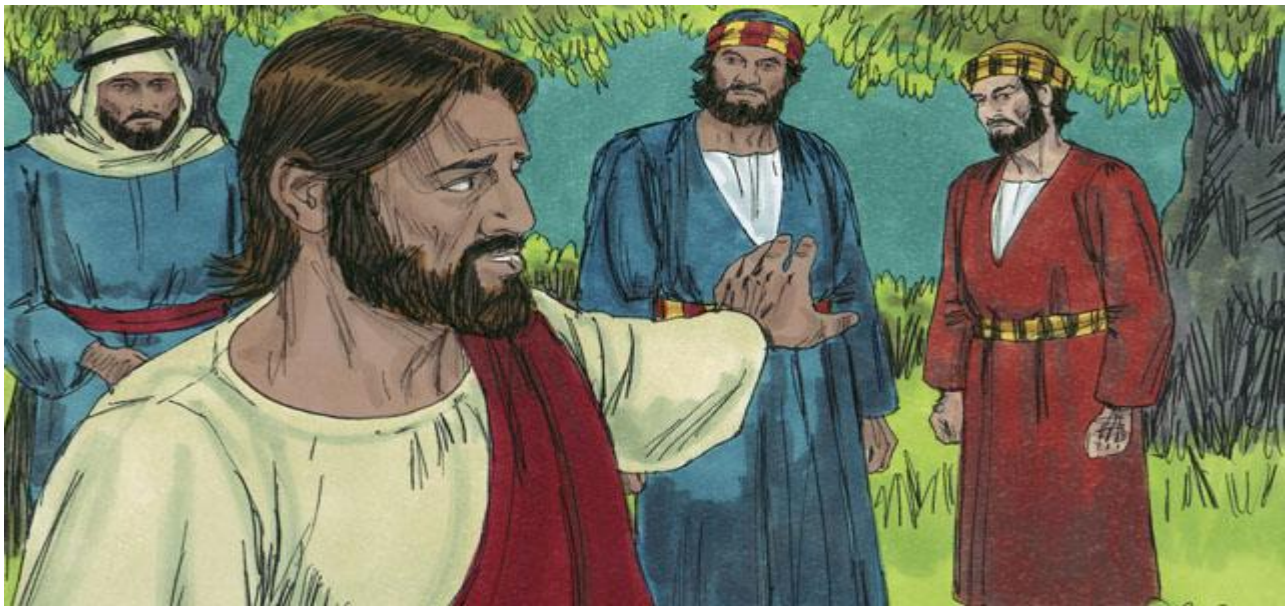

फिर यीशु अपने शागिर्दों के साथ उस मकाम पर गया जो गत्समनी कहलाता है -यिशु ने अपने शागिर्दों से कहा “दुआ करो ताकि तुम शैतान की आज़माइश में न पड़ो - फिर यीशु खुद ही दुआ करने के लिए आगे बढ़ गया -

एक जगह जो गत्सम्नी कहलाता है

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “एक नज़दीकी जगह जो गत्सम्नी कहलाती है” या “ज़ैतून के पहाड़ के नीचे गत्सम्नी नाम एक जगह”-

आज़माइश में पड़ना

मतलब यह कि “जब वह आज़माइश में पड़ें तो गुनाह न करें” या “आज़माइश में न डालें जब वह तजुर्बा करने पर हों “ -

अपने आप से

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “तन्हा” (अकेला)

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की
- आज़माइश करने, आज़माइश

38:12

यीशु ने गत्समनी में तीन बार दुआ की कि “ऐ बाप अगर हो सके तो यह मुसीबत का प्याला मुझ से टल जाए ,पर अगर लोगों के गुनाह मुआफ किये जाने का और कोई रास्ता नहीं है तो फिर तेरी मरज़ी पूरी हो ,यीशु इत्ना ज़ियादा बे - चैन और बे क़रार था कि उसका पसीना खून के क़तरे बन कर टपक रहा था - खुदा ने एक फरिश्ते को भेजा कि उसको कुव्वत दे -

इस दुःख के पियाले को पीना

मतलब यह कि “दुःख में से होकर गुज़रना” या “जो मुसीबत आन पड़ी है उसे सहना” या “इस मुसीबत को बर्दाश्त करना”

तेरी मर्ज़ी पूरी हो

इस इज़हार के मायने हैं ,जो तू ने मंसूबा किया है उसे अंजाम तक पहुंचा” या “जो बनी इंसान की नजात के लिए ज़रूरी है उसे कर”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया
- ख़ून
- ख़ुदावन्द
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते

38:13

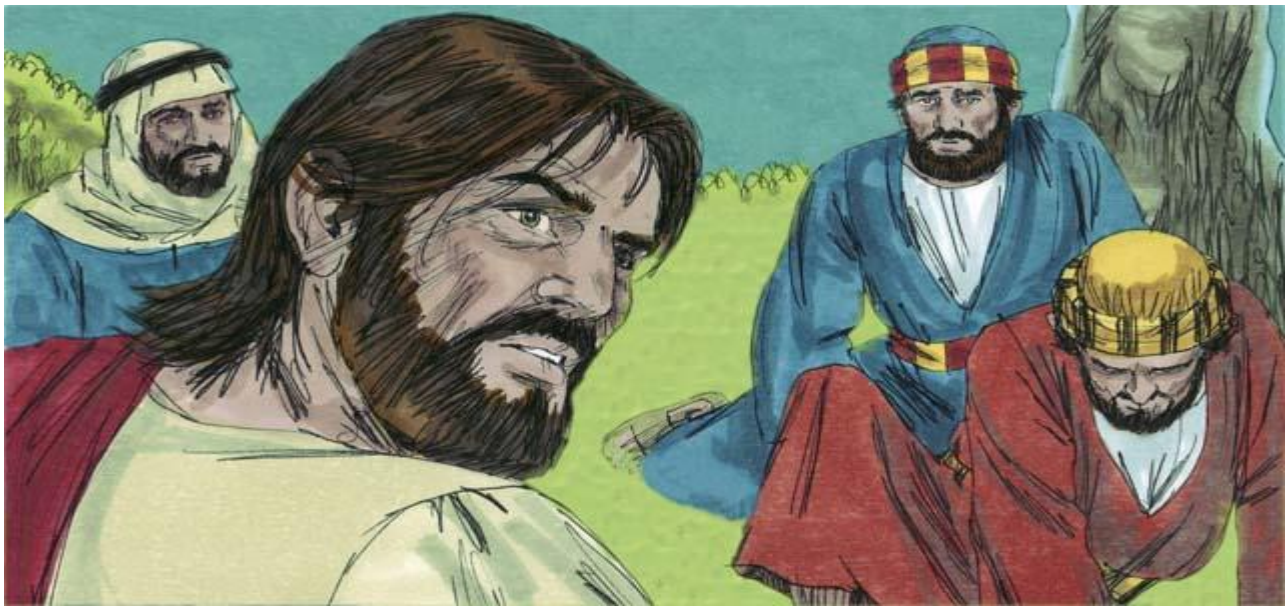

हर दुआ के बाद यीशु अपने शागिर्दों के पास आया मगर वह उन्हें सोते पाया - जब वह तीसरी बार वापस गया तो यीशु ने उनसे कहा “जागो क्यूंकि मेरा पकडवाने वाला आ चुका है “-

हरेक दुआ के वक़्त के बाद

मतलब है ,”हर बार येसु ने यह दुआ की” यह इस बात का हवाला देता है कि येसु ने तीन बार दुआ की जिस तरह 38:12 में ज़िक्र है -

तर्जुमे का अलफ़ाज़

- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले

38:14

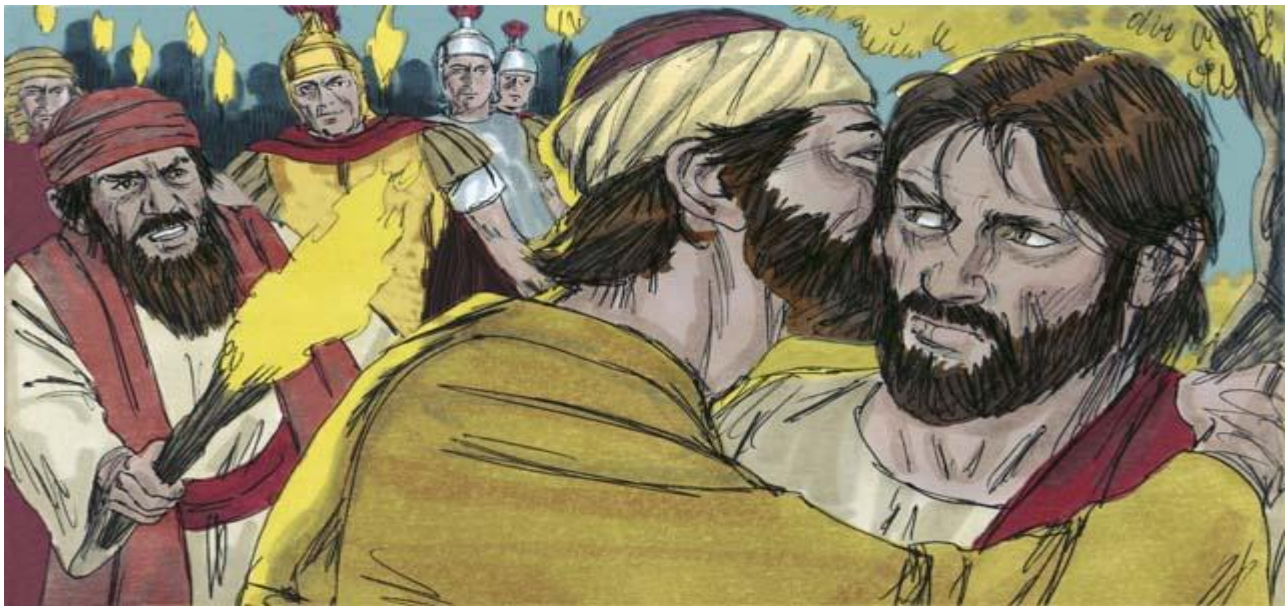

यहूदा ,यहूदी रहनुमाओं ,सिपाहियों और एक बड़ी भीड़ को अपने साथ ले आया - वह तलवारें और लाठियां लिए हुए थे - यहूदा यीशु के पास आकर कहा " उस्ताद **सलाम** " और उसको चूमा -उस ने ऐसा इस लिए किया कि यहूदी रहनुमा को बताना था कि किस को गिरफ़्तार करना है - फिर यीशु ने कहा ,"यहूदा क्या तू चूमा लेने के ज़रिये मुझे पकड़वा रहा है ?"

को आए

कुछ ज़बानें यह कहने को तरजीह दे सकती हैं ,"को गए"

सलाम

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "हेलो कहकर पुकारना" या "सलाम" या "शाम का सलाम"

निशानी

मतलब है "इशारा"

क्या तू चूमा लेकर मुझे पकड़वाना चाहता है ?

मतलब यह कि "क्या तू सच मुच एक चूमे के साथ मुझे पकड़वाने जा रहा है ? येसु अपने सवाल के लिए यहाँ पर जवाब की तवक़्क़ी नहीं कर रहा है -इसलिए कुछ ज़बानों में एक बयान बतौर तर्जुमा किया गया है जैसे "तू मुझे चूमा लेकर पकड़वाना चाहता है" या "तुम्हारा चूमा लेना दग़ाबाज़ी से ज़ियादा बदतर है"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदा इस्करियोती
- यहूदियों, यहूदी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- उस्ताद, उस्तादों , ता'लीम देने वाला
- धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले

38:15

जब सिपाही यीशु को गिरफ़्तार कर रहे थे तो पतरस ने अपनी तलवार निकाली और सरदार काहिन के नौकर पर चला कर उस का दहना कान उड़ा दिया - यीशु ने पतरस से कहा ,"अपनी तलवार मियान में रख ! अगर मैं चाहूँ तो बाप से फरिश्तों की फ़ौज मंगवा सकता हूँ ताकि वह मुझे बचा सके ,मगर मुझे बाप का हुक्म मानना है "-फिर यीशु ने उस आदमी का कान ठीक कर दिया - फिर तमाम शागिर्द भाग गए -

जैसे ही सिपाहियों ने येसु को गिरफ़्तार किया

मतलब यह कि "जब सिपाही येसु को गिरफ़्तार कर रहे थे "-

अपनी तलवार खींची

मतलब यह कि "उसने अपनी तलवार मियान से खींची -

मुझे अपने बाप का हुक्म बजा लाना है

मतलब यह कि "मैं वैसा नहीं करूंगा क्यूंकि मुझे अपने बाप की मर्ज़ी पूरी करना है और ख़ुद को गिरफ़्तार होने देना है"

बाइबिल कि एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तजुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- सरदार काहिन
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- फ़रिश्ता, फ़रिश्तों,ख़ास ,फ़रिश्ते

- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- शागिर्द, शागिर्दों

मत्ती 26 :14 -56 ;मरकुस 14 : 10 -50 ; लूका 22 :1-53 ;युहन्ना 12 ;6 ;१८ 1-11 तक बाइबिल की एक कहानी

39 .यीशु का मुक़द्दमा किया जाना

39:01

अब आधी रात का वक़्त था - सिपाही यीशु को सरदार काहिन के घर ले गए क्यूंकि वह यीशु से सवाल करना चाहता था - पतरस उन के बहुत पीछे पीछे चल रहा था जब सिपाही यीशु को घर के अन्दर ले गए तो पतरस बाहर खड़े होकर खुद से आग तापने लगा -

आधी रात को

इस इज़हार के मायने हैं “आधी रात के मौक़े पर” या “बहुत देर रात को”

उससे सवाल करने के लिए

मतलब है “येसु से सवालात पूछने के लिए इस कोशिश में कि कुछ उगलवा लें ताकि उसपर किसी बुरे काम का इलज़ाम लगा सकें”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सरदार काहिन
- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा

39:02

घर के अन्दर यहूदी रहनुमा यीशु की अदालती तहकीकात करने लगे ,उन्होंने बहुत से **झूठे गवाह खड़े किये** जो उस की बाबत झूट बोलते थे - मगर किसी तरह उन के बयानात एक दुसरे से मुततफ़िक़ नहीं थे - इसलिए यहूदी रहनुमा साबित न कर सके कि यीशु मुजरिम है - यीशु चुप चाप रहा -

येसु पर मुक़द्दमा दायर किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे एक सभा की ताकि येसु पर कोई न कोई बुरे काम का इलज़ाम लगा सकें" आम तौर पर एक मुक़द्दमा यह देखने के लिए लगाया जाता है कि कौन शख्स बे गुनाह या क़ानून का मुजरिम है - इस मुआमले में मज़हबी रहनुमा येसु को मुजरिम बतौर देखना चाहते थे -

झूठे गवाह खड़े किये

मतलब यह कि "उसकी बाबत झूट बोला गया" या "कुछ ग़लत काम किये जाने का झूठा इलज़ाम लगाया गया"

उनके बयानात आपस में मुत्तफ़िक़ नहीं थे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे जो बयानात येसु की बाबत दिए गए थे वह एक दूसरे से बिलकुल फ़र्क़ थे -

वह अगर किसी बात का मुजरिम था

तो यह था कि उसने कुछ भी ग़लत नहीं किया था

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/witness]]
- जुर्म , मुजरिम

39:03

Yiआखिरकार सरदार काहिन ने यीशु को बराहे रास्त देखा और कहा “क्या तू ज़िन्दा खुदा का बेटा मसीहा है “?

आख़िरकार

मतलब यह कि “जब उन्होंने उसके ख़िलाफ़ कोई सबूत नहीं पाये तो” या “जब वह उसको मुजरिम साबित न कर सके तो”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सरदार काहिन
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मसीह ,मसीहा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

39:04

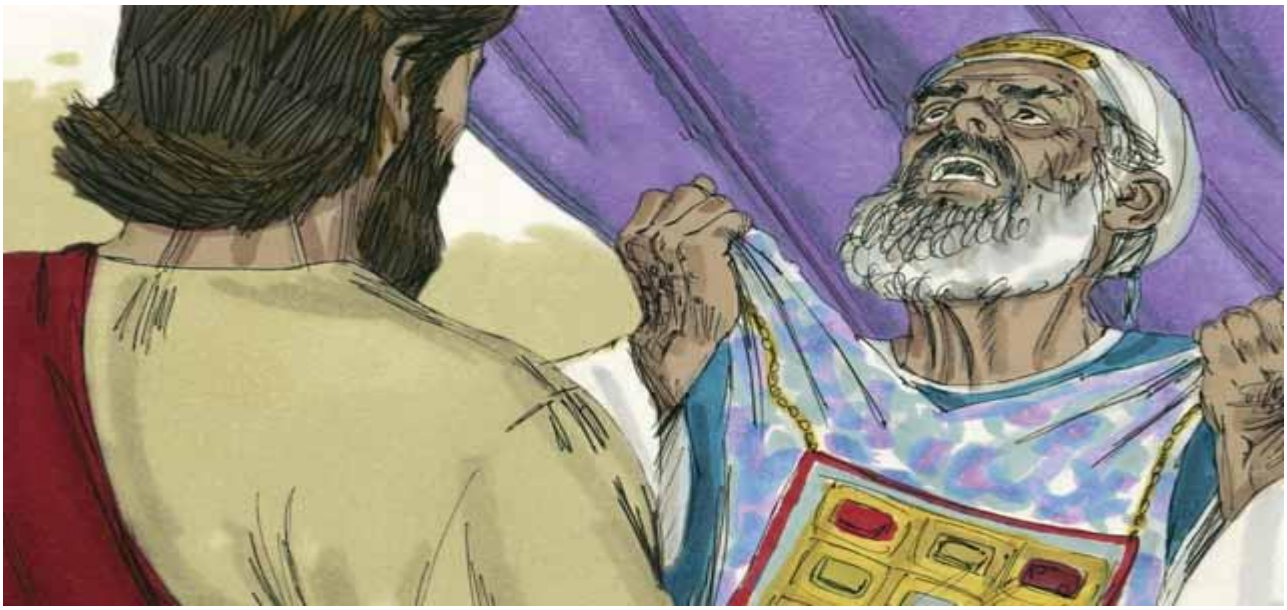

यीशु ने कहा ,"**मैं हूँ** ,और इस के बाद तुम मुझे कादिर -ए- मुतलक़ के दाहिने तख़्त निशीं होते हुए और आसमांन के बादलों पर आते हुए देखोगे "इस पर सरदार काहिन ने अपने कपड़े फाड़े क्यूंकि वह यीशु की इस बात पर बहुत गुस्सा हुआ -

मैं हूँ

मतलब यह कि "जिसतरह तुम ने कहा मैं हूँ" या "मैं मसीहा और ख़ुदा का बेटा हूँ" "मैं हूँ" यह ख़ुदा का भी नाम है देखें 09:14 - सादगी से "मैं हूँ " कहने से येसु यह भी कह रहा है कि वह ख़ुदा है -हो सके तो इसे इसतरह तर्जुमा करें जिस से लोग येसु के जवाब और ख़ुदा के नाम के बीच एक मुशाब्हत को देखें -

ख़ुदा के तख़्त पर बैठा हुआ

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "ख़ुदा के साथ हुकूमत करते हुए" क्यूंकि ख़ुदा सब पर हाकिम है -लोग उसकी बाबत बात करते हैं जैसे कि वह आसमानी तख़्त पर बैठा है -ऐसा कहते हुए वह सचमुच ख़ुदा के साथ तख़्त निशींन होगा -येसु ने दावा किया कि वह ख़ुदा बाप के साथ हुकूमत का इख़्तियार रखता है

ख़ुदा के साथ तख़्त निशींन होगा और आसमान से आएगा

इसको इसतरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "ख़ुदा के नज़दीक बैठना और आसमान से आना"-

ग़ुस्से में अपने कपड़े फाड़े

यहूदी अपना ग़म या ग़ुस्सा ज़ाहिर करने के लिए अपने कपड़े फाड़ते हैं - अगर कपड़े फाड़ने का मतलब आप की ज़बान में कुछ है तो आप एक मुहावरे को इस के साथ जोड़ सकते हैं जैसे "वह बहुत ज़ियादा ग़ुस्से में था"

तुम्हारी अदालती तजवीज़ क्या है ?

मतलब यह कि ,"तुम्हारा क्या फ़ैसला है"? हमें बताओ कि आप ने क्या फ़ैसला किया है : वह बे गुनाह है या गुनाहगार"? सरदार काहिन मज़हबी रहनुमाओं से तवक़्क़ो रखता था कि वह येसु की इस बात पर मलामत करें कि उसने ख़ुद को ख़ुदा के बराबर होने का दआवा किया था-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- सरदार काहिन
- यहूदियों, यहूदी
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/witness]]
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला

39:05

तमाम यहूदी रहनुमाओं ने जवाब में कहा “वह मौत की सज़ा के लायक़ है “फिर उन्हों ने यीशु की आँखों पर पट्टी बांधा , उसपर थूका , उसके मुक्के मारे और उसका मज़ाक़ उड़ाया -

उन्होंने येसु कि आँखों पर पट्टी बाँधी

मतलब यह कि “उन्होंने येसु की आँखों को ढँक दिया ताकि वह न देख सके”

उस पर थूका

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उसको ज़लील करने के लिए उसपर थूका” – या “ उसपर थूका यह जताने के लिये कि वह नाक़िस या निकम्मा था “यहूदियों में यह किसी को रुसवा करने का एक तरीक़ा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- सरदार काहिन
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, हँसी उड़ाने, इल्ज़ाम लगाते, मज़ाक़ करने लगे, नफ़रत करते, ठट्ठे में उड़ाया

39:06

पतरस जब घर के बाहर इंतज़ार कर रहा था तो एक लौंडी ने उसे देख कर कहा तू भी तो यीशु के साथ था , मगर पतरस ने साफ़ इंकार कर दिया , उसके बाद एक दूसरी लड़की ने भी यही बात कही ,पतरस दोबारा से मुकर गया – आखिरकार कुछ लोगों ने कहा “हम जानते हैं कि तुम यीशु के साथ थे क्यूंकि तुम दोनों गलील के हो “

इसका इनकार किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “कहा कि यह सच नहीं था” या “कहा कि वह येसु के साथ नहीं था” या “कहा कि ‘नहीं - यह सच नहीं है’”-

पतरस ने इसका इंकार किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा जा सकता था जैसे “पतरस येसु को जानते हुए भी दूसरी बार इंकार किया” या “फिर से पतरस ने कहा कि वह येसु के साथ नहीं था”-

दोनों गलील से हो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “दोनों गलीली हैं” लोग कह सकते थे कि येसु और पतरस कि बातों से कहा जा सकता है कि वह गलील के इलाक़े से आए हैं “

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- गलील, गलीली, गलीलियों

39:07

फिर पतरस ने कहा ,"अगर मैं इस शख्स को जानता तो खुदा मुझे लानत भेजे "जैसे ही पतरस ने क़सम खाई मुर्ग़ ने बांग दी , यीशु ने पतरस की तरफ़ मुड़ कर देखा

क़सम खाया

मतलब यह कि "ख़ास ज़ोर देकर कहा" या " बड़ी मज़बूती से कहा"-

अगर मैं इस शख़्स को जानूं तो ख़ुदा मुझे लानत दे

यह एक लानत है जिसके मायने हैं "तुम ने जो मुझ से कहा अगर वह सच है तो ख़ुदा मेरे नुक़्सान का सबब बने "या अगर मैं झूट बोलूं तो ख़ुदा मुझे सज़ा दे !" या इस तरह से पतरस मज़बूती से कह रहा था कि वह येसु को नहीं जानता -यह भी कि उसने येसु को "यह शख़्स"का हवाला दिया ताकि ऐसा लगे कि वह उसको सचमुच में नहीं जानता -

एक मुर्ग़ ने बांग दी

"बांग देना" एक ऊँची आवाज़ होती है जो मुर्ग़ अपने मुंह से निकालता है - मुवाज़िना करें कि आप ने इसे 38:09 में किस तरह तर्जुमा किया है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- ख़ुदावन्द
- ला'नत , ला'नती , ला'नत दे, कोसता है
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

39:08

पतरस को जब यीशु की बात याद आई तो वह बाहर जाकर **ज़ार ज़ार रोया** - उसी वक़्त यहूदा जिसने यीशु को पकड़वाया था देखा कि यहूदी रहनुमाओंने ने यीशु को मुजरिम क़रार दिया है तो उसे बहुत अफ़सोस हुआ और खुद को हालाक करने चला गया -

ज़ार ज़ार रोया

मतलब यह कि “गहराई से ग़म का एहसास करते हुए रोया” या “गहराई से पछतावे का एहसास करते हुए रोया”

धोका देने वाला

मतलब है “जिसने येसु को धोका दिया” या जिस ने येसु की गिरफ़्तारी में रहनुमाओं की मदद की”

मरने के लिए मुजरिम क़रार दिया

मतलब है “कहा था कि येसु मुजरिम था और उसको मरना ज़रूरी था”

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- यहूदा इस्करियोती
- धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले
- यहूदियों, यहूदी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

39:09

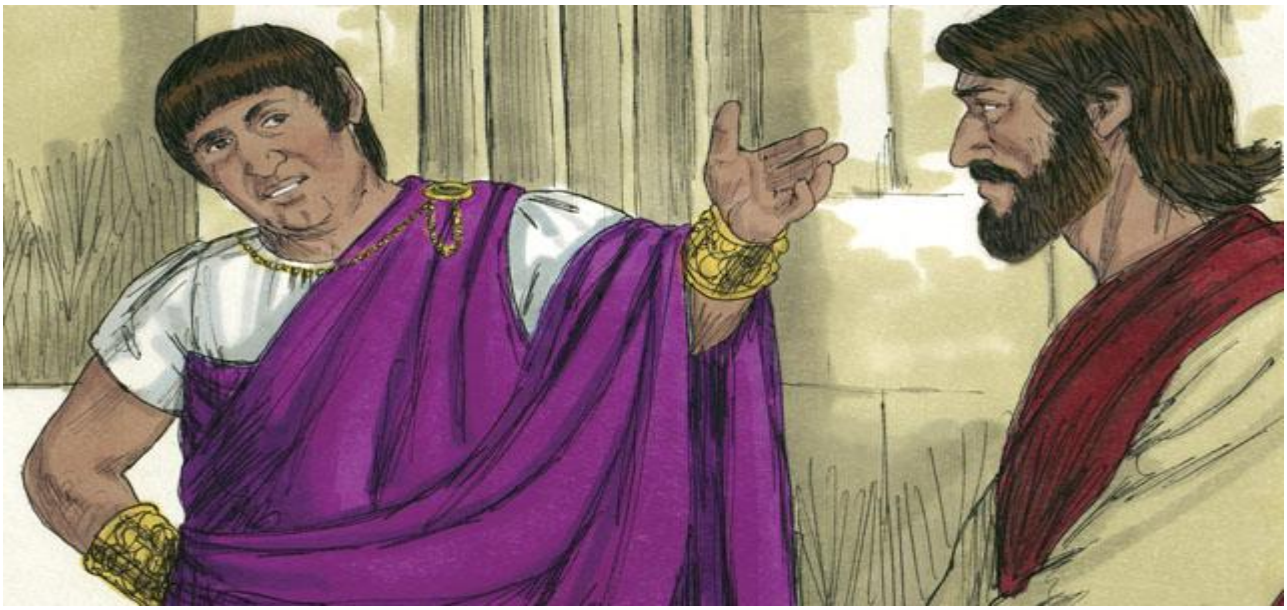

उस वक़्त मुल्क का हाकिम पिलातुस था – उसने रोम के लिए काम किया था -यहूदी रहनुमा यीशु को उसके पास ले आए – वह चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मुजरिम करार दे और उसे हलाक करे - फिर पिलातुस ने यीशु से पूछा ,"क्या तू यहूदियों का बादशाह है ?"

रोमी गवर्नर

यह है "रोमी सरकार का हाकिम" रोमी सरकार ने पिलातुस को मुक़र्रर किया कि इस्राईल में यहूदिया पर हुकूमत करे -

हलाक किये जाने का फ़ैसला किया

गवर्नर होने के नाते पिलातुस को यह इख़्तियार था कि या तो येसु को मौत की सज़ा सुनाए और उसको सलीब देने की मंज़ूरी दे या फिर उसको आज़ाद करदे यहूदी मज़हबी रहनुमाओं को इख़्तियार नहीं था कि किसी को हलाक करें -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- पिलातुस
- रोम, रोमी
- याहूदियों का बादशाह, यहूदियों का बादशाह

39:10

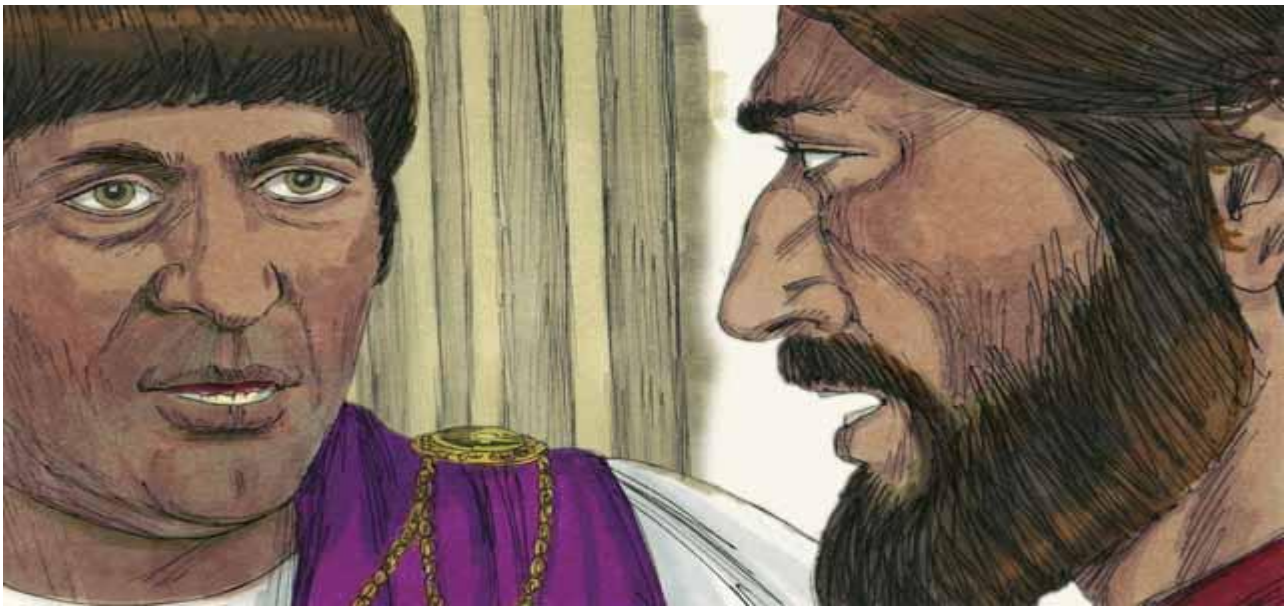

यीशु ने जवाब दिया ,"तूने सच कहा है "मगर मेरी बादशाही इस ज़मीन की नहीं है ,अगर ऐसा होता तो मेरे ख़ादिम मेरे हक़ में लड़ते - मैं दुनया में खुदा की बाबत सचाई की मनादी करने आया हूँ - हर कोई जो सच्चाई से प्यार करता है वह सुनता है –" पिलातुस ने कहा सचाई क्या है ?"

तुम ने कहा था

मतलब यह कि "तुम ने सहीह कहा"

मेरी बादशाही ज़मीनी बादशाही नहीं है

मतलब यह कि "मेरी बाद्शाही वैसी नहीं है जैसे ज़मीन की होती है"

मेरे शागिर्द मेरे लिए लड़ते

मतलब यह कि "मेरे शागिर्द मेरी हिफ़ाज़त के लिए लड़ते" जिस से कि मैं अपनी बादशाही क़ाइम करता"-

मेरी सुनो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "जो मेरी तालीम को सुनता और मेरा हुक्म बजा लाता है" यह सिर्फ़ येसु के कलाम को ही ज़ाहिर नहीं करता बल्कि इस पर भी कि जो वह कहता है उस पर अमल भी किया जाए -

सच्चाई क्या है ?

मतलब यह कि "क्या कोई जान सकता है कि सच्चाई क्या है ?"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही
- बादशाही, बादशाहियाँ
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त
- ख़ुदावन्द
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- पिलातुस

39:11

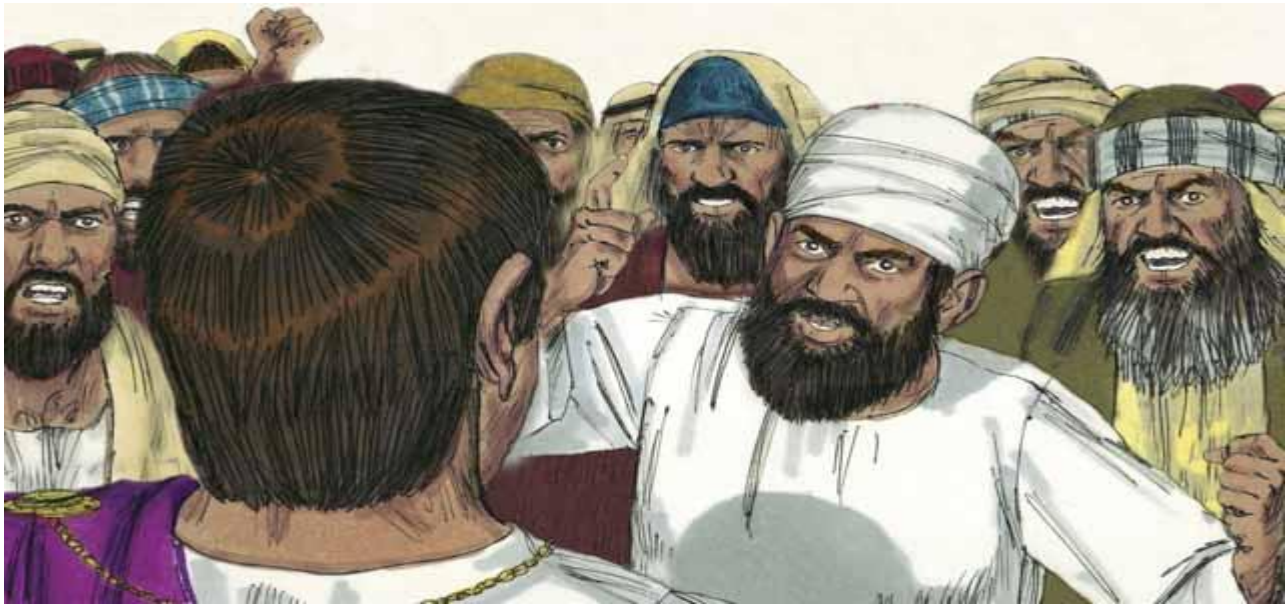

यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ के सामने जाकर कहा ,"मैं इस शख्स में कोई जुर्म नहीं पाता कि वह मौत कि सज़ा के लायक़ ठहरे-"मगर यहूदी रहनुमा और भीड़ चिल्लाई कि "उसको सलीब दे"! पिलातुस ने जवाब दिया कि वह किसी भी बात का ख़ुसूरवार नहीं है" मगर वह और जोर से चिल्लाने लगे - फिर तीसरी बार पिलातुस ने कहा कि वह क़सूरवार नहीं है -

मैं इस शख़्स में कोई गुनाह नहीं पाता

मतलब यह कि "मैं नहीं पाता कि यह शख़्स ख़तावार है" या "मैं ने इस शख़्स को जांचा है और मैं नहीं देखता कि इस ने कोई बुरा काम किया है"-

वह ख़तावार नहीं है

मतलब यह कि "उसने कोई ग़लत काम नहीं किया है"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- पिलातुस
- जुर्म , मुजरिम
- यहूदियों, यहूदी
- सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया

39:12

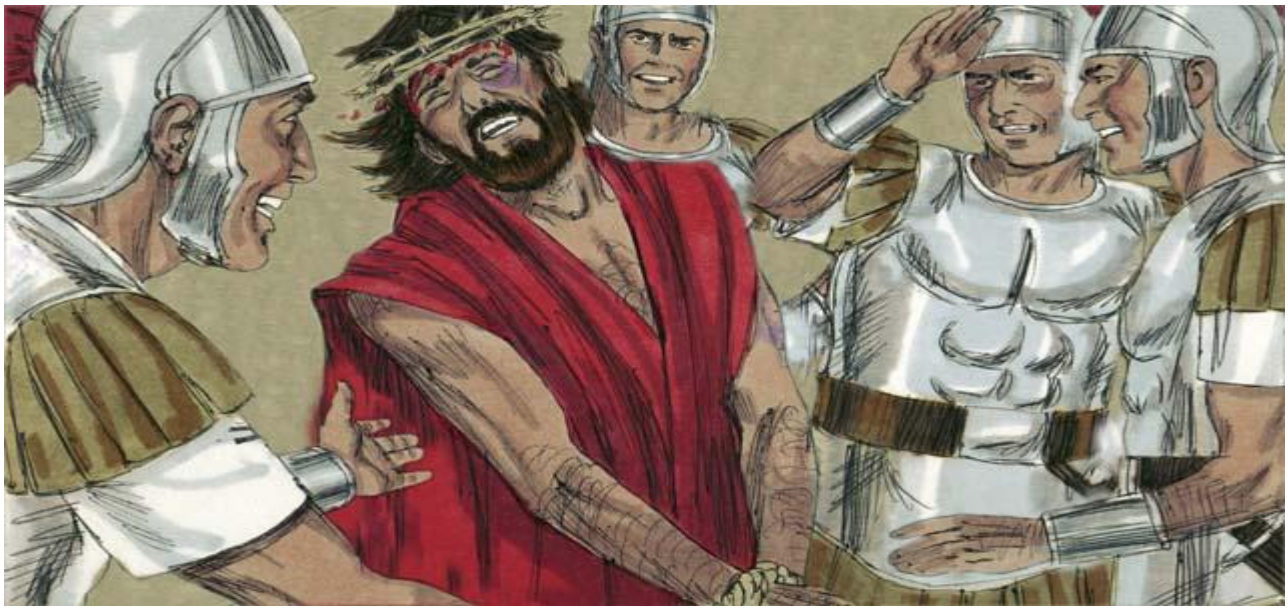

पिलातुस को डर था कि भीड़ दंगे फ़साद में न उतर आए तब वह राज़ी हो गया कि उसके सिपाही यीशु को सलीब देंगे - रोमी सिपाहियों ने यीशु के कोड़े लगाए , किर्मज़ी चोग़ा पहनाया और काँटों का ताज बनाकर उस के सर पर रखा - फिर उनहोंने यह कहकर उसका मज़ाक़ उड़ाया ,"ऐ यहूदियों के बादशाह ,आदाब !"

हंगामा

मतलब यह कि "अपने ग़ुस्से में आकर दंगा फ़साद शुरू करना"-

उसने मान लिया कि

पिलातुस येसु को मारना नहीं चाहता था क्यूंकि उसको यक़ीन था कि येसु बे गुनाह था – मगर उसको मजबूरन सिपाहियों से कहना पड़ा कि येसु को सलीब दे क्यूंकि वह भीड़ से डरता था -अगर हो सके तो इस मुहावरे को इस बतौर तर्जुमा करें जिस से कि पिलातुस की नाख़ुशी ज़ाहिर हो -

एक शाही चोग़ा

मतलब यह कि एक बादशाह का लिबास –" यह चोग़ा एक चमकीले रंग का था ,वह ऐसा लगता था जैसे बादशाह पहनता हो -

काँटों का बना हुआ ताज

इस का मतलब है कि उन्हों ने काँटों की एक लम्बी शाख़ को इस तरह गोलाई में लपेटा कि वह ताज सा लगे - एक ताज वह ज़ेवर होता है जो एक बादशाह अपने इख़्तियार को जताने के लिए सर पर पहिनता है मगर येसु के सर का ताज नुकीला ,चुभने वाला और ख़तरनाक था -

देखो

मतलब यह कि "नज़र करो" या "यह है"

यहूदियों का बादशाह

जबकि सिपाही येसु का मज़ाक़ उड़ा रहे थे इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “यहूदियों के बादशाह” को आदाब -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पिलातुस
- सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- रोम, रोमी
- निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, हँसी उड़ाने, इल्ज़ाम लगाते, मज़ाक़ करने लगे, नफ़रत करते, ठट्ठे में उड़ाया
- याहूदियों का बादशाह, यहूदियों का बादशाह

मत्ती 26 :57 -27:26 ; मरकुस 14: 53 -15 :15 ;लूका 22 :54 -23 :25 ; युहन्ना 18 :12 -19 :16 तक बाइबिल की एक कहानी

40 . यीशु को सलीब दी गई

40:01

सिपाहियों के ज़रिये मज़ाक़ उड़ाए जाने बाद उसको सलीब देने की जगह पर ले जाया गया – उन्होंने उस सलीब को उठाकर ले जाने के लिए मजबूर किया जिस पर मस्लूब किया जाना था -

बाहर ले गए

मतलब यह कि “ज़बरदस्ती से उनके साथ बाहर ले गए” इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उसे बाहर लेकर गए”

सलीब देने के लिए

मतलब यह कि “उसको सलीब पर मारने के लिए”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, हँसी उड़ाने, इल्ज़ाम लगाते, मज़ाक़ करने लगे, नफ़रत करते, ठट्ठे में उड़ाया
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया
- सलीब

40:02

सिपाहियों ने यीशु को उस जगह पर ले आए जो "**खोपड़ी** की जगह" कहलाती थी और उसके हाथ और पांव सलीब पर ठोंक दिए - मगर यीशु ने कहा "ऐ बाप तू इन्हें मुआफ़ कर क्यूंकि यह नहीं जानते कि यह क्या करते हैं" उनहोंने सलीब के सिरे पर एक मक्तुबा भी लगाया जिस में लिखा था "यहूदियों का बादशाह"- इसे पिलातुस ने लिखने को कहा था -

खोपड़ी

येरूशलेम के नजदीक एक सफ़ेद पत्थरीले पहाड़ के ऊपर जो कि कुछ कुछ खोपड़ी का ऊपरी हिस्सा जैसा लगता था -

उन्हें मुआफ़ कर क्यूंकि वह नहीं जानते कि क्या करते हैं -

मतलब यह कि "वह जो कर रहे हैं उसके मक़सद को नहीं समझते ,इस लिए तू उन्हें मुआफ़ कर -सिपाहियों ने सोचा कि येसु एक मुजरिम था जो मरने का मुस्तहक़ था -और वह यह भी नहीं जानते थे कि येसू ख़ुदा का बेटा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सलीब
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया
- पिलातुस
- याहूदियों का बादशाह, यहूदियों का बादशाह

40:03

फिर सिपाहियों ने यीशु के कपड़ों पर क़ुरअ: डालकर उसके कपड़े बांट लिए जब वे यह कर चुके तो यह नबुवत पूरी हुई कि “वह मेरे कपड़े बांटते और उस पर कुरअ: डालते हैं –“

कपड़ों के लिए क़ुरआ डाला

मतलब यह कि येसु के “कपड़ों” को पाने के लिए एक खेल खेला गया – हम नहीं जानते कि यह उन्हों ने कैसे किया मगर कुछ तहज़ीबों में इसे इस तरह तर्जुना किया जा सकता था जैसे छोटे गोल चिकने पत्थरों को ज़मीन पर उछाला गया यह देखने के लिए कि येसु के कपड़े किस के नसीब में आते हैं या लकड़ियों को चुनना ताकि फ़ैसला करे कि येसु के कपड़े कौन लेगा”

उन्होंने एक नबुव्वत को पूरा किया जो कहा गया था

यानि कि उन्होंने वह किया जो नविश्तों में बहुत पहले पेशगोई की गई थी कि मसीहा के साथ क्या कुछ होगा” या “उन्होंने वह किया जो नबी ने बहुत पहले लिखा था”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- पूरा कर, पूरा हुआ
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

40:04

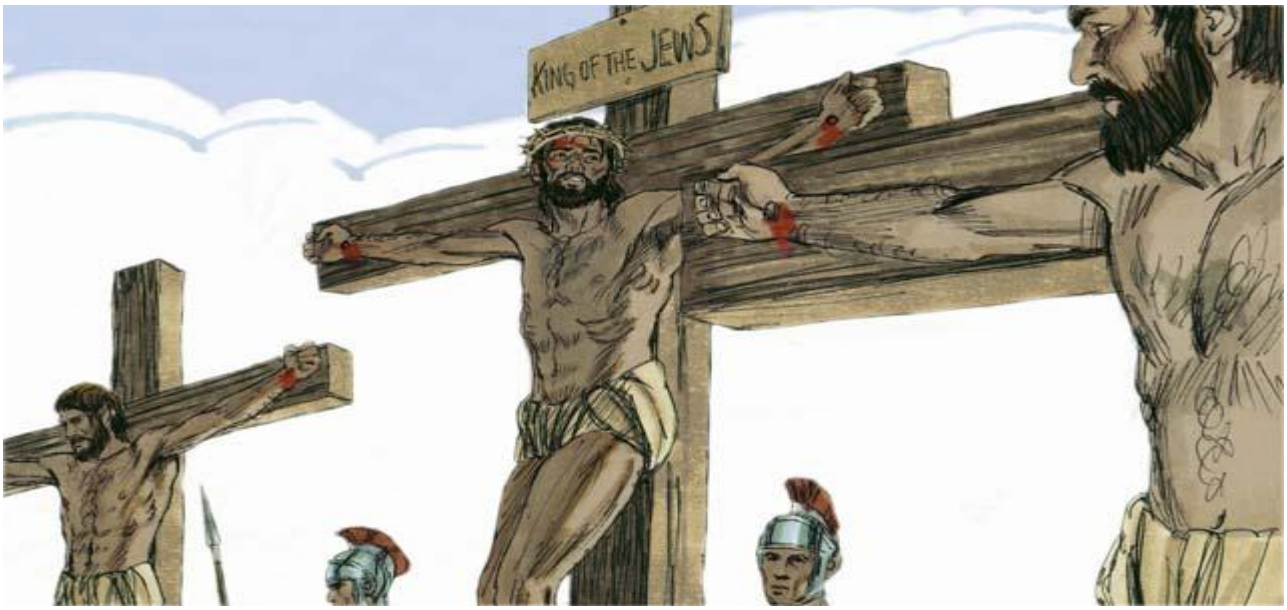

वहां पर दो और डाकू भी थे जो उसी वक़्त मस्लूब किये गए थे - उन्हें एक को दाएं और दुसरे को बाएँ तरफ़ मस्लूब किया था - उनमें से एक ने यीशु का मज़ाक़ उड़ाया मगर दुसरे ने उस से कहा "क्या तू खुदा से नहीं डरता कि वह तुझे सज़ा देगा ,हम तो अपने बुरे कामों की सज़ा भोग रहें हैं,मगर यह शख्स तो बे - गुनाह है "-और उस ने येशु से कहा ,"जब तू अपनी बादशाही में आए तो मुझे याद रखना",यीशु ने उस से कहा "तू आज ही मेरे साथ फ़ीरदोस में होगा –"

दो लुटेरे

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "दो डाकू"यह उन मुजरिमों की तरफ़ इशारा करता है जो जबरन चोरी डकैती करते थे -

क्या तू ख़ुदा से भी नहीं डरता ?

डाकू इस सवाल के लिए किसी जवाब की तवक़्क़ो नहीं रखता था ;बल्कि कुछ ज़बानों में अपने बयान को मज़बूत बनाने के लिए ऐसे सवाल किए जाते हैं अगर आप कि ज़बान में इस तरह के सवाल का इस्तेमाल नहीं हुआ है तो इस तरह तर्जुमा करें "तुमको ख़ुदा से डरना चाहिए"-

हम तो खतावार हैं मगर यह शख़्स बे गुनाह है

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "मैंने और तुमने तो बुरे काम किये हैं और मौत के मुस्तहक़ हैं मगर यह शख़्स येसु ने कुछ भी नहीं किया जो मौत का मुस्तहक़ हो"- यहाँ हम शामिल करते हैं दोनों डाकुओं को मगर येसु को शामिल नहीं करते -

यह शख़्स

यह मुहावरा येसु कि तरफ़ इशारा करता है -

मेहरबानी से मुझे याद रखना

मतलब यह कि "मेहरबानी से मुझे क़बूल कर" या "मेहरबानी से मेरा ख़ैर मक़दम कर" या "मेहरबानी से मुझे अपने साथ रहने दे –"याद रखना" यहाँ यह मतलब नहीं कि भूलने के बाद कुछ याद दिलाना -कुछ इस तरह से तर्जुमा करें जो एक हलीमी की दरख़वास्त की इत्तला' दे-

तेरी बादशाही में

मतलब यह कि “जब तेरी बादशाही क़ाइम हो” या जब तू बादशाह की तरह हुकूमत करने लगे”

फ़िरदौस

यह ”जन्नत” के लिए दूसरा नाम है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया
- निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, हँसी उड़ाने, इल्ज़ाम लगाते, मज़ाक़ करने लगे, नफ़रत करते, ठट्ठे में उड़ाया
- ख़ुदावन्द
- जुर्म , मुजरिम
- बेक़ुसूर
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

40:05

यहूदियों के रहनुमा और भीड़ के दीगर लोगों ने यीशु का मज़ाक़ उड़ाया , उन्हों ने उस से कहा ,"अगर तू खुदा का बेटा है तो सलीब से नीचे आकर दिखा और अपने आप को बचा ! तब हम तुझ पर एत्काद करेंगे -

तुझपर एत्क़ाद करता हूँ

मतलब यह कि "तुझ पर ईमान लाता हूँ" या "ईमान लाता हूँ कि तू मसीहा है"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, हँसी उड़ाने, इल्ज़ाम लगाते, मज़ाक़ करने लगे, नफ़रत करते, ठट्ठे में उड़ाया
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- सलीब
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

40:06

फिर उस पूरे इलाक़े में मुकम्मल तोर से अंधेरा छा गया जबकि वह दिन दोपहर का वक़्त था यानी दिन के 12 बजे से लेकर 3 बजे तक बिलकुल अंधेरा ही अंधेरा छाया रहा -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

40:07

तब यीशु ने सलीब पर से चिल्लाया "**पूरा हुआ** ,ऐ बाप मैं अपनी रूह **तेरे हाथों में** सोंपता हूँ " तब उस ने सर झुका कर अपनी जान दे दी - जब वह मरा तो बड़ा भोंचाल आया तब मंदिर का **बड़ा पर्दा** जो लोगों को खुदा की हुज़ूरी से दूर रखता था वह ऊपर से नीचे तक फट गया -

पूरा हुआ

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "यह मुकम्मल हुआ" या "मैं ने इस को पूरा किया" या "मैं ने काम को मुकम्मल किया" इस के मायने यह हैं कि येसु का नजात का काम पूरा हुआ था -

तेरे हाथों में

मतलब यह कि "तेरी हिफ़ाज़त में"

अपना सर झुका दिया

मतलब यह कि "अपना सर नीचे कर दिया"

अपनी रूह सौंप दी

मतलब यह कि "अपनी ख़ुदा को दे दिया" या अपना रूह ख़ुदा के लिए छोड़ दिया और मर गया "

बड़ा पर्दा

यह बहुत बड़ा मज़बूत बुना हुआ पर्दा मंदिर में लटका हुआ था -यह एक दीवार की मानिंद था जो एक कमरे को दुसरे कमरे से जुदा करता था इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा जस सकता था जैसे "बहुत मोटा पर्दा" या "बुना हुआ कपड़ा जो लटका हुआ था"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- रूह , रूहें , रूहानी
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- ख़ुदावन्द
- हैकल

40:08

उसकी मौत के वसीले से यीशु ने एक रस्ता खोला कि लोग ख़ुदा के पास आएं - जब एक मुहाफ़िज़ सिपाही जो इन सब बातों को वाक़े होते देख रहा था तो उसने कहा “सच मुच यह शख्स बे गुनाह था और ख़ुदा का बेटा था

उसकी मौत के ज़रिये से

मतलब यह कि “उसकी मौत के वसीले से” या “मरने के ज़रिये”

एक रास्ता खुल गया

यानि कि “यह मुमकिन हुआ”

ख़ुदा के पास आने का

मतलब है ,”ख़ुदा के नज़दीक आने का” या “ख़ुदा के नज़ दीक जाने का” या “ख़ुदा के पास पहुँचने का” या “शख़्सी तौर से ख़ुदा को जानना” परदे का फटना बता रहा था कि ख़ुदा और लोगों के बीच जो रुकावट थी उसे हटा दिया गया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- बेक़ुसूर
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

40:09

फिर दो यहूदियों के सरदार जिन का नाम **यूसुफ़** और निकोदिमुस था वह आए - उनका एतक़ाद था कि यीशु मसीहा था , उन्हों ने पिलातुस से यीशु की लाश मांगी -उन्हों ने उसके जिस्म को कपड़े में लपेटा और एक नई क़ब्र के अन्दर रखा और एक बड़ा पत्थर उसके मद्ख़ल पर रखा -

यूसुफ़

यह मरयम का शोहर नहीं था बल्कि यह दूसरा शख़्स था जिसका नाम यूसुफ़ था -

पिलातुस से येसु की लाश मांगी

मतलब यह कि येसु कि लाश को सलीब पर से उतारकर ले जाने के लिए पिलातुस की इजाज़त चाहिए थी -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मसीह ,मसीहा
- पिलातुस
- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

_मत्ती 27:27-61 ; मरकुस 15 : 16-47 ; लूका 23 :26 -56 ;युहन्ना 19 :17 –42 तक बाइबिल की एक कहानी _

41 . खुदा यीशु को मुरदों में से जिलाता है

41:01

सिपाही यीशु को सलीब देने के बाद यहूदी रहनुमाओं ने पिलातुस से कहा “उस झूठे यीशु ने कहा था कि वह तिन दिन बाद जी उठेगा - सो किसी न किसी को क़ब्र की रखवाली करनी पड़ेगी ताकि उस के शागिर्द उसकी लाश को चुरा कर न ले जाएं - अगर वह ऐसा करते हैं तो वह कहेंगे कि यीशु मुरदों में से जी उठा है -

एत्क़ाद न करने वाले यहूदी रहनुमा

मतलब यह कि “वह यहूदी रहनुमा जो येसु पर ईमान नहीं लाये थे”

उस झूटे येसु ने कहा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उस शख़्स येसु ने झूट बोला और कहा था ,ख़ुदा का बेटा होने की बाबत येसु ने जो सच बात कही थी उन्हों ने उसका इनकार किया -

मुर्दों में से जी उठेगा

मतलब यह कि “ज़िन्दगी में वापस लौटना” या “फिर से ज़िन्दा होना” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यहूदियों, यहूदी
- पिलातुस
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

- शागिर्द, शागिर्दों

41:02

पिलातुस ने कहा ,"क़ब्र की रखवाली के लिए जितने सिपाही चाहो ले जाओ " सो वे सिपाही ले गये और क़ब्र के मुंह पर जो पत्थर था उस पर रोमी सरकार की मोहर लगादी - उन्होंने सिपाहियों का भी पहरा बिठाया ताकि लाश को कोई चुरा कर न लेजा सके -

उन्होंने रखा

मतलब यह कि "मज़हबी रहनुमाओं ने सिपाही मुक़र्रर किये -

क़ब्र के पत्थर पर मुहर

उन्हों ने पत्थर के बीच में नर्म चीज़ जैसे चिकनी मिटटी या मोम डाला और उसको एक सरकारी मोहर के साथ निशानी लगाई -अगर कोई पत्थर को हटाए तो वह नर्म चीज़ टूट जाती जिससे मालूम पड़ जाता कि कोई क़ब्र के अन्दर दाख़िल हुआ था -इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "पत्थर पर एक निशान लोगों को उसे खिसकाने से रोकने के लिए -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पिलातुस
- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

41:03

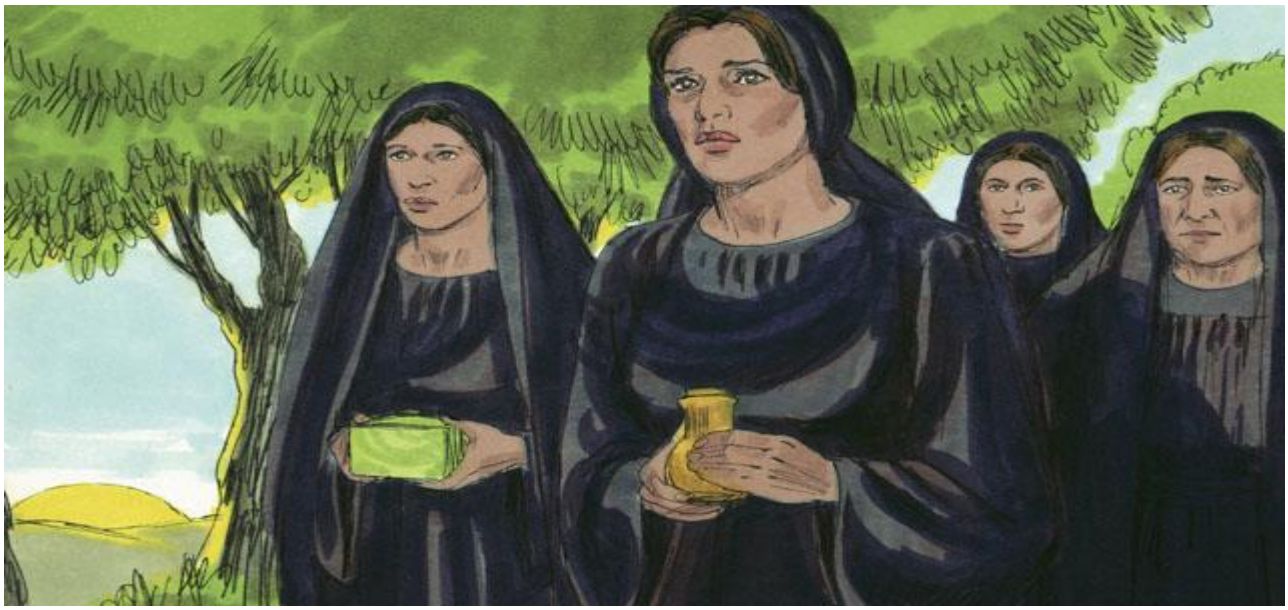

यीशु के मरने के दुसरे दिन सबत का दिन था - सबत के दिन कोई भी काम नहीं कर सकता था - सो यीशु के दोस्तों में से कोई भी उसकी क़ब्र पर नहीं गया , मगर सबत के दुसरे दिन , सुबह सवेरे कुछ औरतें यीशु की क़ब्र पर जाने के लिए तय्यार हुईं - वह उसके जिस्म पर और ज़ियादा खुशबूदार मसाले डालना चाहती थीं -

यहूदियों को इजाज़त नहीं थी

सबत के दिन का क़ानून एक यहूदी को इजाज़त नहीं देता कि किसी भी तरह का काम करने के लिए ज़ियादा दूर पैदल जाए -

दफ़नाए जाने के खुशबूदार मसाले

यह इशारा करता है उन खुशबूदार मसालों को जो एक मुर्दा जिस्म पर लगाये जाते थे ताकि बदबू दूर हो जाए -इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “ख़ुशबूदार मसाले” या “ख़ुशबूदार तेल” या “खुशबूदार पौदे” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सबत
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

41:04

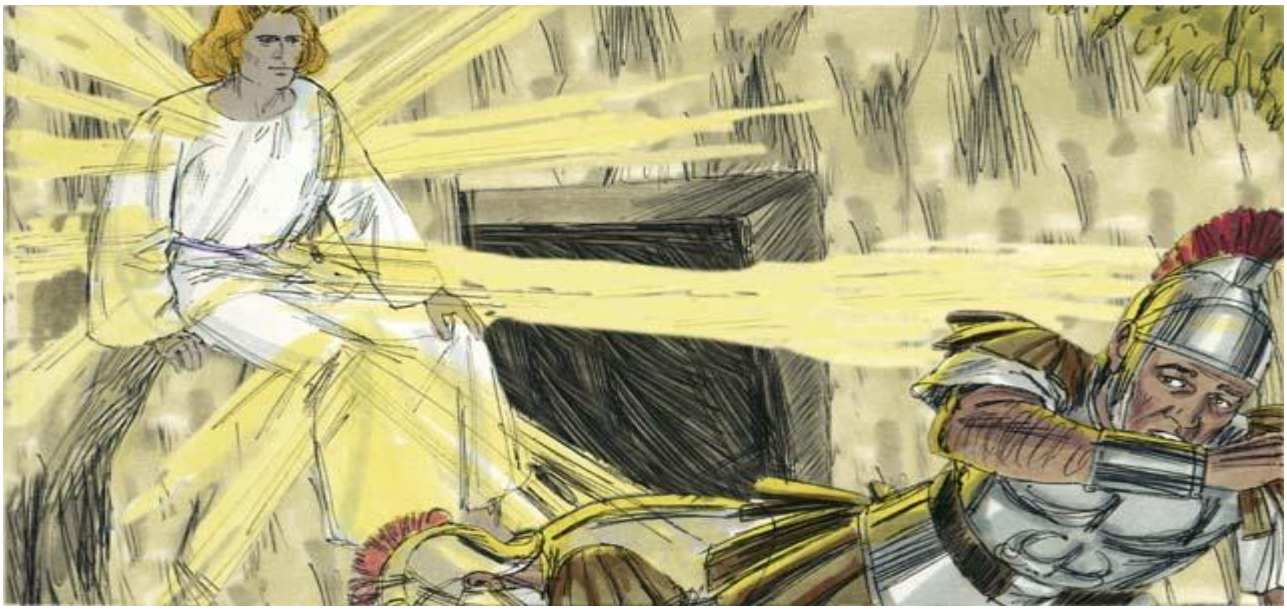

औरतों के पहुँचने से पहले क़ब्र पर एक भोंचाल आया था - एक फ़रिश्ता आसमांन से आया और क़ब्र के मुंह पर जो पत्थर था उस को लुढ़का कर उस पर बैठ गया था -यह फ़रिश्ता बिजली की तरह चमकीला था - सिपाहियों ने उसे देखा भी था वह उस से ऐसे दहशत खाए थे कि वह मुर्दा से ज़मीन पर गिर पड़े थे -

बड़ा ज़लज़ला

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "दहशतनाक भोंचाल" या "ज़ोरदार ज़मीन का लरज़ जाना" कुछ ज़बानें इसको इस तरह पेश करने को तरजीह दे सकती हैं जैसे ज़मीन दहशतनाक तरीक़े से हिलने लगी -

वह बिजली की तरह चमक रहा था

मतलब यह कि "उसका ज़हूर बिजली की तरह चमकदार था-

मुर्दा आदमियों की तरह ज़मीन पर गिर पड़े

वह मुर्दा नहीं थे बल्कि वह हरकत नहीं कर सकते थे जिस तरह मुर्दा हरकत नहीं कर सकता - वह ग़ालिबन डर के मारे बेहोश हो गए थे -इसे साफ़ करने के लिए इसको इस तरह तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "अचानक ज़मीन पर गिर पड़े और हिल नहीं सकते थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

41:05

जब औरतें क़ब्र पर आईं तो फ़रिश्ते ने उन से कहा “डरो मत , यीशु यहाँ नहीं है ,वह मुरदों में से जी उठा है ,जैसा उसने पहले से ही कह दिया था कि वह जी उठेगा ! फ़रिश्ते के कहने के मुताबिक़ औरतों ने देखा कि यीशु की लाश क़ब्र पर नहीं थी -

डरो मत

मतलब है “खौफ़ खाना बंद करो” बिजली की तरह चमकने वाला फ़रिश्ता एक डरावना नज़ारा था -

वह मुर्दों में से जी उठा है

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था “वह वापस ज़िन्दा हो चुका है” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

41:06

फिर फ़रिश्ते ने औरतों से कहा ,"जाओ और शागिर्दों से कहदो कि यीशु मुरदों में से जी उठा है ,और **वह तुम से पहले गलील को जाएगा** "-

वह तुम से पहले गलील को जाएगा

मतलब यह कि "वह तुमको गलील में मिलेगा" या जब तुम वहां पहुंचोगे तब वह गलील में होगा" "तुम" यहां पर जमा का सेग़ा है , रसूलों को शामिल करते हुए और दुसरे शागिर्द -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- गलील, गलीली, गलीलियों

41:07

औरतें बहुत ज़ियादा ताज्जुब करने लगीं और बहत खुश हुईं - वह शागिर्दों को यह खुशख़बरी देने के लिए दौड़ पड़ीं -

ख़ौफ़ से भरपूर और बड़ी ख़ुशी के साथ

मतलब यह कि “ख़ौफ़ के जज़्बे का तजुर्बा करते हुए और ख़ुशी से भी”

ख़ुशख़बरी

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे कि “ख़ुशख़बरी कि येसु फिर से ज़िन्दा था” यह ख़ुशख़बरी इस सच्चाई की तरफ़ इशारा करती है कि येसु मुर्दों में से जी उठा था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत
- शागिर्द, शागिर्दों

41:08

जब औरतें शागिर्दों को खुशखबरी देने के लिए जा रहीं थीं तो रास्ते में यीशु उन पर ज़ाहिर हुआ तब वे उस के क़दमों पर गिर कर उसे सिजदा करने लगीं ,यीशु ने उन्से कहा, मत डरो ,"जाओ और मेरे शागिर्दों से कहो कि वह गालील को जाएं ,वहां वह मुझे देखेंगे –"

मुझे देखोगे

मतलब यह कि "मुझ से मुलाक़ात करोगे" या मुझसे मुलाक़ात कर सकते हो"

बाइबिल कि एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- 'इबादत
- गलील, गलीली, गलीलियों

_मत्ती 27:62 - 28 :15 ; मरकुस 16:1-11 ; लुका 24 :1-12 ; युहन्ना 20 :1-18 तक बाइबिल की एक कहानी _

42 . यीशु आसमान पर सऊद फ़रमाता है

42:01

जिस दिन खुदा ने यिशु को मुरदों में से जिलाया ,उस के शागिर्दों में से दो पास वाले शहर की तरफ़ जा रहे थे -जब वह जा रहे थे तो यिशु के साथ जो वाक़े हुआ था उस की बाबत बातें करते जा रहे थे - उनको उम्मीद थी कि वह मसीहा था , मगर फिर वह मारा गया -अब कुछ औरतों ने कहा कि वह ज़िन्दा हो गया -- वह नहीं जानते थ कि क्या एत्काद करें -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- शागिर्द, शागिर्दों
- मसीह ,मसीहा
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

42:02

यीशु उन के पास् पहुंचा और उन के साथ चलने लगा मगर वह उसे नहीं पहचानते थे - यीशु ने उनसे पूछा कि क्या बातें करते जाते हो - उनहोंने वह सारी बातें कहीं जो पिछले कुछ दिनों में हुआ था - उनहोंने सोचा कि वह एक बाहर के श्ख्स से बातें कर रहे हैं जो येरूशलेम में क्या कुछ हुआ उसे नहीं जानता था -

उसको नहीं पहचाना

मतलब है “नहीं जानती थी कि वह येसु था “

तमाम क़ाबिल -ए- ज़िक्र बातें जो वाक़े हुईं

यह येसु की तालीम और मोजिज़ों की तरफ़ , उसकी मौत और जी उठने की इतलाआत की तरफ़ इशारा करता है-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यरूशलीम

42:03

फिर यीशु ने उनको समझाया कि मसीहा के बारे में कलाम में क्या कहा गया है - बहुत पह्ले नाबियों ने कहा था कि शरीर और गुनाहगार लोगों की खातिर मसीहा दुःख उठाएगा और मरेगा ,मगर वह **तीसरे दिन** जी उठेगा -

तीसरे दिन

कुछ ज़बानें यह कहने को तरजीह देती हैं , “उसकी मौत के बाद तीसरे दिन”

जब तक़रीबन शाम हो चुकी थी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “दिन ख़त्म होने को था” या “सूरज ढलने को था” या “अँधेरा शुरू होने को था”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- मसीह ,मसीहा
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था

42:04

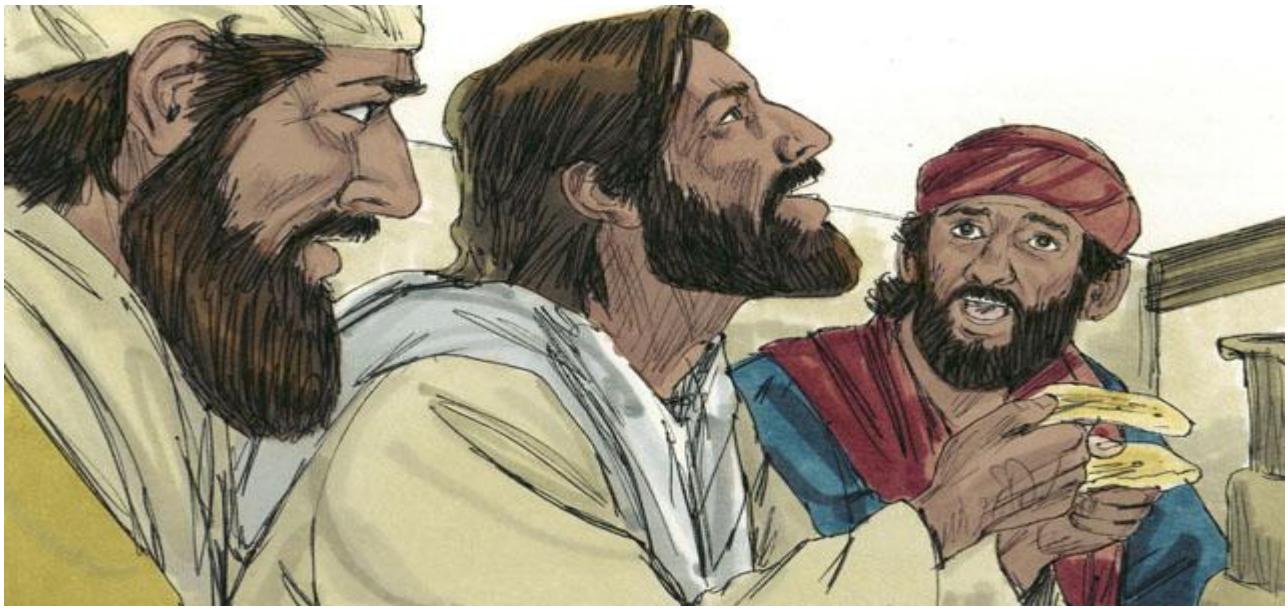

जब वह शहर में पहुंचे जहां यह दो लोग रुकना चाहते थे वह तकरीबन शाम का वक्त था - उन्हों ने यीशु को दावत दी कि उनके साथ रुके - सो वह उन के साथ एक घर में गया - वह शाम का खाना खाने बैठे - यीशु ने एक रोटी ली और शुक्र कर के उन्हें देने लगा - अचानक से उनहोंने पहचाना कि वह यीशु था - क्यूंकि उसी पल वह उनकी नजरों से ग़ायब होचुका था -

वह उनकी नज़रों से ग़ायब होगया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “वह चला गया” या “बाद में वह वहां पर नहीं था”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द

42:05

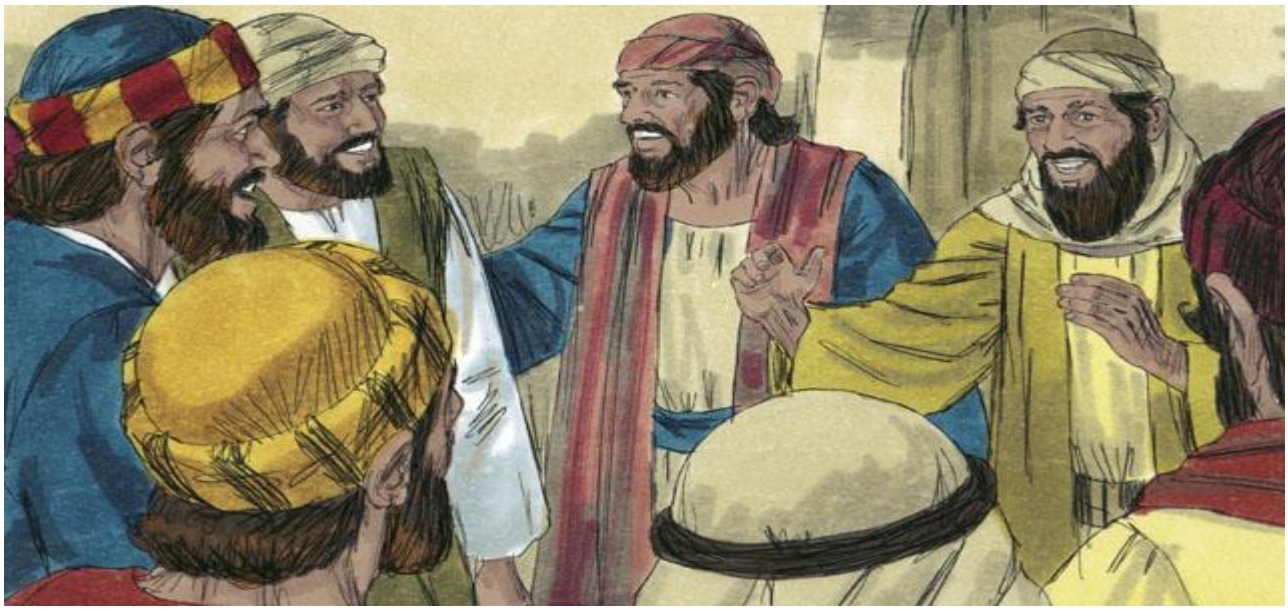

उन दोनों ने एक दुसरे से कहा “वह यीशु था ! जब वह राह में हम से बातें करता और कलाम से हमें समझाता थ तो क्या हम जोश से भर नहीं गए थे ? सो वह फ़ौरन येरूशलेम वापस गए और जाकर शागिर्दों को ख़बर दी कि यीशु ज़िन्दा है और हम ने उसे देखा है “!

हमारे दिल जल रहे थे

मतलब यह कि “हम बहुत जोशीले हो रहे थे” या हम उम्मीद करने लगे थे” या “हम ने ख़ुशी महसूस की”कुछ ज़बानों में इसे इज़हार करने का तरीक़ इस तरह है कि “हमारे दिल हिल गए थे” या हमारे दिल गरमा गए थे अगर आप दिल जलने के लिए कोई इज़हार इस्तेमाल करते हैं तो यह ध्यान रखें कि यह ज़ाहिर न हो कि वह रूठे हुए थे या ग़ुस्से में थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- यरूशलीम
- शागिर्द, शागिर्दों
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

42:06

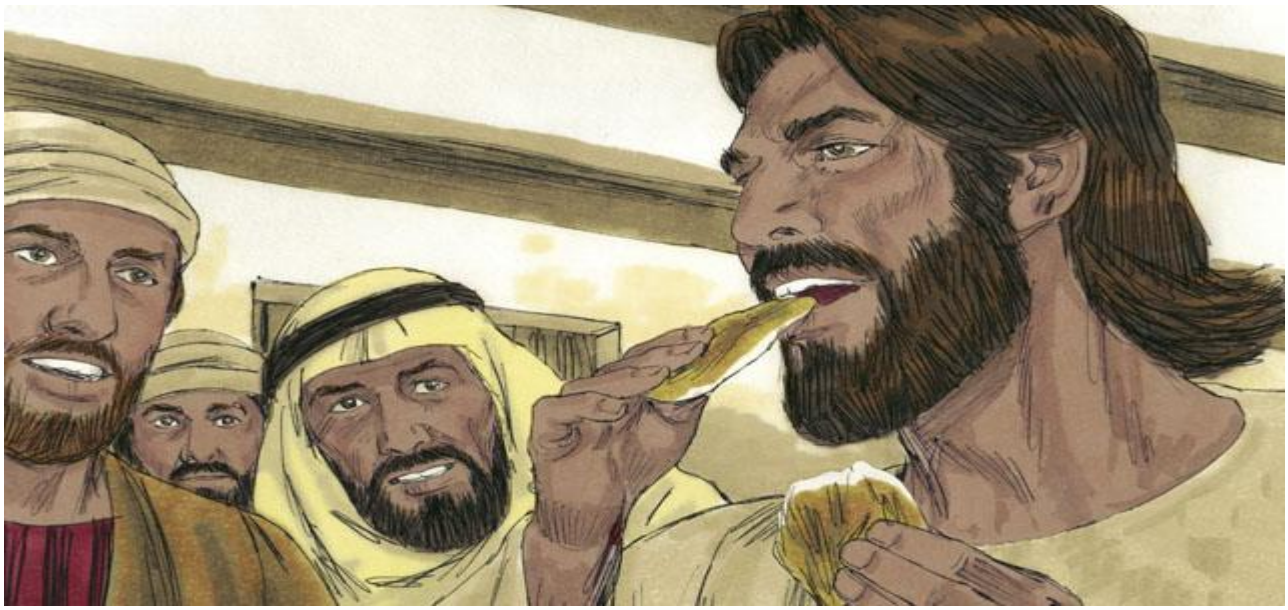

जब शागिर्द कमरे में बैठे आपस में बातें कर रहे थे तो अचानक यीशु उन के बीच में ज़ाहिर हुआ -उस ने कहा " **तुम पर सलामती हो** " - शागिर्दों ने सोचा कि वह **भूत** है - मगर यीशु ने कहा कि तुम क्यूँ डरते हो ? मेरे हाथ और पांव को देखो - भूत का कोइ जिस्म नहीं होता - यह् बताने के लिए कि वह कोई भूत नहीं है उसने खाने को कुछ माँगा - उन्होंने उस्को एक मछली का टुकड़ा दिया और उसने उसे खाया -

तुम पर सलामती हो

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "तुम्हारे पास सलामती हो" या "सलामती पर बने रहो"

भूत

यह मरे हुए शख़्स के रूह की तरफ़ इशारा करता है -

शक करना

मतलब यह कि "यह शक करना कि मैं ज़िन्दा हूँ और यहाँ तुम्हारे साथ हूँ"-

साबित करने के लिए

मतलब यह कि "उनके मुज़ाहिरे के लिए"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले

42:07

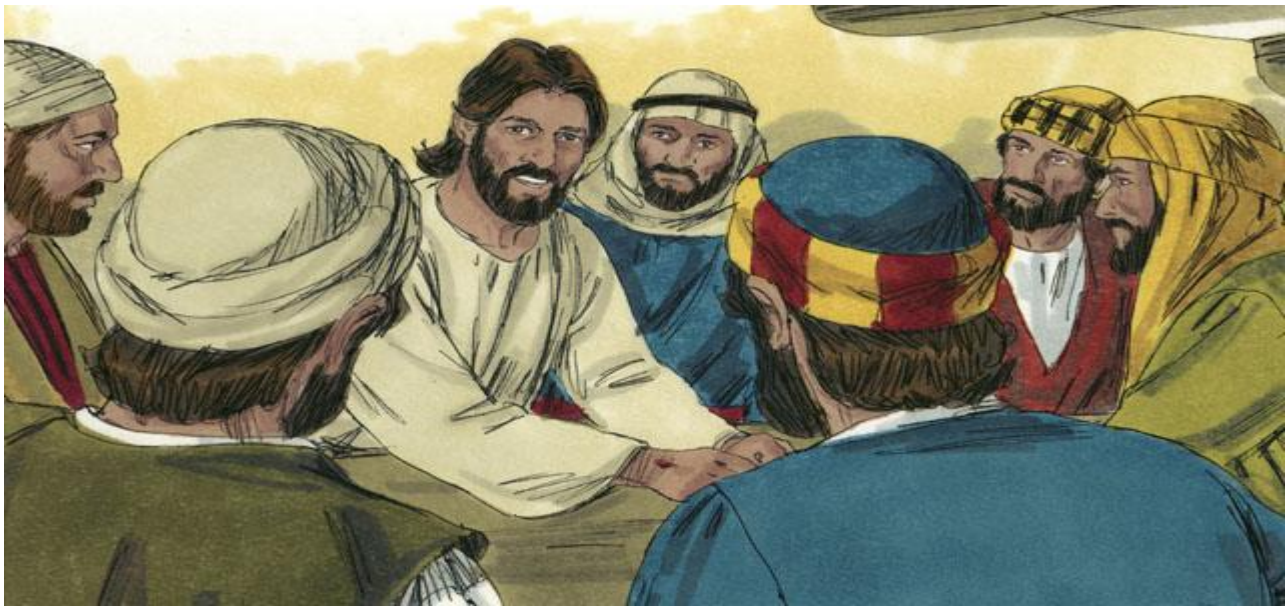

यीशु ने उनसे कहा जो कुछ खुदा के कलाम में मेरी बाबत लिखा है वह पूरी होंगी मैं ने तुमसे कहा था कि उन का पूरा होना ज़रूरी है - फिर यीशु ने खुदा के कलाम को बेहतर तरीके से समझाया - अरसा पहले नबियों ने लिखा कि मसीहा दुःख उठाएगा , मरेगा और फिर **तीसरे दिन** मुरदों में से जी उठेगा -

पूरा होना ज़रूरी था

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकत है “वाक़े होना ज़रूरी है”

उनके ज़ेहनों को खोला ताकि वह समझ सकें -

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उन्हें समझने लायक़ बनाया” या “उनके इदराक के काबिल बनाया”

तीसरे दिन

मतलब है “तीन दिन के बाद” या “तीन दिन हो जाने पर” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- पूरा कर, पूरा हुआ
- मसीह ,मसीहा
- दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था

42:08

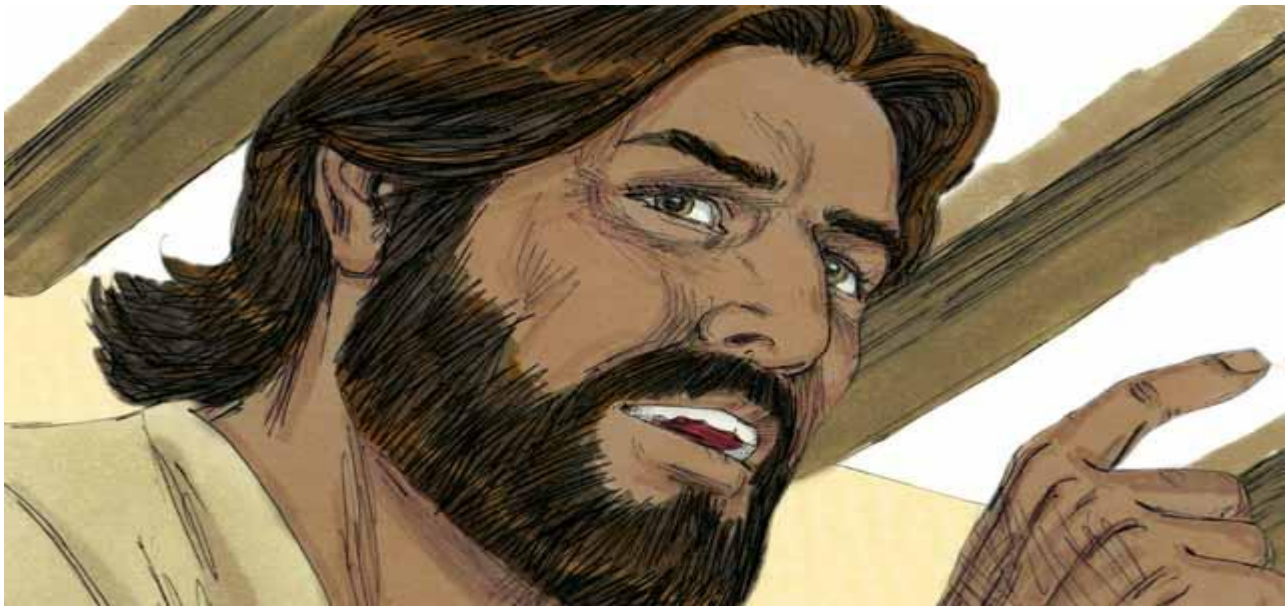

नबियों ने यह भी लिखा कि मेरे शागिर्द खुदा के पैग़ाम की **मनादी** करेंगे - वह हर एक से कहेंगे कि तौबा करो -अगर वह करते हैं तो खुदा उन के गुनाहों को मुआफ करेगा - मेरे शागिर्द इस मनादी को येरूशलेम से शुरू करेंगे फिर वह दुनया के हर एक कबीले में हर जगह जाएंगे जो कुछ मैं ने कहा और किया उन सबके तुम गवाह हों और जो कुछ मुझ पर वाके हुए -

मनादी

मतलब है “ऐलान” या “मुनादी”

इस को वह यरुशलेम से शुरू करेंगे

मतलब यह कि “वह इसे येरूशलेम से पहल करेंगे” या “येरूशलेम में वह इन बातों की मनादी करना शुरू करेंगे”

तुम लोग इन बातों के गवाह हो

मतलब यह कि “तुमने इन बातों को वाक़े होते हुए देखा है” या तुम दूसरों से कहोगे कि तुम ने इन बातों को होते हुए देखा है”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- शागिर्द, शागिर्दों
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला
- मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- यरूशलीम
- क़ौम, लोगों, लोग, एक ‘अवाम
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/witness]]

42:09

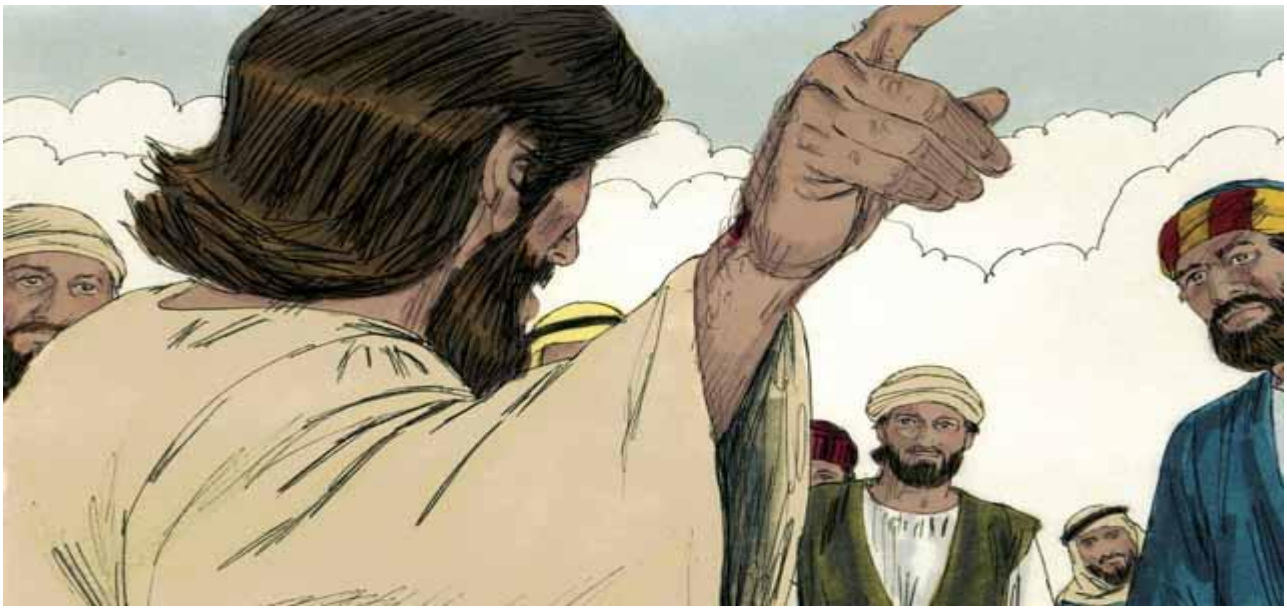

चालीस दिन के दौरान में यीशु अपने शागिर्दों पर कई बार ज़ाहिर हुआ ,एक बार तो वह एक ही वक़्त में 500 से ज़ियादा लोगों पर ज़ाहिर हुआ ! उसने अपने शागिर्दों को कई तरह से साबित किया कि वोह ज़िन्दा है और खुदा की बादशाही कि तालीम दी -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

42:10

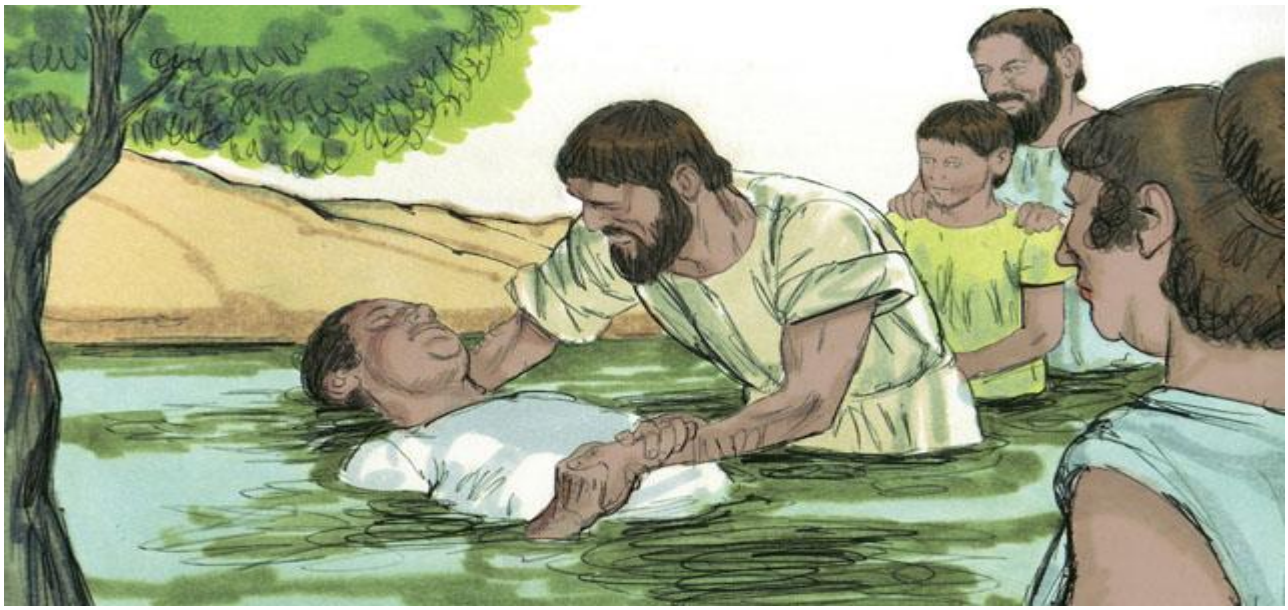

यीशु ने अपने शागिरदों से कहा ,"ख़ुदा ने मुझको आसमान और ज़मीन की हर एक चीज़ पर हुकूमत करने का इख्तियार दिया है - इस लिए मैं तुमसे कहता हूँ कि:"तुम जाकर सब कौमों को शागिर्द बनाओ ,और उनको बाप ,बेटे और रूहुल्कुदुस के नाम से बप्तिस्मा दो-उन्हें यह भी तालीम देना है कि उन सब बातों पर अमल करना है जिन का मैं ने हुक्म दिया ,और देखो मैं दुनया के आखिर तक तुम्हारे साथ हूँ –"

आसमान और ज़मीन का कुल इख़्तियार मुझे दिया गया है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "ख़ुदा ने मुझे आसमान और ज़मीन का सारा इख़्तियार दे रखा है" या "ख़ुदा ने मुझे आसमान और ज़मीन पर की हर एक चीज़ पर मुकम्मल इख़्तियार दे रखा है" या "मेरे पास आसमान और ज़मीन में सारे इख़्तियारात मौजूद हैं"-

तमाम क़ौमों के लोगों को मेरा शागिर्द बनाओ

मतलब यह कि "हर एक क़ौम के लोगों में मेरे शागिर्द बनने के लिए मदद करो" -

नाम में

यह मुहावरा दोनों मायने रखता है ," इख़्तियार के ज़रिये" और इख़्तियार के मातहत" तर्जुमे का लफ़्ज़ "नाम पर ध्यान दें , लफ्ज़ी तौर पर अगर आप की ज़बान में इस तरीक़े से समझा जाए तो यह मुहावरा दुहराया जा सकता है जैसे बाप के नाम में,बेटे के नाम में और रूहुल क़ुदुस के नाम में"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- क़ौम, लोगों, लोग, एक 'अवाम
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह

- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

42:11

यीशु के मुर्दों में से ज़िन्दा होने के चालीस दिन बाद उसने अपने शागिर्दों से कहा “जब तक मेरा बाप तुम्हें क़ुवत अता नहीं करता तब तक तुम येरूशलेम में ठहरे रहो -वह तुम पर रूहुल्कुदुस नाज़िल करने के ज़रिए से ऐसा करेगा - फिर यीशु आसमान पर उठा लिया गया और **एक बादल ने उसे उन की नज़रों से छिपा लिया** -यीशु आसमान पर ख़ुदा के दहनी तरफ़ तख़्त निशीं है और तमाम चीज़ों पर हुकूमत करता है -

तुम पर आता है

मतलब यह कि “तुम पर नाज़िल होता है” या तुम्हारी तरफ़ आता है”-

एक बादल ने उसे उन की नज़रों से छिपा लिया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “वह एक बादल में होकर ग़ायब हो गया”

ख़ुदा की दाएँ तरफ़

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ख़ुदा की दहनी तरफ़”

सब चीज़ों पर

मतलब यह कि “हर एक चीज़ पर”

बाइबिल कि एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे केव अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

- शागिर्द, शागिर्दों
- यरूशलीम
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- क़ुव्वत , ताक़तें
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- ख़ुदावन्द

_मत्ती 28 16 -20 ; मरकुस 16 : 12-20 ; लुका 24 :13-53 ;युहन्ना 20 :19 -23 ; आमाल 1:1-11 तक बाइबिल की एक कहानी _

43. कलीसिया शुरू होती है

43:01

यीशु के आसमान पर वापस जाने के बाद ,शागिर्द **येरूशलेम में ठहरे रहे** जिस तरह से यीशु ने उनको हुक्म् दिया था - दूसरी तरफ़ ईमानदार लगातार दुआ बंदगी के लिये जमा होते थे -

आसमान पर लौट गया

मतलब यह कि आसमान पर वापस गया

येरूशलेम में ठहरे रहे

मतलब यह कि “कुछ दिन तक वह येरुशलेम में रुके रहे” वह हमेशा के लिए रुके नहीं रहे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- शागिर्द, शागिर्दों
- यरूशलीम
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

43:02

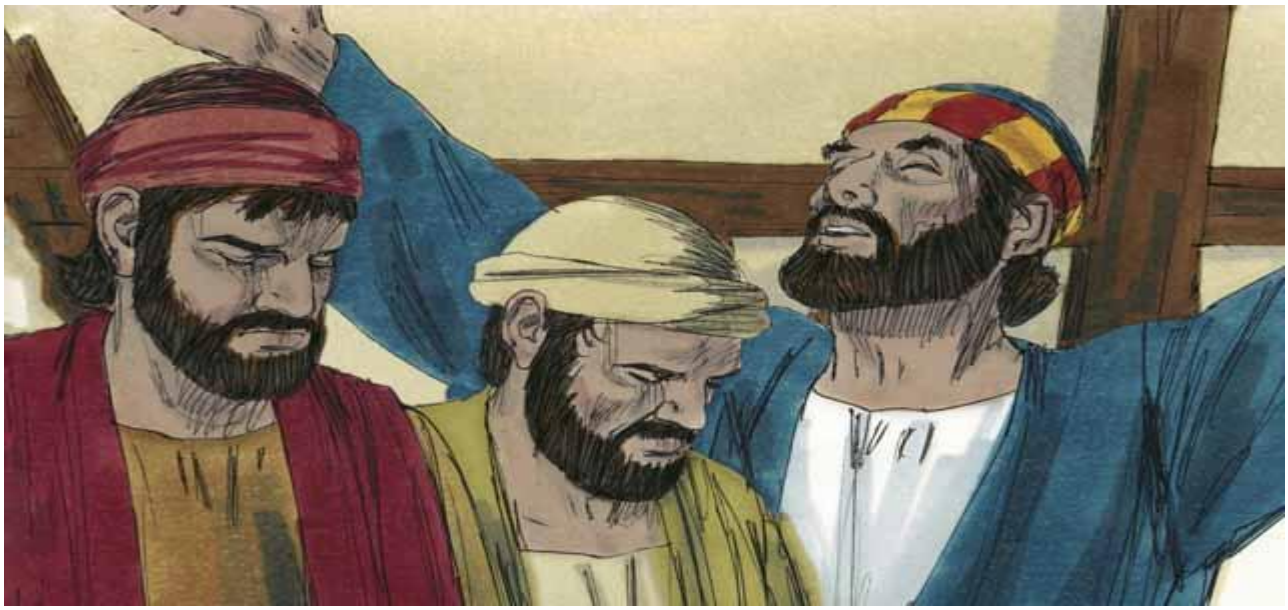

हर साल फ़सह के पचास दिन बाद यहूदी लोग एक ख़ास दिन मनाते थे जिसे पेन्तिकुस्त का दिन कहा जाता है – पेन्तिकुस्त एक ऐसा वक़्त होता था जब यहूदी लोग गेहूं के फ़सल की कटाई का जश्न मनाते थे - तमाम दुनया से यहूदी लोग येरूशलेम में जमा होकर एक साथ पेतिकुस्त के ईद को मनाते थे - **इस साल** पेन्तिकुस्त का दिन यीशु के आसमान पर सऊद फ़रमाने के एक हफ़्ते बाद पड़ा था -

पेंतिकुस्त

पेंतिकुस्त के मायने हैं पचासवां दिन -आप यह लफ़्ज़ “पेंतिकुस्त” अपने तर्जुमे में इस्तेमाल कर सकते थे और इबारत को इस के मायने समझाने दें - या फिर आप एक लफ़्ज़ इस्तेमाल करें जिस के मायने हो “पचासवां दिन”

गेहूं की फ़स्ल को मनाया जाता था

हदिये लाकर और अच्छे खानों के साथ जश्न मनाकर के ज़रिये गेहूं की फस्ल के लिए यहूदी लोग ख़ुदा का शुक्र करते थे - गेहूं अनाज का फस्ल है -अगर आप के पास गेहूं के लिए कोई लफ़्ज़ नहीं है तो कोई आम अनाज का लफ़्ज़ इस्तेमाल कर सकते हैं -यह आम तौर पर मई महीने में होता है – दूसरे फ़सलों की कटाई साल के दुसरे वक़्तों में होती है -

इस साल

मतलब है , उस साल जिस में येसु मरा था

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़सह
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- यरूशलीम
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी

43:03

जब सारे ईमानदार लोग एक जगह पर जमा थे , तो अचानक उस घर में जहां वह जमा थे एक पुर ज़ोर आंधी की सी आवाज़ गूंजने लगी - फिर कुछ आग की लपटें दिखाई दिए जो तमाम ईमानदारों के सिर पर जाकर ठहर गईं - वह सब के सब **रूहुल क़ुदुस से भर गए** और फ़रक़ फ़रक़ ज़ुबानों में खुदा कि हम्द ओ सिताइश करने लगे - यह वह ज़ुबानें रूहुल क़ुदुस ने उन्हें बोलने दिया -

ज़ोर की आंधी का सन्नाटा जैसा

मतलब यह कि एक शोर जैसे तेज़ हवा के चलने से होता है या ऐसी आवाज़ जो तेज़ हवा के चलने से होती है "_

रूहुल क़ुदुस से भर गए

मतलब यह कि "रूहुल क़ुदुस के ज़रिये क़ाबिलियत दी गयी" या "रूहुल क़ुदुस के ज़रिये ताक़त दी गई"

दूसरी ज़बानों में

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "उनकी अपनी ज़बान के अलावा दूसरी ज़बानों में" या "ग़ैर मुल्की ज़बान में" या जिस तरह से लोग दूसरी जगहों में बात करते हैं" ईमानदार इन ज़बानों को नहीं जानते जब तक कि रूहुल क़ुदुस उन्हें बोलने की ताक़त नहीं बख़्शता -ज़बानों का तर्जुमा करते वक़्त ध्यान रखें कि "ज़बानें"लोगों की उन ज़ुबानों की तरफ़ इशारा करती हैं जो अस्ल में बोली और समझी जाती हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह

43:04

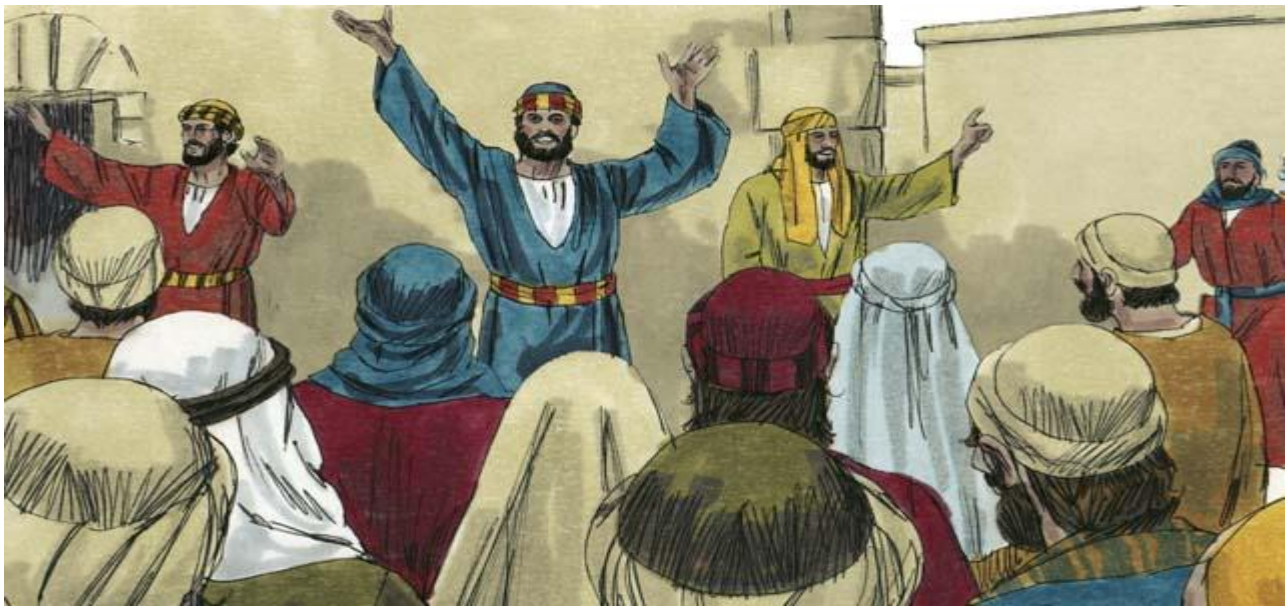

जब यरूशलेम में लोगों ने इस आवाज़ को सुना तो वह भीड़ की शक्ल में जमा होकर उस जगह को देखने के लिए आ गए कि वहाँ क्या हो रहा था - उनहोंने ईमानदारों से खुदा के उन बड़े कामों की मनादी सुनी जो उसने उन के बीच अंजाम दिए थे -लोगों की भीड़ इस बात पर ताज्जुब करने लगी कि वे अपनी मादरी ज़ुबान में इन बातों की चरचा सुन रहे थे -

एक भीड़

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “लोगों की एक भीड़” या लोगों की एक बड़ी जमाअत -

ख़ुदा के अजीब अजीब काम

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “वह अजीब बातें जो ख़ुदा ने अंजाम दीं”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यरूशलीम
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ख़ुदावन्द

43:05

उनमें से कुछ लोगों ने कहा कि शागिर्द लोग नशे में हैं -मगर पतरस ने खड़े होकर उन से कहा “मेरी बात सुनो ,यह लोग नशे में नहीं हैं ,बल्कि जो कुछ तुम देख रहे हो वह **योएल** नबी की मार्फ़त कही हुई नबूवत की तकमील है कि आख़री दिनों में मैं अपना रूह तमाम ईमानदारों पर उन्डेलूँगा -

शागिर्दों पर इलज़ाम लगाया कि वह नशे में हैं

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “कहा गया कि शागिर्द लोग नशे की हालत में हैं”

योएल

इस्राईल में योएल नाम का एक नबी था जो इस वाक़िये से कई सौ साल पहले था -

आखरी दिनों में

“यह दुनिया के ख़ातिमे के वक़्त में आख़री दिनों की बाबत” इशारा करता है -

अपना रूह उन्डेलूँगा

इसको इस तरह से समझा जा सकता है “मैं अपना रूह लोगों को फ़य्याज़ी से दूंगा” या “मेरी रूह लोगों को मुकम्मल तौर से क़ुव्वत अता करेगा” -

मेरी रूह

मतलब है ‘मेरा रूहुलक़ुदुस”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा

- पूरा कर, पूरा हुआ
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह

43:06

ऐ इस्राईलियो सुनो ,"यीशु एक शख्स था जिस ने कई एक मोजिज़े किये यह बताने और जताने के लिए कि वह कौन था - उसने खुदा की क़ुवत से बड़े अछम्बे काम अंजाम दिए - और तुम यह बात अच्छी तरह से जानते हो क्यूंकि तुमने इन बातों को देखा है मगर तुम ने उसे सलीब पर चढ़ाकर मार डाला -

आम मालूमात

पतरस भीड़ में प्रचार करना जारी रखता है

ऐ इस्राईलियो

कुछ ज़बानों में ऐसा कहना सही होगा "बनी इस्राईल" यह साफ़ ज़ाहिर है कि इस में आदमी और औरत दोनों शामिल हैं -इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "मेरे साथी लोग इस्राईल" या मेरे साथी यहूदी लोग "यह साफ़ करने के लिये कि पतरस भी एक यहूदी था और इस्राईलियों से ताल्लुक़ रखता था -

तुम लोगों ने उसे सलीब पर चढ़ाया!

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "तुम लोगों ने उसे मस्लूम कराया" या तुम्हारे सबब से वह सलीब पर मारा गया – दरअस्ल यहुदियों ने येसु को सलीब पर कीलों से नहीं ठोंका था बल्कि किसी तरह यहूदी रहनुमा उसकी सलीबी मौत के लिये सबब बने थे और भीड़ में से यही लोग चिल्लाए थे कि उसे सलीब दो -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- इस्राईल, इस्राईली
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों
- क़ुव्वत , ताक़तें
- ख़ुदावन्द
- सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया

43:07

यीशु मर गया मगर खुदा ने उसे मुर्दों में से ज़िन्दा किया - यह बात सच साबित हुई जो नबी ने पहले से ही उस की बाबत लिखा था कि “वह अपने मामूह को **क़ब्र में सड़ने** नहीं देगा “हम उस के गवाह हैं कि खुदा ने उसको मुरदों में से ज़िन्दा कर दिया है -

आम मालूमात

पतरस भीड़ में मनादी करना जारी रखता है

यह नबुव्वत को पूरा करता है जो कहता है

इसे तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “यह सच्चा साबित हुआ जो एक नबी बहुत अरसा पहले कह चुका था” -

तू नहीं रहने देगा अपने

“तू” और “अपने” का लफ़्ज़ यहाँ पर ख़ुदा बाप को ज़ाहिर करता है -इसे साफ़ करने के लिए इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “तू ख़ुदा नहीं होने देगा अपने” कुछ ज़बानों में किसी से मुख़ातिब होने का एक ख़ास तरीक़ा होता है जैसे “तू ऐ ख़ुदा”

क़ब्र में सड़ने

मतलब है “क़ब्र में ख़राब होने” या क़ब्र (मदफ़न)में गलने से”यह उस सच्चाई का इशारा करता है कि येसु क़ब्र में ज़ियादा वक़्त के लिए नहीं पड़ा रहा और कहने का दूसरा तरीक़ा यह था कि वह ज़ियादा देर तक मुर्दा नहीं रहा बल्कि वह वापस ज़िन्दा हो गया था -

येसु को फिर से ज़िन्दा जिलाया गया

मतलब यह कि “येसु को फिर से ज़िन्दा हो गया”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- पूरा कर, पूरा हुआ
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/witness]]
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

43:08

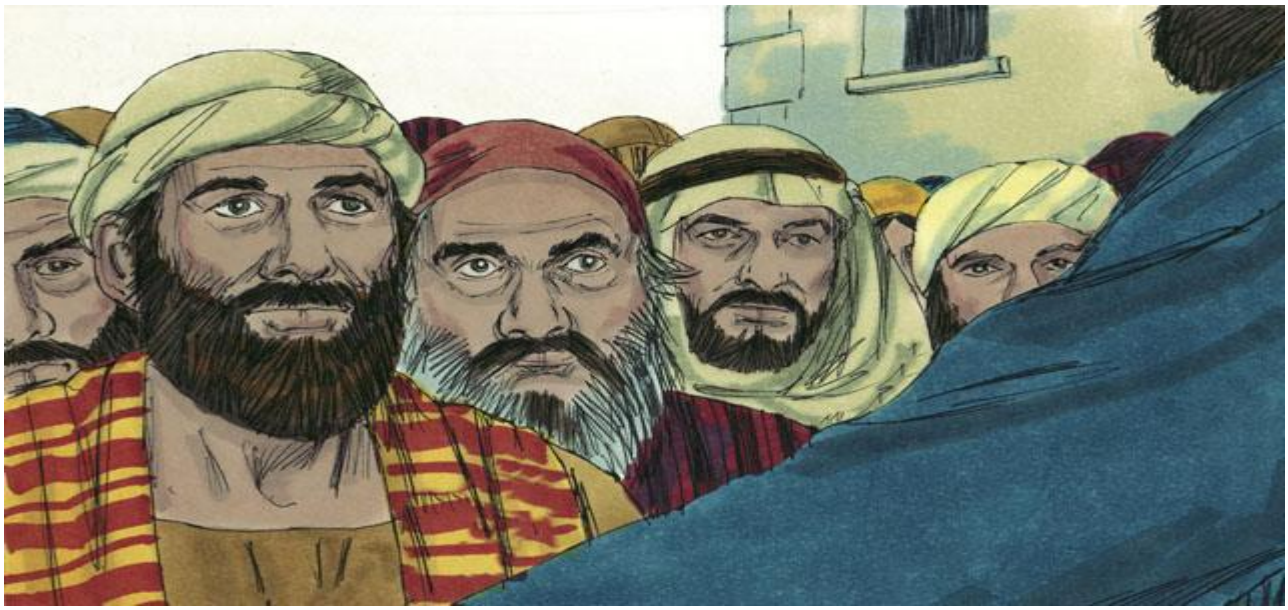

खुदा बाप अब उसको अपने दहने तख़्त में बैठाने के ज़रिये उसको इज़्ज़त बख्शता है - और यीशु ने हमारे लिए रुहुल क़ुदुस को भेजा है जैसा उस ने वादा किया था कि वह भेजेगा - यह रुहुल क़ुदुस का ही काम है जो तुम यहाँ पर देखते और सुनते हो "-

आम मालूमात

पतरस भीड़ से मुख़ातिब होकर अपनी मनादी जारी रखता है -

अब येसु का नाम ऊँचा किया गया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "अब येसु को ऊँचा किया गया" या "अब येसु जी गया है या "ख़ुदा ने येसु को ऊँचा किया है"

के दहनी तरफ़

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "सब से बड़े ओहदे के साथ" या "दुसरे दर्जे का सब से ऊँचा इज़्ज़त का मक़ाम"

सबब लेकर

मतलब यह कि "इमानदारों को क़ाबिल बनाते हुए" या "इन लोगों को करने की क़ुव्वत देते हुए"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया

43:09

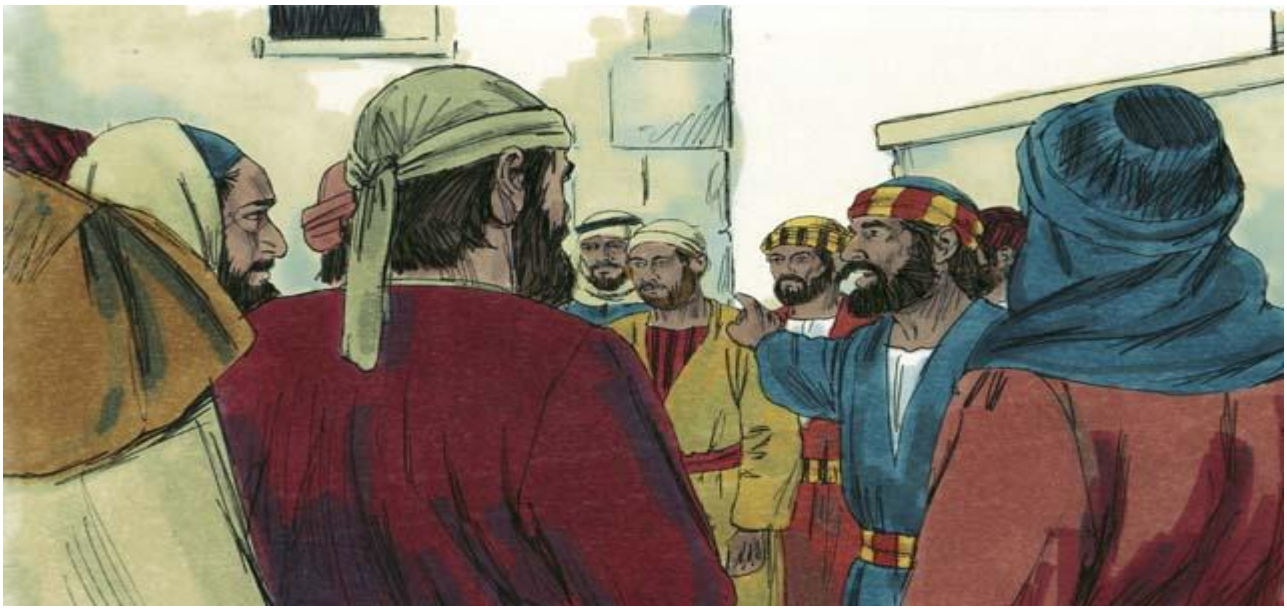

“तुम ने इस शख्स यीशु को सलीब पर चढ़ाया - पास इस्राईल का सारा घराना जांन ले कि खुदा ने उसी यीशु को जिसे तुम ने मस्लूब किया , खुदावंद भी किया और मसीह भी –“

आम मालूमात

भीड़ से मुख़ातिब होकर पतरस अपनी मनादी जारी रखता है -

मगर कुछ वजह से जानो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “मगर तुम जान सकते हो कि सच्चाई यह है कि” या मगर तुम यक़ीन कर सकते हो कि”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- मसीह ,मसीहा

43:10

जब लोग पतरस की इन बातों को सुन रहे थे तो उनके दिलों पर चोट लगी - सो उन्हों ने पतरस और दीगर शागिर्दों से पूछा कि “ऐ बाइयो ! हम क्या करें ?”

गहराई से मुतास्सिर हुए

मतलब यह कि “बहुत ज़ियादा चोट लगी” या “जब उन्हों ने सुना तो बहुत ज़ियादा दुखी हुए” “मुतास्सिर होने” का मतलब है बहुत ज़ियादा जज़्बाती होना-

भाइयो

एक यहूदी के लिए अपने साथी यहूदी से मुख़ातिब होने का एक आम तरीक़ा था -इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे ,”दोस्तो”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- शागिर्द, शागिर्दों

43:11

पतरस ने उन से कहा तुम में से हर एक तौबा करो और अपने गुनाहों की मुआफ़ी के लिए यीशु **मसीह** के नाम से बप्तिसमा लो तब खुदा तुम्हारे गुनाह मुआफ करेगा और रूहुल क़ुदुस भी इनाम में देगा -

के नाम में

यह मुहावरा दोनों का मायने रखता है “इख़्तियार के ज़रिये से” और “इख़्तियार के मातहत में” लफ़्ज़ी तौर से “नाम” लफ़्ज़ का तर्जुमा करते वक़्त ध्यान दें कि इस तरीक़े से आपकी ज़बान में इसे समझा जाएगा -

मसीह

इस के मायने बिलकुल “मसीहा” जैसा ही है-इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “मसह किया हुआ” या “चुना हुआ”बजाए इस के कि मायने का तर्जुमा करे कुछ तर्जुमा करने वाले “मसीह” के लफ़्ज़ को चुन सकते हैं और अपनी ज़बान में इसकी आवाज़ का इस्तेमाल करते हुए तलफ़्फ़ुज़ कर सकते हैं -

येसु मसीह

जबकि मसीह यहाँ पर एक लक़ब है कुछ तर्जुमा करने वाले तरतीब को बदलने का चुनाव करके कह सकते हैं ,”येसु मसीह” -यह दोनों तरतीब बाइबिल में इस्तेमाल की गया हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह

43:12

पतरस की मनादी से लगभग 3,000 लोग ईमान लाए और यीशु के ईमानदारों में शामिल हो गए - उनहोंने बपतिस्मा लिया और यरूशलेम की कलीसिया का एक हिस्सा बन गए -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया
- यरूशलीम

43:13

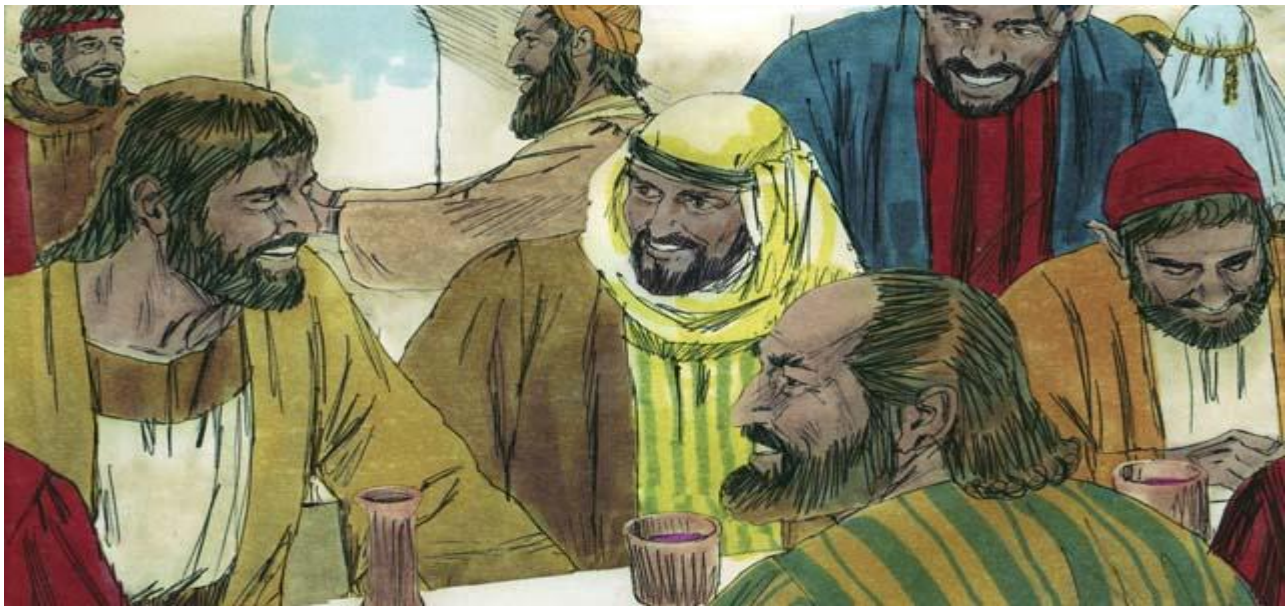

ईमानदारों ने लगातार शागिर्दों की तालीम को सुना - वह अक्सर एक साथ मिलकर खाना खाते थे और एक साथ मिलकर दुआ करते थे - वह एक साथ मिलकर खुदा की हम्द किया करते थे और सब चीजों में शरीक थे - और शहर का हर एक शख्स उनसे वाकिफ़ कार था - जो नाजात पाते थे उनको खुदा हर रोज़ उन में मिला देता था -

उन के बारे में सही सोचा

मतलब यह कि “उनकी बाबत एक अस्बाती राए थी”

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अल्फ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- रसूल, रसूलों, रिसालत
- दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की
- हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात
- ख़ुदावन्द
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

_आमाल के दुसरे बाब से बाइबिल की एक कहानी _

44 . पतरस और युहन्ना एक भीक मांगने वाले को शिफ़ा देते हैं -

44:01

एक दिन पतरस और युहन्ना मंदिर में गए - मंदिर के फाटक पर उन्होंने एक लंगड़े को भीक मांगते देखा -

एक दिन

यह मुहावरा एक वाक़िये का तआर्रुफ़ कराता है जो माज़ी में गुज़र चुका है मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शुरू करने का यही तरीक़ा होता है -

एक लुंजा आदमी

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “एक लंगड़ा शख़्स” यह एक आदमी की तरफ़ इशारा करता है जो अपने पैरों का पूरा इस्तेमाल नहीं कर सकता था , न खड़ा हो सकता और न चल फिर सकता था

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- यूहन्ना (रसूल)
- हैकल
- मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी

44:02

पतरस ने उस लंगड़े आदमी की तरफ़ देखा और कहा ,"मेरे पास तुम्हें देने के लिए कुछ भी पैसे नहीं है , मगर जो मेरे पास है वह मैं तुम्हें देता हूँ , यीशु के नाम से **उठ** और चल फिर –"

येसु के नाम में

"नाम" यहां पर एक शख़्स के इख़्तियार और क़ुव्वत को ज़ाहिर करता है , इसलिए यह इज़हार यहां यह मायने रखता है ,"येसु के इख़्तियार के ज़रिये"

उठ

मतलब यह कि "खड़ा हो जा"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

44:03

फ़ौरन ही खुदा ने उस लंगड़े को शिफ़ा बख्शी और वह लंगड़ा चलने फिरने , उछलने कूदने और खुदा की तारीफ़ करने लगा – जो लोग मंदिर के आसपास थे उनहोंने यह देखकर ताज्जुब किया -

मंदिर का बराम्दा

सिर्फ़ काहिन मंदिर में दाख़िल हो सकते थे मगर आम यहूदी बरामदे में जा सकते थे जो मंदिर के चारों तरफ़ बना हुआ था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात
- हैकल

44:04

बहुत जल्द लोगों की एक बड़ी भीड़ इस शख्स को देखने के लिए जमा हो गई जिसने शिफ़ा पाई थी - पतरस ने भीड़ से मुख़ातब होकर कहा , इस को देखकर ताजुब न करो - क्यूंकि इस को हम ने अपनी ताक़त से शिफ़ा नहीं दी , बल्कि यीशु मसीह ने अपनी क़ुवत से इस शख्स को शिफ़ा दी है , क्यूंकि हम यीशु पर ईमान रखते हैं “

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- क़ुव्वत , ताक़तें
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ईमान

44:05

तुम वह लोग हो जिन्होंने रोमी सरकार को मजबूर किया कि यीशु को हालाक करे – तुम ने उस शख्स को मारा जो हर एक को ज़िन्दगी बख्शता है , मगर खुदा ने उसको मुर्दों में से ज़िन्दा किया - तुम्नाहीं समझते थे कि तुम क्या कर रहे थे - मगर जब तुम ने उन्हें अंजाम दिया तो वह चीजें साबित हुईं जो नबियों ने कहा था - उन नबियों ने कहा था कि मसीहा दुःख उठाएगा और हालाक होगा - खुदा इस तरह से होने दिया - सो अब तुम खुदा की तरफ फिरो और तौबा करो ताकि वह तुम्हारे गुनाहों को धोए और साफ़ करे -

आम मालूमात

पतरस भीड़ से मुख़ातिब होकर अपनी मनादी जारी रखता है -

ज़िन्दगी के मालिक

मतलब है “वह जिस ने ज़िन्दगी पैदा की” या “जो हमें ज़िन्दगी बख़्शता है” या “वह जो लोगों को ज़िन्दा रखने का सबब बनाता है”, यह येसु की तरफ़ इशारा है -

तुम्हारे आमाल

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “वह जो काम तुम ने किये” यह उसकी तरफ़ इशारा करता है जब यहूदियों ने पिलातुस से येसु को हलाक करने की मांग की थी -

ख़ुदा की तरफ़ फिरो

मतलब यह कि ख़ुदा का हुक्म बजा लाने का फ़ैसला करो -

तुम्हारे गुनाह धुल जाएंगे

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ख़ुदा तुम्हारे गुनाहों को धो देगा” या ख़ुदा तुम्हारे गुनाहों को अपने ऊपर ले लेगा और तुमको पाक साफ़ कर देगा-यह ख़ुदा की बाबत बात करता है जो लोगों के गुनाह पूरी तरह से मिटा कर उनकी रूहों को साफ़ करता है -यह जिस्मानी तौर से धोने के मायने में नहीं है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रोम, रोमी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- ख़ुदावन्द
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- पूरा कर, पूरा हुआ
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा
- दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता
- तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

44:06

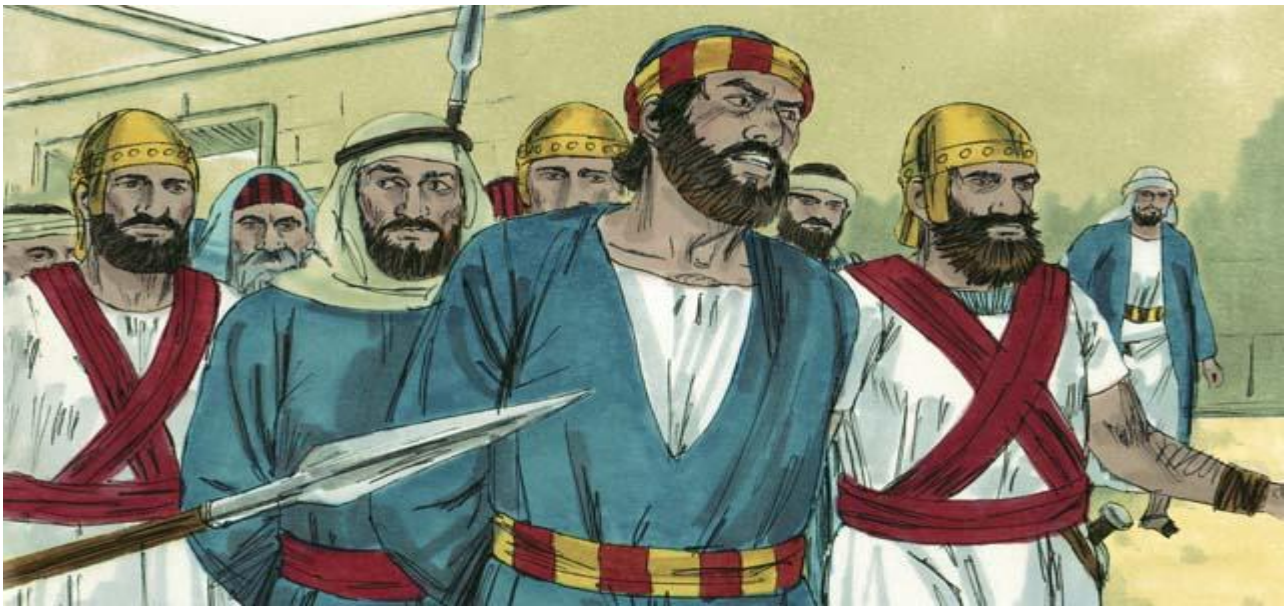

जब मंदिर के रहनुमाओं ने पतरस और युहन्ना की बाबत सुना तो वह बहुत ज़ियादा परेशान हुए - सो उन्हों ने उनको गिरफ़्तार किया और क़ैद में डाल दिया - मगर बहुत से लोगों ने पतरस की बातों का यकीन किया और मसीह पर ईमान ले आए - और ईमानदारों की तादाद 3000 से बढ़ कर 5000 हो गई -

पतरस का पैग़ाम

मतलब है “वह पैग़ाम जिस की पतरस ने उनके सामने मनादी की”

मर्दों की तादाद

यह औरतों और बच्चों के अलावा थे जो येसु पर ईमान लाए थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- हैकल
- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- यूहन्ना (रसूल)
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

44:07

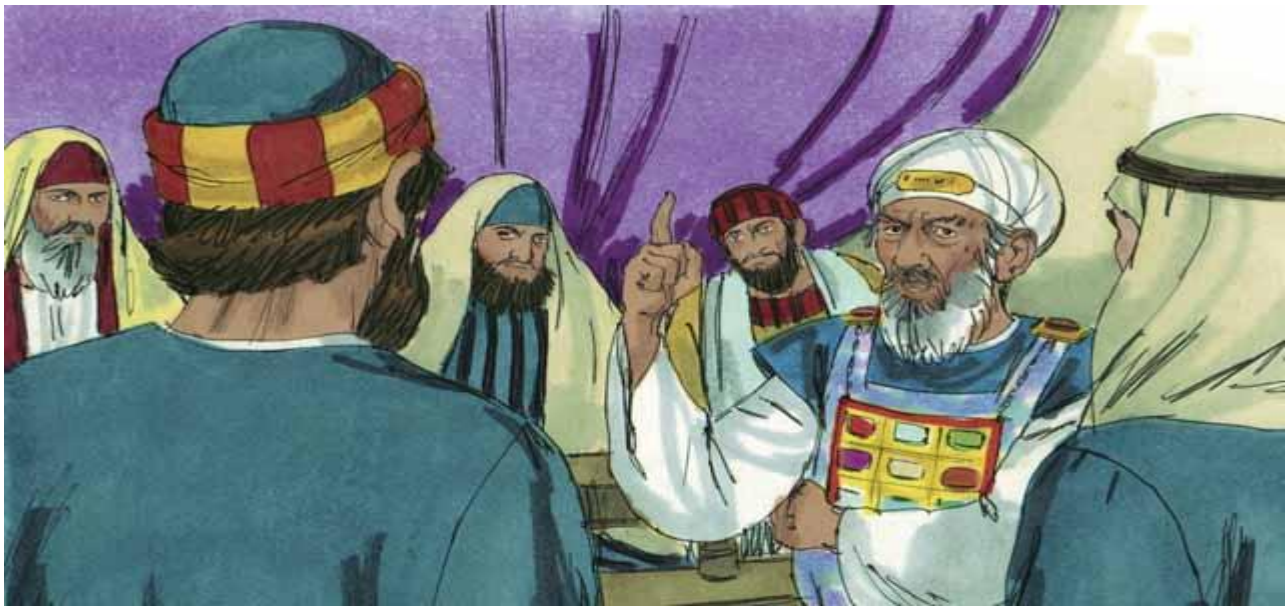

दुसरे दिन यहूदी रहनुमाओं ने पतरस और युहन्ना को सरदार काहिन की अदालत में बुला भेजा - उस अदालत में दीगर मज़हबी रहनुमा भी थे उन्हों ने उस लंगड़े शख्स को भी हाज़िर किया जो शिफ़ा पा चूका था - उन्हों ने पतरस और युहन्ना से पूछा कि इस लंगड़े शख्स को तुम ने किस ताक़त से शिफ़ा दी थी ?

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिये कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- यूहन्ना (रसूल)
- सरदार काहिन
- क़ुव्वत , ताक़तें

44:08

पतरस ने उन्हें जवाब दिया,"यह शख्स जो आपके सामने खड़ा है उस ने यीशु मसीह के नाम से शिफ़ा पाई है -तुम ने यीशु को सलीब पर चढ़ाया मगर खुदा ने उस को फिर से ज़िन्दगी दी ! तुम ने उसको रद्द किया – बचाए जाने का कोई रास्ता नहीं सिवाए यीशु की क़ुवत के वसीले से –"

शिफ़ा पाया

मतलब यह कि "अच्छा होना" या "सहीह होना' या "मज़बूत होना"

उसका इंकार किया

मतलब यह कि "उसको क़बूल करने से इनकार करना" या "येसु पर एत्क़ाद करने से इंकार करना" या "एत्क़ाद करने से इनकार करना कि येसु नजात दहिंदा है -

मगर येसु की क़ुव्वत के अलावा और कोई रास्ता नहीं कि बचा जा सके -

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे येसु की क़ुव्वत का वसीला ही बचाए जाने का महज़ एक रास्ता है-या मगर सिर्फ़ येसु ही हमको अपनी क़ुव्वत के ज़रिये बचा सकता है -

बचाए जाने के लिए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "अपने गुनाहों से बचाए जाने के लिए" या "यह कि हम अपने गुनाहों से बचाए जाएं"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- क़ुव्वत , ताक़तें
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मसीह ,मसीहा

- सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया
- ख़ुदावन्द
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

44:09

यहूदी रहनुमाओं ने ताज्जुब किया कि पतरस और युहान्ना में इतनी दिलेरी कहाँ से आगई - उन्होंने देखा कि यह लोग **मामूली** और अनपढ़ लोग थे - मगर फिर उन्होंने याद किया कि यह लोग यीशु के साथ रहे थे - सो उन्हों ने उनसे कहा "अगर तुम इस यीशु नाम शख्स की बाबत आगे को प्रचार करोगे तो हम तुमको सज़ा देंगे - इस तरह की कई बातें कहने के बाद उन्हों ने पतरस और युहन्ना को छोड़ दिया -

चोट लगी

मतलब यह कि "बहुत ज़ियादा ताज्जुब किया" या "हैरत की" -

मामूली

मतलब है "आम' या "नीचे दर्जे का" पतरस और युहन्ना सीधे साधे माही गीर थे -

जो अनपढ़ थे

मतलब यह कि "उन के पास एक मज़हबी रस्म ओ रिवाज के मुताबिक़ तालीम नहीं थी" इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "वह कभी मज़हबी स्कूल (मदरसा) में नहीं गए थे"-

तब उन्हों ने याद किया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "मगर तब उन्हों ने सच्चाई की बाबत सोचा कि"

येसु के साथ रहे थे

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "येसु के साथ वक़्त गुज़ारा था" या "येसु के ज़रिये तालीम पाई थी" -

धमकी दिए जाने के बाद

रहनुमाओं ने कहा कि अगर पतरस और युहन्ना येसु की बाबत यूँही तालीम देना जारी रखेंगे तो वह उनको सज़ा देंगे”-

उन्हें जाने दो

मतलब यह कि “उन्हें जाने की इजाज़त दी”-

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदियों, यहूदी
- पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा
- यूहन्ना (रसूल)
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

_आमाल 3 :1 – 4:22 तक बाइबिल की एक कहानी _

45 स्तिफ़ुनुस और फिलिप्पुस

45:01

पहली मसीही जमाअत का एक शख्स था जिस का नाम स्तिफ़ुनुस था - हर कोई उसकी इज़्ज़त करता था रूहुलक़ुदुस ने उसको ज़ियादा क़ुवत और हिकमत अता की थी - स्तिफ़ुनुस ने कई एक मोजिज़े अंजाम दिए थे - जब उस ने यीशु पर भरोसा करने की बाबत तालीम दी थी तो बहुत से लोगों ने उसका यकीन किया था -

इब्तिदाई कलीसिया

मतलब है “कलीसिया का जब आग़ाज़ हुआ”

नेकनामी की शोहरत थी

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे ‘लोगों के ज़रिये अच्छा ही सोचा जाता था” कुछ ज़बानों में इसे इस तरह तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “एक अच्छा नाम था”-

रूहुलक़ुदुस और हिकमत से भरा हुआ था

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे रूहुल्क़ुदुस की क़ुव्वत और क़ाबिलियत थी और हिकमत से भरी थी” या बहुत ज़ियादा रूहुल क़ुदुस और हिकमत से भरी कलीसिया थी -

दिल में घर करने का सबब यह था कि

मतलब यह कि “जिस के सबब से क़ायल हुआ”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- ’अक़्लमंद ,‘अक़्ल
- मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

एक दिन

यह मुहावरा एक वाक़िए का तआर्रुफ़ कराता है जो गुज़र चुका है मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता-कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शुरू करने का एक साही तरीक़ा होता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- यहूदियों, यहूदी
- बुराई, बदकार, बदकारी
- मूसा
- ख़ुदावन्द
- सरदार काहिन
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/witness]]

45:02

एक दिन स्तीफ़ुनुस यीशु की बाबत मनादी कर रहा था और कुछ यहूदी जो यीशु पर ईमान नहीं लाए थे उन से बहस करना शुरू कर दिया - वह बहुत गुस्सा हुए – उनहोंने मज़हबी रहनुमाओं को जाकर बताया और साथ में कुछ झूटी बातें भी उस के ख़िलाफ़ में बताईं - तब यह चर्चा फैल गई कि स्तीफ़ुनुस मूसा और खुदा के ख़ि लाफ़ बातें करता है - सो मज़हबी रहनुमाओं ने स्तीफ़ुनुस को गिरफ़्तार किया और सरदार काहिन और दीगर यहूदी रहनुमाओं के पास ले आए – मज़ीद झूठे गवाह लाए गए और वह स्तीफ़ुनुस के ख़िलाफ़ बोलने लगे -

45:03

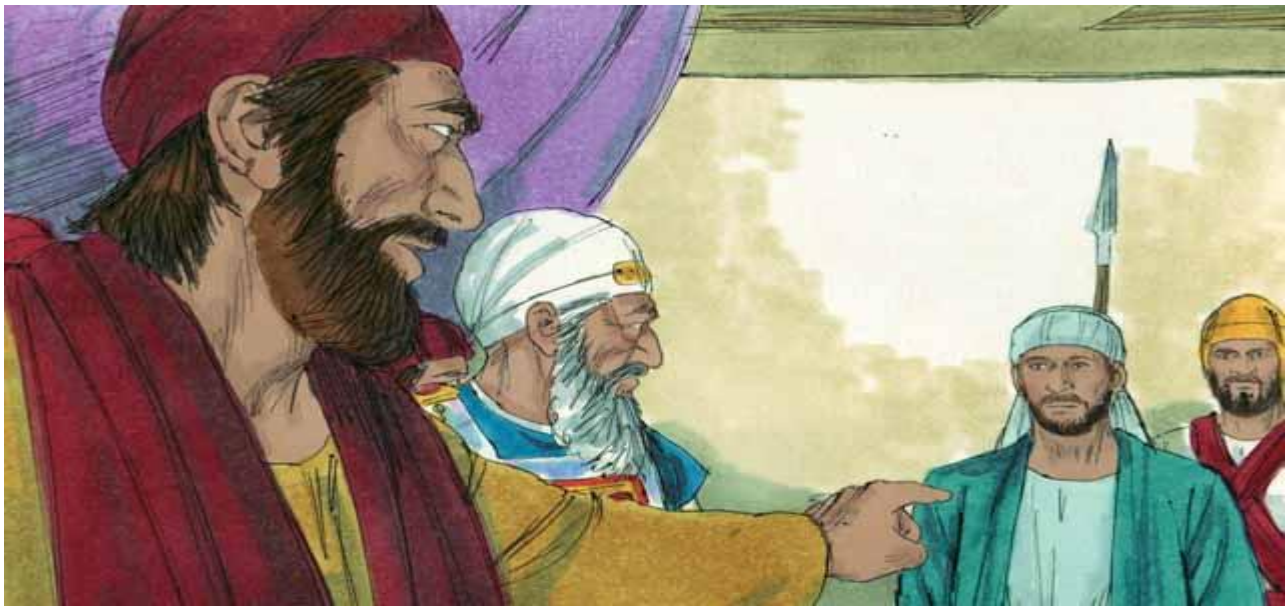

सरदार काहिन् ने स्तीफ़ुनुस से पूछा ,क्या यह लोग तुम्हारे बारे में सच कह रहे हैं ? स्तीफ़ुनुस ने बहुत सी बातें बोलना शुरू किया :"उसने कहा ,ख़ुदा ने अब्रहाम से लेकर यीशु के ज़माने तक बनी इस्राईल के लिए बहुत से अजीब काम किये हैं - मगर लोगों ने हमेशा खुदा की न फ़रमानी की ,तुम लोग खुदा के ख़िलाफ़ ढीट और बग़ावती हो तुम ने हमेशा रूहुल्कुदुस को ठुकराया है जिस तरह हमारे बापदादा ने खुदा को ठुकराया था और नबियों को हालाक किया था ,मगर तुम ने उन से भी बदतर काम किया ! तुम ने मसीहा को मारा !

क्या यह बातें सच हैं ?

मतलब यह कि "तेरे खिलाफ़ जो इलज़ामात हैं क्या यह सच हैं ?" या "क्या यह बातें जो तेरी बाबत कही जा रही हैं वह सच हैं" ? या " क्या यह सच है कि तूने ख़ुदा और मूसा कि बाबत बुरी बातें कहीं ?"

हमेशा रूहुलक़ुदुस का इनकार

मतलब यह कि "कभी भी रूहुलक़ुदुस को नहीं बजा लाया" या हमेशा रूहुल क़ुदुस की सुनने से इंकार किया"-

तुम्हारे बाप दादा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "तुम्हारे बाप दादा बनी इस्राईल"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सरदार काहिन
- सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त
- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह

- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- मसीह ,मसीहा

45:04

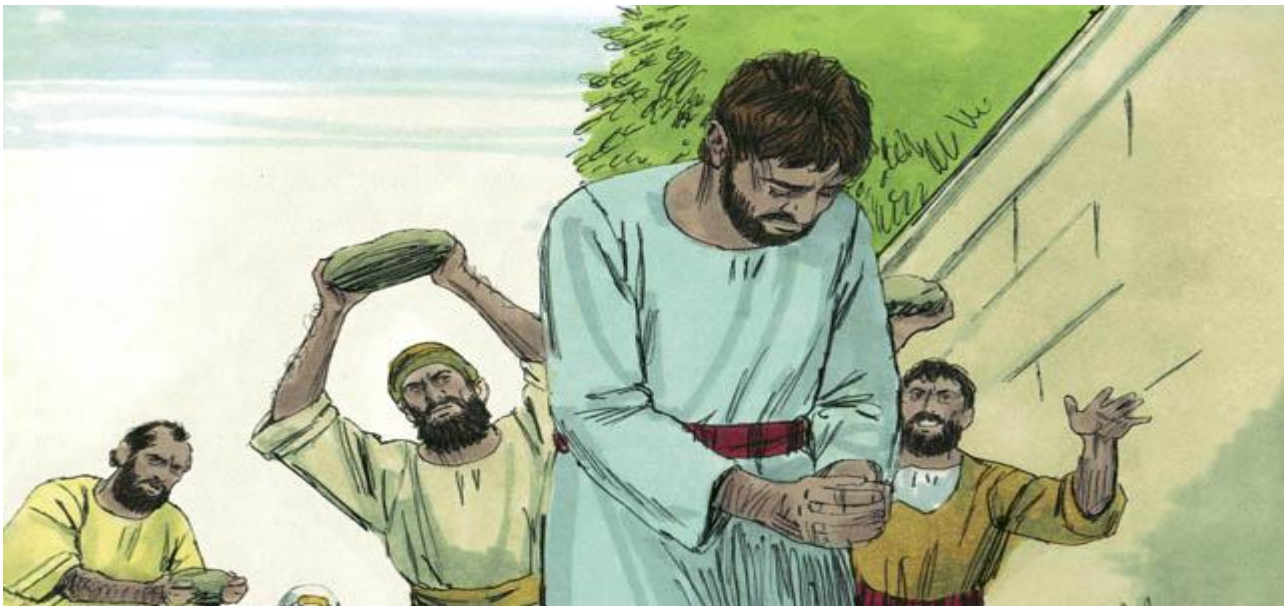

जब मज़हबी रहनुमाओं ने यह बात सुनी तो वह उसपर बहुत गुस्सा हुए , उन्होंने अपने कान बंद कर लिए और जोर से चिल्लाने लगे - वे स्तिफ़ुनुस को शहर के बाहर खींच कर ले गए - और जान से हलाक करने की ग़रज़ से उसको संगसार किया -

अपने कान बंद कर लिये

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उन्हों ने अपनी उँगलियों से अपने कान बंद कर लिये”यह जताने के लिए था कि वह स्तिफ़ुनुस की बातें नहीं सुनना चाहते थे -

ज़ोर से चिल्लाए

वह गुस्से के मारे चिल्ला रहे थे -इसको इस तरह से तर्जुमा करें कि जिससे यह ज़ाहिर हो कि वह बहुत ज़ियादा परेशान हालत में थे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सरदार काहिन

45:05

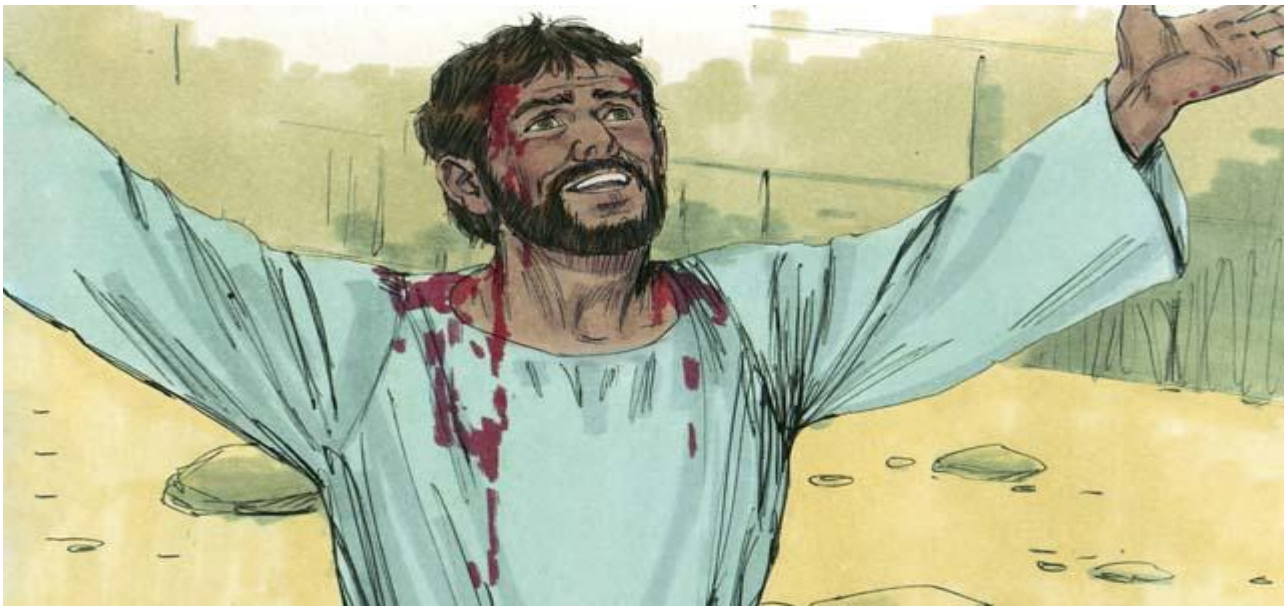

जब स्तिफ़ुनुस मर रहा था तो उसने चिल्लाकर कहा ,"ऐ यीशु , तू मेरी रूह को क़बूल कर , दोबारा उसने ऊँची आवाज़ में चिल्लाकर कहा ऐ मालिक , यह गुनाह इन के ज़िम्मे न लगा "फिर वह सो गया (मर गया) -

जब स्तिफ़ुनुस मर रहा था

मतलब यह कि "स्तिफ़ुनुस के मरने से पहले"

चिल्लाया

मतलब यह कि ,"एक ऊंची आवाज़ से पुकारा" या "बहुत ज़ोर से कहा"

उनके गुनाह उनके ख़िलाफ़ मह्सूब न कर

मतलब यह कि "मुझे क़त्ल करने के जुर्म का उन्हें ज़िम्मेदार न ठहरा"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला
- रूह , रूहें , रूहानी
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

45:06

उस दिन से कई लोगों ने यरूशलेम में मसीहियों को सताना शरू कर दिया - सो मसीही लोग तिततर बितर होने लगे - इस के बावजूद भी हर जगह उनहोंने यीशु की मनादी की -

उनके कपड़ों की हिफ़ाज़त करता था

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उन के कुर्तों की निगहबानी करता था” उसको ग़ालिबन यक़ीन था कि उनके कपड़े न तो चोरी हो और न ख़राब हो -

इसके बावजूद भी

यहूदी रहनुमाओं ने सोचा कि येसु के शागिर्दों को सताने के से उसकी तालीम को फैलाने से रोक सकते हैं -मगर इस के बदले में ख़ुदा ने होने दिया कि वह और जगह फैल गए और कलाम भी ज़ियादा फैला -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- यरूशलीम
- सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया

45:07

फिलुप्पुस नाम का एक ईमानदार था - वह येरूशलेम से भाग कर आया था जिस तरह दीगर ईमानदार आये थे वह सामरिया के इलाक़े को गया , उसने वहां यीशु की मनादी की - बहुत से लोग ईमान लाए और बच गए थे - **एक दिन** एक खुदा का फ़रिश्ता फिलुप्पुस के पास आकर कहा , उठकर बयाबान की तरफ़ चला जा और फलां रास्ते पर होले - फिलुप्पुस वहां गया - जब वह सड़क पर चल रहा था तो उसने एक आदमी को देखा जो अपने रथ पर सवार था - वह **इथोपिया** के मुल्क का एक ख़ास वज़ीर था - रूहुल्कुदुस ने फिलुप्पुस से कहा “जा कर उस रथ के साथ होले और उस शख्स से बात कर” -

एक दिन

यह मुहावरा एक वाक़िये का तआर्रुफ़ कराता है जो माज़ी में गुज़र चुका है मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शुरू करने का एक जैसा तरीक़ा है -

इथोपिया

मशरिक़ी अफ़रीक़ा में इथोपिया एक मुल्क है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- यरूशलीम
- सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले
- सामरिया, सामरी
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- ख़ुदावन्द
- रथ, रथों ,रथियों
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह

45:08

सो फिलिप्पुस ने जाकर उस रथ के साथ होलिया -इथोपिया का यह शख्स खुदा का कलाम पढता जा रहा था - वह यसायाह नबी के किताब के उस इबारत को पढ रहा था जहाँ लिखा है कि “लोग उसे भेड़ की तरह ज़बह करने को ले गए , और जिस तरह बर्रा अपने बाल कतरने वाले के सामने बे ज़बान होता है , उसी तरह वह अपना मुंह नहीं खोलता - उसकी पस्त हाली में उसका इन्साफ़ न हुआ , क्यूंकि ज़मीन पर से उसकी ज़िन्दगी मिटाई जाती है –“

एथोपिआई

मतलब यह कि एक शख़्स जो मुल्क -ए- इथोपिया से हो 45:07 के नोट्स को देखें

रथ के पास पंहुचा

मतलब यह कि “रथ के नज़दीक गया” या “रथ के नजदीक आया”

जिस तरह भेड़ चुपचाप है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “भेड़ की तरह जो कि ज़िबह करने के वक़्त भी चुप चाप रहती है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रथ, रथों ,रथियों
- यसा'याह
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

45:09

फिलिप्पुस ने खोजा से पूछा ,"जो तू पढ़ता है क्या तू उसे समझता भी है ? "खोजा ने जवाब दिया ,"जब तक कोई न समझाए मैं कैसे समझ सकता हूँ ? महेरबानी से ऊपर आकर मेरे साथ बैठ और मुझे समझा - यसायाह नबी यह अपने बारे में कहता है या किसी और के बारे में ?"

यसायाह किस की बाबत लिख रहा था

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "यसायाह किसकी तरफ़ इशारा कर रहा था"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यसा'याह

45:10

फिलुप्पुस रथ पर चढ़ कर उस के साथ बैठ गया - फिर उसने खोजे को बताया कि यसायाह ने यीशु की बाबत लिखा था - फिलुप्पुस ने खुदा के कलाम से और भी हवालाजत पढ़ कर सुनाए - इस तरह उस ने यीशु की खुश खबरी सुनाई -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं हैं

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यसा'याह
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी

45:11

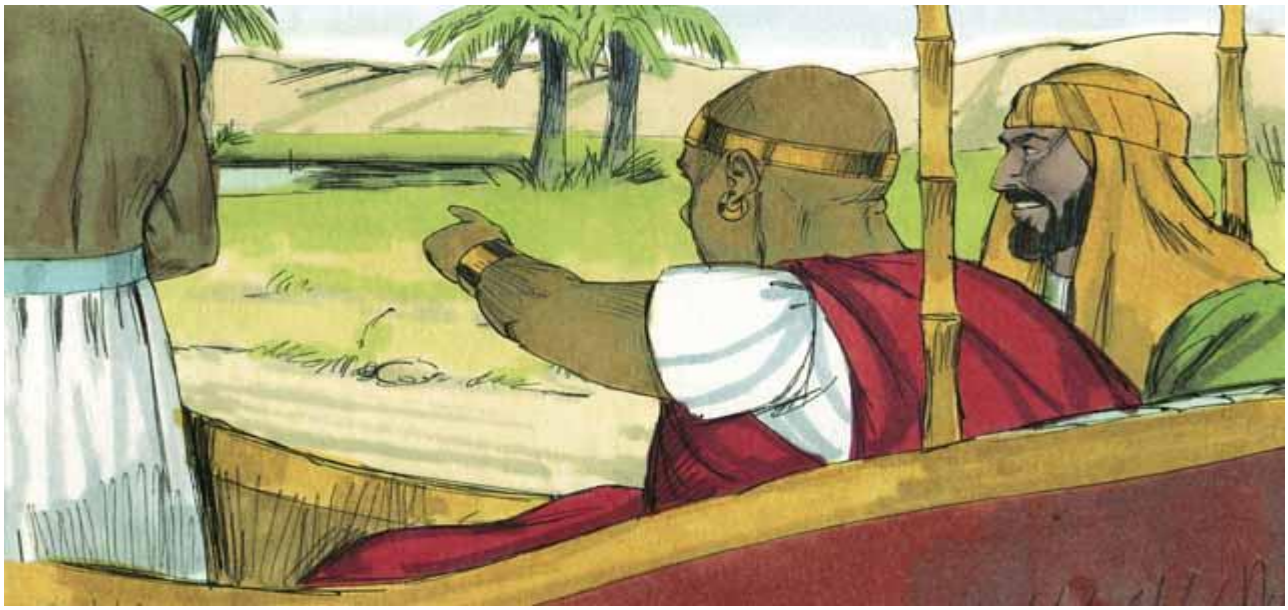

जब फिलुप्पुस और खोजा सफ़र करते जा रहे थे तो पानी कि जगह पर आए ,खोजे ने कहा " देख ,यहाँ पर पानी है ,क्या मैं यहाँ बपतिस्मा ले सकता हूँ ? "और उसने रथ हांकने वाले से रथ रोकने को कहा -

थोड़ा पानी

एक ऐसे मौसूम करदा लफ़्ज़ का इस्तेमाल करें जिसमें ज़ियादा पानी समाया जाता हो जैसे तालाब ,झील या चश्मा वग़ैरा -

क्या मैं बपतिस्मा ले सकता हूँ ?

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "क्या कोई ऐसी वजह है कि मैं बपतिस्मा नहीं ले सकता?

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- रथ, रथों ,रथियों

45:12

सो वह पानी के अन्दर गए और फिलुप्प्स ने खोजे को बपतिस्मा दिया - जैसे ही वह दोनों पानी से बाहर आए ,अचानक रुहुलक़ुदुस फिलुप्पुस को दूसरी जगह पर ले गया - वहाँ पर फिलुप्पुस ने लोगों को मनादी करना जारी रखा -

फिलिप्पुस को ले गया

मतलब यह कि “फिलिप्पुस को उठाकर ले गया” या “फिलिप्पुस को झपट कर ले गया”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

45:13

खोजा ने अपने घर तक सफ़र को जारी रखा - वह खुश था कि अब वह यीशु को जान्ता था -

बाइबिल कि एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

_आमाल 6 :8 – 8:5 ; 8:26-40 तक बाइबिल की एक कहानी _

46 पौलुस एक मसीही बन जाता है

46:01

शाऊल नाम का एक शख्स था जो यीशु पर ईमान नहीं रखता था - वह जब जवान था तो स्तिफ़ुनुस के मारे जाने के वक़्त लोगों के कपड़ों की रखवाली किया था जो उस को संगसार कर कर रहे थे - बाद में उसने मसीहियों को सताया था - वह येरूशलेम में आदमियों और औरतों को गिरफ़तार करके उन्हें क़ैद खाने में डलवाता था - फिर सरदार कहिन ने उसे इजाज़त दी कि वह दमिशक़ शहर को जाए ,वहां मसीहियों को गिरफ्तार करके वापस येरूशलेम में ले आए और उन्हें क़ैद करे -

उन लोगों के कपड़ों की हिफ़ाज़त की जिन्हों ने स्तिफ़ुनुस को संगसार करके हलाक कर दिया था -

देखें 45:06-

घर घर जाकर

मतलब यह कि “कई एक घरों में”

दमिश्क

दमिश्क अभी सीरिया पाए तख़्त (दारुलख़िलाफ़ा) है -पौलुस के ज़माने में यह रोमी सल्तनत का एक शहर था-उन दिनों दमिश्क में कई लोग यहूदी नहीं थे -थोड़े यहूदी थे और कुछ मसीही लोग भी वहां रहते थे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

- यरूशलीम
- सरदार काहिन

46:02

सो शाऊल ने दमिश्क़ का सफ़र शुरू किया शहर में पहुँचने के थोड़े ही फ़ासिले पर अचानक से एक तेज़ रौशनी उस के चारों तरफ़ चमकी जिस से उस की आँखें चुंधिया गईं और वह ज़मीन पर गिर पड़ा - शाऊल ने किसी को यह कहते सुना “ऐ शाऊल ! ऐ शाऊल ! तू मुझे क्यूँ सताता है ? शाऊल ने पूछा ऐ खुदावंद तू कौन है ? यीशु ने उसको जवाब दिया ,”मैं यिशु हूँ जिसे तू सताता है “-

उसके रास्ते में

मतलब है “उसके सफ़र के दौरान”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

46:03

जब शाऊल उठा तो वह देख नहीं सकता था - उसके दोस्तों ने उसे दमिशक़ को ले गए - शाऊल तीन दिन तक न कुछ खाया और न पिया -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल

46:04

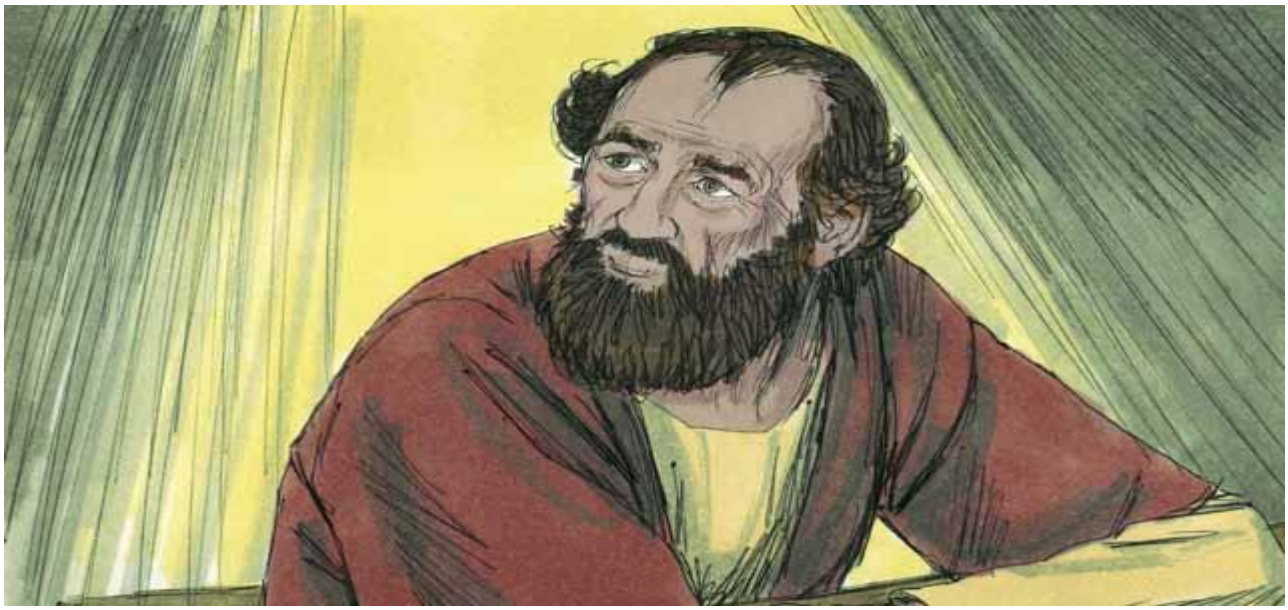

दमिशक़ में हननिया नाम का एक शख्स था - खुदा ने उससे कहा कि “वह उस घर में जाए जहाँ शाऊल रुका हुआ था - उसकी आँखों में अपने हाथ फेरना ताकि वह फिर से देखने लगे - मगर हननिया ने खुदा से कहा ,मैं ने तो सुना है कि उसने ईमानदारों को बहुत सताया है -मगर खुदा ने उस से कहा , तू जा ,क्यूंकि यह यहूदियों और दीगर कौम के लोगों में मेरा नाम ज़ाहिर करने का मेरा चुना हुआ वसीला है – वह मेरे नाम की ख़ातिर बहुत दु:ख उठाएगा –“

मगर हननियाह ने कहा

अगर यह साफ़ नहीं है कि लफ़्ज़ “मगर” का इस्तेमाल यहां पर क्यों किया गया है तो इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है कि “मगर हननियाह डरा हुआ था इसलिए उसने कहा”

ख़ुदा ने उसे जवाब दिया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “हननियाह को दोबारा यक़ीन दिलाने के लिए ख़ुदा ने उस से कहा” साफ़ करने के लिए कि क्यूँ ख़ुदा ने यह कहा -

मेरे नाम का दावा करने के लिए

मतलब यह कि “मेरी बाबत सिखाने के लिए” या मेरे नाम की शोहरत फैलाने के लिए -

मेरे नाम के लिए

मतलब यह कि “मेरे लिए” या “मेरे सबब से” या “क्यूंकि वह मेरी ख़िदमत करता है” या “इसलिए कि वह मेरी बाबत दूसरों को सिखाता है”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- ख़ुदावन्द
- पौलुस, शाऊल
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

- सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले
- दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता

46:05

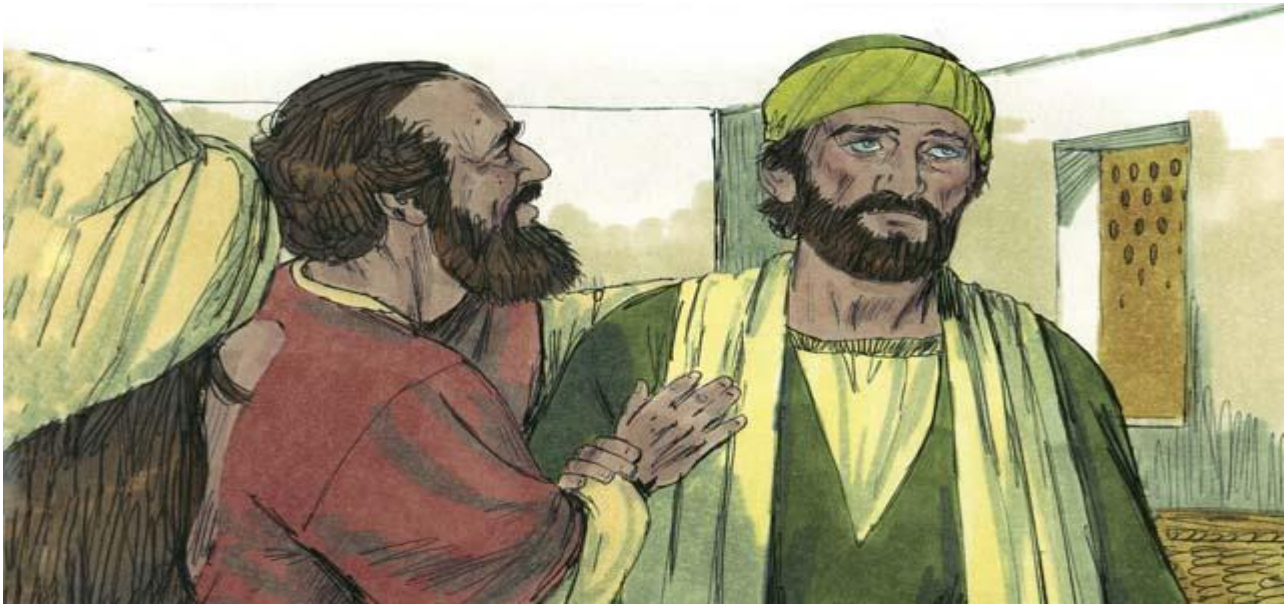

सो हननिया पौलुस के पास गया , उसकी आन्खों पर अपने हाथ फेरे , और कहा “यीशु जो तुझ पर रास्ते में ज़ाहिर हुआ उसने मुझे तेरे पास भेजा है ताकि तू फिर से देख सके और तू रूहुल्कुदुस से भरा जाएगा “फ़ौरन ही शाऊल फिर से देखने लगा और हनानिया ने उसको बपतिस्मा दिया - फिर शाऊल ने कुछ खाया पिया तो उसके जिस्म में फिर से ताक़त आई -

यहां

यह कि “दमिश्क को”

अपनी आँखों की रौशनी दोबारा पाओ

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “दोबारा से देखने लायक़ होजाओ”

उसकी ताक़त वापस आई

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “वह फिर से ताक़तवर हो गया” या “वह बेहतर महसूस करने लगा”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा

46:06

इस सब के फ़ौरन बाद , शाऊल दमिशक़ के यहूदियों के दरमियान मनादी करने लगा और कहने लगा कि “यीशु खुदा का बेटा है” यहूदी ताज्जुब करने लगा कि कल तक तो शाऊल ईमानदारों को हलाक करने कोशिशें करता रहा ,अब वह खुद यीशु पर ईमान ले आया ! शाऊल यहूदियों से बहस करने लगा , उसने उन्हें बताया कि यीशु ही मसीहा है -

एक दम से

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “अचानक” या “फिर”

यहूदियों से दलीलें पेश करता था

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “येसु पर ईमान लाने के लिए यहूदियों को अच्छी दलीलें पेश करता था” या “दिल में घर कर जाए उस तरह यहूदियों से बात करता था”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- मसीह ,मसीहा

46:07

बहुत दिनों के बाद यहुदियों ने शाऊल को हालाक करने का मंसूबा बाँधा – उन्हों ने **शहर के फाटक** पर कुछ लोग तैनात किये कि उस पर नज़र रखे ताकि उसको हलाक कर दे -मगर किसी तरह शाऊल को उनके मनसूबे का पता चल गया तो उस के दोस्तों ने उसे बचा लिया -उनहोंने उसे एक टोकरी में बैठा कर शहर की दिवार से नीचे उतार दिया – दमिशक़ से बच निकलने के बाद शाऊल ने यीशु की मनादी जारी रखी -

शहर के फाटक

फाटक ही एक आम रस्ता था शहर के अन्दर या बाहर जाने का क्यूंकि चारों तरफ़ दीवार थी -

उसको एक टोकरी में बैठा कर शहर कि दीवार से नीचे कर दिया

कहने का दूसरा तरीक़ा यह होगा कि “एक बड़ी टोकरी में बैठा कर उस टोकरी को दीवार के सहारे नीचे कर दिया –इस तरह से उसकी मदद की -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- पौलुस, शाऊल
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

46:08

शाऊल रसूलों से मिलने येरूशलेम को गया मगर वह उस से डरते थे - फिर बर्नाबास नाम एक ईमानदार शाऊल को रसूलों के पास ले गया - उसने रसूलों को बताया कि किस तरह शाऊल ने दमिश्क में दिलेरी के साथ मनादी की थी - उसके बाद रसूलों ने शाऊल को कबूल किया -

शाऊल को क़बूल कर लिया गया

मतलब यह कि “यह यक़ीन कर लिया गया कि शाउल भी येसु मसीह में एक ईमानदार था” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- यरूशलीम
- शागिर्द, शागिर्दों
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- बरनबास
- रसूल, रसूलों, रिसालत
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया

46:09

कुछ ईमानदार जो येरूशलेम के सताव से भाग कर गए थे वह दूर के एक शहर अन्ताकिया में जाकर यीशु की मनादी करने लगे - अन्ताकिया के बहुत से लोग यहूदी नहीं थे - मगर वहां के बहुत से लोग ईमान लाए और पहली बार अन्ताकिया में ही लोग मसीही कहलाए -बर्नाबास और शाऊल अन्ताकिया को गए ताकि यीशु के बारे में लोगों को और ज़ियादा सेहत से बताए और कलीसिया को मज़बूत करे - यह पहला मोक़ा था कि अन्ताकिया में ईमानदार लोग मसीही कहलाए -

अन्ताकिया शहर

यह एक क़दीम शहर था जो मौजूदा तुर्की के जुनूबी ख़ित्ते में वाक़े था -उसकी सरहद के नज़दीक सीरिया है जिसके क़रीब में बुहीरा -ए- रोम है यह यरुशलेम के शिमाली मग़रिब में 450 मील दूरी पर है -

कलीसिया को बढ़ाता गया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “मदद की कि कलीसिया रूहानी तौर से मज़बूत हो और बढ़ती जाए” या “ईमानदारों की मदद की वह येसु के ईमान में बढ़ते जाएं” या “लोगों कि मदद की कि पक्के तोर से मसीह येसु पर ईमान लाएं “-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले
- यरूशलीम
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों
- बरनबास
- पौलुस, शाऊल
- कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया
- मसीही

46:10

एक दिन अन्ताकिया में मसीही लोग जब रोज़ा और दुआ में बैठे हुए थे तो रूहल क़ुदुस ने कालिसिया के लोगों से कहा कि “मेरे लिए बरनबास और शाऊल को अलग करो कि जिस काम के लिए मैं ने उन्हें बुलाया है वह करे”-सो अन्ताकिया की **कलीसिया** ने उन दोनों के सर पर हाथ रखे और दुआ की – फिर वह यीशु की खुशखबरी की मनादी के लिए दूसरी दूसरी जगहों में भेजे गए - बरनबास और शाऊल ने फ़रक़ फ़रक़ लोगों में जाकर यीशु की तालीम दी और बहुत से लोग ईमान लाए -

एक दिन

यह मुहावरा एक वाक़िये का तआर्रुफ़ कराता है जो माज़ी में गुज़रा था मगर ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शुरू करने का यही तरीक़ा होता है -

मेरे लिए अलग करो

इस जुमले को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “पौलुस और बरनबास को एक ख़ास ख़िदमत के लिए मुक़र्रर करो जिस को करने के लिए मैं ने उन्हें चुना है -

कलीसिया

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ईमानदार लोग” या “मसीही लोग”

उनपर अपने हाथ रखे

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उन पर हाथ रखने के ज़रिये उनको रूहुलक़ुदुस की क़ुव्वत और इख़्तियार के साथ बरकत दी” या “रूह में एक होने की निशानी बतौर उन पर हाथ रखकर दुआ की” कुछ ज़बानों में कहा जा सकता है कि उन पर हाथ कहाँ रखे गए थे -अगर ऐसी बात है तो आप कह सकते हैं कि उन के सर पर ,कंधे पर या पीठ पर -

उन्हें बाहर भेजा गया

मतलब है ,”उन्हें दूर भेजा गया” या “उन्हें उनके सफ़र पर भेजा गया”

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रोज़ा, रोज़े, रोज़ा रखा, रोज़ा, रोज़ा रखना
- दुआ' कर, दुआ', दुआ'वों , दुआ'की
- पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह
- कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया
- बरनबास
- पौलुस, शाऊल
- 'ऐलान करना, 'ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा'ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

_आमल 8:3 ; 9:1 -31; 11 :19 -26 ; 13 1-3 तक बाइबिल की एक कहानी _

47 . फिलिप्पी में पौलुस और सिलास

47:01

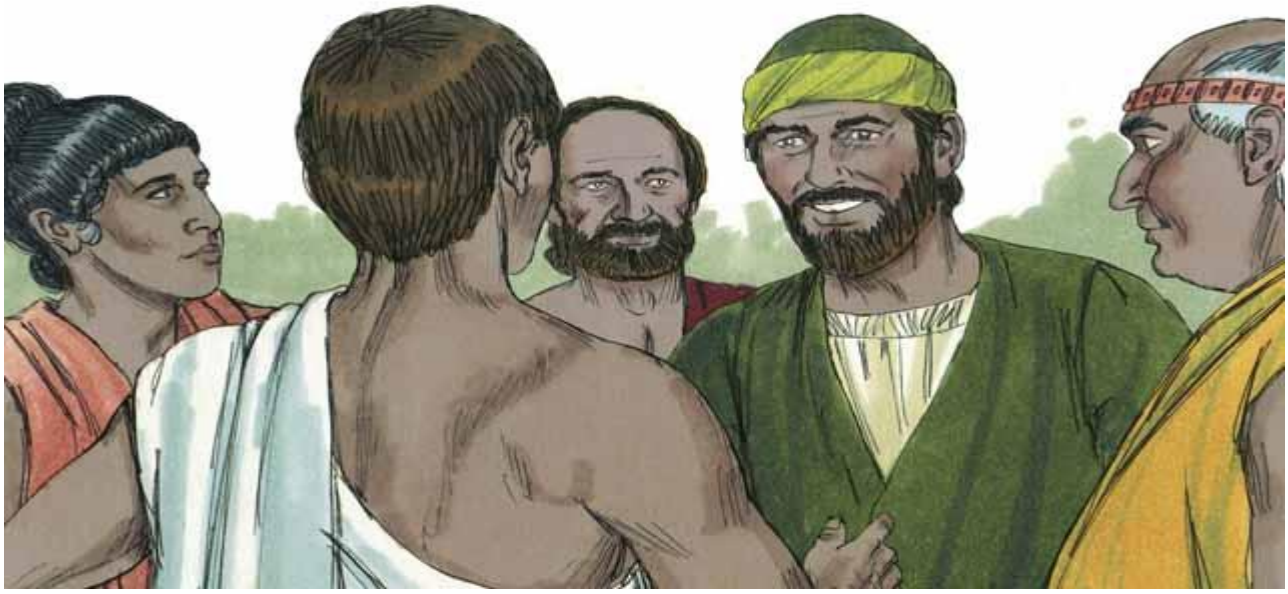

जब शाऊल ने तमाम रोमी सल्तनत में सफ़र को अंजाम दिया तो उस ने अपना रोमी नाम “पौलुस” का इस्तेमाल शुरू किया - एक दिन पौलुस और उस का साथी सिलास यीशु की **मनादी** के लिए फिलिप्पी शहर को गए - शहर से बाहर एक नदी के किनारे लोग दुआ के लिए जमा हुए थे - वहां उन्हों ने लिदिया नाम कि एक औरत से मुलाक़ात की जो तिजारत करती थी – वह सब से प्यार करती थी और खुदा की इबादत करती थी-

मनादी

मतलब है ,”सिखाना” या “मुनादी करना”

ताजिरा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “बेचने वाली” या “धंदे की मालकिन”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रोम, रोमी
- पौलुस, शाऊल
- सीलास, सिल्वानुस
- फ़िलिप्पी, फ़िलिप्पियों
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- ‘इबादत
- ख़ुदावन्द

47:02

खुदा ने लिदया का दिल खोला कि यीशु के पैग़ाम पर ईमान लाए - पौलुस और सिलास ने उसे और उसके खानदान वालों को बपतिस्मा दिया - उसने पौलुस और सिलास को दावत दी कि मनादी के दौरान उस के घर में ठहरा करे -

लुदिया का दिल खोला गया

मतलब यह कि “लुदिया को इस क़ाबिल किया”

उसने और उसके ख़ानदान ने बपतिस्मा लिया

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “उन्हों ने लुदिया और और उसके ख़ानदान को बपतिस्मा दिया”

सो वह उसके और उसके ख़ानदान के साथ रहने लगे

यह उस ज़माने में एक आम रिवाज था कि परदेसी लोगों को अपने घरों में पनाह देकर उन की ख़ातिर तवाज़ो की जाती थी - इस इन्तिज़ाम में किसी भी तरह की बद- इख़्लाक़ी का मक़सद या मंशा नहीं हुआ करता था -

तरजुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- पौलुस, शाऊल
- सीलास, सिल्वानुस

47:03

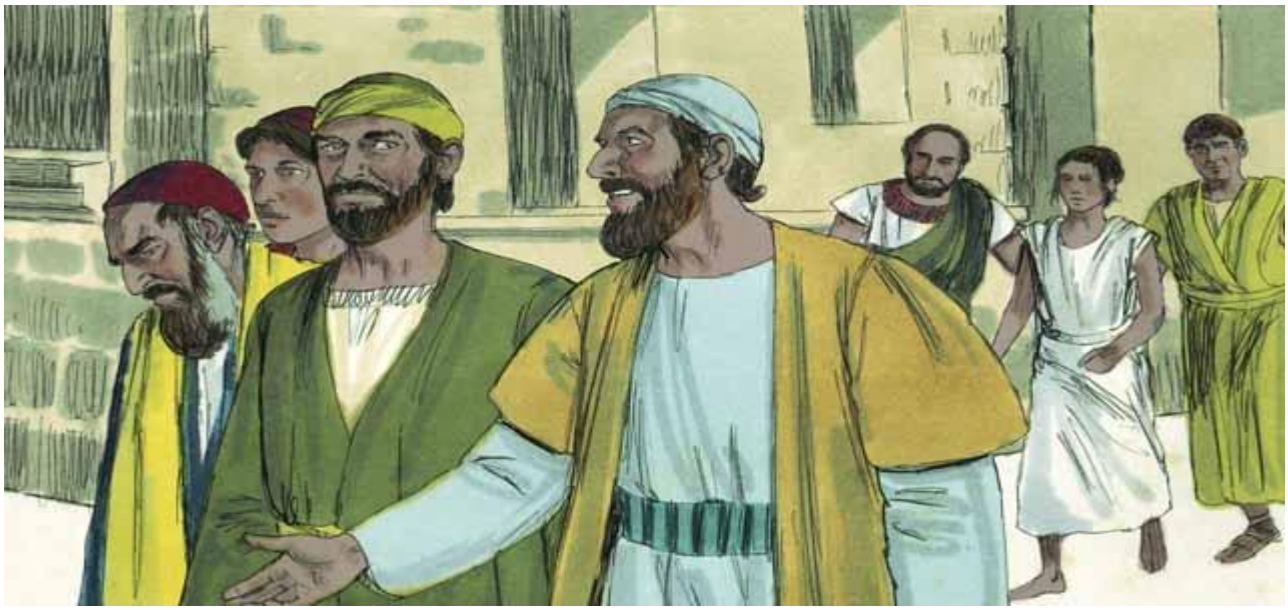

पौलुस और सिलास अक्सर उस जगह पर जाते थे जहाँ यहूदी लोग दुआ किया करते थे - हर दिन जब वह वहाँ पर जाते थे तो बदरुह से समाई हुई एक लोंडी उनका पीछा करती थी - इस बद्रूह के ज़रिये वह लोगों का मुस्तक़बिल बताया करती थी - सो यह अपने मालिक के लिए एक किस्मत बताने वाली बतोर बहुत पैसे कमाया करती थी -

उसके सरदार

इस मुआमले में इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "उसके मालिक'

एक गैबगोई बतौर

मतलब यह कि लोगों को उनके मुस्तक़बिल की बाबत बताना कि आगे उनके साथ क्या होने जा रहा है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- सीलास, सिल्वानुस
- दुआ' कर, दुआ', दुआ'वों , दुआ'की
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- बदरूहों से मुब्तिला
- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

47:04

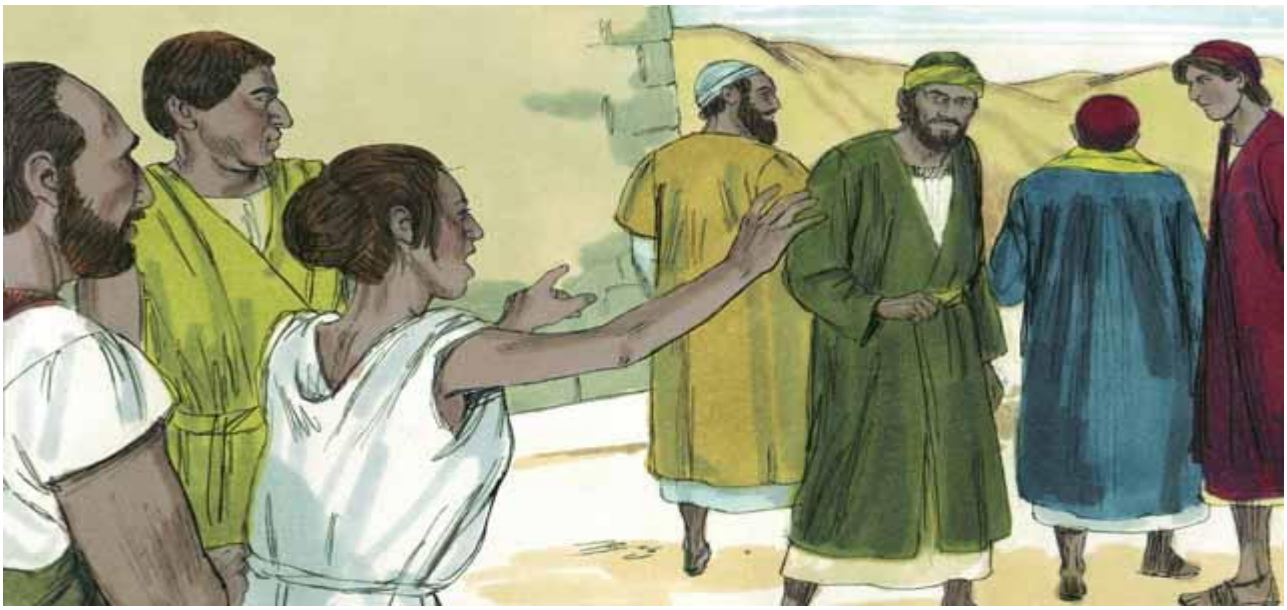

यह लौंडी पौलुस और सिलास के पीछे चिल्लाती जाती थी कि “यह खुदा तआला के खादिम हैं , यह तुमको नजात का रास्ता बता रहे हैं “यह लौंडी अक्सर ऐसा ही किया करती थी - इससे पौलुस बहुत तंग आ चुका था -

नजात पाने का रास्ता

मतलब यह कि “नाजात कैसे पाई जाए” या “ख़ुदा किस तरह से लोगों को बचाता है” या “लोगों को बचाने के लिए ख़ुदा का मंसूबा”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- पौलुस, शाऊल

47:05

आख़िरकार **एक दिन** जब पौलुस का पीछा किया तो पौलुस ने मुड़ कर उस बदरुह को डांट कर कहा “यीशु के नाम से इस लौंडी में से निकल आ”- वह उसी वक़्त उस में से निकल गई -

एक दिन

यह मुहावरा एक वाक़िये का तआर्रुफ़ कराता है जो गुज़र चुका है मगर किसी ख़ास वक़्त का ज़िक्र नहीं करता -कई एक ज़बानों में एक सच्ची कहानी को शुरू करने का एक यही तरीक़ा है -

उसकी तरफ़ मुड़ा

मतलब यह कि “चारों तरफ़ घूमकर उस्की तरफ़ मुख़ातिब हुआ”

येसु के नाम में

मतलब यह कि “येसु के इख़्तियार के ज़रिये” या “येसु के इख़्तियार के सबब से” पौलुस बदरूह को हुक्म दे सकता था कि वह लड़की को छोड़ कर चली जाए -

उसमें से निकल आ

मतलब यह कि “उसे छोड़ दे” या उस के पास से चला जा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- पौलुस, शाऊल
- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

47:06

वह लोग जो इस लौंडी के ज़रिये पैसे कमाते थे पौलुस पर बहुत गुस्सा हुए ! उन्होंने महसूस किया कि बग़ैर बदरूह के वह लौंडी लोगों के मुस्ताक्बिल को नहीं बता सकती थी - इस का मतलब यह हुआ कि अब लोगों से उन मालिको को पैसे नहीं मिलेंगे -

बग़ैर बदरूह के

मतलब यह कि “बग़ैर बदरूह की ताक़त के” या अब उसके अन्दर बदरूह नहीं रही –“

मुस्तक़बिल

मतलब यह कि “मुस्तक़बिल में उन पर क्या गुज़रेगी”

इस का मतलब यह था

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “इसके सबब से” “लिहाज़ा”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

47:07

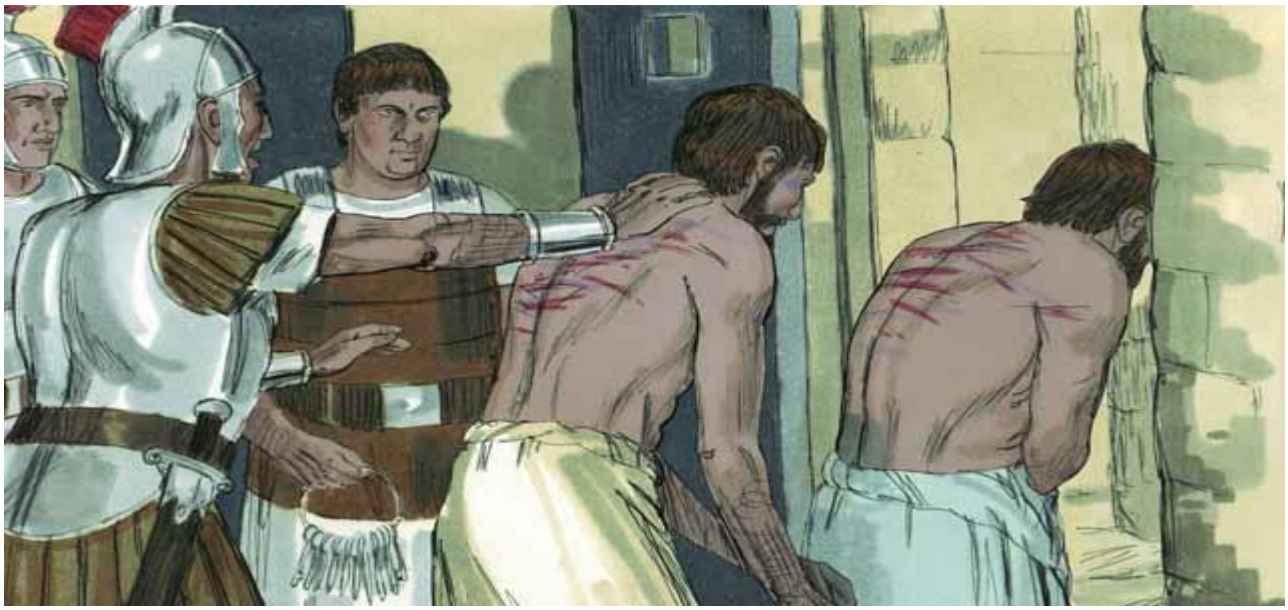

सो लौंडी के मालिकों ने पौलुस और सिलास को रोमी अफसरों के यहाँ ले गए - उन्हों ने पौलुस और सिलास को मारा पीटा और जेल में डाल दिया -

उन्हें फेंकता था

मतलब यह कि “उन्हें डालता था”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- पौलुस, शाऊल
- सीलास, सिल्वानुस
- रोम, रोमी

47:08

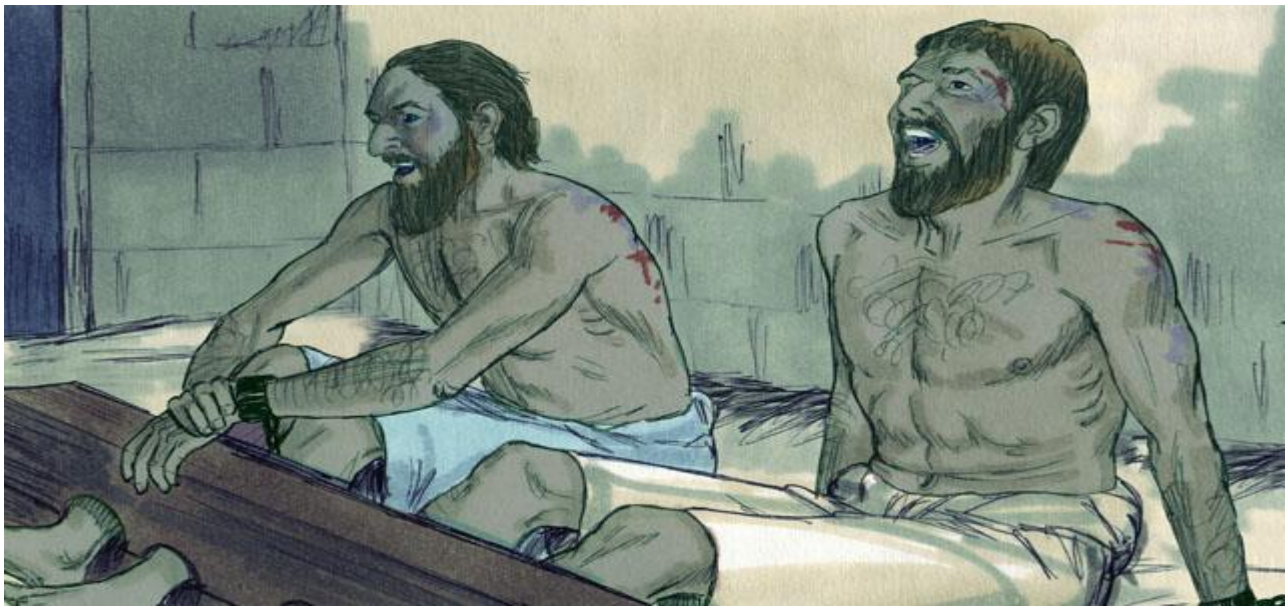

क़ैद में उन दोनों को ऐसी जगह पर रखा जहाँ ज़ियादा पहरेदार थे - यहाँ तक कि उन्हों ने पौलुस और सिलास के पैर लकड़ी के बड़े खूंटों से बाँध रखा था - मगर आधी रात के क़रीब पौलुस और सिलास खुदा की हम्द ओ तारीफ़ कर रहे थे -

आधी रात को

इस को इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “रात में बहुत देर होने पर” या “सुबह के बहुत पहले” यह वो वक़्त था जब क़ैद खाने के बाहर पूरा अँधेरा छाया हुआ था , जब लोग आम तौर पर सोए पड़े थे -

ख़ुदा की हम्द ओ तारीफ़ में गाना गा रहे थे

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “गाने के ज़रिये ख़ुदा की सिताइश कर रहे थे” या “ख़ुदा की हम्द करने के लिए गाना गा रहे थे” या “गाना गा रहे थे जिस से ख़ुदा की हम्द ओ तारीफ़ हो रही थी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- सीलास, सिल्वानुस
- हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात
- ख़ुदावन्द

47:09

जब वह ऐसा कर रहे तो अचानक एक ज़बरदस्त भोंचाल आया जिस से क़ैद खाने के सारे दरवाज़े खुल गए और तमाम जंजीरें निचे गिर पड़ीं -

क़ैदख़ाने खुल गये

मतलब यह कि “ताले खुल गए और अचानक पूरी तरह से खुले पाये गए”

गिर पड़े

मतलब यह कि “अचानक से निकल पड़े” या “अचानक से अलाहिदा हो गए जिस से कैदी रिहा हो गये थे”

47:10

फिर जेल खाने का दारोगा जाग उठा - उसने देखा कि जेल के सारे दरवाज़े खुले पड़े हैं - उस ने सोचा कि कैदी भाग गए होंगे - उस को डर था कि रोमी अफ़सर उसको इस लिये मार डालेंगे क्यूंकि मैं ने उन्हें जाने दिया था -सो वह खुद कुशी करने के लिए तैयार हो गया - मगर पौलुस ने जब उसे देखा तो चिल्लाया “रुक जाओ – अपने आप को नुख्सान न पहुँचाओ - क्यूंकि **हम** सब यहीं हैं –“

जेल का दारोगा

मतलब है “जेल का ज़िम्मेवार शख़्स”

हम

कुछ ज़बानों में इस लफ़्ज़ की एक ख़ास शक्ल है “हम” यहाँ पर उस शख़्स को शामिल नहीं करता जिस से बात की जा रही है -यहाँ “हम” दरोग़ा को शामिल नहीं करता बल्कि सिर्फ़ पौलुस और दीगर क़ैदियों को -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- रोम, रोमी
- पौलुस, शाऊल

47:11

दारोगा डरते और कांपते हुए पौलुस और सिलास के पास आया और पूछा ,"मैं क्या करूँ कि नजात पाऊँ "? पौलुस ने जवाब दिया ,"यीशु जो सब का मालिक है उस पर ईमान ला तो तू और तेरा खानदान बच जाएगा – "फिर दरोगा पौलुस और सिलास को अपने घर ले गया उनके ज़ख्म धोए - पौलुस ने उसके घर के हर एक शख्स को यीशु की खुशखबरी सुनाई -

नजात पाने के लिए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "मुझे अपने गुनाहों से बचने के लिए" या ताकि ख़ुदा मझे मेरे गुनाहों से बचाए" यह सवाल नजात की तरफ़ इशारा करता है – दरोग़ा ने सोचा कि ज़लज़ला ख़ुदा की तरफ़ से सज़ा का ऐलान था -

येसु पर ईमान ला जो तमाम जहां का मालिक है

यह दारोग़ा और उसके ख़ानदान दोनों कि तरफ़ मुख़ातिब है ,जो कि सब ने उसके बाद ईमान लाकर बपतिस्मा लिया -कुछ ज़बानें इशारा करती हैं कि पौलुस एक जमाअत के लोगों से बात कर रहा है -

तू और तेरा घराना नजात पाएगा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "ख़ुदा तुम को और तुम्हारे ख़ानदान को तुम्हारे गुनाहों के लिए अब्दी सज़ा से बचाएगा" इस बात का ध्यान रखें कि यहां नजात का इशारा रूहानी है जिसमानी नहीं

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- सीलास, सिल्वानुस
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- 'ऐलान करना, 'ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा'ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया

- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी

47:12

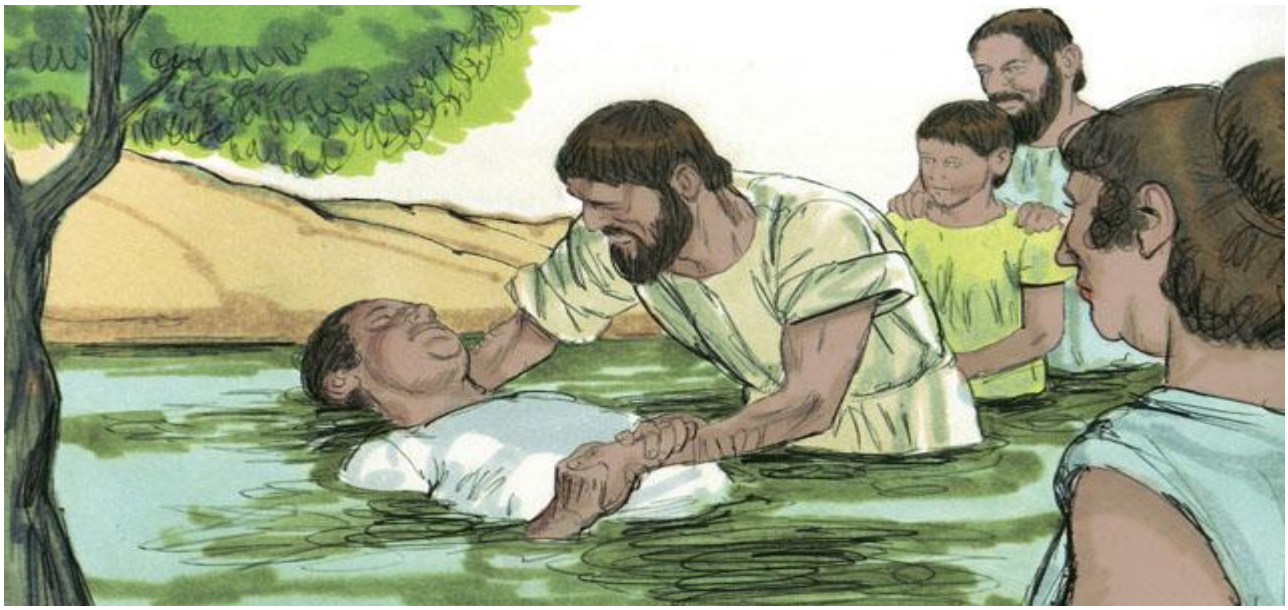

दारोगा और उसके ख़ानदान का हर एक फ़र्द यीशु पर ईमान ले आया और पौलुस और सिलास ने उन्हें बपतिस्मा दिया - फिर दारोगा ने पौलुस और सिलास को खाना खिलाया और सब ने मिलकर ख़ुशी मनाई -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- पौलुस, शाऊल
- सीलास, सिल्वानुस
- ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत

47:13

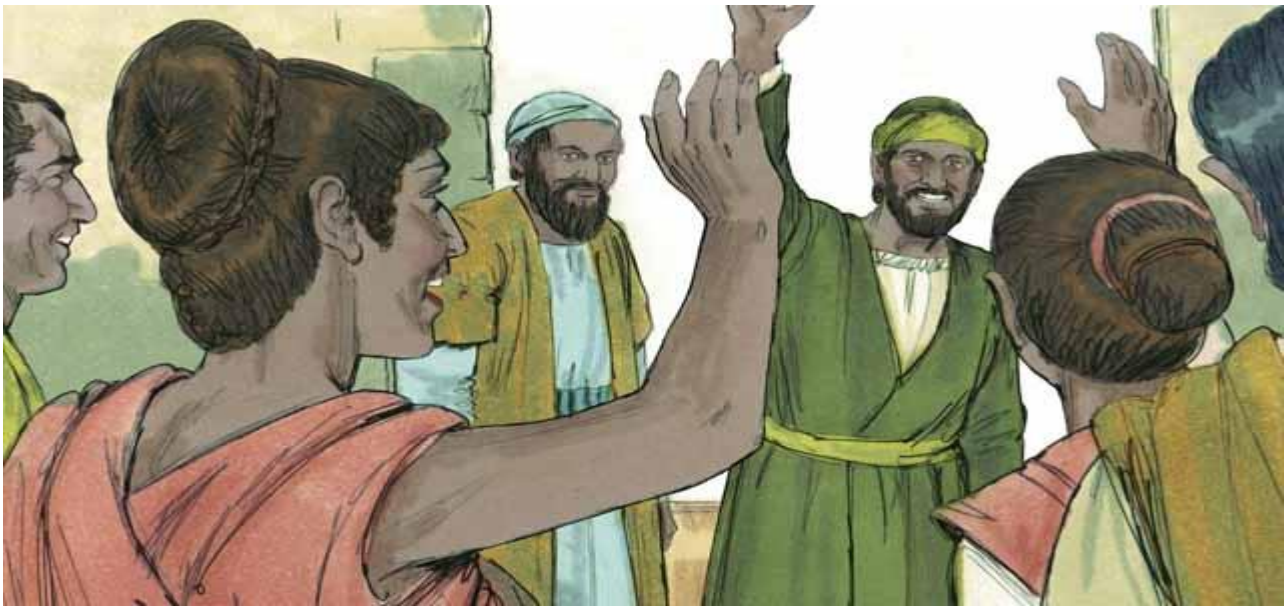

दुसरे दिन शहर के रहनुमाओं ने पौलुस और सिलास को जेल से रिहा करवाया और उन से कहा कि फिलिप्पी छोड़कर चले जाएँ - पौलुस और सिलास ने लिदया और दीगर दोस्तों से मुलाक़ात की और शहर छोड़कर चले गए - यीशु कि खुशखबरी हर जगह फैलती गई और कलीसिया तरक़्क़ी करती जा रही थी -

शहर के फ़ौजदारी के हाकिम

यह हवाला देता है “शहर के हाकिमों” की तरफ़ या “शहर के इख़्तियार वालों” की तरफ़ -

येसु की ख़ुशख़बरी फैलती जारही थी

मतलब यह कि “लोगों ने कई एक जगहों में येसु की बाबत ख़ुशख़बरी को सुना”

कलीसिया तरक़्क़ी करती गयी

मतलब यह कि “ज़ियादा से ज़ियादा लोग कलीसिया का हिस्सा बनते गए” या ज़ियादा से ज़ियादा लोग येसु पर ईमान लाते जा रहे थे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- सीलास, सिल्वानुस
- फ़िलिप्पी, फ़िलिप्पियों
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया

47:14

पौलुस और दीगर मसीही रहनुमा कई एक शहरों में सफ़र करके यीशु कि मनादी की और लोगों को खुशखबरी की बाबत तालीम दी - उन्हों ने कई एक ख़त भी लिखे ताकि कलीसिया के ईमानदारों को सिखाए और उनकी हौसला अफ़ज़ाई करे - उन में से कुछ ख़ुतूत बाइबिल की किताबें बन गईं -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- पौलुस, शाऊल
- मसीही
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया

_आमल 16 :11-40 तक बाइबिल की एक कहानी _

48 यीशु वादा किया हुआ मसीहा है -

48:01

जब ख़ुदा ने दुनया बनाई , हर एक चीज़ कामिल थी -**कोई गुनाह नहीं था** -आदम और हव्वा एक दुसरे से प्यार करते थे और वह खुदा से भी महब्बत रखते थे - वहां **कोई बीमारी या मौत नहीं थी** - ऐसा ही निज़ाम खुदा चाहता था कि दुनया का हो -

ख़ुदा ने दुनिया को बनाया

मतलब यह कि “ख़ुदा ने दुनिया को कुछ नहीं में से बनाया”

बिलकुल दुरुस्त

मतलब यह कि “जैसा उसे अस्ल में होना चाहिए था वैसा”ताकि ख़ुदा जो चाहता था कि उस के लिए पूरा करे

कोई गुनाह नहीं था

कुछ ज़बानों के लिए ”गुनाह” को बयान करना मुमकिन नहीं है कि यह एक चीज़ है या एक शख़्सी अमल -उन मामलों में इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “किसी ने कभी गुनाह नहीं किया” या “लोगों ने गुनाह नहीं किया” या “कोई बुरी चीज़ वाक़े नहीं हुई”

कोई बीमारी या मौत नहीं थी

मतलब यह कि “कोई बीमार नहीं हुआ और न कोई मरा” या “वह बीमार नहीं हुए और न मरे”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

- आदम
- हव्वा
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

48:02

अदन के **बाग़** में शैतान सांप की शकल में हव्वा के पास आया और उस से बातें कीं - क्यूंकि वह उसको फुसलाकर धोका देना चाहता था - फिर वह और आदम दोनों ने खुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया - जिसके अंजाम बतोर हर कोई ज़मीन पर मरता गया -

बाग़

यह उस बाग़ -ए- अदन कि तरफ़ इशारा है जिसे ख़ुदा ने बनाया और जहां पहले आदमी और औरत को रखा -

औरत को धोका दिया

मतलब यह कि “हव्वा को झूट बोला” जो कुछ ख़ुदा ने कहा था उसकी बाबत हव्वा के दिल में शक ले आया – ऐसा करने के ज़रिये उसने उसके साथ चाल चली कि औरत ख़ुदा कि ना फ़रमानी करे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शैतान, शैतान, बुरा
- हव्वा
- आदम
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदावन्द
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

48:03

इसलिए कि आदम और हव्वा ने गुनाह किया कुछ बदतर किसम की बात वाक़े हुई - वह खुदा के दुश्मन बन गए जिस का अंजाम यह हुआ कि उनके बाद का हर एक शख्स गुनाह करता गया - हर एक शख्स पैदाइशी खुदा का दुश्मन होने लगा - ख़ुदा और लोगों के दरमियान कोई सुलह नहीं थी - मगर खुदा सुलह रखना चाहता था -

यहां तक कि और ज़ियादा हौलनाक

मतलन यह कि “और ज़ियादा बदतर” या “निहायत बदतर” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- आदम
- हव्वा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदावन्द

48:04

खुदा ने वादा किया था कि हव्वा कि नसल में से एक शख्स शैतान के सर को कुचलेगा - उसने यह भी कहा कि शैतान उसकी एड़ी को डसेगा – दुसरे मायनों में शैतान मसीहा को मारेगा मगर ख़ुदा उसको फिर से ज़िन्दा करके उठाएगा - उसके बाद मसीहा शैतान से हमेशा के लिए ताक़त और क़ुवत छीन लेगा -

शैतान के सिर को कुचलेगा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "शैतान के सर पर चढ़कर पूरी ताकत से टकराकर नीचे गिराएगा' या उसपर क़दम रखकर उसके सर को रेज़ा रेज़ा करदेगा -यह एक शख़्स की तस्वीर है जब वह सांप के सिर की ऐसी हालत बना देता है -सिर पूरी तरह से कुचल दिया गया है और सांप मर चुका है और इसलिए नुक़सान नहीं है -

एड़ी पर काटेगा

यह ज़मीन पर रेंगते हुए एक सांप की तस्वीर है जो एक शख़्स के पैर पर काटता है -इस मामले में शैतान मसीहा को मुसीबत में तो डालेगा मगर किसी तरह से बर्बाद नहीं करेगा -

उसको फिर से जिलाएगा

मतलब यह कि "उसको फिर से ज़िन्दा किया जाएगा"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- हव्वा
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- शैतान, शैतान, बुरा
- मसीह ,मसीहा
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

48:05

खुदा के मनसूबे के मुताबिक़ ख़ुदा ने नुह से कहा कि एक कश्ती बनाए ताकि आने वाले उस बड़े सैलाब से खुद को और अपने ख़ानदान को बचाए जिसे खुदा भेजने वाला था - इस तरह ख़ुदा ने लोगों को बचाया जो उस पर ईमान रखते थे - इसी तरह हर एक शख्स इस बात का मुस्तहक़ होता है कि खुदा उस को हलाक करे क्यूंकि सब ने गुनाह किया है - मगर खुदा ने यीशु को भेजा कि जो कोई उस पर ईमान लाए वह बच जाए -

उनके गुनाहों के सबब से बर्बाद होगए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ख़ुदा की तरफ़ से हर एक शख़्स को अब्दी तौर से सज़ा दी जाएगी क्यूंकि ऊन्होंने गुनाह किया है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

48:06

कई सौ साल तक काहिन लोग खुदा के लिए कुर्बानियां चढ़ाते रहे - यह इस बात को ज़ाहिर करता है कि लोगों ने गुनाह किया और वह खुदा की सज़ा के मुस्तहक़ थे -मगर वह कुर्बानियां उन के गुनाहों को दूर नहीं कर सकते थे - मगर यीशु सब से बड़ा काहिन है – उसने वह किया जो दुसरे काहिन नहीं कर सकते थे - उसने ख़ुद को एक वाहिद कुर्बानी बतोर दे दिया ताकि हर एक के गुनाह उठा लेजाए - उसने क़बूल किया कि सब के गुनाहों के लिए ख़ुदा उसको सज़ा दे - यही वजह है कि यीशु एक कामिल सरदार काहिन था -

उसने ख़ुद को दे दिया

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “येसु ने ख़ुद को हलाक होने दिया”

सज़ा को उठा लिया

मतलब यह कि “अपने ख़ुद के जिस्म में सज़ा को हासिल कर लिया” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सरदार काहिन
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

48:07

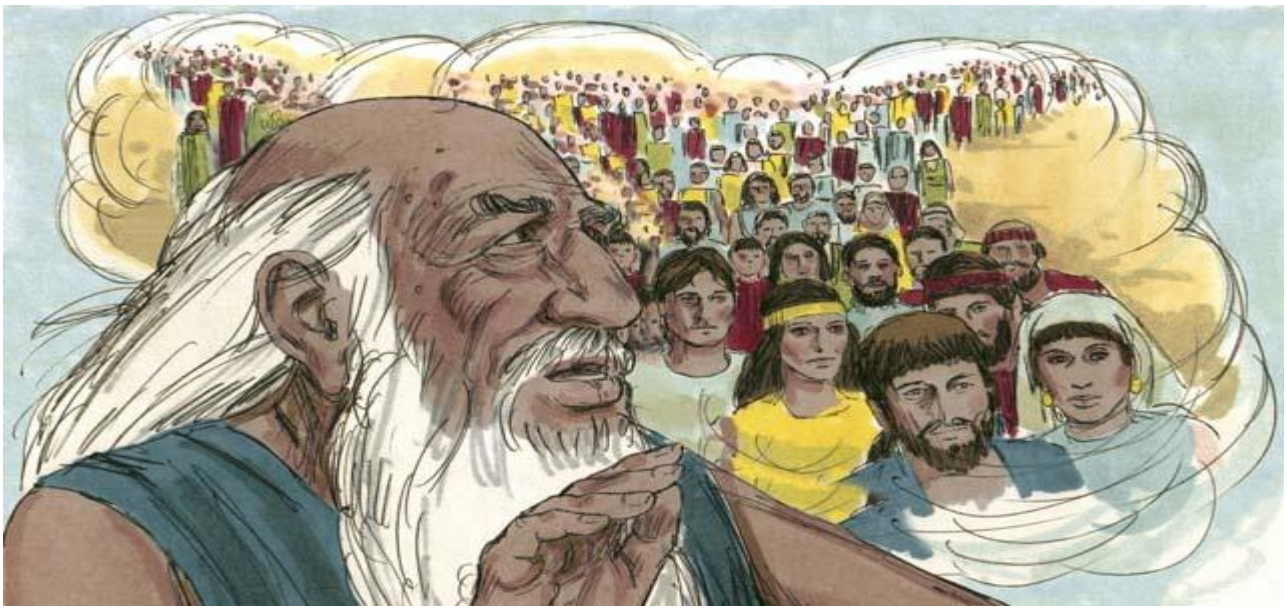

खुदा ने अब्रहाम से कहा था कि ज़मीन पर तमाम कौमों को तेरे वसीले से बरकत दूंगा - यीशु इसी अब्रहाम की नसल से था - ख़ुदा तमाम कौमों के लोगों को अब्रहाम के वसीले से बरकत देता है - इस लिए कि खुदा उन्हीं को बचाता है जो यीशु पर ईमान लाते हैं - जब यह लोग यीशु पर ईमान लाते हें तो खुदा उन्हें अब्रहाम की औलाद बतोर लिहाज़ करता है -

ज़मीन के तमाम कौमों के लोग

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “दुनिया के तमाम मुख़तलिफ़ हिस्सों के लोग”

अब्रहाम की एक रूहानी औलाद

मतलब यह कि “जो अब्रहाम से रूहानी तौर से रिश्ता रखते हैं और जो ख़ुदा के लोग हैं” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- क़ौम, लोगों, लोग, एक ‘अवाम
- बरकत, मुबारक, बरकत देना
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- रूह , रूहें , रूहानी

48:08

खुदा ने अब्रहाम से कहा कि तू अपने एक्लोते बेटे इज़हाक़ को उसके लिए क़ुर्बान करे - मगर फिर ख़ुदा ने इज़हाक़ के बदले एक बररा क़ुरबानी के लिए दिया - हम सब के सब अपने गुनाहों के लिए मरने के मुस्तहक़ हैं ! मगर खुदा ने हमारी जगह पर एक क़ुरबानी बतोर यीशु को दे दिया - इसी लिए हम यीशु को खुदा का बर्रा कहते हैं -

उसके बेटे इज़हाक़ के बदले

इसको इस तरह से भी तरजुमा किया जा सकता था जैसे “उस के बेटे इज़हाक़ की जगह पर” या “ताकि वह अपने बेटे इज़हाक़ को क़ुर्बानी बतौर न चढ़ाए”

मरने का मुस्तहक़

मतलब यह कि मरना ज़रूरी

हमारी जगह पर मरने के लिए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “हम में से हर एक की जगह पर मरने के लिए” या “ताकि वह हमको मार न डाले”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- इब्राहीम, अब्राम
- बेटे, बेटों
- इस्हाक़
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

48:09

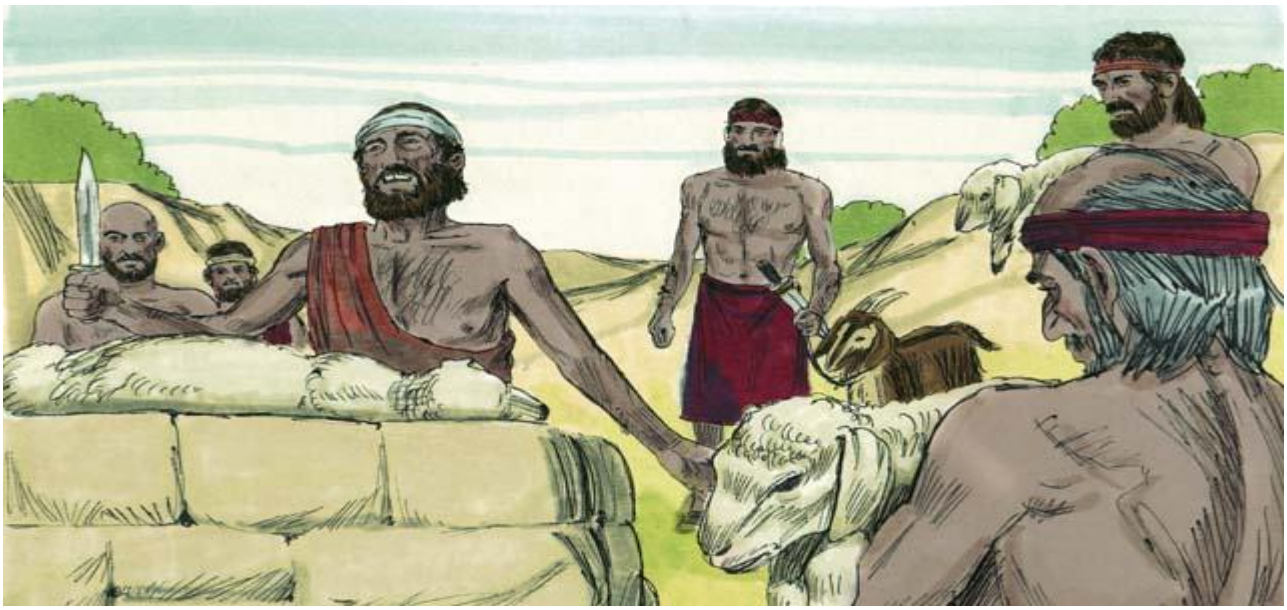

जब खुदा ने मिस्र पर आखरी वबा भेजी तो उस ने हर एक इस्राईली खानदान से कहा कि एक बर्रे को मारना -उसने सख्ती से कहा था कि बर्रा बे ऐब हो - फिर उन्हें उसके खून को अपने घर के चौखट पर लगाना था - जब खुदा उस खून को देखता था तो वह उनको छोड़ता जाता था और उन के पहलोठे बेटे मारे नहीं जाते थे - जब यह वाक़े हुआ तो खुदा ने उसे फ़सह कहा -

मिस्र में आखरी वबा को भेजा

मतलब यह कि "मिस्र पर आखरी आफ़त को आने दिया" यह दसवीं वबा थी जब ख़ुदा ने तमाम मिस्रयों के पहलोठों को हलाक होने दिया -

एक कामिल बर्रा

मतलब यह कि एक बे - ऐब बर्रा

उसका ख़ून

मतलब यह कि बर्रे का ख़ून

दरवाज़े की चौखट

अगर दरवाज़े की चौखट से ना वाकिफ़ इसको सिर्फ़ "दरवाज़ों" बतौर तर्जुमा किया जा सकता है -

छोड़ता गया

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "छोड़ता हुआ गुज़रा" हो सकता है आप जोड़ना चाहते हों इस बात से कि "फ़सह" को किस तरह से तर्जुमा किया गया है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मिस्र, मिस्री, मिस्रियों
- इस्राईल, इस्राईली
- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा
- ख़ून
- फ़सह

48:10

यीशु एक फ़सह के बर्रे की मानिंद है - उसने कभी भी कोई गुनाह नहीं किया था - इसलिए उसमें कोई खता नहीं थी - वह फ़सह की ईद के ऐन वक़्त पर मरा था -जब कोई शख्स यीशु पर ईमान लाता है तो यीशु का खून उस शख्स के गुनाह की क़ीमत अदा करता है - वैसे ही जैसे खुदा उस शख्स से होकर गुज़र गया हो क्यूंकि वह उसको सज़ा नहीं देता -

हमारा फ़सह का बर्रा

मतलब यह कि "हमारे लिए फ़सह का बर्रा मारा गया था" या "वह बर्रा जो मारा गया था ताकि ख़ुदा हम पर से गुज़रे" या बर्रा जो मारा गया था ताकि ख़ुदा हम को छोड़ता हुआ जाए -

बे गुनाह

इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "कभी गुनाह नहीं किया था"

येसु का ख़ून

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे "जो क़ुर्बानी येसु ने खुद से दी जब वह हम गुनाहगारों के लिए मर गया" लफ़्ज़ "ख़ून"भी यहां पर मायने देता है "मौत का"

ख़ुदा की सज़ा उस शख्स पर से गुज़र जाती है

इस बयान के मायने हैं "ख़ुदा उस शख़्स को सज़ा नहीं देता -एक मुहावरे का इस्तमाल करते हुए तर्जुमा करें जो "फ़सह" और फ़सह का बर्रा के लफ़्ज़ों के रिश्ते को बताए अगर बख़्श देना का लफ़्ज़ फ़सह की जगह पर इस्तेमाल हुआ हो तो ऐसा तर्जुमा किया जा सकता है जैसे ख़ुदा उस शख़्स को सज़ा से बख़्श देता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- फ़सह

- बर्रा, ख़ुदा का बर्रा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ख़ून
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

48:11

खुदा ने बनी इस्राईल से एक अहद बांधा था क्यूंकि वह लोग उसकी चुनी हुई कौम थी - मगर ख़ुदा ने एक नया अहद बांधा है जो हर एक के लिए है अगर कोई शख्स किसी क़ोम या क़बीले से इस नए अहद को क़बूल करता है तो वह ख़ुदा के लोगों में शामिल हो जाता है - खुदा ऐसा करता है क्यूंकि वह यीशु पर ईमान लाता है -

बनी इस्राईल जो कि चुने हुए लोग थे

मतलब यह कि “बनी इस्राईल जिन को ख़ुदा ने चुना” या “उसके चुने हुए लोग बनी इस्राईल”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- ‘अहद , ‘अहदों,नया ‘अहद
- इस्राईल, इस्राईली
- [[rc://*/tw/dict/bible/kt/newcovenant]]
- क़ौम, लोगों, लोग, एक ‘अवाम
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

48:12

मूसा एक नबी था जिसने खुदा के कलाम को बड़े ही ज़बरदस्त तरीक़े से मनादी की - मगर यीशु तमाम नबियों में सब से बड़ा है – वह ख़ुदा है - इसलिए जो कुछ उस ने कहा और किया वह किरदार और खुदा के कलाम थे - इसलिए सहीफ़े यीशु को खुदा का कलाम कहते हैं -

एक अज़ीम नबी

मतलब यह कि “एक बहुत ही अहम् नबी”

सब से बड़ा नबी

मतलब है “सब से ज़ियादा अहम् नबी”

वह ख़ुदा का कलाम है

मतलब यह कि “वह ख़ुदा का कलाम कहलाता है’ क्यूंकि वह ख़ुदा की सीरत या ख़ासियत को ज़ाहिर करता है -दीगर नबियों ने ख़ुदा के पैग़ाम की मनादी की जो ख़ुदा ने उनको दिया मगर येसु ने अपनी मनादी और अपनी अमल से ख़ुदा को ज़ाहिर किया -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मूसा
- नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द

48:13

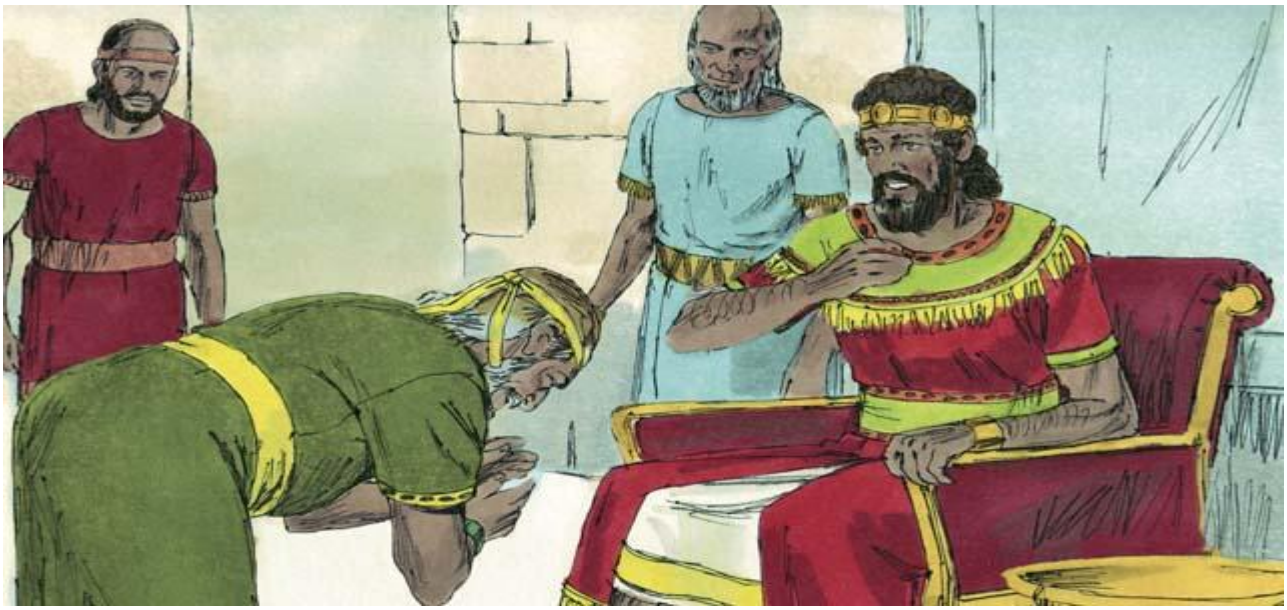

खुदा ने दाऊद बादशाह से वादा किया था कि उसकी नस्ल में से एक बादशाह होगा और उसके लोगों पर हमेशा के लिए हुकूमत करेगा - यीशु खुदा का बेटा और मसीहा है वह दाऊद की नसल से है जो हमेशा के लिए हुकूमत कर सकता है -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया
- दाऊद
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- मसीह ,मसीहा
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

48:14

दाऊद इस्राईल का एक बादशाह था , मगर यीशु पूरी काएनात का बादशाह है ! वह दोबारा आएगा और इन्साफ़ और अमन के साथ हमेशा हमेशा के लिए हुकूमत करेगा -

सारी कायनात का बादशाह

मतलब यह कि “हर एक शख़्स पर , हरेक चीज़ पर और हर जगह बादशाही करने वाला”

एक बाइबिल की कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- दाऊद
- बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत
- इस्राईल, इस्राईली
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही
- इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला,
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले

_पैदाइश 1-3 , 6 ,14, 22 ; ख़ुरूज 12, 20 ; 2 शमूएल 7 ; इब्रानियों 3 :1-6 ,4:14-5:10 ,7 :1-8 :13 ,9:11 -10:18 ; मुकाशिफ़ा 21 तक बाइबिल की एक कहानी _

49 . खुदा का नया अहद

49:01

एक फ़रिश्ते ने एक जवान औरत, मरयम से कहा कि वह खुदा के बेटे को जन्म देगी जबकि वह अभी कुंवारी ही थी - मगररूहुल क़ुदुस उस पर नाज़िल हुआ तब से उसने अपने अन्दर हमल का एहसास किया - उसने एक बेटे को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा – इस लिए यीशु खुदा और इंसान दोनों है -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन
- मरियम, 'ईसा की माँ
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

49:02

यीशु ने कई सरे मोजिज़े किये जो यह बताता है कि वह खुदा है - वह पानी पर चला और आंधी तूफ़ान को थमाया - उसने कई एक बीमार लोगों को शिफ़ाएं दीं और कई एक बदरूहों को आदमी औरतों में से निकाला -उसने मुर्दा लोगों को ज़िन्दा किया , और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों से 5,000 लोगों को खिलाया -

बदरूहों को निकाला

मतलब यह कि बदरूहों को आजिज़ किया कि लोगों में से बाहर आएं

मुर्दे ज़िन्दा किये

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा जा सकता था जैसे मुर्दा लोगों को फिर से जीने का हक़ बख़्शा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों
- ख़ुदावन्द
- शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार
- बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

49:03

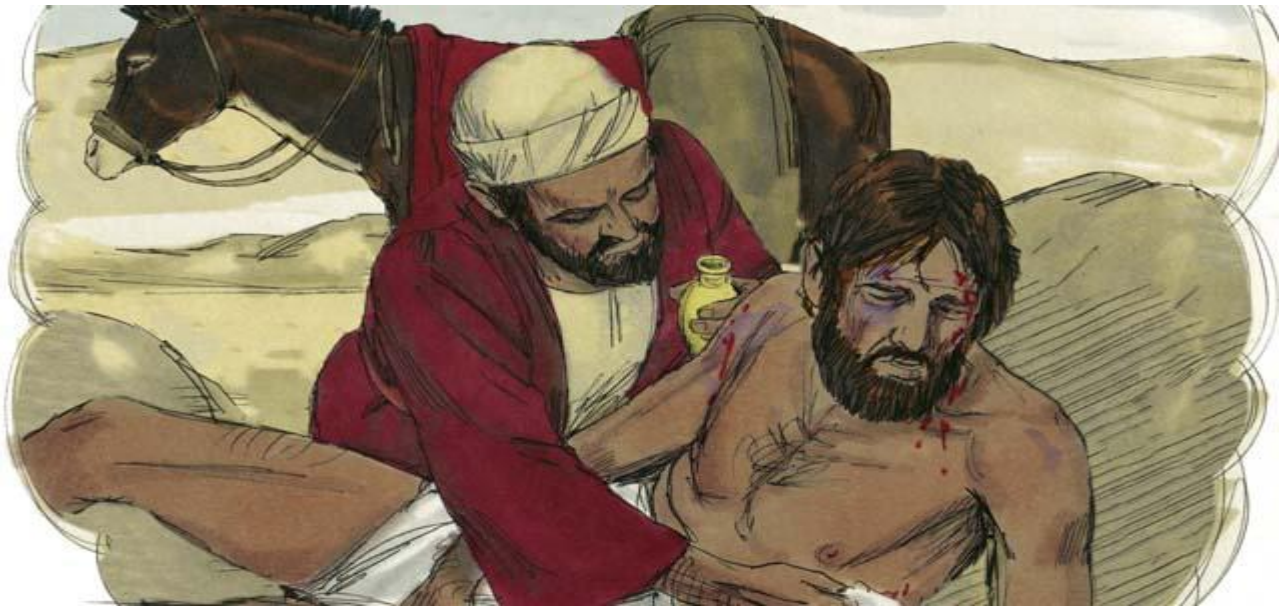

यीशु **एक बड़ा उस्ताद** भी था - हर चीज़ को उसने सही तरीक़े से तालीम दी , सिखाया और समझाया - लोगों को चाहिए कि वह उन बातों पर अमल करे जो उसने कही – थी क्यूंकि वह खुदा का बेटा है - मिसाल के तौर पर उसने कहा था कि “जैसे तुम खुद से प्यार करते हो वैसे ही तुम दूसरों से भी प्यार करो -

एक बड़ा उस्ताद

मतलब यह कि “एक बहुत ही अहम् उस्ताद” या “एक बहुत ही अच्छा उस्ताद”

उसी तरीक़े से

मतलब है “जितना हो सके” या “उसी मिक़दार में” या “उसी दर्जे का”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की

49:04

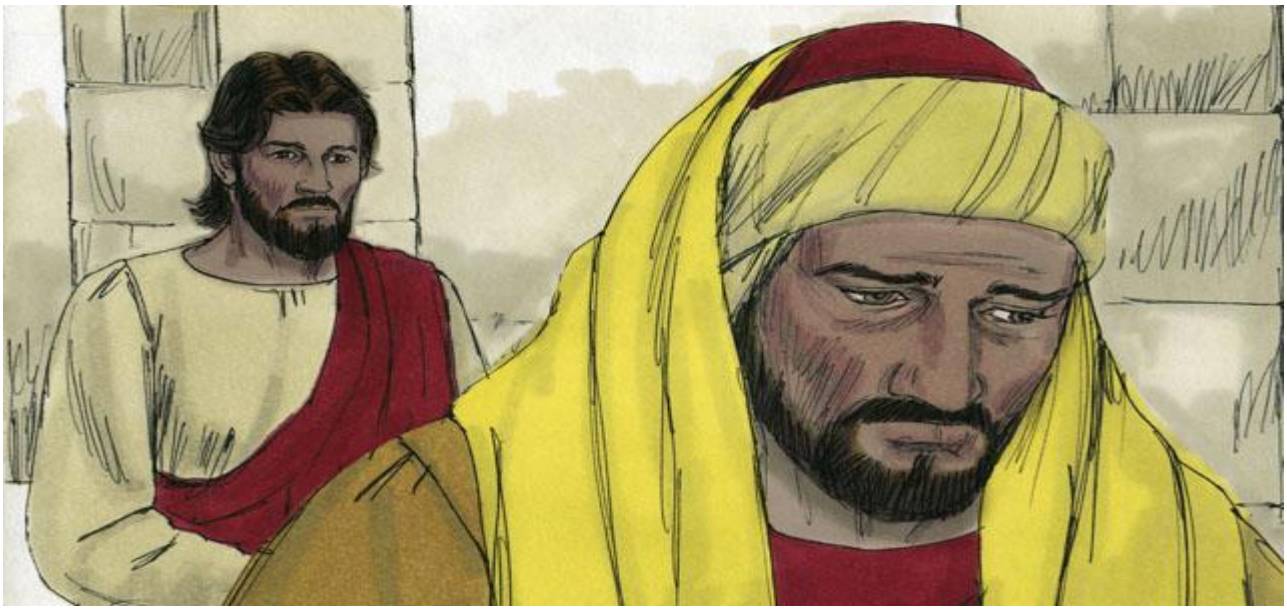

उस ने यह भी तालीम दी कि तुम को हर किसी चीज़ से ज़ियादा खुदा से महब्बत रखनी चाहिए जिस में **तुम्हारी दौलत** और जाएदाद भी शामिल है -

तुम्हारी दौलत

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “तुम्हारा पैसा “ या “तुम्हारी जाएदाद”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- ख़ुदावन्द

49:05

यीशु ने कहा कि दुनया की दीगर बातों में पाए जाने से बेहतर है कि ख़ुदा की बादशाही में पाए जाएँ - उसकी बादशाही में दाख़िल होने के लिए यह ज़रुरी है कि ख़ुदा आपको आप के गुनाहों से बचाए -

तुम्हारे गुनाह से बचने के लिए

मतलब यह कि “तुम्हारे गुनाह की सज़ा से बचने के लिए” या “यह कि ख़ुदा तुमको तुम्हारे गुनाह से बचाए” या “तुम्हारे गुनाह से नजात पाने के लिए”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

49:06

यीशु ने कहा था कि कुछ ही लोग उसको क़बूल करेंगे -खुदा इनको बचाएगा - किसी तरह दुसरे लोग उसको क़बूल नहीं करेंगे – उसने यह भी कहा था कि कुछ लोग अच्छी मिटटी की तरह हैं क्यूंकि उनहोंने यीशु की खुशखबरी को हासिल किया है और खुदा उनको बचाता है - किसी तरह दुसरे लोग रास्ते वाली सख़त मिटटी की तरह हैं – खुदा का कलाम बीज की तरह रास्ते वाली सख़त ज़मीन पर गिरता और वहां कुछ नहीं फलता बढ़ता – यह लोग़ यीशु की बाबत पैग़ाम को ठुकरा देते हैं – वह उसकी बादशाही में दाखिल होने से इंकार करते हैं -

दुसरे लोग नहीं

मतलब यह कि “दुसरे लोग उसको क़बूल नहीं करेंगे लिहाज़ा वह बचाए नहीं जाएंगे”-

ख़ुदा के कलाम का बीज

इसे इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “बीज जिसको ख़ुदा के कलाम से मुवाज़िना किया जा सकता है” यह मुहावरा बीज और ख़ुदा के कलाम के दरमियान मुवाज़िना पैदा करता है –

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

49:07

यीशु ने सिखाया कि खुदा गुनाहगारों से बहुत ज़ियादा महब्बत रखता है - वह उन्हें मुआफ़ करना चाहता है और उनको अपना फ़रज़न्द बनाना चाहता है -

आम मालूमात

इस फ्रेम के लिए कोई नोट्स नहीं है

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया

49:08

यीशु ने हम से यह भी कहा कि इसलिए कि आदम और हव्वा ने गुनाह किया तमाम उनकी नस्ल भी गुनाह करते हैं – दुनया में हर एक शख्स गुनाह करता है और ख़ुदा से दूर है – हर एक शख्स खुदा का दुश्मन है -

ख़ुदा से अलग किया गया है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “ख़ुदा के साथ नहीं रह सकता” या “ख़ुदा के नज़दीक नहीं हो सकता” या “ख़ुदा के साथ एक रिश्ता काइम नहीं हो सकता”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- आदम
- हव्वा
- नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें

49:09

मगर ख़ुदा दुनया में हर एक से इस तरह महब्बत रखता है कि उसने अपने एक्लोते बेटे को दे दिया , ताकि जो शख्स उस पर ईमान लाता है खुदा उसको सज़ा नहीं देगा बल्कि वह हमेशा के लिए उस के साथ रहेंगे -

अपना इकलौते बेटा दिया

इस्को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “अपने इकलौते बेटे को दुनिया के गुनाह के लिए क़ुर्बानी बतौर पेश कर दिया” या “अपने इकलौते बेटे को दे दिया ताकि हमारे गुनाहों के लिए एक क़ुर्बानी हो”-

जो कोई ईमान लाता है

इसको ऐसे भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “जो कोई ईमान लाता है”

जो कोई येसु पर ईमान लाता है उसको उसके गुनाह कि सज़ा नहीं मिलेगी बल्कि वह ख़ुदा के साथ हमेशा के लिए रहेगा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जसे “जब कोई येसु पर ईमान लाता है ख़ुदा उस शख़्स को उसके गुनाहों कि सज़ा नहीं देगा बल्कि उसको ख़ुदा के साथ हमेशा के लिए रहने देगा “-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

49:10

आप मरने के मुस्तहक़ (सज़ावार) हैं आप को मरना वाजिबी है क्यूंकि आप ने गुनाह किया है - खुदा को यह हक़ है कि वह आप से गुस्सा हो - मगर वह आप के बदले यीशु से गुस्सा हुआ - उसने उसको सलीब पर हलाक करने के ज़रिये सज़ा दी -

तुम्हारे गुनाह के सबब से

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “क्यूंकि तुम ने गुनाह किया” यह साफ़ करने के लिए कि यह सब लोगों की बाबत बात करता है कुछ ज़बानों में तर्जुमे के लिए ज़ियादा साफ़ हो सकता है जैसे “इसलिए कि सब लोगों ने गुनाह किया वह सज़ावार हैं ,वह मौत के मुस्तहक़ हैं” -

ख़ुदा को ग़ुस्सा होना चाहिए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जासकता है जैसे “यह ख़ुदा का हक़ होगा कि वह हमसे ग़ुस्सा हो”

उसने अपना ग़ज़ब नाज़िल किया

मतलब यह कि “उसने अपने ग़ज़ब का हुक्म दिया” या अपना तमाम ग़ज़ब उस पर डाल दिया” या सिर्फ़ उस से ग़ुस्सा था

तेरी सज़ा हासिल की

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “तुम्हारे बदले सज़ा दी गई” या “ तुम्हारे गुनाह के बदले सज़ा मिली” यह साफ़ करने के लिए कि यह सब पर नाफ़िज़ होता है तो कह सकते हो कि “हर एक के गुनाह के लिए सज़ा दी गयी”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- जुर्म , मुजरिम
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- ख़ुदावन्द
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

- सलीब
- हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

49:11

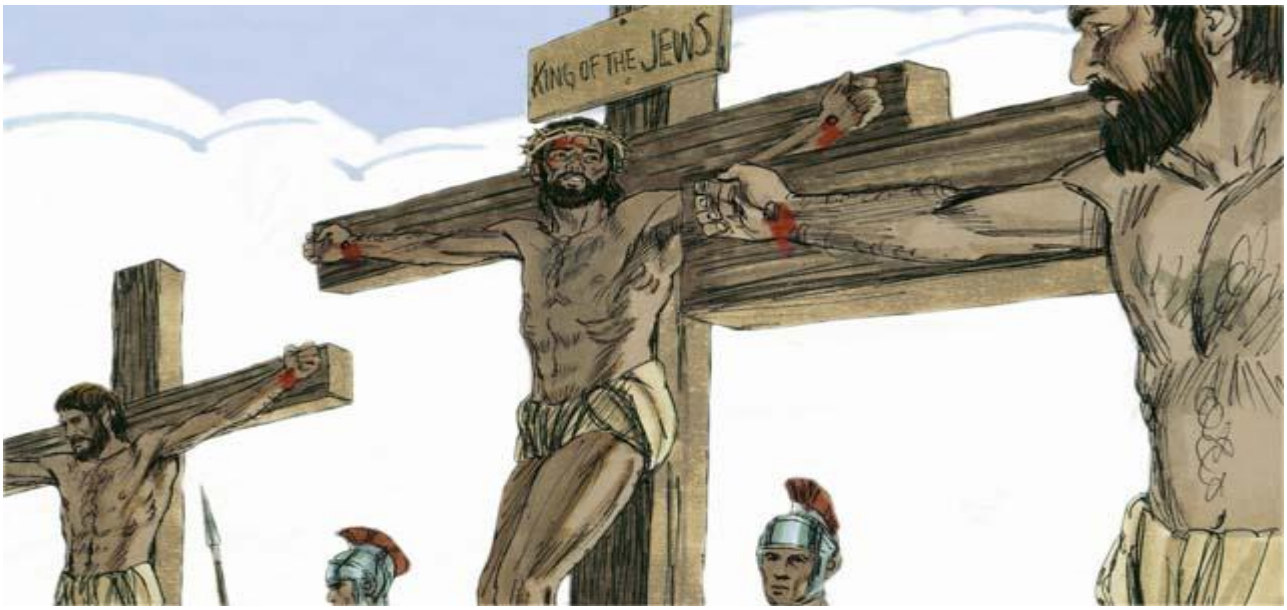

यीशु ने कभी कोई गुनाह नहीं किया था - मगर उस ने खुदा को हक़ दिया कि वह उसको सज़ा दे – उसने मरना क़बूल किया - इस तरह वह एक कामिल क़ुर्बानी था कि आपके और सारी दुनया के हर एक शख्स के गुनाहों को उठा ले जाए - यीशु खुदा के हुज़ूर ख़ुद से क़ुर्बान हो गया - इसलिए खुदा किसी भी गुनाह को , यानि कि ख़तरनाक से ख़तरनाक गुनाह को भी मुआफ करता है -

उठा ले जाना

मतलब है “ख़मयाज़ा हटाने के लिए” या “सज़ा को निकाल बाहर करने के लिए “येसु कि क़ुर्बानी ख़ुदा को इस तरह महसूस कराती है जैसे कि गुनाह हमारे अन्दर मौजूद ही नहीं था -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें
- ख़ुदावन्द
- मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया

49:12

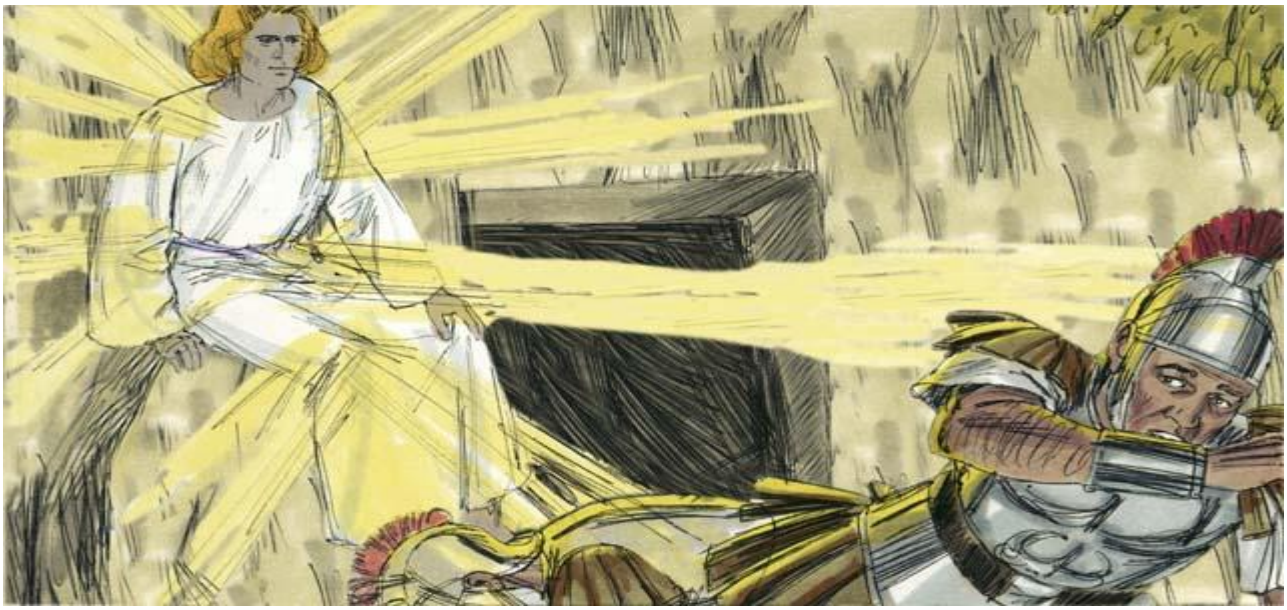

यहाँ तक कि अगर आप बहुत से अच्छे काम करते हैं तो भी खुदा आप को नहीं बचाएगा - कोई ऐसी बात नहीं है कि ख़ुदा आप से दोस्ती करले बल्कि आप को यकीन करना चाहिए कि यीशु खुदा का बेटा है , वह आप के लिए आप के बदले सलीब पर मारा गया और यह कि ख़ुदा ने उसे फिर से ज़िन्दा किया - अगर आप यह ईमान रखते हैं तो खुदा आपके गुनाहों को मुआफ करेगा -

नेक काम तुम्हे बचा नहीं सकते

मतलब यह कि “नेक काम को अंजाम देने से आप अपने गुनाह से बच नहीं सकते” या “खुद से बचने के लिए या अपने गुनाह के ख़मयाज़े से बचने के लिए आप कोई अच्छा काम नहीं कर सकते -

तुम्हारे गुनाह धो देगा

मतलब यह कि “पूरी तरह से तुम्हारे गुनाह निकाल बाहर करेगा” या “तुम्हारे गुनाहों से तुम को साफ़ करेगा” या यह रूह में पूरी तरह से लोगों को उन के गुनाह से साफ़ करने की बात है -यह जिस्मानी तौर से साफ़ करने कि बात नहीं है -

तुम्हारे बदले में

मतलब है तुम्हारी जगह पर

उसको फिर से जिलाया गया गया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उसको फिर से ज़िन्दा किया गया”

तर्जुमे के अल्फाज़

- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- ख़ुदावन्द
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- सलीब
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

49:13

खुदा हर एक को बचाएगा जो यीशु पर ईमान लाते और उसको अपना मालिक बतोर क़बूल करते हैं - मगर जो ईमान नहीं लाते उन्को नहीं बचाएगा - इस से कुछ फ़रक़ नहीं पड़ता कि आप अमीर हैं या ग़रीब , आदमी हैं या औरत , बूढ़े हैं या जवान या आप कहाँ रहते हैं – खुदा आपसे प्यार करता है और चाहता है कि आप यीशु पर ईमान लाएं ताकि वह आप का दोस्त बन जाए -

वह आप से एक नज़दीकी का रिश्ता रख सकता है

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “ताकि तुम उसके फ़र्ज़न्द बन सको” या “ताकि तुम उसके दोस्त बन सको” या “ताकि तुम उसके हो जाओ”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की

49:14

यीशु आप को बुलाता है कि आप उस पर ईमान लाएं और बपतिस्मा लें - क्या आप एत्काद करते हैं कि यीशु मसीहा है और खुदा का एकलोता बेटा है ? क्या आप एत्काद करते हैं कि आप एक गुनाहगार हैं और खुदा की सज़ा के मुस्तहक़ हैं ? क्या आप एत्काद करते हैं कि यीशु सलीब पर मरा ताकि आप के गुनाह उठा ले जाए ?

उसपर ईमान लाए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “उस पर भरोसा करता है” या तुम्हें बचाने के लिए उस पर भरोसा करता है” या पूरी ज़िन्दगी उसके सुपुर्द करता है”

बपतिस्मा लो

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “किसी ऐसे शख़्स को चुने जो आप को बपतिस्मा दे सके” या उन्हें आपको बपतिस्मा देने दें”-

यक़ीन करो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “उसे तस्लीम करो” या “उसे मान लो”-

उठा ले जाना

49:11 में नोट्स को देखें

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा
- मसीह ,मसीहा
- ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ख़ुदावन्द
- सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- सलीब

49:15

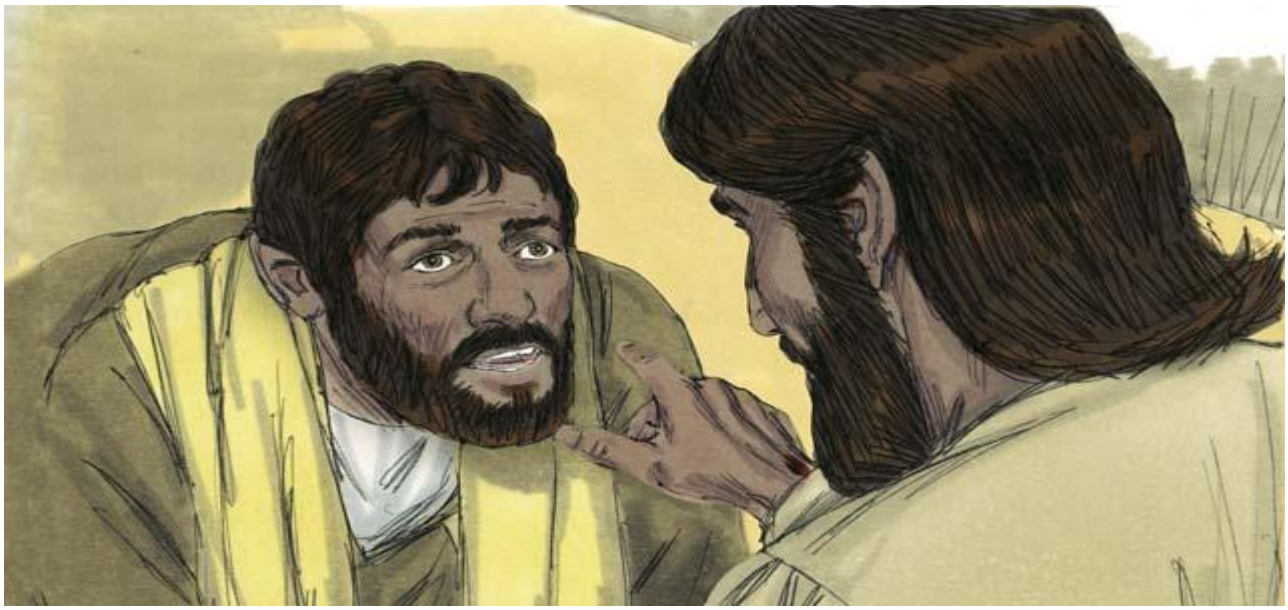

अगर आप यीशु पर ईमान लाते कि क्या कुछ उसने आप के लिए किया तो आप एक मसीही हैं - शैतान अपमी तारीकी की बादशाही में आइन्दा से आप पर हुकूमत नहीं करेगा - अभी खुदा अपनी बादशाही की रौशनी में आप पर हुकूमत कर रहा है - खुदा ने आपको गुनाह करने पर रोक लगादी है जिस तरह आप पहले किया करते थे - उसने आप को जीने का नया हक़ एक नया अंदाज़ दिया है -

शैतान की तारीकी की बादशाही

यहाँ पर तारीकी का जो इस्तेमाल हुआ है वह गुनाह और हर तरह की बुराई की तरफ़ इशारा करता है - इस को इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "शैतान की बुराई लोगों पर हुकूमत करती है ,जो कि तारीकी जैसी है -

ख़ुदा के नूर की बादशाही

"नूर" यहां पर ख़ुदा की पाकीज़गी और भलाई को ज़ाहिर करता है -इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "ख़ुदा की रास्तबाज़ी लोगों पर हुकूमत करती है जो रौशनी जैसी है" बाइबिल अक्सर बुराई को अँधेरे से मुवाज़िना करती है और भलाई को रौशनी से -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मसीही
- ख़ुदावन्द
- शैतान, शैतान, बुरा
- बादशाही, बादशाहियाँ
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

49:16

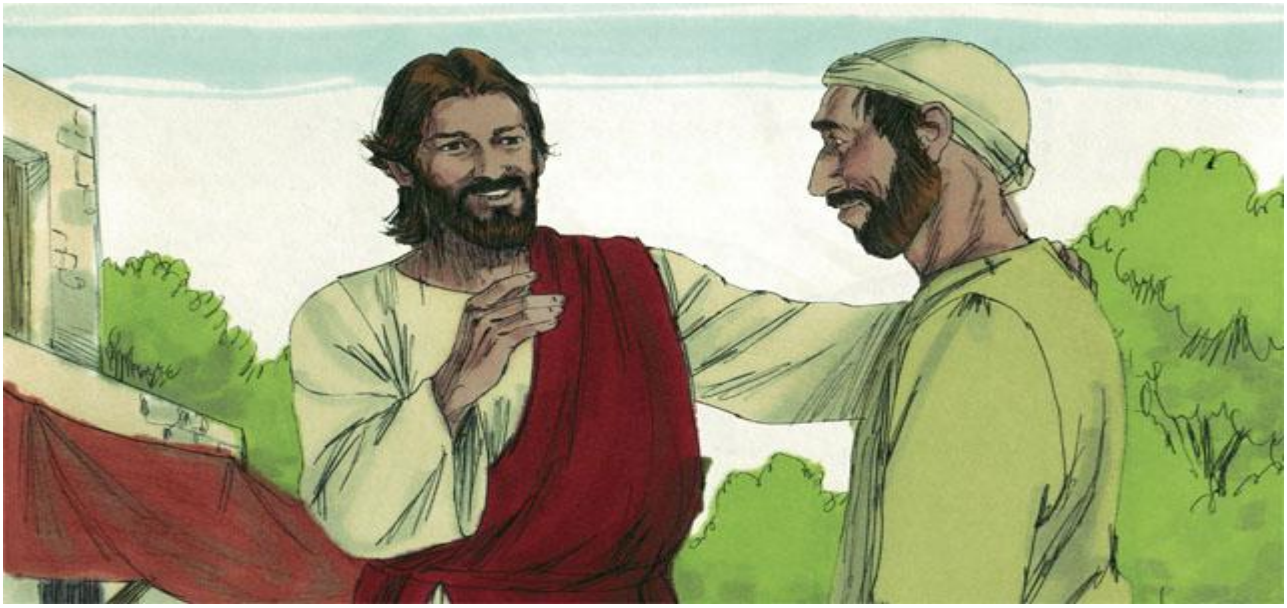

अगर आप एक मसीही हैं तो खुदा ने आप के गुनाह मुआफ कर दिया है - अब ख़ुदा आप को एक नजदीकी दोस्त बतोर लिहाज़ करता है न कि एक दुश्मन बतोर -

इस बतौर लिहाज़ करता है

मतलब यह कि “तुम्हारे लिए इस तरह सोचता है” या “इस बतौर इज़्ज़त करता है” या “तुमको बुलाता है”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मसीही
- ख़ुदावन्द
- मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

49:17

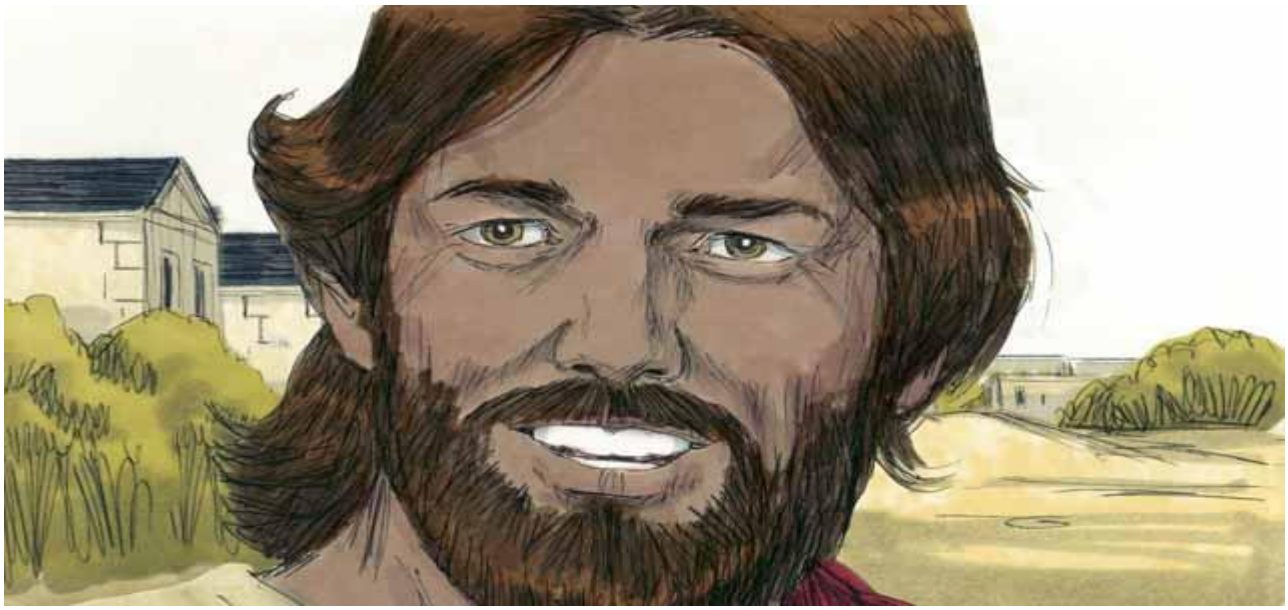

अगर आप खुदा के एक दोस्त और यीशु के ख़ादिम हैं तो जो यीशु आप को सिखाता है उस के मुताबिक आप अमल करेंगे - हालाँकि आप एक मसीही हैं फिर भी शैतान आप को गुनाह की तरफ़ ले जाएगा - मगर खुदा हमेशा वही करताहै जो वह अपने कलाम में कहता है कि अगर तुम अपने गुनाहों का इक़रार करोगे तो वह तुम्हें मुआफ कर देगा - वह तुम्हें गुनाह के ख़िलाफ़ लड़ने की ताक़त देगा -

गुनाह के लिए आज़माए जाओ

मतलब यह कि “गुनाह के लिए आज़माए जाओ यहां तक कि तुम जानते हो कि गुनाह करना ग़लत बात है”

वफ़ादार है

इस सयाक़ -ए- इबारत में इस के मायने हैं कि ख़ुदा अपने वायदे पूरे करता है

अपने गुनाहों से तौबा करो

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “ख़ुदा के सामने अपनी ग़लतियों (गुनाहों) को क़बूल करो -

वह तुमको गुनाहों से लड़ने के लिए ताक़त बख़्शेगा -

मतलब यह कि “वह आपको रूहानी क़ुव्वत अता करेगा कि गुनाह का इनकार करो” -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- हुक्म माननना, हुक्म माननना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

- मसीही
- आज़माइश करने, आज़माइश
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया

49:18

खुदा आप से कहता है कि आप दुआ करें और उसके कलाम को पढ़ें - वह यह भी कहता है कि दीगर मसीहियों के साथ मिलकर उसकी इबादत करें - आप को दूसरों को भी बताना है कि यीशु ने आप के लिए क्या कुछ किया है - अगर आप इन बातों को करेंगे तो वह आपका एक ताक़तवर और मजबूत दोस्त बन जाएगा -

उसके साथ गहराई से रिश्ता रखने के लिए

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे उससे ज़ियादा महब्बत रखने के लिए ,या उसको ज़ियादा जानने के लिए ,या उसके ज़ियादा वफ़ादार रहने के लिए

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ ताजुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- दुआ' कर, दुआ', दुआ'वों , दुआ'की
- ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस
- 'इबादत
- मसीही

_रोमियों 3:21-26 ,5:1-11; युहन्ना 3:16 ; मरकुस 16:16 ; कुलुसियों 1 :13-14 ; 2 कुरिन्थियों 5:17-21;1युहन्ना 1:5-10 -तक बाइबिल की एक कहानी _

50 यीशु की दोबारा आमद

50:01

तक़रीबन 2000 सालों से पूरी दुनया के लोग यीशु मसीह की खुश ख़बरी को सुनते चले आ रहे हैं - कलीसिया तरक्की करती जा रही है - यीशु ने वादा किया था कि दुनया के आखिर में वह वापस लौटेगा - हालाँकि वह अभी तक वापस नहीं लौटा , फिर भी वह अपने वादे को पूरा करेगा -

कलीसिया तरक़्क़ी कर रही थी

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "दुनिया के चारों तरफ़ कलीसिया में लोंगों की तादाद बढ़ रही थी" या मसीह में ईमानदारों की तादाद बढ़ती जारही थी" -

दुनिया के कोने कोने तक

इस मुहावरे के मायने हैं "मौजूदा दुनिया के ख़त्म होने से पहले तक" या दुनया के आख़िरी ज़माने में "

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मसीह ,मसीहा
- कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया
- वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया

50:02

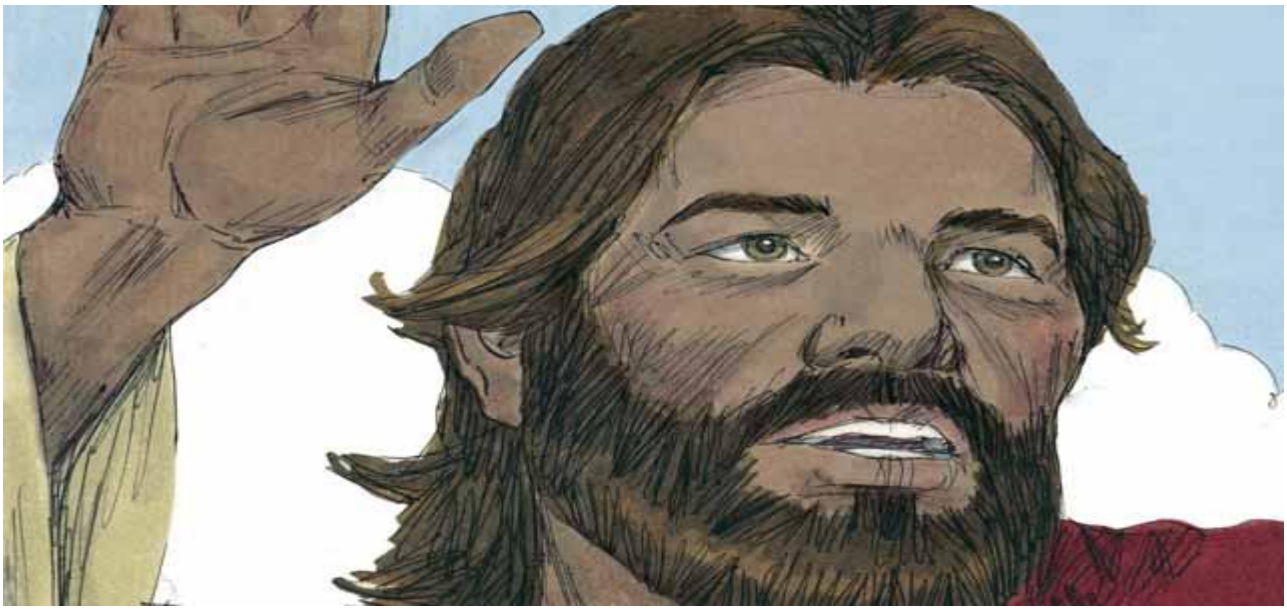

जब हम यिशु की वापसी का इंतज़ार करते हैं तो खुदा चाहता है कि हम एक पाक ज़िन्दगी जिएँ और वह उसको इज़्ज़त बख्शेगा - वह हम से यह भी चाह्ता है कि उसकी बादशाही की बाबत दूसरों को बताएं - जब यीशु ज़मीन पर था तो उस ने कहा था कि मेरे शागिर्द दुनया में हर जगह लोगों को खुदा की बादशाही की बाबत खुख्ब्री कि मनादी करेंगे तब खातिमा आजाएगा -

ख़ात्मा आजाएगा

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “इस दुनिया का ख़ात्मा आजाएगा” या “इस दुनिया का ख़ात्मा होकर रहेगा”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़ुदावन्द
- पाक, पाकीज़गी
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही
- शागिर्द, शागिर्दों
- ‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी

50:03

बहुत सी कौमों या क़बीले के लोगों ने अभी तक यिशु का नाम नहीं सुना है - आसमान पर लौटने से पहले यीशु ने मसीहियों से कहा था कि उन लोगों तक खुश खबरी की मनादी करें जिन्होंने कभी भी नहीं सुना -उसने कहा "तुम जाकर सब कौमों को **शागिर्द बनाओ**"---"पक्के **खेत** तो बहुत हैं "-

शागिर्द बनाओ

यह मायने रखता है कि "लोगों की मदद करो कि वह मेरे शागिर्द बन जाएं"

फ़स्ल तो तैयार है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "लोग तैयार हैं कि ख़ुदा के पास लाए जाएं जिस तरह खेत में फ़स्ल काटने के लिए तैयार पाई जाती है" या वह इकट्ठे किये जाने और ख़ुदा के पास लाए जाने के लिए तैयार हैं जिस तरह खेत में तय्यार फ़स्ल को काटा जाता और जमा किया जाता है"-

खेत

इस बयान में खेत दुनिया के लोगों को ज़ाहिर करता है

काटना

काटना यहां पर जो लोग येसु पर ईमान लाने के लिए तैयार है उसे ज़ाहिर करता है -

फ़स्ल

"फ़स्ल" यहां पर लोगों को ख़ुदा के पास लाकर उन्हें येसु की बाबत सिखाने और तालीम देने के काम को ज़ाहिर करता है"

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- क़ौम, लोगों, लोग, एक 'अवाम

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी
- मसीही
- अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी
- शागिर्द, शागिर्दों

50:04

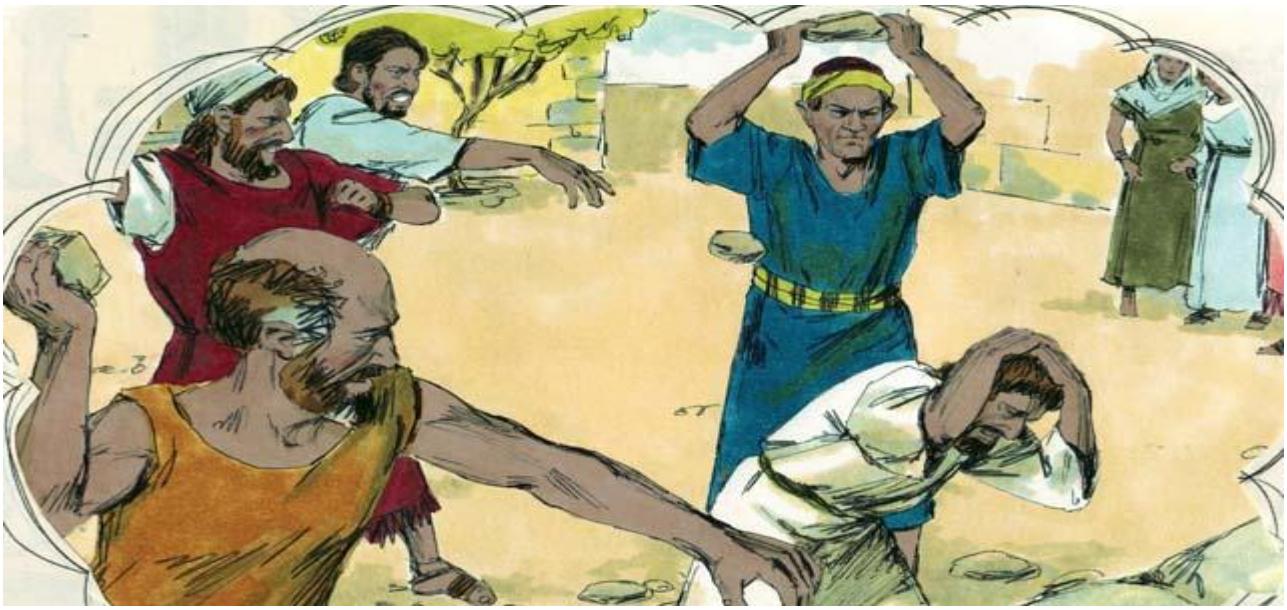

यीशु ने यह भी कहा “एक आदमी का नौकर उसके मालिक से भी बड़ा होता है - इस दुनया में कुछ ख़ास लोगों ने मुझसे नफ़रत की और वह मेरे नाम की खातिर तुम को भी सताएंगे , और बाज़ को मरवा भी डालेंगे - इस दुनया में तुम तकलीफ उठाओगे ,मगर खातिर जमा रखो ,क्यूंकि मैंने शैतान को हारा दिया है - उसे जो इस दुनया पर हुकूमत करता है – अगर तुम आखिर तक वफ़ादार रहोगे तो खुदा **तुमको बचाएगा** -

उस से बड़ा नहीं

मतलब यह कि “इस से ज़ियादा अहम् नहीं” या “इस मामले में इस से बेहतर सुलूक नहीं किया गया”

मेरे सबब से

मतलब यह कि “क्यूंकि तुम मेरा हुक्म बजा लाते हो” या क्यूंकि तुम मेरी बाबत लोगों को सिखाते हो” या “क्यूंकि जब तुम मेरे कहलाते हो”

इस दुनिया में

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “इस ज़िन्दगी के दौरान में”

वफ़ादार बने रहोगे

मतलब यह कि “लगातार मेरा हुक्म बजा लाओगे”

आख़िर तक

मतलब यह कि “ज़िन्दगी के ख़त्म होने तक”

तुमको बचाएगा

यह रूहानी नजात को ज़ाहिर करता है ना कि नुक़्सान से जिस्म के छुटकारे को - यह पहले से ही कह दिया गया है कि बहुत से ईमानदार हलाक किये जाएंगे या सताए जाएंगे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता
- शैतान, शैतान, बुरा
- ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी
- बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

50:05

यीशु ने अपने शागिर्दों से एक कहानी पेश की थी यह समझाने के लिए कि जब दुनया का ख़ात्मा होगा तो लोगों का क्या हषर होगा , उसने कहा “एक शख्स ने अपने खेत में **अच्छा बीज** बोया- मगर लोगों के सोते में उसका दुश्मन आया और गेहुं में कड़वे दाने भी बो गया और वह चला गया -

अच्छा बीज

यह बीज गेहूं का अनाज था - अगर आप के इलाके की ज़ुबान में इस तरह के बीज से अनजान हैं तो एक आम लफ़्ज़ “बीज” का ही इस्तेमाल करें -मगर शायद ज़रूरी होगा कि उसी तरह का अनाज का बीज हो मिसाल तौर पर”अच्छा बीज जैसे चावल”-

जंगली दाने

जंगली दाने जो बोए गए थे वह लम्बी घास कि तरह उगते हैं मगर खाए नहीं जा सकते थे - वह बेकार थे -

गेहूं

मतलब है “गेहूं के बीज” गेहूं एक अनाज होता है जो लम्बी लम्बी घास की तरह उगता है - इस के बीज को लोग खाने में इस्तेमाल करते हैं -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शागिर्द, शागिर्दों
- अच्छा, भलाई

50:06

और जब पत्तियां निक्लीं और बालें आईं तो कड़वे दाने भी दिखाई दिए - नौकर ने मालिक से कहा “ऐ खुदावंद क्या तू ने अपने खेत में अच्छा बीज नहीं बोया था ? उस में कड़वे दाने कहाँ से आ गए ? उसने उस से कहा ,”यह किसीं दुश्मन ने किया है “

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाना जारी रखता है

यह किसी दुशमन ने बोया होगा

अगर हो सके तो इसे इस तरीक़े से तर्जुमा करें जो इशारा करे कि बोलने वाले ने इसे होते हुए नहीं देखा -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी
- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय
- अच्छा, भलाई

50:07

नौकरों ने अपने मालिक से कहा ,"तू क्या चाहता है कि हम उनको जमा करें ? मालिक ने कहा "नहीं ,अगर तुम ऐसा करोगे तो उनके साथ **गेहूं** भी उखाड़ लोगे - कटाई तक दोनों को इकठा बढ़ने दो और कटाई के वक़्त तुम उन्हें जमा करके तुम उन्हें जला सकते हो - मगर गेहूं को मेरे खत्ते में जमा करदो –"

आम मालूमात

येसु कहानी सुनाना जारी रखता है

कहीं तुम गेहूं के पौदों को भी न उखाड़ लो

मतलब यह कि "कहीं तुम अनजाने में गेहूं के पौदों को भी न उखाड़ लो" यह फ़र्क़ करना ज़ियादा मुश्किल हो जाएगा कि कौनसा गेहूं है और कौनसा जंगली दाने का पौदा -

कटनी तक

मतलब यह कि "उस वक़्त तक जब तक कि गेहूं की फ़स्ल तैयार न हो जाए" या

गेहूं

मतलब है तैयार शुदा गेहूं की फ़स्ल

खतता

यह एक ईमारत को ज़ाहिर करता है जहाँ तय्यार गेहूं की फ़स्ल को बचाकर रखा जाता था - इसको गोदाम या ज़खीरा भी कहा जाता है -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

- ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

50:08

शागिर्दों ने कहानी के मतलब को नहीं समझा था सो उनहोंने यीशु से दरखास्त की कि उसका मतलब उन्हें समझाए - यीशु ने उनसे कहा " जिस ने अच्छे बीज बोये थे वह मसीहा को ज़ाहिर करता है ,खेत दुनया है -और अच्छा बीज **ख़ुदा की बादशाही के लोग**ों को ज़ाहिर करता है -

ख़ुदा की बादशाही के लोग

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "लोग जो ख़ुदा के इख़्तियार के मातहत रहते हैं" या "वह लोग जो ख़ुदा के कानून के सुपुर्द हो चुके हैं" या "वह लोग जो ख़ुदा की बादशाही में उसके साथ रहेंगे -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- शागिर्द, शागिर्दों
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- अच्छा, भलाई
- मसीह ,मसीहा
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

50:09

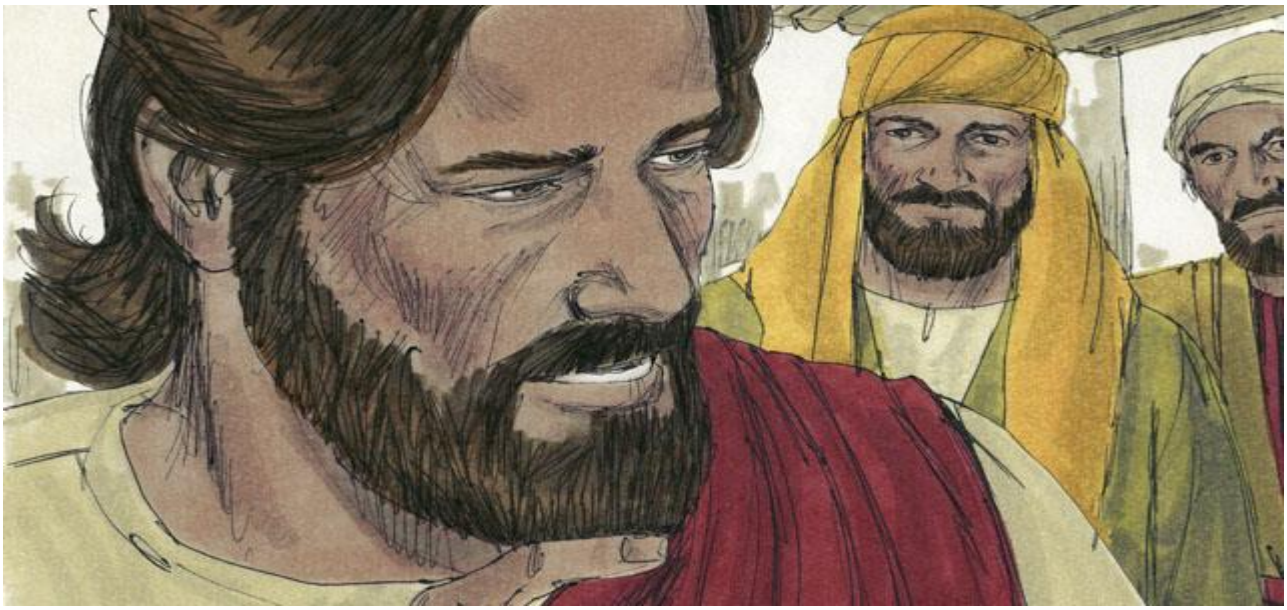

कड़वे दाने शैतान के लोगों को ज़ाहिर करता है जो बुरे लोग हैं - आदमी का दुश्मन जिस ने कड़वे दाने बोए वह शैतान को ज़ाहिर करता है और कटाई दुनया के आख़िर को ज़ाहिर करता है ,और **काटने वाले** खुदा के फ़रिश्ते हैं -

वह जो शरीर से ताल्लुक़ रखता है

मतलब यह कि “वह जो शरीर के पीछे चलता है” या “वह जो शरीर के चलाए चलता है”

शरीर

यह शैतान के लिए दूसरा लक़ब है इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “शैतान”मगर जिसका लक़ब है “शरीर” यह उसकी सीरत को ज़ाहिर करता है -

इब्लीस

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “शैतान”

दुनिया के ख़ात्मे को ज़ाहिर करता है

मतलब यह कि “यह ज़ाहिर करता है कि दुनिया के ख़ात्मे पर लोगों का क्या हश्र होगा”-

काटने वाले

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे “लोग जो फ़स्ल के पकने पर काटने वाले हैं” या “वह मज़दूर जो अनाज की पक्की फ़स्ल को जमा करते हैं”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- बुराई, बदकार, बदकारी
- शैतान, शैतान, बुरा
- ख़ुदावन्द
- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते

50:10

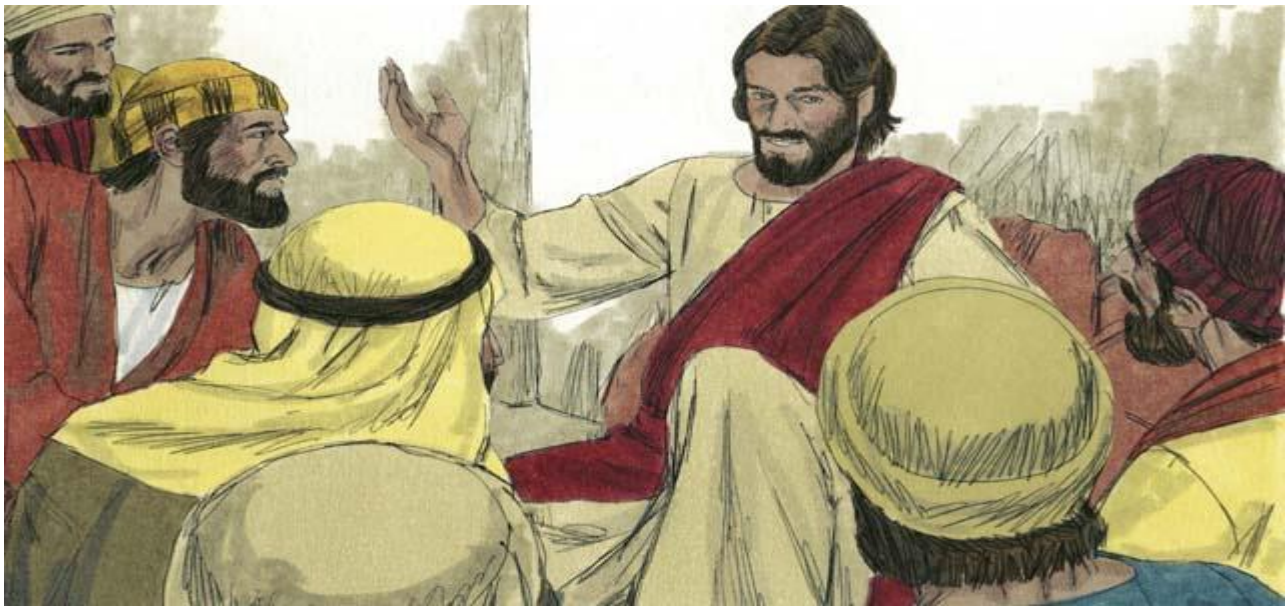

जब दुनया का खातमा होगा तो खुदा के फ़रिश्ते शैतान के लोगों को जमा करेंगे और उन्हें आग की झील में डालेंगे और वहां बड़ी मुसीबत में उन लोगों का रोना और दांत पीसना होगा-

जो शरीर से ताल्लुक़ रखता है

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "जो शैतान की पैरवी करता है" या "जो शैतान के चलाए चलते हैं" यह उन लोगों को ज़ाहिर करता है जो येसु पर ईमान नहीं लाते बल्कि शैतान की राहों पर चलते हैं"-

शिद्दत की आग

मतलब यह कि "बहुत ज़ियादा गरम तपती हुई आग" या "एक वसी' मिक़दार में भड़कने वाली आग"

रास्तबाज़ लोग

यह उन लोगों को ज़ाहिर करता है जो मसीहा से ताल्लुक़ रखते हैं – देखें 50:08-

आफ़ताब की तरह चमकेंगे

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "सूरज की तरह जलाली होंगे" या "ख़ालिस भलाई ज़ाहिर करेंगे जैसे सूरज की रौशनी चमकती है"-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते
- शैतान, शैतान, बुरा
- दु:ख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दु:ख उठाता
- रास्तबाज़, रास्तबाज़ी
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही
- ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप

50:11

यीशु ने यह भी कहा कि वह दुनया के खातमे से पहले ज़मीन पर आएगा - वह जिस तरह आसमान पर गया है उसी तरह वह वापस आएगा - उस वक़्त उसका अपना हक़ीक़ी जलाली जिस्म होगा - और वह आसमां के बादलों पर आएगा - जब यीशु की आमद होती है हर एक मसीही जो मर चुका है वह मुर्दों में से जी उठेगा और आसमान पर उस से मुलाक़ात करेगा -

वह चला गया

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “उसने ज़मीन को छोड़ दिया” या “वापस आसमान जाने के लिए अपने शागिर्दों को छोड़ दिया -

आसमान में बादलों पर फिर से आएगा

मतलब यह कि “जैसे ही वह आस्मान पर ज़ाहिर होगा बादल उसको घेर लेंगे” या “आसमान के बादल उसको अपने साथ ले कर आएँगे”-

जब येसु लौटता है

मतलब यह कि “जब येसु ज़मीन पर लौटता है”

आसमान में उस से मिलेंगे

मतलब यह कि “आसमान में उस के साथ शरीक होंगे”जो येसु पर ईमान रखते हैं वह ऊपर आसमान में उसके नज़ दीक जाएंगे ताकि उस से मुलाक़ात करें-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- मसीही
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था

50:12

फिर वह मसीही लोग जो उस के आने के वक़्त ज़िन्दा होंगे वह ज़िन्दा आसमान पर उठा लिए जाएंगे - वह सब वहां पर यीशु के साथ होंगे - उसके बाद यीशु अपने लोगों के साथ होगा - उन के पास कामिल इत्मिनान और तसल्ली हमेशा के लिए सुकूनत करेगी -

जो ज़िन्दा रहेंगे

मतलब यह कि “येसु के लौटने पर जो ज़िन्दा रहेंगे”-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- मसीही
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

50:13

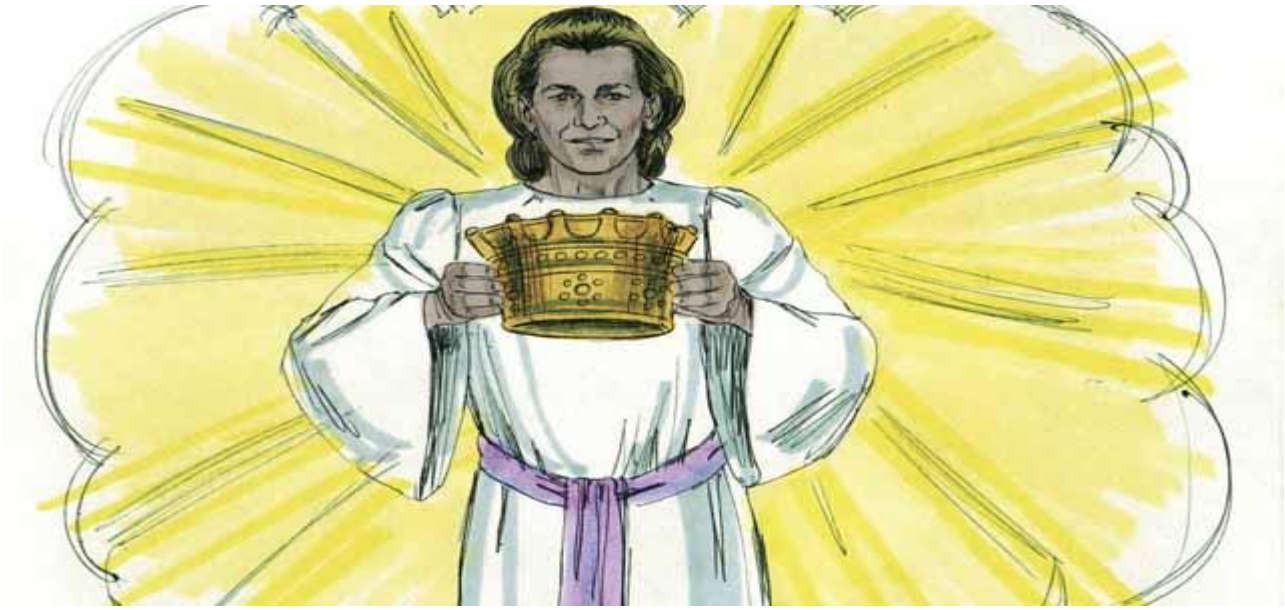

यीशु ने हरेक ईमानदार को एक **ताज** देने का वायदा किया था -वह ख़ुदा के साथ मिलकर हुकूमत करेंगे - उन के पास कामिल तसल्ली और इत्मिनान होगा -

ताज

ताज उस अज्र को ज़ाहिर करता है जो इस ज़िन्दगी में येसु पर ईमान लाए और उसकी ख़िदमत की -

बे-ऐब

मतलब है “मुकम्मल” या “कुल”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा
- ख़ुदावन्द
- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले

50:14

मगर ख़ुदा हर एक का इन्साफ़ करेगा जो यीशु पर इमान नहीं लाए – उन्हें जहन्नुम में डाला जाएगा – वह वहां पर रोएंगे, मातम करेंगे और दांत पीसेंगे – और हमेशा के लिए दुःख उठाएँगे - वहाँ की आग कभी नहीं बुझती और वहां का कीड़ा कभी नहीं मरता -

रोएंगे तड़पेंगे और दांत पीसेंगे

नोट्स देखें 50:10-

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- ख़ुदावन्द
- मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला
- यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,
- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- जहन्नुम, आग की झील

50:15

जब यीशु की आमद होती है तो शैतान और **उसकी बादशाही** को पूरी तरह से फ़ना व बर्बाद किया जाएगा -वह शैतान को भी जहन्नुम में डालेगा - शैतान हमेशा के लिए उन सब के साथ जो उस के पीछे हो लिए थे जहन्नुम की आग में जलता रहेगा -

उसकी बादशाही

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जा जा सकता था जैसे “शैतान की बुरी हुकूमत लोगों पर” या तमाम बुरी बातें वह अमल में लाता है और लोगों को अपने क़ाबू में करता है “

इस के बदले

मतलब है “बजाए इस के”

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- शैतान, शैतान, बुरा
- बादशाही, बादशाहियाँ
- जहन्नुम, आग की झील
- हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान
- ख़ुदावन्द

50:16

इस लिए कि आदम और हव्वा खुदा के नाफ़रमान हुए और दुनया में गुनाह लेकर आए उस दुनया पर खुदा ने लानत भेजी थी और उसको बर्बाद करने का फ़ैसला लिया था - मगर किसी दिन खुदा एक नया आसमान और **एक नई ज़मीन** क़ायम करेगा जो कामिल होगी -

गुनाह ले आया

इसको इस तरह से तर्जुमा किया जासकता था जैसे “गुनाह के सबब से दाख़िल हुआ”

एक नई जन्नत

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे “एक नया आसमान” या एक नई कायनात” यह एक नए निज़ाम को ज़ाहिर करता है जैसे आसमान में तारे वग़ैरा होते हैं”

एक नई ज़मीन

यह मौजूदा ज़मीन जिस में हम रहने जारहे हैं वह पुरानी ज़मीन से बहुत बेहतर होगी -

तर्जुमे के अलफ़ाज़

- आदम
- हव्वा
- नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी
- ख़ुदावन्द
- गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना
- ला’नत , ला’नती , ला’नत दे, कोसता है
- आसमान, बादल, बादलों, आसमानी

50:17

यीशु और उसके लोग ज़मीन में सुकूनत करेंगे और वह हमेशा हमेशा के लिए सब पर हुकूमत करेगा वह लोगों की आँखों से सारे आंसू पोंछ डालेगा - फिर किसी तरह का ग़म या मुसीबत नहीं होगी -वह न रोएंगे और न बीमार पड़कर मरेंगे - वहाँ किसी तरह बुराई या शरारत नहीं होगी - यीशु इन्साफ के साथ और सलामती के साथ बादशाही करेगा – वह अपने लोगों के साथ हमेशा हमेशा के लिए रहेगा -आमीन -

हर एक आंसू पोंछ डालेगा

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे हमारे तमाम ग़मों का ख़ात्मा होगा" या तकलीफ़ें ख़त्म हो जाएंगी" या "लोगों के ग़मों को नाज़ुक तरीक़े से उठा लिया जाएगा"

वहां पर दुःख , ग़म, मायूसी , आह ओ नाला ,बुराई , दर्द या मौत नहीं होगी -

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे "लोग दुःख नहीं उठायेंगे ,न ग़मज़दा होंगे ,न रोएंगे ,न बुरी बातें होंगी ,न दर्द और न मौत होगी" -

सलामती और इंसाफ़ से बादशाही करेंगे

इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता था जैसे अपने लोगों पर इंसाफ से बादशाही करेंगे इस तरीक़े से कि उनपर सलामती हो -

बाइबिल की एक कहानी

यह हवालाजात बाइबिल के कुछ तर्जुमों से हल्के से फ़र्क़ हो सकते हैं -

तर्जुमों के अलफ़ाज़

- 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा
- दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता
- बुराई, बदकार, बदकारी
- मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें
- ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

- सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले
- इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला,

_मत्ती 24:14 ;28:18 ;युहन्ना 15:20 ,16:33 ;मुकाशफा 2:10 ; मत्ती 13 : 24 -30 , 36 -42 ; 1 थिस्लुनीकियों 4 ;13-5:11 ; याकूब 1:12 ;मत्ती 22:13 ;मुकाशफा 20:10 ,21 :1 -22:21 तक बाइबिल की एक कहानी- _

translationWords

संस्करण 8.3

'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

सच्चाई:

'ईसा ख़ुदावन्द का बेटा है। "'ईसा " नाम का मतलब है, "यहोवा बचाता है" "मसीह" एक लक़ब है जिसका मतलब है, "मसह किया हुआ " इसका दूसरा लफ़्ज़ है, "मसीहा"

यह दोनों नाम हमेशा साथ-साथ रखे गए हैं, "मसीह 'ईसा " या "'ईसा मसीह"। इन नामों से ताक़त दी गई है कि ख़ुदावन्द का बेटा मसीह है जो लोगों को गुनाहों की हमेशा की सज़ा से बचाने आया था।

- पाक रूह ने मो'जिज़े के तौर से ख़ुदावन्द के हमेशा के बेटे को इन्सानी शक्ल में पैदा किया। उसकी माँ से फ़रिश्ते ने कहा था कि उसका नाम "'ईसा " रखा जाए क्यूँकि उसके तसव्वुर में लोगों को गुनाहों से बचान था।
- 'ईसा ने हर एक मो'जिज़े वाले काम किए जिससे साबित हो गया था कि वह ख़ुदावन्द है और वह ख़ुदा या मसीह है।

तर्जुमा की सलाह:

- हर एक ज़बानों में "'ईसा " और "मसीह" के नाम ऐसे काम में ली जाती है कि उसका अदाइगी असल तौर के क़रीब हो। मिसाल के तौर पर, "'ईसा मसीह ", "ईसा मसीह", "ईसा मसीह" और "मसीह" ये कुछ ऐसे तरीक़े हैं जो इन नामों को अलग-अलग ज़बानों में तर्जुमा करते हैं।
- "मसीह" लफ़्ज़ के लिए कुछ तर्जुमा सही "मसीह" लफ़्ज़ था उसकी शक्ल काम में लाते हैं।
- मक़ामी या क़ौमी ज़बान में भी इन लफ़्ज़ों की हिज्जे पर तवज्जोह दें।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, ख़ुदावन्द, बाप ख़ुदावन्द, सरदार-काहिन, ख़ुदावन्द की बादशाही, मरियम, मुन्जी, ख़ुदावन्द का बेटा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- रसूलों के 'आमाल 02:22-24
- रसूलों के 'आमाल 05:29-32
- रसूलों के 'आमाल 10:36-38
- 'इब्रानियों 09:13-15
- 'इब्रानियों 10:19-22
- लूक़ा 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फ़िलिप्पियों 02:5-8
- फ़िलिप्पियों 02:9-11
- फ़िलिप्पियों 04:21-23
- मुक़ाशफ़ा 01:4-6

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **22:04** फ़रिश्ते ने उससे कहा, "तू हामला होगी, और तेरे एक बेटा पैदा होगा। तू उसका नाम _'ईसा _ रखना और वह मसीहा होगा।"
- **23:02** "तू उसका नाम _'ईसा _ रखना (जिसका मतलब है, 'यहोवा बचाता है')क्यूँकि वह अपने लोगों का उनके गुनाहों से नजात करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको ('ईसा) बपतिस्मा दिया,जैसा कि _'ईसा _ ने कभी गुनाह नहीं किया था।

- **24:09** सिर्फ़ एक ही ख़ुदावन्द है। लेकिन जब यूहन्ना ने _'ईसा _ को बपतिस्मा दिया, बाप ख़ुदावन्द को कहते सुना, _'ईसा _ बेटे को देखा, और पाक रूह को भी देखा।
- **25:08**'ईसा __ शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर _'ईसा _ गलील के पूरे 'इलाक़े में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह 'ईसा के पास बहुत से लोगों को लाए जो कई बीमारियों से बीमार थे, उनमें लंगड़े थे, और वह लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को _'ईसा _ ने अच्छा किया।
- **31:03** 'ईसा __ ने अपनी दु'आ पूरी की और वह शागिर्दों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव कीतरफ़ आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी उस्तादों ने _'ईसा _ को मसीहा के शक्ल में क़ुबूल नहीं किया था और वह उसे क़त्ल कर डालने का मन्सूबा बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मौत के जरिए'_ 'ईसा _ ने लोगों के लिये ख़ुदावन्द के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " ख़ुदा_ 'ईसा _ आसमान पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। _'ईसा _ सब बातों पर हुकूमत करने के लिए ख़ुदावन्द की दाहिनी तरफ़ बैठ गया।
- **50:17** _'ईसा _ और उसके लोग नई ज़मीन पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा बादशाही करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मौत नहीं होगी। _'ईसा _ अपनी बादशाही पर अमन व इन्साफ़ के साथ हुकूमत करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्दकोश:

- Strong's: G2424, G5547

(**वापस जाओ:** 22:04; 23:02; 23:05; 23:08; 23:09; 23:10; 24:06; 24:07; 24:08; 24:09; 25:01; 25:02; 25:03; 25:04; 25:05; 25:06; 25:07; 25:08; 26:01; 26:02; 26:04; 26:05; 26:06; 26:07; 26:08; 26:09; 26:10; 27:01; 27:02; 27:04; 27:11; 28:01; 28:02; 28:03; 28:04; 28:05; 28:06; 28:08; 28:09; 28:10; 29:01; 29:09; 30:01; 30:02; 30:03; 30:04; 30:05; 30:06; 30:07; 30:08; 31:01; 31:03; 31:04; 31:05; 31:06; 31:07; 31:08; 32:01; 32:02; 32:05; 32:06; 32:07; 32:09; 32:10; 32:11; 32:12; 32:13; 32:14; 32:15; 32:16; 33:01; 33:02; 33:06; 34:01; 34:03; 34:06; 34:10; 35:01; 35:02; 36:01; 36:02; 36:03; 36:04; 36:06; 36:07; 37:01; 37:02; 37:03; 37:04; 37:05; 37:06; 37:07; 37:08; 37:09; 37:10; 37:11; 38:01; 38:02; 38:03; 38:04; 38:05; 38:06; 38:08; 38:09; 38:10; 38:11; 38:12; 38:13; 38:14; 38:15; 39:01; 39:02; 39:03; 39:04; 39:05; 39:06; 39:07; 39:08; 39:09; 39:10; 39:11; 39:12; 40:01; 40:02; 40:03; 40:04; 40:05; 40:07; 40:08; 40:09; 41:01; 41:03; 41:05; 41:06; 41:08; 42:01; 42:02; 42:03; 42:04; 42:05; 42:06; 42:07; 42:09; 42:10; 42:11; 43:01; 43:02; 43:06; 43:07; 43:08; 43:09; 43:11; 43:12; 44:02; 44:04; 44:05; 44:08; 44:09; 45:01; 45:03; 45:05; 45:06; 45:07; 45:10; 45:12; 45:13; 46:01; 46:05; 46:06; 46:07; 46:09; 46:10; 47:01; 47:02; 47:05; 47:11; 47:12; 47:13; 47:14; 48:04; 48:05; 48:06; 48:07; 48:08; 48:10; 48:12; 48:13; 48:14; 49:01; 49:02; 49:03; 49:05; 49:06; 49:07; 49:08; 49:09; 49:10; 49:11; 49:12; 49:13; 49:14; 49:15; 49:16; 49:17; 50:01; 50:02; 50:03; 50:04; 50:05; 50:08; 50:11; 50:12; 50:13; 50:14; 50:15; 50:17)

'ऐसौ

ता'अर्रुफ़:

'ऐसौ इसहाक़ और रिबक़ा के जुड़वा बेटों में से एक था। वह उनका पहला बच्चा था। या'क़ूब उसका जुड़वा भाई था।

- 'ऐसौ ने दाल के एक कटोरे के लिए या'क़ूब को अपना पहिलौठा का इख्तियार बेच दिया था।
- 'ऐसौ पहिलौठा था, इसलिए इसहाक़ को उसे ख़ास बरकतें देनी थी। लेकिन या'क़ूब ने धोखे से वह बरकतें ले लीं। शरू'अ में तो ऐसौ ग़ुस्सा की से वजह या'क़ूब को क़त्ल करना चाहता था लेकिन बा'द में उसने या'क़ूब को मा'फ़ कर दिया।
- 'ऐसौ की कई औलाद और नाती-पोते हुए थे जो कना'न में एक क़ौम होकर बस गए थे।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: सदोम, इसहाक़, या'क़ूब, रिबक़ा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 25:24-26
- पैदाईश 25:29-30
- पैदाईश 26:34-35
- पैदाईश 27:11-12
- पैदाईश 32:3-5
- 'इब्रानियों 12:14-17
- रोमियो 09:10-13

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **06:07** जब रिबक़ा के बच्चे पैदा हुए तौ बड़े 'उम्र का बेटा सुर्ख और बालों से बाहर आगया और उसने उसे **'ऐसौ** नाम दिया |
- **07:02** तो **'ऐसौ** ने अपने पहिलौठे का इख्तियार या'क़ूब के हाथ बेच दिया।
- **07:04** जब इसहाक़ ने उसे टटोलकर देखा और उसके कपड़ों की ख़ुशबू पाकर समझा कि वह 'ऐसौ है, तो उसे जी से दू'आ दी|
- **07:05 'ऐसौ** ने या'क़ूब से दुश्मनी रखी क्योंकि उसने उसके पहिलौठे होने का इख्तियार तो छीन ही लिया था साथ ही बाप की दी हुईं दु'आओं में भी दुश्मनी रखी
- **07:10** लेकिन **'ऐसौ** या'क़ूब को फहले ही मा'फ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही ख़ुश हुए।

शब्दकोश:

- Strong's: H6215, G2269

(**वापस जाओ:** 06:07; 07:01; 07:02; 07:03; 07:04; 07:06; 07:09; 07:10)

, क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह

ता’अर्रुफ़:

क़ुर्बानगाहएक पत्थर की तरह ऊँचा मक़ाम होता था जिस पर इस्राईली ख़ुदावन्द के लिए जले हुए जानवर या अनाज जला करके क़ुर्बान करते थे ,

किताब-ए-मुक़द्दस के वक़्त में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।

- कुछ ख़ास क़ुर्बानगाहें लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राईल के पड़ोस की क़ौमें भी अपने मा'बूदों के लिए क़ुर्बानगाहें बनाती थी।

(यह भी देखें: \ खुश्बू जलाने की क़ुर्बानगाह झूठे मा'बूद अनाज की क़ुर्बानी क़ुर्बान)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 08:20-22
- पैदाइश 22:9-10
- या'क़ूब 02:21-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 23:18-19

कलाम की कहानियों से मिसाल:

- **03:14** उसने एक **क़ुर्बानगाह** बनाई, जिसे क़ुर्बानी के लिये इस्तेमाल किया जा सके और सभी तरह के जानवरों को क़ुर्बान किया।
- **05:08** जब वह क़ुर्बानी की जगह पर पहुंच गए, तो इब्राहीम ने अपने बेटे इस्हाक़ को बांध दिया और उसे **क़ुर्बानगाह** पर रख दिया।
- **13:09** एक इमाम ने जानवर को मारकर उसे **क़ुर्बानगाह** पर जला दिया
- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई क़ुर्बानगाह बनाई जो ख़ुदावन्द यहोवा के लिए बनाई वह पहले मा'बूदों के बुतों की **क़ुर्बानगाह** के पास पेश किया जाता था और उसमें मा'बूदों को क़ुर्बानी दी जाती थी ।

शब्दकोश:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

(**वापस जाओ:** 13:09; 16:06; 16:07; 19:09; 19:11)

अच्छा, भलाई

ता’अर्रुफ़:

“अच्छा” लफ़्ज़ का मतलब जुमले के मुताबिक़ अलग-अलग हो सकते हैं। कई ज़बानों में इन अलग-अलग मतलबों का तर्जुमा करने के लिए अलग-अलग लफ़्ज़ होंगे।

- आमतौर पर कोई बात अच्छी है अगर वह ख़ुदावन्द के ख़ासीयत , मक़सद और मर्ज़ी के मुताबिक़ है।
- एक “अच्छी” चीज़ क़ाबिल क़ुबूल, अच्छी जीज़, मददगार, लायक़, फ़ायदेमन्द या सही तरीक़े में होगी।
- ज़मीन अच्छी है तो वह उपजाऊ और पैदावार होगी।
- “अच्छी” फ़सल या'नी पैदावार
- एक शख़्स अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं अगर वह अपने काम या पेशे में होशियार हैं, जैसा कि "एक अच्छा किसान" है।
- कलाम में “अच्छा” हमेशा बुरे के अलग है।
- “भलाई” हमेशा ख़्यालों और काम में इख्लाक़ी के तौर पर नेक और रास्तबाज़ होना है।
- ख़ुदावन्द की अच्छाई का मतलब है लोगों को अच्छी और फ़ायदे की चीज़ें देना। यह भी उसके इख़लाक़ी कमाल के बारे में है

तर्जुमा की सलाह:

- मक़सदी ज़बान में “अच्छा” के लिए जो भी आम लफ़्ज़ है उसका इस्ते'माल किया जाए जब भी यह आम लफ़्ज़ मुनासिब और लाज़िम हो ख़ास करके ऐसे बारों में जहां यह लफ़्ज़ बुराई के अलग मतलब में ज़ाहिर हों ।
- जुमले के मुताबिक़ इसके कई तर्जुमे हो सकते हैं, “रहम ” या "बहुत ख़ुश ग्वार " या “रास्तबाज़ ” या “ख़ुश इख़लाक़” या “फ़ायदे मन्द ”
- “अच्छी ज़मीन ” का तर्जुमा हो सकता है, “उपजाऊ ज़मीन ” या “पैदावार की ज़मीन ” या “अच्छी फसल” का तर्जुमा “कामयाब फ़सल” या “बहुत ज़्यादा फ़सल”।
- “भलाई करना” का मतलब है लोगों के फ़ायदे के काम और इसका तर्जुमा , “पर रहम करना” या “मदद करना” या “फ़ायदा पहुंचाना” हो सकता है।
- “सबत के दिन भलाई करना” या'नी “किसी के फ़ायदे का काम सबत के दिन करना”।
- जुमलों के मुताबिक़ “भलाई के तर्जुमा”, “बरकत ” या “रहम” या “ख़ुश” या “” या “पाकीज़गी ” की शक्ल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, मुक़द्दस, फ़ायदा, रास्तबाज़)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 05:22-24
- पैदाइश 01:11-13
- पैदाइश 02:9-10
- पैदाइश 02:15-17
- या'क़ूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **01:04** लेकिन ख़ुदावन्द ने देखा कि जो तख़लीक़ उसने की है वह **अच्छी** है।।
- **01:11** ख़ुदावन्द ने **अच्छे** और बुरे के 'इल्म का दरख़्त लगाया।
- **01:12** फिर ख़ुदावन्द ने कहा “आदमी का अकेला रहना **अच्छा** नहीं है।”
- **02:04** " ख़ुदावन्द इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम ख़ुदावन्द की तरह हो जाओगे और **अच्छा** और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने ग़ुलाम की शक्ल में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन ख़ुदावन्द ने **भलाई** के लिए बुराई का इस्ते'माल किया!"
- **14:15** यसू'अ एक **अच्छा** रहनुमा था क्यूँकि वह ख़ुदावन्द पर ईमान करता था व उसके हुक्मो का पालन करता था।
- **18:13** कुछ बादशाह **अच्छे** लोग भी थे, जिन्होंने बेहतर तरीक़े से हुकूमत की और ख़ुदा की 'इबादत की।
- **28:01** “ऐ**बेहतर _ उस्ताद , हमेशा की ज़िन्दगी का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” 'ईसा ने उससे कहा, “तू मुझे _‘अच्छा’** क्यों कहता है? जो _अच्छा _ है वह सिर्फ़ एक ही है, और वह ख़ुदावन्द है"

शब्दकोश:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

(**वापस जाओ:** 01:02; 01:04; 01:05; 01:06; 01:07; 01:08; 01:11; 01:12; 01:15; 02:03; 02:04; 02:12; 03:04; 08:12; 18:13; 28:01; 33:05; 33:09; 36:04; 50:05; 50:06; 50:08)

अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी

ता'अर्रुफ़:

"ख़ुशख़बरी" लफ़्ज़ का असल मतलब में "अच्छी ख़बर," है और ऐसी ख़बर और 'ऐलान के बारे में है जो लोगों को फ़ायदा पहुंचाता है या ख़ुश करता है।

- कलाम में यह लफ़्ज़ सलीब पर 'ईसा की क़ुर्बान के ज़रिए' से ख़ुदा की नजात के बारे में हमेशा इस्ते'माल किया जाता है।
- ज़्यादातर अंग्रेजी कलामों में "अच्छी ख़बर" का तर्जुमा "ख़ुशख़बरी" किया गया है और ऐसे जुमले काम में लिए गए हैं जैसे "मसीह 'ईसा की ख़ुशख़बरी" या "ख़ुदा की ख़ुशख़बरी" और "बादशाही की ख़ुशख़बरी"।

तरजुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ की कई शक्लें हैं, "अच्छी ख़बर", "अच्छा 'ऐलान" या "ख़ुदा की नजात की ख़बर" या "ख़ुदावन्द 'ईसा के बारे में अच्छी बातें सिखाता है"।
- मज़मून के मुताबिक़ इस जुमले का तर्जुमा, "की ख़ुशख़बरी" का तर्जुमा के बारे में अच्छी ख़बर/ख़बर" या "से हासिल अच्छी ख़बर" या "ख़ुदा हमें जिन अच्छी बातों का 'इल्म देता है" या "ख़ुदा लोगों की नजात के बारे में क्या कहता है"।

(यह भी देखें: बादशाही, क़ुर्बानी, नजात)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- रसूलों के 'आमाल 08:25
- कुलुस्सियों 01: 21-23
- गलातियों 01:6-7
- लूक़ा 08: 1-3
- मरकुस 01:14-15
- फ़िलिप्पियों 02:22-24
- रोमियो 01:1-3

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **23:06** तब फ़रिश्ते ने उनसे कहा, " मत डरो; क्यूँकि देखो, मैं तुम्हें बड़ी ख़ुशी की **ख़बर** सुनाता हूँ" कि आज बैतलहम शहर में तुम्हारे लिए एक मुन्जी पैदा हुआ है, और यही मसीह ख़ुदा है।"
- **26:03** 'ईसा ने पढ़ा, " ख़ुदा की रूह मुझ पर है, इसलिए कि उसने कंगालों को **अच्छी ख़बर** सुनाने के लिए बरकत दी है, और मुझे इसलिए भेजा है कि क़ैदियों को छुटकारे का और अंधों को बीनाई पानेकी ख़ुशख़बरी का 'ऐलान करूँ और कुचले हुओ को आज़ाद करूँ। यह ख़ुदा की महेरबानी का साल है।"
- **45:10** फ़िलिप्पुस ने दूसरे सहीफ़ों का भी इस्तेमाल करके उसे 'ईसा की **ख़ुशख़बरी** सुनाई।
- **46:10** तब उन्होंने उन्हें कई कई जगहों में _ 'ईसा के बारे में 'ऐलान_ करने के लिये भेज दिया।
- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका दोस्त सीलास फ़िलिप्पी में _ 'ईसा का 'ऐलान करने_ को गए।
- **47:13** _ 'ईसा की ख़ुशख़बरी_ को वह ऐलान करते गए और कलीसिया बढ़ती गईं।
- **50:01** तक़रीबन 2,000 से ज़्यादा सालों से, दुनिया भर में ज़्यादा से ज़्यादा लोग _ 'ईसा मसीह की ख़ुशख़बरी_ को सुन रहे हैं।
- **50:02** जब 'ईसा ज़मीन पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे शागिर्दों ने दुनिया में हर जगह लोगों को ख़ुदा की बादशाही के बारे में **ख़ुशख़बरी** का 'ऐलान करेंगे, और फिर आख़िर आ जाएगा।"
- **50:03** जन्नत में वापस जाने से पहले, 'ईसा ने मसीहों से कहा कि वह उन लोगों को **ख़ुशख़बरी** सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।

शब्दकोश:

- Strong's: G2097, G2098, G4283

(**वापस जाओ:** 26:03; 45:10; 46:10; 47:01; 47:11; 47:13; 47:14; 49:06; 50:01; 50:02; 50:03)

अबदियत, हमेशा के लिए, हमेशा की ज़िन्दगी

ता'अर्रुफ़:

“अब्दियत” और “हमेशा” के मतलब तक़रीबन एक से ही हैं और हमेशा हाज़री या हमेशा के लिए बात का हवाला देते हैं।

- “हमेशा के लिए” इस बात का हवाला देते हैं जिसकी न शरू' या न ही आख़िर है। यह भी ज़िन्दगी का हवाला देता हैं जो कभी ख़त्म नही होता है |
- इस मौजूदह ज़मीन पर ज़िन्दगी के बा'द, इंसान ख़ुदावन्द के साथ जन्नत में या ख़ुदा से अलग जहन्नम में हमेशा ज़िन्दगी गुज़ारा करेंगे।

“हमेशा की ज़िन्दगी” और “अबदी की ज़िन्दगी” नये 'अहद नामें में ख़ुदावन्द के साथ जन्नत में हमेशा की ज़िन्दगी के लिए काम में लिए गए जुमले हैं।

- “ हमेशा और हमेश "का ख़याल है की कभी कभी ख़त्म नहीं होता और इज़हार करता है कि हमेशा या हमेशा की ज़िन्दगी कि तरह है |
- हमेशा के लिए" लफ्ज़ कभी ख़त्म होने वाला वक़्त नहीं है। * कभी-कभी इसका मतलब "बहुत लंबा वक़्त " की शक्ल में किया जाता है।
- लफ्ज़ "हमेशा के लिए और हमेशा" जोर देता है कि कुछ हमेशा होता या वजूद में रहता है।
- जुमले में "हमेशा और हमेशा"का इज़हार करने का एक तरीक़ा है जिसे अब्दी ज़िन्दगी या हमेशा की ज़िन्दगी किया है | उसके पास वक़्त का ख़याल भी है जो कभी नही ख़त्म होता है |
- ख़ुदा ने कहा कि दाऊद का तख़्त हमेशा हमेश के लिए करे गा | यह हक़ीक़त है की दाऊद की नस्ल 'ईसा हमेशा बादशाह के तौर पर हुक्मरानी करेगा |

तर्जुमा की सलाह:

- “हमेशा” और “सदाकाल” का तर्जुमा करने के दोसरे तरीक़े, “अबदी” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “हमेशा चलनेवाला” हो सकता है।
- “अबदी ज़िन्दगी ” और “ला ज़वाल ज़िन्दगी” का तर्जुमा, “ज़िन्दगी जो कभी कभी ख़त्म नही होती या “ज़िन्दगी जो बग़ैर रुकने के बग़ैर जारी है ” या “ जिस्म का दोबारह हमेशा की ज़िन्दगी पाने के लिए” हो सकता है।
- जुमले के तौर पर “हमेशा के लिए ” का तर्जुमा तरीक़ों, “वक़्त के बाहर हाज़री” या “ख़त्म न होने वाली ज़िन्दगी ” या “जन्नत की ज़िन्दगी ” हो सकता है।
- मुक़ामी ज़बान या क़ौमी ज़बान के किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमें में इस लफ्ज़ का तर्जुमा कैसे किया गया है उस पर भी ग़ौर दें। (देखें: ना वाक़िफ़ लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)
- "हमेशा" का तर्जुमा "हमेशा" या "कभी ख़त्म नहीं होता" ज़रिए किया जा सकता है।
- जुमले "हमेशा के लिए चलेगा" का तर्जुमा "हमेशा मौजूद" या "कभी नहीं रुक जाएगा" या "हमेशा जारी रहेगा" कि शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।
- ज़बरदस्त जुमला "हमेशा के लिए और हमेशा" का तर्जुमा "हमेशा और हमेशा के लिए" या "कभी ख़त्म नहीं होता" या "जो कभी ख़त्म नहीं होता" कि शक्ल में भी किया जा सकता है।
- दाऊद का तख़्त हमेशा तक जारी रहता है जैसाकि दौउद की नस्ल हमेशा के लिए करे गा " या "दौउद की एक नस्ल हमेशा के लिए करेगा " या "दाऊद की एक नस्ल हमेशा सल्तनत करेगी |

(यह भी देखें: दाऊद, हुक्मरानी, ज़िन्दगी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 17:7-8
- पैदाईश 48:3-4
- ख़ुरूज 15:17-18
- 2 समूएल 03:28-30
- 1 सलातीन 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- ज़बूर 021:3-4
- यसा’याह 09:6-7
- यसा’याह 40:27-28
- दानीएल 07:17-18
- लूक़ा18:18-21
- रसूलों के 'आमाल . 13:46-47
- रोमियो 05:20-21

- 'इब्रानियों 06:19-20
- 'इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना01:1-2
- 1 युहन्ना 05:11-12
- मुक़ाशिफा01:4-6
- मुक़ाशिफा22:3-5

किताब-ए-मुक़द्दस की मिसालें:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के क़ानून में एक माहिरीन 'ईसा का इम्तिहान लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "उस्ताद, मुझे **हमेशा की ज़िन्दगी** पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर जवान हुक्मरान 'ईसा के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा उस्ताद , मुझे क्या करना चाहिए _ हमेशा की ज़िन्दगी**को हासिल करने के लिए ?" 'ईसा ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? सिर्फ़ एक ही है जो अच्छा है, और वह ख़ुदावन्द है। लेकिन अगर तुम** _ हमेशा की ज़िन्दगी पाना चाहते हो, तो ख़ुदा के क़ानून पर 'अमल करो । "
- **28:10** 'ईसा ने जवाब दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, बाप, माँ, बच्चों या दोलत को छोड़ दिया है, उसे सौ गुना ज़्यादा मिलेगा और **हमेशा की ज़िन्दगी** भी हासिल करेगा।"

शब्दकोश:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

(**वापस जाओ:** 27:01; 28:01; 28:10)

अमूरी, अमूरीयों

सच्चाई:

अमूरी एक ताक़तवर क़ौम थी जो नूह के पोते कनान की नसल थी।

- उनके नाम का मतलब है, "ऊंचे लोग" जो अमूमन उनके पहाड़ों जैसे मक़ाम की वजह से पड़ा था क्यूँकि वे क़द में लम्बे थे।
- अमूरी यरदन नदी के दोनों तरफ़ बसे हुए थे। * अ'ई शहर अमूरीयों के रहने का मक़ाम था।
- ख़ुदा "अमूरीयों के गुनाह" के बारे में बताता है, उनके झूठे मा'बूदों की 'इबादत से जुड़े हुए गुनाहों जैसे सुलूक भी थे।
- ख़ुदा ने जैसा हुक्म दिया उसी के मुताबिक़ एशौ ने अमूरीयों के बर्बाद करने के लिए इस्राईली रहनुमाई की थी।

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आमोस 02:9-10
- इज़्कीएल 16:1-3
- पैदाइश 10:15-18
- पैदाइश 15:14-16
- यहोशू 09:9-10

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **15:07** कुछ वक़्त बा'द, कन'आन में एक दुसरे क़बीले के बादशाह **अमूरीयों** ने जब यह सुना कि गिबोन के रहने वालों ने इस्राईलियों से मेल किया और उनके बीच रहने लगे है, तब अमूरी के बादशाहों ने अपनी अपनी सेना इकट्ठी करके चढ़ाई कर दी, और गिबोन के सामने डेरे डालकर उस से जंग शुरू कर दी ।
- **15:08** सुबह को उन्होंने **अमूरीयों** की फ़ौज को हैरान कर दिया और उन पर हमला कर दिया।
- **15:09** उस दिन ख़ुदा इस्राईल के लिए लड़ा । ख़ुदा ने अमूरीयों को परेशानी में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से अमूरीयों को हलाक किया
- **15:10** उस दिन ख़ुदा ने सूरज को आसमान के बीचोंबीच ठहरा दिया, ताकि इस्राईलियों के पास अमूरीयों को शिकस्त करने के लिए काफ़ी वक़्त हो।

शब्दकोश:

- Strong's: H567,

(**वापस जाओ:** 15:07; 15:08; 15:09; 15:10)

असूर, असूरी, असूरियों, असूर मुल्क

सच्चाई:

असूर, मुल्क इस्राईल के कन'आन रहने के वक़्त एक ताक़तवर मुल्क था। असूर मुल्क कई मुल्कों की सल्तनत थी जिस पर असूर बादशाह हुकूमत करता था।

- असूर मुल्क उस जगह में था जो आज उत्तरी इराक़ है।
- तवारीख़ में असूरों ने इस्राईल से कई जंग की थीं ।
- 722 ई.पू. में असूरों की फ़ौज ने इस्राईल मुल्क को पूरी तरह जीत लिया था और इस्राईलियों को क़ैदी बनाकर असूर मुल्क ले गए थे।
- जो इस्राईली अपने मुल्क में रह गए थे उन्होंने असूरों के ज़रिए' सामरिया से इस्राईल में लाकर बसाए हुए परदेशियों के साथ शादियाँ कर ली थी । ऐसी अलग क़ौमों की शादी से पैदा औलादों को आगे चलकर सामरी कहा गया था।

(यह भी देखें: सामरिया)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 10:11-14
- पैदाइश 25:17-18
- यशायाह 07:16-17
- यरमियाह 50:17-18
- मीका 07:11-13

किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसाल:

- **20:02** तब ख़ुदा ने दोनों मुल्कों को सज़ावार किया और उनके दुश्मनों को यह इजाज़त दी कि वह उन मुल्कों को बर्बाद कर दे। _ **असूर का मुल्क** एक ताक़तवर मुल्क था, जिसने इस्राईल के मुल्क को बर्बाद कर दिया। _ _असूरियों_ ने इस्राईल के बहुत से लोगों को मार गिराया, उनकी क़ीमती चीज़ों को छीन लिया और मुल्क का बहुत सा हिस्सा जला दिया।
- **20:03 असूरियों** ने सभी रहनुमाओं को जमा' किया, मालदार आदमी और लायक़ आदमी को और वह उन्हें अपने साथ **असूर** ले आए।
- **20:04** तब **असूरियों** ने ग़ैर क़ौमों को उस ज़मीन पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राईली मुल्क था।

शब्दकोश:

- Strong's: H804, H1121

(**वापस जाओ:** 20:02; 20:03; 20:04; 20:06)

अहाब

सच्चाई:

अहाब एक बहुत ही बुरा बादशाह था जिसने उत्तरी हुकूमत इस्राईल पर 875 -854 ईपू-तक बादशाहत की थी

- बादशाह अहाब ने इस्राईली लोगों पर बुत परस्तीझूठे माँ'बूदका ग़लत असर डाला था
- नबी एलियाह ने अहाब से नबुव्वत की थी कि अहाब के ज़रिए'इस्राईल से गुनाह कराने के बदले साढ़े तीन साल तक सूखा पड़ेगा क्यूँकि यह उनके गुनाहों के लिए ख़ुदावन्दकी सज़ा है
- बादशाह अहाब और उसकी रानी ईज़ेबेल ने कई एक बुरे काम किए थे जिसमें उन्होंने उनकी ताक़त का ग़लत इस्तेमाल करके बेकुसूरों को क़त्ल किया ।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें : इस्राईल की हुकूमत, यहोवा, इजिबेल, एलियाह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 18:1-2
- 1सलातीन 20:1-3
- 2 तवारीख़ 21:6-7
- 2 सलातीन 09:7-8

कलाम की कहानियों से मिसाल:

- **19:02** एलिय्याह नबी था, जब **अहाब** इस्राईली सल्तनत का बादशाह था। **अहाब** एक बुरा आदमी था जो लोगों को झूठे, बा'ल नामक मा'बूद की 'इबादत करने के लिए जोश दिलाता था।
- **19:03 अहाब** और उसके फ़ौजी एलिय्याह की ताक में थे, लेकिन वह उसे खोज न सकें।
- **19:05** साढ़े तीन साल के बा'द, खुदावन्द का यह कलाम एलिय्याह के पास पहुँचा , “जाकर अपने आप को **अहाब** को दिखा, और मैं ज़मीन पर पानी बरसा दूँगा

शब्दकोश:

- Strong's: H256

(**वापस जाओ:** 19:02; 19:03; 19:05; 19:13)

आदम

सच्चाई:

आदम पहला आदमी था जिसे ख़ुदावन्द ने बनाया था| और वह उसकी बीवी हव्वा ख़ुदावन्द की सूरत से बनाए गए थे |

- ख़ुदावन्द ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें साँस फूँकी थी ।
- आदम लफ़्ज़ का मतलब इब्रानी में लाल मिट्टी , या ज़मीन है |।
- "आदम लफ्ज़ वैसा ही है जैसा पुराने अहद नामे का लफ्ज़ इन्सानीक़ौम , या आदमी है ।
- पूरे तौर से इन्सानी क़ोम आदम और हव्वा की औलादें हैं ।
- आदम और हव्वा ने ख़ुदावन्द का हुक्म नहीं माना । इस वजह से वह ख़ुदावन्द से अलग हो गए और दुनिया में गुनाह और मौत को आने दिया|

तर्जुमा की सलाह , नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मौत, औलादें , हव्वा, ख़ुदावन्द की सूरत, ज़िन्दगी

किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 02:13-15
- पैदाइश 03:17-19
- पैदाइश 05:1-2
- पैदाइश 11:5-7
- लूका 03:36-38
- रोमियो 05:14-15

किताब -ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसाल :

- **01:09** फिर ख़ुदावन्द ने कहा , हम इन्सान को अपनी शक्ल में अपने जैसा बनायेंगे
- **01:10** आदमी का नाम **आदम** था ख़ुदावन्द ने **आदम** के रहने के लिए एक बाग़ बनाया और बाग़ की देखभाल करने के लिए उसे वहाँ रख दिया
- **01:12** फिर ख़ुदावन्द ने कहा आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है ।" लेकिन जानवरों में से कोई भी **आदम** का मददगार नहीं बन सकता |
- **02:11** और ख़ुदावन्द ने जानवर की खाल से **आदम** और हव्वा को ढका
- **02:12** और ख़ुदावन्द ने ख़ूबसूरत बगीचे से **आदम** और हव्वा को बाहर भेज दिया
- **49:08** जब **आदम** और हव्वा ने गुनाह किया तो इसने उनकी सारी औलादों को मुता'अस्सिर किया
- **50:16** क्यूँकि आदम_ और हव्वा ने ख़ुदावन्द के हुक्म की नाफ़रमानी की और इस दुनिया में गुनाह को लाए, इसलिए ख़ुदावन्द ने इसे लानत किया और इसे बर्बाद करने का इरादा किया

शब्दकोश:

- Strong's: H120, G76

(**वापस जाओ:** 01:10; 01:11; 01:12; 01:13; 21:01; 48:01; 48:02; 48:03; 49:08; 50:16)

आसमान, बादल, बादलों, आसमानी

ता'अर्रुफ़:

"जन्नत" वह मक़ाम है जहाँ ख़ुदा रहता है। मज़मून पर मुनहस्सिर, इस लफ़्ज़ का मतलब "बादल" भी है।

"आसमानों" वह है जिसे हम ज़मीन पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। इसमें आसमानी जिस्म भी शामिल है, जैसे दूर दूर के सय्यारे जिन्हें हम ज़मीन से सीधे देख नहीं सकते।

- "आसमान" वह स्थान है जो नीला है और उसमें साँस लेने के लिए हवा है। सूरज और चाँद को 'आम तौर पर "आसमान में क़ायम" मानते हैं।
- किताब-ए-मुक़द्दस के कुछ मज़मूनों में "जन्नत" का मतलब आसमान या ख़ुदा के रहने का मक़ाम भी होता है।
- जहाँ जन्नत को 'अलामती तौर पर काम में लिया गया है तो वह ख़ुदा के बारे में है। मिसाल के तौर पर, जब मत्ती "आसमान की बादशाही" लिखता है तो वह ख़ुदा की बादशाही का ज़िक्र करता है।

तर्जुमे की सलाह:

- "आसमान" का 'अलामती इस्ते'माल का तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुदा"
- मत्ती की किताब में "आसमान की बादशाही" को "आसमान" ही रखा जाए तो ठीक है क्योंकि यह लफ़्ज़ मत्ती के ज़रिए' लिखी ख़ुशख़बरी का एक ख़ास लफ़्ज़ है।
- "आसमानों" या "तारों" का तर्जुमा किया जा सकता है, "सूरज, चाँद और सितारे" या "क़ायनात में सब सितारे"।
- "आसमान के तारों" का तर्जुमा किया जा सकता है, "आसमान के सितारे" या "कहकशाँ के सितारे" या "क़ायनात के सितारे"

(यह भी देखें: ख़ुदा की बादशाही

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- इस्तिस्ना 09:1-2
- इफ़िसियों 06:9
- पैदाइश 01:1-2
- पैदाइश 07:11-12
- युहन्ना 03:12-13
- युहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाले:

- **04:02** फिर उन्होंने **आसमान** तक लंबी चोटी ता'मीर की।
- **14:11** उसने (ख़ुदा) उन्हें **आसमान** से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब अचानक फरिश्तों की जमा'अत ख़ुदा की ता'रीफ़ करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दी, "**आसमान** में ख़ुदा का जलाल और ज़मीन पर उन इन्सानों में जिनसे वह ख़ुश है, ।"
- **29:09** तब 'ईसा ने कहा, "इसी तरह अगर तुम में से हर एक अपने भाई को दिल से मु'आफ़ न करेगा, तो मेरा बाप जो **आसमान** में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब 'ईसा ने **आसमान** की ओर देखा और कहा, "ऐ बाप, मैं आपका शुक्र करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** तब 'ईसा **आसमान** पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी नज़रों से छिपा लिया।

शब्दकोश:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

(**वापस जाओ:** 04:02; 04:07; 23:07; 24:08; 28:04; 30:07; 34:09; 37:09; 39:04; 41:04; 42:10; 42:11; 43:01; 43:02; 50:03; 50:16)

आज़माइश करने, आज़माइश

ता'अर्रुफ़:

किसी को आज़माइश में डालने का मतलब है कि उससे ग़लत काम करवाना।

- आज़माइश में इन्सान ग़लत काम करना चाहता है।
- इन्सान अपने गुनाहगारी मिज़ाज या और इन्सानों के ज़रिये आज़माइश में गिरता है।
- शैतान भी इन्सानों को ख़ुदा की नाफ़रमानी और ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह करने की आज़माइश में डालता है ग़लत कामों के ज़रिये
- शैतान ने ईसा की भी आज़माइश ली थी और उसने ग़लत काम करवाना चाहता था लेकिन 'ईसा ने उसकी आज़माइश पर फ़तह पाकर गुनाह नहीं किया।
- "ख़ुदा की आज़माइश" उसे कुछ ग़लत करने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि हठीलेपन और ना फ़रमानी में बने रहता है जब तक ख़ुदा उसे सज़ा देकर रद्दे 'अमल नहीं करता। इसे भी "ख़ुदा की आज़माइश" लेना कहते हैं।

तर्जुमे की सलाह:

- " आज़माइश करना" का तर्जुमा "गुनाह करवाने का कोशिश करना" या "लालच देना" या "गुनाह करने की ख़्वाहिश जगाना।"।
- " आज़माइश" के तर्जुमे की शक्ल हो सकते हैं, "आज़माइश में गिरानेवाली बातें" या "किसी को गुनाह का लालच देने वाली बातें" या "ऐसी बातें जो ग़लत काम करने की ख़्वाहिश पैदा करें।"

ख़ुदा की आज़माइश के बारे में इसका तर्जुमा "ख़ुदा को परखना" या "ख़ुदा को जांचना" या "ख़ुदा के सब्र को आज़माना " या "ख़ुदा के ज़रिए' सज़ा पाने की वजह होना" या "हठीलेपन की वजह ख़ुदा की नाफ़रमानी करते रहना"।

(यह भी देखें हुक्म न मानना, शैतान, गुनाह , आज़माइश)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- इब्रानियों 04: 14-16
- याकूब 01:12-13
- लूका 04:1-2
- लूका 11:3-4
- मत्ती 26:39-41

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **25:01** तब शैतान 'ईसा से गुनाह कराने के लिये उनकी _ आज़माइश करने_ आया |
- **25:08** 'ईसा शैतान के _आज़माइश _नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया, तब फ़रिश्ते आए और 'ईसा की ख़िदमत करने लगे |
- **38:11** 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि दुआ करते रहो कि _ आज़माइश _ में न पड़ो |

शब्दकोश:

- Strong's: H974, H4531, H5254, G551, G1598, G3985, G3986, G3987

(**वापस जाओ:** 25:01; 25:02; 25:08; 26:01; 38:11; 49:17)

इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला,

ता;अर्रुफ़ :

इन्साफ़ " और "मुंसिफ़ " लोगों को ख़ुदा के क़ानूनों के मुताबिक़ सही तौर से फ़ैसला करने के बारे में बताता है। इंसानी क़ानून जो दूसरों के लिए सही सुलूक और ख़ुदा के वक़ार को ज़ाहिर करते हैं, वह भी हैं।

- “इन्साफ़ ” या'नी लोगों के साथ सच्चा और सही सुलूक करना। यह ख़ुदावन्द की नज़रं में ग़लत और सही काम करना भी है।
- “मज़हबी” सुलूक करना या'नी लोगों के साथ ऐसा सुलूक करना जो ख़ुदावन्द के क़ानून के मुताबिक़ सही बेहतर और मुनासिब है।
- “इन्साफ़” पाना या'नी क़ानून के मुता'अल्लिक़ सही सुलूक हासिल करना, क़ानून की हिफ़ाज़त में या हुक्मों की ना फ़रमानी में।
- कभी-कभी “इन्साफ़” का मतलब बड़ा होता है जैसे “मज़हबी” या “ख़ुदावन्द के हुक्मों पर ‘अमल करना”

"ना इंसाफ़ी से भरा " और "ना इंसाफ़ी" लफ़्ज़ लोगों को एक ग़लत और अक्सर नुक़सान दह तरीक़े के सुलूक करने के बारे में बताता है

एक "ना इंसाफ़ी " कुछ बुरा है जो किसी शख़्स के साथ किया जाता है जिसे बयान करना ठीक नहीं था। यह लोगों को ग़लत तरीक़े के सुलूक करने के बारे में बताता है। ना इंसाफ़ी का भी मतलब है कि कुछ लोगों से ग़लत तरह से सुलूक किया जाता है जबकि दूसरो से सही सुलूक किया जाता है।

- जो कोई ग़लत रास्ते में काम कर रहा है और हसद किए जा रहा है तो वह लोगों से सही सुलूक नहीं करता |

“मज़हबी ठहराएगा” और “रास्तबाज़ ” का मतलब है क़ुसूरवार लोगों को रास्तबाज़ ठहराना। सिर्फ़ ख़ुदावन्द लोगों को हक़ीक़त में इन्साफ़ करने वाला ठहराया जा सकता है।

- जब ख़ुदावन्द लोगों को रास्तबाज़ ठहराता है तब वह उनके गुनाह मु'आफ़ करके ऐसा कर देता है कि उन्होंने कभी गुनाह नहीं किया वह उन गुनाहगारों को ही रास्तबाज़ ठहराता है जो गुनाहों से बचने के लिए 'ईसा में ईमान करते हैं।
- “रास्तबाज़ ” के बारे में ख़ुदावन्द के ज़रिए' लोगों के गुनाहों की मु'आफ़ी से और 'ऐलान से है कि वे इन्सान ख़ुदावन्द की नज़र में रास्तबाज़ है।

तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़, “सच्चा” का तर्जुमा करने की कई शक्ल हैं “इख्लाक़ी में सही” या “इन्साफ़ पसन्द ”।
- “इन्साफ़” का तर्जुमा हो सकता है, “बिना तरफ़दारी के सुलूक” या “लायक़ नतीजा ”।
- “सच्चा सुलूक” का तर्जुमा हो सकता है, “वफ़ादार सुलूक” या “ वफ़ादार सुलूक”
- कुछ जुमलों में “सच्चा” का तर्जुमा “मज़हबी” या “खरा” भी हो सकता है।

जुमले के तौर पर, "ना इंसाफ़ी " का तर्जुमा "ग़लत" या "ग़ैर जानदार" या "गलत" के शक्ल में भी किया जा सकता है। ना इंसाफ़ी" जुमले का तर्जुमा "ना इन्साफ़ों " या "ना इंसाफ़ी लोगों" या "जो लोग दूसरों के साथ ग़लत सुलूक करते हैं" या "ग़लत लोग" या "जो लोग ख़ुदा की नाफ़रमानी करते हैं" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है। "ना इंसाफ़ी" लफ़्ज़ का तर्जुमा "ग़लत तरीक़े से" या "ग़लत तरीक़े से" या "ग़लत" के शक्ल में किया जा सकता है। "ना इन्साफ़" का तर्जुमा करने के तरीक़े में "ग़लत ‘इलाज" या ग़लत ‘इलाज " या "ग़लत तरीक़े से सुलूक " शामिल हो सकता है

- “मज़हबी ठहराना” का दूसरा तर्जुमा है, “(किसी) को मज़हबी का 'एलान करना” या “(किसी) के मज़हबी होने की वजह होना।”
- लफ़्ज़ "फ़ैसला" का तर्जुमा "मज़हबी ठहराया जा रहा है" या "मज़हबी बनना" या "लोगों को मज़हबी होना" की शक्ल में किया जा सकता है।
- "नतीजे के तौर पर " जुमले का तर्जुमा हो सकता है "ताकि ख़ुदावन्द ने कई लोगों को सही ठहराया" या "जिसके नतीजे में ख़ुदावन्द ने लोगों को मज़हबी ठहराया।"
- "हमारे फ़ैसले के लिए" जुमले के तौर में तर्जुमा किया जा सकता है "ताकि हम ख़ुदा के ज़रिए' मज़हबी बनाया जा सके।"

(यह भी देखें:मु’आफ़ी , जुर्म , मज़हबी लोग) , मुंसिफ़ ,

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- पैदाइश 44:16-17
- 1 तवारीख़ 18:14-17
- यसा'याह 04:3-4
- यरमियाह 22:1-3
- हिज़्क़ीएल 18:16-17
- मीकाह 03:8

- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:18-19
- मत्ती 23:23-24
- लूक़ा 18:3-5
- लूक़ा 18:6-8
- लूक़ा 18:13-14
- लूक़ा 21:20-22
- लूक़ा 23:39-41
- रसूलों के 'आमाल 13:38-39
- रसूलों के 'आमाल 28:3-4
- रोमियों 04:1-3
- गलतियों 03:6-9
- गलतियों 03:10-12
- गलतियों 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- ‘इब्रानियों 06:9-10
- या'क़ूब 02:21-24
- मुक़ाशफ़ा 15:3-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें :

- **17:09**दाऊद ने कई सालों तक **इन्साफ़** व वफ़ादारी के साथ हुकूमत किया, और ख़ुदावन्द ने उसे मुबारक बाद दी ।
- **18:13** कुछ बादशाह अच्छे आदमी भी थे, जिन्होंने **सही** तौर से हुकूमत किया और ख़ुदावन्द की 'इबादत की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह दूसरे मा'बूदों की 'इबादत करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए **इन्साफ़** और उन पर रहम करना शुरू' करें।
- **50:17** 'ईसा अपने मुल्क पर अमन व **इन्साफ़** के साथ हुकूमत करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

(**वापस जाओ:** 17:09; 18:13; 19:16; 48:14; 50:17)

इब्राहीम, अब्राम

सच्चाई:

अब्राम ऊर शहर का एक क़सदी आदमी था जिसे ख़ुदावन्द ने इस्राईल का बुज़ुर्ग होने के लिए चुन लिया था | खुदावन्द ने उसका नाम अब्राम से बदलकर इब्राहीम कर दिया था |

- " अब्राम का मतलब है मज़बूत बाप ""
- "अइब्राहीम का मतलब है बहुतों का बाप"
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से वा'दा किया था कि वह बहुतों का बाप होगा उसकी औलादें एक बड़ी क़ौम होंगे ।
- इब्राहीम ने ख़ुदावन्द पर यक़ीन किया और उसके हुक्मों को माना |। ख़ुदावन्द ने इब्राहीम को कसदियों के मुल्क से लेकर कनआन जाने में रहनुमाई की।
- कन'आन में इब्राहीम और सारा को बुढ़ापे में इस्हाक़ हासिल हुआ था। ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: \ कना'न, क़सदी, सारा, इस्हाक़

किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 03:6-9
- पैदाइश 11:29-30
- पैदाइश 21:1-4
- पैदाइश 22:1-3
- या'कूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

किताब -ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसाल:

- **04:06**जब **अब्राम** कन'आन मुल्क पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने उसे कहा कि , ""अपने चारों तरफ़ देख क्यूँकि जितनी ज़मीन तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरी नसल को दूँगा
- **05:04** ख़ुदावन्द_ ने कहा कि अब तेरा नाम **अब्राम** _ न होकर __ इब्राहीम होगा, जिसका मतलब है –"बहुतों का बाप ।"
- **05:05** तक़रीबन एक साल बाद में, जब _इब्राहीम _ सौ साल का हुआ और सारा नब्बे साल की तो, सारा ने इब्राहीम के बेटे को जन्म दिया ।
- **5:06 जब इस्हाक़ जवान हुआ, ख़ुदावन्द ने __इब्राहीम** से यह कहकर उसकी आज़माइश ली,"कि अपने एकलौते बेटे इस्हाक़ को आतशी क़ुर्बानी करके चढ़ा।।
- **06:01जब _इब्राहीम _ 'उम्र दराज़ हो गया था, तो उसका बेटा इस्हाक़ व्यस्कता की तरफ़ बढ़ता जा रहा था, __इब्राहीम** ने अपने एक ग़ुलाम से कहा, कि तू मेरे मुल्क में मेरे ही खानदानियों के पास जाकर मेरे बेटे इस्हाक़ के लिये एक बीवी ले आएगा।
- **06:04**एक लंबे वक़्त के बाद _इब्राहीम _ की मौत हो गयी, ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से जो अहद बाँधा था उसके मुताबिक़ ख़ुदावन्द ने इस्हाक़ को बरकत दी
- **21:02** ख़ुदावन्द **ने __इब्राहीम** से अहद बाँधा कि सर ज़मीन के सारे लोग तेरे ज़रिए बरकत पाएँगे।।

शब्दकोश:

- Strong's: H87, H85, G11

(**वापस जाओ:** 04:08; 04:09; 05:01; 05:02; 05:03; 05:04; 05:05; 05:07; 05:09; 05:10)

इब्राहीम, अब्राम

सच्चाई:

अब्राम ऊर शहर का एक क़सदी आदमी था जिसे ख़ुदावन्द ने इस्राईल का बुज़ुर्ग होने के लिए चुन लिया था | खुदावन्द ने उसका नाम अब्राम से बदलकर इब्राहीम कर दिया था |

- " अब्राम का मतलब है मज़बूत बाप ""
- "अइब्राहीम का मतलब है बहुतों का बाप"
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से वा'दा किया था कि वह बहुतों का बाप होगा उसकी औलादें एक बड़ी क़ौम होंगे ।
- इब्राहीम ने ख़ुदावन्द पर यक़ीन किया और उसके हुक्मों को माना |। ख़ुदावन्द ने इब्राहीम को कसदियों के मुल्क से लेकर कनआन जाने में रहनुमाई की।
- कन'आन में इब्राहीम और सारा को बुढ़ापे में इस्हाक़ हासिल हुआ था। ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: \ कना'न, क़सदी, सारा, इस्हाक़

किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 03:6-9
- पैदाइश 11:29-30
- पैदाइश 21:1-4
- पैदाइश 22:1-3
- या'कूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

किताब -ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसाल:

- **04:06**जब **अब्राम** कन'आन मुल्क पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने उसे कहा कि , ""अपने चारों तरफ़ देख क्यूँकि जितनी ज़मीन तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरी नसल को दूँगा
- **05:04** ख़ुदावन्द_ ने कहा कि अब तेरा नाम **अब्राम** _ न होकर __ इब्राहीम होगा, जिसका मतलब है –"बहुतों का बाप ।"
- **05:05** तक़रीबन एक साल बाद में, जब _इब्राहीम _ सौ साल का हुआ और सारा नब्बे साल की तो, सारा ने इब्राहीम के बेटे को जन्म दिया ।
- **5:06 जब इस्हाक़ जवान हुआ, ख़ुदावन्द ने __इब्राहीम** से यह कहकर उसकी आज़माइश ली,"कि अपने एकलौते बेटे इस्हाक़ को आतशी क़ुर्बानी करके चढ़ा।।
- **06:01जब _इब्राहीम _ 'उम्र दराज़ हो गया था, तो उसका बेटा इस्हाक़ व्यस्कता की तरफ़ बढ़ता जा रहा था, __इब्राहीम** ने अपने एक ग़ुलाम से कहा, कि तू मेरे मुल्क में मेरे ही खानदानियों के पास जाकर मेरे बेटे इस्हाक़ के लिये एक बीवी ले आएगा।
- **06:04**एक लंबे वक़्त के बाद _इब्राहीम _ की मौत हो गयी, ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से जो अहद बाँधा था उसके मुताबिक़ ख़ुदावन्द ने इस्हाक़ को बरकत दी
- **21:02** ख़ुदावन्द **ने __इब्राहीम** से अहद बाँधा कि सर ज़मीन के सारे लोग तेरे ज़रिए बरकत पाएँगे।।

शब्दकोश:

- Strong's: H87, H85, G11

(**वापस जाओ:** 04:05; 06:01; 06:02; 06:04; 08:15; 09:14; 14:02; 14:12; 19:10; 21:02; 45:03; 48:07; 48:08)

इब्राहीम, अब्राम

सच्चाई:

अब्राम ऊर शहर का एक क़सदी आदमी था जिसे ख़ुदावन्द ने इस्राईल का बुज़ुर्ग होने के लिए चुन लिया था | खुदावन्द ने उसका नाम अब्राम से बदलकर इब्राहीम कर दिया था |

- " अब्राम का मतलब है मज़बूत बाप ""
- "अइब्राहीम का मतलब है बहुतों का बाप"
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से वा'दा किया था कि वह बहुतों का बाप होगा उसकी औलादें एक बड़ी क़ौम होंगे ।
- इब्राहीम ने ख़ुदावन्द पर यक़ीन किया और उसके हुक्मों को माना |। ख़ुदावन्द ने इब्राहीम को कसदियों के मुल्क से लेकर कनआन जाने में रहनुमाई की।
- कन'आन में इब्राहीम और सारा को बुढ़ापे में इस्हाक़ हासिल हुआ था। ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: \ कना'न, क़सदी, सारा, इस्हाक़

किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 03:6-9
- पैदाइश 11:29-30
- पैदाइश 21:1-4
- पैदाइश 22:1-3
- या'कूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

किताब -ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसाल:

- **04:06**जब **अब्राम** कन'आन मुल्क पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने उसे कहा कि , ""अपने चारों तरफ़ देख क्यूँकि जितनी ज़मीन तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरी नसल को दूँगा
- **05:04** ख़ुदावन्द_ ने कहा कि अब तेरा नाम **अब्राम** _ न होकर __ इब्राहीम होगा, जिसका मतलब है –"बहुतों का बाप ।"
- **05:05** तक़रीबन एक साल बाद में, जब _इब्राहीम _ सौ साल का हुआ और सारा नब्बे साल की तो, सारा ने इब्राहीम के बेटे को जन्म दिया ।
- **5:06 जब इस्हाक़ जवान हुआ, ख़ुदावन्द ने __इब्राहीम** से यह कहकर उसकी आज़माइश ली,"कि अपने एकलौते बेटे इस्हाक़ को आतशी क़ुर्बानी करके चढ़ा।।
- **06:01जब _इब्राहीम _ 'उम्र दराज़ हो गया था, तो उसका बेटा इस्हाक़ व्यस्कता की तरफ़ बढ़ता जा रहा था, __इब्राहीम** ने अपने एक ग़ुलाम से कहा, कि तू मेरे मुल्क में मेरे ही खानदानियों के पास जाकर मेरे बेटे इस्हाक़ के लिये एक बीवी ले आएगा।
- **06:04**एक लंबे वक़्त के बाद _इब्राहीम _ की मौत हो गयी, ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से जो अहद बाँधा था उसके मुताबिक़ ख़ुदावन्द ने इस्हाक़ को बरकत दी
- **21:02** ख़ुदावन्द **ने __इब्राहीम** से अहद बाँधा कि सर ज़मीन के सारे लोग तेरे ज़रिए बरकत पाएँगे।।

शब्दकोश:

- Strong's: H87, H85, G11

(**वापस जाओ:** 05:06)

इस्माईल, इस्माईल, इस्माईल

सच्चाई:

इस्माईल इब्राहीम और मिस्री लौंडी हाजिरा का बेटा था। पुराने 'अहद नामे में इस्माईल नाम के कई आदमी भी हुए हैं।

- इस्माईल का मतलब है, “ख़ुदावन्द सुनता है”
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम के बेटे इस्माईल को बरकत देने का वा’दा किया था, लेकिन वह 'अहद का बेटा नहीं था।
- रेगिस्तान में ख़ुदावन्द ने हाजिरा और इस्माईल की हिफ़ाज़त की थी।
- पारान के रेगिस्तान में रहते हुए इस्माईल ने एक मिस्री 'औरत से शादी की थी ।
- नतन्याह का बेटा इस्माईल यहूदा का फ़ौजी अफ़सर था जिसने एक झुण्ड बनाकर बाबुल के बादशाह के मुक़र्रर हाकिम नबूकदनज़र को क़त्ल किया था ।
- पुराने 'अहद नामे में इस्माईल नाम के चार और आदमी हुए हैं।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , बाबुल, ‘अहद, रेगिस्तान, मिस्र, हाजिरा, इस्हाक़, नबूकदनज़र, पारान, सारा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:28-31
- 2 तवारीख़ 23:1-3
- पैदाइश 16:11-12
- पैदाइश 25:9-11
- पैदाइश 25:13-16
- पैदाइश 37:25-26

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:02** तो इब्राहीम ने हाजिरा से शादी की । हाजिरा को इब्राहीम के ज़रिए' एक बेटा हुआ, इब्राहीम ने उसका नाम **इस्माईल** रखा।
- **05:04** “मैं **इस्माईल** को भी एक बड़ी क़ौम बनाऊंगा, लेकिन मेरा 'अहद इस्हाक़ के साथ होगा।”

शब्दकोश:

- Strong's: H3458, H3459

(**वापस जाओ:** 05:02)

इस्राईल की बादशाही

सच्चाई

क्या हुआ था कि इस्राईल की बादशाही का उत्तरी हिस्सा इस्राईल के हिस्सा बने इस्राईल के बारह क़बीलों ने सुलैनाम के मर जाने के बा'द इस्राईल को दो सलतनतों में बाँट दिया|

- उत्तर की इस्राईल की बादशाही में दस क़बीले थे, और दख्खिन में यहूदा की बादशाही में दो क़बीले थे |
- इस्राईल की बादशाही का दारुल-उल-हुकूमत शहर सामरिया था| यह यहूदाह के दारुल-उल-हुकूमत शहर यरुशलीम से लगभग 50 किलो मीटर दूर था|
- इस्राईली बादशाही के सभी बादशाह बुरे थे| उन्होंने लोगों को झूठे मा'बूदों की ख़िदमत करने के लिए हौसला दिया|
- ख़ुदा ने अश्शूरियों को इस्राईल की सल्तनत पर हमला करने को भेजा| बहुत से इस्राईली क़ब्ज़े में लिए गए और अश्शूर में रहने के लिए ले जाए गए|
- इस्राईलियों ने ग़ैरमुल्क के लोगों इस्राईल के बचे हुए लोगों के साथ रहने के लिए लाए| ये ग़ैरमुल्की लोगो ने इस्राईलियों के साथ शादी की, और उनकी नसल सामरी बन गई|

(यह भी देखें: अस्सीरिया, इस्राईल, यहूदाह, यरुशलीम, बादशाही, सामरिया)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 35:18-19
- यरमियाह 05:10-13
- यरमियाह 09:25-26

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें :

- ***18:08:***इस्राईल की सल्तनत के दस क़बीलों ने रहूबियाम के ख़िलाफ़ बग़ावत की था, यरुब'आम नाम का एक शख़्स मुक़र्रर किया गया था| उन्होंने मुल्क के उत्तरी हिस्से में अपनी सल्तनत क़ायम की और उन्हें इस्राईल की सल्तनत कहा जाता था|
- **18:10** यहूदाह और इस्राईल की सल्तनत दोनों दुश्मन हो गए और अक्सर एक दुसरे के साथ लड़े|
- **18:11** नई सल्तनत**इस्राईल**के सब बादशाह बुरे थे|
- **20:01 इस्राईल** की सल्तनत और यहूदाह दोनों ने ख़ुदा के ख़िलाफ़ बहुत से गुनाह किये|
- **20:02 _इस्राईल** की बादशाही अश्शूरी हुकूमत जो बहुत ताक़तवर और बेरहम मुल्क था उसके ज़रिए' तबाह कर दी गई अश्शूरियों ने इस्राईल की बादशाही में बहुत से लोग मारे, सब क़ीमती सामान ले लिया, और मुल्क के ज़्यादतर हिस्से को जला दिया|
- **20:04** तब अश्शूरी ग़ैरमुल्की लोगों को उस सरज़मीन पर रहने के लिए लाये जहाँ पहले **इस्राईल की बादशाही**हुआ करती थी| ग़ैरमुल्की लोगों ने तबाह शहर को दुबारा ता'मीर किया और जो इस्राईली वहाँ रह गए थे उनसे शादी की| ग़ैरमुल्की लोगों से शादी करने वाले इस्राईलियों की नसलों को सामरिया कहा जाता था|

शब्दकोश:

- Strong's: H3478, H4410, H4467, H4468

(**वापस जाओ:** 18:08; 18:10; 18:12; 19:02; 19:05; 19:06; 20:01; 20:02; 20:03; 20:04; 20:05; 20:06)

इस्राईल, इस्राईली

सच्चाई:

“इस्राईल” ख़ुदावन्द के ज़रिए' या'क़ूब को दिया गया नाम था। इसका मतलब है, “वह ख़ुदावन्द के साथ जद्द-ओ-जहद करता है”

या'क़ूब की नसल “ इस्राईल के लोग”, “ इस्राईली क़ौम” या “इस्राईली” कहलाए।

- ख़ुदावन्द ने इस्राईल के लोगों से 'अहद बाँधा था। वह उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राईली क़ौम बारह क़बीलों की थी।
- बादशाह सुलैमान के मरने से पहले इस्राईल दो मुल्क में अलग हो गया था।दक्खिनी मुल्क जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी मुल्क “इस्राईल”।
- इस्राईल का तर्जुमा “इस्राईली लोग” या “ इस्राईली क़ौम” किया जाता है, जो जुमले पर मुन्हसिर करता है।

(यह भी देखें: या'क़ूब, [इस्राईल का मुल्क, यहूदा, सल्तनत, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 10:1-3
- 1 सलातीन 08:1-2
- रसूलों के 'आमाल 02:34-36
- रसूलों के 'आमाल 07:22-25
- रसूलों के 'आमाल 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूक़ा 24:21
- मरक़ुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फ़िलिप्पियों 03:4-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:15** बारह बेटों की औलाद से **इस्राईल** के बारह क़बीले बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने **इस्राईलियों** से सख़्ती के साथ ख़िदमत करवाई, और यहाँ तक कि कई 'इमारतें व पूरे शहर को ता'मीर करवाया।
- **09:05** एक इस्राईली 'औरत ने बेटे को पैदा किया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राईल का ख़ुदा यूँ कहता है, ‘मेरी रि'आया के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** लेकिन इन सब के बावजूद भी, **इस्राईली** ख़ुदा व मूसा के ख़िलाफ़ बुड़बुड़ाते रहें।

15:09_* ख़ुदावन्द उस दिन **इस्राईल के लिए लड़ा । _ ख़ुदावन्द ने अमूरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से अमूरियों को हलाक किया।

- **15:12** जंग के बा'द, ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को वह सारा मुल्क दिया, जिसे उसने उनको बुज़ुर्गों से क़सम खाकर देने को कहा था; और वह उसके हाकिम होकर उसमे बस गए। तब ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को सारी सीमा के साथ अमन 'अता किया |
- **16:16** तो ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को फिर से सज़ावार किया, क्यूँकि उन्होंने बुतों की 'इबादत की थी।
- **43:06** “ऐ **इस्राईलियों** यह बातें सुनो: 'ईसा नासरी एक शख़्स था, जिसने ख़ुदावन्द की ताक़त से कई अजीब कामों और निशानों को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदावन्द ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिए' कर दिखाए जिसे तुम ख़ुद ही जानते हो”

शब्दकोश:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

(**वापस जाओ:** 08:15; 09:01; 09:03; 09:04; 09:05; 09:08; 09:13; 10:01; 10:03; 10:04; 10:05; 10:06; 10:07)

इस्राईल, इस्राईली

सच्चाई:

“इस्राईल” ख़ुदावन्द के ज़रिए' या'क़ूब को दिया गया नाम था। इसका मतलब है, “वह ख़ुदावन्द के साथ जद्द-ओ-जहद करता है”

या'क़ूब की नसल “ इस्राईल के लोग”, “ इस्राईली क़ौम” या “इस्राईली” कहलाए।

- ख़ुदावन्द ने इस्राईल के लोगों से 'अहद बाँधा था। वह उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राईली क़ौम बारह क़बीलों की थी।
- बादशाह सुलैमान के मरने से पहले इस्राईल दो मुल्क में अलग हो गया था।दक्खिनी मुल्क जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी मुल्क “इस्राईल”।
- इस्राईल का तर्जुमा “इस्राईली लोग” या “ इस्राईली क़ौम” किया जाता है, जो जुमले पर मुन्हसिर करता है।

(यह भी देखें: या'क़ूब, [इस्राईल का मुल्क, यहूदा, सल्तनत, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 10:1-3
- 1 सलातीन 08:1-2
- रसूलों के 'आमाल 02:34-36
- रसूलों के 'आमाल 07:22-25
- रसूलों के 'आमाल 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूक़ा 24:21
- मरक़ुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फ़िलिप्पियों 03:4-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:15** बारह बेटों की औलाद से **इस्राईल** के बारह क़बीले बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने **इस्राईलियों** से सख़्ती के साथ ख़िदमत करवाई, और यहाँ तक कि कई 'इमारतें व पूरे शहर को ता'मीर करवाया।
- **09:05** एक इस्राईली 'औरत ने बेटे को पैदा किया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राईल का ख़ुदा यूँ कहता है, ‘मेरी रि'आया के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** लेकिन इन सब के बावजूद भी, **इस्राईली** ख़ुदा व मूसा के ख़िलाफ़ बुड़बुड़ाते रहें।

15:09_* ख़ुदावन्द उस दिन **इस्राईल के लिए लड़ा । _ ख़ुदावन्द ने अमूरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से अमूरियों को हलाक किया।

- **15:12** जंग के बा'द, ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को वह सारा मुल्क दिया, जिसे उसने उनको बुज़ुर्गों से क़सम खाकर देने को कहा था; और वह उसके हाकिम होकर उसमे बस गए। तब ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को सारी सीमा के साथ अमन 'अता किया |
- **16:16** तो ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को फिर से सज़ावार किया, क्यूँकि उन्होंने बुतों की 'इबादत की थी।
- **43:06** “ऐ **इस्राईलियों** यह बातें सुनो: 'ईसा नासरी एक शख़्स था, जिसने ख़ुदावन्द की ताक़त से कई अजीब कामों और निशानों को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदावन्द ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिए' कर दिखाए जिसे तुम ख़ुद ही जानते हो”

शब्दकोश:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

(**वापस जाओ:** 09:07)

इस्राईल, इस्राईली

सच्चाई:

“इस्राईल” ख़ुदावन्द के ज़रिए' या'क़ूब को दिया गया नाम था। इसका मतलब है, “वह ख़ुदावन्द के साथ जद्द-ओ-जहद करता है”

या'क़ूब की नसल “ इस्राईल के लोग”, “ इस्राईली क़ौम” या “इस्राईली” कहलाए।

- ख़ुदावन्द ने इस्राईल के लोगों से 'अहद बाँधा था। वह उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राईली क़ौम बारह क़बीलों की थी।
- बादशाह सुलैमान के मरने से पहले इस्राईल दो मुल्क में अलग हो गया था।दक्खिनी मुल्क जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी मुल्क “इस्राईल”।
- इस्राईल का तर्जुमा “इस्राईली लोग” या “ इस्राईली क़ौम” किया जाता है, जो जुमले पर मुन्हसिर करता है।

(यह भी देखें: या'क़ूब, [इस्राईल का मुल्क, यहूदा, सल्तनत, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 10:1-3
- 1 सलातीन 08:1-2
- रसूलों के 'आमाल 02:34-36
- रसूलों के 'आमाल 07:22-25
- रसूलों के 'आमाल 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूक़ा 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फ़िलिप्पियों 03:4-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:15** बारह बेटों की औलाद से **इस्राईल** के बारह क़बीले बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने **इस्राईलियों** से सख़्ती के साथ ख़िदमत करवाई, और यहाँ तक कि कई 'इमारतें व पूरे शहर को ता'मीर करवाया।
- **09:05** एक इस्राईली 'औरत ने बेटे को पैदा किया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राईल का ख़ुदा यूँ कहता है, ‘मेरी रि'आया के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** लेकिन इन सब के बावजूद भी, **इस्राईली** ख़ुदा व मूसा के ख़िलाफ़ बुड़बुड़ाते रहें।

15:09_* ख़ुदावन्द उस दिन **इस्राईल के लिए लड़ा । _ ख़ुदावन्द ने अमूरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से अमूरियों को हलाक किया।

- **15:12** जंग के बा'द, ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को वह सारा मुल्क दिया, जिसे उसने उनको बुज़ुर्गों से क़सम खाकर देने को कहा था; और वह उसके हाकिम होकर उसमे बस गए। तब ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को सारी सीमा के साथ अमन 'अता किया |
- **16:16** तो ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को फिर से सज़ावार किया, क्यूँकि उन्होंने बुतों की 'इबादत की थी।
- **43:06** “ऐ **इस्राईलियों** यह बातें सुनो: 'ईसा नासरी एक शख़्स था, जिसने ख़ुदावन्द की ताक़त से कई अजीब कामों और निशानों को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदावन्द ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिए' कर दिखाए जिसे तुम ख़ुद ही जानते हो”

शब्दकोश:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

(**वापस जाओ:** 10:09; 10:11; 10:12; 11:01; 11:03; 11:04; 11:05; 11:08; 12:01; 12:03; 12:04; 12:05; 12:06; 12:08; 12:09; 12:10; 12:11; 12:12; 12:13; 12:14; 13:01; 13:02; 13:08; 13:15; 14:01; 14:03; 14:04; 14:10; 14:11; 14:12; 14:14; 14:15; 15:01; 15:02; 15:04; 15:05; 15:06; 15:07; 15:08; 15:09; 15:10; 15:11; 15:12; 15:13; 16:01; 16:02; 16:04; 16:05; 16:08;

16:09; 16:10; 16:14; 16:16; 16:17; 17:01; 17:02; 17:03; 17:05; 17:06; 17:07; 17:08; 18:01; 18:04; 18:05; 18:07; 18:08; 18:11; 19:01; 19:10; 20:03; 20:04; 20:11; 21:05; 21:07; 26:05; 26:06; 43:06; 48:09; 48:11; 48:14)

इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

सच्चाई:

या'क़ूब इस्हाक़ और रिबक़ा के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- या'क़ूब का मतलब है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका मतलब है, “वह धोकबाज़ है।” पैदाइश के वक़्त या'क़ूब अपने जुड़वा भाई ऐसौ की एड़ी पकड़े हुए था।
- कई साल बा'द ख़ुदावन्द ने या'क़ूब का नाम बदलकर इस्राईल रखा जिसका मतलब है, “वह ख़ुदावन्द के साथ मशक़्क़त करता है।”
- या'क़ूब चालाक और धोकेबाज़ था। उसने अपने बड़े भाई ऐसौ से उसके पहलौठे की बरकतें और इख़्तियार हासिल करने का मन्सूबा तलाश कर लिया था।
- ऐसौ इस पर बहुत ग़ुस्सा हुआ और उसको क़त्ल करने का मन्सूबा बनाया, लिहाज़ा या'क़ूब अपने घर से भाग गया। सालों बा'द या'क़ूब अपनी बीवियों और औलादों के साथ कन'आन लौटा, ऐसौ भी वहीं रहता था। दोनों के ख़ानदान अमन सुकून से रहने लगे।
- या'क़ूब के बारह बेटे थे। उनकी औलादें इस्राईल के बारह क़बीले हुए।
- मत्ती लिखने वाले की ख़ुशख़बरी में जो नसब नामा दिया गया है उसमें एक और या'क़ूब का बयान किया गया है, वह यूसुफ़ का बाप था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, धोका करना, ऐसौ, इस्हाक़, इस्राईल, रिबक़ा, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:11-13
- रसूलों के 'आमाल 07:44-46
- पैदाइश 25:24-26
- पैदाइश 29:1-3
- पैदाइश 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **07:01**फिर वह लड़के बढ़ने लगे, रिबक़ा **या'क़ूब** से मुहब्बत रखती थी, लेकिन इस्हाक़ ऐसौ से मुहब्बत रखता था। **या'क़ूब** सीधा आदमी था और ख़ेमों में रहा करता था, लेकिन ऐसौ तो जंगली होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब **या'क़ूब** वहाँ था ,उसी दौरान या'क़ूब ने चार बीवियों से शादी की और उसके बारह बेटे और एक बेटी पैदा हुई। ख़ुदा ने उसे बहुत मालदार बनाया।
- **07:08** बीस साल तक अपने घर से, जो कन'आन में है, दूर रहने के बा'द **या'क़ूब** अपने ख़ानदान, ख़ादिमों, और अपने सारे जानवरों के साथ वापस आ गया।
- **07:10** ख़ुदा ने इब्राहीम की नसबनामे के बारे में जो 'अहद उससे बाँधा था, वह इब्राहीम से इस्हाक़ और इस्हाक़ से **या'क़ूब** को दी।
- **08:01**कई साल बा'द, जब **या'क़ूब** ‘उम्र दराज़ हो गया, तो उसने अपने अज़ीज़ बेटे यूसुफ़ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्दकोश:

- Strong's: H3290, G2384

(**वापस जाओ:** 06:07; 07:01; 07:05; 07:06; 08:01; 09:13; 14:02; 14:12; 19:10)

इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

सच्चाई:

या'क़ूब इस्हाक़ और रिबक़ा के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- या'क़ूब का मतलब है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका मतलब है, “वह धोकबाज़ है।” पैदाइश के वक़्त या'क़ूब अपने जुड़वा भाई ऐसौ की एड़ी पकड़े हुए था।
- कई साल बा'द ख़ुदावन्द ने या'क़ूब का नाम बदलकर इस्राईल रखा जिसका मतलब है, “वह ख़ुदावन्द के साथ मशक़्क़त करता है।”
- या'क़ूब चालाक और धोकेबाज़ था। उसने अपने बड़े भाई ऐसौ से उसके पहलौठे की बरकतें और इख़्तियार हासिल करने का मन्सूबा तलाश कर लिया था।
- ऐसौ इस पर बहुत ग़ुस्सा हुआ और उसको क़त्ल करने का मन्सूबा बनाया, लिहाज़ा या'क़ूब अपने घर से भाग गया। सालों बा'द या'क़ूब अपनी बीवियों और औलादों के साथ कन'आन लौटा, ऐसौ भी वहीं रहता था। दोनों के ख़ानदान अमन सुकून से रहने लगे।
- या'क़ूब के बारह बेटे थे। उनकी औलादें इस्राईल के बारह क़बीले हुए।
- मत्ती लिखने वाले की ख़ुशख़बरी में जो नसब नामा दिया गया है उसमें एक और या'क़ूब का बयान किया गया है, वह यूसुफ़ का बाप था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, धोका करना, ऐसौ, इस्हाक़, इस्राईल, रिबक़ा, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:11-13
- रसूलों के 'आमाल 07:44-46
- पैदाइश 25:24-26
- पैदाइश 29:1-3
- पैदाइश 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **07:01**फिर वह लड़के बढ़ने लगे, रिबक़ा **या'क़ूब** से मुहब्बत रखती थी, लेकिन इस्हाक़ ऐसौ से मुहब्बत रखता था। **या'क़ूब** सीधा आदमी था और ख़ेमों में रहा करता था, लेकिन ऐसौ तो जंगली होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब **या'क़ूब** वहाँ था ,उसी दौरान या'क़ूब ने चार बीवियों से शादी की और उसके बारह बेटे और एक बेटी पैदा हुई। ख़ुदा ने उसे बहुत मालदार बनाया।
- **07:08** बीस साल तक अपने घर से, जो कन'आन में है, दूर रहने के बा'द **या'क़ूब** अपने ख़ानदान, ख़ादिमों, और अपने सारे जानवरों के साथ वापस आ गया।
- **07:10** ख़ुदा ने इब्राहीम की नसबनामे के बारे में जो 'अहद उससे बाँधा था, वह इब्राहीम से इस्हाक़ और इस्हाक़ से **या'क़ूब** को दी।
- **08:01**कई साल बा'द, जब **या'क़ूब** ‘उम्र दराज़ हो गया, तो उसने अपने अज़ीज़ बेटे यूसुफ़ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्दकोश:

- Strong's: H3290, G2384

(**वापस जाओ:** 07:02; 07:04; 07:07; 07:08; 07:09; 07:10; 08:03; 08:10; 08:11; 08:13; 08:14; 08:15; 09:14)

इस्हाक़

सच्चाई:

इस्हाक़ इब्राहीम और सारा का पहलौठा बेटा था। अगर्चे वह 'उम्र दराज़ था, फिर भी ख़ुदावन्द ने उन्हें बेटा देने का वा'दा किया था ।

- "इस्हाक़" का मतलब है, "वह हँसता है" ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से कहा कि सारा एक बेटे को पैदा करेगी तब इब्राहीम हंस पड़ा था क्यूँकि वह दोनों बहुत 'उम्र दराज़ थे। उस वक़्त यह ख़ुशख़बरी सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- लेकिन ख़ुदावन्द ने अपन वा'दा पूरा किया और इब्राहीम और सारा को 'उम्र दराज़ी में बेटा हासिल हुआ ।
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से कहा कि उसने इब्राहीम के साथ जो 'अहद बाँधा है वह इस्हाक़ और उसकी नसल के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इस्हाक़ लड़कपन में पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने इब्राहीम के ईमान को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इस्हाक़ को क़ुर्बान कर दे।
- इस्हाक़ के बेटे या'क़ूब के बारह बेटे थे जो आगे चलकर इस्राईल के बारह क़बीले हुए।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , नसल, सदाकालीन, मुकम्मल, या'क़ूब, सारा, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:28-29
- पैदाइश 25:9-11
- पैदाइश 25:19-20
- पैदाइश 26:1
- पैदाइश 26:6-8
- पैदाइश 28:1-2
- पैदाइश 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:04** "तेरी बीवी सारै के तुझ से एक बेटा होगा। और वह वा'दे का बेटा होगा। और तू उसका नाम इस्हाक़ रखना।"
- **05:06** जब इस्हाक़ लड़कपन ही में था , ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से यह कहकर उसकी आज़माइश ली, "अपने पहलौठे बेटे इस्हाक़ को सोख़्तनी क़ुर्बानी करके पेश कर।"
- **05:09** लिहाज़ा इब्राहीम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने बेटे इस्हाक़ की जगह पर उसको सोख़्तनी क़ुर्बानी करके पेश किया |
- **06:01** जब इब्राहीम 'उम्र दराज़ हो गया था, तो उसका बेटा **इस्हाक़** जवानी की ओर बढ़ता जा रहा था, इब्राहीम ने अपने एक ग़ुलाम से कहा, कि तू मेरे मुल्क में मेरे ही ख़ानदानियों के पास जाकर मेरे बेटे **इस्हाक़** के लिये एक बीवी ले आएगा।
- **06:05 इस्हाक़** ने ख़ुदावन्द से दु'आ की, और ख़ुदावन्द ने उसकी इल्तिजा सुनी इस तरह रिबक़ा जुड़वाँ बेटों के साथ हाम्ला हुई।
- **07:10 इस्हाक़** की मौत हो गयी और उसके बेटे ऐसौ और या'क़ूब ने उसको मिट्टी दी। ख़ुदावन्द ने इब्राहीम की नस्लों के बारे में जो 'अहद उससे बाँधा था, वह इब्राहीम से **इस्हाक़** और इस्हाक़ से या'क़ूब को दिया ।

शब्दकोश:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

(**वापस जाओ:** 05:06)

इस्हाक़

सच्चाई:

इस्हाक़ इब्राहीम और सारा का पहलौठा बेटा था। अगर्चे वह 'उम्र दराज़ था, फिर भी ख़ुदावन्द ने उन्हें बेटा देने का वा'दा किया था ।

- "इस्हाक़" का मतलब है, "वह हँसता है" ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से कहा कि सारा एक बेटे को पैदा करेगी तब इब्राहीम हंस पड़ा था क्यूँकि वह दोनों बहुत 'उम्र दराज़ थे। उस वक़्त यह ख़ुशख़बरी सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- लेकिन ख़ुदावन्द ने अपन वा'दा पूरा किया और इब्राहीम और सारा को 'उम्र दराज़ी में बेटा हासिल हुआ ।
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से कहा कि उसने इब्राहीम के साथ जो 'अहद बाँधा है वह इस्हाक़ और उसकी नसल के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इस्हाक़ लड़कपन में पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने इब्राहीम के ईमान को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इस्हाक़ को क़ुर्बान कर दे।
- इस्हाक़ के बेटे या'क़ूब के बारह बेटे थे जो आगे चलकर इस्राईल के बारह क़बीले हुए।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , नसल, सदाकालीन, मुकम्मल, या'क़ूब, सारा, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:28-29
- पैदाइश 25:9-11
- पैदाइश 25:19-20
- पैदाइश 26:1
- पैदाइश 26:6-8
- पैदाइश 28:1-2
- पैदाइश 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:04** "तेरी बीवी सारै के तुझ से एक बेटा होगा। और वह वा'दे का बेटा होगा। और तू उसका नाम इस्हाक़ रखना।"
- **05:06** जब इस्हाक़ लड़कपन ही में था , ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से यह कहकर उसकी आज़माइश ली, "अपने पहलौठे बेटे इस्हाक़ को सोख़्तनी क़ुर्बानी करके पेश कर।"
- **05:09** लिहाज़ा इब्राहीम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने बेटे इस्हाक़ की जगह पर उसको सोख़्तनी क़ुर्बानी करके पेश किया |
- **06:01** जब इब्राहीम 'उम्र दराज़ हो गया था, तो उसका बेटा **इस्हाक़** जवानी की ओर बढ़ता जा रहा था, इब्राहीम ने अपने एक ग़ुलाम से कहा, कि तू मेरे मुल्क में मेरे ही ख़ानदानियों के पास जाकर मेरे बेटे **इस्हाक़** के लिये एक बीवी ले आएगा।
- **06:05 इस्हाक़** ने ख़ुदावन्द से दु'आ की, और ख़ुदावन्द ने उसकी इल्तिजा सुनी इस तरह रिबक़ा जुड़वाँ बेटों के साथ हाम्ला हुई।
- **07:10 इस्हाक़** की मौत हो गयी और उसके बेटे ऐसौ और या'क़ूब ने उसको मिट्टी दी। ख़ुदावन्द ने इब्राहीम की नस्लों के बारे में जो 'अहद उससे बाँधा था, वह इब्राहीम से **इस्हाक़** और इस्हाक़ से या'क़ूब को दिया ।

शब्दकोश:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

(**वापस जाओ:** 05:04; 05:05; 05:07; 05:08; 05:09; 07:03; 07:04; 07:10; 08:15; 09:13; 09:14)

इस्हाक़

सच्चाई:

इस्हाक़ इब्राहीम और सारा का पहलौठा बेटा था। अगर्चे वह 'उम्र दराज़ था, फिर भी ख़ुदावन्द ने उन्हें बेटा देने का वा'दा किया था ।

- "इस्हाक़" का मतलब है, "वह हँसता है" ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से कहा कि सारा एक बेटे को पैदा करेगी तब इब्राहीम हंस पड़ा था क्यूँकि वह दोनों बहुत 'उम्र दराज़ थे। उस वक़्त यह ख़ुशख़बरी सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- लेकिन ख़ुदावन्द ने अपन वा'दा पूरा किया और इब्राहीम और सारा को 'उम्र दराज़ी में बेटा हासिल हुआ ।
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से कहा कि उसने इब्राहीम के साथ जो 'अहद बाँधा है वह इस्हाक़ और उसकी नसल के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इस्हाक़ लड़कपन में पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने इब्राहीम के ईमान को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इस्हाक़ को क़ुर्बान कर दे।
- इस्हाक़ के बेटे या'क़ूब के बारह बेटे थे जो आगे चलकर इस्राईल के बारह क़बीले हुए।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , नसल, सदाकालीन, मुकम्मल, या'क़ूब, सारा, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:28-29
- पैदाइश 25:9-11
- पैदाइश 25:19-20
- पैदाइश 26:1
- पैदाइश 26:6-8
- पैदाइश 28:1-2
- पैदाइश 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:04** "तेरी बीवी सारै के तुझ से एक बेटा होगा। और वह वा'दे का बेटा होगा। और तू उसका नाम इस्हाक़ रखना।"
- **05:06** जब इस्हाक़ लड़कपन ही में था , ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से यह कहकर उसकी आज़माइश ली, "अपने पहलौठे बेटे इस्हाक़ को सोख़्तनी क़ुर्बानी करके पेश कर।"
- **05:09** लिहाज़ा इब्राहीम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने बेटे इस्हाक़ की जगह पर उसको सोख़्तनी क़ुर्बानी करके पेश किया |
- **06:01** जब इब्राहीम 'उम्र दराज़ हो गया था, तो उसका बेटा **इस्हाक़** जवानी की ओर बढ़ता जा रहा था, इब्राहीम ने अपने एक ग़ुलाम से कहा, कि तू मेरे मुल्क में मेरे ही ख़ानदानियों के पास जाकर मेरे बेटे **इस्हाक़** के लिये एक बीवी ले आएगा।
- **06:05 इस्हाक़** ने ख़ुदावन्द से दु'आ की, और ख़ुदावन्द ने उसकी इल्तिजा सुनी इस तरह रिबक़ा जुड़वाँ बेटों के साथ हाम्ला हुई।
- **07:10 इस्हाक़** की मौत हो गयी और उसके बेटे ऐसौ और या'क़ूब ने उसको मिट्टी दी। ख़ुदावन्द ने इब्राहीम की नस्लों के बारे में जो 'अहद उससे बाँधा था, वह इब्राहीम से **इस्हाक़** और इस्हाक़ से या'क़ूब को दिया ।

शब्दकोश:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

(**वापस जाओ:** 06:01; 06:03; 06:04; 06:05; 07:06; 14:02; 14:12; 19:10; 48:08)

ईमान

ता'रीफ़:

'आम तौर पर "ईमान" का मतलब है किसी इन्सान या चीज़ में , यक़ीन, भरोसा या "ईमान" रखना।

- " "ईमान होना" या'नी किसी शख़्स में यक़ीन करना कि वह जो कहता है और सच और भरोसेमन्द है|
- "'ईसा में ईमान" का मतलब है, 'ईसा के बारे में ख़ुदा की सब ता'लीमों को मानना। इसका मतलब ख़ास करके यह है इन्सान 'ईसा और उसकी क़ुर्बानी पर और उनकी नजात तथा गुनाह की सज़ा से नजात के लिए उन पर भरोसा है।
- 'ईसा में सच्चा ईमान इन्सान में रूहानी फल या अच्छा सुलूक पैदा करता है क्योंकि उसमें पाक रूह बसी होती है।
- कभी-कभी "ईमान" 'ईसा के बारे में सब ता'लीमों के बारे में होता है। जैसा इस इज़हार, "ईमान की सच्चाई" में है।
- मज़मून जैसे "ईमान को थामे रहना" तथा ईमान को छोड़ने" लफ़्ज़ में "ईमान" 'ईसा के बारे में तमाम ता'लीमों पर 'ईमान लाने के बयान और हालत के बारे में है।

तर्जुमे की सलाह:

- कुछ मज़मूनों में "ईमान" का तर्जुमा "यक़ीन" या "अहसास-ए-जुर्म" या "ऐ'तमाद" या "भरोसा" किया जा सकता है।
- कुछ ज़बान में इन अलफ़ाज़ का तर्जुमा "ईमान करना" के फ़े'अल की शक्ल में किया जा सकता है।
- इज़हार "ईमान रखना" का तर्जुमा" "'ईसा पर ईमान करना" या "'ईसा पर मुसलसल ईमान जारी रखें" के तौर पर किया जा सकता है।
- ये जुमले "ईमान की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का तर्जुमा, "उन्हें 'ईसा के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया है की शक्ल में किया जा सकता है ।"
- इज़हार "ईमान में मेरा सच्चा बेटा" अलफ़ाज़ का तर्जुमा "मेरे बेटे की तरह है क्योंकि मैंने उसे 'ईसा पर ईमान करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा रूहानी बेटा, जो 'ईसा पर ईमान करता है" का तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: ईमान, क़ाबिल-ए-ईमान)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- रसूलों के 'आमाल 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- या'क़ूब 02:18-20

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **05:06** जब इसहाक़ जवान था, तो ख़ुदा इब्राहीम के _ ईमान _ की आज़माइश करते हुए कहा, की अपने इकलौते बेटे को लेकर क़ुर्बानी के तौर पर मार डालो।
- **31:07** फिर उसने ('ईसा) पतरस से कहा, "तुम कम **ईमान** वाले इन्सान, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** 'ईसा ने उससे कहा, "तुम्हारे _ ईमान _ ने तुमको चंगा किया है। सलामती से जाओ।"
- **38:09** 'ईसा ने पतरस से कहा, "शैतान तुम सबकी आज़माइश लेना चाहता है, लेकिन मैंने तुम्हारे लिये दु'आ की है, पतरस, तेरा _ ईमान _ कमज़ोर नहीं होगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

(**वापस जाओ:** 05:06)

ईमान

ता'रीफ़:

'आम तौर पर "ईमान" का मतलब है किसी इन्सान या चीज़ में , यक़ीन, भरोसा या "ईमान" रखना।

- " "ईमान होना" या'नी किसी शख़्स में यक़ीन करना कि वह जो कहता है और सच और भरोसेमन्द है|
- "'ईसा में ईमान" का मतलब है, 'ईसा के बारे में ख़ुदा की सब ता'लीमों को मानना। इसका मतलब ख़ास करके यह है इन्सान 'ईसा और उसकी क़ुर्बानी पर और उनकी नजात तथा गुनाह की सज़ा से नजात के लिए उन पर भरोसा है।
- 'ईसा में सच्चा ईमान इन्सान में रूहानी फल या अच्छा सुलूक पैदा करता है क्योंकि उसमें पाक रूह बसी होती है।
- कभी-कभी "ईमान" 'ईसा के बारे में सब ता'लीमों के बारे में होता है। जैसा इस इज़हार, "ईमान की सच्चाई" में है।
- मज़मून जैसे "ईमान को थामे रहना" तथा ईमान को छोड़ने" लफ़्ज़ में "ईमान" 'ईसा के बारे में तमाम ता'लीमों पर 'ईमान लाने के बयान और हालत के बारे में है।

तर्जुमे की सलाह:

- कुछ मज़मूनों में "ईमान" का तर्जुमा "यक़ीन" या "अहसास-ए-जुर्म" या "ऐ'तमाद" या "भरोसा" किया जा सकता है।
- कुछ ज़बान में इन अलफ़ाज़ का तर्जुमा "ईमान करना" के फ़े'अल की शक्ल में किया जा सकता है।
- इज़हार "ईमान रखना" का तर्जुमा" "'ईसा पर ईमान करना" या "'ईसा पर मुसलसल ईमान जारी रखें" के तौर पर किया जा सकता है।
- ये जुमले "ईमान की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का तर्जुमा, "उन्हें 'ईसा के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया है की शक्ल में किया जा सकता है ।"
- इज़हार "ईमान में मेरा सच्चा बेटा" अलफ़ाज़ का तर्जुमा "मेरे बेटे की तरह है क्योंकि मैंने उसे 'ईसा पर ईमान करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा रूहानी बेटा, जो 'ईसा पर ईमान करता है" का तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: ईमान, क़ाबिल-ए-ईमान)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- रसूलों के 'आमाल 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- या'क़ूब 02:18-20

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **05:06** जब इसहाक़ जवान था, तो ख़ुदा इब्राहीम के _ ईमान _ की आज़माइश करते हुए कहा, की अपने इकलौते बेटे को लेकर क़ुर्बानी के तौर पर मार डालो।
- **31:07** फिर उसने ('ईसा) पतरस से कहा, "तुम कम **ईमान** वाले इन्सान, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** 'ईसा ने उससे कहा, "तुम्हारे _ ईमान _ ने तुमको चंगा किया है। सलामती से जाओ।"
- **38:09** 'ईसा ने पतरस से कहा, "शैतान तुम सबकी आज़माइश लेना चाहता है, लेकिन मैंने तुम्हारे लिये दु'आ की है, पतरस, तेरा _ ईमान _ कमज़ोर नहीं होगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

(**वापस जाओ:** 31:07; 32:16; 38:09; 44:04)

ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी

ता'अर्रुफ़:

ख़ुदा के लिए "ईमानदार" होने का मतलब मुसलसल ख़ुदा की ता'लीमों के मुताबिक़ रहने से है। इसका मतलब उसका 'अमल करने के ज़रिए' उसके लिए वफ़ादार होना। ईमानदार होने के बयान या हालत को "ईमानदारी" कहते है।

- एक ईमानदार इन्सान हमेशा अपने वा'दों को बरक़रार रखने और दूसरे लोगों को अपनी ज़िम्मेदारी को पूरा करने के लिए भरोसा रखता है|
- ईमानदार शख़्स किसी काम को करने में मेहनत करता है चाहे वह बहुत वक़्त का और मुश्किल भी क्यों न हो।
- ख़ुदा के लिए वफ़ादारी से मुसलसल करते रहने की मश्क़ करना, जो ख़ुदा हमसे करवाना चाहता है|

लफ़्ज़ ख़ुदा पर "बे-ईमान" का मतलब उस इन्सान से है, जो ख़ुदा हमसे करवाना चाहता है वह नहीं करता है| बे-ईमान की मश्क़ या शर्त को "बे-ईमानी" कहते हैं|

- इस्राईल के लोगों को बे-ईमान कहते थे, जब उन्होंने बुतपरस्ती शुरू' की और जब वह और तरह से ख़ुदा की नाफ़रमानी की|
- शादी में, जो कोई ज़िना करता है, उससे अपने शौहर के लिए "बेवफ़ा" क़रार दिया जाता है|
- ख़ुदा ने इस्राईल के नाफ़रमान रवैये के लिए "बे-ईमान" लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया| वह ख़ुदा की फ़रमाबरदारी या 'इज़्ज़त करते थे|

तर्जुमे की सलाह:

- बहुत से मज़मूनों में "ईमानदार" का तर्जुमा "वफ़ादार" या "ताबे'" या "मुनहस्सिर करने के क़ाबिल" भी किया जा सकता है।
- और मज़मूनों में "ईमानदार" ऐसे अलफ़ाज़ या जुमलों के ज़रिए' तर्जुमा किया जा सकता है जिनका मतलब हो, "भरोसा करते रहना" या "ख़ुदा पर ईमान करने और उसके फ़रमाबरदारी में लगे रहना"।
- "ईमानदार" के तर्जुमे के और तरीक़े हो सकते हैं, "ईमान में मेहनत करते रहना" या "वफ़ादारी" या "भरोसेमन्द" या "ख़ुदा पर ईमान और फ़रमाबरदारी"
- मज़मून पर मुनहस्सिर, "बे-ईमान" का तर्जुमा "ईमानदार नहीं" या "बे-ऐतिक़ादी" या "नाफ़रमान" या "वफ़ादार नहीं" के तौर पर किया जा सकता है|
- अलफ़ाज़ "बे-ईमान" का तर्जुमा "वह लोग ख़ुदा पर ईमान नहीं रखते" या "बे-ईमान लोग" या "वे लोग जो ख़ुदा की नाफ़रमानी करते हैं" या "वह लोग जो ख़ुदा के ख़िलाफ़ बग़ावत करते हैं" के तौर पर किया जा सकता है|
- लफ़्ज़ "बे-ईमानी" का तर्जुमा "नाफ़रमान" या "बेवफ़ाई" या "नाफ़रमानी या भरोसा न करना" के तौर पर किया जा सकता है|
- कुछ ज़बानों में, लफ़्ज़ "बे-ईमान" लफ़्ज़ "बे-ऐतिक़ादी "से मुता'अल्लिक़ है|

(यह भी देखें: ज़िना, यक़ीन, नाफ़रमानी, ईमान, भरोसा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:49
- अहबार 26:40-42
- गिनती 12:6-8
- यशू'अ 02:14
- क़ुजात 02:16-17
- 1 समुएल 02:9
- ज़ुबूर 012:1
- अम्साल 11:12-13
- यसा'याह 01:26
- यरमियाह 09:7-9
- होसे'अ 05:5-7
- लूक़ा 12:45-46
- लूक़ा 16:10-12
- कुलुस्सियों 01:7-8
- 1 थिस्लुनीकियों 05:23-24
- 3 युहन्ना 01:5-8

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:05** यहाँ तक की क़ैदख़ाने में भी यूसुफ़ ख़ुदा के लिए **वफ़ादार** रहा और ख़ुदा ने उसे बरकत दी।
- **14:12** फिर भी, ख़ुदा अपने 'अहद पर **वफ़ादार** रहा जो उसने इब्राहीम, इस्हाक़, व या'क़ूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने 'अहद बाँधा था कि वे ख़ुदा के लिए **वफ़ादार** रहेंगे व उसके हुक्मों का 'अमल करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई सालों तक इंसाफ़ व **वफ़ादारी** के साथ हुकूमत की, और ख़ुदा ने उसे बरकत दिया। हालांकि, अपनी ज़िन्दगी के आख़िरी पड़ाव में उसने ख़ुदा के ख़िलाफ़ बहुत बड़ा गुनाह किया।
- **18:04** तब ख़ुदा ने सुलैमान पर ग़ुस्सा किया, और उसकी **नारास्ती** की वजह उसे दंड दिया, और 'अहद बाँधा कि सुलैमान की मौत के बा'द वह इस्राईल की बादशाही को दो हिस्सों में बाँट देंगा।
- **35:12** "उसने बाप को जवाब दिया कि, 'देख, मैं इतने साल आप के लिये **ईमानदारी** से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** लेकिन ख़ुदा **ईमानदार** है और यह कहता है कि अगर तुम अपने गुनाहों को मान लो, तो वह तुम्हें मु'आफ़ करेगा।
- **50:04** अगर तुम आख़िर तक मेरे लिए **वफ़ादार** रहोगे, तो ख़ुदा तुम्हें बचाएगा!"

शब्दकोश:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, H898, H2181, H4603, H4604, H4820, G569, G571, G4103

(**वापस जाओ:** 08:05; 14:12; 15:13; 17:09; 17:14; 18:07; 35:12; 49:17; 50:04)

उस्ताद, उस्तादों , ता’लीम देने वाला

ता’अर्रुफ़:

उस्ताद वह इन्सान है जो इन्सानों को नई मा’लूमात देता है। उस्ताद (सिखाने वाला) इन्सानों को ‘इल्म और तरबियत लेने में मददगार होता है।

- कलाम में सिखाने वाला लफ़्ज़ एक ख़ास मतलब में काम में लिया गया है जो ख़ुदा के बारे में ता’लीम देनेवाले के बारे में है।
- उस्ताद से ‘इल्म पाने वाले को “तालिब-ए-इल्म ” या “शागिर्द ” कहते हैं।
- कुछ अंग्रेजी किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमे में इस लफ़्ज़ को बड़े हरफ़ों में लिखा गया है अगर वह ‘ईसा के बारे में है।

तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमे में आम लफ़्ज़ उस्ताद का इस्तेमाल किया जा सकता है, जब तक कि लफ़्ज़ केवल एक स्कूल उस्ताद के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाता है।
- कुछ मज़हबी ज़ुबान में आलिम -उस्तादों के लिए ख़ास ‘ओहदे का नाम होता है जैसे “उस्ताद-उस्ताद ” या “रब्बी” या “मुबललिग़ ”।

(यह भी देखें: शागिर्द, उस्ताद)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- वा’इज़ 01:12-15
- इफिसियों 04:11-13
- गलातियों 06:6-8
- हबक़्क़ूक़ 02:18-20
- या’क़ूब 03:1-2
- यूहन्ना 01:37-39
- लूका 06:39-40
- मत्ती 12:38-40

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **27:01** एक दिन, यहूदी मज़हब में निपुण एक इन्तिज़ामी 'ईसा के पास उसका इम्तेहान लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे _उस्ताद _ हमेशा की ज़िन्दगी का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **28:01** एक दिन, एक अमीर जवान हाकिम 'ईसा के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा **उस्ताद**, मुझे क्या करना चाहिए अब्दी ज़िन्दगी पाने के लिए ?"
- **37:02** दो दिन बीतने के बाद, 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा, “आओ हम फिर यहूदिया को चलें |” शागिर्दों ने उससे कहा “हे **रब्बी**, कुछ वक़्त पहले तो लोग तुझे मरना चाहते थे |”
- **38:14** यहूदा 'ईसा के पास आया और कहा, “ सलाम, **उस्ताद**,” और उसे चूमा |
- **49:03** 'ईसा एक बड़ा**उस्ताद** भी था, और वह इख्तियार के साथ बोलता था क्योंकि वह ख़ुदा का बेटा है |

शब्दकोश:

- Strong's: H3384, H3887, H3925, G1320, G2567, G3547, G5572

(**वापस जाओ:** 27:01; 28:01; 37:02; 38:14)

एलिय्याह

सच्चाई:

एलियाह यहोवा का सबसे ज़्यादा ख़ास नबी था। एलियाह ने इस्राईल और यहूदाह के कई बादशाहों के वक़्त में नबूव्वत की थी, इनमें अहाब बादशाह भी था।

- ख़ुदा ने एलियाह की मा'रिफ़त से कई हैरत अंगेज़ काम किए जिनमें एक मुर्दा बच्चे को ज़िन्दा करना भी था।
- एलियाह ने बादशाह अहाब को बा'ल की बुत परस्ती के लिए डांटा था।
- उसने बा'ल के पुजारियों को शर्त रखी थी कि पहचान कर देखें कि यहोवा ही सच्चा ख़ुदा है।
- वक़्त पूरा हो जाने पर ख़ुदा ने एलियाह को मु'जिज़ह शक्ल से आसमान में उठा लिया था।
- सैंकड़ों साल बा'द में एलियाह मूसा के साथ 'ईसा से पहाड़ पर क़ुर्बानी करने आया था और उन्होनें यरूशलीम में 'ईसा की आनेवाली परेशानी और मौत के बारे में बात चीत की थी।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: हैरत अंगेज़, नबी , यहोवा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 17:1
- 2 सलातीन 01:3-4
- या’क़ूब 05:16-18
- यूहन्ना 01:19-21
- यूहन्ना 01:24-25
- मरक़ुस 09:4-6

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों कि मिसाल:

- **19:02** _एलियाह _ नबी था, जब अहाब इस्राईली मुल्क का बादशाह था।
- **19:02 एलिय्याह** ने अहाब से कहा, “इन सालों में मेरे बिना कहे, न तो पानी बरसेगा, और न शबनम पड़ेगी।”
- **19:03** ख़ुदावन्द ने _एलियाह _ से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सुबह और शाम को कव्वे उसके पास रोटी और गोश्त लाया करते थे।
- **19:04** लेकिन तब उन्होंने एलियाह का ख़याल रखा, और ख़ुदावन्द ने उनके घड़े का मैदा ख़त्म न होने दिया, और न उनकी **कुप्पी** का तेल घटने दिया।
- **19:05**साढ़े तीन साल के बा'द, ख़ुदा का यह कलाम _एलियाह _ के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं ज़मीन पर पानी बरसा दूँगा।
- **19:07**और _एलियाह _ ने बा'ल के नबियों से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा पसन्द कर के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने मा'बूद से दू'आ करना, लेकिन आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलियाह ने कहा, “बा'ल के नबियों को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
- **36:03** तब मूसा और _एलियाह _ नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों आदमी कई सो साल पहले ज़मीन पर ज़िन्दा थे। वह 'ईसा से उसकी मौत के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलीम में होने वाली थी।

शब्दकोश:

- Strong's: H452, G2243

(**वापस जाओ:** 19:02; 19:03; 19:04; 19:05; 19:06; 19:07; 19:09; 19:10; 19:12; 19:13; 19:14; 26:05; 36:03; 36:04)

ऐ’तिमाद, भरोसा, , भरोसेमंद, भरोसे के लायक़ ,भरोसे वाला

ता’अर्रुफ़:

किसी चीज़ या इन्सान पर “भरोसा” करने से मुराद उस चीज़ या इन्सान को सच्चा और भरोसेमंद मानने से है। उस यक़ीन को "भरोसा" भी कहा जाता है। “ए’तिमाद के लायक़ ” इन्सान पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सच को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "भरोसे मंदी " की ख़ासियत है।

- भरोसा, ईमान से मुन्सलिक है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर ईमान रखते हैं कि उसने जिस बात का ‘अहद किया है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का मतलब है उस पर मुनहसिर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का मतलब है यक़ीन करना कि वह ख़ुदा है, कि वह हमारे गुनाहों की सज़ा उठाने के लिए सलीब पर मरा और हमारी नजात के लिए उस पर मुनहसिर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए हवाला देता है जिसे सच माना जा सके।

तर्जुमे के लिए सलाह:

- “भरोसा” के तर्जुमे में, “यक़ीन ” या “ईमान ” या “पक्का ईमान ” या “मुनहसिर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का मतलब “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- लफ़्ज़ "भरोसेमंद" का तर्जुमा “ईमानदार ” या “ऐ’तिमाद के लायक़” या “हमेशा भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: यक़ीन , ऐ’तिमाद , ईमान , भरोसेमंद , सच)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होसे’अ 10:12-13
- यसायाह 31:1-2
- नहमियाह 13:12-14
- ज़ुबूर 031:5-7
- तीतुस 03:8

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **12:12** जब इस्राईलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने ख़ुदा पर **भरोसा किया** और यक़ीन करने लगे कि मूसा ख़ुदा का एक नबी है।
- **14:15**यशू’अ एक अच्छा रहनुमा था क्योंकि वह ख़ुदा पर _भरोसा _ करता था व उसके हुक्मो को मानता था।
- **17:02**दाऊद एक बहुत ही हलीम व रास्तबाज़ इन्सान था, जो ख़ुदा पर _भरोसा _ और उसके हुक्मों को मानता था।
- **34:06** फिर ‘ईसा ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो _ अपने ख़ुद के अच्छे कामों पर _भरोसा __ रखते थे और ग़ैर लोगों के साथ नफ़रत करते थे।

शब्दकोश:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

(**वापस जाओ:** 14:15; 17:02; 34:06)

औरय्याह

सच्चाई:

औरय्याह एक रास्तबाज़ आदमी था और दाऊद के बेहतर फ़ौजियों में से एक था। उसे अक्सर “हित्ती औरय्याह” से हवाला दिया जाता था।

- औरय्याह की बीवी बहुत ख़ूबसूरत थी, उसका नाम बतशबा था।
- दाऊद ने उसके साथ हरामकारी की और वह दाऊद से हामला हो गई थी।
- दाऊद ने अपना गुनाह छिपाने के लिए औरय्याह को जंग में आगे भेजकर मरवा दिया। फिर दाऊद ने बतशबा से शादी की ।
- औरय्याह नाम का एक और आदमी था जो बादशाह आख़ज़ के वक़्त काहिन था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आख़ज़, बतशबा, दाऊद, हित्ती)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 15:4-6
- 2 शमूएल 11:2-3
- 2 शमूएल 11:26-27
- नहमियाह 03:3-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:12** बतशबा का शौहर , जिसका नाम **औरय्याह** था, वह दाऊद का एक बहादुर फ़ौजी था | दाऊद ने **औरय्याह** को जंग से वापस बुला लिया और उससे कहा अपनी बीवी के पास जा | लेकिन **औरय्याह** अपने घर वापस न गया क्यूँकि बाक़ी फ़ौजी जंग लड़ रहे थे | तब दाऊद ने **औरय्याह** को वापस जंग में भेज दिया और योआब से कहा ‘सब से तेज़ जंग के सामने औरय्याह को रखना, तब उसे छोड़कर लौट आओ, कि वह घायल होकर मर जाए |
- **17:13**औरय्याह__ के मरने के बा'द, दाऊद ने बतशबा से शादी करली |

शब्दकोश:

- Strong's: H223, G3774

(**वापस जाओ:** 17:12; 17:13)

कना’न, कना’नी ,कना’नियों

सच्चाई:

कना’न हाम का बेटा था और हाम नूह का बेटा था | कना’नी लोग कना’न के रहने वाले थे

- “कना’न और कना’न मुल्क “वह ‘इलाक़ा था जो यरदन नदी और समन्दर से दूर के बीच का हिस्सा था | दाख्खिन में वह मिस्र की हद तक था और उत्तर में सीरिया की हद तक |
- इस मुल्क के रहने वाले कना’नी और ग़ैर क़ौमें थीं |
- ख़ुदा ने इब्राहीम से वा’दा किया था कि वह कना’न मुल्क उसे और उसकी नसल ,इस्राईलियों को देगा |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: हाम, वा’दे का मुल्क)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आ’माल 13:19-20
- ख़ुरूज 3:7-8
- पैदाईश 9:18-19
- पैदाईश 10:19-20
- पैदाईश 13:5-7
- पैदाईश 47:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- *4:5*इस तरह (अब्राम) अपनी बीवी सारै,और जो माल उन्होंने इकठ्ठा किया था ,और जो जानदार उन्होंने हारान में पाए थे ,सब को लेकर “कना’न मुल्क में जो ख़ुदावन्द ने उसे दिखाया था जाने को निकल चला ;
- *04:06*जब अब्राम _कना’न _मुल्क पहुँचा तब ख़ुदा ने उससे कहा कि ,अपने चारों ओर देख क्यूँकि जितनी ज़मीन तुझे दिखाई देती है ,उस सब को मै तुझे और तेरी नसल को दूँगा |
- _ 04:09”मै _कना’न मुल्क तेरी नसल को दूँगा |”
- *05:03*मै तुझ को और तेरे बा’द तेरी नसल को भी ,यह सारा कना’न मुल्क दूँगा वह उनकी अपनी ज़मीन रहेगी ,और मै उनका ख़ुदा रहूँगा |”
- *07:08*बीस साल तक अपने घर से ,जो कना’नमें है ,दूर रहने के बा’द या’क़ूब अपने घराने , ख़ादिमों ,और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया |

शब्दकोश:

- Strong's: H3667, H3669, G2581, G5478

(**वापस जाओ:** 04:05; 04:06; 04:09; 07:08; 07:10; 08:10; 09:13; 14:01; 14:02; 14:03; 14:04; 14:06; 14:09; 14:10; 15:01; 15:05; 15:06; 15:07; 15:11; 16:01; 20:05)

कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया

ता'अर्रुफ़:

नये 'अहद नामे' में "कलीसिया" का बयान मसीह के ईमानदारों का मुक़ामी जमात से है जो दुआ' करने और ख़ुदा का कलाम सुनने के लिए रोज़ जमा'होते थे। "कलीसिया" लफ़्ज़ सब ईमानदारो के बारे में है।

- इस लफ़्ज़ का हक़ीक़ी मा'नी है इज्तिमा' या शराकत जो किसी ख़ास मक़सद से इकठ्ठे होते हैं |
- जब यह लफ़्ज़ सब जगहों के सब ईमानदारों मसीह के पूरे बदन के बारे में हो तो कुछ किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमों में पहला हर्फ़ बड़ा लिखा गया है कि वह मुक़ामी कलीसिया से अलग दिखाई दे |
- किसी शहर के ईमानदार अक्सर किसी एक के घर में इकठ्ठा होते थे | इन मुक़ामी कलीसियाओं को उस जगह का नाम दिया जाता था जैसे "इफिसुस की कलीसिया"।
- किताब-ए-मुक़द्दास में "कलीसिया" का बयान मकान से नहीं है।

तर्जुमे की सलाह:

- "कलीसिया" लफ़्ज़ का तर्जुमा "एक साथ इकठ्ठा होना" या "इज्तिमा'" या "मजलिस" या "इकठ्ठे होने वाले" हो सकता है।
- इस लफ़्ज़ के तर्जुमे में काम में लिए गए लफ़्ज़ या जुमले का मतलब एक झुण्ड से नहीं सब ईमानदारों से होना है।
- वाज़े'करें कि "कलीसिया" का तर्जुमा किसी मकान का मा'नी ज़ाहिर न करे।
- पुराने 'अहद नामे में "इज्तिमा'का जिस लफ़्ज़ से तर्जुमा किया गया है उस लफ़्ज़ का भी यहाँ इस्ते'माल किया जा सकता है |
- मुक़ामी या क़ौमी ज़बान के किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमे को भी देखें| (देखें:अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें:मजलिस,ईमान,मसीही ईमानदार

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- रसूलों के आमाल 09:31-32
- रसूलों के आमाल 14:23-26
- रसूलों के आमाल 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 04:14-17

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर यक़ीन किया और 'ईसा के शागिर्द बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलीम की **कलीसिया** का हिस्सा बन गए।
- **46:09** लेकिन अन्ताकिया में ज़्यादा तर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग ईमान लाकर ख़ुदा की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए ईमानदारों को पढ़ाने, 'ईसा के बारे में बताने और **कलीसिया** को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की **कलीसिया** ने शाउल और बरनबास के लिए दु'आ करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई और जगहों में 'ईसा के बारे में ऐलान करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** 'ईसा की ख़ुशख़बरी को वह सुनाते गए और **कलीसिया** तरक़्क़ी करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से ज़्यादा सालों से, दुनिया भर में ज़्यादा से ज़्यादा लोग 'ईसा मसीह की ख़ुशख़बरी को सुन रहे हैं। **कलीसिया** बढ़ रही है।

शब्दकोश:

- Strong's: G1577

(**वापस जाओ:** 43:12; 45:01; 46:09; 46:10; 47:13; 47:14; 50:01)

कालिब

सच्चाई:

कालिब उन बारह इस्राईली राज़दारों में से एक था जिन्हें मूसा ने कना'न की मालूमात लेने के लिए भेजा था |

- उसने और यशू'अ ने इस्राईलियों को हिम्मत दिलाई कि वह ख़ुदा पर भरोसा रखें वह उन्हें कना'न पर फ़तह दिलाएगा |
- यशू'अ और कालिब उस नस्ल के दो ही लोग थे जिन्हें वा'दे के मुल्क कना'न में दाख़िल होने की इजाज़त दी गयी थी |
- कालिब ने मिन्नत किया था कि उसे और उसके घराने को हेब्रोन दिया जाए उसे यक़ीन था कि ख़ुदा उसे वहाँ के लोगों को हराने में उसकी मदद करेगा |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: हेब्रोन ,यशू'अ)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख 4:13-16
- यशू'अ 14:6-7
- कुज़ात 1:11-13
- गिनती 32:10-12

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- *14-4*जब इस्राईली कना'न की हद में पहुँचे तब मूसा ने बारह आदमियों को चुना इस्राईल के हर क़बीलेमें से उसने उन आदमियों को हुक्म दिया की जाओ और ज़मीन का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है |
- *14:06*जल्द ही कालिबऔर यशू'अ और दो जासूस कहने लगे हाँ यह सही है कि कना'न के लोग ताक़तवर हैं लेकिन हम बिला शुबह उन्हें हरा देंगे ! ख़ुदा हमारे लिए जंग करेगा |'"
- *14:8*उनमें से कालिब और यशू'अ को छोड़ कर जितने बीस साल के या उससे ज़्यादा 'उम्र के जितने गिने गये थे वह मर जायेंगे और कभी वा'दा के मुल्क में दाख़िल नहीं होंगे |

ताकि वह मुल्क में सुकून से जी सकें |

शब्दकोश:

- Strong's: H3612, H3614

(**वापस जाओ:** 14:06; 14:07; 14:08)

काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा

ता’अर्रुफ़:

किताब-ए -मुक़द्दस में काहिन ख़ुदा के लोगों की ओर से ख़ुदा के लिए अदा करने वाले चढ़ावे के लिए चुना गया शख़्स “काहिन का ‘ओहदा ” उसके ‘ओहदे या उसकी ख़िदमत का नाम है।

- पुराने ‘अहद नामे में ख़ुदा ने हारून और उसकी नसल को इस्राईल के लिए काहिन होने के लिए चुना था।
- “काहिन का ‘ओहदा ” एक इख्तियार और ज़िम्मेदारी का था जो लेवियों के क़बीलों में बाप से बेटे को प् लेना होता था।
- इस्राईल के कहिनो की ज़िम्मेदारी थी कि वे आदमियों के ज़रिये लायी गई क़ुर्बानी ख़ुदा कोपेश करें , इसके साथ हैकल के और काम की भी उनकी ज़िम्मेदारी थी
- काहिन रोज़ दुआएं भी ख़ुदा को पेश करते थे और मज़हबी कामों को पूरा करते थे।
- काहिन आदमियों को पूरी दुआ भी देते थे और उन्हें ख़ुदा की शरी’अत के बारे में सिखाते थे।
- ‘ईसा के जमाने में काहिनों के अलग-अलग दर्जे थे जिनमें हाकिम काहिन और सरदार काहिन भी थे।
- ‘ईसा हमारा “बड़ा सरदार काहिन ” है जो ख़ुदा की हुज़ूरी में हमारे लिए मिन्नत करता है। उसने ख़ुद को गुनाह की आख़िरी क़ुर्बानी करके पेश कर दिया। इसका मतलब है कि काहिनों के ज़रिये पेश की गयी क़ुर्बानी की अब ज़रूरत नहीं है।
- नये ‘अहद नामे में ‘ईसा का हर एक ईमानदार “” कहा गया है, वह ख़ुद के लिए और इन्सानों के लिए मिन्नत करने के लिए सीधा ख़ुदा के पास आ सकता है।
- पुराने ज़माने में ग़ैर क़ौमों के भी इबादत गार थे जो झूठे मा’बूद को क़ुर्बानी पेश करते थे, जैसे बा’ल देवता को।

तर्जुमे की सलाह:

- तर्जुमे के मुताबिक़ “काहिन” का तर्जुमा “क़ुर्बानी पेश करने वालाआदमी ” या “ख़ुदा का ख़ास ” या “क़ुर्बानी चढ़ाने वाला ख़ास ” या “ख़ुदा के ज़रिये उसकी रहबरी करने के लिए मुक़र्ररइन्सान ”।
- “काहिन” का तर्जुमा “बीच ” के तर्जुमे से अलग होना है।
- कुछ तर्जुमों में हमेशा कहा जाता है, “इस्राईली काहिन” या “यहूदी काहिन ” या “यहोवा का काहिन ” या “बा’लका आबिद ” कि तय किया जाए कि वे आज के आबिदों की तरह नहीं थे।
- “काहिन” लफ़्ज़ का तर्जुमा करने के लिए आया लफ़्ज़ “हाकिम काहिन ” और “सरदार काहिन ” और “लेवीय” और “नबी ” से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, हाकिम काहिन , सरदार काहिन , बीच , क़ुर्बानी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 06:40-42
- पैदाइश 14:17-18
- पैदाइश 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीकाह 03:9-11
- नहमायाह 10:28-29
- नहमायाह 10:34-36
- मुक़ाशिफा 01:4-6

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **04:07**"मलिकिसिदक, **अज़ीम ख़ुदा के** काहिन "

- **13:09** जो कोई भी ख़ुदा के क़ानूनों की नाफ़रमानी करता है, वह सुलह के ख़ेमे के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदा के लिये जानवर की क़ुर्बानी चढ़ाएगा | एक **काहिन** जानवर को मारकर उसे क़ुर्बानगाह पर जलाएगा | एक **काहिन** जानवर को मारकर उसे क़ुर्बानगाह पर जलाएगा | उस जानवर का ख़ून जिसकी क़ुर्बानी चढ़ाई गई है, ख़ुदा की निगाह में गुनाहगार आदमी के सभी जुर्मों को धो देंगा | ख़ुदा ने मूसा के भाई हारून और हारून की नसल को **काहिन** 'ओहदे के लिये चुना |
- **19:07** तब बा'ल के **याजकों** ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर क़ुर्बानी के लिए तैयार किया, लेकिन उमसे आग न लगाई
- **21:07**काहिन__ वो है जो लोगों के जगह पर ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी पेश करता है, जिससे कि ख़ुदा उनके गुनाहों की वजह से उन्हें सज़ा न दे | **काहिन** ख़ुदा से लोगों के लिए दुआ' भी करते थे |

शब्दकोश:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

(**वापस जाओ:** 04:07; 13:02; 13:09; 15:02; 15:03; 15:04; 19:07; 21:06; 21:07; 22:01; 27:06; 27:07; 48:06)

कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन

ता'अर्रुफ़:

कुँवारी, वह 'औरत होती है जिसने किसी इन्सान के साथ जिस्मानी रिश्ते नहीं बनाए हैं।

- नबी यसा'याह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से पैदा होगा
- मरियम 'ईसा को रिहम में रख करके भी कुँवारी थी। उसका दुनियावी बाप नहीं था।
- कुछ ज़बानों में इस लफ़्ज़ के लिए एक कुँवारापन लफ़्ज़ हो सकता है। (देखें: अदबी

(यह भी देखें: मसीह, यसा'याह, 'ईसा , मरियम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:15-16
- लूका 01:26-29
- लूका 01:34-35
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 25:1-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **21:09** यसा'याह नबी ने नबूव्वत की थी , कि एक **कुँवारी** से मसीह की पैदाइश होगी
- **22:04**वह एक **कुँवारी** थी जिसकी मंगनी यूसुफ़ नाम के सख़्स के साथ हुई थी |
- **22:05** मरियम ने फ़रिश्ते से कहा कि, "यह कैसे होगा, मैं तो एक **कुँवारी** हूँ?"
- **49:01** एक फ़रिश्ते ने मरियम नाम की एक **कुंवारी** से कहा कि वह ख़ुदा के बेटे को पैदा करेगी | और जबकि वह एक **कुँवारी** ही थी, तो उससे एक बेटा पैदा हुआ और उसका नाम 'ईसा रखा |

शब्दकोश:

- Strong's: H1330, H1331, H5959, G3932, G3933

(**वापस जाओ:** 21:09; 22:04; 22:05; 49:01)

ख़तना करना, ख़तना किया, ख़तना

ता'अर्रुफ़:

ख़तना करने के मा'नी है आदमी या बच्चे की अज़ो तनासुल की खाल काट देना। इसी रिश्ते से ख़तना की रस्म को किया जाता था।

- ख़ुदा ने इब्राहीम को हुक्म दिया था कि उनके साथ बांधी ख़ुदा के 'अहद के निशान की शक्ल में वह अपने घराने और ख़ादिमों का ख़तना करे।
- ख़ुदा ने इब्राहीम की नसलों को भी यही हुक्म दिया था कि वे अपने घरों में पैदा हुए हर लड़के के पैदा होने पर ऐसा करना जारी रखें |
- "दिल का ख़तना" या'नी इन्सान में से गुनाह का "निकलना" या गुनाह से तोबा करना |
- रूहानी शक्ल में, "ख़तना" उन लोगों के बारे में बताता है जिन्हें ख़ुदा ने 'ईसा के लहू से गुनाहों से पाक किया और जो उसके लोग हैं।
- "ना मख़्तून" के मा'नीहै जिनका जिस्मानी ख़तना नहीं हुआ है। इसका मख़सूस बयान उन लोगों से भी है जिनका रूहानी ख़तना नहीं हुआ है या'नी जिनका रिश्ता ख़ुदा से नहीं है।

"ना मख्तून'और मख्तून "एक मर्द से मुराद है जो जिस्मानी तौर पर संभले हुए नहीं हैं | तम्सीली शक्ल में इसका इस्तेमाल किया जाता है \

- मिस्र एक मुल्क था और इसकी ज़रूरत थी | लिहाज़ा जब मिस्र के बारे में बात करता है तो "ग़ैरजानदार" की तरफ से शिकस्त दी सकती है, वह लोग जिन लोगों ने मिस्रियों कको ख़तना नहीं किया था उनसे इशारा किया|

किताब-ए-मुक़द्दस उन लोगों से इशारा करता है जो, "ग़ैर जानदार दिल" रखता है या "जो दिल में ग़ैर जानदार" हैं| * किताब-ए-मुक़द्दस उन लोगों को बताता करता है जिनके पास "मासूम दिल" है या जो "दिल में मासूम" हैं।

- अगर ज़बान में खतना के लिए एक अलफ़ाज़ का इस्ते'माल किया जाता है या पता होता है, तो "नामख़्तून" का तर्जुमा बिना ख़तने का किया जा सकता"
- बयान के मुताबिक़ पर तमसील "ग़ैरयक़ीनी " का तर्जुमा "जिन लोगों का खतना नहीं हुआ है" या "जो लोग खुदा से जुड़े नहीं हैं" के तौर में तर्जुमा किया जा सकता है।
- इस लफ़्ज़ की अजीब नफ्सों का तर्जुमा करने के और तरीकों में "ख़ुदा के लोग नहीं" या "उन लोगों की तरह बग़ावत शामिल हो सकते हैं जो ख़ुदा से जुड़ा नहीं हैं" या "जिन लोगों के पास ख़ुदा से मिलाकोई इशारा नहीं है।"
- तम्सीली "दिल में ना मख्तून" का तर्जुमा "जिद्दी बगावत " या "यक़ीन करने से इंकार कर दिया" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है। हालांकि, अगर मुमकिन हो तो ज़ाहिर या एक तरह रखना बहुत है क्योंकि रूहानी खतना एक ख़ास तसव्वर है।

तर्जुमे की सलाह:

- अगर मक़्सदी ज़बान में आदमियों का ख़तना किया जाता है तो यहाँ इसी लफ़्ज़ का इस्तेमाल किया जाये |
- इस लफ्ज़ के और तर्जुमे हो सकते हैं "चारों ओर से काटना",गोलाई में काटना " या "आगे की खाल काटना"|
- जिन रिवायतो में ख़तना नहीं जाना जाता है वहाँ नुक्ता या फ़हरिस्तमें इसका बयान करना ज़रूरी है |
- वाज़े' करें कि इसका तर्जुमा औरतों के बारे में न हो| ज़रूरी है की इसका तर्जुमा एक ऐसे लफ़्ज़ के साथ किया जाये जिससे आदमियों के बारे में ज़ाहिर हो |

(यह भी देखें :अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें : इब्राहीम, मुआ'हदा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 17:9-11
- पैदाइश 17:12-14
- ख़ुरूज 12:47-48
- अह्बार 26:40-42
- यशू'अ 05:2-3
- क़ुज़ात 15:17-18
- 2 समुएल 01:17-20
- यरमियाह 09:25-26
- हिज़्क़ीएल 32:24-25
- रसूलों के आमाल 10:44-45

- रसूलों के आमल 11:1-3
- रसूलों के आमाल 15:1-2
- रसूलों के आमाल 11:1-3
- रोमियो 02:25-27
- गलतियों 05:3-4
- इफ़िसियों 02:11-12
- फ़िलिप्पियों 03:1-3
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:13-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **05:03** "आपको अपने घराने में हर आदमी का ख़तना करना चाहिए।"
- **05:05** उस दिन इब्राहीम ने उसके घर में सभी आदमियों का **ख़तना** किया।

शब्दकोश:

- Strong's: H4135, H4139, H5243, H6188, H6189, H6190, G203, G564, G1986, G4059, G4061

(**वापस जाओ:** 05:03; 05:05)

खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था

ता'अर्रुफ़:

ज़िन्दा करना, खड़ा करना

उमूमन ज़िन्दा करने असल लफ़्ज़ का मतलब है, "ऊंचा उठाना" या "ऊंचा बनाना"

- इसका 'अलामती मतलब है, किसी को ज़वजूदहूर में लाना या ज़ाहिर होना। इसका मतलब यह भी हो सकता है, किसी को किसी काम के लिए मुक़र्रर करना।
- कभी-कभी इस मूल लफ़्ज़ का मतलब "दुबारा क़ायमकरना" या "दुबारा ता'मीर करना" होता है।
- "मुर्दों में से जिलाया" इस जुमले में इस असल लफ़्ज़ का मतलब ख़ास है। इसका मतलब है मुर्दे को ज़िन्दा करना।
- कभी-कभी इस असल लफ़्ज़ का मतलब किसी चीज़ या आदमी को ऊंचा करना है।

उठाना, उठना

"उठाना" या "उठना" का मतलब है, "ऊपर चढ़ना" या "उठ खड़ा होना" लफ़् ज़"जी उठा है" या "जी उठा" या "उठ कर" ये लफ़्ज़ सब माज़ी को ज़ाहिर करता हैं।

- जब कोई कहीं जाने के लिए उठता है तो उसको कभी-कभी, "वह उठकर गया" या "वह खड़ा होकर गया" के तौर पर ज़ाहिर किया जाता है।
- अगर कोई बात "उठती" है तो उसका मतलब है कि, वह "होती है" या "उसका होना शरू' होता है"
- 'ईसा ने नबूव्वत की थी कि वह "मुर्दों में से जी उठेगा"। 'ईसा की मौत के तीसरे दिन फ़रिश्ते ने कहा था, की "वह जी उठा है"।

तर्जुमे की सलाह:

- "उठना" या "उठ खड़ा होना" के तर्जुमा "उठाना" या "ऊंचा करना" हो सकते है।
- "उठाना" का तर्जुमा, "ज़ाहिर करना" या "मुक़र्रर करना" या "वजूद में लाना" हो सकता है।
- "तेरे दुश्मनों का ज़ोर बढ़ाऊंगा" का तर्जुमा, "तेरे दुश्मनों को ताक़त दूंगा" हो सकता है।
- "मुर्दों में से जी उठाना" का तर्जुमा "मौत से ज़िन्दगी में ले आना" या "दुबारा ज़िन्दा करना" हो सकता है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर "उठाने" का तर्जुमा, "मौजूद करवाना", "मुक़र्रर करना" या "होना मुमकिन करना" या "ता'मीर करना" या "दुबारा ता'मीर करना" या "सुधारना" हो सकता है।
- "उठकर गया" इस जुमले का तर्जुमा, "खड़ा होकर गया" या "गया" हो सकता है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर "उठा" का तर्जुमा, "शुरू' किया" या "चल पड़ा" या "खड़ा हुआ" या "खड़ा हो गया" हो सकता है।

(यह भी देखें: क़यामत, मुक़र्रर, बलन्द करना)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 06:40-42
- 2 शमूएल 07:12-14
- रसूलों के 'आमाल 10:39-41
- कुलुस्सियों 03:1-4
- इस्तिस्ना13:1-3
- यरमियाह 06:1-3
- क़ुज़ात 02:18-19
- लूक़ा 07:21-23
- मत्ती 20:17-19

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:14** नबियों ने यह भी नबूव्वत की कि मसीह मारा जाएगा और ख़ुदा उसे मुर्दों में से **जी उठाएगा**।
- **41:05** 'ईसा यहाँ नहीं है, लेकिन अपने कलाम के मुताबिक़ जी उठा है।" वह मुर्दों में से **ज़िन्दा** हुआ, जैसा उसने कहा था कि वह करेगा|

- **43:07** अगरचे "'ईसा की मौत हुई लेकिन उसी को ख़ुदा ने मौत के बन्धनों से छुड़ाकर **जिलाया**, और यह नबूव्वत की गई थी कि, 'न तो उसका आलम-ए-अर्वाह में छोड़े गई और न उसका जिस्म सड़ने पाया |' इसी 'ईसा को ख़ुदा ने फिर से **जिलाया**, जिसके हम सब गवाह है |"
- **44:05** " और तुम ने ज़िन्दगी के मुसन्निफ़ को मार डाला, जिसे ख़ुदा ने मरे हुओ में से **जिलाया**।"*
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें जवाब दिया, "'ईसा मसीह की क़ुव्वत से यह आदमी तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है | तुमने 'ईसा को सलीब पर चढ़ाया, लेकिन ख़ुदा ने मरे हुओं में से जिलाया |"
- **48:04** इसका मतलब यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर ख़ुदा उसे तीसरे दिन फिर **ज़िन्दा कर देगा** | 'ईसा शैतान की ताक़त को हमेशा के लिए बर्बाद कर देगा |

49:02 वह पानी पर चला, तूफान को रोक दिया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, बदरूहों को निकाला, मुर्दों को **ज़िन्दा किया**, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने खाने में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए क़ाफ़ी हो।

- **49:12** तुम्हें ईमान करना होगा कि 'ईसा ख़ुदा का बेटा है, कि वह तुम्हारी जगह सलीब पर क़ुर्बान हुआ, और यह कि ख़ुदा ने उसे फिर मुर्दों में से **ज़िन्दा कर दिया**।

शब्दकोश:

- Strong's: H2210, H2224, H5549, H5782, H5927, H5975, H6209, H6965, H6966, H6974, H7613, H7721, G305, G386, G393, G450, G1096, G1326, G1453, G1525, G1817, G1825, G1892, G1999, G4891

(**वापस जाओ:** 21:14; 41:01; 41:05; 41:06; 42:01; 42:03; 42:07; 43:07; 44:05; 44:08; 48:04; 49:02; 49:12; 50:11; 50:12)

गलील, गलीली, गलीलियों

सच्चाई:

गलील इस्राईल का ख़ास उत्तरी हिस्सा था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलीली लोग गलील के रहनेवाले थे ।

- नये 'अहद नामे के वक़्त में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राईल के तीन ख़ास 'इलाक़े थे।
- गलील के पूरब में एक बड़ी झील, गलील समन्दर था ।
- 'ईसा गलील के नासरत शहर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

'ईसा के ज़्यादातर मो'जिज़े और ख़िदमत गलील 'इलाक़े में ही हुई थी।

(यह भी देखें: नासरत, सामरिया, गलील समन्दर)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 09:31-32
- रसूलों के 'आमाल 13:30-31
- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:1-3
- लूक़ा 13:1-3
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:13-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:10** यसा'याह नबी ने कहा कि मसीह **गलील** में रहेगा, वह ग़मज़दह लोगों को अमन देगा और ग़ुलामों के लिए आज़ादी का और क़ैदियों को छुटकारा देगा।
- **26:01** शैतान की आज़माइश पर क़ाबू पाने के बा'द, 'ईसा जहाँ वह रहते थे **गलील** के 'इलाक़े के लिए रूह-उल-क़ुदुस की ताक़त में लौट आए।
- **39:06** आख़िर में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, "हम जानते है कि तू भी 'ईसा के साथ था क्यूँकि तुम दोनों **गलील** से हो।"
- **41:06** तब फ़रिश्ते ने उन 'औरतों से कहा , "जाओ और फ़ौरन जाकर उसके शागिर्दों से कहो कि 'ईसा मुर्दों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले **गलील** को जाता है।"

शब्दकोश:

- Strong's: H1551, G1056, G1057

(**वापस जाओ:** 21:10; 26:01; 26:08; 39:06; 41:06; 41:08)

गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

ता’अर्रुफ़:

“गुनाह” काम, ख़याल और जो लफ़्ज़ ख़ुदावन्द के ख़िलाफ़ हैं। गुनाह का मतलब यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो ख़ुदावन्द चाहता है।

- वह हर एक काम जो ख़ुदावन्द का हुक्म या ख़ुशी के ख़िलाफ़ है बयान में वह बातें भी जिन्हें ग़ैर लोग नहीं जानते, गुनाह हैं।
- ख़याल और काम जो ख़ुदावन्द की मर्ज़ी की फ़रमाबरदारी नहीं करते गुनाहगार कहलाते हैं।
- क्यूँकि आदम ने गुनाह किया है, सभी इंसान एक " गुनाहगार फ़ितरत" के साथ पैदा होते हैं, जो एक क़ुदरती है जो उन्हें बराबर करता है और उन्हें गुनाह करने देता है।
- “गुनाहगार” या'नी गुनाह करनेवाला, या सब इन्सान गुनाहगार हैं।
- कभी-कभी “गुनाहगार ” लफ़्ज़ फ़रीसी जैसे मज़हबी लोगों के ज़रिए' शरी'अत पर 'अमल नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फ़रीसियों के मुक़ाबले शरी'अत पर 'अमल नहीं करनेवालों के लिए।
- “गुनाहगार” लफ़्ज़ उन लोगों के लिए भी काम में लिया जाता था जो ग़ैर लोगों से ज़्यादा गुनाहगार समझे जाते थे। मिसाल के तौर पर, जिज़्या लेनेवाले और तवाएफ़ ।

तर्जुमा की सलाह:

- “गुनाह” का तर्जुमा ऐसे जुमले के ज़रिए' भी किया जा सकता है जिसका मतलब हो, “ ख़ुदावन्द का हुक्म न मानना” या “ख़ुदा की मर्ज़ी के ख़िलाफ़चलना” या “बुरे काम और ख़्याल” या “ग़लत काम करना”।
- “ गुनाह करना” का तर्जुमा “ ख़ुदावन्द की ना फ़रमामानी ” या “ग़लत काम करना” भी हो सकता है।
- जुमले के मुताबिक़ “गुनाहगार” का तर्जुमा “ग़लत काम करने वाले” या “बुरे या “ग़ैर इखलाक़ी” या “बुरा” या “ ख़ुदावन्द से मुख़ालिफ़त ”
- जुमले के मुताबिक़ गुनाहगार” का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए' किया जा सकता है जिसका मतलब हो “वह शख़्स जो गुनाह करता है” या “ग़लतकाम करनेवाला शख़्स” या “ ख़ुदावन्द के हुक्म न माननेवाला शख़्स”
- “गुनाहगारों” का तर्जुमा ऐसे जुमले से भी किया जा सकता है जिनका मतलब हो “बहुत ज़्यादा गुनाहगार शख़्स” या “जिन लोगों को बहुत ज़्यादा गुनाहगार माना जाता है” या “ बहुत बुरा शख़्स”
- “जिज़्या लेनेवाले और गुनाहगार” के तर्जुमें के कई तरीक़े हैं , “सरकार के लिए पैसा जमा' करनेवाले और बहुत ज़्यादा गुनाहगार लोग या “बहुत गुनाहगार शख़्स”।
- " गुनाह के ग़ुलाम " या " गुनाह के ज़रिए’ हुक्म" के जुमलों में, "गुनाह" लफ़्ज़ का तर्जुमा "हुक्म न मानना" या " बुरी खवाहिशें और कामों " की शक्ल में किया जा सकता है।
- वाज़ह करें कि इस वक़्त के तर्जुमे में गुनाहगार का सुलूक और ख़याल शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- लफ़्ज़ "गुनाह" बराबर होना चाहिए, और "बदकार" और "बुराई" के लिए लफ़्ज़ों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें:नाफ़रमानी, बुरा, जिस्म, जिज़्या लेनेवाला)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- रसूलों के ‘आमाल 03:19-20
- दानिएल09:24-25
- पैदाइश 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यसा'याह 53:10-11
- यरमियाह18:21-23
- अह्बार 04:13-15
- लूक़ा 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **03:15** ख़ुदावन्द ने कहा "मैं वा'दा करता हूँ कि मैं फिर कभी ज़मीन पर ला'नत नहीं भेजूँगा क्यूँकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को हलाक कर देते हैं, भले ही लोग उस वक़्त से **गुनाहगार** होते हैं जब वह बच्चे होते हैं।
- **13:12** ख़ुदावन्द उनके **गुनाह** की वजह उनके साथ बहुत गुस्सा था और उन्हें हलाक करने के मन्सूबे बनाए ।
- **20:01** इस्राईलियों और यहूदियों के बादशाहों ने ख़ुदावन्द के ख़िलाफ़ **गुनाह** किया था। उन्होंने 'अहद को तोड़ा जो ख़ुदावन्द ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** नबियों ने यह भी कहा कि मसीह ऐसा होगा, जिसमें कोई **गुनाह** नहीं होगा। वह ग़ैर लोगों के **गुनाह** के लिए सज़ा हासिल करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, 'ईसा कई जिज़्या लेनेवाले और कई **गुनाहगारों** को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए जमा' हुए थे।
- **38:05** तब 'ईसा ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नए 'अहद नामे का मेरा ख़ून है जो **गुनाहों** की मु'आफ़ी के लिए डाल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, "तौबा करो, और तुम में से हर एक 'ईसा मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो ख़ुदावन्द तुम्हारे **गुनाहों** को मु'आफ़ करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे **गुनाहों** के लिए मरने के लायक़ हैं!
- **49:17** अगर्चे आप एक मसीही हैं, फिर भी आप **गुनाह** करने की आज़माइश में पड़ेंगे । लेकिन ख़ुदावन्द यक़ीन के लायक़ है और यह कहता है कि अगर तुम अपने **गुनाहों** को मान लो, तो वह तुम्हें मु'आफ़ करेगा। वह **गुनाह** के ख़िलाफ़ जंग करने के लिए तुम्हें ताक़त देगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

(**वापस जाओ:** 02:01; 03:15; 04:02; 08:05; 10:08; 10:09; 13:09; 13:10; 13:12; 14:09; 16:17; 17:07; 17:09; 17:13; 17:14; 18:09; 20:01; 20:10; 21:05; 21:07; 21:13; 21:14; 22:07; 23:02; 24:03; 24:06; 24:07; 25:01; 29:01; 34:07; 34:09; 35:01; 35:02; 35:08; 35:12; 38:05; 38:12; 42:08; 43:11; 44:05; 45:05; 48:01; 48:02; 48:03; 48:05; 48:06; 48:08; 48:10; 49:05; 49:07; 49:08; 49:09; 49:10; 49:11; 49:12; 49:14; 49:16; 49:17; 50:16)

घमण्ड, घमण्ड से, फ़ख्र, ग़ुरूर से भरा

ता'अर्रुफ़:

"घमण्ड" और "ग़ुरूर से भरा" लफ़्ज़ उस इन्सान के बारे में हैं जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है और ख़ास करके सोचता है कि वह औरों से कहीं ज़्यादा अच्छा है।

- घमण्डी इन्सान हमेशा अपनी गलतियां क़ुबूल नहीं करता है। वह हलीम इन्सान नहीं है।
- घमण्ड और बातों में ख़ुदा की नाफ़रमानी की तरफ़ ले जाता है।
- "घमण्ड" और "फ़ख्र " को सरीही मतलब में भी काम में लिया जाता है जैसे किसी की कामयाबी पर घमण्ड करना या बच्चों पर घमण्ड करना। "अपने काम पर घमण्ड करना" इस कलाम का मतलब है अपना काम करने में ख़ुशी को महसूस करना।
- कोई घमण्ड से भरे बिना अपने काम पर घमण्ड कर सकता है। कुछ ज़बानों में "घमण्ड" के इन दोनों लफ़्ज़ों के मतलब अलग-अलग लफ़्ज़ों में ज़ाहिर किए जा सकते हैं।
- "घमण्ड से भर जाना" हमेशा हर्फ़े नफ़ी होता है या'नी "ग़ुरूर " या "तकब्बुर " या "अपने आपको बहुत बड़ा समझने वाला"।

तर्जुमे के लिए सलाह:

- इसम "घमंड" का तर्जुमा "तकब्बुर " या "ग़ुरूर " या "ख़ुद –'वक़ार " की शक्ल में किया जा सकता है।
- और बयानों में, "घमंड" का तर्जुमा "ख़ुशी" या "सब्र " या "ख़ुश " की शक्ल में किया जा सकता है।
- 'पर फ़ख्र करने के लिए' का तर्जुमा "के साथ खुश" या "मुतमईन " या " (कामयाबी की) " की शक्ल में किया जा सकता है।
- "अपने काम पर घमण्ड कर" इस जुमले का मतलब है अपना काम करने में ख़ुशी को महसूस करना करना।
- "यहोवा पर फ़ख्र करने" का मतलब भी तर्जुमा किया जा सकता है, "यहोवा ने जो कुछ हैरत अन्गेज़ काम किया है, उसके बारे में ख़ुश होना" या "खुश होना कि यहोवा कितना हैरान कुन है।"

(यह भी देखें: तकब्बुर,हलीम,ख़ुश)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:12-14
- गलातियों 06:3-5
- यसायाह 13:19-20
- लूका 01:50-51

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **04:02** उन्हें बहुत **घमंड** था, और ख़ुदा ने जो कहा था उन्होंने उसकी परवाह नहीं की |
- **34:10** 'ईसा ने कहा, "मैं तुम से सच कहता हूँ कि, ख़ुदा ने चुंगी लेनेवाले की दुआ' सुनी और उसे रास्तबाज़ मुक़र्रर कर दिया | लेकिन उसे रास्तबाज़ रहबर की दुआ' पसंद नहीं आई। "जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(ख़ुद) छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा |"

शब्दकोश:

- Strong's: H1341, H1343, H1344, H1346, H1347, H1348, H1349, H1361, H1362, H1363, H1364, H1396, H1466, H1467, H1984, H2086, H2087, H2102, H2103, H2121, H3093, H3238, H3513, H4062, H1431, H4791, H5965, H7293, H7295, H7312, H7342, H7311, H7407, H7830, H8597, G212, G1391, G1392, G2744, G2745, G2746, G3173, G5187, G5229, G5243, G5244, G5308, G5309, G5426, G5450

(**वापस जाओ:** 04:02; 34:10)

चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही

ता’अर्रुफ़:

चरवाहा भेड़ों की निगरानी करता है “चरवाहा ” या'नी भेड़ों की हिफ़ाज़त करना और उनके लिए खाना-पानी का इन्तिज़ाम करना। चरवाहे भेड़ों की निगरानी करते हैं और उन्हें अच्छे खाने और पानी के पास ले जाते हैं। चरवाहे भेड़ों को भटकने से और जंगली जानवरों से भी बचाते हैं।

- कलाम में इस लफ़्ज़ का मक़सदी इस्ते'माल भी किया गया है जो लोगों की रूहानी ज़रूरतों के ख़बर लेने के बार में है। या'नी उन्हें कलाम से ख़ुदा की बातों की त'लीम देना और जिस रास्ते में उन्हें चलना है उसमें उनकी रहनुमाई करना।
- पुराने 'अहद नामे में ख़ुदा को “चरवाहा” कहा गया है क्यूँकि वह अपने लोगों की सब ज़रूरतों को पूरा करता है और उनकी हिफ़ाज़त करता है। वह उनकी रह्नुमाई करता है और उनको रास्ता दिखाता है। (देखें: मिसाल)
- मूसा इस्राईलियों का चरवाहा था क्यूँकि उसने यहोवा की रूहानी तौर पर 'इबादत की और जिस्मानी तौर से उनकी रह्नुमाई की और कन'आन के सफ़र में उनको रास्ता दिखाया ।
- नए 'अहद नामे में 'ईसा अपने आपको को “अच्छा चरवाहा” कहता है। पौलुस रसूल उसे कलीसिया का “हाकिम चरवाहा” कहता है।
- नए 'अहद नामे में “चरवाहा” लफ़्ज़ उस शख्स के बारे में भी बताता है जो ईमानदारों का रूहानी रहनुमा है। "पासबान" की शक्ल में तर्जुमे का लफ़्ज़ एक ही है जिसका तर्जुमा "चरवाहा" है। बुज़ुर्ग और निगराँ भी चरवाहे कहलाते थे।

तर्जुमा की सलाह

- लफ़्ज़ी तौर में “चरवाहा” लफ़्ज़ का तर्जुमा “भेड़ों की रखवाली करना” या “भेड़ों की निगरानी” करना है।

“चरवाहे” लफ़्ज़ का तर्जुमा “भेड़ों की रखवाली करनेवाला” या “भेड़ों की रहनुमाई ” या “भेड़ों की ख़बर लेने वाला”।

- मिसाल के तौर पर इस्ते'माल करने में इसके मतलब अलग-अलग होते हैं, “रूहानी चरवाहा” या “रूहानी रहनुमा” या “चरवाहे की तरह” या “भेड़ों की रखवाली करने वाले चरवाहे के जैसा अपने लोगों की ख़बर लेनेवाला” या “चरवाहा जैसे अपनी भेड़ों की रहनुमाई करता है वैसे अपने लोगों की रहनुमाई करनेवाला” या “ख़ुदा की भेड़ों की ख़बर लेनेवाला”।
- इस बारे में “चरवाहे” का तर्जुमा “रहनुमा” या “रास्ता दिखने वाला” या “ख़बर लेनेवाला” हो सकता है।
- "चरवाहा" के रूहानी जुमले का तर्जुमा "देखभाल करने के लिए" या "रूहानी शक्ल से देखभाल करने" या "रास्ता दिखाने और सिखाने" या " रहनुमाई करने और देखभाल करने के लिए" (जैसे चरवाहा भेड़ों का ख़्याल रखता है) की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।
- ‘अलामती शक्ल में, इस लफ़्ज़ के तर्जुमे में "चरवाहा" के लिए लफ़्ज़ी जुमले का इस्ते'माल करना या इसमें शामिल करना सबसे अच्छा है।

(यह भी देखें: ईमान, कन'आन, ‘इबादतखाना, मूसा, रहनुमा, भेड़, रूह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 49:24
- लूक़ा 02:8-9
- मरकुश 06:33-34
- मरकुस 14:26-27
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 25:31-33
- मत्ती. 26:30-32

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:11**_ मूसा मिस्र से बहुत दूर जंगल में एक **चरवाहा** बन गया.
- **17:02** दाऊद बेतेलहम के शहर से एक चरवाहा था। अलग-अलग वक़्त में जब वह अपने बाप के **भेड़** देख रहा था, तब दाऊद ने शेर और एक भालू दोनों को मार दिया था जिसने **भेड़** पर हमला किया था।
- **23:06** उस रात, वहाँ कुछ _ चरवाहे _ पास के एक 'इलाक़े में उनके झुंड की हिफ़ाज़त करते थे।
- **23:08** चरवाहे __ जल्द ही उस जगह पर पहुंचे जहाँ 'ईसा था और उन्होंने उसे लेटे हुआ पाया, जैसा फ़रिश्ते ने उन्हें बताया था।
- **30:03** ‘ईसा के लिए, यह लोग किसी चरवाहे के बिना **भेड़** की तरह थे।

शब्दकोश:

- Strong's: H6629, H7462, H7469, H7473, G750, G4165, G4166

(**वापस जाओ:** 09:11; 17:02; 23:06; 23:08; 30:03; 38:08)

जलाल,जलाल से मा’मूर, ता’रीफ़, ता'रीफ़ करता है

ता’अर्रुफ़:

'आमतौर, “जलाल” का मतलब है, ‘इज़्ज़त, शान-ओ-शौकत और बहुत बड़ाई। जिसमें जलाल हो वह "जलाल से मा’मूर" कहलाता है।

- कभी-कभी "जलाल" का मतलब बहुत क़ीमती और ख़ास भी होता है। कई बयानों में इसका मतलब, शान-ओ-शौकत, रोशनी या फ़ैसला भी होता है।
- मिसाल के लिए, "चरवाहों की शान" का मतलब हरी चरागाहों को बताता है जहाँ उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होती है।
- ख़ास तौर से बड़ाई करके ख़ुदा का बयान करने में काम में ली जाती है क्यूँकि वह सारी दुनिया में सबसे ज़्यादा जलाल से मा'मूर है उसके जुमले में हर एक बात उसकी शान और उसकी शौकत को ज़ाहिर करती है।
- जुमले "बड़ाई करने के लिए" का मतलब है कि कुछ के बारे में ग़ुरूर करना या फ़ख्र करना

“बड़ाई करे” या'नी किसी चीज़ या आदमी की 'इज़्ज़त और उसकी बड़ाई को ज़ाहिर करना । इसका असल मतलब है, “ता'रीफ़ करना”।

- इन्सान ख़ुदा के अजीब कामों को बयान करके उसकी बड़ाई कर सकते हैं |
- वह ख़ुदा की बड़ाई भी कर सकते है इस तरीक़े से जीकर की उसे 'इज़्ज़त मिले और दिखाते हुए की वह कितना अज़ीम और शानदार है।
- कलाम में लिखा है कि ख़ुदा अपना जलाल ज़ाहिर करता है तो इसका मतलब है कि वह लोगों पर अपनी हैरत अँगेज़ काम ज़ाहिर करता है, जो हमेशा मो'जिज़ों के ज़रिए' होता है।
- बाप ख़ुदा, बेटा ख़ुदा के जलाल का बेटे का कमाल , उसकी शान और 'अज़मत को ज़ाहिर करता है।
- मसीह में ईमान करनेवाला हर एक शख़्स उसके साथ जलाल पाएगा। जब ज़िन्दगी के लिए उनका नया जन्म होगा तब वह उसके जलाल को ज़ाहिर करने के लिए तब्दील हो जाएंगे और तमाम तख्लीक़ पर उसका फ़ज़ल ज़ाहिर होगा।

तर्जुमा के लिए सलाह:

जुमलों के तौर पर "जलाल" का तर्जुमा कई तरीक़े से हो सकता है "अमन" या "रोशनी" या "’अज़मत" या"शानदार "’अज़ीमी" या इन्तिहाई क़द्र सामिल हो सकती है |

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “को जलाल देना” या “जलाल से भरा हुआ ” या “'अज़ीम दिखाई देने की वजह होना”।
- मज़मून "ख़ुदा को जलाल दें" का तर्जुमा "ख़ुदा की 'अज़मत का ‘एजाज़" या "उसकी बड़ाई की वजह से ख़ुदा की ता'रीफ़ " या "दूसरों को बताएं कि ख़ुदा कितना 'अज़ीम है" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।
- मज़मून "जलाल" का तर्जुमा "'इज़्ज़त" या "फ़ख्र में" या "ग़ुरूर" या "ख़ुशी लेने" की शक्ल में भी किया जा सकता ह

"जलाल" का तर्जुमा "जलाल देना" या "जलाल लाने" या "’अज़ीम दिखने की वजह " की शक्ल में भी किया जा सकता है।

- “ख़ुदा की बड़ाई करना” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा की बड़ाई करना” या “ख़ुदा की 'अज़मत का ज़िक्र करना” या “दिखाना कि ख़ुदा कैसा 'अज़ीम है”, या “ख़ुदा की (हुक्म की ‘इता’अतकरते हुए)एहतराम करना”।
- लफ़्ज़ "जलाल हो" का तर्जुमा भी किया जा सकता है, "बहुत बड़ा होना दिखाया जाए" या "ता'रीफ़ की जाए" या "बुलंद हो।"

(यह भी देखें: बड़ाई करना, महिमा, फ़रमाबरदारी , बड़ाई)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 24:16-18
- गिनती 14:9-10
- यसा'याह 35:1-2
- Luke 18:42-43
- लूक़ा 02:8-9
- यूहन्ना 12:27-29
- रसूलों के 'आमाल 03:13-14
- [रसूलों के 'आमा 07:1-3
- रोमियों 08:16-17
- 1 कुरन्थियों 06:19-20
- फ़िलिप्पियों 02: 14-16
- फ़िलिप्पियों 04:18-20

- कुलुस्सियों 03:1-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:5-6
- या'क़ूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- मुक़ाश्फ़ा15:3-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **23:07** तब अचानक फ़रिश्तों का झुण्ड ख़ुदा की ता'रीफ़ करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आसमान में ख़ुदा **बड़ाई** और ज़मीन पर उन लोगों में जिनसे वह ख़ुश है, अमन हो ।"
- **25:06** फिर शैतान ने 'ईसा को निया की सारी सल्तनतों और उसकी **शान-ओ-शौकत** दिखाकर उससे कहा, "अगर तू गिरकर मुझे सिज्दा करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।"
- **37:01** यह सुनकर 'ईसा ने कहा, "यह बीमारी मौत की नहीं; लेकिन ख़ुदा के **जलाल** के लिए है।"
- **37:08** 'ईसा ने जवाब दिया , "क्या मैंने तुझ से नहीं कहा था कि अगर तू मुझ पर यक़ीन करेगी, तो ख़ुदा के **जलाल** को देखेगी?"

शब्दकोश:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1922, H1925, H1926, H1935, H1984, H2892, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2620, G2744, G2745, G2746, G2755, G2811, G4888

(**वापस जाओ:** 23:07; 25:06; 37:01; 37:08)

जहन्नुम, आग की झील

ता'अर्रुफ़:

जहन्नुम बहुत दुखों और मुसीबतों का वह आख़िरी मक़ाम है जहां ख़ुदा उसके बाग़ियों को और 'ईसा की क़ुर्बानी के ज़रिए' उनकी नजात के मन्सूबे की मुख़ालिफ़त करनेवालों को सज़ा देगा। इसे "आग की झील" भी कहा गया है।

- जहन्नुम को आग और बहुत मुसीबत का मक़ाम कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की बदरूहें अबदी सज़ा के लिए जहन्नुम में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके गुनाहों के लिए 'ईसा के बलिदान में ईमान नहीं करते और नजात के लिए उसमें ईमान नहीं करते उन्हें भी हमेशा की सज़ा के लिए जहन्नुम में डाला जाएगा।

तर्जुमे की सलाह:

- इन अलफ़ाज़ का तर्जुमा अलग-अलग अलफ़ाज़ के जरिए' किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग मज़मूनों में आते हैं।
- कुछ ज़बानों में "आग की झील" का झील लफ़्ज़ काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस ज़बान में झील का मतलब पानी की झील है।
- "जहन्नुम" लफ़्ज़ का तर्जुमा "मुसीबत का मक़ाम" या "तारीकी और मुसीबत का आख़िरी मक़ाम" किया जा सकता है।
- "आग की झील" का तर्जुमा "आग का समन्दर" या "बहुत बड़ी आग" या "आग का इलाक़ा" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: जन्नत, मौत, आलम-ए-अर्वाह, अथाह गड्ढा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- या'क़ूब 03:5-6
- लूक़ा 12:4-5
- मरकुस 09:42-44
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 05:29-30
- मत्ती 10:28-31
- मत्ती 23:32-33
- मत्ती 25:41-43
- मुकाशिफ़ा 20:13-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **50:14** वह (ख़ुदा) उन्हें _ जहन्नुम _ में फेंक देगा, जहाँ वे परेशानी में हमेशा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को _ जहन्नुम _ में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने ख़ुदा का हुक्म मानने के बजाय उसकी बात मानने का फ़ैसला किया।

शब्दकोश:

- Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

(**वापस जाओ:** 50:14; 50:15)

जिब'ऊन

सच्चाई:

जिब'ऊन एक इस्राईली आदमी था, ख़ुदा ने उसे इस्राईल के दुश्मनों से बचाने के लिए खड़ा किया था।

- जिब'ऊन के वक़्त मिदयानी क़ौम के लोग इस्राईलियों पर हमला करके उनकी फसलों को बर्बाद कर देते थे।
- अगर्चे जिब'ऊन डर रहा था, ख़ुदा ने उसे मिदयानियों के ख़िलाफ़ जंग करने के लिए इस्राईलियों की रहनुमाई के काम में लिया था और यहाँ तक कि उन्हें हराया।
- जिब'ऊन ने ख़ुदा का हुक्म मानकर बा'ल मा'बूद असूरा की क़ुर्बानगाहें ख़त्म कर दी थीं।
- उसने दुश्मनों को हराने में ही इस्राईल की रहनुमाई नहीं की थी, उसने उन्हें सिर्फ़ एक सच्चे ख़ुदा यहोवा की 'इबादत करने के लिए भी इस्राईल की हौसला अफ़ज़ाई की थी ।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बा'ल, असूरा, छुड़ाएगा, दरमियान, यहोवा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 'इब्रानियों 11:32-34
- क़ुज़ात06:11-12
- क़ुज़ात 06:22-24
- क़ुज़ात 08:15-17

किताब-ए-मुक़द्दसकी कहानियों से मिसालें:

- **16:05** यहोवा का फ़रिश्ता **जिब'ऊन** के पास आया और कहा, “ख़ुदा तेरे साथ है, ताक़तवर जंगबाज़ । इस्राईलियों को मिदयानियों के हाथ से छुड़ा।”
- **16:06 जिब'ऊन** के बाप के पास बुत के लिए वक़्फ़ एक क़ुर्बानगाह थी। ख़ुदा ने **जिब'ऊन** से उस क़ुर्बानगाह को नीचे गिराने के लिए कहा।
- **16:08** वहाँ पर वह(मिद्यानी) बहुत थे, उन्हें गिना नहीं जा सकता था। **जिब'ऊन** ने उन सब इस्राईलियों को जमा' किया उनसे लड़ने के लिए।
- **16:08 जिब'ऊन** ने उन सब इस्राईलियों को जमा' किया उनसे लड़ने के लिए। ख़ुदा इस्राईलियों को बचाने के लिए **जिब'ऊन** का इस्ते'माल करना चाहता है, इसके लिए उसने ख़ुदा से दो निशान पूछे।
- **16:10** 32,000 इस्राईली **जिब'ऊन** के पास आए, लेकिन ख़ुदा ने कहा कि यह बहुत ज़्यादा है।
- **16:12** और **जिब'ऊन** ने इस्राईलियों की छावनी में लौटकर एक एक आदमी के हाथ में एक नरसिंगा और खाली घड़ा दिया, और घड़ो के भीतर एक मशाल थी।
- **16:15** तब इस्राईल के मर्दों ने जिब'ऊन से कहा कि तू हम पर ख़ुदाई कर
- **16:16** तब **जिब'ऊन** ने उस सोने से एक ख़ास लिबास बनवा लिए जो मिदयानियों के बादशाह पहनते थे। लेकिन लोगों ने उसकी 'इबादत करना शुरू' कर दिया, जैसे कि वह कोई बुत है।

शब्दकोश:

- Strong's: H1439, H1441

(**वापस जाओ:** 16:05; 16:06; 16:07; 16:08; 16:09; 16:10; 16:11; 16:12; 16:13; 16:15; 16:16)

जिब’ऊन , जिब’ऊनी , जिब’ऊनियों

सच्चाई:

जिब’ऊन एक शहर था जो यरूशलीम के उत्तर-पश्चिम में 13 किलोमीटर दूर था। जिब’ऊन के रहनेवाले जिब’ऊनी कहलाते थे।

- जिब’ऊनियों ने सुना कि इस्राईलियों ने यरीहू और अ'ई शहर को तबाह कर दिया है तो वह डर गए थे।
- लिहाज़ा वह जिब’ऊनियों में इस्राईलियों के रहनुमाओं के पास आए और कहा कि वह दूर मुल्क के हैं।
- इस्राईल के रहनुमाओं ने धोखा खाकर उनके साथ समझौता कर लिया था कि वह उनकी हिफ़ाज़त करेंगे और उन्हें हलाक नहीं करेंगे।

(यह भी देखें: गिलगाल, यरीहू, यरूशलीम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 08:29-31
- 1 सलातीन 03:4-5
- 2 शमूएल 02:12-13
- यसू'अ 09:3-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:06** लेकिन कन'आन के रहनेवालों का एक गिरोह, जो कि _जिब’ऊनियों _ कहलाता है, उन्होंने यसू'अ के साथ धोका किया और कहा, हम दूर मुल्क से आए है।
- **15:07** कुछ वक़्त बा'द, कन'आन में एक दूसरे गिरोह के बादशाह, अमूरियों ने जब यह सुना कि _ जिब’ऊन के रहनेवालों _ ने इस्राईलियों से मेल किया और उनके बीच रहने लगे है, तब अमूरी के बादशाहों ने अपनी अपनी फ़ौज जमा' करके चढ़ाई कर दी, और **जिब’ऊन** के सामने डेरे डालकर उस से जंग शुरू'कर दी ।
- **15:08** तब यसू'अ सारे जंगबाज़ों को साथ लेकर रातोंरात _जिब’ऊनियों _ तक पहुँचने के लिए चल पड़े।

शब्दकोश:

- Strong's: H1391, H1393

(**वापस जाओ:** 15:06; 15:07; 15:08)

जी उठना

ता'अर्रुफ़:

"जी उठने" का मतलब है मरने के बा'द दुबारा ज़िन्दा हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना या'नी उसे मरने के बा'द दुबारा ज़िन्दा करना। सिर्फ़ ख़ुदा के पास ऐसी क़ुव्वत है।
- लफ़्ज़ "जी उठने" अक्सर 'ईसा के मरने के बा'द दुबारा ज़िन्दा के बारे में बताता है।
- 'ईसा ने कहा, "क़यामत और ज़िन्दगी मैं हूं", तो उसके कहने का मतलब था कि वह क़यामत का ज़रिया' है और वह इन्सान को दुबारा ज़िन्दा करता है।

तर्जुमे की सलाह:

- "जी उठने" लफ़्ज़ का तर्जुमा, "फिर ज़िन्दा होना" या "मरने के बा'द फिर ज़िन्दा हो जाना" हो सकता है।
- इस लफ़्ज़ का सही मतलब "ऊँचा उठना" या "उठाए जाना" (मौत से) है। इस लफ़्ज़ के मुमकिन तर्जुमा, "अंदरूनी इख़लाक़ी राह दिखाना" या "इख़लाक़ी ख़याल" हो सकते हैं

(यह भी देखें: ज़िन्दगी, मौत, खड़ा करना

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- युहन्ना 05:28-29
- लूक़ा 20:27-28
- लूक़ा 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फ़िलिप्पियों 03:8-11

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:14** मसीह की मौत और उसके जी उठने के ज़रिए' से, ख़ुदा अपना मनसूबा साबित करेगा और गुनाहगारों को बचाने के लिए नए 'अहद की शुरू'आत करेंगे |
- **37:05** 'ईसा ने जवाब दिया, "मैं क़यामत और ज़िन्दगी हूँ।" जो कोई मुझ पर ईमान करता है वह अगर मर भी जाये, तौभी ज़िन्दा रहेगा"

शब्दकोश:

- Strong's: G386, G1454, G1815

(**वापस जाओ:** 21:14; 37:05)

जुर्म , मुजरिम

ता’अर्रुफ़:

“जुर्म” का मतलब है गुनाह करने और जुर्म करने की हक़ीक़त ।

- “ मुजरिम होना” या'नी मुजरिम साबित करने का इख़लाक़ी तरीक़ा ग़लत है जैसे ख़ुदा के हुक्म की ना फ़रमानी करना।
- “मुजरिम” का उल्टा लफ़्ज़ है “बेक़ुसूर ”

तर्जुमा की सलाह:

- कुछ ज़बानों में “इल्ज़ाम” का तर्जुमा “गुनाह का बोझ” या “गुनाह का शुमार” किया गया है।
- “ मुजरिम होने” की तर्जुमें की शक्ल हो सकती हैं, “मुजरिम होना” या “इख़लाक़ी तौर पर ग़लत काम करना” या “गुनाह करना”

(यह भी देखें:बेक़ुसूर, नारास्ती के काम, सज़ा देना, गुनाह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 28:36-38
- यसा'याह 06:6-7
- या'क़ूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **39:02** वह कई झूठे गवाह लाए जो 'ईसा के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिए यहूदी रहनुमा 'ईसा को **मुजरिम** साबित नहीं कर सके।
- **39:11** ‘ईसा से बात करने के बा'द पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस आदमी में कोई **जुर्म** नहीं पाता।” लेकिन यहूदी रहनुमाओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे सलीब पर चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई **जुर्म** नहीं पाता।” वह और ज़ोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई **जुर्म** नहीं पाता।”
- **40:04** ‘ईसा को दो डाकुओ के बीच सलीब पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब 'ईसा का मज़ाक़ उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू ख़ुदा से नहीं डरता? हम **मुजरिम**हैं लेकिन ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही गुनाहों की वजह से , तुम **मुजरिम** हो और मौत के लायक़ हो।

शब्दकोश:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

(**वापस जाओ:** 19:16; 39:02; 39:11; 40:04; 49:10)

तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा

ता'अर्रुफ़:

"तौबा करके" और "तौबा" का हवाला गुनाह से फिरकर ख़ुदा के पास आने से है।

- "तौबा करके" का लफ़्ज़ी मतलब है, "मन को बदलना"
- किताब-ए-मुक़द्दस में "तौबा" का मतलब है इन्सानी सोचने और काम करने के गुनाहगार ज़हन से मुड़ कर ख़ुदा के सोचने और काम करने की तरीक़ा अपनाना।
- जब इन्सान सच में गुनाहों से तौबा करते हैं, तब ख़ुदा उन्हें मु'आफ़ कर देता है और उसके हुक्म के 'अमल में उनकी मदद करता है।

तर्जुमे की सलाह:

- "तौबा करना" का तर्जुमा ऐसे एक लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए' किया जाए जिसका मतलब हो, "पीछे मुड़ना(ख़ुदा को)" या "गुनाह से हटे और ख़ुदा की ओर मुड़ें" या "ख़ुदा की ओर मुड़ें, गुनाह से दूर।"।
- अक्सर लफ़्ज़ "तौबा" फ़े'अल का इस्ते'माल करके तर्जुमा "तौबा करके"किया जा सकता है। मिसाल के लिए, "ख़ुदा ने इस्राईल को मन फिराव दिया" का तर्जुमा किया जा सकता है "ख़ुदा ने तौबा करने के क़ाबिल किया है।"
- तौबा का तर्जुमा करने के और तरीकों में "गुनाह से दूर होना" या "ख़ुदा की ओर मुड़कर गुनाह से दूर" हो सकता है।

(यह भी देखें: मु'आफ़, गुनाह, बदलना)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 03:19-20
- लूक़ा 03:3
- लूक़ा 03:8
- लूक़ा 05:29-32
- लूक़ा 24:45-47
- मरकुस 01:14-15
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 04:17
- रोमियो 02:3-4

किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों के मिसालें:

- **16:02** कई सालों बाद, इस्राईलियों ने **तौबा किया** और ख़ुदा से कहा कि वह उन्हें बचाए |
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए गुनाहों पर **पछतावा** हुआ और ख़ुदा ने उसे मु'आफ़ किया।
- **19:18**वे(नबियों ने) लोगों को ख़बरदार किया कि अगर वह **तौबा** नैन करेंगे तो ख़ुदा उन्हें तबाह कर देगा|
- **24:02** बहुत से आस पास के लोग युहन्ना को सुनने के लिए बाहर निकल आए | "पाक कलाम में यह भी लिखा था कि मेरे शागिर्द 'ऐलान करेंगे कि हर एक को गुनाहों की **मु'आफ़ी हासिल करने** के लिये तौबा करना चाहिए।"
- **42:08**युहन्ना ने उनसे कहा, "**तौबा करो** क्योंकि आसमान का बादशाही क़रीब आ गई है !"
- **44:05** "तो अब इसलिये तौबा करो और ख़ुदा की ओर लौट आओ कि तुम्हारे गुनाह मिटाए जाएँ |"

शब्दकोश:

- Strong's: H5150, H5162, H5164, G278, G3338, G3340, G3341

(**वापस जाओ:** 16:02; 16:17; 17:13; 19:18; 20:01; 24:02; 24:03; 24:04; 42:08; 43:11; 44:05)

दस हुक्म

सच्चाई:

"दस हुक्म " हुक्म थे कि ख़ुदा ने मूसा को सीनै पहाड़ पर दिया था, जब इस्राईलियों ने कना'न मुल्क के रास्ते में वीराने में रह रहे थे। ख़ुदा ने दस हुक्म पत्थरों की दो तख़्तियों पर लिखी थी।

- ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म मानने के लिए बहुत से हुक्म दिए थे,पर दस हुक्म ख़ास थे कि इस्राईली ख़ुदा से मुहब्बत करना और उसकी इबादत करना और आपस में मुहब्बत रखें।
- ये हुक्म उनके साथ ख़ुदा के 'अहद का एक हिस्सा भी था ख़ुदा के हुक्म को मानना इस्राईली यह साबित करते थे कि वे ख़ुदा से मुहब्बत करते थे और उसके लोग हैं।
- उन पत्थरों पर लिखी गए हुक्मो के साथ पत्थर की तख़्तियों को 'अहद का सन्दूक़ में रखा गया था, जो कि ख़ेमे के सबसे पाक जगह और बा'द में हैकल में मौजूद था।

(यह भी देखें: 'अहद का सन्दूक़, हुक्म , 'अहद , रेगिस्तान, शरी'अत , मानना , सीनै, इबादत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसिना 04:13-14
- इस्तिसिना 10:3-4
- ख़ुरूज 34:27-28
- लूका 18:18-21

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **13:07** ख़ुदा ने यह _दस हुक्म _ मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |
- **13:13** जब मूसा पहाड़ से नीचे उतर आया, और उसने उस मा'बूद को देखा, तो उसका ग़ज़ब भड़क उठा, और उसने तख्तियों को अपने हाथों से पहाड़ के नीचे पटककर तोड़ डाला, क्योंकि वह ख़ुदा के _दस हुक्मों _ के ख़िलाफ़ था |
- **13:15** तब मूसा ने पहली तख्तियों की तरह दो और तख्तियाँ गढ़ी; क्योंकि पहली उसने तोड़ डाली थी |

शब्दकोश:

- Strong's: H1697, H6235

(**वापस जाओ:** 13:07; 13:13; 13:15)

दाऊद

सच्चाई:

दाऊद इस्राईल का दूसरा बादशाह था, वह ख़ुदा से मुहब्बत रखता था और उसकी ख़िदमत करता था| वह ज़ुबूर का ख़ास मुसन्निफ़ था

- दाऊद अपने ख़ानदान की भेड़ें चराते वक़्त जवान ही था की ख़ुदा ने उसे इस्राईल का दूसरा बादशाह होने के लिए मुन्तख़ब कर लिया था|
- दाऊद एक बड़ा ताक़तवर था और उसने दुश्मनों के मुख़ालिफ़ कई जंगो में इस्राईल की रहनुमाई की| फ़लिश्ती गोलियत को हराने के लिए वह मशहूर है|
- बादशाह शाऊल ने दाऊद को क़त्ल करने की कोशिश की, लेकिन ख़ुदा ने उसकी हिफ़ाज़त की, और शाऊल की मौत के बा'द उसे बादशाह बनाया|
- दाऊद ने ख़ौफ़नाक गुनाह अंजाम दिया, लेकिन उसने तौबा की और ख़ुदा ने उसे मु'आफ़ कर दिया|
- 'ईसा, मसीह, को "दाऊद की औलाद" कहा जाता है क्यूँकि वह दाऊद की नसल से था|

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: गोलियत, फ़िलिस्तीनी, शाऊल)

किताब-ए मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तिमुथियुस 02:8-10
- रसूलों के 'आमाल 02:25-26
- रसूलों के 'आमाल 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें

- **17:02** ख़ुदा ने शाऊल की मौत के बा'द बादशाह के लिए एक जवान इस्राईली का नाम मुन्तख़ब किया जिसका नाम. ... दाऊद था| दाऊद एक बैतलहम शहर का चरवाहा था| दाऊद एक बहुत ही हलीम और रास्तबाज़ शख़्स था, जो ख़ुदा पर ईमान रखता और उसके हुक्मों को मानता था|
- **17:03 दाऊद** एक बड़ा फ़ौजी और रहनुमा था | जब **दाऊद**एक जवान आदमी था, वह गोलियत के ख़िलाफ़ भी लड़ा|
- **17:04** लोगों की _**दाऊद** से मुहब्बत से **शाऊल** जलन रखता था| शाऊल ने उसे क़त्ल करने की कई बार कोशिश की, इस वजह से **दाऊद**शाऊल से छिप कर रहा|
- **17:05** ख़ुदा ने **दाऊद** को बरकत दी और उसे कामयाब बनाया **दाऊद** ने बहुत सी जंगे लड़ीं और ख़ुदा ने इस्राईल के दुश्मनों को हराने के लिए उसकी मदद की|
- **17:06 दाऊद** चाहता था कि वह एक हैकल ता'मीर करे जहाँ सब इस्राईली ख़ुदा की 'इबादत करें और उसे क़ुर्बानी पेश करें|
- **17:09 दाऊद** ने बहुत सालों तक इन्साफ़ और वफ़ादारी से हुकूमत की, और ख़ुदा ने उसे बरकत दी| हालाँकि, अपनी ज़िन्दगी के आख़िर में उसने ख़ुदा के ख़िलाफ़ बहुत ख़ौफ़नाक गुनाह किया|
- **17:13**दाऊद ने जो कुछ भी किया उससे ख़ुदा का ग़ज़ब उस पर भड़का, ख़ुदा ने नातन नबी के ज़रिए'**दाऊद**को कहला भेजा कि उसके गुनाह कितने बुरे हैं| **दाऊद**ने अपने गुनाहों से तौबा की और ख़ुदा ने उसे मु'आफ़ कर दिया| अपनी बाक़ी बची हुई ज़िन्दगी में,**दाऊद**ख़ुदा के हुक्मों की फरमाबरदारी की, यहाँ तक कि मुश्किल हालात में भी|

शब्दकोश:

- Strong's: H1732, G1138

(**वापस जाओ:** 17:02; 17:03; 17:04; 17:05; 17:06; 17:07; 17:08; 17:09; 17:10; 17:11; 17:12; 17:13; 17:14; 18:01; 18:02; 18:13; 21:04; 21:08; 23:04; 48:13; 48:14)

दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता

ता'अर्रुफ़:

“दुःख उठाए” और “ मुसीबत उठाना” का मतलब है दुःख का तजुर्बा जैसे बीमारी, मुसीबत जदह या दूसरी परेशानियाँ ।

- जब लोगों को परेशान किया जाता है या जब वह बीमार होते हैं तब उन्हें तकलीफ़ होती है।
- कभी-कभी लोग ग़लत कामों की वजह से भी तकलीफ़ उठाते हैं, कभी-कभी दुनिया में गुनाह और मर्ज़ की वजह से इन्सान तकलीफ़ उठाता है।
- तकलीफ़ जिस्मानी भी होती है जैसे दर्द और मर्ज़ । जज़्बाती तकलीफ़ भी होती है जैसे डर, उदासी या अकेलापन।
- “मुझे बर्दाश्त करो ” या'नी “मेरे साथ सब्र दार रहो” या “मेरी बात सुनो” या “सब्र के साथ सुनो”।

(तर्जुमा की सलाह:

- “ तकलीफ़ उठाना” का तर्जुमा “दर्द का तजुर्बा करना” या “मुश्किल और तकलीफ़ का तजुर्बा करना” या "मुश्किल और दर्दनाक तजुर्बों के ज़रिए' जाना"।
- बयान के तौर पर, "दर्द" का तर्जुमा "इन्तिहाई मुश्किल हालात " या "बहुत बड़ी मुश्किलों " या "मुश्किलात का तजुर्बा " या "दर्दनाक तजुर्बों का वक़्त" के तौर में किया जा सकता है।
- “प्यास लगना” का तर्जुमा “प्यासा होना” या “प्यास की वजह परेशान होना” हो सकता है”।
- “दुःख बर्दाश्त ” का तर्जुमा “दुःख का शिकार होना” या “दुःख कामों से नुक़सान उठाना”

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- रसूलों के 'आमाल 07:11-13
- यसा'याह 53:10-11
- यरमियाह 06:6-8
- मत्ती. 16:21-23
- ज़बूर 022:24-25
- मुक़ाश्फ़ा 01:9-11
- रोमियो 05:3-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:13** ख़ुदावन्द ने कहा, “मैं ने अपनी रि'आया के लोग जो मिस्र में है उनके **तकलीफ़** को मैंने देखा है |”
- **38:12** ‘ईसा ने तीन बार दु'आ की कहा, “ऐ मेरे बाप, अगर हो सके तो इस **दुःख** के कटोरे में से मुझे पीने मत देना |
- **42:03** उसने(ईसा) उन्हें नबियों ने जो कहा था याद दिलाया कि मसीह **दुःख उठाएगा** और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा |
- **42:07** उसने(‘ईसा) कहा कि, “लिखा है कि मसीह **दुःख** उठाएग, मारा जायेगा और तीसरे दिन मरे हुओ में से जी उठेगा |”
- **44:05** अगर्चे तुम्हे नहीं मा'लूम था कि क्या करते हो, लेकिन ख़ुदावन्द ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया नबियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह **दुःख उठाएगा**, और मारा जाएँगा |
- **46:04** ख़ुदा ने कहा, "तू चला जा क्यूँकि वह तो ग़ैर क़ौमों और बादशाहों के सामने मेरा नाम ज़ाहिर करने के लिये मेरा चुना हुआ वसीला है | और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा **दुःख उठाना** पड़ेगा |”
- **50:17** वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई **दुःख**, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मौत नहीं होगी |

शब्दकोश:

- Strong's: H943, H1741, H1934, H4342, H4531, H4912, H5142, H5254, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G3804, G3958, G4310, G4778, G4841, G5004, G5723

(**वापस जाओ:** 09:13; 38:12; 42:03; 42:07; 44:05; 46:04; 50:04; 50:10; 50:17)

दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

ता’अर्रुफ़

“दुआ’ कर” और “दुआ’” का मतलब है ख़ुदा से बातें करना। यह लफ़्ज़ आदमियों के ज़रिये’ किसी झूठे मा’बूद से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

इन्सान चुप रहकर ख़्यालों में भी ख़ुदा से दुआ’करता है या रोज़ के कलामों के ज़रिये’ भी दुआ’करता है, ख़ुदा से अपनी ज़बान में बात करता है। कभी-कभी दुआ’लिखी हुई होती है जैसे दाऊद के गीतों में उसकी दुआ’एं लिखी हैं।

- दुआ’में ख़ुदा से रहम , तकलीफों में मदद , या फ़ैसला लेने में अक़्ल का गुज़ारिश भी होती है।
- इन्सान ज़्यादातर बीमारियों की चंगाई या और शक्लों में ख़ुदा की मदद के लिए दुआ’ करते हैं।
- इन्सान दुआ’ में ख़ुदा को शुक्र गुज़ारी देता है उसका सिताइश करता है।
- दुआ’ में ख़ुदा के सामने अपने गुनाहों को मान लेना और मु’आफ़ी मांगना होता है।
- ख़ुदा से बातें करने को उसके साथ रिश्ता बनाना भी कहते हैं। जब हमारी रूह उसकी रूह से राबता करती है, हमारे एहसासों को ज़ाहिर करना और उसकी मौजूदगी का सुख लेना।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “ख़ुदा से बात करना” या “ख़ुदा से रिश्ता बनाना ” हो सकता है। इस लफ़्ज़ का तर्जुमा बोले जाने वाले दुआ के लफ़्ज़ होना है।

(यह भी देखें: झूठे मा’बूद , छोड़ देनाता’रीफ़]][[rc://ur-deva/tw/dict/bible/other/praise]]

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- रसूलों के आमाल 08:24
- रसूलों के आमाल 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **06:05** इसहाक़ ने ख़ुदा से _ दुआ’ की_, और ख़ुदा ने उसकी मिन्नत सुनी इस तरह रिबका जुड़वाँ बेटों के साथ हामला हुई |
- **13:12** मूसा ने ख़ुदा से _ दुआ’ की_ और ख़ुदा ने उसकी _ दुआ’ _ को क़ुबूल किया, और उन्हें हलाक नहीं किया |
- **19:08** तब बा’ल के नबी यह कहकर बा’ल से _ दुआ’ करते_ रहे, “हे बा’ल हमारी सुन, हे बा’ल हमारी सुन |”
- **21:07** आलिम ख़ुदा से लोगों के लिए _दुआ’ _ भी करते थे |
- **38:11** ‘ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि _दुआ’ _ करते रहो कि आज़माइश में न पड़ो |
- **43:13** शागिर्द लगातार रसूलों से ता’लीम पाने, और शराक़त रखने, और रोटी तोड़ने, और _ दुआ’ करने_ में मशगूल रहे |
- **49:18** ख़ुदा कहता है कि हम _ दुआ’ करें_, उसका कलाम पढ़ें,

शब्दकोश:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H6293, H6419, H6739, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

(**वापस जाओ:** 10:08; 13:12; 13:15; 19:08; 19:10; 21:07; 31:01; 31:02; 31:03; 34:06; 34:09; 34:10; 36:02; 38:09; 38:11; 38:12; 38:13; 43:01; 43:13; 46:10; 47:03; 49:18)

धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले

ता'अर्रुफ़:

“धोखा” का मतलब है किसी को धोखा देना या नुक्सान पहुंचाना है। * “धोखा वाने वाला” वह शख़्स होता है जो यक़ीन करने वाले को धोखा दे।

- यहूदाह “धोखा देने वाला” था क्योंकि उसने यहूदी रहनुमाओं को तरीक़ा बताया था कि 'ईसा को कैसे पकड़ें।
- यहूदाह के ज़रिए' धोखा गुनाह था, क्योंकि वह 'ईसा का रसूल था और उसने पैसों के बदले में यहूदी रहनुमाओं को जानकारी दी थी जिसका अन्जाम से 'ईसा की बेइंसाफ़ की मौत हुई।

तर्जुमें की सलाह:

जुमले के मुताबिक़“पकड़वाने” का तर्जुमा “धोखा देना और नुक्सान पहुंचाना” या “दुशमनों के हाथों में कर देना” या “बे रहमी का सलुक़ करना” हो सकता है।

- “पकड़वानेवाला” लफ्ज़ का तर्जुमा “धोखा देने वाला शख्स” या “बुरा सलूक ” या “बाग़ी” हो सकता है।

(यह भी देखें यहूदाह इस्करियोती, यहूदी रहनुमा, रसूल)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:51-53
- युहन्ना 06:64-65
- युहन्ना 13:21-22
- मत्ती 10:2-4
- मत्ती 26:20-22

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **21:11** नबियों ने पहले से नबूव्वत की थी, कि जो लोग मसीह को मारने वाले होंगे वह उसके कपड़ों के लिए जुआ खेलेंगे और उसका उल्टा दोस्त उसे **धोखा देगा**। ज़करियाह नबी ने पहले से ही नबूव्वत की थी, कि मसीह का ही एक शागिर्द उसे तीस चाँदी के सिक्कों के लिए **धोखा देगा**।
- **38:02** 'ईसा और शागिर्दों के यरूशलीम में पहुँचने के बा'द यहूदाह यहूदी सरदार के पास गया और पैसों के बदले 'ईसा के साथ _धोखा _ देने की तजवीज़ रख्खी |
- **38:03**यहूदी सरदारों ने 'आला सरदार काहिन के मौजूदगी में 'ईसा को **धोखा देने** के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:06** फिर 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा, “तुम में से एक मुझे पकड़वाएगा।” 'ईसा ने कहा कि, “जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा दूँगा वही मेरा **पकड़वाने वाला** होगा।”
- **38:13** जब 'ईसा तीसरी बार दू'आ करके आया तो उसने अपने शागिर्दों से कहा कि, “उठो, मेरे पकड़ने वाले आ गए है।”
- **38:14** 'ईसा ने यहूदाह से कहा कि, “ तूने मुझे **पकड़वाने** के लिए चूमा है।”
- **39:08** इसी दौरान जब यहूदाह, **धोखेबाज़**, ने देखा कि यहूदी काहिन 'ईसा को मुजरिम ठहरा कर उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदाह ग़मगईं हुआ और खुद को मार डाला।

शब्दकोश:

- Strong's: H7411, G3860, G4273

(**वापस जाओ:** 21:11; 38:02; 38:03; 38:06; 38:13; 38:14; 39:08)

नजात, नजात देता है, नजात दिलाई , नजात दिलाना, नजात दिलाने वाला , छुटकारा

ता'अर्रुफ़

"छुड़ाना" मतलब है किसी शख़्स को बचाना। लफ़्ज़ "नजात दिलाने वाला" उसके बारे में बताता है, जो इन्सानों को ग़ुलामी, ज़ुल्म, या और तरह के ख़तरों से बचानेवाला है। "नजात" लफ़्ज़ उसका हवाला देता है जो या इंसानों का ग़ुलामी, ज़ुल्म या और तरह के ख़तरों से निकाल लेने के बा'द की हालत होती है।

- पुराने 'अहदनामे में ख़ुदा ने इस्राईल के लिए नजात दिलाने वाले मुक़र्रर किए थे कि और लोग जब उन पर हमला करें तो उनके ख़िलाफ़ जंग में उनकी रहनुमाई करें।
- इन नजात दिलाने वालो को "मुन्सिफ़" कहा जाता था और पुराने 'अहदनामे में क़ुज़ात में इस्राईल पर इन मुंसिफ़ों की तवारीख़ में दर्ज है जब यह मुंसिफ़ इस्राईल पर हुकूमत करते थे।
- ख़ुदा को भी "नजात दिलाने वाला" कहा गया है। इस्राईल के पूरी तवारीख़ में, उसने अपनी क़ौम को उनके दुश्मनों से छुड़ाया था।
- लफ़्ज़ "पकड़वाना" या "सौंपा जाना" का मतलब हमेशा अलग है, या'नी किसी को दुश्मन के हाथों में दे देना, जैसे यहूदा ने 'ईसा को यहूदी रहनुमाओं के हाथों में पकड़वा दिया था।

तर्जुमे की सलाह:

- लोगों को उनके दुश्मनों से बचने में मदद के बारे में "छुटकारा" का तर्जुमा हो सकता है, "बचाना" या "आजादी दिलाना" या "बचाना"।
- जब मतलब दुश्मनों के हाथों पकड़वाना हो तो इसका तर्जुमा होगा "फ़रेब करके" या "पकड़वाना" या "सौंप देना"।
- "छुटकारा दिलाने वाला का तर्जुमा हो सकता है, "बचानेवाला" या "मुन्जी"।
- जब "छुटकारा दिलाने वाला" लफ़्ज़ इस्राईल के मुंसिफ़ों कें बारे में हो तो उसका तर्जुमा हो सकता है, "हाकिम", या "मुन्सिफ़" या "रहनुमा"।

(यह भी देखें: मुंसिफ़,बचाना)

किताब-ए मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 01:8-10
- रसूलों के 'आमाल 07:35-37
- गलतियों 01: 3-5
- क़ुज़ात 10:10-12

किताब-ए मुक़द्दस की कहानियों से मिसाले:)

- **16:03**तब ख़ुदा ने एक_ नजात दिलाने वाला_ 'अता किया, जो उन्हें अपने दुश्मनों से बचाया और मुल्क में अमन लाया।
- **16:16** उन्होंने(इस्राईल) ख़ुदा से एक बार फिर मदद माँगी और ख़ुदा ने एक और **मुन्जी** को उनके लिए भेजा।
- **16:17** कई सालों में ख़ुदा ने बहुत से **नजात दिलाने वालों** को भेजा जिन्होंने इस्राईलियों को दुश्मनों से बचाया।

शब्दकोश:

- Strong's: H579, H1350, H2020, H2502, H3052, H3205, H3444, H3467, H4042, H4422, H4560, H4672, H5337, H5338, H5414, H5462, H6299, H6308, H6403, H6405, H6413, H6475, H6487, H6561, H7725, H7804, H8000, H8199, H8668, G325, G525, G629, G859, G1080, G1325, G1560, G1659, G1807, G1929, G2673, G3086, G3860, G4506, G4991, G5088, G5483

(**वापस जाओ:** 16:03; 16:16; 16:17)

नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

ता'अर्रुफ़:

नबी ख़ुदा का पैग़ाम इन्सानों तक पहुंचाता है। नबूव्वत करनेवाली 'औरत को नबीया कहते हैं।

- नबी इन्सानों को गुनाहों से दूर होने और ख़ुदा का हुक्म मानने के लिए याद दिलाते थे।
- नबूव्वत नबी का पैग़ाम था। नबूव्वत करना या'नी ख़ुदा का पैग़ाम सुनाना।
- नबूव्वत हमेशा होने वाले हादसों का बयान था।
- पुराने 'अहद नामे की बहुत से नबूव्वतें पूरी हो चुकी हैं।
- किताब-ए-मुक़द्दस में नबियों के ज़रिये' लिखी गई किताबों को पेशेनगोई कहा गया है।
- मसलन , "शरी'अत और नबूव्वत" इब्रानी पाक कलाम के बारे में कहा जाता था जिसे पुराना 'अहद नामा कहा जाता था।
- नबी के लिए इस्तेमाल पुराना लफ़्ज़ है, "पैग़म्बर "।
- कभी-कभी यह झाड़ फूंक करनेवालों या झूठे नबियों के लिए भी काम में लिया जाता था।

तर्जुमे की सलाह:

- "नबी" का तर्जुमा किया जा सकता है, "ख़ुदा का बोलने वाला " "ख़ुदा की तरफ़ से कहने वाला आदमी " या "ख़ुदा का पैग़ाम सुनाने वाला आदमी "।
- एक " नबी " का तर्जुमा "वह इन्सान जो रोया देखता है" या "वह इन्सान जो ख़ुदा से मुस्तक़बिल देखता है।"
- "नबीया " लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता हैं, "ख़ुदा की बोलने वाली " या "ख़ुदा की ओर से कहनेवाली 'औरत " या "ख़ुदा का पैग़ाम सुनाने वाली 'औरत "।
- "नबूव्वतें " के लिए तर्जुमे हो सकते हैं, "ख़ुदा का पैग़ाम" या "नबूव्वतें का ख़बर"
- मज़मून पर मुनहसिर "नबूव्वतें " लफ़्ज़ का तर्जुमा होगा, "ख़ुदा का कलाम सुनाना" या "आने वाले वाक़ेयात के बारे में ख़ुदा का पैग़ाम पहुंचाना"।
- इस तमसीली कलाम "शरी'अत और नबी" का तर्जुमा हो सकता है "शरी'अत और नबियों की किताबें " या "ख़ुदा के बने क़ानून और उसके नबियों के पैगामों के बारे में सब लिखी बातें"
- जब एक झूठे मा'बूदों के नबी (या दूर अंदेश) का जिक्र करते हैं, तो इसका मतलब "झूठे नबी (दूर अंदेश)" या "झूठे मा'बूदों के नबी (दूरअंदेश)" या "बा'ल के नबी" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है, मिसाल के लिए ।

(यह भी देखें: बा'ल, नबूव्वत, झूठे मा'बूद, झूठे नबी, पूरा करना, क़ानून, रोया)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- रसूलों के आमाल . 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- ज़ुबूर 051:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसालें:

- **12:12** जब इस्राईलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने ख़ुदा पर भरोसा किया और यक़ीन करने लगे कि मूसा ख़ुदा का एक **नबी** है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर ख़ुदा का ग़ज़ब उस पर भड़का, ख़ुदा ने नातान **नबी** ज़रिए' दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके गुनाह कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राईलियों के तारीख़ भर में, ख़ुदा ने बहुत से **नबी** भेजे | **नबी** ने ख़ुदा के पैग़ाम को सुना और फिर लोगों को ख़ुदा का पैग़ाम बताया |
- **19:06** इस्राईली बादशाहत के सभी लोगों समेत और बा'ल के साढ़े चार सौ 450 **नबी** कर्मेल पहाड़ पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** ज़्यादातर वक़्त , लोगों ने ख़ुदा के क़ानूनों का माना नही. वे अक्सर **नबी** के साथ बुरा सुलूक करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09 नबी** यशायाह ने नबूव्वत की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।

- **43:05** "यह वह बात है जो योएल **नबी** के ज़रिए'कही गई थी जिसमे ख़ुदा कहता है कि, "आखीर के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना रूह सब इन्सानों पर उँडेलूँगा |"
- **43:07** "लेकिन यह उस **नबूव्वतों** को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पाक लोगों को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा **नबी** था जिसने ख़ुदा के कलाम की मुनादी की थी | लेकिन 'ईसा सबसे अज़ीम **नबी** है। वही ख़ुदा का कलाम है।

शब्दकोश:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

(**वापस जाओ:** 12:12; 14:14; 17:07; 17:13; 19:01; 19:02; 19:06; 19:07; 19:08; 19:12; 19:14; 19:16; 19:17; 19:18; 20:01; 20:05; 20:10; 21:03; 21:05; 21:06; 21:09; 21:10; 21:11; 21:12; 21:13; 21:14; 21:15; 22:01; 22:07; 24:01; 24:04; 26:02; 26:05; 26:06; 36:03; 38:03; 40:03; 42:03; 43:05; 43:07; 44:05; 45:03; 48:12)

नबूकदनज़र

सच्चाई:

नबूकदनज़र बाबुल की हुकूमत का बादशाह था जिसकी ताक़तवर फ़ौज ने बहुत सी क़ौमों और मुल्कों को जीता था।

- नबूकदनज़र की रहनुमाई में बाबुल की फ़ौज ने यहूदाह की बादशाही को जीत कर बहुत से यहूदियों को क़ैदी बनाया और बाबुल ले गए। क़ैदियों को 70 साल के ‘अरसे के लिए वहां रहने के लिए मजबूर किया गया था जिसे "बाबुल जेलावतनी" कहा जाता था।

इन गुलामों में एक था दानिएल, जिसने नबूकदनज़र के ख़्वाब का मतलब बताया था।

- इस्राईली गुलामों में तीन आदमी और भी थे, हननियाह, मीशाएल और अज़रियाह, को नबूकदनज़र ने आग में डलवाया था क्योंकि वे उसके सोने के बड़े बुत के सामने सिज्दा नहीं करते थे।
- बादशाह नबूकदनज़र मग़रूर था और झूठे मा’बूदों की ‘इबादत करता था। यहूदाह को जीतने पर उसने यरूशलीम के हैकल में से सोने चांदी के बर्तन लूट लिए थे।
- नबूकदनज़र मग़रूर था और झूठे मा’बूदों की ‘इबादत से फिरता नहीं था इसलिए ख़ुदा ने उसे सात साल तक जानवर की तरह ज़िन्दगी दी और वह बेघर हो गया। सात सालों बा’द जब वह हलीम बना और इकलौते सच्चे ख़ुदा यहोवा की ता’रीफ़ की तब ख़ुदा ने उसको दुबारा क़ायम किया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मग़रूर, अज़रियाह, बाबुल, हननियाह, मीशाईल)

किताब-इ-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:13-15
- 2 सलातीन 25:1-3
- दानिएल 01:1-2
- दानिएल 04:4-6
- हिज़क़ीएल 26:7-8

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **20:06** अस्सूरियों के ज़रिए’ इस्राईली हुकूमत को तबाह करने के लगभग सौ साल बा’द, ख़ुदा ने बाबुल के बादाशाह _ नबूकदनज़र _ को भेजा, यहूदी हुकूमत को तबाह करने के लिए |
- **20:06** बाबुल एक ताक़तवर हुकूमत थी। यहूदाह का बादशाह, _ नबूकदनज़र_ का ख़ादिम बनकर उन्हें हर साल बहुत सी दौलत देने के लिए राज़ी हो गया |
- **20:08** बग़ावत करने के लिए यहूदाह के बादशाह को सज़ा दी गयी और _ नबूकदनज़र_ के सिपाहियों ने उसके बेटे को उसी के सामने मार डाला और उसके बा’द उसे अँधा बना दिया |
- **20:09** _ नबूकदनज़र_ और उसके सिपाही लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बाबुल ले गए, वहाँ पर सिर्फ़ कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहाँ खेती कर सके |

शब्दकोश:

- Strong's: H5019, H5020

(**वापस जाओ:** 20:06; 20:08; 20:09)

नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें

ता’रीफ़:

"नसल” वह इन्सान है जो तवारीख़ में किसी पुराने वक़्त के इन्सान का ख़ूनी रिश्तेदार है।

मिसाल के तौर पर, इब्राहीम नूह की नसल से था।

- नसल किसी की औलाद, पोते, परपोते वग़ैरह होते हैं। इस्राईल के बारह क़बीले या’क़ूब की नसल थे।
- जुमले " की नसल से" को "की नसल" की शक्ल में कहने का एक और तरीक़ा है "इब्राहीम नूह की नसल था।" इसका तर्जुमा “ख़ानदान के रिश्ते से” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: इब्राहीम, बुज़ुर्ग, या’क़ूब, नूह, इस्राईल के बारह क़बीले)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 09:4-5
- रसूलों के ‘आमाल 13:23-25
- इस्तिस्ना 02:20-22
- पैदाइश 10:1
- पैदाइश 28:12-13

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **02:09** “’औरत की **नसल** वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।”
- **04:09** “मैं तेरी **नसल** को कना’न मुल्क देता हूँ।”
- **05:10** तेरी **नसल** को आसमान के तारों की तरह बेशुमार करूँगा |
- **17:07** तेरी ही नसल में से कोई एक बादशाह मेरे लोगों पर हमेशा के लिए हुकूमत करेगा, और मसीह भी तुम्हारी **नसल** से होगा।”
- **18:13** यहूदा के बादशाह दाऊद की **नसल** के थे।
- **21:04** ख़ुदा ने बादशाह दाऊद से वा’दा किया है कि मसीह दाऊद के अपनी **नसल** में से एक होगा।
- **48:13** ख़ुदा ने बादशाह दाऊद को वा’दा किया था कि मसीह उनकी **नसल** एक होगा। क्योंकि ‘ईसा मसीह दाऊद की ख़ास **नसल** है|

शब्दकोश:

- Strong's: H319, H1004, H1121, H1323, H1755, H2232, H2233, H3205, H3211, H3318, H3409, H4294, H5220, H6849, H7611, H8435, G1074, G1085, G4690

(**वापस जाओ:** 06:04; 13:09; 14:02; 17:07; 18:13; 20:04; 21:01; 21:04; 48:04; 48:07; 48:13; 49:08)

नातन

सच्चाई:

नातन ख़ुदा का एक ईमानदार नबी था, और दाऊद की बादशाही में ख़िदमत कर रहा था।

- उरिय्याह के ख़िलाफ़ दाऊद के गुनाह का पर्दाफाश करने के लिए ख़ुदा ने नातन को भेजा था।
- नातन ने दाऊद को झिड़का था, अगरचे दाऊद बादशाह था।
- नातन के आने के बा'द दाऊद ने अपने गुनाह का क़फ़्फ़ारा किया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: दाऊद, ईनानदार, नबी , उरिय्याह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 17:1-2
- 2 तवारीख़ 09:29-31
- 2 शमूएल 12:1-3
- ज़ुबूर 051:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:07**लेकिन ख़ुदा ने _नातन _ नबी के ज़रिए' दाऊद को पैग़ाम भेजा, "क्योंकि तू एक फ़ौजी है, तू मेरे लिए वह घर नहीं बनाएगा |
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर ख़ुदा का ग़ज़ब उस पर भड़का, ख़ुदा ने _नातन _ नबी के ज़रिए' दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके गुनाह कितने बुरे है।

शब्दकोश:

- Strong's: H5416, G3481

(**वापस जाओ:** 17:07; 17:13)

नासरत, नासरियों

सच्चाई:

नासरत उत्तरी इस्राईल के गलील 'इलाक़े में एक शहर है। * वह यरूशलीम के उत्तर में लगभग 100 मील दूर है। इसके पैदल सफ़र में तीन से पांच दिन लगते हैं।

- यूसुफ़ और मरियम नासरत के बाशिन्दे थे और 'ईसा की परवरिश वहीं हुई थी। यही वजह है कि 'ईसा को "नासरी" कहते थे।
- नासरत के बहुत से यहूदी 'ईसा की ता'लीमात को क़ुबूल नहीं करते थे क्योंकि वह उनके साथ पला-बड़ा था इसलिए वे उसे एक 'आम इन्सान मानते थे।
- एक बार 'ईसा नासरत के 'इबादतख़ाने में ता'लीम दे रहा था तब वहां के यहूदियों ने उसे मार डालना चाहा क्योंकि उसने मसीह होने का दा'वा किया और उनके ज़रिए' उसके इन्कार के लिए उन्हें झिड़का था।
- जब नतनएल ने सुना कि 'ईसा नासरत से है तब उसकी बातों से ज़ाहिर होता है कि उस शहर की शोहरत नहीं थी।

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यूसुफ़ (नया 'अहदनामा), मरियम)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे मे ##

- रसूलों के 'आमाल 26:9-11
- युहन्ना 01:43-45
- लूक़ा 01:26-29
- मरकुस 16:5-7
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 21:9-11
- मत्ती 26:71-72

किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसालें :

- **23:04** लिहाज़ा यूसुफ़ और मरियम भी एक लम्बा सफ़र तय करके **नासरत** को गए, क्योंकि यूसुफ़ दाऊद के घराने और नसल का था, गलील के नासरत शहर से यहूदिया में दाऊद के शहर बैतलहम को गया |
- **26:02** 'ईसा **नासरत** शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था |
- **26:07 नासरत** के लोगों ने 'इबादत की जगह से 'ईसा को बाहर घसीटा और उसे मारने की ख़्वाहिश से चट्टान के किनारे ले आए, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें |

शब्दकोश:

- Strong's: G3478, G3479, G3480

(**वापस जाओ:** 23:04; 26:02; 26:07)

नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी

ता’अर्रुफ़:

“नाफ़रमानी” लफ़्ज़ का मतलब है हाकिम के हुक्म या हिदायत को न मानना। ऐसा करने वाले मनुष्य को “नाफ़रमान” कहते है।

- इन्सान जो वह काम करता है, जिसे करने के लिए मना किया गया था, उसे नाफ़रमानी कहते हैं।
- नाफ़रमानी का मतलब यह भी है कि वह काम करने से मना’ कर देना जिसका हुक्म दिया गया था।
- “नाफ़रमान” लफ़्ज़ ऐसे इन्सान का भी किरदार बयान करता है जिसकी आदत हुक्म न मानना और बग़ावत करना है। इसका मतलब है कि वह गुनाहगार और बुरा है।
- “नाफ़रमानी” लफ़्ज़ का मतलब है, हुक्म न मानने का काम” या “ऐसा सुलूक जो ख़ुदा की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ है।”
- “नाफरमान क़ौम” का तर्जुमा “नाफ़रमानी ही में रहनेवाली क़ौम” या “ख़ुदा के हुक्मों का ‘अमल न करनेवाली क़ौम” के तौर में हो सकता है।

(यह भी देखें: इख़्तियार, बुराई, गुनाह, फ़रमाबरदारी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 13:20-22
- रसूलों के ‘आमाल 26:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- लूक़ा 01:16-17
- लूक़ा 06:49
- ज़ुबूर 089:30-32

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **02:11** ख़ुदा ने उस आदमी से कहा, "तुमने अपनी बीवी को सुनकर मेरी **नाफ़रमानी** की।"
- **13:07** अगर लोग इन ‘अहदों का ‘अमल करते थे, तो ख़ुदा ने वा’दा किया था कि वह उन्हें बरकत और उनकी हिफ़ाज़त करेगा। अगर वे **नाफ़रमानी** करे तो ख़ुदा उन्हें सज़ा देगा।
- **16:02** क्योंकि इस्राईल ख़ुदा की **नाफ़रमानी** करते रहे, उसने उन्हें अपने दुश्मनों को उन्हें हराने करने की इजाज़त देकर सज़ा दी।
- **35:12** "बड़े बेटे ने अपने बाप से कहा, 'इन सभी सालों से मैंने आपके लिए ईमानदारी से काम किया है! मैंने कभी भी आपकी **नाफ़रमानी** नहीं किया लेकिन फिर भी तुमने मुझे एक छोटी बकरी नहीं दी, ताकि मैं अपने दोस्तों के जश्न साथ मना सकूं ।"

शब्दकोश:

- Strong's: H4784, H5674, G506, G543, G544, G545, G3847, G3876

(**वापस जाओ:** 02:11; 13:07; 13:09; 16:01; 16:02; 18:03; 35:12; 45:03; 50:16)

ना’मान

सच्चाई:

पुराने ‘अहदनामे में ना’मान अरामी फ़ौज का सरदार था।

- ना’मान को एक लाइलाज़ ज़िल्द की बीमारी कोढ़ थी जो ठीक नहीं हो सकती थी।
- ना’मान के घर में एक यहूदी ख़ादिमा थी जिसने उसे सलाह दी कि वह बीमारी से नजात के लिए नबी एलीशा के पास जाए।
- एलीशा ने ना’मान के पास पैग़ाम भेज दिया कि वह सात बार यरदन नदी में डुबकी लगाए। ना’मान ने हुक्म का ‘अमल किया तो ख़ुदा ने उसे पूरी शिफ़ा दे दी।
- इसका नतीजा यह हुआ कि ना’मान इकलौते सच्चे ख़ुदा, यहोवा में ईमान करने लगा।
- ना’मान नाम के दो और आदमी भी हुए है जो या’क़ूब के बेटे बिन्यामीन के नसल से थे।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अराम, यरदन नदी, कोढ़, नबी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 08:6-7
- 2 सलातीन 05:1-2
- लूक़ा 04:25-27

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:14** जिनमे से एक मो’जिज़ा **ना’मान** नाम के इन्सान की ज़िन्दगी में हुआ, वह दुश्मनों का सिपाहसालार था और कोढ़ी था |
- **19:15** पहले तो **ना’मान** ग़ुस्सा हुआ, और वह ऐसा नहीं करना चाहता था, क्योंकि उसे यह बेवक़ूफ़ी भरा काम लग रहा था| लेकिन ज़ल्दी ही उसने अपना ख़याल बदल लिया और यरदन को जाकर उसमे सात बार डुबकी मारी |
- **26:06** लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने सिर्फ इस्राईल के दुश्मनों के एक सिपाहसालार, **ना’मान** की जिल्द की बीमारी को शिफ़ा दी।”

शब्दकोश:

- Strong's: H5283, G3497

(**वापस जाओ:** 19:14; 19:15; 26:06)

निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, हँसी उड़ाने, इल्ज़ाम लगाते, मज़ाक़ करने लगे, नफ़रत करते, ठट्ठे में उड़ाया

ता'अर्रुफ़:

"निन्दा", "निन्दा करना", "मज़ाक़ करना" या'नी किसी को बे रहमी से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के लफ़्ज़ों और 'आमाल की नक़ल करना कि उसे ज़लील करें या नफ़रत बयान करें।
- रोमी फ़ौजियों ने 'ईसा का मज़ाक़ किया था जब उसे बादशाह का लिबास पहना कर उसके साथ मज़ाक़ किया था।
- जवानों के ज़रिए' एलीशा का भी ठट्ठा किया या मज़ाक़ उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी ख़याल को ईमान के लायक़ या ख़ास न मानना भी "ठट्ठा करना" था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मज़ाक़ उड़ाता है और लगातार मज़ाक़ करता है।

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 03:3-4
- रसूलों के 'आमाल 02:12-13
- गलातियों 06:6-8
- पैदाइश 39:13-15
- लूक़ा 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:12** यसा'याह ने नबूव्वत की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको **ठट्ठों में उड़ाएँगे**, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी रहनुमाओं ने सरदार काहिन को जवाब दिया, "यह मरने के लायक़ है |" तब उन्होंने 'ईसा की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका **मज़ाक़ उड़ाया** |
- **39:12** रोमन फ़ौजियों ने 'ईसा को कोड़े मारे, और शाही लबादा पहनाकर काँटों का ताज उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर 'ईसा का **मज़ाक़ उड़ाया** "यहूदियों का बादशाह" देखो |
- **40:04** 'ईसा को दो डाकुओं के बीच सलीब पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब 'ईसा का **मज़ाक़ उड़ा रहा था** तो ,दूसरे ने कहा कि, "क्या तू ख़ुदा से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और दूसरे लोग जो भीड़ में थे वह 'ईसा का **मज़ाक़ उड़ा रहे थे** यह कहकर कि, "अगर तू ख़ुदा का बेटा है तो सलीब पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर यक़ीन करेंगे |"

शब्दकोश:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

(**वापस जाओ:** 39:05; 39:12; 40:01; 40:04; 40:05)

नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी

सच्चाई:

उत्तरी पश्चिम अफ्रीका में नील नदी एक लम्बी चौड़ी नदी है। यह मिस्र की एक मशहूर नदी है।

- नील नदी मिस्र में से बहती हुई उत्तर में रोम के समन्दर में गिरती है।
- नील नदी के दोनों ओर पैदावार ज़मीन में अच्छी फ़सल उगती है।
- ज़्यादातर मिस्र के बाशिन्दे नील नदी के क़रीब रहा करते हैं क्योंकि यह पानी और खाने की चीज़ों का एक ख़ास ज़रिया' है।
- इस्राईली गोशेन में रहते थे क्योंकि नील नदी के क़रीब होने की वजह से वह एक पैदावार 'इलाक़ा था।
- मूसा जब बच्चा था तब उसके वालिदैन ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी की लम्बी घासों में छिपा दिया था कि फ़िर'औन के लोग उसे देख न पाएं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मिस्र, गोशेन, मूसा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आमोस 08:7-8
- पैदाइश 41:1-3
- यरमियाह 46:7-9

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:04** मिस्र **नील नदी** के किनारे क़ायम एक बड़ा , ताक़तवर मुल्क था |
- **09:04** जब फ़िर'औन ने देखा कि इस्राईलियों की औलादें बहुत ज़्यादा बढ़ती जा रही है, तब फ़िर'औन ने आपनी सारी क़ौम के लोगों को हुक्म दिया, हिब्रियों के जितने बेटे पैदा हो उन सभी को तुम **नील नदी** में डाल देना |
- **09:06** उन्होने उसे एक टोकरी में रख कर **नील नदी** मे छोड़ दिया | उस बच्चे की बहन दूर खड़ी रही कि देखे उस बच्चे का क्या होता है |
- **10:03** ख़ुदा ने __नील नदी को ख़ून से भर दिया, तब भी फ़िर'औन का दिल ज़िद्दी रहा और उसने इस्राईलियों को नहीं जाने दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: H2975, H4714, H5104

(**वापस जाओ:** 08:04; 09:04; 09:06; 10:03)

नूह

सच्चाई:

नूह लगभग 4000 साल पहले था जब ख़ुदा ने ज़मीन पर से सब गुनाहगारों को तबाह करने के लिए पानी की बाढ़ लाया था। ख़ुदा ने नूह को हुक्म दिया कि वह एक बहुत बड़ी नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी ज़मीन पर भरने तक उसका ख़ानदान महफ़ूज़ रहे।

- नूह एक रास्तबाज़ इन्सान था जो हर एक बात में ख़ुदा का हुक्म मानता था।
- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा ख़ुदा ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका ख़ानदान महफ़ूज़ रहा और बा'द में ज़मीन पर फैल गए।
- तब के बा'द सब इन्सान नूह के नसल हैं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: नसल, जहाज)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- पैदाइश 05:30-31
- पैदाइश 05:32
- पैदाइश 06:7-8
- पैदाइश 08:1-3
- इब्रानियों 11:7
- मत्ती 24:37-39

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें :

- **03:02** लेकिन ख़ुदा के फ़ज़ल की नज़र **नूह** पर बनी रही |
- **03:04 नूह** और उसके तीन बेटों ने नाव को बनाया वैसे ही कि जैसे ख़ुदा ने उनसे कहा था | नूह और उसके तीन बेटों ने नाव बनाया वैसे ही की जैसे ख़ुदा ने उनसे कहा था।
- **03:13** दो महीने बा'द ख़ुदा ने **नूह** से कहा कि तू अपने बेटों, बीवी और बहुओ के साथ जहाज में से निकल आ | ख़ुदा ने नूह को बरकत दी "फलों-फूलो, और बढ़ो, और ज़मीन में भर जाओ | तब **नूह** और उसका ख़ानदान जहाज में से निकल आए |

शब्दकोश:

- Strong's: H5146, G3575

(**वापस जाओ:** 03:02; 03:03; 03:04; 03:05; 03:06; 03:10; 03:11; 03:12; 03:13; 03:14)

नड़ समन्दर, लाल समुद्र

सच्चाई:

“नड़ समन्दर” मिस्र और अरब के बीच क़ायम समन्दर का नाम था। इसे अब लाल समन्दर कहा जाता है।

लाल समन्दर लंबा और पतला है। यह एक झील या नदी से बड़ा है लेकिन समुद्र से बहुत छोटा है। इस्राईलियों को मिस्र से निकलने के बा’द लाल समन्दर पार करना पड़ा था। ख़ुदा ने लाल समन्दर के पानी को तकसीम करके सूखी ज़मीन ज़ाहिर कर दी थी कि इस्राईली चलकर उसे पार कर लें। कना’न इस समन्दर के उत्तर में था। इसका तर्जुमा “नड़ समन्दर” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अरब**.** कना’न, मिस्र)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 07:35-37
- ख़ुरूज 13:17-18
- यशू’अ 04:22-24
- गिनती 14:23-25

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

12:04_ जब इस्राईलियों ने देखा कि मिस्र की फ़ौज आ रही है, तो उन्हें एहसास हुआ कि वे फ़िर’औन की फ़ौज और **वे लाल समन्दर** के बीच फंस गए थे| *12:05*_ तब ख़ुदा ने मूसा से कहा, "लोगों को **लाल समन्दर** की तरफ़ जाने के लिए कहो।"

- 13:01__ कि बा’द ख़ुदा**लाल समन्दर** के ज़रिए’ से इस्राईलियों की रहनुमाई की, वह उन्हें सीनै नाम की पहाड़ पर जंगल में ले गया।

शब्दकोश:

- Strong's: H3220, H5488, G2063, G2281

(**वापस जाओ:** 12:04; 12:05; 13:01)

पतरस, शमा'ऊन पतरस, क़ैफा

सच्चाई:

पतरस 'ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था। वह शुरू' की कलीसिया का एक ख़ास रहनुमा था।

- 'ईसा की ज़रिये' शागिर्द होने के लिए बुलाए जाने से पहले पतरस का नाम शमा'ऊन था।
- बाद में 'ईसा ने उसे "क़ैफा" नाम दिया जिसका मतलब है "पत्थर या चट्टान" अरामी ज़बान में। * पतरस का मतलब यूनानी ज़बान में "पत्थर" या "चट्टान" होता है।
- ख़ुदा ने पतरस के ज़रिये से लोगों को चंगा किया और 'ईसा की ख़ुशख़बरी का 'ऐलान किया।
- नये अहद नामे में दो किताबें पतरस के ख़त हैं जो ईमानदारों को हौसला देने और ता'लीम देने के लिए हैं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

शागिर्द,आमाल(यह भी देखें:

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **28:09** इस पर **पतरस** ने उससे कहा, "देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या बदला मिलेगा ?"
- **29:01** एक दिन **पतरस** ने पास आकर 'ईसा से पूछा , "हे ख़ुदावन्द , अगर मेरा भाई गुनाह करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार मु'आफ़ करूँ? क्या सात बार तक?"
- **31:05** फिर **पतरस** ने 'ईसा से कहा 'हे उस्ताद अगर तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने का हुक्म दे" 'ईसा ने **पतरस** से कहा, " आ |"
- **36:01** एक दिन 'ईसा ने अपने तीन चेलों, **पतरस**, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09 पतरस** ने कहा, "अगर सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोड़ूँगा | 'ईसा ने **पतरस** से कहा, "शैतान तुम सबकी आज़माइश लेना चाहता है, लेकिन मैंने तुम्हारे लिये दू'आ की है, **पतरस**, तेरा ईमान कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |"
- **38:15** जैसे ही सिपाहियों ने 'ईसा को पकड़ लिया, **पतरस** ने अपनी तलवार निकाल ली और सरदार काहिन के एक नौकर पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11 पतरस** ने उनसे कहा, "तोबा करो , और तुम में से हर एक 'ईसा मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो ख़ुदा तुम्हारे गुनाहों को मु'आफ़ करेगा।
- **44:08** तब **पतरस** ने उन्हें जवाब दिया, "'ईसा मसीह की क़ुदरत से यह आदमी तुम्हारे सामने सही सालिम खड़ा है।

शब्दकोश:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

(**वापस जाओ:** 28:09; 29:01; 31:05; 31:06; 31:07; 31:08; 36:01; 36:04; 36:05; 38:09; 38:10; 38:15; 39:01; 39:06; 39:07; 39:08; 43:05; 43:10; 43:11; 43:12; 44:01; 44:02; 44:04; 44:06; 44:07; 44:08; 44:09)

पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह

सच्चाई:

ये सब लफ़्ज़ पाक रूह के बारे में है, जो ख़ुदा है। इकलौता सच्चा ख़ुदा बाप, बेटा और पाक रूह है।

- पाक रूह को "रूह" या "यहोवा की रूह" या "सच्चाई की रूह" भी कहा गया है।
- क्योंकि पाक रूह ख़ुदा है, वह अपने खुसूसियत और कामों में बहुत मुक़द्दस है, बहुत ज़्यादा पाक और इख़लाक़ी कामिलियत में है।
- बाप और बेटे के साथ पाक रूह भी क़ायनात की तख़लीक में मुतहर्रित थी।
- जब ख़ुदा का बेटा 'ईसा जब आसमान पर लौट गया, तब उसने अपने लोगों के लिए पाक रूह भेजी कि उनकी रहनुमाई करे, उन्हें ता'लीम दे, उन्हें इत्मिनान दे और ख़ुदा की मर्ज़ी पूरी करने के क़ाबिल बनाए।
- पाक रूह 'ईसा की रहनुमाई करती थी और 'ईसा में ईमान करने वालों को भी राह दिखाती है।

तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का सीधा तर्जुमा "पाक" और "रूह" अलफ़ाज़ के तर्जुमे से किया जा सकता है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा, "पाक रूह", या "रूह जो पाक है" या "ख़ुदा जो रूह है" हो सकता है।

(यह भी देखें: पाक, रूह, ख़ुदा, ख़ुदावन्द, ख़ुदा बाप, ख़ुदा का बेटा नज़्र

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- रसूलों के 'आमाल 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- पैदाइश 01:1-2
- यसा'याह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- ज़ुबूर 051:10-11

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **01:01** लेकिन **ख़ुदा की रूह** वहाँ पानी के ऊपर थी।
- **24:08** और 'ईसा बपतिस्मा लेकर फ़ौरन पानी में से ऊपर आया, और उसने **ख़ुदा की रूह** को कबूतर की तरह उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- **26: 1**शैतान की आज़माइश पर फ़तह पाने के बा'द, 'ईसा जहाँ वह रहते थे गलील के 'इलाक़े के लिए **पाक रूह** की क़ुव्वत में लौट आए।
- **26:03** 'ईसा ने पढ़ा, " **ख़ुदा की रूह** मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को ख़ुशख़बरी सुनाने के लिए मसह किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बंधुओं को छुटकारे का और अंधों को नज़र पाने का ख़ुशख़बरी का 'ऐलान करूँ और कुचले हुओ को आज़ाद करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, आसमानी बाप और **पाक रूह** के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों की जमा'अत के शागिर्द बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का 'अमल करने के लिए सिखाओ जिसका मैंने तुमको हुक्म दी है। "
- **43:03** वे सब **पाक रूह** से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और 'ईसा ने **पाक रूह** को भेजा है जैसा कि उसने वा'दा किया था कि वह करेंगे। **पाक रूह** उन चीज़ों की वजह बन रही है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, "तौबा करो, और तुम में से हर एक 'ईसा मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो ख़ुदा तुम्हारे गुनाहों को मु'आफ़ करेगा। तब वह तुम्हें **पाक रूह** का हदिया देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा 'इज़्ज़तदार इन्सान था और **पाक रूह** और 'इल्म से भरा था।

शब्दकोश:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

(**वापस जाओ:** 22:02; 22:05; 23:02; 24:08; 24:09; 25:01; 26:01; 26:03; 42:10; 42:11; 43:03; 43:05; 43:08; 43:11; 45:01; 45:03; 45:07; 45:12; 46:05; 46:10)

पाक, पाकीज़गी

ता'अर्रुफ़:

"पाक" और पाकीज़गी" का हवाला ख़ुदा के किरदार से है जो पूरी तरह से अलग है और किसी भी गुनाहगार और बेकामिल बात से अलग किया हुआ है।

- सिर्फ ख़ुदा पूरी तरह से पाक है। वह इंसानों और चीज़ों को पाक बनाता है।
- एक इन्सान जो पाक है ख़ुदा में बसता है और ख़ुदा की ख़िदमत और जलाल के लिए अलग किया हुआ है।
- जिस चीज़ को ख़ुदा ने पाक मुक़र्रर कर दिया, वह उसके जलाल और इस्ते'माल के लिए अलग कर दी गई है जैसे कि एक क़ुर्बानगाह जो उसके क़ुर्बानी पेश करने के मक़सद के लिए है।
- लोग उसकी इजाज़त के बिना उसके क़रीब नहीं आ सकते क्योंकि वे पाक और सिर्फ़ इन्सान हैं, गुनाहगार और बेकामिल|
- पुराने 'अहदनामे में, ख़ुदा ने काहिनों को पाक करके अपनी ख़िदमत के लिए अलग कर लिया था। उन्हें ख़ुदा के क़रीब जाने के लिए दुनियावी तौर पर गुनाहों से पाक होना होता था।
- ख़ुदा कुछ मक़ामों और चीज़ों को भी पाकीज़गी में अलग कर लेता है जो उसकी होती हैं या जिनमें उसने अपने आप को ज़ाहिर किया है जैसे हैकल|

लफ़्ज़ी तौर पर, "नापाक" का मतलब है "पाक नहीं" यह कोई इन्सान या कोई चीज़ के बारे में बताता है जो ख़ुदा की 'इज़्ज़त नहीं करता|

- इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल उसके बारे में है जो ख़ुदा को उसके ख़िलाफ़ बग़ावत करने के ज़रिए' उसे बे'इज़्ज़त करता है|
- एक ख़याल जिसे "नापाक" कहते है जिसका ज़िक्र हो सकता है, 'आम, नजिस नापाक| यह ख़ुदा में नहीं बसता है|

लफ़्ज़ "मुक़द्दस" उन चीज़ों के बारे में बताता है जो ख़ुदा की 'इबादत या बुरे काहिनों की झूठे मा'बूदों की 'इबादत से मुता'अल्लिक़ हैं|

- पुराने 'अहद नामे में, लफ़्ज़ "मुक़द्दस" कम से कम उन चीज़ों के बारे में बताता है जैसे, पत्थर का सुतून और दीगर चीज़ें जिनका इस्ते'माल झूठे म'बूदों की 'इबादत करने में किया जाता है| इसका तर्जुमा "मज़हबी" भी किया जा सकता है|
- "मुक़द्दस गीत" और "मुक़द्दस मोशीकी" उस मोशीकी के बारे में है जो ख़ुदा की ता'रीफ़ में गाए या बजाये जाते हैं| इसका तर्जुमा हो सकता है "यहोवा की 'इबादत के लिए मोशिकी" या "गीत जो ख़ुदा की हम्द करते हैं"
- जुमले "मुक़द्दस ज़िम्मेदारी", "मज़हबी ज़िम्मेदारी" या "रस्म" उनके बारे में हैं, जो 'इबादत करने वाले लोगों की रहनुमाई करते हैं| यह बुरे काहिनों के झूठे मा'बूदों की 'इबादत करने के ज़रिए' रस्मी कारकरदगी का मुज़ाहिरे के बारे में भी बताता है|

तर्जुमे की सलाह:

- "पाक" के तर्जुमे के तरीक़े शामिल हो सकते हैं, "ख़ुदा के लिए अलग रखना" या "ख़ुदा में बसना" या "पूरी तरह से साफ़" या "बिल्कुल बेगुनाह" या "गुनाहगारों से अलग"
- "पाक करना" इसका अक्सर अंग्रेजी में तर्जुमा होता है "Sanctify(पाक)" इसका तर्जुमा ऐसे भी किया जा सकता है "ख़ुदा के जलाल से अलग होना (किसी का)|
- "नापाक" इसके तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं "पाक नहीं" या "ख़ुदा में न बसना" या "ख़ुदा को 'ईज़्ज़त न देना" या "ख़ुदा की तरफ़ से नहीं"
- जुमले में "नापाक" का तर्जुमा किया जा सकता है "गन्दा"

(यह भी देखें: पाक रूह, रज़ामन्दी, पाक, अलग करना)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 28:20-22
- 2 सलातीन 03:1-3
- नोहा 04:1-2
- हिज़क़ीएल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- रसूलों के 'आमाल 07:33-34
- रसूलों के 'आमाल 11:7-10
- रोमियो 01:1-3
- 2 कुरुन्थियो 12:3-5
- कुलुस्सियों 01:21-23
- 1 थिस्लुनीकियों 03:11-13

- 1 थिस्लुनीकियों 04:7-8
- 2 तीमुथियुस 03:14-15

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को बरकत दी और उसे **पाक** बनाया क्योंकि इस दिन ख़ुदा ने अपने काम से आराम लिया था।
- **09:12** "जिस मक़ाम पर तू खड़ा है वह **पाक** ज़मीन है।"
- **13:01** ,"अगर तुम मेरी मानोगे, और मेरे 'अहद का 'अमल करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरी हमेशा की दौलत ठहरोगे, पूरी ज़मीन तो मेरी है, और तुम मेरी नज़र में काहिनों की बादशाही और **पाक** क़ौम ठहरोगे।"
- **13:05** तू सबत के दिन को **पाक** मानने के लिये याद रखना।
- **22:05**"इसलिये वह **पाक** जो पैदा होनेवाला है, ख़ुदा का बेटा कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम 'ईसा के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो ख़ुदा चाहता है कि हम ऐसी ज़िन्दगी जियें जो **पाक** हो और उसे 'इज़्ज़त देता हो।

शब्दकोश:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

(**वापस जाओ:** 01:01)

पाक, पाकीज़गी

ता'अर्रुफ़:

"पाक" और पाकीज़गी" का हवाला ख़ुदा के किरदार से है जो पूरी तरह से अलग है और किसी भी गुनाहगार और बेकामिल बात से अलग किया हुआ है।

- सिर्फ ख़ुदा पूरी तरह से पाक है। वह इंसानों और चीज़ों को पाक बनाता है।
- एक इन्सान जो पाक है ख़ुदा में बसता है और ख़ुदा की ख़िदमत और जलाल के लिए अलग किया हुआ है।
- जिस चीज़ को ख़ुदा ने पाक मुक़र्रर कर दिया, वह उसके जलाल और इस्ते'माल के लिए अलग कर दी गई है जैसे कि एक क़ुर्बानगाह जो उसके क़ुर्बानी पेश करने के मक़सद के लिए है।
- लोग उसकी इजाज़त के बिना उसके क़रीब नहीं आ सकते क्योंकि वे पाक और सिर्फ़ इन्सान हैं, गुनाहगार और बेकामिल|
- पुराने 'अहदनामे में, ख़ुदा ने काहिनों को पाक करके अपनी ख़िदमत के लिए अलग कर लिया था। उन्हें ख़ुदा के क़रीब जाने के लिए दुनियावी तौर पर गुनाहों से पाक होना होता था।
- ख़ुदा कुछ मक़ामों और चीज़ों को भी पाकीज़गी में अलग कर लेता है जो उसकी होती हैं या जिनमें उसने अपने आप को ज़ाहिर किया है जैसे हैकल|

लफ़्ज़ी तौर पर, "नापाक" का मतलब है "पाक नहीं" यह कोई इन्सान या कोई चीज़ के बारे में बताता है जो ख़ुदा की 'इज़्ज़त नहीं करता|

- इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल उसके बारे में है जो ख़ुदा को उसके ख़िलाफ़ बग़ावत करने के ज़रिए' उसे बे'इज़्ज़त करता है|
- एक ख़याल जिसे "नापाक" कहते है जिसका ज़िक्र हो सकता है, 'आम, नजिस नापाक| यह ख़ुदा में नहीं बसता है|

लफ़्ज़ "मुक़द्दस" उन चीज़ों के बारे में बताता है जो ख़ुदा की 'इबादत या बुरे काहिनों की झूठे मा'बूदों की 'इबादत से मुता'अल्लिक़ हैं|

- पुराने 'अहद नामे में, लफ़्ज़ "मुक़द्दस" कम से कम उन चीज़ों के बारे में बताता है जैसे, पत्थर का सुतून और दीगर चीज़ें जिनका इस्ते'माल झूठे म'बूदों की 'इबादत करने में किया जाता है| इसका तर्जुमा "मज़हबी" भी किया जा सकता है|
- "मुक़द्दस गीत" और "मुक़द्दस मोशीकी" उस मोशीकी के बारे में है जो ख़ुदा की ता'रीफ़ में गाए या बजाये जाते हैं| इसका तर्जुमा हो सकता है "यहोवा की 'इबादत के लिए मोशिकी" या "गीत जो ख़ुदा की हम्द करते हैं"
- जुमले "मुक़द्दस ज़िम्मेदारी", "मज़हबी ज़िम्मेदारी" या "रस्म" उनके बारे में हैं, जो 'इबादत करने वाले लोगों की रहनुमाई करते हैं| यह बुरे काहिनों के झूठे मा'बूदों की 'इबादत करने के ज़रिए' रस्मी कारकरदगी का मुज़ाहिरे के बारे में भी बताता है|

तर्जुमे की सलाह:

- "पाक" के तर्जुमे के तरीक़े शामिल हो सकते हैं, "ख़ुदा के लिए अलग रखना" या "ख़ुदा में बसना" या "पूरी तरह से साफ़" या "बिल्कुल बेगुनाह" या "गुनाहगारों से अलग"
- "पाक करना" इसका अक्सर अंग्रेजी में तर्जुमा होता है "Sanctify(पाक)" इसका तर्जुमा ऐसे भी किया जा सकता है "ख़ुदा के जलाल से अलग होना (किसी का)|
- "नापाक" इसके तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं "पाक नहीं" या "ख़ुदा में न बसना" या "ख़ुदा को 'ईज़्ज़त न देना" या "ख़ुदा की तरफ़ से नहीं"
- जुमले में "नापाक" का तर्जुमा किया जा सकता है "गन्दा"

(यह भी देखें: पाक रूह, रज़ामन्दी, पाक, अलग करना)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 28:20-22
- 2 सलातीन 03:1-3
- नोहा 04:1-2
- हिज़क़ीएल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- रसूलों के 'आमाल 07:33-34
- रसूलों के 'आमाल 11:7-10
- रोमियो 01:1-3
- 2 कुरुन्थियो 12:3-5
- कुलुस्सियों 01:21-23
- 1 थिस्लुनीकियों 03:11-13

- 1 थिस्लुनीकियों 04:7-8
- 2 तीमुथियुस 03:14-15

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को बरकत दी और उसे **पाक** बनाया क्योंकि इस दिन ख़ुदा ने अपने काम से आराम लिया था।
- **09:12** "जिस मक़ाम पर तू खड़ा है वह **पाक** ज़मीन है।"
- **13:01** ,"अगर तुम मेरी मानोगे, और मेरे 'अहद का 'अमल करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरी हमेशा की दौलत ठहरोगे, पूरी ज़मीन तो मेरी है, और तुम मेरी नज़र में काहिनों की बादशाही और **पाक** क़ौम ठहरोगे।"
- **13:05** तू सबत के दिन को **पाक** मानने के लिये याद रखना।
- **22:05**"इसलिये वह **पाक** जो पैदा होनेवाला है, ख़ुदा का बेटा कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम 'ईसा के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो ख़ुदा चाहता है कि हम ऐसी ज़िन्दगी जियें जो **पाक** हो और उसे 'इज़्ज़त देता हो।

शब्दकोश:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

(**वापस जाओ:** 09:12; 13:02; 13:05; 22:05; 50:02)

पिलातुस

सच्चाई

रोमी सूबा यहूदिया का हाकिम पिलातुस था जिसने 'ईसा को मौत की सज़ा दिया था।

- हाकिम होने की वजह पिलातुस के पास मुजरिमों को मौत की सज़ा देने का इख़्तियार था।
- यहूदी मज़हब के उस्ताद चाहते थे कि पिलातुस ईसा को मौत की सज़ा दे, इसलिए उन्होंने 'ईसा पर झूठा इल्ज़ाम लगाया कि वह एक मुजरिम है।
- पिलातुस समझ गया था कि 'ईसा ने कोई जुर्म नहीं किया है लेकिन वह लोगों की भीड़ से डरता था और उन्हें ख़ुश करना चाहता था, इसलिए उसने सिपाहियों को हुक्म दिया कि 'ईसा को सलीब पर चढ़ा दें।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: सलीब पर चढ़ाना, हाकिम, इल्ज़ाम, यहूदिया, रोम

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 04:27-28
- रसूलों के आमाल 13:28-29
- लूका 23:1-2
- मरकुस 15:1-3
- मत्ती 27:11-14
- मत्ती 27:57-58

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **39:09** अगली सुबह यहूदी रहबरों ने 'ईसा को ले जाकर **पिलातुस** को सौंप दिया जो एक रोमन हुकमरान था | वह इस उम्मीद में थे कि **पिलातुस** उसे मुजरिम ठहरा कर उससे मरवा डाले | **पिलातुस** ने 'ईसा से पूछा, " क्या तू यहूदियों का बादशाह है?"
- **39:10 पिलातुस** ने कहा, "सच क्या है?"
- **39:11** 'ईसा से बात करने के बाद **पिलातुस** भीड़ में आया, और कहा, "मैं तो इस आदमी में कोई 'ऐब नहीं पाता | लेकिन यहूदी उस्तादों ने चिल्लाकर कहा कि, "इसे सलीब में चढ़ा दो |" **पिलातुस** ने कहा कि, "मैं इसमें कोई 'ऐब नहीं पाता | वह और जोर से चिल्लाने लगे | **पिलातुस** ने तीसरी बार कहा कि "मैं इसमें कोई 'ऐब नहीं पाता |"
- **39:12** लेकिन **पिलातुस** डर गया कि कही हलचल न मच जाए, इसलिये उसने 'ईसा को सलीब पर चढ़ाए जाने के लिए सिपाहियों के हवाले कर दिया |
- **40:02** _ पिलातुस_ ने हुक्म दिया कि 'ईसा के सिर के ऊपर सलीब पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, "यह यहूदियों का बादशाह है |"
- **41:02 पिलातुस** ने कहा, "कुछ सिपाही लो और जाओ अपनी समझ के मुताबिक रखवाली करो |"

शब्दकोश:

- Strong's: G4091, G4194

(**वापस जाओ:** 39:09; 39:10; 39:11; 39:12; 40:02; 40:09; 41:01; 41:02)

पूरा कर, पूरा हुआ

ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "पूरा कर" का मतलब है मुकम्मल या पूरा होना जिसकी उम्मीद की गयी थी|

- जब एक नबूव्वत पूरी होती है, तो इसका मतलब है कि ख़ुदा ने नबूव्वत में जो पेशगोई की थी उसे पूरा किया।
- अगर इन्सान अपने 'अहद या क़सम पूरी करता है तो इसका मतलब है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- ज़िम्मेदारी को पूरा करने का मतलब है किसी दिए गए को या ख़ास काम को पूरा करना।

तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर "पूरा करना" का तर्जुमा हो सकता है "ख़त्म करना" या "मुकम्मल करना" या "होने के लिए कुछ करना" या "हुक्म मानना" या "ज़ाहिर करना"
- जुमला "पूरा किया जा चुका" का तर्जुमा हो सकता है, "सच हो गया" या "हो चुका है" या "मुकम्मल हो चुका है"
- "पूरा करना" के तर्जुमे के तरीक़े जैसे "अपनी ख़िदमत पूरी करो" इसका तर्जुमा हो सकता है, "मुकम्मल करो" या "निभाओ" या "इन्सानों की ख़िदमत वैसी करो जैसे ख़ुदा ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है"।

(यह भी देखें: नबी, मसीह, वज़ीर, बुलाहट)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 02:26-27
- रसूलों के 'आमाल 03:17-18
- अहबार 22:17-19
- लूक़ा 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- ज़ुबूर 116:12-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **24:04** युहन्ना ने वह **पूरा किया** जो यसा'याह नबी की किताब में लिखा था, "देख मैं अपने फ़रिश्ते को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए राह दिखाएगा"
- **40:03** सिपाहियों ने 'ईसा के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने इस नबूव्वत को **पूरा किया** कि, "वे मेरे कपड़े आपस में बाँटते हैं, और मेरे लिबास के लिए जुआ खेलते हैं।"
- **42:07** 'ईसा ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि ख़ुदा के कलाम में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह **पूरा होना** चाहिए।"
- **43:05**लेकिन यह वह बात है जो यूएल नबी के ज़रिए' कही गई थी। ख़ुदा कहता है कि, "आख़िर के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपनी रूह सब इन्सानों पर उँडेलूँगा।"
- **43:07** "'ईसा की मौत हुई लेकिन उसी को ख़ुदा ने मौत के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह नबूव्वत की गई थी कि, 'न तो उसकी जान आलम-ए-अर्वाह में छोड़ी गई और न उसका जिस्म सड़ने पाया।'
- **44:05** अगरछे तुम्हें नहीं पता था कि क्या करते हो, लेकिन ख़ुदा ने तुम्हारे कामो का इस्ते'माल किया नबूव्वतों को _पूरा करने _के लिए, कि उसका मसीह दु:ख उठाएगा, और मारा जाएगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

(**वापस जाओ:** 21:02; 24:04; 40:03; 42:07; 43:05; 43:07; 44:05)

पौलुस, शाऊल

सच्चाई:

पौलुस शुरू'की कलीसिया का रहनुमा था जिसे 'ईसा ने सब क़ौमों में ख़ुशख़बरी सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी शहर तर्शिश में पैदा एक यहूदी था, इसलिए वह रोमी बाशिन्दा भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल के ज़रिए'जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी मज़हब का रहनुमा था जो उन यहूदियों को क़ैदी बनाता था जो मसीह के ईमानदार हो गए थे क्योंकि उसके ख़्याल में 'ईसा में यक़ीन करके वे ख़ुदा को बे इज़्ज़त करते थे।
- 'ईसा शाऊल पर अंधा करने वाली बहुत ज़्यादा रोशनी में ज़ाहिर हुआ और उससे कहा कि वह मसीही ईमानदारों को सताना छोड़ दे।
- शाऊल ने 'ईसा पर यक़ीन किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी ता'लीम देने लगा।
- इसके बा'द ख़ुदा ने उसे ग़ैर क़ौमों में 'ईसा के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी बादशाहत के तमाम शहरों में और इ'लाकों में कलीसियाएं शुरू'कीं इस वक़्त उसका नाम बदल कर "पौलुस" हो गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को हौसला देने और ता'लीम देने के लिए ख़त भी लिखे थे उनमें से अनेक ख़त नये अहद नामे में हैं।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मसीही, यहूदी रहनुमा , रोम)

किताब ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 01:1-3
- रसूलों के आमाल 08:1-3
- रसूलों के आमाल 09:26-27
- रसूलों के आमाल 13:9-10
- गलातियों 01:1-2
- फिलेमोन 01:8-9

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **45:06** एक **शाऊल** नाम का जवान, स्तिफनुस के क़त्ल में शामिल लोगो से राज़ी था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01 शाऊल** वह जवान था जिसने स्तिफनुस के क़त्ल में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह 'ईसा पर यक़ीन नही करता था, इसलिए वह ईमानदारों को सताता था।
- **46:02** लेकिन जब **शाऊल** दमिश्क के क़रीब पहुँचा, तो अचानक आसमान से उसके चारों ओर रोशनी चमकी, और वह ज़मीन पर गिर गया| **शाऊल** ने यह लफ़्ज़ सुना, "हे **शाऊल**! हे **शाऊल**! तू मुझे क्यों सताता है?"
- **46:05** तब हनन्याह उठकर **शाउल** के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "'ईसा , जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर आँखे पाए और रूह-उल-क़ुद्दूस से मा'मूर हो जाए।"**शाउल** फ़ौरन देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** फ़ौरन ही, **शाऊल** दमिश्क के यहूदियों से मुनादी करने लगा की 'ईसा ही ख़ुदा का बेटा है "|
- **46:09** बरनबास और **शाऊल** इन नए ईमानदारों को पढ़ाने, 'ईसा के बारे में बताने और कलीसिया को मज़बूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे **शाऊल** पुरे रोमी सल्तनत में सफ़र करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "**पौलुस**" का इस्ते'माल करना शुरू किया।
- **47:14 पौलुस** और ,और मसीही रहनुमाओं ने बहुत से शहरों में 'ईसा का 'ऐलान किया और लोगों को ख़ुदा के कलाम की ता'लीम दी।

शब्दकोश:

- Strong's: G3972, G4569

(**वापस जाओ:** 45:06; 46:01; 46:02; 46:03; 46:04; 46:05; 46:06; 46:07; 46:08; 46:09; 46:10; 47:01; 47:02; 47:03; 47:04; 47:05; 47:07; 47:08; 47:10; 47:11; 47:12; 47:13; 47:14)

फ़सह

सच्चाई:

"फ़सह" यहूदियों के एक मज़हबी त्यौहार का नाम है जिसमें वे याद करते हैं कि ख़ुदा ने उनके बाप दादाओं को मिस्र की ग़ुलामी में से कैसे निकाला था।

- इस त्यौहार का नाम उस सच्चाई से आता है कि ख़ुदा इस्राईलियों के घरों से होकर निकला लेकिन उसने उनके बेटों का हलाक नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फ़सह में एक मुकम्मल मेमने का गोश्त भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस खाने से उन्हें उस खाने की याद होता है जो उनके बाप दादाओं ने मिस्र से कूच करने से पहले रात को खाया था।
- ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि वे हर साल ऐसा खाना खाकर याद करें इसलिए ख़ुशी मनाएं कि ख़ुदा कैसे उनके घराने में से निकलकर गया और उन्हें ग़ुलामी से आज़ादी दिलाई।

तर्जुमे की सलाह:

फ़सह का लफ़्ज़ के तर्जुमें में "होकर निकलने" की मिलने के लफ़्ज़ या और एक जैसे लफ़्ज़ों को मिलाने के ज़रिए' किया जा सकता है।

- अगर इस त्यौहार का नाम फ़रिश्ते के ज़रिए' इस्राईलियों के बेटों को क़त्ल न करते हुए आगे बढना ज़ाहिर तौर से दिखाए तो बहुत मददगार होगा।

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 तवारीख़ 30:13-15
- 2 सलातीन 23:21-23
- इस्तिसिना 16:1-2
- ख़ुरूज 12:26-28
- एज्रा 06:21-22
- यूहन्ना 13:1-2
- यशू'अ 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **12:14** ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया कि वह हर साल **फसह** का त्यौहार मनाया करे, इस बात को याद करते हुए कि ख़ुदा ने उन्हें मिस्रियो की ग़ुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर फ़तहयाब किया |
- **38:01** हर साल, यहूदी **फसह** का त्यौहार मनाते थे | यह एक त्यौहार था, जब वह याद करते थे कि ख़ुदा ने कई सदियों पहले मिस्र की ग़ुलामी से उनके बाप दादाओं को बचाया था |
- **38:04**'ईसा यरूशलीम में अपने शागिर्दों के साथ **फसह** का दिन मना रहा था |
- **48:09** जब ख़ुदा ने खून को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे बेटों को हलाक नहीं किया | इस हादसे को **फसह** कहा जाता है |
- **48:10** 'ईसा हमारा **फसह** का मेम्ना है | वह कामिल और बेगुनाह था, और **फसह** के त्यौहार के दिन मारा गया था |

शब्दकोश:

- Strong's: H6453, G3957

(**वापस जाओ:** 12:14; 38:01; 38:04; 43:02; 48:09; 48:10)

फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह

सच्चाई:

पुराने ज़माने में मिस्र मुल्क के बादशाह फ़िर'औन कहलाते थे।

- कुल 300 फ़िर'औन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से ज़्यादा साल हुकूमत किया था।
- मिस्त्र के ये बादशाह बहुत ताक़तवर और मालदार आदमी थे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में भी कुछ फिर'औन का नाम आता है।
- अक्सर यह मज़मून एक मज़मून के बजाय नाम की शक्ल में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी हालत में फिर'औन लफ़्ज़ को अंग्रेजी में बड़े "पी" हर्फ़ से लिखा गया है।

(तर्जुमे की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, बादशाह

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:9-10
- रसूलों के 'आमाल 07:11-13
- रसूलों के 'आमाल 07:20-21
- पैदाइश 12:14-16
- पैदाइश 40:6-8
- पैदाइश 41:25-26

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:06** एक रात को मिस्र के बादशाह ने, जिसे **फ़िर'औन** कहते है उसने रात में दो ख़्वाब देखे जो उसे लगातार परेशान कर रहे थे |
- **08:08 फ़िर'औन** यूसुफ़ से बहुत मुता'अस्सिर हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे ताक़तवर आदमी मुक़र्रर किया |
- **09:02** उस वक़्त जो **फ़िर'औन** मिस्र पर हुकूमत करता था, इस्राईलियों को मिस्रियो का गुलाम बनाया।
- **09:13** इसलिये आ मैं तुझे **फ़िर'औन** के पास भेजता हूँ कि तू मेरे इस्राईली लोगों को मिस्र में से निकाल ले आए |
- **10:02** इन खौफ़नाक हालातों के ज़रिए ख़ुदा यह दिखाना चाहता था ,कि वह **फ़िर'औन** व मिस्र के मा'बूद से कई गुना ताक़तवर है।

शब्दकोश:

- Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

(**वापस जाओ:** 08:06)

फ़िर'औन, मिस्र का बादशाह

सच्चाई:

पुराने ज़माने में मिस्र मुल्क के बादशाह फ़िर'औन कहलाते थे।

- कुल 300 फ़िर'औन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से ज़्यादा साल हुकूमत किया था।
- मिस्त्र के ये बादशाह बहुत ताक़तवर और मालदार आदमी थे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में भी कुछ फिर'औन का नाम आता है।
- अक्सर यह मज़मून एक मज़मून के बजाय नाम की शक्ल में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी हालत में फिर'औन लफ़्ज़ को अंग्रेजी में बड़े "पी" हर्फ़ से लिखा गया है।

(तर्जुमे की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, बादशाह

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:9-10
- रसूलों के 'आमाल 07:11-13
- रसूलों के 'आमाल 07:20-21
- पैदाइश 12:14-16
- पैदाइश 40:6-8
- पैदाइश 41:25-26

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:06** एक रात को मिस्र के बादशाह ने, जिसे **फ़िर'औन** कहते है उसने रात में दो ख़्वाब देखे जो उसे लगातार परेशान कर रहे थे |
- **08:08 फ़िर'औन** यूसुफ़ से बहुत मुता'अस्सिर हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे ताक़तवर आदमी मुक़र्रर किया |
- **09:02** उस वक़्त जो **फ़िर'औन** मिस्र पर हुकूमत करता था, इस्राईलियों को मिस्रियो का गुलाम बनाया।
- **09:13** इसलिये आ मैं तुझे **फ़िर'औन** के पास भेजता हूँ कि तू मेरे इस्राईली लोगों को मिस्र में से निकाल ले आए |
- **10:02** इन खौफ़नाक हालातों के ज़रिए ख़ुदा यह दिखाना चाहता था ,कि वह **फ़िर'औन** व मिस्र के मा'बूद से कई गुना ताक़तवर है।

शब्दकोश:

- Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

(**वापस जाओ:** 08:07; 08:08; 09:04; 09:07; 09:10; 09:13; 10:01; 10:03; 10:04; 10:05; 10:06; 10:07; 10:08; 10:09; 10:12; 11:01; 11:07; 11:08; 12:03; 12:04)

फ़िलिप्पी, फ़िलिप्पियों

सच्चाई:

फ़िलिप्पी एक ख़ास शहर और रोमी सूबा था जो पुराने यूनान के उत्तरी हिस्से में मकिदुनिया इ'लाक़े में था।

- पौलुस और सीलास ने फ़िलिप्पी शहर जाकर वहां के लोगों को 'ईसा के बारे में बताया।
- फ़िलिप्पी में पौलुस और सीलास को क़ैदी बना लिया गया था लेकिन ख़ुदा ने मो'जिज़े की शक्ल से उन्हें बचाया।
- नये 'अहद नामे में फ़िलिप्पियों की ख़त पौलुस ने फ़िलिप्पी के ईमानदारों की कलीसिया को लिखा था।
- ध्यान रखें कि यह शहर कैसरिया फ़िलिप्पी नहीं है, कैसरिया फ़िलिप्पी उत्तर के पूरब इस्राईल में हर्मन पहाड़ के नज़दीक था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही, जमात, मकिदुनिया, पौलूस, सीलास

किताब -ए- मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- रसूलों के आमाल 16:11-13
- मत्ती 16:13-16
- फ़िलिप्पियों 01:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका दोस्त सीलास **फ़िलिप्पी** में 'ईसा का 'ऐलान करने को गए |
- **47:13** जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें हुक्म दिया कि **फ़िलिप्पी** छोड़ दे |

शब्दकोश:

- Strong's: G5374, G5375

(**वापस जाओ:** 47:01; 47:13)

बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

ता’अर्रुफ़:

“बचाना” या'नी किसी बुरी या नुक़सानदह बात से बचना। “महफ़ूज़ रहना” या'नी नुक़सान या ख़तरे से बचना।

- जिस्मानी ऐतबार से लोगों को नुक़सान, ख़तरे या मौत से बचाया या निकाला जा सकता है।
- रूहानी मतलब में लोगों की "नजात" का मतलब है सलीब पर 'ईसा की मौत के ज़रिए’, गुनाह से मु'आफ़ किया गया और दोज़ख़ में सज़ा का हिस्सेदार होने से ख़ुदा ने उसे "बचा लिया" है।
- लोग ख़तरे से इन्सानों को बचा सकते हैं लेकिन गुनाहों की हमेशा की सज़ा से सिर्फ़ ख़ुदावन्द ही इन्सानों को बचा सकता है।

नजात लफ़्ज़ का मतलब है किसी को बुराई और ख़तरे से बचाना

- किताब-ए-मुक़द्दस में नजात रूहानी छुटकारे को बताता है जो उन लोगों के लिए बताया है: जो तौबा करते हैं और 'ईसा पर ईमान रखते हैं
- किताब-ए-मुक़द्दस ख़ुदा का अपने लोगों को उसके दुश्मनों से और बुराई से नजात दिलाना है नजात

तर्जुमा की सलाह:

- “बचाना” का तर्जुमा “नजात दिलाना” या “नुक़सान से बचाना” या “नुक़सान के रास्ते से निकाल लेना” या “मरने से बचा लेना” हो सकता हैं।
- इस जुमले में “जो कोई अपनी ज़िन्दगी बचाएगा”, लफ़्ज़ “बचाएगा” का तर्जुमा, “हुफ़ाज़त” या “महफ़ूज़ रखना” हो सकता है।
- “महफ़ूज़” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़तरे से बचना” “वह जगह जहाँ कोई नुक़सान न पहुंचा पाए”।
- नजात का जो लफ़्ज़ हैं उसका तेजुमा दुनियावी तरीक़े से भी कर सकते हैं "बचाना" या "निकालना"या लोगों को उनके गुनाहों की सज़ा से आज़ाद कराना
- ख़ुदा मेरी नजात है ऐसा भी तर्जुमा हो सकता है ख़ुदा ही है जो मुझे बचाता है
- आप नजात के कुँवें से पानी निकालना ,इसका तर्जुमा यह भी हो सकता हैं आप पानी से महफ़ूज़ निकल जाते हैं क्यूँकि ख़ुदा और उनकी हिफ़ाज़त करता है

((यह भी देखें: सलीब, छुड़ाना, सज़ा देना, नजात, गुनाह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 49:16-18
- पैदाइश 47:25-26
- ज़बूर 080:1-3
- यरमियाह 16:19-21
- मीकाह 06:3-5
- लूक़ा 02:30-32
- लूक़ा 08:36-37
- रसूलों के 'आमाल 04:11-12
- रसूलों के 'आमाल 28:28
- रसूलों के 'आमाल 02:20-21
- रोमियों 01:16-17
- रोमियों 10:8-10
- इफ़िसियों 06:17-18
- फ़िलीप्पियों 01:28-30
- 1 तीमुथियुस 01:15-17
- मुक़ाश्फा 19:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें :

- **09:08**मूसा ने अपने साथी इस्राईली को**बचाने** की कोशिश की |
- **11:02** ख़ुदा ने इन्तिज़ाम किया कि, वह शख्स जो उस पर यक़ीन करेंगा वह उसके पहलौठे बेटे को **बचाएगा** ।
- **12:05**मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत! ख़ुदा ख़ुद ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे **बचाएगा**

- **12:13** इस्राईलियों ने अपनी आज़ादी का जश्न मनाने के लिये बहुत से गीत गाए, और ख़ुदा की 'इबादत की जिसने उन्हें मिस्रियो की फ़ौज से **बचाया**
- **16:17** यह बात कई बार दोहराई गई,इस्राईली गुनाह करते थे , ख़ुदा उन्हें सज़ा देता था, और फिर वह तौबा करते थे, और फिर ख़ुदा उन्हें **बचाने** के लिए एक नजात देने वाला भेजता था
- **44:08** तुमने 'ईसा को सलीब पर चढ़ाया, लेकिन ख़ुदा ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। तुमने उसे क़ुबूल न किया, लेकिन और कोई दूसरा रास्ता नहीं है सिर्फ़ 'ईसा की क़ुव्वत के ज़रिए' ही नजात मिल सकती है ।"
- **47:11**दारोगा घबरा गया और पौलुस और सीलास के पास आकर पूछा, "ऐ साहीबों **नजात _ पाने के लिए मैं क्या करूँ ?" पौलुस ने जवाब दिया, "'ईसा, जो मालिक है, उसपर यक़ीन करो तो तुम और तुमारा ख़ानदान _नजात** पाएगा।"
- **49:12** अच्छे काम तुम्हें **बचा** नहीं सकते।
- **49:13** जो कोई भी 'ईसा पर यक़ीन करता और उसे ख़ुदा की शक्ल में क़ुबूल करता है ख़ुदा उसे **बचाएगा**। लेकिन जो उसमें ईमान नहीं करता है ऐसे किसी शख्स को वह नहीं **बचाएगा**।

शब्दकोश:

- Strong's: H983, H2421, H3444, H3467, H3468, H4190, H4422, H4931, H6403, H7682, H7951, H7965, H8104, H8668, G803, G804, G806, G1295, G1508, G4982, G4991, G4992, G5198

(**वापस जाओ:** 09:08; 11:02; 11:05; 12:05; 12:13; 13:04; 16:04; 16:08; 16:09; 16:14; 16:17; 21:02; 21:14; 23:02; 28:07; 31:07; 38:01; 40:05; 44:08; 45:07; 47:04; 47:11; 48:05; 48:07; 49:05; 49:06; 49:12; 49:13; 50:04)

बतशबा'

सच्चाई:

“बतशबा' ” दाऊद के एक फौजी ऊरिय्याह की बीवी थी। ऊरिय्याह के मरने के बा'द वह दाऊद की बीवी बन गई थी, वही बादशाह सुलैमान की माँ थी।

- दाऊद ने बतशबा' के साथ ज़िना किया जबकि वह ऊरिय्याह की बीवी थी।
- जब बतशबा' दाऊद से हमिलाहो गई तब दाऊद ने ऊरिय्याह को जंग के लिए 'इलाक़े में आगे भेजकर क़त्ल करा दिया।
- उसके बा'द दाऊद ने बतशबा' से शादी की और उनके बेटा पैदा हुआ।
- ख़ुदावन्द ने उस बच्चे को कुछ दिनों बा'द मारकर दाऊद के गुनाह की सज़ा दी |
- बतशबा' से एक और बेटा हुआ, सुलैमान जो दाऊद के बा'द बादशाह बना।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: दाऊद, सुलैमान. ऊरिय्याह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1तवारीख़ 03:4-5
- 1 सलातीन 01:11-12
- 2 शमूएल 11:2-3
- ज़बूर 051:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:10** एक दिन, जब दाऊद के सब फ़ौजी बादशाहत से दूर जन्ग करने के लिए गए हुए थे, उसने अपने महल से बाहर देखा, तो उसे एक 'औरत जो बहुत ख़ूबसूरत थी नहाती हुई दिखाई पड़ी। उसका नाम **बतशेबा** था।
- **17:11** कुछ वक़्त बा'द _ बतशबा_ ने दाऊद के पास कहला भेजा कि वह हमल से है |
- **17:12 बतशबा'** का शोहर, जिसका नाम ऊरिय्याह था, वह दाऊद का एक बाहादुर फ़ौजी था।
- **17:13** ऊरिय्याह के मरने के बा'द, दाऊद ने बतशबा' से शादी कर ली।
- **17:14** उसके बा'द, दाऊद और **बतशबा'** का एक और बेटा पैदा हुआ उसका नाम उन्होंने सुलैमान रखा।

शब्दकोश:

- Strong's: H1339

(**वापस जाओ:** 17:10; 17:11; 17:12; 17:13; 17:14)

बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह

ता'अर्रुफ़

ये सब अलफ़ाज़ बदरूहों के बारे में हैं जो ख़ुदा के मुखालिफ़ रूहें हैं।

- ख़ुदा ने फ़रिश्ते की तख़लीक़ अपनी ख़िदमत के लिए की| शैतान ने जब ख़ुदा से मुख़ालिफ़त की तब कुछ फ़रिश्तों ने उसके साथ बग़ावत की और वे जन्नत से बाहर गिरा दिए गए। माना जाता है कि शैतान और बदरूहें ये "गिराए गए फ़रिश्ते" हैं।
- इन बदरूहों को कभी-कभी "नापाक रूहें" भी कहा गया है। "नापाक" या'नी "ख़राब" या "बुरी" या "गन्दी"
- शैतान की ख़िदमत में होने की वजह से वे बुरा काम करती हैं। कभी-कभी वे इन्सान में दाख़िल होकर उसे क़ाबू में कर लेती हैं।
- वे इन्सान से ज़्यादा ताक़तवर होती हैं लेकिन ख़ुदा से ज़्यादा नहीं।

तर्जुमे की सलाह :

- लफ़्ज़ "बदरूह" का तर्जुमा हो सकता है "बुरी रूह"
- लफ़्ज़ "नापाक रूह" का तर्जुमा हो सकता है, "ख़राब रूह" या "ग़लत रूह" या "बुरी रूह"
- यक़ीनी करें कि इनमें से कोई भी लफ़्ज़ या जुमला जो इसके तर्जुमे में इस्ते'माल हो उस लफ़्ज़ के मतलब एक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए।
- ये भी ख़याल रहे कि लफ़्ज़ "बदरूह" मक़ामी या क़ौमी ज़बान में कैसा होगा। (देखें: नामा'लूम लफ़्ज़ का तर्जुमा कैसे करें

(ये भी देखें: बदरूह-से मुब्तिला, शैतान, झूठा मा'बूद, झूठे मा'बूद, फ़रिश्ता, बुराई, पाक)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- या'कूब 02:18-20
- या'कूब 03:15-18
- लूक़ा 04:35-37
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती. 04:23-25

बाइबल कहानियों से मिसाल:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें **बदरूहें** थी, उन्हें 'ईसा के पास लाया गया। जब 'ईसा उन्हें हुक्म देता, तब **बदरूहे** अक्सर यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी कि, "तुम ख़ुदा के बेटे हों!"
- **32:08 बदरूह** उस आदमी में से निकलकर सूअरों के अन्दर गई।
- **47:05** लिहाज़ा: एक दिन जब वह ख़ादिमा चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस **बदरूह** से जो उसमे थी कहा, "मैं तुझे 'ईसा मसीह के नाम से हुक्म देता हूँ कि उसमें से निकल जा। उसी घड़ी वह **वह बदरूह** उसमें से निकल गई।
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफ़ान को रोक दिया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, **बदरूहों** को निकाला, मुर्दों को ज़िन्दा किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने खाने में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफ़ी हो।

शब्दकोश:

- Strong's: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

(**वापस जाओ:** 26:09; 32:05; 32:07; 32:08; 32:09; 47:03; 47:05; 49:02)

बदरूहों से मुब्तिला

ता'रीफ़:

एक शख़्स जो बदरूहों या बुरी रूहों से मुब्तिला हैं वह बदरूहों के ताबे' रहता और बदरूह से ही करता है और सोचता है|

- अक्सर बदरूह में मुब्तिला इन्सान अपने को या और किसी को नुक़सान पहुँचाता है क्यूँकि बदरूह उससे ऐसा करवाती है|
- 'ईसा ने बदरूह में मुब्तिला लोगों को चंगा किया; बदरूहों को हुक्म देकर कि उनमें से निकल जाएं। इसे अक्सर बदरूह निकालना कहा गया है।

तर्जुमे की सलाह:

- दूसरे तरीक़े से इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "बदरूह के क़ाबू में" या "बदरूह के ज़रिए' क़ाबू" या "बदरूह का अन्दर रहना"

(इसे देखें: बदरूह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मरकुस 01:32-34
- मत्ती 04:23-25
- मत्ती 08:16-17
- मत्ती 08:33-34

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें **बदरूहें थी** , उन्हें 'ईसा के पास लाया गया।
- **32:02** जब वह झील की दूसरी तरफ पहुँचे तो तुरन्त एक शख़्स जिसमे **बदरूह थी**, 'ईसा के पास दौड़कर आया।
- **32:06 बदरूह में मुब्तिला** इन्सान ने ऊँचे लफ़्ज़ से चिल्लाकर कहा "ऐ 'ईसा सबसे बड़े ख़ुदा के बेटे, मुझे तुझ से क्या काम है? मेहरबानी करके मुझे परेशानी न दे!"
- **32:09** लोगों ने आकर उसको जिसमें **बदरूहें** थीं, कपड़े पहने और इत्मिनान से बैठे देखा और एक 'आम इन्सान की तरह सुलूक करते पाया ।
- **47:03** हर दिन जब वह (पौलुस और सिलास) दु'आ करने की जगह जाते थे, तो एक ख़ादिमा उनका पीछा करती थी जिसमें **बदरूह थी**।

शब्दकोश:

- Strong's: G1139

(**वापस जाओ:** 32:02; 32:06; 47:03)

बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा

ता'अर्रुफ़:

नए 'अहद नामे में "बपतिस्मा देना " और ,"बपतिस्मा" , का मतलब ईमानदार को रूहानी तरह से पानी में नहलाना कि उसके गुनाह से छुटकारा और मसीह के साथ मुत्तफ़िक़ होना।

- पानी के "बपतिस्में के अलावह किताब-ए-मुक़द्दस ,पाक रूह बपतिस्मे" और आग के बपतिस्में" की भी बात करती है" |
- " बपतिस्मा" लफ्ज़ कलाम में बड़े दुख के तजुर्बा के लिए भी काम में लिया जाता है |

तर्जुमा की सलाह:

- मसीही लोग पानी के बपतिस्में के बारे में अलग-अलग ख़याल रखते हैं | तो अच्छा होगा कि इसका तर्जुमा 'अवामी तौर में किया जाए जिसमें पानी के इसते'माल के मुख्तलिफ़ तरीक़े हों |
- शर्तों के मुताबिक़ "बपतिस्मा" का तर्जुमा पाकीज़गी,उण्डेलना" "डूबाना" "धोना" या रुहानी तरह " से पाक करना" , हो सकता है | मिसाल के तौर पर, पानी से तुम्हें "बपतिस्मा देने का तर्जुमा पानी" में डुबकी, हो सकता है |
- लफ्ज़ "बपतिस्मा" का तर्जुमा "पाकीज़गी" " डालना, डुबकी " सफ़ाई या, रूहानी " धुलाई, " की शक्ल में किया जा सकता है |
- जब यह दर्द ज़ाहिर करता है, तो "बपतिस्मा" का तर्जुमा ख़तरनाक तकलीफ़ का वक़्त, या " दुख से आजाद साफ़ हों" |
- यह भी ख़याल करें कि इस लफ्ज़ का तर्जमा किसी मुक़ामी या क़ौमी ज़बान में कलाम-ए-मुक़द्दस तर्जुमा में किया गया है|

(यह भी देखें: नावाकिफ़ लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: युहन्ना बपतिस्मा देने वाला, तौबा करना, पाक रूह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- {रसूलों के 'आमाल 02:37-39](rc://ur-deva/tn/help/act/02/37)
- {रसूलों के 'आमल 08:36-38](rc://ur-deva/tn/help/act/08/36)
- रसूलों के 'आमाल 09:17-19
- रसूलों के 'आमाल 10:46-48
- {लूका 03:15-16](rc://ur-deva/tn/help/luk/03/15)
- मत्ती 03:13-15
- \मत्ती 28:18-19

बाइबल कहानियों से मिसाल:

- *24:03_* जब उन लोगों ने यूहन्ना का पैगाम सुना, उन्होंने अपने-अपने गुनाहों से तौबा की, और युहन्ना ने उनको **बपतिस्मा** दिया| बहुत से मज़हबी रहनुमा युहन्ना से **बपतिस्मा** लेने को आए, लेकिन उन्होंने न तौबा की और न ही अपने गुनाहों का इक़रार किया |
- **{24:06](rc://ur-deva/tn/help/obs/24/06)** अगले दिन,'ईसा युहन्ना के पास उससे _बपतिस्मा _लेने को आया
- **{24:07](rc://ur-deva/tn/help/obs/24/07)** यूहन्ना ने 'ईसा से कहा, मैं इस लायक़ नहीं कि तुझे _बपतिस्मा _ दूँ | मुझे तो तेरे हाथ से बपतिस्मा लेने की ज़रूरत है।"
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब क़ौमों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें बाप और बेटा और पाक रूह के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें हुक्म दिया है मानना सिखाओ "
- **43:11** पतरस ने उनको जवाब दिया, तौबा करो और तुम में से हर एक 'ईसा मसीह के नाम से_ बपतिस्मा_ ले तो ख़ुदावन्द तुम्हारे गुनाहों को मा'फ़ करेगा
- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस की बात पर यक़ीन किया और 'ईसा के शागिर्द बन गए| और उन्हें **बपतिस्मा** दिया गया और वह यरुशलीम की कलीसिया का हिस्सा बन गए|
- **45:11** फिलिप्पुस और कूश मुल्क का हाकिम रास्ते में चलते चलते वह किसी पानी की जगह पहुँचे| तब कूश के हाकिम ने कहा, "देख" देख यहाँ कुछ पानी है , क्या मैं **बपतिस्मा** ले सकता हूँ|
- **46:05** शाऊल फौरन देखने लगा, और हनन्याह ने उसे **बपतिस्मा** दिया|
- **49:14** 'ईसा तुम्हें उस यक़ीन करने वाले और **बपतिस्मा** लेने के लिए बुलाता है

शब्दकोश:

- Strong's: G907

(**वापस जाओ:** 24:03; 24:06; 24:07; 24:08; 24:09; 25:01; 36:01; 42:10; 43:11; 43:12; 45:11; 45:12; 46:05; 47:02; 47:12; 49:14)

बरकत, मुबारक, बरकत देना

ता'अर्रुफ़:

किसी को “बरकत” देना या किसी शख्स या चीज़ के लिए अच्छी और फ़ायदे मन्द बात होने की तमन्ना करना।

- किसी को बरकत देने का मतलब उसके लिए सही और फ़ायदे की ख़याल ज़ाहिर करना।
- किताब-ए- मुक़द्दस के ज़माने में बाप हमेशा अपनी औलाद को ‘आम तौर पर बरकत देते थे।
- लेकिन आदमी जब ख़ुदावन्द को “मुबारक”कहता है तब इस लफ्ज़ का मतलब है, वह उसकी ता'रीफ़ कर रहे हैं।
- कभी-कभी “बरकत” लफ्ज़ खाना को खाने से पहले उसे पाक करना भी होता है या ख़ुदावन्द को खाने के लिए मुबारकबाद देना और उसकी ता'रीफ़ करना।

तर्जुमें की सलाह:

- “बरकत” देने का तर्जुमा“ हलीमी से फ़राहम करना” या “किसी पर ज़्यादा से ज़्यादा रहम और फ़ज़ल ज़ाहिर करना” भी हो सकता है।

“ख़ुदावन्द ने बहुत बरकत दी” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा ने बहुत अच्छी चीज़ें दी” या “ख़ुदा उसे समझ फ़राहम करेगा”।

- “वह मुबारक है” इसका तर्जुमा हो सकता है, “वह बहुत फ़ायदा उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी चीज़ें हासिल करेगा” या “ख़ुदावन्द उसे समझ फ़राहम करेगा”।
- “मुबारक है वह आदमी जो” इसका तर्जुमा हो सकता है, “कितना मुबारक है वह आदमी जो”
- इज़हार जैसे “मुबारक है ख़ुदा” का तर्जुमा“रब की ता'रीफ़ हो” या “ यहोवा की ता'रीफ़ करो” या “मैं ख़ुदा की ता'रीफ़ करता हूँ”।
- खाने को बरकत देने के बारे में इसका तर्जुमा किया जा सकता है, “खाने के लिए ख़ुदा का शुक्र किया” या “खाने के लिए ख़ुदावन्द की ता'रीफ़ की” या “ख़ुदा की ता'रीफ़ करके खाने को पाक किया”।

(यह भी देखें: ता'रीफ़ करना)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- रसूलों के 'आमाल 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- पैदाईश 14:19-20
- यसा’याह 44: 3-4
- या’क़ूब 01:22-25
- लूक़ा 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहमियाह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **01:07** ख़ुदा ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें **बरकत दी**।
- **01:15** ख़ुदा ने अपनी शक्ल में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें **बरकत दी** और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और ज़मीन में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये ख़ुदा जो कुछ कर रहा था उन सब से आराम लिया। उस ने सातवें दिन को **बरकत दी** और उसे पाक किया क्योंकि इस दिन ख़ुदा ने अपने काम से आराम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम 'अज़ीम करूँगा। मैं **बरकत _ दूँगा उनको जो तुझे बरकत देगा, और जो तुझे ला’नत करेगा, उसे मैं ला’नत दूँगा। ज़मीन के सभी ख़ानदानों को तेरे वजह से _बरकत दी** जाएगी। "
- _ *[04:07](rc://ur-deva/tn/help/obs/04/07)*_ मलिकसिदक ने अब्राम को **बरकत दी** और कहा, " ख़ुद मुख्तार ख़ुदावन्द जो आसमान और ज़मीन का मालिक है अब्राम को बरकत दे।"
- _ *[07:03](rc://ur-deva/tn/help/obs/07/03)*_ इसहाक़ अपनी _बरकत _ 'ऐसौ को देना चाहता था।
- _ *[08:05](rc://ur-deva/tn/help/obs/08/05)*_ यहाँ तक कि जेल में, यूसुफ़ ख़ुदा के लिए वफ़ादार रहा, और ख़ुदा ने उसे **बरकत दिया** ।

शब्दकोश:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

(**वापस जाओ:** 01:07; 01:15; 01:16; 03:14; 04:04; 04:07; 05:10; 07:03; 07:04; 07:05; 08:04; 08:05; 08:14; 09:03; 13:07; 17:05; 17:07; 17:08; 17:09; 21:02; 48:07)

बरनबास

सच्चाई:

रसूलों के वक़्त में बात करने वाला बरनबास एक पहला मसीही ईमानदार था |

- बरनबास इस्राईल के लावी क़बीले का था बर्फीले जज़ीरे का रहने वाला था |
- शाऊल (पौलुस) ने जब 'ईसा को क़ुबूल किया, तब बरनबास ने दूसरे ईमानदारों से गुज़ारिश कि उसे क़ुबूल कर लें|
- बरनबास और पौलुस) , एक साथ मुख्तलिफ़ शहरों में गए कि वाहाँ 'ईसा के बारे में ख़ुशख़बरी सुनाए |
- उसका नाम यूसुफ़ था लेकिन उसे "बरनबास "या हौसला का बेटा कहा जाता था |

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मसीही, कुप्रस, ख़ुशख़बरी, लावी, पौलुस, |

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में: ## |

- रसूलों के 'आमाल 04:36-37
- रसूलों के 'आमाल 11:25-26
- रसूलों के 'आमाल 13:1-3
- रसूलों के 'आमाल 15:33-35
- कुलुस्सियों 04:10-11
- गलातियों 02:9-10
- गलातियों 02:13-14

बाइबल कहानियों से मिसालें:

- **46:08** तब _बरनबास _ ने उसे अपने साथ रसूलों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क़ में इसने कैसे हियाव से 'ईसा के नाम का 'ऐ लान किया |
- **46:09** _ बरनबास_ और शाऊल इन नए ईमानदारों को ता'लीम देने, 'ईसा के बारे में बताने और कलीसिया को मज़बूत करने के लिए अन्ताकिया आए | I

46:10 एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही लोग रोज़ा रखकर ख़ुदावन्द की 'इबादत कर रहे थे, तो पाक रूह ने कहा," मेरे लिए _ बरनबास_ और शाऊल को उस काम के लिए अलग करो जिसके लिए मैंने उन्हें बुलाया है|" तब अन्ताकिया की कलीसिया ने पौलुस और_ बरनवास_ के के ऊपर अपना हाथ रख कर दु'आ की और उन्हें भेज दिया|

शब्दकोश:

- Strong's: G921

(**वापस जाओ:** 46:08; 46:09; 46:10)

बर्रा, ख़ुदा का बर्रा

ता'अर्रुफ़:

"मेम्ना" भेड़ का बच्चा। भेड़ चौपाया जानवर होता है जिसके घने ऊन जैसे बाल होते हैं, और ख़ुदा को उसकी क़ुर्बानी पेश की जाती थी। ''ईसा को "ख़ुदा का मेम्ना" कहा जाता था क्योंकि उसे इन्सानों के गुनाहों की क़ीमत चुकानी पड़ी थी

- इन जानवरों का आसानी से भटक जाना मुमकिन था लिहाज़ा उन्हें हिफ़ाज़त की ज़रूरत थी। ख़ुदा इन्सानों का मुक़ाबला भेड़ों से करता है।
- ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़ इसे क़ुर्बानी पेश करने के लिए भेड़ या मेम्ने को जिस्मानी तौर से बे'ऐब होना था।
- 'ईसा को ख़ुदा का मेम्ना कहा गया है, क्योंकि वह इन्सानों के गुनाहों के लिए क़ुर्बानी पेश किया गया था। वह एक कामिल बे'ऐब क़ुर्बानी थी क्योंकि वह गुनाह से आज़ाद था।

तर्जुमे की सलाह:

- अगर मक़ामी ज़बान में भेड़ जाना हुआ लफ़्ज़ है, तो उसके बच्चे के नाम के इस्ते'माल से तर्जुमा किया जाए जैसे "मेम्ना" या "ख़ुदा का मेम्ना" ।
- "ख़ुदा का बर्रा" का तर्जुमा "ख़ुदा का (क़ुर्बानी)बर्रा" या "मेम्ना, ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी चढ़ाया गया" या " ख़ुदा की ओर से (क़ुर्बानी)मेम्ना" के तौर पर किया जा सकता है।
- अगर भेड़ अनजान है तो इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "एक भेड़ का बच्चा" किया जा सकता है और हाशिये में उस भेड़ का ज़िक्र करें। हाशिए में भेड़ और भेड़ के बच्चों का मुक़ाबला जानवरों से किया जाता है जो झुंडों में रहता है, जो कि डरपोक और बेघर है, और वह अक्सर भटकते हैं।
- यह भी ध्यान रखें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़ामी या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है।

(देखें: अनजान अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: भेड़, चरवाहा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 12:1-3
- 'अज़्रा 08:35-36
- यसा'याह 66:3
- यरमियाह 11:18-20
- युहन्ना 01:29-31
- युहन्ना 01:35-36
- अहबार 14:21-23
- अहबार 17:1-4
- लूक़ा 10:3-4
- मुकाशिफ़ा 15:3-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:07**जब इब्राहीम और इस्हाक़ क़ुर्बानी की जगह की ओर जा रहे थे, इस्हाक़ ने पूछा, " ऐ मेरे बाप, देख, क़ुर्बानी के लिए लकड़ी तो हैं; लेकिन **बर्रा** कहाँ है?"
- **11:02** ख़ुदा ने कहा कि, वह इन्सान जो उस पर ईमान करेंगा वह उसके पहलौठे बेटे को बचाएगा। हर ख़ानदान एक कामिल **बर्रे** की क़ुर्बानी देंगा।
- **24:06** अगले दिन, 'ईसा युहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया | जब यूहन्ना ने उसे देखा, तो कहा, "देख ! यह **ख़ुदा का बर्रा** है, जो दुनिया के गुनाहों को दूर ले जाएगा।"
- **45:08** वह पढ़ रहा था, "वह भेड़ की तरह हलाक होने को पहुँचाया गया, और जैसा **बर्रा** अपने ऊन कतरने वालों के सामने चुपचाप रहता है, वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला।
- **48:08** जब ख़ुदा ने इब्राहीम से उसके बेटे इस्हाक़ को क़ुर्बानी करने को कहा, तब ख़ुदा ने इस्हाक़ की जगह पर इब्राहीम को क़ुर्बानी 'अदा करने के लिए एक **बर्रा** _ **'अता किया। हम सब इन्सान अपने गुनाहों की वजह से मौत के लायक़ है। लेकिन ख़ुदा ने 'ईसा को भेजा, ख़ुदा का** _**बर्रा**, कि वह हमारी जगह पर अपने आप को क़ुर्बान करे।
- **48:09** जब ख़ुदा ने मिस्र पर आख़िरी बीमारी भेजी, उसने हर इस्राईली ख़ानदान से कहा कि वह एक कामिल **बर्रे** की क़ुर्बानी दे और उसका ख़ून अपने दरवाज़े के ऊपर व चारों ओर उंडेले।

शब्दकोश:

- Strong's: H7716, G721, G2316

(**वापस जाओ:** 05:07; 11:02; 11:03; 11:05; 12:14; 24:06; 45:08; 48:08; 48:09; 48:10)

बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "बादशाह" एक ऐसे इन्सान के बारे में बताता है जो शहर, बादशाही या मुल्क का सबसे बड़ा हाकिम है।

- बादशाह को 'आम तौर पर अपने पिछले बादशाहों के ख़ानदान में से हुकूमत करने के लिए चुना गया था।
- जब एक बादशाह की मौत हो गई, तो वह 'आमतौर पर उसका पहलौठा बेटा था जो अगला बादशाह बन गया।
- पुराने ज़माने में, बादशाह की बादशाही में लोगों पर पूरा इख़्तियार था।
- शायद ही कभी "बादशाह" लफ़्ज़ का इस्ते'माल किसी ऐसे इन्सान को बताने के लिए किया गया था जो नए 'अहदनामे में "बादशाह हेरोदेस" के जैसा सच्चा बादशाह नहीं था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में, ख़ुदा को अक्सर बादशाह की शक्ल में जाना जाता है जो अपने लोगों पर हुकूमत करता है।
- "ख़ुदा की बादशाही" अपने लोगों पर ख़ुदा की हुकूमत को ज़ाहिर करता है।
- 'ईसा को "यहूदियों का बादशाह", "इस्राईल के बादशाह" और "बादशाहों के बादशाह" कहा जाता था।
- जब 'ईसा वापस आएगा, तो वह दुनिया भर में बादशाह की शक्ल में हुकूमत करेगा।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "सबसे बड़ाख़ास " या "पूरा रहनुमा" या "ख़ुद इख़्तियार हाकिम" की शक्ल में भी किया जा सकता है।
- "बादशाहों के बादशाह" जुमले का तर्जुमा "बादशाह जो और सभी बादशाहों पर हुकूमत करता है" या "सबसे बड़ा हाकिम जो और सभी हाकिमों पर इख़्तियार रखता है" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: \ इख़्तियार, \ हेरोदेस अन्तिपास, \ हुकूमत][[rc://ur-deva/tw/dict/bible/other/kingdom]], \ ख़ुदा की बादशाही)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- \ 1 तीमुथियुस 06: 15-16
- \ 2 सलातीन 05: 17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- \ रसूलों के 'आमाल 07: 9-10
- \ रसूलों के 'आमाल 13: 21-22
- \ युहन्ना 01: 49-51
- \ लूक़ा 01: 5-7
- \ लूक़ा 22: 24-25
- \ मत्ती 05: 33-35
- \ मत्ती 14: 8-9

किताब-एमुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **08:06** एक रात, फ़िर'औन, जिसने मिस्रियों को अपने बादशाहों से बुलाया था, दो सपने थे जो उसे बहुत परेशान करते थे।
- **16:01** इज़राइलियों के पास कोई **बादशाह** नहीं था, इसलिए हर कोई ऐसा करता था जो उन्होंने सोचा था कि उनके लिए सही था।
- **16:18** आख़िर में, लोगों ने ख़ुदा को और सभी हुकूमतों की तरह एक**बादशाह** के लिए कहा।
- **17:05** आखिरकार, शाऊल जंग में मर गया, और दाऊद इस्राईल का**बादशाह** बन गया। वह एक अच्छा **बादशाह** था, और लोग उसे प्यार करते थे।
- **21:06** ख़ुदा के नबियों ने यह भी कहा कि मसीह एक नबी, काहिन और एक **बादशाह** होगा।
- **48:14** दाऊद इज़राइल का **बादशाह** था, लेकिन 'ईसा पूरी क़ायनात का **बादशाह** है!

शब्दकोश:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

(**वापस जाओ:** 08:06)

बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "बादशाह" एक ऐसे इन्सान के बारे में बताता है जो शहर, बादशाही या मुल्क का सबसे बड़ा हाकिम है।

- बादशाह को 'आम तौर पर अपने पिछले बादशाहों के ख़ानदान में से हुकूमत करने के लिए चुना गया था।
- जब एक बादशाह की मौत हो गई, तो वह 'आमतौर पर उसका पहलौठा बेटा था जो अगला बादशाह बन गया।
- पुराने ज़माने में, बादशाह की बादशाही में लोगों पर पूरा इख़्तियार था।
- शायद ही कभी "बादशाह" लफ़्ज़ का इस्ते'माल किसी ऐसे इन्सान को बताने के लिए किया गया था जो नए 'अहदनामे में "बादशाह हेरोदेस" के जैसा सच्चा बादशाह नहीं था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में, ख़ुदा को अक्सर बादशाह की शक्ल में जाना जाता है जो अपने लोगों पर हुकूमत करता है।
- "ख़ुदा की बादशाही" अपने लोगों पर ख़ुदा की हुकूमत को ज़ाहिर करता है।
- 'ईसा को "यहूदियों का बादशाह", "इस्राईल के बादशाह" और "बादशाहों के बादशाह" कहा जाता था।
- जब 'ईसा वापस आएगा, तो वह दुनिया भर में बादशाह की शक्ल में हुकूमत करेगा।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "सबसे बड़ाख़ास " या "पूरा रहनुमा" या "ख़ुद इख़्तियार हाकिम" की शक्ल में भी किया जा सकता है।
- "बादशाहों के बादशाह" जुमले का तर्जुमा "बादशाह जो और सभी बादशाहों पर हुकूमत करता है" या "सबसे बड़ा हाकिम जो और सभी हाकिमों पर इख़्तियार रखता है" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: \ इख़्तियार, \ हेरोदेस अन्तिपास, \ हुकूमत][[rc://ur-deva/tw/dict/bible/other/kingdom]], \ ख़ुदा की बादशाही)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- \ 1 तीमुथियुस 06: 15-16
- \ 2 सलातीन 05: 17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- \ रसूलों के 'आमाल 07: 9-10
- \ रसूलों के 'आमाल 13: 21-22
- \ युहन्ना 01: 49-51
- \ लूक़ा 01: 5-7
- \ लूक़ा 22: 24-25
- \ मत्ती 05: 33-35
- \ मत्ती 14: 8-9

किताब-एमुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **08:06** एक रात, फ़िर'औन, जिसने मिस्रियों को अपने बादशाहों से बुलाया था, दो सपने थे जो उसे बहुत परेशान करते थे।
- **16:01** इज़राइलियों के पास कोई **बादशाह** नहीं था, इसलिए हर कोई ऐसा करता था जो उन्होंने सोचा था कि उनके लिए सही था।
- **16:18** आख़िर में, लोगों ने ख़ुदा को और सभी हुकूमतों की तरह एक**बादशाह** के लिए कहा।
- **17:05** आखिरकार, शाऊल जंग में मर गया, और दाऊद इस्राईल का**बादशाह** बन गया। वह एक अच्छा **बादशाह** था, और लोग उसे प्यार करते थे।
- **21:06** ख़ुदा के नबियों ने यह भी कहा कि मसीह एक नबी, काहिन और एक **बादशाह** होगा।
- **48:14** दाऊद इज़राइल का **बादशाह** था, लेकिन 'ईसा पूरी क़ायनात का **बादशाह** है!

शब्दकोश:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

(**वापस जाओ:** 15:07; 16:01; 16:15; 16:18; 17:01; 17:02; 17:04; 17:05; 17:07; 18:05; 18:08; 18:11; 18:12; 18:13; 19:02; 19:13; 19:17; 20:06; 20:08; 20:11; 21:06; 21:08; 29:02; 29:03; 29:04; 29:07; 29:08; 48:14)

बादशाही, बादशाहियाँ

ता’अर्रुफ़:

बादशाही लोगों की क़ौम होती है जिसपर बादशाह के ज़रिए’ हुकूमत की जाती है | इसका हवाला एक मुल्क या सियासी इलाक़े से भी हो सकता है। जिस पर एक बादशाह या हाकिम का क़ाबू और इख़्तियार होता है।

- बादशाह का ज़मीनी हद कितनी भी बड़ी हो सकती है। बादशाह के इख़्तियार में एक क़ौम या मुल्क या सिर्फ़ एक शहर हो सकता है।
- “बादशाही” रूहानी हुकूमत या इख़्तियार के बारे में भी हो सकता है जैसे “ख़ुदा की बादशाही”
- ख़ुदा पूरी क़ायनात का बादशाह है लेकिन “ख़ुदा की बादशाही” ख़ास करके ‘ईसा में ईमान करके उसके इख़्तियार के ताबे’ हो जाने पर लोगों पर उसकी बादशाई और इख़्तियार के बारे में है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में शैतान की “बादशाही” का भी ज़िक्र किया गया है जिसमें वह ज़मीन की बहुत सी बातों पर ‘आरज़ी तौर बादशाही कर रहा है। उसकी बादशाही बुराई की है जिसे “तारीकी” कहा गया है

तर्जुमे की सलाह:

- बादशाह के ज़मीनी हद के बारे में “बादशाही” का तर्जुमा "मुल्क (एक बादशाह के ज़रिए’ हुकूमत)" या "बादशाह का इलाक़ा" या "एक बादशाह के ज़रिए’ हुकूमत वाला इलाक़ा" किया जा सकता है।
- एक रूहानी ख़याल में, " बादशाही " का तर्जुमा "हुकूमत करना" या "हुकूमत" या "क़ाबू" या "हुकूमत" के तौर पर किया जा सकता है।
- "काहिनों की बादशाही " का तर्जुमा "रूहानी काहिन जो ख़ुदा के ज़रिए’ हुकमत में हैं" कर सकते है।
- जुमले "रोशनी की बादशाही " का तर्जुमा "ख़ुदा की हुकूमत जो रोशनी की तरह अच्छी है" या "जब ख़ुदा, जो रोशनी है, लोगों पर हुकूमत करता है" या "ख़ुदा की बादशाही की रोशनी और अच्छाई।" “रोशनी” लफ़्ज़ को संभाले रखना ठीक है क्योंकि यह किताब-ए-मुक़द्दस में एक बहुत ख़ास लफ़्ज़ है।
- ध्यान दें कि लफ़्ज़ "बादशाही" हुकूमत से अलग हो, जिसमें एक हाकिम बहुत से मुल्कों पर हुकूमत करता है।

(यह भी देखें: : इख़्तियार, बादशाह, ख़ुदा की बादशाही , इस्राईल की बादशाही, यहूदाह, यहूदाह, काहिन)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- युहन्ना 18:36-37
- मरकुस 03:23-25
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:18-19
- मत्ती 16:27-28
- मुकाशिफ़ा 01:9-11

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **13:02** ख़ुदा ने मूसा से कहा कि वह इस्राइलियों से कहे ,“ अब अगर तुम यक़ीनन मेरी मानोगे, और मेरे ‘अहद का ‘अमल करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरी मुबारक मीरास, काहिनों की _ बादशाही _ और पाक क़ौम ठहरोगे।”
- **18:04** तब ख़ुदा ने सुलैमान पर ग़ुस्सा किया, और उसकी नारास्ती की वजह उसे सज़ा दी, और ‘अहद बाँधा कि सुलैमान की मौत के बा’द वह इस्राईल की _ बादशाही _ को दो हिस्सों में तक़सीम कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राईली क़बीलों ने रहूब’आम के ख़िलाफ़ बग़ावत की। सिर्फ़ दो क़बीले उसके लिए वफ़ादार रहे। यह दो क़बीले यहूदाह की _ बादशाही _ बन गए।
- **18:08** दीगर दस इस्राईली क़बीले जो रहुब’आम के मुख़ालिफत में थे, उन्होंने अपने लिए यरुब’आमम नाम के एक बादशाह को मुक़र्रर किया। उसने मुल्क के उत्तरी हिस्से में अपनी **बादशाही** को क़ायम किया और उसे इस्राईल की **बादशाही** कहा गया।
- **21:08** बादशाह वह होता है जो **बादशाही** पर हुकूमत करता है और लोगों का इन्साफ़ करता है।

शब्दकोश:

- Strong's: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

(**वापस जाओ:** 13:02; 18:04; 18:08; 18:10; 18:11; 21:08; 25:06; 39:10; 49:15; 50:15)

बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल

सच्चाई:

बाबुल शहर, पुराने बाबुल सल्तनत की दारुल हुकूमत थी । यह भी बाबुल के हाकिम का ही हिस्सा था।

- बाबुल फरात नदी पर बसा था, वही जगह जहाँ 100 साल पहले बाबुल का गुम्मद बनाया गया था।
- कभी-कभी बाबुल लफ्ज़, मुकम्मल बाबुल हुकुमत के लिए काम में लिया गया है। मिसाल के तौर पर, “बाबुल का बादशाह ” शहर पर ही नहीं पूरे मुल्क पर बादशाहत करता था।
- बाबुल के बाशिंदे एक ताक़तवर लोग थे, जिन्होंने यहूदा बादशाह पर हमला करके वहाँ की क़ौम को 70 साल अपनी गूलामी में रखा था।
- इस 'इलाक़े का एक हिस्सा "कसदी" कहलाता था और वहाँ के लोग भी "कसदी" कहलाते थे। नतीज़े के तौर पर “कसदी” लफ्ज़ ज़्यादा तर बाबुल बाशिंदों के लिए काम में लिया गया है। देखें : हमख़याल)
- नये 'अहद नामें में “बाबुल” लफ्ज़ कभी-कभी शक्ल बा शक्ल काम में लिया गया है जो मुख्तलिफ़ जगहों, लोगों और बुत परस्त या और दूसरे गुनहगार तरीक़ों से मिले जुले ख़यालात के बारे में है।
- “बड़ा बाबुल” या “बड़ा शहर बाबुल” शक्ल बा शक्ल ऐसा शहर या मुल्क के लिए काम में लिए गए हैं जो बड़ा आमीर और गुनहगार या जैसे पुराना बाबुल शहर था। (देखें: मिसाल)

(यह भी देखें: बाबुल, कसदी, यहूदा, नबूकदनज़्ज़र)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 तवारीख़ 09:1-3
- 2 सलातीन 17:24-26
- रसूलों के 'आमाल . 07:43
- दानिएल 01:1-2
- हिज़क़ीएल 12:11-13
- मत्ती. 01:9-11
- मत्ती 01:15-17

किताब-एमुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **20:06** अश्शूरियों की तरफ़ से इस्राईली हुकूमत को बर्बाद करने के तक़रीबन सौ सालों बा'द, ख़ुदावन्द ने बाबुल के बादशाह नबूकद नज़्ज़र को भेजा, यहूदी हुकूमत पर हमला करने के लिए। बाबुल एक ताक़तवर सल्तनत थी ।
- **20:07** लेकिन कुछ सालों के बा'द, यहूदा के बादशाह ने _बाबुल _ के ख़िलाफ़ बग़ावत की। तब _बाबुल _ ने वापस आकर यहूदा की बादशाही पर हमला किया। उन्होंने यरूशलेम को जीत लिया, हैकल को बर्बाद कर दिया, और शहर व हैकल की सभी क़ीमती चीज़ों को उनसे छीन कर ले गए।
- **20:09** नबूकदनज़्ज़र और उसके फ़ौजी तक़रीबन सभी यहूदियों को क़ैदी बनाकर _बाबुल _ ले गए, वहाँ पर सिर्फ़ ग़रीबों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके।
- **20:11** तक़रीबन सत्तर साल के बा'द, कुस्त्रू जो फारस का बादशाह बना, उसने _बाबुल _ को शिकस्त दी।

शब्दकोश:

- Strong's: H3778, H3779, H8152, H894, H895, H896, G897

(**वापस जाओ:** 20:06; 20:07; 20:08; 20:09; 20:11)

बा’ल

सच्चाई:

“बा’ल” का मतलब है, “ख़ुदा” या “मालिक”, और पहले के झूठे मा’बूद का नाम था जिनकी इबादत कना’नी करते थे।

- “बा’ल” लफ़्ज़ से निकले और भी झूठे मा’बूद जिनमे बा’ल उन नामों में एक था “ पिओरबा’ल।“ कभी-कभी इन सब देवमा’बूदोंताओं को एक साथ “बा’ल” कहा गया है।
- कुछ लोग उनमें "बा’ल" लफ़्ज़ का नाम शामिल करते थे।
- बा’ल की ‘इबादत में बुरी रवायतें शामिल है जैसे बच्चों की क़ुर्बानी चढ़ाना और तवायफ़ का इस्ते’माल करना|
- उनकी तारीख़ में मुख़तलिफ़ ज़मानों में इस्राईली भी गहराई से ‘इबादत में शामिल होते थे और जो उनके पास ग़ैर-क़ौमें थीं उनके तरीक़े पर चलते थे|
- आहाब की बादशाही के वक़्त में ख़ुदावन्द ले नबी एलियाह ने साबित करके दिखाया था कि बा’ल नहीं सिर्फ़ यहोवा ही सच्चा है| नतीजे के तौर पर बा’ल के पुजारियों को हलाक कर दिया गया था और फ़िर से यहोवा की ‘इबादत करने लगे थे|

(अनुवाद के सुझाव: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अहाब, अशेरा, एलियाह, झूठे मा’बूद, ज़िनाकर, यहोवा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यरमियाह 02:7-8
- क़ुजात 02:11-13
- गिनती 22:41

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:02** अहाब एक बुरा इंसान था जो लोगों को **बा’ल** नाम के झूठे मा’बूद की ‘इबादत करने के लिए हौसला अफज़ाई करता था|
- **19:06** इस्राईली बादशाह के सभी लोगों समेत और --बा’ल-- के नबी 450 आदमी कर्मिल के पहाड़ पर जमा’ हुए| एलियाह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो तरफों में लटके रहोगे| अगर यहोवा ख़ुदा हो, ‘तो उसकी ख़िदमत करो|’ अगर_ बा’ल _ख़ुदा हो, ‘तो उसकी ख़िदमत करो|’”
- **19:07** एलियाह ने बा’ल के नबियों से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुनकर क़ुर्बानी के लिए तैयार कर लो, लेकिन आग न लगाना|”
- **19:08** तब_ बा’ल_ के नबी यह कहकर बा’ल से दु’आ करते रहे, “ऐ _ बा’ल हमारी सुन, ऐ _बा’ल हमारी सुन|”
- **19:12** तब लोगों ने **बा’ल** के नबियों को पकड़ लिया, फ़िर एलियाह ने उन्हें वहाँ से ले जाकर मार डाला|

शब्दकोश:

- Strong's: H1120, G896

(**वापस जाओ:** 19:02; 19:05; 19:06; 19:07; 19:08; 19:12)

बुराई, बदकार, बदकारी

ता'अर्रुफ़:

“बुरा और बदकार” दोनों का हवाला उन बातों से है जो ख़ुदावन्द की ख़ुसूसियात और मर्ज़ी के ख़िलाफ़ है।

- “बुरा” लफ्ज़ इन्सान के किरदार का बयान करता है, “बदकार” लफ्ज़ इन्सान के सुलूक का बयान करता है। ताहम, मतलब में दोनों लफ्ज़ बराबर हैं।
- “बुराई” का मतलब इन्सान के ज़रिए’ किए गए बुरे काम को ज़ाहिर करता हैं।
- बुराई के नतीजे वाज़ह तौर से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे क़त्ल करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और ज़ालिमाना और बेरहम होते हैं।

तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “बुराई” और बदकारी का तर्जुमा “बुरा” या “गुनहगार” या “ग़ैर अख्लाक़ी” हो सकता है।
- इसका तर्जुमा दोसरी तरह हैं, “अच्छी नहीं” या “रास्त्बाज़ नहीं” या “अख्लाक़ी नहीं”
- यक़ीन करें कि इनके तर्जुमें के लफ्ज़ और मक़सदी ज़बान में ‘आम हवाले के साथ हों।

(यह भी देखें:नाफ़रमान, गुनाह , अच्छा, रास्तबाज़, बदरूह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 युहन्ना 01:9-10
- पैदाइश 02:15-17
- पैदाइश 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- कुज़ात 09:55-57
- लूक़ा 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- अमसाल 03:7-8
- ज़बूर 022:16-17

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें :

- _ *[02:04](rc://ur-deva/tn/help/obs/02/04)*_ "ख़ुदावन्द इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम ख़ुदा की तरह हो जाओगे और अच्छा और **बुरे** को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे वक़्त के बा'द, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वह बहुत _बदकार _ और तशदुद्द थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने ख़ुदावन्द से फ़ज़ल पाया। वह **बदकार** लोगों के बीच रहने वाला एक रास्तबाज़ शख्स था।
- **04:02** ख़ुदावन्द ने देखा कि अगर वह सभी एक साथ मिलकर **बुराई** करते हैं, तो वह और भी ज़्यादा गुनाह करेंगे।
- **08:12** "आपने ग़ुलाम कि शक्ल में मुझे बेचकर तुमने **बुराई** करने की कोशिश की, लेकिन ख़ुदा ने भलाई के लिए **अच्छा** इस्ते'माल किया!"
- **14:02** वह (कना'नी) ने झूठे मा'बूदों की पूजा की और कई _ बुरे_ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक _बदकार _ शख्स बन गया, जिसने ख़ुदा का हुक्म नहीं माना , इसलिए ख़ुदा ने एक अलग शख्स को चुना जो एक दिन उसके जगह पर बादशाह बनेगा।
- **18:11** इस्राईलियों के नए रियासत में, सभी बादशाह **बुरे** थे
- **29:08** बादशाह इतना ग़ुस्से में था कि उसने _बदकार _ ग़ुलाम को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे क़र्ज़ को अदा न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और ख़ुदा के बारे में _ बुरी_ बातें कहता है!"
- **50:17** वह ('ईसा) हर आंसू को मिटा देगा उसके बा'द कोई दर्द , दुःख, रोने, **बुराई**, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्दकोश:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2617, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

(**वापस जाओ:** 01:11; 02:03; 02:04; 02:12; 03:15; 04:02; 08:12; 14:02; 17:13; 18:11; 18:13; 19:02; 19:16; 29:08; 45:01; 50:09; 50:17)

बेटे, बेटों

ता’अर्रुफ़:

एक आदमी और एक 'औरत का बेटा उसके पूरी ज़िन्दगी के लिए उनका "बेटा" कहलाता है उसे उस आदमी का बेटा और उस 'औरत का एक बेटा भी कहा जाता है एक "गोद लिया बेटा" एक आदमी है जिसे क़ानूनी शक्ल से एक बेटे के'उहदे में रखा गया है।।

- कलाम में “बेटा” लफ़्ज़ हमेशा 'अलामती शक्ल में किसी भी शख़्स की औलाद के बारे में इस्ते'माल किया गया है। जैसे पोता या परपोता
- “बेटा” लफ़्ज़ को जुमले में किसी लड़के या आदमी से कम उम्र के शख़्स के लिए इस्ते'माल किया जा सकता है।
- “नए 'अहद नामे में ख़ुदा के बेटे” मसीह के ईमानदारों के बारे में इस्ते'माल किया गया है।
- ख़ुदा ने इस्राईल को अपना "पहलौठ बेटा" कहा। यह इस्राईल मुल्क को ख़ुदा के ज़रिए' ख़ास लोगों की शक्ल में चुनने के बारे में है। यह उनके ज़रिए' ख़ुदा की नजात या नजात का पैग़ाम आया, जिसके नातीजे के साथ कि दूसरे लोग उसकी रूहानी औलाद बन गए।
- “का बेटा” का रूहानी शक्ल में हमेशा एक मतलब होता है कि “ शख़्स में किसी की ख़ासियत” हैं। इसकी मिसाल है, “रोशनी की औलाद”, “फ़रमाबरदारी की औलाद ”, “ अमन का बेटा” “गर्ज के बेटे”।
- "बेटा" इस जुमले का इस्ते'माल हमेशा यह ज़ाहिर करने के लिए भी किया जाता है कि मा'लूम हो की इस शख़्स का बाप कौन है। यह अलफ़ाज़ 'औलादों और कई मक़ामों में भी काम में लिए गए हैं ।
- बाप का नाम रोशन करने के लिए” “का बेटा” ज़्यादातर एक ही नाम के लोगों को एक दूसरे से अलग बयान करने के लिए काम में लिया जाता है। मिसालके तौर पर , सदूक का बेटा अजरियाह” और “नातन का बेटा अजरियाह -1 बादशाह 4 और 2 बादशाह 15 में “अमसियाह का बेटा अजरियाह ।

तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के बारे में ज़्यादातर 'अलामती ज़बान के उसी लफ़्ज़ को काम में लिया जाए जो “बेटा” के लिए काम आता है।
- “ ख़ुदा का बेटा” जुमले का तर्जुमे में “बेटा” के लिए जिस लफ़्ज़ का इस्ते'माल 'आमतौर पर किया जाता है, उसी का इस्ते'माल करें।
- जब “बेटा” की जगह में किसी औलाद को ज़ाहिर किया जाता है तब “औलाद” लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाए जैसे 'ईसा को दाऊद की औलाद कहा जाता था। या औलादों में भी जहां “बेटा” लफ़्ज़ किसी औलाद का इन्कार कराता है।
- कभी-कभी “बेटों” का तर्जुमा “औलाद ” किया जा सकता है, जब मर्द-’औरत दोनों को एह साथ ज़िक्र किया जा रहा हो। मिसाल के तौर पर “ख़ुदा का बेटा” का तर्जुम, “ख़ुदा की औलाद” किया जा सकता है क्यूँकि इसमें मर्द-’औरत दोनों को एक साथ ज़िक्र किया जा है।
- ‘अलामती शक्ल में, “का बेटा” का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, “जिसमें ख़ासियत हैं” या “की शक्ल ” या “में ख़ासियत हैं” या “की तरह सुलूक है”

(यह भी देखें: अजरियाह, औलाद, बुज़ुर्गों, पहलौठा, ख़ुदा का बेटा, ख़ुदा का बेटा।)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:14-17
- 1 सलातीन 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यसा'याह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **04:08** ख़ुदावन्द ने अब्राम से 'अहद के साथ फिर से बात की कि उसे एक **बेटा** होगा और आसमान में तारे की तरह में कई नसल होंगी ।
- **04:09** ख़ुदावन्द ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक **बेटा** दूँगा।"
- **05:05** तक़रीबन एक साल बा'द, जब इब्राहीम 100 साल का था और सारा 90 की , सारा ने इब्राहीम के **बेटे** को जन्म दिया।

- **05:08**जब वह क़ुर्बानी की जगह पर पहुंच गए, तो इब्राहीम ने अपने **बेटे** इस्हाक़ को बांध दिया और उसे क़ुर्बानगाह पर रख दिया। वह अपने **बेटे** को मारने ही पर था, जब ख़ुदावन्द ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे मा'लूम है कि तुम मुझ से डरते हो क्यूँकि तुमने मुझसे अपने **बेटे** को भी न रख छोड़ा।"
- **09:07**जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने **बेटे** के गोद में ले लिया।
- **11:06** ख़ुदावन्द ने मिस्र के सब पहलौठे **बेटों** को मार डाला।
- **18:01**कई सालों के बा'द, दाऊद की मौत हो गई, और उसके _बेटा _ सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ़ बेटा है ?â€š" उन्होंने कहा।

शब्दकोश:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

(**वापस जाओ:** 04:08; 04:09; 05:04; 05:05; 05:08; 05:10; 06:01; 06:06; 06:07; 09:07; 11:02; 17:07; 20:08; 23:02; 35:03; 35:04; 35:07; 35:08; 35:09; 35:11; 35:13; 48:08)

बेटे, बेटों

ता’अर्रुफ़:

एक आदमी और एक 'औरत का बेटा उसके पूरी ज़िन्दगी के लिए उनका "बेटा" कहलाता है उसे उस आदमी का बेटा और उस 'औरत का एक बेटा भी कहा जाता है एक "गोद लिया बेटा" एक आदमी है जिसे क़ानूनी शक्ल से एक बेटे के'उहदे में रखा गया है।।

- कलाम में “बेटा” लफ़्ज़ हमेशा 'अलामती शक्ल में किसी भी शख़्स की औलाद के बारे में इस्ते'माल किया गया है। जैसे पोता या परपोता
- “बेटा” लफ़्ज़ को जुमले में किसी लड़के या आदमी से कम उम्र के शख़्स के लिए इस्ते'माल किया जा सकता है।
- “नए 'अहद नामे में ख़ुदा के बेटे” मसीह के ईमानदारों के बारे में इस्ते'माल किया गया है।
- ख़ुदा ने इस्राईल को अपना "पहलौठ बेटा" कहा। यह इस्राईल मुल्क को ख़ुदा के ज़रिए' ख़ास लोगों की शक्ल में चुनने के बारे में है। यह उनके ज़रिए' ख़ुदा की नजात या नजात का पैग़ाम आया, जिसके नातीजे के साथ कि दूसरे लोग उसकी रूहानी औलाद बन गए।
- “का बेटा” का रूहानी शक्ल में हमेशा एक मतलब होता है कि “ शख़्स में किसी की ख़ासियत” हैं। इसकी मिसाल है, “रोशनी की औलाद”, “फ़रमाबरदारी की औलाद ”, “ अमन का बेटा” “गर्ज के बेटे”।
- "बेटा" इस जुमले का इस्ते'माल हमेशा यह ज़ाहिर करने के लिए भी किया जाता है कि मा'लूम हो की इस शख़्स का बाप कौन है। यह अलफ़ाज़ 'औलादों और कई मक़ामों में भी काम में लिए गए हैं ।
- बाप का नाम रोशन करने के लिए” “का बेटा” ज़्यादातर एक ही नाम के लोगों को एक दूसरे से अलग बयान करने के लिए काम में लिया जाता है। मिसालके तौर पर , सदूक का बेटा अजरियाह” और “नातन का बेटा अजरियाह -1 बादशाह 4 और 2 बादशाह 15 में “अमसियाह का बेटा अजरियाह ।

तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के बारे में ज़्यादातर 'अलामती ज़बान के उसी लफ़्ज़ को काम में लिया जाए जो “बेटा” के लिए काम आता है।
- “ ख़ुदा का बेटा” जुमले का तर्जुमे में “बेटा” के लिए जिस लफ़्ज़ का इस्ते'माल 'आमतौर पर किया जाता है, उसी का इस्ते'माल करें।
- जब “बेटा” की जगह में किसी औलाद को ज़ाहिर किया जाता है तब “औलाद” लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाए जैसे 'ईसा को दाऊद की औलाद कहा जाता था। या औलादों में भी जहां “बेटा” लफ़्ज़ किसी औलाद का इन्कार कराता है।
- कभी-कभी “बेटों” का तर्जुमा “औलाद ” किया जा सकता है, जब मर्द-’औरत दोनों को एह साथ ज़िक्र किया जा रहा हो। मिसाल के तौर पर “ख़ुदा का बेटा” का तर्जुम, “ख़ुदा की औलाद” किया जा सकता है क्यूँकि इसमें मर्द-’औरत दोनों को एक साथ ज़िक्र किया जा है।
- ‘अलामती शक्ल में, “का बेटा” का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, “जिसमें ख़ासियत हैं” या “की शक्ल ” या “में ख़ासियत हैं” या “की तरह सुलूक है”

(यह भी देखें: अजरियाह, औलाद, बुज़ुर्गों, पहलौठा, ख़ुदा का बेटा, ख़ुदा का बेटा।)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:14-17
- 1 सलातीन 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यसा'याह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **04:08** ख़ुदावन्द ने अब्राम से 'अहद के साथ फिर से बात की कि उसे एक **बेटा** होगा और आसमान में तारे की तरह में कई नसल होंगी ।
- **04:09** ख़ुदावन्द ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक **बेटा** दूँगा।"
- **05:05** तक़रीबन एक साल बा'द, जब इब्राहीम 100 साल का था और सारा 90 की , सारा ने इब्राहीम के **बेटे** को जन्म दिया।

- **05:08**जब वह क़ुर्बानी की जगह पर पहुंच गए, तो इब्राहीम ने अपने **बेटे** इस्हाक़ को बांध दिया और उसे क़ुर्बानगाह पर रख दिया। वह अपने **बेटे** को मारने ही पर था, जब ख़ुदावन्द ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे मा'लूम है कि तुम मुझ से डरते हो क्यूँकि तुमने मुझसे अपने **बेटे** को भी न रख छोड़ा।"
- **09:07**जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने **बेटे** के गोद में ले लिया।
- **11:06** ख़ुदावन्द ने मिस्र के सब पहलौठे **बेटों** को मार डाला।
- **18:01**कई सालों के बा'द, दाऊद की मौत हो गई, और उसके _बेटा _ सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ़ बेटा है ?â€š" उन्होंने कहा।

शब्दकोश:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

(**वापस जाओ:** 05:06)

बेक़ुसूर

ता'अर्रुफ़:

"बेक़ुसूर" लफ़्ज़ का मतलब है, जुर्म या ग़लत काम का क़ुसूरवार न होना। इसके बारे में 'आम तौर पर उन लोगों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी शख़्स पर ग़लत काम का इल्ज़ाम लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह बेक़ुसूर है।
- कभी-कभी "बेक़ुसूर" लफ़्ज़ का इस्ते'माल उन लोगों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के 'अलावह भी सज़ावार किए जाते हैं, जैसे दुश्मन की फ़ौज "बेक़ुसूरों" पर हमला करती है।

तर्जुमा की सलाह:

- ज़्यादातर जुमलों में "बेक़ुसूर" लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है: "क़ुसूरवार नहीं " या "इल्ज़ाम नहीं" या "मुजरिम नहीं"
- जब 'आमतौर पर बेक़ुसूर लोगों के बारे में हो तो इसका तर्जुमा होगा, "जिन्होंने कुछ भी ग़लत नहीं किया" या "जो बुराई में हिस्सेदार नहीं हैं"।
- एक जुमला बार-बार काम में लिया जाता है, " बेक़ुसूर का ख़ून" इसका तर्जुमा हो सकता है, "लोग जिन्होंने ग़लत काम नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया"
- "बेक़ुसूर का ख़ून"बहाना" इसका तर्जुमा हो सकता है, " बेक़ुसरों का क़त्ल" उन लोगों का क़त्ल करना जिन्होंने कुछ भी ग़लत नहीं किया"
- किसी का क़त्ल करने के बारे में "के ख़ून से बेक़ुसूर" का तर्जुमा किया जा सकता है, "क़त्ल का मुजरिम नहीं"।
- 'ईसा की ख़ुशख़बरी को क़ुबूल नहीं करने वालों के बारे में तर्जुमा होगा, "के ख़ून से बेक़ुसूर" का तर्जुमा होगा, "रूहानी शक्ल से मुर्दा हों या नहीं, वह उसके ज़िम्मेदार नहीं हैं" या "इस 'एलान को क़ुबूल करें या न करें, वह ज़िम्मेदार नहीं"।
- जब यहूदा ने कहा, "मैंने एक बेगुनाह शख़्स को क़त्ल करवाया है" तो उसके कहने का मतलब है, "मैंने एक ऐसे आदमी के साथ धोकेबाज़ी की जिसने कोई जुर्म नहीं किया है" या "मैंने एक बेगुनाह शख़्स को मौत के मुंह में धकेल दिया।
- पिलातुस ने 'ईसा के बारे में कहा, "मैं इस रास्तबाज़ के ख़ून से बेक़ुसूर हूं" इसका तर्जुमा किया जा सकता है, "मैं इस आदमी के क़त्ल का ज़िम्मेदार नहीं जिसने मौत के लायक़ कोई काम नहीं किया है।"

(यह भी देखें: क़ुसूर)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- रसूलों के 'आमाल 20:25-27
- ख़ुरूज 23:6-9
- यरमियाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:06** दो साल बा'द भी, _बेक़ुसूर _ होने के बावजूद यूसुफ़ क़ैदखाने में था।
- **40:04** उनमें से एक जब 'ईसा का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, "क्या तू ख़ुदावन्द से नहीं डरता? हम मुजरिम है पर ,यह तो **बेगुनाह** है।"
- **40:08** तब सिपाही जो 'ईसा का पहरा दे रहे थे, वह सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, "यह आदमी _रास्तबाज़ _ था। सचमुच यह ख़ुदावन्द का बेटा था।"

शब्दकोश:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

(**वापस जाओ:** 08:06)

बेक़ुसूर

ता'अर्रुफ़:

"बेक़ुसूर" लफ़्ज़ का मतलब है, जुर्म या ग़लत काम का क़ुसूरवार न होना। इसके बारे में 'आम तौर पर उन लोगों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी शख़्स पर ग़लत काम का इल्ज़ाम लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह बेक़ुसूर है।
- कभी-कभी "बेक़ुसूर" लफ़्ज़ का इस्ते'माल उन लोगों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के 'अलावह भी सज़ावार किए जाते हैं, जैसे दुश्मन की फ़ौज "बेक़ुसूरों" पर हमला करती है।

तर्जुमा की सलाह:

- ज़्यादातर जुमलों में "बेक़ुसूर" लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है: "क़ुसूरवार नहीं " या "इल्ज़ाम नहीं" या "मुजरिम नहीं"
- जब 'आमतौर पर बेक़ुसूर लोगों के बारे में हो तो इसका तर्जुमा होगा, "जिन्होंने कुछ भी ग़लत नहीं किया" या "जो बुराई में हिस्सेदार नहीं हैं"।
- एक जुमला बार-बार काम में लिया जाता है, " बेक़ुसूर का ख़ून" इसका तर्जुमा हो सकता है, "लोग जिन्होंने ग़लत काम नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया"
- "बेक़ुसूर का ख़ून"बहाना" इसका तर्जुमा हो सकता है, " बेक़ुसरों का क़त्ल" उन लोगों का क़त्ल करना जिन्होंने कुछ भी ग़लत नहीं किया"
- किसी का क़त्ल करने के बारे में "के ख़ून से बेक़ुसूर" का तर्जुमा किया जा सकता है, "क़त्ल का मुजरिम नहीं"।
- 'ईसा की ख़ुशख़बरी को क़ुबूल नहीं करने वालों के बारे में तर्जुमा होगा, "के ख़ून से बेक़ुसूर" का तर्जुमा होगा, "रूहानी शक्ल से मुर्दा हों या नहीं, वह उसके ज़िम्मेदार नहीं हैं" या "इस 'एलान को क़ुबूल करें या न करें, वह ज़िम्मेदार नहीं"।
- जब यहूदा ने कहा, "मैंने एक बेगुनाह शख़्स को क़त्ल करवाया है" तो उसके कहने का मतलब है, "मैंने एक ऐसे आदमी के साथ धोकेबाज़ी की जिसने कोई जुर्म नहीं किया है" या "मैंने एक बेगुनाह शख़्स को मौत के मुंह में धकेल दिया।
- पिलातुस ने 'ईसा के बारे में कहा, "मैं इस रास्तबाज़ के ख़ून से बेक़ुसूर हूं" इसका तर्जुमा किया जा सकता है, "मैं इस आदमी के क़त्ल का ज़िम्मेदार नहीं जिसने मौत के लायक़ कोई काम नहीं किया है।"

(यह भी देखें: क़ुसूर)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- रसूलों के 'आमाल 20:25-27
- ख़ुरूज 23:6-9
- यरमियाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:06** दो साल बा'द भी, _बेक़ुसूर _ होने के बावजूद यूसुफ़ क़ैदखाने में था।
- **40:04** उनमें से एक जब 'ईसा का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, "क्या तू ख़ुदावन्द से नहीं डरता? हम मुजरिम है पर ,यह तो **बेगुनाह** है।"
- **40:08** तब सिपाही जो 'ईसा का पहरा दे रहे थे, वह सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, "यह आदमी _रास्तबाज़ _ था। सचमुच यह ख़ुदावन्द का बेटा था।"

शब्दकोश:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

(**वापस जाओ:** 40:04; 40:08)

बैतलहम, इपफ़्रात

सच्चाई:

बैतलहम इस्राईल में एक छोटा सा शहर था जो यरूशलीम के सामने वाक़े' था। यह नाम “इपफ़्रात ” के तौर पर जाना जाता था, जो इसका असल नाम था|

- बैतलहम को “दाऊद का शहर ” भी कहते थे, क्योंकि दाऊद की पैदाईश वहीँ हुई थी
- नबी मीकाह ने कहा था कि मसीह बैतलहम इपफ़्रात से आएगा।
- इस की नबूव्वत पूरी हुई, जब सालों बा'द 'ईसा की पैदाईश बैतलहम शहर में हुई थी |
- “बैतलहम” का मतलब है “रोटी का घर” या “खाने का घर”

(यह भी देखें: कालेब , दाऊद , मीका)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 35:16-20
- यूहन्ना 07:40-42
- पैदाईश 02:4-6
- मत्ती 02:16
- रूत 01:1-2
- रूत 01:19-21

किताब-ए-मुक़द्दस कि कहानियों से मिसालें:

- **17:02 बैतलहम** शहर में दाऊद एक चरवाहा था
- **21:09** यसा'याह नबी ने नबुव्वत की थी , कि एक कुँवारी से मसीह की पैदईश होगी । मीका नबी ने कहा कि उसकी पैदाईश **बैतलहम** के शहर में होगी ।
- **23:04** आख़िर: यूसुफ़ और मरियम भी एक लम्बा सफ़र तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ़ दाऊद के घराने और ख़ानदान का था, गलील के नासरत शहर से यहूदिया में दाऊद के शहर_ बैतलहम_ को गया।
- **23:06** “ आज **बैतलहम** शहर में तुम्हारे लिये एक नजात देने वाले की पैदाईश हुई है, और यही मसीह ख़ुदा है।”

शब्दकोश:

- Strong's: H376, H672, H1035, G965

(**वापस जाओ:** 17:02; 21:09; 23:04; 23:05; 23:06; 23:09)

बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत

ता'अर्रुफ़:

"बग़ावत" लफ़्ज़ का मतलब है किसी के इख़्तियार के ताबे' होने से इन्कार करना। "बग़ावत करने वाला" हुक्म नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा इन्सान "बाग़ी" कहलाता है

इन्सान बग़ावत करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए मुलाज़िमों ने मना' किया है।

- इन्सान मुलाज़िमों के ज़रिए' मुक़र्रर काम न करे तो वह बग़ावत करता है।
- कभी-कभी इन्सान अपने सरकार या शासकों से भी बग़ावत (बग़ावत) करते हैं।
- मज़मून पर मुनहस्सिर "बग़ावत करना" का तर्जुमा "हुक्म न मानना" या "बग़ावत करना" भी हो सकता है।
- "बाग़ी" का तर्जुमा "लगातार फ़रमाबरदार" या "फ़रमाबरदारी से इन्कार" भी किया जा सकता है।
- "बग़ावत" का मतलब है, "हुक्म मानने से इन्कार" या "नाफ़रमानी" या "क़ानून की मुख़ालिफ़त"
- "बग़ावत" का हवाला एक संगठित जमा'अत से भी हो सकता है जो क़ानून को तोड़कर रहनुमा और अवाम पर अवामी हमला कर देते हैं। ये लोग दीगर इन्सानों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: इख़्तियार, हाकिम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 12:18-19
- 1 शमूएल 12:14-15
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 2 तवारीख़ 10:17-19
- रसूलों के 'आमाल 21:37-38
- लूक़ा 23:18-19

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **14:14** इस्राईलियों के चालीस साल तक जंगल में भटकने के बा'द, वह सभी जो ख़ुदा के ख़िलाफ़ बोलते थे मर गए।
- **18:07** दस इस्राईली क़बीले रहूबियाम के **ख़िलाफ़** बग़ावत की|
- **18:09** यरुबआम ने ख़ुदा का _बग़ावत _ किया और लोगों को गुनाह में धकेल दिया।
- **18:13** यहूदाह के बहुत से लोग ख़ुदा के **विरुद्ध** हो गए और दीगर मा'बूदों की 'इबादत करने लगे।
- **20:07** लेकिन कुछ सालों के बा'द, यहूदाह के बादशाह ने बाबुल के **ख़िलाफ़** बग़ावत की|
- **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, "ऐ ज़िद्दी और ख़ुदा से बग़ावत करने वालों, तुम हमेशा पाक रूह की **मुख़ालिफ़त** करते हो, जैसा तुम्हारे बुज़ुर्गों ने हमेशा ख़ुदा की मुख़ालिफ़त की और उसके नबियों को मार डाला।

शब्दकोश:

- Strong's: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

(**वापस जाओ:** 14:14; 18:07; 18:09; 18:13; 20:07; 45:03)

भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , भेड़-बकरी, भेड़ की खाल

ता'अर्रुफ़:

“भेड़” एक छोटा चार पैरों का जानवर होता है जिसके जिस्म पर ऊन होती है। नर भेड़ को मेढ़ा कहते हैं। मादा भेड़ को भेड़ कहते हैं "भेड़" का जमा' भी "भेड़" है।

- भेड़ के बच्चे को मेम्ना कहते हैं।
- इस्राईली ज़्यादातर भेड़ को क़ुर्बानी के लिए काम में लेते थे, ख़ास करके नर भेड़ और मेम्ना।
- लोग भेड़ का गोश्त खाने के लिए और उसकी ऊन को कपड़े और कई चीज़े बनाने के लिए इस्ते'माल करते है।
- भेड़ बहुत भरोसेमंद, कमज़ोर और बुज़दिल जानवर होता है। वह घूमने के लिए आसानी से तैयार हो जाते हैं। उन्हें रहनुमाई , हिफ़ाज़त, खाना-पानी और रहने के लिए चरवाहे की ज़रूरत होती है।
- कलाम में लोगों की बराबरी भेड़ से की गई है जिनका चरवाहा ख़ुदा है।

(तर्जुमा की सलाह: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें:इस्राईल, मेम्ना, क़ुर्बानी, चरवाहा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 08:32-33
- पैदाइश30:31-32
- यूहन्ना 02:13-14
- लूक़ा 15:3-5
- मरकुस 06:33-34
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 12:11-12
- मत्ती 25:31-33

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी **भेड़ो** की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **17:02**बैतलहम शहर में दाऊद एक चरवाहा था | वह अपने बाप की **भेंड़ों** की रखवाली करता था, दाऊद ने अलग-अलग वक़्त पर भालू व शेर दोनों को मार गिराया जिन्होंने भेड़ों पर हमला किया था |
- **30:03** ‘ईसा ने लोगों की बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया | क्यूँकि वह उन **भेड़ो** की तरह थे जिनका कोई रखवाला न हो |
- **38:08** तब 'ईसा ने उनसे कहा, “तुम सब मुझे छोड़ दोगे, क्यूँकि लिखा है: मैं रखवाले को मारूँगा, और **भेड़े** तितर-बितर हो जाएँगी |”

शब्दकोश:

- Strong's: H352, H1494, H1798, H2169, H3104, H3532, H3535, H3733, H3775, H5739, H5763, H6260, H6629, H6792, H7353, H7462, H7716, G4165, G4262, G4263

(**वापस जाओ:** 09:12; 16:09; 17:02; 30:03; 38:08)

मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

सच्चाई:

यह लफ़्ज़ जिस्मानी और रूहानी मौत दोनों का हवाला देता है| जिस्मानी तौर पर, इसका हवाला देता है जब किसी शख़्स का जिस्म का जीना ख़त्म जाता है| रूहानी तौर पर, यह गुनाहगारों को उनका गुनाहों की वजह से मुक़द्दस ख़ुदा से अलग हो जाना.

1. जिस्मानी मौत

- "मरना" मतलब जीना छोड़ देना| मौत जिस्मानी ज़िन्दगी की आख़िर है|
- किसी शख़्स की रूह उसका जिस्म छोड़ देती है, जब वह मरता है|
- जब आदम और हव्वा ने गुनाह किया, तब जिस्मानी मौत दुनिया में आई|
- इज़हार "सज़ा-ए-मौत" से मतबल है किसी को क़त्ल करना या किसी को मार डालने का हुक्म देना, ख़ास तौर से किसी बादशाह या कोई और हाकिम किसी को मारने का हुक्म देता है|

2 रूहानी मौत

- रूहानी मौत ख़ुदा की तरफ़ से एक शख़्स की जुदाई है|
- आदम रूहानी मौत मरा, जब उसने ख़ुदा की नाफ़रमानी की| उसका ख़ुदा के साथ रिश्ता टूट गया| वह शर्मिन्दा हो गया और ख़ुदा से छिपने की कोशिश की|
- आदम की हर नसल एक गुनाहगार है, और रूहानी तौर पर मुर्दा है| जब हम 'ईसा मसीह पर ईमान रखते हैं तो ख़ुदा हमें रूहानी तौर पर दुबारा ज़िन्दा करता है|

तर्जुमे की सलाह

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा करने के लिए, रोज़ाना इस्ते'माल करना बेहतर है, क़ुदरती लफ़्ज़ या इज़हार मक़सदी ज़बान जो मौत की तरफ़ इशारा करती है|
- कुछ ज़बानों में, "मरने" के लिए "ज़िन्दा नहीं" का इस्ते'माल किया जा सकता है| लफ़्ज़ "मरा" को "ज़िन्दा नहीं" या "कोई ज़िन्दगी नहीं है" या "नहीं रहना" के तौर पर तर्जुमा किया जा सकता है|

बहुत सी ज़बानों में मौत की तफ़सील के लिए 'अलामती इज़हार का इस्ते'माल किया जाता है, मिसाल के तौर पर अंग्रेज़ी में "गुज़र जाना" ताहम, किताब-ए-मुक़द्दस में यह सबसे बेहतर है कि रोज़ाना की ज़बान में मौत के लिए सीधे लफ़्ज़ का इस्ते'माल करें| किताब-ए-मुक़द्दस में जिस्मानी ज़िन्दगी और मौत अमूमन रूहानी ज़िन्दगी और मौत के मुक़ाबिल में होती हैं| तर्जुमे में जिस्मानी मौत और रूहानी मौत दोनों के लिए एक ही लफ़्ज़ या जुमले का इस्ते'माल ज़रूरी है|

- कुछ ज़बानों में "रूहानी मौत" कहना ज़्यादा साफ़ होता है जब मजमूनों में उस मतलब की ज़रूरत हो। कुछ मुतरज्जिम भी महसूस कर सकते हैं कि मज़मून में "जिस्मानी मौत" कहना अच्छा है, जहाँ इसका इस्ते'माल रूहानी मौत के मुक़ाबिल किया जा रहा है|
- इज़हार "मुर्दा" एक नामज़द सिफ़त है जो मरने वाले लोगों के हवाले से है| कुछ ज़बानों में इसका तर्जमा इस तरह होगा "मुर्दा लोग" या "जो लोग मर गए हैं" (देखें: नामज़द सिफ़त
- अलफ़ाज़ "सज़ा-ए-मौत" को "मारना" या "क़त्ल करना" के तौर पर भी किया जा सकता है|

(यह भी देखें: यक़ीन, ईमान, ज़िन्दगी, रूह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:20-21
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- रसूलों के 'आमाल 10:42-43
- रसूलों के 'आमाल 14:19-20
- कुलुस्सियों 02:13-15
- कुलुस्सियों 02:20-23
- पैदाइश 02:15-17
- पैदाइश 34:27-29
- मत्ती 16:27-28

- रोमियो 05:10-11
- रोमियो 05:12-13
- रोमियो 06:10-11

किताब-ए-मुक़द्दस कीं कहानियों से मिसालें:

- **01:11** ख़ुदा ने आदम से कहा कि वह भले और बुरे के 'इल्म के पेड़ के फल को छोड़कर बाग़ के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाएगा, तो वह **मर जाएगा**|
- **02:11**तब तुम **मर जाओगे** और जिस्म वापस मिट्टी में मिल जाएगा|
- **07:10** इस्हाक़ की **मौत** हो गयी और उसके बेटे 'ऐसौ और या'कूब ने उसको मिट्टी दी।
- **37:05** 'ईसा ने जवाब दिया, "मैं क़यामत और ज़िन्दगी हूँ।" जो कोई मुझ पर ईमान करता है वह अगर **मर भी जाए** तोभी जीता रहेगा। और हर कोई जो मुझ पर ईमान करता है वह कभी न मरेंगा।"
- **40:08** अपनी _ मौत_ के जरिए' 'ईसा ने लोगों के लिये ख़ुदा के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **43:07** "अगरचे 'ईसा **मरा**, लेकिन ख़ुदा ने उसे मुर्दों में से जी उठाया|
- **48:02** क्यूँकि वह गुनाहगार थे, इसलिए ज़मीन पर हर एक बीमार हुआ और**मरा**|
- **50:17** वह ('ईसा) हर आँसू को पोछेगा और यहाँ तक कि और कोई परेशानी, दुःख, रोना, बुराई, दर्द, या **मौत**नहीं होगी|

शब्दकोश:

- Strong's: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G581, G599, G615, G622, G684, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

(**वापस जाओ:** 01:11; 02:03; 02:11; 03:08; 21:12; 21:13; 21:14; 35:09; 35:13; 36:03; 36:07; 37:01; 37:03; 37:04; 37:05; 37:06; 37:07; 38:10; 39:05; 40:07; 40:08; 41:01; 41:04; 41:05; 41:06; 42:07; 43:07; 44:05; 45:05; 48:01; 48:02; 48:08; 49:02; 49:10; 49:11; 49:12; 49:14; 50:11; 50:12; 50:17)

मरियम, 'ईसा की माँ

सच्चाई:

मरियम एक जवान 'औरत थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ़ से हुई थी। ख़ुदा ने मरियम को चुना कि वह ख़ुदा के बेटे 'ईसा मसीहा की माँ बने,।

- पाक रूह ने रूहानी तरीक़े से मरियम को हामला किया जब कि वह कुँवारी थी।
- फ़रिश्ते ने मरियम से कहा था कि उसका बेटा ख़ुदा का बेटा है और उसका नाम 'ईसा रखा जाए।
- मरियम ख़ुदा से मुहब्बत करती थी और उसके इस फ़ज़ल के लिए उसने ख़ुदा को मुबारकबाद दी ।
- यूसुफ़ ने मरियम से शादी की लेकिन वह 'ईसा की पैदाइश तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और नजूमियों के ज़रिए' बच्चे 'ईसा के लिए कही गईं बातों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ़ और मरियम 'ईसा को सुपुर्द करने के लिए हैकल में ले गए। * वह 'ईसा को हेरोदेस के हाथों क़त्ल से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। आख़िर में वह नासरत लौट आए।
- जब 'ईसा बालिग़ हो गया तब उसने कन'आन में एक शादी के जशन में पानी को शराब में तब्दील कर दिया, मरियम भी वहाँ थी।
- इन्जील में यह भी लिखा है कि 'ईसा के सलीब पर चढ़ाने के वक़्त मरियम भी वहाँ थी। 'ईसा ने अपने शागिर्द यूहन्ना को हुक्म दिया कि वह मरियम को अपनी माँ के जैसा संभाले।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, मिस्र, हेरोदेस बड़ा, 'ईसा, यूसुफ़ (नया 'अहद नामा), ख़ुदा का बेटा , कुंवारी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:12
- लूक़ा 01:26-29
- लूक़ा 01:34-35
- मरकुस 06:1-3
- मत्ती 01:15-17
- मत्ती 01:18-19

किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसालें:

- **22:04** जब इलीशबा छ: माह हाम्ला थी, वही फ़रिश्ता इलीशबा की ख़ानदानी **मरियम** के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ़ नाम के आदमी के साथ हुई थी | फ़रिश्ता ने उससे कहा, "तू हाम्ला होगी, और तेरे एक बेटा पैदा होगा | " "तू उसका नाम 'ईसा रखना |वह महान होगा और ख़ुदावन्द का बेटा कहलाएगा और हमेशा के लिए हुकूमत करेगा |"
- **22:05** फ़रिश्ता ने उसको उत्तर दिया, "पाक रूह तुझ पर उतरेगा, और ख़ुदावन्द की क़ूव्वत तुझ पर साया करेगी | इसलिए वह पाक हैजो पैदा होनेवाला है, ख़ुदा का बेटा कहलाएगा |" जो कुछ फ़रिश्ता ने **मरियम** से कहा, उसने उस पर यक़ीन किया |
- **22:06** फ़रिश्ते ने मरियम से बात की, उसके कुछ वक़्त बा'द वह इलीशबा से मुलाक़ात करने को गई | जैसे ही इलीशबा ने **मरियम** का सलाम सुना, वैसे ही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:02** फ़रिश्ते ने उससे कहा, "ऐ यूसुफ़ ! तू अपनी बीवी **मरियम** को यहाँ ले आने से मत डर, क्यूँकि जो उसके हमल में है, वह पाक रूह की तरफ़ से है |
- **23:04** तब यूसुफ़ और **मरियम** भी एक लम्बा सफ़र तय करके नासरत को गए, क्यूँकि यूसुफ़ दाऊद के घराने और नसल का था, गलील के नासरत शहर से यहूदिया में दाऊद के शहर बैतलहम को गया |
- **49:01** एक फ़रिश्ते ने **मरियम** नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह ख़ुदा के बेटे को जन्म देगी | तब जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक बेटे को जन्म दिया और उसका नाम 'ईसा रखा |

शब्दकोश:

- Strong's: G3137

(**वापस जाओ:** 22:04; 22:05; 22:06; 23:01; 23:02; 23:03; 23:04; 23:08; 49:01)

मसीह ,मसीहा

सच्चाई:

“मसीह” या “खिरिस्त”का मा’नी है ,”मसह पाए -लोग” और ख़ुदा के बेटे ‘ईसा के बारे में

- ”मसीह” या “क्राइस्ट”दोनो लफ़्ज़ नए ‘अहद नामे में ख़ुदा के बेटे के बारे में हैं जिसे ख़ुदा बाप ने अपने लोगों पर बादशाहत करने और गुनाह व मौत से उनको नजात देने के लिए मसह किया है |
- पुराने ‘अहद नामे में नबियों ने ज़मीन पर मसीह के आने से सैकड़ों साल पहले इसकी नबूव्वतत की थी |
- पुराने ‘अहद नामे में “मसह पाए (लोग)”आने वाले मसीह के बारे में कहा गया है |
- ’ईसा ने इन नबूव्वतों में से कई को पूरा किया और कई मो’जिज़े किये जो साबित करता है कि वह मसीहा” है और बाक़ी बची हुई नबूव्वतें ‘ईसा के वापस आने पर पूरी होंगी |
- "मसीह" लफ़्ज़ को अक्सर "मसीह" और “मसीह ‘ईसा “के लक़ब की शक्ल में इस्ते’माल किया जाता है |
- "मसीह" भी उसके नाम की शक्ल में "’ईसा मसीह" की शक्ल में इस्ते’माल किया गया ।

तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा इसके मा’नी के साथ किया जा सकता है ,”मसह पाए लोग”या “ख़ुदा का मसह पाए नजात देने वाले |
- बहुत सी ज़बानों में इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा किया गया है जो “क्राईस्ट “या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं |(देखें:अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)
- तर्जुमा शुदह लफ़्ज़ की शक्ल में लफ़्ज़ की ता’रीफ़ के ज़रिये’ जाना किया जा सकता है ,”मसीह” मसह किया एक “|
- किताब-ए-मुक़द्दस में इसका तर्जुमा बा उसूल बनाये रखें ताकि इसे वाज़े’ किया जा सके कि एक ही लफ़्ज़ का इस्ते’माल किया जा रहा है|
- वाज़ेह करें कि “मसीहा” और “मसीह” के तर्जुमें के बारे में अच्छी तरह से काम करते है जहाँ आयत एक ही कलाम में होते हैं |(जैसे यूहन्ना ,1-41)|

(यह भी देखें :नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: ख़ुदा का बेटा ,दाऊद , ‘ईसा ,मसह करना

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- रसूलों के आमाल . 02:34-36
- रसूलों के आमाल 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **17:07 मसीह** ख़ुदा का चुना हुआ है जो दुनिया को गुनाह से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन हक़ीक़त में, **मसीह** के आने से पहले इस्राईलियों को एक लम्बे वक़्त तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 साल तक।
- **21:01** शुरू’ से ही, ख़ुदा ने **मसीह** को भेजने का मन्सूबा बनाया था।
- **21:04** ख़ुदा ने राजा दाऊद से वा’दा किया है कि **मसीह** दाऊद की अपनी नसल में से एक होगा।
- **21:05** मसीह __ नए ‘अहद की शुरूआत करेगा।
- **21:06** ख़ुदा के नबियों ने यह भी कहा कि, **मसीह** एक नबी भी होगा, एक आलिम भी और एक बादशाह भी होगा।
- **21:09** यशायाह नबी ने नबूव्वत की थी , कि एक कुँवारी से **मसीह** पैदा होगा।
- **43:07** "लेकिन ख़ुदा ने उस नबूव्वत को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने _ पाक लोगों_ को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "लेकिन ख़ुदा ने उसे ख़ुदावन्द भी ठहराया और **मसीह** भी!"

- **43:11** पतरस ने उन्हें जवाब दिया, "आप में से हर एक को तोबा करना चाहिए और ‘ईसा _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि ख़ुदा आपके गुनाह को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से बहस करता था, और इस बात का सुबूत देता था कि ‘ईसा ही **मसीह** है।

शब्दकोश:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

(**वापस जाओ:** 17:07; 17:08; 19:18; 21:01; 21:02; 21:03; 21:04; 21:05; 21:06; 21:07; 21:08; 21:09; 21:10; 21:11; 21:12; 21:13; 21:14; 21:15; 22:02; 23:06; 24:05; 26:04; 37:05; 38:02; 39:03; 40:09; 42:01; 42:03; 42:07; 43:07; 43:09; 44:05; 44:08; 45:03; 46:06; 48:04; 48:13; 49:14; 50:01; 50:08)

मसीही

ता'अर्रुफ़:

'ईसा के आसमान पर उठाये जाने के कुछ वक़्त बा'द ईमानदारों को "मसीही" कहा गया जिसका मा'नी है, "मसीह के मानने वाले "

- अन्ताकिया शहर में 'ईसा के मानने वालों को सबसे पहले "मसीही" कहा गया था।
- मसीही शख़्स वह इन्सान है जो ईमान रखता है कि 'ईसा ही ख़ुदा का बेटा है और 'ईसा ही में ईमान रखता है कि उसने उसका गुनाह मु'आफ़ किया।
- आज "मसीही" लफ़्ज़ मसीही मज़हब मानने वाले के बारे में काम में लिया जाता है लेकिन वह शख़्स हक़ीक़त में 'ईसा की पैरवी नहीं करता है। किताब-ए-मुक़द्दस में "मसीही" लफ़्ज़ का मा'नी यह नहीं है।
- क्योंकि किताब-ए-मुक़द्दस में "मसीही" लफ़्ज़ हमेशा उस इन्सान के लिए काम में लिया गया है जो हक़ीक़त में 'ईसा में यक़ीन करता है, मसीही लोगों को "ईमानदार " भी कहते हैं।

तर्जुमे की सलाह:

इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "मसीह को मानने वाला" या "मसीह का पैरोकार" या "मसीह आदमी" जैसा।

- वाज़े' करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा शागिर्द और रसूल लफ़्ज़ों के तर्जुमे से अलग हो।
- होशियारी से तर्जुमा करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा 'ईसा पर ईमान रखने वाले सब लोगों के बारे में हो न कि किसी एक क़बीले या क़ौम से हो

यह भी ध्यान रखें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मुक़ामी ज़बान या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है | (देखें:अनजाने लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें :अन्ताकियामसीहइबादतख़ाना़शागिर्दईमानदार'ईसाख़ुदा का बेटा

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 कुरिन्थियों 06:7-8
- 1 पतरस 04:15-16
- रसूलों के आमाल 11:25-26
- रसूलों के आमाल 26:27-29

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **46:09** और शागिर्द सब से पहले अन्ताकिया ही में "**मसीही**" कहलाए।
- **47:14** पौलुस और ग़ैर **मसीही**रहनुमाओं ने अनेक शहरों में 'ईसा का मुनादी किया और लोगों को ख़ुदा के कलाम की ता'लीम दी।
- **49:15** अगर तुम 'ईसा पर और जो कुछ उसने आपके लिए किया उस पर ईमान रखते हो हो, तो आप एक **मसीही** हो!
- **49:16** अगर तुम एक **मसीही** हो, तो जो कुछ 'ईसा ने किया उसकी वजह से ख़ुदा ने तुम्हारे गुनाह माफ़ कर दिए हैं।
- **49:17** अगर आप एक **मसीही** हैं, फिर भी आप गुनाह करने की आज़माइश में पड़ोगे।
- **50:03** आसमान में वापस जाने से पहले, 'ईसा ने **मसीहों** से कहा कि वे उन लोगों को ख़ुशख़बरी सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।
- **50:11** जब 'ईसा वापस आएगा, तो हर **मसीही** जो मरा है वह मुर्दों में से जी उठेगा और उससे आसमान में मिलेगा।

शब्दकोश:

- Strong's: G5546

(**वापस जाओ:** 46:09; 47:14; 49:15; 49:16; 49:17; 49:18; 50:03; 50:11; 50:12)

मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों

सच्चाई:

मिदियान इब्राहीम और उसकी बीवी कतूरा का बेटा था। यह एक क़ौम और जगह का भी नाम पड़ गया जो कन'आन के दक्खिन में अरब के रेगिस्तान के उत्तर में था। इस क़ौम के लोग मिदियानी थे।

- जब मूसा मिस्र से भागा था तब वह मिदियान मुल्क में ही गया था जहाँ उसकी मुलाक़ात यित्रों की बेटी से हुई थी जिसकी भेड़ों को पानी पिलाने में उसने मदद की थी। बा'द में मूसा ने यित्रों की बेटियों में से एक से शादी कर ली थी।
- यूसुफ़ को मिदियानी ताजिर ही ख़रीदकर मिस्र ले गए थे।

सालों बा'द मिदियानियों ने कन'आन मुल्क में इस्राईलियों पर हमला करके उन्हें लूटा था। गिदोन ने इस्राईलियों को लेकर उन्हें हराया था।

- आज की कई अरब-क़ोमें इनकी नसल हैं।

(देखें अरब, मिस्र, झुण्ड, गिदोन, यित्रो, मूसा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:29-30
- ख़ुरूज 02:15-17
- पैदाइश 25:1-4
- पैदाइश 36:34-36
- पैदाइश 37:27-28
- क़ुज़ात 07:1

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **16:03** लेकिन लोग ख़ुदा को भूलने लगे और दूसरे मा'बूदों के पीछे चलकर उनकी 'इबादत करने लगे | तो ख़ुदा ने पास के ही एक दुश्मनों के झुण्ड ने **मिदियानियों** को इजाज़त दी कि वह उन्हें शिकस्त करे |
- **16:04 मिदियानियों** के डर के मारे इस्राईलियों ने पहाड़ो के गहरे खड्डों, और गुफ़ाओं, और क़िलों को अपने घर बना लिया
- **16:11** वह जन अपने साथी से कह रहा था, " कि इस ख़्वाब का मतलब यह हुआ कि गिदोन की फ़ौज हरा देंगी **मिदियानियों** की फ़ौज को |
- **16:14**परमेश्वर ने **मिदियानियों** को हक्का-बक्का कर दिया, अत: उन्होंने एक दूसरे पर आक्रमण करना व मारना शुरू कर दिया |

शब्दकोश:

- Strong's: H4080, H4084, H4092

(**वापस जाओ:** 16:03; 16:04; 16:05; 16:08; 16:09; 16:11; 16:12; 16:14; 16:15)

मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी

ता'अर्रुफ़:

“गुज़ारिश” या किसी से किसी चीज़ के लिए बहुत ज़्यादा दरख्वास्त करना। अक्सर इसका हवाला पैसा मांगने से है, लेकिन इसका मतलब किसी बात की दरख्वास्त करने से भी है।

- अक्सर लोग गुज़ारिश या मिन्नत करते हैं जब उन्हें शख़्त ज़रूरत होती है, लेकिन वह नहीं जानता की दूसरा शख़्स उसे देगा भीं या नहीं जिसके लिए वह गुज़ारिश कर रहा है|
- “भिखारी” वह आदमी है जो 'आम जगहों में बैठकर या खड़ा होकर इंसानों से पैसा मांगता है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर इस लफ्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “गुज़ारिश करना” या “बहुत ज़्यादा दरख्वास्त करना” या “पैसा मांगना” या “हमेशा पैसा मांगना”

(यह भी देखें: दरख्वास्त)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- ज़बूर 045:12-13

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **10:04** ख़ुदावन्द ने सारे मिस्र मुल्क में मेंढकों को भेज दिया। फ़िर 'औन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से _ गुज़ारिश_ की
- **29:08** तब बादशाह ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘ऐ बुरे ग़ुलाम, तू ने जो मुझ से गुज़ारिश की, तो मैं ने तेरा वह पूरा क़र्ज़ मा'फ़ कर दिया।’
- **32:07** बुरी रूह ने ‘ईसा से बहुत **गुज़ारिश की**, “हमें इस मुल्क से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। बुरी रूह ने उससे _ गुज़ारिश _ करके कहा “ बराए करम हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके अंदर जाएं !”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले बुरी रूह थी, “ईसा के साथ जाने की **गुज़ारिश** करने लगा ।”
- **35:11** उसका बाप बाहर आया और उसे सबके साथ ख़ुशी मनाने के लिये उससे **गुज़ारिश** करने लगा लेकिन उसने मना' कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना दु'आ करने के लिये हैकल में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था|

शब्दकोश:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

(**वापस जाओ:** 10:04; 29:08; 32:07; 32:10; 35:11; 44:01)

मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

ता'रीफ़:

मिस्र अफ्रीक़ा के उत्तर पहले से कना'न के दख्खिन पश्चिम तक एक मुल्क है। मिस्री लोग मिस्र मुल्क का रहने वाला है।

- पुराने ज़माने में मिस्र एक ताक़तवर और अमीर मुल्क था।
- पहले मिस्र दो हिस्सों में तक़सीम था, कम मिस्र (श्माली हिस्सा जहाँ से नील नदी बहकर समन्दर में गिरती है) ऊंचीं तरफ़ मिस्र का (जनूबी हिस्सा)। पुराने 'अहद नामें में इन दोनों हिस्सों को “मिस्र” और “क़ादिस” कहा गया है।
- जब कना'न में खाने की कमी होती थी तब इस्राईल के बेटे खाना खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राईली सैंकड़ों साल मिस्र में ग़ुलाम बन कर रहते थे।
- यूसुफ़ और मरियम भी अपने बच्चे 'ईसा को हेरोदेस 'अज़ीम से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हेरोदेश 'अज़ीम, यूसुफ़ (नया 'अहद नामा), नील नदी, बाप)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 04:7-9
- रसूलों के 'आमाल. 07:9-10
- इस्तिसना 03:7-8
- पैदाईश 41:27-29
- पैदाईश 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:04** और ताजिर यूसुफ़ को **मिस्र** ले गए। **मिस्र** नील नदी के किनारे वाक़े' एक बड़ा, ताक़तवर मुल्क था।
- **08:08** फ़िर'औन यूसुफ़ से बहुत मुता'अस्सिर हुआ, और उसे **मिस्र** का दूसरा सबसे ताक़तवर आदमी मुकर्रर किया।
- **08:11** या'क़ूब ने अपने बेटों को **मिस्र** से अनाज लाने के लिये भेजा।
- **08:14** या'क़ूब बुज़ुग हो गया था, वह अपने ख़ानदान के साथ **मिस्र** मुल्क गया और वह सब वहाँ रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ़ की मौत के बा'द में , उसके सभी रिश्तेदारों ने **मिस्र** में ही बस किया।

शब्दकोश:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

(**वापस जाओ:** 08:06; 10:10)

मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

ता'रीफ़:

मिस्र अफ्रीक़ा के उत्तर पहले से कना'न के दख्खिन पश्चिम तक एक मुल्क है। मिस्री लोग मिस्र मुल्क का रहने वाला है।

- पुराने ज़माने में मिस्र एक ताक़तवर और अमीर मुल्क था।
- पहले मिस्र दो हिस्सों में तक़सीम था, कम मिस्र (श्माली हिस्सा जहाँ से नील नदी बहकर समन्दर में गिरती है) ऊंचीं तरफ़ मिस्र का (जनूबी हिस्सा)। पुराने 'अहद नामें में इन दोनों हिस्सों को “मिस्र” और “क़ादिस” कहा गया है।
- जब कना'न में खाने की कमी होती थी तब इस्राईल के बेटे खाना खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राईली सैंकड़ों साल मिस्र में ग़ुलाम बन कर रहते थे।
- यूसुफ़ और मरियम भी अपने बच्चे 'ईसा को हेरोदेस 'अज़ीम से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हेरोदेश 'अज़ीम, यूसुफ़ (नया 'अहद नामा), नील नदी, बाप)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 04:7-9
- रसूलों के 'आमाल. 07:9-10
- इस्तिसना 03:7-8
- पैदाईश 41:27-29
- पैदाईश 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:04** और ताजिर यूसुफ़ को **मिस्र** ले गए। **मिस्र** नील नदी के किनारे वाक़े' एक बड़ा, ताक़तवर मुल्क था।
- **08:08** फ़िर'औन यूसुफ़ से बहुत मुता'अस्सिर हुआ, और उसे **मिस्र** का दूसरा सबसे ताक़तवर आदमी मुकर्रर किया।
- **08:11** या'क़ूब ने अपने बेटों को **मिस्र** से अनाज लाने के लिये भेजा।
- **08:14** या'क़ूब बुज़ुग हो गया था, वह अपने ख़ानदान के साथ **मिस्र** मुल्क गया और वह सब वहाँ रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ़ की मौत के बा'द में , उसके सभी रिश्तेदारों ने **मिस्र** में ही बस किया।

शब्दकोश:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

(**वापस जाओ:** 08:04; 08:08; 08:10; 08:11; 08:12; 08:14; 09:01; 09:03; 09:09; 09:10; 09:11; 09:13; 10:04; 10:07)

मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

ता'रीफ़:

मिस्र अफ्रीक़ा के उत्तर पहले से कना'न के दख्खिन पश्चिम तक एक मुल्क है। मिस्री लोग मिस्र मुल्क का रहने वाला है।

- पुराने ज़माने में मिस्र एक ताक़तवर और अमीर मुल्क था।
- पहले मिस्र दो हिस्सों में तक़सीम था, कम मिस्र (श्माली हिस्सा जहाँ से नील नदी बहकर समन्दर में गिरती है) ऊंचीं तरफ़ मिस्र का (जनूबी हिस्सा)। पुराने 'अहद नामें में इन दोनों हिस्सों को “मिस्र” और “क़ादिस” कहा गया है।
- जब कना'न में खाने की कमी होती थी तब इस्राईल के बेटे खाना खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राईली सैंकड़ों साल मिस्र में ग़ुलाम बन कर रहते थे।
- यूसुफ़ और मरियम भी अपने बच्चे 'ईसा को हेरोदेस 'अज़ीम से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हेरोदेश 'अज़ीम, यूसुफ़ (नया 'अहद नामा), नील नदी, बाप)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 04:7-9
- रसूलों के 'आमाल. 07:9-10
- इस्तिसना 03:7-8
- पैदाईश 41:27-29
- पैदाईश 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:04** और ताजिर यूसुफ़ को **मिस्र** ले गए। **मिस्र** नील नदी के किनारे वाक़े' एक बड़ा, ताक़तवर मुल्क था।
- **08:08** फ़िर'औन यूसुफ़ से बहुत मुता'अस्सिर हुआ, और उसे **मिस्र** का दूसरा सबसे ताक़तवर आदमी मुकर्रर किया।
- **08:11** या'क़ूब ने अपने बेटों को **मिस्र** से अनाज लाने के लिये भेजा।
- **08:14** या'क़ूब बुज़ुग हो गया था, वह अपने ख़ानदान के साथ **मिस्र** मुल्क गया और वह सब वहाँ रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ़ की मौत के बा'द में , उसके सभी रिश्तेदारों ने **मिस्र** में ही बस किया।

शब्दकोश:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

(**वापस जाओ:** 10:05; 10:08; 10:11; 11:03; 11:04; 11:06; 11:07; 11:08; 12:01; 12:04; 12:06; 12:09; 12:10; 12:11; 12:12; 12:13; 12:14; 13:04; 14:07; 38:01; 48:09)

मीरास होना, वरासत, हिस्सा, वारिस

ता’अर्रुफ़:

“मीरास” माँ बाप या किसी से ख़ास रिश्ता की वजह से कोई क़ीमती चीज़ हासिल करना। यह "वरासत" का एलान है।

- दुनियावी वरासत में पैसा, ज़मीन, या दूसरी जायदाद हासिल होती है।
- रूहानी वरासत में 'ईसा में ईमान करनेवालों को ख़ुदावन्द देता है- इस ज़िन्दगी हमेशा की ज़िन्दगी में उसके साथ।
- कलाम ख़ुदा के लोगों की उसकी वरासत (हिस्सा) कहती है जिसका मतलब है वह उसके लोग हैं। वह उसकी क़ीमती जायदाद हैं।
- ख़ुदा ने इब्राहीम और उसकी नसलों से वा'दा किया था कि कन'आन उनका हिस्सा होगा कि वह हमेशा के लिए उनका होगा।
- इसका 'अलामती और रूहानी मतलब भी है, जिसमें ख़ुदा के लोगो के लिए कहा गया है कि, “ज़मीन के वारिस होंगे”। इसका मतलब है, अमीर होंगे और ख़ुदा से बरकत पाएंगे, दुनियावी और रूहानी बरकतें ।
- नए 'अहद नामे में ख़ुदा ने वा'दा किया है कि जो 'ईसा में ईमान करते है वह “नजात पाएंगे” और “हमेशा की ज़िन्दगी के वारिस” होंगे। इसका तर्जुमा इस तरह भी हो सकता है, “ख़ुदा की बादशाही के वारिस होंगे” यह एक रूहानी विरासत है जो हमेशा के लिए रहती है।
- इस जुमले के दूसरे 'अलामती मतलब भी हैं,
- कलाम में लिखा है, कि ' अक़्लमन्द आदमी “जलाल के हिस्सेदार ” होंगे और रास्तबाज़ लोगों का “हिस्सा अच्छी चीज़ें” होंगी ।
- “वादों का वारिस” होने का मतलब है, वह सब चीज़ें हासिल करना जिनका वा'दा ख़ुदा ने अपने लोगों से किया है।
- इस लफ़्ज़ का ग़लत इस्ते'माल भी किया जाता है जो मूर्ख और नाफ़रमान लोगों के बारे में है, “बेवक़ूफों का हिस्सा बेवक़ूफ़ी” ही होती है और “उनके हिस्से में बेवक़ूफ़ी” ही बेवक़ूफ़ी होती है। इसका मतलब है कि वह अपने गुनाह के कामों की सज़ा पाने को हैं जिसमें सज़ा और बदकार ज़िन्दगी गुजारते हैं ।

तर्जुमा की सलाह:

- जैसे हमेशा किया जाता है, पहले यह देखें कि 'अलामती ज़बान में “वारिस” या “हिस्सा” (वारिस) के लिए लफ़्ज़ हैं, उनका इस्ते'माल करें।
- जुमले पर क़ायम, “हिस्से ” को तर्जुमा की कई शक्ल है, “हासिल करना” या “इख्तियार में लेना” या “वारिस होना”।
- “जुमलों पर क़ायम ” (विरासत) का तर्जुमा हो सकता हैं “महफ़ूज़ हिस्सा” या “विरासत पाना”।
- जब ख़ुदा के लोगों को उसका हिस्सा कहा गया है तो उसका तर्जुमा होगा, “उनके वफ़ादार ईमानदार लोग”
- “वारिस” लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ से किया या जुमले से किया जा सकता है जिसका मतलब, “ख़ुश नसीब औलाद जो बाप की जायदाद हासिल करता है” या “(ख़ुदा की) रूहानी जायदाद या बरकत हासिल करने के लिए।”।
- लफ़्ज़ "विरासत" का तर्जुमा "ख़ुदा से मुबारकबाद" या "विरासत में मिली बरकतों" की शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: वारिस, कन'आन, वा’दे का मुल्क)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 पतरस 01:3-5
- 2 शमूएल 21:2-3
- रसूलों के 'आमाल 07:4-5
- इस्तिसना 20:16-18
- गलातियों 05:19-21
- पैदाइश 15:6-8
- इब्रानियों 09:13-15
- यरमियाह 02:7-8
- लूक़ा 15:11-12
- मत्ती 19:29-30
- ज़बूर 079:1-3

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **04:06** जब अब्राम कन'आन मुल्क पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने उससे कहा कि,'' अपने चारों तरफ़ देख'' क्यूँकि जितनी ज़मीन तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरी **नसल** को दूँगा।

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के क़ानून में एक ;आलिम 'ईसा का इम्तिहान लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "उस्ताद, मुझे हमेशा की ज़िन्दगी _ पाने के लिए_ क्या करना चाहिए ?"
- **35:03** “किसी आदमी के दो बेटे थे। उनमें से छोटे बेटे ने बाप से कहा, ‘ऐ बाप, जायदाद में से जो **हिस्सा मेरा** है वह मुझे दे दीजिए।’ तो बाप ने अपने दोनों बेटो में अपनी जायदाद बाँट दी।”

शब्दकोश:

- Strong's: H2490, H2506, H3423, H3425, H4181, H5157, H5159, G2816, G2817, G2819, G2820

(**वापस जाओ:** 04:06; 27:01; 35:03; 35:04)

मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला

ता’अर्रुफ़:

“मुंसिफ़” और “इन्साफ़” का बयान किसी सही या ग़लत काम के फ़ैसले से होता है।

- “ख़ुदावन्द का इन्साफ़” या'नी किसी को गुनाहगार ठहराने का फ़ैसला।
- ख़ुदावन्द का इन्साफ़ हमेशा लोगों को गुनाह की सज़ा देना होता है।
- “इन्साफ़ करने” का मतलब “मुजरिम ठहराना” है। ख़ुदावन्द अपने लोगों से कहता है कि वह एक दूसरे का ऐसा इन्साफ़ न करें।
- इसका एक और मतलब है “के बीच का फ़ैसला” या “दो आदमियों का इन्साफ़ करना” कि तनाज़े में कौन सही है।
- कुछ जुमलों में ख़ुदावन्द के “इन्साफ़” का मतलब है ख़ुदावन्द ने किस बात को सही और इन्साफ़ का फ़ैसला ठहराया है। यह उसके हुक्म, क़ानून या हुक्मों की हिदायत से है।
- “इन्साफ़” का ख़ुलासा अक़्लमन्दी से फ़ैसला लेने की ताक़त । जिस शख़्स में “इन्साफ़” की कमी है उसमें अक़्लमन्दी के फ़ैसला लेने की क़ाबिलियत नहीं है।

तर्जुमा की सलाह:

- जुमलों के मुताबीक़ “इन्साफ़ करना” का तर्जुमा हो सकता है, “फ़ैसला लेना” या “मुजरिम ठहराना” या “सज़ा देना” या “हुक्म देना”
- “इन्साफ़” का तर्जुमा हो सकता है “सज़ा” या “फ़ैसला” या “हुक्म” या “हुक्म” या “मुजरिम”
- कुछ जुमलों में “इन्साफ़ में” का तर्जुमा “इन्साफ़ के दिन” या “ख़ुदावन्द के ज़रिए'लोगों के इन्साफ़ का वक़्त” हो सकता है।

(यह भी देखें: हुक्म, मुंसिफ़, इन्साफ़ के दिन, मुनासिब, क़ानून, शरी’अत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 सलातीन 03:7-9
- रसूलों के 'आमाल 10:42-43
- यसा'याह 03:13-15
- या'क़ूब 02:1-4
- लूक़ा 06:37
- मीकाह 03:9-11
- ज़बूर 054:1-3

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:16** उन नबियों ने लोगों को हिदायत देना शुरू' किया कि, अगर उन्होंने बुरे काम करना बंद न किया, और ख़ुदावन्द के हुक्म पर 'अमल करना शुरू' न किया, तब ख़ुदावन्द उन्हें **मुजरिम ठहराएगा** और उन्हें सज़ावार करेंगा।
- **21:08**बादशाह वह होता है जो मुल्क पर हुकूमत करता है और लोगों का **इन्साफ़** करता है। मसीह एक सच्चा बादशाह होगा जो की दाऊद के तख़्त पर बैठा होगा। वह हमेशा के लिए दुनिया पर बादशाहत करेगा, और हमेशा सच्चाई से **इन्साफ़** करेगा और सही फ़ैसला लेगा।
- **39:04** इस पर सरदार काहिन ने ग़ुस्से में अपने कपड़े फाड़े और कई मज़हबी रहनुमाओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या ज़रुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को ख़ुदावन्द का बेटा कहा है। तुम्हारा क्या **इन्साफ़** है?”
- **50:14** लेकिन जो 'ईसा पर ईमान नहीं करेंगे ख़ुदावन्द उनमें से हर एक का **इन्साफ़ करेंगे**। वह उन्हें दोज़ख़ में फेंक देगा, जहाँ वह तकलीफ़ में हमेशा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्दकोश:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

(**वापस जाओ:** 18:01; 19:16; 21:08; 39:04; 50:14)

मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की

ता'अर्रुफ़:

किसी इन्सान से मुहब्बत करने का मतलब है, उस इन्सान की ख़बर लेना और उसे फ़ायदा पहुंचाने के काम करना। "मुहब्बत" के मुख़तलिफ़ मतलब होते हैं जिनके लिए मुख़तलिफ़ ज़बानों में मुख़तलिफ़ लफ़्ज़ होते हैं।

ख़ुदा की मुहब्बत इन्सान की भलाई पर मुनहस्सिर होती है चाहे उसमें ख़ुद का फ़ायदा न हो। ऐसी मुहब्बत जो इन्सानों की परवाह करती है चाहे वे कुछ भी करते हों। ख़ुदा ख़ुद मुहब्बत है और सच्ची मुहब्बत का ज़रिया' है।

- 'ईसा ने इस मुहब्बत का मुज़ाहरा किया कि है कि गुनाह और मौत से बचाने के लिए अपने आपको क़ुर्बानी पेश कर दिया। उसने अपने पैरोकारों को सिखाया कि नज़राने की मुहब्बत करें।
- जब लोग इस तरह की मुहब्बत से दूसरों को मुहब्बत करते हैं, तो वे उन तरीक़ों से काम करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों की तरक़्क़ी के लिए क्या वजह होगी। ऐसी मुहब्बत ख़ास करके दूसरों को मु'आफ़ करती है।
- यू.एल.बी. में "मुहब्बत" लफ़्ज़ ऐसा ही ख़ुद सुपुर्दगी या मुहब्बत है जब तक कि तर्जुमा का हाशिया अलग मतलब का ज़िक्र न करे।

नये 'अहदनामे में लफ़्ज़ का एक और हवाला है, भाईचारे की मुहब्बत या "दोस्त की मुहब्बत या ख़ानदानी फ़र्द की मुहब्बत"

- यह लफ़्ज़ दोस्तों और घर के अफ़राद की क़ुदरती मुहब्बत का हवाला देता है।
- इस का इस्ते'माल ऐसे मज़मूनों में भी हो सकता है जैसे वे दा'वत में ख़ास मक़मों में बैठने की ख़्वाहिश रखते हैं। या'नी उन्हें ऐसा करने की "बहुत ज़्यादा ख़्वाहिश" या " गहरी चाहत"

- "मुहब्बत" लफ़्ज़ का हवाला 'औरत-आदमी में रोमानी रिश्ते की मुहब्बत है ।

अलामती तौर पर इज़हार, "मैंने या'क़ूब से मुहब्बत की है और 'ऐसौ को नफ़रती जाना है।" यहां "मुहब्बत" लफ़्ज़ का मतलब है कि ख़ुदा ने'' या'क़ूब को चुना कि ख़ुदा के साथ कलाम के बारे में रहे। इसका तर्जुमा "चुना" भी हो सकता है। ताहम 'ऐसौ को भी ख़ुदा ने बरकतें दी थी, उसे कलाम के मुता'अल्लिक़ इम्तियाज़ हासिल नहीं थे। "नफ़रती" लफ़्ज़ का 'अलामती इस्ते'माल किया गया है जिसका मतलब है "छोड़ा हुआ" या "नहीं चुना।"

तर्जुमा की सलाह:

- जब तक कि तर्जुमा से मुता'अल्लिक़ हाशिये में और मतलब समझाया न जाए यू.एल.बी. में "मुहब्बत" लफ़्ज़ ख़ुदा से हासिल ख़ुद सुपुर्दगी की मुहब्बत का हवाला देता है।
- कुछ ज़बानों में ख़ुदा की बिना ख़ुदगर्ज़, सुपुर्दगी की मुहब्बत के लिए ख़ास लफ़्ज़ हो सकता है। इस लफ़्ज़ के तर्जुमा हो सकते हैं, "सुपुर्दगी, वफ़ादार देखरेख" या "बिना ख़ुदगर्ज़ होकर ख़िदमत करना" या "ख़ुदा की मुहब्बत।" यक़ीनी बनाएँ, कि ख़ुदा की मुहब्बत का तर्जुमा हो सकता है, औरों के फ़ायदे के लिए अपनी ख़्वाहिशों को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे मुहब्बत निभाते रहना।
- कभी-कभी "मुहब्बत" लफ़्ज़ का मतलब होता है दोस्तों और ख़ानदानी अफ़राद के लिए गहरी ख़िदमत का ख़याल रखना। कुछ ज़बानों में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमले से किया जा सकता है जिसका मतलब है, "बहुत अज़ीज़ समझना" या "ख़बर लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन मज़मूनों में "मुहब्बत" लफ़्ज़ किसी के लिए पुरज़ोर चाहत ज़ाहिर करे तो उस का तर्जुमा हो सकता है, "पुरज़ोर ख़्वाहिश" या "बहुत ज़्यादा चाहना" या "बहुत ज़्यादा पसन्द करना"।
- कुछ ज़बानों में एक अलग लफ़्ज़ होता है जिसके ज़रिए' शौहर-बीवी के बीच रोमानी मुहब्बत या जिस्मानी ता'अल्लुक़ की मुहब्बत को ज़ाहिर किया जाता है।
- बहुत सी ज़बानों में "मुहब्बत" लफ़्ज़ को फ़े'अल के तौर पर ज़ाहिर करना होता है। मिसाल के तौर पर, उनमें "मुहब्बत सब्र है, मुहब्बत रहमदिल है, इस जमले का तर्जुमा हो सकता है, "जब कोई किसी से मुहब्बत करता है, वह उसके साथ सब्र दिखाता है, उस पर रहम करता है।"

(यह भी देखें:'अहद, मौत, क़ुर्बानी, बचाना, गुनाह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 युहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- पैदाइश 29:15-18

- यसा'याह 56:6-7
- यरमियाह02:1-3
- युहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहमियाह 09:32-34
- फ़िलिप्पियों 1: 9-11
- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 01:1-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **27:02** मुन्तजिम ने जवाब दिया, "तू अपने ख़ुदा से अपने सारे दिल, रूह, क़ुव्वत और ,दिल से **मुहब्बत** रखना। और अपने पड़ोसी से अपने बराबर **मुहब्बत** करना।"
- **33:08** "कंटीली ज़मीन वे इन्सान है जिन्होंने कलाम सुना, और दुनिया की फ़िक्र और दौलत का धोखा, और दीगर चीज़ों का लालच उनमें समाकर ख़ुदा के लिए उसकी **मुहब्बत** को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह लफ़्ज़ निकला : " यह मेरा अज़ीज़ बेटा है, जिससे में **मुहब्बत** करता हूँ"
- **39:10** हर वह इन्सान जिसे सच्चाई से **मुहब्बत** है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत **मुहब्बत** के साथ ख़ुदावन्द की 'इबादत करती थी।
- **48:01**ख़ुदा ने जब दुनिया की तख़लीक की , तो सब कुछ एकदम सही था। दुनिया में कोई गुनाह नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से और ख़ुदा से **मुहब्बत** करते थे।
- **49:03**उसने('ईसा) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह मुहब्बत करना है जैसे कि आप ख़ुद से मुहब्बत करते हैं।
- **49:04** उसने('ईसा) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी दौलत से भी ज्यादा ख़ुदा को **मुहब्बत** करना चाहिए।
- **49:07** 'ईसा ने सिखाया कि ख़ुदा गुनाहगारों से बहुत **मुहब्बत** करता है।
- **49:09** लेकिन ख़ुदा ने क़ायनात के हर इन्सान से इतनी ज़्यादा **मुहब्बत** की कि उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया ताकि जो कोई 'ईसा पर ईमान करे उसे उसके गुनाहों की सज़ा नहीं मिलेगी, लेकिन हमेशा ख़ुदा के साथ रहेगा।
- **49:13** ख़ुदा तुमसे **मुहब्बत** करता है और चाहता है कि तुम 'ईसा पर ईमान करो ताकि वह तुमसे एक क़रीबी रिश्ता क़ायम रख सके।

शब्दकोश:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

(**वापस जाओ:** 17:04; 17:05; 24:08; 27:02; 28:02; 28:03; 33:08; 36:05; 37:01; 39:10; 47:01; 48:01; 49:03; 49:04; 49:07; 49:09; 49:13)

मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया

ता’अर्रुफ़:

किसी को मु’आफ़ करने का मतलब है कि उसके लिए शिक़ायत न रखना जिसने कोई नुक़सान दायक काम किया है। “मु’आफ़ी” किसी को मु’आफ़ करने का काम है

- किसी को मु’आफ़ करने का मतलब है, उसके ग़लत काम के लिए सज़ा न देना।
- इस लफ़्ज़ का ‘अलामती मतलब के ज़रिए’ इस्ते’माल किया जाता है “ख़ारिज करना” जैसा इस इज़हार में है, “क़र्ज़ मु’आफ़ करना”
- जब इन्सान गुनाहों को क़ुबूल करता है तब ख़ुदा ‘ईसा की सलीबी मौत की क़ुर्बानी की बुनियाद पर उन्हें मु’आफ़ कर देता है।
- ‘ईसा ने अपने शागिर्दों को ता’लीम दी कि जैसे उसने उन्हें मु’आफ़ किया है वैसे ही वे भी दूसरों को मु’आफ़ करें।

लफ़्ज़ "मु’आफ़ी" का मतलब है किसी को गुनाहों के बदले मु’आफ़ कर देना और उसे सज़ा न देना|

- यह लफ़्ज़ एक जैसे मतलब रखते हैं “मु’आफ करना” लेकिन किसी शख़्स को जो मुजरिम है उसे सज़ा ने देने के लिए रवायती फ़ैसले का मतलब शामिल हो सकता|
- कानून की ‘अदालत में, एक मुंसिफ़ एक मुजरिम के जुर्म पाकर उसे मु’आफ़ कर सकता है|
- अगरचे, हम गुनाहों की मुजरिम हैं, ‘ईसा मसीह ने हमें अपनी सलीब पर मौत क़ुर्बानी की बुनियाद पर हमें जहन्नम में सज़ा देने से मु’आफ़ किया है,

तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, “मु,आफ़ करना” के तर्जुमे हो सकते हैं, “मु’आफ़ी” या “ख़ारिज करना” या “आजाद करना” या “मुख़ालिफ़त कुछ न रखना”।
- लफ़्ज़ "मु’आफ़ करना" का तर्जुमा किसी लफ़्ज़ या जुमले ज़रिए’ किया जा सकता है जिसका मतलब है "नाराजगी न रखने की मशक़" या "किसी को बेगुनाह क़रार देना" या "मु’आफ़ करने का काम"।
- अगर आपकी ज़बान में मु’आफ़ करने का रवायती फ़ैसले के लिए कोई लफ़्ज़ हो, तो उस लफ़्ज़ का इस्ते’माल “मु’आफ़ी” के लिए किया जाए|

(यह भी देखें: गुनाह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 50:15-17
- गिनती 14:17-19
- इस्तिस्ना 29:20-21
- यशू’अ 24:19-20
- 2 सलातीन 05:17-19
- ज़ुबूर 025:10-11
- ज़ुबूर 025:17-19
- यसा’याह 55:6-7
- यसा’याह 40:1-2
- लूक़ा 05:20-21
- रसूलों के ‘आमाल 08:20-23
- इफ़िसियों 04:31-32
- क़ुलुस्सियो 03:12-14
- 1 युहन्ना 02:12-14

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **07:10** लेकिन ‘ऐसौ या’क़ूब को पहले ही **मु’आफ़ कर** चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही ख़ुश हुए।
- **13:15** मूसा पहाड़ पर फिर चढ़ गया और उसने दु’आ की कि ख़ुदा उन लोगों के गुनाहों को **मु’आफ़ कर** दे। ख़ुदा ने मूसा की दु’आ सुनी और उन्हें **मु’आफ़ किया**।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए गुनाहों पर पछतावा हुआ और ख़ुदा ने उसे **मु’आफ़ किया**।

- **21:05** नए 'अहदनामे में, ख़ुदा अपनी शरी'अत लोगों के दिलों में लिखता है, जो लोग ख़ुदा को ज़ाती तौर पर जानते हैं, वह ये लोग होते हैं, और ख़ुदा उनके गुनाहों को **मु'आफ़** करता हैं|
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर 'ईसा से पूछा , "ए ख़ुदावन्द, अगर मेरा भाई गुनाह करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार **मु'आफ़** करूँ?"
- **29:08**तू ने जो मुझ से मिन्नत की, तो मैं नेतेरा वह पूरा क़र्ज़ **मु'आफ़ कर दिया**।
- **38:05** फिर उसने मय का कटोरा लिया और कहा, "इसे पिओं। यह नए 'अहद का मेरा ख़ून है, जो बहुतों के गुनाहों को **मु'आफ़ी** के लिये बहाया जाता है।

शब्दकोश:

- H5546, H5547, H3722, H5375, H5545, H5547, H7521, G859, G863, G5483

(**वापस जाओ:** 07:10; 13:15; 17:13; 21:05; 22:07; 29:01; 29:08; 29:09; 38:05; 38:12; 40:02; 42:08; 43:11; 49:07; 49:11; 49:16; 49:17)

मूसा

सच्चाई:

मूसा एक नबी और इस्राईलियों का रहनुमा था, उसने 40 साल उनकी रहनुमाई की थी।

- बच्चे की हालत में मूसा के माँ-बाप ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के सरकंडों में बीच छोड़ दिया था, वह उसे मिस्र के फिर'औन से महफ़ूज़ रखना चाहते थे। मूसा की बहन मरयम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्यूँकि फिर'औन की बेटी उसे अपने महल में ले गई कि अपना बेटा बनाकर उसकी परवरिश करे।
- ख़ुदा ने मूसा को चुना कि इस्राईलियों को मिस्र की ग़ुलामी से निकाल कर वा'दे के मुल्क में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बा'द जब इस्राईली जंगल में थे तब ख़ुदा ने मूसा को पत्थर की तख़्तियों पर लिखकर दस हुक्म दिए थे ।
- अपनी ज़िन्दगी के आख़िर में मूसा ने वा'दे के मुल्क को तो देखा लेकिन वहाँ दाख़िल नहीं हो पाया क्यूँकि उसने ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़ काम नहीं किया था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मरयम, वा’दे का मुल्क , दस हुक्म)

किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:20-21
- रसूलों के 'आमाल 07:29-30
- ख़ुरूज 02:9-10
- ख़ुरूज 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

किताब-ए-मुकद्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:12** एक दिन, **मूसा** जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05 मूसा** ने लोगों से कहा, “डरो मत, ख़ुदा ख़ुद ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** ख़ुदा ने **मूसा** से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समन्दर के ऊपर बढ़ा और वह दो हिस्से हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राईलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने ख़ुदा पर भरोसा किया और ईमान करने लगे कि **मूसा** ख़ुदा का एक नबी है।
- **13:07**ख़ुदा ने यह दस हुक्म **मूसा** को दो पत्थर की तख़्तियों पर लिख के दे दीं |

\

शब्दकोश:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

(**वापस जाओ:** 09:07; 09:08; 09:10; 09:11; 09:12; 09:14; 09:15; 10:01; 10:04; 10:05; 10:07; 10:08; 11:08; 12:05; 12:07; 12:11; 12:12; 13:01; 13:02; 13:03; 13:07; 13:09; 13:11; 13:12; 13:13; 13:14; 13:15; 14:04; 14:07; 14:09; 14:12; 14:13; 14:14; 14:15; 17:06; 21:03; 36:03; 36:04; 45:01; 48:12)

मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों

ता’अर्रुफ़:

“मो'जिज़ा” एक ऐसा अजीब काम है जो ख़ुदावन्द ने किए जो इन्सान के लिए मुम्किन नही है।

- 'ईसा के मो'जिज़ों में आंधी को शान्त करना, अंधे आदमी को बीनाई देना ।
- मो'जिज़ों को अजीब काम भी कहा गया है क्यूँकि उन्हें देखकर इन्सान हैरान और ता'अज्जुब से भर जाता है।
- “अजीब काम” के बारे में आम तौर से ख़ुदावन्द की ताक़त से ता'अज्जुब वाले काम से भी है जैसे जब उसने आसमान और ज़मीन को बनाया ।
- मो'जिज़ों को “निशान” भी कहा गया है क्यूँकि वे ख़ुदावन्द के क़ादिर होने का इशारा या सुबूत हैं, जहान पर उसका पूरा इख्तियार है।
- कुछ मो'जिज़े ख़ुदावन्द के आज़ादी के काम हैं जैसे जब उसने इस्राईलियों को मिस्र की ग़ुलामी में से निकाला था और दानिएल को शेरों के नुक़सान से महफ़ूज़ रखा था।
- दूसरे मो'जिज़े हैं, ख़ुदावन्द की सज़ा जैसे नूह के वक़्त में उसने पानी का सैलाब भेजा या मूसा के वक़्त में मिस्र पर मुसीबतें डालीं।
- ख़ुदावन्द के दूसरे कई मो'जिज़ों में बीमारों को अच्छा करना और मुर्दों को जिलाना था।
- 'ईसा के ज़रिए' बीमारों की शिफ़ा, आंधी शान्त करना, पानी पर चलना, मुर्दों को जिलाना ख़ुदावन्द की ताक़त का ज़हूर था। यह सब मो'जिज़े थे।
- ख़ुदावन्द ने नबियों और रसूलों को भी ताक़त दिया कि वह मो'जिज़े करें जैसे बीमारी को शिफ़ा दूसरे ताक़तवर काम जो सिर्फ़ ख़ुदावन्द की ताक़त से ही मुम्किन थे।

तर्जुमा की सलाह:

- “मो'जिज़े” और “अजीब कामों” के तर्जुमा हो सकते हैं, “ख़ुदावन्द के नामुम्किन काम ” या “ख़ुदावन्द की ताक़त के काम ” या “ख़ुदावन्द के हैरत अंगेज़ काम”
- “निशान और मो'जिज़ा” एक ऐसा जुमला है जिसका बार-बार इस्ते'माल किया गया है, इसका तर्जुमा हो सकता है, “सबूत और मो'जिज़े” या “ख़ुदावन्द की ताक़त को साबित करने वाले हैरत अंगेज़ काम” या “क़ुदरती मो'जिज़ा जिनसे ख़ुदावन्द की अज़मत ज़ाहिर होती है”
- तवज्जोह दें कि क़ुदरती निशान का मतलब है किसी बात को साबित करने के निशान से अलग है। इन दोनों का मतलब एक जैसा हो सकता है।

(यह भी देखें: ताक़त, नबी, रसूल, निशान)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 थिस्सलुनीकियों 02:8-10
- रसूलों के 'आमाल 04:15-18
- रसूलों के 'आमाल 04:21-22
- दानिएल 04:1-3
- इस्तिसना 13:1-3
- ख़ुरूज 03:19-22
- यूहन्ना 02:11
- मत्ती 13:57-58

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **16:08** ख़ुदावन्द इस्राईलियों को बचाने के लिए गिदोन का इस्ते'माल करना चाहता है, इसके लिए उसने ख़ुदावन्द से दो **निशान** पूछे |
- **19:14** ख़ुदावन्द ने एलीशा के ज़रिए' बहुत से **मो'जिज़े** किए |
- **37:10** कई यहूदी उसका यह **काम** देखकर, उस पर ईमान किया।
- **43:06** “ऐ इस्राईलियो ये बातें सुनो: 'ईसा नासरी एक आदमी था, जिसने ख़ुदावन्द की ताक़त से कई **अजीब कामों** और **निशानों** को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदावन्द ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिए' कर दिखाए जिसे तुम ख़ुद ही जानते हो |”
- **49:02** 'ईसा ने बहुत से **मो'जिज़े** किये जो यह साबित करते हैं कि वह ख़ुदावन्द है | वह पानी पर चला, तूफ़ान को शांत किया, बहुत से बीमारों को अच्छा किया, बदरूहों को निकाला, मुर्दों को ज़िन्दा किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने खाने में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफ़ी हो |

शब्दकोश:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H5953, H6381, H6382, H6383, H6395, H6725, H7560, H7583, H8047, H8074, H8539, H8540,, G880, G1213, G1229, G1411, G1569, G1718, G1770, G1839, G2285, G2296, G2297, G3167, G3902, G4591, G4592, G5059

(**वापस जाओ:** 19:14; 37:10; 43:06; 45:01; 49:02)

यरदन नदी, यरदन

सच्चाई:

यरदन नदी उत्तर से दक्खिन की तरफ़ बहती है और कन'आन मुल्क की पूरबी सरहद बनाती है।

- आज यरदन नदी पश्चिम में इस्राईल और पूरब में यरदन को अलग करती है।
- यरदन नदी गलील समन्दर से बहती हुई मुर्दा समन्दर में गिरती है।
- यसू'अ जब इस्राईलियों को लेकर कन'आन आ रहा था तब उन्हें यरदन नदी पार करनी पड़ी थी। क्यूँकि पानी बहुत गहरा था ख़ुदावन्द ने यरदन नदी के बहाव को रोक दिया और इस्राईलियों ने उसे पार किया।

कलाम में यरदन नदी का बयान “यरदन ” से है।

(यह भी देखें: कन'आन, खारा तालाब, गलील समन्दर)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 32:9-10
- यूहन्ना 01:26-28
- यूहन्ना 03:25-26
- लूक़ा 03:3
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती 03:13-15
- मत्ती 04:14-16
- मत्ती 19:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:02** इस्राईलियों को वा'दा की ज़मीनमें दाख़िल होने से पहले **यरदन नदी** को पार करना था।
- **15:03**जब सब इस्राईलियों ने **यरदन नदी** को पार कर लिया, तब ख़ुदा ने यसू'अ को बताया कि किस तरह से यरीहू के ताक़तवर शहर पर हमला करना है।
- **19:14** एलीशा ने उसे कहा, “तू जाकर **यरदन नदी** में सात बार डुबकी मार।”

शब्दकोश:

- Strong's: H3383, G2446

(**वापस जाओ:** 15:02; 15:03; 19:14; 19:15)

यरमियाह

सच्चाई:

यरमियाह यहूदा मुल्क में ख़ुदावन्द का नबी था। पुराने 'अहद नामे में यरमियाह नाम की किताब में उसकी नबूव्वतें हैं।

दूसरे नबियों की तरह यरमियाह ने भी इस्राईलियों को ख़बरदार किया था कि ख़ुदा उनके गुनाहों की सज़ा देगा।

- यरमियाह की नबूव्वत के मुताबिक़ बाबुल, यरूशलीम को ग़ुलाम बनाएगा, इस वजह से कई यहूदा के रहने वाले उससे ग़ुस्सा थे। नतीज़ा यह हुआ कि उन्होंने उसे एक सूखे कूएं में डाल दिया कि वह मर जाए। लेकिन यहूदा के बादशाह ने अपने ख़ादिमों को हुक्म देकर उसे कूएं में से निकलवाया।

यरमियाह ने लिखा कि वह चाहता था कि उसकी आंखें “आंसुओं का चश्मा” बन जाएं कि वह अपने लोगों के बग़ावत और दर्द पर गहरा ग़म बयान कर पाए।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबुल, यहूदा, नबी, बग़ावत, तकलीफ़ उठाना, कुंआ)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 35:25
- यरमियाह 01:1-3
- यरमियाह 11:1-2
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 16:13-16
- मत्ती 27:9-10

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:17** एक बार **यरमियाह** नबी को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं सिर्फ़ दलदल थी, और **यरमियाह** कीचड़ में धंस गया, लेकिन तब बादशाह ने उस पर रहम किया और उसने अपने ख़ादिमों को हुक्म दिया कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **21:05** _यरमियाह _ नबी के ज़रिए’, ख़ुदा ने वा'दा किया कि वह एक नई 'अहद बनाएगा लेकिन वह उस 'अहद के तरह न होंगी जो ख़ुदा ने इस्राईलियों के साथ सीनै पहाड़ पर बाँधी थी।

शब्दकोश:

- Strong's: H3414, G2408

(**वापस जाओ:** 19:17; 21:05)

यरीहू

सच्चाई:

यरीहू कन'आन मुल्क में एक ताक़तवर शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मुर्दा समन्दर के उत्तर में था।

- दूसरे सब कन'आनियों की तरह यरीहू के रहने वाले भी बुत परस्त थे।
- यरीहू कन'आन मुल्क में पहला शहर था, जिसे ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों को फ़तह करने के लिए कहा था।

जब यसू'अ ने यरीहू के ख़िलाफ़ इस्राईलियों की रहनुमाई की तब यरीहू को शिकस्त करने में ख़ुदावन्द ने अजीब मो'जिज़ा किया था।

(यह भी देखें: कन'आन, यरदन नदी, यसू'अ, मो’जिज़ा, खारे तालाब)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:77-79
- यसू'अ 02:1-3
- यसू'अ 07:2-3
- लूक़ा 18:35-37
- मरकुस 10:46-48
- मत्ती 20:29-31
- गिनती 22:1

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:01** यसू'अ ने दो जासूसों को कन'आनियों के शहर **यरीहू** में भेजा।
- **15:03** जब सब इस्राईलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब ख़ुदावन्द ने यसू'अ को बताया कि किस तरह से **यरीहू** के ताक़तवर शहर पर हमला करना है।
- **15:05** यरीहू की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्राईलियों ने ख़ुदावन्द के हुक्म के मुताबीक़, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ ख़त्म कर दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: H3405, G2410

(**वापस जाओ:** 15:01; 15:03; 15:05; 27:04)

यरूशलीम

सच्चाई:

यरूशलीम हक़ीक़त में एक पुराना कन'आनी शहर था जो बा'द में इस्राईल का एक ख़ास शहर बन गया था। यह शहर खारे तालाब के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के उत्तर में क़ायम है। यह शहर आज भी इस्राईल की दारुल सल्तनत है।

- "यरूशलीम" नाम सबसे पहले यसू'अ की किताब में आया है। इस शहर के दूसरे नाम जो पुराने 'अह्द नामे में हैं वह हैं, "शलूम", "यबूसियों का शहर" और "सिय्यून" यरूशलीम और शलूम दोनों लफ़्ज़ों का असल मतलब है, "अमन"।
- यरूशलीम असलमें यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्यून" था, बादशाह दाऊद ने इस शहर को फ़तह कर अपनी दारुल सल्तनत बना लिया था।
- दाऊद बादशाह के बेटे , सुलैमान ने सबसे पहला हैकल यरूशलीम में मोरियाह पहाड़ पर बनाया था। मोरियाह पहाड़ वह जगह थी जहाँ इब्राहीम ने अपने बेटे, इस्हाक़ की क़ुर्बानी पेश थी। बाबुल की फ़ौज के ज़रिए' हैकल को बर्बाद करने के बा'द दुबारा फिर तैयार किया गया था।
- हैकल यरूशलीम में था इसलिए यहूदियों के ख़ास 'ईद वहीं मनाई जाती थी।
- लोग कहते थे कि वह ऊपर यरूशलीम को जा रहे हैं क्यूँकि यह शहर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें:बाबुल, मसीह, दाऊद, यबूसी, 'ईसा, सुलैमान, हैकल, सिय्यून)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13-14
- लूक़ा 04:9-11
- लूक़ा 13:4-5
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17-19

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:05** दाऊद ने **यरूशलीम** पर फ़तह हासिल की और उसे अपनी दारुल सल्तनत बनाया।
- **18:02** **यरूशलीम** में, सुलैमान ने अपने बाप के मन्सूबे के मुताबिक़ एक हैकल बनाने का इरादा किया और उसके लिए समान जमा' किया।
- **20:07** उन्होंने **यरूशलीम** को फ़तह कर लिया, मंदिर को बर्बाद कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी क़ीमती चीज़ों को उनसे छीन कर ले गए।
- **20:12** लिहाज़ा सत्तर साल जिला वतनी के बा'द, यहूदियों का एक छोटा गिरोह **यरूशलीम** को वापस लौट आया।
- **38:01** 'ईसा मसीह के 'आम ता'लीमों के तीन साल बा'द अपनी पहली ता'लीम शुरू की। 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि वह **यरूशलीम** में उनके साथ फ़सह का 'ईद मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:02** 'ईसा और शागिर्दों के _ यरूशलीम_ में पहुँचने के बा'द यहूदा यहूदी रहनुमा के पास गया और पैसों के बदले 'ईसा के साथ धोकेबाज़ी करने का बात रखी।
- **42:08** " किताब-ए-मुक़द्दस में यह भी लिखा था कि मेरे शागिर्द 'एलान करेंगे कि हर एक को गुनाहों की मु'आफ़ी हासिल करने के लिये तौबा करना चाहिए। वह **यरूशलीम** से इसकी शुरु'आत करेंगे और हर जगह सब क़ौमों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।"
- **42:11** 'ईसा के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बा'द, उसने अपने शागिर्दों से कहा कि तुम यरूशलीम में ही रहना जब तक कि मेरे बाप तुम्हे पाक रूह की ताक़त तुम्हे न दें।"

शब्दकोश:

- Strong's: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

(**वापस जाओ:** 17:05; 18:02; 20:07; 20:12; 20:13; 27:04; 36:03; 38:01; 38:02; 38:04; 42:02; 42:05; 42:08; 42:11; 43:01; 43:02; 43:04; 43:12; 45:06; 45:07; 46:01; 46:08; 46:09)

यशू'अ

सच्चाई:

कलाम में यशू'अ नाम के कई इस्राईली आदमी हुए हैं। सबसे ज़्यादा मशहूर नून का बेटा यशू'अ है, वह मूसा का मददगार था और ख़ुदावन्द के लोगों का एक ख़ास रहनुमा हुआ था।

- यशू'अ उन बारह जासूसों में से एक था जिन्हें मूसा ने वा'दे के मुल्क की जानकारी लेने के लिए भेजा था।
- क़ालिब के साथ यशू'अ ने इस्राईलियों से वा'दा किया कि वह ख़ुदावन्द के हुक्म मानकर वा'दे के मुल्क में दाख़िल होकर उसे कन'आनियों से फ़तह कर लें।
- सालों बा'द जब मूसा की वफ़ात हो गई तब ख़ुदावन्द ने यशू'अ को मुक़र्रर किया कि वह इस्राईलियों को वा'दे के मुल्क में लेकर जाए।
- कन'आनियों के ख़िलाफ़ पहली और बहुत मशहूर जंग में यशू'अ ने यरीहू को फ़तह करने में इस्राईलियों की रहनुमाई की थी।
- पुराने 'अहद नामे में यशू'अ की किताब में बयान किया गया है कि यशू'अ ने वा'दे के मुल्क पर इख़्तियार और इस्राईल के हर एक क़बीले को रहने के लिए ज़मीनें दीं थीं ।
- योसदाक का बेटा यशू'अ सरदार काहिन का ज़िक्र हज्जी और ज़करियाह की किताबों में किया गया है, उसने यरूशलीम की शहरपनाह के दोबारा तेयार कराने में मदद की थी।
- यशू'अ नाम के दूसरे कई आदमी हुए हैं जिनका बयान नसब नामों और कलाम में कई जगहों में किया गया है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, हज्जी, यरीहू, मूसा, वा'दे के मुल्क, ज़करियाह (पुराना 'अहद नामा))

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 07:25-27
- इस्तिसना 03:21-22
- ख़ुरूज 17:8-10
- यशू'अ 01:1-3
- गिनती 27:18-19

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **14:04**जब इस्राईली कन'आन की सरहद पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह आदमियों को चुना इस्राईल के हर क़बीले में से उसने उन आदमियों को हुक्म दिया कि जाओ और ज़मीन का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है।
- **14:06** फ़ौरन ही कालेब और **यशू'अ**, दूसरे दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कन'आन के लोग लम्बे और मज़बूत है , लेकिन हम यक़ीनी तौर पर उन्हें शिकस्त कर देंगे !
- **14:08** उनमें से कालेब और **यशू'अ** को छोड़ जितने बीस साल के या उससे ज़्यादा 'उम्र के जितने शुमार किए गए थे ,और मुझ पर बुड़बुड़ाते थे, कोई भी उस मुल्क में न जाने पाएगा, जिसके बारे मैं ने क़सम खाई है ,कि तुम को उसमें बसाऊँगा।
- **14:14** मूसा बहुत उम्र दराज़ हो गया था, उसकी मदद करने के लिए ख़ुदावन्द ने **यशू'अ** को चुना जिससे वह लोगों का रास्ता तैयार कर सके।
- **14:15 यशू'अ** एक अच्छा रहनुमा था क्यूँकि वह ख़ुदावन्द पर ईमान करता था व उसके हुक्मों पर 'अमल करता था।
- **15:03** जब सब इस्राईलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब ख़ुदावन्द ने **यशू'अ** को बताया कि किस तरह से यरीहू के ताक़तवर शहर पर हमला करना है।

शब्दकोश:

- Strong's: H3091, G2424

(**वापस जाओ:** 14:06; 14:07; 14:08; 14:14; 14:15; 15:01; 15:02; 15:03; 15:06; 15:07; 15:08; 15:11; 15:13; 16:01)

यसा'याह

सच्चाई:

यसा'याह ख़ुदा का नबी था जिसने यहूदा में चार बादशाहों की बादशाहत में ख़िदमत की थी। उज़्ज़ियाह, यूताम, आख़ज़ और हिज़क़ियाह

- जब असूर हिज़क़ियाह के वक़्त में शहर पर हमला कर रहे थे तब वह यरूशलीम में रह रहा था।
- पुराने 'अहद नामे की किताब यसा'याह कलाम की बड़ी ख़ास किताब में से एक है।
- यसा'याह ने कई नबूव्वतें की थीं जो लिखी है जो उसकी ज़िन्दगी ही में पूरी हो गईं थीं ।
- यसा'याह मसीह की नबूव्वत के लिए ख़ास करके जाना जाता है, जो 700 साल बा'द 'ईसा के वक़्त में पूरी हुई थी।
- 'ईसा और उसके शागिर्दों ने यसा'याह की नबूव्वतों के ज़रिए' लोगों को मसीह के बारे में ता'लीम दी थी।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आख़ज़, असूर, मसीह, हिज़क़ियाह , यूताम, यहूदा, नबी, उज़्ज़ियाह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 20:1-3
- रसूलों के 'आमाल 28:25-26
- यसा'याह 01:1
- लूक़ा 03:4
- मरकुस 01:1-3
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:14-16

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:09 यसा'याह** नबी ने नबूव्वत की थी , कि एक कुँवारी से मसीह पैदा होगा।
- **21:10 यसा'याह** नबी ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह ग़म जदह लोगों को अमन देगा और ग़ुलामों के लिए आज़ादी का और क़ैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11 यसा'याह** नबी ने यह भी नबूव्वत की कि मसीह से लोग बिना वजह के 'अदावत करेंगे और उसे नज़र अन्दाज़ करेंगे।
- **21:12 यसा'याह** ने नबूव्वत की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसकी मज़ाक़ उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:02** उसे(‘ईसा)**यसा'याह** नबी की किताब दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। 'ईसा ने किताब खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:08** जब फ़िलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कूश मुल्क के हाकिमों को **यसा'याह** नबी की किताब से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फ़िलिप्पुस ने उसे समझाया कि **यसा'याह** यह 'ईसा मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्दकोश:

- Strong's: H3470, G2268

(**वापस जाओ:** 21:09; 21:10; 21:11; 21:12; 26:02; 45:08; 45:09; 45:10)

यहूदा इस्करियोती

सच्चाई:

यहूदा इस्करियोती 'ईसा के शागिर्दों में से एक था। उसने 'ईसा को धोका करके यहूदी रहनुमाओं के हाथों पकड़वा दिया था।

- इस्करियोती का मतलब हो सकता है, “कारियोथ का रहनेवाला ” शायद यूहदा उस शहर में पाला- पोसा गया था।
- यहूदा इस्करियोती शागिर्दों का पैसा संभालता था और शायद उसमें से चोरी भी करता था।
- यहूदा ने मज़हब के रहनुमाओं को उसका पता बताकर उससे धोकेबाज़ी की और इस तरह उन्होंने 'ईसा को क़ैदी बना लिया।
- जब मज़हब के रहनुमाओं ने 'ईसा को सज़ा-ए-मौत के लायक़ ठहरा दिया तब 'ईसा के साथ धोकेबाज़ी करने क लिए यहूदा पछताया और यहूदी रहनुमाओं का पैसा लौटाकर ख़ुदकशी कर ली।
- एक और शागिर्द का नाम यहूदा था और 'ईसा के भाई का नाम भी यहूदा था। 'ईसा के भाई को भी यहूदा कहा जाता है ।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें:रसूल, पकड़वाना, यहूदी रहनुमा, या’क़ूब का बेटा यहूदा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 06:14-16
- लूक़ा 22:47-48
- मरक़ुस 03:17-19
- मरक़ुस 14:10-11
- मत्ती 26:23-25

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **38:02** ''ईसा के शागिर्दों में से एक **यहूदा** नाम का आदमी था । ...'ईसा और शागिर्दों के यरूशलीम में पहुँचने के बा'द **यहूदा** यहूदी रहनुमाओं के पास गया और पैसों के बदले 'ईसा के साथ धोकेबाज़ी करने की बात रखी।
- **38:03** यहूदी रहनुमाओं ने हाकिम काहिन की ज़िम्मेदारी में 'ईसा को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:14 यहूदा** हाकिम काहिनों फ़ौजियों और एक बड़ी भीड़ को तलवार और लाठियों के साथ लाया। **यहूदा** 'ईसा के पास आया और कहा, “ नमस्कार, उस्ताद,” और उसे चूमा।
- **39:08** इसी दौरान जब **यहूदा**, धोकेबाज़ ने देखा कि यहूदी काहिन 'ईसा को क़ुसूरवार साबित कर के उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदा ग़म से भर गया और खुद को मार डाला।

शब्दकोश:

- Strong's: G2455, G2469

(**वापस जाओ:** 38:02; 38:03; 38:06; 38:07; 38:14; 39:08)

यहूदाह, यहूदाह की बादशाही

सच्चाई:

यहूदाह का क़बीला इस्राईल के बारह क़बीलों में सबसे बड़ा था। यहूदाह की बादशाही यहूदाह और बिनयामीन के क़बीलों से थी

- बादशाह सुलैमान के मरने के बा'द इस्राईल की बादशाही दो हिस्सों में तक़सीम हो गयी थी: इस्राईल और यहूदाह| यहूदाह की बादशाही, दख्खिनी बादशाही थी जो खारे समन्दर के पश्चिम में थी|
- यहूदाह की बादशाही की दारुल-उल-हुकूमत यरूशलीम थी।
- यहूदाह के आठ बादशाह यहोवा के हुक्मों पर चले और क़ौम को उसकी परस्तिश की सलाह दी। यहूदाह के और बादशाह बुरे थे और उन्होंने क़ौम को बुतपरस्ती के लिए हौसला दिया
- अश्शूरों के ज़रिए' इस्राईल को हराने के 120 साल से ज़्यादा वक़्त बा'द यहूदाह की बादशाही बाबुल के ज़रिए' हरा दी गई। बाबुल की फ़ौज ने शहर को और हैकल को बर्बाद कर दिया और ज़्यादातर यहूदाह के बाशिन्दों को क़ैदी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदाह, खारा समन्दर)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे'अ 05:14-15
- यरमियाह 07:33-34
- क़ुज़ात 01:16-17

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाले:

- **18:07** सिर्फ़ दो क़बीले उसके(रहुब'आम) लिए वफ़ादार रहे। यह दो क़बीले **यहूदाह की बादशाही** बन गए। \
- **18:10 यहूदाह और इस्राईली बादशाही** दुश्मन बन गए और अक्सर एक दूसरे के ख़िलाफ़ लड़े।\
- **18:13 यहूदाह के बादशाह** दाऊद की नसल के थे| कुछ बादशाह अच्छे इन्सान भी थे, जिन्होंने सही तरीक़े से हुकूमत की और खुदा की परस्तिश की। लेकिन बहुत से **यहूदाह के** बादशाह बुरे, बाग़ी और बुतों की परस्तिश करने वाले थे। \ \
- **20:01** इस्राएल की बादशाही और **यहूदाह की बादशाही** दोनों ने खुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया।\
- **20:05 यहूदाह की बादशाही** के लोगों ने देखा कि खुदा के हुक्म का 'अमल न करने और उस पर ईमान न रखने की वजह इस्राईलियों को उसने कैसे सज़ा दी| फिर भी उन्होंने कना'नियों के मा'बूदों समेत बुतों की परस्तिश करनी न छोड़ी। \
- **20:06** अश्शूरियों के ज़रिए' इस्राईली हुकूमत को तबाह करने के लगभग सौ सालों बा'द, खुदा ने बाबुल के बादशाह नबूकदनज़र को भेजा, **यहूदी हुकूमत** को बर्बाद करने के लिए।\
- **20:09** नबूकदनज़र और उसके सिपाही लगभग सभी **यहूदियों** को बंदी बनाकर बाबुल ले गए, वहाँ पर सिर्फ़ कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहाँ खेती कर सके।\

शब्दकोश:

- Strong's: H4438, H3063

(**वापस जाओ:** 18:07; 18:09; 18:10; 18:13; 20:01; 20:05; 20:06; 20:07; 20:08; 20:09)

यहूदियों, यहूदी

सच्चाई:

“यहूदी रहनुमा ” या “यहूदियों के हाकिम” या'नी मज़हबी रहनुमा जैसे इमाम और ख़ुदा के कलाम का उस्ताद । उन्हें मज़हब के 'अलावह दूसरे मज़्मूनों के बारे में भी फ़ैसला देने का इख़्तियार था।

- यहूदियों के रहनुमा थे ‘आला और ख़ास इमामों, और क़ानून के उस्ताद (ख़ुदावन्द की शरी'अत के उस्ताद)
- यहूदी रहनुमाओं के दो ख़ास गिरोह थे फ़रीसी और सदूक़ी।
- यरूशलीम की मजलिस में क़ानूनी मु'आमिलात के बारे में फ़ैसला लेने के लिए सत्तर यहूदी रहनुमा जमा' हुए थे।
- कई यहूदी रहनुमा मग़रूर थे और अपने आप को नेक समझते थे। * वह 'ईसा से हसद करते थे और उसे नुक़सान पहुंचाना चाहते थे। वह ख़ुदा को जानने का दावा तो करते थे, लेकिन उसके हुक्मों को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” लफ़्ज़ ज़्यादातर यहूदी रहनुमाओं के लिए काम में लिया जाता था। ख़ास करके जब वह 'ईसा से नाराज़ होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे नुक़सान पहुंचाना चाहते थे।
- इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा किया जा सकता है, “यहूदी हाकिम” या “यहूदियों के ” या इख़्तियारी हाकिम “यहूदी मज़हबी उस्ताद”

(यह भी देखें: यहूदी, हाकिम-काहिनों, मजलिस, सरदार काहिन, फ़रीसी, काहिन, सदूक़ी, ‘आलिम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूक़ा 19:47-48

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **24:03 उन्होंने** अपने-अपने गुनाहों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से मज़हबी काहिन यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, लेकिन उन्होंने अपने गुनाहों से तौबा न किया |
- **37:11** लेकिन **यहूदियों के मज़हबी उस्ताद** ‘ईसा से हसद रखते थे, इसलिए उन्होंने आपस में मिलकर मन्सूबा बनाना चाहा कि कैसे वह 'ईसा और लाजर को मरवा सकें ।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि _ यहूदी उस्तादों_ ने 'ईसा को मसीहा की शक्ल में इन्कार कर दिया था और वह उसे मरवा डालने का मन्सूबा बना रहे थे।
- **38:03 यहूदी रहनुमाओं** ने हाकिम काहिन के ज़िम्मेदारी में 'ईसा को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05 यहूदी रहनुमाओं** ने सरदार काहिन को जवाब दिया, “यह मरने के लायक़ है।”
- **39:09** अगली सुबह **यहूदी रहनुमाओं** ने 'ईसा को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन गवर्नर था।
- **39:11** लेकिन **यहूदी रहनुमाओं** ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे सलीब पर चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ़ और नीकुदेमुस, दो **यहूदी काहिन** जिन्हें यक़ीन था कि 'ईसा ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर 'ईसा की लाश को माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि _यहूदी काहिन _पतरस और यूहन्ना को लेकर सरदार काहिन के पास गए।

शब्दकोश:

- Strong's: G2453

(**वापस जाओ:** 24:03; 24:04; 27:06; 34:06; 34:07; 34:09; 34:10; 35:02; 37:11; 38:02; 38:03; 38:14; 39:02; 39:04; 39:05; 39:08; 39:09; 39:11; 40:05; 40:09; 41:01; 44:07; 44:09; 45:01)

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

सच्चाई:

यहूदी वह लोग है जो इब्राहीम के पोते या'क़ूब की औलाद थे। “यहूदी” लफ़्ज़ “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राईलियों को यहूदी तब कहने लगे थे जब वह बाबुल से यहूदा मुल्क लौट आए थे।

- मसीह 'ईसा यहूदी था। लेकिन यहूदी मज़हब के रहनुमाओं ने ;ईसा का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी लफ़्ज़ हमेशा यहूदियों के रहनुमाओं के बारे में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन बारों में कुछ तर्जुमों में “के रहनुमा” को जोड़ा जाता है कि मतलब साफ़ बयान हो।

(यह भी देखें: इब्राहीम, या’क़ूब, इस्राईल, बाबुल, यहूदी रहनुमा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 02:5-7
- रसूलों के 'आमाल 10:27-29
- रसूलों के 'आमाल 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **20:11** इस्राईलियों को अब **यहूदी** कहा जाता था और उनमें से ज़्यादातर लोगों ने अपनी पूरी ज़िन्दगी बाबुल में गुज़ार दी थी |
- **20:12** लिहाज़ा सत्तर साल तक जिला वतनी के बा'द, **यहूदियों** का एक छोटा गिरोह यरूशलीम को वापस लौट आया।
- **37:10** कई **यहूदी** उसका यह मो'जिज़ा देखकर, उस पर ईमान लाए ।
- **37:11** लेकिन **यहूदियों** के मज़हबी उस्ताद 'ईसा से हसद रखते थे, इसलिए उन्होंने आपस में मिलकर मन्सूबा बनाना चाहा कि कैसे वह 'ईसा और लाजर को क़त्ल सके।
- **40:02** पिलातुस ने हुक्म दिया कि 'ईसा के सिर के ऊपर सलीब पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह **यहूदियों** का बादशाह है।”
- **46:06**फ़ौरन ही, शाऊल दमिश्क़ के **यहूदियों** से 'ऐलान करने लगा कि, "'ईसा ख़ुदावन्द का बेटा है!"

शब्दकोश:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

(**वापस जाओ:** 20:11; 20:12; 24:05; 26:06; 27:04; 27:06; 27:07; 27:08; 37:10; 37:11; 38:01; 38:07; 41:03; 43:02; 45:01; 46:06; 46:07; 46:09)

यहोवा

सच्चाई:

“यहोवा” ख़ुदा का नाम है, उसने उस जलती हुई झाड़ी पर मूसा को यह नाम बताया था

- “यहोवा” नाम उस लफ़्ज़ से आता है जिसका मतलब है “होना” या “हक़ीक़त में है।”
- “यहोवा” के मुनासिब मतलब हो सकते हैं, “वह है” या “मैं हूँ” या “वह जो होता है”।
- इन नाम का मतलब है ख़ुदा हमेशा से ज़िन्दा है और रहेगा। इसका मतलब हमेशा मौजूद भी है।
- लिखी हुई रवायत , कई कलाम के जुमलों का लफ़्ज़ "ख़ुदा" को ज़ाहिर करने के लिए "यहोवा" इस्ते'माल किया है। यह रवायत इस सच्चाई से हुई है कि तवारीख़ की शक्ल से, यहूदी लोग डरते हैं कि यहोवा के नाम का मतलब ग़लत तरीक़े से न हो इसलिए जहाँ भी बाब में यहोवा आया वहाँ वह ख़ुदा कहने लगे। अक्सर कलाम में "ख़ुदा"(मालिक) को अंग्रेजी में बड़े हरफ़ों से लिखा जाता है कि ख़ुदा के नाम की 'इज़्ज़त हो।
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. ख़ुदा के नाम को “यहोवा” ही लिखते हैं जैसा 'इब्रानी ज़बान के पुराने 'अहद नामे में है।
- नये 'अहद नामे में “यहोवा” नाम का इस्ते'माल नहीं किया गया है; सिर्फ़ “ख़ुदा” के लिए यूनानी लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है, यहाँ तक कि पुराने 'अहद नामे की मिसाल में भी।
- पुराने 'अहद नामे में जब ख़ुदा ख़ुद के बारे में कहता है तब वह लक़ब की जगह में अपना नाम लेता है।
- लक़ब “मैं” और “मुझ” के ज़रिए' यू.एल.बी. के बाबों के लिए साबित करती है कि कहनेवाला ख़ुदा ही है।

तर्जुमा की सलाह :

- “यहोवा” लफ़्ज़ की जगह में “मैं हूँ” या “ज़िन्दा ख़ुदा” या “हक़ीक़ी” या “वह जो ज़िन्दा है” काम में लिया जा सकता है।
- यह लफ़्ज़ इस तरह लिखा जाए जो “यहोवा” लफ़्ज़ की हिज्जे दिखाई दे।
- कुछ कलीसिया की क़ौमों में "यहोवा" लफ़्ज़ का इस्ते’माल करना पसंद नहीं करते हैं और बदले में रवायती तौर पर "ख़ुदा"(ख़ुदा को अंग्रेजी में बड़े हरफ़ों में) का इस्ते’माल करते हैं। एक ज़रूरी ख़याल यह है कि यह उलझन हो सकती है जब बड़े पैमाने पर पढ़ा जा सकता है क्यूँकि यह मज़मून "ख़ुदा" के जैसा होगा। कुछ ज़बानों में निशान जोड़े जा सकते है जो फ़र्क़ करता है “ख़ुदा” (ख़ुदा को अंग्रेजी में बड़े हरफ़ों में)को नाम के तौर पर (यहोवा) और “ख़ुदा” को उनवान के तौर पर।
- अगर मुनासिब हो तो बेहतर यही होगा कि जहां-जहां यहोवा का नाम आता है उसे ज्यों का त्यों ही रखें लेकिन कुछ तर्जुमों में लक़ब का ही इस्ते'माल किया गया है कि बाब को ज़्यादा सही और आसान बनाया जाए।
- कुछ इस तरह से मिसाल लिखें, "यहोवा यूं कहता है।"

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: ख़ुदावन्द, ख़ुदा, ख़ुदा, मूसा, ज़ाहिर करना)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 21:19-20
- 1 शमूएल 16:6-7
- दानिएल 09:3-4
- हिज़्क़ीएल 17:24
- पैदाइश 02:4-6
- पैदाइश 04:3-5
- पैदाइश 28:12-13
- होसे'अ 11:12
- यसा'याह 10:3-4
- यसा'याह 38:7-8
- अय्यूब 12:9-10
- यशू'अ 01:8-9
- नौहा 01:4-5
- इस्तिसना 25:35-38
- मलाकी 03:4-5
- मीकाह 02:3-5
- मीकाह 06: 3-5

- गिनती 08:9-11
- ज़बूर 124:1-3
- रूत 01:19-21
- जकरियाह 14:5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:14** ख़ुदा ने मूसा से कहा मैं जो हूँ सो हूँ। उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।” मैं यहोवा हूँ “तुम्हारे बाप दादा ,इब्राहीम , इस्हाक़ , और या'क़ूब , का ख़ुदा ”, उनसे कहना “जिसका नाम मैं हूँ
- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें क़सम दी और कहा, "मैं तेरा ख़ुदा **यहोवा** हूँ, जो तुझे ग़ुलामी के घर या'नी मिस्र मुल्क से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ख़ुदा करके न मानना।”
- **13:05** “तू अपने लिये कोई बुत खोदकर न बनाना, न किसी की ख़ुदा बनाना, तू उनकी 'इबादत न करना क्योंकि मैं तेरा ख़ुदा **यहोवा** जलन रखने वाला ख़ुदा हूँ।"
- **16:01** इस्राईलियों ने **यहोवा** जो सच्चा ख़ुदा है उसकी जगह पर, कन'आनियो के मा'बूद की 'इबादत करना शुरू' किया।
- **19:10** फिर एलियाह ने दु'आ की, ऐ इब्राहीम, इस्हाक़ और इस्राईल के ख़ुदा _ यहोवा!_ आज यह ज़ाहिर कर कि इस्राईल में तू ही ख़ुदा है, और मैं तेरा ग़ुलाम हूँ,

शब्दकोश:

- Strong's: H3050, H3068, H3069

(**वापस जाओ:** 13:04; 13:05; 16:01; 16:05; 16:13; 19:05; 19:06; 19:10; 19:11; 19:13; 23:02)

याहूदियों का बादशाह, यहूदियों का बादशाह

ता'अर्रुफ़

"यहूदियों का बादशाह" लफ़्ज़ एक उनवान है, जो 'ईसा मसीह के बारे में बताता है|

- पहली बार जब किताब-ए-मुक़द्दस इस उनवान को दर्ज करता तब इसका इस्ते'माल उन 'अक़्लमन्द इंसानों के ज़रिए' जिन्होंने बैतलहम का सफ़र उस बच्चे को देखने के लिए किया जो "यहूदियों का बादशाह" था
- फ़रिश्ते ने मरियम को बताया कि उसके बेटा बादशाह दाऊद की नसल से होगा, जिसकी बादशाही हमेशा तक क़ायम रहेगी|
- 'ईसा को सलीब पर चढ़ाने से पहले रोमन सिपाहियों ने मज़ाक़ से 'ईसा को "यहूदियों का बादशाह" कहा| यह उनवान लकड़ी की तख़्ती पर भी लिखा गया था और 'ईसा के सलीब के ऊपर लगाया गया था|
- 'ईसा हक़ीक़त में यहूदियों का बादशाह है और सारी मख़लूक का बादशाह है|

तर्जुमे की सलाह:

- "यहूदियों के बादशाह" लफ़्ज़ का तर्जुमा "यहूदियों पर बादशाह" या "बादशाह जो यहूदियों पर हुकूमत करता है" या "यहूदियों का सबसे बड़ा हाकिम" के तौर में भी किया जा सकता है।
- तर्जुमे में और जगहों में "का राजा" जुमले का तर्जुमा कैसे किया जाता है देखने के लिए जाँचें|

(यह भी देखें: : नसल, यहूदी, 'ईसा, बादशाह, बादशाही, ख़ुदा की बादशाही, 'अक़्लमन्द लोग)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 23:3-5
- लूक़ा 23:36-38
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 27:11-14
- मत्ती 27:35-37

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानिओं से मिसालें:

- **23:09** कुछ वक़्त के बा'द, पूरबी मुल्कों के 'अक़्लमन्द लोगों ने आसमान में एक तारा देखा| उन्होंने इसका मतलब समझा कि नया**यहूदियों का बादशाह** पैदा हुआ था|
- **39:09** पिलातुस ने 'ईसा से पूछा, "क्या तुम **यहूदियों के बादशाह** हो?"
- **39:12** रोमी सिपाहियों ने 'ईसा को मारा और शाही लिबास और उसके ऊपर काँटे से बने ताज़ को लगाया| तब उन्होंने यह कहकर उसका मज़ाक़ उड़ाया, "देखो, यहूदियों का बादशाह"
- **40:02** पिलातुस ने हुक्म दिया कि वे किसी निशान पर "यहूदियों का बादशाह" लिखें और उसे ईसा के ऊपर सलीब पर लगायें|

शब्दकोश:

- Strong's: G935, G2453

(**वापस जाओ:** 23:09; 39:09; 39:12; 40:02)

युरब'आम

सच्चाई:

- नबात का बेटा युरब'आम उत्तरी बादशाहत इस्राईल का पहला बादशाह हुआ था, तक़रीबन 900-910 ई.पू. * युरब'आम नाम का इस्राईल का एक और बादशाह हुआ था, वह बादशाह यहू'आस का बेटा था जिसने 120 साल बा'द इस्राईल पर बादशाहत की थी |
- यहोवा ने नबात के बेटे युरब'आम को नबूव्वत में कहा था कि वह सुलैमान के बा'द बादशाह होगा और उसकी हुकूमत दस क़बीलों पर होगी।
- सुलैमान के मरने से पहले इस्राईल के दस क़बीलों ने सुलैमान के बेटे रहुब'आम से बग़ावत करके युरब'आम को अपना बादशाह बनाने का 'ऐलान कर दिया। अब रहुब'आम सिर्फ़ दक्खिन के दो क़बीलों , यहूदा और बिन्यामीन 'इलाक़ों का ही बादशाह रह गया था।
- युरब'आम एक बुरा बादशाह हुआ जिसने लोगों को यहोवा से मन फिराकर करके उनकी 'इबादत करने के लिए मूर्तियों को तैयार किया। इस्राईल के वक़्त सब बादशाहों ने युरब'आम को क़ुबूल किया और उसी की तरह बुरे हुए।
- 120 साल बा'द एक और युरब'आम वहां बादशाह हुआ। यह युरब'आम बादशाह यहू'आस का बेटा था और इस्राईल के दूसरे सब बादशाहों की तरह बुरा था।
- इस सब बदकारियों के 'अलावह भी ख़ुदा ने इस्राईल पर रहम किया और इस बादशाह युरब'आम को अपने मुल्क की सरहद क़ायम करने और सरहद तैयार करने में मदद की।

(तर्जुमा की सलाह (नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मूरत, इस्राईल की हूलूमत, यहूदा, सुलैमान)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारते में:

- 1 तवारीख़ 05:16-17
- 1 सलातीन 12:1-2
- 2 तवारीख़ 09:29-31
- 2 सलातीन 03:1-3
- आमोस 01:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **18:08** और दस इस्राईली क़बीले जो रहूब'आम के ख़िलाफ़त में थे, उन्होंने अपने लिए **यरुब'आम** नाम का एक बादशाह को मुक़र्रर किया।
- **18:09 यरुब'आम** ने ख़ुदावन्द की मुख़ालिफ़त की और लोगों को गुनाह में डाल दिया। उसने ख़ुदा की 'इबादत करने की जगह पर लोगों के लिए दो बछड़े यहूदा की बादशाही की हैकल में इबादत करने के लिए बनवाए।

शब्दकोश:

- Strong's: H3379

(**वापस जाओ:** 18:08; 18:09)

यूसुफ़ (नया 'अहद नामा)

सच्चाई:

यूसुफ़ 'ईसा का दुनियावी बाप था जिसने उसे पाल-पोस कर बड़ा किया। वह एक मज़हबी आदमी था जिसका पेशा लकड़ी का काम था।

- यूसुफ़ की मंगनी एक यहूदी 'औरत मरियम के साथ हुई थी जिसे ख़ुदा ने 'ईसा मसीह की माँ होने के लिए चुन लिया था।
- फ़रिश्ते ने यूसुफ़ से कहा कि पाक रूह ने मो'जिज़े के ज़रिए' मरियम को हाम्ला किया है और मरियम का यह बेटा ख़ुदा का बेटा है।
- 'ईसा की पैदाइश के बा'द एक फ़रिश्ते ने यूसुफ़ को बताया कि वह लड़का और मरियम को लेकर मिस्र मुल्क से चला जाए क्यूँकि हेरोदेस से बचने के लिए।
- यूसुफ़ अपने ख़ानदान के साथ गलील 'इलाक़े के नासरत शहर में रहता था और लकड़ी का काम करके ज़िन्दगी गुज़ारता था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, गलील, 'ईसा, नासरत, ख़ुदा का बेटा, कुंवारी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 01:43-45
- लूक़ा 01:26-29
- लूक़ा 02:4-5
- लूक़ा 02:15-16
- मत्ती 01:18-19
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 02:19-21
- मत्ती 13:54-56

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **22:04** वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी **यूसुफ़** नाम के आदमी के साथ हुई थी।
- **23:01** मरियम की मंगनी एक **यूसुफ़** नाम के एक मजहबी आदमी से हुई। जब यूसुफ़ को यह पता चला कि मरियम हाम्ला है, और जो उसके जिस्म में है वह उसका लड़का नहीं है, लिहाज़ा यूसुफ़ ने जो मज़हबी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से छोड़ देने का इरादा किया।
- **23:02** फ़रिश्ते ने उससे कहा, "हे **यूसुफ़** ! तू अपनी बीवी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्यूँकि जो बच्चा उसके शिकम में है, वह रूह-उल-क़ुदुस की तरफ़ से है। वह बेटा पैदा करेगी और तू उसका नाम 'ईसा रखना (जिसका मतलब है, 'यहोवा बचाता है')क्यूँकि वह अपने लोगों को उनके गुनाहों से नजात करेगा।"
- **23:03 यूसुफ़** ने मरियम से शादी की और अपनी बीवी को अपने यहाँ ले आया, और जब तक वह बेटा न पैदा हुआ तब तक वह उसके पास न गया।
- **23:04** लिहाज़ा **यूसुफ़** और मरियम भी एक लम्बा सफ़र तय करके नासरत को गए, क्यूँकि यूसुफ़ दाऊद के घराने और नसल का था, गलील के नासरत शहर से यहूदिया में दाऊद के शहर बैतलहम को गया।
- **26:04** 'ईसा ने उनसे कहा, " आज ही यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ है" | सभी लोग हैरान थे। और कहने लगे कि " क्या यह **यूसुफ़** का बेटा नहीं है?"

शब्दकोश:

- Strong's: G2501

(**वापस जाओ:** 22:04; 23:01; 23:02; 23:03; 23:04; 26:04)

यूसुफ़ (पुराना 'अहद नामा)

सच्चाई:

यूसुफ़ या'क़ूब का ग्यारहवां और माँ राहेल का पहला बेटा था।

- यूसुफ़ अपने बाप का प्यारा बेटा था।
- उस वजह से उसके भाई उससे हसद करते थे और उसे ग़ुलाम बनने के लिए बेच दिया।
- मिस्र मुल्क में यूसुफ़ पर झूठा इल्ज़ाम लगाकर क़ैदख़ाने में डाल दिया गया।
- सब परेशानियों के बवाजूद भी यूसुफ़ ख़ुदावन्द का वफ़ादार रहा।
- ख़ुदावन्द उसे मिस्र मुल्क में इख़्तियार के दूसरे ऊँचे 'उहदे न पर ले आया और जब खाना कम था तब उसके ज़रिए' लोगों को बचाया। मिस्र के लोग बल्कि यूसुफ़ का अपना ख़ानदान भी भूखें मरने से बचाया गया।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, या'क़ूब)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 30:22-24
- पैदाइश 33:1-3
- पैदाइश 37:1-2
- पैदाइश 37:23-24
- पैदाइश 41:55-57
- यूहन्ना 04:4-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:02 यूसुफ़** के भाई उससे 'अदावत रखते थे क्यूँकि जब यूसुफ़ के भाइयो ने देखा कि हमारा बाप हम सबसे ज़्यादा उसी से मुहब्बत रखता है, और यूसुफ़ ने ख़्वाब में देखा था कि वह अपने भाइयो पर हुकूमत करे।
- **08:04** और ताजिर **यूसुफ़** को मिस्र ले गए।
- **08:05** यहाँ तक कि क़ैदख़ाने में भी **यूसुफ़** ख़ुदावन्द के लिए वफ़ादार रहा और ख़ुदावन्द ने उसे बरकत दी।
- **08:07** ख़ुदावन्द ने **यूसुफ़** को यह क़ाबिलियत दी थी कि वह ख़्वाब का मतलब समझ सके, इसलिए फ़िर'औन ने यूसुफ़ को क़ैदख़ाने से बुलवा भेजा।
- **08:09 यूसुफ़** ने सात साल अच्छी पैदावार के दिनों में खाने की चीज़ों को जमा' करने के लिए लोगों से कहा।
- **09:02**मिस्र के रहने वाले अब **यूसुफ़** को भूल गये थे और उन कामों को जो उसने उनकी मदद करने के लिए किए थे।

शब्दकोश:

- Strong's: H3084, H3130, G2500, G2501

(**वापस जाओ:** 08:01; 08:02; 08:03; 08:04; 08:05; 08:07; 08:08; 08:09; 08:11; 08:12; 08:13; 09:01)

यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)

सच्चाई:

यूसुफ़ या'क़ूब का ग्यारहवां और माँ राहेल का पहला बेटा था।

- यूसुफ़ अपने बाप का प्यारा बेटा था।
- उस वजह से उसके भाई उससे हसद करते थे और उसे ग़ुलाम बनने के लिए बेच दिया।
- मिस्र मुल्क में यूसुफ़ पर झूठा इल्ज़ाम लगाकर क़ैदख़ाने में डाल दिया गया।
- सब परेशानियों के बवाजूद भी यूसुफ़ ख़ुदावन्द का वफ़ादार रहा।
- ख़ुदावन्द उसे मिस्र मुल्क में इख़्तियार के दूसरे ऊँचे 'उहदे न पर ले आया और जब खाना कम था तब उसके ज़रिए' लोगों को बचाया। मिस्र के लोग बल्कि यूसुफ़ का अपना ख़ानदान भी भूखें मरने से बचाया गया।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, या'क़ूब)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 30:22-24
- पैदाइश 33:1-3
- पैदाइश 37:1-2
- पैदाइश 37:23-24
- पैदाइश 41:55-57
- यूहन्ना 04:4-5

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:02 यूसुफ़** के भाई उससे 'अदावत रखते थे क्यूँकि जब यूसुफ़ के भाइयो ने देखा कि हमारा बाप हम सबसे ज़्यादा उसी से मुहब्बत रखता है, और यूसुफ़ ने ख़्वाब में देखा था कि वह अपने भाइयो पर हुकूमत करे।
- **08:04** और ताजिर **यूसुफ़** को मिस्र ले गए।
- **08:05** यहाँ तक कि क़ैदख़ाने में भी **यूसुफ़** ख़ुदावन्द के लिए वफ़ादार रहा और ख़ुदावन्द ने उसे बरकत दी।
- **08:07** ख़ुदावन्द ने **यूसुफ़** को यह क़ाबिलियत दी थी कि वह ख़्वाब का मतलब समझ सके, इसलिए फ़िर'औन ने यूसुफ़ को क़ैदख़ाने से बुलवा भेजा।
- **08:09 यूसुफ़** ने सात साल अच्छी पैदावार के दिनों में खाने की चीज़ों को जमा' करने के लिए लोगों से कहा।
- **09:02**मिस्र के रहने वाले अब **यूसुफ़** को भूल गये थे और उन कामों को जो उसने उनकी मदद करने के लिए किए थे।

शब्दकोश:

- Strong's: H3084, H3130, G2500, G2501

(**वापस जाओ:** 08:06)

यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)

सच्चाई:

यूहन्ना ज़करियाह और एलिशिबा का बेटा था। क्यूँकि “यूहन्ना” एक आम नाम था, वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कहलाया कि दूसरे यूहन्नाओं से उसे अलग किया जाए जैसे रसूल यूहन्ना।

- यूहन्ना एक नबी जिसे ख़ुदा ने भेजा कि लोगों को मसीह के लिए और मसीह के पैरवी के लिए तैयार करे।
- यूहन्ना ने लोगों को कहा कि अपने गुनाहों को मानकर ख़ुदा की तरफ़ फिरें और गुनाह करना छोड़ दें जिससे कि वह मसीह को क़ुबूल करने के लिए तैयार हो जाएं।
- यूहन्ना पानी में बपतिस्मा देता था जो इस बात का निशान था कि वह अपने गुनाहों का पछतावा करते हैं और गुनाहों से अलग होते हैं।
- यूहन्ना को बपतिस्मा देनेवाला कहा गया है क्यूँकि वह लोगों को बपतिस्मा देता था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बपतिस्मा देना, ज़करियाह(नया 'अहद नामा))

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 03:22-24
- लूक़ा 01:11-13
- लूक़ा 01:62-63
- लूक़ा 03:7
- लूक़ा 03:15-16
- लूक़ा 07:27-28
- मत्ती 03:13-15
- मत्ती 11:13-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **22:02**फ़रिश्ते ने ज़करियाह से कहा, “तेरी बीवी इलीशबा तेरे लिए एक बेटा पैदा करेगी । और तू उसका नाम **यूहन्ना** रखना। वह पाक रूह से मा'मूर होगा, और लोगों का मन मसीह की तरफ़ फेरेगा।
- **22:07**तब इलीशबा के पैदाइश का वक़्त पूरा हुआ, और उसने बेटे को जन्म दिया, ज़करियाह और इलीशबा ने उस बेटे का नाम **यूहन्ना** रखा, जैसा कि फ़रिश्ते ने उनसे कहा था।
- **24:01 यूहन्ना**, जो ज़करियाह और इलीशबा का बेटाथा, वह बड़ा होकर एक नबी बन गया। वह जंगल में रहता था, और ऊँट की खाल का लिबास पहने हुए था और अपनी कमर में चमड़े का पटका बाँधे रहता था और टिड्डियाँ और शहद खाया करता था।
- **24:02** बहुत से आस पास के लोग **यूहन्ना** को सुनने के लिए बाहर निकल आए। यूहन्ना ने उनसे कहा, “तौबा क्यूँकि आसमान की बादशाही क़रीब आ गई है !”
- **24:06** अगले दिन, 'ईसा **यूहन्ना** के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया। जब **यूहन्ना** ने उसे देखा, तो कहा, “देख ! यह ख़ुदाका मेम्ना है, जो दुनिया के गुनाहों को दूर ले जाएगा।”

शब्दकोश:

- Strong's: G910 G2491

(**वापस जाओ:** 22:02; 22:07; 24:01; 24:02; 24:03; 24:04; 24:05; 24:06; 24:07; 24:09)

यूहन्ना (रसूल)

सच्चाई:

यूहन्ना 'ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था और 'ईसा का ख़ास दोस्त था।

- यूहन्ना और उसका भाई या'क़ूब एक मछुवारे जब्दी के बेटे थे।
- उसने 'ईसा की ज़िन्दगी के बारे में लिखा था तो उसमें ख़ुद को “वह शागिर्द जिससे 'ईसा मुहब्बत करता था” लिखा। इससे ज़ाहिर होता है कि यूहन्ना 'ईसा का ख़ास दोस्त था।
- रसूल यूहन्ना ने पांच नए 'अहद नामे की किताबें लिखीं:यूहन्ना की इन्जील, 'ईसा मसीह का मुक़ाश्फ़ा, और ईमानदारों को लिखे तीन ख़त।
- तवज्जोह दें कि रसूल यूहन्ना, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से अलग है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रसूल, ज़ाहिर करना, या'क़ूब (जब्दी का बेटा), यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), जब्दी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 02:9-10
- यूहन्ना 01:19-21
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:21-22
- मुक़ाश्फ़ा 01:1-3

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **36:01** एक दिन 'ईसा ने अपने तीन शागिर्द, पतरस, या'क़ूब और **यूहन्ना** को अपने साथ लिया। ('ईसा का शागिर्द **यूहन्ना** वह यूहन्ना नहीं था, जिसने 'ईसा को बपतिस्मा दिया था।) और उन्हें तन्हाई में दु'आ करने के लिए ऊँचे पहाड़ पर ले गया।\
- **44:01** एक दिन पतरस और **यूहन्ना** दु'आ करने के लिये हैकल में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।\
- **44:06** पतरस और **यूहन्ना** लोगों से जो कह रहे थे, उससे हैकल के सरदार उनसे बहुत परेशान थे। तो उन्होंने उन्हें पकड़कर क़ैदखाने में डाल दिया।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी काहिन पतरस और **यूहन्ना** को लेकर सरदार काहिन के पास गए। उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** से पूछा कि, “तुम ने यह काम किस ताक़त से और किस नाम से किया है ?”\
- **44:09** जब उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** का हौसला देखा, और यह जाना कि यह अनपढ़ और आम आदमी है , तो हैरानी किया। फिर उनको पहचाना कि यह 'ईसा के साथ रहे है। तब उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** को धमकाकर छोड़ दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: G2491

(**वापस जाओ:** 36:01; 44:01; 44:06; 44:07; 44:09)

यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

ता'अर्रुफ़:

“यक़ीन” और “ में यक़ीन करना” क़रीबी रिश्ते में हैं लेकिन इसके मा'ने में फ़र्क बहुत कम है।

1.ईमान

- यक़ीन करने के लिए कुछ यह कुबूल या यक़ीन है कि यह सच है |
- यक़ीन करने के लिए किसी को ये तस्लीम करना है कि क्या उस शख्स ने सच कहा है |

2. यक़ीन करना

- "यक़ीन रखना " किसी शख्स को " उस पर यक़ीन रखना " का मतलब है| * उस पर यक़ीन करने का मतलब है कि इन्सान वही है कि जो कहता है कि वह है, कि वह हमेशा सच बोलता है , और वह वही करेगा जो उसने करने का वा'दा किया है |
- जब कोई शख्स वाक़'ई किसी चीज़ पर यक़ीन रखता है तो वह ऐसे तरीक़े से काम करेगा जो उस 'अक़ीदे को ज़ाहिर करता है |
- उस जुमले में "ईमान लाए "'आम तौर पर उसी मा'ने में "ईमान लाए "है |
- " 'ईसा में यक़ीन रखना " का मतलब ये है कि वह ख़ुदा का बेटा है, ये कि वह ख़ुद ही ख़ुदा है जो इन्सान बन गया और हमारे गुनाहों की अदाइगी करने के लिए जो क़ुर्बानी के तौर पर मर गया | * उसका मतलब ये है कि उसे नजाते दहिन्दा के तौर पर 'ऐतमाद करना और उसी तरह से उसकी 'इज़्ज़त करना है |

किताब-ए-मुक़द्दस में "जो शख्स ईमान लाता है और 'ईसा मसीह पे नजात दहिन्दा के तौर पर अनह्सार करती है उस से मुराद है "

- लफ्ज़ी मा'ने का मतलब है " जो शख्स ईमान लाता है "
- लफ्ज़ मसीही " आख़िर कार ईमानदारों के लिए ख़ास 'अन्वान बन गया क्यूँकि यह इशारा करता है कि मसीह में ईमान रखते हैं और उनकी ता'लीमात की इता'अत करते हैं |

" बे 'ऐतक़ाद "किसी चीज़ या किसी को यक़ीन नही करता, |

- किताब-ए-मुक़द्दस में, "बे-ईमानी" 'ईसा पर 'ऐतमाद नही करता या भरोसा नही करता है कि वह एक नजात दहिन्दा है|
- एक शख्स जो 'ईसा के बारे में ईमान नही रखता , "उसे बे ईमान "कहा जाता है |

तर्जुमा की सलाह :

- “यक़ीन करने” का तर्जुमा हो सकता है“जानना कि सच क्या है” या “अच्छा होने का 'इल्म ” किया जा सकता है।
- "यक़ीन रखने" के तौर पर " मुकम्मल तौर पर 'ऐतमाद " या " 'ऐतमाद और इता'अत " के तौर पर तर्जुमा किया जा सकता है या " मुकम्मल तौर पर 'अमल करें |"
- कुछ तर्जुमा शायद " 'ईसा में मोमिन " या मसीह " में ईमान लाने के लिए तरजीह देते हैं |
- यह लफ्ज़ का तर्जुमा भी किया जा सकता है जिसका मतलब है "कि जो शख्स 'ईसा पर 'एतमाद रखता है "या "जो कोई 'ईसा को जान्ता है और उसके लिए ज़िन्दा रहता है "
- तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा " 'ईसा का पैरोकार "या " जो शख्स 'ईसा को जानता है और उसकी इता'अत करता है" हो सकता है |
- मसीह में किसी ईमानदार के लिए एक 'आम लफ्ज़ है, जबकि " शागिर्द और रसूल ख़ास तौर पर उन लोगों के लिए इस्ते'माल किया गया है जो 'इसा को जानता था जबकि वह ज़िन्दा था | ये सबसे बहतर है कि उन शरायत को मुख्तलिफ़ तरीक़ों से तर्जुमा करें, ताकि उन्हें अलग रखने के लिए |
- "बे 'ऐतक़ाद"तर्जुमा करने के दुसरे तरीकों में " ईमान की कमी"या" ईमान नहीं लाना"शामिल हो सकता है |

"जो शख्स 'ईसा में यक़ीन नहीं करता " या"किसी ऐसे शख्स को जो नजात दहिन्दा के तौर पर 'ईसा में 'एतमाद नही है " पर तर्जुमा किया जा सकता है |

\ , यह भी देखें: \ ईमान , \ रसूल , \ 'ईसाई , \ शागिर्द)यक़ीन , \ 'ऐतमाद)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश15:6-8
- पैदाईश 45:24-26

- अय्यूब 09:16-18
- हबक्कूक़ 01:5-7
- मरक़ुस 06:4-6
- मरक़ुस 01:14-15
- लुक़ा 09:41-42
- युहन्ना 01:12-13
- रसूलों के 'आमाल 06:5-6
- रसूलों के 'आमाल 09:40-43
- रसूलों के 'आमाल28:23-24
- रोमियों 03:3-4
- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 1कुरिन्थियों 09:3-6
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- 'इबरानियों 03:12-13
- 1 युहन्ना 03:23-24

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के बारे में आगाह किया, और कहा कि ख़ुदा की तरफ़ दिल फिराओ पर उन्होंने नूह पर **यक़ीन** नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने ख़ुदा के 'अहद पर **यक़ीन** किया। ख़ुदा ने 'ऐलान किया कि अब्राम रास्तबाज़ है, क्योंकि उसने ख़ुदा के 'अहद पर **यक़ीन किया** है।
- **11:02** ख़ुदा ने कहा कि, वह इन्सान जो उस पर **यक़ीन करेंगा** वह उसके पहिलौठे बेटे को बचाएगा।
- **11:06** लेकिन मिस्रियों ने ख़ुदा पर यक़ीन नहीं किया था या उनके हुक्मों की इता'अत नहीं की थी |
- **37:05**'ईसा ने जवाब दिया " मैं क़यामत और ज़िन्दगी हूँ | जो भी **ईमान** लाएगा वह और में ज़िन्दा रहूँगा | हर कोई **यक़ीन** रखता है मैं कभी नहीं मरूंगा | क्या आप **यक़ीन** रखते हैं ?"
- **43:01**'ईसा मसीह के आसमान में जाने के बा'द, शागिर्द यरूशलीम में रहेंगे क्यूँकि 'ईसा ने उन्हें हुक्म दिया था | **ईमानदार** एक साथ दु'आ करने के लिए जमा' हुए थे |
- **43:03**जब **ईमानदार**सब एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वह एक मौजूद थे वह तेज़ हवा की तरह आवाज़ से भरा हुआ था फ़िर कुछ जो आग की लपट की तरह लगती थी जैसे तमाम ईमानदारों के सरों पर आया ठहरी |
- **43:13** हर दिन ज़्यादा _**ईमानदारों** की तादाद बढ़ती रही |
- **46:06** उस दिन से यरुशलीम में बहुत से लोगों ने ईसा के **ईमानदारों** को सताना शुरू' किया इसलिए ईमानदार दूसरी जगह भाग गए | लेकिन उसके बावजूद भी, उन्होंने हर जगह 'ईसा के बारे में तबलीग़ की |
- **46:01** साऊल एक जवान आदमी था जो उन लोगों के कपड़ों की देख रेख कर रहा था, जो लोग इस्तिफ़ुनुस को क़त्ल किया था| उसने 'ईसा पर **यक़ीन** नहीं किया, इसलिए उन्होंने ईमानदारों को परेशान किया

*_46:09यरूशलीम में ज़ूल्म व सितम से भागने वाले कुछ _ईमानदार _ अन्ताकिया शहर में चले गए और 'ईसा के बारे में तबलीग़ की। यह अन्ताकिया कि 'ईसा में _ईमान लाने वालों __ को पहले "मसीही" कहा गया।

- **47:14**उन्होंने बातों में ईमानदार की हौसला अफ़ज़ाई और सिखाने के लिए बहुत से ख़ुतूत भी कलीसियाओं लिखे |

शब्दकोश:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

(**वापस जाओ:** 04:08; 11:01; 11:02; 11:06; 12:01; 12:12; 15:01; 20:05; 22:03; 22:05; 33:09; 37:03; 37:04; 37:05; 37:08; 37:09; 37:10; 40:05; 40:09; 42:01; 43:12; 44:06; 45:01; 46:01; 46:10; 47:02; 47:11; 47:12; 48:05; 48:07; 48:10; 48:11; 49:09; 49:12; 49:13; 49:14; 49:15; 50:13; 50:14)

यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

ता'अर्रुफ़:

“यक़ीन” और “ में यक़ीन करना” क़रीबी रिश्ते में हैं लेकिन इसके मा'ने में फ़र्क बहुत कम है।

1.ईमान

- यक़ीन करने के लिए कुछ यह कुबूल या यक़ीन है कि यह सच है |
- यक़ीन करने के लिए किसी को ये तस्लीम करना है कि क्या उस शख्स ने सच कहा है |

2. यक़ीन करना

- "यक़ीन रखना " किसी शख्स को " उस पर यक़ीन रखना " का मतलब है| * उस पर यक़ीन करने का मतलब है कि इन्सान वही है कि जो कहता है कि वह है, कि वह हमेशा सच बोलता है , और वह वही करेगा जो उसने करने का वा'दा किया है |
- जब कोई शख्स वाक़'ई किसी चीज़ पर यक़ीन रखता है तो वह ऐसे तरीक़े से काम करेगा जो उस 'अक़ीदे को ज़ाहिर करता है |
- उस जुमले में "ईमान लाए "'आम तौर पर उसी मा'ने में "ईमान लाए "है |
- " 'ईसा में यक़ीन रखना " का मतलब ये है कि वह ख़ुदा का बेटा है, ये कि वह ख़ुद ही ख़ुदा है जो इन्सान बन गया और हमारे गुनाहों की अदाइगी करने के लिए जो क़ुर्बानी के तौर पर मर गया | * उसका मतलब ये है कि उसे नजाते दहिन्दा के तौर पर 'ऐतमाद करना और उसी तरह से उसकी 'इज़्ज़त करना है |

किताब-ए-मुक़द्दस में "जो शख्स ईमान लाता है और 'ईसा मसीह पे नजात दहिन्दा के तौर पर अनह्सार करती है उस से मुराद है "

- लफ्ज़ी मा'ने का मतलब है " जो शख्स ईमान लाता है "
- लफ्ज़ मसीही " आख़िर कार ईमानदारों के लिए ख़ास 'अन्वान बन गया क्यूँकि यह इशारा करता है कि मसीह में ईमान रखते हैं और उनकी ता'लीमात की इता'अत करते हैं |

" बे 'ऐतक़ाद "किसी चीज़ या किसी को यक़ीन नही करता, |

- किताब-ए-मुक़द्दस में, "बे-ईमानी" 'ईसा पर 'ऐतमाद नही करता या भरोसा नही करता है कि वह एक नजात दहिन्दा है|
- एक शख्स जो 'ईसा के बारे में ईमान नही रखता , "उसे बे ईमान "कहा जाता है |

तर्जुमा की सलाह :

- “यक़ीन करने” का तर्जुमा हो सकता है“जानना कि सच क्या है” या “अच्छा होने का 'इल्म ” किया जा सकता है।
- "यक़ीन रखने" के तौर पर " मुकम्मल तौर पर 'ऐतमाद " या " 'ऐतमाद और इता'अत " के तौर पर तर्जुमा किया जा सकता है या " मुकम्मल तौर पर 'अमल करें |"
- कुछ तर्जुमा शायद " 'ईसा में मोमिन " या मसीह " में ईमान लाने के लिए तरजीह देते हैं |
- यह लफ्ज़ का तर्जुमा भी किया जा सकता है जिसका मतलब है "कि जो शख्स 'ईसा पर 'एतमाद रखता है "या "जो कोई 'ईसा को जान्ता है और उसके लिए ज़िन्दा रहता है "
- तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा " 'ईसा का पैरोकार "या " जो शख्स 'ईसा को जानता है और उसकी इता'अत करता है" हो सकता है |
- मसीह में किसी ईमानदार के लिए एक 'आम लफ्ज़ है, जबकि " शागिर्द और रसूल ख़ास तौर पर उन लोगों के लिए इस्ते'माल किया गया है जो 'इसा को जानता था जबकि वह ज़िन्दा था | ये सबसे बहतर है कि उन शरायत को मुख्तलिफ़ तरीक़ों से तर्जुमा करें, ताकि उन्हें अलग रखने के लिए |
- "बे 'ऐतक़ाद"तर्जुमा करने के दुसरे तरीकों में " ईमान की कमी"या" ईमान नहीं लाना"शामिल हो सकता है |

"जो शख्स 'ईसा में यक़ीन नहीं करता " या"किसी ऐसे शख्स को जो नजात दहिन्दा के तौर पर 'ईसा में 'एतमाद नही है " पर तर्जुमा किया जा सकता है |

\ , यह भी देखें: \ ईमान , \ रसूल , \ 'ईसाई , \ शागिर्द)यक़ीन , \ 'ऐतमाद)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश15:6-8
- पैदाईश 45:24-26

- अय्यूब 09:16-18
- हबक्कूक़ 01:5-7
- मरक़ुस 06:4-6
- मरक़ुस 01:14-15
- लुक़ा 09:41-42
- युहन्ना 01:12-13
- रसूलों के 'आमाल 06:5-6
- रसूलों के 'आमाल 09:40-43
- रसूलों के 'आमाल28:23-24
- रोमियों 03:3-4
- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 1कुरिन्थियों 09:3-6
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- 'इबरानियों 03:12-13
- 1 युहन्ना 03:23-24

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के बारे में आगाह किया, और कहा कि ख़ुदा की तरफ़ दिल फिराओ पर उन्होंने नूह पर **यक़ीन** नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने ख़ुदा के 'अहद पर **यक़ीन** किया। ख़ुदा ने 'ऐलान किया कि अब्राम रास्तबाज़ है, क्योंकि उसने ख़ुदा के 'अहद पर **यक़ीन किया** है।
- **11:02** ख़ुदा ने कहा कि, वह इन्सान जो उस पर **यक़ीन करेंगा** वह उसके पहिलौठे बेटे को बचाएगा।
- **11:06** लेकिन मिस्रियों ने ख़ुदा पर यक़ीन नहीं किया था या उनके हुक्मों की इता'अत नहीं की थी |
- **37:05**'ईसा ने जवाब दिया " मैं क़यामत और ज़िन्दगी हूँ | जो भी **ईमान** लाएगा वह और में ज़िन्दा रहूँगा | हर कोई **यक़ीन** रखता है मैं कभी नहीं मरूंगा | क्या आप **यक़ीन** रखते हैं ?"
- **43:01**'ईसा मसीह के आसमान में जाने के बा'द, शागिर्द यरूशलीम में रहेंगे क्यूँकि 'ईसा ने उन्हें हुक्म दिया था | **ईमानदार** एक साथ दु'आ करने के लिए जमा' हुए थे |
- **43:03**जब **ईमानदार**सब एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वह एक मौजूद थे वह तेज़ हवा की तरह आवाज़ से भरा हुआ था फ़िर कुछ जो आग की लपट की तरह लगती थी जैसे तमाम ईमानदारों के सरों पर आया ठहरी |
- **43:13** हर दिन ज़्यादा _**ईमानदारों** की तादाद बढ़ती रही |
- **46:06** उस दिन से यरुशलीम में बहुत से लोगों ने ईसा के **ईमानदारों** को सताना शुरू' किया इसलिए ईमानदार दूसरी जगह भाग गए | लेकिन उसके बावजूद भी, उन्होंने हर जगह 'ईसा के बारे में तबलीग़ की |
- **46:01** साऊल एक जवान आदमी था जो उन लोगों के कपड़ों की देख रेख कर रहा था, जो लोग इस्तिफ़ुनुस को क़त्ल किया था| उसने 'ईसा पर **यक़ीन** नहीं किया, इसलिए उन्होंने ईमानदारों को परेशान किया

*_46:09यरूशलीम में ज़ूल्म व सितम से भागने वाले कुछ _ईमानदार _ अन्ताकिया शहर में चले गए और 'ईसा के बारे में तबलीग़ की। यह अन्ताकिया कि 'ईसा में _ईमान लाने वालों __ को पहले "मसीही" कहा गया।

- **47:14**उन्होंने बातों में ईमानदार की हौसला अफज़ाई और सिखाने के लिए बहुत से ख़ुतूत भी कलीसियाओं लिखे |

शब्दकोश:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

(**वापस जाओ:** 43:01; 43:03; 43:04; 43:13; 45:06; 45:07; 46:01; 46:06; 46:08; 47:14)

रथ, रथों ,रथियों

ता’अर्रुफ़:

पुराने ज़माने में रथ घोड़ो के ज़रिये’ खींची जाने वाली दो पहियों की गाड़ियाँ होती थीं |

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें आम सवारी के लिए या जंग के लिए काम में लेते थे |

जंग में जिस फ़ौज के पास रथ थे वह सामने वाली फ़ौज जिसके पास रथ नहीं थे उससे ज़्यादा तेज़ व तैयारी में ताक़त रखते थे | पुराने ज़माने में मिस्र और रोमी रथों के इस्ते’माल के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: अनजाने लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 09:22
- 2 तवारीख़ 18:28-30
- रसूलों के 'आमाल 08:29-31
- रसूलों के 'आमाल 08:36-38
- दानीएल 11:40-41
- ख़ुरूज 14:23-25
- पैदाइश 41:42-43

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

**12:10*इस लिए वह समन्दर के रास्ते में इस्राईलियों के पीछे चल रहे थे लेकिन ख़ुदा ने उन्हें घबरा दिया ,और उनके रथोके पहिये को निकाल डाला जिससे उनका चलना मुश्किल हो गया|

शब्दकोश:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

(**वापस जाओ:** 12:10; 45:07; 45:08; 45:11)

रसूल, रसूलों, रिसालत

ता’अर्रुफ़:

“रसूलों”, ईसा के ज़रिए' भेजे गए आदमी जो ख़ुदा और उसकी बादशाही के नबी थे। “रसूलियत” या'नी रसूल होने के लिए चुने गए आदमियों का 'उहदा और इख्तियार ।

- “रसूल” लफ़्ज़ का मतलब है, “ख़ास मक़सद के लिए भेजा गया आदमी ”। रसूल के पास वही इख्तियार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- ईसा के वह बारह ख़ास शागिर्द पहले रसूल थे। दूसरे आदमी, जैसे कि पौलुस और या'क़ूब भी रसूल हुए थे।
- ख़ुदा के क़ूव्वत से रसूल बेख़ौफ़ होकर ख़ुशख़बरी सुनाने के लायक़ हुए थे और वह बीमारों को चंगा करते थे और बदरूहों को भी निकालते थे।

तर्जुमा की सलाह:

- “रसूल” लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमलों के ज़रिए' भी किया जा सकता है जिसका मा'ना “भेजा गया आदमी” या “भेजा गया” या “लोगों को ख़ुदा का पैग़ाम सुनाने के लिए बुलाया गया और भेजा गया आदमी ”।
- “रसूल” और “शागिर्द” लफ़्ज़ों का तर्जुमा मुखतलिफ़ लफ़्ज़ो में किया जाना ज़रूरी है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़ामी या क़ौमी ज़बान के कलाम तर्जुमा में कैसा है। (देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: इख्तियार, चेले, या'क़ूब (जब्दी का बेटा), पौलुस, बारह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **26:10** फिर ईसा ने बारह लोगों को चुना, जो कि **रसूल** कहलाए। **रसूल** ईसा के साथ-साथ चलते थे और वह ईसा से सीखते थे।
- **30:01** ईसा ने 'एलान करने के लिए और कई अलग- अलग शहरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने _शागिर्दों _ को भेजा।
- **38:02** ईसा के **शागिर्दों** में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह **शागिर्दों** के माल की देखभाल करता था, वह पैसों से मुहब्बत करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** शागिर्द लगातार **रसूलों** से ता'लीम पाने, और शाथ रखने, और रोटी तोड़ने, और दु'आ करने में मशगूल रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ **रसूलों** के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क़ में इसने कैसे ग़लत तरीक़े से ईसा के नाम से 'एलान किया।

शब्दकोश:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

(**वापस जाओ:** 26:10; 30:01; 38:02; 43:13; 46:08)

रहम, रहमदिल

ता’अर्रुफ़:

“रहम” और “रहमदिल” लफ़्ज़ों का मतलब है ज़रूरत मन्द लोगों की मदद करना ख़ास करके जब वह कमज़ोर और लाचार हों।

- “रहम” का मतलब यह भी है कि लोगों को उनकी ग़लती की सज़ा न देना।
- कोई ताक़तवर आदमी जैसे बादशाह को “रहमदिल” कहा जाता है जब वह अपनी रि'आया को नुक़सान पहुंचाने की बदले उनके साथ रहम का सुलूक करता है।
- रहमदिल होने का मतलब यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए मु'आफ़ कर देना।
- जब हम बड़ी ज़रूरत में फंसे लोगों की मदद करते हैं तब हम रहम होता है।
- ख़ुदा हम पर रहम करता है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी रहम के जैसा सुलूक करें।

तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “रहम” का तर्जुमा “एहसान” या “शफ़क़त” या ““रहम भी किया जा सकता है।
- “रहमदिल” का तर्जुमा “ रहम दिखाना” या “किसी पर महेरबान होना” या “बख़्शने वाला” होना।
- “रहम दिखाना” या “ रहम करना” का तर्जुमा “रहम के जैसे सुलूक करना” या “रहम दिखाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: रहम, मु’आफ़)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिएल 09:17-19
- ख़ुरुज 34: 5-7
- पैदाइश 19: 16-17
- 'इब्रानियों 10:28-29
- या'क़ूब 02:12-13
- लूक़ा 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फ़िलिप्पियों 02:25-27
- ज़बूर 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

किताब-ए-मुकद्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह मा'बूदों की 'इबादत करना बंद कर दें, और दूसरों के लिए इन्साफ़ और उन पर **रहम** करना शुरू' करें।
- **19:17** एक बार यरमियाह नबी को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं सिर्फ़ दलदल थी, और यरमियाह कीचड़ में धंस गया, लेकिन तब बादशाह ने उस पर **रहम** किया और उसने अपने ख़ादिमों को हुक्म दिया कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फ़ारस की सल्तनत बहुत ही मज़बूत थी लेकिन हारे हुए लोगों के लिए रहम **रहमदिल** था।
- **27:11** तब 'ईसा ने क़ानून के माहिर से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने जवाब दिया, “ वही जिसने उस पर **रहम** किया।”
- **32:11** लेकिन 'ईसा ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने दोस्तों और ख़ानदान के लोगों को वह सब बता जो ख़ुदा ने तुझ पर **रहम** करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** लेकिन जिज़्या लेने वाला फ़रीसी दूर खड़े होकर, आसमान की तरफ़ आँखें उठाना भी न चाहा, इसके बजाए अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘ऐ ख़ुदा मुझ पर **रहम** कर क्यूँकि मैं गुनाहगार हूँ।’”

शब्दकोश:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

(**वापस जाओ:** 19:16; 19:17; 20:12; 27:11; 32:11; 34:09)

रहूबियाम

सच्चाई:

रहूबियाम सुलैमान के बेटों में से एक था और सुलैमान के मरने के बा'द इस्राईल का बादशाह बना था।

- बादशाही वक़्त के शुरू' में रहूबियाम क़ौम के साथ शख़्त था लिहाज़ा इस्राईल के दस क़बीलों ने बग़ावत करके उत्तरी बादशाही इस्राईल बना लिया था।
- रहूबियाम दक्षिणी इस्राईल यहूदाह का बादशाह बना रहा, जिसमें केवल दो क़बीला शामिल थे, यहूदाह और बिन्यामीन।
- रहूबियाम एक बुरा बादशाह था, उसने यहोवा को छोड़ कर झूठे मा'बूदों की 'इबादत करता था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राईल बादशाही, यहूदाह, सुलैमान)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:10-12
- 1 सलातीन 11:41-43
- 1 सलातीन 14:21-22
- मत्ती 01:7-8

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- 18:05__ सुलैमान की मौत के बा'द उसका बेटा **रहूबियाम** उसके जगह पर बादशाह हुआ | **रहूबियाम** एक बेवक़ूफ़ इन्सान था |
- 18:06_ _रहूबियाम ने उन्हें बेवक़ूफ़ी के साथ जवाब देते हुए कहा, "मेरे बाप ने तुम पर जो भारी जूआ रखा था उसे मैं और भी भारी करूँगा; और मैं तुम्हें और भी शख़्ती से सज़ा दूँगा |"
- **18:07** दस इस्राईली क़बीले रहूबियाम के ख़िलाफ़ हो गए सिर्फ़ दो क़बीला उसके लिए वफ़ादार रहे |

शब्दकोश:

- Strong's: H7346, G4497

(**वापस जाओ:** 18:05; 18:06; 18:07; 18:08)

रास्तबाज़, रास्तबाज़ी

ता'अर्रुफ़:

"रास्तबाज़ी " ख़ुदा की भलाई, इन्साफ़, वफ़ादारी और मुहब्बत के बारे में काम में लिया गया लफ़्ज़ है। इन ख़ुसूसियत के होने से ख़ुदा "रास्तबाज़" बनता है। क्योंकि ख़ुदा रास्तबाज़ है, उसके लिए गुनाह की सज़ा देना ज़रूरी है।

- इन अलफ़ाज़ के ज़रिए' ख़ुदा के फ़रमाबरदार और नेक इन्सान का भी किरदार का ज़िक्र किया जाता है। लेकिन सबने गुनाह किया है, इसलिए ख़ुदा को छोड़ कोई भी पूरा रास्तबाज़ नहीं है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में जिन लोगों को "रास्तबाज़" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, इब्राहीम, ज़करियाह और इलीशिबा।
- नजात के लिए 'ईसा में ईमान करनेवालों को ख़ुदा गुनाहों से पाक करता है और 'ईसा की रास्तबाज़ी की वजह से उन्हें रास्तबाज़ कहता है।

लफ़्ज़ "नारास्त" का मतलब होता है गुनाह गार और अख़लाक़ी तौर पर बाग़ी| "नारास्त" गुनाह और गुनाहगार होने की हालत के बारे में बताता है|

- ये लफ़्ज़ ख़ास तौर से ऐसे तरीक़े से जीने का ज़िक्र करते हैं जो ख़ुदा की ता'लीमत और हुक्मों का ज़िक्र करते हैं|
- नारास्त लोग अपने ख़्यालों और 'आमाल में ग़ैरइख़लाक़ी हैं|
- कभी-कभी "नारास्त" उन लोगों के बारे में बात करता है जो 'ईसा में ईमान करते हैं|

"ईमानदार" और "इमानदारी" लफ़्ज़ ऐसे तरीक़े से काम करते हैं जो ख़ुदा के क़वानीन पर 'अमल करते हैं|

- इन अलफ़ाज़ का मतलब सीधे खड़े होने और आगे का ख़याल शामिल है|
- एक इन्सान जो "ईमानदार" है वह कोई है जो ख़ुदा के क़वानीन का 'अमल करता है और अपनी मर्ज़ी की ख़िलाफ़ काम नहीं करता है|
- लफ़्ज़ जैसे "सदाक़त" और "रास्तबाज़ी" एक जैसे मतलब रखते हैंऔर कभी कभी मुतवाज़ी ता'मीरात में इस्ते'माल होते हैं, जैसे "सदाक़त और रास्तबाज़ी" (देखें: मुतवाज़ी

तर्जुमे की सलाह:

- जब ख़ुदा का ज़िक्र होता है, तब "रास्तबाज़" का तर्जूमा होगा, "पूरी तरह से भला और इन्साफ़ पसन्द" या "हमेशा वफ़ादारी निभानेवाला" हो सकता हैं।
- ख़ुदा की "रास्तबाज़ी" का तर्जुमा "कामिल वफ़ादारी और भलाई" हो सकता है।
- ख़ुदा के फ़रमाबरदार इन्सानों के ज़िक्र में "रास्तबाज़" लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "अख़लाक़ में सही" या "इन्साफ़ पसन्द " या "ख़ुदा के ख़ुश करनेवाली ज़िन्दगी गुज़ारने वाले के तौर पर हो सकता हैं"।
- "रास्तबाज़" का तर्जुमा "रास्तबाज़ लोग" या "ख़ुदा का डर मानने वाले लोग" के तौर पर हो सकता है।
- पमज़मून पर मुनहस्सिर "रास्तबाज़ी" का तर्जुमा एक ऐसे लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए' किया जा सकता है जिसका मतलब, "अच्छाई" या "ख़ुदा के सामने कामिल होना" या ख़ुदा के हुक्म मानकर सही सुलूक करना" या "पूरी तरह से कामिलियत के काम करना" हो सकता है।
- कभी-कभी "रास्तबाज़" लफ़्ज़ का इस्ते'माल 'अलामती शक्ल में भी किया जा सकता है जिसका मतलब ऐसे इन्सानों से किया गया है जो ख़ुद को रास्तबाज़ समझते हैं" या "लोग जो रास्तबाज़ दिखते है।"
- लफ़्ज़"नारास्त" का तर्जुमा हो सकता है "रास्तबाज़ नहीं"
- मज़मून पर मुनहस्सिर, तर्जुमे के और तरीक़े शामिल हो सकते हैं जैसे "बुरा" या "ग़ैरअख़लाक़ी" या "लोग जो ख़ुदा के ख़िलाफ़ बग़ावत" या "गुनाहगार"|
- जुमले "नारास्त" का तर्जुमा हो सकता है "नारास्त लोग"|
- लफ़्ज़ "नारास्त" का तर्जुमा हो सकता है "गुनाह" या "बुरे ख़याल या 'आमाल "बुराई."
- अगर मुमकिन हो, ये सब से बेहतर है कि इस तरह इसका तर्जुमा करें जो अपने रिश्ते को "रस्तबाज़, रास्तबाज़ी" से ज़ाहिर करें|
- "सीधे" तर्जुमा करने के तरीक़े में "सही तरीक़े से किरदार" या "जो सही तरीक़े से काम करना है" या ख़ुदा के क़वानीन पर 'अमल" या "ख़ुदा के फरमाबरदार" या " सही तरीक़े से सुलूक करना" शामिल हो सकता है|
- "ईमानदारी" लफ़्ज़ का तर्जुमा "इख़लाक़ी पाकी" या "अच्छा इख़लाक़ी किरदार" या "अच्छाई" के तौर पर किया जा सकता है|
- "सीधे" जुमले का तर्जुमा "सीधे लोग" या "सीधे लोग" की शक्ल में किया जा सकता है|

(यह भी देखें: बुराई, वफ़ादार, अच्छा, पाक, integrity, पाक, क़ानून, शरी'अत, हुक्म मानना, सही, रास्तबाज़, गुनाह, ग़ैरक़ानूनी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना 19:15-16
- या'क़ूब 01:6-8

- ज़बूर 037:28-30
- ज़बूर 049:14-15
- ज़बूर 107:41-43
- वाइज़ 12:10-11
- यसा'याह 48:1-2
- हिज़क़ीएल 33:12-13
- मलाकी 02:5-7
- मत्ती 06:1-2
- 'आमाल 03:13-14
- रोमियो 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- गलतियों 03:6-9
- कुल्लुसियो 03:22-25
- 2 थिस्सुलूनिकियो 02:8-10
- 2 तिमथियुस 03:16-17
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 युहन्ना 01:8-10
- 1 युहन्ना 05:16-17

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **03:02** लेकिन नूह ने ख़ुदा की तरफ़दारी पायी. वह **रास्तबाज़** आदमी था, और बदकारों की बीच रहता था|
- **04:08** ख़ुदा ने इब्राहीम को **रास्तबाज़**मुकर्रर किया था क्यूँकि वह ख़ुदा के 'अहदनामे में ईमान करता था|
- **17:02** दाऊद एक हलीम और **रास्तबाज़**इंसान था जो ख़ुदा में ईमान और उसकी फरमाबरदारी करता था|
- **23:01** यूसुफ़, जिसने मरियम से मंगनी की थी, जो एक **रास्तबाज़** इन्सान था|
- **50:10** तब**रास्तबाज़** लोग अपने ख़ुदाबाप की बादशाही में सूरज की तरह चमकते हैं|"

शब्दकोश:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

(**वापस जाओ:** 04:08; 17:02; 23:01; 27:03; 34:10; 50:10)

राहब

सच्चाई:

राहब यरीहू की रहने वाली 'औरत थी जब इस्राईल ने यरीहू पर हमला किया था। वह एक तवायफ़ थी।

- हमला करने से पहले इस्राईल के दो जासूस यरीहू में गए थे, उन्हें बचाने के लिए राहब ने उन्हें छिपा लिया था। फिरसे छावनी पहुंचने में उसने उनकी मदद की थी।
- राहब यहोवा की ईमानदार हो गई थी।
- राहब और उसका ख़ानदान यरीहू तबाही के वक़्त छोड़ दिया गया था और वे हमेशा इस्राईलियों के साथ रहने आए।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राईल, यरीहू, तवायफ़)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इब्रानियों 11:29-31
- या'क़ूब 02:25-26
- यहोशू 02:20-21
- यहोशू 06:17-19
- मत्ती 01:4-6

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:01** उस शहर में **राहब** नाम की एक तवायफ़ रहती थी, उसने उन दोनों जासूसों को छिपा रखा और उन्हें भगाने में भी मदद की| उसने ऐसा इसलिए किया क्यूँकि वह ख़ुदा पर ईमान ले आई थी| उन्होंने क़सम खाई कि इस्राईली जब यरीहू को तबाह करेंगे तब **राहब** और उसके ख़ानदान की वे हिफ़ाज़त करेंगे।
- **15:05**तब इस्राईलियों ने ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ तबाह कर दिया। उन्होंने सिर्फ़ **राहब** और उसके ख़ानदान को छोड़ा, क्योंकि वे इस्राईलियों का ही भाग बन गए थे।

शब्दकोश:

- Strong's: H7343, G4460

(**वापस जाओ:** 15:01; 15:05)

रिब्क़ा

सच्चाई:

रिब्क़ा इब्राहीम के भाई नहूर की पोती थी।

- ख़ुदा ने रिब्क़ा को इब्राहीम के बेटे इस्हाक़ की बीवी होने के लिए चुन लिया था।
- रिब्क़ा अपना मुल्क अरम्नहरैम को छोड़ कर इब्राहीम के ख़ादिम के साथ इब्राहीम के रहने के मक़ाम को नेगेब चली गई।
- लम्बे वक़्त तक रिब्क़ा को सन्तान हासिल नहीं हुई लेकिन ख़ुदा ने आख़िरकार उसे जुड़वा बच्चे दिए 'ऐसौ और या'क़ूब।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , अराम, 'ऐसौ, इस्हाक़, या'क़ूब, नहूर, नेगेब)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:15-16
- पैदाइश 24:45-46
- पैदाइश 24:56-58
- पैदाइश 24:63-65
- पैदाइश 25:27-28
- पैदाइश 26:6-8

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **06:02** एक लम्बा सफ़र के बा'द, जब वह ग़ुलाम उस शहर में गया जहाँ इब्राहीम के रिश्तेदार रहते थे, तब ख़ुदा ने ग़ुलाम के सामने **रिब्क़ा** को भेजा। वह इब्राहीम के भाई की पोती थी।
- **06:06** ख़ुदा ने **रिब्क़ा** से कहा, "तेरे हमल में दो क़ौमें हैं, "
- **07:01** फिर वे लड़के बढ़ने लगे, **रिब्क़ा** या'क़ूब से मुहब्बत रखती थी, लेकिन इस्हाक़ 'ऐसौ से मुहब्बत रखता था।
- **07:03** इस्हाक़ बहुत बूढा हो गया था, वह अपनी बरकत 'ऐसौ को देना चाहता था। । पर इससे पहले वह ऐसा करता, रिब्क़ा ने या'क़ूब को 'ऐसौ की जगह पर इस्हाक़ के पास भेज दिया|
- **07:06** जब **रिब्क़ा** को 'ऐसौ के मन्सूबे का पता चला। तो उसने या'क़ूब को अपने रिश्तेदारों के पास भेज दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: H7259

(**वापस जाओ:** 06:02; 06:03; 06:04; 06:05; 06:06; 06:07; 07:06)

रिब्क़ा

सच्चाई:

रिब्क़ा इब्राहीम के भाई नहूर की पोती थी।

- ख़ुदा ने रिब्क़ा को इब्राहीम के बेटे इस्हाक़ की बीवी होने के लिए चुन लिया था।
- रिब्क़ा अपना मुल्क अरम्नहरैम को छोड़ कर इब्राहीम के ख़ादिम के साथ इब्राहीम के रहने के मक़ाम को नेगेब चली गई।
- लम्बे वक़्त तक रिब्क़ा को सन्तान हासिल नहीं हुई लेकिन ख़ुदा ने आख़िरकार उसे जुड़वा बच्चे दिए 'ऐसौ और या'क़ूब।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , अराम, 'ऐसौ, इस्हाक़, या'क़ूब, नहूर, नेगेब)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:15-16
- पैदाइश 24:45-46
- पैदाइश 24:56-58
- पैदाइश 24:63-65
- पैदाइश 25:27-28
- पैदाइश 26:6-8

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **06:02** एक लम्बा सफ़र के बा'द, जब वह ग़ुलाम उस शहर में गया जहाँ इब्राहीम के रिश्तेदार रहते थे, तब ख़ुदा ने ग़ुलाम के सामने **रिब्क़ा** को भेजा। वह इब्राहीम के भाई की पोती थी।
- **06:06** ख़ुदा ने **रिब्क़ा** से कहा, "तेरे हमल में दो क़ौमें हैं, "
- **07:01** फिर वे लड़के बढ़ने लगे, **रिब्क़ा** या'क़ूब से मुहब्बत रखती थी, लेकिन इस्हाक़ 'ऐसौ से मुहब्बत रखता था।
- **07:03** इस्हाक़ बहुत बूढा हो गया था, वह अपनी बरकत 'ऐसौ को देना चाहता था। । पर इससे पहले वह ऐसा करता, रिब्क़ा ने या'क़ूब को 'ऐसौ की जगह पर इस्हाक़ के पास भेज दिया|
- **07:06** जब **रिब्क़ा** को 'ऐसौ के मन्सूबे का पता चला। तो उसने या'क़ूब को अपने रिश्तेदारों के पास भेज दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: H7259

(**वापस जाओ:** 07:03; 07:07)

रूह , रूहें , रूहानी

त'अर्रुफ़:

“रूह ” इन्सान का वह ग़ैर जिस्मानी हिस्सा है जो दिखाई नहीं देता है। मरने के वक़्त रूह शरीर को छोड़ देती है। “रूह” लफ़्ज़ रवय्या या जज़्बात हालत को भी दिखता है।

- “रूह ” का शरीर नहीं होता है, ख़ास करके बदरूह का।
- इन्सान की रूह वह 'अज़ू है जो ख़ुदा को जानती है और उसमें ईमान करती है।
- “रूहानी ” लफ़्ज़ का 'आम मतलब है, ग़ैर जिस्मानी दुनिया का कोई भी वजूद ।
- कलाम में इसका बयान उस किसी भी बात से है जो ख़ुदा से त'अल्लुक़ रखती है, ख़ास करके पाक रूह से।
- मिसाल केतौर पर , “रूहानी खाना ” या'नी ख़ुदा की ता'लीमें जो इन्सान की रूह की परवरिश करती हैं। “रूहानी, अक़्ल” का मतलब \इल्म और रास्तबाज़ी के जैसा सुलूक जो पाक रूह की ताक़त से हासिल होता है।
- ख़ुदा रूह है और उसने दूसरे रूहानी मख़लूक़ात को पैदा किया है जिसके शरीर नहीं हैं।
- फ़रिश्ते रूहानी रूहें हैं इनमें ख़ुदा से बग़ावत करके बदरूह बननेवाली रूहें भी हैं।
- “रूह” लफ़्ज़ का मतलब “का सा किरदार” जैसे “'अक़्ल की रूह” या “एलियाह की रूह में”।
- रवय्या और जज़्बात के तौर में “रूह” के बारे में होगा, “खौफ़ की रूह ” या “हसद की रूह ”

तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “रूह” के तर्जुमा की कई शक्लें हो सकती हैं, “गैर जिस्मानी ” या “अन्दुरूनी हिस्सा ” या “अन्दुरूनी वजूद ”।
- कुछ बयानों में “रूह ” का तर्जुमा “बदरूह” या “बुरी रूहानी ” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी रूह अन्दर ही अन्दर परेशान थी”। इसका तर्जुमा “मेरी रूह परेशान थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की रूह” का तर्जुमा “का किरदार” या “का अन्दाज़” या “का रवय्या” या “सोच के ज़रिए' ख़ासियत” हो सकता है।
- ख़ुलासे के तौर पर, "रूहानी" का तर्जुमा "ग़ैर रूहानी" या " पाक रूह से" या "ख़ुदा" या "ग़ैर -जिस्मानी दुनिया का हिस्सा" की शक्ल में किया जा सकता है।
- मुनासिब जुमला " रूहानी दूध" का तर्जुमा "ख़ुदा की बुनियादी ता’लीम " या "ख़ुदा की ता'लीमों की शक्ल में भी किया जा सकता है जो रूह की परवरिश करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- जुमला रूहानी पुख़्तगी " का तर्जुमा "ख़ुदा के सुलूक के तौर पर किया जा सकता है जो पाक रूह की फ़रमाबरदारी करता है।"
- लफ़्ज़ "रूहानी तोहफ़ा " की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है "ख़ास सलाहियत पाक रूह देता है ।

(यह भी देखें: फ़रिश्ते, बदरूह, पाक रूह , जान)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- रसूलों के 'आमाल 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफ़िसियों 04:23-24
- पैदाइश 07:21-22
- यसा'याह 04: 3-4
- मरकुस 01:23-26
- मत्ती. 26:39-41
- फ़िलिप्पियों 01:25-27

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को **रूहानी शक्ल** से तैयार करे ,जब ख़ुदा सीनै पहाड़ पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पहाड़ पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे की बड़ी ज़ोर से आवाज़ हई |

- **40:07** तब 'ईसा ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! ऐ बाप , मैं अपनी रूह तेरे हाथों में सौंपता हूँ | ” तब 'ईसा का सिर झुक गया, और उसने अपनी रूह को ख़ुदा के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफ़नुस मरने पर था, वह दु'आ करने लगा कि, “ऐ ख़ुदावन्द ख़ुदा 'ईसा मेरी रूह को क़ुबूल कर |”
- **48:07** सभी लोगों का झुण्ड'ईसा की वजह से मुबारक हुआ, क्यूँकि हर कोई जिसने 'ईसा पर ईमान किया अपने गुनाहों से छुटकारा पाया, और इब्राहीम का एक _रूहानी _ नसल बना |

शब्दकोश:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

(**वापस जाओ:** 40:07; 45:05; 48:07)

रोम, रोमी

सच्चाई:

नये ‘अहदनामे के ज़माने में रोम शहर रोमी हुकूमत की दार-उल-हुकूमत था। आज वह इटली मुल्क की दार-उल-हुकूमत है।

- रोम हुकूमत रोम के-समन्दर के पूरे ‘इलाक़े, इस्राईल पर भी बादशाही कर रहा था।
- “रोमी” लफ़्ज़ उन सब ‘इलाक़ों के बारे में है जिन पर रोमी सरकार की हुकूमत थी जिनमें रोमी बाशिन्दे और रोमी मुलाज़िम भी थे।
- रसूल पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह ‘ईसा का ख़ुशख़बरी सुनाता था।
- नए ‘अहदनामे की किताब "रोमियों का ख़त" पौलुस के ज़रिए’ रोम के मसीही ईमानदारों को लिखा ख़त है।

(यह भी देखें: ख़ुश ख़बरी, समन्दर, पिलातुस, पौलुस)

किताब-ए-मुक़द्दस के के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- रसूलों के ‘आमाल 22:25-26
- रसूलों के ‘आमाल 28:13-15
- युहन्ना 11:47-48

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, **रोमन** हुकूमत ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने शहर को जाए |
- **32:06** तब ‘ईसा ने उस बदरूह से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम लश्कर है: क्योंकि हम बहुत है |” (लश्कर फ़ौजियों की जमा’अत होती है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने ‘ईसा को एक **रोमन** हाकिम पिलातुस के पास इस उम्मीद से ले गए की वह ‘ईसा को मार डालेगा।
- **39:12 रोमन** सैनिकों ने ‘ईसा को कोड़े मारे, और शाही चोगा पहनाकर काँटों का ताज उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर ‘ईसा का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का बादशाह” देखो |

शब्दकोश:

- Strong's: G4514, G4516

(**वापस जाओ:** 23:04; 39:09; 39:12; 44:05; 47:01; 47:07; 47:10)

रोज़ा, रोज़े, रोज़ा रखा, रोज़ा, रोज़ा रखना

ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "रोज़ा" का मतलब है कुछ वक़्त के लिए खाना नहीं खाना जैसे एक दिन या ज़्यादा वक़्त। कभी-कभी इसमें पानी भी नहीं पिया जाता है।

- रोज़ा इंसानों को ख़ुदा में दिल लगाने में मदद करता है और खाना पकाने और खाने की फ़िक्र किए बिना दु'आ कर पाएं।
- 'ईसा ने यहूदी रहनुमाओं के ज़रिए' ग़लत वजह से रोज़े से इनकार किया है| रोज़ा रखने में उनका मक़सद था कि लोग उन्हें रास्तबाज़ समझें।
- इन्सान कभी-कभी दु:ख या ग़म की वजह से भी रोज़ा रखता है।
- "रोज़ा रखना" इस काम का तर्जुमा हो सकता है, "खाने का छोड़ना" या "खाना नहीं खाना"
- "रोज़ा" लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "खाना नहीं, खाने का वक़्त" या "खाना खाने छोड़ने का वक़्त"

(यह भी देखें: यहूदी रहनुमा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 21:8-10
- 2 तवारीख़ 20:3-4
- रसूलों के 'आमाल 13:1-3
- यूनाह 03:4-5
- लूक़ा 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मत्ती 06:16-18
- मत्ती 09:14-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **25:01** फ़ौरन ही 'ईसा के बपतिस्मा लेने के बा'द, रूह ने 'ईसा को जंगल की ओर भेजा जहाँ उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात **रोज़ा रखा** ।
- **34:08** "मिसाल के लिये, मैं सप्ताह में दो बार **रोज़ा रखता** हूँ; मैं अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।"
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही **रोज़ा** के साथ ख़ुदावन्द की 'इबादत कर रहे थे, तो पाक रूह ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैंने उन्हें बुलाया है।"

शब्दकोश:

- Strong's: H2908, H5144, H6684, H6685, G777, G3521, G3522, G3523

(**वापस जाओ:** 25:01; 34:08; 46:10)

लाज़र

सच्चाई:

लाज़र और उसकी बहनें, मार्था और मरियम 'ईसा के ख़ास साथी थे। 'ईसा उनके बैतनिय्याह के घर में अक्सर ठहरा करता था।

- लाज़र इसलिए जाना जाता है कि 'ईसा ने उसे मरने के बा'द फिर ज़िन्दा किया था, वह कई दिन कब्र में रहा था।
- यहूदी रहनुमा 'ईसा के इस मो'जिज़े से नाराज़ थे बल्कि हसद करते थे, लिहाज़ा वे 'ईसा और लाज़र दोनों ही को क़त्ल करने का मौक़ा ढूँढ रहे थे।
- 'ईसा ने एक मिसाल भी सुनायी थी जिसमें एक गरीब इन्सान था और एक दौलतमन्द इन्सान था, उस गरीब इन्सान का नाम भी "लाज़र" था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: भिखारी, यहूदी रहनुमा, मार्था, मरियम, परवरिश

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 11:10-11
- यूहन्ना 12:1-3
- लूक़ा 16:19-21

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **37:01** एक दिन, 'ईसा को पैग़ाम मिला कि **लाज़र** बहुत बीमार है। **लाज़र** और उसकी दो बहिन, मार्था और मरियम, 'ईसा के बहुत अज़ीज़ थे।
- **37:02** 'ईसा ने कहा, "हमारा दोस्त **लाज़र** सो गया है, लेकिन मैं उसे जगाने जाता हूँ।"
- **37:03** 'ईसा के शागिर्दों ने जवाब दिया, "ऐ ख़ुदावन्द, अगर वह सो गया है, तो ठीक हो जाएगा।" तब 'ईसा ने उनसे साफ़-साफ़ कह दिया, " लाज़र मर गया है"
- **37:04**जब 'ईसा **लाज़र** के रहने के शहर पहुँचा, तो लाजर को क़ब्र में रखे चार दिन हो चुके थे।
- **37:06** 'ईसा ने उनसे पूछा "तुमने **लाज़र** को कहाँ रखा है?"
- **37:09** यह कहकर उसने बड़े लफ़्ज़ से पुकारा, "ऐ लाज़र निकल आ।"
- **37:10 लाज़र** बाहर निकल आया। वह अभी भी कपड़ो में लिपटा हुआ था।
- **37:11**लेकिन यहूदियों के मज़हबी रहनुमा 'ईसा से हसद रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर मन्सूबा बनाना चाहा कि कैसे वह 'ईसा और **लाज़र** को मरवा सके।

शब्दकोश:

- Strong's: G2976

(**वापस जाओ:** 37:01; 37:02; 37:03; 37:04; 37:06; 37:09; 37:10; 37:11)

ला’नत , ला’नती , ला’नत दे, कोसता है

ता’अर्रुफ़:

यह लफ़्ज़ “ला’नत ” का मतलब है कि नकारात्मक चीज़े किसी आदमी या चीज़ के साथ हो जिसे ला’नत दी जा रही है।

- ला’नत एक बोल है कि किसी की नुक़सान हो।
- किसी को ला’नत देना एक कलाम या ख़्वाहिश भी हो सकती है कि उस आदमी के साथ बुरा हो।
- इसका बयान किसी के लिए किसी के ज़रिए’ सज़ा देना या दिया जाना या कुछ बुरा सोचना होता है।

तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “बुरा करवाना” या “बुराई का ऐलान करना” या “बुरी बातें होने की क़सम खाना”, हो सकता है।
- फ़र्माबरदार इन्सानों पर ख़ुदा की ला’नत के बारे में तर्जुमा इस तरह हो सकता है, “बुराई होने की इजाज़त के ज़रिये सज़ा देना”
- “ला’नती ” लफ़्ज़ जब आदमियों के लिए हो तो इसका तर्जुमा हो सकता है “(इसआदमी) ज्यादा परेशानी का तजुर्बा होगा”।
- जुमलों "ला’नती होना" का तर्जुमा किया जा सकता है, "(उस आदमी) कठिनाइयों का तजुर्बा हो सकता है।"
- जुमलों , "ला’नती ज़मीन है" का तर्जुमा किया जा सकता है, "ज़मीन उपजाऊ नहीं होगी।"
- “ला’नती हो, जिस दिन मै पैदा हुआ" का भी तर्जुमा किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मै पैदा ही नहीं होता।"
- हालांकि, अगर मकसदी ज़बान में जुमलों "ला’नती है" है और इसका मतलब एक ही है, तो उसी जुमले को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: बरकत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:13-14
- पैदाइश 03:14-15
- पैदाइश 03:17-19
- या'कूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- ज़ुबूर 109:28-29

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **02:09** ख़ुदा ने साँप से कहा, “तुम _ला’नती _ हों।”
- **02:11** “अब ज़मीन _ला’नती _ है, और तुम्हें उसकी पैदावार खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे बरकत देंगे उन्हें मैं बरकत दूँगा और जो तुझे _ला’नत _ देंगे उन्हें मैं _ला’नत _ दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस क़सम खाने लगा, “अगर मैं उस आदमी को जानता हूँ तो ख़ुदा मुझे _ला’नत _ दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने ख़ुदा की हुक्म उदूली किया और इस दुनिया में गुनाह को लाए, इसलिये ख़ुदा ने इसे **बद्दुआ दिया** और इसे हलाक करने का फ़ैसला किया।

शब्दकोश:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

(**वापस जाओ:** 02:09; 02:11; 03:15; 04:04; 39:07; 50:16)

वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया

ता’अर्रुफ़:

वा’दा किसी काम को करने का ‘अहद है इन्सान किसी बात का वा’दा करता है तो वह उसे करने को ज़िम्मा लेता है।

- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा ने अपने लोगों से अनेक वा’दे किये हैं।
- वा’दे ज़ाहरी समझौतों जैसे ‘अहदों का एक ख़ास हिस्सा होते हैं।
- वा’दा अक्सर क़सम के साथ किया जाता है कि उसका पूरा किया जाना अटल है।

तर्जुमें की सलाह :

- “ वा’दा” लफ़्ज़ का तर्जुमा , “सौपना ” या “यक़ीन दिलाना ” या “ईमान ” हो सकता है।
- “किसी काम को करने का वा’दा” का तर्जुमा , “किसी को यक़ीन दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का ज़िम्मा ”हो सकता है।

(यह भी देखें: ’अहद, क़सम, ‘अहद)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 03:15-16
- पैदाइश 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **03:15** ख़ुदा ने कहा "मैं **वादा** करता हूँ कि मैं फिर कभी ज़मीन पर ला’नत नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को हलाक कर देते हैं, भले ही लोग उस वक़्त से गुनाहगार होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** ख़ुदा ने बादल में पहला कमान बनाया रखा **’अहद** के निशान की शक्ल में। जब भी आसमान में कमान दिखाई देगा, ख़ुदा अपने ’अहद_ को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** ख़ुदा ने अब्राम से कहा और दुबारा **’अहद** किया कि उसको एक बेटा होगा और उसकी औलाद आसमान में तारो की तरह होगी। अब्राम ने ख़ुदा के **’अहद** पर यक़ीन किया।
- **05:04** तुम्हारी बीवी , सारह को एक बेटा होगा - वह **वा’दा** का बेटा होगा।
- **08:15** 'अहद**वा'दा** ख़ुदा ने जो ‘अहद अब्राहम से कियाथा , इब्राहीम के बा’द इसहाक़ से, इसहाक़ के बाद याक़ूब और उसके बारह बेटों व उसके घराने से|
- **17:14**जबकि दाऊद ख़ुदा के लिए भरोसे के लायक़ न रहा, लेकिन ख़ुदा अपने **’अहद** पर खरा था।
- **50:01** ‘ईसा ने **वादा** किया कि दुनिया के आखीर में वह वापस आएगा। अगरचे वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वा’दा पूरा करेगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

(**वापस जाओ:** 04:08; 05:04; 05:10; 06:04; 07:10; 08:15; 09:13; 13:07; 13:10; 14:02; 14:12; 14:14; 15:01; 15:07; 15:13; 17:08; 17:14; 18:04; 19:18; 20:10; 21:01; 21:03; 21:04; 21:05; 43:08; 48:04; 48:13; 50:01; 50:13)

वा’दे का मुल्क

सच्चाई:

“वा’दे का मुल्क ” किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों में आता है कलाम की ख़बर में नहीं। यह कना’न मुल्क के बारे की एक बदल है वह मुल्क जो ख़ुदा ने इब्राहीम और उसके नसलों को देने का वा’दा किया था।

- जब इब्राहीम ऊर शहर में रहता था तो ख़ुदा ने उसे हुक्म दिया कि वह वहाँ से निकल कर कना’न मुल्क में चला जाए। वह और उसकी नसले इस्राईली वहाँ अनेक सालों तक रहे।
- जब भयंकर अकाल की वजह वहाँ खाना ख़त्म हो गया तब इस्राईली मिस्र चले गए।
- चार सौ सालों के बा’द ख़ुदा ने इस्राईलियों को मिस्र की ग़ुलामी से आज़ादी दिलाई और उन्हें लौटाकर कना’न लाया, वह जगह जिसे देने की वा’दा ख़ुदा ने उनसे किया था

तर्जुमे की सलाह:

- “वा’दे का मुल्क ” इसका तर्जुमा हो सकता है, “वह मुल्क जिसके लिए ख़ुदा ने इब्राहीम से कहा था कि वह उसे देगा”। या “वह मुल्क जिसका वा’दा ख़ुदा ने इब्राहीम से किया था ”, या “जिस मुल्क का वा’दा ख़ुदा ने अपने लोगों से किया था ” या “कना’न मुल्क ”।
- किताब-ए-मुक़द्दस की तहरीरों में किसी न किसी शक्ल में यह “ख़ुदा के वा’दे का मुल्क ” ज़ाहिर होता है।

(यह भी देखें: कना’न, वा’दा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसिना 08:1-2
- हिज़क़ीएल 07:26-27

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **12:01** अब वह (इस्राईली) ग़ुलाम नहीं रहे, और वह _ वा’दे की ज़मीन _ पर जा रहे थे!!
- **14:01** इस्राईलीयों को सीने पहाड़ पर शरी’अत देने के बा’द, जिनका उन्हें ;अहद के मुताबिक़ मानना था, ख़ुदा ने इस्राईलियों की रहबरी _ वा’दे की ज़मीन _, कनान तक किया |.
- **14:02** ख़ुदा ने जो ‘अहद इब्राहीम , इसहाक़ और याक़ूब से किया था, कि वह ‘अहद की ज़मीन उनकी नसलों को देंगा, लेकिन अब वहाँ बहुत से लोगों के झुण्ड रहते हैं |
- **14:14** फिर ख़ुदा लोगों को _ वा’दे की ज़मीन _ के किनारे तक फिर से ले गया
- **15:02** इस्राईलियों को _ वा’दे की ज़मीन _ में दाख़िल करने से पहले यरदन नदी को पार करना था |
- **15:12**जंग के बा’द, ख़ुदा ने इस्राईल के हर एक क़बीले को _ वा’दे की ज़मीन _ में अपना अपना हिस्सा दिया |
- **20:09** यह वह वक़्त था जब ख़ुदा के लोगों को _वा’दे की ज़मीन _ को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, यह मुद्दत वहाँ से निकलने की कहलाई |

शब्दकोश:

- Strong's: H776, H3068, H3423, H5159, H5414, H7650

(**वापस जाओ:** 12:01; 13:15; 14:01; 14:02; 14:03; 14:08; 14:13; 14:14; 14:15; 15:01; 15:02; 15:12; 20:09; 20:10; 20:13)

शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत

ता'अर्रुफ़:

ये सब लफ़्ज़ हुक्मों और इस्राईल के 'अमल के लिए ख़ुदा के ज़रिए' मूसा को दिए गए हुक्मों का हवाला देते हैं। "शरी'अत" और "ख़ुदा की शरी'अत" अलफ़ाज़ 'आम'तौर पर उन सब बातों के बारे में इस्ते'माल किए गए है जो ख़ुदा चाहता है कि उसकी क़ौम माने।

- मज़मून पर मुनहस्सिर "शरी'अत" का मतलब होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राईल के 'अमल करने के लिए ख़ुदा के ज़रिए' दस हुक्म
- मूसा को दिए गए सब कानून
- पुराने 'अहदनामे की पहली पांच किताबें
- पूरा पुराना 'अहदनामा (जिसे नये 'अहदनामे में पाक कलाम कहा गया है।)
- ख़ुदा के सब हुक्म और मर्ज़ी |
- "शरी'अत और नबी" नये 'अहदनामे में इब्रानी कलाम (या पुराना 'अहदनामा) के लिए काम में लिया गया जुमला है।

तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा जमा' में "शरी'अतें" किया जा सकता है क्योंकि वे कई हैं।
- "मूसा की शरी'अत" का तर्जुमा हो सकता है, "इस्राईल को देने के लिए ख़ुदा ने मूसा को जो कानून सुनाए"।
- मज़मून पर मुनहस्सिर "मूसा की शरी'अत" का तर्जुमा, "मूसा को सुनाए गए ख़ुदा के कानून" या "मूसा के ज़रिए' लिखे गए ख़ुदा के उसूलों" या "नियम जो कि ख़ुदा ने इस्राईलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के तौर पर हो सकता है।
- "शरी'अत" या "ख़ुदा की शरी'अत" के तर्जुमा में, "ख़ुदा से हासिल उसूल" या "ख़ुदा के हुक्म" या "ख़ुदा ने जो कानून दिए" या "ख़ुदा के ज़रिए' महकूम सब बातें" या "ख़ुदा के सब हुक्म" भी शामिल हो सकते है।
- "यहोवा की शरी'अत" का तर्जुमा , "यहोवा की शरी'अत" या "ख़ुदा के ज़रिए' 'अमल के लिए लागू कानून" या "यहोवा के हुक्म के मुताबिक़ बातें" के तौर पर भी हो सकता है।

(यह भी देखें: हिदायत, मूसा, दस हुक्म, जायज़, यहोवा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- ख़ुरूज 28:42-43
- 'अज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूक़ा 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहमियाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसालें:

- **13:07** ख़ुदा ने और भी बहुत सी **शरी'अतों** व कवानीन का 'अमल करने के लिये कहा। अगर वह लोग इन **शरी'अतों** का 'अमल करेंगे, तो ख़ुदा अपने 'अहद के मुताबिक़ उन्हें बरकत और उनकी हिफ़ाज़त करेगा। अगर वे इन कवानीन का 'अमल नहीं करेंगे तो वह सज़ा के हक़दार बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी **ख़ुदा के शरी'अतों** को नज़रंदाज़ करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदा के लिये जानवर की क़ुर्बानी पेश करेगा\
- **15:13** तब यशू'अ ने इस्राईलियों को वह 'अहद याद दिलाया जो उन्होंने ख़ुदा के साथ सीनै पहाड़ पर बाँधा था, कि वह उसका 'अमल करेंगे। इस्राईलियों ने 'अहद बाँधा था कि वे ख़ुदा के लिए वफ़ादार रहेंगे और उसके **हुक्मों** का 'अमल करेंगे।
- **16:01**यशू'अ के मरने के बाद, इस्राएलियों ने ख़ुदा की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही **ख़ुदा की व्यवस्थाओं** का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नए 'अहद में ख़ुदा अपनी **शरी'अत** उनके दिलों पर लिखेगा, और लोग ख़ुदा को जानेंगे कि वह ख़ुदा के लोग है, और ख़ुदा उनका गुनाह मु'आफ़ करेगा।\

- **27:01** 'ईसा ने जवाब दिया, "**ख़ुदा की शरी'अत** में क्या लिखा है?"\
- **28:01** 'ईसा ने उससे कहा, "तू मुझे अच्छा क्यों कहता है?" जो अच्छा है वह सिर्फ़ एक ही है, और वह ख़ुदा है। लेकिन अगर तू अबदी ज़िन्दगी का वारिस बनना चाहता है, तो **ख़ुदा के हुक्मों** पर 'अमल करना।"

शब्दकोश:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

(**वापस जाओ:** 13:07; 13:09; 15:13; 16:01; 27:01; 27:02; 28:01; 28:03)

शाऊल (पुराना 'अहद नामा)

सच्चाई:

शाऊल एक इस्राईली था जिसे ख़ुदा ने चुनकर इस्राईल का पहला बादशाह बनाया था।

- शाऊल बहुत लम्बा और ख़ूबसूरत था, और एक ताक़तवर जंगबाज़ भी था। वह ऐसा आदमी था जिसे इस्राईली चाहते थे कि वह उनका बादशाह हो।
- या'नी वह शुरू' में ख़ुदावन्द का ख़ादिम था लेकिन बा'द में वह मग़रूर होकर ख़ुदावन्द के हुक्मों की नाफ़रमानी करने लगा था। इसलिए, ख़ुदावन्द ने दाऊद को शाऊल की जगह में बादशाह होने के लिए मुक़र्रर किया और शाऊल को जंग में मरने दिया।
- नये 'अहद नामे में, भी शाऊल नाम का एक यहूदी था जो बा'द में पौलुस कहलाया और 'ईसा का रसूल हुआ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बादशाह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 10:1-3
- 1 शमूएल 09:1-2
- 2 शमूएल 01:1-2
- रसूलों के 'आमाल 13:21-22
- ज़बूर 018:1

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **17:01 शाऊल** इस्राईल का पहला बादशाह था | वह लम्बा और ख़ूबसूरत था, जैसा कि लोग चाहते थे | शाऊल ने पहले कुछ सालों तक इस्राईल पर अच्छी हुकूमत की | लेकिन बा'द में वह एक बुरा आदमी बन गया और उसने ख़ुदावन्द के हुक्मों की नाफ़रमानी की, और ख़ुदावन्द ने उसकी जगह पर एक दूसरा बादशाह चुना |
- **17:04 शाऊल** यह देख कि लोग दाऊद को मुहब्बत करते है उससे जलने लगा | **शाऊल** ने दाऊद को मारने का कई बार इरादा किया, इस वजह से दाऊद **शाऊल** से छिप रहा था |
- **17:05** आख़िरकार **शाऊल** जंग में मारा गया, और दाऊद इस्राईल का बादशाह बन गया |

शब्दकोश:

- Strong's: H7586, G4549

(**वापस जाओ:** 17:01; 17:02; 17:04; 17:05)

शागिर्द, शागिर्दों

ता'अर्रुफ़:

"शागिर्द" लफ़्ज़ उस इन्सान के बारे में है जो उस्ताद के साथ बहुत वक़्त गुज़ारता है और उस्ताद के किरदार और ता'लीमों से सीखता है।

- जो लोग 'ईसा के पीछे चलते थे और उसकी ता'लीमों को सुनकर उन पर 'अमल करते थे, वे उसके "शागिर्द" कहलाते थे।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी शागिर्द थे।
- 'ईसा के ख़िदमत के वक़्त के दौरान में उसके बहुत से शागिर्द थे और जो उसकी पैरवी करते और उसकी ता'लीमों को सुनते थे।
- 'ईसा ने बारह शागिर्दों को चुना कि उसके क़रीबी पैरोकार हों, ये शख़्स उसके "रसूल" कहलाए।
- 'ईसा के बारह रसूल उसके "शागिर्द" या "बारहों" जाने गए|
- 'ईसा अपने आसमान पर जाने दे ठीक पहले, उसने अपने शागिर्दों को हुक्म दिया कि वे लोगों को ता'लीम दें और उन्हें भी 'ईसा के शागिर्द बनना सिखाएं।
- जो कोई 'ईसा पर ईमान रखता और उसकी ता'लीमों का 'अमल करता है वह 'ईसा का शागिर्द कहलाता है।

तर्जुमे की सलाह:

- "शागिर्द" लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए' किया जाए जिसका मतलब है, "पैरवी करने वाला" या "तलबा" या "लफ़्ज़" या "सीखने वाला"।
- यक़ीनी करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा दर्जे में 'इल्म हासिल करने वाले तलबा के जैसा नहीं।
- यक़ीनी करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "रसूल" लफ़्ज़ के तर्जुमे से अलग लफ़्ज़ हो।

(यह भी देखें: रसूल, यक़ीन, 'ईसा, युहन्ना (बपतिस्मा देने वाला), बारहों)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 06:1
- रसूलों के 'आमाल 09:26-27
- रसूलों के 'आमाल 11:25-26
- रसूलों के 'आमाल 14:21-22
- यूहन्ना 13:23-25
- लूक़ा 06:39-40
- मत्ती 11:1-3
- मत्ती 26:33-35
- मत्ती 27:62-64

किताब-इ-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **30:08** 'ईसा ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर **शागिर्दों** को दी कि वे लोगों को परोसे। _ शागिर्दों _ ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:01** 'ईसा मसीह के अवामी ता'लीमों के तीन साल बा'द अपनी पहली ता'लीम शुरू' की। 'ईसा ने अपने _ शागिर्दों _ से कहा कि वह यरूशलीम में उनके साथ 'ईद का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसिमनी नाम की एक जगह में अपने _ शागिर्दों _ के साथ आया। 'ईसा ने अपने _ शागिर्दों _ से कहा कि दु'आ करते रहो कि आज़माइश में न पड़ो।
- **42:10** 'ईसा ने अपने _ शागिर्दों _ से कहा, " आसमान और ज़मीन का सारा इख़्तियार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब क़ौमों के लोगों को शागिर्द बनाओ और उन्हें बाप, और बेटे, और पाक रूह के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें हुक्म दिया है, 'अमल करना सिखाओ।"

शब्दकोश:

- Strong's: H3928, G3100, G3101, G3102

(**वापस जाओ:** 28:06; 28:07; 28:08; 30:02; 30:04; 30:05; 30:06; 30:08; 30:09; 31:01; 31:02; 31:03; 31:04; 31:08; 32:01; 32:15; 33:06; 36:01; 36:05; 36:07; 37:02; 37:03; 38:01; 38:02; 38:04; 38:06; 38:08; 38:10; 38:11; 38:13; 38:15; 41:01; 41:06; 41:07; 41:08; 42:01; 42:05; 42:06; 42:08; 42:09; 42:10; 42:11; 43:01; 43:05; 43:10; 43:12; 43:13; 45:07; 46:04; 46:08; 50:02; 50:03; 50:05; 50:08)

शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार

ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "शिफ़ा करना" मतलब बीमार, अंधे या अपाहिज को शिफ़ा 'अता करना।

- चंगाई पाने वाला या "बीमारी से शिफ़ा पाया इन्सान" "अच्छा किया गया" या "सेहतियाब किया गया" होना है।
- चंगाई क़ुदरत भी होती है क्योंकि ख़ुदा ने हमारे जिस्म को बहुत क़िस्म की चोटों और बीमारियों से शिफ़ा हो जाने की सलाहियत 'अता की है। ऐसी शिफ़ा धीरे धीरे होती है।
- ताहम जैसे अंधा होना, अपाहिज और कोढ़ अपने आप शिफ़ा नहीं पाते हैं। जब इन्सान को ऐसी बीमारियों या अपाहिज से शिफ़ा मिलती है तो वह एक मो'जिज़ा होता है।
- मिसाल के तौर पर 'ईसा ने बहुत से अंधों, लंगड़ो और रोगियों को फ़ौरन शिफ़ा दी थी और वे उसी पल सेहतमन्द हो गए थे।
- रसूलों ने भी बीमारों को मो'जिज़े से शिफ़ा दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को चलने के क़ाबिल बनाया था।

(यह भी देखें: मो'जिज़ा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 05:14-16
- रसूलों के 'आमाल 08:6-8
- लूक़ा 05:12-13
- लूक़ा 06:17-19
- लूक़ा 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:14**जिनमे से एक मो'जिज़ा नामान नाम के इन्सान की ज़िन्दगी में हुआ, वह दुश्मनों की फ़ौज का रहनुमा था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे _ शिफ़ा_दे।
- **21:10** उसने यह भी नबूव्वत की थी , कि मसीह बीमारों को _ शिफ़ा _ देगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएँगी, बहरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** 'ईसा ने कहना जारी रखा,"और एलीशा नबी के वक़्त इस्राईल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें जिल्द की बीमारी थी। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी _ शिफ़ा _ नहीं किया| उसने सिर्फ़ इस्राईल के दुश्मनों के एक फ़ौजी रहनुमा, नामान की जिल्द की बीमारी को _ शिफ़ा _ दी"
- **26:08** वह 'ईसा के पास बहुत से लोगों को लाए जो बहुत सी बीमारियों में मुब्तिला थे, उनमें लंगड़े थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को 'ईसा ने _ शिफ़ा दी_।
- **32:14** उसने 'ईसा का ज़िक्र सुना था कि वह बीमारों को ठीक करता है और उसने सोचा कि अगर मैं 'ईसा के कपड़ों को ही छू लूँगी तो __ शिफ़ा**पा जाऊँगी** , "
- **44:03** फ़ौरन, ख़ुदा ने उस लँगड़े इन्सान को **शिफ़ा** दी, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू' किया और ख़ुदा की ता'रीफ़ करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें जवाब दिया, "'ईसा मसीह की क़ुदरत से यह इन्सान तुम्हारे सामने **शिफ़ा** पाया खड़ा है।
- **49:02** 'ईसा बहुत से मो'जिज़े किये जो यह साबित करते हैं कि वह ख़ुदा है। वह पानी पर चला, तूफ़ान को रोक दिया, बहुत से बीमारों को **शिफ़ा** दी, बदरूहों को निकाला, मुर्दों को ज़िन्दा किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने खाने में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए क़ाफ़ी हो।

शब्दकोश:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

(**वापस जाओ:** 19:14; 19:15; 21:10; 26:06; 26:08; 30:03; 32:13; 32:14; 32:16; 38:15; 44:03; 44:04; 44:08; 49:02)

शैतान, शैतान, बुरा

सच्चाई :

शैतान ख़ुदावन्द के ज़रिए' पैदा की हुई एक रूहानी रूह है, लेकिन ख़ुदावन्द से बग़ावत करके वह उसका दुश्मन हो गया। शैतान को " बुरा" भी कहा गया है।

- शैतान ख़ुदावन्द और उसकी पूरी काइनात से नफ़रत करता है, क्यूँकि वह ख़ुदावन्द का मक़ाम लेकर ख़ुदावन्द के जैसी 'इबादत करवाना चाहता है।
- शैतान इन्सानों को ख़ुदावन्द से बग़ावत करने की आज़माइश में डालता है।
- ख़ुदावन्द ने अपने बेटे, 'ईसा को भेजा, कि इन्सानों को शैतान की गिरफ़्त से आज़ाद कराए।

शैतान लफ़्ज़ का मतलब है, "बैरी" या "दुश्मन ।"

- शैतान लफ़्ज़ का मतलब है, "इल्ज़ाम लगाने वाला।"

तर्जुमा की सलाह:

- "शैतान" लफ़्ज़ का तर्जुमा " इल्ज़ाम लगाने वाला" या "बुरा" या "बदरूहों का बादशाह" या "ख़ास बदरूह" की शक्ल में भी तर्जुमा किया जा सकता है।
- "इबलीस" का तर्जुमा "मुख़ालिफ़" या "बैरी" किया जा सकता है या और कोई लफ़्ज़ जिससे साबित हो कि वह शैतान है।
- इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा बदरूह और बुरी रूह से अलग होना है।
- ध्यान दें कि इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा मक़ामी या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है।

(देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बदरूह, बुराई, \ ख़ुदा की बादशाही][[rc://ur-deva/tw/dict/bible/kt/kingdomofgod]], आज़माइश करना)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- रसूलों के 'आमाल 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकरियाह 03:1-3

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह **शैतान** था | वा'दा का मतलब यह था कि मसीह **शैतान**को पूरी तरह से शिकस्त देंगा |
- **25:06** फिर **शैतान** ने 'ईसा को दुनिया के सारी सल्तनत और उसकी शान-ओ-शौक़त दिखाकर उससे कहा, "अगर तू गिरकर मुझे सिजदा करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- **25:08**'ईसा **शैतान** के लालच में नहीं आया, तब **शैतान** उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब 'ईसा ने उन्हें समझाया कि, "बीज ख़ुदावन्द का कलाम है।" रास्ता एक ऐसा शख्स होता है जो ख़ुदावन्द का कलाम सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और **शैतान** उस कलाम को उससे ले जाता है।"
- **38:07**रोटी खाते ही, यहूदा में **शैतान** दाख़िल हो गया।
- **48:04**ख़ुदावन्द ने वा'दा किया कि हव्वा की ही एक औलाद **शैतान** का सिर कुचलेगा, और **शैतान** उसकी एड़ी को डसेगा | इसका मतलब यह हुआ कि, **शैतान** मसीह को मार देगा, लेकिन ख़ुदावन्द उसे तीसरे दिन फिर ज़िन्दा कर देगा | 'ईसा **शैतान** की ताक़त को हमेशा के लिए कुचल देगा |
- **49:15** ख़ुदावन्द ने तुम्हें **शैतान** की बादशाही की तारीकी से बाहर निकाला और तुम्हें ख़ुदावन्द की बादशाही की रोशनी में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन लोगों की रहनुमाई करते हैं जो **बुराई _ से त'अल्लुक़ रखते हैं| जिस दुश्मन ने जंगली बीज बोये वह _शैतान** की रहनुमाई करता है।"

- **50:10** "जब दुनिया का ख़ात्मा होगा, तो जो लोग **शैतान** के हैं उन सभी लोगों को फ़रिश्ते एक साथ जमा'करेंगे और उन्हें एक धहकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे खौफ़नाक मुसीबत की वजह से रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब 'ईसा वापस आएगा तो वह **शैतान** और उसकी बादशाही को हमेशा के लिये ख़त्म कर देगा| वह **शैतान** को दोज़ख़ में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने ख़ुदावन्द के हुक्म मानने की बजाय उसकी बात मानने का इन्तख़ाब किया|

शब्दकोश:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

(**वापस जाओ:** 21:01; 25:01; 25:02; 25:04; 25:05; 25:06; 25:07; 25:08; 26:01; 33:06; 38:07; 38:09; 48:02; 48:04; 49:15; 50:04; 50:09; 50:10; 50:15)

सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त

ता'अर्रुफ़:

“सच्चा” और “सच्चाई” हक़ीक़त के ख़्याल से मुन्सलिक़ हैं, वारदात जो हक़ीक़त मेंहुए , और जो बातें हक़ीक़त में कही गई। ऐसी सोंच को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, हक़ीक़ी इख्तियार , सही तथा सच्चाई पर मुनहसिर होती हैं।
- सच एक समझ, ईमान , हक़ीक़त या सच्चा कहना होता है।
- यह कहना कि एक नबूव्वत "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का मतलब है कि यह हक़ीक़त में नबूव्वत जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सच में एक ख़्याल समाया होता है कि मुनहसिर एवं भरोसेमंदी का काम किया जाए।
- ‘ईसा ने अपने कलामों में ख़ुदा के सच को ज़ाहिर किया था।
- ख़ुदा का कलाम सच है। वह पहले गुज़री हुई बातों की चर्चा करता है और ख़ुदा के बारे में तथा उसकी पूरी तख्लीक़ के बारे में हक़ीक़त की ता'लीम देता है।

तर्जुमे की सलाह:

- बारे में और सिलसिले के बुनयाद पर "सच" का तर्जुमा ऐसे भी हो सकता है: "हक़ीक़त " या "पहले " या "सही" या "सही " या "यक़ीनी " या "सच्चाई से भरपूर "।
- "सच्चाई " लफ़्ज़ के तर्जुमे हो सकते है "जो सच हा" या " हक़ीक़त " या "यक़ीनी बात" या "तरीक़ा "।
- "पूरा होना" जुमले के तर्जुमे हो सकते है: "हक़ीक़त में हो जाना" या "पूरा हो जाना" या "नबूव्वत पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन जुमलों के तर्जुमे हो सकते है: "सच कहना" या "जो हक़ीक़त में हुआ वह कहना" या " क़ाबिल-ए-क़ुबूल बात कहना"
- “सच्चाई को क़ुबूल करना” का तर्जुमा “ख़ुदा के बारे में हक़ीक़त पर ईमान रखना ”
- “रूह और सच्चाई में ख़ुदा की इबादत करें”, इस जुमले में, “सच्चाई में” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा ने हमें जो ता'लीम दी है उसका फ़र्मादारी से मानना”

(यह भी देखें :ईमान, वफादार , पूरा , मानना , नबी , समझदार)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- रसूलों के आमाल 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- पैदाइश 47:29-31
- याक़ूब 01:17-18
- याक़ूब 03:13-14
- याक़ूब 05:19-20
- यरमियाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यशू'अ 07:19-21
- नोहा 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- ज़ुबूर 026:1-3
- मुकाश्फा 01:19-20
- मुकाश्फा 15:3-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसालें:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह **सच** नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** फ़ौरन ही कालेब और यशु’अ , और दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह **सही** है कि कना’न के लोग लम्बे और तेज़ है , पर हम यक़ीनी तौर से उन्हें हरा देंगे ! ख़ुदा हमारे लिये उनसे जंग करेगा।"
- **16:01** इस्राईलियों ने यहोवा जो **सच्चा** ख़ुदा है उसकी जगह पर, कना’नियो के मा’बूद की इबादत करना शुरू’ किया।
- **31:08**उन्होंने ‘ईसा की ‘इबादत करी, और उसे कहा, **सचमुच**, तू ख़ुदा का बेटा है |”
- **39:10** मैं ख़ुदा के बारे में सच बताने के लिये ज़मीन पर आया हूँ | हर वह आदमी जिसे **सच्चाई _से मुहब्बत है, मुझे सुनेगा | पिलातुस ने कहा, “**सच_ क्या है?”

शब्दकोश:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

(**वापस जाओ:** 02:04; 16:01; 19:10; 26:05; 31:08; 34:10; 39:10; 45:03)

सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले

ता'अर्रुफ़:

"सताएँ" और "सताव " या'नी किसी आदमी को को या झुण्ड के साथ सख़्त मिजाज़ी करना कि जिससे उन्हें नुक़सान पहुंचे।

- सताव किसी एक आदमी या बहुत से आदमियों पर हो सकता है जिसमें बार-बार, लगातार वार करना होता है।
- इस्राईलियों को तमाम क़ौमों ने हमला करके सताया था। उन्होंने उन्हें क़ैदी बनाया और उनके शहरों को लूटा।
- हमेशा उन लोगों को सताता है जिनका मज़हब अलग हो या जो कमज़ोर हों।
- यहूदी मज़हब के रहनुमा 'ईसा को सताते थे क्योंकि उन्हें उसकी ता'लीम अच्छी नहीं लगती थी।
- 'ईसा के आसमान पर उठाये जाने के बाद यहूदी मज़हब के रहनुमा और रोमी हाकिमो ने 'ईसा के मानने वालों को सताने लगे थे।
- "सताना" का तर्जुमा "ज़ुल्म करते रहना" या "सख़्त मिजाज़ी करना" या "लगातार बुरा सुलूक करना" भी हो सकता है।
- "सताव" के तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं "सख़्त मिजाज़ी" या "ज़ुल्म " या "लगातार जान लेवा सुलूक "

(यह भी देखें: मसीहा, जमात, स्ताव, रोम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 07:51-53
- रसूलों के आमाल 13:50-52
- गलातियों 01:13-14
- यूहन्ना 05:16-18
- मरकुस 10:29-31
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 10:21-23
- मत्ती 13:20-21
- फिलिप्पियों03:6-7

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **33:07** "वैसे ही जो पथरीली ज़मीन पर बोए जाते है, ये वह है जो कलाम को सुनकर फ़ौरन ख़ुशी से क़ुबूल कर लेते है | इसके बा'द जब कलाम की वजह उन पर _सताव _ होता है, तो वे फ़ौरन ठोकर खाते है |"
- **45:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलीम में 'ईसा मसीह पर 'ईमान रखने वालो पर बड़ा _सताव _ करने लगे, इसलिए ईमानदार और जगहों में भाग गए |
- **46:02** शाउल ने यह लफ़्ज़ सुना, हे शाउल हे शाऊल तू मुझे क्यों **सताता** है? उसने पूछा, "हे ख़ुदावन्द तू कौन है? 'ईसा ने उसे जवाब दिया कि, "मैं 'ईसा हूँ जिसे तू **सताता** है |"
- **46:04** लेकिन हनन्याह ने कहा, "हे ख़ुदावन्द मैनें इस आदमी के बारे में सुना है कि इसने तेरे पाक लोगों के साथ बड़ी **सताव** की है |"

शब्दकोश:

- Strong's: H1814, H4783, H7291, H7852, G1375, G1376, G1377, G1559, G2347

(**वापस जाओ:** 33:07; 45:06; 45:07; 46:01; 46:02; 46:04; 46:09)

सबत

ता'अर्रुफ़:

"सबत" लफ़्ज़ का मतलब है हफ़्ते का सातवां दिन, जिसके लिए ख़ुदावन्द ने इस्राईल को हुक्म दिया था कि उस दिन, आराम करें, कोई काम न करें।

- ख़ुदावन्द ने छः दिन में 'आलम को बनाया, और सातवें दिन आराम किया। इसी तरह, ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि सातवें दिन को पाक मानकर आराम का ख़ास दिन रखें और उसमें 'इबादत करें।
- " सबत के दिन को पाक रखने" का हुक्म दस हुक्मों में एक है जिन्हें ख़ुदावन्द ने पत्थर की तख़्तियों पर लिखकर मूसा को इस्राईल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों के शुमार के मुताबिक़, सबत का दिन जुमा' सूरज ग़ुरुब के बा'द से शुरू' होकर शनीचर सूरज गुरूब तक होता था।
- कलाम में कभी-कभी सिर्फ़ सबत की जगह पर "सबत का दिन" कहा गया है।

तर्जुमा की सलाह:

- इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे कि "आराम का दिन" या "आराम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या " ख़ुदावन्द के आराम का दिन।"
- कुछ तर्जुमों में इस लफ़्ज़ को बड़े हरफ़ों में लिखकर ज़ाहिर किया जाता है कि यह एक ख़ास दिन है, जैसे कि "आराम का दिन" या "आराम का दिन।"
- याद रहे कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़ामी ज़बान या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आराम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 31:2-3
- रसूलों के 'आमाल 13:26-27
- ख़ुरूज 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- नौहा 02:5-6
- अह्बार 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहमियाह 10:32-33

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **13:05**"तू **सबत के दिन** को पाक मानने के लिये याद रखना | छः दिन तो तू मेहनत करके अपना सब काम-काज करना, लेकिन सातवा दिन तेरे ख़ुदावन्द यहोवा के लिये आराम का दिन है |"
- **26:02**'ईसा नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | **सबत** के दिन वह ''इबादत करने की जगह पर गया |
- **41:03**'ईसा को दफ़नाने के दिन के बा'द **सबत** का दिन था, और यहूदियों को उस दिन क़ब्र पर जाने की इजाज़त नहीं थी|

शब्दकोश:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

(**वापस जाओ:** 13:05; 26:02; 41:03)

सरदार काहिन

ता'अर्रुफ़:

"सरदार काहिन" वह काहिन था जो सब इस्राईली काहिनों का रहनुमा मुक़र्रर किया जाता था जिसकी ख़िदमत का 'अरसा एक साल था।

- सरदार काहिन की ख़ास ज़िम्मेदारियाँ थीं| एक सिर्फ़ वही था जो साल में एक बार ख़ास क़ुर्बानी चढ़ाने के लिए साल में एक बार हैकल के सबसे मुक़द्दस मक़ाम में दाख़िल हो सकता था।
- इस्राईल में काहिन तो बहुत थे लेकिन एक बार में एक ही सरदार काहिन होता था।
- जब 'ईसा को बन्दी बनाया गया था तब क़ैफ़ा सरकारी सरदार काहिन था। कभी-कभी क़ैफ़ा के ससुर हन्ना को भी दर्ज़ किया गया है, क्यूँकि वह माज़ी का सरदार काहिन था और यक़ीनन क़ौम पर उसकी क़ुव्वत और इख़्तियार अब भी था।

तर्जुमें की सलाह:

- "सरदार काहिन" का तर्जुमा " सरदार काहिन" या "सबसे बड़ा काहिन" किया जा सकता है।
- यक़ीनी करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "ख़ास काहिन" से अलग किया जाए।

(यह भी देखें: हन्ना, क़ैफ़ा, सरदार काहिन, काहिन, हैकल)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 05:26-28
- रसूलों के 'आमाल 07:1-3
- रसूलों के 'आमाल 09:1-2
- ख़ुरूज 30:10
- इब्रानियों 06:19-20
- अहबार 16:32-33
- लूक़ा 03:1-2
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:51-54

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **13:08 सरदार काहिन** के अलावा कोई भी कमरे के पीछे दाख़िल नहीं हो सकता था, क्यूँकि वहाँ ख़ुदा रहता था|
- **21:07** मसीह जो एक कामिल _ सरदार काहिन_ के पास आएगा जो अपने आप को ख़ुदा के लिए कामिल क़ुर्बानी के तौर पर पेश करेगा|
- **38:03** यहूदी रहनुमाओं, ने **सरदार काहिन** की रहनुमाई में 'ईसा को धोखा देने के लिये यहूदाह को तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
- **39:01** फ़ौजियों ने 'ईसा की दु'आ के लिए _ सरदार काहिन_ के घर में 'ईसा की रहनुमाई की और **सरदार काहिन** के लिए उससे सवाल पूँछे|
- **39:03** आख़िर में, **सरदार काहिन** ने 'ईसा की ओर देखकर उससे कहा कि, "हमें बता कि क्या तू मसीह है, ज़िन्दा ख़ुदा का बेटा?"
- **44:07** दूसरे दिन, ऐसा हुआ कि यहूदी काहिन पतरस और यूहन्ना को लेकर **सरदार काहिन** और दीगर मज़हबी इमामों के पास गए।
- **45:02** तब मज़हबी इमामों ने स्तिफनुस को पकड़कर 'अदालत-ए-आलिया में ले गए और उसे **सरदार काहिन** और दीगर यहूदी रहनुमाओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई और झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
- **46:01 सरदार काहिन** ने शाऊल को यह हुक्म दिया की वह दमिश्क़ शहर में जाकर वहाँ के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलीम ले आए।
- **48:06** 'ईसा सबसे बड़ा **सरदार काहिन** है। दूसरे काहिनों से अलग, उसने अपने आप को उस एकलौती क़ुर्बानी के तौर पर सुपुर्द कर दिया जो दुनिया के सभी इन्सानों के गुनाहों को हटा सकती है। 'ईसा सबसे अच्छा **सरदार काहिन** है क्योंकि उसने सभी इन्सानों के सभी गुनाहों की सज़ा , जो उन्होंने अपनी ज़िन्दगी में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

शब्दकोश:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

(**वापस जाओ:** 13:08; 16:16; 21:07; 38:03; 38:15; 39:01; 39:03; 39:04; 39:05; 44:07; 45:01; 45:03; 45:04; 46:01; 48:06)

सलीब

ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में सलीब एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे ज़मीन में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी हिस्से में एक तिरछा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी सल्तनत के वक़्त में, रोमी हुकूमत ने ख़ताकारों को सलीब पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- ‘ईसा पर ख़ता का झूठा इल्ज़ाम लगाकर रोमियों ने उसे सलीब की मौत दी थी।
- ध्यान दें कि यह काम "पार करना" एक अलग लफ़्ज़ है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

तर्जुमें की सलाह:

- इसका तर्जुमा मक़सदी ज़बान में सलीब का मतलब ज़ाहिर करने वाले लफ़्ज़ से किया जा सकता है।
- सलीब की बयान इस तरह करें कि ज़ाहिर हो कि उस पर आदमियों को मौत की सज़ा दी जाती थी जैसे “सलीबी ” या “पेड़ की मौत ”।
- मुक़ामी ज़बान और क़ौमी ज़बान के किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमे में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें। (देखें: अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखे: सलीब पर चढ़ाना, रोम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **40:01** सिपाहियों के ज़रिये’ ‘ईसा का मज़ाक उड़ाने के बा’द, वह ‘ईसा को सलीब पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने ‘ईसा से वो _सलीब _ उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सिपाही ‘ईसा को उस जगह पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी की जगह कहलाती है, वहाँ पहुँचकर _सलीब _ पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और और लोग जो भीड़ में थे वह ‘ईसा का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू ख़ुदा का बेटा है तो _सलीब _ पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर ईमान लायेंगे ”
- **49:10** जब ‘ईसा _सलीब _ पर मरे, उन्होंने तुम्हारा क़ुसूर अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें यक़ीन करना होगा कि ‘ईसा ख़ुदा का बेटा है, कि वह तुम्हारी जगह _सलीब _ पर क़ुर्बान हुआ, और यह कि ख़ुदा ने उसे फिर मुर्दों में से ज़िन्दा कर दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: G4716

(**वापस जाओ:** 40:01; 40:02; 40:05; 49:10; 49:12; 49:14)

सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया

ता'रीफ़:

"सलीब पर चढ़ा" या'नी किसी को सलीब पर लटका कर छोड़ देना कि वह दर्द में होकर मर जाए।

- मुजरिम को सलीब पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। सलीब पर लटकाया हुआ आदमी ख़ून की कमी से या सांस लेने में कठिनाई की वजह से मर जाता था।
- पुराने रोमी सल्तनत में सजाए-ए- मौत की यह तरकीब हमेशा काम में ली जाती थी, ख़ास करके ख़तरनाक मुजरिमों के लिए या हुकूमत के बाग़ियों के लिए।
- यहूदियों के रहनुमाओं ने रोमी हाकिमों को मजबूर किया कि वह 'ईसा को सलीब पर चढ़ाने के लिए सिपाहियों को हुक्म दे। सिपाहियों ने 'ईसा को कीलों से सलीब पर ठोंका था। 'ईसा ने मरने से पहले छः घंटे दु:ख उठाया था।

तर्जुमे की सलाह:

- सलीब पर चढ़ाने का तर्जुमा किया जा सकता है, "सलीब पर मौत " या "सलीब पर कीलों से ठोक कर सज़ा -ए-मौत देना"।

(यह भी देखें: सलीब, रोम

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **39:11** लेकिन यहूदी रहनुमाओं और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, "उसे सलीब पर चढाओं।"
- **39:12** लेकिन पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने 'ईसा को **सलीब पर चढ़ाए** जाने के लिए सिपाहियों को सौंप दिया।
- **40:01** सिपाहियों के ज़रिये' 'ईसा का मज़ाक उड़ाने के बा'द, वह 'ईसा को **सलीब पर चढ़ाने** के लिये ले गए। उन्होंने 'ईसा से वो सलीब उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** 'ईसा को दो डाकुओ के बीच **सलीब पर चढ़ाया** गया।
- **43:06** "हे इस्राईलियो ये बातें सुनो: 'ईसा नासरी एक इन्सान था, जिसने ख़ुदा की ताक़त से कई मोजिज़े के कामों और निशानों को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदा ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिये'कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने गुनहगारों के हाथ उसे सलीब पर चढ़वाकर मार डाला।"
- **43:09** "उसी 'ईसा को जिसे तुमने सलीब पर चढ़ाया।"
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें जवाब दिया, "'ईसा मसीह की क़ुव्वत से यह आदमी तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने 'ईसा को **सलीब पर चढ़ाया**, लेकिन ख़ुदा ने मरे हुओं में से जिलाया।"

शब्दकोश:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

(**वापस जाओ:** 39:11; 39:12; 40:01; 40:04; 41:01; 43:06; 43:09; 44:08)

सामरिया, सामरी

सच्चाई:

सामरिया उत्तरी मुल्क इस्राईल में एक शहर और उसके आसपास के 'इलाक़ों का नाम था। यह मक़ाम पश्चिम में शारोन के मैदान और पूरब में यरदन नदी के दरमियान था।

- पुराने 'अहद नामे के ज़माने में, सामरिया उत्तरी मुल्क इस्राईल की सल्तनत थी। उस वक़्त के बा'द में इसके आसपास का 'इलाक़ा भी सामरिया कहलाने लगा था।
- जब असूरों ने उत्तरी मुल्क इस्राईल को फ़तह कर लिया था और ज़्यादातर इस्राईलियों को वहाँ से बाज़ू के ज़ोर से ले जाकर असूर मुल्क के अलग अलग शहरों में बसा दिया था।
- असूर कई परदेशियों को वहाँ इस्राईलियों के मक़ाम में बसा कर चले गए थे।
- जो इस्राईली वहाँ रह गए थे उन्होंने उन परदेशियों से शादी कर ली थी और इस तरह उनकी औलाद सामरी कहलाए।
- यहूदी सामरियों से नफ़रत करते थे क्यूँकि वह आधे यहूदी थे और क्यूँकि उनके बाप दादा बुत परस्त थे।
- नये 'अहद नामे के ज़माने में, सामरिया 'इलाक़ा उत्तर में गलील इलाक़ा ओर दक्खिन में यहूदिया की सरहदों से घिरा हुआ था।

(यह भी देखें: असूर, गलील, यहूदिया, शारोन, इस्राईल का मुल्क)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलो के आमाल 08:1-3
- रसूलो के आमाल 08:4-5
- यूहन्ना 04:4-5
- लूक़ा 09:51-53
- लूक़ा 10:33-35

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **20:04**तब असूरियों ने ग़ैर क़ौमों को उस ज़मीन पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राईली मुल्क था| ग़ैर क़ौमों ने उस बर्बाद शहर को दोबारा तैयार किया, और वहाँ बाक़ी बचे इस्राईलियों से शादी की | इस्राईलियों की वह औलादें जिन्होंने ग़ैर क़ौमों से शादी की थी वह **सामारी** कहलाए|
- **27:08**"अगला आदमी जो वहाँ से जा रहा था वह एक **सामरी** था| (**सामरी** यहूदियों की औलाद थे , जिन्होंने ग़ैर मुल्क के लोगों से शादी करी थी | **सामरी** और यहूदियों को एक दूसरे से नफ़रत थी।)"
- **27:09**"**सामरी** आदमी ने उस घायल आदमी को अपने गधे पर लाद लिया और उसे सड़क के पार एक सराय में ले गया जहाँ उसकी देख-भाल की|"
- **45:07** वह (फिलिप्पुस)**सामरिया** शहर में गया और वहा लोगों को 'ईसा के बारे में बताया और बहुत से लोग बचाए गए|

शब्दकोश:

- Strong's: H8111, H8115, H8118, G4540, G4541, G4542

(**वापस जाओ:** 20:04; 27:08; 27:09; 27:10; 45:07)

सारा, सारय

सच्चाई:

- सारा इब्राहीम की बीवी थी।
- उसका लफ़्ज़ी नाम "सारै" था लेकिन ख़ुदावन्द ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने ख़ुदावन्द के वा'दे के मुताबिक़ बेटे को पैदा किया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , इस्हाक़)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 11:29-30
- पैदाइश 11:31-32
- पैदाइश 17:15-16
- पैदाइश 25:9-11

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:01** तो अब्राम की बीवी **सारय**, ने उससे कहा, "देख ख़ुदावन्द ने मेरे रहम को बन्द कर रखा है, इसलिए मैं तुझ से मिन्नत करती हूँ कि तू मेरी लौंडी हाजिरा के पास जा | तू उससे शादी भी करना ताकि, उसके ज़रिए' मेरी गोद भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी बीवी, **सारय**को एक बेटा होगा--वह वा'दे का बेटा होगा।"
- **05:04**" ख़ुदावन्द ने **सारय**का नाम बदलकर **सारा** रखा, जिसका मतलब है, "शहज़ादी
- **05:05**"तक़रीबन एक साल बा'द, जब इब्राहीम सौ साल का था और **सारा** नब्बे साल की थी, **सारा**ने इब्राहीम के बेटे को पैदा किया| उन्होंने उसका नाम इस्हाक़ रखा, जैसा कि ख़ुदावन्द ने कहा था|

शब्दकोश:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

(**वापस जाओ:** 04:08; 05:01; 05:02; 05:04; 05:05)

सीनै, सीनै पहाड़

सच्चाई:

सीनै पहाड़ शायद एक पहाड़ था जो आज के सीनै प्रायद्वीप के दक्खिन में है। यह "होरेब पहाड़" की शक्ल में भी जाना जाता था।

- सीनै पहाड़ एक बहुत बड़ा चट्टानी रेगिस्तान का हिस्सा है।
- मिस्र से निकल कर वा'दे के मुल्क के सफ़र के वक़्त इस्राईली सीनै पहाड़ के क़रीब पहुँचे थे।
- ख़ुदा ने सीनै पहाड़ पर ही मूसा को दस हुक्म दिए थे ।

(यह भी देखें: रेगिस्तान, मिस्र, होरेब, वा'दे का मुल्क, दस हुक्म)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:29-30
- ख़ुरूज 16:1-3
- गलातियों 04:24-25
- अह्बार 27:34
- गिनती 01:17-19

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- 13:01__ के बा'द ख़ुदा लाल समन्दर के ज़रिए' से इस्राईलियों की रहनुमाई की , वह उन्हें **सीनै** नाम के पहाड़ पर जंगल में ले गया।
- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को रूहानी शक्ल से तैयार करें ,जब ख़ुदा **सीनै पहाड़** पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पहाड़ पर काले बादल छा गए फिर नरसिंगे की बड़ी ज़ोर से आवाज़ आई |
- **13:11** कई दिनों तक मूसा **सीनै पहाड़** के ऊपर ख़ुदा से बात करता रहा |
- **15:13** तब यसू'अ ने इस्राईलियों को वह 'अहद याद दिलाया जो उन्होंने ख़ुदा के साथ _सीनै पहाड़ _ पर बाँधा था, कि वह उस पर 'अमल करेंगे।

शब्दकोश:

- Strong's: H2022, H5514, G3735, G4614

(**वापस जाओ:** 13:01; 13:03; 13:11; 13:15; 14:01; 15:13; 20:01; 21:05)

सीलास, सिल्वानुस

सच्चाई:

सीलास यरूशलीम के मसीही ईमानदारों का रहनुमा था।

- यरूशलीम की कलीसिया के बुज़ुर्गों ने सीलास को पौलुस और बरनबास के साथ जाने के लिए मुक़र्रर किया कि अन्ताकिया के लिए ख़त ले जाए।
- आगे चलकर सिलास पौलुस के साथ और शहरों में भी 'ईसा की ख़ुशख़बरी करने के लिए गया था।
- पौलुस और सीलास फ़िलिप्पी के क़ैदखाने में एक साथ थे। वहाँ वह ख़ुदा की 'इबादत कर रहे थे और ख़ुदावन्द ने उन्हें वहाँ से आज़ादी दिलाई। उनकी इस गवाही के नतीजे उस क़ैदखाने का जेलर मसीही ईमानदार हो गया।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अन्ताकिया, बरनबास, यरूशलीम, पौलुस, फिलिप्पुस, क़ैदखाना, गवाही)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 05:12-14
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:1
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:1-2
- रसूलों के 'आमाल 15:22-23

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **47: 1** एक दिन, पौलुस और उसका दोस्त __ सिलास फ़िलिप्पी के शहर में 'ईसा के बारे में ख़ुशख़बरी देने के लिए गए।
- **47:02** वह (लुदिया) ने पौलुस और __ सिलास को अपने घर में रहने के लिए बुलाया , इसलिए वह उसके और उसके ख़ानदान के साथ रहे।
- **47:03** पौलुस और _ सिलास_ अक्सर दु'आ की जगह पर लोगों के साथ मिलते थे ।
- **47:07** इसलिए ग़ुलाम लड़की के मालिकों ने पौलुस और __ सिलास को रोमन हाकिमों के पास ले गए, जिन्होंने उन्हें मारा और उन्हें जेल में फेंक दिया।
- **47:08** उन्होंने पौलुस और __ सिलास को जेल के सबसे महफ़ूज़ हिस्से में रखा और यहां तक कि उनके पैरों को भी बाँध दिया।
- **47:11** जेलर कांपते हुए' पौलुस और __ सिलास के पास आया और पूछा, "बचने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?"
- **47:13** अगले दिन शहर के रहनुमाओं ने पौलुस और _ सिलास को जेल से रिहा कर दिया और उन्हें फ़िलिप्पी छोड़ने के लिए कहा। पौलुस और _ सिलास ने लुदिया और कुछ और दोस्तों सें मिले और फिर शहर छोड़ दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: G4609, G4610

(**वापस जाओ:** 47:01; 47:02; 47:03; 47:07; 47:08; 47:11; 47:12; 47:13)

सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले

ता'अर्रुफ़:

"सुकून " लफ़्ज़ वह हालात हैं जब किसी भी तरह का झगड़ा या फ़िक्र या खौफ़ न हो। "पुर सुकून " इन्सान सुकून को महसूस करता है और उसे हिफ़ाज़त का यक़ीन होता है।

- "सुकून" उस वक़्त को भी दिखाता है जब कौमें और मुल्क आपस में जंग नहीं करते हैं। इन लोगों के "पुर सुकून रिश्ते " कहलाते हैं।
- किसी इन्सान का क़बीले के साथ "सुलह क़ायम " को करने का मतलब है जंग रोकने की कोशिश करना।
- "सुकून बनाने वाला" वह इन्सान है जो इन्सान को हमेशा सुलह में रहने के लिए काम करता है या असर करने वाली बातें करता है।
- इन्सान के साथ "सुकून बनाए रखने" का मतलब है उनके साथ जंग नहीं करने की हालत में रहना।
- ख़ुदा और इन्सानों में अच्छे और सही रिश्ते तब पैदा होते हैं जब ख़ुदा इन्सानों को गुनाहों से बचा लेता है। इसे " ख़ुदा के साथ मेल" कहते हैं।
- "फ़ज़ल और सुकून" का इस्तकबाल रसूल अपने ख़तों में ईमानदारों को दु'आ की शक्ल में लिखते थे।
- "सुकून" लफ़्ज़ का बयान इन्सानों के साथ या ख़ुदा के साथ सही रिश्ते में रहने से भी है।

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- रसूलों के अमाल 07:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15-17
- गलातियों 05:22-24
- लूका 07:48-50
- लूका 12:51-53
- मरकुस 04:38-39
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 10:11-13

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:06** ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था ,कि वह कना'न में लोगों के किसी भी झुण्ड के साथ समझौता _सुलह _ क़ायम न करे,
- **15:12**तब ख़ुदा ने इस्राईलियों को सारी हदों के साथ _ अमन _ अता' किया
- **16:03**तब ख़ुदा ने एक नजात दहिन्दा 'अता किया, जिन्होंने उन्हें अपने दुश्मनों से बचाया और मुल्क में _ अमन _ लाया
- **21:13** वह और लोगों के गुनाहों की वजह से मारा जाएगा। उसको सज़ा होने से ख़ुदा और लोगों के बीच में _ अमन _ क़ायम होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राईल का राजा था, लेकिन 'ईसा पूरे जहान का बादशाह है! वह फिर से आएगा, और अपने बादशाहत पर इन्साफ़ और _ अमन _ के साथ हमेशा बाद्शाही करेगा।
- **50:17** 'ईसा अपनी सल्तनत पर _ अमन _ व इन्साफ़ के साथ हुकूमत करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G31514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

(**वापस जाओ:** 07:10; 14:03; 15:06; 15:07; 15:12; 16:03; 21:13; 23:07; 32:16; 42:06; 48:14; 50:13; 50:17)

सुलैमान

सच्चाई:

सुलैमान दाऊद के बेटों में से एक था। उसकी माँ नाम बतशबा था ।

- जब सुलैमान तख़्त सल्तनत पर बैठा तब ख़ुदा ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। तब सुलैमान ने अपने लोगों पर मुनासिब हुकूमत करने के लिए हिकमत 'अमली तलब की । ख़ुदा सुलैमान की इस इल्तिजा से ख़ुश हुआ और उसे हिकमत और माल दोनों दिया।

सुलैमान यरूशलीम के शानदार हैकल को बनाने के लिए भी मशहूर है।

- सुलैमान ने शुरू'आती सालों में तो बड़ी हिकमत-ए-'अमली से बादशाहत की लेकिन बा'द में उसने ग़ैर क़ौमों की 'औरतों से शादी करके बुत परस्ती शुरू' कर दी थी।
- सुलैमान की इस दग़ाबाज़ी की वजह से ख़ुदा ने उसकी मौत के बा'द इस्राईल को दो मुल्कों में बाँट दिया, एक इस्राईल और दूसरा यहूदा। यह दोनों मुल्क हमेशा लड़ते रहते थे।

(तर्जुमा की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बतशबा, दाऊद, इस्राईल, यहूदा, इस्राईल का मुल्क , हैकल)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 07:47-50
- लूक़ा 12:27-28
- मत्ती. 01:7-8
- मत्ती. 06:27-29
- मत्ती 12:42

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:14** उसके बा'द, दाऊद से बतशबा को एक और बेटा पैदा हुआ उसका नाम उन्होंने **सुलैमान** रखा।
- **18:01** कई सालों बा'द, जब दाऊद की मौत हो गई, तब उसके बेटे **सुलैमान** ने इस्राईल पर हुकूमत करना शुरू' किया | ख़ुदा ने **सुलैमान** से बात की और उससे कहा, "जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ, वह माँग | " जब **सुलैमान** ने हिकमत माँगी, ख़ुदा उससे ख़ुश हुआ और उसे दुनिया का सबसे दानिशवर आदमी बना दिया | ख़ुदा ने उसे बहुत मालदार सख्स बनाया |
- **18:02** यरुशलीम में, **सुलैमान** ने अपने बाप के मन्सूबे के मुताबिक़ एक हैकल बनाने का फ़ैसला किया और उसके लिए समान जमा' किया |
- **18:03** लेकिन **सुलैमान** कई मुल्कों की 'औरतों से मुहब्बत करता था |. लिहाज़ा जब **सुलैमान** बूढ़ा हुआ तब उसकी 'औरतों ने उसका मन ग़ैर मा'बूदों की तरफ़ बहका दिया |
- **18:04** तब ख़ुदा ने **सुलैमान** पर ग़ुस्सा किया, और **उसकी** नारास्ती की वजह से उसे सज़ा दिया, और 'अहद बाँधा कि **सुलैमान** की मौत के बा'द वह इस्राईल के मुल्क को दो हिस्सों में बाँट देंगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H8010, G4672

(**वापस जाओ:** 17:14; 18:01; 18:02; 18:03; 18:04; 18:05; 18:06)

सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

ता'अर्रुफ़:

"सज़ा देना" लफ़्ज़ का मतलब है किसी ग़लत काम के इनकार का अन्जाम भुगतना "सज़ा" का मतलब है बुरे सुलूक का अन्जाम और इनकार का बर्ताव मिलना

- सज़ा का मक़सद होता है कि इन्सान गुनाह करना छोड़ दे।
- ख़ुदा इस्राईलियों को हुक्म अदूली की सज़ा देता था, ख़ास करके झूठे मा'बूद की इबादत की उनके गुनाहों की वजह से ख़ुदा उनके दुश्मनों को इजाज़त देता था कि वे उन पर हमला करके उन्हें क़ैदी बना लें।
- ख़ुदा मुंसिफ़ और ईमानदार है इसलिए उसे गुनाह की सज़ा देना पड़ता है। हर एक इन्सान ने ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया है और सज़ा के लायक़ है।
- 'ईसा को हर एक इन्सान के सब बुरे कामों की सज़ा मिली उसने हर एक इन्सान की सज़ा अपने ऊपर ले लिया जबकि उसने तो कोई भी गलत काम नहीं किया था कि सज़ा पाए
- "सज़ा न होना" या "बेक़ुसूर ठहराना" या'नी इन्सान को ग़लत काम की सज़ा न देना। ख़ुदा हमेशा गुनाह की सज़ा में देर करता है क्योंकि वह इन्सानों के ज़रिये तोबा का इन्तिज़ार करता है।

(यह भी देखें: सच्चा, तोबा , रास्तबाज़ , गुनाह)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:9-10
- रसूलों के आमाल 04:21-22
- रसूलों के आमाल 07:59-60
- पैदाइश 04:13-15
- लूका 23:15-17
- मत्ती 25:44-46

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाले:

- **13:07** ख़ुदा ने और भी बहुत सी शरी'अतों व क़ानूनों को मानने के लिये कहा। अगर लोग इन क़ानूनों को मानते रहेंगे, तो ख़ुदा ने वा'दा किया था कि वह उन्हें बरकत और उनकी हिफ़ाज़त करेगा। अगर वे इन क़ानूनों को नहीं मानेगे तो वह _ सज़ा _ के हक़दार बनेंगे।
- **16:02** क्योंकि इस्राईल के लोग ख़ुदा की नाफ़रमानी करते रहे, उसने उन्हें अपने दुश्मनों को उन्हें हराने की इजाज़त देकर _ सज़ा _ दिया।
- **19:16** नबियों ने लोगों को ख़बरदार किया कि, अगर उन्होंने बुरे काम करना बंद न किया, और ख़ुदा के हुक्मों को ना मानना शुरू' न किया, तब ख़ुदा उन्हें मुजरिम ठहराएगा और उन्हें _सज़ा _ देगा |
- **48:06** 'ईसा सबसे अच्छा अज़ीम आलिम है क्योंकि उसने सभी इन्सानों के सभी गुनाहों की _ सज़ा _, जो उन्होंने अपने ज़िन्दगी में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया |
- **48:10** जब कोई 'ईसा पर ईमान लाता है, 'ईसा का लहू उस इन्सान के सब गुनाहों की कीमत चुका देता है, और ख़ुदा की _ सज़ा _ उस इन्सान के ऊपर से हट जाती है |
- **49:09** लेकिन ख़ुदा ने दुनिया के हर इन्सान से इतना ज़्यादा प्यार किया कि उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया ताकि जो कोई 'ईसा पर ईमान उसे उसके गुनाहों की _सज़ा _ नहीं मिलेगी, लेकिन हमेशा ख़ुदा के साथ रहेगा।
- **49:11** 'ईसा ने कभी कोई गुनाह नहीं किया था, लेकिन फिर भी उसने _सज़ा _ उठाने और मारे जाने को चुना ताकि एक कामिल क़ुर्बानी की शक्ल में आपके और दुनिया के हर इन्सान के गुनाहों को उठा ले जा सके |

शब्दकोश:

- Strong's: H3027, H3256, H4148, H4941, H5221, H5414, H6031, H6064, H6213, H6485, H7999, H8199, G1349, G1556, G1557, G2849, G3811, G5097

(**वापस जाओ:** 13:07; 16:02; 16:16; 16:17; 17:14; 18:04; 18:06; 19:16; 20:02; 20:05; 20:08; 20:10; 21:07; 21:13; 48:06; 48:10; 49:09; 49:10; 49:11; 49:14)

हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात

ता'अर्रुफ़:

किसी की ता'रीफ़ करना या'नी उस इन्सान की पसंदीदगी और उसकी इज़्ज़त करना।

- इन्सान ख़ुदा की हम्द करता है क्योंकि वह अज़ीम है और उसने दुनिया को नजात देने और बनाने के हैरानी के काम किए हैं।
- ख़ुदा की हम्द में उसके कामों के लिए शुक्र होता है।
- ख़ुदा की हम्द में हमेशा साज़ और हम्द गीत होते हैं।
- ख़ुदा की हम्द उसकी इबादत का एक हिस्सा है।
- "हम्द करना" का तर्जुमा हो सकता है, "किसी के बारे में अच्छी बात कहना" या "लफ़्ज़ों के ज़रिये' बहुत इज़्ज़त 'अता करना" या "किसी का मदह सराई करना"।
- "हम्द " इस्म लफ़्ज़ का तर्जुमा "इज्ज़तदार इन्सान " या "इज़्ज़त का लक़ब देना" या "अच्छाईयों का बयान "।

(यह भी देखें: इबादत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- रसूलों के आमाल 02:46-47
- रसूलों के आमाल 13:48-49
- दानीएल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- पैदाइश 49:8
- याक़ूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **12:13** इस्राईलियों ने बहुत ख़ुश होकर ख़ुशी मनाया क्योंकि ख़ुदा ने उन्हें मौत व ग़ुलामी से बचाया! अब वह ख़ुदा की _इबादत _ करने की लिये आज़ाद थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह लफ़्ज़ सुने, उसने फ़ौरन ही ख़ुदा की शुक्रगुज़ारी किया और उसकी _हम्द _ की, क्योंकि ख़ुदा ने दाऊद से अज़ीम इज़्ज़त और बहुत सी बरकतों का वा'दा किया था |
- **22:07** तब ज़करियाह ने कहा कि, "ख़ुदावन्द ख़ुदा _ हम्द_, क्योंकि उसने अपने लोगों पर नज़र की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और ख़ुदा की _हम्द _ करते हुए ख़ुशी करते थे और वे हर चीज़ एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को क़ैदख़ाने के सबसे हिफ़ाज़ती हिस्से में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास दुआ करते हुए ख़ुदा की _हम्द _ गा रहे थे |

शब्दकोश:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

(**वापस जाओ:** 12:13; 17:03; 17:08; 22:07; 23:08; 43:13; 44:03; 47:08)

हरामकारी ,हरामकार बदकार, हराम्कारियाँ ,हराम्कारियों ,हरामकारनी

ता'अर्रुफ़:

"हरामकार" ,यहाँ तक कि शादी शुदा आदमी के ज़रिये शादी की हदों से बाहर जिस्मानी रिश्ता बनाने का गुनाह दोनों ही हरामकारी के मुजरिम हैं हरामकारी ,ऐसा सुलूक या ऐसा गुनाह करने वाला आदमी

- "हरामकारी" क्या हैं, हाराम्कारी करने वाले आदमी के बारे में
- ज़ानी, हरामकारी करने वाली औरत के बारे में
- हरामकारी -शौहर-बीवी के ज़रिए शादी में किए गए वादों को तोड़ना है
- ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों को हरामकारी नहीं करने का हुक्म दिया
- "हरामकारों" ,नए तौर से इस्राईल के लिए काम में लिया गया है जब वह ख़ुदावन्द के ख़ुदा परस्त नहीं होते थे ख़ास करके जब वह झूठे ख़ुदा की इबादत करते थे

तर्जुमा की सलाह:

- अगर मुश्किल ज़बान में "हरामकारी" का तर्जुमा है तो इसका तर्जुमा एक ही तरह से किया जा सकता है , किसी और की बीवी के साथ जिस्मानी रिश्ता बनाना , या "किसी और के रफीक़-ए-हयात के साथ नाजायज़ रिश्ता बनाना"
- कुछ ज़बानों में "हरामकारी" को साफ़ तौरसे इबयान नहीं किया जाता है जैसे , किसी और के रफीक़-ए-हयात के साथ सोना , या अपनी बीवी से दग़ाबाज़ी करना (देखें)
- जब '' हरामकारी '' का इस्तेमाल किसी मुनासिब मतलब में किया जाता है, तो धोकेबाज़ शौहर /बीवी के साथ तुलना की जा रही उनके हुक्म न मानने वाले लोगों के बारे में ख़ुदावन्द के ख़्यालों के बारे में बयान करने के लिए, यह सबसे अच्छा तर्जुमा करना है अगर यह सही ज़बान में सही ढंग से नहीं बयान किया जाए, तो "हरामकारी" का मुनासिब इस्तेमाल "धोकेबाज़ी" या "बुराई" या "दगाबाज़ शौहर की तरह" के शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखे: \ अहद, [वादा][[rc://ur-deva/tw/dict/bible/kt/covenant]], [हरामकारी][[rc://ur-deva/tw/dict/bible/other/fornication]], \ के साथ सोना, \ इमानदार)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ज़बूर 20:12-14
- होशे'अ 0 4:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- मुक़ाश्फा 02:22-23

कलाम की कहानियों से मिसाल:

- **13:06** "तू हरामकारी न करना।
- __28:02 ज़िनाकारी मत करना
- **34;07 मज़हबी रहनुमाओं ने अपने दिल में इस तरह दुआ की , ऐ ख़ुदावन्द मैं तेरा शुक्र करता हूँ कि मैं दूसरे आदमी की तरह अंधेर करने वाला ना इंसाफ़ी और __हरामकारी** नहीं और न इस महसूल लेने वाले की तरह हूँ

शब्दकोश:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

(**वापस जाओ:** 13:06; 28:02; 34:07)

हलीम, हलीम, हलीम बनाया, हलीमी

ता’अर्रुफ़:

“हलीम” लफ़्ज़ उस इन्सान के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको औरों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न मग़रूर है। हलीमी हलीम होने की खुसीसियतहै।

- ख़ुदा के सामने हलीम होने का मतलब है ख़ुदा की बड़ाई, अक़्ल और कामिलियत के सामने अपने आप की कमज़ोरी और नाकामिलियत को समझना।
- इन्सान अगर हलीम बने तो वह ख़ुद को कम हैसियत के मक़ाम में रखता है।
- हलीमी का मतलब है अपने से ज़्यादा दूसरों की ज़रूरत की ख़बर लेना।
- हलीमी का मतलब यह भी है कि अपने ने’मतों तथा क़ाबिलियत के इस्ते’माल के वक़्त किसी की ख़िदमत में हदों का ‘अमल करना।

“हलीम बनो” का तर्जुमा, “मग़रूर न होना” हो सकता है।

- “ख़ुदा के सामने हलीम बनो” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा की बड़ाई को क़ुबूल करके अपनी मर्ज़ी से ख़ुदा के ताबे’ कर दो”।

(यह भी देखें: घमण्ड

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- या’क़ूब 01:19-21
- या’क़ूब 03:13-14
- या’क़ूब 04:8-10
- लूक़ा 14:10-11
- लूक़ा 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही _ हलीम_ व रास्तबाज़ आदमी था, जो ख़ुदा के हुक्मों का फ़रमाबरदारी करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(ख़ुदा)**हलीम** करेगा, और जो अपने आप को **छोटा** बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्दकोश:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

(**वापस जाओ:** 17:02; 34:10)

हव्वा

सच्चाई:

यह नाम सबसे पहली 'औरत का था। उसके नाम का मतलब है, “ज़िन्दगी” या “जी रहा” है।

- ख़ुदा ने आदम के जिस्म से एक पसली निकाल कर हव्वा को बनाया था।
- हव्वा को आदम की “मददगार” होने के लिए बनाया गया था। वह ख़ुदा के फ़राहम कामों में आदम के साथ काम करती थी।
- इब्लीस ने शांप की शक्ल बना करके हव्वा को ललचाया था और ख़ुदावन्द के मना’ फल को खा के गुनाह करनेवाली इन्सानों में पहली थी।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आदम, ज़िन्दगी, इब्लीस)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 02:13-15
- 2 कुरिन्थियों 11:3-4
- पैदाईश 03:20-21
- पैदाईश 04:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- **01:13** तब ख़ुदावन्द ने आदम की पसलियों में से एक से 'औरत को बनाया और उसे आदम के पास लाए।
- **02:02**लेकिन बाग़ में एक चालाक साँप था। उसने 'औरत से पूछा, “क्या ख़ुदा ने हक़ीक़त में यह कहा है कि बाग़ के किसी भी पेड़ से फल न खाना?”
- **02:11** इन्सान ने अपनी बीवी का नाम हव्वा रखा, जिसका मतलब होता है दुनिया पैदा करने वाली क्योंकि वह हर इन्सान के क़ौम की माँ कहलाएगी।
- **21:01** ख़ुदावन्द ने यह वा'दा किया कि **हव्वा** कि नस्ल में एक शख्स पैदा होगा जो साँप के सिर को कुचल डालेगा।
- **48:02**इब्लीश ने **हव्वा** को धोखा देने के लिए बाग़ में साँप के ज़रिए से बात की।
- **49:08** जब आदम और **हव्वा** ने गुमाह किया तो इसने उनकी सारी औलादों को मुता'स्सिर किया।
- **50:16** क्यूँकि आदम और **हव्वा** ने ख़ुदावन्द के हुक्म का ना फ़रमानी की और इस दुनिया में गुनाह को लाए, इसलिये ख़ुदा ने इस पर ला'न्त की और इसे बर्बाद करने का फ़ैसला किया।

शब्दकोश:

- Strong's: H2332, G2096

(**वापस जाओ:** 02:11; 02:12; 21:01; 48:01; 48:02; 48:03; 48:04; 49:08; 50:16)

हाजिरा

सच्चाई:

हाजिरा एक मिस्री 'औरत थी जो सारय की अपनी लौंडी थी।

- जब सारय बच्चे पैदा करने के लायक़ न थी, तब उसने हाजिरा इब्राहीम को दी कि उससे औलाद पैदा कर।
- हाजिरा हामिला हुई उससे इब्राहीम का बेटा इश्माईल को पैदा हुआ|
- जब वह रेगिस्तान में दुखी थी तब ख़ुदा ने उसकी ख़बर ली और उसकी नसल को बरकत देने का वा'दा किया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इब्राहीम, नसल, इस्माईल, सारय, ग़ुलाम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:24-25
- पैदाइश 16:1-4
- पैदाइश 21:8-9
- पैदाइश 25:12

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:01** तब अब्राम की बीवी सारय ने उससे कहा, "देख ख़ुदा ने मेरी सुनी मुझे बच्चे की इजाज़त नहीं दी है, और मैं बहुत बूढ़ी हूँ, यहाँ मेरी लौंडी **हाजिरा** है। तू उससे शादी भी करना ताकि उसके ज़रिए' मेरे लिए औलाद पैदा कर सके।
- **05:02 हाजिरा** को एक बेटा हुआ, अब्राम ने उसका नाम इश्माएल रखा।

शब्दकोश:

- Strong's: H1904

(**वापस जाओ:** 05:02)

हारून

सच्चाई:

हारुन मूसा का बड़ा भाई था ख़ुदावन्द ने हारून को इस्राईल का पहला सरदार काहिन होने के लिए चुना था|

- हारून ने मूसा की मदद की थी जब वह फ़िर'औन से इस्राईलियों के वहाँ से जाने की इजाज़त माँग रहा था|
- जंगल में सफ़र करते वक़्त हारून से गुनाह हो गया था और उसने इस्राईलियों की 'इबादत के लिए एक मूर्ति बनाई थी
- ख़ुदावन्द ने हारून और उसकी औलादों को काहिन इस्राईल के काहिन के लिए मुक़र्रर कर दिया था

(तर्जुमा की सलाह - नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: काहिन, मूसा, इस्राईल)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1तवारीख़, 23;12-14
- रसूलों के आमाल 7;38-40
- ख़ुरूज 28;1-3
- लूक़ा 1;5-7
- गिनती 16;44-46

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **_9;15**ख़ुदावन्द ने मूसा और हारून को ख़बरदार किया था कि फ़िर'औन सख्त आदमी है
- **10:05**फ़िर'औन ने मूसा और **हारून** को बुलवाकर कहा कि अगर वह इस क़त्ल-ओ-ग़ारत को ख़त्म कर दे, तो फ़िर'औन मिस्र से इस्राएलियों को आज़ाद कर दें
- **13:09**ख़ुदावन्द ने मूसा के भाई हारून और हारून की नसल को काहिन 'उहदे के लिए चुना
- **13:11**लोग हारून के पास सोना ले आए और बोले कि हमारे लिए मा'बूद बना
- **14:07** ह लोग मूसा और हारून से ग़ुस्सा होकर कहने लगे , कि तुम हमें इतनी खौफ़नाक जगह क्यों लेकर आए ?

शब्दकोश:

- Strong's: H175, G2

(**वापस जाओ:** 10:01; 10:05; 10:08; 11:08; 13:09; 13:11; 13:12; 14:07)

हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला

ता'अर्रुफ़:

"हासिल करना" का 'आम मतलब कोई दी हुई या पेश की गई या हाज़िर की हुई या हासिल किए हुए को क़ुबूल करना।

"हासिल करना" का मतलब दुख सहना या किसी बात का तजरुबा करना भी हो सकता है जैसे "उसे अपने 'आमाल की सज़ा मिली" एक ख़ास मतलब भी है जिसमें हम किसी आदमी को हासिल करते है। मिसाल के तौर पर मेहमानों या ज़ायरीन का इस्तक़बाल करना या'नी उन्हें हासिल करके उनकी इज़्ज़त करना, जिससे उनके साथ रिश्ता बनाया जाए। "पाक-रूह का हदिया हासिल करना" का मतलब है हमें पाक रूह दिया गया है और हम अपने ज़िन्दगी में और अपने ज़िन्दगी के के ज़रिए' उसे काम करने के लिए उसका इस्तक़बाल करते हैं। "'ईसा को हासिल करना" का मतलब है मसीह 'ईसा के के ज़रिए' ख़ुदा के नजात का हदिया क़ुबूल करना। जब अन्धा इन्सान "नज़र का हदिया हासिल करता है" तो इसका मतलब है ख़ुदा ने उसे ठीक कर दिया है और उसे देखने की सलाहियत 'अता की है।

तर्जुमे की सलाह:

मज़मून पर मुनहस्सिर "हासिल करना" का तर्जुमा, "क़ुबूल करना" या "इस्तक़बाल करना" या "तजरुबा करना" या "पाना" हो सकता है। "तुम क़ुव्वत पाओगे" इस इज़हार का तर्जुमा, "तुम्हें ताक़त दी जाएगी" या "ख़ुदा तुम्हें क़ुव्वत 'अता करेगा" या "तुम्हें क़ुव्वत दी जाएगी (ख़ुदा के जारी')" के तौर पर हो सकता है। "उसने नज़र हासिल की" जुमले का तर्जुमा, क्योंकि "देखने के लायक़ था" या "फिर से देखने में लायक़ हो गया" या "ख़ुदा के ज़रिए' ठीक किया गया ताकि वह देख सके" के तौर पर किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पाक रूह, 'ईसा, ख़ुदावंद, नजात)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 युहन्ना 05:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:1-2
- रसूलों के 'आमाल 08:14-17
- यरमियाह 32:33-35
- लूक़ा 09:5-6
- मत्ती 03:10-12
- ज़ुबूर 049:14-15

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:13** नबियों ने यह भी कहा कि मसीह कामिल होगा जिसने कोई गुनाह न किया होगा | वह दीगर लोगों के गुनाहों की सज़ा **लेने** की वजह से मारा जाएगा | उसकी सज़ा होने से ख़ुदा और लोगों के बीच में सुकून क़ायम होगी |
- **45:05**जब स्तिफ़नुस मरने पर था, वह दु'आ करने लगा कि, "ऐ ख़ुदावंद 'ईसा मेरी रूह को **हासिल** कर |"
- **49:06** 'ईसा ने कहा कि कुछ लोग उसे हासिल करेंगे और नजात पाएँगे, लेकिन बहुत से लोग ऐसा नहीं करेंगे |
- **49:10** जब 'ईसा सलीब पर मरे, उन्होंने तुम्हारी सज़ा अपने ऊपर **ले ली** |
- **49:13** जो कोई भी 'ईसा पर ईमान करता और उसे ख़ुदावंद की शक्ल में **क़ुबूल** करता है ख़ुदा उसे बचाएगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H1878, H2505, H3557, H3947, H6901, H6902, H8254, G308, G324, G353, G354, G568, G588, G618, G1183, G1209, G1523, G1653, G1926, G2210, G2865, G2983, G3028, G3335, G3336, G3549, G3858, G3880, G3970, G4327, G4355, G4356, G4687, G4732, G5264, G5274, G5562

(**वापस जाओ:** 21:13; 42:08; 45:05; 49:06; 49:10; 49:13)

हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

ता'अर्रुफ़:

"हुक्म मानना" का मतलब है ज़रूरी या हुक्म दी हुई बात को मानना। "हुक्मकारी" लफ़्ज़ हुक्म माननेवाले का किरदार ज़ाहिर करता है। "हुक्म मानने वाला" उस इन्सान के किरदार के बारे में है जो फ़रमाबरदार है, कभी-कभी हुक्म कुछ नहीं करता, जैसे "चोरी न करो"

अक्सर "हुक्म मानना" का इस्ते'माल हुक्म, इख़्तियार वाले आदमी के क़ानून को मानने के लिए किया जाता है|

- मिसाल के तौर पर, लोग मुल्क के रहनुमाओं के ज़रिए' बनाए गए कानूनों का 'अमल करता है या बादशाही का या तंज़ीम का|
- औलाद अपने वालिदैन के हुक्म मानते है, ख़ादिम अपने-अपने मालिक के हुक्म मानते है, इन्सान ख़ुदा के हुक्म मानते हैं और बाशिंदे अपने मुल्क के कवानीन का 'अमल करते हैं।
- जब कोई इख़्तियार में कोई हुक्म लोगों को देता है, तो वे 'अमल करके इसका 'अमल नहीं करते|
- हुक्म मानने के तर्जुमे के तरीक़ों में कुछ लफ़्ज़ या जुमले शामिल हैं "हुक्म जो दिया गया करो" या "हुक्मों पर 'अमल करो" या "वह करो जो ख़ुदा कहता है"
- लफ़्ज़ "फ़रमाबरदार" का तर्जुमा हो सकता है, "जो हुक्म है उसे करना" या "हुक्मों पर 'अमल करो" या "वह करना जो ख़ुदा हुक्म देता है"

(यह भी देखें: बाशिंदा, हुक्म, हुक्म नहीं मानना, बादशाही, शरी'अत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 05:29-32
- रसूलो के 'आमाल 06:7
- पैदाइश 28:6-7
- या'क़ूब 01:22-25
- या'क़ूब 02:10-11
- लूक़ा 06:46-48
- मत्ती 07:26-27
- मत्ती 19:20-22
- मत्ती 28:20

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **03:04** नूह ने ख़ुदा का **हुक्म माना**। नूह और उसके तीन बेटों ने नाव बनाया वैसे ही की जैसे ख़ुदा ने उनसे कहा था।
- **05:06** फिर इब्राहीम ने ख़ुदा का **हुक्म माना**, और अपने बेटे की क़ुर्बानी देने के लिये तैयार हो गया |
- **05:10** क्यूँकि तुमने(इब्राहीम) मेरा **हुक्म माना**, इसलिए दुनिया के सारे ख़ानदान तेरे ख़ानदान के ज़रिए' से बरकत पाएँगे।
- **05:10** लेकिन मिस्रियों ने ख़ुदा पर भरोसा नहीं किया या हुक्म पर **'अमल** नहीं किया।
- **13:07** अगर वह लोग इन कवानीन पर **'अमल** करेंगे, तो ख़ुदा अपने 'अहद के मुताबिक़ उन्हें बरकत देगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H1697, H2388, H3349, H4928, H6213, H7181, H8085, H8086, H8104, G191, G544, G3980, G3982, G4198, G5083, G5084, G5218, G5219, G5255, G5292, G5293, G5442

(**वापस जाओ:** 05:06)

हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

ता'अर्रुफ़:

"हुक्म मानना" का मतलब है ज़रूरी या हुक्म दी हुई बात को मानना। "हुक्मकारी" लफ़्ज़ हुक्म माननेवाले का किरदार ज़ाहिर करता है। "हुक्म मानने वाला" उस इन्सान के किरदार के बारे में है जो फ़रमाबरदार है, कभी-कभी हुक्म कुछ नहीं करता, जैसे "चोरी न करो"

अक्सर "हुक्म मानना" का इस्ते'माल हुक्म, इख़्तियार वाले आदमी के क़ानून को मानने के लिए किया जाता है|

- मिसाल के तौर पर, लोग मुल्क के रहनुमाओं के ज़रिए' बनाए गए कानूनों का 'अमल करता है या बादशाही का या तंज़ीम का|
- औलाद अपने वालिदैन के हुक्म मानते है, ख़ादिम अपने-अपने मालिक के हुक्म मानते है, इन्सान ख़ुदा के हुक्म मानते हैं और बाशिंदे अपने मुल्क के कवानीन का 'अमल करते हैं।
- जब कोई इख़्तियार में कोई हुक्म लोगों को देता है, तो वे 'अमल करके इसका 'अमल नहीं करते|
- हुक्म मानने के तर्जुमे के तरीक़ों में कुछ लफ़्ज़ या जुमले शामिल हैं "हुक्म जो दिया गया करो" या "हुक्मों पर 'अमल करो" या "वह करो जो ख़ुदा कहता है"
- लफ़्ज़ "फ़रमाबरदार" का तर्जुमा हो सकता है, "जो हुक्म है उसे करना" या "हुक्मों पर 'अमल करो" या "वह करना जो ख़ुदा हुक्म देता है"

(यह भी देखें: बाशिंदा, हुक्म, हुक्म नहीं मानना, बादशाही, शरी'अत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 05:29-32
- रसूलो के 'आमाल 06:7
- पैदाइश 28:6-7
- या'क़ूब 01:22-25
- या'क़ूब 02:10-11
- लूक़ा 06:46-48
- मत्ती 07:26-27
- मत्ती 19:20-22
- मत्ती 28:20

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **03:04** नूह ने ख़ुदा का **हुक्म माना**। नूह और उसके तीन बेटों ने नाव बनाया वैसे ही की जैसे ख़ुदा ने उनसे कहा था।
- **05:06** फिर इब्राहीम ने ख़ुदा का **हुक्म माना**, और अपने बेटे की क़ुर्बानी देने के लिये तैयार हो गया |
- **05:10** क्यूँकि तुमने(इब्राहीम) मेरा **हुक्म माना**, इसलिए दुनिया के सारे ख़ानदान तेरे ख़ानदान के ज़रिए' से बरकत पाएँगे।
- **05:10** लेकिन मिस्रियों ने ख़ुदा पर भरोसा नहीं किया या हुक्म पर **'अमल** नहीं किया।
- **13:07** अगर वह लोग इन कवानीन पर **'अमल** करेंगे, तो ख़ुदा अपने 'अहद के मुताबिक़ उन्हें बरकत देगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H1697, H2388, H3349, H4928, H6213, H7181, H8085, H8086, H8104, G191, G544, G3980, G3982, G4198, G5083, G5084, G5218, G5219, G5255, G5292, G5293, G5442

(**वापस जाओ:** 03:04; 04:05; 05:10; 11:01; 13:02; 13:07; 13:10; 14:02; 14:03; 14:15; 15:03; 15:13; 16:01; 17:01; 17:02; 17:13; 19:16; 19:17; 20:01; 20:05; 28:01; 28:03; 38:15; 42:10; 49:17; 50:15)

हैकल

सच्चाई:

हैकल पर कोटे से घिरा हुआ एक मकान था जहां इस्राईली दुआ करने और क़ुर्बानी पेश करने आते थे। यह हैकल मोरिय्याह पहाड़ पर यरूशलीम शहर में था।

- हैकल लफ़्ज़ पूरे हैकल 'इलाक़े के बारे में काम में लिया जाता था जिसमें ख़ास मकान का घिरा हुआ मैदान भी था। कभी-कभी यह केवल मकान के बारे में काम में लिया गया है।
- हैकल के दो हिस्से थे, पाक जगह और मुक़द्दस जगह
- ख़ुदा हैकल को अपना घर कहता था।
- बादशाह सुलैमान ने अपने शाही वक़्त के दौरान हैकल को ता'मीर किया। यह यरूशलीम में इबादत की मुक़र्रर जगह माना जाता था।
- नये 'अहद नामे में कहा गया है, "रूह-उल-कुद्दूस काहैकल " तो वह इमानदारों के झुण्ड का हवाला देता है क्योंकि पाक रूह उनमें रहता है।

तर्जुमे की सलाह :

- हैकल में इन्सानों की मौजूदगी की जब चर्चा की गई है तो इसका मतलब है कि वे मकान के बाहर मैदान में थे। इसका तर्जुमा किया जा सकता है, "हैकल के आंगनों में" या "हैकल के मैदान में"।
- जब मकान की चर्चा की जा रही हो तो कुछ ज़बानों में इसका तर्जुमा होगा, "हैकल में" या "हैकल के मकान में" कि साफ़ समझ में आए।
- "हैकल " तर्जुमे की शक्ल में "ख़ुदा का पाक घर" या "पाक इबादतकी जगह " किया जा सकता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में हैकल का बयान "यहोवा काघर " या "ख़ुदा का घर" से है।

(यह भी देखें: क़ुर्बानी, सुलैमान, बाबेल, पाक रूह , सुलह का ख़ेमा, आंगन, सिय्योन, घराना)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 03:1-3
- रसूलों के 'आमाल 03:7-8
- हिज़क़ीएल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहमियाह 10:28-29
- ज़ुबूर 079:1-3

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक _ हैकल _ की ता'मीर करे जिसमें सभी इस्राईली ख़ुदा की इबादत करें और क़ुर्बानी पेश करें |
- **18:02**यरुशेलीम में, सुलैमान ने अपने बाप के मनसूबे के मुताबिक़ एक _घर _ बनाने का फ़ैसला किया और उसके लिए समान इकठ्ठा किया | अब लोग सुलह के ख़ेमे की जगह पर उस घर में ख़ुदा की इबादत करते और क़ुर्बानी पेश करते थे ख़ुदा _घर _ में मौजूद था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलीम को जीत लिया, हैकल को बर्बाद कर दिया, और शहर व _ हैकल _ की सभी क़ीमती चीज़ों को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलीम लौटे, उन्होंने _ हैकल _ और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों की भी फिर से ता'मीर किया |
- **25:04** तब शैतान 'ईसा को _ हैकल _ के ऊँची जगह पर ले गया और उससे कहा, "अगर तू ख़ुदा का बेटा है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने फ़रिश्तों को हुक्म आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही 'ईसा की मौत हुई, वहा भूकंप आया और _ हैकल _ का बड़ा परदा जो इन्सानों को ख़ुदा की मौजूदगी से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्दकोश:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

(**वापस जाओ:** 17:06; 17:07; 18:02; 18:09; 20:07; 20:12; 20:13; 25:04; 27:07; 34:06; 40:07; 44:01; 44:03; 44:06)

क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

ता'अर्रुफ़:

- "क़ब्र" वह जगह है जहां मुर्दे की लाश को रखा जाता है। * इसी बयान में "कब्रिस्तान" भी है।
- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में लाशों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।
- नये 'अहद नामे के वक़्त ऐसी क़ब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम तरीका था।
- अगर क़ब्र का मतलब लाश को दफन करने के लिए ज़मीन के नीचे गड्ढा हो तो इसका तर्जुमा करने के और तरीके "गुफा" या "पहाड़ में छेद करना" हो सकता है।
- 'अलामती शक्ल में और अक्सर "क़ब्र" लफ़्ज़ मुर्दे के जैसी हालत को या मुर्दे की रूहों की जगह के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: दफ़न करना, मौत

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 02:29-31
- पैदाइश 23:5-6
- पैदाइश 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2
- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **32:04** वह **क़ब्रों** में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था
- **37:06** 'ईसा ने उनसे पूछा "तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?, " उन्होंने उससे कहा, "**क़ब्र** में आओ और देख लो |
- **37:07** वो **क़ब्र** एक गुफा थी जिसके दरवाज़े पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
- **40:09** तब यूसुफ़ और नीकुदेमुस, दो यहूदी काहिन जिन्हें यक़ीन था कि 'ईसा ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर 'ईसा की लाश माँगा | उन्होंने उसकी लाश को सफ़ेद चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई **क़ब्र** में रख दिया | तब उन्होंने दरवाज़े पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने क़ब्र के पत्थर को जो **क़ब्र** के दरवाजे पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, **क़ब्र** की रखवाली करने वाले पहरेदार काँप उठे और मुर्दे की तरह हो गए |
- **41:05** जब औरतें **क़ब्र** पर पहुँची, फ़रिश्ते ने 'औरतों से कहा, "मत डरो 'ईसा यहाँ नहीं है, लेकिन अपने कलाम के मुताबिक़ जी उठा है आओ, यह जगह देखो तब 'औरतों ने **क़ब्र** में और जहाँ ईसा का जिस्म रखा गया था देखा | उसका जिस्म वहाँ नहीं था |

शब्दकोश:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

(**वापस जाओ:** 32:04; 37:06; 37:07; 40:09; 41:01; 41:02; 41:03; 41:04; 41:05)

क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें

ता’अर्रुफ़:

कलाम में "क़ुर्बानी" और "हदिया " के बारे में ख़ुदावन्द की 'इबादत में ख़ास हदिया पेश करने से है। लोगों ने भी झूठे मा'बूदों के लिए क़ुर्बानी पेश कीं ।

- "हदिया" लफ़्ज़ का मतलब है 'आम चीज़ें है कि जो कुछ भी पेश किया गया था दिया गया। "हदिया" के बारे में उस हर एक बात से था जो पेश करने वाले के लिए बहुत क़ीमती होती थी।
- ख़ुदावन्द के लिए हदिया ख़ास चीजें थीं, जिन्हें उसने इस्राईलियों को रास्तबाज़ी और फ़रमाबरदारी बयान करने के लिए हुक्म दिया था।
- कई तरह की क़ुर्बानियों के नाम थे "आतिशी क़ुर्बानी" और "सुलह की क़ुर्बानी" वग़ैरह से ज़ाहिर था कि कैसी क़ुर्बानी पेश रा करें ।
- ख़ुदावन्द के लिए क़ुर्बानी पेश करने में हमेशा जानवरों को ज़बह किया जाता था।
- सिर्फ़ ईसा- ख़ुदावन्द का सच्चा बेगुनाह बेटे, की क़ुर्बानी लोगों के गुनाहों से मुकम्मल तौर से पाक कर सकती है, जानवरों की क़ुर्बानी कभी ऐसा नहीं कर सकती थी ।
- ‘अलामती इज़हार "अपने आप को एक ज़िन्दा क़ुर्बानी के शक्ल में पेश करें" का मतलब है, " ख़ुदावन्द की मुकम्मल तौर से फ़र्माबरदारी में अपनी ज़िन्दगी गुज़ारना , उसकी ख़िदमत करने के लिए सब कुछ छोड़ देना।"

तर्जुमा की सलाह:

- "पपेश करो " का तर्जुमा " ख़ुदावन्द के लिए हदिया" या " ख़ुदावन्द को दी हुई कोई चीज़ " या "कोई क़ीमती चीज़ जो ख़ुदावन्द को दी गई है" हो सकता है।
- बयान के मुताबिक़, लफ़्ज़ "क़ुर्बानी" का तर्जुमा " ‘इबादत में कुछ क़ीमती चीज़" या "एक ख़ास जानवर को ज़बह किया और ख़ुदावन्द को दिया गया" की शक्ल में भी किया जा सकता है।
- "क़ुर्बानी के लिए" काम का तर्जुमा "क़ीमती चीज़" या "किसी जानवर को ज़बह करने और इसे ख़ुदावन्द को दे" देने के लिए किया जा सकता है।
- "ज़िन्दा क़ुर्बानी के शक्ल में अपने आप को पेश करने" का तर्जुमा करने का एक और तरीक़ा हो सकता है "जैसे कि आप अपनी ज़िन्दगी जीते हैं, अपने आप को ख़ुदावन्द के लिए पूरी तरह से क़ुर्बानगाह पर पेश करें , जानवर के जैसे अपने आप को ख़ुदावन्द को दे देना।"

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह, आतिशी क़ुर्बानी, पीने की क़ुर्बानी, झूठे मा’बूद , सुलह की क़ुर्बानी, ख़ुशी की क़ुर्बानी, सलामती की क़ुर्बानी, काहिन , गुनाह की क़ुर्बानी, ‘इबादत ।

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- रसूलों के 'आमाल 07:41-42
- रसूलों के 'आमाल 21:25-26
- पैदाइश 04:3-5
- या'क़ूब 02:21-24
- मरक़ुस 01:43-44
- मरक़ुस 14:12-14
- मत्ती. 05:23-24

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **03:14**तब नूह जहाज में से निकल आने के बा'द, उसने एक क़ुर्बानगाह बनाई, जिसे **क़ुर्बानी** के लिये इस्ते'माल किया जा सके और सभी तरह के जानदारों की **क़ुर्बानी** दी| ख़ुदावन्द उस **क़ुर्बानी** से ख़ुश हुआ और नूह और उसके ख़ानदान को बरकत दी|
- **05:06**"अपने सिर्फ़ एक बेटे, इस्हाक़ को ले, और **क़ुर्बानी** के तौर में ज़बह करो ।" फिर इब्राहीम ने ख़ुदावन्द के हुक्म को माना , और अपने बेटे की **क़ुर्बानी** देने के लिये तैयार हो गया|
- **05:09** ख़ुदा ने इस्हाक़ के बदले **क़ुर्बानी** के लिए मेढ़ा अता' किया था|
- **13:09**जो कोई भी ख़ुदावन्द के क़ानून को नज़रअंदाज़ करता है, वह ख़ेमे-ए-इज्तिमा' के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदावन्द के लिये जानवर की **क़ुर्बानी** पेश करेगा । एक काहिन जानवर को ज़बह करके क़ुर्बानगाह पर जला देगा। उस जानवर का खून जो **क़ुर्बान** किया गया था, उस आदमी के गुनाह को छिपा दिया और उस आदमी को ख़ुदावन्द की नज़र में साफ़ कर दिया।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक हैकल को ता'मीर करें जिसमें सभी इस्राईली ख़ुदावन्द की 'इबादत करें और **क़ुर्बानी** पेश करें ।

- **48:06** ईसा सबसे 'अज़ीम सरदार काहिन है| दूसरे काहिनों से अलग, उसने अपने आप को उस एकलौती **क़ुर्बानी** की शक्ल में सुपुर्द कर दिया जो जहान के सभी इन्सानों के गुनाहों को हटा सकती है|
- **48:08** लेकिन ख़ुदावन्द ने ईसा को भेजा, ख़ुदावन्द का मेम्ना, कि वह हमारी जगह पर अपने आप को **क़ुर्बान** करे|
- **49:11** क्यूँकि ईसा ने ख़ुद की **क़ुर्बानी** दी, इसलिए ख़ुदावन्द किसी भी गुनाह को मु'आफ़ कर सकता है, यहाँ तक कि ख़तरनाक गुनाह को भी|

शब्दकोश:

- Strong's: H801, H817, H819, H1685, H1890, H1974, H2076, H2077, H2281, H2282, H2398, H2401, H2402, H2403, H2409, H3632, H4394, H4469, H4503, H4504, H5066, H5068, H5069, H5071, H5257, H5258, H5261, H5262, H5927, H5928, H5930, H6453, H6944, H6999, H7133, H7311, H8002, H8426, H8548, H8573, H8641, G266, G334, G1049, G1435, G1494, G2378, G2380, G3646, G4376, G5485

(**वापस जाओ:** 03:06; 03:14; 05:07; 05:08; 05:09; 13:09; 13:12; 16:06; 17:06; 18:02; 18:12; 18:13; 19:07; 19:09; 21:07; 38:04; 48:06; 48:08; 49:11)

क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें

ता’अर्रुफ़:

कलाम में "क़ुर्बानी" और "हदिया " के बारे में ख़ुदावन्द की 'इबादत में ख़ास हदिया पेश करने से है। लोगों ने भी झूठे मा'बूदों के लिए क़ुर्बानी पेश कीं ।

- "हदिया" लफ़्ज़ का मतलब है 'आम चीज़ें है कि जो कुछ भी पेश किया गया था दिया गया। "हदिया" के बारे में उस हर एक बात से था जो पेश करने वाले के लिए बहुत क़ीमती होती थी।
- ख़ुदावन्द के लिए हदिया ख़ास चीजें थीं, जिन्हें उसने इस्राईलियों को रास्तबाज़ी और फ़रमाबरदारी बयान करने के लिए हुक्म दिया था।
- कई तरह की क़ुर्बानियों के नाम थे "आतिशी क़ुर्बानी" और "सुलह की क़ुर्बानी" वग़ैरह से ज़ाहिर था कि कैसी क़ुर्बानी पेश रा करें ।
- ख़ुदावन्द के लिए क़ुर्बानी पेश करने में हमेशा जानवरों को ज़बह किया जाता था।
- सिर्फ़ ईसा- ख़ुदावन्द का सच्चा बेगुनाह बेटे, की क़ुर्बानी लोगों के गुनाहों से मुकम्मल तौर से पाक कर सकती है, जानवरों की क़ुर्बानी कभी ऐसा नहीं कर सकती थी ।
- ‘अलामती इज़हार "अपने आप को एक ज़िन्दा क़ुर्बानी के शक्ल में पेश करें" का मतलब है, " ख़ुदावन्द की मुकम्मल तौर से फ़र्माबरदारी में अपनी ज़िन्दगी गुज़ारना , उसकी ख़िदमत करने के लिए सब कुछ छोड़ देना।"

तर्जुमा की सलाह:

- "पपेश करो " का तर्जुमा " ख़ुदावन्द के लिए हदिया" या " ख़ुदावन्द को दी हुई कोई चीज़ " या "कोई क़ीमती चीज़ जो ख़ुदावन्द को दी गई है" हो सकता है।
- बयान के मुताबिक़, लफ़्ज़ "क़ुर्बानी" का तर्जुमा " ‘इबादत में कुछ क़ीमती चीज़" या "एक ख़ास जानवर को ज़बह किया और ख़ुदावन्द को दिया गया" की शक्ल में भी किया जा सकता है।
- "क़ुर्बानी के लिए" काम का तर्जुमा "क़ीमती चीज़" या "किसी जानवर को ज़बह करने और इसे ख़ुदावन्द को दे" देने के लिए किया जा सकता है।
- "ज़िन्दा क़ुर्बानी के शक्ल में अपने आप को पेश करने" का तर्जुमा करने का एक और तरीक़ा हो सकता है "जैसे कि आप अपनी ज़िन्दगी जीते हैं, अपने आप को ख़ुदावन्द के लिए पूरी तरह से क़ुर्बानगाह पर पेश करें , जानवर के जैसे अपने आप को ख़ुदावन्द को दे देना।"

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह, आतिशी क़ुर्बानी, पीने की क़ुर्बानी, झूठे मा’बूद , सुलह की क़ुर्बानी, ख़ुशी की क़ुर्बानी, सलामती की क़ुर्बानी, काहिन , गुनाह की क़ुर्बानी, ‘इबादत ।

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- रसूलों के 'आमाल 07:41-42
- रसूलों के 'आमाल 21:25-26
- पैदाइश 04:3-5
- या'क़ूब 02:21-24
- मरक़ुस 01:43-44
- मरक़ुस 14:12-14
- मत्ती. 05:23-24

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **03:14**तब नूह जहाज में से निकल आने के बा'द, उसने एक क़ुर्बानगाह बनाई, जिसे **क़ुर्बानी** के लिये इस्ते'माल किया जा सके और सभी तरह के जानदारों की **क़ुर्बानी** दी| ख़ुदावन्द उस **क़ुर्बानी** से ख़ुश हुआ और नूह और उसके ख़ानदान को बरकत दी|
- **05:06**"अपने सिर्फ़ एक बेटे, इस्हाक़ को ले, और **क़ुर्बानी** के तौर में ज़बह करो ।" फिर इब्राहीम ने ख़ुदावन्द के हुक्म को माना , और अपने बेटे की **क़ुर्बानी** देने के लिये तैयार हो गया|
- **05:09** ख़ुदा ने इस्हाक़ के बदले **क़ुर्बानी** के लिए मेढ़ा अता' किया था|
- **13:09**जो कोई भी ख़ुदावन्द के क़ानून को नज़रअंदाज़ करता है, वह ख़ेमे-ए-इज्तिमा' के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदावन्द के लिये जानवर की **क़ुर्बानी** पेश करेगा । एक काहिन जानवर को ज़बह करके क़ुर्बानगाह पर जला देगा। उस जानवर का खून जो **क़ुर्बान** किया गया था, उस आदमी के गुनाह को छिपा दिया और उस आदमी को ख़ुदावन्द की नज़र में साफ़ कर दिया।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक हैकल को ता'मीर करें जिसमें सभी इस्राईली ख़ुदावन्द की 'इबादत करें और **क़ुर्बानी** पेश करें ।

- **48:06** ईसा सबसे 'अज़ीम सरदार काहिन है| दूसरे काहिनों से अलग, उसने अपने आप को उस एकलौती **क़ुर्बानी** की शक्ल में सुपुर्द कर दिया जो जहान के सभी इन्सानों के गुनाहों को हटा सकती है|
- **48:08** लेकिन ख़ुदावन्द ने ईसा को भेजा, ख़ुदावन्द का मेम्ना, कि वह हमारी जगह पर अपने आप को **क़ुर्बान** करे|
- **49:11** क्यूँकि ईसा ने ख़ुद की **क़ुर्बानी** दी, इसलिए ख़ुदावन्द किसी भी गुनाह को मु'आफ़ कर सकता है, यहाँ तक कि ख़तरनाक गुनाह को भी|

शब्दकोश:

- Strong's: H801, H817, H819, H1685, H1890, H1974, H2076, H2077, H2281, H2282, H2398, H2401, H2402, H2403, H2409, H3632, H4394, H4469, H4503, H4504, H5066, H5068, H5069, H5071, H5257, H5258, H5261, H5262, H5927, H5928, H5930, H6453, H6944, H6999, H7133, H7311, H8002, H8426, H8548, H8573, H8641, G266, G334, G1049, G1435, G1494, G2378, G2380, G3646, G4376, G5485

(**वापस जाओ:** 05:06)

क़ुव्वत , ताक़तें

ता'अर्रुफ़:

"क़ुव्वत" लफ़्ज़ का मतलब है कुछ करने की हिम्मत या बहुत ज़्यादा ज़ोर लगाकर कुछ होना मुमकिन करना। "ताक़तों " का बयान इन्सानों या रूहों से है जिनमें कुछ करने की अज़ीम क़ुदरत होती है।

- "ख़ुदा की क़ुव्वत" या'नी सब कुछ मुमकिन बनाने की ख़ुदा कीक़ुदरत , ख़ास करके वे काम जो इन्सान के लिए नामुमकिन है।
- ख़ुदा को अपनी पूरी दुनिया का पूरा इख़्तियार है।
- ख़ुदा जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को क़ुव्वत 'अता करता है जिससे कि जब वे इंसानों को बीमारी से शिफ़ा 'अता करें या और मोजिज़े करें तो वह ख़ुदा की क़ुदरत से माने जाएं।
- 'ईसा और रूह-उल-क़ुद्दूस भी ख़ुदा हैं इसलिए उनकी क़ुव्वत भी एक जैसी है।

तर्जुमे की सलाह :

- मज़मून के मुताबिक़ "कुव्वत " का तर्जुमा "ताक़त " या "क़ुदरत " या "हिम्मत " या "मोजिज़ों कीताक़त " या "ज़ोर " हो सकता है।
- "ताक़तों " का तर्जुमा हो सकता है, "ताक़तवर जानदार " या "क़ाबू में करने वाली रूहें " या "इन्सानों को क़ब्ज़े करने वाले"
- "हमें दुश्मन के हाथों से बचा" का तर्जुमा होगा, "हमें अपने दुश्मनों के ज़ुल्म से बचा" या "हमें अपने दुशमनों के ज़ोर से छुड़ा ले"। * यहां "ताक़त " का मतलब है इन्सानों को क़ब्ज़े में करने और उन पर ज़ुल्म करने की जिस्मानी क़ुव्वत "।

(यह भी देखें: रूह-उल-क़ुद्दूस, 'ईसा , मोजिज़े)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- पैदाइश 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- क़ुजात 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- ज़ुबूर 080:1-3

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **22:05** फ़रिश्ते ने उसको जवाब दिया, "रूह-उल-क़ुद्दूस तुझ पर उतरेगा, और ख़ुदा की _ क़ुव्वत _ तुझ पर साया करेगी | इसलिये वह पाक जो पैदा होनेवाला है, ख़ुदा का बेटा कहलाएगा |"
- **26: 1**शैतान की आज़माइश पर फतह पाने के बा'द, 'ईसा जहाँ वह रहते थे गलील के 'इलाक़े के लिए पाक रूह की_ क़ुव्वत _ में लौट आए।
- **32:15** 'ईसा ने फ़ौरन जान लिया कि मुझ में से _ क़ुव्वत _ निकली है |
- **42:11** 'ईसा के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बा'द, उसने अपने शागिर्दों से कहा कि तुम यरूशलीम में ही रहना जब तक कि मेरा बाप से तुम्हे पाक रूह का _ क़ुव्वत _तुम्हे न दे |"
- **43:06**"हे इस्राईलियो ये बातें सुनो: 'ईसा नासरी एक इन्सान था, जिसने ख़ुदा की **क़ुव्वत** से कई हैरानी के कामों और निशानों को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदा ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिये' कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें जवाब दिया, "'ईसा मसीह की **क़ुव्वत** से यह आदमी तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्दकोश:

- Strong's: H410, H1369, H2220, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1756, G1849, G1850, G2478, G2479, G2904, G3168

(**वापस जाओ:** 22:05; 26:01; 32:15; 42:11; 43:06; 44:04; 44:07; 44:08)

क़ौम, लोगों, लोग, एक 'अवाम

ता'अर्रुफ़:

"लोगों" या "क़ौम" या'नी एक ही ज़बान और तहज़ीब के लोग। * "लोग" लफ़्ज़ अक्सर किसी जगह में या किसी ख़ास वारदात पर आदमियों का इकठ्ठा होना।

- जब ख़ुदा अपने लिए "एक कौम " को चुन लेता है तो उसका मतलब है कि उसके लिए और उसकी ख़िदमत के लिए ख़ास इन्सानों को चुन लेना।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में किसी क़ौम के अफ़राद के बाप दादा एक ही थे और किसी ख़ास जगह में या ज़मीन के हिस्से में रहते थे।
- मज़मून पर मुनहसिर करके "तेरे लोग" का मतलब हो सकता है, "तेरी क़ौम" या "तेराघराना " या "तेरेलोग "।
- लफ़्ज़"लोगों" ज़मीन के सब लोगो के बारे में है। कभी-कभी इसका बयान ख़ास करके ग़ैर इस्राईलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की ख़िदमत नहीं करते। कुछ अंग्रजी कलामी मज़हबों में "नेशन्स(क़ौम)" का मक़सद यही है।

तर्जुमे की सलाह:

- "क़ौम" लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "बड़ा क़बीला " या "क़बीला " या "नसली "।
- "मेरे लोग " का तर्जुमा हो सकता है, "मेरे चुने लोग " या "मेरे इस्राईली भाई" या "मेरा घराना " या "मेरी क़ौम के लोग" लेकिन यह मज़मून पर मुनहसिर करेगा।
- "ग़ैर क़ौमों में तितर-बितर" का तर्जुमा हो सकता है, "तुम्हें तमाम क़ौमों में रहने पर मजबूर कर दूंगा" या "तुम्हें अलग-अलग करके दुनिया के तमाम 'इलाकों में भेज दूंगा"।
- "क़ौम - क़ौम" या "ग़ैर क़ौमें" का तर्जुमा हो सकता है, "दुनिया के सब लोग" या "सब कौमें " लेकिन मज़मून पर मुनहसिर करके।
- "एक क़ौम" का तर्जुमा हो सकता है "एक झुण्ड के लोग" या "नसल " या "घराना " यह तय करेगा कि वह किसी जगह या आदमी के नाम के पीछे है।
- "ज़मीन के सब लोगों" का तर्जुमा हो सकता है, "ज़मीन पर रहने वाला हर एकइन्सान " या "दुनिया का हर एकआदमी " या "सब लोग"।
- "एक ऐसी क़ौम" इसका तर्जुमा हो सकता है, "एकलोगों का झुण्ड " या "एक ख़ास क़ौम" या "आदमियों का एक झुण्ड " या "लोगों का घराना "

(यह भी देखें : बाप दादों, क़ौम, क़बीला, जहान

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- इस्तिसना 28:9-10
- पैदाइश 49:16-18
- रूत 01:16-18

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **14:02** ख़ुदा ने जो वा'दा इब्राहीम , इसहाक़ और याक़ूब से कियाथा , कि वह वा'दे की ज़मीन उनके बाप दादों को देंगा, लेकिन अब वहाँ बहुत से **क़बीले** रहते हैं |
- **21:02** ख़ुदा ने इब्राहीम से वा'दा किया कि दुनिया के सारे **क़बीले _ तेरे ज़रिए' बरकत पाएँगे | यह बरकत तब पूरी होगी जब मसीह आइन्दा आयेगा | यह फ़ज़ल आने वाला मसीह है जो एक दिन हर _क़ौम के लोगों** के लिए नजात की राह 'अता करेगा |
- **42:08** "पाक कलाम में यह भी लिखा था कि मेरे शागिर्द 'ऐलान करेंगे कि हर एक को गुनाहों की मु'आफ़ी पाने करने के लिये तोबा करना चाहिए। वे यरूशलीम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब _कौमों _ में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।"
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब _ क़ौमों _ को शागिर्द बनाओ और उन्हें बाप , औरबेटे , और रूह-उल-क़ुद्दूस के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें हुक्म दिए हैं , मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नये 'अहद के ज़रिये' किसी भी _कौम _ का कोई भी आदमी ख़ुदा के चुने हुए लोगों में 'ईसा पर ईमान करने के ज़रिये' शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, "जाओ और सारे _क़ौमों _ को शागिर्द बनाओ!", "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्दकोश:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

(**वापस जाओ:** 14:02; 21:02; 42:08; 42:10; 48:07; 48:11; 50:03)

ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

ता'अर्रुफ़:

“ख़ादिम” का मतलब “ग़ुलाम” भी हो सकता है और उस आदमी के बारे में है जो किसी और आदमी के लिए काम करनेवाले आदमी से है, अपनी मर्ज़ी से या ताक़त के ज़ोर पर । आस-पास के बाब से साबित हो जाता है कि ग़ुलाम के बारे में कहा जा रहा है या ख़ादिम के बारे में । "ख़िदमत " के लिए लफ़्ज़ ग़ैर लोगों की मदद करने के लिए चीजों को करने का भी मतलब होता है इसका मतलब 'इबादत भी हो सकता है * किताब-ए-मुक़द्दस के वक़्त में ग़ुलाम और ख़ादिम में ज़्यादा फ़र्क़ नहीं था जैसा आज समझा जाता है। ख़ादिम और ग़ुलाम दोनों ही अपने मालिक के ख़ानदान के बहुत ही ख़ास फ़र्द होते थे और ज़्यादातर ख़ानदान के फ़र्द ही माने जाते थे। कभी-कभी ख़ादिम अपने मालिक के ता ज़िन्दगी अपनी मर्ज़ी से ख़ादिम बनना चाहते थे।

- ग़ुलाम एक ऐसा ख़ादिम होता था जो अपने मालिक की जायदाद होता था। जो ग़ुलाम को खरीदता था वह उसका “मालिक” कहलाता था। कुछ मालिक अपने ग़ुलामों के साथ बे रहमी सा सुलूक करते थे लेकिन कुछ मालिक अपने ग़ुलामों के साथ बहुत अच्छा सुलूक करते थे जैसे वह ख़ानदान के अहम रुक्न हों।
- पुराने ज़माने में कुछ लोग किसी को बड़े नुक़सान की वजह से अपनी मर्ज़ी से उसके ग़ुलाम बन जाते थे कि लिया हुआ उधार चुका सकें।
- मेहमानों की ख़िदमत करने वाले सख्स के बारे में, इस लफ़्ज़ का मतलब "निगरानी" या "खाने की ख़िदमत" या "खाना ''अता करना" है। जब 'ईसा ने शागिर्दों से लोगों को मछली "ख़िदमत" करने के लिए कहा, तो इसका तर्जुमा "बाँटना " या "हाथ से बाहर" या "देना" की शक्ल में किया जा सकता है।
- कलाम में बयान एक जुमला “तेरा ग़ुलाम” का इस्ते'माल किसी इख्तियारी आदमी जैसे बादशाह के लिए 'इज़्ज़त को ज़ाहिर करने के लिए किया जाता था। इसका मतलब यह नहीं कि कहने वाला हक़ीक़त में उसका ग़ुलाम था।
- मज़मून के तौर पर "ख़िदमत" लफ़्ज़ का तर्जुमा "वज़ीर" या "काम करने" या "निगरा" या "'अमल " की शक्ल में भी किया जा सकता है।

पुराने 'अहद नामे में ख़ुदा के नबियों और उसकी 'इबादत करने वाले लोगों को हमेशा उसका “ग़ुलाम” कहा जाता था। *

- "ख़ुदा की ख़िदमत करना” का तर्जुमा “ख़ुदा की इबादत और फ़रमाबरदारी ” या “ख़ुदा का हुक्म का काम करना” भी हो सकता है।."
- नए 'अहद नामे में मसीह में ईमान करके ख़ुदा के हुक्म माननेवालों को हमेशा उसके ख़ादिम कहा जाता था।
- मेज की ख़िदमत” या'नी मेज पर बैठने वालों को खाना देने वाला । आम तौर पर, "खाना बाँटना "
- लोगों को ख़ुदा के बारे में ता'लीम देने वालों को ख़ुदा और जिन्हें ता'लीम दी जाती है दोनों को ख़ादिम कहा जाता है।
- पौलुस रसूल ने कुरिन्थ शहर के ईमानदारों को लिखा था कि वेहपुराने 'अहद नामे की "ख़िदमत" कैसे करते थे। इसका बारे मूसा की शरी'अत का अमल बयान करता है। * अब वह नए 'अहद की "ख़िदमत" करते हैं। या'नी सलीब पर 'ईसा की क़ुर्बानी की वजह से 'ईसा के ईमानदार पाक रूह के ज़रिए' ख़ुदा को ख़ुश करने पाक ज़िन्दगी गुज़ारने के लायक़ हो गए हैं।
- पौलुस उनके ज़रिए' पुराने 'अहद या नए 'अहद की "ख़िदमत" के बारे में ज़िक्र कर रहा था। इसका तर्जुमा हो सकता है, “ ख़िदमत करना” या “हुक्म मानना” या “'इबादत करना”
- ईमानदार को हमेशा रास्त्बाज़ी के ग़ुलाम ” कहा गया है।यह ख़ुदा के हुक्मों पर 'अमल की बराबरी एक गुलाम के ज़रिए'उसके मालिक के हुक्म फरमाबरदारी के बराबर की गई है।

(यह भी देखें: प्रतिबद्ध, ख़िदमत करना, घराना, मालिक, फ़र्माबरदार, ईमानदार , ख़िदमत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 04:29-31
- रसूलों के 'आमाल 10:7-8
- कुलुस्सियों 01:7-8
- कुलुस्सियों 03:22-25
- पैदाइश 21:10-11
- लूक़ा 12:47-48
- मरकुस 09:33-35
- मत्ती 10:24-25
- मत्ती 13:27-28
- 2 तीमुथियुस 02:3-5
- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- पैदाइश 25:23
- लूक़ा 04:8

- लूक़ा 12:37-38
- लूक़ा 22:26-27
- मरकुस 08:7-10
- मत्ती 04:10-11
- मत्ती 06:24

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **06:01** जब इब्राहीम बहुत 'उम्र दराज़ था और उसका बेटा, इस्हाक़, जवान हो गया था, इब्राहीम ने अपने **ग़ुलामों** में से एक को ख़ानदानियों के पास भेजा की वह उसके बेटे इस्हाक़ के लिए एक बीवी ले आये।
- **08:04** ग़ुलाम_ ताजिरों ने यूसुफ़ को एक _नौकर __ की शक्ल में एक मालदार हुकूमती हाकिम को बेचा।
- **09:13** "मैं(ख़ुदावन्द) तुझे(मूसा) फ़िर'औन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राईली रिआया को मिस्र के **ग़ुलामी** से निकाल आए।"
- **19:10** फिर एलिय्याह ने दु'आ की, “ऐ इब्राहीम , इस्हाक़ और इस्राईल के ख़ुदा यहोवा! आज यह ज़ाहिर कर कि इस्राईल में तू ही ख़ुदावन्द है, और मैं तेरा **ग़ुलाम** हूँ,
- **29:03** "जबकि चुकाने को **ग़ुलाम** के पास कुछ न था, तो उसके मालिक ने कहा, ‘**यह (ग़ुलाम)** और इसकी बीवी और बच्चे और जो कुछ इसका है सब बेचा जाए, और क़र्ज चुका दिया जाए।’"
- **35:06** "मेरे बाप के कितने ही **मजदूरों** को खाने से ज़्यादा रोटी मिलती है, और मैं यहाँ भूखा मर रहा हूँ।"
- **47:04** _ लौंडी_ पीछे आकर चिल्लाने लगी, “यह आदमी ख़ुदावन्द ख़ुदा का ख़ादिम है, जो हमें नजात के रास्ते का वाक़ि'आ सुनाता है।”
- **50:04** ‘ईसा ने यह भी कहा, " **ग़ुलाम** अपने मालिक से बड़ा नहीं होता"

शब्दकोश:

- (Serve) H327, H3547, H4929, H4931, H5647, H5656, H5673, H5975, H6213, H6399, H6402, H6440, H6633, H6635, H7272, H8104, H8120, H8199, H8278, H8334, G1247, G1248, G1398, G1402, G1438, G1983, G2064, G2212, G2323, G2999, G3000, G3009, G4337, G4342, G4754, G5087, G5256

(**वापस जाओ:** 04:05; 05:01; 06:01; 06:02; 06:03; 07:08; 07:09; 08:02; 08:04; 08:12; 09:08; 09:13; 12:01; 12:03; 12:04; 12:13; 12:14; 13:04; 14:07; 19:10; 20:06; 29:02; 29:03; 29:04; 29:05; 29:06; 29:07; 29:08; 35:06; 35:09; 38:01; 38:15; 39:06; 39:10; 47:03; 47:04; 47:05; 47:06; 47:07; 49:17; 50:04; 50:06; 50:07)

ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस

ता'अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में "ख़ुदा का कलाम " उन सभी चीजों को बयान करता है जो ख़ुदा ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए और लिखे हुए पैग़ाम शामिल हैं। 'ईसा को भी "ख़ुदा का कलाम " कहा गया है।

"पाक कलाम " का मतलब है "लिखा "। नये .अहद नामे में "पाक कलाम " का बयान इब्रानी किताब-ए-मुक़द्दस या पुराना 'अहद नामे से है। ये लेख ख़ुदा वन्द का पैग़ाम है जो उसने इन्सानों से लिखने को कहा कि मुस्तक़बिल में पढ़ा जा सके।

- इससे मुन्सलिक़ लफ़्ज़ है, "यहोवा का कलाम " या "ख़ुदावंद का कलाम " आमतौर पर ख़ुदा के ख़ास पैगामों के बारे में है जो किसी नबी या किसी आदमी को दिया गया।
- कभी-कभी केवल यही लिखा है, "कलाम " या "मेरा कलाम " या "तेरा कलाम " (ख़ुदा के कलाम के बारे में)
- नये 'अहद नामे में 'ईसा को "कलाम " या "ख़ुदा का कलाम " कहा गया है। इन 'ओहदों का मतलब है कि 'ईसा खुदा को पूरी तरह ज़ाहिर करता है क्योंकि वह ख़ुद ख़ुदा है।

"कलाम की सच्चाई "का मतलब है की एक और तरीक़ा यह है की ख़ुदा के कलाम का हवाला देते हुए जो उस का 'पैग़ाम "या "तदरीस "है यह सिर्फ़ एक लफ़्ज़ का हवाला नहीं देता है |

- ख़ुदा का सच्चा वा'दा सब के लिए है उस की तखलीक और 'ईसा के ज़रिये' नजात का मन्सूबा बनाया |
- तम्सीली मतलब "लफ़्ज़ों" ये हकीक़त पर ज़ोर देता है कि ख़ुदा ने हम से क्या कहा है ,वह सच्चा ,वफ़ादार और हक़ीक़ी है |

तर्जुमे की सलाह

- मज़मून के मुताबिक़ इस लफ़्ज़ के तर्जुमे के तरिके है, "यहोवा का पैग़ाम था" "ख़ुदा का पैग़ाम " या "ख़ुदा की ता'लीमें "
- कुछ ज़बानों में इसका जमा' ज़्यादा इखलाकी होगा, "ख़ुदा के कलाम " या "यहोवा के कलाम "
- "यहोवा का कलाम पहुंचा" यह कलाम हमेशा खुदा के ज़रिये' नबुव्वतों या इन्सानों को दिए गए पैग़ाम का शुरू'आत ज़ाहिर करती हैं। इसका तर्जुमा इस तरह किया जा सकता है, "यहोवा ने यह पैग़ाम दिया" या "ख़ुदा ने ये कलाम कहे"।
- "किताब-ए-मुक़द्दस" या "पाक कलामों " का तर्जुमा "लेखे" या "ख़ुदा के लिखे पैग़ाम" की शक्ल में किया जा सकता है। इस आयत का तर्जुमा " लफ़्ज़ " से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब " लफ़्ज़ " अकेला होता है और यह ख़ुदा के कलाम को ज़ाहिर करता है, इसका तर्जुमा " पैग़ाम " या " ख़ुदा का लफ़्ज़ " या "ता'लीमों " की शक्ल में किया जा सकता है। मुन्दर्जा ज़ेल सलाह के मुताबिक़ तर्जुमो पर भी ध्यान दें।
- जब किताब-ए-मुक़द्दस 'ईसा को "लफ़्ज़" के तौर पर हवाला देती है, तो इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "पैग़ाम " या "सच " की शक्ल में किया जा सकता है।
- सच्चाई का कलाम "खुदा का सच्चा पैग़ाम है खुदा का लफ़्ज़ का तर्जुमा किया जा सकता है |
- यह बहुत ज़रूरी तर्जुमे के लिए की सच्चाई के मतलब को शामिल करें |

(यह भी देखें: नबी, कलाम, यहोवा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 15:1-3
- 1 सलातीन 13:1-3
- यरमियाह 36:1-3
- लूका 08:11-13
- यूहन्ना 05:39-40
- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- रसूलों के 'आमाल 12:24-25
- रोमियो 01:1-3
- 2 कुरन्थियूस 06:4-7
- इफीसियों 01:13-14
- 2 तीमुथियूस 03:16-17
- याक़ूब 01:17-18

- या'क़ूब 02:8-9

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाले:

- **25:07** ख़ुदा के कलाम __ में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि 'तू ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा की इज़्ज़त कर, और केवल उसी की 'इबादत कर।'"
- **33:06** तब 'ईसा ने उन्हें समझाया कि, "बीज _ख़ुदा का कलाम _ है ।
- **42:03** फिर 'ईसा ने उन्हें समझाया कि _ख़ुदा का कलाम _ मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** 'इसा ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि _ख़ुदा के कलाम _ में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने _पाक कलाम _ समझने के लिये उनकी अक्ल खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने और _किताबों _ का भी इस्तेमाल करके उसे 'ईसा की ख़ुश ख़बरी सुनाया।
- **48:12** लेकिन 'ईसा सबसे अज़ीम नबी है। वह _ ख़ुदा का कलाम _ है।
- **49:18** ख़ुदा कहता है कि हम दुआ' करें, उसका _कलाम _ पढ़ें, और मसीही लोगों के साथ उसकी 'इबादत करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्दकोश:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

(**वापस जाओ:** 25:03; 25:05; 25:07; 26:04; 33:06; 33:07; 33:08; 33:09; 42:03; 42:05; 42:07; 42:08; 45:10; 48:12; 49:06; 49:18)

ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

ता'अर्रुफ़:

"ख़ुदा की बादशाही" और "आसमान की बादशाही" दोनों ही ख़ुदा की बादशाही और इख़्तियार के बारे में है और जो उसकी क़ौम और पूरी मख़लूक़ पर है।

- यहूदी "आसमान" लफ़्ज़ को अक्सर ख़ुदा के बारे में काम में लेते थे कि उसका सीधे तौर से नाम न लें। (देखें: मिजाज़-ए-'इल्म बयान
- नये 'अहदनामे में मत्ती के ज़रिए' लिखी किताब में मत्ती ख़ुदा की बादशाही को "आसमान की बादशाही" कहता है क्योंकि उसका बुनियादी तौर पर यहूदी सुनने वाले को लिख रहा था।
- ख़ुदा की बादशाही का मतलब है ख़ुदा इन्सानों पर रूहानी तौर के साथ साथ जिस्मानी दुनिया पर भी बादशाही करता है|
- पुराने 'अहदनामे के नबियों ने कहा था कि ख़ुदा अपना मसीह भेजेगा कि वह रास्त्बाज़ी के साथ बादशाही करे। ख़ुदा का बेटा, 'ईसा ही वह मसीह है जो ख़ुदा की बादशाही में अबद तक बादशाही करेगा।

तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर "ख़ुदा की बादशाही" का तर्जुमा, "ख़ुदा की हुकूमत(बादशाह की शक्ल में)" या "जब ख़ुदा बादशाह की शक्ल में बादशाही करेगा" या "सब पर ख़ुदा की बादशाही" किया जा सकता है।
- लफ़्ज़"आसमान की बादशाही" का तर्जुमा "बादशाह के तौर पर आसमान से ख़ुदा की हुकूमत" या "ख़ुदा जो आसमान में है बादशाही करता है" या "आसमान की बादशाही" या "सब कुछ पर आसमान की हुकूमत" के तौर पर भी किया जा सकता है। अगर यह आसान और ज़ाहिरी तौर पर तर्जुमा करना मुमकिन नहीं है, तो तर्जुमा "ख़ुदा की बादशाही" किया जा सकता है।
- कुछ मुतरज्जिम अंग्रेज़ी में हेवन(आसमान)लफ़्ज़ का पहला हर्फ़ बड़ा रखते हैं ताकि ये ख़ुदा का हवाला दे। और जुमलों में एक 'अलामत इत्तिलाह शामिल कर सकते हैं, जैसे "आसमान की बादशाही" (मतलब 'ख़ुदा की बादशाही')। "
- छपे हुए किताब-ए-मुक़द्दस के वर्क़ के नीचे इस तफ़सील में "आसमान" के मतलब को समझाने के लिए एक हाशिये का इस्ते'माल कर सकते है।

(यह भी देखें: ख़ुदा, आसमान, बादशाह, बादशाही, यहूदियों का बादशाह, हुकूमत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- रसूलों के 'आमाल 08:12-13
- रसूलों के 'आमाल 28:23-24
- कुलुस्सियों 04:10-11
- यूहन्ना 03:3-4
- लूक़ा07:27-28
- लूक़ा10:8-9
- लूक़ा12:31-32
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 05:9-10
- रोमियो 14:16-17

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **24:02** उसने(यूहन्ना) उनसे कहा, "तौबा करो क्योंकि **आसमान की बादशाही** क़रीब आ गई है !"
- **28:06** तब 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि दौलतमन्द का **आसमान की बादशाही** में दाख़िल करना मुश्किल है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि **ख़ुदा की बादशाही** में दौलतमन्द के दाख़िल करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना आसान है।"
- **29:02** 'ईसा ने कहा " इसलिये **आसमान की बादशाही** उस बादशाह के जैसी है, जिसने अपने ग़ुलामों से हिसाब लेना चाहा।
- **34:01** 'ईसा ने उन्हें **आसमान की बादशाही** के बारे में और कहानियाँ बताई। मिसाल के लिये, उसने कहा, "**आसमान की बादशाही** राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी इन्सान ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:03** 'ईसा ने एक और कहानी उन्हें बताई, "**आसमान की बादशाही** ख़मीर के समान है जिसको किसी 'औरत ने लेकर कुछ आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा ख़मीर हो गया।"

- **34:04** “**आसमान की बादशाही** छिपी हुए दौलत की तरह है, जिसे किसी इन्सान ने खेत में छिपाया। एक दुसरे इन्सान को वह दौलत मिली और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”*

34:05 “**ख़ुदा की बादशाही** बेशक़ीमती मोती की तरह भी है।”

- **42:09** उसने ऐसे कई तरीक़ों से अपने शागिर्दों को साबित किया कि वह ज़िन्दा है और उन्हें **ख़ुदा की बादशाही** की ता’लीम देता रहा।
- **49:05** ‘ईसा ने कहा कि **ख़ुदा की बादशाही** इस दुनिया की सारी चीज़ों से कहीं ज़्यादा क़ीमती है।
- **50:02** जब ‘ईसा ज़मीन पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे शागिर्द दुनिया में हर जगह लोगों को **ख़ुदा की बादशाही** के बारे में ख़ुशख़बरी का ‘ऐलान करेंगे, और फिर आख़िर आ जाएगा।"

शब्दकोश:

- Strong's: G932, G2316, G3772

(**वापस जाओ:** 24:02; 28:06; 29:02; 34:01; 34:03; 34:04; 34:05; 39:10; 40:04; 42:09; 48:14; 49:05; 49:06; 49:15; 50:02; 50:08; 50:10; 50:17)

ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती

ता'अर्रुफ़:

एक झूठा ख़ुदा वह है जिसकी 'इबादत लोग एक सच्चे ख़ुदा को छोड़ कर करते हैं। लफ़्ज़ "देवी" मतलब होता है ख़ास तौर एक 'औरत की शक्ल में झूठी मा'बूदा है।

- झूठे देवी-मा'बूद मौजूद नहीं हैं। यहोवा ही इकलौता ख़ुदा है।
- लोग कभी-कभी झूठे मा'बूदों के तौर पर 'इबादत के लिए बुत बनाते थे|
- किताब-ए-मुक़द्दस में, ख़ुदा के लोग बार-बार उसकी नाफ़रमानी करके इन झूठे मा'बूदों की 'इबादत करने लगे थे।
- बदरूहें अकसर लोगों को धोखा देती हैं कि वे झूठे मा'बूदों और बुतों की 'इबादत करें उनमें क़ुव्वत है।
- बा'ल, दजोन, मोलक, ये तीन बहुत झूठे मा'बूदों में से थे जिनकी 'इबादत किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में की जाती थी।
- अशेरा और आरतिमिस (डायना) दो देवियां थी जिनकी 'इबादत पुराने ज़माने में की जाती थी।

लोग बुत बनाते थे, कि उसकी 'इबादत कर सकें| कुछ चीज़ों का "बुतपरस्त" के तौर पर ज़िक्र किया गया है अगर इसमें एक सच्चे ख़ुदा के अलावा किसी और चीज़ की 'इज़्ज़त करना शामिल है।

- लोग बुतों को उन झूठे मा'बूदों की रहनुमाई करने के लिए बनाते हैं जिन्हें वे 'इबादत करते हैं।
- ये झूठे मा'बूद मौजूद नहीं हैं; यहोवा के अलावा कोई ख़ुदा नहीं है।
- कभी-कभी शैतान एक बुत के ज़रिए' से काम करते हैं ताकि ऐसा लगता है कि इसमें ताक़त है, भले ही यह नहीं है।
- बुत अक्सर सोने, चांदी, काँसा, या महंगी लकड़ी जैसी क़ीमती चीज़ों से बने होते हैं।
- "बुत परस्त लोगों की बादशाही" का मतलब है "उन लोगों की बादशाही जो बुतों की 'इबादत करते हैं" या उन लोगों की बादशाही जो ज़मीन चीज़ों की 'इबादत करते हैं"
- लफ़्ज़ " बुतों बनावट" एक "नक्काशीदार तस्वीर" या "बुत" के लिए एक और लफ़्ज़ है।

तर्जुमे की सलाह:

- मक़सदी ज़बान या आसपास की ज़बान में "ख़ुदा" या "झूठे ख़ुदा" के लिए कोई लफ़्ज़ होगा।
- "बुत" लफ़्ज़ झूठे मा'बूदों के बारे में काम में लिया जा सकता है।
- झूठे ख़ुदा के लिए ख़ुदा लफ़्ज़ और इकलौते सच्चे ख़ुदा के लिए ख़ुदा लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है। और ज़बानों में भी ऐसा हो सकता है
- एक तरीक़ा यह भी है कि झूठे मा'बूदों के लिए एक पूरी तरह से अलग लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है।
- कुछ ज़बानों में झूठे ख़ुदा के आदमी या 'औरत में फ़र्क़ के लिए एक ज़्यादा लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है।

(यह भी देखें: ख़ुदा, अशेरा, बा'ल, मोलक, शैतान, तस्वीर, बादशाही, 'इबादत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 35:1-3
- ख़ुरूज़ 32:1-2
- ज़ुबूर 031:5-7
- ज़ुबूर 081:8-10
- यसा'याह 44:20
- रसूलों के 'आमाल 07:41-42
- रसूलों के 'आमाल 07:43
- रसूलों के 'आमाल 15:19-21
- रसूलों के 'आमाल 19:26-27
- रोमियो 02:21-22
- गलतिया 04:8-9
- गलतिय 05:19-21
- क़ुलुस्सियो 03:5-8
- 1 थिस्लूनिकियों 01:8-10

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **10:02** इन ख़ौफ़नाक मुसीबतों के ज़रिए' ख़ुदा यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िर'औन व मिस्र के _ मा'बूदों_ से बहुत ज़्यादा ताक़तवर है।
- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें क़सम दी और कहा, "मैं तेरा ख़ुदा यहोवा हूँ, जो तुझे मिस्र में से ग़ुलामी से बचाया। " दूसरे **ख़ुदा** की 'इबादत न करना
- **14:02** उन्होंने(कनानियो) झूठे _ मा'बूदों_ की 'इबादत की, और बहुत से बुरे काम किए।
- *_16:01*इस्राईलियों ने यहोवा के बजाय, कना'नियो के _मा'बूद _ की 'इबादत करना शुरू' कर दिया
- **18:13** लेकिन यहूदाह बहुत से बादशाह बुरे, धोखेबाज़ और बुतपरस्त करने वाले थे। कुछ बादशाह झूठे **मा'बूदों** के लिए अपने बच्चों की भी क़ुर्बानी चढ़ाने लगे।

शब्दकोश:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5236, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8267, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2299, G2712

(**वापस जाओ:** 12:03; 13:04; 14:02; 16:01; 16:07; 18:03; 18:13; 19:02; 20:05)

ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती

ता'अर्रुफ़:

एक झूठा ख़ुदा वह है जिसकी 'इबादत लोग एक सच्चे ख़ुदा को छोड़ कर करते हैं। लफ़्ज़ "देवी" मतलब होता है ख़ास तौर एक 'औरत की शक्ल में झूठी मा'बूदा है।

- झूठे देवी-मा'बूद मौजूद नहीं हैं। यहोवा ही इकलौता ख़ुदा है।
- लोग कभी-कभी झूठे मा'बूदों के तौर पर 'इबादत के लिए बुत बनाते थे|
- किताब-ए-मुक़द्दस में, ख़ुदा के लोग बार-बार उसकी नाफ़रमानी करके इन झूठे मा'बूदों की 'इबादत करने लगे थे।
- बदरूहें अकसर लोगों को धोखा देती हैं कि वे झूठे मा'बूदों और बुतों की 'इबादत करें उनमें क़ुव्वत है।
- बा'ल, दजोन, मोलक, ये तीन बहुत झूठे मा'बूदों में से थे जिनकी 'इबादत किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में की जाती थी।
- अशेरा और आरतिमिस (डायना) दो देवियां थी जिनकी 'इबादत पुराने ज़माने में की जाती थी।

लोग बुत बनाते थे, कि उसकी 'इबादत कर सकें| कुछ चीज़ों का "बुतपरस्त" के तौर पर ज़िक्र किया गया है अगर इसमें एक सच्चे ख़ुदा के अलावा किसी और चीज़ की 'इज़्ज़त करना शामिल है।

- लोग बुतों को उन झूठे मा'बूदों की रहनुमाई करने के लिए बनाते हैं जिन्हें वे 'इबादत करते हैं।
- ये झूठे मा'बूद मौजूद नहीं हैं; यहोवा के अलावा कोई ख़ुदा नहीं है।
- कभी-कभी शैतान एक बुत के ज़रिए' से काम करते हैं ताकि ऐसा लगता है कि इसमें ताक़त है, भले ही यह नहीं है।
- बुत अक्सर सोने, चांदी, काँसा, या महंगी लकड़ी जैसी क़ीमती चीज़ों से बने होते हैं।
- "बुत परस्त लोगों की बादशाही" का मतलब है "उन लोगों की बादशाही जो बुतों की 'इबादत करते हैं" या उन लोगों की बादशाही जो ज़मीन चीज़ों की 'इबादत करते हैं"
- लफ़्ज़ " बुतों बनावट" एक "नक्काशीदार तस्वीर" या "बुत" के लिए एक और लफ़्ज़ है।

तर्जुमे की सलाह:

- मक़सदी ज़बान या आसपास की ज़बान में "ख़ुदा" या "झूठे ख़ुदा" के लिए कोई लफ़्ज़ होगा।
- "बुत" लफ़्ज़ झूठे मा'बूदों के बारे में काम में लिया जा सकता है।
- झूठे ख़ुदा के लिए ख़ुदा लफ़्ज़ और इकलौते सच्चे ख़ुदा के लिए ख़ुदा लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है। और ज़बानों में भी ऐसा हो सकता है
- एक तरीक़ा यह भी है कि झूठे मा'बूदों के लिए एक पूरी तरह से अलग लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है।
- कुछ ज़बानों में झूठे ख़ुदा के आदमी या 'औरत में फ़र्क़ के लिए एक ज़्यादा लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है।

(यह भी देखें: ख़ुदा, अशेरा, बा'ल, मोलक, शैतान, तस्वीर, बादशाही, 'इबादत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 35:1-3
- ख़ुरूज़ 32:1-2
- ज़ुबूर 031:5-7
- ज़ुबूर 081:8-10
- यसा'याह 44:20
- रसूलों के 'आमाल 07:41-42
- रसूलों के 'आमाल 07:43
- रसूलों के 'आमाल 15:19-21
- रसूलों के 'आमाल 19:26-27
- रोमियो 02:21-22
- गलतिया 04:8-9
- गलतिय 05:19-21
- क़ुलुस्सियो 03:5-8
- 1 थिस्लूनिकियों 01:8-10

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **10:02** इन ख़ौफ़नाक मुसीबतों के ज़रिए' ख़ुदा यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िर'औन व मिस्र के _ मा'बूदों_ से बहुत ज़्यादा ताक़तवर है।
- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें क़सम दी और कहा, "मैं तेरा ख़ुदा यहोवा हूँ, जो तुझे मिस्र में से ग़ुलामी से बचाया। " दूसरे **ख़ुदा** की 'इबादत न करना
- **14:02** उन्होंने(कनानियो) झूठे _ मा'बूदों_ की 'इबादत की, और बहुत से बुरे काम किए।
- *_16:01*इस्राईलियों ने यहोवा के बजाय, कना'नियो के _मा'बूद _ की 'इबादत करना शुरू' कर दिया
- **18:13** लेकिन यहूदाह बहुत से बादशाह बुरे, धोखेबाज़ और बुतपरस्त करने वाले थे। कुछ बादशाह झूठे **मा'बूदों** के लिए अपने बच्चों की भी क़ुर्बानी चढ़ाने लगे।

शब्दकोश:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5236, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8267, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2299, G2712

(**वापस जाओ:** 13:05; 13:11; 13:12; 13:13; 13:14; 14:03; 16:03; 16:06; 16:16; 18:09; 18:12; 18:13; 19:16; 20:05)

ख़ुदावन्द

सच्चाई:

कलाम में “ख़ुदावन्द” के बारे में हमेशा की ज़िन्दगी से है जिसने जाहान को इब्तिदा से बनाया है। ख़ुदावन्द का ज़हूर बाप ,बेटा और पाक रूह में है। ख़ुदावन्द का नाम यहोवा है।

ख़ुदावन्द हमेशा से है, जब कुछ भी नहीं था तब ख़ुदावन्द था और वह हमेशा तक रहेगा।

- वही सिर्फ़ एक सच्चा ख़ुदावन्द है और उसका इख्तियार पूरे 'आलम पर है।
- ख़ुदावन्द रास्तबाज़ी में सादिक़ , अज़ी म अक्लमंद , पाक, बे गुनाह , इन्साफ़ पसन्द ,हलीम और प्यार करने वाला है।
- वह 'अहद रखनेवाला ख़ुदावन्द है जो अपनी क़समें हमेशा पूरी करता है।
- इन्सान को ख़ुदावन्द की 'इबादत के लिए बनाया गया था और उसे हमेशा उसी की 'इबादत करना चाहिए।
- ख़ुदावन्द ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका मतलब है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- कलाम में झूठे मा'बूदों का भी बयान है जो बे जान बुत हैं , उनकी इबादत इन्सान करता है।

तर्जुमा की सलाह:

- “ख़ुदावन्द” लफ़्ज़ के तर्जुमें हो सकते हैं, “क़ुदरती ताक़त ” या “तख़लीक़ करने वाला ” या “रूहानी शख्सियत ”।
- “ख़ुदावन्द” लफ़्ज़ के दूसरे तर्जुमें हो सकते हैं, “रूहानी ख़ालिक़” या “आख़िर वक़्त तक रहने वाला ख़ुदा ” या “हमेशा रूहानी शख्सियत ”
- तवज्जोह दें कि मक़ामी ज़बान में ख़ुदावन्द के लिए क्या लफ़्ज़ काम में लिया जाता है। हो सकता है कि मक़सदी ज़बान में ख़ुदावन्द के लिए एक लफ़्ज़ है। अगर है तो वाज़ेह करें कि उस लफ़्ज़ में सिर्फ़ एक सच्चे ख़ुदावन्द की ख़ासियत ज़ाहिर हो , जैसा ऊपर बयान किया गया है।
- कई ज़बानों में ख़ुदावन्द लफ़्ज़ का पहला हर्फ़ बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे मा'बूदों से अलग करा जा सके।
- इस फ़र्क़ को ज़ाहिर करने के लिए ख़ुदावन्द और मा'बूद लफ़्ज़ों को दो अलग हरफ़ों के ज़रिए' बयान किया जाए।
- “मैं उनका ख़ुदावन्द हूँगा और वह मेरे लोग होंगे” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “मैं ख़ुदावन्द इन लोगों पर राज करूंगा और वह मेरी 'इबादत करेंगे।”

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बनाने, झूठे मा’बूद, बाप ख़ुदावन्द, पाक रूह , बुत , ख़ुदावन्द का बेटा , यहोवा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- इस्तिसना 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- पैदाइश 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यसा’याह. 36:6-7
- या'क़ूब 02:18-20
- यरमियाह 05:4-6
- यूहन्ना 01:1-3
- यसू'अ 03:9-11
- [विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फ़िलिप्पुस 02:5-8
- अम्साल 24:11-12
- \ज़बूर 047:8-9](rc://ur-deva/tn/help/psa/047/008)

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **01:01 ख़ुदावन्द** ने छह दिनों में जहान और सब कुछ बनाया।
- **01:15 ख़ुदावन्द** ने अपनी शक्ल में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं **ख़ुदावन्द** सब से ज़्यादा ताक़तवर हूँ। मैं तुम्हारे साथ 'अहद बान्धूंगा।
- **09:14 ख़ुदावन्द** ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे बुज़ुर्गों इब्राहीम, इस्हाक़ और या'क़ूब का **ख़ुदावन्द**, यहोवा हूं।" हमेशा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन खौफ़नाक आफ़तों के ज़रिए' **ख़ुदावन्द** यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िर'औन व मिस्र के मा'बूदों से कहीं ज़्यादा ताक़तवर है।
- **16:01** इस्राईलियों ने यहोवा जो सच्चा **ख़ुदावन्द** है उसकी जगह पर, कन'आनियो के मा'बूद की 'इबादत करना शुरू' किया।
- **22:07** और तू ऐ लड़के , _ ख़ुदावन्द_ का नबी कहलाएगा क्योंकि तू ख़ुदा का रास्ता तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " सिर्फ़ एक ही **ख़ुदावन्द** है। लेकिन जब यूहन्ना ने 'ईसा को बपतिस्मा दिया, उसने बाप **ख़ुदावन्द** को कहते सुना, बेटे ख़ुदावन्द को देखा, और पाक रूह को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू ख़ुदा अपने **ख़ुदावन्द** को 'इबादत कर, और सिर्फ़ उसी की ख़िदमत कर।'"
- **28:01** "जो अच्छा है वह सिर्फ़ एक ही है, और वह **ख़ुदावन्द** है।"
- **49:09** लेकिन **ख़ुदावन्द** ने दुनिया के हर इन्सान से इतना ज़्यादा प्यार किया कि उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया ताकि जो कोई उस पर ईमान करे उसे उसके गुनाहों की सज़ा नहीं मिलेगी, लेकिन **ख़ुदावन्द** के साथ हमेशा की ज़िन्दगी पाएगा ।
- **50:16** लेकिन एक दिन **ख़ुदावन्द** एक नया आसमान और एक नई ज़मीन को तैयार करेगा जो सही होगी।

शब्दकोश:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

(**वापस जाओ:** 04:08; 04:09; 05:01; 05:02; 05:03; 05:04; 05:05; 05:07; 05:08; 05:09; 05:10; 06:02; 06:04; 06:05; 06:06; 07:10; 08:04; 08:07; 08:12; 08:15; 09:03; 09:12; 09:13; 09:14; 10:01; 10:03; 10:04; 10:05; 10:06; 10:07; 10:08; 10:11; 10:12; 11:01; 11:02; 11:03; 11:04; 11:05; 11:06; 12:01; 12:02; 12:03; 12:05; 12:06; 12:07; 12:09; 12:10; 12:11; 12:12; 12:13; 12:14; 13:01; 13:02; 13:03; 13:04; 13:05; 13:07; 13:08; 13:09; 13:10; 13:11; 13:12; 13:13; 13:14; 13:15; 14:01; 14:02; 14:03; 14:06; 14:08; 14:09; 14:10; 14:11; 14:12; 14:13; 14:14; 14:15; 15:01; 15:02; 15:03; 15:05; 15:06; 15:07; 15:09; 15:10; 15:12; 15:13; 16:01; 16:02; 16:03; 16:04; 16:05; 16:06; 16:08; 16:09; 16:10; 16:11; 16:14; 16:16; 16:17; 16:18; 17:01; 17:02; 17:03; 17:05; 17:06; 17:07; 17:08; 17:09; 17:13; 17:14; 18:01; 18:02; 18:03; 18:04; 18:09; 18:13; 19:01; 19:03; 19:04; 19:05; 19:06; 19:07; 19:09; 19:10; 19:11; 19:13; 19:14; 19:15; 19:16; 19:17; 19:18; 20:01; 20:02; 20:05; 20:06; 20:09; 20:10; 21:01; 21:02; 21:03; 21:04; 21:05; 21:06; 21:07; 21:09; 21:13; 21:14; 21:15; 22:01; 22:03; 22:05; 22:06; 22:07; 23:07; 23:08; 24:06; 24:09; 25:03; 25:04; 25:05; 25:07; 26:03; 26:05; 26:09; 27:02; 28:01; 28:08; 30:07; 32:06; 32:11; 33:08; 34:07; 34:09; 34:10; 35:08; 37:01; 37:04; 37:08; 38:01; 38:12; 39:04; 39:07; 39:10; 40:04; 40:07; 40:08; 42:04; 42:11; 43:04; 43:06; 43:07; 43:09; 43:11; 43:13; 44:03; 44:05; 44:08; 45:01; 45:03; 45:07; 46:04; 47:01; 47:02; 47:04; 47:08; 48:01; 48:02; 48:03; 48:04; 48:05; 48:06; 48:07; 48:08; 48:09; 48:10; 48:11; 48:12; 48:13; 49:02; 49:04; 49:07; 49:08; 49:09; 49:10; 49:11; 49:12; 49:13; 49:14; 49:15; 49:16; 49:17; 49:18; 50:02; 50:09; 50:13; 50:14; 50:15; 50:16)

ख़ुदावन्द

सच्चाई:

कलाम में “ख़ुदावन्द” के बारे में हमेशा की ज़िन्दगी से है जिसने जाहान को इब्तिदा से बनाया है। ख़ुदावन्द का ज़हूर बाप ,बेटा और पाक रूह में है। ख़ुदावन्द का नाम यहोवा है।

ख़ुदावन्द हमेशा से है, जब कुछ भी नहीं था तब ख़ुदावन्द था और वह हमेशा तक रहेगा।

- वही सिर्फ़ एक सच्चा ख़ुदावन्द है और उसका इख्तियार पूरे 'आलम पर है।
- ख़ुदावन्द रास्तबाज़ी में सादिक़ , अज़ी म अक्लमंद , पाक, बे गुनाह , इन्साफ़ पसन्द ,हलीम और प्यार करने वाला है।
- वह 'अहद रखनेवाला ख़ुदावन्द है जो अपनी क़समें हमेशा पूरी करता है।
- इन्सान को ख़ुदावन्द की 'इबादत के लिए बनाया गया था और उसे हमेशा उसी की 'इबादत करना चाहिए।
- ख़ुदावन्द ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका मतलब है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- कलाम में झूठे मा'बूदों का भी बयान है जो बे जान बुत हैं , उनकी इबादत इन्सान करता है।

तर्जुमा की सलाह:

- “ख़ुदावन्द” लफ़्ज़ के तर्जुमें हो सकते हैं, “क़ुदरती ताक़त ” या “तख़लीक़ करने वाला ” या “रूहानी शख्सियत ”।
- “ख़ुदावन्द” लफ़्ज़ के दूसरे तर्जुमें हो सकते हैं, “रूहानी ख़ालिक़” या “आख़िर वक़्त तक रहने वाला ख़ुदा ” या “हमेशा रूहानी शख्सियत ”
- तवज्जोह दें कि मक़ामी ज़बान में ख़ुदावन्द के लिए क्या लफ़्ज़ काम में लिया जाता है। हो सकता है कि मक़सदी ज़बान में ख़ुदावन्द के लिए एक लफ़्ज़ है। अगर है तो वाज़ेह करें कि उस लफ़्ज़ में सिर्फ़ एक सच्चे ख़ुदावन्द की ख़ासियत ज़ाहिर हो , जैसा ऊपर बयान किया गया है।
- कई ज़बानों में ख़ुदावन्द लफ़्ज़ का पहला हर्फ़ बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे मा'बूदों से अलग करा जा सके।
- इस फ़र्क़ को ज़ाहिर करने के लिए ख़ुदावन्द और मा'बूद लफ़्ज़ों को दो अलग हरफ़ों के ज़रिए' बयान किया जाए।
- “मैं उनका ख़ुदावन्द हूँगा और वह मेरे लोग होंगे” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “मैं ख़ुदावन्द इन लोगों पर राज करूंगा और वह मेरी 'इबादत करेंगे।”

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बनाने, झूठे मा’बूद, बाप ख़ुदावन्द, पाक रूह , बुत , ख़ुदावन्द का बेटा , यहोवा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- इस्तिसना 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- पैदाइश 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यसा’याह. 36:6-7
- या'क़ूब 02:18-20
- यरमियाह 05:4-6
- यूहन्ना 01:1-3
- यसू'अ 03:9-11
- [विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फ़िलिप्पुस 02:5-8
- अम्साल 24:11-12
- \ज़बूर 047:8-9](rc://ur-deva/tn/help/psa/047/008)

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **01:01 ख़ुदावन्द** ने छह दिनों में जहान और सब कुछ बनाया।
- **01:15 ख़ुदावन्द** ने अपनी शक्ल में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं **ख़ुदावन्द** सब से ज़्यादा ताक़तवर हूँ। मैं तुम्हारे साथ 'अहद बान्धूंगा।
- **09:14 ख़ुदावन्द** ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे बुज़ुर्गों इब्राहीम, इस्हाक़ और या'क़ूब का **ख़ुदावन्द**, यहोवा हूं।" हमेशा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन खौफ़नाक आफ़तों के ज़रिए' **ख़ुदावन्द** यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िर'औन व मिस्र के मा'बूदों से कहीं ज़्यादा ताक़तवर है।
- **16:01** इस्राईलियों ने यहोवा जो सच्चा **ख़ुदावन्द** है उसकी जगह पर, कन'आनियो के मा'बूद की 'इबादत करना शुरू' किया।
- **22:07** और तू ऐ लड़के , _ ख़ुदावन्द_ का नबी कहलाएगा क्योंकि तू ख़ुदा का रास्ता तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” सिर्फ़ एक ही **ख़ुदावन्द** है। लेकिन जब यूहन्ना ने 'ईसा को बपतिस्मा दिया, उसने बाप **ख़ुदावन्द** को कहते सुना, बेटे ख़ुदावन्द को देखा, और पाक रूह को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू ख़ुदा अपने **ख़ुदावन्द** को 'इबादत कर, और सिर्फ़ उसी की ख़िदमत कर।’”
- **28:01** "जो अच्छा है वह सिर्फ़ एक ही है, और वह **ख़ुदावन्द** है।"
- **49:09** लेकिन **ख़ुदावन्द** ने दुनिया के हर इन्सान से इतना ज़्यादा प्यार किया कि उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया ताकि जो कोई उस पर ईमान करे उसे उसके गुनाहों की सज़ा नहीं मिलेगी, लेकिन **ख़ुदावन्द** के साथ हमेशा की ज़िन्दगी पाएगा ।
- **50:16** लेकिन एक दिन **ख़ुदावन्द** एक नया आसमान और एक नई ज़मीन को तैयार करेगा जो सही होगी।

शब्दकोश:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

(**वापस जाओ:** 05:06; 10:10)

ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

सच्चाई:

“ख़ुदावन्द का बेटा” या'नी ‘ईसा, ख़ुदावन्द का कलाम, जो दुनिया में इन्सानी शक्ल में आया। उसे हमेशा “बेटा” भी कहा गया है।

- ख़ुदावन्द के बेटे में बाप ख़ुदावन्द की सब ख़ासियतें हैं लेकिन वह ख़ुद ही ख़ुदावन्द है।
- बाप ख़ुदावन्द, बेटे ख़ुदावन्द, और रूह-उल-क़ुदुस ख़ुदावन्द एक ही हैं।
- इंसानी बेटों के ‘अलावः, ख़ुदावन्द का बेटा हमेशा सच्चाई में है।
- शुरू' में ख़ुदावन्द का बेटा दुनिया को बनाने में सामिल था, बाप और रूह-उल-क़ुदुस के साथ।

'ईसा ख़ुदावन्द का बेटा होने की वजह बाप ख़ुदावन्द से मुहब्बत करता है और उसके हुक्मों पर 'अमल करता है और ख़ुदावन्द उससे मुहब्बत करता है।

तर्जुमा की सलाह:

- “ख़ुदावन्द का बेटा” के लिए “बेटा” ही तर्जुमा करना बेहतर लफ़्ज़ है जो ;अलामती ज़बान में इंसानी बेटों के लिए काम में लिया जाता है।
- वाज़ेह करें कि “बेटा” लफ़्ज़ उस लफ़्ज़ से मुसाबेह हो जिसको बाप के लिए काम में लिया गया है और यह लफ़्ज़ बाप बेटे का रिश्ता ज़ाहिरकरने के लिए अलामती ज़बान में बहुत आम लफ़्ज़ है।
- “बेटा” लफ़्ज़ को अगर कुछ इस तरह लिखा जाए कि उससे उसके ख़ुदावन्द होने की ख़ासियत ज़ाहिर हो तो मुनासिब होगा जैसे अंग्रेजी ज़बान में “एस” हर्फ़ को बड़ा लिख सकते हैं।
- जुमले में "पबेटा" " ख़ुदावन्द का बेटा" की छोटी शक्ल है, खासकर जब यह उसी बारे में "बाप" के शक्ल में होता है।

(तर्जुमा की सलाह:नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, बुज़ुर्गों, ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्द बाप, रूह-उल-क़ुदुस, ‘ईसा, बेटा, ख़ुदावन्द का बेटा।)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 04:9-10
- रसूलों के 'आमाल 09:20-22
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलतियों 02: 20-21
- 'इब्रानियों 04: 14-16
- यूहन्ना 03:16-18
- लूक़ा 10:22
- मत्ती 11:25-27
- मुक़ाश्फ़ा 02:18-19
- रोमियो 08:28-30

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **22:05** फ़रिश्ते ने समझाया, " रूह-उल-क़ुदुस तुम्हारे पास आएगा, और ख़ुदावन्द की ताक़त तुम पर सा या करेगी। इसलिए बच्चा पाक होगा, _ख़ुदावन्द का बेटा _।"
- **24:09** ख़ुदावन्द ने यूहन्ना से कहा था कि, “ रूह-उल-क़ुदुस नीचे किसी एक पर उतरेगा जिसे तू बपतिस्मा देगा। वह **ख़ुदावन्द का बेटा** है।"
- **31:08** शागिर्द हैरान थे। उन्होंने 'ईसा की 'इबादत की, और कहा, "सचमुच, तू _ ख़ुदावन्द का बेटा_ हैं।";
- **37:05** मार्था ने जवाब दिया, "हां, मालिक ! मेरा यक़ीन है कि तुम मसीहा हो, **ख़ुदावन्द का बेटा** ।"
- **42:10** इसलिए तुम जाओ, सब क़ौमों के लोगों को शागिर्द बनाओ और उन्हें बाप, और _बेटे _, और रूह-उल-क़ुदुस के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें हुक्म दिए हैं, मानना सिखाओ। "
- **46:06** फ़ौरन ही, शाऊल दमिश्क़ के यहूदियों से 'एलान करने लगा कि, "’ईसा _ ख़ुदावन्द का बेटा_ है!"
- **49:09** लेकिन ख़ुदावन्द दुनिया में हर किसी से इतना प्यार करता था कि उसने अपना एकलौता **बेटा** दिया ताकि जो कोई भी 'ईसा पर ईमान करे, उसके गुनाहों की सज़ा नहीं दी जाएगी लेकिन वह हमेशा के लिए ख़ुदा के साथ ज़िंदा रहेगा।

शब्दकोश:

- Strong's: H426, H430, H1121, H1247, G2316, G5207

(**वापस जाओ:** 22:04; 22:05; 24:08; 24:09; 25:02; 25:04; 26:09; 31:08; 32:06; 36:05; 37:05; 39:03; 39:04; 40:05; 40:08; 42:10; 46:06; 48:13; 49:01; 49:03; 49:09; 49:12; 49:14)

ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप

सच्चाई:

यह लफ़्ज़ " बाप ख़ुदावन्द" और "आसमानी बाप" सिर्फ़ एक सच्चे ख़ुदावन्द, यहोवा के बारे में हैं। उसी मतलब के साथ एक और लफ़्ज़ "बाप" है, जो सबसे ज़्यादा बार इस्ते'माल किया जाता था जब 'ईसा उससे बात कर रहा था

- ख़ुदावन्द, बाप ख़ुदावन्द, बेटे ख़ुदावन्द और पाक रूह ख़ुदावन्द है। हर एक मुकम्मल ख़ुदावन्द होते हुए भी तीनों एक ही हैं। यह एक ऐसा राज़ है जिसे इन्सान पूरे तरीक़े समझ नहीं सकता।
- बाप ख़ुदावन्द ने बेटे ख़ुदावन्द ('ईसा) को दुनिया में भेजा और उसने अपने लोगों के लिए पाक रूह को भेजा।
- जो बेटे ख़ुदावन्द में ईमान करता है वह बाप ख़ुदावन्द की औलाद बन जाता है और पाक रूह ख़ुदावन्द उसमें रहने लगता है। यह एक और राज़ है जिसे इन्सान पूरे तरीक़े समझ नहीं सकता।

तर्जुमा की सलाह:

- "बाप ख़ुदावन्द" का साफ़ तर्जुमा , "बाप " लफ़्ज़ हो सकता है, उसी लफ़्ज़ के साथ जो ज़बान आम तौर से एक इन्सानी बाप का बयान करने के लिए इस्ते'माल करता है।
- "आसमानी बाप " का तर्जुमा हो सकता है, बाप जो आसमान में है" या "बाप ख़ुदावन्द जो आसमान में है" या "हमारा आसमानी बाप " है।
- आमतौर पर जब "बाप " दारुल हुकूमत है, तो ख़ुदावन्द को बयान करता है।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बुज़ुर्गों , ख़ुदावन्द, आसमान , पाक रूह , 'ईसा , ख़ुदावन्द का बेटा)

किताएब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 08:4-6
- 1 यूहन्ना 02:1-3

1 यूहन्ना 02:22-23

- 1 यूहन्ना 03:1-3
- कुलुस्सियों 01: 1-3
- इफ़िसियों 05: 18-21
- लूका 10:22
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 23:8-10

किताएब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **24:09** सिर्फ़ एक ही ख़ुदावन्द है। लेकिन जब यूहन्ना ने 'ईसा को बपतिस्मा दिया, उसने **बाप ख़ुदावन्द** को कहते सुना, बेटा ख़ुदावन्द को देखा, और पाक रूह को भी देखा ।
- **29:09** तब 'ईसा ने कहा, "इसी तरह अगर तुम में से हर एक अपने भाई को दिल से अगर मु'आफ़ न करेगा, तो मेरा **बाप जो आसमान में है** , तुम से भी वैसा ही करेगा"
- **37:09** फिर ईसा ने आसमान की तरफ़ देखा और कहा, " **बाप**, मुझे सुनने के लिए मुबारक ।"

"* **40:07** तब ईसा ने रोते हुए कहा, "पूरा हुआ! ऐ **बाप**, मैं अपनी रूह तेरे हाथों में सौंपता हूँ।"

- **42:10** इसलिए तुम जाओ, सब क़ौमों के लोगों को शागिर्द बनाओ और उन्हें **बाप**, और बेटे , और पाक रूह के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें हुक्म दी हैं, मानना सिखाओ।
- **43:08** "ईसा अब आसमान में _ बाप ख़ुदावन्द_ के दाहिनी तरफ़ बैठा है।"
- **50:10** तब ईमानदार अपने _ बाप ख़ुदावन्द_ की बादशाही में सूरज की तरह चमकेंगे।"

शब्दकोश:

- Strong's: H1, H2, G3962

(**वापस जाओ:** 22:04; 24:09; 29:09; 37:09; 38:12; 38:15; 40:02; 40:07; 42:10; 42:11; 43:08; 50:10)

ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

ता'अर्रुफ़:

"ख़ुदावन्द" लफ़्ज़ का मतलब है और लोगों पर मिलक़ियत या इख़्तियार रखना।

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा कभी-कभी "मालिक" भी किया जाता है जब 'ईसा कें बारे में हो या गुलामों के मालिक के बारे में हो।
- अंग्रेजी की कुछ कलामों में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा, "जनाब" किया गया है जब कोई किसी ऊंचे 'उहदे वाले को हलीमी मुख़ातिब कर रहा है।

जब अंग्रेज़ी मे "Lord" बड़े हर्फ़ से है, यह एक उनवान है जो ख़ुदा की तरफ इशारा करता है| (ध्यान दें, हालाँकि, जब इस किसी को मुख़ातिब करने के तौर पर इस्ते'माल किया जाता है या यह जुमले की शुरू'आत में होता है तो इसे दर्ज किया जा सकता है और इसका मतलब "जनाब" या "मालिक" है|

- पुराने 'अहदनामे में, इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल "ख़ुदावन्द ख़ुदा सबसे क़ुव्वतवाला" "ख़ुदावन्द यहोवा" या " यहोवा हमारा ख़ुदा" जैसे इज़हारों में किया जाता है|
- नए 'अहदनामे में, रसूलों ने इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल "ख़ुदावन्द 'ईसा" और "ख़ुदावन्द 'ईसा मसीह" जैसे इज़हारों में किया था, जो बताते हैं कि 'ईसा ख़ुदा है|
- नए 'अहदनामे में, "ख़ुदा" लफ़्ज़ का इस्ते'माल ख़ुदाके सीधे हवाले के तौर पर भी किया जाता है, ख़ासकर पुराने 'अहदनामे से मज़मून में| मिसाल के तौर पर, पुराने 'अहदनामे के बाब ने "मुबारक है वह जो यहोवा के नाम पर आता है" और नए 'अहदनामे के बाब में "मुबारक है वह जो ख़ुदा के नाम पर आता है"

यू एल बी और यू डी बी में, "lord" उनवान का इस्ते'माल सिर्फ़ इब्रानी और ग्रीक अलफ़ाज़ का तर्जुमा करने के लिए किया जाता है जिसका मतलब है "ख़ुदा" यह कभी भी ख़ुदा के नाम (यहोवा) के तर्जुमे के तौर पर इस्ते'माल नहीं किया जा सकता है जैसा कि कई तर्जुमों में किया जाता है|

- कुछ ज़बाने "ख़ुदावन्द" को "मालिक" या "हाकिम" या कुछ और लफ़्ज़ के तौर पर तर्जुमा करती हैं जो मिलकियत उया सबसे बड़ी हुकूमत को बताती हैं|
- सही मज़मूनों में, कई तर्जुमा इस लफ़्ज़ के पहले हर्फ़ को पढ़ने वाले को ज़ाहिर करने के लिए दर्ज करते हैं कि यह एक उनवान जो ख़ुदा का ज़िक्र करता है|
- नए 'अहदनामे के मक़ामों के लिए जहाँ पुराने 'अहदनामे से मिसाल दी गई है, लफ़्ज़ "ख़ुदा" का इस्ते'माल यह ज़ाहिर करने के लिए किया जा सकता है कि ख़ुदा का हवाला है|

तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "मालिक" के बराबरी के साथ किया जा सकता है जब किसी ऐसे आदमी के बारे में बताता है जो ग़ुलामों का मालिक है| यह किसी नौकर के ज़रिए' उस आदमी को मुख़ातिब करने के लिए किया जा सकता जिसके लिए वह काम करता है|
- जब यह 'ईसा के बारे में बताता है, अगर हवाले से पता चले की बोलने वाला उन्हें एक उस्ताद की शक्ल में देखता है, तो इसका तर्जुमा मज़हबी उस्ताद के लिए अदबी पते के साथ किया जा सकता है, जैसे "मालिक"
- अगर मुख़ातिब करने वाला आदमी उसे नहीं जानता है, तो "ख़ुदा" का तर्जुमा 'इज़्ज़त की शक्ल में किया जा सकता है जैसे कि "जनाब"| यह तर्जुमा और मज़मूनों के लिए इस्ते'माल किया जाएगा जिसमे एक आदमी को पते का हलीम कहा जाता है|

जब ख़ुदा बाप का ज़िक्र करते हैं, तो इस लफ़्ज़ को अंग्रेज़ी में "ख़ुदा" (असल) के तौर पर लिखा जाने वाला उनवान माना जाता है|

(यह भी देखे: ख़ुदा, 'ईसा, हाकिम, यहोवा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 39:1-2
- यशू'अ 03:9-11
- ज़बूर 086:15-17
- यरमिया 27:1-4
- नोहा 02:1-2
- हिज़क़ीएल 18:29-30
- दानिएल 09:9-11
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:1-3

- मत्ती 07:21-23
- लूक़ा 01:30-33
- लूक़ा 16:13
- रोमियो 06:22-23
- इफ़िसियो 06:9
- फ़िलिप्पियो 02:9-11
- कुलुस्सियो 03:22-25
- इब्रानियों 12:14-17
- या’ 02:1-4
- 1 पतरस 01:3-5
- यहूदाह 01:5-6
- मुकाशिफ़ा 15:3-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **25:05** ‘ईसा ने उसे कलाम से शैतान को जवाब दिया, उसने कहा, “ख़ुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि तू **ख़ुदावन्द** अपने ख़ुदा की आज़माइशपरीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब ‘ईसा ने उससे कहा, “ऐ शैतान दूर हो जा ! ख़ुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि 'तू **ख़ुदावन्द** अपने ख़ुदा को सिज्दा कर, और सिर्फ़ उसी की ‘इबादत कर।’”
- **26:03** यह **ख़ुदावन्द** की बरकत का साल है।
- **27:02**मुन्तजिम ने जवाब दिया, “तू अपने **ख़ुदा** से अपने सारे दिल, रूह, क़ुव्वत और ,मन से मुहब्बत रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान मुहब्बत करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने ‘ईसा से कहा ‘ऐ **उस्ताद**’ अगर तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने का हुक्म दे”
- **43:09** “उसी ‘ईसा को जिसे तुमने सलीब पर चढ़ाया, लेकिन ख़ुदा ने उसे **ख़ुदावन्द** भी ठहराया और मसीह भी।”
- **47: 3**इस बदरूह के ज़रिए’ वह दूसरों का मुस्तक़बिल बताती थी, जिससे अपने **मालिकों** के लिये नजूमी की शक्ल में बहुत पैसा कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने जवाब दिया,"‘ईसा में ईमान करो, जो **ख़ुदावन्द** है, तो तू और तेरा ख़ानदान बच जाएगा।"

शब्दकोश:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

(**वापस जाओ:** 23:06; 25:05; 25:07; 26:03; 27:02; 29:01; 31:05; 31:07; 37:03; 37:04; 37:05; 37:06; 43:09; 45:05; 46:02; 46:04; 47:03; 47:11; 49:13; 49:17; 50:04; 50:06; 50:07)

ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत

ता'अर्रुफ़:

ख़ुशी ख़ुदावन्द से हासिल है ख़ुशी गहरे इत्मिनान का एहसास है | "ख़ुशहाल" या'नी इन्सान जो बहुत ज़्यादा ख़ुश हैं और गहरी ख़ुशी से मा'मूर है।

- इन्सान ख़ुशहाल तब होता है जब उसे यह महसूस होता है कि जिसका वह तजुर्बा कर रहा है वह बहुत अच्छा है।
- ख़ुदावन्द इन्सान को सच्ची ख़ुशी 'अता करता है।
- ख़ुशी ख़ुशगवार हालातों में हासिल नहीं होती है। ख़ुदावन्द इन्सान की ज़िन्दगी में तमाम परेशानियों में भी ख़ुशी हासिल कर सकता है।
- कभी-कभी जगहों को भी ख़ुशी की कहते हैं जैसे घर और शहर। इसका मतलब है कि वहाँ रहने वाले लोग ख़ुशहाल हैं।

इसका मतलब है, "ख़ुश" या "ख़ुशी से भरा हुआ |

यह ख़ुदा की इस्लाह ख़ुदा ने किया हैं , जो अच्छी चीज़ों के बारे में बहुत ख़ुश हैं | इसका तर्जुमा हो सकता हैं, "बहुत ख़ुश हो" या "ख़ुशी से भरा हुआ" की शक्ल में भी कर सकते हैं | जब मरियम ने कहा कि मेरी जान ख़ुदा के नजात दहिन्दा में ख़ुश है , इसका मतलब यह था की मेरा नजात दहिन्दा ख़ुदा ने मुझे ख़ुश किया है , मुझे अपने रब से और क्या चाहिए |

तर्जुमा के सलाह :

- "ख़ुशी" लफ़्ज़ का तर्जुमा "ख़ुशी" या "ख़ुशहाली" या "अज़ीम ख़ुशहाली" भी हो सकता है।
- "ख़ुशहाल रहो" का तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुश करना" या "रूहानी ख़ुशी होना" या "ख़ुदावन्द की भलाई में रूहानी ख़ुशी होना" जैसे जुमले ।
- एक ख़ुशहाल इन्सान को "बहुत ख़ुशी या "ख़ुशी हुई " या "बहुत खुश" कह सकते हैं।
- "ख़ुश ख़बरी करो" का तर्जुमा हो सकता है, "इस तरह चिल्लाओ कि बहुत ज़्यादा ख़ुशी ज़ाहिर हो।"
- "ख़ुशहाल शहर" या "ख़ुशहाल घर" का तर्जुमा हो सकता है "वह शहर जिसमें ख़ुशहाल लोग रहते हैं" या "ख़ुशहाल लोगों से भरा घर" या "जिस शहर के लोग बहुत ख़ुश हैं।" (देखें:मो'तबर)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- नहमियाह 08:9-10
- ज़बूर 048:1-3
- यसा'याह 56:6-7
- यरमियाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- लूक़ा 15:6-7
- लूक़ा 19:37-38
- यूहन्ना 03:29-30
- रसूलों के 'आमाल 16:32-34
- रोमियो 05:1-2
- रोमियो 15:30-32
- गलातियों 05:22-24
- फ़िलीप्पियों 04:10-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- फ़िलिमोन 01:4-7
- या'क़ूब 01:1-3
- 3 यूहन्ना 01:1-4

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **33:07** "वैसे ही जो पथरीली ज़मीन पर बोए जाते है, यह वह है जो कलाम को सुनकर फ़ौरन **ख़ुशी** से क़ुबूल कर लेते है।"
- **34:04** "आसमान की बादशाही खेत में छिपे हुए माल की तरह है, जिसे किसी शख़्स ने छिपाया। एक दूसरे शख़्स को वह माल मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत **ख़ुशी** से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।"

- **41:07** वह 'औरत खौफ़ और बड़ी **ख़ुशी** से भर गई। वह शागिर्दों को यह ख़ुशी की ख़बर देने के लिये दौड़ गई।

शब्दकोश:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2302, H2304, H2305, H2654, H2898, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2165, G2167, G2620, G2744, G2745, G3685, G4640, G4796, G4913, G5463, G5479

(**वापस जाओ:** 33:07; 34:04; 41:07; 47:12)

ख़ून

ता'अर्रुफ़:

“ख़ून” लफ्ज़ का मतलब है, आदमी के जिस्म में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का पानी जैसा होता है। ख़ून इंसानों के जिस्म में ज़िन्दगी देने वाली गिज़ा लाता है।

- ख़ून ज़िन्दगी की 'अलामत होती है और जब वह बहाया जाता है तो इसका मतलब है जान जाना या मौत।
- जब आदमी ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी पेश करते थे तब वह जानवर का ज़बह करके उसका खून क़ुर्बानगाह पर उण्डेलते थे। यह जानवर की ज़िन्दगी की क़ुर्बानी की तरफ़ से इंसानों के गुनाह की क़ीमत चुकाने का निशान था।
- सलीब पर 'ईसा की मौत कि तरफ़ से उसका ख़ून आदमी के गुनाह से आज़ादी को दिखता है और इंसानों के गुनाह की सज़ा की समझ करता है।
- “गोश्त और ख़ून” एक जुमले हैं जो आदमी को ख़बरदार करता है।
- “अपना ख़ून और गोश्त” इंसानों के ख़ून का रिश्ता दिखाता है।

तर्जुमें की सलाह:

- इस लफ्ज़ का तर्जुमा मक़सदी ज़बान में उसी लफ्ज़ /जुमले की तरफ़ से किया जाए जो ख़ून के लिए काम में लिया जाता है।
- “गोश्त और ख़ून” का तर्जुमा किया जा सकता है, “आदमी” या “इंसानी क़ौम”।
- जुमले के मुताबिक़“मेरा गोश्त और मेरा ख़ून” का तर्जुमा हो सकता है, “मेरा अपना ख़ानदान” या “मेरे अपने लोग” या “मेरे अपने लोग”।
- अगर मक़सदी ज़बान में ऐसे जुमले के लफ्ज़ हें तो “गोश्त और खून” के तर्जुमें में उनका इस्ते'माल किया जाए।

(यह भी देखें: जिस्म)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- रसूलों का 'आमाल 02:20-21
- रसूलों के 'आमाल 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- पैदाईश 04:10-12
- ज़बूर 016:4
- ज़बूर 105:28-30

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों कि मिसाल:

- **08:03**जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ़ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके _ख़ून _ में उसे डुबा दिया।
- **10:03** ख़ुदा ने नील नदी को **ख़ून**से भर दिया लेकिन फ़िर'औन का फिर भी जिद पर अड़ा रहा|
- **11:05** इस्राईल के घरों के दरवाज़ों के चारों तरफ **ख़ून** था, इसलिए ख़ुदा उन घरों से चला गया और हर कोई उनमें हिफ़ाज़त से था | वह मेमने के **ख़ून** की वजह से बाख गए|
- **13:09**जानवर के **ख़ून** जो क़ुर्बानी के तौर पर चढ़ाया गया था वह इन्सान के गुनाहों को धोकर इन्सान को ख़ुदा की नज़र पाक कर देता है|
- **38:05** तब 'ईसा ने एक कटोरा लिया और कहा इसे पी लो| नए 'अहद के लिए यह मेरा _ख़ून _है जो गुनाहों की मु'आफ़ी के लिए उंडेला है|
- **48:10** जब कोई 'ईस पर यक़ीन करता है, 'ईसा का _ख़ून _ उस शख्स के सब गुनाहों की क़ीमत चुका देता है, और ख़ुदा की सज़ा उस शख्स के ऊपर से हट जाती है।

शब्दकोश:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

(**वापस जाओ:** 11:03; 11:05; 13:09; 38:05; 38:12; 48:09; 48:10)

ख़ेमा-ए-इज्तिमा’

सच्चाई:

लफ़्ज़ " ख़ेमा-ए-इज्तिमा’" एक ख़ेमे का हवाला देता है जो एक ग़ैर मुक़र्रर जगह थी जहां घर के सामने ख़ुदा ने मूसा से मुलाकात की थी।

- ख़ुरूज की किताब में लिखा है कि ख़ेमा-ए-इज्तिमा’ इस्राईलियों की छावनी से बाहर था।
- जब मूसा ख़ेमा-ए-इज्तिमा’ में ख़ुदा से मुलाकात करने जाता था तब बादलों का एक सुतून वहां हाज़िर होकर ख़ुदा की हुज़ूरी को ज़ाहिर करता था।
- जब इस्राईलियों ने ख़ुदा के रहने के घर को बनाया, तो मुक़र्रर ख़ेमे की ज़रूरत नहीं थी और घर के बारे में " ख़ेमा-ए-इज्तिमा’" कभी-कभी इस्ते’माल किया जाता था।

(यह भी देखें: इस्राईल, मूसा, खंभा, ख़ेमा-ए-इज्तिमा’, ख़ेमा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 02:28-29
- यशू’अ 19:51
- अह्बार 01:1-2
- गिनती 04:31-32

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **13:08** ख़ुदा ने इस्राईलियों को ख़ेमा बनाने का तफ़सीली तज़किरह दिया | यह _ ख़ेमा-ए-इज्तिमा’_ कहलाता था, और इसमें दो कमरे थे, जिन्हें एक बड़ा परदा अलग कर रहा था |
- **13:09** जो कोई भी खुदा की शरी’अत की नाफ़रमानी करता है, वह _ ख़ेमा-ए-इज्तिमा’_ के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदा के लिये जानवर की क़ुर्बानी पेश करेगा
- **14:08** ख़ुदा बहुत ग़ुस्सा था , और ख़ुदा का जलाल _ ख़ेमा-ए-इज्तिमा’_ में सब इस्राईलियों पर रोशन हुआ |
- **18:02**अब लोग _ ख़ेमा-ए-इज्तिमा’_ की जगह पर उस घर में ख़ुदा की इबादत करते और क़ुर्बानी पेश करते थे |

शब्दकोश:

- Strong's: H168, H4150

(**वापस जाओ:** 13:08; 13:09; 14:08; 17:06; 18:02)

ख़्वाब

ता'अर्रुफ़:

ख़्वाब वह है जो इन्सान सोते वक़्त अपने ज़हन में देखता या मससूस करता है।

- ख़्वाब अक्सर हक़ीक़त लगते हैं, जबकि वे होते नहीं हैं।
- कभी-कभी ख़ुदा ख़्वाबों में लोगों को किसी चीज़ के बारे में ख़्वाब दिखाता है ताकि वह इससे सीखें। वह लोगों से ख़्वाबों में सीधे बात करता है|
- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा ने कुछ लोगों को ख़ास ख़्वाबों के ज़रिए' अक्सर मुस्तक़बिल में होने वाली वाक़ि'आत की ख़बर दी|
- ख़्वाब रोया से अलग होता है। ख़्वाब इन्सान को नींद में दिखाई देते हैं लेकिन रोया जागने की हालत में दिखाई देते हैं।

(यह भी देखें: ख़्वाब)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 02:16-17
- दानिएल 01:17-18
- दानिएल 02:1-2
- पैदाइश 37:5-6
- पैदाइश 40:4-5
- मत्ती 02:13-15
- मत्ती 02:19-21

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:02** यूसुफ़ के भाई उससे नफ़रत रखते थे क्योंकि जब यूसुफ़ के भाइयो ने देखा कि हमारा बाप हम सबसे ज़्यादा उसी से मुहब्बत रखता है, और यूसुफ़ ने **ख़्वाब** में देखा था कि वह अपने भाइयो पर बादशाही करेगा।
- **08:06** एक रात को मिस्र के बादशाह ने, जिसे फ़िर'औन कहते है उसने रात में दो **ख़्वाब** देखे जो उसे मुसलसल परेशान कर रहे थे। जो _ ख़्वाब _ उसने देखा उसका फल बताने वाला कोई भी नहीं है।
- **08:07** ख़ुदा ने यूसुफ़ को यह सलाहियत दी थी कि वह _ ख़्वाब _ का मतलब समझ सके, इसलिये फ़िर'औन ने यूसुफ़ को क़ैदख़ाने से बुलवा भेजा। यूसुफ़ ने उसके लिये _ ख़्वाब _ की तफ़सील की और कहा कि "ख़ुदा सात साल तो कसरत की पैदावार करेगा, और उनके बा'द सात साल अकाल के आयेंगे।"
- **16:11** उसी रात जब गिदोन मिद्यानियों के डेरे में आया तब एक मिद्यानी सिपाही अपने साथी से अपना _ ख़्वाब _ कह रहा था। उस शख़्स के साथी ने कहा,, "इस ख़्वाब का मतलब यह हुआ कि गिदोन की सेना हरा देंगी मिद्यानियों की फ़ौज को।"
- **23:01** उसने (यूसुफ़) ने उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से छोड़ देने का ख़याल किया। इससे पहले कि वह कुछ कर पाता कि ख़ुदावन्द का फ़रिश्ता उसे _ ख़्वाब _ में दिखाई दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: H1957, H2472, H2492, H2493, G1797, G1798, G3677

(**वापस जाओ:** 08:02; 08:07; 16:11; 23:01)

ख़्वाब

ता'अर्रुफ़:

ख़्वाब वह है जो इन्सान सोते वक़्त अपने ज़हन में देखता या मससूस करता है।

- ख़्वाब अक्सर हक़ीक़त लगते हैं, जबकि वे होते नहीं हैं।
- कभी-कभी ख़ुदा ख़्वाबों में लोगों को किसी चीज़ के बारे में ख़्वाब दिखाता है ताकि वह इससे सीखें। वह लोगों से ख़्वाबों में सीधे बात करता है|
- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा ने कुछ लोगों को ख़ास ख़्वाबों के ज़रिए' अक्सर मुस्तक़बिल में होने वाली वाक़ि'आत की ख़बर दी|
- ख़्वाब रोया से अलग होता है। ख़्वाब इन्सान को नींद में दिखाई देते हैं लेकिन रोया जागने की हालत में दिखाई देते हैं।

(यह भी देखें: ख़्वाब)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 02:16-17
- दानिएल 01:17-18
- दानिएल 02:1-2
- पैदाइश 37:5-6
- पैदाइश 40:4-5
- मत्ती 02:13-15
- मत्ती 02:19-21

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:02** यूसुफ़ के भाई उससे नफ़रत रखते थे क्योंकि जब यूसुफ़ के भाइयो ने देखा कि हमारा बाप हम सबसे ज़्यादा उसी से मुहब्बत रखता है, और यूसुफ़ ने **ख़्वाब** में देखा था कि वह अपने भाइयो पर बादशाही करेगा।
- **08:06** एक रात को मिस्र के बादशाह ने, जिसे फ़िर'औन कहते है उसने रात में दो **ख़्वाब** देखे जो उसे मुसलसल परेशान कर रहे थे। जो _ ख़्वाब _ उसने देखा उसका फल बताने वाला कोई भी नहीं है।
- **08:07** ख़ुदा ने यूसुफ़ को यह सलाहियत दी थी कि वह _ ख़्वाब _ का मतलब समझ सके, इसलिये फ़िर'औन ने यूसुफ़ को क़ैदख़ाने से बुलवा भेजा। यूसुफ़ ने उसके लिये _ ख़्वाब _ की तफ़सील की और कहा कि "ख़ुदा सात साल तो कसरत की पैदावार करेगा, और उनके बा'द सात साल अकाल के आयेंगे।"
- **16:11** उसी रात जब गिदोन मिद्यानियों के डेरे में आया तब एक मिद्यानी सिपाही अपने साथी से अपना _ ख़्वाब _ कह रहा था। उस शख़्स के साथी ने कहा,, "इस ख़्वाब का मतलब यह हुआ कि गिदोन की सेना हरा देंगी मिद्यानियों की फ़ौज को।"
- **23:01** उसने (यूसुफ़) ने उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से छोड़ देने का ख़याल किया। इससे पहले कि वह कुछ कर पाता कि ख़ुदावन्द का फ़रिश्ता उसे _ ख़्वाब _ में दिखाई दिया।

शब्दकोश:

- Strong's: H1957, H2472, H2492, H2493, G1797, G1798, G3677

(**वापस जाओ:** 08:06)

ज़करियाह (नया'अहद नामा)

सच्चाई:

ज़करियाह एक यहूदी काहिन था जो यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का बाप हुआ।

- ज़करियाह ख़ुदा से मुहब्बत करता था और उसके हुक्म मानता था।
- ज़करियाह और उसकी बीवी इलीशिबा सालों 'औलाद पाने की दुआ' की थी लेकिन उन्हें बेटा नहीं हुआ । जब वे 'बुज़ुर्ग हो गए तब ख़ुदा ने उनकी दुआ' सुनकर उन्हें बेटा दिया।
- ज़करियाह ने नबूव्वत की थी कि उसका बेटा यूहन्ना एक नबी होगा जो मसीह के लिए रास्ता तैयार करेगा।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मसीह, इलीशिबा, नबी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 01:5-7
- लूका 01:21-23
- लूका 01:39-41
- लूका 03:1-2

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **22:01** अचानक एक फ़रिश्ता _ ज़करियाह _ नामके बूढ़े काहिन के पास ख़ुदा का पैग़ाम लेकर आया। _ ज़करियाह _ और उसकी बीवी इलीशिबा वे दोनों ख़ुदा के सामने रास्तबाज़ थे, और ख़ुदा के सारे हुक्मों और शरी'अत पर बेऐब चलने वाले थे।
- **22:02** फ़रिश्ते ने ज़करियाह से कहा, "तेरी बीवी इलीशिबा तेरे लिए एक बेटा पैदा करेगी और तू उसका नाम यूहन्ना रखना।"
- **22:03** फ़ौरन ही, _ ज़करियाह _ गूंगा हो गया।
- **22:07** तब ख़ुदा ने _ ज़करियाह _ को इजाज़त दी और वह फिर से बोलने लगा।

शब्दकोश:

- Strong's: G2197

(**वापस जाओ:** 22:01; 22:02; 22:03; 22:07; 24:01)

ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

ता'अर्रुफ़:

इन सब अलफ़ाज़ का मतलब है ज़िन्दा रहना, मरना नहीं इनका इस्ते'माल 'अलामती तौर पर रूह में ज़िन्दा रहने के लिए भी किया जाता है। मुन्दर्ज़ा ज़ेल से ज़िक्र किया जाता है कि, "जिस्मानी ज़िन्दगी" और "रूहानी ज़िन्दगी" का क्या मतलब है

1. जिस्मानी ज़िन्दगी

- जिस्मानी ज़िन्दगी जिस्म में रूह की हाज़िरी है। ख़ुदा ने आदम के जिस्म में ज़िन्दगी की सांस दी, और वह एक ज़िंदा हो गया।
- एक "ज़िन्दगी" को "एक ज़िन्दगी बचाया गया" के बारे में भी इस्ते'माल किया जा सकता है।
- कभी-कभी लफ़्ज़ "ज़िन्दगी" में रहने के तजरुबे के बारे में बताता है, "उसकी ज़िन्दगी ख़ुशहाल थी"
- यह किसी इन्सान की 'उम्र का भी ज़िक्र कर सकता है, जैसा कि इज़हार में "उसकी ज़िन्दगी की आख़िर" होता है।
- "ज़िन्दा रहना" लफ़्ज़ का मतलब जिस्मानी तौर से जिंदा होने का ज़िक्र कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी ज़िन्दा है।" यह रहने के बारे में ज़िक्र कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- किताब-ए-मुक़द्दस में, "ज़िन्दगी" का तसव्वुर अक्सर "मौत" के तसव्वुर से अलग है।

2. रूहानी ज़िन्दगी

- एक इन्सान की रूहानी ज़िन्दगी है, जब वह ख़ुदा के साथ 'ईसा पर ईमान करता है, तो उस इन्सान को पाक रूह के साथ रूहानी ज़िन्दगी में बदल जाता है।
- इस ज़िन्दगी को "अबदी ज़िन्दगी" कहा जाता है, यह इशारा करने के लिए कि इसका आख़िर नहीं है।
- रूहानी ज़िन्दगी के मुख़तलिफ़ रूहानी मौत है, जिसका मतलब है कि ख़ुदा से अलग होने और अबदी सज़ा का सामना करना।

तर्जुमें की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर "ज़िन्दगी" का तर्जुमा "वजूद" या "इन्सान" या "जान" या "होना" या "तजरुबा" हो सकता है।
- "रहना" लफ़्ज़ का तर्जुमा "रहना" या "बसना" या "वजूद में रहना" किया जा सकता है।
- इज़हार "ज़िन्दगी की आख़िर" का तर्जुमा "ज़िन्दगी की सांस रूक जाए" हो सकता है।
- इज़हार "जान बचा दी" का तर्जुमा "जीने दिया" या "क़त्ल नहीं की" किया जा सकता है।
- इज़हार "जान ख़तरे में डाली" का तर्जुमा हो सकता है, "जान मुसीबत में डाली" या "ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था"।
- जब किताब-ए-मुक़द्दस के मज़मून में रूहानी तौर से ज़िन्दा होने के बारे में बात की जाती है, " मज़मून पर मुनहस्सिर "ज़िन्दगी" का तर्जुमा "रूहानी ज़िन्दगी" या "अबदी ज़िन्दगी" के तौर पर किया जा सकता है।
- "रूहानी ज़िन्दगी" का तसव्वुर का भी तर्जुमा किया जा सकता है क्योंकि "ख़ुदा हमें अपनी रूहों में ज़िन्दा कर रहा है" या "ख़ुदा की रूह से नई ज़िन्दगी" या "रूह में ज़िन्दा किया जाना।"
- मज़मून पर मुनहस्सिर, इज़हार "ज़िन्दगी देना" का तर्जुमा "ज़िन्दा रहने के लिए" या "अबदी ज़िन्दगी दे" या "हमेशा के लिए जीना" के तौर पर भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मौत, अबदी)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 01:3-4
- रसूलों के 'आमाल 10:42-43
- पैदाइश 02:7-8
- पैदाइश 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यरमियाह44: 1-3
- युहन्ना 01: 4-5
- क़ुज़ात 02:18-19
- लूक़ा 12:22-23

- मत्ती. 07:13-14

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **01:10** फिर ख़ुदा ने मिट्टी ली, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें **ज़िन्दगी** की साँस फूँक दी
- **03:01** एक लंबे वक़्त के बा'द, बहुत से लोग दुनिया में **रह रहे** थे।
- **08:13** जब यूसुफ़ के भाई अपने बाप या'क़ूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ़ अब तक **ज़िन्दा** है, यह सुन वह बहुत ख़ुश हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपनी **ज़िन्दगी** के आख़िरी वक़्त में उसने ख़ुदा के ख़िलाफ़ ख़ौफ़नाक गुनाह किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी मज़हब में माहिर एक मुन्तज़िम 'ईसा के पास उसकी आज़माइश लेने के लिए आया, और कहने लगा, "ऐ उस्ताद अबदी **ज़िन्दगी** का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?"
- **35:05** 'ईसा ने जवाब दिया, "मैं क़यामत और **ज़िन्दगी** हूँ।"
- **44:05** "तुम वही हो जिसने रोमी हुकूमत से कहा कि 'ईसा को मार दिया जाएँ। तुम ने **ज़िन्दगी** के मुसन्निफ़ को मार डाला, लेकिन ख़ुदा ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।"

शब्दकोश:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

(**वापस जाओ:** 01:10; 01:11; 02:12; 27:02; 35:09; 35:13; 36:07; 37:05; 42:01; 42:05; 42:09; 43:07; 44:05; 44:08; 45:08; 48:04; 49:09; 49:12; 50:12; 50:13)

फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते

ता'अर्रुफ़:

फ़रिश्ते ख़ुदा के ज़रिए' बनाई गई एक ताक़तवर रूहानी क़ौम है। फ़रिश्ते ख़ुदा की ख़िदमत के लिए है, वह उसका हर एक हुक्म मानते हैं। " हाकिम फ़रिश्ता" या'नी सब फ़रिश्तों पर हुकूमत या रहनुमाई करनेवाला।

- "फ़रिश्ते" का हक़ीक़ी मतलब क़ासिद है ""।
- " हाकिम फ़रिश्ता" का मतलब है, "ख़ास क़ासिद " कलाम में जिस " हाकिम फ़रिश्ता" का ज़िक्र किया गया है, वह मीकाईल है।
- कलाम में फ़रिशतों ने इन्सानों को ख़ुदा की ख़बर सुनाई है। इन ख़बरों में हुक्म थे कि ख़ुदा इंसानों से क्या करवाना चाहता था।
- फ़रिश्तों ने इन्सानों को मुस्तक़बिल के हादसाओं की जानकारी भी दी थी या पहले के हादसों की जानकारी दी थी।
- फ़रिशतों के पास ख़ुदा का इख्तियार होता था, क्यूँकि वह उसके नुमाइन्दे थे। कलाम में कभी-कभी वह ऐसे बोलते थे जैसे ख़ुदा ख़ुद ही कह रहा हो।

इन ख़बरों में हुक्म थे कि ख़ुदा इन्सानों से क्या करवाना चाहता था।

- फ़रिशतों ने इन्सानों को मुस्तक़बिल की की जानकारी भी दी थी या पहले के हादसों की जानकारी दी थी।1) "फ़रिश्ते जो यहोवा के नुमाइन्दे है" या "यहोवा की ख़िदमत करने वाला " 2) इसके बारे में ख़ुद यहोवा हो सकता है, जो इन्सानों से बात करते वक़्त फ़रिश्ते सा दिखाई देता है। * फ़रिशते की ख़ुदा की ख़िदमत के कई शक्लें थीं, इन्सानों की हिफ़ाज़त करना और उन्हें क़ुव्वत अता करना।

तर्जुमा की सलाह:

- "फ़रिश्ते" के तर्जुमा कई तरह कर सकते हैं, "ख़ुदा का क़ासिद" या "ख़ुदा का आसमानी ख़बर देने वाला " या "ख़ुदा का क़ासिद "रूह "।
- "हाकिम फ़रिश्ता" का तर्जुमा "ख़ास फ़रिश्ते" या "ख़ास हाकिम फ़रिश्ता" या "फ़रिश्तों का रहनुमा "।
- तवज्जोह दें कि इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा क़ौमी ज़बान या और मक़ामी ज़बान में कैसे किया गया है।
- "यहोवा का फ़रिश्ता" का तर्जुमा "यहोवा" और "फ़रिश्ते" के तर्जुमा सक्लों के ज़रिए' किया जाए। इससे उस जुमलें के अलग मतलब तर्जुमा में ज़ाहिर होगा। मुनासिब तर्जुमा हो सकते है, "यहोवा का फ़रिश्ता" या "यहोवा के ज़रिए' भेजा गया फ़रिशता" या "यहोवा, जो फ़रिश्ता सा दिखाई देता है।"

(यह भी देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: हाकिम, सिर, फ़रिश्ते, मीकाएल, हाकिम, खादिम)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 24:15-16
- रसूलों के 'आमाल 10:3-6
- रसूलों के 'आमाल 12:22-23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- पैदाइश 48:14-16
- लूका 02:13-14
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:49-50
- मुक़ास्फा 01:19-20
- जकरियाह 01:7-9

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **02:12** ख़ुदा ज़िन्दगी के दरख्त का फल खाने से किसी को रोकने के लिये बाग़ के दरवाज़े पर ताक़तवर **फ़रिशतों** को रखा।
- *_22:03*फ़रिश्ते ने जकरियाह से कहा, "मैं ख़ुदा के ज़रिए' तुझे यह ख़ुशख़बरी सुनाने को भेजा गया हूँ।"
- **23:06** अचानक, एक चमकता **फ़रिश्ता** उन्हें दिखाई दिया , और वह बहुत डर गए। तब **फ़रिश्ते** ने उनसे कहा, " मत डरो; क्यूँकि देखो, मैं तुम्हें बड़ी ख़ुशी की ख़ुशख़बरी सुनाता हूँ" तब **फ़रिश्ते** ने उनसे कहा, " मत डरो; क्यूँकि देखो, मैं तुम्हें बड़े ख़ुशी की ख़ुशख़बरी सुनाता हूँ
- **23:07** तब एका एक **फ़रिशतों** का झुण्ड ख़ुदा की बड़ाई करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया,
- **25:08** तब **फ़रिश्ते** आए और ईसा की ख़िदमत करने लगे।

- **38:12** ईसा बहुत परेशान था और उसका पसीना खून की बूँदो की तरह था। ख़ुदा ने अपना एक **फ़रिश्ता** भेजा उसे क़ूव्वत देने के लिए।
- **38:15** " क्या तू नहीं जनता कि मैं अपने बाप से मिन्नत कर सकता हूँ, और वह _फ़रिश्तों _ की पलटन अभी मेरे पास भेज देगा।"

शब्दकोश:

- Strong's: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

(**वापस जाओ:** 02:12; 16:05; 22:01; 22:02; 22:03; 22:04; 22:05; 22:06; 22:07; 23:01; 23:02; 23:06; 23:07; 23:08; 25:04; 25:08; 38:12; 38:15; 41:04; 41:05; 41:06; 45:07; 50:09; 50:10)

‘इबादत

ता’अर्रुफ़:

“’इबादत करना” या’नी किसी की इज़्ज़त करना, बड़ाई करना और हुक्म मानना, ख़ास करके ख़ुदा का।

- इस लफ़्ज़ का हक़ीक़ी मतलब है, “झुकना” या “सजदा करना” कि किसी की हलीमी से इज़्ज़त करें।
- हम ख़ुदा की ख़िदमत और इज़्ज़त करके, उसकी ता’रीफ़ करके और हुक्म मानकर उसकी ’इबादत करते हैं।
- इस्राईलियों के ज़रिए ख़ुदा की ’इबादत में ज़्यादातर कुर्बानगाह पर जानवर की क़ुर्बानी पेश होती थी।
- कुछ लोग झूठे मा’बूद की ‘इबादत करते थे।

तर्जुमे की सलाह:

- “’इबादत” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है “सजदा करना” या “बड़ाई करना और ख़िदमत करना” या “इज़्ज़त करना और हुक्मों को मानना”।
- कुछ मज़मूनों में इसका तर्जुमा हो सकता है, “हलीमी से ता’रीफ़ करना” या “इज़्ज़त और ता’रीफ़ करें।”

(यह भी देखें: क़ुर्बानी , ता’रीफ़, इज़्ज़त)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 02:18-19
- इस्तिसिना 29:17-19
- ख़ुरूज 03:11-12
- लूका 04:5-7
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:7-8

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल :

- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें ‘अहद दिया और कहा, "मैं तेरा ख़ुदा यहोवा हूँ, जो तुझे ग़ुलामी के घर या’नी मिस्र मुल्क से निकाल लाया है। "तू मुझे छोड़ दूसरों को ख़ुदा करके न मानना |
- **14:02** कना’नियो ने न तो ख़ुदा की ‘इबादत की और न ही हुक्मों को माना उन्होंने झूठे मा’बूदों की ’इबादत की, और बहुत से बुरे काम किए।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक हैकल को ता’मीर करें जिसमें सभी इस्राईली ख़ुदा की _’इबादत _ करें और क़ुर्बानियाँ पेश करें
- **18:12** इस्राईली मुल्क के सभी बादशाह और बहुत से लोग बुतों की _’इबादत _ करते थे।
- **25:07** तब ‘ईसा ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! ख़ुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि 'तू ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा को सजदा कर, और केवल उसी की '_’इबादत _ कर।’”
- **26:02** सब्त के दिन वह(‘ईसा)_’इबादत _ करने की जगह पर गया।
- **47:01** वहा पर वह लुदिया नाम की दीनी‘औरत से मिले जो कि कारोबारी थी। वह बहुत मुहब्बत के साथ ख़ुदावन्द की _’इबादत _ करती थी।
- **49:18** ख़ुदा कहता है कि हम दुआ’ करें, उसका कलाम पढ़ें, और मसीही लोगों के साथ उसकी _ ’इबादत _ करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्दकोश:

- Strong's: H5457, H5647, H6087, H7812, G1391, G1479, G2151, G2318, G2323, G2356, G3000, G3511, G4352, G4353, G4573, G4574, G4576

(**वापस जाओ:** 13:04; 13:05; 13:10; 13:12; 14:02; 14:03; 16:01; 16:03; 16:11; 16:16; 17:06; 18:02; 18:03; 18:09; 18:12; 18:13; 19:02; 19:05; 19:16; 20:01; 20:05; 20:13; 23:10; 25:07; 26:02; 26:07; 26:09; 31:08; 41:08; 47:01; 49:18)

‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया

ता’अर्रुफ़:

लोगों से बातें करना, उन्हें ख़ुदा के बारे में ता’लीम देना और ख़ुदा के हुक्मों को मानने के लिए अमादा करना। 'ऐलान 'का मतलब हमेशा लोगों में खुलकर बोलते हैं |

- ‘ऐलान हमेशा एक इंसान के ज़रिये’ लोगों में किया जाता है। ‘ऐलान बोलकर किया जाता है, लिखकर नहीं।
- “’ऐलान” और “ता’लीम ” एक जैसी बात है लेकिन एक सी नहीं हैं।
- “’एलान ” या’नी रूहानी या सच्चाई की बातें करना और सामईन से जवाब की गुज़ारिश करना। “ता’लीम ” में किसी ख़ास लफ़्ज़ पर ज़ोर दिया जाता है, या’नी आदमियों को ख़बर देना या उन्हें तरबियत देना की उन्हें कैसे काम करना है।
- “’ऐलान ” ज़्यादातर “ख़ुशख़बरी ” के साथ किया जाता है।
- मुबल्लिग़ आदमियों में ‘ऐलान करता है तो उसे आमतौर पर उसकी “तरबियत ” कहते हैं।
- अक्सर किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा का हुक्म दिया गया है कि खुदा के बारे में ‘ऐलान करने के लिए ,या ख़ुदा के बारे में दूसरों को बताना और कैसे बहुत अच्छा ‘एलान करने का मतलब है |
- नये ;अहद नामे में ,रसूलों ने बहुत से अलग अलग शहरों और इलाक़ों ,में जाकर ‘ईसा की ख़ुशख़बरी का ‘ऐलान किया |
- “’ऐलान”लफ़्ज़ के मा’नी बादशाहों की तरफ़ से बताया गया है या आम तौर पर बुराई की मज़म्मत करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है |
- “’ऐलान “में शामिल करने के दूसरे तरीक़ों में “’ऐलान”या “खुली तबलीग़”या “आम तौर पर ‘ऐलान” करना शामिल हो सकता है |
- तमसीली मतलब “’ऐलान “को भी “मुनादी “या लोगों में ख़ुश ख़बरी बताना”के तौर पर इसका तर्जुमा किया जा सकता है |

(यह भी देखें: ख़ुशख़बरी , ‘ईसा , ख़ुदा की बादशाहत)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 2 थिमोती 04:1-2
- रसूलों के आमाल 08:4-5
- रसूलों के आमाल 10:42-43
- रसूलों के आमाल 14:21-22
- रसूलों के आमाल 20:25-27
- लूका 04:42-44
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 12:41
- मत्ती 24:12-14
- रसूलों के आमाल 09:20-22
- रसूलों के आमाल 13:38-39
- यूहन्ना 03:1-3
- लूका 04:18-19
- मरकुस 01:14-15
- मत्ती 10:26-27

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “तोबा करो क्योंकि ख़ुदा की बादशाही नजदीक आ गई है !”
- **30:01** ‘ईसा ने **’ऐलान करने** के लिए और कई अलग- अलग में शहरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शागिर्दों को भेजा।
- **38:01** ‘ईसा मसीह के अवामी ता’लीमों के तीन साल बाद अपनी पहली ता’लीम शुरू किया। ‘ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि वह यरूशलीम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **45:06**इसके बा’द , जहा कही भी वह गए, हर जगह ‘ईसा मसीह का **’ऐलान करते रहे**|
- **45:07** वह सामरिया शहर में गया और वहा लोगों को ‘ईसा के बारे में बताया और बहुत से लोगों बचाए गए |
- **46:06**फ़ौरन ही, शाऊल दमिश्क़ के यहूदियों से **’ करने लगा** कि, "’ईसा ही ख़ुदा का बेटा है!"
- **46:10** फिर कलीसिया ने उन्हें कई और जगहों में ‘ईसा के बारे में **’ऐलान करने** के लिये भेज दिया |
- **47:14** पौलुस और और मसीही रहनुमाओं ने कई शहरों में ‘ईसा का **’ऐलान किया** और लोगों को ख़ुदा के कलाम की ता’लीम दी।

- **50:02** जब ‘ईसा ज़मीन पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे शागिर्द दुनिया में हर जगह लोगों को ख़ुदा की बादशाहत के बारे में ख़ुशख़बरी का **’ऐलान करेंगे**, और फिर क़यामत आ जाएगी ।"

शब्दकोश:

- (for proclaim): H1319, H1696, H1697, H2199, H3045, H3745, H4161, H5046, H5608, H6963, H7121, H7440, H8085, G518, G591, G1229, G1861, G2097, G2605, G2782, G2784, G2980, G3142, G4135

(**वापस जाओ:** 24:02; 30:01; 38:01; 45:06; 45:07; 46:06; 46:07; 46:08; 46:10; 47:11; 47:14; 50:02)

'अहद , 'अहदों,नया 'अहद

ता'अर्रुफ़:

'अहद एक ज़ाहिरी इक़रार नामा है जिसे दोनों फ़र्दों को निभाना होता है।

यह समझौता दो आदमियों , दो लोगों के झुण्ड में या ख़ुदा और इन्सानों के बीच हो सकता है।

- इन्सान जब एक दूसरे के साथ 'अहद बांधते हैं तब वे कुछ वा'दे करते हैं और उनका पूरा करना ज़रूरी होता है।
- इन्सानों के बीच 'अहद की मिसालें हैं, शादी , तिजारती समझौते तथा मुल्कों के बीच सुलह
- पूरे कलाम में ख़ुदा ने अपने लोगों के साथ बहुत से 'अहद बांधे हैं।
- कुछ 'अहदों में ख़ुदा ने बिना शर्त अपन किरदार निभाने का वा'दा किया है। * मिसाल के तौर पर जब ख़ुदा ने इन्सानों के साथ 'अहद बांधा था कि वह ज़मीन को पानी के अज़ाब से कभी हलाक नहीं करेगा तो उसमें इन्सानों का कोई किरदार नहीं था ।
- और वा'दों में ख़ुदा ने अपन किरदार निभाने की शर्तें रखी थी कि इन्सान हुक्मों को मानें और अपना फ़र्ज़ निभाएं।

इस लफ़्ज़ के तम्सीली"नया 'अहद "'ईसा की कुर्बानी के ज़रिये ऐसे लोगों के साथ इरादा या 'अहद से मतलब रखता है |

- किताब-ए-मुक़द्दस के "नए 'अहद नामे "के नाम से खुदा के "नए अहद "के बारे में बताया है |
- ये नया अहद "पुराने अहद नामे "या पिछले अहद के बार ख़िलाफ़ है जिस को खुदा ने इस्राईलियों के साथ बना दिया था
- नया "वादा"एक से ज़्यादा हैं क्यूँकि ये 'ईसा की क़ुर्बानी पर मुनहसिर है जो मुकम्मल तौर पर लोगों के गुनाहों के लिए ज़ोर दिया गया है | पुराने अहद के तहत कुर्बानियों के ज़रिये नहीं किया |
- ख़ुदा अपने लोगों के दिलों पर जो 'ईसा में ईमान रखते हैं उन को हाकिम बनाता है | यह उन लोगों की वजह से है जो ख़ुदा की फरमाबरदारी और मुक़द्दस ज़िन्दगी को फिर से शुरू करना चाहते हैं |
- नये सरदार को पूरे तरह आखीर के दिनों में पूरा करेगा जब खुदा ज़मीन पर ऐसे हाकिमो को कायेम करेगा | सब कुछ एक बार फिर बहुत अच्छा होगा ,क्यूँकि जब खुदा ने पहले दुनिया को बनाया |

तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के तर्जुमें इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "बंधा समझौता" या "पूरा सौंपना " या "जुड़ा " या "'अहद में बंधा "।
- कुछ ज़बानों में 'अहद बांधने की एक तरफ़ा या दो तरफ़ा वा'दों के मुताबिक़ अलग-अलग लफ़्ज़ होते हैं। अगर 'अहद एक तरफ़ा है तो इसका तर्जुमा "वा'दा" या "'अहद " हो सकता है।
- तय करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसा न सुनाई दे कि आदमियों ने 'अहद को पेश किया है। ख़ुदा और आदमियों के बीच सब वादों में ख़ुदा ही 'अहद का वाकिफ़ है।

नया 'अहद "इस्तलाह "नए रस्मी 'अहद "या 'अहद को दिया "के तौर पर तर्जुमा किया जाता है | इन इज़हार में "नया"लफ़्ज़ ताज़ा या "नई किस्म "या दूसरे का मतलब है |

(यह भी देखें: नया 'अहद, वा'दा)

किताब-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 09:11-13
- पैदाइश 17:7-8
- पैदाइश 31:43-44
- ख़ुरूज 34:10-11
- यहोशू' 24:24-26
- 2 समूएल 23:5
- 2 सलातीन 18:11-12
- मरकुस 14:22-25
- लूका 01:72-75
- लूका 22:19-20
- रसूलों के 'आमाल 07:6-8
- 1 कुरन्थियों 11:25-26
- 2 कुरन्थियों 03:4-6

- गलतियों 03:17-18
- इब्रानियों 12:22-24

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **04:09** फिर ख़ुदा ने अब्राम के साथ एक _'अहद _ बांधा। _'अहद _ दो जमा'तों के बीच एक रज़ामन्दी होती है।
- **05:04** "मैं इस्माईल को भी एक बड़ी कौम बनाऊंगा, लेकिन मेरा _'अहद _ इसहाक़ के साथ होगा ।"
- **06:04** एक लंबे वक़्त के बा'द इब्राहीम की मौत हो गयी, ख़ुदा ने इब्राहीम से जो _'अहद _ किया था उसके मुताबिक़ , ख़ुदा ने इसहाक़ को बरकत दी।
- **07:10** ख़ुदा ने इब्राहीम के नस्लों के बारे में जो _'अहद _ उससे किया था , वह इब्राहीम से इसहाक़ और इसहाक़ से याक़ूब कोदिया "
- **13:02** ख़ुदा ने मूसा से कहा कि वह इस्राईलियों से कहे ," अब अगर तुम ज़रूर मेरी मानोगे, और मेरे _'अहद _ को माना करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरे लोग ठहरोगे, सारी ज़मीन तो मेरी है, और तुम मेरी निगाह में काहिनो का मुल्क और मुक़द्दस कौम ठहरोगे।"
- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें _'अहद _ दिया और कहा, "मैं तेरा ख़ुदा यहोवा हूँ, जो तुझे ग़ुलामी के घर या'नी मिस्र मुल्क से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ख़ुदा करके न मानना।"
- **15:13** तब यशू'अ ने इस्राईलियों को वह _'अहद _ याद दिलाया जो उन्होंने ख़ुदा के साथ सीना पहाड़ पर किया था , कि वह उसको माना करेंगे।
- **21:05** यर्मियाह नबी के ज़रिये' खुदा ने वा'दा किया था कि वह _'अहद _करेगा ,लेकिन सिनाई में इस्राईल के साथ किये गये 'अहद की तरह नहीं | मेंवा'दाख़ुदा लोगों के दिल पर अपनी शरी'अत लिखेंगे लोग ख़ुदा को शख्सी तौर पर जानेगे वह उनके लोग होंगे और ख़ुदा उनके गुनाहों को मु'आफ़ करेगा | मसीह नया _'अहद _शुरू' करेगा |
- **21:14** मसीह की मौत और दोबारा ज़िन्दा होने के ज़रिये से ,ख़ुदा गुनहगारों को बचाने और _'अहद _को शुरू और पूरा करने का मंसूबा बनायेगा | .
- **38:05** फिर 'ईसा ने एक प्याला लिया और कहा,"इसे पियो | यह मेरा खून _'अहद _तुम्हारे लिए अहद का है जो तुम्हारे गुनाहों की मु'आफी के लिए बहाया जाता है | हर बार जब आप इसे पीते है तो मुझे याद रखने के लिए ऐसा करें |
- **48:11** लेकिन ख़ुदा ने अब एक **'अहद _ बनाया है जो हर किसी के लिए मौजूद है |. इस वजह से _'अहद**किसी भी इन्सान की कौम से कोई भी 'ईसा में यक़ीन करके ख़ुदा के लोगों का हिस्सा बन सकता है |

शब्दकोश:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

(**वापस जाओ:** 04:09; 05:03; 05:04; 06:04; 13:02; 13:04; 14:01; 15:13; 20:01; 21:05; 48:11)

’अक़्लमंद ,’अक़्ल

ता’आरुफ़:

“अक़्लमंद” वह इन्सान है जो समझता है कि करने के लिए क्या सही और अच्छा है और उसे करता है। “अक़्ल” जो सच और अच्छाई में सही है उसे समझना और उसको महसूस करना।

- अक़्लमंद होना या’नी सही फ़ैसला लेने की सलाहियत , ख़ास करके ख़ुदा को ख़ुश करने वाले काम करना।
- किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में “दुनयावी अक़्ल” एक तम्सीली ज़ाहिरयत है जो इस दुनिया में इन्सानों की समझ में अक़्लमंदी को ज़ाहिर करती है जबकि वह हक़ीक़त में बेवक़ूफ़ी है।
- इन्सान ख़ुदा की बात सुनकर और हलीमी से उसकी मर्ज़ी को मान करके अक़्ल मंद बनते हैं
- अक़्लमंद इन्सान अपनी ज़िन्दगी में पाक -रूह के फल-ख़ुशी , हलीमी , मुहब्बत , सब्र -ज़ाहिर करता है।

तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ “अक़्लमंद” लफ़्ज़ के और तर्जुमे हो सकते हैं, “ख़ुदा के फ़र्माबरदार ” या “समझदार और फ़र्माबरदार” या “ख़ुदा का खौफ़ माननेवाले।”
- “अक़्ल” के तर्जुमे में एक ऐसा लफ़्ज़ या जुमला काम में लें जिसका मतलब है, “अक़्लमंदी की ज़िन्दगी ” या “समझदारी और फ़र्माबर्दारी की ज़िन्दगी ” या “सही फ़ैसला ”
- “अक़्ल” और “अक़्लमंदी” के तर्जुमे और ख़ास लफ़्ज़ों जैसे रास्तबाज़ी या फ़र्माबर्दारी से अलग होना सही है।

(यह भी देखें: फ़र्माबर्दारी, फल)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- ख़ुरूज 31:6-9
- पैदाइश 03:4-6
- यसा’याह . 19:11-12
- यरमियाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें :

- **02:05**वह _ अक़्लमंद _ भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलेमान ने _ अक़्ल _ माँगी, ख़ुदा उससे ख़ुश हुआ और उसे दुनिया का _सबसे अक़्लमंद _ आदमी बना दिया।
- **2-3:09** कुछ वक़्त बाद _नजूमियों _ ने पूरब में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफ़नुस) एक अच्छा इज़्ज़तदार इन्सान था और पाक रूह और _ अक़्ल _ से भरा था।

शब्दकोश:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

(**वापस जाओ:** 02:05; 18:01; 23:09; 45:01)

योगदानकर्ताओं

Open Bible Stories Translation Notes योगदानकर्ताओं

Acsah Jacob
Dr. Bobby Chellappan
Dr. Joseph Jekab
Hind Prakash
Jinu Jacob
Vipin Bhadran

Open Bible Stories योगदानकर्ताओं

Antoney Raj
Cdr. Thomas Mathew
Dr. Bobby Chellappan
Hind Prakash
Shojo John
Vipin Bhadran

Translation Academy योगदानकर्ताओं

Acsah Jacob
Dr. Bobby Chellappan
Hind Prakash
Jinu Jacob
Dr. Joseph Jekab
Vipin Bhadran

translationWords योगदानकर्ताओं

Antoney Raj
Cdr. Thomas Mathew
Dr. Bobby Chellappan
Hind Prakash
Shojo John